UPSC 2026

संघ लोक सेवा आयोग

NODIA

प्रधानाचार्य एवं उप-प्रधानाचार्य

भाग - 4 (हिन्दी माध्यम)

शिक्षा में शिक्षाशास्त्र
Pedagogy in Education

अध्यायवार MCQs

Nodia

Scan QR for Demo PDF

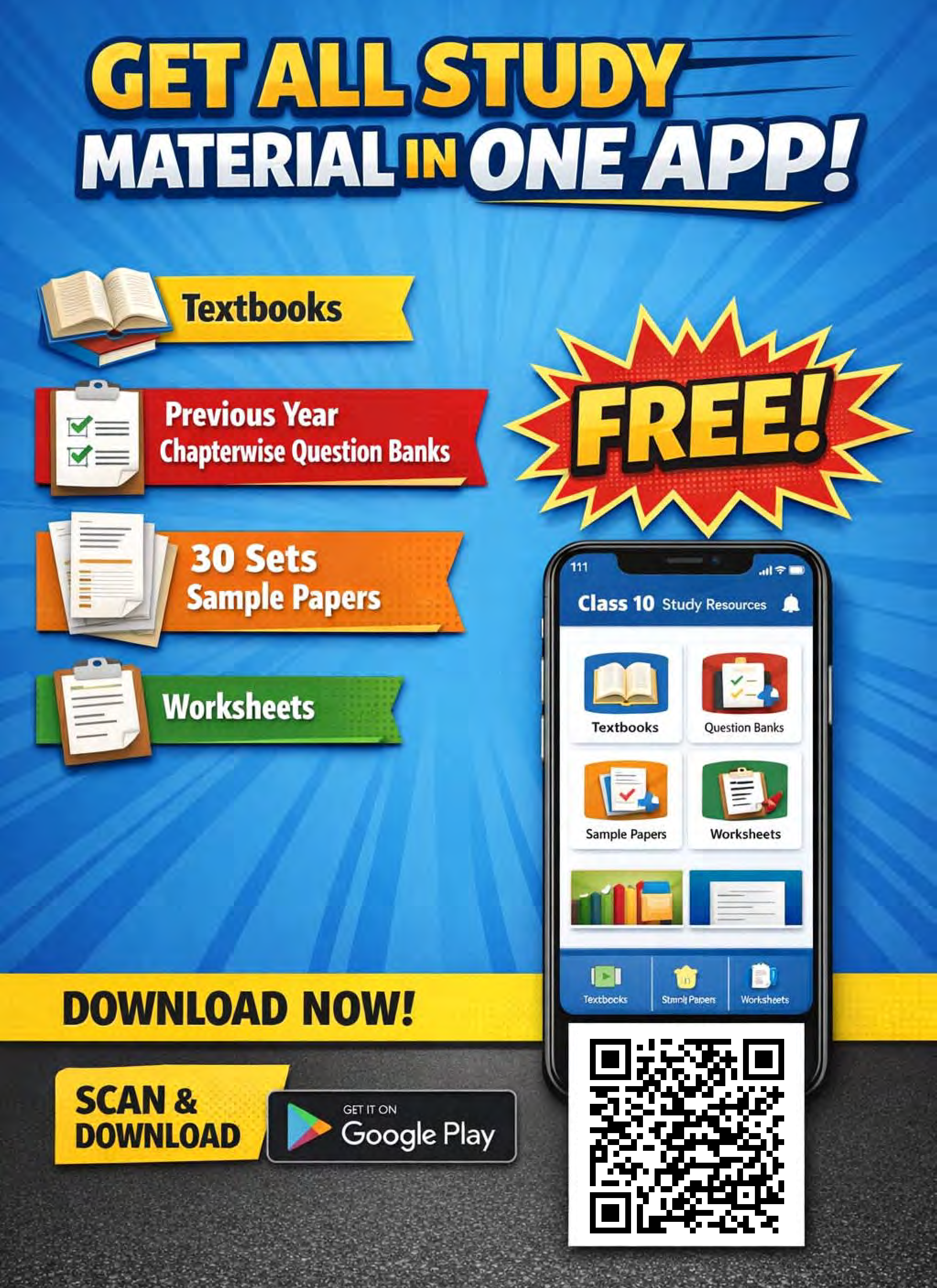
GET ALL STUDY MATERIAL IN ONE APP!
Textbooks
Previous Year Chapterwise Question Banks
30 Sets Sample Papers
Worksheets
FREE!
Class 10 Study Resources
Textbooks
Question Banks
Sample Papers
Worksheets
Textbooks
Worksheets
DOWNLOAD NOW!
SCAN & DOWNLOAD
GET IT ON
Google Play

UPSC 2026

संघ लोक सेवा आयोग

PRINCIPAL & VICE PRINCIPAL

प्रधानाचार्य एवं उप प्रधानाचार्य

PART–4

PEDAGOGY IN EDUCATION

शिक्षा में शिक्षाशास्त्र

अध्यायवार वस्तुनिष्ठ प्रश्न बैंक
नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुसार

Nodia

Downloaded from www.pdf.tube

UPSC प्रधानाचार्य एवं उप प्रधानाचार्य शिक्षा में शिक्षाशास्त्र भाग 4
Edition July 2026
Published by :Nodia
An Imprint of NODIA EDITIONS LLP

इस पुस्तक में निहित जानकारी लेखक द्वारा ऐसे स्रोतों से प्राप्त की गई है जिन्हें विश्वसनीय माना गया है। तथापि, Nodia तथा इसके लेखक इस पुस्तक में दी गई किसी भी जानकारी की शुद्धता, पूर्णता अथवा अद्यतनता की कोई गारंटी नहीं देते हैं। इस पुस्तक में किसी प्रकार की त्रुटि, चूक अथवा इसमें निहित जानकारी के उपयोग से उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हानि के लिए Nodia तथा इसके लेखक उत्तरदायी नहीं होंगे। यह पुस्तक इस समझ के साथ प्रकाशित की गई है कि Nodia तथा इसके लेखक केवल सामान्य जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं। इसका उद्देश्य अभियांत्रिकी (Engineering) अथवा किसी अन्य व्यावसायिक या विशेषज्ञ सेवा अथवा परामर्श प्रदान करना नहीं है।

© NODIA EDITIONS LLP

MRP ₹400.00

NODIA

NODIA EDITIONS LLP
125, Sector 6, Vidyadhar Nagar, Jaipur 302039
Phone :+91 9001005245
email : mail@nodia.in

विषय-सूची

अध्याय 1.	शिक्षाशास्त्र : अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र	5
अध्याय 2.	शिक्षण विधियाँ एवं उपागम	47
अध्याय 3.	अधिगम के सिद्धांत	89
अध्याय 4.	पाठ्यचर्या विकास एवं अभिकल्पना	134
अध्याय 5.	शिक्षण सहायक सामग्री एवं शैक्षिक प्रौद्योगिकी	178
अध्याय 6.	कक्षा प्रबंधन की तकनीकें	221
अध्याय 7.	समावेशी शिक्षा एवं विविध शिक्षार्थी	262
अध्याय 8.	अभिप्रेरणा एवं कक्षा मनोविज्ञान	304
अध्याय 9.	अधिगम हेतु आकलन	347

****

Click Here to Buy book on Amazon

NODIA

अध्याय 01

शिक्षाशास्त्र : अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र

1. आधुनिक शिक्षा के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) को सबसे अच्छी तरह परिभाषित करता है?
(A) अनुशासन और कक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन कराना
(B) शिक्षण की पद्धति और अभ्यास, जिसमें सैद्धांतिक अवधारणाएं और व्यावहारिक रणनीतियां दोनों शामिल हैं
(C) शैक्षणिक संसाधनों के लिए वार्षिक विद्यालय बजट (Annual School Budget) तैयार करने की प्रक्रिया
(D) अनुदेशात्मक डिजाइन (Instructional Design) के संदर्भ के बिना केवल बाल मनोविज्ञान का अध्ययन करना

2. शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) को परिभाषित करते समय,इसे अक्सर एक कला और विज्ञान दोनों के रुप में वर्णित किया जाता है। शिक्षाशास्त्र का "विज्ञान" पहलू मुख्य रुप से किसे संदर्भित करता है?
(A) छात्रों से जुड़ने की शिक्षक की सहज क्षमता
(B) शिक्षण सामग्री का सौंदर्यशास्त्र आधारित प्रस्तुतीकरण
(C) छात्र प्रगति का प्रशासनिक दस्तावेज़ीकरण (Administrative Documentation)
(D) साक्ष्य-आधारित मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों और व्यवस्थित अनुदेशात्मक डिजाइन (Instructional Design) का अनुप्रयोग

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) को नियमों का एक स्थिर सेट होने के बजाय एक गतिशील अनुशासन माना जाता है।
कारण (R): शैक्षणिक प्रथाओं को सामाजिक जरूरतों, तकनीकी प्रगति और नए मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में परिवर्तनों के अनुसार लगातार अनुकूलित होना चाहिए।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

4. शैक्षिक चर्चाओं में, निम्नलिखित में से किसे आमतौर पर शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) का मुख्य आयाम नहीं माना जाता है?
(A) अनुदेशात्मक तकनीकें और रणनीतियां (Instructional Techniques and Strategies)
(B) शिक्षार्थी की विशेषताओं की समझ
(C) विद्यालय निधियों का वैधानिक लेखा परीक्षा (Statutory Auditing)
(D) ज्ञान के बारे में दार्शनिक धारणाएं

5. शिक्षण के निम्नलिखित तत्वों पर विचार कीजिए:
I. सीखने की सामग्री का चयन
II. छात्र की समझ का मूल्यांकन (Assessment)
III. विद्यालय के भौतिक बुनियादी ढांचे (Physical Infrastructure) का रखरखाव
उपरोक्त में से कौन सा/से सख्ती से शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) की परिभाषा के अंतर्गत आता/आते हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

6. शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) की प्रकृति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसका संबंध केवल इससे है कि क्या पढ़ाया जाता है, इससे नहीं कि इसे कैसे पढ़ाया जाता है।
II. यह शिक्षकों, छात्रों और सीखने के वातावरण के बीच बातचीत को आकार देता है।
III. इसमें नियोजन, निष्पादन और चिंतन (Reflection) का एक निरंतर चक्र शामिल है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

7. एक प्राचार्य एक शिक्षक को कक्षा के बीच में पाठ योजना (Lesson Plan) में सफलतापूर्वक संशोधन करते हुए देखता है क्योंकि छात्र अवधारणा को समझने में संघर्ष कर रहे थे। यह संशोधन शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) को किसके रूप में सर्वोत्तम रूप से दर्शाता है?
(A) निश्चित पाठ्यचर्या जनादेश (Fixed Curricular Mandate)
(B) चिंतनशील और अनुकूली अभ्यास (Reflective and Adaptive Practice)
(C) नौकरशाही अनुपालन उपाय (Bureaucratic

Downloaded from www.pdf.tube

Compliance Measure)

(D) योगात्मक मूल्यांकन उपकरण (Summative Evaluation Tool)

8. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के "मानक" (Normative) आयाम का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

(A) रोजमर्रा के कक्षा वातावरण में शिक्षक के व्यवहार का व्यवस्थित अवलोकन करना

(B) मानकीकृत परीक्षण प्रणालियों के लिए सांख्यिकीय प्रदर्शन मानदंड स्थापित करना

(C) शैक्षिक अभ्यास के दार्शनिक लक्ष्यों और मूल्यों (Philosophical Goals and Values) को निर्धारित करना

(D) औपचारिक स्कूली शिक्षा और संस्थानों में ऐतिहासिक विकास का दस्तावेज़ीकरण (Documentation) करना

9. एक स्टाफ बैठक के दौरान, प्राचार्य इस बात पर जोर देते हैं कि शिक्षण को केवल सूचना प्रसारित करने के बजाय समग्र विकास (Holistic Development) पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह निर्देश शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के किस दृष्टिकोण से सबसे निकटता से मेल खाता है?

(A) व्यवहार संशोधन के रूप में शिक्षाशास्त्र (Pedagogy as Behavior Modification)

(B) उपदेशात्मक अनुदेशन के रूप में शिक्षाशास्त्र (Pedagogy as Didactic Instruction)

(C) व्यावसायिक प्रशिक्षण के रूप में शिक्षाशास्त्र (Pedagogy as Vocational Training)

(D) मानवतावादी सुविधा के रूप में शिक्षाशास्त्र (Pedagogy as Humanistic Facilitation)

10. कौन सा कथन किसी अवधारणा को उसके शैक्षणिक अर्थ के साथ गलत तरीके से जोड़ता है?

(A) पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज (Pedagogical Content Knowledge - PCK): अनुदेशात्मक आपूर्ति पर वित्तीय व्यय

(B) अनुदेशात्मक रणनीति (Instructional Strategy): किसी मुख्य अवधारणा को प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए व्यापक शैक्षणिक योजना

(C) शिक्षण रणनीति (Teaching Tactic): कक्षा अनुदेशन में गतिशील रूप से नियोजित एक लक्षित, अल्पकालिक व्यावहारिक कार्रवाई

(D) शैक्षणिक रुख (Pedagogical Stance): छात्र अधिगम के प्रति व्यक्तिगत शिक्षक का समग्र दार्शनिक दृष्टिकोण

11. मुख्य कारण क्या है कि शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) को केवल यांत्रिक शिक्षण तकनीकों के एक समूह तक सीमित नहीं किया जा सकता है?

(A) तकनीकों को विभिन्न विषय क्षेत्रों में प्रलेखित या मानकीकृत नहीं किया जा सकता है।

(B) अधिगम में जटिल, अप्रत्याशित मानवीय बातचीत और संदर्भ शामिल होते हैं।

(C) तकनीकें विशेष रूप से उन्नत शैक्षणिक अध्ययन वातावरण के लिए उपयुक्त हैं।

(D) यांत्रिक तकनीकों के लिए उन्नत तकनीकी संसाधनों पर निरंतर निर्भरता की आवश्यकता होती है।

12. "पेडागोजी" (Pedagogy) शब्द ग्रीक शब्द "Paidagogos" से बना है। मूल रूप से, प्राचीन ग्रीस में, एक Paidagogos था:

(A) एक औपचारिक शास्त्रीय अकादमी का प्रबंधन करने वाला एक वरिष्ठ प्रशासनिक प्रधानाध्यापक

(B) एक गुलाम जो बच्चे के साथ स्कूल जाता था और नैतिक आचरण का मार्गदर्शन करता था

(C) वक्तृत्व कला और सार्वजनिक चर्चा सिखाने वाला एक पेशेवर दार्शनिक विद्वान

(D) नागरिक शिक्षा के लिए नामित नगर निगम के धन की देखरेख करने वाला एक सार्वजनिक मजिस्ट्रेट

13. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) शब्द की व्युत्पत्ति संबंधी उत्पत्ति को दर्शाता है?

(A) "Paidos" (बालक) + "agogos" (नेता/मार्गदर्शक)

(B) "Pedia" (अधिगम) + "gogy" (अध्ययन)

(C) "Ped" (पैर) + "agogos" (मार्ग)

(D) "Paideia" (संस्कृति) + "gos" (प्रणाली)

14. ऐतिहासिक रूप से, शिक्षाशास्त्र को केवल "बच्चों की देखरेख" के रूप में देखने से एक व्यवस्थित "शिक्षा के विज्ञान" के रूप में देखने का बदलाव 19वीं सदी के किस दार्शनिक के काम से सबसे निकटता से जुड़ा हुआ है?

(A) जॉन लॉक (John Locke)

(B) जीन-जैक रूसो (Jean-Jacques Rousseau)

(C) जोहान फ्रेडरिक हरबर्ट (Johann Friedrich Herbart)

(D) बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner)

15. शैक्षणिक विचारों में निम्नलिखित ऐतिहासिक परिवर्तनों पर विचार कीजिए:

I. शिक्षण विधियों में मनोवैज्ञानिक अनुसंधान का एकीकरण।

II. रटकर याद करने से अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) की ओर बदलाव।

III. शिक्षक के पूर्ण अधिकार से शिक्षार्थी की स्वायत्तता पर जोर देना।

IV. भौतिक कक्षाओं का पूरी तरह से आभासी वातावरण से प्रतिस्थापन।

इनमें से कौन मुख्यधारा के शैक्षणिक सिद्धांत में वास्तविक ऐतिहासिक विकास का प्रतिनिधित्व करते हैं?

(A) केवल I, II और III

(B) केवल II, III और IV

(C) केवल I, III और IV

NODIA

(D) I, II, III और IV

16. शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के विकास को रेखांकित करने में, रुसो की "एमाइल" (Emile) ने निम्नलिखित की वकालत करके एक महत्वपूर्ण बदलाव चिह्नित किया:
(A) सख्त अनुशासनात्मक अभ्यास (Strict Disciplinary Practice)
(B) राज्य-नियंत्रित एकसमान पाठ्यक्रम
(C) प्राकृतिक और बाल-केंद्रित अधिगम (Child-Centered Learning)
(D) शिक्षाशास्त्र के मूल के रूप में धार्मिक उपदेश

17. शिक्षाशास्त्र का विशुद्ध रूप से दार्शनिक खोज से अनुभवजन्य अवलोकन और मनोविज्ञान में निहित प्रक्रिया में संक्रमण किसकी एक पहचान है?
(A) मध्यकालीन यूरोपीय विद्वतावादी काल
(B) 19वीं सदी के उत्तरार्ध और 20वीं सदी की शुरुआत
(C) उत्तर-आधुनिक शैक्षिक युग
(D) शास्त्रीय प्राचीन ग्रीक काल

18. 20वीं सदी की शुरुआत में किस प्रगतिशील शिक्षक के काम ने शैक्षणिक विकास को उपयोगितावाद (Pragmatism) और "करके सीखने" (Learning by Doing) की ओर मौलिक रूप से स्थानांतरित कर दिया?
(A) मारिया मोंटेसरी (Maria Montessori)
(B) फ्रेडरिक फ्रोबेल (Friedrich Froebel)
(C) लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky)
(D) जॉन डीवी (John Dewey)

19. एक प्राचार्य ध्यान देता है कि पुराने शिक्षक व्याख्यान पर अधिक भरोसा करते हैं, जबकि नए शिक्षक सहयोगात्मक समूह कार्य का उपयोग करते हैं। ऐतिहासिक रूप से, यह शैक्षणिक विकास को दर्शाता है:
(A) व्यवहारवाद (Behaviorism) से निर्मितिवाद (Constructivism) की ओर
(B) निर्मितिवाद (Constructivism) से आवश्यकतातत्ववाद (Essentialism) की ओर
(C) उपयोगितावाद (Pragmatism) से शाश्वतवाद (Perennialism) की ओर
(D) मानवतावाद (Humanism) से व्यवहारवाद (Behaviorism) की ओर

20. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षाशास्त्र के ऐतिहासिक विकास का सटीक प्रतिबिंब नहीं है?
(A) शिक्षक-प्रधान अनुदेशन से शिक्षार्थी-सुविधाजनक अन्वेषण की ओर
(B) ज्ञान के निष्क्रिय ग्रहण से ज्ञान के सक्रिय निर्माण की ओर
(C) बहुविषयक अधिगम से वापस विषयों के सख्त विभाजन (Strict Compartmentalization of Subjects) की ओर
(D) केवल बुद्धि पर ध्यान केंद्रित करने से समग्र विकास (Holistic Development) की ओर

21. एक स्कूल अपने शिक्षण ढांचे को नया रूप दे रहा है। प्राचार्य का कहना है कि शिक्षकों को न केवल सामग्री प्रदान करनी चाहिए बल्कि नैतिक मार्गदर्शक और सामाजिक कौशलों के सुविधाप्रदाता के रूप में भी कार्य करना चाहिए। यह दृष्टिकोण शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) की व्युत्पत्ति संबंधी जड़ से मेल खाता है क्योंकि:
(A) यह नैतिक और समग्र बाल पर्यवेक्षण की प्राचीन "Paidagogos" भूमिका को दर्शाता है।
(B) यह पेशेवर शिक्षक की भूमिका को सख्ती से अकादमिक विषय-वस्तु विशेषज्ञता देने तक सीमित करता है।
(C) यह शिक्षक की जिम्मेदारियों को विशेष रूप से भौतिक कक्षा के भीतर अनुदेशात्मक गतिविधियों तक सीमित करता है।
(D) यह जानबूझकर छात्र के नैतिक और सामाजिक विकास से बौद्धिक विकास को विभाजित करता है।

22. कौन सा क्रम प्रमुख शैक्षणिक प्रतिमानों के सामान्य ऐतिहासिक प्रगति का सही प्रतिनिधित्व करता है?
(A) निर्मितिवाद (Constructivism) → व्यवहारवाद (Behaviorism) → पारंपरिक प्रसारण (Traditional Transmission)
(B) पारंपरिक प्रसारण (Traditional Transmission) → व्यवहारवाद (Behaviorism) → निर्मितिवाद (Constructivism)
(C) व्यवहारवाद (Behaviorism) → पारंपरिक प्रसारण (Traditional Transmission) → निर्मितिवाद (Constructivism)
(D) निर्मितिवाद (Constructivism) → पारंपरिक प्रसारण (Traditional Transmission) → व्यवहारवाद (Behaviorism)

23. एक अनुशासन के रूप में, शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) को सर्वोत्तम रूप से वर्णित किया गया है:
(A) एक शुद्ध अनुभवजन्य विज्ञान जो विशेष रूप से नियंत्रित प्रयोगशाला प्रयोगात्मक अनुसंधान पर निर्भर करता है
(B) विविध मूलभूत शैक्षणिक विषयों पर आधारित एक व्यावहारिक विज्ञान और कला
(C) कानूनी और संस्थागत विनियमन की एक अत्यधिक विशिष्ट प्रशासनिक उप-शाखा
(D) व्यावहारिक अनुदेशात्मक सेटिंग्स के लिए सीधे आवेदन के बिना डिज़ाइन किया गया एक अमूर्त सैद्धांतिक क्षेत्र

24. अध्ययन के एक क्षेत्र के रूप में शिक्षाशास्त्र का समर्थन करने वाला मूलभूत स्तंभ निम्नलिखित में से कौन सा अनुशासन नहीं माना जाता है?
(A) मनोविज्ञान (Psychology)
(B) समाजशास्त्र (Sociology)
(C) मुद्राशास्त्र (Numismatics)

Click Here to Buy book on Flipkart

(D) दर्शनशास्त्र (Philosophy)

25. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) स्वाभाविक रूप से अध्ययन का एक अंतर-विषयक (Interdisciplinary) क्षेत्र है।
कारण (R): प्रभावी शिक्षण के लिए यह समझने की आवश्यकता होती है कि मानव मन कैसे काम करता है, शिक्षार्थी का सामाजिक संदर्भ क्या है, और शिक्षा के नैतिक उद्देश्य क्या हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

26. शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) की प्रकृति के संदर्भ में, "वर्णनात्मक" (Descriptive) पहलू का तात्पर्य है:
(A) विभिन्न शैक्षिक संदर्भों में शिक्षण प्रथाएं कैसे होती हैं, इसका दस्तावेज़ीकरण (Documentation) और व्याख्या करना
(B) व्यवस्थित रूप से मानक व्यवहार मानकों को निर्धारित करना जो पेशेवर शिक्षकों को बनाए रखना चाहिए
(C) कक्षा शिक्षण अभ्यास करने वाले पेशेवरों के लिए अनिवार्य नैतिक दिशानिर्देश बनाना और लागू करना
(D) स्कूल के बुनियादी ढांचे और सीखने की सामग्री की आर्थिक दक्षता (Economic Efficiency) का विश्लेषण और मूल्यांकन करना

27. एक अनुशासन के रूप में शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) की प्रकृति के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) यह अधिगम सिद्धांत और कक्षा अभ्यास के बीच की खाई को पाटता है।
(B) यह उस सांस्कृतिक संदर्भ से स्वतंत्र रूप से काम करता है जिसमें इसे लागू किया जाता है।
(C) इसमें अभ्यासकर्ता द्वारा निरंतर चिंतन और अनुकूलन शामिल है।
(D) यह अधिगम के संज्ञानात्मक और सामाजिक-संवेगात्मक दोनों पहलुओं को संबोधित करता है।

28. निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. यह संदर्भ पर निर्भर करता है।
II. यह पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ और मूल्य-तटस्थ है।
III. इसमें शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच एक संवादात्मक प्रक्रिया शामिल है।
इनमें से कौन शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) की प्रकृति का सही वर्णन करता है?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

29. छात्रों की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर शिक्षक के शैक्षणिक दृष्टिकोण में अक्सर बदलाव होना चाहिए। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) है:
(A) सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से स्थित (Socially and Culturally Situated)
(B) प्रक्रियाओं का एक स्थिर सेट (Static Set of Procedures)
(C) मुख्य रूप से एक प्रशासनिक कार्य
(D) बाहरी पर्यावरणीय कारकों से स्वतंत्र

30. कौन सा प्रतिमान (Paradigm) शिक्षाशास्त्र को केवल एक तकनीकी कौशल के रूप में नहीं बल्कि एक गहराई से नैतिक और राजनीतिक कार्य के रूप में देखता है?
(A) प्रत्यक्षवादी प्रतिमान (Positivist Paradigm)
(B) व्यवहारवादी प्रतिमान (Behaviorist Paradigm)
(C) आलोचनात्मक प्रतिमान (Critical Paradigm)
(D) आवश्यकतातत्ववादी प्रतिमान (Essentialist Paradigm)

31. जब शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) को एक "नैदानिक अभ्यास" (Clinical Practice) के रूप में वर्णित किया जाता है, तो इसका तात्पर्य है कि शिक्षकों को:
(A) प्राथमिक शैक्षिक ध्यान केवल शारीरिक स्वास्थ्य और शारीरिक कल्याण की निगरानी पर देना चाहिए
(B) कक्षा अनुदेशन शुरू करने से पहले व्यवस्थित रूप से व्यापक नैदानिक चिकित्सा मूल्यांकन (Clinical Medical Assessment) पूरा करना चाहिए
(C) योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों के सीधे पर्यवेक्षण और प्राधिकरण के तहत दैनिक शैक्षणिक गतिविधियों को अंजाम देना चाहिए
(D) सीखने के अंतराल का व्यवस्थित रूप से निदान करना चाहिए और लक्षित अनुदेशात्मक हस्तक्षेप (Instructional Intervention) लागू करना चाहिए

32. शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के दायरे का सबसे उपयुक्त विवरण निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) यह पारंपरिक भौतिक कक्षा स्थानों के भीतर होने वाले औपचारिक प्रत्यक्ष लेनदेन तक सख्ती से सीमित है।
(B) यह विशेष रूप से अंतिम योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation) आयोजित करने में उपयोग की जाने वाली प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर केंद्रित है।
(C) इसमें पाठ्यक्रम विकास, शिक्षण पद्धति, छात्र मूल्यांकन (Student Assessment) और सामान्य सीखने का माहौल शामिल है।
(D) यह बुनियादी प्रारंभिक बचपन और प्राथमिक शिक्षा स्तरों तक दायरे और अनुप्रयोग में मौलिक रूप से प्रतिबंधित है।

Downloaded from www.pdf.tube

33. शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) की प्रकृति के लिए आवश्यक है कि शिक्षकों के पास "Phronesis" हो, जो एक अरस्तू की अवधारणा है, जिसका इस संदर्भ में अर्थ है:
(A) मूलभूत तथ्यों और प्रक्रियाओं का यांत्रिक रूप से रटकर याद रखना
(B) जटिल शिक्षण सेटिंग्स में लागू व्यावहारिक ज्ञान और स्थितिजन्य निर्णय (Practical Wisdom and Situational Judgment)
(C) औपचारिक संस्थागत प्रशासनिक दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करना
(D) व्यापक और संरचित पाठ योजनाएं (Structured Lesson Plans) तैयार करने की तकनीकी क्षमता

34. आधुनिक शिक्षा में, शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के दायरे का विस्तार "प्रच्छन्न पाठ्यक्रम" (Hidden Curriculum) को शामिल करने के लिए हुआ है। यह संदर्भित करता है:
(A) संस्थागत शैक्षणिक विषय और पाठ्यक्रम सामग्री जिसमें राज्य शिक्षा बोर्डों से औपचारिक प्राधिकरण का अभाव है
(B) वैकल्पिक सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर व्यावहारिक गतिविधियां जैसे खेलकूद, नाटक और संगीत
(C) विशेष सैद्धांतिक विषय जिन्हें उच्च शिक्षा तक परिचयात्मक पाठ्यक्रमों से जानबूझकर दूर रखा जाता है
(D) स्कूली शिक्षा के दौरान सीखे गए अनौपचारिक, अलिखित पाठ, मूल्य और सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण

35. आधुनिक शिक्षाशास्त्र पर एक सतत पेशेवर विकास (Continuous Professional Development - CPD) कार्यशाला का आयोजन करने वाले प्राचार्य को निम्नलिखित में से किस विषय को शामिल करना सुनिश्चित करना चाहिए?
(A) समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) और विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction)
(B) शारीरिक दंड की विधियां
(C) स्कूल के वित्तीय ऑडिट (Financial Audit) में हेरफेर करने की तकनीकें
(D) शिक्षक के व्याख्यान समय को अधिकतम करने की रणनीतियां

36. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): आज शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) का दायरा संज्ञानात्मक विकास से आगे बढ़कर सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (Social and Emotional Learning - SEL) तक विस्तृत है।
कारण (R): आधुनिक शैक्षिक लक्ष्य केवल अकादमिक परीक्षाओं के बजाय जीवन के लिए छात्रों को तैयार करते हुए समग्र विकास (Holistic Development) पर जोर देते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

37. निम्नलिखित में से कौन सा शैक्षणिक अभ्यास के पेशेवर दायरे से बाहर है?
(A) वैधानिक सिविल सेवा नियमों (Statutory Civil Service Rules) के तहत औपचारिक कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही (Disciplinary Proceedings) शुरू करना
(B) विविध कक्षा शिक्षार्थियों के लिए निरंतर नैदानिक रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) तैयार करना और लागू करना
(C) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (Children with Special Needs - CWSN) के व्यक्तिगत शिक्षण प्रोफाइल को पूरा करने के लिए अनुदेशात्मक सामग्री को अनुकूलित करना
(D) दैनिक अनुदेशात्मक पाठ वितरण में डिजिटल टूल और सूचना प्रौद्योगिकी को व्यवस्थित रूप से एकीकृत करना

38. एक प्राचार्य पाता है कि छात्र लिखित परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन उनमें व्यावहारिक समस्या-समाधान कौशल की कमी है। इसे संबोधित करने के लिए, प्राचार्य शिक्षकों को परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning) को अपनाने का निर्देश देते हैं। यह हस्तक्षेप शिक्षाशास्त्र के किस दायरे के अंतर्गत आता है?
(A) वित्तीय संसाधन आवंटन (Financial Resource Allocation)
(B) वैधानिक अनुपालन (Statutory Compliance)
(C) पाठ्येतर प्रबंधन (Extracurricular Management)
(D) शिक्षण रणनीति सुधार (Instructional Strategy Reform)

39. निम्नलिखित क्षेत्रों पर विचार कीजिए:
I. अनुदेशात्मक डिजाइन (Instructional Design)
II. कक्षा प्रबंधन (Classroom Management)
III. शिक्षार्थी मूल्यांकन (Learner Assessment)
IV. कार्यालय आपूर्ति की खरीद (Procurement of Office Supplies)
इनमें से कौन से स्कूल शिक्षा में शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के दायरे से संबंधित हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I, II और III
(C) केवल II, III और IV
(D) I, II, III और IV

NODIA

40. आधुनिक शिक्षाशास्त्र का दायरा "संरचनात्मक संरेखण" (Constructive Alignment) पर जोर देता है। जॉन बिग्स द्वारा विकसित इस सिद्धांत के लिए किसके बीच संरेखण की आवश्यकता होती है?
(A) संस्थागत वित्तीय बजटीकरण और भौतिक सुविधा बुनियादी ढांचा

(B) शिक्षक मुआवजा संरचनाएं और वार्षिक पेशेवर प्रदर्शन मूल्यांकन
(C) लक्षित अधिगम परिणाम (Learning Outcomes), शैक्षणिक प्रथाएं और मूल्यांकन कार्य
(D) वैधानिक राज्य शैक्षिक निर्देश और व्यापक संघीय कानून

41. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प 21वीं सदी में शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के विस्तारित दायरे पर सबसे अच्छी तरह प्रकाश डालता है?
(A) शिक्षण में कठोर, पृथक एकल-विषय अनुशासनात्मक सीमाओं पर लौटना
(B) शैक्षिक मूल्यांकन को पूरी तरह से उच्च जोखिम वाली वार्षिक मानकीकृत परीक्षाओं तक सीमित करना
(C) प्रारंभिक बचपन की देखभाल में खेल-आधारित और अनुभवात्मक शिक्षण रणनीतियों को धीरे-धीरे समाप्त करना
(D) समकालीन शिक्षा में डिजिटल साक्षरता, महत्वपूर्ण सोच और वैश्विक नागरिकता को एकीकृत करना

42. शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के दायरे के संदर्भ में, "विभेदित अनुदेशन" (Differentiated Instruction) किसकी प्रतिक्रिया है?
(A) छात्र की तत्परता, रुचियों और सीखने के प्रोफाइल में व्यक्तिगत अंतर
(B) कठोरता से मानकीकृत स्कूल फंडिंग मॉडल और प्रशासनिक आवंटन
(C) वार्षिक शैक्षणिक समय सारणी कैलेंडर में किए गए आवधिक संरचनात्मक समायोजन
(D) सभी शैक्षिक जिलों में समान पाठ्यपुस्तक अपनाने को लागू करने वाले जनादेश

43. क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research) को आधुनिक शैक्षणिक अभ्यास के दायरे में एक आवश्यक घटक क्यों माना जाता है?
(A) यह कम प्रदर्शन करने वाले अनुदेशात्मक कर्मचारियों को समाप्त करने के लिए एक प्रशासनिक ढांचा प्रदान करता है।
(B) यह शिक्षकों को अपनी कक्षा की प्रथाओं का व्यवस्थित रूप से अन्वेषण और सुधार करने में सक्षम बनाता है।
(C) यह बाहरी योगात्मक बोर्ड परीक्षाओं की वैधानिक आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करता है।
(D) यह वार्षिक संस्थागत वित्तीय ऑडिट के लिए एक अनिवार्य अनुपालन आवश्यकता के रूप में कार्य करता है।

44. सूची I में दिए गए शैक्षणिक क्षेत्र को सूची II में इसके प्राथमिक फोकस के साथ सुमेलित कीजिए:
सूची I: (शैक्षणिक क्षेत्र)
P. ज्ञानमीमांसीय (Epistemological)
Q. कार्यप्रणाली संबंधी (Methodological)
R. मूल्यांकनात्मक (Evaluative)
सूची II: (प्राथमिक फोकस)
1. पढ़ाए जाने वाले ज्ञान की प्रकृति
2. पढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकें
3. अधिगम को कैसे मापा जाए
सही विकल्प का चयन कीजिए:
(A) P-2, Q-1, R-3
(B) P-1, Q-2, R-3
(C) P-3, Q-2, R-1
(D) P-1, Q-3, R-2

45. "एंड्रागोजी" (Andragogy) शब्द मुख्य रूप से किसकी शिक्षा से जुड़ा है?
(A) वयस्क शिक्षार्थी (Adult Learners)
(B) प्रारंभिक बचपन के शिक्षार्थी (Early Childhood Learners)
(C) विशेष आवश्यकता वाले बच्चे
(D) प्रतिभाशाली बच्चे

46. उत्तरी अमेरिका में एंड्रागोजी (Andragogy) की अवधारणा को लोकप्रिय बनाने के लिए कौन सा शैक्षिक सिद्धांतकार सबसे प्रसिद्ध है?
(A) जीन पियाजे (Jean Piaget)
(B) हावर्ड गार्डनर (Howard Gardner)
(C) मैल्कम नोल्स (Malcolm Knowles)
(D) जेरोम ब्रूनर (Jerome Bruner)

47. पेडागोजी (Pedagogy) और एंड्रागोजी (Andragogy) की तुलना करते समय, कौन सी धारणा एंड्रागॉजिकल दृष्टिकोण की विशेषता है?
(A) शिक्षार्थी अनुदेशात्मक मार्गदर्शन और दिशा के लिए पूरी तरह से प्रशिक्षक पर निर्भर रहते हैं।
(B) शिक्षार्थी लगभग विशेष रूप से बाहरी पुरस्कारों, ग्रेडों और प्रशासनिक दंडों से प्रेरित होते हैं।
(C) पाठ्यक्रम समस्या-केंद्रित होने के बजाय कड़ाई से विषय-केंद्रित होना चाहिए।
(D) शिक्षार्थी पूर्व जीवन अनुभव लाते हैं जो एक समृद्ध अधिगम संसाधन के रूप में कार्य करता है।

48. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) अक्सर एक निर्भर शिक्षार्थी को मानता है, जबकि एंड्रागोजी (Andragogy) एक स्व-निर्देशित शिक्षार्थी को मानता है।
कारण (R): बच्चों में आमतौर पर उस व्यापक जीवन अनुभव की कमी होती है जिसका उपयोग वयस्क स्व-निर्देशित अधिगम के आधार के रूप में करते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है

Click Here to Buy book on Amazon

(D) A गलत है लेकिन R सही है

49. शिक्षकों के लिए एक सेवाकालीन प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने वाले प्राचार्य सहयोगात्मक समस्या-समाधान के बजाय व्याख्यान-भारी, अनुपालन-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करने का निर्णय लेते हैं। वयस्क अधिगम सिद्धांत के अनुसार, यह दृष्टिकोण विफल हो जाता है क्योंकि यह:

(A) एक शैक्षणिक श्रोतागण के लिए एक एंड्रागॉजिकल (Andragogical) विधि का उपयोग करता है
(B) एक एंड्रागॉजिकल श्रोतागण के लिए एक शैक्षणिक (Pedagogical) विधि का उपयोग करता है
(C) बहुत अधिक तकनीक को शामिल करता है
(D) अनुभवात्मक अधिगम पर निर्भर करता है

50. शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) और एंड्रागोजी (Andragogy) की तुलना करने वाले निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. शिक्षाशास्त्र ऐतिहासिक रूप से सामग्री-संचालित (Content-driven) है, जबकि एंड्रागोजी समस्या-संचालित (Problem-driven) है।
II. शिक्षाशास्त्र में, सीखने की तत्परता जैविक आयु से तय होती है, जबकि एंड्रागोजी में, यह वास्तविक जीवन के कार्यों से निपटने की आवश्यकता से तय होती है।
III. दोनों ढांचे सुविधाप्रदाता के लिए एक सत्तावादी भूमिका को अनिवार्य बनाते हैं।

कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

51. निम्नलिखित में से कौन सा मैल्कम नोल्स के एंड्रागोजी (Andragogy) के सिद्धांतों में से एक नहीं है?

(A) वयस्कों के लिए आंतरिक प्रेरणा बाह्य प्रेरणा से कम प्रभावी है
(B) स्व-अवधारणा निर्भर से स्व-निर्देशित की ओर बढ़ती है
(C) सीखने की तत्परता सामाजिक भूमिकाओं से जुड़ी है
(D) सीखने का ओरिएंटेशन विषय-केंद्रित से समस्या-केंद्रित में बदल जाता है

52. पारंपरिक शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) से एंड्रागोजी (Andragogy) की ओर बढ़ते समय शिक्षक की भूमिका में मौलिक अंतर क्या है?

(A) एक लचीले शिक्षण सुविधाप्रदाता से एक पूर्ण आधिकारिक प्रशिक्षक (Authoritative Instructor) में संक्रमण
(B) एक सक्रिय पाठ्यक्रम डिजाइनर से एक प्रशासनिक वित्तीय प्रबंधक में संक्रमण
(C) एक सूचना प्रेषक से एक सहयोगात्मक शिक्षण सुविधाप्रदाता (Learning Facilitator) में संक्रमण
(D) एक सहानुभूतिपूर्ण अनुदेशात्मक संरक्षक से एक सख्त कक्षा अनुशासनप्रिय व्यक्ति में संक्रमण

53. एक शिक्षक वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं (कक्षा 12) के छात्रों के एक वर्ग को संभाल रहा है। शिक्षक ध्यान देता है कि जब उन्हें वास्तविक दुनिया के मुद्दों के आधार पर अपने प्रोजेक्ट विषयों को चुनने की स्वायत्तता दी जाती है तो वे बेहतर प्रतिक्रिया देते हैं। प्राचार्य ध्यान देते हैं कि शिक्षक निम्नलिखित से स्थानांतरित हो रहा है:

(A) शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) से एंड्रागोजी (Andragogy) की ओर
(B) एंड्रागोजी (Andragogy) से डिडैक्टिक्स (Didactics) की ओर
(C) निर्मितिवाद (Constructivism) से व्यवहारवाद (Behaviorism) की ओर
(D) ह्यूटागोजी (Heutagogy) से शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) की ओर

NODIA

54. शिक्षार्थियों की धारणाओं के संबंध में गलत जोड़े की पहचान कीजिए:

(A) शिक्षाशास्त्र (Pedagogy): शिक्षार्थी के अनुभव को शिक्षक के निर्देशों द्वारा निर्मित किया जाता है।
(B) एंड्रागोजी (Andragogy): शिक्षार्थी का अनुभव सहकर्मी शिक्षण के लिए एक समृद्ध संसाधन है।
(C) एंड्रागोजी (Andragogy): प्रेरणा मुख्य रूप से आंतरिक होती है (आत्मसम्मान, जीवन की बेहतर गुणवत्ता)।
(D) शिक्षाशास्त्र (Pedagogy): प्रेरणा काफी हद तक आंतरिक और समस्या-आधारित होती है।

55. "ह्यूटागोजी" (Heutagogy) की अवधारणा एंड्रागोजी का ही एक विस्तार है और यह संदर्भित करती है:

(A) शिक्षक-निर्देशित अधिगम (Teacher-directed learning)
(B) स्व-निर्धारित अधिगम (Self-determined learning)
(C) सहकर्मी-निर्देशित अधिगम (Peer-directed learning)
(D) रटकर अधिगम (Rote learning)

56. पाठ्यक्रम (Curriculum) और शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के बीच मौलिक अंतर क्या है?

(A) पाठ्यक्रम शिक्षण का "कैसे" (How) है; शिक्षाशास्त्र "क्या" (What) है।
(B) पाठ्यक्रम छात्रों के लिए है; शिक्षाशास्त्र प्रशासकों के लिए है।
(C) पाठ्यक्रम शिक्षण का "क्या" (What) है; शिक्षाशास्त्र "कैसे" (How) है।
(D) पाठ्यक्रम सैद्धांतिक है; शिक्षाशास्त्र वित्तीय है।

57. एक स्कूल को माध्यमिक चरण के लिए अधिगम के मानकों को निर्दिष्ट करने वाले नए पाठ्यक्रम ढांचा दिशानिर्देश प्राप्त होते हैं। शिक्षकों को अब इन मानकों को पूरा करने के लिए पाठ योजनाएं बनानी होंगी और शिक्षण रणनीतियों को चुनना होगा। यहाँ, दिशानिर्देश ________ का प्रतिनिधित्व

करते हैं, और अनुदेशात्मक रणनीतियाँ _________ का प्रतिनिधित्व करती हैं।
(A) शिक्षाशास्त्र (Pedagogy); पाठ्यक्रम (Curriculum)
(B) पाठ्यक्रम पाठ्य विवरण (Syllabus); मूल्यांकन (Assessment)
(C) डिडैक्टिक्स (Didactics); पाठ्यक्रम (Curriculum)
(D) पाठ्यक्रम (Curriculum); शिक्षाशास्त्र (Pedagogy)

58. पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र के बीच संबंध के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. शिक्षाशास्त्र कक्षा में पाठ्यक्रम को जीवंत बनाता है।
II. एक प्रगतिशील पाठ्यक्रम को प्रतिगामी शिक्षाशास्त्र द्वारा कमजोर किया जा सकता है।
III. पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र एक दूसरे से पूरी तरह स्वतंत्र हैं।
IV. पाठ्यक्रम में बदलाव के लिए आमतौर पर शिक्षाशास्त्र में बदलाव की आवश्यकता होती है।
उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल II, III और IV
(C) केवल I, II और IV
(D) केवल I, III और IV

59. जब कोई शिक्षक निर्धारित पाठ्यक्रम का पालन करने के लिए पाठ्यपुस्तक का चयन करता है, तो वे मुख्य रूप से किससे जुड़ रहे होते हैं:
(A) शिक्षाशास्त्र (Pedagogy)
(B) पाठ्यक्रम सामग्री (Curriculum Materials)
(C) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)
(D) शैक्षिक प्रशासन (Educational Administration)

60. यह अवधारणा कि शिक्षाशास्त्र और पाठ्यक्रम गहराई से आपस में जुड़े हुए हैं और किसी विषय को कैसे पढ़ाया जाता है यह इस बात को प्रभावित करता है कि वास्तव में क्या सीखा जाता है, इसे किस शब्द द्वारा सबसे अच्छी तरह से समझाया गया है:
(A) प्रच्छन्न पाठ्यक्रम (Hidden Curriculum)
(B) पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज (Pedagogical Content Knowledge - PCK)
(C) अनुदेशात्मक पाड़ (Instructional Scaffolding)
(D) योगात्मक संरेखण (Summative Alignment)

61. यदि कोई पाठ्यक्रम "लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने" का जनादेश देता है, लेकिन शिक्षक एक सत्तावादी शिक्षाशास्त्र का उपयोग करता है जहाँ छात्रों को प्रश्न पूछने या चर्चा करने की अनुमति नहीं है, तो यह किसके बीच संघर्ष पैदा करता है:
(A) लक्षित पाठ्यक्रम और लागू शिक्षाशास्त्र (Intended Curriculum and Enacted Pedagogy)
(B) रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन (Formative and Summative Assessment)
(C) डिडैक्टिक्स और ह्यूरिस्टिक्स
(D) विषय-वस्तु ज्ञान और विषय ज्ञान

62. निम्नलिखित में से कौन सा "लागू पाठ्यक्रम" (Enacted Curriculum) का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) राज्य शिक्षा विभागों द्वारा आधिकारिक तौर पर जारी औपचारिक नियामक दिशानिर्देश और नीति दस्तावेज
(B) आधिकारिक संस्थागत छुट्टियों, परीक्षा अवधि और सत्र तिथियों की स्वीकृत अनुसूची
(C) कक्षा में शिक्षकों और छात्रों के बीच होने वाली वास्तविक शैक्षणिक बातचीत
(D) वर्ष के लिए निर्धारित अनिवार्य अनुदेशात्मक पाठ्यपुस्तकें और मानकीकृत अध्ययन सामग्री

63. एक प्राचार्य पाठ योजनाओं की समीक्षा कर रही हैं। वह ध्यान देती हैं कि एक शिक्षक ने पाठ्यक्रम के विषयों की नकल की है, लेकिन उपयोग की जाने वाली किसी भी विधि, गतिविधियों या संसाधनों का उल्लेख नहीं किया है। शिक्षक ने _________ प्रदान किया है लेकिन _________ को छोड़ दिया है।
(A) शिक्षाशास्त्र (Pedagogy); पाठ्यक्रम (Curriculum)
(B) आकलन (Assessment); मूल्यांकन (Evaluation)
(C) उद्देश्य (Objectives); लक्ष्य (Goals)
(D) पाठ्यक्रम (Curriculum); शिक्षाशास्त्र (Pedagogy)

64. सीखने की अक्षमता वाले छात्र के लिए पाठ्यक्रम सुलभ होना सुनिश्चित करने के लिए शिक्षाशास्त्र को संशोधित करने की प्रक्रिया को कहा जाता है:
(A) पाठ्यक्रम में कमी (Curriculum Reduction)
(B) ट्रैकिंग (Tracking)
(C) विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction)
(D) पृथक्करण (Segregation)

65. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): शिक्षार्थी-केंद्रित पाठ्यक्रम होना संभव है लेकिन शिक्षक-केंद्रित शिक्षाशास्त्र होना संभव है।
कारण (R): पाठ्यक्रम डिजाइनर और कक्षा अभ्यासकर्ता हमेशा एक ही दार्शनिक अभिविन्यास या संसाधन सीमाओं को साझा नहीं करते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

66. आधुनिक शैक्षिक अभ्यास में, रटकर सीखने से महत्वपूर्ण सोच (Critical Thinking) की ओर जाने के लिए मुख्य रूप से किसमें बदलाव की आवश्यकता होती है:
(A) स्कूलों का भौतिक स्थान
(B) केवल पाठ्यक्रम ढांचा
(C) स्कूल अनुदान को नियंत्रित करने वाले वित्तीय नियम

Downloaded from www.pdf.tube

(D) पाठ्यक्रम डिजाइन और शैक्षणिक प्रथाएं दोनों

67. "डिडैक्टिक्स" (Didactics) शब्द आमतौर पर महाद्वीपीय यूरोप में उपयोग किया जाता है, जबकि "शिक्षाशास्त्र" (Pedagogy) व्यापक है। दोनों के बीच अक्सर किया जाने वाला मुख्य अंतर क्या है?
(A) डिडैक्टिक्स विषय-वस्तु के प्रसारण पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि शिक्षाशास्त्र में समग्र बाल विकास शामिल है।
(B) डिडैक्टिक्स विशेष रूप से शुरुआती बचपन के अनुदेशन के लिए डिज़ाइन किया गया है, जबकि शिक्षाशास्त्र विशेष रूप से वयस्क शिक्षार्थियों पर लागू होता है।
(C) डिडैक्टिक्स सामाजिक-संवेगात्मक बुद्धिमत्ता पर जोर देता है, जबकि शिक्षाशास्त्र मुख्य रूप से यांत्रिक रूप से रटने पर ध्यान केंद्रित करता है।
(D) दोनों शब्द समान शैक्षिक अवधारणाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं और सभी संदर्भों में पूरी तरह से विनिमेय हैं।

68. डिडैक्टिक्स आमतौर पर "डिडैक्टिक त्रिभुज" (Didactic Triangle) से संबंधित है। निम्नलिखित में से कौन इस त्रिभुज के तीन शीर्ष हैं?
(A) प्राचार्य, शिक्षक, अभिभावक
(B) विद्यालय, समुदाय, सरकार
(C) शिक्षक, छात्र, विषय-वस्तु (Teacher, Student, Content)
(D) पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र, मूल्यांकन (Curriculum, Pedagogy, Assessment)

69. एक प्राचार्य एक शिक्षक का अवलोकन करता है जिसका प्राथमिक ध्यान यह सुनिश्चित करना है कि भौतिकी की जटिल वैज्ञानिक अवधारणाएं तार्किक रूप से अनुक्रमित हैं और छात्रों की सामाजिक-संवेगात्मक स्थिति पर अधिक ध्यान दिए बिना छात्रों तक सटीक रूप से प्रसारित की जाती हैं। इस शिक्षक का दृष्टिकोण अत्यधिक है:
(A) डिडैक्टिक (Didactic)
(B) पेडागॉजिकल (Pedagogical)
(C) ह्यूरिस्टिक (Heuristic)
(D) एंड्रागॉजिकल (Andragogical)

70. निम्नलिखित में से कौन सी शैक्षिक परंपरा केवल डिडैक्टिक्स के बजाय शिक्षाशास्त्र के मुख्य भाग के रूप में "बिल्डुंग" (Bildung - व्यक्ति का आत्म-निर्माण और समग्र नैतिक विकास) पर सबसे अधिक जोर देती है?
(A) एंग्लो-अमेरिकन परंपरा
(B) व्यवहारवादी परंपरा
(C) प्रत्यक्षवादी परंपरा
(D) जर्मन/महाद्वीपीय परंपरा

71. शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) और डिडैक्टिक्स (Didactics) की तुलना करने वाले गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) डिडैक्टिक्स विषय सामग्री और उसके अनुदेशात्मक परिवर्तन पर अत्यधिक केंद्रित है।
(B) डिडैक्टिक्स शिक्षक की भूमिका को पूरी तरह से नजरअंदाज करता है।
(C) शिक्षाशास्त्र में शिक्षण के संबंधात्मक, भावनात्मक और नैतिक पहलू शामिल हैं।
(D) शिक्षाशास्त्र को आम तौर पर एक व्यापक अवधारणा के रूप में देखा जाता है जिसमें डिडैक्टिक्स शामिल है।

72. "डिडैक्टिक ट्रांसपोजिशन" (Didactic Transposition - Yves Chevallard द्वारा एक अवधारणा) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह अकादमिक ज्ञान को सिखाने योग्य ज्ञान में बदलने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है।
II. इसके लिए शिक्षकों को शिक्षार्थियों के लिए जटिल अवधारणाओं को सरल और अनुकूलित करने की आवश्यकता होती है।
III. यह प्राचार्य द्वारा निष्पादित एक विशुद्ध रूप से प्रशासनिक कार्य है।
कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

73. यदि कोई शिक्षक पूछता है, "मैं इस गणितीय सूत्र को कैसे तैयार करूं ताकि एक 10 साल का बच्चा इसे समझ सके?", तो वे मुख्य रूप से किसकी समस्या को संबोधित कर रहे हैं:
(A) सामान्य शिक्षाशास्त्र (General Pedagogy)
(B) शैक्षिक प्रशासन (Educational Administration)
(C) संस्थागत योजना (Institutional Planning)
(D) विषय-विशिष्ट डिडैक्टिक्स (Subject-specific Didactics)

74. निम्नलिखित में से कौन सा परिदृश्य डिडैक्टिक्स में विफलता को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?
(A) शिक्षक संरचित सरलीकरण के बिना जटिल वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्रदान करता है, जिससे व्यापक भ्रम पैदा होता है।
(B) शिक्षक लगातार कक्षा के शिक्षार्थियों के साथ सकारात्मक, सहायक सामाजिक-संवेगात्मक संबंध स्थापित करने में विफल रहता है।
(C) अनुदेशात्मक कर्मचारी स्कूल के लिए अनिवार्य वार्षिक सह-पाठ्यचर्या संबंधी खेल आयोजनों की योजना बनाने और उन्हें निष्पादित करने में विफल रहते हैं।
(D) संस्थागत प्रशासन रियायती दैनिक भोजन कार्यक्रम के लिए आवश्यक राज्य सब्सिडी प्राप्त करने में विफल रहता है।

75. विशुद्ध रूप से डिडैक्टिक दृष्टिकोण के विपरीत, एक समग्र शैक्षणिक दृष्टिकोण में अतिरिक्त रूप से शामिल होगा:
(A) अनुदेशात्मक वितरण के दौरान सटीक तथ्यात्मक

NODIA

प्रसारण सुनिश्चित करना
(B) छात्र के चरित्र, नैतिक मूल्यों और नागरिक जिम्मेदारी का विकास करना
(C) निर्धारित पाठ्य विवरण उद्देश्यों के साथ सत्रांत मूल्यांकनों को कड़ाई से संरेखित करना
(D) कक्षा शिक्षण के भीतर जनादेश प्राप्त मुद्रित पाठ्यपुस्तकों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना

76. जॉन अमोस कॉमेनियस द्वारा गढ़ी गई "मैथेटिक्स" (Mathetics) की अवधारणा का विरोध अक्सर डिडैक्टिक्स से किया जाता है। जहाँ डिडैक्टिक्स शिक्षण का विज्ञान है, वहीं मैथेटिक्स किसका विज्ञान है:
(A) प्रशासन (Administration)
(B) अधिगम (Learning)
(C) मूल्यांकन (Evaluating)
(D) वित्तपोषण (Financing)

77. 17वीं शताब्दी के किस प्रमुख शिक्षाविद ने अनुदेशात्मक अनुक्रमण और कार्यप्रणाली के शुरुआती सिद्धांतों को स्थापित करते हुए "द ग्रेट डिडैक्टिक" (The Great Didactic) लिखा था?
(A) जॉन अमोस कॉमेनियस (John Amos Comenius)
(B) जॉन लॉक (John Locke)
(C) जीन-जैक रूसो (Jean-Jacques Rousseau)
(D) इमैनुएल कांत (Immanuel Kant)

78. आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र (Critical Pedagogy) मौलिक रूप से इस विश्वास में निहित है कि शिक्षा स्वाभाविक रूप से एक _________ कार्य है।
(A) तटस्थ (Neutral)
(B) नौकरशाही (Bureaucratic)
(C) राजनीतिक (Political)
(D) वस्तुनिष्ठ (Objective)

79. किसे आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र (Critical Pedagogy) का संस्थापक दार्शनिक माना जाता है, जो अपनी कृति "पेडागोजी ऑफ द ऑप्रेस्ड" (Pedagogy of the Oppressed) के लिए जाने जाते हैं?
(A) लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky)
(B) हेनरी गिरोक्स (Henry Giroux)
(C) जॉन डीवी (John Dewey)
(D) पाउलो फ्रेरे (Paulo Freire)

80. आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र (Critical Pedagogy) में, पारंपरिक शैक्षिक प्रणाली जहाँ शिक्षक निष्क्रिय छात्रों में जानकारी "जमा" (Deposit) करते हैं, उसकी आलोचना किस रूप में की जाती है:
(A) समस्या-प्रस्तुत मॉडल (Problem-posing model)
(B) निर्मितिवादी मॉडल (Constructivist model)
(C) शिक्षा का बैंकिंग मॉडल (Banking Model of Education)
(D) संवादात्मक मॉडल (Dialogic model)

81. पाउलो फ्रेरे के अनुसार, शिक्षा के दमनकारी बैंकिंग मॉडल का विकल्प क्या है?
(A) रटकर सीखने वाली शिक्षा
(B) समस्या-प्रस्तुत करने वाली शिक्षा (Problem-posing Education)
(C) मानकीकृत परीक्षण शिक्षा (Standardized Testing Education)
(D) शिक्षक-केंद्रित शिक्षा

82. एक प्राचार्य शिक्षकों को पाठ्यपुस्तक में केवल पारिस्थितिकी के बारे में पढ़ने के बजाय स्थानीय पर्यावरणीय मुद्दों का विश्लेषण करने, सरकारी नीतियों पर सवाल उठाने और सामुदायिक समाधान प्रस्तावित करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए कहते हैं। यह दृष्टिकोण किसका एक व्यावहारिक अनुप्रयोग है:
(A) व्यवहारवाद (Behaviorism)
(B) आवश्यकतातत्ववाद (Essentialism)
(C) प्रत्यक्ष अनुदेशन (Direct Instruction)
(D) आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र (Critical Pedagogy)

83. आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र (Critical Pedagogy) का अंतिम लक्ष्य "चेतनीकरण" (Conscientization) है। इस शब्द का अर्थ है:
(A) सामाजिक वास्तविकता की आलोचनात्मक जागरूकता और इसे बदलने की क्षमता का विकास करना
(B) राष्ट्रीय संविधान के मूलभूत प्रावधानों को व्यवस्थित रूप से याद करना
(C) मानकीकृत अकादमिक मूल्यांकन परीक्षणों पर उच्च तकनीकी दक्षता हासिल करना
(D) बिना किसी आलोचना के मौजूदा सामाजिक संरचनाओं और सांस्कृतिक मानदंडों को निष्क्रिय रूप से स्वीकार करना

84. कौन सा आधुनिक शैक्षिक सिद्धांतकार आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र से अत्यधिक जुड़ा हुआ है और उसने "परिवर्तनकारी बुद्धिजीवियों के रूप में शिक्षक" (Teachers as Transformative Intellectuals) शब्द गढ़ा है?
(A) बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner)
(B) अल्बर्ट बांडुरा (Albert Bandura)
(C) हेनरी गिरोक्स (Henry Giroux)
(D) हावर्ड गार्डनर (Howard Gardner)

85. आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र (Critical Pedagogy) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) यह एक मानकीकृत पाठ्यक्रम के कड़ाई से अनुपालन का आदेश देता है।
(B) यह सीधे तौर पर इस दावे को चुनौती देता है कि स्कूल तटस्थ संस्थानों के रूप में कार्य करते हैं।
(C) यह स्पष्ट रूप से ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहने वाले

Click Here to Buy book on Flipkart

और वंचित छात्रों को सशक्त बनाने का प्रयास करता है।
(D) यह पारंपरिक एकतरफा व्याख्यान पर संवादात्मक अनुदेशन की वकालत करता है।

86. आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र का अभ्यास करने वाली कक्षा में, शिक्षक और छात्र के बीच का संबंध आदर्श रूप से होना चाहिए:
(A) पदानुक्रमित और सत्तावादी (Hierarchical and Authoritarian)
(B) दूरस्थ और वस्तुनिष्ठ
(C) केवल मूल्यांकनात्मक
(D) संवादात्मक और सह-इरादतन (Dialogical and Co-intentional)

87. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र इस धारणा को खारिज करता है कि शिक्षक ज्ञान का एकमात्र स्वामी है।
कारण (R): आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र का मानना है कि ज्ञान संवाद के माध्यम से सह-निर्मित होता है और छात्रों के अनुभव ज्ञान के वैध स्रोत हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

88. आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र में माइकल एप्पल (Michael Apple) का योगदान काफी हद तक किस महत्वपूर्ण प्रश्न का उत्तर देने पर केंद्रित है?
(A) शैक्षिक संस्थान विश्वसनीय और मानकीकृत बहुविकल्पीय मूल्यांकन का निर्माण कैसे कर सकते हैं?
(B) परिचालन स्कूल बजट को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए कौन से प्रशासनिक तंत्र लागू किए जाने चाहिए?
(C) किसके ज्ञान को आधिकारिक रूप से चुना जाता है और निर्धारित पाठ्यक्रम में शामिल किया जाता है?
(D) मानव संज्ञानात्मक विकास प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने वाले मूलभूत मनोवैज्ञानिक चरण कौन से हैं?

89. सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र (Culturally Responsive Pedagogy - CRP) इस आधार पर आधारित है कि शिक्षण को:
(A) यह सुनिश्चित करने के लिए सांस्कृतिक मतभेदों को जानबूझकर नजरअंदाज करना चाहिए कि सभी छात्रों के साथ समान व्यवहार हो
(B) विविध छात्र पृष्ठभूमियों को प्रमुख राष्ट्रीय संस्कृति में व्यवस्थित रूप से आत्मसात करना चाहिए
(C) अनुदेशात्मक सामग्री को विशेष रूप से मेजबान राष्ट्र के प्रमुख सांस्कृतिक ढांचे पर केंद्रित करना चाहिए
(D) ज्ञान प्रदान करने और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों का उपयोग करना चाहिए

90. सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक/उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र के सिद्धांत को विकसित करने का श्रेय मुख्य रूप से किस विद्वान को दिया जाता है?
(A) ग्लोरिया लाडसन-बिलिंग्स (Gloria Ladson-Billings)
(B) कैरल ड्वेक (Carol Dweck)
(C) एंजेला डकवर्थ (Angela Duckworth)
(D) जॉन हैटी (John Hattie)

NODIA

91. लाडसन-बिलिंग्स के अनुसार, सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक शिक्षाशास्त्र तीन मानदंडों पर आधारित है। निम्नलिखित में से कौन सा उनमें से एक नहीं है?
(A) छात्रों को सभी विषयों में लगातार उच्च स्तर की अकादमिक सफलता हासिल करनी चाहिए।
(B) छात्रों को मानक अकादमिक भाषण के लिए अपनी मूल घरेलू भाषाओं को छोड़ देना चाहिए।
(C) छात्रों को अपनी व्यक्तिगत सांस्कृतिक क्षमता को सक्रिय रूप से विकसित और बनाए रखना चाहिए।
(D) छात्रों को मौजूदा सामाजिक-राजनीतिक मानदंडों को चुनौती देने के लिए आलोचनात्मक चेतना विकसित करनी चाहिए।

92. एक शिक्षक एक विविध कक्षा को कथा संरचना सिखाने के लिए स्थानीय लोक कथाओं और क्षेत्रीय मुहावरों का उपयोग करता है। यह अभ्यास छात्रों के निम्नलिखित का लाभ उठाता है:
(A) घाटा मॉडल (Deficit Model)
(B) ज्ञान के कोष (Funds of Knowledge)
(C) व्यवहारिक अनुकूलन (Behavioral Conditioning)
(D) संज्ञानात्मक संगति (Cognitive Dissonance)

93. सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र के संदर्भ में "समानता" (Equality) और "समता" (Equity) में मौलिक अंतर क्या है?
(A) समानता एक समान संसाधन प्रदान करती है; समता समान परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यकता के आधार पर संसाधनों का वितरण करती है।
(B) समानता छात्र की आवश्यकता के अनुसार अनुदेशात्मक संसाधनों को आवंटित करती है, जबकि समता सभी को समान संसाधन प्रदान करती है।
(C) समानता विशेष रूप से छात्रों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समायोजित करने पर केंद्रित है, जबकि समता सभी शिक्षार्थियों के साथ समान व्यवहार करती है।
(D) समानता और समता के बीच कोई वैचारिक अंतर नहीं है; दोनों शब्द शैक्षणिक उपयोग में समानार्थी रहते हैं।

94. निम्नलिखित शिक्षण प्रथाओं पर विचार कीजिए:
I. छात्रों को सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट कला रूपों के माध्यम से अपनी समझ व्यक्त करने की अनुमति देना।
II. हाशिए के पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए शैक्षणिक अपेक्षाओं

को कम करना।

III. गणितीय शब्द समस्याओं में सामुदायिक मुद्दों को शामिल करना।

इनमें से कौन सा/से सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र (Culturally Responsive Pedagogy) के साथ संरेखित है/हैं?

(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

95. एक प्राचार्य देखता है कि शिक्षक छात्रों के खराब प्रदर्शन का श्रेय उनके वंचित घरेलू माहौल को दे रहे हैं। प्राचार्य को शिक्षकों को इस दृष्टिकोण से दूर मार्गदर्शन करना चाहिए, जिसे कहा जाता है:

(A) परिसंपत्ति-आधारित मॉडल (Asset-based Model)
(B) निर्मितिवादी मॉडल (Constructivist model)
(C) अन्वेषणात्मक मॉडल (Heuristic model)
(D) घाटा मॉडल (Deficit Model)

96. सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र में, जिनेवा गे (Geneva Gay) "सांस्कृतिक पाड़" (Cultural Scaffolding) पर जोर देती हैं, जिसका अर्थ है:

(A) भौतिक परिसर के बुनियादी ढांचे का निर्माण करना जो स्थानीय स्थापत्य परंपराओं और सामग्रियों को दर्शाता है
(B) संस्थागत पूर्वाग्रह को रोकने के लिए अकादमिक पाठ्यक्रमों से सभी स्पष्ट सांस्कृतिक संदर्भों को समाप्त करना
(C) बौद्धिक विकास और शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाने के लिए छात्रों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का लाभ उठाना
(D) वैश्विक दृष्टिकोण की उपेक्षा करते हुए अनुदेशन को विशेष रूप से छात्र की मूल संस्कृति तक सीमित रखना

97. एक स्कूल में विभिन्न क्षेत्रों से प्रवासी छात्रों की एक बड़ी आमद है। प्राचार्य शिक्षकों से एक "विरासत सप्ताह" आयोजित करने के लिए कहते हैं जहाँ पाठ्यक्रम इन क्षेत्रों के इतिहास, भूगोल और गणित को एकीकृत करता है। यह किसका एक प्रणालीगत अनुप्रयोग है:

(A) आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र (Critical Pedagogy)
(B) सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र (Culturally Responsive Pedagogy)
(C) एंड्रागोजी (Andragogy)
(D) डिजिटल शिक्षाशास्त्र (Digital Pedagogy)

98. निम्नलिखित में से कौन सी शैक्षिक नीति सिफारिश सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र के साथ सबसे अधिक संरेखित है?

(A) कक्षा 6 से अनिवार्य कंप्यूटर कोडिंग अनुदेश शुरू करने का नीतिगत जनादेश
(B) छात्र मूल्यांकन के मानकीकरण के लिए एक राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र की स्थापना
(C) बहु-चरणीय विकासात्मक डिजाइनों में स्कूल शिक्षा का संरचनात्मक पुनर्गठन (Structural Restructuring)
(D) बहुभाषावाद (Multilingualism) और मातृभाषा में पढ़ाने पर जोर

99. एक शिक्षक के सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी अभ्यास का एक अनिवार्य घटक "आलोचनात्मक आत्म-चिंतन" (Critical Self-reflection) है। इसमें शामिल है:

(A) अपने स्वयं के सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों, सामाजिक विशेषाधिकारों और शिक्षण धारणाओं का गंभीर रूप से परीक्षण करना
(B) विभिन्न जातीय समूहों में सामान्यीकृत सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषताओं को व्यवस्थित रूप से याद करना
(C) स्कूल नेतृत्व द्वारा लिए गए प्रशासनिक निर्णयों और संस्थागत नीतियों का औपचारिक मूल्यांकन करना
(D) कक्षा की प्रगति को ट्रैक करने के लिए नियमित रूप से मानकीकृत दैनिक आत्म-मूल्यांकन रुब्रिक्स वितरित करना

100. डिजिटल शिक्षाशास्त्र (Digital Pedagogy) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. यह पारंपरिक कक्षा में डिजिटल उपकरणों का केवल उपयोग है।

II. इसमें डिजिटल प्रौद्योगिकियों के प्रकाश में शिक्षण और अधिगम की प्रक्रियाओं पर पुनर्विचार करना शामिल है।

III. यह मुख्य शिक्षण रणनीतियों के रूप में कनेक्टिविटी और नेटवर्किंग पर जोर देता है।

IV. इसके लिए शिक्षकों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता की आवश्यकता होती है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?

(A) केवल I, II और III
(B) केवल II, III और IV
(C) केवल I, III और IV
(D) I, II, III और IV

NODIA

101. TPACK ढांचा डिजिटल शिक्षाशास्त्र में अत्यधिक प्रभावशाली है। TPACK का पूर्ण रूप क्या है?

(A) टेक्नोलॉजिकल पेडागॉजिकल कंटेंट Knowledge (Technological Pedagogical Content Knowledge - TPACK)
(B) टीचर प्रिपरेशन एंड कंटेंट नॉलेज (Teacher Preparation and Content Knowledge)
(C) टेक्नोलॉजी प्रैक्टिस एंड करिकुलर नॉलेज (Technology Practice and Curricular Knowledge)
(D) टीचिंग पेडागोजी एंड कंप्यूटर नॉलेज (Teaching Pedagogy and Computer Knowledge)

102. TPACK मॉडल (मिश्रा और कोहलर द्वारा विकसित) में, ज्ञान के सभी तीन प्राथमिक रूपों का प्रतिच्छेदन किसका प्रतिनिधित्व करता है:

(A) शीर्ष स्तर के शैक्षिक सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर हासिल करने के लिए स्कूल नेताओं की प्रशासनिक क्षमता
(B) अकादमिक विभागों से सूचना प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे के प्रबंधन का संरचनात्मक पृथक्करण
(C) बाल-केंद्रित शिक्षाशास्त्र से वयस्क-केंद्रित एंड्रागोजी में अनुदेशात्मक कार्यप्रणाली का विकासात्मक संक्रमण
(D) विशिष्ट विषय शिक्षण में तकनीक को प्रभावी ढंग से एम्बेड करने के लिए आवश्यक एकीकृत ज्ञान

103. जॉर्ज सीमेंस द्वारा प्रस्तावित कौन सा शिक्षण सिद्धांत डिजिटल शिक्षाशास्त्र से निकटता से जुड़ा हुआ है और सीखने को कनेक्शन बनाने और नेटवर्क विकसित करने की प्रक्रिया के रूप में वर्णित करता है?
(A) निर्मितिवाद (Constructivism)
(B) कनेक्टिविज्म (Connectivism)
(C) व्यवहारवाद (Behaviorism)
(D) संज्ञानवाद (Cognitivism)

104. "फ्लिप्ड क्लासरुम" (Flipped Classroom) मॉडल में, जो डिजिटल शिक्षाशास्त्र का एक प्रमुख अनुप्रयोग है, सीखने की प्रक्रिया कैसे संरचित होती है?
(A) छात्र कक्षा को पढ़ाते हैं जबकि शिक्षक पीछे बैठता है।
(B) डेस्क पंक्तियों के बजाय एक वृत्त में व्यवस्थित किए जाते हैं।
(C) छात्र कक्षा में गृहकार्य करते हैं और वीडियो के माध्यम से घर पर व्याख्यान सुनते हैं।
(D) पाठ्यपुस्तक पढ़ने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कक्षा से तकनीक पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

105. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): डिजिटल शिक्षाशास्त्र की मांग है कि शिक्षक "मंच के ज्ञानी" से "साथ देने वाले मार्गदर्शक" बनें।
कारण (R): डिजिटल रूप से उपलब्ध जानकारी की प्रचुरता का अर्थ है कि शिक्षक अब ज्ञान का एकमात्र स्रोत नहीं हैं; उनकी भूमिका छात्रों को इस जानकारी को नेविगेट करने और संश्लेषित करने में मदद करना है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

106. डिजिटल शिक्षाशास्त्र में एक मुख्य अवधारणा "डिजिटल विभाजन" (Digital Divide) है। एक स्कूल प्राचार्य के लिए, इसे शैक्षणिक रूप से संबोधित करने का अर्थ है:
(A) अपेक्षाओं को अनुकूलित करके और समान सहायता देकर तकनीकी असमानताओं को संबोधित करना।
(B) यह सुनिश्चित करना कि सभी अनुदेशात्मक कर्मचारियों को समान प्रशासनिक हार्डवेयर और लैपटॉप जारी किए जाएं।
(C) स्कूल की सुविधाओं को समर्पित तकनीक-सक्षम और पारंपरिक गैर-तकनीक पंखों में संरचनात्मक रूप से विभाजित करना।
(D) नामांकित सभी छात्रों के लिए परिचयात्मक कंप्यूटर विज्ञान और बाइनरी कोडिंग अनुदेश को अनिवार्य बनाना।

107. निम्नलिखित में से कौन सा मिश्रित अधिगम (Blended Learning) का लाभ नहीं है, जो एक प्रमुख डिजिटल शैक्षणिक दृष्टिकोण है?
(A) यह सीखने के समय और स्थान में लचीलापन प्रदान करता है।
(B) यह आमने-सामने के सामाजिक संपर्क की आवश्यकता को समाप्त करता है।
(C) यह व्यक्तिगत गति (Personalized Pacing) की अनुमति देता है।
(D) यह लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (Learning Management System - LMS) के माध्यम से छात्र जुड़ाव पर समृद्ध डेटा प्रदान करता है।

108. SAMR मॉडल का उपयोग डिजिटल शिक्षाशास्त्र में प्रौद्योगिकी एकीकरण का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। इस मॉडल के चार स्तर कौन से हैं?
(A) सिस्टम, एप्लिकेशन, मेथड, रिजल्ट (System, Application, Method, Result)
(B) प्रतिस्थापन (Substitution), संवर्धन (Augmentation), रूपांतरण (Modification), पुनर्परिभाषा (Redefinition)
(C) सेलेक्शन, एडेप्टेशन, मेजरमेंट, रिव्यू
(D) सेटअप, एक्शन, मॉनिटरिंग, रिफ्लेक्शन

109. कलम से हाथ से लिखने के बजाय निबंध टाइप करने के लिए वर्ड प्रोसेसर का उपयोग करना SAMR मॉडल के किस स्तर का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) प्रतिस्थापन (Substitution)
(B) पुनर्परिभाषा (Redefinition)
(C) रूपांतरण (Modification)
(D) संवर्धन (Augmentation)

110. एक शिक्षक वैश्विक जलवायु परिवर्तन पर सहयोगात्मक रूप से शोध करने के लिए अपनी कक्षा को दूसरे देश की कक्षा से वास्तविक समय में जोड़ने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करता है। SAMR मॉडल में, तकनीक का यह शैक्षणिक उपयोग दर्शाता है:
(A) प्रतिस्थापन (Substitution)
(B) संवर्धन (Augmentation)
(C) पुनर्परिभाषा (Redefinition)
(D) रूपांतरण (Modification)

Downloaded from www.pdf.tube

111. शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) और मनोविज्ञान (Psychology) के बीच संबंध का वर्णन किस कथन द्वारा सबसे अच्छी तरह किया गया है?
(A) मनोविज्ञान पढ़ाने के लिए सटीक शैक्षणिक सामग्री को परिभाषित करता है, जबकि शिक्षाशास्त्र समय और समय सारणी तय करता है।
(B) मनोविज्ञान और शिक्षाशास्त्र किसी भी सैद्धांतिक ओवरलैप के बिना पूरी तरह से स्वतंत्र अकादमिक क्षेत्रों के रूप में कार्य करते हैं।
(C) शिक्षाशास्त्र नैदानिक मानसिक विकारों को संबोधित करता है, जबकि मनोविज्ञान कक्षा शिक्षण तकनीकों पर केंद्रित है।
(D) मनोविज्ञान बताता है कि अधिगम कैसे होता है; शिक्षाशास्त्र उन अंतर्दृष्टि के आधार पर अनुदेशन तैयार करता है।

112. जीन पियाजे (Jean Piaget) के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत ने किस बात पर जोर देकर शिक्षाशास्त्र को गहराई से प्रभावित किया:
(A) बच्चे शैक्षणिक ज्ञान से भरे जाने की प्रतीक्षा कर रहे निष्क्रिय कोरी पट्टिया (Blank slates) के रूप में कार्य करते हैं
(B) अधिगम विशेष रूप से सकारात्मक और नकारात्मक सुदृढ़ीकरण के बाहरी तंत्र के माध्यम से होता है
(C) अधिगम आत्मसातीकरण (Assimilation) और समायोजन (Accommodation) प्रक्रियाओं के माध्यम से सक्रिय संज्ञानात्मक निर्माण है
(D) संरचित प्रत्यक्ष अनुदेशन शैक्षणिक शिक्षण के लिए एकल प्रभावी विधि का प्रतिनिधित्व करता है

113. लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky) की कौन सी मनोवैज्ञानिक अवधारणा सहयोगात्मक शिक्षाशास्त्र और अनुदेशात्मक पाड़ (Instructional Scaffolding) का एक आधारशिला है?
(A) शास्त्रीय अनुकूलन (Classical Conditioning)
(B) समीपस्थ विकास का क्षेत्र (Zone of Proximal Development - ZPD)
(C) आवश्यकताओं का पदानुक्रम (Hierarchy of Needs)
(D) रक्षा तंत्र (Defense Mechanisms)

114. यदि कोई शिक्षक ड्रिल, अभ्यास और टोकन अर्थव्यवस्थाओं (Token Economies) पर केंद्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण का उपयोग करता है, तो वे किस मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण पर अत्यधिक निर्भर हैं?
(A) मानवतावाद (Humanism)
(B) निर्मितिवाद (Constructivism)
(C) मनोविश्लेषण (Psychoanalysis)
(D) व्यवहारवाद (Behaviorism)

115. कार्ल रोजर्स और अब्राहम मास्लो के मानवतावादी मनोविज्ञान पर आधारित शिक्षाशास्त्र किसको प्राथमिकता देगा:
(A) शिक्षार्थी स्वायत्तता, आत्म-साक्षात्कार (Self-actualization) और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देना
(B) मानकीकृत अकादमिक परीक्षा अंकों पर उच्च प्रदर्शन परिणाम (High Performance Outcomes) प्राप्त करना
(C) दैनिक अनुदेशन के दौरान सख्त, मापने योग्य व्यवहार संबंधी उद्देश्यों को लागू करना
(D) तथ्यात्मक जानकारी को यांत्रिक रूप से रटकर याद करने को प्राथमिकता देना

NODIA

116. निम्नलिखित मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों और उनके शैक्षणिक निहितार्थों पर विचार कीजिए:
I. व्यवहारवाद (Behaviorism) → क्रमादेशित अनुदेशन और अभ्यास (Programmed Instruction and Drill)
II. संज्ञानवाद (Cognitivism) → अवधारणा मानचित्रण और सूचना प्रसंस्करण (Concept Mapping and Information Processing)
III. निर्मितिवाद (Constructivism) → समस्या-आधारित और पूछताछ अधिगम (Problem-Based and Inquiry Learning)

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

117. हावर्ड गार्डनर का बहु-बुद्धिमत्ता (Multiple Intelligences) का मनोवैज्ञानिक सिद्धांत आधुनिक शिक्षाशास्त्र को कैसे प्रभावित करता है?
(A) यह विविध बुद्धिमत्ता के लिए कई शिक्षण पथ प्रदान करके विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) को बढ़ावा देता है।
(B) यह एकल, मानकीकृत अनुदेशात्मक कार्यप्रणाली (Standardized Instructional Methodology) के माध्यम से सभी पाठ्यक्रम विषयों को वितरित करने की वकालत करता है।
(C) यह दावा करता है कि मानव बुद्धिमत्ता कड़ाई से तय रहती है और शैक्षणिक हस्तक्षेपों से अप्रभावित रहती है।
(D) यह मान्यता प्राप्त अकादमिक शिक्षा को केवल भाषाई और तार्किक-गणितीय कौशल क्षेत्रों तक सीमित करता है।

118. "पाड़" (Scaffolding) के शैक्षणिक अभ्यास में शामिल हैं:
(A) स्थायी अनुदेशात्मक सहायता की पेशकश करना ताकि छात्रों को कभी भी अकादमिक संघर्ष या विफलता का अनुभव न हो
(B) व्यावहारिक विज्ञान प्रयोगशाला सत्रों के दौरान भौतिक त्रि-आयामी वास्तुशिल्प मॉडल का निर्माण करना
(C) गलत उत्तर देने वाले छात्रों पर अनुशासनात्मक दंड और

नकारात्मक परिणाम लागू करना
(D) किसी कार्य में महारत हासिल करने में मदद करने के लिए अस्थायी, अनुकूलित सहायता की पेशकश करना, जैसे-जैसे क्षमता बढ़ती है इसे धीरे-धीरे हटाना

119. अल्बर्ट बांडुरा के सामाजिक शिक्षण सिद्धांत (Social Learning Theory) का शैक्षणिक रुप से अर्थ है कि शिक्षकों को यह पता होना चाहिए कि:
(A) अकादमिक अधिगम विशेष रूप से तत्काल, प्रत्यक्ष पर्यावरणीय सुदृढ़ीकरण तंत्र (Environmental Reinforcement Mechanisms) के माध्यम से होता है।
(B) छात्र शिक्षकों और साथियों के व्यवहार का अवलोकन और अनुकरण (Modeling) करके प्रभावी ढंग से सीखते हैं।
(C) संज्ञानात्मक विकास के चरण कड़ाई से तय होते हैं और पूरी तरह से जैविक आयु के मील के पत्थरों से तय होते हैं।
(D) विरासत में मिले आनुवंशिक कारक व्यक्ति की अंतिम शैक्षणिक उपलब्धि को लगभग पूरी तरह से निर्धारित करते हैं।

120. कौन सी मनोवैज्ञानिक अवधारणा नए विषय को पेश करने से पहले छात्रों के पूर्व ज्ञान को सक्रिय करने की शैक्षणिक आवश्यकता को स्पष्ट करती है?
(A) क्रियाप्रसूत अनुकूलन (Operant Conditioning)
(B) विलोपन (Extinction)
(C) स्कीमा सिद्धांत (Schema Theory)
(D) उदात्तीकरण (Sublimation)

121. जबकि मनोविज्ञान यह बताता है कि मनुष्य कैसे सीखता है, शिक्षा का दर्शनशास्त्र (Philosophy of Education) मुख्य रूप से शिक्षाशास्त्र को क्या प्रदान करता है:
(A) शैक्षिक मूल्यांकन के लिए मात्रात्मक सांख्यिकीय कार्यप्रणालियां
(B) संस्थागत स्कूल प्रबंधन के लिए रणनीतिक वित्तीय वित्तपोषण मॉडल
(C) छात्र आयु समूहों में मनोवैज्ञानिक विकासात्मक मील के पत्थर
(D) शिक्षा के मूलभूत लक्ष्य, मुख्य मूल्य और उद्देश्य

122. एक स्कूल प्राचार्य इस बात पर जोर देते हैं कि स्कूल का प्राथमिक लक्ष्य शास्त्रीय साहित्य और इतिहास के कालातीत, सार्वभौमिक सत्यों को प्रसारित करना है। यह शैक्षणिक रुख किस शैक्षिक दर्शन के साथ संरेखित है?
(A) शाश्वतवाद (Perennialism)
(B) उपयोगितावाद (Pragmatism)
(C) अस्तित्ववाद (Existentialism)
(D) प्रगतिवाद (Progressivism)

123. "करके सीखने" (Learning by Doing), प्रोजेक्ट कार्य और लोकतांत्रिक कक्षा प्रबंधन का शैक्षणिक दृष्टिकोण किसके दर्शन से अत्यधिक प्रभावित है:
(A) आदर्शवाद (Idealism)
(B) उपयोगितावाद - जॉन डीवी (Pragmatism)
(C) यथार्थवाद (Realism)
(D) आवश्यकतातत्ववाद (Essentialism)

124. एक अस्तित्ववादी (Existentialist) दर्शन निम्नलिखित मांग करके शिक्षाशास्त्र को आकार देगा:
(A) छात्रों को स्थापित सामाजिक मानदंडों और सांस्कृतिक अपेक्षाओं का कड़ाई से पालन करने की आवश्यकता
(B) छात्रों को चुनाव करने और अपने स्वयं के अर्थ को आकार देने की जिम्मेदारी लेने की स्वायत्तता देना
(C) कक्षा के शिक्षकों को विशेष रूप से वस्तुनिष्ठ, अनुभवजन्य वैज्ञानिक तथ्यों को प्रसारित करने पर ध्यान केंद्रित करने का आदेश देना
(D) औपचारिक स्कूली शिक्षा के प्राथमिक उद्देश्य को पूरी तरह से व्यावहारिक व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण तक सीमित करना

125. कौन सा दर्शन मानता है कि वास्तविकता एक मानसिक संरचना है, और इस प्रकार शिक्षाशास्त्र को मन के विकास, आध्यात्मिक मूल्यों और नैतिक चरित्र (जैसे, सुकराती विधि) पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए?
(A) आदर्शवाद (Idealism)
(B) यथार्थवाद (Realism)
(C) उपयोगितावाद (Pragmatism)
(D) प्रकृतिवाद (Naturalism)

126. प्रकृतिवाद (Naturalism), रुसो द्वारा समर्थित एक शैक्षिक दर्शन के रूप में, एक ऐसे शिक्षाशास्त्र की वकालत करता है जो:
(A) प्रारंभिक शैशवावस्था से ही औपचारिक पठन अनुदेशन और अकादमिक अभ्यास का आदेश देता है
(B) कम उम्र से शुरु होने वाले सख्त सामाजिक नियमों और मानदंडों को व्यवस्थित रूप से लागू करता है
(C) प्राथमिक शिक्षक के रूप में प्रकृति का उपयोग करके प्राकृतिक विकासात्मक चरणों के साथ संरेखित होता है
(D) मुख्य रूप से औपचारिक इनडोर परीक्षण और मानकीकृत लिखित मूल्यांकन पर निर्भर करता है

127. यदि किसी शिक्षक का शिक्षाशास्त्र सख्ती से "मूल बातों" (पढ़ना, लिखना, गणित) को पढ़ाने और कठोर अनुशासन और पारंपरिक अकादमिक मानकों को बनाए रखने पर केंद्रित है, तो उनका अंतर्निहित दर्शन है:
(A) प्रगतिवाद (Progressivism)
(B) पुनर्निर्माणवाद (Reconstructionism)
(C) अस्तित्ववाद (Existentialism)
(D) आवश्यकतातत्ववाद (Essentialism)

Click Here to Buy book on Amazon

128. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।

अभिकथन (A): शिक्षक के शैक्षणिक विकल्प कभी भी मूल्य-तटस्थ नहीं होते हैं; वे हमेशा ज्ञान और समाज की प्रकृति के बारे में एक अंतर्निहित दार्शनिक विश्वास को दर्शाते हैं।

कारण (R): शिक्षक द्वारा चुने गए तरीके (जैसे, व्याख्यान बनाम बहस) स्वाभाविक रूप से संकेत देते हैं कि किस प्रकार के ज्ञान का मूल्य है (जैसे, आधिकारिक प्रसारण बनाम लोकतांत्रिक सह-निर्माण)।

(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

129. सामाजिक पुनर्निर्माणवाद (Social Reconstructionism) का तर्क है कि स्कूलों का प्राथमिक शैक्षणिक लक्ष्य होना चाहिए:

(A) कक्षा अध्ययन के लिए ऐतिहासिक समयसीमा और कालानुक्रमिक घटनाओं का व्यवस्थित रूप से पुनर्निर्माण करना
(B) सामाजिक अन्याय को संबोधित करना और समाज को एक न्यायसंगत समुदाय में सक्रिय रूप से बदलना
(C) संस्थागत संसाधनों को मुख्य रूप से भौतिक स्कूल सुविधाओं के पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण पर केंद्रित करना
(D) मौजूदा सामाजिक-राजनीतिक संरचनाओं को संरक्षित करना और हर कीमत पर वर्तमान सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखना

130. ज्ञानमीमांसा (Epistemology) और शिक्षाशास्त्र के बीच संबंध महत्वपूर्ण है क्योंकि ज्ञानमीमांसा संबंधित है:

(A) सौंदर्यशास्त्र और कलात्मक सुंदरता की प्रकृति को नियंत्रित करने वाले दार्शनिक सिद्धांत
(B) उपयुक्त मानव आचरण को निर्धारित करने वाले नैतिक सिद्धांत और नैतिक मानक
(C) सरकार का संरचनात्मक संगठन, राजनीतिक प्राधिकरण और प्रशासन
(D) अनुदेशात्मक प्रथाओं का मार्गदर्शन करने वाले ज्ञान की प्रकृति, उत्पत्ति और सीमाओं से

131. एक शिक्षक-केंद्रित (Teacher-Centered) शैक्षणिक मॉडल में, छात्र की प्राथमिक भूमिका होती है:

(A) जानकारी का निष्क्रिय प्राप्तकर्ता (Passive Recipient)
(B) ज्ञान का सह-निर्माता (Co-creator)
(C) सहकर्मी अधिगम का सुविधाप्रदाता
(D) स्वतंत्र शोधकर्ता

132. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षार्थी-केंद्रित (Learner-Centered) शिक्षाशास्त्र की पहचान है?

(A) ज्ञान के एकमात्र स्रोत के रूप में पाठ्यपुस्तकों पर सख्त निर्भरता
(B) शिक्षक की ओर मुंह करके सीधी पंक्तियों में व्यवस्थित डेस्क
(C) छात्रों द्वारा सक्रिय भागीदारी, सहयोग और स्व-नियमन (Self-regulation)
(D) रचनात्मक मूल्यांकन पर प्रतिस्पर्धी योगात्मक परीक्षाओं (Summative Examinations) पर जोर

133. शिक्षक-केंद्रित से शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र में संक्रमण में ध्यान केंद्रित करना शामिल है:

(A) "शिक्षण" से "अधिगम" की ओर
(B) "छात्र क्या कर रहे हैं" से "शिक्षक क्या कर रहा है" की ओर
(C) "रचनात्मक मूल्यांकन" से "योगात्मक मूल्यांकन" की ओर
(D) "प्रक्रिया" से "उत्पाद" की ओर

134. उस शैक्षणिक रणनीति की पहचान कीजिए जो शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण से संबंधित है:

(A) पूछताछ-आधारित अधिगम (Inquiry-Based Learning)
(B) समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning)
(C) अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning)
(D) प्रत्यक्ष अनुदेशन / व्याख्यान (Direct Instruction / Lecture)

135. एक प्राचार्य कक्षा का दौरा करती हैं। वह नोट करती हैं कि शिक्षक 90% समय बोल रहा है, छात्र नोट्स ले रहे हैं, और सभी प्रश्न शिक्षक से छात्रों की ओर बहते हैं। यह शैक्षणिक शैली है:

(A) शिक्षार्थी-केंद्रित और निर्मितिवादी
(B) शिक्षक-केंद्रित और प्रसारण-उन्मुख
(C) लोकतांत्रिक और संवादात्मक
(D) एंड्रागॉजिकल और समस्या-उन्मुख

136. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र में शिक्षक की भूमिका का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

(A) मंच से ज्ञान प्रदान करने वाला एक आधिकारिक ज्ञानी (Sage on the Stage)
(B) विषय ज्ञान का पूर्ण और निर्विवाद एकमात्र प्राधिकारी
(C) गतिशील शिक्षण अनुभवों का मार्गदर्शन करने वाला एक सहायक सुविधाप्रदाता (Facilitator)
(D) पूर्ण अनुपालन लागू करने वाला एक सख्त कक्षा अनुशासनप्रिय व्यक्ति

137. शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र में, मूल्यांकन को मुख्य रूप से देखा जाता है:

(A) मुख्य रूप से कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों को दंडित करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक प्रशासनिक उपकरण

NODIA

(B) बुनियादी पाठ्यक्रम अनुपालन को मापने वाला एक औपचारिक संस्थागत सत्रांत ऑडिट कार्य
(C) छात्र शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक मानकीकृत तुलनात्मक रैंकिंग तंत्र (Standardized Comparative Ranking System)
(D) दैनिक शिक्षण गतिविधियों और चिंतन में एकीकृत एक निरंतर रचनात्मक प्रक्रिया (Continuous Formative Process)

138. निम्नलिखित कक्षा सुविधाओं पर विचार कीजिए:
I. कक्षा के नियम स्थापित करने में छात्रों की राय होती है।
II. अनुदेशन अत्यधिक विभेदित (Differentiated) है।
III. छात्र की रुचि की परवाह किए बिना पाठ्यक्रम कड़ाई से तय होता है।
कौन सी विशेषता/विशेषताएं शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र के साथ संरेखित हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

139. कड़ाई से शिक्षक-केंद्रित शिक्षाशास्त्र की एक सामान्य आलोचना निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) इसमें प्रशासनिक ढांचे, कक्षा प्राधिकार और आवश्यक व्यवहार अनुशासन की कमी है।
(B) यह छात्र की महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और आंतरिक प्रेरणा को बढ़ावा देने में विफल रहता है।
(C) इसके लिए अत्यधिक तैयारी के समय की आवश्यकता होती है, जिससे कक्षा के शिक्षक का कार्यभार बढ़ जाता है।
(D) यह सीधे व्यक्तिगत छात्र पर शैक्षणिक जिम्मेदारी का अवास्तविक स्तर रखता है।

140. हालांकि आधुनिक शिक्षा ढांचों में शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र को आम तौर पर पसंद किया जाता है, फिर भी शिक्षक-केंद्रित तरीकों (जैसे प्रत्यक्ष अनुदेशन) को किसके लिए अत्यधिक प्रभावी माना जाता है:
(A) खुले विचारों वाले छात्र की रचनात्मकता और विविध समस्या-समाधान कौशलों को बढ़ावा देना
(B) मूलभूत तथ्यों या चरण-दर-चरण प्रक्रियाओं को जल्दी से पेश करना
(C) सूक्ष्म अंतर व्यक्तिगत संबंधों और सामाजिक-संवेगात्मक कौशलों को विकसित करना
(D) दीर्घकालिक स्वतंत्र अकादमिक अनुसंधान और पूछताछ क्षमताओं को विकसित करना

141. पेडागॉजिकल कंटेंट Knowledge (Pedagogical Content Knowledge - PCK) की अवधारणा किस प्रमुख शैक्षिक शोधकर्ता द्वारा पेश की गई थी?
(A) ली शुल्मन (Lee Shulman)
(B) बेंजामिन ब्लूम (Benjamin Bloom)
(C) जॉन हैटी (John Hattie)
(D) रॉबर्ट गगने (Robert Gagne)

142. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): उत्कृष्ट विषय-वस्तु ज्ञान वाला शिक्षक स्वतः ही एक उत्कृष्ट शिक्षक नहीं बन जाता।
कारण (R): प्रभावी शिक्षण के लिए पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज (PCK) की आवश्यकता होती है, जो विषय विशेषज्ञता को ऐसे रूपों में अनुवादित करने की क्षमता है जो शिक्षार्थियों के लिए सुलभ और समझने योग्य हों।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

143. शुल्मन (Shulman) के अनुसार, PCK किसके प्रतिच्छेदन पर स्थित है:
(A) शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) और मनोविज्ञान (Psychology)
(B) पाठ्यक्रम (Curriculum) और मूल्यांकन (Assessment)
(C) प्रशासन (Administration) और शिक्षण (Teaching)
(D) विषय-वस्तु ज्ञान (Content Knowledge) और शैक्षणिक ज्ञान (Pedagogical Knowledge)

144. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षक के PCK का एक प्रमुख घटक है?
(A) शैक्षिक संस्थान के प्रशासनिक इतिहास और संगठनात्मक पृष्ठभूमि को समझना
(B) कर्मचारी यात्रा भत्ता प्रतिपूर्ति दावों को नियंत्रित करने वाले संस्थागत प्रशासनिक नियमों में महारत हासिल करना
(C) विशिष्ट विषय विषयों के संबंध में छात्रों द्वारा रखी जाने वाली सामान्य गलतफहमियों की पहचान करना
(D) स्मृति से सीधे पूरी निर्धारित पाठ्यपुस्तक को यांत्रिक रूप से सुनाने की क्षमता बनाए रखना

145. एक गणित शिक्षक कैलकुलस को पूरी तरह से जानता है (विषय-वस्तु ज्ञान) और सामान्य कक्षा प्रबंधन (शैक्षणिक ज्ञान) जानता है। क्या उनके पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज (PCK) को दर्शाता है?
(A) कक्षा के माहौल में सभी छात्र गतिविधियों में पूर्ण शांति लागू करना और बनाए रखना
(B) छात्रों को गणितीय सीमाओं को आसानी से समझने योग्य बनाने के लिए प्रभावी सादृश्यों (Analogies) का उपयोग करना
(C) सहकर्मी-समीक्षित गणित पत्रिकाओं में उन्नत सैद्धांतिक शोध पत्र (Theoretical Research Papers) लिखना

Downloaded from www.pdf.tube

और प्रकाशित करना
(D) स्कूल के पाठ्येतर गणित क्लब के लिए बजट वाले प्रशासनिक धन का प्रबंधन और आवंटन करना

146. शिक्षण पेशे के लिए PCK को अद्वितीय क्यों माना जाता है?
(A) क्योंकि शिक्षण कथित तौर पर विशेष पेशेवर क्षेत्र है जो व्यवस्थित रूप से अनुदेशात्मक तकनीक को शामिल करता है
(B) क्योंकि शैक्षिक अभ्यासकर्ता एकमात्र पेशेवर समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं जो नियमित रूप से विकासशील बच्चों के साथ बातचीत करते हैं
(C) क्योंकि इस विशिष्ट ज्ञान ढांचे को हासिल करना राष्ट्रीय शैक्षिक कानून और शासन द्वारा कड़ाई से अनिवार्य है
(D) क्योंकि शिक्षक विशिष्ट रूप से विषय वस्तु को प्रभावी ढंग से सिखाने के विशेष ज्ञान के साथ विषय विशेषज्ञता को जोड़ते हैं

147. एक विज्ञान शिक्षक को यह उम्मीद है कि छात्र "द्रव्यमान" और "भार" को लेकर भ्रमित होंगे। वह इसे स्पष्ट करने के लिए स्प्रिंग बैलेंस और बीम बैलेंस का उपयोग करके एक विशिष्ट व्यावहारिक गतिविधि तैयार करती है। यह तैयारी किसका प्रत्यक्ष अनुप्रयोग है:
(A) पेडागॉजिकल कंटेंट Knowledge (Pedagogical Content Knowledge)
(B) तकनीकी ज्ञान (Technological Knowledge)
(C) प्रशासनिक ज्ञान (Administrative Knowledge)
(D) सामान्य शैक्षणिक ज्ञान (General Pedagogical Knowledge)

148. ज्ञान के निम्नलिखित क्षेत्रों पर विचार कीजिए:
I. शैक्षिक संदर्भों का ज्ञान
II. शिक्षार्थियों और उनकी विशेषताओं का ज्ञान
III. शैक्षिक उद्देश्यों, प्रयोजनों और मूल्यों का ज्ञान
IV. विशिष्ट विषय सामग्री का ज्ञान
शुल्मन के अनुसार, इनमें से कौन शिक्षण के लिए व्यापक ज्ञान का आधार बनाते हैं, जिससे PCK उभरता है?
(A) केवल I और IV
(B) केवल II, III और IV
(C) केवल I, II और IV
(D) I, II, III और IV

149. PCK का तात्पर्य है कि इतिहास पढ़ाने के लिए शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) है:
(A) अद्वितीय विषय तर्क और पूछताछ के तरीकों के कारण गणित पढ़ाने से अलग।
(B) गणित पढ़ाते समय उपयोग किए जाने वाले अनुदेशात्मक शिक्षाशास्त्र की संरचना और विधि में समान।
(C) शैक्षणिक विषय वस्तु के बजाय पूरी तरह से छात्रों की आयु और विकासात्मक चरण द्वारा निर्धारित।
(D) जब भी शिक्षक कक्षा में डिजिटल तकनीक उपकरणों का उपयोग करते हैं तो पूरी तरह से अप्रचलित और अप्रासंगिक हो जाता है।

150. एक प्राचार्य एक प्रतिभाशाली भौतिक विज्ञानी को 9वीं कक्षा की भौतिकी पढ़ाने में संघर्ष करते हुए देखता है। शिक्षक की मदद करने के लिए, प्राचार्य को शिक्षक के निम्नलिखित कौशल को विकसित करने पर केंद्रित मेंटरशिप की व्यवस्था करनी चाहिए:
(A) सामान्य बुद्धिमत्ता
(B) विषय सामग्री ज्ञान (Content knowledge)
(C) विषय वस्तु विशेषज्ञता
(D) पेडागॉजिकल कंटेंट Knowledge (Pedagogical Content Knowledge - PCK)

151. शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करने में शिक्षाशास्त्र एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संज्ञानात्मक उद्देश्यों के साथ शिक्षाशास्त्र को संरेखित करने के लिए शिक्षकों द्वारा कौन सा वर्गीकरण (Taxonomy) सबसे अधिक सार्वभौमिक रूप से उपयोग किया जाता है?
(A) मास्लो का वर्गीकरण (Maslow's Taxonomy)
(B) ब्लूम का वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy)
(C) वायगोत्स्की का वर्गीकरण (Vygotsky's Taxonomy)
(D) स्किनर का वर्गीकरण (Skinner's Taxonomy)

NODIA

152. निम्नलिखित उद्देश्यों पर विचार कीजिए:
I. छात्र ऐतिहासिक घटनाओं की तिथियों को याद करेंगे।
II. छात्र एक टिकाऊ शहर का एक कार्यशील मॉडल तैयार करेंगे।
III. छात्र हाल ही की पर्यावरणीय नीति के प्रभाव का मूल्यांकन करेंगे।
यदि कोई शिक्षक पूरी तरह से व्याख्यान (उपदेशात्मक प्रसारण) पर निर्भर करता है, तो कौन सा/से उद्देश्य तर्कसंगत रूप से प्राप्त किया जा सकता है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

153. "भावात्मक क्षेत्र" (Affective Domain) में उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए (जैसे सहानुभूति विकसित करना या मूल्य प्रणाली को अपनाना), कौन सा शैक्षणिक दृष्टिकोण सबसे प्रभावी है?
(A) लिखित नैतिक कोडों और नैतिक नियमों को यांत्रिक रूप से रटकर याद करने की आवश्यकता
(B) मूल्यों को कवर करने वाले समयबद्ध बहुविकल्पीय परीक्षण उपकरणों का संचालन करना
(C) नैतिकता और आचरण पर केंद्रित पारंपरिक शिक्षक-नेतृत्व वाले व्याख्यान (Teacher-Led Lectures) देना
(D) अनुभवात्मक अधिगम, भूमिका-निर्वाह (Role-playing) और सहकारी समूह कार्य का उपयोग करना

154. यदि शैक्षिक उद्देश्य "मनोप्रेरणा कौशल (Psychomotor Skills) विकसित करना" है, तो सबसे उपयुक्त शिक्षाशास्त्र में शामिल होना चाहिए:
(A) शारीरिक प्रदर्शन, निर्देशित अभ्यास और व्यावहारिक गतिविधि
(B) व्यापक पाठ्यपुस्तक पठन असाइनमेंट और पाठ विश्लेषण सौंपना
(C) संरचित अकादमिक निबंध लेखन कार्यों में संलग्न होना
(D) रिकॉर्ड किए गए शैक्षिक व्याख्यानों और पॉडकास्ट को नियमित रूप से सुनना

155. लक्षित अधिगम परिणाम, उपयोग की जाने वाली शिक्षण विधियों और मूल्यांकन के बीच के संरेखण को "संरचनात्मक संरेखण" (Constructive Alignment) कहा जाता है। यदि परिणाम "क्रिटिकल थिंकिंग" (Critical Thinking) है, लेकिन शिक्षाशास्त्र "नोट्स लिखवाना" है, तो संरेखण है:
(A) मजबूत, क्योंकि व्यापक नोट लिखवाने से छात्रों को सभी आवश्यक तथ्यात्मक ज्ञान मिलता है
(B) कमजोर, क्योंकि नोट लिखवाना क्रिटिकल थिंकिंग कौशलों को शामिल या विकसित नहीं करता है
(C) अप्रासंगिक, क्योंकि अधिगम परिणामों और शिक्षण पद्धति को व्यवस्थित संरेखण की आवश्यकता नहीं होती है
(D) पर्याप्त, क्योंकि मध्य विद्यालय स्तरों पर मूलभूत अनुदेशन के लिए निष्क्रिय नोट-लेना पर्याप्त है

156. एक शिक्षक चाहता है कि छात्र ब्लूम के संशोधित वर्गीकरण (Bloom's Revised Taxonomy) के उच्चतम स्तर को प्राप्त करें: "सृजन करना" (Creating)। इसके लिए कौन सी शैक्षणिक रणनीति सबसे उपयुक्त है?
(A) त्वरित तथ्यात्मक स्मरण और स्मृति अभ्यास के लिए फ्लैशकार्ड (Flashcards) का उपयोग करना
(B) प्रोजेक्ट-आधारित अधिगम (Project-Based Learning) लागू करना जहाँ छात्र स्थानीय समस्या का समाधान खोजते हैं
(C) व्यक्तिगत रूप से मानकीकृत रिक्त स्थान भरें कौशल कार्यपत्रक पूरा करना
(D) समर्पित कक्षा समय के दौरान निर्धारित पाठ्यपुस्तक के अध्यायों को चुपचाप पढ़ना

157. आधुनिक शैक्षिक नीति ढाँचे इस बात पर जोर देते हैं कि शिक्षा को अधिक बनाने के लिए शिक्षाशास्त्र को विकसित होना चाहिए:
(A) अनुभवात्मक, समग्र, एकीकृत, पूछताछ-संचालित और शिक्षार्थी-केंद्रित (Experiential, Holistic, Integrated, Inquiry-driven, and Learner-centered)
(B) अत्यधिक परीक्षा-केंद्रित, कठोर और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी (Highly Competitive)
(C) कला और विज्ञान धाराओं में कड़ाई से विभाजित
(D) मुख्य रूप से निष्क्रिय शिक्षण और यांत्रिक रूप से रटकर याद करने पर निर्भर

158. बुनियादी चरण (Foundational Stage - 3 से 8 वर्ष की आयु) के लिए रूपरेखा दिशानिर्देशों को लागू करने वाले प्राचार्य को कौन सा शैक्षणिक दृष्टिकोण सुनिश्चित करना चाहिए?
(A) औपचारिक शिक्षक-नेतृत्व वाला व्याख्यान-आधारित अनुदेशन
(B) कठोर, कड़ाई से पाठ्यपुस्तक-संचालित अनुदेशात्मक प्रथाएं
(C) खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और खोज-आधारित अधिगम
(D) विशेष शुरुआती व्यावसायिक और तकनीकी कौशल प्रशिक्षण

159. आधुनिक शैक्षिक नीति ढाँचे "कला-एकीकृत" (Art-Integrated) और "खेल-एकीकृत" (Sports-Integrated) शिक्षा की वकालत करते हैं। शिक्षाशास्त्र के दायरे के संदर्भ में, ये किसके लिए डिज़ाइन किए गए क्रॉस-करिकुलर शैक्षणिक दृष्टिकोण हैं:
(A) विशेष रूप से उत्कृष्ट पेशेवर कलाकारों, कलाकारों और प्रतिस्पर्धी एथलेटिक खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करना
(B) गणित और प्राकृतिक विज्ञान जैसे मूलभूत मुख्य विषयों को स्थायी रूप से बदलना
(C) परिचालन लागत को महत्वपूर्ण रूप से कम करना और स्कूलों पर कुल वित्तीय संसाधन बोझ को कम करना
(D) संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्रों में आनंदपूर्वक समग्र विकास को बढ़ावा देना

160. आधुनिक शैक्षणिक दृष्टिकोणों में, सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटने के लिए, शिक्षाशास्त्र को अत्यधिक शामिल करना चाहिए:
(A) मानकीकृत परीक्षण (Standardized Testing)
(B) सूत्रों को रटकर याद करना
(C) योग्यता-आधारित और अनुभवात्मक अधिगम (Competency-Based and Experiential Learning)
(D) शारीरिक दंड

161. पारंपरिक शैक्षणिक "साइलो" (पृथक विषयों) से दूर एक शैक्षणिक बदलाव का अर्थ है कि शिक्षाशास्त्र होना चाहिए:
(A) एकविषयक (Unidisciplinary)
(B) बहुविषयक और अंतर-विषयक (Multidisciplinary and Interdisciplinary)
(C) केवल STEM पर केंद्रित
(D) केवल व्यावसायिक कौशलों पर केंद्रित

162. स्कूली शिक्षा के मध्य चरण (कक्षा 6–8) के लिए, आधुनिक शैक्षणिक ढांचे एक ऐसे दृष्टिकोण की सिफारिश करते हैं जो केंद्रित है:
(A) औपचारिक विषय ओरिएंटेशन के बिना असंरचित खेल-

Click Here to Buy book on Flipkart

आधारित शिक्षण मॉडल
(B) विशेष रूप से उच्च जोखिम वाली बाहरी बोर्ड परीक्षाओं पर केंद्रित गहन तैयारी
(C) शिक्षक व्याख्यान और पाठ्यपुस्तक पठन पर केंद्रित डिडैक्टिक प्रसारण
(D) विषयों के भीतर अनुभवात्मक अधिगम और अंतर-विषयक संबंधों की खोज करना

163. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): आधुनिक शैक्षिक नीति सभी विषयों की शिक्षाशास्त्र में 21वीं सदी के कौशलों के एकीकरण का आदेश देती है।
कारण (R): 21वीं सदी के कौशल जैसे महत्वपूर्ण सोच, संचार और डिजिटल साक्षरता पृथक विषय हैं जिन्हें अलग कक्षा अवधियों में पढ़ाया जाना चाहिए।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

164. आधुनिक शैक्षणिक सिद्धांतों के साथ मूल्यांकन को संरेखित करने के लिए, एक स्कूल को निम्नलिखित से स्थानांतरित होना चाहिए:
(A) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) से योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) की ओर
(B) समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) से सख्त संख्यात्मक ग्रेडिंग की ओर
(C) सीखने के मूल्यांकन (Assessment of Learning) से सीखने के लिए (Assessment for Learning) और के रूप में (Assessment as Learning) मूल्यांकन की ओर
(D) योग्यता-आधारित परीक्षण से रटकर-याद रखने वाले परीक्षण की ओर

165. आधुनिक शिक्षाशास्त्र में एक उभरता हुआ रुझान 21वीं सदी के सीखने के "4 Cs" पर केंद्रित है। निम्नलिखित में से कौन सा 4 Cs में से एक नहीं है?
(A) अनुरूपता (Conformity)
(B) आलोचनात्मक सोच (Critical Thinking)
(C) संचार (Communication)
(D) रचनात्मकता (Creativity)

166. "डिजाइन थिंकिंग" (Design Thinking) स्कूलों में एक उभरता हुआ शैक्षणिक ढांचा है। इसका प्राथमिक फोकस क्या है?
(A) छात्रों को विशेष रूप से वाणिज्यिक ग्राफिक डिजाइन सॉफ्टवेयर टूल (Software Tools) में प्रशिक्षित करना
(B) सौन्दर्यात्मक रूप से मनभावन भौतिक कक्षा लेआउट की योजना बनाना और व्यवस्थित करना
(C) कठोर दैनिक अकादमिक कार्यक्रम और प्रशासनिक समय सारणी का निर्माण करना
(D) समस्या-समाधान और नवाचार के लिए एक मानव-केंद्रित, पुनरावृत्ति दृष्टिकोण (Human-Centered, Iterative Approach) को बढ़ावा देना

167. शिक्षाशास्त्र में गेमिफिकेशन (Gamification) संदर्भित करता है:
(A) छात्रों को निर्धारित अध्ययन घंटों के दौरान मनोरंजक वाणिज्यिक वीडियो गेम खेलने की अनुमति देना
(B) जुड़ाव बढ़ाने के लिए शिक्षण संदर्भों में गेम-डिजाइन यांत्रिकी (अंक, बैज) लागू करना
(C) पाठ्यक्रम में प्रतिस्पर्धी एथलेटिक खेलों के ऐतिहासिक विकास और नियमों को एकीकृत करना
(D) अनुदेशात्मक गतिविधियों को विशेष रूप से बाहरी शारीरिक शिक्षा और जिम्नास्टिक तक सीमित रखना

168. "माइक्रोलेर्निंग" (Microlearning) एक उभरती हुई शैक्षणिक रणनीति है जिसमें शामिल हैं:
(A) विशेष रूप से ऑप्टिकल सूक्ष्मदर्शियों का उपयोग करके वैज्ञानिक प्रयोगशाला अध्ययन करना
(B) औपचारिक स्कूली शिक्षा के लिए आवश्यक वर्षों की कुल संख्या को संरचनात्मक रूप से कम करना
(C) छोटी, अत्यधिक केंद्रित, आसानी से पचने योग्य इकाइयों (Bite-sized units) में शैक्षिक सामग्री वितरित करना
(D) दो से तीन छात्रों के सूक्ष्म समूहों (Micro-groups) के लिए विशेष रूप से अनुदेशन आयोजित करना

169. कौन सा उभरता हुआ शैक्षणिक दृष्टिकोण मस्तिष्क विज्ञान का लाभ उठाकर यह सुझाव देता है कि शारीरिक गति संज्ञानात्मक प्रसंस्करण और सीखने को बढ़ाती है?
(A) गतिहीन अधिगम (Sedentary learning)
(B) रटकर अधिगम (Rote learning)
(C) दृश्य अधिगम (Visual learning)
(D) शारीरिक-गतिबोधक / मूर्त अधिगम (Kinesthetic / Embodied Learning)

170. एक प्राचार्य स्कूल में एक "मेकरस्पेस" (Makerspace) पेश करते हैं जहाँ छात्रों के पास उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स, 3D प्रिंटर और शिल्प आपूर्ति तक पहुँच होती है। यह किसके उभरते शिक्षाशास्त्र का समर्थन करता है:
(A) निर्मितिवाद और मेकर शिक्षा (Constructivism and Maker Education)
(B) व्यवहारवाद (Behaviorism)
(C) प्रत्यक्ष अनुदेशन (Direct Instruction)
(D) शास्त्रीय अनुकूलन (Classical Conditioning)

171. "घटना-आधारित अधिगम" (Phenomenon-Based Learning - PhBL), जिसे फ़िनिश शिक्षा प्रणाली द्वारा

Downloaded from www.pdf.tube

लोकप्रिय बनाया गया और वैश्विक स्तर पर कर्षण प्राप्त कर रहा है, में शामिल हैं:
(A) एक दूसरे से कठोर, पूर्ण अनुशासनात्मक अलगाव में पारंपरिक शैक्षणिक विषयों को वितरित करना
(B) कई शैक्षणिक विषयों में वास्तविक दुनिया की घटनाओं का अंतर-विषयक अध्ययन
(C) वैज्ञानिक जांच को विशेष रूप से असत्यापित परासामान्य या विचित्र घटनाओं तक सीमित रखना
(D) सभी सीखने की गतिविधियों के लिए विशेष रूप से कंप्यूटर जनित आभासी सिमुलेशन पर निर्भर रहना

172. सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (Socio-Emotional Learning - SEL) को शिक्षाशास्त्र के एक मुख्य घटक के रूप में तेजी से मान्यता दी जा रही है। SEL निम्नलिखित में से किसे छोड़कर सभी को विकसित करने पर केंद्रित है:
(A) आत्म-जागरुकता (Self-awareness)
(B) रटकर याद रखने की क्षमता (Rote memorization capacity)
(C) जिम्मेदार निर्णय लेना (Responsible decision making)
(D) संबंध कौशल (Relationship skills)

173. आधुनिक शैक्षिक ढांचों में, बुनियादी चरण (Foundational Stage - 3 से 8 वर्ष की आयु) के लिए किस शैक्षणिक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है?
(A) लचीला, बहुस्तरीय, खेल/गतिविधि-आधारित अधिगम
(B) अमूर्त, सैद्धांतिक और औपचारिक अकादमिक अनुदेशन
(C) अत्यधिक संरचित और कठोर पाठ्यपुस्तक-संचालित अधिगम
(D) विशेष व्यावसायिक प्रशिक्षण और तकनीकी कौशल विकास

174. निम्नलिखित शैक्षणिक दृष्टिकोणों पर विचार कीजिए:
I. खोज-आधारित अधिगम (Discovery-Based Learning)
II. संवादात्मक कक्षा अधिगम (Interactive Classroom Learning)
III. हल्की पाठ्यपुस्तकों की शुरुआत
प्रगतिशील शैक्षिक ढांचों में, ये दृष्टिकोण विशेष रूप से शिक्षा के किस चरण में लक्षित हैं?
(A) बुनियादी चरण - Foundational Stage (3-8 वर्ष)
(B) तैयारी चरण - Preparatory Stage (8-11 वर्ष)
(C) मध्य चरण - Middle Stage (11-14 वर्ष)
(D) माध्यमिक चरण - Secondary Stage (14-18 वर्ष)

175. स्कूली शिक्षा के माध्यमिक चरण (कक्षा 9–12) के लिए, एक प्रगतिशील शैक्षणिक दृष्टिकोण में शामिल हैं:
(A) माध्यमिक कक्षाओं में शुरुआती बचपन के खेल-आधारित शिक्षण तौर-तरीकों को जारी रखना
(B) कला, विज्ञान और वाणिज्य अकादमिक ट्रैक में सख्त विभाजन लागू करना
(C) केवल उच्च जोखिम वाली मानकीकृत बोर्ड परीक्षाओं को पास करने पर अनुदेशन केंद्रित करना
(D) महत्वपूर्ण सोच को गहरा करना, जीवन की आकांक्षाओं को संबोधित करना और विषय विकल्पों का विस्तार करना

176. अमूर्त और विशुद्ध रूप से सैद्धांतिक शिक्षाशास्त्र को शुरुआती वर्षों (बुनियादी चरण) के लिए अनुपयुक्त क्यों माना जाता है?
(A) तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान इंगित करता है कि मानव मस्तिष्क किशोरावस्था के अंत तक सैद्धांतिक क्षमता विकसित नहीं करता है
(B) बुनियादी शुरुआती बचपन के चरणों में नियुक्त प्रशिक्षकों में आमतौर पर उन्नत विषय विशेषज्ञता की कमी होती है
(C) पूर्व-परिचालन बच्चों को समझ बनाने के लिए मूर्त, संवेगी और मोटर अनुभवों की आवश्यकता होती है
(D) शैक्षिक सर्वेक्षण लगातार दिखाते हैं कि माता-पिता अत्यधिक खेल-आधारित शुरुआती शिक्षा पसंद करते हैं

NODIA

177. "निर्देशित पूछताछ" (Guided Inquiry) का शिक्षाशास्त्र किस चरण के दौरान मजबूती से पेश करने के लिए सबसे अधिक विकासात्मक रूप से उपयुक्त है, क्योंकि छात्र अधिक जटिल, अमूर्त अवधारणाओं को संभालना शुरु करते हैं?
(A) बुनियादी चरण (Foundational Stage)
(B) मध्य चरण (Middle Stage)
(C) तैयारी चरण (Preparatory Stage)
(D) पूर्व-प्राथमिक चरण (Pre-school Stage)

178. "एंड्रागोजी" (Andragogy) की अवधारणा किस शैक्षिक स्तर पर तेजी से प्रासंगिक हो जाती है?
(A) बुनियादी (Foundational)
(B) तैयारी (Preparatory)
(C) मध्य (Middle)
(D) वरिष्ठ माध्यमिक और उच्च शिक्षा (Senior Secondary and Higher Education)

179. शिक्षाशास्त्र में वायगोत्स्की का "अधिक ज्ञानी अन्य" (More Knowledgeable Other - MKO) का सिद्धांत यह मानता है कि MKO को हमेशा वयस्क शिक्षक होना चाहिए।
(A) गलत; एक MKO उच्च कार्य-विशिष्ट क्षमता वाला एक सहकर्मी या तकनीक हो सकती है।
(B) सही; वैधानिक शैक्षिक सिद्धांत बताते हैं कि केवल वयस्क प्रशिक्षकों के पास ज्ञान होता है।
(C) सही; अनुशासन बनाए रखने के लिए MKO भूमिका को वयस्क शिक्षकों तक सीमित रखना आवश्यक है।
(D) गलत; सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत ज्ञान प्रसारण के सभी पारंपरिक मॉडलों को खारिज करता है।

180. विविध आयु समूहों वाली कक्षा के लिए विभेदित शिक्षाशास्त्र (उदा., एक बहु-ग्रेड ग्रामीण कक्षा में) के लिए मुख्य रूप से शिक्षक को किसका प्रबंधन करने की आवश्यकता होती है:

(A) सभी के लिए एक एकल व्याख्यान
(B) धीमे शिक्षार्थियों के लिए सख्त सजा
(C) विभिन्न विकासात्मक तत्परता स्तरों के लिए एक साथ तैयार किए गए कई कार्य
(D) स्कूल के वित्तीय खाते

181. शिक्षाशास्त्र की प्रकृति और दायरे के संदर्भ में, डोनाल्ड शॉन (Donald Schön) द्वारा गढ़े गए "चिंतनशील अभ्यास" (Reflective Practice) में शामिल हैं:
(A) अभ्यास का लगातार मूल्यांकन और सुधार करने के लिए शिक्षण के दौरान और बाद में चिंतन करना
(B) व्यवहार का निरीक्षण करने के लिए कक्षा के स्थानों में चिंतनशील भौतिक दर्पण स्थापित करना
(C) कक्षा में प्रवेश करने से पहले निर्धारित दैनिक पाठ योजनाओं को यांत्रिक रूप से याद करना
(D) वरिष्ठ शिक्षकों की स्थापित अनुदेशात्मक शैलियों की बिना आलोचना के नकल करना

182. एक प्राचार्य को शिकायतें मिलती हैं कि एक शिक्षक एक विशिष्ट समुदाय के छात्रों के प्रति अत्यधिक पक्षपाती है, लगातार उनके उठाए गए हाथों को नजरअंदाज करता है। शिक्षाशास्त्र के दायरे को संबोधित करने वाले एक शैक्षिक नेता के रूप में, प्राचार्य को इसे किसकी विफलता के रूप में पहचानना चाहिए:
(A) डिडैक्टिक ट्रांसपोजिशन (Didactic Transposition)
(B) तकनीकी एकीकरण (Technological integration)
(C) विषय-वस्तु ज्ञान (Content knowledge)
(D) सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी और न्यायसंगत शिक्षाशास्त्र (Culturally Responsive and Equitable Pedagogy)

183. शैक्षणिक दृष्टिकोण और उसकी मुख्य विशेषता के गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) अनुभवात्मक अधिगम - कोल्ब का शिक्षण चक्र (करें, चिंतन करें, सोचें, कार्य करें)
(B) फ्लिप्ड क्लासरूम - प्रत्यक्ष अनुदेशन कक्षा में होता है, अनुप्रयोग गृहकार्य के रूप में होता है
(C) सहकारी अधिगम - सकारात्मक परस्पर निर्भरता और व्यक्तिगत जवाबदेही
(D) पूछताछ-आधारित अधिगम - प्रश्न तैयार करना और समाधानों की जांच करना

184. आधुनिक प्रारंभिक बचपन शैक्षिक ढांचों में "खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र" (Toy-Based Pedagogy) की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है। इसका प्राथमिक दायरा है:
(A) स्थानीय वाणिज्यिक खिलौना विनिर्माण उद्योगों को वित्तीय रूप से सब्सिडी देना और बढ़ावा देना
(B) स्कूलों में औपचारिक शारीरिक शिक्षा और खेल कार्यक्रमों को स्थायी रूप से बदलना
(C) संज्ञानात्मक और मोटर कौशलों को बढ़ावा देने के लिए सीखने के उपकरण के रूप में खिलौनों का आनंदपूर्वक उपयोग करना
(D) छात्रों को व्यस्त रखना ताकि अनुदेशात्मक कर्मचारी प्रशासनिक कागजी कार्रवाई पूरी कर सकें

185. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): शिक्षाशास्त्र संदर्भ-बद्ध (Context-bound) है।
Reason (R): एक समृद्ध शहरी स्कूल में शानदार ढंग से काम करने वाली शिक्षण रणनीति स्वचालित रूप से हाशिए के ग्रामीण स्कूल में बिल्कुल वही परिणाम देगी।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

186. कोविड-19 महामारी जैसी शैक्षिक गड़बड़ियों के दौरान हाइलाइट की गई "देखभाल की शिक्षाशास्त्र" (Pedagogy of Care) की अवधारणा किसे प्राथमिकता देती है:
(A) सीखने की नींव के रूप में भावनात्मक कल्याण और संबंधात्मक विश्वास पर जोर देना
(B) अन्य सभी कारकों से ऊपर पूर्ण अकादमिक कठोरता और उच्च जोखिम वाले गृहकार्य को प्राथमिकता देना
(C) सभी ग्रेड स्तरों पर बार-बार, गहन मानकीकृत परीक्षण लागू करना
(D) कठोर, छात्र उपस्थिति और देरी से आने की ट्रैकिंग नीतियों को लागू करना

187. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प "विधि" (Method) को "शिक्षाशास्त्र" (Pedagogy) से सबसे अच्छी तरह अलग करता है?
(A) एक विधि अंतर्निहित दर्शन का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि शिक्षाशास्त्र विशिष्ट उपकरणों को संदर्भित करता है।
(B) एक विधि एक विशिष्ट प्रक्रिया है; शिक्षाशास्त्र व्यापक दार्शनिक ढांचा है।
(C) विधियां माध्यमिक अनुदेशन के लिए डिज़ाइन की गई हैं, जबकि शिक्षाशास्त्र प्राथमिक स्तरों पर लागू होता है।
(D) कोई सार्थक अंतर मौजूद नहीं है; दोनों शब्द व्यवहार में पूरी तरह से विनिमेय रहते हैं।

188. शिक्षाशास्त्र के दायरे के संबंध में निम्नलिखित पर विचार कीजिए:
I. इसमें कक्षा की भौतिक व्यवस्था शामिल है।
II. इसमें शिक्षक द्वारा उपयोग की जाने वाली आवाज का लहजा शामिल है।
III. इसमें मूल्यांकन रुब्रिक्स का विकल्प शामिल है।
IV. यह शिक्षकों के वैधानिक वेतनमान निर्धारित करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II और III

Click Here to Buy book on Amazon

(B) केवल II, III और IV
(C) केवल I, III और IV
(D) I, II, III और IV

189. योग्यता-आधारित शिक्षाशास्त्र (Competency-Based Pedagogy) में ध्यान केंद्रित होता है:
(A) कक्षा में बिताए गए समय से कौशलों की प्रदर्शित महारत की ओर
(B) शैक्षिक परिणामों को मापने से संस्थागत संसाधन इनपुट को ट्रैक करने की ओर
(C) रचनात्मक मूल्यांकन का उपयोग करने से अंतिम योगात्मक मूल्यांकन पर निर्भर रहने की ओर
(D) शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण से शिक्षक-केंद्रित अनुदेशात्मक मॉडल की ओर

190. विज्ञान की कक्षा में निर्मितिवादी शिक्षाशास्त्र (Constructivist pedagogy) को लागू करने का निम्नलिखित में से कौन सा निहितार्थ नहीं है?
(A) छात्र स्वयं सिद्धांतों की खोज के लिए प्रयोग करते हैं।
(B) छात्र वास्तविक दुनिया की वैज्ञानिक समस्याओं को हल करने के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करते हैं।
(C) शिक्षक छात्रों को याद रखने के लिए भौतिकी के सार्वभौमिक नियमों को लिखवाता है।
(D) शिक्षक छात्रों की प्रारंभिक समझ की जांच के लिए खुले सिरे वाले प्रश्न पूछता है।

191. बाख्तिन और फ्रेरे जैसे विचारकों से ली गई "संवादात्मक शिक्षाशास्त्र" (Dialogic Pedagogy) अर्थ और ज्ञान को किसके माध्यम से निर्मित मानती है:
(A) निर्धारित कक्षा पाठों का व्यक्तिगत मौन पठन
(B) तथ्यात्मक व्याख्यान नोट्स का निरंतर, सख्त शिक्षक डिक्टेशन (Teacher Dictation)
(C) पृथक, एकल कंप्यूटर-आधारित पुनरावृत्ति अभ्यास
(D) विस्तारित बातचीत, बहस और बहु-आवाज बातचीत (Extended Conversation, Debate, and Multi-voiced Interactions)

192. शिक्षाशास्त्र की प्रकृति को परिभाषित करने में एक मुख्य चुनौती मानकीकरण (Standardization) और वैयक्तीकरण (Personalization) के बीच तनाव है। एक आधुनिक प्राचार्य को शैक्षणिक रूप सेइसे कैसे नेविगेट करना चाहिए?
(A) सख्त समानता लागू करने के लिए सभी कक्षाओं में कठोर, एकसमान मानकीकरण का आदेश देना
(B) असंरचित वैयक्तीकरण लागू करना जहाँ छात्र मार्गदर्शन या लक्ष्यों के बिना काम करते हैं
(C) मानकीकृत अधिगम योग्यताओं को लचीले, व्यक्तिगत शिक्षण पथों के साथ जोड़ना
(D) शैक्षणिक तनावों को पूरी तरह से नजरअंदाज करना और विशेष रूप से दिनचर्या के स्कूल प्रशासन पर ध्यान केंद्रित करना

NODIA

193. केस परिदृश्य: एक स्कूल ने एक नया, अत्यधिक जटिल गणित पाठ्यक्रम अपनाया है। हालाँकि, छात्रों के प्रदर्शन में भारी गिरावट आती है। प्राचार्य को एहसास होता है कि शिक्षक स्वयं गणित जानने के बावजूद नई अवधारणाओं को समझाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसे हल करने के लिए, प्राचार्य को किसके विकास पर केंद्रित प्रशिक्षण आयोजित करने की आवश्यकता है:
(A) उन्नत गणित में शिक्षकों के बुनियादी विषय वस्तु ज्ञान (Subject Content Knowledge) को व्यवस्थित रूप से अपग्रेड करना
(B) नए पाठ्यक्रम के अनुरूप शिक्षकों के पेडागॉजिकल कंटेंट Knowledge (Pedagogical Content Knowledge - PCK) को विकसित करना
(C) स्कूल के वित्तीय लेखा प्रबंधन को अपग्रेड करने के लिए आधुनिक एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर हासिल करना
(D) समग्र परिसर अनुशासन में सुधार के लिए छात्र वर्दी नीति को संशोधित करना और कड़ाई से लागू करना

194. दर्शनशास्त्र की "मूल्यमीमांसा" (Axiology) शाखा निम्नलिखित को निर्धारित करके शिक्षाशास्त्र को प्रभावित करती है:
(A) अस्तित्व की प्रकृति
(B) तार्किक तर्क के नियम
(C) बुद्धिमत्ता का सांख्यिकीय माप
(D) वे मूल्य और नैतिकता जिन्हें शिक्षण के माध्यम से बढ़ावा दिया जाना चाहिए

195. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे "संग्रहणशील" (Eclectic) शैक्षणिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) संदर्भ और शिक्षार्थी की आवश्यकताओं के आधार पर एकीकृत रूप से विविध शिक्षण रणनीतियों का चयन करना।
(B) सभी पाठ्यक्रम विषयों में व्यवहारवादी ड्रिल-एंड-प्रैक्टिस तकनीकों को कड़ाई से लागू करना।
(C) कक्षा 12 के माध्यम से बाल-केंद्रित मोंटेसरी अनुदेशात्मक विधियों को विशेष रूप से लागू करना।
(D) संरचित शैक्षणिक ढांचों को खारिज करना और औपचारिक शिक्षण विधियों का उपयोग करने से इनकार करना।

196. निम्नलिखित शैक्षिक प्रतिमानों पर विचार कीजिए:
I. प्रसारण (Transmission)
II. लेन-देन (Transaction)
III. रूपांतरण (Transformation)
इनमें से कौन सा आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र (Critical Pedagogy) के सर्वोच्च आदर्श का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) केवल III
(D) केवल I और II

www.nodia.in

197. समाजशास्त्री बेसिल बर्नस्टीन (Basil Bernstein) द्वारा प्रस्तावित "अदृश्य शिक्षाशास्त्र" (Invisible Pedagogy) की अवधारणा की विशेषता है:
(A) अंतर्निहित फ्रेमिंग जहाँ अनुदेशात्मक गति और नियम शिक्षक द्वारा अनिर्दिष्ट होते हैं।
(B) अनुदेशात्मक वितरण जहाँ कक्षा के शिक्षक एक भौतिक स्क्रीन के पीछे से पढ़ाते हैं।
(C) कठोर फ्रेमिंग जहाँ शिक्षक सभी शिक्षण पहलुओं पर स्पष्ट प्राधिकार बनाए रखता है।
(D) कक्षा में शिक्षक की पूरी अनुपस्थिति की विशेषता वाले प्रयोगात्मक शिक्षण वातावरण।

198. तैयारी चरण (Preparatory Stage - कक्षा 3 से 5) के लिए शिक्षाशास्त्र को आकार देने में, आधुनिक शैक्षिक दिशानिर्देश बताते हैं कि खेल-आधारित शिक्षा से औपचारिक कक्षा शिक्षा में संक्रमण होना चाहिए:
(A) औपचारिक अकादमिक कक्षा अनुदेशन में अचानक और सख्त संक्रमण लागू करना
(B) खेल और शारीरिक गतिविधि से पूरी तरह रहित होने के लिए कक्षा अनुदेशन को संरचनाबद्ध करना
(C) दैनिक शिक्षण को पूरी तरह से कंप्यूटर-आधारित डिजिटल शिक्षण प्लेटफॉर्म पर केंद्रित करना
(D) खोज तत्वों को बनाए रखते हुए धीरे-धीरे पढ़ने और लिखने में संक्रमण करना

199. केस परिदृश्य: एक शिक्षक पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं के बजाय माइंडफुलनेस, कहानी सुनाने और चिंतनशील चर्चाओं को शामिल करते हुए एक समर्पित दैनिक कल्याण अवधि आयोजित करता है। यह शिक्षाशास्त्र के दायरे को मुख्य रूप से किस क्षेत्र में बढ़ाता है:
(A) व्यावसायिक कौशल (Vocational Skills)
(B) सामाजिक-संवेगात्मक और भावात्मक अधिगम (Socio-Emotional and Affective Learning)
(C) कठिन वैज्ञानिक जांच
(D) डिडैक्टिक प्रसारण

200. अंततः, "शिक्षाशास्त्र के अर्थ, प्रकृति और दायरे" में महारत हासिल करना एक शैक्षिक नेता (प्राचार्य) को निम्नलिखित में से किसे सबसे प्रभावी ढंग से करने के लिए सुसज्जित करता है?
(A) बिना किसी गलती के सभी संस्थागत वित्तीय ऑडिट और लेखांकन प्रक्रियाओं को स्वतंत्र रूप से प्रबंधित करना
(B) स्कूल बोर्ड के लिए प्रमाणित कानूनी प्रतिनिधि और अदालत के वकील के रूप में कार्य करना
(C) अनुदेशात्मक दृष्टि का नेतृत्व करना, कर्मचारियों को मेंटर करना, और नीतिगत ढांचों के साथ शिक्षाशास्त्र को संरेखित करना
(D) नई स्कूल इमारतों के लिए भौतिक संरचनात्मक लेआउट और सुविधाओं का वास्तुशिल्प रूप से डिजाइन तैयार करना

Downloaded from www.pdf.tube

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) शिक्षण की पद्धति और अभ्यास, जिसमें सैद्धांतिक अवधारणाएं और व्यावहारिक रणनीतियां दोनों शामिल हैं
आधुनिक शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) शिक्षण की संपूर्ण कला और विज्ञान को परिभाषित करता है। इसमें केवल कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) शामिल नहीं है, बल्कि सैद्धांतिक ज्ञान (Theoretical Knowledge) और व्यावहारिक शिक्षण रणनीतियों (Practical Teaching Strategies) का संयोजन होता है। इसका मुख्य उद्देश्य अधिगम प्रक्रियाओं को सुगम बनाना और शिक्षार्थियों के समग्र बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना है।

2. (D) साक्ष्य-आधारित मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों और व्यवस्थित अनुदेशात्मक डिजाइन (Instructional Design) का अनुप्रयोग
शिक्षाशास्त्र का वैज्ञानिक पहलू मुख्यतः साक्ष्य-आधारित शिक्षण सिद्धांतों (Evidence-based Teaching Principles) और व्यवस्थित अनुदेशात्मक डिजाइन (Instructional Design) पर आधारित होता है। इसमें बाल मनोविज्ञान, संज्ञानात्मक विज्ञान (Cognitive Science) और अधिगम के मापन एवं मूल्यांकन के सिद्धांतों का व्यवस्थित प्रयोग किया जाता है। यह दृष्टिकोण यादृच्छिक शिक्षण विधियों के बजाय अनुसंधान और डेटा से प्रमाणित पद्धतियों को प्राथमिकता प्रदान करता है।

3. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) एक गतिशील अनुशासन (Dynamic Discipline) है क्योंकि समाज में परिवर्तन, तकनीकी प्रगति (Technological Advancement) और मनोविज्ञान के नए सिद्धांतों के आगमन के साथ शिक्षण विधियों में निरंतर बदलाव आता है। शैक्षणिक प्रथाएं समय के साथ स्थिर नहीं रह सकती हैं; उन्हें बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप ढलना होता है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सही हैं तथा तर्कपूर्ण संबंध दर्शाते हैं।

4. (C) विद्यालय निधियों का वैधानिक लेखा परीक्षा (Statutory Auditing)
शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) का मुख्य ध्यान शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया (Teaching-Learning Process), अनुदेशात्मक तकनीकों, शिक्षार्थी की विशेषताओं और ज्ञानमीमांसीय धारणाओं (Epistemological Assumptions) पर केंद्रित होता है। विद्यालय निधियों का वैधानिक लेखा परीक्षा (Statutory Auditing) विशुद्ध रूप से एक प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्य (Administrative and Financial Task) है। यह शैक्षणिक क्रियाकलापों या शिक्षणशास्त्र के प्रत्यक्ष अनुदेशात्मक दायरे के अंतर्गत नहीं शामिल किया जाता है।

5. (A) केवल I और II
शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के मुख्य घटकों में अधिगम सामग्री का उपयुक्त चयन तथा छात्रों की समझ का रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) शामिल है। ये दोनों गतिविधियां सीधे तौर पर शिक्षण और सीखने की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं। इसके विपरीत, विद्यालय के भौतिक बुनियादी ढांचे (Physical Infrastructure) का रखरखाव एक प्रशासनिक कार्य है, जो प्रत्यक्ष रूप से शैक्षणिक तकनीकों के अंतर्गत नहीं आता है।

6. (B) केवल II और III
शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) का संबंध केवल विषय-वस्तु से नहीं, बल्कि शिक्षण की विधियों और प्रक्रिया से भी होता है। यह शिक्षक, शिक्षार्थी और कक्षा के वातावरण के बीच संवादात्मक संबंधों को निर्मित करता है। इसमें निरंतर नियोजन (Planning), कार्यान्वयन और चिंतन (Reflection) का चक्र शामिल रहता है, जो प्रभावी अधिगम को सुगम बनाने में अत्यधिक सहायक सिद्ध होता है।

7. (B) चिंतनशील और अनुकूली अभ्यास (Reflective and Adaptive Practice)
कक्षा की परिस्थितियों और छात्रों की तात्कालिक आवश्यकताओं के आधार पर पाठ योजना (Lesson Plan) में परिवर्तन करना चिंतनशील और अनुकूली अभ्यास (Reflective and Adaptive Practice) का उत्कृष्ट उदाहरण है। एक कुशल शिक्षक शिक्षार्थियों की समझ के स्तर को देखकर अपनी शिक्षण रणनीतियों को गतिशील रूप से संशोधित करता है, जो शिक्षाशास्त्र की लचीली और बाल-केंद्रित प्रकृति को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

8. (C) शैक्षिक अभ्यास के दार्शनिक लक्ष्यों और मूल्यों (Philosophical Goals and Values) को निर्धारित करना
शिक्षाशास्त्र का मानक (Normative) आयाम मुख्य रूप से शैक्षिक प्रक्रियाओं के दार्शनिक लक्ष्यों, मूल्यों और आचार संहिता को निर्धारित करने से संबंधित होता है। यह इस बात का मार्गदर्शन करता है कि शिक्षा का अंतिम उद्देश्य क्या होना चाहिए और समाज में किस प्रकार के नैतिक व मानवीय मूल्यों को विकसित किया जाना चाहिए। यह विशुद्ध वर्णन से परे आदर्शों को स्थापित करता है।

9. (D) मानवतावादी सुविधा के रूप में शिक्षाशास्त्र (Pedagogy as Humanistic Facilitation)
केवल ज्ञान या सूचना के हस्तांतरण के बजाय छात्र के समग्र विकास (Holistic Development) पर बल देना मानवतावादी दृष्टिकोण (Humanistic Approach) को दर्शाता है। मानवतावादी शिक्षाशास्त्र में शिक्षक को एक

NODIA

सुविधाप्रदाता (Facilitator) माना जाता है जो छात्र की आत्म-प्राप्ति (Self-actualization), भावनात्मक संवर्धन और सामाजिक कौशलों के पोषण पर ध्यान देता है, जिससे छात्र का बहुमुखी विकास संभव हो पाता है।

10. (A) पेडागॉजिकल CONTENT Knowledge (Pedagogical Content Knowledge - PCK): अनुदेशात्मक आपूर्ति पर वित्तीय व्यय
पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज (Pedagogical Content Knowledge - PCK) विषय-वस्तु के ज्ञान और उसे प्रभावी ढंग से पढ़ाने की शैक्षणिक विधियों के एकीकरण को संदर्भित करता है। इसका वित्तीय व्यय या बजटीय आवंटन से कोई संबंध नहीं है। अन्य सभी विकल्प अनुदेशात्मक रणनीति, शिक्षण रणनीति और शैक्षणिक रुख की सही और सटीक शैक्षणिक परिभाषा प्रस्तुत करते हैं।

11. (B) अधिगम में जटिल, अप्रत्याशित मानवीय बातचीत और संदर्भ शामिल होते हैं।
शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया (Teaching-Learning Process) केवल यांत्रिक तकनीकों का समूह नहीं हो सकती क्योंकि इसमें जटिल, गतिशील और अप्रत्याशित मानवीय अंतःक्रियाएं शामिल होती हैं। प्रत्येक शिक्षार्थी की सामाजिक-संवेगात्मक पृष्ठभूमि, संज्ञानात्मक क्षमता और सीखने की गति भिन्न होती है। इसलिए शिक्षाशास्त्र को कठोर नियमों के स्थान पर परिस्थिति के अनुसार अनुकूलनीय और संवेदनशील होना आवश्यक माना जाता है।

12. (B) एक गुलाम जो बच्चे के साथ स्कूल जाता था और नैतिक आचरण का मार्गदर्शन करता था
प्राचीन ग्रीस में "Paidagogos" शब्द का प्रयोग उस दास या सेवक के लिए किया जाता था जो बच्चे को विद्यालय ले जाता था और उसके दैनिक आचरण एवं नैतिक व्यवहार की देखरेख करता था। इसी व्युत्पत्ति से आधुनिक "Pedagogy" शब्द विकसित हुआ, जो अब बाल विकास, शिक्षण विधियों और अनुदेशात्मक मार्गदर्शन के समग्र अध्ययन को संदर्भित करता है।

13. (A) "Paidos" (बालक) + "agogos" (नेता/मार्गदर्शक)
शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) शब्द की व्युत्पत्ति ग्रीक भाषा के दो शब्दों "Paidos" (जिसका अर्थ बालक होता है) और "agogos" (जिसका अर्थ नेता या मार्गदर्शक होता है) के मेल से हुई है। इसका शाब्दिक अर्थ "बालक का नेतृत्व करना" या "बालक को दिशा देना" है, जो शिक्षण और मार्गदर्शन की मूलभूत अवधारणा को व्यक्त करता है।

14. (C) जोहान फ्रेडरिक हरबर्ट (Johann Friedrich Herbart)
19वीं सदी के दार्शनिक जोहान फ्रेडरिक हरबर्ट (Johann Friedrich Herbart) को शिक्षाशास्त्र को एक व्यवस्थित और वैज्ञानिक अनुशासन के रूप में स्थापित करने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने शिक्षण को मनोविज्ञान और नैतिकता पर आधारित करके स्पष्ट अनुदेशात्मक चरणों का प्रतिपादन किया, जिससे शिक्षाशास्त्र केवल बच्चों की देखरेख से आगे बढ़कर एक व्यवस्थित विज्ञान बना।

15. (A) केवल I, II और III
शैक्षणिक इतिहास में मनोवैज्ञानिक अनुसंधान का एकीकरण, रटकर याद करने के स्थान पर अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) को बढ़ावा देना और शिक्षक-केंद्रितता से शिक्षार्थी की स्वायत्तता की ओर बढ़ना महत्वपूर्ण विकास हैं। हालाँकि, भौतिक कक्षाओं का पूरी तरह से आभासी वातावरण से विस्थापन मुख्यधारा के शैक्षणिक सिद्धांत का हिस्सा नहीं है, क्योंकि दोनों का सह-अस्तित्व बना हुआ है।

16. (C) प्राकृतिक और बाल-केंद्रित अधिगम (Child-Centered Learning)
जीन-जैक रूसो ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक "एमाइल" (Emile) में प्राकृतिक और बाल-केंद्रित शिक्षण (Child-Centered Learning) का पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने बच्चों को वयस्कों के कठोर अनुशासनात्मक सांचे में ढालने के बजाय उनकी स्वाभाविक प्रवृत्तियों, रुचियों और प्राकृतिक विकासात्मक चरणों के अनुसार शिक्षा देने की वकालत की, जिसने आधुनिक शिक्षाशास्त्र की नींव रखी।

17. (B) 19वीं सदी के उत्तरार्ध और 20वीं सदी की शुरुआत
19वीं सदी के उत्तरार्ध और 20वीं सदी की शुरुआत में शिक्षाशास्त्र का संक्रमण विशुद्ध दार्शनिक चिंतन से हटकर अनुभवजन्य अवलोकन (Empirical Observation) तथा प्रयोगात्मक मनोविज्ञान की ओर हुआ। इस अवधि के दौरान विलियम जेम्स, जॉन डीवी और थॉर्नडाइक जैसे वैज्ञानिकों एवं शिक्षाविदों ने शिक्षण प्रक्रियाओं को वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक आधार प्रदान करने में योगदान दिया।

18. (D) जॉन डीवी (John Dewey)
20वीं सदी की शुरुआत में प्रसिद्ध अमेरिकी दार्शनिक जॉन डीवी (John Dewey) ने प्रगतिशील शिक्षा (Progressive Education) और उपयोगितावाद (Pragmatism) के विचार को लोकप्रिय बनाया। उन्होंने "करके सीखने" (Learning by Doing) की अवधारणा पर बल दिया, जिससे शिक्षाशास्त्र का ध्यान निष्क्रिय ज्ञान ग्रहण से हटकर सक्रिय, व्यावहारिक और लोकतांत्रिक अधिगम की ओर केंद्रित हुआ।

19. (A) व्यवहारवाद (Behaviorism) से निर्मितिवाद (Constructivism) की ओर
व्याख्यान आधारित प्रत्यक्ष शिक्षण व्यवहारवादी दृष्टिकोण (Behaviorist Approach) से गहराई से जुड़ा हुआ है, जहाँ शिक्षक ज्ञान का मुख्य स्रोत होता है। दूसरी ओर, सहयोगात्मक समूह कार्य और सामाजिक अंतःक्रिया निर्मितिवादी दृष्टिकोण (Constructivist Approach) का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहाँ शिक्षार्थी अपने ज्ञान का निर्माण स्वयं करते हैं। यह बदलाव ऐतिहासिक शैक्षणिक विकास को दर्शाता है।

Click Here to Buy book on Flipkart

20. (C) बहुविषयक अधिगम से वापस विषयों के सख्त विभाजन (Strict Compartmentalization of Subjects) की ओर
शिक्षाशास्त्र का ऐतिहासिक विकास शिक्षक-केंद्रित से शिक्षार्थी-केंद्रित, निष्क्रिय ग्रहण से सक्रिय ज्ञान निर्माण और केवल बौद्धिक विकास से समग्र विकास (Holistic Development) की ओर हुआ है। विषयों के सख्त विभाजन की ओर लौटना आधुनिक शैक्षणिक विकास का हिस्सा नहीं है; आधुनिक शिक्षाशास्त्र बहुविषयक और एकीकृत अधिगम (Interdisciplinary Learning) को बढ़ावा देता है।

21. (A) यह नैतिक और समग्र बाल पर्यवेक्षण की प्राचीन "Paidagogos" भूमिका को दर्शाता है।
प्राचीन ग्रीक परंपरा में "Paidagogos" केवल अकादमिक ज्ञान नहीं देता था, बल्कि बच्चे के नैतिक आचरण और समग्र विकास की देखरेख करता था। जब शिक्षक को केवल विषय-वस्तु प्रेषक न मानकर नैतिक मार्गदर्शक और सुविधाप्रदाता के रूप में देखा जाता है, तो यह शिक्षाशास्त्र की मूल व्युत्पत्तिगत भावना और ऐतिहासिक जड़ों को पुनर्जीवित करता है।

22. (B) पारंपरिक प्रसारण (Traditional Transmission) → व्यवहारवाद (Behaviorism) → निर्मितिवाद (Constructivism)
शैक्षणिक प्रतिमानों का ऐतिहासिक क्रम पारंपरिक ज्ञान प्रसारण (Traditional Transmission) से प्रारंभ हुआ, जहाँ शिक्षक-केंद्रितता थी। तत्पश्चात् व्यवहारवाद (Behaviorism) का आगमन हुआ, जिसने सुदृढ़ीकरण और अभ्यास पर बल दिया। आधुनिक युग में निर्मितिवाद (Constructivism) प्रमुख प्रतिमान है, जो शिक्षार्थी द्वारा ज्ञान के सक्रिय निर्माण और सहयोगात्मक अधिगम की वकालत करता है।

23. (B) विविध मूलभूत शैक्षणिक विषयों पर आधारित एक व्यावहारिक विज्ञान और कला
एक विषय के रूप में शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) को कला और विज्ञान दोनों का संयोजन माना जाता है। यह मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और दर्शनशास्त्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों के सिद्धांतों का उपयोग करता है। यह केवल प्रयोगशाला प्रयोगों या अमूर्त सिद्धांतों तक सीमित नहीं है, बल्कि कक्षा में लागू किया जाने वाला एक अंतःविषय और व्यावहारिक क्षेत्र है।

24. (C) मुद्राशास्त्र (Numismatics)
शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) का निर्माण मनोविज्ञान (Psychology), समाजशास्त्र (Sociology) और दर्शनशास्त्र (Philosophy) जैसे मूलभूत विषयों पर हुआ है। ये विषय अधिगम प्रक्रिया, सामाजिक संदर्भ और शैक्षिक लक्ष्यों को समझने में सहायता करते हैं। मुद्राशास्त्र (Numismatics), जो सिक्कों और धातुओं का अध्ययन है, शिक्षाशास्त्र के मूलभूत दार्शनिक या मनोवैज्ञानिक स्तंभों के अंतर्गत नहीं आता है।

25. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
शिक्षाशास्त्र स्वाभाविक रूप से एक अंतर-विषयक क्षेत्र (Interdisciplinary Field) है क्योंकि यह प्रभावी शिक्षण के लिए मानव मन के संचालन (मनोविज्ञान), शिक्षार्थी के सामाजिक परिवेश (समाजशास्त्र) तथा शिक्षा के नैतिक व दार्शनिक उद्देश्यों (दर्शनशास्त्र) का एक साथ उपयोग करता है। इसलिए, अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण अभिकथन का सटीक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है।

26. (A) विभिन्न शैक्षिक संदर्भों में शिक्षण प्रथाएं कैसे होती हैं, इसका दस्तावेज़ीकरण (Documentation) और व्याख्या करना
शिक्षाशास्त्र का वर्णनात्मक (Descriptive) पहलू इस बात का अध्ययन करता है कि वास्तविक कक्षा परिस्थितियों और विभिन्न सामाजिक संदर्भों में शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाएं किस प्रकार घटित होती हैं। यह बिना किसी पूर्व-निर्धारित नियम को थोपे, मौजूदा शैक्षणिक प्रथाओं, शिक्षक-छात्र अंतःक्रियाओं और शिक्षण वातावरण का निष्पक्ष दस्तावेज़ीकरण (Documentation) और गहन विश्लेषण करने पर केंद्रित रहता है।

27. (B) यह उस सांस्कृतिक संदर्भ से स्वतंत्र रूप से काम करता है जिसमें इसे लागू किया जाता है।
शिक्षाशास्त्र कभी भी सांस्कृतिक या सामाजिक संदर्भ से स्वतंत्र होकर कार्य नहीं कर सकता। शिक्षण और अधिगम प्रक्रियाएं हमेशा शिक्षार्थी की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से गहराई से प्रभावित होती हैं। शिक्षाशास्त्र सिद्धांतों को कक्षा अभ्यास से जोड़ता है, इसमें शिक्षक का निरंतर चिंतन शामिल होता है और यह संज्ञानात्मक व सामाजिक-संवेगात्मक दोनों पहलुओं को संबोधित करता है।

28. (C) केवल I और III
शिक्षाशास्त्र की प्रकृति संदर्भ-निर्भर (Context-dependent) होती है, क्योंकि शिक्षण पद्धतियां शिक्षार्थियों की पृष्ठभूमि और वातावरण के अनुसार बदलती हैं। इसमें शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच एक गतिशील संवादात्मक प्रक्रिया शामिल होती है। यह पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ या मूल्य-तटस्थ नहीं हो सकती, क्योंकि इसमें मानवीय मूल्य और दार्शनिक दृष्टिकोण अनिवार्य रूप से निहित होते हैं।

29. (A) सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से स्थित (Socially and Culturally Situated)
छात्रों की सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के अनुसार शिक्षण विधियों में अनुकूलन करना यह दर्शाता है कि शिक्षाशास्त्र सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से स्थित (Socially and Culturally Situated) है। अधिगम प्रक्रिया अलग-थलग वातावरण में नहीं होती, बल्कि यह शिक्षार्थियों के वास्तविक जीवन के अनुभवों, परिवेश और सामाजिक परिवेश से गहराई से प्रभावित होती है।

30. (C) आलोचनात्मक प्रतिमान (Critical Paradigm)
आलोचनात्मक प्रतिमान (Critical Paradigm) शिक्षाशास्त्र को केवल एक तकनीकी या अनुदेशात्मक कौशल न मानकर एक गहराई से नैतिक, सामाजिक और राजनीतिक कार्य के रूप में देखता है। यह दृष्टिकोण स्कूलों में मौजूद सत्ता संरचनाओं, असमानताओं और सामाजिक अन्याय को चुनौती देता है तथा

NODIA

शिक्षा का उपयोग छात्रों को सामाजिक परिवर्तन के लिए सशक्त बनाने हेतु करता है।

31. (D) सीखने के अंतराल का व्यवस्थित रूप से निदान करना चाहिए और लक्षित अनुदेशात्मक हस्तक्षेप (Instructional Intervention) लागू करना चाहिए
जब शिक्षाशास्त्र को "नैदानिक अभ्यास" (Clinical Practice) कहा जाता है, तो इसका अर्थ है कि शिक्षक को एक चिकित्सक की भांति प्रत्येक शिक्षार्थी की व्यक्तिगत अधिगम कठिनाइयों का व्यवस्थित निदान करना चाहिए। इसके पश्चात्, छात्र की विशिष्ट आवश्यकताओं और सीखने के अंतराल को दूर करने के लिए लक्षित एवं विभेदित अनुदेशात्मक हस्तक्षेप (Instructional Intervention) लागू करने चाहिए।

32. (C) इसमें पाठ्यक्रम विकास, शिक्षण पद्धति, छात्र मूल्यांकन (Student Assessment) और सामान्य सीखने का माहौल शामिल है।
शिक्षाशास्त्र का दायरा केवल भौतिक कक्षा या व्याख्यान देने तक सीमित नहीं है। इसके व्यापक क्षेत्र के अंतर्गत पाठ्यक्रम का विकास, उपयुक्त शिक्षण पद्धतियों का चयन, छात्रों का निरंतर मूल्यांकन (Student Assessment) और एक सकारात्मक व समावेशी शिक्षण वातावरण का निर्माण शामिल है। यह संपूर्ण शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को आच्छादित करता है।

33. (B) जटिल शिक्षण सेटिंग्स में लागू व्यावहारिक ज्ञान और स्थितिजन्य निर्णय (Practical Wisdom and Situational Judgment)
अरस्तू की अवधारणा "Phronesis" का अर्थ व्यावहारिक बुद्धिमत्ता और स्थितिजन्य निर्णय (Practical Wisdom and Situational Judgment) है। शैक्षणिक संदर्भ में, इसका तात्पर्य शिक्षक की उस क्षमता से है जिसके द्वारा वह किसी विशिष्ट, जटिल या अप्रत्याशित कक्षा परिस्थिति में यह निर्णय लेता है कि किसी विशेष समय पर छात्रों के हित में क्या करना उचित होगा।

34. (D) स्कूली शिक्षा के दौरान सीखे गए अनौपचारिक, अलिखित पाठ, मूल्य और सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण
"प्रच्छन्न पाठ्यक्रम" (Hidden Curriculum) उन अलिखित, अनौपचारिक और अक्सर अवांछित पाठों, मूल्यों, दृष्टिकोणों और सामाजिक मानदंडों को संदर्भित करता है जो छात्र स्कूल के वातावरण, शिक्षक के व्यवहार और संस्थागत संस्कृति से सीखते हैं। यह औपचारिक पाठ्यक्रम का भाग न होते हुए भी छात्र के सामाजिक और नैतिक विकास को गहराई से प्रभावित करता है।

35. (A) समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) और विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction)
आधुनिक सतत पेशेवर विकास (CPD) कार्यशालाओं में समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) और विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) को शामिल करना अनिवार्य है। ये विषय शिक्षकों को विविध शिक्षण आवश्यकताओं, क्षमताओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों वाले छात्रों को एक ही कक्षा में प्रभावी ढंग से पढ़ाने और सभी के लिए न्यायसंगत अधिगम अवसर सुनिश्चित करने में सक्षम बनाते हैं।

36. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
आज शिक्षाशास्त्र का दायरा केवल बौद्धिक या संज्ञानात्मक विकास तक सीमित न रहकर सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (Social and Emotional Learning - SEL) तक विस्तृत हो गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि आधुनिक शिक्षा का मुख्य लक्ष्य छात्रों को केवल परीक्षाओं के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करते हुए उनका समग्र विकास सुनिश्चित करना है।

37. (A) वैधानिक सिविल सेवा नियमों (Statutory Civil Service Rules) के तहत औपचारिक कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही (Disciplinary Proceedings) शुरू करना
शैक्षणिक अभ्यास का पेशेवर दायरा शिक्षण-अधिगम, रचनात्मक मूल्यांकन, सामग्री के अनुकूलन और डिजिटल उपकरणों के एकीकरण से संबंधित है। कर्मचारियों के विरुद्ध सिविल सेवा नियमों के तहत प्रशासनिक अनुशासनात्मक कार्यवाही (Disciplinary Proceedings) करना एक विशुद्ध रूप से कानूनी एवं प्रशासनिक कार्य है, जो शिक्षक के शैक्षणिक या अनुदेशात्मक कार्यों की सीमा से बाहर है।

38. (D) शिक्षण रणनीति सुधार (Instructional Strategy Reform)
छात्रों में व्यावहारिक समस्या-समाधान कौशल विकसित करने के लिए पारंपरिक तरीकों से हटकर परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning) को अपनाना शिक्षण रणनीति सुधार (Instructional Strategy Reform) का एक स्पष्ट उदाहरण है। यह हस्तक्षेप सीधे तौर पर शिक्षाशास्त्र के उस दायरे से संबंधित है जो अधिगम को अधिक व्यावहारिक, सार्थक और छात्र-केंद्रित बनाने पर केंद्रित होता है।

39. (B) केवल I, II और III
स्कूल शिक्षा में शिक्षाशास्त्र के दायरे के अंतर्गत अनुदेशात्मक डिजाइन (Instructional Design), कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) और शिक्षार्थी मूल्यांकन (Learner Assessment) मुख्य रूप से शामिल हैं। इसके विपरीत, कार्यालय आपूर्ति की खरीद करना एक प्रशासनिक और लिपिकीय कार्य (Administrative and Clerical Task) है, जिसका शिक्षण-अधिगम की शैक्षणिक प्रक्रियाओं से कोई सीधा संबंध नहीं होता।

40. (C) लक्षित अधिगम परिणाम (Learning Outcomes), शैक्षणिक प्रथाएं और मूल्यांकन कार्य
जॉन बिग्स द्वारा विकसित "संरचनात्मक संरेखण" (Constructive Alignment) का सिद्धांत यह मांग करता है कि लक्षित अधिगम परिणाम (Learning Outcomes), शिक्षक द्वारा अपनाई जाने वाली शैक्षणिक प्रथाएं और उपयोग किए जाने वाले मूल्यांकन कार्य एक-दूसरे के साथ पूरी तरह

NODIA

से संरेखित होने चाहिए। यह संरेखण सुनिश्चित करता है कि शिक्षण और मूल्यांकन सीधे वांछित कौशलों से जुड़े हों।

41. (D) समकालीन शिक्षा में डिजिटल साक्षरता, महत्वपूर्ण सोच और वैश्विक नागरिकता को एकीकृत करना
21वीं सदी में शिक्षाशास्त्र का दायरा व्यापक हुआ है, जिसमें केवल पारंपरिक पाठ्यपुस्तक ज्ञान के स्थान पर डिजिटल साक्षरता (Digital Literacy), महत्वपूर्ण सोच (Critical Thinking), समस्या-समाधान और वैश्विक नागरिकता को शामिल किया गया है। यह नया दृष्टिकोण शिक्षार्थियों को तेजी से बदलती, तकनीक-संचालित और परस्पर जुड़ी हुई आधुनिक दुनिया में सफलतापूर्वक कार्य करने में सक्षम बनाता है।

42. (A) छात्र की तत्परता, रुचियों और सीखने के प्रोफाइल में व्यक्तिगत अंतर
विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) एक शैक्षणिक दृष्टिकोण है जो कक्षा में छात्रों की तत्परता (Readiness), रुचियों और सीखने की प्राथमिकताओं में पाए जाने वाले व्यक्तिगत अंतरों का जवाब देता है। इसके तहत शिक्षक सभी बच्चों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपनी शिक्षण सामग्री, प्रक्रियाओं और मूल्यांकन पद्धतियों में आवश्यक संशोधन और अनुकूलन करता है।

43. (B) यह शिक्षकों को अपनी कक्षा की प्रथाओं का व्यवस्थित रूप से अन्वेषण और सुधार करने में सक्षम बनाता है।
क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research) शिक्षकों को अपनी कक्षा की विशिष्ट समस्याओं, शिक्षण पद्धतियों और छात्रों के अधिगम स्तर का व्यवस्थित रूप से अध्ययन करने का अवसर देता है। यह एक स्व-सुधारात्मक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से शिक्षक डेटा एकत्र करके और चिंतन करके अपनी शैक्षणिक तकनीकों में निरंतर सुधार लाते हैं, जिससे अधिगम परिणामों में वृद्धि होती है।

44. (B) P-1, Q-2, R-3
ज्ञानमीमांसीय (Epistemological) क्षेत्र का संबंध ज्ञान की प्रकृति और उसकी वैधता से होता है। कार्यप्रणाली संबंधी (Methodological) क्षेत्र उन तकनीकों और रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करता है जिनका उपयोग पढ़ाने के लिए किया जाता है। मूल्यांकनात्मक (Evaluative) क्षेत्र यह निर्धारित करता है कि अधिगम को कैसे मापा और आंका जाए। अतः सही सुमेल विकल्प B है।

45. (A) वयस्क शिक्षार्थी (Adult Learners)
"एंड्रागोजी" (Andragogy) शब्द विशेष रूप से वयस्क शिक्षार्थियों (Adult Learners) की शिक्षा और उनके सीखने के सिद्धांतों से संबंधित है। यह अवधारणा इस बात पर बल देती है कि वयस्क अपनी स्व-निर्देशित प्रकृति, समृद्ध जीवन अनुभवों और समस्या-समाधान उन्मुख दृष्टिकोण के कारण बच्चों (Pedagogy) की तुलना में बिल्कुल अलग तरीकों से सीखते हैं।

46. (C) मैल्कम नोल्स (Malcolm Knowles)
उत्तरी अमेरिका में एंड्रागोजी (Andragogy) यानी वयस्क शिक्षा के सिद्धांत को लोकप्रिय बनाने का श्रेय मुख्य रूप से मैल्कम नोल्स (Malcolm Knowles) को दिया जाता है। उन्होंने यह प्रतिपादित किया कि वयस्कों के सीखने की आवश्यकताएं, प्रेरणाएं और अनुभव बच्चों से भिन्न होते हैं, इसलिए उनके लिए एक अलग शैक्षणिक संरचना की आवश्यकता होती है।

47. (D) शिक्षार्थी पूर्व जीवन अनुभव लाते हैं जो एक समृद्ध अधिगम संसाधन के रूप में कार्य करता है।
एंड्रागॉजिकल दृष्टिकोण (Andragogical Approach) की प्रमुख विशेषता यह है कि यह वयस्क शिक्षार्थियों के पूर्व जीवन और कार्य अनुभवों को अधिगम का एक अत्यंत समृद्ध संसाधन मानती है। वयस्क अपने व्यावहारिक अनुभवों की पृष्ठभूमि पर नया ज्ञान निर्मित करते हैं, जबकि पारंपरिक पेडागोजी में शिक्षार्थी को काफी हद तक निर्भर और अनुभवहीन माना जाता है।

48. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) में शिक्षार्थी को प्रायः शिक्षक पर निर्भर माना जाता है, जबकि एंड्रागोजी (Andragogy) में शिक्षार्थी को स्व-निर्देशित (Self-directed) माना जाता है। इसका कारण यह है कि बच्चों के पास उस व्यापक जीवन अनुभव की कमी होती है जो वयस्कों के पास अपने सीखने को दिशा देने के लिए उपलब्ध होता है। अतः कथन और कारण दोनों सत्य हैं।

49. (B) एक एंड्रागॉजिकल श्रोतागण के लिए एक शैक्षणिक (Pedagogical) विधि का उपयोग करता है
जब शिक्षकों (जो वयस्क शिक्षार्थी हैं) के सेवाकालीन प्रशिक्षण में सहभागी और समस्या-समाधान विधियों के बजाय केवल व्याख्यान-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग किया जाता है, तो यह रणनीति विफल हो जाती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि प्रशिक्षक एक एंड्रागॉजिकल (वयस्क) श्रोतागण के लिए पारंपरिक शैक्षणिक (Pedagogical) विधि का गलत प्रयोग कर रहा होता है।

50. (A) केवल I और II
शिक्षाशास्त्र ऐतिहासिक रूप से विषय-सामग्री द्वारा संचालित होता है, जबकि एंड्रागोजी वास्तविक जीवन की समस्याओं से संचालित होती है। शिक्षाशास्त्र में सीखने की तत्परता आयु से तय होती है, जबकि एंड्रागोजी में यह व्यावहारिक जरूरतों से तय होती है। तीसरा कथन गलत है क्योंकि एंड्रागोजी सत्तावादी भूमिका के बजाय एक सहभागी सुविधाप्रदाता की वकालत करती है।

51. (A) वयस्कों के लिए आंतरिक प्रेरणा बाह्य प्रेरणा से कम प्रभावी है
मैल्कम नोल्स के अनुसार, वयस्क शिक्षार्थी बाह्य पुरस्कारों (जैसे ग्रेड या दंड) की तुलना में आंतरिक प्रेरणाओं (जैसे आत्म-सम्मान, जीवन की गुणवत्ता में सुधार और आत्म-संतुष्टि) से अधिक संचालित होते हैं। इसलिए यह कथन कि आंतरिक

Downloaded from www.pdf.tube

प्रेरणा बाह्य प्रेरणा से कम प्रभावी है, नोल्स के एंड्रागोजी सिद्धांतों का हिस्सा नहीं है।

52. (C) एक सूचना प्रेषक से एक सहयोगात्मक शिक्षण सुविधाप्रदाता (Learning Facilitator) में संक्रमण
एंड्रागोजी की ओर बढ़ते समय शिक्षक की भूमिका एक आधिकारिक सूचना प्रेषक (Information Transmitter) से बदलकर एक सहयोगात्मक शिक्षण सुविधाप्रदाता (Learning Facilitator) की हो जाती है। सुविधाप्रदाता ज्ञान थोपने के बजाय वयस्क शिक्षार्थियों को उनके स्वयं के अनुभवों और अंतर्दृष्टि के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को दिशा देने में मदद करता है।

53. (A) शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) से एंड्रागोजी (Andragogy) की ओर
जब वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के छात्रों को उनके अनुभवों और प्राथमिकताओं के आधार पर परियोजना चुनने की स्वायत्तता दी जाती है, तो यह दृष्टिकोण शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) से एंड्रागोजी (Andragogy) की ओर बदलाव को दर्शाता है। यह बदलाव छात्रों में बढ़ती परिपक्वता, स्व-निर्देशन की क्षमता और समस्या-केंद्रित अधिगम की ओर झुकाव को स्वीकार करता है।

54. (D) शिक्षाशास्त्र (Pedagogy): प्रेरणा काफी हद तक आंतरिक और समस्या-आधारित होती है।
यह जोड़ा गलत है क्योंकि पारंपरिक शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) में प्रेरणा मुख्य रूप से बाह्य (जैसे अंक, परीक्षा में सफलता या शिक्षकों की स्वीकृति) होती है और अधिगम विषय-केंद्रित होता है। आंतरिक और समस्या-आधारित प्रेरणा एंड्रागोजी (Andragogy) यानी वयस्क अधिगम की मुख्य विशेषता मानी जाती है, न कि पारंपरिक पेडागोजी की।

55. (B) स्व-निर्धारित अधिगम (Self-determined learning)
"ह्यूटागोजी" (Heutagogy) स्व-निर्धारित अधिगम (Self-determined Learning) का अध्ययन है, जो एंड्रागोजी का एक अग्रिम विस्तार है। इसमें शिक्षार्थी केवल यह नहीं चुनते कि कैसे सीखना है, बल्कि वे अपने सीखने के लक्ष्यों, पाठ्यक्रमों और मूल्यांकन की प्रक्रियाओं को भी स्वयं निर्धारित करते हैं, जिससे पूर्ण शिक्षार्थी स्वायत्तता स्थापित होती है।

56. (C) पाठ्यक्रम शिक्षण का "क्या" (What) है; शिक्षाशास्त्र "कैसे" (How) है।
पाठ्यक्रम (Curriculum) और शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के बीच मूलभूत अंतर यह है कि पाठ्यक्रम उन विषयों, ज्ञान, कौशलों और सामग्री को निर्दिष्ट करता है जिन्हें पढ़ाया जाना है ("क्या")। इसके विपरीत, शिक्षाशास्त्र उन विधियों, रणनीतियों और अनुदेशात्मक तकनीकों को संदर्भित करता है जिनके द्वारा वह सामग्री छात्रों को सिखाई जाती है ("कैसे")।

57. (D) पाठ्यक्रम (Curriculum); शिक्षाशास्त्र (Pedagogy)
संस्थागत या राष्ट्रीय दिशानिर्देश जो यह तय करते हैं कि छात्रों को क्या सीखना चाहिए और कौन से मानक प्राप्त करने चाहिए, वे पाठ्यक्रम (Curriculum) का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन मानकों को कक्षा में हासिल करने के लिए शिक्षकों द्वारा चुनी गई रणनीतियाँ, गतिविधियाँ और शिक्षण विधियाँ शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) का प्रतिनिधित्व करती हैं।

58. (C) केवल I, II और IV
शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रम को कक्षा में वास्तविक रूप में लागू करता है। एक उत्कृष्ट प्रगतिशील पाठ्यक्रम भी शिक्षक के पुराने या दमनकारी शिक्षाशास्त्र के कारण विफल हो सकता है, और पाठ्यक्रम परिवर्तन के लिए प्रायः नई शिक्षण विधियों की आवश्यकता होती है। यह कथन कि दोनों पूरी तरह स्वतंत्र हैं, गलत है क्योंकि वे गहराई से अंतर-संबंधित हैं।

59. (B) पाठ्यक्रम सामग्री (Curriculum Materials)
जब कोई शिक्षक निर्धारित पाठ्यक्रम के उद्देश्यों और विषयों को कवर करने के लिए पाठ्यपुस्तकों, कार्यपुस्तिकाओं या अन्य पठन सामग्रियों का चयन करता है, तो वह मुख्य रूप से पाठ्यक्रम सामग्री (Curriculum Materials) का उपयोग कर रहा होता है। ये सामग्रियां पाठ्यक्रम के "क्या" को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करने का एक साधन होती हैं।

60. (B) पेडागॉजिकल CONTENT Knowledge (Pedagogical Content Knowledge - PCK)
यह अवधारणा कि विषय-वस्तु और उसके शिक्षण का तरीका आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं, पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज (PCK) द्वारा सबसे अच्छी तरह स्पष्ट होती है। इसके अनुसार, यह जानना कि किसी विशिष्ट विषय को शिक्षार्थियों की समझ के अनुसार कैसे प्रस्तुत किया जाए, पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र के अंतःसंबंध को दर्शाता है।

61. (A) लक्षित पाठ्यक्रम और लागू शिक्षाशास्त्र (Intended Curriculum and Enacted Pedagogy)
जब कोई आधिकारिक पाठ्यक्रम लोकतांत्रिक मूल्यों को सिखाने का लक्ष्य (Intended Curriculum) रखता है, परंतु शिक्षक कक्षा में दमनकारी या सत्तावादी शिक्षण विधि (Enacted Pedagogy) का प्रयोग करता है, तो यह लक्षित उद्देश्यों और वास्तविक कक्षा संचालन के बीच एक गंभीर संघर्ष और असंतुलन पैदा करता है, जिससे अधिगम प्रभावित होता है।

NODIA

62. (C) कक्षा में शिक्षकों और छात्रों के बीच होने वाली वास्तविक शैक्षणिक बातचीत
"लागू पाठ्यक्रम" (Enacted Curriculum) से तात्पर्य उस वास्तविक शैक्षणिक प्रक्रिया से है जो कक्षा के भीतर शिक्षक और छात्रों के बीच दैनिक अंतःक्रिया, गतिविधियों और संवादों के रूप में घटित होती है। यह लिखित या आधिकारिक दस्तावेज से अलग, कक्षा की जीवंत और व्यावहारिक वास्तविकताओं को दर्शाता है।

63. (D) पाठ्यक्रम (Curriculum); शिक्षाशास्त्र (Pedagogy)
जब पाठ योजना में केवल पढ़ाए जाने वाले विषयों और सामग्री की सूची दी जाती है, तो वह पाठ्यक्रम (Curriculum) का प्रतिनिधित्व करती है। लेकिन जब उसमें शिक्षण की विधियों,

गतिविधियों, अनुदेशात्मक तकनीकों और संसाधनों का अभाव होता है, तो इसका अर्थ है कि शिक्षक ने शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के आवश्यक घटकों को छोड़ दिया है।

64. (C) विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction)
सीखने की अक्षमता या विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों के लिए पाठ्यक्रम को सुलभ और बोधगम्य बनाने हेतु शिक्षण पद्धतियों, गतिविधियों और सामग्रियों में बदलाव करने की प्रक्रिया विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) कहलाती है। यह रणनीति प्रत्येक शिक्षार्थी की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षा को अनुकूलित करने का प्रयास करती है।

65. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
एक दस्तावेज़ के रूप में पाठ्यक्रम शिक्षार्थी-केंद्रित बनाया जा सकता है, फिर भी कक्षा में शिक्षक पारंपरिक शिक्षक-केंद्रित शिक्षाशास्त्र का प्रयोग कर सकता है। इसका कारण यह है कि पाठ्यक्रम निर्माता और कक्षा में पढ़ाने वाले शिक्षक का दार्शनिक दृष्टिकोण, प्रशिक्षण और संसाधन हमेशा एक समान नहीं होते हैं। अतः कथन और कारण दोनों सही हैं।

66. (D) पाठ्यक्रम डिजाइन और शैक्षणिक प्रथाएं दोनों
रटकर याद करने की पारंपरिक प्रणाली से हटकर महत्वपूर्ण सोच (Critical Thinking) को बढ़ावा देने के लिए केवल भौतिक सुविधाओं में बदलाव पर्याप्त नहीं है। इसके लिए पाठ्यक्रम के डिजाइन (ज्ञान की प्रकृति) और दैनिक शैक्षणिक प्रथाओं (शिक्षण विधियों) दोनों में मौलिक और प्रणालीगत परिवर्तन करना आवश्यक होता है।

67. (A) डिडैक्टिक्स विषय-वस्तु के प्रसारण पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि शिक्षाशास्त्र में समग्र बाल विकास शामिल है।
महाद्वीपीय यूरोपीय परंपरा में, "डिडैक्टिक्स" (Didactics) मुख्य रूप से किसी विशिष्ट विषय-वस्तु को प्रभावी ढंग से सिखाने, व्यवस्थित करने और प्रसारित करने के विज्ञान पर केंद्रित होता है। इसके विपरीत, "शिक्षाशास्त्र" (Pedagogy) का दायरा अधिक व्यापक है, जिसमें शिक्षार्थी के नैतिक, सामाजिक, संवेगात्मक और समग्र विकास की देखरेख शामिल होती है।

68. (C) शिक्षक, छात्र, विषय-वस्तु (Teacher, Student, Content)
"डिडैक्टिक त्रिभुज" (Didactic Triangle) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का एक मौलिक मॉडल है। इसके तीन शीर्ष बिंदु शिक्षक (Teacher), छात्र (Student) और विषय-वस्तु (Content) हैं। यह मॉडल इन तीनों घटकों के बीच होने वाली निरंतर अंतःक्रियाओं और संबंधों के माध्यम से अनुदेशात्मक प्रक्रिया का विश्लेषण और व्याख्या करता है।

69. (A) डिडैक्टिक (Didactic)
जब किसी शिक्षक का मुख्य ध्यान केवल विषय-वस्तु (जैसे भौतिकी के सिद्धांत) को तार्किक रूप से क्रमित करने और सटीक रूप से प्रसारित करने पर होता है, तथा छात्र के संवेगात्मक या संबंधात्मक पहलुओं की उपेक्षा होती है, तो यह दृष्टिकोण अत्यधिक डिडैक्टिक (Didactic) कहलाता है। यह सीधे ज्ञान हस्तांतरण पर केंद्रित होता है।

70. (D) जर्मन/महाद्वीपीय परंपरा
जर्मन और महाद्वीपीय यूरोपीय शैक्षिक परंपरा में "बिल्डुंग" (Bildung) की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह केवल ज्ञान या कौशल प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति के आत्म-निर्माण, चरित्र निर्माण, सांस्कृतिक परिपक्वता और समग्र नैतिक विकास पर बल देती है, जो शिक्षाशास्त्र का मुख्य दार्शनिक लक्ष्य माना जाता है।

71. (B) डिडैक्टिक्स शिक्षक की भूमिका को पूरी तरह से नजरअंदाज करता है।
यह कथन गलत है क्योंकि डिडैक्टिक्स (Didactics) कभी भी शिक्षक की भूमिका को नजरअंदाज नहीं करता। वास्तव में, डिडैक्टिक त्रिभुज में शिक्षक एक अनिवार्य घटक होता है जो विषय-वस्तु को शिक्षार्थियों के लिए सुलभ और बोधगम्य बनाने हेतु रणनीतियों का निर्माण और संचालन करता है।

72. (B) केवल I और II
इवेस शेवैलार्ड (Yves Chevallard) का "डिडैक्टिक ट्रांसपोजिशन" सिद्धांत यह व्याख्या करता है कि कैसे वैज्ञानिक या अकादमिक ज्ञान को कक्षा में छात्रों के सीखने योग्य ज्ञान में रूपांतरित किया जाता है। इसके लिए शिक्षकों को जटिल सिद्धांतों को सरल बनाना पड़ता है। यह कोई प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि एक शैक्षणिक प्रक्रिया है।

73. (D) विषय-विशिष्ट डिडैक्टिक्स (Subject-specific Didactics)
जब कोई शिक्षक किसी विशिष्ट विषय (जैसे गणित) की जटिल अवधारणा या सूत्र को किसी विशेष आयु वर्ग के बच्चे के लिए सुलभ और समझने योग्य बनाने का प्रयास करता है, तो वह विषय-विशिष्ट डिडैक्टिक्स (Subject-specific Didactics) का अनुप्रयोग कर रहा होता है। यह अनुदेशात्मक रूपांतरण पर केंद्रित होता है।

74. (A) शिक्षक संरचित सरलीकरण के बिना जटिल वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्रदान करता है, जिससे व्यापक भ्रम पैदा होता है।
डिडैक्टिक्स की विफलता तब होती है जब शिक्षक विषय-वस्तु को शिक्षार्थी के संज्ञानात्मक स्तर के अनुसार ढालने या सरलीकृत करने में असमर्थ रहता है। बिना किसी अनुदेशात्मक रूपांतरण या स्पष्टीकरण के जटिल सिद्धांतों को सीधे प्रस्तुत करने से छात्र भ्रमित हो जाते हैं, जो प्रभावी डिडैक्टिक योजना के अभाव को दर्शाता है।

75. (B) छात्र के चरित्र, नैतिक मूल्यों और नागरिक जिम्मेदारी का विकास करना
विशुद्ध डिडैक्टिक दृष्टिकोण मुख्यतः विषय-वस्तु के हस्तांतरण पर ध्यान केंद्रित करता है। इसके विपरीत, एक समग्र शैक्षणिक दृष्टिकोण विषय ज्ञान से आगे बढ़कर शिक्षार्थी के चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों के विकास, सामाजिक चेतना

Click Here to Buy book on Amazon

और ज़िम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने पर समान रूप से बल देता है।

76. (B) अधिगम (Learning)
17वीं सदी में जॉन अमोस कॉमेनियस द्वारा प्रयुक्त अवधारणाओं के अनुसार, डिडैक्टिक्स (Didactics) जहाँ शिक्षण का विज्ञान या कला है, वहीं "मैथेटिक्स" (Mathetics) अधिगम (Learning) या सीखने की प्रक्रिया का विज्ञान है। यह अध्ययन इस बात पर केंद्रित रहता है कि शिक्षार्थी ज्ञान को कैसे प्राप्त और संसाधित करते हैं।

77. (A) जॉन अमोस कॉमेनियस (John Amos Comenius)
17वीं शताब्दी के महान चेक शिक्षाविद जॉन अमोस कॉमेनियस (John Amos Comenius) ने अपनी ऐतिहासिक पुस्तक "द ग्रेट डिडैक्टिक" (The Great Didactic) लिखी। इसमें उन्होंने सार्वभौमिक शिक्षा, अनुदेशात्मक अनुक्रमण, चित्र-आधारित शिक्षण और शिक्षण विधियों को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करके आधुनिक डिडैक्टिक्स और शिक्षाशास्त्र की आधारशिला रखी।

78. (C) राजनीतिक (Political)
आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र (Critical Pedagogy) का मुख्य मानना है कि शिक्षा कभी भी मूल्य-तटस्थ नहीं हो सकती; यह स्वाभाविक रूप से एक राजनीतिक (Political) कार्य है। स्कूल और पाठ्यक्रम समाज की सत्ता संरचनाओं, विचारधाराओं और वर्गों के हितों को प्रतिबिंबित करते हैं, इसलिए शिक्षण प्रक्रिया सामाजिक न्याय से जुड़ी होती है।

79. (D) पाउलो फ्रेरे (Paulo Freire)
ब्राजील के प्रसिद्ध शिक्षाविद पाउलो फ्रेरे (Paulo Freire) को आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र का संस्थापक माना जाता है। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक "पेडागोजी ऑफ द ऑप्रेस्ड" (Pedagogy of the Oppressed) ने पारंपरिक शिक्षा प्रणालियों की आलोचना की और दमित वर्गों के सशक्तिकरण के लिए संवादात्मक व चेतना-जाग्रत करने वाली शिक्षा का प्रतिपादन किया।

80. (C) शिक्षा का बैंकिंग मॉडल (Banking Model of Education)
पाउलो फ्रेरे ने पारंपरिक शिक्षण प्रणाली को "शिक्षा का बैंकिंग मॉडल" (Banking Model of Education) कहा। इस दमनकारी मॉडल में शिक्षार्थियों को खाली बैंक खाते की तरह माना जाता है, जिनमें शिक्षक ज्ञान की जानकारी "जमा" (Deposit) करता है। यह प्रक्रिया छात्रों में आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को दबाती है।

81. (B) समस्या-प्रस्तुत करने वाली शिक्षा (Problem-posing Education)
पाउलो फ्रेरे ने बैंकिंग मॉडल के विकल्प के रूप में "समस्या-प्रस्तुत करने वाली शिक्षा" (Problem-posing Education) का प्रस्ताव दिया। इस दृष्टिकोण में शिक्षक और छात्र मिलकर वास्तविक दुनिया की समस्याओं पर सवाल उठाते हैं, संवाद करते हैं और आलोचनात्मक चिंतन के माध्यम से ज्ञान का सह-निर्माण करते हैं।

82. (D) आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र (Critical Pedagogy)
जब छात्रों को पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु से आगे बढ़कर स्थानीय समस्याओं का विश्लेषण करने, सरकारी नीतियों पर सवाल उठाने और सामाजिक समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो यह आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र (Critical Pedagogy) का प्रत्यक्ष अनुप्रयोग है। यह शिक्षार्थियों को सामाजिक रूप से जागरूक और सक्रिय नागरिक बनाता है।

83. (A) सामाजिक वास्तविकता की आलोचनात्मक जागरूकता और इसे बदलने की क्षमता का विकास करना
आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र में "चेतनीकरण" (Conscientization / Conscientização) का अर्थ है शिक्षार्थियों में अपनी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक वास्तविकताओं की आलोचनात्मक जागरूकता विकसित करना। यह छात्रों को अपने आस-पास मौजूद दमनकारी परिस्थितियों को पहचानने और उन्हें बदलने के लिए कार्रवाई (Praxis) करने में सक्षम बनाता है।

84. (C) हेनरी गिरोक्स (Henry Giroux)
अमेरिकी शैक्षिक सिद्धांतकार हेनरी गिरोक्स (Henry Giroux) आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र के एक प्रमुख ध्वजवाहक हैं। उन्होंने "परिवर्तनकारी बुद्धिजीवियों के रूप में शिक्षक" (Teachers as Transformative Intellectuals) की अवधारणा दी, जिसके अनुसार शिक्षक केवल तकनीशियन नहीं हैं, बल्कि वे समाज में न्याय और लोकतंत्र को बढ़ावा देने वाले चिंतक हैं।

85. (A) यह एक मानकीकृत पाठ्यक्रम के कड़ाई से अनुपालन का आदेश देता है।
यह कथन आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र के संबंध में गलत है, क्योंकि यह दृष्टिकोण किसी भी मानकीकृत या थोपे गए पाठ्यक्रम का कड़ाई से विरोध करता है। आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र स्कूलों को निष्पक्ष मानने के दावे को चुनौती देता है, हाशिए के वर्गों को सशक्त बनाता है और एकतरफा व्याख्यान के बजाय संवादात्मक शिक्षण पर जोर देता है।

NODIA

86. (D) संवादात्मक और सह-इरादतन (Dialogical and Co-intentional)
आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र का पालन करने वाली कक्षा में शिक्षक और छात्र का संबंध पदानुक्रमित या सत्तावादी नहीं होता, बल्कि संवादात्मक और सह-इरादतन (Dialogical and Co-intentional) होता है। दोनों एक-दूसरे से सीखते हैं, मिलकर वास्तविकता की जांच करते हैं और ज्ञान का सह-निर्माण करते हैं, जिससे शिक्षक-छात्र का पारंपरिक अंतर समाप्त होता है।

87. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र इस विचार को खारिज करता है कि शिक्षक ज्ञान का एकमात्र स्वामी है, क्योंकि इसका मानना है कि ज्ञान शिक्षक और छात्रों के बीच लोकतांत्रिक संवाद के

माध्यम से निर्मित होता है। इसमें छात्रों के व्यक्तिगत अनुभवों को वैध ज्ञान माना जाता है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सही हैं।

88. (C) किसके ज्ञान को आधिकारिक रूप से चुना जाता है और निर्धारित पाठ्यक्रम में शामिल किया जाता है?
आलोचनात्मक शिक्षाविद माइकल एप्पल (Michael Apple) का कार्य मुख्य रूप से पाठ्यक्रम की राजनीति पर केंद्रित है। उन्होंने इस बात का गहन विश्लेषण किया कि समाज के शक्तिशाली वर्गों का ज्ञान किस प्रकार आधिकारिक पाठ्यक्रम के रूप में चुना जाता है, जबकि हाशिए के समूहों के ज्ञान और दृष्टिकोण की उपेक्षा की जाती है।

89. (D) ज्ञान प्रदान करने और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों का उपयोग करना चाहिए
सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र (Culturally Responsive Pedagogy) इस सिद्धांत पर आधारित है कि शिक्षण को छात्रों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भाषा और सामाजिक संदर्भों का सम्मान करना चाहिए। यह छात्रों के घरेलू और सामुदायिक अनुभवों को अधिगम का आधार बनाकर उन्हें अकादमिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास करता है।

90. (A) ग्लोरिया लाडसन-बिलिंग्स (Gloria Ladson-Billings)
सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक शिक्षाशास्त्र (Culturally Relevant Pedagogy) के सिद्धांत को विकसित करने का श्रेय मुख्य रूप से प्रसिद्ध शिक्षविद ग्लोरिया लाडसन-बिलिंग्स (Gloria Ladson-Billings) को दिया जाता है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि विविध पृष्ठभूमि वाले छात्रों की अकादमिक सफलता के लिए उनकी सांस्कृतिक पहचान को स्वीकारना अनिवार्य है।

91. (B) छात्रों को मानक अकादमिक भाषण के लिए अपनी मूल घरेलू भाषाओं को छोड़ देना चाहिए।
ग्लोरिया लाडसन-बिलिंग्स के अनुसार सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक शिक्षाशास्त्र के तीन स्तंभ हैं: अकादमिक सफलता, सांस्कृतिक दक्षता और आलोचनात्मक चेतना। छात्रों को अपनी मूल भाषा या संस्कृति को छोड़ने के लिए कहना इस सिद्धांत के पूरी तरह विपरीत है; यह दृष्टिकोण सांस्कृतिक संवर्धन का समर्थन करता है।

92. (B) ज्ञान के कोष (Funds of Knowledge)
जब एक शिक्षक कक्षा में अवधारणाओं को समझाने के लिए छात्रों के समुदायों, घरों और सांस्कृतिक परंपराओं से प्राप्त ज्ञान, भाषा व लोककथाओं का उपयोग करता है, तो वह उनके "ज्ञान के कोष" (Funds of Knowledge) का लाभ उठाता है। यह अवधारणा शिक्षार्थियों के पूर्व-मौजूद सांस्कृतिक अनुभवों को मूल्यवान संसाधन मानती है।

93. (A) समानता एक समान संसाधन प्रदान करती है; समता समान परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यकता के आधार पर संसाधनों का वितरण करती है।
समानता (Equality) का अर्थ सभी छात्रों को उनकी पृष्ठभूमि पर विचार किए बिना एक समान संसाधन देना है, जो असमानताओं को बढ़ा सकता है। इसके विपरीत, समता (Equity) का तात्पर्य प्रत्येक छात्र की विशिष्ट आवश्यकताओं और चुनौतियों के अनुसार संसाधनों एवं सहायता का वितरण करना है ताकि सभी न्यायसंगत परिणाम प्राप्त कर सकें।

94. (B) केवल I और III
सांस्कृतिक कला रूपों के माध्यम से अभिव्यक्त करने देना और गणित में सामुदायिक मुद्दों को शामिल करना सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र के संरेखित है। हाशिए के छात्रों के लिए अपेक्षाओं को कम करना गलत है (घाटा दृष्टिकोण), क्योंकि यह मॉडल उच्च अकादमिक अपेक्षाओं को बनाए रखने पर बल देता है।

95. (D) घाटा मॉडल (Deficit Model)
जब शिक्षक छात्रों के खराब अकादमिक प्रदर्शन का दोष उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति, घरेलू माहौल या सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर मढ़ते हैं, तो इसे "घाटा मॉडल" (Deficit Model) कहा जाता है। यह दृष्टिकोण छात्रों की क्षमताओं को नजरअंदाज करता है। प्राचार्यों को शिक्षकों को इस नकारात्मक दृष्टिकोण से दूर परिसंपत्ति-आधारित मॉडल की ओर ले जाना चाहिए।

96. (C) बौद्धिक विकास और शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाने के लिए छात्रों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का लाभ उठाना
जिनेवा गे (Geneva Gay) के अनुसार "सांस्कृतिक पाड़" (Cultural Scaffolding) का अर्थ छात्रों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, पूर्व ज्ञान और जीवन अनुभवों का उपयोग एक अनुदेशात्मक पुल के रूप में करना है। यह पाड़ नई और जटिल अकादमिक अवधारणाओं को आसानी से समझने तथा बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने में सहायता करता है।

97. (B) सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र (Culturally Responsive Pedagogy)
विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रवासी छात्रों की विविध सांस्कृतिक विरासतों, इतिहास और भूगोल को जब स्कूल के पाठ्यक्रम में व्यवस्थित रूप से शामिल किया जाता है, तो यह सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र का एक प्रणालीगत अनुप्रयोग होता है। यह सभी छात्रों में समावेशिता और अपनेपन की भावना विकसित करता है।

98. (D) बहुभाषावाद (Multilingualism) और मातृभाषा में पढ़ाने पर जोर
राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों में बहुभाषावाद (Multilingualism) और प्रारंभिक कक्षाओं में मातृभाषा में अनुदेशन देने पर बल देना सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र के साथ पूरी तरह संरेखित है। यह शिक्षार्थी की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान को स्वीकार करता है, जिससे बच्चों के लिए अधिगम अधिक प्राकृतिक और प्रभावी बनता है।

Downloaded from www.pdf.tube

99. (A) अपने स्वयं के सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों, सामाजिक विशेषाधिकारों और शिक्षण धारणाओं का गंभीर रूप से परीक्षण करना
सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षक बनने के लिए "आलोचनात्मक आत्म-चिंतन" (Critical Self-reflection) अत्यंत आवश्यक है। इसमें शिक्षक अपने स्वयं के सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों, रुढ़िवादिता, विशेषाधिकारों और शिक्षण संबंधी धारणाओं का ईमानदारी से परीक्षण करता है ताकि वह कक्षा में सभी छात्रों के साथ बिना किसी पक्षपात के न्यायसंगत व्यवहार कर सके।

100. (B) केवल II, III और IV
डिजिटल शिक्षाशास्त्र का अर्थ केवल कक्षा में तकनीक का उपयोग करना नहीं है, बल्कि यह प्रौद्योगिकी के प्रकाश में शिक्षण विधियों का पुनर्गठन करता है। यह कनेक्टिविज्म, नेटवर्किंग और शिक्षकों की डिजिटल साक्षरता पर जोर देता है। पहला कथन गलत है क्योंकि केवल उपकरण का प्रयोग करना ही डिजिटल शिक्षाशास्त्र नहीं कहलाता।

101. (A) टेक्नोलॉजिकल पेडागॉजिकल CONTENT Knowledge (Technological Pedagogical Content Knowledge - TPACK)
डिजिटल शिक्षाशास्त्र में TPACK का पूर्ण रूप "Technological Pedagogical Content Knowledge" (तकनीकी शैक्षणिक विषय-वस्तु ज्ञान) है। यह ढांचा शिक्षकों को यह समझने में मदद करता है कि प्रभावी शिक्षण प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी (Technology), शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) और विषय-वस्तु (Content) का एक साथ एकीकरण कैसे किया जाए।

102. (D) विशिष्ट विषय शिक्षण में तकनीक को प्रभावी ढंग से एम्बेड करने के लिए आवश्यक एकीकृत ज्ञान
मिश्रा और कोहलर द्वारा विकसित TPACK मॉडल में, जब प्रौद्योगिकी ज्ञान, शैक्षणिक ज्ञान और विषय-वस्तु ज्ञान तीनों का प्रतिच्छेदन होता है, तो यह उस एकीकृत ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है जो किसी विशिष्ट विषय को डिजिटल माध्यमों से प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए शिक्षक हेतु आवश्यक होता है।

103. (B) कनेक्टिविज्म (Connectivism)
जॉर्ज सीमेंस द्वारा प्रस्तावित "कनेक्टिविज्म" (Connectivism) डिजिटल युग के लिए अधिगम का एक प्रमुख सिद्धांत है। यह अधिगम को विभिन्न सूचना स्रोतों, नेटवर्क और डिजिटल प्लेटफार्मों के बीच संबंध (Connections) बनाने की एक प्रक्रिया के रूप में देखता है, जहाँ ज्ञान नेटवर्क के भीतर फैला होता है।

104. (C) छात्र कक्षा में गृहकार्य करते हैं और वीडियो के माध्यम से घर पर व्याख्यान सुनते हैं।
"फ्लिप्ड क्लासरूम" (Flipped Classroom) मॉडल में पारंपरिक शिक्षण क्रम को उलट दिया जाता है। छात्र घर पर डिजिटल वीडियो या ऑनलाइन सामग्री के माध्यम से नए विषयों को सीखते हैं, और कक्षा के समय का उपयोग शिक्षक की उपस्थिति में सहयोगात्मक गतिविधियों, चर्चाओं और गृहकार्य जैसे अभ्यास प्रश्नों को हल करने के लिए करते हैं।

105. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
डिजिटल युग में जानकारी की प्रचुरता के कारण शिक्षक अब ज्ञान का एकमात्र स्रोत नहीं रहे हैं। इसलिए, उनकी भूमिका "मंच के ज्ञानी" से बदलकर एक "मार्गदर्शक" (Facilitator) की हो गई है, जो छात्रों को डिजिटल जानकारी का गंभीर विश्लेषण, चयन और संश्लेषण करने में मदद करते हैं। कथन और कारण दोनों सत्य हैं।

106. (A) अपेक्षाओं को अनुकूलित करके और समान सहायता देकर तकनीकी असमानताओं को संबोधित करना।
"डिजिटल विभाजन" (Digital Divide) छात्रों के बीच डिजिटल उपकरणों और इंटरनेट की उपलब्धता में असमानता को संदर्भित करता है। एक प्राचार्य के लिए इसे शैक्षणिक रूप से संबोधित करने का अर्थ यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी कमी वाले छात्रों को अतिरिक्त सहायता, वैकल्पिक संसाधन और अनुकूलित अवसर देकर समानता प्रदान की जाए।

107. (B) यह आमने-सामने के सामाजिक संपर्क की आवश्यकता को समाप्त करता है।
मिश्रित अधिगम (Blended Learning) पारंपरिक प्रत्यक्ष शिक्षण और डिजिटल ऑनलाइन शिक्षण का एक संयोजन है। यह आमने-सामने के सामाजिक संपर्क को समाप्त नहीं करता, बल्कि उसे ऑनलाइन गतिविधियों के साथ समृद्ध बनाता है। अतः सामाजिक संपर्क को समाप्त करना मिश्रित अधिगम का लाभ नहीं बल्कि एक भ्रामक धारणा है।

108. (B) प्रतिस्थापन (Substitution), संवर्धन (Augmentation), रूपांतरण (Modification), पुनर्परिभाषा (Redefinition)
डॉ. रुबेन पुंटेडुरा द्वारा विकसित SAMR मॉडल तकनीक के एकीकरण के चार स्तरों को दर्शाता है: Substitution (प्रतिस्थापन), Augmentation (संवर्धन), Modification (रूपांतरण), और Redefinition (पुनर्परिभाषा)। यह मॉडल शिक्षकों को मूल्यांकन करने में मदद करता है कि तकनीक कक्षा शिक्षण को किस हद तक रूपांतरित कर रही है।

109. (A) प्रतिस्थापन (Substitution)
SAMR मॉडल के अनुसार, जब तकनीक का उपयोग किसी पारंपरिक उपकरण के सीधे विकल्प के रूप में किया जाता है और कार्य में कोई कार्यात्मक बदलाव नहीं होता (जैसे कागज-कलम की जगह वर्ड प्रोसेसर पर निबंध टाइप करना), तो यह प्राथमिक स्तर यानी "प्रतिस्थापन" (Substitution) को दर्शाता है।

NODIA

110. (C) पुनर्परिभाषा (Redefinition)
SAMR मॉडल में, जब तकनीक का उपयोग ऐसे नए शैक्षणिक कार्यों को निर्मित करने के लिए किया जाता है जो पहले तकनीकी साधनों के बिना पूरी तरह से असंभव थे (जैसे वैश्विक कक्षाओं को वास्तविक समय में जोड़कर शोध करना), तो यह

उच्चतम स्तर "पुनर्परिभाषा" (Redefinition) का प्रतिनिधित्व करता है।

111. (D) मनोविज्ञान बताता है कि अधिगम कैसे होता है; शिक्षाशास्त्र उन अंतर्दृष्टि के आधार पर अनुदेशन तैयार करता है।
मनोविज्ञान और शिक्षाशास्त्र के बीच एक पूरक संबंध है। मनोविज्ञान वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से यह व्याख्या करता है कि मनुष्य का मन कैसे सीखता है, विकास कैसे होता है और प्रेरणा कैसे कार्य करती है। शिक्षाशास्त्र इन मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टियों का उपयोग करके कक्षा अनुदेशन और व्यावहारिक शिक्षण विधियों का निर्माण करता है।

112. (C) अधिगम आत्मसातीकरण (Assimilation) और समायोजन (Accommodation) प्रक्रियाओं के माध्यम से सक्रिय संज्ञानात्मक निर्माण है
जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत ने यह स्थापित करके शिक्षाशास्त्र को बदला कि बच्चे निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं, बल्कि वे सक्रिय ज्ञान निर्माता (Active Knowledge Constructors) हैं। वे आत्मसातीकरण (Assimilation) और समायोजन (Accommodation) की निरंतर अंतःक्रिया द्वारा अपने वातावरण की खोज करते हुए ज्ञान के स्कीमा का निर्माण स्वयं करते हैं।

113. (B) समीपस्थ विकास का क्षेत्र (Zone of Proximal Development - ZPD)
लेव वायगोत्स्की की "समीपस्थ विकास का क्षेत्र" (ZPD) की अवधारणा सहयोगात्मक शिक्षाशास्त्र का आधार है। ZPD छात्र द्वारा स्वतंत्र रूप से किए जा सकने वाले कार्य और किसी अधिक सक्षम व्यक्ति की मदद से किए जा सकने वाले कार्य के बीच का अंतर है, जहाँ अनुदेशात्मक पाड़ (Scaffolding) दी जाती है।

114. (D) व्यवहारवाद (Behaviorism)
बार-बार अभ्यास (Drills), पुनरावृत्ति और टोकन अर्थव्यवस्थाओं (Token Economies) जैसी तकनीकों पर आधारित शिक्षण दृष्टिकोण पूरी तरह से व्यवहारवादी मनोविज्ञान (Behaviorism) पर आधारित है। बी.एफ. स्किनर जैसे व्यवहारवादियों का मानना था कि अधिगम उद्दीपन-अनुक्रिया के संबंधों और बाह्य सुदृढ़ीकरण (External Reinforcement) के माध्यम से घटित होता है।

115. (A) शिक्षार्थी स्वायत्तता, आत्म-साक्षात्कार (Self-actualization) और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देना
कार्ल रोजर्स और अब्राहम मास्लो के मानवतावादी मनोविज्ञान (Humanistic Psychology) से प्रेरित शिक्षाशास्त्र शिक्षार्थी की स्वायत्तता, आत्म-साक्षात्कार (Self-actualization), व्यक्तिगत प्राथमिकताओं और भावनात्मक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। यह दृष्टिकोण छात्र-केंद्रित वातावरण बनाकर शिक्षार्थी की जन्मजात क्षमता के विकास पर बल देता है।

116. (D) I, II और III
तीनों युग्म सही हैं। व्यवहारवाद (Behaviorism) क्रमादेशित अनुदेशन और अभ्यास पर जोर देता है; संज्ञानवाद (Cognitivism) सूचना प्रसंस्करण और अवधारणा मानचित्रण पर केंद्रित है; तथा निर्मितिवाद (Constructivism) समस्या-आधारित अधिगम और पूछताछ विधियों की वकालत करता है जहाँ शिक्षार्थी सक्रिय रूप से ज्ञान निर्मित करते हैं।

117. (A) यह विविध बुद्धिमत्ता के लिए कई शिक्षण पथ प्रदान करके विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) को बढ़ावा देता है।
हावर्ड गार्डनर के बहु-बुद्धिमत्ता सिद्धांत (Multiple Intelligences Theory) ने यह सिद्ध किया कि बुद्धि एक एकल कारक नहीं है। इसने शिक्षाशास्त्र को इस प्रकार प्रभावित किया कि शिक्षक अब सभी छात्रों के लिए एक ही विधि अपनाने के बजाय विभिन्न बुद्धिमत्ताओं (जैसे दृश्य, संगीत, तार्किक) के अनुरूप विभेदित अनुदेशन प्रदान करते हैं।

118. (D) किसी कार्य में महारत हासिल करने में मदद करने के लिए अस्थायी, अनुकूलित सहायता की पेशकश करना, जैसे-जैसे क्षमता बढ़ती है इसे धीरे-धीरे हटाना
अनुदेशात्मक पाड़ (Instructional Scaffolding) एक ऐसी तकनीक है जिसमें शिक्षक शिक्षार्थी को किसी कठिन कार्य को सीखने के लिए अस्थायी और अनुकूलित सहायता प्रदान करता है। जैसे-जैसे छात्र में स्वायत्तता और महारत विकसित होती जाती है, शिक्षक इस सहायता को धीरे-धीरे हटाता जाता है ताकि छात्र स्वतंत्र रूप से कार्य कर सके।

119. (B) छात्र शिक्षकों और साथियों के व्यवहार का अवलोकन और अनुकरण (Modeling) करके प्रभावी ढंग से सीखते हैं।
अल्बर्ट बांडुरा के सामाजिक शिक्षण सिद्धांत (Social Learning Theory) का शैक्षणिक निष्कर्ष यह है कि मनुष्य मुख्य रूप से सामाजिक वातावरण में दूसरों के व्यवहार का अवलोकन करके, उसका अनुकरण (Modeling) करके और उसके परिणामों को देखकर सीखता है। इसलिए कक्षा में शिक्षक और सहपाठियों का आचरण अत्यंत प्रभावशाली होता है।

120. (C) स्कीमा सिद्धांत (Schema Theory)
स्कीमा सिद्धांत (Schema Theory) यह स्पष्ट करता है कि हमारा मस्तिष्क जानकारी को मानसिक संरचनाओं (Schemas) के रूप में व्यवस्थित करता है। नया ज्ञान तभी प्रभावी ढंग से सीखा जाता है जब वह छात्र के पूर्व ज्ञान (Existing Schemas) से जुड़ता है। इसलिए शिक्षण में नया विषय शुरू करने से पहले पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना आवश्यक है।

121. (D) शिक्षा के मूलभूत लक्ष्य, मुख्य मूल्य और उद्देश्य
जहाँ मनोविज्ञान शिक्षण की प्रक्रियाओं और अधिगम के तरीकों का अध्ययन करता है, वहीं शिक्षा का दर्शनशास्त्र (Philosophy of Education) शिक्षाशास्त्र को उसके मूलभूत लक्ष्य, दूरदृष्टि, नैतिक मूल्य और उद्देश्य प्रदान करता

Click Here to Buy book on Flipkart

है। दर्शन यह निर्धारित करता है कि हमें किस प्रकार का समाज और नागरिक निर्मित करना चाहिए।

122. (A) शाश्वतवाद (Perennialism)
शाश्वतवाद (Perennialism) एक ऐसा शैक्षिक दर्शन है जो यह मानता है कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य मानव जाति के सार्वभौमिक, कालातीत सत्यों और महान विचारों को प्रसारित करना है। यह दृष्टिकोण शास्त्रीय साहित्य, इतिहास और दार्शनिक ग्रंथों के अध्ययन पर बल देता है जो समय के साथ कभी पुराने नहीं होते।

123. (B) उपयोगितावाद - जॉन डीवी (Pragmatism)
"करके सीखने" (Learning by Doing), व्यावहारिक प्रयोगों, प्रोजेक्ट कार्य और लोकतांत्रिक कक्षा वातावरण पर बल देने वाला शैक्षणिक दृष्टिकोण जॉन डीवी के उपयोगितावादी दर्शन (Pragmatism) से प्रेरित है। उपयोगितावाद ज्ञान को कर्म का परिणाम मानता है और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान पर बल देता है।

124. (B) छात्रों को चुनाव करने और अपने स्वयं के अर्थ को आकार देने की जिम्मेदारी लेने की स्वायत्तता देना
अस्तित्ववादी दर्शन (Existentialist Philosophy) व्यक्तिगत स्वतंत्रता, चुनाव की स्वायत्तता और उत्तरदायित्व पर जोर देता है। इस दर्शन पर आधारित शिक्षाशास्त्र छात्रों को अपने स्वयं के मूल्यों को चुनने, अपने जीवन के अर्थ को आकार देने और अपने निर्णयों की पूरी जिम्मेदारी लेने के लिए पूर्ण स्वतंत्रता और अवसर प्रदान करता है।

125. (A) आदर्शवाद (Idealism)
आदर्शवाद (Idealism) यह मानता है कि अंतिम वास्तविकता भौतिक जगत में नहीं बल्कि विचारों, मन और चेतना में निहित है। इस दर्शन पर आधारित शिक्षाशास्त्र मन के विकास, उच्च नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक विकास और सुकराती प्रश्नोत्तर विधि (Socratic Method) के प्रयोग पर सर्वाधिक ध्यान केंद्रित करता है।

126. (C) प्राथमिक शिक्षक के रूप में प्रकृति का उपयोग करके प्राकृतिक विकासात्मक चरणों के साथ संरेखित होता है
जीन-जैक रुसो द्वारा प्रतिपादित प्रकृतिवाद (Naturalism) यह मानता है कि बच्चे को कृत्रिम सामाजिक बंधनों के स्थान पर प्रकृति की गोद में स्वाभाविक रूप से विकसित होने देना चाहिए। इसका शिक्षाशास्त्र औपचारिक थोपी गई शिक्षा का विरोध करता है और बच्चे के प्राकृतिक विकासात्मक चरणों व प्रवृत्तियों के अनुरूप अनुदेशन देने की वकालत करता है।

127. (D) आवश्यकतातत्ववाद (Essentialism)
आवश्यकतातत्ववाद (Essentialism) एक पारंपरिक दर्शन है जो यह मानता है कि स्कूलों को केवल मूलभूत कौशलों (पढ़ना, लिखना, गणित) और आवश्यक सांस्कृतिक ज्ञान को कठोर अनुशासन व पारंपरिक तरीकों से पढ़ाना चाहिए। इसका ध्यान नवीन प्रयोगों के स्थान पर अकादमिक मानकों को बनाए रखने पर होता है।

128. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
शिक्षक द्वारा चुने गए शैक्षणिक तरीके कभी भी तटस्थ नहीं होते। जब शिक्षक व्याख्यान या समूह चर्चा जैसी विधियों का चयन करता है, तो वह अप्रत्यक्ष रूप से यह उजागर करता है कि वह ज्ञान को थोपने योग्य मानता है या सह-निर्मित। इस प्रकार शिक्षण पद्धतियां अंतर्निहित दार्शनिक मूल्यों को दर्शाती हैं। कथन-कारण दोनों सत्य हैं।

129. (B) सामाजिक अन्याय को संबोधित करना और समाज को एक न्यायसंगत समुदाय में सक्रिय रूप से बदलना
सामाजिक पुनर्निर्माणवाद (Social Reconstructionism) का मानना है कि शिक्षा केवल मौजूदा संस्कृति को बनाए रखने का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज में व्याप्त अन्याय, गरीबी और असमानता को दूर करने तथा एक नए, अधिक न्यायपूर्ण व लोकतांत्रिक समाज का पुनर्निर्माण करने का एक शक्तिशाली उपकरण है।

130. (D) अनुदेशात्मक प्रथाओं का मार्गदर्शन करने वाले ज्ञान की प्रकृति, उत्पत्ति और सीमाओं से
दर्शनशास्त्र की शाखा ज्ञानमीमांसा (Epistemology) ज्ञान की प्रकृति, उसकी उत्पत्ति, सीमाओं और वैधता के अध्ययन से संबंधित है। यह शिक्षाशास्त्र को सीधे प्रभावित करती है क्योंकि हम ज्ञान को जैसा समझते हैं (जैसे वस्तुनिष्ठ तथ्य या व्यक्तिगत निर्माण), हमारी शिक्षण और अनुदेशात्मक पद्धतियां उसी के अनुरूप निर्मित होती हैं।

131. (A) जानकारी का निष्क्रिय प्राप्तकर्ता (Passive Recipient)
एक कड़ाई से शिक्षक-केंद्रित (Teacher-Centered) शैक्षणिक मॉडल में शिक्षक ज्ञान का प्राथमिक और सत्तावादी स्रोत होता है। इसमें छात्र की मुख्य भूमिका केवल शांत बैठकर सुनना, नोट्स लेना और दी गई जानकारी को निष्क्रिय प्राप्तकर्ता (Passive Recipient) के रूप में ग्रहण करना होता है, जहाँ अंतःक्रिया अत्यंत सीमित होती है।

132. (C) छात्रों द्वारा सक्रिय भागीदारी, सहयोग और स्व-नियमन (Self-regulation)
शिक्षार्थी-केंद्रित (Learner-Centered) शिक्षाशास्त्र की मुख्य पहचान यह है कि इसमें छात्र अपनी सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इसमें सहयोग, पूछताछ, समस्या-समाधान और स्व-नियमन (Self-regulation) को प्राथमिकता दी जाती है, जहाँ शिक्षक केवल एक सुविधाप्रदाता के रूप में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है।

133. (A) "शिक्षण" से "अधिगम" की ओर
शिक्षक-केंद्रित से शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र में परिवर्तन का मुख्य बिंदु ध्यान का केंद्रित होना है। यह मॉडल "शिक्षक क्या पढ़ा रहा है" (Teaching) के स्थान पर "छात्र क्या और कैसे सीख रहा है" (Learning) पर ध्यान केंद्रित करता है। इसका प्राथमिक लक्ष्य शिक्षार्थी की आवश्यकताओं और समझ को प्राथमिकता देना है।

Downloaded from www.pdf.tube

134. (D) प्रत्यक्ष अनुदेशन / व्याख्यान (Direct Instruction / Lecture)
प्रत्यक्ष अनुदेशन या व्याख्यान विधि (Direct Instruction / Lecture) कड़ाई से शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण का हिस्सा है, क्योंकि इसमें शिक्षक सूचना के मुख्य प्रेषक के रुप में कार्य करता है। इसके विपरीत, पूछताछ, समस्या-आधारित और अनुभवात्मक अधिगम की विधियां प्रगतिशील शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण के अंतर्गत आती हैं।

135. (B) शिक्षक-केंद्रित और प्रसारण-उन्मुख
जब कक्षा में शिक्षक अधिकांश समय स्वयं बोलता है, छात्र केवल निष्क्रिय रुप से नोट्स बनाते हैं और संवाद का प्रवाह एकतरफा होता है, तो यह शैली कड़ाई से शिक्षक-केंद्रित और प्रसारण-उन्मुख (Transmission-oriented) होती है। यह पारंपरिक मॉडल छात्रों की सक्रिय सहभागिता और महत्वपूर्ण सोच को बाधित करता है।

136. (C) गतिशील शिक्षण अनुभवों का मार्गदर्शन करने वाला एक सहायक सुविधाप्रदाता (Facilitator)
शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र में शिक्षक ज्ञान का सर्वाधिकार संपन्न स्वामी नहीं होता, बल्कि वह एक सहायक सुविधाप्रदाता (Facilitator) के रुप में कार्य करता है। वह ऐसा अनुकूल वातावरण और गतिविधियां तैयार करता है जहाँ छात्र स्वयं खोज, चर्चा और व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से ज्ञान का निर्माण कर सकें।

137. (D) दैनिक शिक्षण गतिविधियों और चिंतन में एकीकृत एक निरंतर रचनात्मक प्रक्रिया (Continuous Formative Process)
शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र में मूल्यांकन केवल सत्रांत परीक्षाओं तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह दैनिक शिक्षण-अधिगम गतिविधियों में एकीकृत एक निरंतर रचनात्मक प्रक्रिया (Continuous Formative Process) है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को रचनात्मक प्रतिपुष्टि (Feedback) देना और उनकी सीखने की प्रक्रिया में निरंतर सुधार करना है।

138. (B) केवल I और II
शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र में छात्रों को कक्षा नियम तय करने में भागीदार बनाया जाता है और अनुदेशन को उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार विभेदित (Differentiated) किया जाता है। तय और कठोर पाठ्यक्रम का होना शिक्षक-केंद्रितता की पहचान है। अतः केवल कथन I और II सही हैं।

139. (B) यह छात्र की महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और आंतरिक प्रेरणा को बढ़ावा देने में विफल रहता है।
कड़ाई से शिक्षक-केंद्रित शिक्षाशास्त्र की एक प्रमुख आलोचना यह है कि यह छात्रों को निष्क्रिय बनाता है। केवल व्याख्यान और रटने पर बल देने के कारण यह छात्रों में महत्वपूर्ण सोच (Critical Thinking), मौलिक रचनात्मकता, स्वतंत्र पूछताछ और सीखने के प्रति आंतरिक प्रेरणा को विकसित करने में विफल रहता है।

140. (B) मूलभूत तथ्यों या चरण-दर-चरण प्रक्रियाओं को जल्दी से पेश करना
यद्यपि modern शिक्षाशास्त्र शिक्षार्थी-केंद्रित विधियों को प्राथमिकता देता है, फिर भी प्रत्यक्ष अनुदेशन जैसे शिक्षक-केंद्रित तरीके तब अत्यधिक प्रभावी होते हैं जब छात्रों को बुनियादी तथ्यात्मक जानकारी, सुरक्षा नियम या किसी जटिल गणितीय प्रक्रिया के स्पष्ट चरण-दर-चरण निर्देश बहुत कम समय में देने होते हैं।

141. (A) ली शुल्मन (Lee Shulman)
पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज (Pedagogical Content Knowledge - PCK) की ऐतिहासिक अवधारणा को 1986 में प्रसिद्ध शैक्षिक शोधकर्ता ली शुल्मन (Lee Shulman) द्वारा प्रतिपादित किया गया था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि प्रभावी शिक्षण के लिए केवल विषय ज्ञान ही नहीं, बल्कि उस विषय को पढ़ाने की विशिष्ट कला का ज्ञान होना आवश्यक है।

142. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
केवल विषय-वस्तु में विशेषज्ञता (Content Knowledge) होना किसी को अच्छा शिक्षक नहीं बनाता। इसके लिए पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज (PCK) की आवश्यकता होती है, जो उस कठिन विषय-वस्तु को सादृश्य, उदाहरणों और गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के लिए आसान और समझने योग्य बनाने की क्षमता है। कथन और कारण दोनों सत्य हैं।

143. (D) विषय-वस्तु ज्ञान (Content Knowledge) और शैक्षणिक ज्ञान (Pedagogical Knowledge)
ली शुल्मन के अनुसार, पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज (PCK) विषय-वस्तु ज्ञान (Content Knowledge) और सामान्य शैक्षणिक ज्ञान (Pedagogical Knowledge) के प्रतिच्छेदन पर स्थित होता है। यह दर्शाता है कि किसी विशिष्ट विषय की अवधारणाओं को किस प्रकार शैक्षणिक रुप से रुपांतरित करके शिक्षार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

144. (C) विशिष्ट विषय विषयों के संबंध में छात्रों द्वारा रखी जाने वाली सामान्य गलतफहमियों की पहचान करना
शिक्षक के PCK का एक प्रमुख घटक यह जानना है कि किसी विशिष्ट विषय को सीखते समय छात्र आमतौर पर किन गलतफहमियों (Misconceptions) या कठिनाइयों का सामना करते हैं। एक कुशल शिक्षक इन पूर्वाग्रहों को पहले से भांप लेता है और उन्हें दूर करने के लिए विशेष अनुदेशात्मक रणनीतियों का निर्माण करता है।

145. (B) छात्रों को गणितीय सीमाओं को आसानी से समझने योग्य बनाने के लिए प्रभावी सादृश्यों (Analogies) का उपयोग करना
केवल विषय ज्ञान या सामान्य कक्षा नियंत्रण PCK नहीं है। जब एक गणित शिक्षक कैलकुलस की कठिन अमूर्त अवधारणाओं को समझाने के लिए प्रभावी सादृश्यों (Analogies), दृश्य आरेखों और व्यावहारिक उदाहरणों का उपयोग करता है, तो यह उसके पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज (PCK) का प्रत्यक्ष और उत्कृष्ट प्रदर्शन होता है।

NODIA

146. (D) क्योंकि शिक्षक विशिष्ट रूप से विषय वस्तु को प्रभावी ढंग से सिखाने के विशेष ज्ञान के साथ विषय विशेषज्ञता को जोड़ते हैं
PCK को शिक्षण पेशे के लिए अद्वितीय माना जाता है क्योंकि यह विशेष ज्ञान केवल शिक्षकों के पास होता है। एक वैज्ञानिक केवल विषय जानता है, लेकिन एक विज्ञान शिक्षक यह भी जानता है कि उस वैज्ञानिक विषय को एक 10 साल के बच्चे के संज्ञानात्मक स्तर के अनुकूल कैसे बनाया जाए।

147. (A) पेडागॉजिकल CONTENT Knowledge (Pedagogical Content Knowledge)
जब कोई विज्ञान शिक्षक यह पहले से भांप लेता है कि छात्र "द्रव्यमान" और "भार" में भ्रमित होंगे और इसे दूर करने के लिए स्प्रिंग बैलेंस का उपयोग करके गतिविधि डिजाइन करता है, तो यह पेडागॉजिकल कंटेंट Knowledge (PCK) का प्रत्यक्ष अनुप्रयोग है। यह विशिष्ट विषय की भ्रांतियों को दूर करने की कला है।

148. (D) I, II, III और IV
ली शुल्मन के अनुसार, शिक्षण के लिए व्यापक ज्ञान आधार में शैक्षिक संदर्भों का ज्ञान, शिक्षार्थियों की विशेषताओं का ज्ञान, शैक्षिक उद्देश्यों और मूल्यों का ज्ञान, तथा विषय-वस्तु का ज्ञान सभी शामिल हैं। इन सभी घटकों के एकीकरण से ही शिक्षक के भीतर समृद्ध PCK का विकास होता है।

149. (A) अद्वितीय विषय तर्क और पूछताछ के तरीकों के कारण गणित पढ़ाने से अलग।
PCK का तात्पर्य है कि विभिन्न विषयों को पढ़ाने का शिक्षाशास्त्र एक समान नहीं हो सकता। इतिहास पढ़ाने की शैक्षणिक तकनीकें गणित या विज्ञान पढ़ाने से भिन्न होंगी, क्योंकि प्रत्येक विषय का अपना एक अनूठा तर्क, संरचना, चिंतन की शैली और पूछताछ (Inquiry) की पद्धतियां होती हैं।

150. (D) पेडागॉजिकल CONTENT Knowledge (Pedagogical Content Knowledge - PCK)
एक महान भौतिक विज्ञानी होने के बावजूद कक्षा में पढ़ाने में असफल होना यह दर्शाता है कि शिक्षक के पास विषय ज्ञान तो है, लेकिन PCK की कमी है। ऐसे में मेंटरशिप को शिक्षक के पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि वे जटिल सिद्धांतों को सरल बना सकें।

151. (B) ब्लूम का वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy)
शैक्षणिक उद्देश्यों को संज्ञानात्मक क्षेत्र (Cognitive Domain) के साथ संरेखित करने के लिए बेंजामिन ब्लूम द्वारा विकसित "ब्लूम का वर्गीकरण" (Bloom's Taxonomy) दुनिया भर में सबसे अधिक उपयोग किया जाता है। यह उद्देश्यों को स्मरण से लेकर मूल्यांकन और सृजन तक के छह क्रमिक संज्ञानात्मक स्तरों में वर्गीकृत करता है।

152. (A) केवल I
व्याख्यान (उपदेशात्मक प्रसारण) विधि मुख्य रूप से जानकारी को सीधे सुनने और याद रखने तक सीमित होती है। इससे केवल ब्लूम के वर्गीकरण का सबसे निचला संज्ञानात्मक स्तर "स्मरण" (I. तिथियों को याद रखना) प्राप्त किया जा सकता है। मॉडल बनाने या मूल्यांकन करने जैसे उच्च-स्तरीय उद्देश्यों के लिए सक्रिय शिक्षण विधियों की आवश्यकता होती है।

153. (D) अनुभवात्मक अधिगम, भूमिका-निर्वाह (Role-playing) और सहकारी समूह कार्य का उपयोग करना
भावात्मक क्षेत्र (Affective Domain) का संबंध भावनाओं, मूल्यों, दृष्टिकोणों और सहानुभूति के विकास से है। इन्हें केवल व्याख्यान देने या रटाने से प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए अनुभवात्मक अधिगम, भूमिका-निर्वाह (Role-playing) और सहकारी गतिविधियों की आवश्यकता होती है जहाँ छात्र वास्तविक सामाजिक-संवेगात्मक परिस्थितियों का अनुभव करते हैं।

154. (A) शारीरिक प्रदर्शन, निर्देशित अभ्यास और व्यावहारिक गतिविधि
मनोप्रेरणा क्षेत्र (Psychomotor Domain) का संबंध शारीरिक कौशलों, गत्यात्मक गतिविधियों, हस्तचालन और मांसपेशियों के समन्वय से होता है। इन कौशलों को विकसित करने के लिए सबसे उपयुक्त शिक्षाशास्त्र में शारीरिक प्रदर्शन (Demonstration), शिक्षक द्वारा निर्देशित अभ्यास और हाथों से की जाने वाली व्यावहारिक गतिविधियां अनिवार्य रूप से शामिल होनी चाहिए।

155. (B) कमजोर, क्योंकि नोट लिखवाना क्रिटिकल थिंकिंग कौशलों को शामिल या विकसित नहीं करता है
संरचनात्मक संरेखण (Constructive Alignment) तब कमजोर होता है जब शिक्षण विधि लक्षित परिणाम से मेल नहीं खाती। यदि लक्षित परिणाम "क्रिटिकल थिंकिंग" है, लेकिन शिक्षक केवल नोट्स लिखवाता है (जो कि एक निष्क्रिय गतिविधि है), तो यह संरेखण अत्यधिक कमजोर माना जाएगा क्योंकि इससे विश्लेषण या मूल्यांकन कौशल विकसित नहीं होते।

156. (B) प्रोजेक्ट-आधारित अधिगम (Project-Based Learning) लागू करना जहाँ छात्र स्थानीय समस्या का समाधान खोजते हैं
ब्लूम के संशोधित वर्गीकरण में "सृजन करना" (Creating) उच्चतम संज्ञानात्मक स्तर है, जिसमें नए विचारों या उत्पादों का निर्माण शामिल है। इसे प्राप्त करने के लिए प्रोजेक्ट-आधारित अधिगम सबसे उपयुक्त है, जहाँ छात्र स्वतंत्र रूप से शोध करते हैं, नवोन्मेषी समाधान तैयार करते हैं और किसी वास्तविक समस्या का नया मॉडल बनाते हैं।

157. (A) अनुभवात्मक, समग्र, एकीकृत, पूछताछ-संचालित और शिक्षार्थी-केंद्रित (Experiential, Holistic, Integrated, Inquiry-driven, and Learner-centered)
आधुनिक शैक्षिक नीति ढाँचे (जैसे NEP 2020) इस बात पर बल देते हैं कि शिक्षाशास्त्र को रटकर याद करने के स्थान पर

Click Here to Buy book on Amazon

अनुभवात्मक (Experiential), समग्र, एकीकृत, पूछताछ-संचालित और पूरी तरह से शिक्षार्थी-केंद्रित होना चाहिए। इसका उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना नहीं, बल्कि 21वीं सदी के कौशलों का विकास करना है।

158. (C) खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और खोज-आधारित अधिगम
बुनियादी चरण (Foundational Stage - 3 से 8 वर्ष) के छोटे बच्चों के लिए सबसे उपयुक्त शिक्षाशास्त्र खेल-आधारित (Play-based), गतिविधि-आधारित और खोज-आधारित अधिगम है। इस आयु में बच्चे औपचारिक व्याख्यान या पाठ्यपुस्तकों के स्थान पर मूर्त वस्तुओं के साथ खेलकर, गतिविधियों और खोजों के माध्यम से सबसे प्रभावी रूप से सीखते हैं।

159. (D) संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्रों में आनंदपूर्वक समग्र विकास को बढ़ावा देना
"कला-एकीकृत" और "खेल-एकीकृत" शिक्षाशास्त्र का मुख्य उद्देश्य शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को आनंददायक, प्रासंगिक और जीवंत बनाना है। ये दृष्टिकोण छात्रों के संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा (Psychomotor) तीनों क्षेत्रों का एक साथ विकास करते हैं, जिससे विषयों की समझ गहरी होती है और समग्र बाल विकास को प्रोत्साहन मिलता है।

160. (C) योग्यता-आधारित और अनुभवात्मक अधिगम (Competency-Based and Experiential Learning)
सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक जीवन के अनुप्रयोग के बीच की दूरी को समाप्त करने के लिए आधुनिक शिक्षाशास्त्र योग्यता-आधारित (Competency-Based) और अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) पर बल देता है। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि छात्र केवल तथ्यों को याद न रखें, बल्कि सीखे गए ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों में लागू करने में सक्षम बनें।

161. (B) बहुविषयक और अंतर-विषयक (Multidisciplinary and Interdisciplinary)
पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में विषयों को एक-दूसरे से पूरी तरह अलग (Silos) करके पढ़ाया जाता था। आधुनिक शैक्षणिक बदलाव यह मांग करता है कि शिक्षण बहुविषयक और अंतर-विषयक (Interdisciplinary) होना चाहिए, जहाँ छात्र विभिन्न विषयों (जैसे विज्ञान, कला, गणित) के बीच के अंतःसंबंधों को समझ सकें और एकीकृत ज्ञान प्राप्त करें।

162. (D) विषयों के भीतर अनुभवात्मक अधिगम और अंतर-विषयक संबंधों की खोज करना
मध्य चरण (कक्षा 6–8) के छात्रों के लिए आधुनिक शैक्षणिक ढांचे यह अनुशंसा करते हैं कि शिक्षण में अधिक अमूर्त अवधारणाओं का परिचय अनुभवात्मक अधिगम के माध्यम से दिया जाए। इसके साथ ही, विभिन्न विषयों के बीच के अंतर-विषयक संबंधों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों की खोज करने पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।

163. (C) A सही है लेकिन R गलत है
आधुनिक नीतियां सभी विषयों की शिक्षण पद्धतियों में 21वीं सदी के कौशलों (जैसे क्रिटिकल थिंकिंग) के एकीकरण का आदेश देती हैं। हालाँकि, कारण गलत है क्योंकि ये कौशल पृथक विषय नहीं हैं जिन्हें अलग से पढ़ाया जाए, बल्कि इन्हें दैनिक शिक्षण के भीतर ही एकीकृत किया जाना चाहिए। अतः A सही है, R गलत है।

164. (C) सीखने के मूल्यांकन (Assessment of Learning) से सीखने के लिए (Assessment for Learning) और के रूप में (Assessment as Learning) मूल्यांकन की ओर
आधुनिक शिक्षाशास्त्र के अनुसार मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को रटकर परीक्षण करना नहीं है। इसलिए मूल्यांकन को केवल सत्रांत "सीखने के मूल्यांकन" (Assessment of Learning) से हटाकर प्रक्रियात्मक "सीखने के लिए" (Assessment for Learning) और स्व-मूल्यांकन पर आधारित "सीखने के रूप में" (Assessment as Learning) मूल्यांकन की ओर स्थानांतरित होना चाहिए।

165. (A) अनुरूपता (Conformity)
21वीं सदी के सीखने के "4 Cs" में शामिल हैं: Critical Thinking (आलोचनात्मक सोच), Communication (संचार), Collaboration (सहयोग), और Creativity (रचनात्मकता)। अनुरूपता (Conformity) इसका हिस्सा नहीं है, क्योंकि आधुनिक शिक्षाशास्त्र बिना सोचे-समझे नियमों का पालन करने के बजाय स्वतंत्र और नवोन्मेषी चिंतन को बढ़ावा देता है।

166. (D) समस्या-समाधान और नवाचार के लिए एक मानव-केंद्रित, पुनरावृत्ति दृष्टिकोण (Human-Centered, Iterative Approach) को बढ़ावा देना
शिक्षाशास्त्र में "डिजाइन थिंकिंग" (Design Thinking) एक मानव-केंद्रित और पुनरावृत्ति (Iterative) समस्या-समाधान ढांचा है। इसका प्राथमिक फोकस छात्रों में सहानुभूति विकसित करना, समस्याओं को परिभाषित करना, नए विचारों को जन्म देना, प्रोटोटाइप बनाना और व्यावहारिक परीक्षण के माध्यम से नवाचार व समस्या-समाधान की क्षमता को बढ़ाना है।

167. (B) जुड़ाव बढ़ाने के लिए शिक्षण संदर्भों में गेम-डिजाइन यांत्रिकी (अंक, बैज) लागू करना
शिक्षाशास्त्र में गेमिफिकेशन (Gamification) का अर्थ पूरी तरह से वीडियो गेम खेलना नहीं है, बल्कि छात्रों की व्यस्तता, प्रेरणा और भागीदारी को बढ़ाने के लिए गैर-गेम शिक्षण वातावरण में गेम के तत्वों (जैसे अंक, लीडरबोर्ड, बैज, चुनौतियां और पुरस्कार) का रणनीतिक रूप से उपयोग करना है।

NODIA

168. (C) छोटी, अत्यधिक केंद्रित, आसानी से पचने योग्य इकाइयों (Bite-sized units) में शैक्षिक सामग्री वितरित करना
"माइक्रोलेर्निंग" (Microlearning) एक आधुनिक शैक्षणिक दृष्टिकोण है जिसमें जटिल शैक्षिक सामग्री को छोटी, अत्यधिक केंद्रित और आसानी से समझ में आने वाली इकाइयों (Bite-sized units) में विभाजित करके प्रदान किया जाता है। यह

तकनीक शिक्षार्थियों के ध्यान और स्मरण शक्ति को बनाए रखने में अत्यधिक प्रभावी सिद्ध होती है।

169. (D) शारीरिक-गतिबोधक / मूर्त अधिगम (Kinesthetic / Embodied Learning)
मस्तिष्क विज्ञान और न्यूरोसाइंस पर आधारित शोध यह साबित करते हैं कि शारीरिक गति और हाथों की गतिविधियां संज्ञानात्मक प्रसंस्करण को तेज करती हैं। इसे "शारीरिक-गतिबोधक या मूर्त अधिगम" (Kinesthetic / Embodied Learning) कहा जाता है, जहाँ छात्र केवल बैठकर सुनने के स्थान पर शारीरिक क्रियाओं के माध्यम से सीखते हैं।

170. (A) निर्मितिवाद और मेकर शिक्षा (Constructivism and Maker Education)
स्कूल में "मेकरस्पेस" (Makerspace) की स्थापना निर्मितिवाद (Constructivism) और मेकर शिक्षा (Maker Education) का व्यावहारिक समर्थन करती है। यहाँ छात्र भौतिक और डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके स्वयं वस्तुओं का निर्माण करते हैं, जिससे उनमें प्रयोगात्मक सोच, नवाचार, रचनात्मकता और स्व-निर्देशित अधिगम का विकास होता है।

171. (B) कई शैक्षणिक विषयों में वास्तविक दुनिया की घटनाओं का अंतर-विषयक अध्ययन
फिनलैंड द्वारा लोकप्रिय बनाए गए "घटना-आधारित अधिगम" (Phenomenon-Based Learning - PhBL) में पारंपरिक पृथक विषयों के स्थान पर वास्तविक दुनिया की घटनाओं (जैसे जलवायु परिवर्तन या महामारी) को अध्ययन का केंद्र बनाया जाता है। छात्र इस घटना को समझने के लिए विज्ञान, गणित, भूगोल और इतिहास का एकीकृत अध्ययन करते हैं।

172. (B) रटकर याद रखने की क्षमता (Rote memorization capacity)
सामाजिक-संवेगात्मक अधिगम (SEL) का मुख्य ध्यान आत्म-जागरूकता, स्व-प्रबंधन, सामाजिक चेतना, संबंध कौशल और जिम्मेदार निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने पर होता है। रटकर याद रखने की क्षमता (Rote Memorization) एक यांत्रिक संज्ञानात्मक कार्य है, जो SEL के मूल्यों के अंतर्गत शामिल नहीं है।

173. (A) लचीला, बहुस्तरीय, खेल/गतिविधि-आधारित अधिगम
आधुनिक शैक्षिक रूपरेखाओं के अनुसार, बुनियादी चरण (Foundational Stage - 3 से 8 वर्ष) के लिए एक अत्यधिक लचीला, बहुस्तरीय, खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और खोज-आधारित शिक्षण दृष्टिकोण अनिवार्य है। इस चरण में औपचारिक पुस्तकों या कठोर परीक्षाओं के स्थान पर खेल और अनुभवात्मक गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाती है।

174. (B) तैयारी चरण - Preparatory Stage (8-11 वर्ष)
तैयारी चरण (Preparatory Stage - कक्षा 3 से 5, आयु 8–11 वर्ष) में शिक्षाशास्त्र धीरे-धीरे खेल-आधारित शिक्षण से हटकर खोज-आधारित अधिगम, संवादात्मक कक्षा शिक्षण और हल्की पाठ्यपुस्तकों के औपचारिक प्रयोग की ओर बढ़ता है, ताकि बच्चों में पढ़ने, लिखने और बुनियादी गणित का आधार मजबूत हो सके।

175. (D) महत्वपूर्ण सोच को गहरा करना, जीवन की आकांक्षाओं को संबोधित करना और विषय विकल्पों का विस्तार करना
माध्यमिक चरण (कक्षा 9–12) के लिए प्रगतिशील शिक्षाशास्त्र का मुख्य उद्देश्य छात्रों में गहन महत्वपूर्ण सोच (Critical Thinking), उच्च-स्तरीय विश्लेषण और समस्या-समाधान विकसित करना है। यह चरण छात्रों को उनकी जीवन आकांक्षाओं के अनुरूप बहु-विषयक विषय चुनने का अवसर और स्वायत्तता प्रदान करता है।

176. (C) पूर्व-परिचालन बच्चों को समझ बनाने के लिए मूर्त, संवेगी और मोटर अनुभवों की आवश्यकता होती है
पियाजे के अनुसार बुनियादी चरण (3-8 वर्ष) के बच्चे पूर्व-परिचालन और मूर्त-परिचालन अवस्था में होते हैं। वे अमूर्त या विशुद्ध सैद्धांतिक विचारों को सीधे नहीं समझ सकते। उन्हें अवधारणाओं को समझने के लिए स्पर्श, खेल, दृश्य वस्तुओं और संवेगी-गत्यात्मक (Sensorimotor) अनुभवों की प्राथमिक आवश्यकता होती है।

177. (B) मध्य चरण (Middle Stage)
"निर्देशित पूछताछ" (Guided Inquiry) का शिक्षाशास्त्र मध्य चरण (Middle Stage - कक्षा 6 से 8) के दौरान मजबूती से लागू करने के लिए सर्वाधिक विकासात्मक रूप से उपयुक्त है। इस आयु में छात्र अधिक अमूर्त अवधारणाओं को समझने में सक्षम होते हैं और शिक्षक के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक पूछताछ और विश्लेषण कर सकते हैं।

178. (D) वरिष्ठ माध्यमिक और उच्च शिक्षा (Senior Secondary and Higher Education)
"एंड्रागोजी" (Andragogy) यानी स्व-निर्देशित वयस्क शिक्षा के सिद्धांत वरिष्ठ माध्यमिक (Secondary) और उच्च शिक्षा (Higher Education) के स्तर पर अत्यधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। इस स्तर तक छात्र पर्याप्त परिपक्वता प्राप्त कर चुके होते हैं और वे अपने अधिगम के उद्देश्यों को स्वयं निर्धारित करने में अधिक सक्षम होते हैं।

179. (A) गलत; एक MKO उच्च कार्य-विशिष्ट क्षमता वाला एक सहकर्मी या तकनीक हो सकती है।
वायगोत्स्की का "अधिक ज्ञानी अन्य" (More Knowledgeable Other - MKO) सिद्धांत यह नहीं मानता कि MKO हमेशा एक वयस्क शिक्षक ही हो। MKO कोई भी व्यक्ति हो सकता है—जैसे कोई सहपाठी, छोटा बच्चा, या कंप्यूटर सॉफ्टवेयर—जिसके पास किसी विशिष्ट कार्य या अवधारणा का शिक्षार्थी से अधिक ज्ञान हो।

180. (C) विभिन्न विकासात्मक तत्परता स्तरों के लिए एक साथ तैयार किए गए कई कार्य
बहु-ग्रेड या विविध आयु समूहों वाली कक्षा में एक ही समय पर एक व्याख्यान देना प्रभावी नहीं होता। इसके लिए विभेदित शिक्षाशास्त्र (Differentiated Pedagogy) की आवश्यकता

Downloaded from www.pdf.tube

होती है, जहाँ शिक्षक को विभिन्न विकासात्मक तत्परता स्तरों और आयु समूहों के लिए एक साथ कई अनुकूलित अधिगम कार्यों की योजना बनानी और प्रबंधित करनी होती है।

181. (A) अभ्यास का लगातार मूल्यांकन और सुधार करने के लिए शिक्षण के दौरान और बाद में चिंतन करना
डोनाल्ड शॉन द्वारा प्रतिपादित "चिंतनशील अभ्यास" (Reflective Practice) में शिक्षकों द्वारा अपने शिक्षण के दौरान (Reflection-in-action) और शिक्षण के बाद (Reflection-on-action) अपनी रणनीतियों का निरंतर गंभीर विश्लेषण किया जाता है। इसका उद्देश्य अपनी शैक्षणिक कमियों को पहचानना और कक्षा अभ्यास में निरंतर गुणात्मक सुधार करना है।

182. (D) सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी और न्यायसंगत शिक्षाशास्त्र (Culturally Responsive and Equitable Pedagogy)
जब कोई शिक्षक किसी विशिष्ट समुदाय के छात्रों के प्रति पक्षपात दिखाता है और उन्हें नजरअंदाज करता है, तो यह सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी और न्यायसंगत शिक्षाशास्त्र (Culturally Responsive Pedagogy) की गंभीर विफलता है। एक न्यायसंगत शिक्षाशास्त्र प्रत्येक छात्र की पृष्ठभूमि का सम्मान करते हुए समान भागीदारी और अवसर सुनिश्चित करता है।

183. (B) फ्लिप्ड क्लासरुम - प्रत्यक्ष अनुदेशन कक्षा में होता है, अनुप्रयोग गृहकार्य के रूप में होता है
यह युग्म गलत है क्योंकि "फ्लिप्ड क्लासरुम" (Flipped Classroom) में प्रत्यक्ष अनुदेशन (व्याख्यान) घर पर वीडियो के माध्यम से होता है, और ज्ञान का व्यावहारिक अनुप्रयोग, अभ्यास व चर्चाएँ कक्षा के भीतर शिक्षक की उपस्थिति में संपादित की जाती हैं। विकल्प में दी गई प्रक्रिया इसके बिल्कुल विपरीत है।

184. (C) संज्ञानात्मक और मोटर कौशलों को बढ़ावा देने के लिए सीखने के उपकरण के रूप में खिलौनों का आनंदपूर्वक उपयोग करना
"खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र" (Toy-Based Pedagogy) का मुख्य दायरा प्रारंभिक वर्षों में खिलौनों और कठपुतलियों को शिक्षण के सशक्त साधन के रूप में प्रयोग करना है। इसके माध्यम से बच्चों के संज्ञानात्मक, भाषाई, सामाजिक और ठीक गत्यात्मक (Fine Motor) कौशलों का विकास अत्यंत आनंददायक वातावरण में संभव होता है।

185. (C) A सही है लेकिन R गलत है
शिक्षाशास्त्र हमेशा संदर्भ-बद्ध (Context-bound) होता है, क्योंकि शिक्षण की सफलता स्थानीय वातावरण पर निर्भर करती है। हालाँकि, कारण गलत है क्योंकि शहरी स्कूल में सफल रही रणनीति संसाधनहीन ग्रामीण स्कूल में स्वतः सफल नहीं हो सकती; उसे स्थानीय संदर्भ के अनुसार अनुकूलित करना अनिवार्य होता है। अतः A सही है, R गलत है।

186. (A) सीखने की नींव के रूप में भावनात्मक कल्याण और संबंधात्मक विश्वास पर जोर देना
संकट या गड़बड़ियों के समय में उभरी "देखभाल की शिक्षाशास्त्र" (Pedagogy of Care) की अवधारणा केवल अकादमिक पाठ्यक्रम पूरा करने से पहले छात्रों के भावनात्मक कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और शिक्षक-छात्र के बीच संबंधात्मक विश्वास को प्राथमिकता देती है। यह मानती है कि सुरक्षित वातावरण के बिना अधिगम असंभव है।

187. (B) एक विधि एक विशिष्ट प्रक्रिया है; शिक्षाशास्त्र व्यापक दार्शनिक ढांचा है।
"विधि" (Method) एक विशिष्ट, चरण-दर-चरण अनुदेशात्मक प्रक्रिया या तकनीक है जिसका उपयोग किसी पाठ को पढ़ाने के लिए किया जाता है। इसके विपरीत, "शिक्षाशास्त्र" (Pedagogy) एक व्यापक दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक और व्यावहारिक ढांचा है जिसमें शिक्षण के लक्ष्य, मूल्य, संबंध और विधियाँ सभी समाहित होते हैं।

NODIA

188. (A) केवल I, II और III
शिक्षाशास्त्र के व्यापक दायरे में कक्षा की भौतिक व्यवस्था, शिक्षक के बोलने का लहजा (जो कक्षा के माहौल को प्रभावित करता है), और मूल्यांकन रुब्रिक्स का चयन शामिल है। शिक्षकों के वेतनमान निर्धारित करना एक प्रशासनिक व नीतिगत विषय है, जो शिक्षाशास्त्र के अनुदेशात्मक दायरे से बाहर है।

189. (A) कक्षा में बिताए गए समय से कौशलों की प्रदर्शित महारत की ओर
योग्यता-आधारित शिक्षाशास्त्र (Competency-Based Pedagogy) में ध्यान कक्षा में बिताए गए औपचारिक समय के बजाय शिक्षार्थी द्वारा विशिष्ट कौशलों और ज्ञान की प्रदर्शित महारत (Demonstrated Mastery) पर केंद्रित होता है। छात्र अपनी गति से आगे बढ़ते हैं और जब तक वे योग्यता हासिल नहीं कर लेते, तब तक अभ्यास करते हैं।

190. (C) शिक्षक छात्रों को याद रखने के लिए भौतिकी के सार्वभौमिक नियमों को लिखवाता है।
निर्मितिवादी शिक्षाशास्त्र (Constructivist Pedagogy) में छात्र स्वयं प्रयोगों, चर्चाओं और खोजों के माध्यम से ज्ञान का निर्माण करते हैं। शिक्षक द्वारा सार्वभौमिक नियमों को सीधे याद करने के लिए लिखवाना एक पारंपरिक व्यवहारवादी या प्रसारण विधि है, जो निर्मितिवादी सिद्धांतों के पूरी तरह विपरीत है।

191. (D) विस्तारित बातचीत, बहस और बहु-आवाज बातचीत (Extended Conversation, Debate, and Multi-voiced Interactions)
बाख्तिन और फ्रेरे के सिद्धांतों से प्रेरित "संवादात्मक शिक्षाशास्त्र" (Dialogic Pedagogy) यह मानती है कि ज्ञान और अर्थ का निर्माण एकतरफा व्याख्यान से नहीं होता। यह विस्तारित बातचीत, बहसों, प्रश्नों और बहु-आवाज

अंतःक्रियाओं (Multi-voiced Interactions) के माध्यम से विचारों के आदान-प्रदान से संभव होता है।

192. (C) मानकीकृत अधिगम योग्यताओं को लचीले, व्यक्तिगत शिक्षण पथों के साथ जोड़ना
आधुनिक शिक्षाशास्त्र में मानकीकरण (समान अकादमिक लक्ष्य) और वैयक्तीकरण (व्यक्तिगत सीखने की गति) के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। एक कुशल नेता को राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय मानकीकृत योग्यताओं को बनाए रखते हुए शिक्षकों को लचीले, शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण पथ अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

193. (B) नए पाठ्यक्रम के अनुरूप शिक्षकों के पेडागॉजिकल CONTENT Knowledge (Pedagogical Content Knowledge - PCK) को विकसित करना
जब शिक्षक स्वयं विषय जानते हैं लेकिन उसे छात्रों को समझाने में विफल रहते हैं, तो समस्या विषय ज्ञान की नहीं बल्कि पेडागॉजिकल कंटेंट Knowledge (PCK) की होती है। प्राचार्य को शिक्षकों के PCK को विकसित करने के लिए मेंटरशिप आयोजित करनी चाहिए ताकि वे नई कठिन अवधारणाओं को सरलीकृत कर सकें।

194. (D) वे मूल्य और नैतिकता जिन्हें शिक्षण के माध्यम से बढ़ावा दिया जाना चाहिए
दर्शनशास्त्र की शाखा "मूल्यमीमांसा" (Axiology) मूल्यों, सौंदर्यशास्त्र और नैतिकता के अध्ययन से संबंधित है। यह शिक्षाशास्त्र को यह निर्धारित करके प्रभावित करती है कि शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों में किन नैतिक मूल्यों, चरित्र गुणों, सामाजिक उत्तरदायित्वों और आचार-संहिता को विकसित किया जाना चाहिए।

195. (A) संदर्भ और शिक्षार्थी की आवश्यकताओं के आधार पर एकीकृत रूप से विविध शिक्षण रणनीतियों का चयन करना।
"संग्रहणशील" (Eclectic) शैक्षणिक दृष्टिकोण किसी एक विचार या पद्धति तक सीमित नहीं रहता। यह विभिन्न शैक्षणिक सिद्धांतों (जैसे निर्मितिवाद, व्यवहारवाद, मानवतावाद) और विधियों में से सर्वश्रेष्ठ तत्वों का चयन करता है और शिक्षार्थियों की विशिष्ट आवश्यकताओं व संदर्भ के अनुसार उन्हें एकीकृत करके प्रयोग में लाता है।

196. (C) केवल III
शैक्षणिक प्रतिमानों में प्रसारण (Transmission) केवल ज्ञान थोपता है, लेन-देन (Transaction) संवाद स्थापित करता है, और रूपांतरण (Transformation) शिक्षार्थी की चेतना और समाज को बदलता है। आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र (Critical Pedagogy) का सर्वोच्च आदर्श "रूपांतरण" (Transformation) है, जो छात्रों को सामाजिक न्याय और परिवर्तन का एजेंट बनाता है।

197. (A) अंतर्निहित फ्रेमिंग जहाँ अनुदेशात्मक गति और नियम शिक्षक द्वारा अनिर्दिष्ट होते हैं।
बेसिल बर्नस्टीन द्वारा प्रस्तावित "अदृश्य शिक्षाशास्त्र" (Invisible Pedagogy) की विशेषता कमजोर फ्रेमिंग और अंतर्निहित नियंत्रण है। इसमें कक्षा के नियम, अनुदेशात्मक गति और मूल्यांकन के मानदंड स्पष्ट या कठोर नहीं होते; शिक्षार्थी को बाल-केंद्रित वातावरण में अपनी गति से गतिविधियों को चुनने की स्वतंत्रता प्रतीत होती है।

198. (D) खोज तत्वों को बनाए रखते हुए धीरे-धीरे पढ़ने और लिखने में संक्रमण करना
तैयारी चरण (Preparatory Stage - कक्षा 3 से 5) में शिक्षाशास्त्र को इस प्रकार संरचित किया जाना चाहिए कि यह बुनियादी चरण के खेल और खोज तत्वों को पूरी तरह न छोड़े। इसके स्थान पर, यह खेल-आधारित खोज को बनाए रखते हुए धीरे-धीरे अधिक संरचित पठन, लेखन और गणितीय कौशलों में सुगम संक्रमण सुनिश्चित करे।

199. (B) सामाजिक-संवेगात्मक और भावात्मक अधिगम (Socio-Emotional and Affective Learning)
जब शिक्षक कक्षा में माइंडफुलनेस, कहानी सुनाने, भावनात्मक अभिव्यक्ति और चिंतनशील चर्चाओं के लिए समय समर्पित करता है, तो यह शिक्षाशास्त्र के दायरे को "सामाजिक-संवेगात्मक और भावात्मक क्षेत्र" (Socio-Emotional and Affective Domain) में बढ़ाता है। यह गतिविधि छात्र के मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-जागरुकता को संवर्धित करती है।

200. (C) अनुदेशात्मक दृष्टि का नेतृत्व करना, कर्मचारियों को मेंटर करना, और नीतिगत ढांचों के साथ शिक्षाशास्त्र को संरेखित करना
शिक्षाशास्त्र के अर्थ, प्रकृति और दायरे में महारत हासिल करना एक संस्थागत नेता (प्राचार्य) को प्रशासनिक कार्यों से आगे ले जाता है। यह उन्हें स्कूल की अनुदेशात्मक दृष्टि का प्रभावी नेतृत्व करने, शिक्षण कर्मचारियों को मेंटरशिप प्रदान करने और राष्ट्रीय नीतिगत ढांचों के साथ कक्षा की शैक्षणिक प्रथाओं को संरेखित करने में सक्षम बनाता है।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

अध्याय 02
शिक्षण विधियाँ एवं उपागम

1. निम्नलिखित में से कौन सा अनुदेशात्मक वितरण (Instructional Delivery) के स्पेक्ट्रम में शिक्षण विधियों (Teaching Methods) के वर्गीकरण को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) वे अत्यधिक शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण (Teacher-Centered Approach) से लेकर अत्यधिक शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण (Learner-Centered Approach) तक विस्तृत हैं।
(B) वे कड़ाई से प्रशासनिक और गैर-प्रशासनिक विधियों में विभाजित हैं।
(C) वे विशेष रूप से कक्षा की भौतिक व्यवस्था द्वारा वर्गीकृत किए जाते हैं।
(D) वे केवल उपयोग किए जाने वाले योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) उपकरणों के आधार पर वर्गीकृत किए जाते हैं।

2. शिक्षण विधियों (Teaching Methods) के वर्गीकरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. सत्तावादी विधियों (Autocratic Methods) में मुख्य रूप से व्याख्यान और प्रदर्शन शामिल हैं।
II. लोकतांत्रिक विधियों (Democratic Methods) में छात्रों की अधिकतम भागीदारी और सहकर्मी अंतःक्रिया (Peer Interaction) की अनुमति होती है।
III. हस्तक्षेप-रहित विधियों (Laissez-faire Methods) में सभी शिक्षण सामग्रियों पर शिक्षक का कड़ा नियंत्रण शामिल होता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

3. अनुदेशात्मक रणनीतियों (Instructional Strategies) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा अप्रत्यक्ष शिक्षण विधि (Indirect Teaching Method) का एक उदाहरण है?
(A) निर्देशित पूछताछ (Guided Inquiry)
(B) ड्रिल और अभ्यास (Drill and Practice)
(C) व्याख्यात्मक व्याख्यान (Expository Lecture)
(D) प्रत्यक्ष प्रदर्शन (Direct Demonstration)

4. शिक्षण दृष्टिकोणों के वर्गीकरण के संबंध में गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) अन्वेषण विधि (Heuristic Method) – शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण (Learner-Centered Approach)
(B) परियोजना विधि (Project Method) – गतिविधि-केंद्रित दृष्टिकोण (Activity-Centered Approach)
(C) व्याख्यान विधि (Lecture Method) – शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण (Teacher-Centered Approach)
(D) अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction) – समूह-केंद्रित दृष्टिकोण (Group-Centered Approach)

5. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण विधियों (Learner-Centered Teaching Methods) में शिक्षक को सूचना के प्राथमिक स्रोत के बजाय एक सुगमकर्ता (Facilitator) के रूप में कार्य करने की आवश्यकता होती है।
कारण (R): शिक्षार्थी-केंद्रित विधियाँ संज्ञानात्मक भार (Cognitive Load) को शिक्षार्थी से पूरी तरह से हटा देती हैं, जिससे अधिगम सहज हो जाता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

6. एक प्राचार्य विद्यालय में शैक्षणिक प्रथाओं (Pedagogical Practices) का विश्लेषण करते हुए देखते हैं कि अधिकांश शिक्षक व्याख्यात्मक विधियों (Expository Methods) का उपयोग करते हैं। निम्नलिखित में से कौन सी व्याख्यात्मक विधि की प्राथमिक विशेषता है?
(A) शिक्षार्थी स्वतंत्र रूप से अंतर्निहित नियमों की खोज करता है।
(B) छात्र मुख्य रूप से असंरचित खेल के माध्यम से सीखते हैं।
(C) शिक्षक विषय वस्तु को उसके अंतिम, संगठित रूप में प्रस्तुत करता है।
(D) अनुदेशन छात्र-जनित परिकल्पनाओं (Hypotheses) द्वारा संचालित होता है।

NODIA

7. माध्यमिक शिक्षा में व्याख्यान विधि (Lecture Method) का सबसे महत्वपूर्ण लाभ निम्नलिखित में से किसे माना जाता है?
(A) यह विविध छात्रों के लिए व्यक्तिगत शिक्षण गति और अनुकूलित गति को समायोजित करता है।

(B) यह सभी शिक्षार्थियों के लिए उच्च स्तर के महत्वपूर्ण सोच और सक्रिय संज्ञानात्मक जुड़ाव को बढ़ावा देता है।
(C) यह पूरे पाठ के दौरान तत्काल, निरंतर और रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) प्रतिक्रिया प्रदान करता है।
(D) यह बड़ी मात्रा में तथ्यात्मक जानकारी के त्वरित और संरचित कवरेज की सुविधा प्रदान करता है।

8. एक विद्यालय के प्राचार्य इतिहास के शिक्षक की कक्षा का अवलोकन करते हैं। शिक्षक केवल व्याख्यान नोट्स पर भरोसा करते हुए 40 मिनट तक लगातार बोलते हैं, जबकि छात्र निष्क्रिय होकर सुनते हैं। एक शैक्षणिक नेता (Instructional Leader) के रूप में, इस व्याख्यान में सुधार के लिए प्राचार्य को सबसे उपयुक्त क्या प्रतिक्रिया देनी चाहिए?
(A) शिक्षक को नीरसता को तोड़ने और समझ का मूल्यांकन करने के लिए रुक-रुक कर प्रश्नों और दृश्य साधनों का उपयोग करना चाहिए।
(B) यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र का ध्यान पूरे समय बना रहे, शिक्षक को जोर से बोलना चाहिए और कमरे में लगातार घूमना चाहिए।
(C) शिक्षक को व्याख्यात्मक शिक्षण को पूरी तरह से छोड़ देना चाहिए और इतिहास के सभी पाठों के लिए विशेष रूप से छात्र-नेतृत्व वाली भूमिका निभाने (Role-Play) पर जाना चाहिए।
(D) शिक्षक को व्याख्यान को 10 मिनट तक सीमित रखना चाहिए और छात्रों को कक्षा के शेष 30 मिनट के लिए स्व-अध्ययन में संलग्न होने की अनुमति देनी चाहिए।

9. निम्नलिखित में से कौन सी व्याख्यान विधि (Lecture Method) की एक मौलिक सीमा है?
(A) यह वित्तीय रूप से मांग वाली है और विद्यालय प्रशासनिक बजट (Administrative Budget) के लिए अत्यधिक लागत-गहन है।
(B) यह अक्सर व्यक्तिगत शिक्षार्थी अंतरों और विविध गतियों को समायोजित करने में विफल रहती है।
(C) यह निर्धारित पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करने की शिक्षक की क्षमता को गंभीर रूप से सीमित करती है।
(D) इसे ठीक से निष्पादित करने के लिए विशेष, महंगे तकनीकी बुनियादी ढांचे और हार्डवेयर उपकरणों की आवश्यकता होती है।

10. व्याख्यान की प्रभावशीलता को अधिकतम करने के लिए, एक शिक्षक को प्रस्तुति को उपयुक्त रूप से अनुक्रमित करना चाहिए। निम्नलिखित में से कौन सा एक प्रभावी व्याख्यान के सही तार्किक क्रम का प्रतिनिधित्व करता है?
I. मुख्य बिंदुओं का सारांश देना
II. उद्देश्यों को बताना और विषय का परिचय देना
III. मुख्य सामग्री को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करना
IV. संक्षिप्त प्रश्नों के माध्यम से समझ का आकलन करना
(A) II, III, I, IV
(B) II, III, IV, I
(C) III, II, IV, I
(D) II, I, III, IV

11. निम्नलिखित में से कौन सा अनुदेशात्मक संशोधन एक पारंपरिक व्याख्यान को अधिक अंतःक्रियात्मक और आधुनिक शैक्षणिक मानकों के अनुरूप बनाता है?
(A) हर 15 मिनट में "सोचें-युग्म बनाएं-साझा करें" (Think-Pair-Share) खंडों को लागू करना
(B) अग्रिम रूप से व्याख्यान की एक शब्दशः मुद्रित प्रतिलिपि (Verbatim Printed Copy) प्रदान करना
(C) छात्रों को अपनी नोटबुक बंद करने और केवल सुनने के लिए कहना
(D) धीमी गति से बोलने की अनुमति देने के लिए व्याख्यान की अवधि बढ़ाना

12. व्याख्यान विधि (Lecture Method) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह पूरी तरह से नए, जटिल सैद्धांतिक ढांचे को पेश करने के लिए अत्यधिक प्रभावी है।
II. यह मनोप्रेरणा कौशलों (Psychomotor Skills) के व्यापक विकास को बढ़ावा देता है।
III. यह छात्रों की श्रवण शिक्षण शैली पर अत्यधिक निर्भर करता है।
IV. इसे बड़ी कक्षाओं को पढ़ाने के लिए एक किफायती तरीका माना जाता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I, II और III
(B) I, III और IV
(C) II, III और IV
(D) I, II, III और IV

13. शिक्षण की चर्चा विधि (Discussion Method) मौलिक रूप से निम्नलिखित में से किस मनोवैज्ञानिक सिद्धांत पर आधारित है?
(A) क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning) तंत्र और निरंतर बाह्य सुदृढ़ीकरण (External Reinforcement)
(B) अंतराल पुनरावृत्ति अभ्यासों के साथ व्यवस्थित रटकर याद करना
(C) निष्क्रिय, एकतरफा प्रत्यक्ष संचरण के माध्यम से सूचना प्रसंस्करण
(D) सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism) और साझा अर्थ-निर्माण

14. चर्चा विधि (Discussion Method) के संदर्भ में, किस प्रारूप में विशेषज्ञों का एक छोटा समूह दर्शकों के सामने एक विषय पर चर्चा करता है, जिसके बाद प्रश्नोत्तर सत्र होता है?
(A) संगोष्ठी (Symposium)
(B) सेमिनार (Seminar)
(C) पैनल चर्चा (Panel Discussion)
(D) विचार-मंथन सत्र (Brainstorming Session)

NODIA

15. कक्षा चर्चा को सुगम बनाते समय शिक्षक की प्राथमिक भूमिका क्या होती है?
(A) बातचीत पर लगातार हावी रहना और छात्रों को सीधे सभी अंतिम सही उत्तर प्रदान करना।
(B) एक तटस्थ मध्यस्थ (Neutral Moderator) के रूप में कार्य करना जो चर्चा के प्रवाह का मार्गदर्शन करता है और छात्र योगदान का संश्लेषण करता है।
(C) तार्किक गुणवत्ता के बजाय केवल उनके भाषण की मात्रा के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन और ग्रेडिंग करना।
(D) छात्रों को पूर्ण, अनिरीक्षित परिचालन स्वतंत्रता (Operational Autonomy) देने के लिए कक्षा के माहौल से पूरी तरह बाहर निकलना।

16. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): चर्चा विधि आलोचनात्मक सोच (Critical Thinking) और विविध दृष्टिकोणों के लिए सहिष्णुता विकसित करने के लिए अत्यधिक प्रभावी है।
कारण (R): परीक्षा से पहले एक लंबे निर्धारित पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए चर्चा विधि सबसे तेज़ तकनीक है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

17. बड़ी कक्षा में चर्चा विधि (Discussion Method) की एक महत्वपूर्ण सीमा निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) इस पर स्पष्ट रूप से बोलने वाले छात्रों का वर्चस्व हो सकता है जबकि अंतर्मुखी छात्र निष्क्रिय रहते हैं।
(B) यह नामांकित अधिकांश छात्रों के बीच स्वतंत्र आलोचनात्मक सोच (Critical Thinking) और विश्लेषणात्मक तर्क को व्यवस्थित रूप से हतोत्साहित करता है।
(C) यह कक्षा शिक्षक को व्यक्तिगत छात्रों के संचार कौशल का सही मूल्यांकन करने से पूरी तरह रोकता है।
(D) यह विषय शिक्षक द्वारा पूर्व अनुदेशात्मक तैयारी या पाठ योजना की किसी भी आवश्यकता को समाप्त करता है।

18. पर्यावरण संरक्षण पर एक कक्षा चर्चा के दौरान, एक प्राचार्य देखते हैं कि शिक्षक बहस को असंबंधित राजनीतिक तर्कों में भटकने देते हैं, जिससे अराजकता फैलती है। इस चर्चा में सुधार के लिए प्राचार्य को शिक्षक को क्या शैक्षणिक सलाह देनी चाहिए?
(A) सभी कक्षाओं में चर्चा विधि को स्थायी रूप से छोड़ दें और पूरी तरह से नोट्स के पारंपरिक डिक्टेशन पर निर्भर रहें।
(B) अराजक माहौल को निर्बाध रूप से जारी रहने दें, क्योंकि यह प्रामाणिक लोकतांत्रिक छात्र शिक्षा का प्रतिनिधित्व करता है।
(C) स्पष्ट नियम निर्धारित करें, सीखने के उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करें और बहस को वापस विषय पर लाएं।
(D) उन सभी छात्रों पर तत्काल दंडात्मक उपाय लागू करें जिन्होंने मूल रूप से अप्रासंगिक राजनीतिक विषयों को पेश किया था।

19. शिक्षण की प्रदर्शन विधि (Demonstration Method) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षक से पहले छात्र स्वतंत्र रूप से प्रयोग करें।
(B) यह समझ को बढ़ाने के लिए दृश्य और श्रवण तौर-तरीकों को जोड़ती है।
(C) यह मनोप्रेरणा कौशलों (Psychomotor Skills) और वैज्ञानिक प्रयोगों को पढ़ाने के लिए अत्यधिक प्रभावी है।
(D) यह प्रत्येक छात्र के व्यक्तिगत प्रयोगशाला प्रयोगों की तुलना में समय और संसाधनों की बचत करती है।

20. प्रदर्शन विधि (Demonstration Method) में मुख्य रूप से शिक्षण के किस सूत्र का उपयोग किया जाता है?
(A) अमूर्त से मूर्त की ओर
(B) जटिल से सरल की ओर
(C) अज्ञात से ज्ञात की ओर
(D) मूर्त से अमूर्त की ओर

21. प्रदर्शन के शैक्षणिक रूप से प्रभावी होने के लिए, सबसे महत्वपूर्ण पूर्वापेक्षा क्या है?
(A) उपकरण इतना छोटा होना चाहिए कि शिक्षक की जेब में आ सके।
(B) प्रदर्शन कक्षा के सभी छात्रों के लिए स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए।
(C) प्रदर्शन में महंगे और आयातित उपकरण शामिल होने चाहिए।
(D) ध्यान केंद्रित रखने के लिए शिक्षक को पूरी तरह से मौन रहकर प्रदर्शन करना चाहिए।

22. प्रदर्शन आयोजित करने के निम्नलिखित चरणों पर विचार कीजिए:
I. कक्षा के सामने प्रयोग का पूर्वाभ्यास करना
II. प्रदर्शन तालिका पर उपकरणों की व्यवस्था करना
III. विषय और प्रदर्शन के उद्देश्य का परिचय देना
IV. कक्षा समाप्त होने के बाद ही छात्रों को प्रश्न पूछने की अनुमति देना
उपर्युक्त में से किसे शिक्षक के लिए सर्वोत्तम अभ्यास माना जाता है?
(A) I, II और III
(B) II, III और IV
(C) I, III और IV
(D) I, II, III और IV

Downloaded from www.pdf.tube

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

23. प्रयोगशाला कार्य के विकल्प के रूप में उपयोग किए जाने पर प्रदर्शन विधि (Demonstration Method) की प्राथमिक सीमा क्या है?
(A) यह विद्यालय प्रशासन पर समग्र परिचालन और वित्तीय बोझ (Financial Burden) को काफी कम कर देती है।
(B) यह स्वाभाविक रूप से कक्षा शिक्षक को पूरी सीखने की प्रक्रिया के पूर्ण केंद्र में रखती है।
(C) यह छात्रों को सही चरण-दर-चरण प्रक्रियात्मक तकनीकों का सटीक रूप से अवलोकन करने से रोकती है।
(D) यह छात्रों को उपकरणों के साथ व्यावहारिक (Hands-on) अनुभव से वंचित करती है।

24. एक विज्ञान शिक्षक का प्रदर्शन खराब उपकरण के कारण कक्षा के मध्य में विफल हो जाता है। शैक्षणिक सर्वोत्तम अभ्यासों के अनुसार, शिक्षक को इस स्थिति से कैसे निपटना चाहिए?
(A) समस्या निवारण (Troubleshooting), चर (Variables) और वैज्ञानिक जांच पर चर्चा करने के लिए इस विफलता का उपयोग करें।
(B) प्रयोगात्मक विफलता को पूरी तरह से छिपाने का प्रयास करें और दिन के लिए पूरी कक्षा को जल्दी से समाप्त कर दें।
(C) उपकरण त्रुटि के लिए प्रयोगशाला सहायक को सार्वजनिक रूप से दोषी ठहराएं और सभी शिक्षण गतिविधियों को तुरंत निलंबित कर दें।
(D) विफल गतिविधि को संबोधित किए बिना सीधे संदर्भ नोट्स (Reference Notes) से पाठ पैराग्राफ पढ़ने पर तुरंत स्विच करें।

25. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): प्रश्न-उत्तर विधि (सुकराती विधि) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) के लिए एक प्रभावी उपकरण है।
कारण (R): यह शिक्षक को वास्तविक समय में छात्र की गलतफहमियों की पहचान करने और तदनुसार अनुदेशन को समायोजित करने में मदद करता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

26. प्रश्न-उत्तर विधि के संदर्भ में, "प्रतीक्षा समय" (Wait Time) शब्द का क्या अर्थ है?
(A) व्याख्यान समाप्त करने के बाद शिक्षक कक्षा की अवधि समाप्त होने का इंतजार करता है।
(B) प्रश्न पूछने और उत्तर देने के लिए छात्र को बुलाने के बीच का विराम।
(C) शिक्षक द्वारा मानसिक रूप से प्रश्न तैयार करने में लिया गया समय।
(D) प्रवेश करने से पहले छात्रों से कक्षा के बाहर प्रतीक्षा करने की उम्मीद की जाने वाली अवधि।

27. छात्रों के बीच उच्च-स्तरीय सोच कौशल (Higher-Order Thinking Skills - HOTS) को उत्तेजित करने के लिए किस प्रकार का प्रश्न सबसे उपयुक्त है?
(A) अपसारी प्रश्न (Divergent Questions)
(B) बंद अंत वाले प्रश्न (Closed-ended Questions)
(C) पुनस्मरण प्रश्न (Recall Questions)
(D) आलंकारिक प्रश्न (Rhetorical Questions)

28. एक प्राचार्य देखते हैं कि एक नए नियुक्त शिक्षक केवल पहली पंक्ति में बैठे छात्रों से प्रश्न पूछते हैं। प्राचार्य को क्या शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए?
(A) इस अनुदेशात्मक अभ्यास को लगातार जारी रखें, क्योंकि पहली पंक्ति के छात्र आमतौर पर सबसे चौकस शिक्षार्थी होते हैं।
(B) कक्षा अवधि के दौरान मौखिक प्रश्न पूछना पूरी तरह से बंद कर दें और केवल पाठ्यक्रम को तेजी से पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करें।
(C) सभी छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रश्नों को समान रूप से वितरित करें।
(D) शैक्षणिक रूप से कमजोर छात्रों की परिचालन कमियों को उजागर करने के लिए प्रश्नों को विशेष रूप से उनकी ओर निर्देशित करें।

29. कक्षा शिक्षाशास्त्र में निम्नलिखित में से किसे प्रश्न पूछने की एक खराब तकनीक माना जाता है?
(A) पूरी कक्षा के सामने एक स्पष्ट प्रश्न पूछना, जानबूझकर रुकना और फिर जवाब देने के लिए एक विशिष्ट छात्र को बुलाना।
(B) प्रत्येक कक्षा के प्रश्न को अत्यंत स्पष्ट, असंदिग्ध और संक्षिप्त प्रारूप में ध्यानपूर्वक तैयार करना।
(C) गहरी स्पष्टता और विस्तार को प्रोत्साहित करने के लिए आंशिक या अपूर्ण छात्र प्रतिक्रियाओं की रचनात्मक जांच करना।
(D) एक बार में कई जटिल प्रश्न पूछना (द्वि-स्तरीय प्रश्न)।

NODIA

30. कहानी सुनाने की विधि (Storytelling Method) निम्नलिखित में से किस उद्देश्य के लिए शैक्षणिक रूप से सबसे प्रभावी है?
(A) माध्यमिक गणित की कक्षाओं में अमूर्त और उन्नत बीजगणितीय समीकरण प्रणालियों को पढ़ाना
(B) रसायन विज्ञान में सटीक रासायनिक अनुमापन चरणों और मात्रात्मक प्रयोगशाला प्रक्रियाओं का प्रदर्शन करना
(C) नैतिक मूल्यों, कल्पना और बुनियादी सुनने के कौशलों को बढ़ावा देना
(D) शारीरिक शिक्षा में जटिल मनोप्रेरणा गति पैटर्न और शारीरिक दक्षता का आकलन करना

31. निम्नलिखित में से कौन सी एक प्रभावी शैक्षिक कहानी की एक अनिवार्य विशेषता है?
(A) इसे पूरी तरह से तथ्यात्मक, कड़ाई से उद्देश्यपूर्ण और किसी भी रचनात्मक या काल्पनिक कथा तत्वों से पूरी तरह रहित होना चाहिए।
(B) इसमें एक विशिष्ट शिक्षण उद्देश्य के साथ संरेखित एक संरचित कथानक होना चाहिए।
(C) इसे विशेष रूप से पूरी आवंटित कक्षा अवधि को घेरने के लिए डिज़ाइन किए गए अत्यधिक लंबे प्रारूप में रचा जाना चाहिए।
(D) अकादमिक टोन को बनाए रखने के लिए इसे स्वर के सभी रूपों, नाटकीय अभिव्यक्ति या शारीरिक इशारों से सख्ती से बचना चाहिए।

32. कहानी सुनाने की विधि के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह केवल भाषा और साहित्य विषयों पर लागू होता है।
II. यह छात्रों के बीच सांस्कृतिक पूंजी और ऐतिहासिक सहानुभूति के निर्माण में मदद करता है।
III. इसका उपयोग किसी नए विषय के लिए वार्म-अप या प्रारंभिक प्रस्तावना के रूप में किया जा सकता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

33. रचनावादी शिक्षाशास्त्र (Constructivist Pedagogy) के अनुसार, एक शिक्षक कहानी सुनाने की विधि को अधिक शिक्षार्थी-केंद्रित कैसे बना सकता है?
(A) छात्रों को परिणामों की भविष्यवाणी करने, अंत को अनुकूलित करने या कहानियों को सह-निर्मित करने के लिए आमंत्रित करके।
(B) यह अनिवार्य करके कि सभी नामांकित छात्र बिना किसी विचलन के शब्दशः पूरी कहानी को याद करें और सुनाएं।
(C) कक्षा अनुदेशक द्वारा संदर्भ सामग्री से सीधे पूरी तरह से नीरस स्वर में कथा पाठ को पंक्ति-दर-पंक्ति पढ़कर।
(D) कठोर व्यावहारिक नियमों को लागू करके जो छात्रों को पढ़ने के दौरान प्रश्न पूछने या टिप्पणी करने से सख्ती से रोकते हैं।

34. उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में विशेष रूप से कहानी सुनाने की विधि पर निर्भर रहने की प्राथमिक सीमा क्या है?
(A) यह विषय शिक्षक के लिए औपचारिक पेशेवर अभिनय योग्यता और मंच प्रशिक्षण रखने की एक अवास्तविक आवश्यकता को लागू करता है।
(B) यह इस धारणा पर आधारित है कि बड़े माध्यमिक छात्र संरचित कथा प्रारूपों को समझने में जैविक रूप से असमर्थ हैं।
(C) यह उच्च स्तर पर आवश्यक कठोर विश्लेषणात्मक और मात्रात्मक कौशलों को विकसित करने में संघर्ष करता है।
(D) यह विशेष, अत्यधिक महंगे डिजिटल स्टोरीटेलिंग सॉफ़्टवेयर टूल की खरीद को अनिवार्य करके एक प्रशासनिक बाधा उत्पन्न करता है।

35. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning - PBL) वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए एक बहुविषयक दृष्टिकोण पर बल देता है।
कारण (R): परियोजना-आधारित अधिगम वैचारिक स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए ज्ञान को सख्त विषय सीमाओं में अलग करता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

36. निम्नलिखित में से कौन सा परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning - PBL) के मौलिक अर्थ का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) एक पारंपरिक विधि जहाँ छात्र एक अनिवार्य योगात्मक लिखित परियोजना रिपोर्ट जमा करने के लिए निष्क्रिय रूप से तथ्यों को याद करते हैं।
(B) एक शिक्षक-निर्देशित गतिविधि जिसमें अनुदेशक मुख्य परियोजना वस्तु का निर्माण करता है जबकि छात्र सीटों से चुपचाप देखते हैं।
(C) बिना कोई अंतर्निहित सैद्धांतिक अनुदेशन प्रदान किए भौतिक शिल्प मॉडल तैयार करने पर केंद्रित एक संकीर्ण विधि।
(D) एक ऐसा दृष्टिकोण जहाँ छात्र ज्ञान प्राप्त करने के लिए वास्तविक दुनिया की समस्याओं का सक्रिय रूप से अन्वेषण करते हैं।

37. निम्नलिखित में से कौन सा उच्च गुणवत्ता वाले परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning - PBL) की एक मुख्य विशेषता नहीं है?
(A) निरंतर, गहन पूछताछ (Sustained Inquiry)
(B) तथ्यों को रटकर याद करना (Rote Memorization)
(C) परियोजना चयन में छात्र की आवाज़ और स्वायत्तता (Student Agency)
(D) एक प्रामाणिक उत्पाद की सार्वजनिक प्रस्तुति

38. एक प्राचार्य कक्षा 9 विज्ञान के लिए परियोजना-आधारित अधिगम का उपयोग करने वाली एक प्रस्तावित पाठ योजना की समीक्षा कर रहे हैं। योजना में छात्रों को शिक्षक द्वारा प्रदान किए गए चरण-दर-चरण मैनुअल के आधार पर एक साधारण जल निस्पंदन प्रणाली का निर्माण शामिल है, जिसे एक अवधि

Click Here to Buy book on Amazon

में पूरा किया जाना है। यह सच्चे परियोजना-आधारित अधिगम के रूप में अर्हता क्यों नहीं प्राप्त करता है?
(A) कक्षा 9 के छात्रों के लिए सुरक्षित रूप से संभालने के लिए उपकरण निर्माण अत्यधिक खतरनाक है।
(B) वैज्ञानिक सिद्धांतों और प्राकृतिक नियमों को व्यावहारिक परियोजनाओं के माध्यम से प्रभावी ढंग से नहीं पढ़ाया जा सकता है।
(C) इसमें निरंतर पूछताछ, खुली समस्या-समाधान और छात्र स्वायत्तता का अभाव है।
(D) असाइन की गई व्यावहारिक गतिविधि में एक औपचारिक लिखित कागज-और-पेंसिल परीक्षा घटक शामिल नहीं है।

39. परियोजना विधि (Project Method) के संदर्भ में, कौन सी दार्शनिक विचारधारा इसकी नींव बनाती है?
(A) आदर्शवाद (Idealism)
(B) अस्तित्ववाद (Existentialism)
(C) प्रकृतिवाद (Naturalism)
(D) प्रयोजनवाद / व्यवहारवाद (Pragmatism)

40. पारंपरिक शैक्षिक सिद्धांत के तहत परियोजनाओं को चार अलग-अलग प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है। निम्नलिखित में से कौन सा उन प्रकारों में से एक नहीं है?
(A) व्याख्यात्मक परियोजना (Expository Project)
(B) रचनात्मक परियोजना (Constructive Project)
(C) सौंदर्यात्मक/आनंदात्मक परियोजना (Aesthetic/ Enjoyment Project)
(D) समस्यात्मक परियोजना (Problematic Project)

41. परियोजना विधि (Project Method) के निम्नलिखित मूलभूत चरणों को उनके सही क्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
I. योजना बनाना (Planning)
II. निष्पादन करना (Executing)
III. उद्देश्य निर्धारण / स्थिति प्रदान करना (Purposing)
IV. मूल्यांकन करना (Evaluating)
V. रिकॉर्डिंग / आलेखन (Recording)
(A) III, I, II, IV, V
(B) I, III, II, V, IV
(C) III, II, I, IV, V
(D) I, II, III, V, IV

42. परियोजना विधि के "मूल्यांकन" (Evaluating) चरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसमें छात्र इस बात पर विचार करते हैं कि उन्होंने क्या हासिल किया है और उन्होंने कहाँ गलतियाँ की हैं।
II. यह छात्रों द्वारा किसी स्व-मूल्यांकन के बिना पूरी तरह से बाह्य परीक्षक द्वारा आयोजित किया जाता है।
III. यह आकलन करने में मदद करता है कि क्या परियोजना के प्रारंभिक उद्देश्य पूरे हुए थे।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) I और III
(C) II और III
(D) I, II और III

43. विद्यालयी शिक्षा में परियोजना विधि (Project Method) का उपयोग करने का एक महत्वपूर्ण लाभ क्या है?
(A) यह कक्षा के अधिगम को वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों के साथ जोड़ता है।
(B) यह कक्षा शिक्षक द्वारा आवश्यक योजना और पाठ तैयारी की मात्रा को काफी कम कर देता है।
(C) यह पूरे निर्धारित शैक्षणिक पाठ्यक्रम को सबसे त्वरित और सुव्यवस्थित तरीके से पूरा करना सुनिश्चित करता है।
(D) यह छात्र मूल्यांकन के किसी भी रूप को आयोजित करने की प्रशासनिक आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर देता है।

44. समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning - PBL) को मूल रूप से विद्यालयों के लिए अनुकूलित किए जाने से पहले शिक्षा के किस क्षेत्र में उपयोग के लिए विकसित किया गया था?
(A) कानूनी शिक्षा (Legal Education)
(B) इंजीनियरिंग शिक्षा (Engineering Education)
(C) चिकित्सा शिक्षा (Medical Education)
(D) शिक्षक शिक्षा (Teacher Education)

NODIA

45. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): समस्या-आधारित अधिगम में, प्रासंगिक अवधारणाओं को सिखाए जाने से पहले समस्या छात्रों के सामने प्रस्तुत की जाती है।
कारण (R): समस्या-आधारित अधिगम समस्या का उपयोग छात्रों को इसे हल करने के लिए आवश्यक ज्ञान की खोज करने के लिए प्रेरित करने वाले चालक के रूप में करता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

46. समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning) वातावरण में शिक्षक की प्राथमिक भूमिका क्या है?
(A) एकमात्र आधिकारिक ज्ञान प्रदाता
(B) सख्त कक्षा अनुशासनप्रिय
(C) सुगमकर्ता (Facilitator) या कोच
(D) निष्क्रिय, गैर-हस्तक्षेपकारी पर्यवेक्षक (Passive Supervisor)

47. निम्नलिखित में से कौन सा समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning) के सही शुरुआती बिंदु का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) नामित मुख्य विषय पर एक व्यापक परिचयात्मक व्याख्यान का प्रत्यक्ष वितरण।
(B) एक कम-संरचित / अस्वच्छंद समस्या (Ill-structured Problem) की प्रस्तुति।
(C) शुरुआत में एक मानकीकृत योगात्मक लिखित परीक्षा (Summative Written Examination) का अनिवार्य प्रशासन।
(D) अनुदेशक द्वारा सटीक समस्या समाधान का तत्काल चरण-दर-चरण प्रदर्शन।

48. एक प्राचार्य एक कक्षा का अवलोकन करते हैं जहाँ शिक्षक एक परिदृश्य प्रस्तुत करते हैं: "एक स्थानीय झील में अचानक मछलियों की मौत हो रही है।" इसके बाद छात्रों को अपने स्वयं के विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों पर शोध करके कारण का निर्धारण करने और समाधान का प्रस्ताव करने का काम सौंपा जाता है। शिक्षक मुख्य रूप से किस शैक्षणिक दृष्टिकोण का उपयोग कर रहे हैं?
(A) रटकर सीखना (Rote Learning)
(B) प्रत्यक्ष अनुदेशन (Direct Instruction)
(C) अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction)
(D) समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning)

49. परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning - PrBL) और समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning - PBL) की तुलना करते समय, निम्नलिखित में से कौन सी परियोजना-आधारित अधिगम की एक प्रमुख विशिष्ट विशेषता है?
(A) यह एक प्रामाणिक उत्पाद या प्रदर्शन में समाप्त होता है।
(B) यह समूह कार्य को रोकता है और छात्रों को कड़ाई से अलगाव में काम करने की आवश्यकता होती है।
(C) यह लगातार अत्यधिक सैद्धांतिक, अमूर्त और बेबुनियाद वैचारिक पहेली के साथ शुरू होता है।
(D) यह दायरे में कड़ाई से पारंपरिक गणित और भौतिक विज्ञान के पाठ्यक्रम तक सीमित है।

50. परियोजना-आधारित अधिगम के विपरीत, समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning - PBL) अधिक जोर देता है:
(A) कक्षा शिक्षक के स्पष्ट, चरण-दर-चरण अनुदेशात्मक आदेशों का सख्ती से पालन करने पर।
(B) एक अंतिम मूर्त कलाकृति की दृश्य प्रस्तुति और भौतिक शिल्प कौशल को बढ़ाने पर।
(C) पूछताछ प्रक्रिया और विशिष्ट परिदृश्यों के समाधान खोजने पर।
(D) आगामी परीक्षा के लिए ऐतिहासिक तिथियों, प्रमुख शब्दों और परिभाषाओं को रटकर याद करने पर।

51. निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. अक्सर कम-संरचित (Ill-structured), अस्पष्ट परिदृश्यों का उपयोग करता है।
II. इसके परिणामस्वरूप एक मूर्त भौतिक उत्पाद नहीं भी हो सकता है।
III. नैदानिक तर्क (Clinical Reasoning) या विश्लेषणात्मक समस्या-समाधान के चरणों पर ध्यान केंद्रित करता है।
ये विशेषताएं सर्वोत्तम रूप से वर्णन करती हैं:
(A) समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning)
(B) परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning)
(C) व्याख्यात्मक शिक्षण (Expository Teaching)
(D) ड्रिल और अभ्यास (Drill and Practice)

52. PrBL और PBL की तुलना करने वाले निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. दोनों दृष्टिकोण शिक्षार्थी-केंद्रित हैं और सक्रिय अधिगम को बढ़ावा देते हैं।
II. PrBL में, अंतिम उत्पाद अक्सर केंद्र बिंदु होता है, जबकि PBL में, समस्या का समाधान केंद्र बिंदु होता है।
III. दोनों दृष्टिकोण सहयोगात्मक समूह कार्य के उपयोग को कड़ाई से प्रतिबंधित करते हैं।
IV. शिक्षक दोनों दृष्टिकोणों में एक सुगमकर्ता (Facilitator) के रूप में कार्य करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I, II और IV
(B) I, III और IV
(C) II, III और IV
(D) I, II, III और IV

53. गतिविधि-आधारित अधिगम (Activity-Based Learning - ABL) का मूल आधार क्या है?
(A) अधिगम तब अधिकतम होता है जब छात्र चुपचाप निष्क्रिय होकर बैठते हैं और प्रत्यक्ष व्याख्यान ध्यान से सुनते हैं।
(B) शारीरिक और मानसिक क्रिया के माध्यम से अधिगम सर्वोत्तम रूप से होता है।
(C) छात्रों द्वारा शांत सीटवर्क पूरा करने के बाद अनुदेशात्मक गतिविधियों का उपयोग केवल पुरस्कार के रूप में किया जाना चाहिए।
(D) प्रभावी अधिगम कड़ाई से अत्यधिक विशेष, महंगे आयातित वाणिज्यिक उपकरणों की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

54. भारत में किस नीतिगत ढांचे ने शिक्षा को बाल-केंद्रित और आनंददायक बनाने के लिए गतिविधि-आधारित अधिगम (Activity-Based Learning - ABL) की जोरदार वकालत की?
(A) मैकाले का भारतीय शिक्षा पर विवरण पत्र (Macaulay's

Downloaded from www.pdf.tube

Minute - 1835)
(B) कलकत्ता विश्वविद्यालय आयोग / सैडलर आयोग (1917)
(C) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा (National Curriculum Framework - NCF) 2005
(D) भारतीय वैधानिक आयोग की सहायक समिति / हर्टोग समिति (1929)

55. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): गतिविधि-आधारित अधिगम प्राथमिक विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर को कम करता है।
कारण (R): यह सीखने की प्रक्रिया को आकर्षक, आनंददायक और बच्चे के संदर्भ के लिए प्रासंगिक बनाता है, जिससे बोरियत और विफलता का डर कम होता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

56. गतिविधि-आधारित अधिगम (Activity-Based Learning) वातावरण में, सामग्रियों और कार्यों को अक्सर संगठित किया जाता है:
(A) मील के पत्थर (Milestones) और अधिगम की सीढ़ियों में
(B) कठोर, अनम्य विषय विभाजनों में
(C) बिना किसी शिक्षण लक्ष्य के असंरचित अराजकता में
(D) केवल मानकीकृत वार्षिक परीक्षाओं (Annual Examinations) में

57. एक प्राचार्य प्राथमिक कक्षाओं में गतिविधि-आधारित अधिगम (Activity-Based Learning - ABL) को लागू करना चाहते हैं। इस शिक्षाशास्त्र का समर्थन करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा प्रशासनिक कदम सबसे आवश्यक है?
(A) शारीरिक हलचल को पूरी तरह से रोकने के लिए कक्षा के फर्श पर छात्र डेस्क को स्थायी रूप से बोल्ट करना।
(B) लचीली बैठने की व्यवस्था और सुलभ शिक्षण सामग्री प्रदान करना।
(C) मानकीकृत एकल-विषय मुद्रित पाठ्यपुस्तकों की विशेष खरीद और उपयोग को अनिवार्य करना।
(D) अनुदेशात्मक घंटों के दौरान सभी कक्षाओं में पूर्ण मौखिक मौन को कड़ाई से लागू करना।

58. अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) के सिद्धांत को अक्सर एक चक्र के रूप में दर्शाया जाता है। इस शिक्षण चक्र का सही क्रम निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) सक्रिय प्रयोग (Active Experimentation) → अमूर्त संप्रत्ययीकरण (Abstract Conceptualization) → विचारशील अवलोकन (Reflective Observation) → मूर्त अनुभव (Concrete Experience)
(B) मूर्त अनुभव (Concrete Experience) → विचारशील अवलोकन (Reflective Observation) → अमूर्त संप्रत्ययीकरण (Abstract Conceptualization) → सक्रिय प्रयोग (Active Experimentation)
(C) विचारशील अवलोकन (Reflective Observation) → सक्रिय प्रयोग (Active Experimentation) → मूर्त अनुभव (Concrete Experience) → अमूर्त संप्रत्ययीकरण (Abstract Conceptualization)
(D) अमूर्त संप्रत्ययीकरण (Abstract Conceptualization) → मूर्त अनुभव (Concrete Experience) → सक्रिय प्रयोग (Active Experimentation) → विचारशील अवलोकन (Reflective Observation)

59. अनुभवात्मक अधिगम चक्र में, "अमूर्त संप्रत्ययीकरण" (Abstract Conceptualization) का क्या अर्थ है?
(A) चिंतन के आधार पर अमूर्त अवधारणाओं का निर्माण या संशोधन करना।
(B) किसी अपरिचित व्यावहारिक अनुभव या तत्काल सक्रिय परिदृश्य में सीधे संलग्न होना।
(C) अंतर्निहित तार्किक विसंगतियों का विश्लेषण करने के लिए पूर्व अनुभव पर व्यवस्थित रूप से चिंतन करना।
(D) व्यावहारिक वास्तविक दुनिया के संदर्भों के भीतर नए तैयार किए गए वैचारिक मॉडल का सक्रिय रूप से परीक्षण करना।

60. अनुभवात्मक अधिगम सिद्धांतों के अनुसार, अधिगम को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित किया गया है:
(A) आधिकारिक शिक्षकों से निष्क्रिय छात्रों तक निश्चित तथ्यात्मक सामग्री का प्रत्यक्ष संचरण।
(B) जानकारी के अलग-अलग टुकड़ों को यांत्रिक रूप से याद रखने और सटीक रूप से वापस याद करने की संज्ञानात्मक क्षमता।
(C) अनुभव के परिवर्तन के माध्यम से ज्ञान का निर्माण।
(D) बाहरी उत्तेजनाओं से स्वतंत्र तंत्रिका मस्तिष्क संरचनाओं की जैविक परिपक्वता।

NODIA

61. अनुभवात्मक अधिगम सिद्धांतों से प्राप्त अधिगम शैलियों के संबंध में गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) अपसारी (Diverging) – मूर्त अनुभव + विचारशील अवलोकन
(B) आत्मसात्करण (Assimilating) – अमूर्त संप्रत्ययीकरण + विचारशील अवलोकन
(C) अभिसारी (Converging) – अमूर्त संप्रत्ययीकरण + सक्रिय प्रयोग
(D) समायोजी (Accommodating) – अमूर्त संप्रत्ययीकरण + विचारशील अवलोकन

62. सहकारी अधिगम (Cooperative Learning) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. इसमें साझा लक्ष्यों को पूरा करने के लिए छोटे समूहों में एक साथ काम करने वाले छात्र शामिल हैं।
II. व्यक्तिगत जवाबदेही एक मुख्य तत्व है, जो यह सुनिश्चित करती है कि हर कोई योगदान दे।
III. यह नकारात्मक परस्पर निर्भरता पर निर्भर करता है जहाँ एक छात्र की सफलता का अर्थ दूसरे की विफलता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

63. निम्नलिखित में से कौन सा सहकारी अधिगम (Cooperative Learning) के पांच आवश्यक तत्वों में से एक नहीं है?
(A) समूह के सदस्यों के बीच सकारात्मक परस्पर निर्भरता (Positive Interdependence)
(B) सजातीय बुद्धिमत्ता (Homogeneous IQ) समूह बनाना
(C) छात्रों के बीच आमने-सामने की प्रोत्साहन अंतःक्रिया (Promotive Interaction)
(D) पारस्परिक और छोटे समूह के सहयोगात्मक कौशल

64. "जिगसॉ" (Jigsaw) सहकारी अधिगम तकनीक में, परिभाषित संरचनात्मक विशेषता क्या है?
(A) यह देखने के लिए कि कौन सबसे तेज़ समय में एक भौतिक पहेली को इकट्ठा कर सकता है, छात्र साथियों के खिलाफ आक्रामक रूप से प्रतिस्पर्धा करते हैं।
(B) कक्षा शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर एक जटिल जिगसॉ पहेली को हल करता है जबकि छात्र चुपचाप नोट्स कॉपी करते हैं।
(C) छात्र कक्षा के साथियों के साथ बिना अंतःक्रिया किए पूरी तरह से व्यक्तिगत रूप से निर्धारित सीखने के कार्यों को पूरा करते हैं।
(D) होम ग्रुप के सदस्य विषय विशेषज्ञ बनते हैं, फिर अपने साथियों को क्रॉस-टीचिंग करते हैं।

65. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): सहकारी अधिगम रणनीतियाँ (Cooperative Learning Strategies) छात्रों के सामाजिक कौशलों और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती हैं।
कारण (R): सहकारी अधिगम के लिए छात्रों को संघर्षों को सुलझाने, प्रभावी ढंग से संवाद करने और समूह लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक-दूसरे पर भरोसा करने की आवश्यकता होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

66. एक शिक्षक "सोचें-युग्म बनाएं-साझा करें" (Think-Pair-Share) गतिविधि लागू करता है। "युग्म" (Pair) चरण का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) कक्षा शिक्षक को छात्र की भागीदारी पर गोपनीय ग्रेड रिकॉर्ड करने का समय प्रदान करना।
(B) उच्च उपलब्धि वाले छात्रों को संघर्षरत साथियों के साथ जोड़ना ताकि पहला व्यक्ति असाइन किए गए सभी काम को पूरा करे।
(C) छात्रों को पूरे वर्ग के साथ साझा करने से पहले विचारों को सहयोगात्मक रूप से व्यक्त और परीक्षण करने देना।
(D) छात्रों को निश्चित जोड़ों में बैठने के लिए बाध्य करके कक्षा नियंत्रण बनाए रखना और सख्त व्यावहारिक अनुशासन लागू करना।

67. जबकि सहकारी (Cooperative) और सहयोगात्मक (Collaborative) अधिगम दोनों में समूह कार्य शामिल है, सहयोगात्मक अधिगम मौलिक रूप से सहकारी अधिगम से कैसे भिन्न है?
(A) सहयोगात्मक अधिगम छात्र स्व-संगठन का उपयोग करता है, जबकि सहकारी अधिगम सौंपे गए भूमिकाओं का उपयोग करता है।
(B) सहयोगात्मक अधिगम कड़ाई से शिक्षक द्वारा निर्देशित और संरचित होता है, जबकि सहकारी अधिगम पूरी तरह से असंरचित और सहज होता है।
(C) सहयोगात्मक अधिगम विशेष रूप से शुरुआती प्राथमिक छात्रों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जबकि सहकारी अधिगम केवल वयस्क शिक्षार्थियों के लिए है।
(D) कोई संरचनात्मक या सैद्धांतिक अंतर नहीं है; दोनों शब्दों का उपयोग समान समानार्थी रूप में किया जाता है।

68. एक प्राचार्य दो कक्षाओं का अवलोकन करते हैं। कक्षा A में, शिक्षक एक कार्यपत्रक पूरा करने के लिए समूह के सदस्यों को विशिष्ट भूमिकाएँ (समयपालक, रिकॉर्डर, सारांशकर्ता) प्रदान करते हैं। कक्षा B में, छात्र एक जटिल विषय का पारस्परिक रूप से अन्वेषण करने और बिना किसी सौंपी गई भूमिकाओं के एक विशिष्ट निबंध सह-लेखन के लिए समूह बनाते हैं। कौन से दृष्टिकोण अपनाए जा रहे हैं?
(A) कक्षा A सहयोगात्मक (Collaborative) है; कक्षा B सहकारी (Cooperative) है
(B) दोनों कड़ाई से सहयोगात्मक (Collaborative) हैं
(C) दोनों कड़ाई से सहकारी (Cooperative) हैं
(D) कक्षा A सहकारी (Cooperative) है; कक्षा B सहयोगात्मक (Collaborative) है

69. कौन सा शैक्षिक दर्शन सहयोगात्मक अधिगम (Collaborative Learning) का सबसे दृढ़ता से समर्थन करता है?
(A) व्यवहारवाद (Behaviorism)
(B) सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism)
(C) मनोविश्लेषण (Psychoanalysis)
(D) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)

Click Here to Buy book on Flipkart

70. सहयोगात्मक अधिगम (Collaborative Learning) को लागू करते समय एक शिक्षक को किस सामान्य चुनौती का सामना करना पड़ सकता है?
(A) भाग लेने वाले छात्र शिक्षक से चरण-दर-चरण प्रत्यक्ष अनुदेशन (Direct Instruction) प्राप्त करने पर अत्यधिक निर्भर हो सकते हैं।
(B) यह कृत्रिम रूप से संज्ञानात्मक मांगों को इस हद तक कम कर देता है कि अत्यधिक सक्षम छात्र विमुख और बोर हो जाते हैं।
(C) अनिरीक्षित रहने पर असंरचित गतिशीलता के कारण कुछ छात्र बिना काम किए लाभ उठा सकते हैं (Free-riding)।
(D) यह तार्किक कठिनाइयाँ पैदा करता है क्योंकि यह अनिवार्य करता है कि प्रत्येक भाग लेने वाला छात्र पृथक केबिन के अंदर बैठे।

71. सहकर्मी शिक्षण (Peer Tutoring) एक अनुदेशात्मक रणनीति को संदर्भित करता है जहाँ:
(A) पेशेवर विकास सत्रों के दौरान शिक्षक अन्य शिक्षकों को पढ़ाते हैं।
(B) प्राचार्य अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना कर रहे छात्रों को पढ़ाते हैं।
(C) माता-पिता को उनके अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए विद्यालय में लाया जाता है।
(D) छात्र एक-दूसरे को सीखने में मदद करने के लिए शैक्षणिक ट्यूटर और ट्यूटी के रूप में कार्य करते हैं।

72. सहकर्मी शिक्षण (Peer Tutoring) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. क्रॉस-एज (Cross-age) सहकर्मी शिक्षण में एक बड़ा छात्र छोटे छात्र को पढ़ाता है।
II. सेम-एज (Same-age) सहकर्मी शिक्षण में एक ही ग्रेड स्तर के छात्र शामिल होते हैं।
III. सहकर्मी शिक्षण से केवल पढ़ने वाले छात्र (Tutee) को लाभ होता है; पढ़ाने वाले छात्र (Tutor) को कोई शैक्षणिक लाभ नहीं मिलता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) I और III
(C) II और III
(D) I, II और III

73. सहकर्मी शिक्षण व्यवस्था में "ट्यूटर" (पढ़ाने वाले) के रूप में कार्य करने वाले छात्र के लिए मान्यता प्राप्त मनोवैज्ञानिक लाभ निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) सामाजिक प्रदर्शन के दबाव के कारण शैक्षणिक आत्म-सम्मान में महत्वपूर्ण कमी।
(B) विषय सामग्री का सुदृढ़ीकरण और बढ़ा हुआ आत्मविश्वास
(C) विषयों में सभी आंतरिक सीखने की प्रेरणा और व्यक्तिगत रुचि का पूर्ण उन्मूलन।
(D) कक्षा शिक्षकों से निरंतर मार्गदर्शन पर ध्यान देने योग्य संज्ञानात्मक निर्भरता।

74. विद्यालय में एक सफल सहकर्मी शिक्षण (Peer Tutoring) कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक आवश्यकता क्या है?
(A) यह सुनिश्चित करना कि छात्र ट्यूटर पूरी तरह से अप्रशिक्षित रहें ताकि उनकी अनुदेशात्मक सहायता सहज और "प्राकृतिक" रहे।
(B) अवधारणाओं को समझाने और रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए ट्यूटर्स को प्रशिक्षित करना।
(C) कक्षा में व्यवस्था बनाए रखने के लिए केवल सबसे दबंग या आक्रामक छात्रों को ट्यूटर के रूप में सेवा देने के लिए जानबूझकर चुनना।
(D) कम अंक वाले छात्रों को लक्षित करने वाले एक अनिवार्य दंडात्मक उपाय के रूप में सहकर्मी शिक्षण सत्रों को औपचारिक रूप से संस्थागत बनाना।

75. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): सहकर्मी शिक्षण (Peer Tutoring) उन छात्रों के लिए अंतर को पाटने में मदद कर सकता है जो शिक्षक से प्रश्न पूछने में झिझकते हैं।
कारण (R): छात्र अक्सर एक समान भाषाई और संज्ञानात्मक स्तर साझा करते हैं, जिससे साथियों के स्पष्टीकरण अधिक सुलभ और कम भयभीत करने वाले बनते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

76. मिश्रित अधिगम (Blended Learning) को एक शैक्षिक दृष्टिकोण के रूप में सर्वोत्तम रूप से परिभाषित किया गया है जो:
(A) एक ही भौतिक कक्षा के माहौल में पूरी तरह से अलग-अलग आयु समूहों और ग्रेड स्तरों के छात्रों को मिलाता है।
(B) गणित और दृश्य कला जैसे अलग-अलग शैक्षणिक विषयों को एक एकल एकीकृत मुद्रित पाठ्यपुस्तक में मिलाता है।
(C) प्रत्यक्ष कक्षा शिक्षण (Face-to-Face Teaching) को डिजिटल शिक्षण के साथ जोड़ता है।
(D) सभी पेशेवर मानव कक्षा शिक्षकों को स्वचालित कृत्रिम बुद्धिमत्ता सॉफ़्टवेयर प्रणालियों से पूरी तरह बदल देता है।

77. निम्नलिखित में से कौन सा मिश्रित अधिगम (Blended Learning) का एक सामान्य मॉडल है जहाँ छात्र शिक्षण तौर-तरीकों के बीच एक निश्चित समय सारणी पर बदलते हैं, जिनमें से कम से कम एक ऑनलाइन शिक्षण है?

Downloaded from www.pdf.tube

(A) फ्लेक्स मॉडल (Flex Model)
(B) अ ला कार्टे मॉडल (A La Carte Model)
(C) समृद्ध आभासी मॉडल (Enriched Virtual Model)
(D) रोटेशन मॉडल (Rotation Model)

78. अनुदेशन को व्यक्तिगत बनाने के लिए एक प्राचार्य विद्यालय के पाठ्यचर्या में मिश्रित अधिगम को एकीकृत करना चाहते हैं। निम्नलिखित में से किस बाधा को सबसे पहले संबोधित करना सबसे महत्वपूर्ण है?
(A) कक्षा की दीवारों का सौंदर्यपूर्ण रंग योजना और आंतरिक सजावट चुनना।
(B) छात्रों द्वारा ले जाई जाने वाली पारंपरिक मुद्रित पाठ्यपुस्तकों के कुल वजन को प्रबंधित करना और कम करना।
(C) डिजिटल उपकरणों और विश्वसनीय इंटरनेट तक छात्रों की समान पहुँच।
(D) विद्यालय के वार्षिक खेल दिवस के लिए प्रशासनिक समय सारणी और तार्किक समय का निर्धारण करना।

79. मिश्रित अधिगम (Blended Learning) के "फ्लेक्स मॉडल" (Flex Model) में:
(A) छात्र घर पर पूरी तरह से ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा करते हैं और उन्हें कभी भी भौतिक विद्यालय भवन में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होती है।
(B) ऑनलाइन वितरण प्राथमिक कोर बनाता है, जिसमें आवश्यकता के आधार पर शिक्षक सहायता मिलती है।
(C) कक्षा शिक्षक शैक्षणिक व्याख्यानों के बीच विश्राम के रूप में संरचित शारीरिक लचीलेपन के अभ्यासों को शामिल करते हैं।
(D) डिजिटल शिक्षण प्लेटफॉर्म का उपयोग विशेष रूप से अधूरे गृहकार्य वाले छात्रों के लिए एक प्रशासनिक दंड के रूप में किया जाता है।

80. मिश्रित अधिगम (Blended Learning) का प्राथमिक शैक्षणिक लाभ यह है कि यह अनुमति देता है:
(A) भौतिक विद्यालयों के पूर्ण संरचनात्मक उन्मूलन और बंद होने की।
(B) कक्षा शिक्षकों को अपने नामांकित छात्रों के साथ सीधे अंतःक्रिया करने से पूरी तरह से बचने में सक्षम बनाने की।
(C) सभी छात्र शैक्षिक प्रक्रियाओं और आउटपुट मेट्रिक्स (Output Metrics) में पूर्ण, कठोर मानकीकरण प्राप्त करने की।
(D) विविध छात्रों के लिए विभेदित, स्व-गति से अधिगम (Self-Paced Learning) की।

81. "फ़्लिप्ड क्लासरूम" (Flipped Classroom) दृष्टिकोण मिश्रित अधिगम का एक विशिष्ट प्रकार है। इस मॉडल में वास्तव में क्या "फ़्लिप" (उलटा) किया जा रहा है?
(A) प्रत्यक्ष अनुदेशन कक्षा-पूर्व गृहकार्य में स्थानांतरित होता है, जबकि अभ्यास कक्षा समय के दौरान होता है।
(B) छात्र डेस्क और कुर्सियों सहित सभी भौतिक फर्नीचर को कमरे की पिछली दीवार की ओर मोड़ दिया जाता है।
(C) प्राचार्य और शिक्षक के प्रशासनिक कर्तव्यों और कक्षा की जिम्मेदारियों की पूरी तरह से अदला-बदली की जाती है।
(D) शैक्षणिक वर्ष की आधिकारिक शुरुआत से पहले व्यापक अंतिम परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

82. फ़्लिप्ड क्लासरूम दृष्टिकोण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह समस्या-समाधान और विश्लेषण जैसी उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक गतिविधियों के लिए मूल्यवान कक्षा समय को मुक्त करता है।
II. इसके लिए आवश्यक है कि छात्र कक्षा से पहले अपने मूलभूत शिक्षण की जिम्मेदारी लें।
III. यह मानता है कि सभी छात्रों में बिना किसी शिक्षक मार्गदर्शन के स्वाभाविक रूप से उच्च स्व-नियमन कौशल (Self-Regulation Skills) होते हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) I और III
(C) II और III
(D) I, II और III

83. ब्लूम के वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy) के संदर्भ में, फ़्लिप्ड क्लासरूम किन संज्ञानात्मक स्तरों को गृह वातावरण में स्थानांतरित करता है?
(A) अवधारणाओं को याद रखना (Remembering) और समझना (Understanding)
(B) मूल कार्य का निर्माण करना (Creating) और साक्ष्यों का मूल्यांकन करना (Evaluating)
(C) डेटासेट का विश्लेषण करना (Analyzing) और सूत्रों को लागू करना (Applying)
(D) तर्कों का मूल्यांकन करना (Evaluating) और संरचनाओं का विश्लेषण करना (Analyzing)

NODIA

84. पहली बार फ़्लिप्ड क्लासरूम को लागू करते समय एक शिक्षक को किस सामान्य कमी का सामना करना पड़ सकता है?
(A) नामांकित छात्र चर्चाओं के लिए लगातार पूरी तरह से अत्यधिक तैयारी के साथ कक्षा में आ सकते हैं।
(B) कक्षा शिक्षक सक्रिय कक्षा अवधि के दौरान अत्यधिक अनावंटित खाली समय पाएंगे।
(C) विद्यालय प्रशासनिक प्रबंधन भाग लेने वाले शिक्षकों पर स्वचालित रूप से वेतन में कटौती लागू करेगा।
(D) अप्रशिक्षित/अतैयार छात्र जो कक्षा-पूर्व सामग्री को छोड़ देते हैं, वे सक्रिय शिक्षण को कमजोर करते हैं।

85. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): फ़्लिप्ड क्लासरूम मॉडल कक्षा समय के दौरान

व्यक्तिगत शिक्षक-छात्र अंतःक्रिया को बढ़ाता है।
कारण (R): क्योंकि शिक्षक एक लाइव व्याख्यान नहीं दे रहे होते हैं, वे घूम सकते हैं और उन छात्रों की सहायता कर सकते हैं जो व्यावहारिक अनुप्रयोग के साथ संघर्ष कर रहे हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

86. पूछताछ-आधारित अधिगम (Inquiry-Based Learning) एक शैक्षणिक दृष्टिकोण है जो किस शैक्षिक दर्शन से सबसे निकटता से जुड़ा हुआ है?
(A) व्यवहारवाद (Behaviorism)
(B) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)
(C) प्रगतिशील अनुभवात्मकता (Progressive Experientialism)
(D) संबंधवाद (Connectionism)

87. पूछताछ-आधारित अधिगम के संदर्भ में, पूछताछ के किस स्तर में शिक्षक प्रश्न और प्रक्रिया प्रदान करता है, जबकि छात्र परिणाम निर्धारित करते हैं?
(A) पुष्टि पूछताछ (Confirmation Inquiry)
(B) निर्देशित पूछताछ (Guided Inquiry)
(C) खुली पूछताछ (Open Inquiry)
(D) संरचित पूछताछ (Structured Inquiry)

88. एक विज्ञान शिक्षक कक्षा से पूछता है, "सोलर पैनल का कोण इसके ऊर्जा उत्पादन को कैसे प्रभावित करता है?" और छात्रों को अपने स्वयं के प्रयोगों को डिजाइन करने और परिणाम निर्धारित करने की अनुमति देता है। यह किसका एक उदाहरण है?
(A) निर्देशित पूछताछ (Guided Inquiry)
(B) पुष्टि पूछताछ (Confirmation Inquiry)
(C) संरचित पूछताछ (Structured Inquiry)
(D) रटकर अधिगम (Rote Learning)

89. निम्नलिखित में से कौन सा पूछताछ-आधारित अधिगम प्रक्रिया में एक अनिवार्य चरण है?
(A) पारिभाषिक शब्दावली को याद रखना
(B) परिकल्पना तैयार करना और साक्ष्य एकत्र करना
(C) ब्लैकबोर्ड से चुपचाप नोट्स कॉपी करना
(D) बिना किसी प्रश्न के शिक्षक की राय स्वीकार करना

90. उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में खुली पूछताछ (Open Inquiry) का उपयोग करने का मुख्य लाभ क्या है?
(A) यह छात्रों के वैचारिक सोच और पूछताछ को विशेष रूप से निर्धारित पठन अंशों तक सीमित करता है।
(B) यह मजबूत अनुसंधान कौशल और वैज्ञानिक साक्षरता विकसित करता है।
(C) यह सुनिश्चित करता है कि सभी भाग लेने वाले छात्र न्यूनतम संभव समय सीमा में पूरी तरह से समान उत्तरों पर पहुंचे।
(D) यह शिक्षक द्वारा पूर्व पाठ तैयारी या अनुदेशात्मक डिजाइन की सभी आवश्यकताओं को समाप्त करता है।

91. खोज अधिगम (Discovery Learning), संज्ञानात्मक मनोविज्ञान में गहराई से निहित एक अवधारणा, सक्रिय अधिगम और संरचनात्मक समझ पर जोर देती है। इस अवधारणा की प्रमुख रूप से वकालत किसके द्वारा की गई थी?
(A) जेरोम ब्रूनर (Jerome Bruner)
(B) लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky)
(C) जीन पियाजे (Jean Piaget)
(D) अल्बर्ट बांडुरा (Albert Bandura)

92. खोज अधिगम (Discovery Learning) की अवधारणा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसमें शिक्षार्थी तथ्यों और संबंधों की खोज के लिए अपने अतीत के अनुभवों और मौजूदा ज्ञान का उपयोग करते हैं।
II. यह बाह्य पुरस्कारों के बजाय आंतरिक प्रेरणा को बढ़ावा देता है।
III. यह अंतिम उत्पाद पर सीखने की प्रक्रिया पर जोर देता है।
IV. यह विशेष रूप से प्रत्यक्ष अनुदेशन और रटकर याद करने पर निर्भर करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I, II और III
(B) II, III और IV
(C) I, III और IV
(D) I, II, III और IV

93. संज्ञानात्मक अधिगम सिद्धांतों के अनुसार, विद्यालयों में खोज अधिगम (Discovery Learning) का उपयोग करने का एक मूलभूत कारण निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) यह युवा छात्रों को संस्थागत अधिकारियों की बिना शर्त आज्ञा मानने के लिए व्यवस्थित रूप से अनुकूलित करता है।
(B) यह कक्षा शिक्षक को पूरी तरह से अनावश्यक बना देता है, जिससे विद्यालय के वित्तीय संसाधनों की बचत होती है।
(C) यह विश्वसनीय रूप से गारंटी देता है कि सभी छात्र मानकीकृत योगात्मक परीक्षाओं (Summative Examinations) में सही अंक प्राप्त करें।
(D) यह भविष्य की समस्या-समाधान को बढ़ाते हुए "खोज के अन्वेषण" (Heuristics of Discovery) को सिखाता है।

94. "निर्देशित खोज" (Guided Discovery) क्या है?
(A) एक असंरचित स्थिति जहाँ छात्र बिना किसी शिक्षक मार्गदर्शन या प्रतिक्रिया के सीखने के कार्यों में भटकते हैं।

Click Here to Buy book on Amazon

(B) एक पारंपरिक व्याख्यानात्मक सेट-अप जहाँ कक्षा शिक्षक कक्षा को जानकारी का प्रत्येक टुकड़ा स्पष्ट रूप से निर्देशित करता है।
(C) एक ऐसा दृष्टिकोण जहाँ शिक्षक छात्र की खोज के लिए सुराग और संरचना प्रदान करते हैं।
(D) एक विशेष अनुदेशात्मक तकनीक जिसका उपयोग केवल बाहरी शारीरिक शिक्षा और खेल कोचिंग संदर्भों में किया जाता है।

95. अनिर्देशित, शुद्ध खोज अधिगम (Pure Discovery Learning) की सीमा यह है कि:
(A) यह अत्यधिक उन्नत और प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों की रचनात्मक सोच प्रक्रिया को गंभीर रूप से सीमित करता है।
(B) यह नौसिखिया शिक्षार्थियों में कार्यशील स्मृति (Working Memory) को अधिभारित करता है, जिससे संज्ञानात्मक भ्रम पैदा होता है।
(C) यह निष्क्रिय शिक्षक व्याख्यानों और तथ्यात्मक सामग्री के कठोर पारंपरिक संचरण (Traditional Transmission) पर अत्यधिक निर्भर करता है।
(D) यह विशेष रूप से भाषा सीखने के अनुदेशन के लिए प्रभावी है और अमूर्त गणित के लिए पूरी तरह से अप्रासंगिक है।

96. टीम शिक्षण (Team Teaching) एक अनुदेशात्मक रणनीति है जहाँ:
(A) अनिरीक्षित छात्र किसी भी शिक्षक की उपस्थिति के बिना शैक्षणिक सामग्री पढ़ाने के लिए सहकर्मी टीमों में स्वयं को व्यवस्थित करते हैं।
(B) एक एकल विशेष अनुदेशक केवल विद्यालय खेल टीम के सदस्यों को शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।
(C) एक एकल शिक्षक कक्षा के दौरान एक व्यक्तिगत छात्र को एक साथ कई अलग-अलग शैक्षणिक विषय प्रदान करता है।
(D) कई शिक्षक एक समूह के लिए अनुदेशन की योजना बनाते हैं, उसे प्रदान करते हैं और उसका मूल्यांकन करते हैं।

97. निम्नलिखित में से कौन सा टीम शिक्षण (Team Teaching) का एक प्राथमिक लाभ है?
(A) यह शिक्षकों को अपनी विविध शैक्षणिक शक्तियों और विषय विशेषज्ञता को साझा करने की अनुमति देता है।
(B) यह शिक्षकों के कार्यभार को आधा कर देता है, क्योंकि वे केवल 50% समय ही काम करते हैं।
(C) यह छात्रों के बीच भ्रम पैदा करता है क्योंकि उन्हें विरोधाभासी निर्देश मिलते हैं।
(D) यह कक्षा के आकार को स्थायी रूप से दोगुना करके शिक्षक की अनुपस्थिति को संभालने का एक प्रभावी तरीका है।

98. एक प्राचार्य जैव-भौतिकी (Bio-physics) पर एक इकाई पढ़ाने के लिए भौतिक विज्ञान विशेषज्ञ को जीव विज्ञान विशेषज्ञ के साथ जोड़कर कक्षा 10 विज्ञान के लिए टीम शिक्षण लागू करने का निर्णय लेते हैं। इसके सफल होने के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक आवश्यकता क्या है?
(A) यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त जमीनी नियम (Ground Rules) बनाना कि दोनों भाग लेने वाले शिक्षक कक्षा में कभी भी एक साथ न बोलें।
(B) कक्षा 10 के सभी नामांकित छात्रों और उनके परिवारों से वसूले जाने वाले वार्षिक शुल्क को आधिकारिक रूप से दोगुना करना।
(C) दोनों शिक्षकों के लिए निर्धारित साझा योजना समय (Shared Planning Time) प्रदान करना।
(D) अनुदेशात्मक कक्षा स्थान से भौतिक ब्लैकबोर्ड या व्हाइटबोर्ड को पूरी तरह से हटाना।

99. कौन सा टीम शिक्षण मॉडल में एक शिक्षक अनुदेशात्मक नेतृत्व लेता है जबकि दूसरा शिक्षक व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने के लिए कमरे में घूमता है?
(A) लीड-असिस्ट मॉडल (Lead-Assist Model)
(B) समानांतर शिक्षण मॉडल (Parallel Teaching Model)
(C) स्टेशन शिक्षण मॉडल (Station Teaching Model)
(D) वैकल्पिक शिक्षण मॉडल (Alternative Teaching Model)

100. टीम शिक्षण के एक रूप "स्टेशन शिक्षण" (Station Teaching) में:
(A) दोनों अनुदेशक विभाजित कक्षा के दो हिस्सों को एक साथ एक ही अनुदेशात्मक सामग्री प्रदान करते हैं।
(B) एक अनुदेशक प्राथमिक बड़े समूह को प्रस्तुत करता है जबकि दूसरा शिक्षक उपचारात्मक शिक्षण के लिए एक छोटे समूह को लेता है।
(C) अनुदेशक क्रमिक दिनों में शिक्षण जिम्मेदारियों को बदलकर कक्षा का प्रबंधन करते हैं।
(D) शिक्षक सामग्री को स्टेशनों में विभाजित करते हैं जिनके माध्यम से छात्र समूह घूमते हैं।

101. शिक्षण की केस स्टडी विधि (Case Study Method) किसके लिए अत्यधिक प्रभावी है?
(A) बुनियादी गणितीय गुणन तालिकाओं को रटकर याद करना और त्वरित स्मरण।
(B) वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों का विश्लेषण करना और निर्णय लेने के कौशल का निर्माण करना।
(C) सुलेख अभ्यासों के दौरान मोटर नियंत्रण और हस्तलेखन गति में सुधार करना।
(D) जिम कक्षाओं में संरचित शारीरिक फिटनेस दिनचर्या का संचालन करना।

102. केस स्टडी विधि के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

NODIA

I. यह अमूर्त सिद्धांत और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच के अंतर को पाटता है।
II. इसके लिए छात्रों को साक्ष्यों का मूल्यांकन करने, कई दृष्टिकोणों पर विचार करने और समाधान तैयार करने की आवश्यकता होती है।
III. एक अच्छी केस स्टडी का हमेशा एक ही, स्पष्ट रूप से सही उत्तर होता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) I और III
(C) II और III
(D) I, II और III

103. केस स्टडी चर्चा के दौरान शिक्षक की विशिष्ट भूमिका क्या होती है?
(A) पूरे मामले की कहानी को जोर से पढ़ना और तुरंत छात्रों के सामने अंतिम निश्चित समाधान प्रस्तुत करना।
(B) केवल एक निष्क्रिय पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करना और छात्र कितना शांत व्यवहार करते हैं, इसके आधार पर भागीदारी अंक देना।
(C) निष्क्रिय प्रतिलिपि बनाने के लिए सीधे छात्रों को मामले के बारे में विस्तृत पाठ सारांश नोट्स निर्देशित करना।
(D) चर्चा को सुगम बनाना, तर्क की जांच करना और धारणाओं को चुनौती देना।

104. माध्यमिक शिक्षा में कौन सा विषय क्षेत्र केस स्टडी विधि के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है?
(A) व्यावसायिक अध्ययन (Business Studies), अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान
(B) शुद्ध गणित (Pure Mathematics - जैसे, बीजगणितीय समीकरणों को हल करना)
(C) वर्तनी और व्याकरण
(D) बुनियादी ड्राइंग कौशल

105. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): केस स्टडी विधि के लिए शिक्षक और छात्र दोनों से महत्वपूर्ण तैयारी के समय की आवश्यकता होती है।
कारण (R): प्रभावी केस चर्चाएँ प्रस्तुत किए गए परिदृश्य के तथ्यों, संदर्भ और सूक्ष्मताओं की गहरी समझ पर निर्भर करती हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

106. रोल प्ले (Role Play) एक सक्रिय शिक्षण तकनीक है जहाँ छात्र:
(A) कक्षा के घंटों के दौरान विषय सामग्री के आसपास केंद्रित अंतःक्रियात्मक डिजिटल वीडियो गेम खेलने में संलग्न होते हैं।
(B) एक विशिष्ट स्थिति में एक चरित्र के व्यक्तित्व और कार्यों को अपनाते हैं।
(C) अपने शैक्षणिक ग्रेड को बेतरतीब ढंग से निर्धारित करने के लिए कक्षा के खेलों में पासा फेंकते हैं।
(D) अपनी सीटों से निष्क्रिय होकर देखते हैं जब कक्षा शिक्षक एक पटकथा वाले नाटकीय नाटक का प्रदर्शन करता है।

107. इतिहास या नागरिक शास्त्र जैसे विषयों में भूमिका निभाने की विधि (Role-Play Method) का उपयोग करने का सबसे महत्वपूर्ण शैक्षिक लाभ निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) यह ऐतिहासिक या सामाजिक संदर्भों की सहानुभूति और समझ विकसित करता है।
(B) यह महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तिथियों और समय-रेखाओं को याद रखने की पूर्ण और त्रुटिहीन गारंटी देता है।
(C) यह नाट्य उद्योगों के लिए आवश्यक विशेष पेशेवर अभिनय तकनीकों को प्रदान करता है।
(D) यह निर्धारित पाठ्यपुस्तक पढ़ने की प्रशासनिक आवश्यकता को पूरी तरह से बदल देता है।

108. एक राजनीति विज्ञान शिक्षक विधायी प्रक्रिया को सिखाने के लिए सिमुलेशन (Simulation) का उपयोग करना चाहते हैं। निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि सिमुलेशन का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करती है?
(A) छात्रों को एक विधेयक कानून कैसे बनता है, इसके औपचारिक चरणों का विवरण देने वाला एक व्यक्तिगत गृहकार्य निबंध सौंपना।
(B) भारतीय संसद की परिचालन प्रक्रियाओं को दर्शाने वाली एक वृत्तचित्र फिल्म दिखाना।
(C) एक "मॉक पार्लियामेंट" (Mock Parliament) का संचालन करना जहाँ छात्र एक विधेयक पर बहस करते हैं और मतदान करते हैं।
(D) एक खाली संसदीय भवन का अवलोकन करने के लिए एक शैक्षिक क्षेत्र भ्रमण (Field Visit) का आयोजन करना।

109. रोल प्ले (Role Play) और सिमुलेशन (Simulation) के बीच मूलभूत अंतर क्या है?
(A) रोल प्ले तकनीकें केवल वयस्क प्रशिक्षण के लिए बनाई गई हैं, जबकि सिमुलेशन छोटे बच्चों के लिए आरक्षित हैं।
(B) रोल प्ले गतिविधियाँ कंप्यूटर तकनीक पर निर्भर करती हैं, जबकि सिमुलेशन गतिविधियाँ भौतिक उपकरणों पर निर्भर करती हैं।
(C) कोई कार्यात्मक या वैचारिक अंतर नहीं है; दोनों शब्द पूरी तरह से समान शिक्षण विधियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
(D) रोल प्ले में पात्रों को अपनाना शामिल है; सिमुलेशन जटिल प्रणालियों को मॉडल करता है।

Downloaded from www.pdf.tube

110. शैक्षणिक रूप से प्रभावी होने के लिए भूमिका निभाने की गतिविधि के बाद वास्तव में क्या होना चाहिए?
(A) प्रदर्शन सामग्री पर एक अनिवार्य, समयबद्ध लिखित परीक्षा (Written Examination) आयोजित करना।
(B) छात्रों की अभिनय क्षमताओं में कमियों को उजागर करने वाली एक सार्वजनिक आलोचना का संचालन करना।
(C) परिणामों और सीखने के उद्देश्यों पर चिंतन करने के लिए एक डीब्रीफिंग सत्र (Debriefing Session)।
(D) किसी भी अनुवर्ती चर्चा के बिना पूरे छात्र समूह को कक्षा से तुरंत बर्खास्त करना।

111. विचार-मंथन (Brainstorming) को मुख्य रूप से किस उद्देश्य के लिए एक अनुदेशात्मक तकनीक के रूप में लोकप्रिय बनाया गया था?
(A) कठोर, शांत कक्षा व्यवहार लागू करना और सख्त छात्र अनुशासन बनाए रखना।
(B) किसी समस्या को हल करने के लिए बड़ी मात्रा में रचनात्मक विचार उत्पन्न करना।
(C) व्यक्तिगत छात्रों की औपचारिक व्याकरणिक सटीकता का सही आकलन और मूल्यांकन करना।
(D) लिखित समीक्षा सत्रों के दौरान दीर्घकालिक स्मृति पुनर्प्राप्ति और तथ्यात्मक स्मरण का परीक्षण करना।

112. निम्नलिखित में से कौन सा विचार-मंथन (Brainstorming) सत्र का एक प्रमुख नियम है?
(A) जैसे ही मौखिक रूप से प्रस्ताव दिया जाए, प्रत्येक विचार का तुरंत मूल्यांकन, आलोचना और चुनौती दें।
(B) उच्च गुणवत्ता की गारंटी देने के लिए स्वीकार्य विचारों की कुल संख्या को कड़ाई से सीमित करें।
(C) कक्षा के भीतर अकादमिक रूप से उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों तक ही भागीदारी को सीमित रखें।
(D) विचार निर्माण समाप्त होने तक सभी निर्णयों और आलोचनाओं को स्थगित रखें।

113. विचार-मंथन में, "फ्रीव्हीलिंग का स्वागत है" (Freewheeling is welcomed) सिद्धांत का अर्थ है:
(A) असाधारण और अपरंपरागत विचारों का स्वागत किया जाता है।
(B) नामांकित छात्रों को किसी भी समय भौतिक कक्षा के माहौल को छोड़ने की अनुमति है।
(C) कक्षा अनुदेशक अग्रिम में किसी भी पाठ विषय को तैयार करने से पूरी तरह मुक्त है।
(D) सभी प्रस्तावित विचारों को स्थापित पाठ्यपुस्तक मॉडल का सख्ती से पालन करना चाहिए।

114. विचार-मंथन सत्र के दौरान विचारों को कैसे रिकॉर्ड किया जाना चाहिए?
(A) पूरा सत्र समाप्त होने तक उन्हें अन्य प्रतिभागियों से पूरी तरह गुप्त रखा जाना चाहिए।
(B) बोर्ड पर केवल कक्षा शिक्षक द्वारा पसंद किए गए विशिष्ट विचारों को प्रलेखित किया जाना चाहिए।
(C) उन्हें प्रतिभागियों द्वारा कहे गए अनुसार ही दृश्य रूप से रिकॉर्ड किया जाना चाहिए।
(D) छात्रों को उन्हें कॉपी करने से रोकने के लिए एक जटिल कोडित भाषा का उपयोग करके उन्हें लिखा जाना चाहिए।

115. विचार-मंथन का विचार-निर्माण चरण पूरा होने के बाद, अगला तार्किक कदम क्या है?
(A) व्यवहार्य समाधान चुनने के लिए उत्पन्न विचारों का वर्गीकरण और शोधन करना।
(B) उत्पन्न सभी विचारों को पूरी तरह से त्याग देना और तुरंत पाठ्यपुस्तक पढ़ने पर वापस लौटना।
(C) अव्यावहारिक विचारों का योगदान देने वाले व्यक्तिगत छात्रों पर अनुशासनात्मक उपाय लागू करना।
(D) पूरी तरह से अप्रासंगिक विषय पर केंद्रित एक नए विचार-मंथन सत्र को तुरंत शुरू करना।

116. शिक्षण की क्षेत्र भ्रमण (Field Trip) या शैक्षिक यात्रा विधि किस शैक्षणिक सिद्धांत पर आधारित है?
(A) मुख्य रूप से अमूर्त संप्रत्ययीकरण और सैद्धांतिक पठन के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करना।
(B) रटने की तकनीकों का उपयोग करके विस्तृत भौगोलिक डेटा और तथ्यों को याद रखना।
(C) शास्त्रीय व्यवहार उत्तेजनाओं के बार-बार संपर्क के माध्यम से छात्र प्रतिक्रियाओं को अनुकूलित करना।
(D) कक्षा की दीवारों के बाहर प्रत्यक्ष अनुभव और अधिगम।

117. क्षेत्र भ्रमण के शैक्षिक मूल्य को सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सबसे महत्वपूर्ण चरण है?
(A) स्थल की बस यात्रा के दौरान मनोरंजक गतिविधियों का प्रबंधन करना।
(B) यात्रा-पूर्व योजना और यात्रा के बाद की चिंतन गतिविधियाँ।
(C) छात्र उपभोग के लिए उपयुक्त जलपान विकल्पों का चयन करना।
(D) गंतव्य पर छात्रों की यादगार समूह तस्वीरें लेना।

118. एक प्राचार्य को कक्षा 8 के लिए एक स्थानीय ऐतिहासिक स्मारक के प्रस्तावित क्षेत्र भ्रमण को मंजूरी देनी होगी। प्रशासनिक और शैक्षणिक दृष्टिकोण से, शिक्षक के लिए पहले से जमा करने के लिए कौन सा दस्तावेज सबसे आवश्यक है?
(A) बस ऑडियो सिस्टम पर प्रसारित किए जाने वाले मनोरंजक गानों वाली एक स्वीकृत प्लेलिस्ट।
(B) एक औपचारिक लिखित गारंटी यह सुनिश्चित करती है कि भाग लेने वाले छात्र यात्रा के दौरान पूरी तरह से चुप रहेंगे।
(C) एक यात्रा कार्यक्रम (Itinerary), स्पष्ट उद्देश्य, सुरक्षा प्रोटोकॉल और सहमति फॉर्म।
(D) प्रदर्शन के लिए सजावटी स्मृति चिन्हों की योजनाबद्ध खरीद का विवरण देने वाला एक बजट प्रस्ताव (Budget Proposal)।

NODIA

119. यदि ठीक से प्रबंधित न किया जाए तो क्षेत्र भ्रमण की सामान्य शैक्षणिक सीमा क्या है?
(A) सार्थक अनुदेशन प्राप्त करने के लिए भ्रमण की अवधि स्वाभाविक रूप से बहुत संक्षिप्त होती है।
(B) अप्रिय अनुभव लगातार छात्रों में विषयों के प्रति तीव्र नापसंदगी पैदा करते हैं।
(C) भ्रमण आयोजित करना मानक कक्षा शिक्षण और पाठ्यक्रम गति को स्थायी रूप से विस्थापित करता है।
(D) वे शैक्षणिक ध्यान के बिना मनोरंजक सैर-सपाटे में बदल सकते हैं।

120. विषयों और क्षेत्र भ्रमणों के संरेखण के संबंध में गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) साहित्य – रासायनिक निर्माण संयंत्र का दौरा
(B) जीव विज्ञान – वनस्पति उद्यान का दौरा
(C) नागरिक शास्त्र – स्थानीय नगर निगम सत्र का दौरा
(D) इतिहास – पुरातात्विक संग्रहालय का दौरा

121. शिक्षण की अन्वेषण विधि (Heuristic Method) ऐतिहासिक रूप से किसके द्वारा शुरु की गई थी?
(A) जॉन डीवी (John Dewey)
(B) एच.ई. आर्मस्ट्रांग (H.E. Armstrong)
(C) मारिया मोंटेसरी (Maria Montessori)
(D) फ्रेडरिक फ्रोबेल (Friedrich Froebel)

122. अन्वेषण विधि (Heuristic Method) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. "ह्यूरिस्टिक" शब्द एक ग्रीक शब्द से बना है जिसका अर्थ है "खोज करना" या "पता लगाना"।
II. यह छात्र को तथ्यों के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता के बजाय एक स्वतंत्र खोजकर्ता की स्थिति में रखता है।
III. यह रटकर याद करने के लिए तैयार नोट्स प्रदान करने वाले शिक्षक पर अत्यधिक निर्भर करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) I और III
(C) II और III
(D) I, II और III

123. अन्वेषण विधि (Heuristic Method) किस विषय क्षेत्र के शिक्षण से सबसे दृढ़ता से जुड़ी हुई है?
(A) विज्ञान और गणित
(B) शास्त्रीय भाषाएं और साहित्य
(C) शारीरिक शिक्षा और कोचिंग
(D) ललित कला और प्रदर्शन कला

124. मानक भारतीय कक्षाओं में अन्वेषण विधि (Heuristic Method) का उपयोग करने की एक प्रमुख व्यावहारिक चुनौती क्या है?
(A) यह अवास्तविक रूप से अपेक्षा करता है कि कक्षा शिक्षकों के पास विषय का कोई पूर्व ज्ञान न हो।
(B) यह अनुदेशात्मक समय के दौरान नामांकित छात्रों को प्रश्न पूछने से रोकता है।
(C) यह बड़ी कक्षाओं और कठोर पाठ्यक्रम के साथ समय लेने वाला और कठिन है।
(D) यह विशेष रूप से प्रत्येक छात्र को महंगे व्यक्तिगत डिजिटल टैबलेट और इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने पर निर्भर करता है।

125. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): अन्वेषण विधि (Heuristic Method) छात्रों के बीच पूछताछ और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की भावना को बढ़ावा देती है।
कारण (R): अन्वेषण विधि में, छात्रों को एक समस्या दी जाती है और उनसे स्वतंत्र रूप से अवलोकन करने, प्रयोग करने और निष्कर्षों पर पहुँचने की उम्मीद की जाती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

126. अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction) किसके मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित एक शैक्षिक तकनीक है?
(A) गेस्टाल्ट संज्ञानात्मक मनोविज्ञान (Gestalt Cognitive Psychology)
(B) फ्रायड का मनोविश्लेषण (Freudian Psychoanalysis)
(C) क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning)
(D) सामाजिक रचनावादी सिद्धांत (Social Constructivist Theory)

127. निम्नलिखित में से किसे रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन (Linear Programmed Instruction) का प्राथमिक डेवलपर माना जाता है?
(A) नॉर्मन क्राउडर (Norman Crowder)
(B) बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner)
(C) बेंजामिन ब्लूम (Benjamin Bloom)
(D) रॉबर्ट गेने (Robert Gagne)

128. निम्नलिखित में से कौन सा अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction) का एक मूलभूत सिद्धांत नहीं है?
(A) लघु पदों का सिद्धांत (Principle of Small Steps)
(B) सक्रिय अनुक्रिया का सिद्धांत (Principle of Active Responding)
(C) स्व-गति का सिद्धांत (Principle of Self-Pacing)
(D) विलंबित प्रतिक्रिया का सिद्धांत (Principle of Delayed Feedback)

Click Here to Buy book on Flipkart

129. "शाखीय" (Branching) अभिक्रमित अनुदेशन में क्या होता है यदि कोई छात्र गलत उत्तर देता है?
(A) छात्र मुख्य पथ पर लौटने से पहले एक उपचारात्मक फ्रेम (Remedial Frame) की ओर जाता है।
(B) अनुदेशात्मक सॉफ़्टवेयर प्रोग्राम (Software Program) पूरी तरह से रुक जाता है और सत्र को समाप्त कर देता है।
(C) छात्र को एक दंडात्मक कार्य मिलता है जिसके लिए उन्हें छूटे हुए प्रश्न को 100 बार फिर से लिखना होता है।
(D) छात्र त्रुटि को पूरी तरह से दरकिनार कर देता है और सीधे अगले विषय पर चला जाता है।

130. अभिक्रमित अनुदेशनात्मक सामग्रियों का उपयोग करने वाली कक्षा में शिक्षक की प्राथमिक भूमिका क्या है?
(A) प्रत्यक्ष जानकारी और आधिकारिक व्याख्यानों के प्राथमिक स्रोत के रूप में कार्य करना।
(B) एक सख्त कक्षा अनुशासनप्रिय के रूप में काम करना जिसका मुख्य काम छात्रों की बातचीत को रोकना है।
(C) एक सुगमकर्ता (Facilitator) जो प्रगति की निगरानी करता है और संघर्षरत छात्रों की सहायता करता है।
(D) एक पूरी तरह से निष्क्रिय पर्यवेक्षक बने रहना जो कक्षा के दौरान कभी भी छात्रों के साथ अंतःक्रिया नहीं करता है।

131. व्यक्तिगत अनुदेशन (Individualized Instruction) दृष्टिकोण मुख्य रूप से किसे संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं?
(A) छात्र के सीखने की गति, शैलियों और तत्परता में अंतर को।
(B) कठोर और पूरी तरह से एकसमान दैनिक समय सारणी बनाए रखने के लिए प्रशासनिक आवश्यकताओं को।
(C) सार्वजनिक विद्यालय प्रशासनों द्वारा सामना की जाने वाली प्रणालीगत वित्तीय बाधाओं को।
(D) सभी शैक्षिक आउटपुट मेट्रिक्स में कुल मानकीकरण प्राप्त करने को।

132. निम्नलिखित शैक्षिक दृष्टिकोणों पर विचार कीजिए:
I. अनुदेशन की व्यक्तिगत प्रणाली / केलर योजना (Personalized System of Instruction)
II. कंप्यूटर-सहायता प्राप्त अनुदेशन (Computer-Assisted Instruction - CAI)
III. सामूहिक व्याख्यात्मक व्याख्यान (Mass Expository Lectures)
IV. विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction)
उपर्युक्त में से कौन से व्यक्तिगत अनुदेशन (Individualized Instruction) के उदाहरण हैं या उसका समर्थन करते हैं?
(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) II, III और IV
(D) I, III और IV

133. "केलर योजना" (Personalized System of Instruction - PSI) छात्र के अगली इकाई में जाने से पहले निम्नलिखित में से किस आवश्यकता पर बल देती है?
(A) एक सहयोगात्मक समूह परियोजना असाइनमेंट को सफलतापूर्वक पूरा करना।
(B) इकाई मूल्यांकन में महारत (80–90%) प्राप्त करना।
(C) प्रत्यक्ष व्याख्यानों की एक अनिवार्य न्यूनतम प्रतिशत उपस्थिति।
(D) विषय पर एक व्यापक औपचारिक शोध पत्र लिखना और जमा करना।

134. एक पारंपरिक सार्वजनिक विद्यालय में पूरी तरह से व्यक्तिगत अनुदेशन (Individualized Instruction) को लागू करने में सबसे महत्वपूर्ण बाधा निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) यह सभी आयु समूहों में समग्र छात्र शिक्षण प्रेरणा में लगातार कमी का कारण बनता है।
(B) यह चिंतित अभिभावकों को उनके बच्चों की निरंतर शैक्षणिक प्रगति पर नज़र रखने से रोकता है।
(C) यह व्यापक शिक्षक समय, सामग्री और जटिल प्रबंधन की मांग करता है।
(D) यह राष्ट्रीय शिक्षा अधिनियमों के तहत अनिवार्य नियमों का प्रत्यक्ष कानूनी उल्लंघन है।

135. एक प्राचार्य एक शिक्षक को "विभेदित अनुदेशन" (Differentiated Instruction) का उपयोग करने की सलाह देते हैं। इसका मतलब है कि शिक्षक को:
(A) कक्षा में प्रत्येक व्यक्तिगत छात्र को एक पूरी तरह से अलग शैक्षणिक विषय क्षेत्र तैयार करना और सिखाना चाहिए।
(B) मानकीकृत आईक्यू अंकों के आधार पर छात्रों को निश्चित, पृथक सीखने की क्षमता समूहों में विभाजित करना चाहिए।
(C) उनके वास्तविक प्रदर्शन की परवाह किए बिना व्यक्तिगत छात्रों को मनमाना अंतिम ग्रेड आवंटित करना चाहिए।
(D) विविध छात्र आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सामग्री, प्रक्रिया और उत्पादों को अनुकूलित करना चाहिए।

136. एक उपयुक्त शिक्षण विधि का चयन करते समय, एक शिक्षक के लिए प्राथमिक विचार कौन सा कारक होना चाहिए?
(A) विशिष्ट सीखने के उद्देश्य और सामग्री की प्रकृति।
(B) व्यक्तिगत आराम का स्तर और अनुदेशक की शिक्षण शैली की प्राथमिकताएं।
(C) जो भी अनुदेशात्मक विधि चुनने में न्यूनतम तैयारी समय की आवश्यकता होती है।
(D) जो भी आधुनिक अनुदेशात्मक रणनीति वर्तमान में सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही है।

137. यदि एक शिक्षक का सीखने का उद्देश्य छात्रों द्वारा "तटीय शहरों पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव का मूल्यांकन करना"

NODIA

(ब्लूम का मूल्यांकन स्तर) है, तो कौन सी विधि सबसे उपयुक्त है?
(A) मानकीकृत रटकर याद करने के अभ्यास (Rote Memorization Exercises)
(B) चर्चा (Discussion) या समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning - PBL)
(C) पाठ्यपुस्तक नोट्स का सीधा डिक्टेशन
(D) असंरचित कथा कहानी सुनाना

138. एक प्राचार्य एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक का अवलोकन करते हैं जो छात्रों को 40 मिनट तक चुपचाप पाठ्यपुस्तक पढ़ने के लिए कहकर बास्केटबॉल के नियम सिखाने की कोशिश कर रहे हैं। प्राचार्य को क्या शैक्षणिक समीक्षा देनी चाहिए?
(A) चयनित शांत पठन दृष्टिकोण समग्र कक्षा नियंत्रण बनाए रखने के लिए आदर्श और प्रभावी है।
(B) नियमों और खेल कौशलों के लिए प्रदर्शन (Demonstration) और गतिविधि-आधारित अधिगम की आवश्यकता होती है।
(C) अनुदेशक को प्रसिद्ध बास्केटबॉल खिलाड़ियों का विश्लेषण करने वाली केस स्टडी (Case Study) का उपयोग करना चाहिए था।
(D) खेल यांत्रिकी सिखाने के लिए व्यक्तिगत अभिक्रमित अनुदेशन कार्यपुस्तिकाओं पर निर्भर रहना चाहिए।

139. विदेशी भाषा की शब्दावली का उच्चारण सिखाने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी शिक्षण विधि सबसे उपयुक्त है?
(A) ड्रिल और अभ्यास (Drill and Practice)
(B) असंरचित समूह विचार-मंथन
(C) अन्वेषणात्मक खोज अधिगम
(D) समस्या-आधारित परिदृश्य अधिगम (Problem-Based Scenario Learning)

140. एक शिक्षक मानव हृदय की आंतरिक संरचना सिखाना चाहता है। विधियों का कौन सा संयोजन सबसे प्रभावी होगा?
(A) कहानी सुनाने के साथ व्याख्यात्मक व्याख्यान
(B) भूमिका निभाने (Role Play) के साथ रचनात्मक समूह विचार-मंथन
(C) मॉडल प्रदर्शन (Model Demonstration) और निर्देशित पूछताछ (Guided Inquiry)
(D) क्षेत्र भ्रमण के साथ स्वतंत्र अन्वेषणात्मक खोज

141. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy - NEP) 2020 कला-समेकित शिक्षा (Art-Integrated Learning - AIL) की जोरदार वकालत करती है। कला-समेकित शिक्षा का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) गणित और विज्ञान जैसे मुख्य शैक्षणिक विषयों को चित्रकला और संगीत कक्षाओं से बदलना।
(B) प्रत्येक नामांकित छात्र को दृश्य या प्रदर्शन कलाकारों के रूप में करियर बनाने के लिए प्रशिक्षित करना।
(C) कलात्मक गतिविधियों को सप्ताहांत पर आयोजित गैर-अकादमिक सत्रों तक सीमित रखना।
(D) आनंददायक क्रॉस-सब्जेक्ट अधिगम के लिए शैक्षणिक उपकरणों के रूप में कला रूपों का उपयोग करना।

142. कला-समेकित शिक्षा (Art-Integrated Learning - AIL) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसमें दृश्य और प्रदर्शन कलाएं दोनों शामिल हैं।
II. यह एक साथ संज्ञानात्मक, मनोप्रेरणा और भावनात्मक क्षेत्रों को विकसित करने में मदद करता है।
III. यह कड़ाई से प्राथमिक कक्षाओं तक सीमित है और माध्यमिक शिक्षा में प्रतिबंधित है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

143. गणित का एक शिक्षक छात्रों से सममिति और ज्यामिति की अवधारणाओं को समझने के लिए सममित रंगोली पैटर्न बनाने के लिए कहता है। यह किसका एक उदाहरण है?
(A) खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र (Toy-Based Pedagogy)
(B) कला-समेकित शिक्षा (Art-Integrated Learning - AIL)
(C) केवल अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning)
(D) रटकर सीखना (Rote Learning)

144. कला-समेकित शिक्षा (Art-Integrated Learning - AIL) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (Children with Special Needs - CWSN) के लिए समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) का समर्थन कैसे करती है?
(A) CWSN छात्रों को एक त्वरित परिचालन गति से पारंपरिक शैक्षणिक मानदंडों को पूरा करने के लिए मजबूर करके।
(B) विशेष आवश्यकता वाले छात्रों को साथियों से दूर अलग कला कमरों के भीतर अलग करके।
(C) नियमित विद्यालयों में समावेशी शिक्षा ढाँचे का समर्थन करने के लिए कोई व्यावहारिक तंत्र न देकर।
(D) पढ़ने और लिखने से परे अभिव्यक्ति के वैकल्पिक तरीके प्रदान करके।

145. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): NEP 2020 सभी स्तरों पर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में भारतीय कला और संस्कृति के एकीकरण का आदेश देता है।
कारण (R): स्थानीय कलाओं को एकीकृत करने से सीखने को बहुविषयक और समग्र बनाते हुए छात्रों की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने में मदद मिलती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या

NODIA

नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

146. NEP 2020 "खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र" (Toy-Based Pedagogy) की अवधारणा पेश करता है। यह शैक्षणिक दृष्टिकोण मुख्य रूप से खिलौनों और खेलों का उपयोग करता है:
(A) छोटे प्राथमिक छात्रों को चुपचाप व्यस्त रखने के लिए ताकि शिक्षक प्रशासनिक कागजी कार्रवाई पूरी कर सकें।
(B) सार्वजनिक विद्यालयों के भीतर विशेष ब्रांडेड शैक्षिक खिलौनों की व्यावसायिक बिक्री को बढ़ावा देने के लिए।
(C) व्यावहारिक खेल के माध्यम से संज्ञानात्मक, मोटर और सामाजिक-भावनात्मक विकास का समर्थन करने के लिए।
(D) कक्षा 8 तक सभी ग्रेड स्तरों में पारंपरिक मुद्रित पाठ्यपुस्तकों को समाप्त करने और बदलने के लिए।

147. खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र में उपयोग किए जाने वाले खिलौनों के प्रकार के संबंध में NEP 2020 की प्रमुख सिफारिश निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) स्वदेशी, पर्यावरण के अनुकूल खिलौने (जैसे, चन्नापटना या कोडापल्ली)।
(B) विदेशी निर्माताओं के व्यावसायिक, अत्यधिक महंगे इलेक्ट्रॉनिक और आयातित प्लास्टिक के खिलौने।
(C) विशेष रूप से उन्नत वर्चुअल रियलिटी (VR) हार्डवेयर और डिजिटल सिमुलेटेड खिलौने।
(D) विशेष रूप से बड़े पैमाने पर उत्पादित प्लास्टिक एक्शन आंकड़े।

148. एक शिक्षक उच्च प्राथमिक विज्ञान कक्षा में एक घूर्णन लट्टू (Spinning Top) का उपयोग एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में प्रभावी ढंग से कैसे कर सकता है?
(A) छात्रों को केवल बाहरी मध्याह्न भोजन के समय के दौरान लट्टू के साथ खेलने की अनुमति देकर।
(B) गृहकार्य जल्दी पूरा करने वाले छात्रों के लिए खिलौने को निष्क्रिय पुरस्कार के रूप में देकर।
(C) दृश्य कला कक्षा के दौरान पेंटिंग और रंग भरने के लिए सतह के रूप में खिलौने का उपयोग करके।
(D) घूर्णन गति, संतुलन और घर्षण की अवधारणाओं का प्रदर्शन करने के लिए।

149. NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित 5+3+3+4 विद्यालय संरचना के किस चरण में खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र (Toy-Based Pedagogy) पर सबसे अधिक जोर दिया गया है?
(A) केवल मध्य चरण की कक्षाओं में
(B) बुनियादी/मूलभूत (Foundational) और तैयारी (Preparatory) चरण में
(C) केवल माध्यमिक चरण की कक्षाओं में
(D) उच्च शिक्षा स्नातक कार्यक्रमों में

150. एक प्राचार्य विद्यालय में खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र को एकीकृत करना चाहते हैं। कौन सी कार्रवाई NEP 2020 के दृष्टिकोण के साथ सबसे अच्छी तरह मेल खाती है?
(A) पारंपरिक शैक्षणिक कठोरता और शांत अनुशासन बनाए रखने के लिए सभी गैर-पाठ्यपुस्तक वस्तुओं और खिलौनों पर प्रतिबंध लगाना।
(B) माता-पिता से रोजमर्रा की कक्षा के उपयोग के लिए महंगे रोबोटिक इंजीनियरिंग किट (Robotic Engineering Kits) खरीदने की मांग करना।
(C) एक खिलौना पुस्तकालय (Toy Library) बनाना जहाँ छात्र अवधारणाओं को सीखने के लिए खिलौने खेलते हैं और खोलते हैं।
(D) शिक्षकों को सभी पारंपरिक प्रयोगशाला उपकरणों को केवल हस्तनिर्मित लकड़ी के खिलौनों से बदलने का आदेश देना।

151. निम्नलिखित में से कौन सी शिक्षण विधि "सुकराती प्रश्नोत्तरी" (Socratic Questioning) तकनीक पर अत्यधिक निर्भर करती है?
(A) पारंपरिक व्याख्यात्मक व्याख्यान (Traditional Expository Lecture)
(B) स्वतंत्र अन्वेषण विधि (Heuristic Method)
(C) अभिक्रमित अधिगम अनुदेशन (Programmed Instruction)
(D) प्रश्न-उत्तर विधि (Questioning Method)

152. फ़्लिप्ड क्लासरुम (Flipped Classroom) में, प्रत्यक्ष कक्षा समय के दौरान निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि होने की सबसे अधिक संभावना है?
(A) बहस, सहयोगात्मक समस्या-समाधान और प्रयोगशाला कार्य में संलग्न होना।
(B) छात्र स्क्रीन पर रिकॉर्ड किए गए 45 मिनट के व्याख्यान वीडियो को चुपचाप देखते हैं।
(C) छात्र व्यक्तिगत रूप से बैठकर एक नए असाइन किए गए पाठ्यपुस्तक अध्याय को चुपचाप पढ़ते हैं।
(D) कक्षा शिक्षक पाठ्यपुस्तक से एक निर्बाध प्रत्यक्ष एकालाप प्रदान करता है।

153. निम्नलिखित शिक्षण विधियों को सबसे अधिक शिक्षक-केंद्रित से सबसे अधिक शिक्षार्थी-केंद्रित के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
I. स्वतंत्र परियोजना (Independent Project)
II. व्याख्यात्मक व्याख्यान (Expository Lecture)
III. निर्देशित खोज (Guided Discovery)
IV. प्रदर्शन (Demonstration)
(A) II, IV, III, I
(B) II, III, IV, I
(C) I, III, IV, II
(D) IV, II, III, I

Downloaded from www.pdf.tube

154. "परियोजना विधि" (Project Method) और "परियोजना-आधारित अधिगम" (Project-Based Learning - PBL) के बीच मूलभूत अंतर क्या है?
(A) दोनों अवधारणाओं के बीच कोई अंतर नहीं है; दोनों शब्द पूरी तरह से विनिमेय रहते हैं।
(B) परियोजना विधि एक क्लासिक दर्शन है, जबकि PBL एक संरचित आधुनिक ढांचा है।
(C) परियोजना विधि केवल शुरुआती प्राथमिक विद्यालयों के लिए डिज़ाइन की गई है, जबकि PBL केवल विश्वविद्यालय के अध्ययन पर लागू होती है।
(D) परियोजना विधि छात्रों को कड़ाई से व्यक्तिगत कार्य तक सीमित करती है, जबकि PBL के लिए सामूहिक समूह कार्यों की आवश्यकता होती है।

155. निम्नलिखित में से कौन सा "राउंड रॉबिन" (Round Robin) विचार-मंथन तकनीक का वर्णन करता है?
(A) समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए समूह के सदस्य क्रमिक रूप से एक-एक विचार साझा करते हैं।
(B) समूह के सभी प्रतिभागी असंरचित तरीके से एक साथ अपने विचारों को चिल्लाकर बताते हैं।
(C) केवल नामित समूह नेता विचारों का प्रस्ताव करता है जबकि अन्य सदस्य उनका मूल्यांकन करते हैं।
(D) भाग लेने वाले छात्र रचनात्मक विचारों पर विचार-मंथन करते हुए गोलाकार फॉर्मेशन में दौड़ते हैं।

156. "ग्राफिक आयोजकों" (जैसे अवधारणा मानचित्र और वेन आरेख) का उपयोग किस अनुदेशात्मक उद्देश्य से सबसे निकटता से जुड़ा हुआ है?
(A) ठीक शारीरिक कार्यों के दौरान मनोप्रेरणा समन्वय में सुधार करना।
(B) श्रवण प्रसंस्करण गति और मौखिक सुनने की समझ के कौशलों को सीधे बढ़ाना।
(C) अवधारणाओं के बीच संरचनात्मक संबंधों को दृश्य रूप से प्रस्तुत करना और व्यवस्थित करना।
(D) अध्ययन के दौरान सही शारीरिक मुद्रा और एर्गोनॉमिक Body Positioning सिखाना।

157. कौन सी अनुदेशात्मक रणनीति जटिल कार्यों को छोटे, प्रबंधनीय उप-कौशलों में तोड़ने, उनका प्रदर्शन करने और निर्देशित अभ्यास प्रदान करने पर अत्यधिक केंद्रित है?
(A) खुली पूछताछ (Open Inquiry)
(B) खोज अधिगम (Discovery Learning)
(C) विचार-मंथन (Brainstorming)
(D) प्रत्यक्ष अनुदेशन (Direct Instruction)

158. एक प्राचार्य कक्षा 6 के अंग्रेजी शिक्षक को एक गद्यांश पढ़ने और एक-दूसरे को इसका सारांश देने के लिए छात्रों को जोड़े में विभाजित करते हुए देखते हैं। शिक्षक किस विशिष्ट तकनीक का उपयोग कर रहे हैं?
(A) तुलनात्मक केस स्टडी विधि (Comparative Case Study Method)
(B) अन्वेषणात्मक खोज अधिगम विधि
(C) पारस्परिक सहकर्मी शिक्षण (Reciprocal Peer Tutoring)
(D) व्याख्यात्मक प्रत्यक्ष व्याख्यान विधि

159. शिक्षण विधियों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (Information and Communication Technology - ICT) के एकीकरण के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) ICT सुलभ रिकॉर्ड किए गए वीडियो व्याख्यानों के माध्यम से फ़्लिप्ड क्लासरूम प्रारूपों को प्रभावी ढंग से सुविधा प्रदान करता है।
(B) ICT शिक्षाशास्त्र की परवाह किए बिना उच्च छात्र परीक्षा अंकों की गारंटी देता है।
(C) ICT जटिल, खतरनाक या महंगे प्रयोगों के यथार्थवादी आभासी प्रयोगशाला सिमुलेशन को सक्षम बनाता है।
(D) ICT अनुकूलित अनुकूली शिक्षण सॉफ़्टवेयर प्रोग्राम को एकीकृत करके मिश्रित अधिगम मॉडल का समर्थन करता है।

160. निम्नलिखित में से कौन सा अनुदेशात्मक वितरण में "स्कैफोल्डिंग" (Scaffolding) की अवधारणा का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है?
(A) संघर्षरत छात्रों के लिए आवश्यक शैक्षणिक मानकों और अपेक्षाओं को स्थायी रूप से कम करना।
(B) यह सुनिश्चित करने के लिए तुरंत पूरा सही उत्तर प्रदान करना कि छात्र शून्य संघर्ष का अनुभव करे।
(C) मानसिक मजबूती बनाने के लिए गलत प्रतिक्रियाओं के लिए छात्रों को दंडित करना।
(D) किसी कार्य के लिए अस्थायी सहायता प्रदान करना और स्वतंत्रता बढ़ने पर इसे हटाना।

161. अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) मौलिक रूप से किसके विपरीत है?
(A) तथ्यों को रटकर याद करना (Rote Memorization)
(B) संरचित विचारशील अभ्यास (Reflective Practice)
(C) सक्रिय वास्तविक दुनिया प्रयोग
(D) निर्देशित शैक्षिक क्षेत्र भ्रमण

NODIA

162. "पूछताछ प्रशिक्षण मॉडल" (Inquiry Training Model) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह छात्रों को स्वतंत्र रूप से और वैज्ञानिक रूप से पूछताछ करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
II. इसमें शिक्षक एक विसंगत घटना या उलझाने वाली स्थिति प्रस्तुत करता है।
III. छात्रों को प्रश्न पूछने की अनुमति है, लेकिन शिक्षक केवल "हाँ" या "नहीं" में उत्तर देता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) I और III

(C) II और III
(D) I, II और III

163. अनुदेशात्मक डिजाइन के संदर्भ में, "कार्य विश्लेषण" (Task Analysis) का क्या अर्थ है?
(A) सीखने के उद्देश्य को घटक कौशलों और पूर्वापेक्षाओं में तोड़ना।
(B) तेज प्रशासनिक गति से छात्र परीक्षा पत्रों का व्यवस्थित रूप से मूल्यांकन करना और अंक देना।
(C) छात्रों को दैनिक शारीरिक सफाई की जिम्मेदारियाँ और रखरखाव के कर्तव्य सौंपना।
(D) किसी परियोजना से जुड़े कुल वित्तीय खर्चों और सामग्री लागतों की सटीक गणना करना।

164. कौन सी शिक्षण विधि प्रयोजनवाद / व्यवहारवाद (Pragmatism) के दार्शनिक सिद्धांत ("करके सीखना") के साथ सबसे अधिक संरेखित है?
(A) रटकर सीखना (Rote Learning)
(B) व्याख्यान विधि (Lecture Method)
(C) डिक्टेशन (Dictation)
(D) परियोजना विधि (Project Method)

165. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): रचनावादी शिक्षण विधियों (Constructivist Teaching Methods) के लिए आवश्यक है कि छात्र अनुभव और चिंतन के माध्यम से अपनी समझ का निर्माण स्वयं करें।
कारण (R): रचनावाद शिक्षार्थी को एक खाली बर्तन के रूप में देखता है जो शिक्षक द्वारा ज्ञान से भरे जाने की प्रतीक्षा कर रहा है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

166. "वेबक्वेस्ट" (WebQuest) एक पूछताछ-उन्मुख पाठ प्रारूप है जहाँ:
(A) जीव विज्ञान अवलोकन के लिए छात्र बाहर के जाले में भौतिक रूप से मकड़ियों को पकड़ते हैं।
(B) कक्षा शिक्षक छात्रों को डिजिटल तकनीक का उपयोग करने से कड़ाई से रोकते हैं।
(C) शिक्षार्थी की जानकारी मुख्य रूप से वेब संसाधनों से एकत्र की जाती है।
(D) छात्र विद्यालय के मैदान में आयोजित एक बाहरी भौतिक खजाने की खोज में शामिल होते हैं।

167. पारंपरिक शैक्षणिक शिक्षण के विपरीत "अनुभवात्मक अधिगम" (Experiential Learning) की एक प्रमुख विशेषता निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) यह मौलिक रूप से शिक्षक व्याख्यानों से प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान संचरण पर निर्भर करता है।
(B) यह अंतर्निहित संज्ञानात्मक प्रसंस्करण से शिक्षार्थी की भावनात्मक स्थिति को पूरी तरह से अलग करता है।
(C) यह कड़ाई से एक कक्षा की चार दीवारों के भीतर अनुदेशात्मक गतिविधियों तक सीमित है।
(D) इसमें व्यक्तिगत जुड़ाव, स्व-पहल और स्व-मूल्यांकन शामिल है।

168. "सूक्ष्म-शिक्षण" (Micro-teaching) तकनीक का उपयोग मुख्य रूप से किसके लिए किया जाता है?
(A) छात्र-शिक्षकों और सेवाकालीन शिक्षकों के लिए कौशल अधिग्रहण और विकास।
(B) हाई स्कूल जीव विज्ञान में सूक्ष्म जीवों के संरचनात्मक गुणों का प्रदर्शन करना।
(C) प्राथमिक ग्रेड के बच्चों के लिए सामग्री के एक छोटे हिस्से को जानबूझकर गति देना।
(D) गंभीर सीखने की अक्षमता वाले छात्रों को विशेष उपचारात्मक अनुदेशन प्रदान करना।

169. उच्चतर माध्यमिक शिक्षा में अनुदेशात्मक विधियों के रूप में उपयोग किए जाने पर "सेमिनार" (Seminar) और "संगोष्ठी" (Symposium) के बीच मूलभूत अंतर क्या है?
(A) सेमिनार विशेष रूप से प्राकृतिक विज्ञान विषयों के लिए आयोजित किए जाते हैं, जबकि संगोष्ठी दृश्य कला के लिए आरक्षित हैं।
(B) सेमिनार में छात्र शोधपत्र चर्चाएं शामिल होती हैं; संगोष्ठी में एक विषय पर विशेषज्ञ भाषण शामिल होते हैं।
(C) एक सेमिनार के लिए वक्ताओं से कोई पूर्व तैयारी की आवश्यकता नहीं होती है, जबकि संगोष्ठी के लिए महीनों के औपचारिक अभ्यास की आवश्यकता होती है।
(D) कोई संरचनात्मक या कार्यात्मक अंतर नहीं है; दोनों शब्द समान अकादमिक सम्मेलन प्रारूपों को दर्शाते हैं।

170. निम्नलिखित में से कौन सी विधि शिक्षण पथ को व्यक्तिगत बनाने के लिए एल्गोरिदम और शाखीय तर्क के उपयोग पर अत्यधिक निर्भर करती है?
(A) पारंपरिक चौक-और-टॉक विधि
(B) कंप्यूटर-सहायता प्राप्त अनुदेशन (Computer-Assisted Instruction - CAI)
(C) विशेषज्ञ पैनल चर्चा प्रारूप (Expert Panel Discussion Format)
(D) बाहरी अनुभवात्मक क्षेत्र भ्रमण

171. एक शिक्षक शरणार्थियों के संघर्षों के संबंध में छात्रों के बीच "सहानुभूति और अंतर-सांस्कृतिक समझ" को बढ़ावा देना चाहता है। कौन सी विधि मनोवैज्ञानिक रूप से सबसे प्रभावी है?
(A) शरणार्थी अनुभवों का रोल-प्ले सिमुलेशन और उसके बाद डीब्रीफिंग सत्र।
(B) एक इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट पर कच्चे सांख्यिकीय

Click Here to Buy book on Amazon

जनसांख्यिकीय डेटा को प्रदर्शित करना।
(C) छात्रों को 1951 के शरणार्थी सम्मेलन के अनुच्छेदों को याद करने के लिए मजबूर करना।
(D) मानक 15 मिनट का शिक्षक-नेतृत्व वाला व्याख्यानात्मक पृष्ठभूमि व्याख्यान देना।

172. समस्या-समाधान विधि (Problem-Solving Method) में शामिल निम्नलिखित चरणों पर विचार कीजिए:
I. समस्या की पहचान करना और उसे परिभाषित करना
II. परिकल्पनाओं का निर्माण करना
III. डेटा एकत्र करना और व्यवस्थित करना
IV. परिकल्पनाओं का परीक्षण करना और निष्कर्ष निकालना
निम्नलिखित में से कौन सा इन चरणों के सही क्रमिक क्रम का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) I, III, II, IV
(B) I, II, III, IV
(C) II, I, III, IV
(D) III, I, II, IV

173. "डॉल्टन योजना" (Dalton Plan) किस प्रकार के अनुदेशात्मक दृष्टिकोण का एक ऐतिहासिक उदाहरण है?
(A) पारंपरिक, अत्यधिक कठोर और शिक्षक-केंद्रित सामूहिक व्याख्यान वितरण।
(B) नियमित शारीरिक दंड के माध्यम से सख्त व्यावहारिक अनुबंधन लागू करना।
(C) विशेष रूप से बाहरी, प्रकृति-आधारित अनुभवात्मक शिक्षण के माध्यम से संचालन।
(D) स्व-गति वाले शैक्षणिक अनुबंधों के माध्यम से व्यक्तिगत शिक्षण।

174. अत्यधिक मिश्रित क्षमता स्तरों (विषम समूह) वाली कक्षा का प्रबंधन करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी शैक्षणिक रणनीति सबसे उपयुक्त है?
(A) मानकीकृत एक-आकार-सभी के लिए उपयुक्त व्याख्यान (One-Size-Fits-All Lecture)
(B) केवल औसत छात्रों को पढ़ाना और चरम सीमाओं की उपेक्षा करना
(C) विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) और लचीला समूहन
(D) विशेष रूप से प्रतिस्पर्धी मानक-संदर्भित परीक्षाओं का उपयोग करना

175. कला-समेकित शिक्षा (Art-Integrated Learning - AIL) को लागू करते समय, "कला" किसके रूप में कार्य करती है:
(A) मुख्य विषय पाठ्यक्रम और स्वयं विशेष सामग्री आवश्यकता।
(B) शैक्षणिक अवधारणाओं का पता लगाने के लिए एक शैक्षणिक उपकरण।
(C) छात्रों को पढ़ाई से त्वरित ब्रेक देने के लिए डिज़ाइन किया गया मामूली ध्यान भटकाव।
(D) समय पर गृहकार्य जमा करने में विफल रहने वाले छात्रों के लिए अनुशासनात्मक दंड।

176. शिक्षण सिद्धांत में कौन सा "सक्रिय" (Enactive) प्रतिनिधित्व का एक उदाहरण है, जो शैक्षणिक विकल्प को सूचित करता है?
(A) सांकेतिक गणितीय सूत्रों का उपयोग करके गणितीय अवधारणा को मौखिक रूप से समझाना।
(B) बोर्ड पर गणितीय अवधारणा का प्रतिनिधित्व करने वाला एक विस्तृत दृश्य आरेख बनाना।
(C) पाठ्यपुस्तक से सीधे गणितीय प्रमेय के लिखित कथन को याद रखना।
(D) क्रिया के माध्यम से अवधारणाओं को प्रदर्शित करने के लिए भौतिक ब्लॉकों का उपयोग करना।

177. एक शिक्षक "फिशबोउल" (Fishbowl) चर्चा तकनीक का उपयोग करता है। इसमें क्या शामिल है?
(A) आंतरिक चक्र के छात्र एक विषय पर चर्चा करते हैं जबकि बाहरी चक्र के साथी अवलोकन करते हैं, फिर अदला-बदली करते हैं।
(B) कक्षा में एक लाइव एक्वेरियम के अंदर जलीय जीवन का अवलोकन करते हुए छात्र अकादमिक विषयों पर चर्चा करते हैं।
(C) शिक्षक कमरे के केंद्र में बैठता है और एक वृत्त में बैठे छात्रों को व्याख्यान नोट्स निर्देशित करता है।
(D) छात्र एक केंद्रीय कटोरे में लिखित पेपर चिट रखते हैं और मौखिक प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उन्हें बेतरतीब ढंग से निकालते हैं।

178. एक प्राचार्य एक पाठ योजना की समीक्षा करते हैं जहाँ शिक्षक 40 मिनट के लिए व्याख्यान देकर और 10 मिनट की प्रश्नोत्तरी देकर "लोकतंत्र" की अवधारणा को पढ़ाने की योजना बनाता है। यदि प्राचार्य अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा देना चाहते हैं, तो क्या प्रतिक्रिया दी जानी चाहिए?
(A) व्याख्यात्मक व्याख्यान की अवधि 50 मिनट तक बढ़ाएँ और प्रश्नोत्तरी घटक को पूरी तरह से समाप्त करें।
(B) व्याख्यान देने के बजाय लोकतांत्रिक संस्थानों को कवर करने वाली एक फीचर-लंबाई वाली वृत्तचित्र फिल्म दिखाएं।
(C) व्याख्यान को एक मॉक चुनाव से बदलें जहाँ छात्र दल बनाते हैं और वोट देते हैं।
(D) अनिवार्य करें कि छात्र घर पर असाइनमेंट के रूप में पूरे पाठ्यपुस्तक अध्याय को व्यक्तिगत रूप से पढ़ें।

179. NEP 2020 के अनुसार, शिक्षा को अधिक क्या बनाने के लिए शिक्षाशास्त्र का विकास होना चाहिए?
(A) अनुभवात्मक, एकीकृत, पूछताछ-संचालित और आनंददायक।
(B) अत्यधिक रटने पर आधारित, अत्यधिक मानकीकृत और परीक्षा-केंद्रित।
(C) शुरुआती वर्षों से अत्यधिक विशिष्ट और कठोर रूप से खंडित।

NODIA

(D) बाहरी निजी कोचिंग और पूरक ट्यूशन पर पूरी तरह से निर्भर।

180. शिक्षण-अधिगम रणनीति के रूप में "अवधारणा मानचित्रण" (Concept Mapping) किसके द्वारा प्रस्तावित सार्थक शिक्षण के सिद्धांत पर आधारित है?
(A) बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner)
(B) इवान पावलव (Ivan Pavlov)
(C) सिगमंड फ्रायड (Sigmund Freud)
(D) डेविड आसुबेल (David Ausubel)

181. सहकारी अधिगम के संदर्भ में, "सकारात्मक परस्पर निर्भरता" (Positive Interdependence) का अर्थ है:
(A) छात्र सकारात्मक सुदृढ़ीकरण और अनुमोदन के लिए विशेष रूप से कक्षा शिक्षक पर निर्भर करते हैं।
(B) छात्रों को लगता है कि उनकी सफलता समूह के साथियों की सफलता पर निर्भर करती है।
(C) समूह के सदस्य अलग-अलग कार्यों पर पूरी तरह से स्वतंत्र रूप से काम करते हैं लेकिन एक एकल साझा ग्रेड प्राप्त करते हैं।
(D) समूह के सदस्य एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि कौन सबसे तेजी से काम पूरा कर सकता है।

182. भावनात्मक क्षेत्र / भावात्मक पक्ष (मूल्य, दृष्टिकोण और भावनाएं) को संबोधित करने के लिए कौन सी शिक्षण विधि सबसे उपयुक्त है?
(A) रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन मॉड्यूल
(B) बार-बार अभ्यास (Drill) और अभ्यास (Practice) अभ्यास
(C) भूमिका निभाना (Role-playing) और मूल्य चर्चाएँ
(D) औपचारिक नैतिक संहिताओं को रटकर याद करना

183. शिक्षण विधि चुनते समय, "मितव्ययिता का सिद्धांत" (Principle of Economy) किसे संदर्भित करता है?
(A) गुणवत्ता की परवाह किए बिना हमेशा सबसे कम कीमत वाली उपलब्ध मुद्रित पाठ्यपुस्तक का चयन करना।
(B) उच्च लागत के आधार पर सभी शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्मों से पूरी तरह बचना।
(C) विशेष शिक्षण पद्धतियों तक पहुँचने के लिए छात्रों को पूरक शुल्क का भुगतान करने की आवश्यकता होना।
(D) इष्टतम समय, ऊर्जा और संसाधन उपयोग के साथ सीखने के परिणामों को अधिकतम करना।

184. शिक्षण की "आगमन विधि" (Inductive Method) आगे बढ़ती है:
(A) विशिष्ट अवलोकनों से एक सामान्य नियम की ओर।
(B) सामान्य नियमों और सिद्धांतों से विशिष्ट अनुप्रयोगों की ओर।
(C) शुद्ध अमूर्त सिद्धांत से द्वितीयक अमूर्त सिद्धांत की ओर।
(D) पूरी तरह से अज्ञात अवधारणाओं से अन्य अज्ञात अवधारणाओं की ओर।

185. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
कथन (A): शिक्षण की निगमन विधि (Deductive Method) आमतौर पर आगमन विधि (Inductive Method) की तुलना में स्थापित नियमों और सूत्रों को प्रसारित करने के लिए तेज़ होती है।
कारण (R): निगमन विधि में छात्रों को व्यापक प्रयास और त्रुटि के माध्यम से नियमों की खोज करने की आवश्यकता होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

186. निम्नलिखित में से कौन सा परिदृश्य परियोजना-आधारित अधिगम वातावरण में "रूब्रिक" (Rubric) के उपयोग का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) शिक्षक वेतन बैंड निर्धारित करने के लिए प्रबंधन द्वारा विशेष रूप से उपयोग किया जाने वाला एक प्रशासनिक मूल्यांकन उपकरण।
(B) शुरू करने से पहले साझा किए गए मूल्यांकन मानदंडों का विवरण देने वाली एक स्कोरिंग गाइड।
(C) छात्र परियोजना आयामों को मापने के लिए अनुदेशकों द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक मानकीकृत भौतिक मापने वाला रूलर।
(D) शिक्षक द्वारा रखी गई एक गुप्त ग्रेडिंग कुंजी जिसे छात्रों को देखने की कभी अनुमति नहीं होती है।

187. कला-समेकित शिक्षा (Art-Integrated Learning - AIL) के संदर्भ में, "दृश्य कला" (Visual Art) क्या है?
(A) दृश्य रूप से देखी जाने वाली कलाएं, जैसे चित्रकला और मूर्तिकला।
(B) शारीरिक गति शामिल करने वाली प्रदर्शन कलाएं जैसे नृत्य और गतिशील थिएटर निर्माण।
(C) मंच पर लाइव दर्शकों के सामने विशेष रूप से वितरित की जाने वाली कलात्मक अभिव्यक्तियाँ।
(D) आधुनिक कंप्यूटर-आधारित डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से निर्मित ग्राफिक डिज़ाइन कृतियाँ।

188. एक विद्यालय के प्राचार्य देखते हैं कि एक अंग्रेजी शिक्षक कक्षा 11 के छात्रों के लिए एक नाटक को आकर्षक बनाने के लिए संघर्ष कर रहा है। तत्काल प्रभाव के लिए प्राचार्य को निम्नलिखित में से किस शैक्षणिक हस्तक्षेप का सुझाव देना चाहिए?
(A) आदेश दें कि सभी नामांकित छात्र पूरे नाटक के पाठ को शब्दशः नोटबुक में कॉपी करें।
(B) असाइन किए गए नाटक को मानकीकृत समकालीन अंग्रेजी व्याकरण कार्यपुस्तिका से पूरी तरह से बदलें।

Downloaded from www.pdf.tube

(C) चरित्र संवादों को जीवंत बनाने के लिए भूमिका निभाने (Role-play) और पाठकों के रंगमंच (Readers' Theatre) का उपयोग करें।
(D) लेखक की जीवनी पर लगातार दो घंटे का व्याख्यानात्मक व्याख्यान दें।

189. निम्नलिखित में से कौन सी "स्व-निर्देशित अधिगम" (Self-Directed Learning) की एक परिभाषित विशेषता है?
(A) कक्षा शिक्षक अनुदेशात्मक प्रक्रिया के प्रत्येक व्यक्तिगत चरण को लगातार निर्देशित करता है।
(B) छात्र शिक्षण अनुपालन को संस्थागत दंडात्मक उपायों के माध्यम से कड़ाई से लागू किया जाता है।
(C) भाग लेने वाले छात्र शिक्षकों की पूरी तरह से उपेक्षा करते हुए असाइन किए गए सहकर्मी ट्यूटर्स पर पूरी तरह से निर्भर रहते हैं।
(D) शिक्षार्थी आवश्यकताओं का निदान करने, लक्ष्य निर्धारित करने और परिणामों का मूल्यांकन करने में पहल करते हैं।

190. शिक्षण का "संप्रत्यय प्राप्ति मॉडल" (Concept Attainment Model) क्या है?
(A) एक भौतिक अनुदेशात्मक विधि जहाँ छात्र कक्षा भवन के बाहर से प्राकृतिक वस्तुओं को प्राप्त करते हैं।
(B) यांत्रिक पुनरावृत्ति और रटकर याद करने के अभ्यासों पर केंद्रित एक विशुद्ध रूप से व्यवहारवादी अनुदेशात्मक तकनीक।
(C) एक आगमन रणनीति (Inductive Strategy) जो सकारात्मक और नकारात्मक उदाहरणों की तुलना करके छात्रों को अवधारणाओं को सीखने में मदद करती है।
(D) शारीरिक शिक्षा में गति कौशल सिखाने के लिए विशेष रूप से उपयोग किया जाने वाला एक अनुदेशात्मक दृष्टिकोण।

191. आधुनिक विद्यालयों में "मेकरस्पेस" (Makerspaces) मुख्य रूप से किन शैक्षणिक दृष्टिकोणों का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं?
(A) पारंपरिक रटकर याद करना (Rote Memorization) और नोट्स डिक्टेशन
(B) परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning) और टिंकरिंग (Tinkering)
(C) मानकीकृत लिखित परीक्षा और शांत सीट पठन
(D) शास्त्रीय भाषा अनुवाद और व्याकरण अभ्यास

192. शिक्षाशास्त्र पर NEP 2020 के रुख के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) से नियमित और रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) की ओर बदलाव की वकालत करता है।
II. यह आवश्यक अधिगम और आलोचनात्मक सोच को बढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम सामग्री में कमी को बढ़ावा देता है।
III. यह प्रारंभिक बचपन की शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग को हतोत्साहित करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) I और III
(C) II और III
(D) I, II और III

193. एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में "खेलों" के एकीकरण (Sports-Integrated Learning) को विकसित करने की सिफारिश की जाती है:
(A) टीम वर्क, आत्म-अनुशासन, जिम्मेदारी और शारीरिक फिटनेस।
(B) केवल अंतर-विद्यालय एथलेटिक टूर्नामेंट जीतने के लिए आवश्यक विशिष्ट शारीरिक शक्ति विकसित करना।
(C) कठिन शैक्षणिक विषयों से राहत प्रदान करने के लिए एक आकर्षक शारीरिक भटकाव के रूप में कार्य करना।
(D) ऐसे पेशेवर विशिष्ट एथलीटों को प्रशिक्षित करना जो अंततः मानक शैक्षणिक स्कूली शिक्षा छोड़ देंगे।

NODIA

194. खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र में, "खिलौने" की अवधारणा:
(A) कड़ाई से दुकानों से खरीदी गई बड़े पैमाने पर उत्पादित, व्यावसायिक रूप से निर्मित प्लास्टिक की वस्तुओं तक सीमित है।
(B) विशेष रूप से उच्च लागत वाले इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, डिजिटल उपकरणों और कंप्यूटरीकृत सॉफ़्टवेयर तक सीमित है।
(C) इसमें मोटे तौर पर पारंपरिक खिलौने, पहेलियां, कठपुतलियां और बच्चों द्वारा बनाई गई सामग्री शामिल है।
(D) उच्च स्तरीय संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से अप्रासंगिक और अप्रभावी मानी जाती है।

195. खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र बुनियादी चरण में गणित के शिक्षण को कैसे आसान बनाता है?
(A) गिनती, पैटर्न और स्थानिक कौशलों को मूर्त रूप से सिखाने के लिए ब्लॉकों और पहेलियों का उपयोग करके।
(B) छोटे बच्चों को सस्वर पाठ के दौरान खिलौना सूचक का उपयोग करके गुणन तालिकाओं को याद करने के लिए मजबूर करके।
(C) औपचारिक गणित अनुदेशन को पूरी तरह से मुफ्त, असंरचित खेल की अवधियों से बदलकर।
(D) बच्चों द्वारा सही ढंग से संख्याएँ लिखने के बाद केवल बाहरी व्यावहारिक पुरस्कारों के रूप में खिलौनों का उपयोग करके।

196. "मोंटेसरी विधि" (Montessori Method) निम्नलिखित में से किस दृष्टिकोण से सबसे निकटता से जुड़ी हुई है?
(A) पारंपरिक, अत्यधिक कठोर शिक्षक-नेतृत्व वाले व्याख्यान और डिक्टेशन विधियां।
(B) 3 वर्ष की आयु से शुरु होने वाले निरंतर उच्च-जोखिम वाले मानकीकृत कागज-और-पेंसिल परीक्षण।
(C) विशेष रुप से स्क्रीन-आधारित डिजिटल अधिगम और सॉफ़्टवेयर-संचालित अनुदेशन।
(D) तैयार वातावरण में व्यावहारिक अधिगम और स्व-निर्देशित गतिविधि।

197. परियोजना-आधारित अधिगम वातावरण में निम्नलिखित में से कौन सा एक "प्रामाणिक मूल्यांकन" (Authentic Assessment) है?
(A) परियोजना के तथ्यों को कवर करने वाली एक पारंपरिक बहुविकल्पीय कागज-और-पेंसिल परीक्षा आयोजित करना।
(B) एक रुब्रिक के साथ वास्तविक दुनिया के मानकों के खिलाफ छात्र प्रस्तुतियों या पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करना।
(C) वास्तविक परियोजना कार्य शुरु होने से ठीक पहले एक संक्षिप्त सही/गलत नैदानिक प्रश्नोत्तरी देना।
(D) मुख्य रुप से कक्षा में कितना शांत व्यवहार किया, इसके आधार पर व्यक्तिगत छात्रों का मूल्यांकन और ग्रेडिंग करना।

198. एक प्राचार्य को अभिभावकों से शिकायत मिलती है कि उनके बच्चे कक्षा 2 में किताबों से पढ़ने के बजाय "केवल खिलौनों से खेल रहे हैं"। प्राचार्य को खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र के उपयोग का शैक्षणिक रुप से सबसे अच्छा औचित्य कैसे देना चाहिए?
(A) सार्वजनिक रुप से बताएं कि ग्रेड-स्तरीय शिक्षक आलसी हो रहे हैं और उन्हें औपचारिक प्रशासनिक फटकार मिलेगी।
(B) माता-पिता की चिंताओं को पूरी तरह से स्वीकार करें और तुरंत कक्षा के खिलौनों पर विद्यालय स्तर पर प्रतिबंध जारी करें।
(C) समझाएं कि मूलभूत अधिगम खेल और वस्तुओं के भौतिक हेरफेर के माध्यम से सर्वोत्तम रुप से होता है।
(D) चिंतित अभिभावकों को सूचित करें कि कक्षा के खिलौने खरीदना मुद्रित पुस्तकें प्राप्त करने की तुलना में काफी सस्ता है।

199. एक शैक्षणिक सिद्धांत के रुप में "रचनावाद" (Constructivism) का प्राथमिक ध्यान क्या है?
(A) ज्ञान पर्यावरण से सीधे व्यक्तिगत शिक्षार्थियों द्वारा निष्क्रिय रुप से प्राप्त और अवशोषित किया जाता है।
(B) ज्ञान पूरी तरह से जैविक, आनुवंशिक और जन्म से मानव मस्तिष्क के भीतर सहज रुप से एन्कोड किया गया है।
(C) ज्ञान विशेष रुप से पर्यावरणीय उत्तेजना-प्रतिक्रिया व्यावहारिक अनुबंधन के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।
(D) ज्ञान दुनिया के अनुभवों के माध्यम से शिक्षार्थियों द्वारा सक्रिय रुप से निर्मित किया जाता है।

200. अंततः, किसी भी शिक्षण विधि की प्रभावशीलता मुख्य रुप से शिक्षक की किस क्षमता पर निर्भर करती है?
(A) विधि को छात्र की जरूरतों, तत्परता और सीखने के माहौल के अनुकूल बनाना।
(B) कक्षा की गतिशीलता की परवाह किए बिना, किसी भी परिचालन विचलन के बिना चुनी गई पद्धति का सख्ती से पालन करना।
(C) बाजार में उपलब्ध सबसे महंगे तकनीकी सॉफ़्टवेयर टूल को लगातार प्राप्त करना और तैनात करना।
(D) विद्यालय सत्र के दौरान कम से कम संभव समय सीमा के भीतर निर्धारित पाठ्यक्रम को तेजी से पूरा करना।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) वे अत्यधिक शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण (Teacher-Centered Approach) से लेकर अत्यधिक शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण (Learner-Centered Approach) तक विस्तृत हैं।
शिक्षण विधियों (Teaching Methods) का वर्गीकरण एक विस्तृत स्पेक्ट्रम का निर्माण करता है, जिसमें एक छोर पर अत्यधिक शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण (Teacher-Centered Approach) तथा दूसरे छोर पर शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण (Learner-Centered Approach) उपस्थित होता है। यह विभाजन कक्षा में शिक्षक के नियंत्रण, छात्र स्वायत्तता (Student Autonomy) और अंतःक्रियात्मकता के स्तर के आधार पर शैक्षणिक गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से परिभाषित करता है।

2. (A) I और II
सत्तावादी विधियों (Autocratic Methods) में शिक्षक प्राथमिक सूचना प्रदाता होता है, जिसमें व्याख्यान और प्रदर्शन शामिल हैं। लोकतांत्रिक विधियों (Democratic Methods) में छात्रों की सक्रिय भागीदारी और सहकर्मी अंतःक्रिया (Peer Interaction) को प्रोत्साहन मिलता है। इसके विपरीत, हस्तक्षेप-रहित विधियों (Laissez-faire Methods) में शिक्षक का कड़ा नियंत्रण नहीं होता, बल्कि शिक्षार्थियों को पूर्ण स्वतंत्रता और न्यूनतम मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

3. (A) निर्देशित पूछताछ (Guided Inquiry)
अप्रत्यक्ष शिक्षण विधि (Indirect Teaching Method) में शिक्षार्थी निष्क्रिय रूप से सामग्री प्राप्त करने के बजाय विचारों की खोज, समस्या-समाधान तथा अवधारणाओं के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। निर्देशित पूछताछ (Guided Inquiry) में शिक्षक एक सुगमकर्ता (Facilitator) की भूमिका निभाता है, जबकि ड्रिल, अभ्यास, व्याख्यान तथा प्रत्यक्ष प्रदर्शन प्रत्यक्ष शिक्षण के अंतर्गत वर्गीकृत किए जाते हैं।

4. (D) अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction) – समूह-केंद्रित दृष्टिकोण (Group-Centered Approach)
अन्वेषण विधि (Heuristic Method) शिक्षार्थी-केंद्रित है और परियोजना विधि (Project Method) गतिविधि-केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित है। व्याख्यान विधि (Lecture Method) पूरी तरह से शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण पर कार्य करती है। हालाँकि, अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction) एक व्यक्तिगत अनुदेशनात्मक तकनीक (Individualized Instructional Technique) है, जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत शिक्षण गति को समायोजित करना है, न कि समूह-केंद्रित शिक्षण प्रदान करना।

5. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण विधियों (Learner-Centered Teaching Methods) में शिक्षक सूचना देने वाले के स्थान पर एक सुगमकर्ता (Facilitator) के रूप में कार्य करता है। हालाँकि, ये विधियाँ संज्ञानात्मक भार (Cognitive Load) को पूरी तरह से समाप्त नहीं करतीं, बल्कि छात्रों में उच्च-स्तरीय सोच कौशल (Higher-Order Thinking Skills) विकसित करने के लिए उन्हें सक्रिय रूप से अर्थ-निर्माण प्रक्रिया में संलग्न करती हैं।

6. (C) शिक्षक विषय वस्तु को उसके अंतिम, संगठित रूप में प्रस्तुत करता है।
व्याख्यात्मक विधियाँ (Expository Methods) प्रत्यक्ष अनुदेशन का मुख्य रूप हैं, जहाँ शिक्षक सूचना और विषय वस्तु को पहले से सुव्यवस्थित, संरचित तथा अंतिम रूप में शिक्षार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करता है। इस प्रक्रिया में शिक्षार्थियों को अवधारणाओं की स्वतंत्र खोज करने के बजाय प्रस्तुत की गई जानकारी को समझना, आत्मसात् करना और पुनर्प्राप्त करना होता है।

7. (D) यह बड़ी मात्रा में तथ्यात्मक जानकारी के त्वरित और संरचित कवरेज की सुविधा प्रदान करता है।
माध्यमिक शिक्षा स्तर पर व्याख्यान विधि (Lecture Method) का प्राथमिक लाभ संक्षिप्त समय सीमा के भीतर वृहद् पाठ्यक्रम तथा विस्तृत तथ्यात्मक जानकारी का व्यवस्थित हस्तांतरण करना है। यह विधि शिक्षक को विशाल छात्र समूह को एक साथ अनुदेशित करने और जटिल सैद्धांtic अवधारणाओं का प्राथमिक परिचय त्वरित रूप से प्रस्तुत करने में सक्षम बनाती है।

8. (A) शिक्षक को नीरसता को तोड़ने और समझ का मूल्यांकन करने के लिए रुक-रुक कर प्रश्नों और दृश्य साधनों का उपयोग करना चाहिए।
एकतरफा और नीरस व्याख्यान से छात्र निष्क्रय हो जाते हैं। शैक्षणिक नेतृत्व (Instructional Leadership) के दृष्टिकोण से, व्याख्यान की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु उसमें अंतःक्रियात्मक तत्व जोड़ने चाहिए। रुक-रुक कर प्रश्न पूछने से छात्रों का ध्यान केंद्रित रहता है तथा दृश्य साधनों (Visual Aids) का उपयोग विषय वस्तु की समझ और अर्थपूर्ण अधिगम को सुगम बनाता है।

9. (B) यह अक्सर व्यक्तिगत शिक्षार्थी अंतरों और विविध गतियों को समायोजित करने में विफल रहती है।
व्याख्यान विधि (Lecture Method) की सबसे बड़ी सीमा यह है कि यह एक-समान गति से संचालित होती है, जिससे व्यक्तिगत विभिन्नताओं (Individual Differences) की

Downloaded from www.pdf.tube

उपेक्षा होती है। इसमें तीव्र और धीमी गति से सीखने वाले शिक्षार्थियों को उनकी आवश्यकतानुसार अनुकूलित अनुदेशन नहीं मिल पाता, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्तिगत अधिगम दर प्रभावित होती है।

10. (B) II, III, IV, I
एक प्रभावी व्याख्यान के तार्किक क्रम में सबसे पहले उद्देश्यों को बताना और विषय का परिचय देना (II) शामिल है। इसके पश्चात मुख्य सामग्री का व्यवस्थित प्रस्तुतिकरण (III) किया जाता है। फिर संक्षिप्त प्रश्नों द्वारा समझ का मूल्यांकन (IV) होता है और अंत में मुख्य बिंदुओं का सारांश (I) प्रस्तुत करके पाठ का समापन किया जाता है।

11. (A) हर 15 मिनट में "सोचें-युग्म बनाएं-साझा करें" (Think-Pair-Share) खंडों को लागू करना
पारंपरिक व्याख्यान को आधुनिक एवं अंतःक्रियात्मक बनाने के लिए अल्पकालिक अंतराल पर सहयोगात्मक गतिविधियाँ शामिल की जाती हैं। "सोचें-युग्म बनाएं-साझा करें" (Think-Pair-Share) जैसी रणनीतियाँ छात्रों को व्यक्तिगत चिंतन, सहकर्मी विचार-विमर्श तथा कक्षा सहभागिता का अवसर देती हैं, जिससे संज्ञानात्मक सहभागिता (Cognitive Engagement) और समझ में महत्वपूर्ण वृद्धि होती है।

12. (B) I, III और IV
व्याख्यान विधि जटिल सैद्धांतिक ढांचे का परिचय देने के लिए प्रभावी है, श्रवण शिक्षण शैली (Auditory Learning Style) पर निर्भर करती है और बड़ी कक्षाओं के लिए किफायती है। परंतु, यह विधि मनोप्रेरणा कौशलों (Psychomotor Skills) के विकास में सहायक नहीं होती, क्योंकि इसके लिए व्यावहारिक अभ्यास और हस्तचालित गतिविधियों (Hands-on Activities) की आवश्यकता होती है।

13. (D) सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism) और साझा अर्थ-निर्माण
शिक्षण की चर्चा विधि (Discussion Method) दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक रूप से सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism) पर आधारित है। यह मानती है कि ज्ञान का निर्माण केवल व्यक्तिगत रूप से नहीं होता, बल्कि सामाजिक अंतःक्रिया, सहकर्मी संवाद तथा विचारों के साझा आदान-प्रदान के माध्यम से शिक्षार्थी सक्रिय रूप से अर्थ-निर्माण (Meaning-Making) प्रक्रिया को पूरा करते हैं।

14. (C) पैनल चर्चा (Panel Discussion)
पैनल चर्चा (Panel Discussion) एक ऐसी अंतःक्रियात्मक विधि है जिसमें विशेषज्ञों का एक छोटा समूह श्रोताओं के समक्ष किसी चयनित विषय पर संरचित विचार-विमर्श प्रस्तुत करता है। इस परिचर्चा के समापन के पश्चात, श्रोताओं को विशेषज्ञों से प्रश्न पूछने और अपनी शंकाओं का समाधान करने के लिए एक विशेष प्रश्नोत्तरी सत्र उपलब्ध कराया जाता है।

15. (B) एक तटस्थ मध्यस्थ (Neutral Moderator) के रूप में कार्य करना जो चर्चा के प्रवाह का मार्गदर्शन करता है और छात्र योगदान का संश्लेषण करता है।
कक्षा चर्चा के दौरान शिक्षक की प्राथमिक भूमिका एक तटस्थ मध्यस्थ (Neutral Moderator) और सुगमकर्ता की होती है। शिक्षक को चर्चा पर अधिकार जमाने के बजाय छात्रों के विचारों को दिशा देनी चाहिए, सभी को बोलने का समान अवसर प्रदान करना चाहिए तथा अंत में सभी तर्कों एवं बिंदुओं का सारगर्भित संश्लेषण प्रस्तुत करना चाहिए।

16. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
चर्चा विधि (Discussion Method) छात्रों में आलोचनात्मक सोच (Critical Thinking), तार्किक विश्लेषण और विविध दृष्टिकोणों के प्रति सहिष्णुता का विकास करती है। हालाँकि, यह विधि समय-सघन (Time-intensive) होती है, इसलिए इसे परीक्षा से पूर्व विशाल पाठ्यक्रम को शीघ्रता से पूरा करने के लिए उपयुक्त साधन नहीं माना जा सकता है।

17. (A) इस पर स्पष्ट रूप से बोलने वाले छात्रों का वर्चस्व हो सकता है जबकि अंतर्मुखी छात्र निष्क्रिय रहते हैं।
बड़ी कक्षाओं में चर्चा विधि की मुख्य सीमा यह है कि बहिर्मुखी और वोकल छात्र बातचीत पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लेते हैं। इसके परिणामस्वरूप, अंतर्मुखी या संकोची शिक्षार्थी चर्चा में भाग लेने से कतराते हैं, जिससे उनकी सक्रिय सहभागिता बाधित होती है और कक्षा में असमान भागीदारी की स्थिति उत्पन्न होती है।

18. (C) स्पष्ट नियम निर्धारित करें, सीखने के उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करें और बहस को वापस विषय पर लाएं।
जब कक्षा चर्चा मुख्य उद्देश्य से भटक जाए, तो सुगमकर्ता के रूप में शिक्षक का कर्तव्य है कि वह पूर्व-निर्धारित नियमों का पालन कराए। बहसों को नियंत्रित करने के लिए प्रासंगिक शिक्षण उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करना और तार्किक तर्कों के माध्यम से चर्चा को पुनः मूल विषय पर लाना आवश्यक होता है।

19. (A) इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षक से पहले छात्र स्वतंत्र रूप से प्रयोग करें।
प्रदर्शन विधि (Demonstration Method) में शिक्षक स्वयं क्रियाओं, प्रयोगों या प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष प्रदर्शन करता है, जबकि छात्र अवलोकन करते हैं। इसमें छात्रों द्वारा पहले स्वतंत्र प्रयोग करना आवश्यक नहीं होता। यह दृश्य-श्रव्य माध्यमों का संयोजन कर मनोप्रेरणा कौशलों के विकास और संसाधनों की बचत में अत्यंत सहायक होती है।

20. (D) मूर्त से अमूर्त की ओर
प्रदर्शन विधि मुख्य रूप से 'मूर्त से अमूर्त की ओर' (Concrete to Abstract) शिक्षण सूत्र पर आधारित है। इसमें शिक्षक प्रत्यक्ष वस्तुओं, उपकरणों या प्रयोगों के माध्यम से मूर्त अनुभव प्रदान करता है, जिससे शिक्षार्थियों के लिए अमूर्त सिद्धांतों, वैज्ञानिक नियमों और अवधारणाओं को समझना अत्यंत सहज और स्पष्ट हो जाता है।

NODIA

21. (B) प्रदर्शन कक्षा के सभी छात्रों के लिए स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए।
प्रदर्शन विधि (Demonstration Method) की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि प्रयोगात्मक सेटअप और शिक्षक की गतिविधियाँ कक्षा के अंतिम छोर पर बैठे छात्र को भी स्पष्ट रूप से दिखाई दें। दृश्यता (Visibility) की कमी से छात्रों का ध्यान भटक जाता है और अधिगम का मुख्य उद्देश्य विफल हो जाता है।

22. (A) I, II और III
प्रभावी प्रदर्शन के लिए शिक्षक द्वारा पूर्वाभ्यास (Rehearsal), उपकरणों की समुचित व्यवस्था तथा उद्देश्यों का स्पष्ट परिचय देना अत्यंत आवश्यक है। हालाँकि, प्रदर्शन के दौरान ही छात्रों को प्रश्न पूछने की अनुमति दी जानी चाहिए, ताकि उनकी शंकाओं का तत्काल निवारण हो सके और प्रयोगात्मक चरण की समझ बनी रहे।

23. (D) यह छात्रों को उपकरणों के साथ व्यावहारिक (Hands-on) अनुभव से वंचित करती है।
जब प्रदर्शन विधि को व्यक्तिगत प्रयोगशाला कार्य के विकल्प के रूप में प्रयोग किया जाता है, तो इसकी सबसे बड़ी सीमा यह होती है कि छात्रों को उपकरणों को स्वयं संभालने का व्यावहारिक अनुभव (Hands-on Experience) नहीं मिलता। इससे उनके प्रयोगात्मक और मनोप्रेरणा कौशल (Psychomotor Skills) का पूर्ण विकास सीमित हो जाता है।

24. (A) समस्या निवारण (Troubleshooting), चर (Variables) और वैज्ञानिक जांच पर चर्चा करने के लिए इस विफलता का उपयोग करें।
प्रदर्शन के दौरान प्रयोगात्मक विफलता मिलने पर, एक कुशल शिक्षक को उसे छिपाने के बजाय एक शिक्षण अवसर में बदलना चाहिए। उपकरण की त्रुटि, समस्या निवारण (Troubleshooting) तथा वैज्ञानिक चरों (Scientific Variables) पर खुली चर्चा करने से छात्रों में वैज्ञानिक जांच (Scientific Inquiry) और समालोचनात्मक सोच का विकास होता है।

25. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
सुकराती या प्रश्न-उत्तर विधि (Question-Answer Method) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) का एक अत्यंत शक्तिशाली साधन है। यह शिक्षक को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान वास्तविक समय में छात्रों के संज्ञानात्मक स्तर, गलतफहमियों और अधिगम अंतरालों की पहचान करने तथा तदनुसार अनुदेशन में तत्काल सुधार करने में सहायता प्रदान करती है।

26. (B) प्रश्न पूछने और उत्तर देने के लिए छात्र को बुलाने के बीच का विराम।
प्रश्न-उत्तर विधि में "प्रतीक्षा समय" (Wait Time) उस समयांतराल को दर्शाता है जो शिक्षक द्वारा प्रश्न पूछने और किसी छात्र को उत्तर देने के लिए आमंत्रित करने के बीच दिया जाता है। यह विराम छात्रों को प्रश्न को संसाधित करने, विचारों को व्यवस्थित करने और उच्च-स्तरीय उत्तर तैयार करने का अवसर देता है।

27. (A) अपसारी प्रश्न (Divergent Questions)
उच्च-स्तरीय सोच कौशल (Higher-Order Thinking Skills) को विकसित करने के लिए अपसारी प्रश्न (Divergent Questions) सबसे उपयुक्त होते हैं। ये खुले सिरे वाले प्रश्न (Open-ended Questions) होते हैं जो छात्रों को कई संभावित समाधानों, विश्लेषणात्मक विचारों, रचनात्मकता और मौलिक सोच का उपयोग करने के लिए प्रेरित करते हैं, न कि केवल रटे-रटाए उत्तरों पर।

28. (C) सभी छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रश्नों को समान रूप से वितरित करें।
प्रभावी प्रश्न-उत्तर तकनीक में प्रश्नों का वितरण पूरी कक्षा में समान और यादृच्छिक (Random) होना चाहिए। केवल पहली पंक्ति के छात्रों से प्रश्न पूछने से बाकी छात्र अलग-थलग महसूस करते हैं। सभी दिशाओं में प्रश्न पूछने से पूरी कक्षा में ध्यान केंद्रित रहता है और सभी शिक्षार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित होती है।

29. (D) एक बार में कई जटिल प्रश्न पूछना (द्वि-स्तरीय प्रश्न)।
एक ही समय में अनेक या जटिल प्रश्न पूछना (Multiple or Double-barreled Questions) एक खराब प्रश्नोत्तर तकनीक मानी जाती है। इससे छात्रों में भ्रम और संज्ञानात्मक अतिभार (Cognitive Overload) पैदा होता है। प्रश्न हमेशा स्पष्ट, संक्षिप्त, एक समय में एक और छात्रों के स्तर के अनुसार ही पूछे जाने चाहिए।

30. (C) नैतिक मूल्यों, कल्पना और बुनियादी सुनने के कौशलों को बढ़ावा देना
कहानी सुनाने की विधि (Storytelling Method) बच्चों में नैतिक मूल्यों, कल्पनाशीलता, रचनात्मक चिंतन और श्रवण कौशल (Listening Skills) के विकास के लिए अत्यंत प्रभावी है। यह अमूर्त अवधारणाओं को प्रासंगिक एवं भावनात्मक संदर्भों में पिरोकर प्रस्तुत करती है, जिससे प्राथमिक एवं उच्च-प्राथमिक स्तर पर अधिगम अधिक अर्थपूर्ण बन जाता है।

31. (B) इसमें एक विशिष्ट शिक्षण उद्देश्य के साथ संरेखित एक संरचित कथानक होना चाहिए।
एक प्रभावी शैक्षिक कहानी का मूल तत्व यह है कि उसका एक स्पष्ट, सुसंगत कथानक हो जो निर्धारित शिक्षण उद्देश्यों के साथ संरेखित हो। कहानी केवल मनोरंजन के लिए न होकर, विषय वस्तु की वैचारिक समझ विकसित करने तथा वांछित शिक्षण परिणामों को प्राप्त करने में सक्षम होनी चाहिए।

32. (B) II और III
कहानी सुनाने की विधि केवल भाषा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उपयोग इतिहास, विज्ञान और गणित जैसे विषयों में भी किया जा सकता है। यह छात्रों में सांस्कृतिक चेतना, ऐतिहासिक सहानुभूति का निर्माण करती है और किसी भी नए

Click Here to Buy book on Amazon

विषय की भूमिका या प्रस्तावना के रूप में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होती है।

33. (A) छात्रों को परिणामों की भविष्यवाणी करने, अंत को अनुकूलित करने या कहानियों को सह-निर्मित करने के लिए आमंत्रित करके।
रचनावादी शिक्षाशास्त्र (Constructivist Pedagogy) के अनुसार, कहानी सुनाने की विधि को शिक्षार्थी-केंद्रित बनाने के लिए छात्रों को सक्रिय प्रतिभागी बनाया जाता है। उन्हें कहानी के मोड़ों का अनुमान लगाने, वैकल्पिक अंत रचने तथा कहानियों का सह-निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करने से उनका संज्ञानात्मक जुड़ाव और चिंतन गहराई प्राप्त करता है।

34. (C) यह उच्च स्तर पर आवश्यक कठोर विश्लेषणात्मक और मात्रात्मक कौशलों को विकसित करने में संघर्ष करता है।
उच्चतर माध्यमिक स्तर पर कहानी सुनाने की विधि की मुख्य सीमा यह है कि यह जटिल, विश्लेषणात्मक, अमूर्त तथा मात्रात्मक कौशलों को विस्तार से समझाने के लिए अपर्याप्त सिद्ध होती है। इस स्तर के गहन वैज्ञानिक और गणितीय सिद्धांतों के लिए अधिक संरचित, तार्किक और प्रयोगात्मक विधियों की आवश्यकता होती है।

35. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning) वास्तविक दुनिया की जटिल समस्याओं को हल करने के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण (Multidisciplinary Approach) का प्रयोग करता है। यह ज्ञान को कठोर विषयगत सीमाओं में विभाजित करने के बजाय विभिन्न विषयों के एकीकरण और अंतर-विषय संबंधों को बढ़ावा देकर समग्र अधिगम को सुगम बनाता है।

36. (D) एक ऐसा दृष्टिकोण जहाँ छात्र ज्ञान प्राप्त करने के लिए वास्तविक दुनिया की समस्याओं का सक्रिय रूप से अन्वेषण करते हैं।
परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning) का मूल आधार छात्रों को वास्तविक दुनिया की जटिल और प्रामाणिक समस्याओं के अन्वेषण में सक्रिय रूप से संलग्न करना है। इस प्रक्रिया में शिक्षार्थी लंबे समय तक पूछताछ, अनुसंधान और समस्या-समाधान करके ज्ञान, कौशल और वैचारिक स्पष्टता को स्वयं अर्जित करते हैं।

37. (B) तथ्यों को रटकर याद करना (Rote Memorization)
उच्च गुणवत्ता वाले परियोजना-आधारित अधिगम (PBL) में निरंतर पूछताछ (Sustained Inquiry), छात्र स्वायत्तता (Student Agency), प्रामाणिक समस्या-समाधान और सार्वजनिक उत्पाद प्रस्तुति शामिल होती है। तथ्यों को रटकर याद करना (Rote Memorization) रचनावादी और परियोजना-आधारित अधिगम के सिद्धांतों के पूरी तरह प्रतिकूल है।

38. (C) इसमें निरंतर पूछताछ, खुली समस्या-समाधान और छात्र स्वायत्तता का अभाव है।
किसी दिए गए मैनुअल के अनुसार चरण-दर-चरण मॉडल बनाना सच्चा PBL नहीं है, क्योंकि इसमें शिक्षार्थियों के लिए खुली समस्या-समाधान, स्वतंत्र विचार-विमर्श और निरंतर पूछताछ (Sustained Inquiry) का अवसर नहीं होता। सच्चे PBL में छात्रों की स्वायत्तता और प्रामाणिक अन्वेषण की उपस्थिति अनिवार्य होती है।

39. (D) प्रयोजनवाद / व्यवहारवाद (Pragmatism)
परियोजना विधि (Project Method) का दार्शनिक आधार जॉन डीवी और विलियम किलपैट्रिक द्वारा प्रतिपादित प्रयोजनवाद (Pragmatism) है। यह दर्शन 'करके सीखने' (Learning by Doing), व्यावहारिक अनुभवों, उपयोगिता तथा शिक्षा को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों के साथ जोड़ने के विचार पर विशेष जोर देता है।

40. (A) व्याख्यात्मक परियोजना (Expository Project)
किलपैट्रिक के अनुसार पारंपरिक शैक्षिक परियोजनाओं को चार मुख्य प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है: रचनात्मक परियोजनाएँ (Constructive), सौंदर्यात्मक/आनंदात्मक परियोजनाएँ (Aesthetic/Enjoyment), समस्यात्मक परियोजनाएँ (Problematic) और अभ्यास/कौशल परियोजनाएँ (Drill/Skill Projects)। व्याख्यात्मक परियोजना इस शास्त्रीय वर्गीकरण के अंतर्गत शामिल नहीं है।

41. (A) III, I, II, IV, V
परियोजना विधि का सही क्रमिक चरण इस प्रकार है: सबसे पहले स्थिति प्रदान करना या उद्देश्य निर्धारण (Purposing - III), फिर योजना बनाना (Planning - I), उसके बाद योजना का निष्पादन (Executing - II), तत्पश्चात परिणामों का मूल्यांकन (Evaluating - IV) और अंत में पूरी प्रक्रिया का आलेखन या रिकॉर्डिंग (Recording - V) करना शामिल है।

42. (B) I और III
परियोजना विधि के मूल्यांकन चरण में छात्र और शिक्षक मिलकर यह समीक्षा करते हैं कि निर्धारित लक्ष्य पूरे हुए या नहीं। इसमें छात्र स्वयं अपनी गलतियों और उपलब्धियों पर विचार करते हैं। अतः यह केवल बाह्य परीक्षक द्वारा संचालित न होकर आत्म-चिंतन और सहयोगात्मक मूल्यांकन की एक प्रक्रिया है।

43. (A) यह कक्षा के अधिगम को वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों के साथ जोड़ता है।
परियोजना विधि (Project Method) का सबसे महत्वपूर्ण शैक्षिक लाभ यह है कि यह कक्षा में अर्जित सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक, वास्तविक जीवन की स्थितियों से जोड़ती है। इससे छात्रों में जीवनोपयोगी कौशलों, समस्या-समाधान, सामाजिक सहकारिता और प्रासंगिक अनुप्रयोगों की समझ का व्यापक विकास होता है।

NODIA

44. (C) चिकित्सा शिक्षा (Medical Education)
समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning - PBL) का विकास सर्वप्रथम 1960 के दशक में मैकमास्टर विश्वविद्यालय में चिकित्सा शिक्षा (Medical Education) के अंतर्गत किया गया था। इसका उद्देश्य भावी डॉक्टरों को वास्तविक नैदानिक मामलों (Clinical Cases) के माध्यम से नैदानिक तर्क और समस्या-समाधान कौशल सिखाना था।

45. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
समस्या-आधारित अधिगम (PBL) में पारंपरिक शिक्षण के विपरीत, औपचारिक अवधारणाओं को सिखाने से पहले ही छात्रों के समक्ष एक अस्वच्छंद समस्या प्रस्तुत की जाती है। यह समस्या छात्रों में जिज्ञासा उत्पन्न करती है और उन्हें समाधान खोजने हेतु आवश्यक ज्ञान एवं सिद्धांतों को स्वयं खोजने के लिए प्रेरित करती है।

46. (C) सुगमकर्ता (Facilitator) या कोच
समस्या-आधारित अधिगम (PBL) में शिक्षक सूचना का एकमात्र स्रोत या ज्ञानदाता नहीं होता, बल्कि वह एक सुगमकर्ता (Facilitator) या कोच के रूप में कार्य करता है। उसका मुख्य कार्य छात्रों की सोच का मार्गदर्शन करना, उपयुक्त संसाधन उपलब्ध कराना और उनकी पूछताछ प्रक्रिया को सही दिशा देना है।

47. (B) एक कम-संरचित / अस्वच्छंद समस्या (Ill-structured Problem) की प्रस्तुति।
समस्या-आधारित अधिगम (PBL) का प्रारंभिक बिंदु एक कम-संरचित या अस्वच्छंद समस्या (Ill-structured Problem) होती है। ऐसी समस्याओं के निश्चित या सीधे उत्तर नहीं होते, जिससे छात्र समस्या को परिभाषित करने, शोध प्रश्न तैयार करने तथा प्रासंगिक साक्ष्य जुटाने के लिए प्रेरित होते हैं।

48. (D) समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning)
जब शिक्षक छात्रों के सामने वास्तविक जीवन का एक परिदृश्य प्रस्तुत करता है और छात्र स्वयं शोध करके कारण व समाधान खोजते हैं, तो यह समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning) को दर्शाता है। इसमें शिक्षार्थी अपनी शिक्षण प्रक्रिया के उत्तरदायी होते हैं और सक्रिय अन्वेषण करते हैं।

49. (A) यह एक प्रामाणिक उत्पाद या प्रदर्शन में समाप्त होता है।
परियोजना-आधारित अधिगम (PrBL) और समस्या-आधारित अधिगम (PBL) दोनों शिक्षार्थी-केंद्रित हैं, किंतु PrBL की मुख्य विशिष्ट विशेषता यह है कि इसका समापन अनिवार्य रूप से एक मूर्त, प्रामाणिक उत्पाद, मॉडल या सार्वजनिक प्रदर्शन में होता है, जबकि PBL मुख्य रूप से समस्या-समाधान प्रक्रिया पर केंद्रित रहता है।

50. (C) पूछताछ प्रक्रिया और विशिष्ट परिदृश्यों के समाधान खोजने पर।
परियोजना-आधारित अधिगम के विपरीत, समस्या-आधारित अधिगम (PBL) का मुख्य बल अंतिम भौतिक उत्पाद के निर्माण के बजाय समस्या-समाधान की आंतरिक प्रक्रिया, गहन पूछताछ, नैदानिक तर्क और प्रासंगिक परिदृश्यों के व्यावहारिक उत्तर या समाधान खोजने की विश्लेषणात्मक प्रक्रिया पर होता है।

51. (A) समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning)
कम-संरचित (Ill-structured) परिदृश्यों का उपयोग, विश्लेषणात्मक चिंतन, नैदानिक तर्क (Clinical Reasoning) पर बल तथा किसी भौतिक अंतिम उत्पाद की अनिवार्यता का न होना समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning) की प्रमुख पहचान है। यह छात्रों को जटिल स्थितियों का बहुआयामी विश्लेषण करना सिखाता है।

52. (A) I, II और IV
PrBL और PBL दोनों शिक्षार्थी-केंद्रित हैं और शिक्षक सुगमकर्ता की भूमिका निभाता है। PrBL में ध्यान प्रायः अंतिम उत्पाद पर केंद्रित होता है, जबकि PBL में ध्यान समस्या के समाधान पर होता है। ये दोनों दृष्टिकोण सहयोगात्मक समूह कार्य को प्रोत्साहित करते हैं, न कि प्रतिबंधित।

53. (B) शारीरिक और मानसिक क्रिया के माध्यम से अधिगम सर्वोत्तम रूप से होता है।
गतिविधि-आधारित अधिगम (Activity-Based Learning) का मूल सिद्धांत यह है कि बच्चा जब शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से सक्रिय होता है, तब अधिगम सबसे प्रभावी होता है। 'करके सीखने' से अवधारणात्मक स्पष्टता गहराई प्राप्त करती है और ज्ञान शिक्षार्थी की स्मृति में स्थायी बनता है।

54. (C) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (National Curriculum Framework - NCF) 2005
राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF) 2005 ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में गतिविधि-आधारित अधिगम (ABL) का पुरजोर समर्थन किया। इसने बाल-केंद्रित, आनंददायक, और तनावमुक्त शिक्षा पर बल दिया, जिसमें रटने की प्रणाली को छोड़कर बालकों के सक्रिय जुड़ाव को प्राथमिकता दी गई।

55. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
गतिविधि-आधारित अधिगम प्राथमिक स्तर पर विद्यालयों में छात्रों के ठहराव को बढ़ाता है और ड्रॉपआउट दर को कम करता है। इसका कारण यह है कि यह शिक्षण को मनोरंजक, सार्थक और बच्चे के परिवेश से जोड़ता है, जिससे कक्षा में बोरियत और असफलता का डर समाप्त हो जाता है।

56. (A) मील के पत्थर (Milestones) और अधिगम की सीढ़ियों में
गतिविधि-आधारित अधिगम (ABL) प्रणाली में शिक्षण-सामग्रियों और कार्यों को 'अधिगम सीढ़ियों' (Learning

Downloaded from www.pdf.tube

Ladders) और प्रगति संकेतकों (Milestones) के रूप में संरचित किया जाता है। छात्र अपनी गति से एक सीढ़ी से दूसरी सीढ़ी पर चढ़ते हुए दक्षता अर्जित करते हैं, जिससे स्व-गति शिक्षण संभव होता है।

57. (B) लचीली बैठने की व्यवस्था और सुलभ शिक्षण सामग्री प्रदान करना।
प्राथमिक विद्यालयों में गतिविधि-आधारित अधिगम (ABL) को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए भौतिक स्थान का लचीलापन अत्यंत आवश्यक है। लचीली बैठने की व्यवस्था तथा छात्रों की पहुँच में रखी शिक्षण-शिक्षण सामग्रियां (TLM) बच्चों को सहजता से समूह गतिविधियों और व्यावहारिक प्रयोगों में संलग्न होने का अवसर देती हैं।

58. (B) मूर्त अनुभव (Concrete Experience) → विचारशील अवलोकन (Reflective Observation) → अमूर्त संप्रत्ययीकरण (Abstract Conceptualization) → सक्रिय प्रयोग (Active Experimentation)
डेविड कोल्ब के अनुभवात्मक अधिगम चक्र में चार क्रमिक चरण होते हैं: सर्व प्रथम मूर्त अनुभव (Concrete Experience) प्राप्त करना, फिर उस अनुभव पर विचारशील अवलोकन (Reflective Observation) करना, तत्पश्चात अमूर्त संप्रत्ययीकरण (Abstract Conceptualization) द्वारा सिद्धांत बनाना और अंत में नए ज्ञान का सक्रिय प्रयोग (Active Experimentation) करना।

59. (A) चिंतन के आधार पर अमूर्त अवधारणाओं का निर्माण या संशोधन करना।
कोल्ब के चक्र में "अमूर्त संप्रत्ययीकरण" (Abstract Conceptualization) वह चरण है जहाँ शिक्षार्थी अपने अवलोकनों और विचारों का विश्लेषण करके सामान्य नियमों, सिद्धांतों या नए वैचारिक मॉडलों का निर्माण करता है। यह प्रक्रिया व्यावहारिक अनुभव को तार्किक और सैद्धांतिक समझ में बदलने का कार्य करती है।

60. (C) अनुभव के परिवर्तन के माध्यम से ज्ञान का निर्माण।
अनुभवात्मक अधिगम सिद्धांत (Experiential Learning Theory) के अनुसार, अधिगम केवल जानकारी का संचय नहीं है, बल्कि वह प्रक्रिया है जहाँ अनुभव के निरंतर रुपानंतरण (Transformation of Experience) के माध्यम से ज्ञान का सृजन होता है। इसमें अनुभव, चिंतन और क्रिया का समन्वित समावेशन होता है।

61. (D) समायोजी (Accommodating) – अमूर्त संप्रत्ययीकरण + विचारशील अवलोकन
कोल्ब के अनुसार समायोजी (Accommodating) अधिगम शैली मूर्त अनुभव (Concrete Experience) और सक्रिय प्रयोग (Active Experimentation) के संयोजन से बनती है। अमूर्त संप्रत्ययीकरण तथा विचारशील अवलोकन का संयोजन वास्तव में आत्मसात्करण (Assimilating) अधिगम शैली का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए यह युग्म गलत है।

62. (A) I और II
सहकारी अधिगम (Cooperative Learning) में छात्र साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु छोटे समूहों में कार्य करते हैं और इसमें प्रत्येक सदस्य की व्यक्तिगत जवाबदेही (Individual Accountability) निश्चित होती है। यह नकारात्मक के बजाय सकारात्मक परस्पर निर्भरता (Positive Interdependence) पर आधारित होता है जहाँ सभी की सफलता जुड़ी होती है।

63. (B) सजातीय बुद्धिमत्ता (Homogeneous IQ) समूह बनाना
जॉनसन और जॉनसन के अनुसार सहकारी अधिगम के पांच आवश्यक तत्व हैं: सकारात्मक परस्पर निर्भरता, आमने-सामने की प्रोत्साहन अंतःक्रिया, व्यक्तिगत जवाबदेही, सामाजिक कौशल और समूह प्रसंस्करण। सजातीय आईक्यू (Homogeneous IQ) समूह बनाना इसका तत्व नहीं है; सहकारी अधिगम हमेशा विषम (Heterogeneous) समूहों को प्राथमिकता देता है।

64. (D) होम ग्रुप के सदस्य विषय विशेषज्ञ बनते हैं, फिर अपने साथियों को क्रॉस-टीचिंग करते हैं।
"जिगसॉ" (Jigsaw) तकनीक में प्रत्येक छात्र अपने 'होम ग्रुप' से निकलकर एक विशिष्ट उप-विषय के लिए बने 'एक्सपर्ट ग्रुप' में जाता है। वहाँ महारत हासिल करने के बाद, छात्र वापस अपने होम ग्रुप में लौटते हैं और अपने साथियों को वह अंश सिखाते हैं (Cross-teaching), जिससे सहयोगात्मक अधिगम होता है।

65. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
सहकारी अधिगम रणनीतियाँ छात्रों के सामाजिक कौशलों और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को प्रभावी ढंग से बढ़ाती हैं। इसका कारण यह है कि इन गतिविधियों में छात्रों को एक-दूसरे के साथ संवाद स्थापित करने, विचारों को सुनने, मतभेदों और संघर्षों का समाधान करने तथा समूह लक्ष्य हेतु सहयोग करने की आवश्यकता होती है।

NODIA

66. (C) छात्रों को पूरे वर्ग के साथ साझा करने से पहले विचारों को सहयोगात्मक रूप से व्यक्त और परीक्षण करने देना।
"सोचें-युग्म बनाएं-साझा करें" (Think-Pair-Share) रणनीति के "युग्म" (Pair) चरण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अपने साथी के साथ सुरक्षित वातावरण में अपने विचारों पर चर्चा करने, स्पष्टता प्राप्त करने और परिष्कृत करने का अवसर देना है, जिससे पूरे वर्ग के सामने बोलने से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।

67. (A) सहयोगात्मक अधिगम छात्र स्व-संगठन का उपयोग करता है, जबकि सहकारी अधिगम सौंपे गए भूमिकाओं का उपयोग करता है।
सहकारी अधिगम (Cooperative Learning) अधिक शिक्षक-संरचित होता है जहाँ विशिष्ट भूमिकाएँ (जैसे समयपालक, लेखक) सौंपी जाती हैं। इसके विपरीत, सहयोगात्मक अधिगम (Collaborative Learning) में छात्र स्व-संगठन और उच्च स्वायत्तता का प्रयोग करते हुए साझा अर्थ और उत्पाद का निर्माण एक साथ मिलकर करते हैं।

68. (D) कक्षा A सहकारी (Cooperative) है; कक्षा B सहयोगात्मक (Collaborative) है
कक्षा A में शिक्षक द्वारा संरचित भूमिकाएँ (जैसे रिकॉर्डर, सारांशकर्ता) दी गई हैं, जो सहकारी शिक्षण (Cooperative) का लक्षण है। कक्षा B में छात्रों को बिना किसी पूर्व-निर्धारित भूमिका के स्वतंत्र रूप से एक साथ निबंध लिखने की स्वायत्तता दी गई है, जो सहयोगात्मक शिक्षण (Collaborative) को दर्शाता है।

69. (B) सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism)
सहयोगात्मक अधिगम का दार्शनिक आधार लेव वायगोत्स्की का सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism) है। यह सिद्धांत मानता है कि अधिगम एक सामाजिक प्रक्रिया है और संज्ञानात्मक विकास सहकर्मी अंतःक्रिया, संवाद और साझा वातावरण में ज्ञान के सह-निर्माण के माध्यम से सबसे प्रभावी ढंग से होता है।

70. (C) अनिरीक्षित रहने पर असंरचित गतिशीलता के कारण कुछ छात्र बिना काम किए लाभ उठा सकते हैं (Free-riding)।
सहयोगात्मक अधिगम में एक प्रमुख व्यावहारिक चुनौती 'फ्री-राइडिंग' (Free-riding) या सामाजिक अकर्मण्यता है, जहाँ समूह की असंरचित गतिशीलता के कारण कुछ छात्र बिना कोई वास्तविक कार्य या योगदान दिए पूरे समूह की सफलता का लाभ उठा लेते हैं। इसे रोकने के लिए व्यक्तिगत जवाबदेही आवश्यक है।

71. (D) छात्र एक-दूसरे को सीखने में मदद करने के लिए शैक्षणिक ट्यूटर और ट्यूटी के रूप में कार्य करते हैं।
सहकर्मी शिक्षण (Peer Tutoring) एक ऐसी अनुदेशात्मक रणनीति है जिसमें एक छात्र (ट्यूटर) दूसरे छात्र (ट्यूटी) को शैक्षणिक सामग्री सीखने में सहायता प्रदान करता है। यह अंतःक्रिया समान-आयु या भिन्न-आयु वर्ग के छात्रों के बीच हो सकती है, जिससे दोनों के ज्ञान का सुदृढ़ीकरण होता है।

72. (A) I और II
क्रॉस-एज सहकर्मी शिक्षण में वरिष्ठ छात्र छोटे छात्रों को मार्गदर्शन देते हैं, जबकि सेम-एज सहकर्मी शिक्षण में समान ग्रेड के छात्र शामिल होते हैं। कथन III गलत है, क्योंकि सहकर्मी शिक्षण से ट्यूटर और ट्यूटी दोनों को लाभ होता है; ट्यूटर का अपना ज्ञान और वैचारिक स्पष्टता भी सुदृढ़ होती है।

73. (B) विषय सामग्री का सुदृढ़ीकरण और बढ़ा हुआ आत्मविश्वास
सहकर्मी शिक्षण व्यवस्था में "ट्यूटर" (पढ़ाने वाले छात्र) को अत्यधिक संज्ञानात्मक और मनोवैज्ञानिक लाभ होता है। दूसरों को अवधारणाएँ समझाने की प्रक्रिया में उसकी अपनी विषय-वस्तु का सुदृढ़ीकरण होता है, वैचारिक स्पष्टता आती है, तथा उसके शैक्षणिक आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

74. (B) अवधारणाओं को समझाने और रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए ट्यूटर्स को प्रशिक्षित करना।
सहकर्मी शिक्षण (Peer Tutoring) को प्रभावी बनाने के लिए ट्यूटर बनने वाले छात्रों को व्यवस्थित प्रशिक्षण देना अनिवार्य है। उन्हें यह सिखाना आवश्यक है कि अवधारणाओं को सरल तरीके से कैसे समझाएं, धैर्य कैसे बनाए रखें और अपने साथी को हतोत्साहित किए बिना रचनात्मक प्रतिक्रिया (Formative Feedback) कैसे दें।

75. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
सहकर्मी शिक्षण उन छात्रों के लिए बेहद लाभदायक है जो शिक्षकों से सीधे प्रश्न पूछने में हिचकिचाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि छात्र समान भाषाई और संज्ञानात्मक स्तर साझा करते हैं, जिससे उनके बीच का संवाद अधिक सुलभ, मित्रवत और भयमुक्त वातावरण का निर्माण करता है।

76. (C) प्रत्यक्ष कक्षा शिक्षण (Face-to-Face Teaching) को डिजिटल शिक्षण के साथ जोड़ता है।
मिश्रित अधिगम (Blended Learning) एक ऐसा शैक्षणिक दृष्टिकोण है जो पारंपरिक प्रत्यक्ष कक्षा अनुदेशन (Face-to-Face Instruction) को ऑनलाइन डिजिटल शिक्षण गतिविधियों और मीडिया के साथ एकीकृत करता है। यह छात्रों को समय, स्थान और शिक्षण गति पर कुछ हद तक नियंत्रण प्रदान करता है।

77. (D) रोटेशन मॉडल (Rotation Model)
मिश्रित अधिगम के 'रोटेशन मॉडल' (Rotation Model) में छात्र एक निश्चित समय-सारणी के अनुसार अलग-अलग शिक्षण केंद्रों या तौर-तरीकों से होकर गुजरते हैं। इन स्टेशनों में कम से कम एक स्टेशन ऑनलाइन शिक्षण का होता है, जबकि अन्य में छोटे समूह में कार्य या प्रत्यक्ष शिक्षक अनुदेशन शामिल होता है।

78. (C) डिजिटल उपकरणों और विश्वसनीय इंटरनेट तक छात्रों की समान पहुँच।
मिश्रित अधिगम को लागू करने से पूर्व सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक आवश्यकता डिजिटल विभाजन (Digital Divide) को समाप्त करना है। यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि सभी छात्रों के पास आवश्यक डिजिटल उपकरण (Hardware) और विश्वसनीय इंटरनेट कनेक्टिविटी की समान पहुँच हो, ताकि कोई भी शिक्षार्थी वंचित न रहे।

79. (B) ऑनलाइन वितरण प्राथमिक कोर बनाता है, जिसमें आवश्यकता के आधार पर शिक्षक सहायता मिलती है।
मिश्रित अधिगम के 'फ्लेक्स मॉडल' (Flex Model) में पाठ्यक्रम सामग्री का प्राथमिक वितरण ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से होता है। छात्र अपनी गति से ऑनलाइन शिक्षण करते हैं, जबकि भौतिक कक्षा में शिक्षक केवल आवश्यकता पड़ने पर व्यक्तिगत या छोटे समूहों में उपचारात्मक सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करता है।

Click Here to Buy book on Flipkart

80. (D) विविध छात्रों के लिए विभेदित, स्व-गति से अधिगम (Self-Paced Learning) की।
मिश्रित अधिगम (Blended Learning) का सबसे बड़ा शैक्षणिक लाभ यह है कि यह विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) को संभव बनाता है। इसके माध्यम से छात्र अपनी व्यक्तिगत क्षमता और गति के अनुसार डिजिटल सामग्री का अध्ययन कर सकते हैं, जिससे विविध अधिगम आवश्यकताओं वाले शिक्षार्थियों को लाभ होता है।

81. (A) प्रत्यक्ष अनुदेशन कक्षा-पूर्व गृहकार्य में स्थानांतरित होता है, जबकि अभ्यास कक्षा समय के दौरान होता है।
फ़्लिप्ड क्लासरुम (Flipped Classroom) में पारंपरिक शिक्षण व्यवस्था को उलट दिया जाता है। इसमें छात्र नए विषयों का प्रत्यक्ष अनुदेशन (जैसे वीडियो व्याख्यान) कक्षा में आने से पहले घर पर प्राप्त करते हैं, जबकि कक्षा के समय का उपयोग अभ्यास, समस्या-समाधान, उच्च-स्तरीय चर्चाओं और प्रयोगात्मक कार्यों के लिए किया जाता है।

82. (A) I और II
फ़्लिप्ड क्लासरुम मॉडल मूलभूत जानकारी को घर पर स्थानांतरित करके कक्षा में उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक गतिविधियों के लिए समय मुक्त करता है, जिससे छात्रों को पूर्व-तैयारी करनी पड़ती है। हालाँकि, यह मान लेना गलत है कि सभी छात्रों में स्वचालित रूप से स्व-नियमन कौशल होते हैं; इसके लिए शिक्षक के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

83. (A) अवधारणाओं को याद रखना (Remembering) और समझना (Understanding)
ब्लूम के वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy) के अनुसार, फ़्लिप्ड क्लासरुम मॉडल निचले स्तर के संज्ञानात्मक कौशलों—जैसे याद रखना (Remembering) और समझना (Understanding)—को कक्षा-पूर्व घर के वातावरण में स्थानांतरित करता है, ताकि कक्षा के समय में लागू करना, विश्लेषण करना और मूल्यांकन करना जैसे उच्च कौशल विकसित किए जा सकें।

84. (D) अप्रशिक्षित/अतैयार छात्र जो कक्षा-पूर्व सामग्री को छोड़ देते हैं, वे सक्रिय शिक्षण को कमजोर करते हैं।
फ़्लिप्ड क्लासरुम की सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि यदि छात्र घर पर पूर्व-आवंटित वीडियो या अध्ययन सामग्री को देखकर कक्षा में नहीं आते हैं, तो वे कक्षा के दौरान होने वाली अंतःक्रियात्मक गतिविधियों, चर्चाओं और जटिल समस्या-समाधान में प्रभावी ढंग से भाग लेने में पूरी तरह असमर्थ हो जाते हैं।

85. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
फ़्लिप्ड क्लासरुम मॉडल कक्षा में शिक्षक-छात्र अंतःक्रिया को काफी बढ़ाता है। चूँकि शिक्षक को पूरी कक्षा को एकतरफा व्याख्यान नहीं देना पड़ता, इसलिए उनके पास घूम-घूमकर व्यक्तिगत छात्रों की समस्याओं को सुनने, उनका मार्गदर्शन करने तथा व्यावहारिक अनुप्रयोगों में सहायता करने के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध रहता है।

86. (C) प्रगतिशील अनुभवात्मकता (Progressive Experientialism)
पूछताछ-आधारित अधिगम (Inquiry-Based Learning) जॉन डीवी के प्रगतिशील शिक्षाशास्त्र और अनुभवात्मकता (Progressive Experientialism) से गहराई से जुड़ा है। यह दृष्टिकोण यह मानता है कि अधिगम तब सबसे अधिक प्रभावी होता है जब छात्र प्रश्नों, समस्याओं और अवलोकनों के माध्यम से दुनिया का अन्वेषण खुद करते हैं।

87. (D) संरचित पूछताछ (Structured Inquiry)
संरचित पूछताछ (Structured Inquiry) में शिक्षक छात्रों को एक विशिष्ट प्रश्न और उसका समाधान खोजने की प्रक्रिया या चरण प्रदान करता है। हालाँकि, छात्र स्वयं प्रयोग या जांच करके निष्कर्षों और परिणामों का निर्धारण करते हैं। यह पूछताछ-आधारित अधिगम का प्रारंभिक और अधिक नियंत्रित स्तर है।

88. (A) निर्देशित पूछताछ (Guided Inquiry)
जब शिक्षक केवल एक मुख्य अनुसंधान प्रश्न प्रदान करता है और छात्रों को प्रयोगात्मक डिज़ाइन तैयार करने, डेटा एकत्र करने तथा परिणाम निकालने की स्वतंत्रता देता है, तो यह निर्देशित पूछताछ (Guided Inquiry) का उदाहरण है। इसमें शिक्षार्थी अपनी जांच प्रक्रिया के लिए स्वयं उत्तरदायी होते हैं।

89. (B) परिकल्पना तैयार करना और साक्ष्य एकत्र करना
पूछताछ-आधारित अधिगम (Inquiry-Based Learning) की प्रक्रिया में परिकल्पनाओं (Hypotheses) का निर्माण करना, डेटा या साक्ष्य एकत्र करना, उनका विश्लेषण करना और तर्कसंगत निष्कर्ष निकालना अनिवार्य चरण हैं। यह प्रक्रिया छात्रों को वैज्ञानिक अन्वेषण और समालोचनात्मक सोच में सीधे संलग्न करती है।

90. (B) यह मजबूत अनुसंधान कौशल और वैज्ञानिक साक्षरता विकसित करता है।
उच्चतर माध्यमिक स्तर पर खुली पूछताछ (Open Inquiry) का मुख्य लाभ यह है कि यह छात्रों में उन्नत शोध कौशल, वैज्ञानिक साक्षरता, समस्या-समाधान क्षमता और स्वतंत्र सोच को बढ़ावा देती है। छात्र स्वयं अपने प्रश्न तैयार करते हैं और उनके वैज्ञानिक उत्तर खोजने हेतु अनुसंधान करते हैं।

91. (A) जेरोम ब्रूनर (Jerome Bruner)
खोज अधिगम (Discovery Learning) की अवधारणा की मुख्य रूप से वकालत प्रसिद्ध संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिक जेरोम ब्रूनर (Jerome Bruner) ने की थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षार्थियों को तैयार तथ्य देने के बजाय उन्हें स्वयं सिद्धांतों, संबंधों और नियमों की खोज करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

92. (A) I, II और III
खोज अधिगम में छात्र अपने पूर्व ज्ञान के आधार पर तथ्यों की खोज करते हैं, जिससे आंतरिक प्रेरणा बढ़ती है और अंतिम उत्पाद की तुलना में अधिगम प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित होता है।

NODIA

यह विधि प्रत्यक्ष अनुदेशन और रटकर याद करने पर निर्भर नहीं करती, बल्कि सक्रिय अन्वेषण पर आधारित होती है।

93. (D) भविष्य की समस्या-समाधान को बढ़ाते हुए "खोज के अन्वेषण" (Heuristics of Discovery) को सिखाता है।
खोज अधिगम का उपयोग करने का मुख्य कारण यह है कि यह छात्रों को केवल जानकारी याद रखना नहीं सिखाता, बल्कि "खोज की कला" (Heuristics of Discovery) सिखाता है। इससे छात्रों में स्वतंत्र रूप से जानकारी खोजने, विश्लेषण करने और नई परिस्थितियों में समस्याओं को हल करने का स्थायी कौशल विकसित होता है।

94. (C) एक ऐसा दृष्टिकोण जहाँ शिक्षक छात्र की खोज के लिए सुराग और संरचना प्रदान करते हैं।
निर्देशित खोज (Guided Discovery) एक ऐसा अनुदेशात्मक दृष्टिकोण है जहाँ शिक्षक शिक्षार्थियों को पूरी तरह स्वतंत्र छोड़ने के बजाय उन्हें संकेत, सुराग, प्रश्न और एक संरचित वातावरण प्रदान करता है। इससे छात्र सही दिशा में आगे बढ़ते हुए अवधारणाओं की स्वतंत्र खोज स्वयं करते हैं।

95. (B) यह नौसिखिया शिक्षार्थियों में कार्यशील स्मृति (Working Memory) को अधिभारित करता है, जिससे संज्ञानात्मक भ्रम पैदा होता है।
पूर्णतः अनिर्देशित या शुद्ध खोज अधिगम की मुख्य सीमा यह है कि यह नौसिखिया शिक्षार्थियों (Novice Learners) की कार्यशील स्मृति (Working Memory) पर अत्यधिक दबाव डालता है। बिना किसी मार्गदर्शन के छात्र जानकारी के भंवर में उलझ जाते हैं, जिससे उनमें संज्ञानात्मक अधिभार और भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है।

96. (D) कई शिक्षक एक समूह के लिए अनुदेशन की योजना बनाते हैं, उसे प्रदान करते हैं और उसका मूल्यांकन करते हैं।
टीम शिक्षण (Team Teaching) एक ऐसी सहयोगात्मक अनुदेशात्मक रणनीति है जिसमें दो या दो से अधिक शिक्षक मिलकर छात्रों के एक ही समूह के लिए पाठ की योजना बनाते हैं, एक साथ या क्रमिक रूप से अनुदेशन प्रदान करते हैं और अंत में अधिगम परिणामों का संयुक्त मूल्यांकन करते हैं।

97. (A) यह शिक्षकों को अपनी विविध शैक्षणिक शक्तियों और विषय विशेषज्ञता को साझा करने की अनुमति देता है।
टीम शिक्षण का प्राथमिक लाभ यह है कि यह अलग-अलग शिक्षकों की विशिष्ट विषय-विशेषज्ञता, शिक्षण शैलियों और शैक्षणिक शक्तियों को एक ही कक्षा में संयोजित करता है। इससे छात्रों को एक ही विषय का बहुआयामी दृष्टिकोण मिलता है और शिक्षण की गुणवत्ता में गुणात्मक वृद्धि होती है।

98. (C) दोनों शिक्षकों के लिए निर्धारित साझा योजना समय (Shared Planning Time) प्रदान करना।
टीम शिक्षण को सफल बनाने के लिए सबसे आवश्यक प्रशासनिक आवश्यकता यह है कि भाग लेने वाले शिक्षकों को समय-सारणी में एक साथ बैठने और पाठ की योजना बनाने के लिए 'साझा योजना समय' (Shared Planning Time) आवंटित किया जाए। इसके बिना अनुदेशन में समन्वय और निरंतरता का अभाव हो जाता है।

99. (A) लीड-असिस्ट मॉडल (Lead-Assist Model)
टीम शिक्षण के 'लीड-असिस्ट मॉडल' (Lead-Assist Model) में एक शिक्षक मुख्य अनुदेशक की भूमिका निभाते हुए पूरी कक्षा को पाठ प्रस्तुत करता है, जबकि दूसरा शिक्षक कक्षा में घूमकर उन छात्रों की व्यक्तिगत रूप से पहचान और सहायता करता है जिन्हें समझने में कठिनाई हो रही होती है।

100. (D) शिक्षक सामग्री को स्टेशनों में विभाजित करते हैं जिनके माध्यम से छात्र समूह घूमते हैं।
स्टेशन शिक्षण (Station Teaching) मॉडल में शिक्षण सामग्री और गतिविधियों को अलग-अलग केंद्रों या 'स्टेशनों' में बाँट दिया जाता है। प्रत्येक शिक्षक एक विशिष्ट स्टेशन का संचालन करता है, और छात्रों के छोटे समूह निश्चित समय के बाद एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन पर घूमते (Rotate) रहते हैं।

101. (B) वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों का विश्लेषण करना और निर्णय लेने के कौशल का निर्माण करना।
केस स्टडी विधि (Case Study Method) जटिल, वास्तविक दुनिया की समस्याओं और परिदृश्यों का गहन विश्लेषण करने के लिए अत्यंत प्रभावी है। यह शिक्षार्थियों में साक्ष्यों का मूल्यांकन करने, बहुआयामी दृष्टिकोणों को समझने तथा व्यावहारिक परिस्थितियों में प्रभावी निर्णय लेने (Decision-making) के कौशलों का निर्माण करती है।

102. (A) I और II
केस स्टडी विधि सिद्धांतों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच संबंध स्थापित करती है तथा साक्ष्यों के विश्लेषण की मांग करती है। कथन III गलत है, क्योंकि एक अच्छी केस स्टडी बहुआयामी और जटिल होती है, जिसका कोई एक निश्चित या सरल 'सही उत्तर' नहीं होता, बल्कि कई वैध समाधान संभव होते हैं।

NODIA

103. (D) चर्चा को सुगम बनाना, तर्क की जांच करना और धारणाओं को चुनौती देना।
केस स्टडी चर्चा में शिक्षक की भूमिका उत्तर देने वाले की नहीं, बल्कि एक सुगमकर्ता की होती है। वह विचारोत्तेजक प्रश्न पूछकर छात्रों के तर्कों की जांच करता है, उनकी अंतर्निहित धारणाओं को चुनौती देता है और कक्षा में उच्च-स्तरीय विश्लेषणात्मक चिंतन तथा परिचर्चा का वातावरण निर्मित करता है।

104. (A) व्यावसायिक अध्ययन (Business Studies), अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान
केस स्टडी विधि व्यावसायिक अध्ययन (Business Studies), अर्थशास्त्र, कानून, राजनीति विज्ञान और सामाजिक विज्ञान जैसे क्षेत्रों के लिए अत्यधिक उपयुक्त है। इन विषयों में वास्तविक दुनिया की जटिल सामाजिक, आर्थिक और नैतिक समस्याओं के विश्लेषण तथा व्यावहारिक समाधानों के निर्माण की अत्यधिक आवश्यकता होती है।

105. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
केस स्टडी विधि में शिक्षक और छात्र दोनों से व्यापक पूर्व-तैयारी की अपेक्षा होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कक्षा में होने वाली सार्थक और गहन परिचर्चा प्रस्तुत किए गए मामले के सूक्ष्म तथ्यों, प्रासंगिक संदर्भों और अंतर्निहित जटिलताओं की पूर्व समझ पर पूरी तरह निर्भर करती है।

106. (B) एक विशिष्ट स्थिति में एक चरित्र के व्यक्तित्व और कार्यों को अपनाते हैं।
भूमिका निभाने की विधि (Role Play) एक सक्रिय शिक्षण तकनीक है जिसमें छात्र किसी काल्पनिक या वास्तविक परिदृश्य में एक विशिष्ट चरित्र, व्यक्ति या भूमिका के व्यवहार, विचारों और कार्यों को अपनाते हैं। इसके माध्यम से वे उस स्थिति का प्रत्यक्ष और जीवंत अनुभव प्राप्त करते हैं।

107. (A) यह ऐतिहासिक या सामाजिक संदर्भों की सहानुभूति और समझ विकसित करता है।
इतिहास या नागरिक शास्त्र में रोल-प्ले का सबसे बड़ा शैक्षिक लाभ यह है कि यह छात्रों में भावनात्मक सहानुभूति (Empathy) और परिप्रेक्ष्य लेने की क्षमता विकसित करता है। दूसरों की भूमिका निभाने से छात्र ऐतिहासिक निर्णयों तथा सामाजिक संघर्षों की पृष्ठभूमि को अधिक गहराई से समझ पाते हैं।

108. (C) एक "मॉक पार्लियामेंट" (Mock Parliament) का संचालन करना जहाँ छात्र एक विधेयक पर बहस करते हैं और मतदान करते हैं।
सिमुलेशन (Simulation) वास्तविक प्रणाली या प्रक्रिया का एक यथार्थवादी मॉडल होता है। "मॉक पार्लियामेंट" आयोजित करना सिमुलेशन का बेहतरीन उदाहरण है, जहाँ छात्र सांसदों की भूमिका में विधेयक पेश करने, उस पर बहस करने और मतदान करने की पूरी विधायी प्रक्रिया का प्रत्यक्ष पूर्वाभ्यास करते हैं।

109. (D) रोल प्ले में पात्रों को अपनाना शामिल है; सिमुलेशन जटिल प्रणालियों को मॉडल करता है।
रोल प्ले और सिमुलेशन में मुख्य अंतर यह है कि रोल प्ले प्राथमिक रूप से किसी व्यक्ति या चरित्र के व्यवहार और भावनाओं को अपनाने पर केंद्रित होता है। इसके विपरीत, सिमुलेशन एक संपूर्ण जटिल प्रणाली, परिवेश या प्रक्रिया के यथार्थवादी संचालन और उसके नियमों के निरूपण पर केंद्रित होता है।

110. (C) परिणामों और सीखने के उद्देश्यों पर चिंतन करने के लिए एक डीब्रीफिंग सत्र (Debriefing Session)।
किसी भी रोल प्ले या सिमुलेशन गतिविधि के तुरंत बाद एक 'डीब्रीफिंग सत्र' (Debriefing Session) आयोजित करना अनिवार्य है। इस सत्र में छात्र अपने अनुभवों, भावनाओं, लिए गए निर्णयों और उनके परिणामों पर शिक्षक के साथ चिंतन करते हैं, जिससे वास्तविक शिक्षण उद्देश्यों की प्राप्ति होती है।

111. (B) किसी समस्या को हल करने के लिए बड़ी मात्रा में रचनात्मक विचार उत्पन्न करना।
विचार-मंथन (Brainstorming) एक ऐसी अनुदेशात्मक तकनीक है जिसका मुख्य उद्देश्य किसी विशिष्ट समस्या के समाधान हेतु कम से कम समय में अधिक से अधिक मात्रा में नए, अप्रत्याशित और रचनात्मक विचार उत्पन्न करना है। यह तकनीक शिक्षार्थियों में अपसारी चिंतन (Divergent Thinking) को बढ़ावा देती है।

112. (D) विचार निर्माण समाप्त होने तक सभी निर्णयों और आलोचनाओं को स्थगित रखें।
विचार-मंथन (Brainstorming) का सबसे पहला और अनिवार्य नियम 'स्थगित निर्णय' (Deferred Judgment) है। विचार उत्पन्न करने वाले चरण के दौरान किसी भी विचार की आलोचना, मूल्यांकन या अस्वीकृति पूरी तरह वर्जित होती है, ताकि छात्र बिना किसी भय के अपने मौलिक विचार प्रस्तुत कर सकें।

113. (A) असाधारण और अपरंपरागत विचारों का स्वागत किया जाता है।
विचार-मंथन में "फ्रीव्हीलिंग का स्वागत है" (Freewheeling is welcomed) का अर्थ यह है कि जितने अधिक अपरंपरागत, अनोखे, साहसी और स्वतंत्र विचार प्रस्तुत किए जाएंगे, सत्र उतना ही बेहतर माना जाएगा। यह सिद्धांत छात्रों को पारंपरिक सीमाओं से बाहर जाकर सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है।

114. (C) उन्हें प्रतिभागियों द्वारा कहे गए अनुसार ही दृश्य रूप से रिकॉर्ड किया जाना चाहिए।
विचार-मंथन सत्र में सभी विचारों को प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत किए गए मूल रूप में ही बोर्ड या चार्ट पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए। बिना किसी संशोधन या संपादन के विचारों को दृश्य रूप से दर्ज करने से छात्रों को यह अहसास होता है कि उनके योगदान का सम्मान किया जा रहा है।

115. (A) व्यवहार्य समाधान चुनने के लिए उत्पन्न विचारों का वर्गीकरण और शोधन करना।
विचार-मंथन का प्रथम चरण (विचार-निर्माण) समाप्त होने के बाद, अगला तार्किक कदम विचारों का मूल्यांकन, वर्गीकरण और शोधन (Evaluation and Refining) करना है। इस चरण में सभी विचारों की उपयोगिता की समीक्षा की जाती है और सबसे व्यावहारिक तथा प्रभावी समाधानों का चयन किया जाता है।

116. (D) कक्षा की दीवारों के बाहर प्रत्यक्ष अनुभव और अधिगम।
क्षेत्र भ्रमण (Field Trip) या शैक्षिक यात्रा विधि इस दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक सिद्धांत पर आधारित है कि वास्तविक दुनिया का प्रत्यक्ष अनुभव (Direct Experience) कक्षा के अमूर्त अनुदेशन से अधिक प्रभावी होता है। यह छात्रों को प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश में वस्तुओं तथा घटनाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करने का अवसर देती है।

Downloaded from www.pdf.tube

117. (B) यात्रा-पूर्व योजना और यात्रा के बाद की चिंतन गतिविधियाँ।
क्षेत्र भ्रमण को केवल एक मनोरंजक सैर बनने से रोकने के लिए यात्रा-पूर्व स्पष्ट शैक्षणिक उद्देश्यों की योजना बनाना और यात्रा के तुरंत बाद कक्षा में चिंतन, चर्चा व रिपोर्ट निर्माण जैसी गतिविधियाँ आयोजित करना अत्यंत आवश्यक है। इसी से भ्रमण का वास्तविक शैक्षिक मूल्य सुनिश्चित होता है।

118. (C) एक यात्रा कार्यक्रम (Itinerary), स्पष्ट उद्देश्य, सुरक्षा प्रोटोकॉल और सहमति फॉर्म।
क्षेत्र भ्रमण के आयोजन से पूर्व शिक्षक को प्रशासनिक स्वीकृति हेतु एक विस्तृत प्रस्ताव जमा करना होता है। इसमें यात्रा का समय-सारणी कार्यक्रम (Itinerary), स्पष्ट शैक्षणिक उद्देश्य, छात्र सुरक्षा प्रोटोकॉल, आपातकालीन योजनाएं और अभिभावकों का लिखित सहमति पत्र शामिल होना अनिवार्य है।

119. (D) वे शैक्षणिक ध्यान के बिना मनोरंजक सैर-सपाटे में बदल सकते हैं।
यदि क्षेत्र भ्रमण का सटीक शैक्षणिक नियोजन न किया जाए, तो इसकी सबसे बड़ी सीमा यह होती है कि यह बिना किसी ठोस अधिगम परिणाम के केवल एक गैर-गंभीर, मनोरंजक पिकनिक या सैर-सपाटे में बदल जाता है, जिससे समय और संसाधनों की बर्बादी होती है।

120. (A) साहित्य – रासायनिक निर्माण संयंत्र का दौरा
साहित्य के शिक्षण के लिए रासायनिक निर्माण संयंत्र का दौरा एक अनुपयुक्त और असंगत युग्म है। साहित्य के लिए पुस्तकालय, नाटक मंच या साहित्यिक स्थल प्रासंगिक होते हैं। रासायनिक संयंत्र का दौरा रसायन विज्ञान या औद्योगिक प्रौद्योगिकी के लिए उपयुक्त होता है, न कि साहित्य के लिए।

121. (B) एच.ई. आर्मस्ट्रांग (H.E. Armstrong)
शिक्षण की अन्वेषण या ह्यूरिस्टिक विधि (Heuristic Method) का प्रतिपादन प्रोफेसर एच.ई. आर्मस्ट्रांग (H.E. Armstrong) द्वारा किया गया था। इस विधि का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थी को एक निष्क्रिय श्रोता के स्थान पर एक स्वतंत्र अन्वेषक या शोधकर्ता की भूमिका में रखना है।

122. (A) I और II
"ह्यूरिस्टिक" शब्द ग्रीक शब्द 'Heuriskein' से बना है जिसका अर्थ 'खोजना' है। यह छात्र को एक स्वतंत्र अन्वेषक बनाता है। कथन III गलत है, क्योंकि यह विधि रटने या तैयार नोट्स देने का कड़ा विरोध करती है और स्वयं खोज करने पर बल देती है।

123. (A) विज्ञान और गणित
अन्वेषण विधि (Heuristic Method) मुख्य रुप से विज्ञान और गणित विषयों के शिक्षण से गहराई से जुड़ी हुई है। इन विषयों में प्रयोगात्मक चिंतन, समस्या-समाधान, तार्किक विश्लेषण और वैज्ञानिक पद्धतियों की खोज करने का प्रचुर अवसर उपलब्ध होता है।

124. (C) यह बड़ी कक्षाओं और कठोर पाठ्यक्रम के साथ समय लेने वाला और कठिन है।
भारतीय कक्षाओं में अन्वेषण विधि का प्रयोग करने में मुख्य व्यावहारिक बाधा यह है कि यह अत्यंत समय-साध्य (Time-consuming) है। अत्यधिक छात्र संख्या वाली बड़ी कक्षाओं और निर्धारित समय में विशाल पाठ्यक्रम पूरा करने के दबाव के कारण इस विधि का नियमित निष्पादन कठिन होता है।

125. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
अन्वेषण विधि छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और पूछताछ की भावना का विकास करती है। इसका कारण यह है कि इसमें शिक्षक छात्रों को सीधे उत्तर नहीं देता, बल्कि उनके सामने समस्या रखता है और उन्हें स्वयं अवलोकन, प्रयोग और विश्लेषण करके निष्कर्षों तक पहुँचने के लिए प्रेरित करता है।

126. (C) क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning)
अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction) बी.एफ. स्किनर द्वारा प्रतिपादित क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning) के व्यवहारवादी सिद्धांतों पर आधारित है। यह छोटे पदों में सामग्री की प्रस्तुति, सक्रिय अनुक्रिया (Active Responding) और तत्काल सफलता के माध्यम से सुदृढ़ीकरण (Reinforcement) के सिद्धांतों का उपयोग करता है।

127. (B) बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner)
रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन (Linear Programmed Instruction) का विकास प्रसिद्ध अमेरिकी मनोवैज्ञानिक बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner) ने किया था। इसमें सभी शिक्षार्थी एक ही सीधी रेखा वाले अनुक्रम के माध्यम से छोटे-छोटे पदों में स्वयं अध्ययन करते हुए आगे बढ़ते हैं।

NODIA

128. (D) विलंबित प्रतिक्रिया का सिद्धांत (Principle of Delayed Feedback)
अभिक्रमित अनुदेशन के मुख्य सिद्धांतों में लघु पदों का सिद्धांत, सक्रिय अनुक्रिया का सिद्धांत, स्व-गति का सिद्धांत तथा तत्काल परिणाम/प्रतिपुष्टि का सिद्धांत शामिल हैं। 'विलंबित प्रतिक्रिया का सिद्धांत' (Principle of Delayed Feedback) इसका हिस्सा नहीं है, क्योंकि इसमें तत्काल फीडबैक अनिवार्य होता है।

129. (A) छात्र मुख्य पथ पर लौटने से पहले एक उपचारात्मक फ्रेम (Remedial Frame) की ओर जाता है।
नॉर्मन क्राउडर द्वारा विकसित शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन (Branching Programmed Instruction) में, यदि कोई छात्र गलत उत्तर चुनता है, तो उसे उस त्रुटि का कारण समझाने वाले उपचारात्मक फ्रेम (Remedial Frame) पर भेजा जाता है। वहाँ अपनी अवधारणा स्पष्ट करने के बाद ही वह मुख्य पथ पर लौटता है।

130. (C) एक सुगमकर्ता (Facilitator) जो प्रगति की निगरानी करता है और संघर्षरत छात्रों की सहायता करता है।
अभिक्रमित अनुदेशन वाली कक्षा में सामग्री स्व-शिक्षण प्रकार की होती है, इसलिए शिक्षक की प्राथमिक भूमिका एक सुगमकर्ता (Facilitator) की बन जाती है। शिक्षक छात्रों की व्यक्तिगत अधिगम गति की निगरानी करता है और केवल उन्हीं छात्रों को व्यक्तिगत सहायता देता है जो कठिनाई का सामना करते हैं।

131. (A) छात्र के सीखने की गति, शैलियों और तत्परता में अंतर को।
व्यक्तिगत अनुदेशन (Individualized Instruction) का मुख्य उद्देश्य कक्षा के छात्रों की व्यक्तिगत विभिन्नताओं (Individual Differences) को संबोधित करना है। यह प्रत्येक शिक्षार्थी की विशिष्ट अधिगम गति, प्राथमिकताओं, पूर्व ज्ञान और तत्परता स्तर के अनुसार अनुदेशात्मक सामग्री और प्रक्रिया को अनुकूलित करता है।

132. (B) I, II और IV
केलर योजना (PSI), कंप्यूटर-सहायता प्राप्त अनुदेशन (CAI) और विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) सभी व्यक्तिगत अनुदेशन के उदाहरण हैं। हालाँकि, सामूहिक व्याख्यात्मक व्याख्यान (Mass Expository Lectures) एक शिक्षक-केंद्रित एकसमान विधि है जो व्यक्तिगत आवश्यकताओं की अनदेखी करती है।

133. (B) इकाई मूल्यांकन में महारत (80–90%) प्राप्त करना।
फ्रेड केलर द्वारा विकसित 'केलर योजना' (Personalized System of Instruction - PSI) का मूल आधार महारत अधिगम (Mastery Learning) है। इसमें छात्र को अगली इकाई पर जाने की अनुमति तब तक नहीं मिलती जब तक वह वर्तमान इकाई के मूल्यांकन में उच्च स्तर की महारत (प्रायः 80-90%) प्राप्त न कर ले।

134. (C) यह व्यापक शिक्षक समय, सामग्री और जटिल प्रबंधन की मांग करता है।
सार्वजनिक विद्यालयों में व्यक्तिगत अनुदेशन को पूर्ण रूप से लागू करने में सबसे बड़ी व्यावहारिक बाधा यह है कि इसके लिए विशाल मात्रा में विभेदित सामग्रियों का निर्माण, प्रत्येक छात्र के लिए अलग पाठ योजना और समय का अत्यधिक जटिल प्रबंधन करना पड़ता है, जो एक शिक्षक के लिए कठिन होता है।

135. (D) विविध छात्र आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सामग्री, प्रक्रिया और उत्पादों को अनुकूलित करना चाहिए।
विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) का अर्थ यह है कि शिक्षक एक ही कक्षा में मौजूद विविध क्षमताओं, रुचियों और सीखने की शैलियों वाले छात्रों की आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्य-सामग्री (Content), अधिगम प्रक्रिया (Process) तथा अधिगम उत्पाद (Product) को लचीले ढंग से अनुकूलित करता है।

136. (A) विशिष्ट सीखने के उद्देश्य और सामग्री की प्रकृति।
किसी भी पाठ के लिए उपयुक्त शिक्षण विधि का चयन करते समय शिक्षक का प्राथमिक विचार निर्धारित 'सीखने के उद्देश्य' (Learning Objectives) और 'विषय-सामग्री की प्रकृति' होनी चाहिए। उद्देश्य के अनुसार ही यह तय होता है कि व्याख्यान, प्रदर्शन, चर्चा या समस्या-समाधान में से कौन सी विधि प्रभावी होगी।

137. (B) चर्चा (Discussion) या समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning - PBL)
जब शिक्षण का उद्देश्य ब्लूम के वर्गीकरण के अनुसार "मूल्यांकन करना" (Evaluating) जैसा उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक कौशल हो, तो चर्चा विधि या समस्या-आधारित अधिगम सबसे उपयुक्त होते हैं। ये विधियाँ छात्रों को विभिन्न साक्ष्यों की तुलना करने, तर्कों का विश्लेषण करने और विवेकपूर्ण निर्णय लेने के अवसर देती हैं।

138. (B) नियमों और खेल कौशलों के लिए प्रदर्शन (Demonstration) और गतिविधि-आधारित अधिगम की आवश्यकता होती है।
शारीरिक शिक्षा में केवल पाठ्यपुस्तक पढ़ने से गतिज कौशल (Psychomotor Skills) विकसित नहीं हो सकते। बास्केटबॉल जैसे खेल के नियम और कौशल सिखाने के लिए शिक्षक द्वारा प्रत्यक्ष प्रदर्शन (Demonstration) और छात्रों द्वारा मैदान पर गतिविधि-आधारित अभ्यास कराया जाना ही शैक्षणिक रूप से सही दृष्टिकोण है।

139. (A) ड्रिल और अभ्यास (Drill and Practice)
नई विदेशी भाषा की शब्दावली का सटीक उच्चारण और मौखिक प्रवाह सिखाने के लिए 'ड्रिल और अभ्यास' (Drill and Practice) सबसे प्रभावी विधि है। बार-बार सुनने और उच्चारण का अभ्यास करने से सही भाषाई आदतें बनती हैं और वाक्-अंगों का मनोप्रेरणा समन्वय सुदृढ़ होता है।

140. (C) Model Demonstration और Guided Inquiry
मानव हृदय की जटिल त्रिआयामी आंतरिक संरचना को सिखाने के लिए त्रिआयामी मॉडल का प्रदर्शन (Model Demonstration) और साथ में निर्देशित पूछताछ (Guided Inquiry) का संयोजन सबसे प्रभावी है। इससे छात्र संरचना को प्रत्यक्ष देखते हैं और शिक्षक के प्रश्नों के माध्यम से उसके कार्यों को समझते हैं।

141. (D) आनंददायक क्रॉस-सब्जेक्ट अधिगम के लिए शैक्षणिक उपकरणों के रूप में कला रूपों का उपयोग करना।
NEP 2020 द्वारा संस्तुत कला-समेकित शिक्षा (Art-Integrated Learning - AIL) का प्राथमिक उद्देश्य कला के विभिन्न रूपों (दृश्य और प्रदर्शन कला) को विषयों के शिक्षण में एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में एकीकृत करना है। इससे अधिगम प्रक्रिया आनंददायक, बहुविषयक और गहराई से समझ आधारित बनती है।

Click Here to Buy book on Amazon

142. (A) I और II
कला-समेकित शिक्षा में दृश्य (Visual) और प्रदर्शन (Performing) दोनों कलाएं शामिल हैं और यह संज्ञानात्मक, मनोप्रेरणा तथा भावात्मक क्षेत्रों का संतुलित विकास करती है। कथन III गलत है, क्योंकि AIL केवल प्राथमिक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक समान रूप से अनुशंसित है।

143. (B) कला-समेकित शिक्षा (Art-Integrated Learning - AIL)
जब गणित का शिक्षक ज्यामितीय आकृतियों और सममिति (Symmetry) की अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए छात्रों से रंगोली बनाने की गतिविधि करवाता है, तो यह कला-समेकित शिक्षा (AIL) का सही उदाहरण है। इसमें दृश्य कला का उपयोग गणितीय अवधारणाओं की समझ को गहरा करने के लिए किया जाता है।

144. (D) पढ़ने और लिखने से परे अभिव्यक्ति के वैकल्पिक तरीके प्रदान करके।
कला-समेकित शिक्षा (AIL) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) के लिए समावेशी वातावरण निर्मित करती है। यह पारंपरिक लिखित या मौखिक परीक्षाओं से हटकर चित्रकला, संगीत, नाटक और शिल्प के माध्यम से अपनी समझ, भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने के वैकल्पिक साधन प्रदान करती है।

145. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
NEP 2020 सभी स्तरों पर भारतीय कला और संस्कृति के एकीकरण पर बल देती है। स्थानीय कला रूपों का शिक्षण में समावेश करने से शिक्षार्थियों का अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव मजबूत होता है और विषय-वस्तु को अधिक प्रासंगिक, बहुविषयक और समग्र (Holistic) रूप से समझने में मदद मिलती है।

146. (C) व्यावहारिक खेल के माध्यम से संज्ञानात्मक, मोटर और सामाजिक-भावनात्मक विकास का समर्थन करने के लिए।
NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित "खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र" (Toy-Based Pedagogy) का मुख्य उद्देश्य खिलौनों और खेलों को शिक्षण के माध्यम के रूप में उपयोग करना है। यह बच्चों के संज्ञानात्मक, सूक्ष्म-गतिज (Fine Motor) और सामाजिक-भावनात्मक विकास को सहज एवं तनावमुक्त वातावरण में बढ़ावा देता है।

147. (A) स्वदेशी, पर्यावरण के अनुकूल खिलौने (जैसे, चन्नापटना या कोडापल्ली)।
NEP 2020 खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र के तहत विशेष रूप से भारतीय स्वदेशी, स्थानीय और पर्यावरण के अनुकूल खिलौनों (जैसे चन्नापटना, कोडापल्ली या माटी के खिलौने) के उपयोग पर बल देती है। यह कदम बच्चों को भारतीय कला विरासत से जोड़ता है और न्यूनतम लागत में प्रभावी शिक्षण प्रदान करता है।

148. (D) घूर्णन गति, संतुलन और घर्षण की अवधारणाओं का प्रदर्शन करने के लिए।
उच्च प्राथमिक स्तर पर एक भौतिक खिलौने जैसे 'घूर्णन लट्टू' का शैक्षणिक उपयोग विज्ञान के अमूर्त सिद्धांतों—जैसे घूर्णन गति (Rotational Motion), घूर्णन का केंद्र, संतुलन और घर्षण (Friction)—को मूर्त रूप से प्रदर्शित करने और समझाने के लिए एक उत्कृष्ट उपकरण के रूप में किया जा सकता है।

149. (B) बुनियादी/मूलभूत (Foundational) और तैयारी (Preparatory) चरण में
NEP 2020 के 5+3+3+4 ढांचे में, खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र (Toy-Based Pedagogy) पर सबसे अधिक बल मूलभूत (Foundational - आयु 3-8 वर्ष) और तैयारी (Preparatory - आयु 8-11 वर्ष) चरणों में दिया गया है, क्योंकि इस आयु में बच्चे खेल और भौतिक हेरफेर के माध्यम से सबसे अच्छा सीखते हैं।

150. (C) एक खिलौना पुस्तकालय (Toy Library) बनाना जहाँ छात्र अवधारणाओं को सीखने के लिए खिलौने खेलते हैं और खोलते हैं।
विद्यालय में खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय परिसर में एक 'खिलौना पुस्तकालय' (Toy Library) स्थापित करना NEP 2020 के दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाता है। यहाँ छात्र विभिन्न अवधारणाओं को समझने के लिए खिलौनों का अवलोकन, निर्माण और उनके साथ अन्वेषण कर सकते हैं।

151. (D) प्रश्न-उत्तर विधि (Questioning Method)
सुकराती प्रश्नोत्तरी (Socratic Questioning) तकनीक सीधे तौर पर प्रश्न-उत्तर विधि से जुड़ी हुई है। इसमें सुकरात की ऐतिहासिक पद्धति की तरह, शिक्षक व्यवस्थित, विचारोत्तेजक और अनुसंधानात्मक प्रश्न पूछकर छात्रों को अपनी अंतर्निहित सोच का विश्लेषण करने, धारणाओं को परखने और स्वयं निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए प्रेरित करता है।

152. (A) बहस, सहयोगात्मक समस्या-समाधान और प्रयोगशाला कार्य में संलग्न होना।
फ़्लिप्ड क्लासरुम (Flipped Classroom) में मूलभूत व्याख्यानात्मक जानकारी छात्र घर पर वीडियो द्वारा प्राप्त कर लेते हैं। इसलिए प्रत्यक्ष कक्षा समय का उपयोग उच्च-स्तरीय अधिगम गतिविधियों—जैसे सहयोगात्मक समस्या-समाधान, केस अध्ययन, वाद-विवाद, परियोजना कार्य और प्रयोगात्मक प्रयोगशाला कार्यों के लिए किया जाता है।

153. (A) II, IV, III, I
शिक्षक-केंद्रित से शिक्षार्थी-केंद्रित का सही क्रम है: व्याख्यात्मक व्याख्यान (II - पूर्णतः शिक्षक-केंद्रित), प्रदर्शन (IV - शिक्षक-निर्देशित किंतु दृश्य), निर्देशित खोज (III - शिक्षक का मार्गदर्शन किंतु छात्र अन्वेषण), और स्वतंत्र परियोजना (I - पूर्णतः शिक्षार्थी-केंद्रित एवं स्वायत्त)।

NODIA

154. (B) परियोजना विधि एक क्लासिक दर्शन है, जबकि PBL एक संरचित आधुनिक ढांचा है।
किलपैट्रिक द्वारा प्रतिपादित 'परियोजना विधि' (Project Method) प्रयोजनवादी दर्शन पर आधारित एक शास्त्रीय अवधारणा है। इसके विपरीत, 'परियोजना-आधारित अधिगम' (PBL) एक आधुनिक, अनुसंधान-आधारित और संरचित शैक्षणिक ढांचा है जिसमें निरंतर पूछताछ, प्रामाणिक मूल्यांकन और आधुनिक कौशलों के विकास को शामिल किया गया है।

155. (A) समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए समूह के सदस्य क्रमिक रूप से एक-एक विचार साझा करते हैं।
"राउंड रॉबिन" (Round Robin) विचार-मंथन की एक विशिष्ट तकनीक है जहाँ समूह का प्रत्येक सदस्य एक वृत्ताकार क्रम में एक-एक करके अपना एक विचार प्रस्तुत करता है। यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि सभी छात्रों को समान भागीदारी का अवसर मिले और केवल वोकल छात्र ही चर्चा पर हावी न हों।

156. (C) अवधारणाओं के बीच संरचनात्मक संबंधों को दृश्य रूप से प्रस्तुत करना और व्यवस्थित करना।
ग्राफिक आयोजकों (जैसे अवधारणा मानचित्र, वेन आरेख, फ्लोचार्ट) का प्राथमिक अनुदेशात्मक उद्देश्य जटिल जानकारी, विचारों और अवधारणाओं के बीच के संरचनात्मक तार्किक संबंधों को दृश्य रूप से व्यवस्थित करना और निरूपित करना है। इससे छात्रों का सूचना प्रसंस्करण और दीर्घकालिक स्मरण क्षमता में सुधार होता है।

157. (D) प्रत्यक्ष अनुदेशन (Direct Instruction)
प्रत्यक्ष अनुदेशन (Direct Instruction) एक अत्यधिक संरचित और शिक्षक-निर्देशित रणनीति है। यह जटिल शैक्षणिक कार्यों को छोटे, क्रमिक उप-कौशलों में तोड़ने, शिक्षक द्वारा स्पष्ट प्रदर्शन करने, फिर निर्देशित अभ्यास (Guided Practice) प्रदान करने और अंत में स्वतंत्र अभ्यास कराने की प्रक्रिया पर बल देती है।

158. (C) पारस्परिक सहकर्मी शिक्षण (Reciprocal Peer Tutoring)
जब छात्र जोड़ों में बैठकर एक-दूसरे को पाठ पढ़ते हैं, प्रश्न पूछते हैं और एक-दूसरे के विचारों का सारांश प्रस्तुत करते हैं, तो यह पारस्परिक सहकर्मी शिक्षण (Reciprocal Peer Tutoring) को दर्शाता है। इसमें दोनों छात्र बारी-बारी से शिक्षक और शिक्षार्थी की भूमिका निभाते हैं, जिससे समझ गहरी होती है।

159. (B) ICT शिक्षाशास्त्र की परवाह किए बिना उच्च छात्र परीक्षा अंकों की गारंटी देता है।
ICT का एकीकरण केवल एक साधन है, कोई स्वचालित समाधान नहीं। यह प्रभावी शिक्षाशास्त्र के बिना स्वचालित रूप से उच्च परीक्षा अंकों की गारंटी नहीं दे सकता। ICT की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि इसका उपयोग किस प्रकार के शैक्षणिक दृष्टिकोण और शिक्षण रणनीतियों के साथ किया जा रहा है।

160. (D) किसी कार्य के लिए अस्थायी सहायता प्रदान करना और स्वतंत्रता बढ़ने पर इसे हटाना।
अनुदेशात्मक वितरण में "स्कैफोल्डिंग" (Scaffolding) का अर्थ शिक्षार्थी को एक नया कठिन कार्य सीखने के दौरान शिक्षक या अधिक योग्य साथी द्वारा प्रदान की जाने वाली अस्थायी सहायता (Temporary Support) है। जैसे-जैसे छात्र की दक्षता और स्वायत्तता बढ़ती जाती है, इस सहायता को धीरे-धीरे हटा लिया जाता है।

161. (A) तथ्यों को रटकर याद करना (Rote Memorization)
अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) प्रत्यक्ष अनुभव, सक्रिय सहभागिता, समस्या-समाधान और आत्म-चिंतन पर आधारित है। इसलिए यह मौलिक रूप से निष्क्रिय रूप से तथ्यों को रटकर याद करने (Rote Memorization) की पारंपरिक प्रणाली का पूर्ण विरोध करता है, जहाँ बिना अर्थ समझे केवल जानकारी याद की जाती है।

162. (D) I, II और III
रिचर्ड सचमैन द्वारा विकसित पूछताछ प्रशिक्षण मॉडल में शिक्षक एक विसंगत घटना प्रस्तुत करता है। छात्र वैज्ञानिक पूछताछ के लिए प्रश्न पूछते हैं, जिनका उत्तर शिक्षक केवल "हाँ" या "नहीं" में दे सकता है। यह मॉडल छात्रों को स्वतंत्र रूप से परिकल्पनाओं के परीक्षण और वैज्ञानिक तर्क के लिए प्रशिक्षित करता है।

163. (A) सीखने के उद्देश्य को घटक कौशलों और पूर्वापेक्षाओं में तोड़ना।
अनुदेशात्मक डिजाइन में "कार्य विश्लेषण" (Task Analysis) वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत किसी जटिल अंतिम सीखने के उद्देश्य या कौशल को उसके छोटे-छोटे घटकों, क्रमिक उप-कौशलों और आवश्यक पूर्वापेक्षाओं (Prerequisites) में विभाजित किया जाता है, ताकि अनुदेशन का सही क्रम निर्धारित किया जा सके।

164. (D) परियोजना विधि (Project Method)
परियोजना विधि (Project Method) जॉन डीवी और विलियम किलपैट्रिक के प्रयोजनवाद (Pragmatism) के दर्शन से सबसे दृढ़ता से जुड़ी है। प्रयोजनवाद का मुख्य सिद्धांत "करके सीखना" (Learning by Doing) और व्यावहारिक अनुभव है, जो परियोजना कार्य की मूल आत्मा का निर्माण करता है।

165. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
रचनावादी शिक्षण विधियाँ मानती हैं कि शिक्षार्थी अपने पूर्व अनुभवों पर विचार करके ज्ञान का निर्माण स्वयं करते हैं। हालाँकि, कारण (R) असत्य है क्योंकि रचनावाद शिक्षार्थी को एक खाली बर्तन (Tabula Rasa) नहीं मानता, बल्कि उन्हें पूर्व ज्ञान से युक्त सक्रिय एजेंट मानता है।

Downloaded from www.pdf.tube

166. (C) शिक्षार्थी की जानकारी मुख्य रूप से वेब संसाधनों से एकत्र की जाती है।
"वेबक्वेस्ट" (WebQuest) बर्नी डॉज द्वारा विकसित एक जांच-उन्मुख अनुदेशात्मक पाठ प्रारूप है जिसमें शिक्षार्थियों द्वारा उपयोग की जाने वाली अधिकांश या सभी जानकारी वर्ल्ड वाइड वेब (Web Resources) से एकत्र की जाती है। यह इंटरनेट संसाधनों के माध्यम से विश्लेषणात्मक शिक्षण को बढ़ावा देता है।

167. (D) इसमें व्यक्तिगत जुड़ाव, स्व-पहल और स्व-मूल्यांकन शामिल है।
अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) की मुख्य विशेषता यह है कि यह केवल सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। इसमें शिक्षार्थी का व्यक्तिगत जुड़ाव (Personal Involvement), स्व-पहल (Self-initiative) तथा अपनी अधिगम प्रक्रिया का स्वयं मूल्यांकन और विचारशील विश्लेषण (Self-evaluation) अनिवार्य रूप से शामिल होता है।

168. (A) छात्र-शिक्षकों और सेवाकालीन शिक्षकों के लिए कौशल अधिग्रहण और विकास।
"सूक्ष्म-शिक्षण" (Micro-teaching) ड्वाइट एलन द्वारा विकसित एक शिक्षक प्रशिक्षण तकनीक है। इसका उपयोग छात्र-शिक्षकों (Student-Teachers) और सेवाकालीन शिक्षकों में विशिष्ट शिक्षण कौशलों (जैसे प्रश्न पूछना, सुदृढ़ीकरण, व्याख्या देना) के अधिग्रहण, अभ्यास और महारत हेतु नियंत्रित वातावरण में किया जाता है।

169. (B) सेमिनार में छात्र शोधपत्र चर्चाएं शामिल होती हैं; संगोष्ठी में एक विषय पर विशेषज्ञ भाषण शामिल होते हैं।
सेमिनार (Seminar) में छात्र या प्रतिभागी किसी विषय पर अपना शोधपत्र तैयार करके लाते हैं और उस पर गहन समूह परिचर्चा होती है। इसके विपरीत, संगोष्ठी (Symposium) में किसी एक विषय के विभिन्न पहलुओं पर आमंत्रित विशेषज्ञों द्वारा क्रमिक रूप से संक्षिप्त भाषण प्रस्तुत किए जाते हैं।

170. (B) कंप्यूटर-सहायता प्राप्त अनुदेशन (Computer-Assisted Instruction - CAI)
कंप्यूटर-सहायता प्राप्त अनुदेशन (CAI) व्यक्तिगत शिक्षण पथ निर्मित करने के लिए विशेष एल्गोरिदम और शाखीय तर्क (Branching Logic) का प्रयोग करता है। यह छात्र की प्रतिक्रियाओं के आधार पर कठिनाई स्तर को स्वचालित रूप से समायोजित करता है और प्रत्येक शिक्षार्थी को उसकी गति से सीखने की सुविधा देता है।

171. (A) शरणार्थी अनुभवों का रोल-प्ले सिमुलेशन और उसके बाद डीब्रीफिंग सत्र।
भावनात्मक और भावात्मक क्षेत्र (Affective Domain) से जुड़े उद्देश्यों जैसे "सहानुभूति और अंतर-सांस्कृतिक समझ" को विकसित करने के लिए रोल-प्ले सिमुलेशन सबसे शक्तिशाली साधन है। इसके बाद एक गहन डीब्रीफिंग सत्र छात्रों को दूसरों के दृष्टिकोण और मानवीय पीड़ा का भावात्मक अनुभव कराता है।

NODIA

172. (B) I, II, III, IV
समस्या-समाधान विधि का सही वैज्ञानिक क्रम है: सबसे पहले समस्या की पहचान और परिभाषा (I), फिर संभावित समाधान हेतु परिकल्पनाओं का निर्माण (II), तत्पश्चात डेटा और साक्ष्य एकत्र करना (III), और अंत में परिकल्पनाओं का परीक्षण करके तार्किक निष्कर्ष निकालना (IV)।

173. (D) स्व-गति वाले शैक्षणिक अनुबंधों के माध्यम से व्यक्तिगत शिक्षण।
हेलन पार्कहर्स्ट द्वारा विकसित "डॉल्टन योजना" (Dalton Plan) व्यक्तिगत अनुदेशन का एक ऐतिहासिक मॉडल है। इसमें पारंपरिक समय-सारणी और व्याख्यानों को समाप्त कर दिया गया था और छात्रों को 'असाइनमेंट' या स्व-गति वाले अनुबंधों के माध्यम से अपनी गति से कार्य पूरा करने की स्वतंत्रता दी गई थी।

174. (C) विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) और लचीला समूहन
भिन्न-भिन्न क्षमता स्तरों वाले शिक्षार्थियों (Heterogeneous Class) का प्रभावी प्रबंधन करने के लिए विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) और लचीला समूहन (Flexible Grouping) सबसे उपयुक्त रणनीति है। यह प्रत्येक छात्र की तत्परता और आवश्यकता के अनुसार अनुदेशन का स्तर और सीखने की गतिविधियाँ निर्धारित करता है।

175. (B) शैक्षणिक अवधारणाओं का पता लगाने के लिए एक शैक्षणिक उपकरण।
कला-समेकित शिक्षा (AIL) में, "कला" स्वयं अंत या केवल एक अलग विषय नहीं है, बल्कि यह अन्य शैक्षणिक विषयों (जैसे गणित, विज्ञान, भाषा) की अवधारणाओं को समझने, अन्वेषण करने और व्यक्त करने का एक शक्तिशाली शैक्षणिक माध्यम और उपकरण (Pedagogical Tool) होती है।

176. (D) क्रिया के माध्यम से अवधारणाओं को प्रदर्शित करने के लिए भौतिक ब्लॉकों का उपयोग करना।
जेरोम ब्रूनर के अनुसार, "सक्रिय" (Enactive) प्रतिनिधित्व का अर्थ क्रियाओं और भौतिक हेरफेर (Hands-on Action) के माध्यम से ज्ञान को समझना है। गणितीय अवधारणाओं को सिखाने के लिए भौतिक ब्लॉकों या वस्तुओं को छूकर और चलाकर सीखना सक्रिय प्रतिनिधित्व का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

177. (A) आंतरिक चक्र के छात्र एक विषय पर चर्चा करते हैं जबकि बाहरी चक्र के साथी अवलोकन करते हैं, फिर अदला-बदली करते हैं।
"फिशबोउल" (Fishbowl) चर्चा तकनीक में छात्रों का एक छोटा आंतरिक समूह (Inner Circle) दिए गए विषय पर गहन परिचर्चा करता है, जबकि बाहरी समूह (Outer Circle) के छात्र चुपचाप अवलोकन करते हैं, सुनते हैं और नोट्स लेते हैं।

बाद में दोनों समूहों की भूमिकाओं की अदला-बदली की जाती है।

178. (C) व्याख्यान को एक मॉक चुनाव से बदलें जहाँ छात्र दल बनाते हैं और वोट देते हैं।
अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) को बढ़ावा देने के लिए सैद्धांतिक व्याख्यान के स्थान पर प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया जाना चाहिए। "लोकतंत्र" को केवल भाषण द्वारा पढ़ाने के बजाय कक्षा में 'मॉक चुनाव' (Mock Election) आयोजित करना छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का वास्तविक और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है।

179. (A) अनुभवात्मक, एकीकृत, पूछताछ-संचालित और आनंददायक।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुसार, कक्षा शिक्षाशास्त्र का विकास इस प्रकार होना चाहिए कि शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया अधिक अनुभवात्मक (Experiential), कला व खेल-समेकित (Integrated), पूछताछ-संचालित (Inquiry-driven), शिक्षार्थी-केंद्रित और पूरी तरह से आनंददायक (Enjoyable) बने।

180. (D) डेविड आसुबेल (David Ausubel)
"अवधारणा मानचित्रण" (Concept Mapping) की तकनीक डेविड आसुबेल (David Ausubel) के 'सार्थक अधिगम सिद्धांत' (Meaningful Learning Theory) पर आधारित है, जिसे बाद में जोसेफ नोवाक ने विकसित किया। यह नए ज्ञान को शिक्षार्थी की मौजूदा संज्ञानात्मक संरचना (Cognitive Structure) से जोड़ने का कार्य करती है।

181. (B) छात्रों को लगता है कि उनकी सफलता समूह के साथियों की सफलता पर निर्भर करती है।
सहकारी अधिगम में "सकारात्मक परस्पर निर्भरता" (Positive Interdependence) की भावना का अर्थ यह है कि समूह का प्रत्येक सदस्य यह समझता है कि "हम एक साथ तैरते हैं या डूबते हैं"। इसमें व्यक्तिगत सफलता तब तक संभव नहीं है जब तक पूरा समूह अपने साझा लक्ष्य को प्राप्त न कर ले।

182. (C) भूमिका निभाना (Role-playing) और मूल्य चर्चाएँ
ब्लूम के वर्गीकरण के भावात्मक क्षेत्र (Affective Domain)—जिसमें मूल्य, दृष्टिकोण, भावनाएँ और विश्वास शामिल हैं—को संबोधित करने के लिए भूमिका निभाना (Role-playing), नैतिक दुविधाओं पर चर्चाएँ और मूल्य-आधारित परिचर्चाएँ सबसे उपयुक्त विधियाँ हैं, क्योंकि ये संवेगीकरण और संवेगात्मक विकास को सुगम बनाती हैं।

183. (D) इष्टतम समय, ऊर्जा और संसाधन उपयोग के साथ सीखने के परिणामों को अधिकतम करना।
शिक्षण विधि चयन में "मितव्ययिता का सिद्धांत" (Principle of Economy) यह निर्देश देता है कि ऐसी विधि का चयन किया जाना चाहिए जो न्यूनतम समय, ऊर्जा और भौतिक संसाधनों के उपयोग से अधिकतम, गुणवत्तापूर्ण और स्थायी अधिगम परिणाम (Learning Outcomes) प्राप्त करने में सक्षम हो।

184. (A) विशिष्ट अवलोकनों से एक सामान्य नियम की ओर।
शिक्षण की "आगमन विधि" (Inductive Method) हमेशा विशिष्ट उदाहरणों, प्रत्यक्ष अवलोकनों और मूर्त तथ्यों से शुरु होकर सामान्य नियमों, सिद्धांतों और अमूर्त अवधारणाओं (Specific to General) की ओर आगे बढ़ती है। यह शिक्षार्थियों को नियमों की खोज स्वयं करने के लिए प्रेरित करती है।

185. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
निगमन विधि (Deductive Method) स्थापित नियमों को सीधे प्रस्तुत करने के कारण आगमन विधि से तेज़ होती है। हालाँकि, कारण (R) असत्य है क्योंकि व्यापक प्रयास और त्रुटि द्वारा नियमों की खोज आगमन विधि में होती है, निगमन विधि में नहीं; निगमन में नियम सीधे बता दिए जाते हैं।

186. (B) शुरु करने से पहले साझा किए गए मूल्यांकन मानदंडों का विवरण देने वाली एक स्कोरिंग गाइड।
परियोजना-आधारित अधिगम में "रुब्रिक" (Rubric) एक सुसंरचित स्कोरिंग गाइड है जो परियोजना शुरु होने से पहले ही छात्रों के साथ साझा की जाती है। यह प्रदर्शन के स्पष्ट मानदंडों, अपेक्षाओं और विभिन्न ग्रेडिंग स्तरों का विवरण देती है, जिससे स्व-मूल्यांकन और निष्पक्ष मूल्यांकन संभव होता है।

187. (A) दृश्य रुप से देखी जाने वाली कलाएं, जैसे चित्रकला और मूर्तिकला।
कला-समेकित शिक्षा (AIL) में "दृश्य कला" (Visual Art) से तात्पर्य उन कला रुपों से है जिन्हें प्राथमिक रुप से देखकर अनुभव किया जाता है। इसके अंतर्गत चित्रकला (Painting), स्केचिंग, मूर्तिकला (Sculpture), फोटोग्राफी, मिट्टी के काम और शिल्प कला जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं।

188. (C) चरित्र संवादों को जीवंत बनाने के लिए भूमिका निभाने (Role-play) और पाठकों के रंगमंच (Readers' Theatre) का उपयोग करें।
अंग्रेजी साहित्य में किसी नाटक को रुचिपूर्ण और जीवंत बनाने के लिए नीरस पठन के स्थान पर 'भूमिका निभाने' (Role-play) और 'पाठकों के रंगमंच' (Readers' Theatre) जैसी अंतःक्रियात्मक विधियों का उपयोग करना चाहिए। इससे छात्र पात्रों के भावों, भाषा और कथानक से सीधे जुड़ जाते हैं।

189. (D) शिक्षार्थी आवश्यकताओं का निदान करने, लक्ष्य निर्धारित करने और परिणामों का मूल्यांकन करने में पहल करते हैं।
"स्व-निर्देशित अधिगम" (Self-Directed Learning) की परिभाषित विशेषता यह है कि इसमें शिक्षार्थी दूसरों की सहायता से या उसके बिना, अपनी सीखने की आवश्यकताओं का निदान करने, लक्ष्यों को निर्धारित करने, संसाधनों को खोजने तथा अपने शिक्षण परिणामों का स्वयं मूल्यांकन करने में स्वयं पहल और उत्तरदायित्व लेते हैं।

Click Here to Buy book on Flipkart

190. (C) एक आगमन रणनीति (Inductive Strategy) जो सकारात्मक और नकारात्मक उदाहरणों की तुलना करके छात्रों को अवधारणाओं को सीखने में मदद करती है।
जेरोम ब्रूनर द्वारा विकसित "संप्रत्यय प्राप्ति मॉडल" (Concept Attainment Model) एक आगमन अनुदेशात्मक रणनीति है। इसमें शिक्षक सकारात्मक (Yes) और नकारात्मक (No) उदाहरणों के सेट प्रस्तुत करता है, और छात्र उनके विशिष्ट गुणों की तुलना करके अंतर्निहित अवधारणा के आवश्यक लक्षणों की पहचान स्वयं करते हैं।

191. (B) परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning) और टिंकरिंग (Tinkering)
आधुनिक विद्यालयों में "मेकरस्पेस" (Makerspaces) विशेष रूप से परियोजना-आधारित अधिगम, व्यावहारिक निर्माण, टिंकरिंग (Tinkering), और रचनात्मक समस्या-समाधान का समर्थन करने के लिए बनाए जाते हैं। ये स्थान छात्रों को औजारों, सामग्रियों और प्रौद्योगिकी के साथ वास्तविक मॉडल बनाने का अवसर देते हैं।

192. (A) I और II
NEP 2020 योगात्मक मूल्यांकन से नियमित रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) की ओर बदलाव और गहरी सोच हेतु पाठ्यक्रम की सामग्री को कम करने का समर्थन करती है। कथन III गलत है, क्योंकि नीति प्रारंभिक वर्षों से ही आयु-उपयुक्त तकनीक और प्रौद्योगिकी के सार्थक उपयोग का समर्थन करती है।

193. (A) टीम वर्क, आत्म-अनुशासन, जिम्मेदारी और शारीरिक फिटनेस।
शिक्षाशास्त्र में खेलों का एकीकरण (Sports-Integrated Learning) केवल खेल योग्यता बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि छात्रों में टीम वर्क, सहयोग, आत्म-अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी, भावनात्मक संतुलन तथा शारीरिक फिटनेस जैसे जीवन कौशलों का समग्र विकास करने के लिए किया जाता है।

194. (C) इसमें मोटे तौर पर पारंपरिक खिलौने, पहेलियां, कठपुतलियां और बच्चों द्वारा बनाई गई सामग्री शामिल है।
खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र में "खिलौने" की अवधारणा अत्यंत व्यापक है। इसमें केवल बाज़ार के व्यावसायिक खिलौने ही नहीं, बल्कि स्वदेशी पारंपरिक खिलौने, बोर्ड गेम, पहेलियां, कठपुतलियां, ओरिगामी और बच्चों द्वारा स्थानीय या रीसाइकिल्ड सामग्रियों से बनाए गए मॉडल भी शामिल होते हैं।

195. (A) गिनती, पैटर्न और स्थानिक कौशलों को मूर्त रूप से सिखाने के लिए ब्लॉकों और पहेलियों का उपयोग करके।
मूलभूत चरण में खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र गणितीय अवधारणाओं—जैसे गिनती, वर्गीकरण, आकृतियों की पहचान, पैटर्न और स्थानिक संबंधों—को मूर्त रूप से समझाने के लिए ब्लॉकों, मोतियों, पहेलियों और खिलौनों के भौतिक हेरफेर द्वारा गणित को सुलभ और तनावमुक्त बनाता है।

196. (D) तैयार वातावरण में व्यावहारिक अधिगम और स्व-निर्देशित गतिविधि।
"मोंटेसरी विधि" (Montessori Method) मारिया मोंटेसरी द्वारा विकसित की गई थी, जो विशेष रूप से तैयार वातावरण (Prepared Environment), स्व-निर्देशित गतिविधियों, व्यावहारिक अधिगम (Hands-on Learning) और बच्चों द्वारा अपनी रुचि व गति के अनुसार अधिगम सामग्री चुनने की स्वतंत्रता पर आधारित है।

197. (B) एक रुब्रिक के साथ वास्तविक दुनिया के मानकों के खिलाफ छात्र प्रस्तुतियों या पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करना।
प्रामाणिक मूल्यांकन (Authentic Assessment) छात्रों के व्यावहारिक कौशल और ज्ञान के प्रयोग को वास्तविक दुनिया के संदर्भों में मापता है। परियोजना-आधारित अधिगम में रुब्रिक के माध्यम से छात्र की प्रस्तुतियों, प्रदर्शनों या पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करना प्रामाणिक मूल्यांकन का सटीक उदाहरण है।

198. (C) समझाएं कि मूलभूत अधिगम खेल और वस्तुओं के भौतिक हेरफेर के माध्यम से सर्वोत्तम रूप से होता है।
अभिभावकों को खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र का औचित्य देने के लिए प्राचार्य को बाल विकास सिद्धांतों का संदर्भ देना चाहिए। उन्हें समझाना चाहिए कि शुरुआती वर्षों में मूर्त वस्तुओं के साथ खेल और हेरफेर (Physical Manipulation) ही अमूर्त अवधारणाओं को समझने और संज्ञानात्मक विकास का सबसे वैज्ञानिक माध्यम है।

199. (D) ज्ञान दुनिया के अनुभवों के माध्यम से शिक्षार्थियों द्वारा सक्रिय रूप से निर्मित किया जाता है।
"रचनावाद" (Constructivism) का प्राथमिक सिद्धांत यह है कि ज्ञान एक ऐसी इकाई नहीं है जिसे शिक्षक द्वारा निष्क्रिय शिक्षार्थी में स्थानांतरित किया जाए। इसके विपरीत, शिक्षार्थी अपने पूर्व ज्ञान, भौतिक और सामाजिक दुनिया के साथ अंतःक्रिया तथा अनुभवों पर चिंतन करके ज्ञान का निर्माण स्वयं करते हैं।

200. (A) विधि को छात्र की जरूरतों, तत्परता और सीखने के माहौल के अनुकूल बनाना।
किसी भी शिक्षण विधि की अंतिम प्रभावशीलता शिक्षक की इस क्षमता पर निर्भर करती है कि वह कक्षा की गतिशीलता, छात्रों की विविध अधिगम आवश्यकताओं, उनके तत्परता स्तर तथा उपलब्ध संसाधनों के अनुसार चुनी गई विधि को कितना लचीला और अनुकूलित (Adaptive) बना सकता है।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 03

अधिगम के सिद्धांत

1. निम्नलिखित में से कौन सा अधिगम सिद्धांत (Learning Theory) के व्यवहारवादी संप्रदाय (Behaviorist School) के प्राथमिक फोकस को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) अधिगम (Learning) को अनुभव के परिणामस्वरूप अवलोकन योग्य व्यवहार में एक अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन के रूप में परिभाषित किया गया है।
(B) अधिगम पूर्व अनुभवों और सामाजिक अंतःक्रियाओं के आधार पर ज्ञान का सक्रिय निर्माण (Active Construction) है।
(C) अधिगम एक आंतरिक मानसिक प्रक्रिया है जिसमें संज्ञानात्मक संरचनाओं (Cognitive Structures) का पुनर्गठन शामिल है।
(D) अधिगम आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation) के माध्यम से आत्म-सिद्धि (Self-Actualization) प्राप्त करने की प्रक्रिया है।

2. 20वीं शताब्दी के दौरान शैक्षिक मनोविज्ञान (Educational Psychology) में निम्नलिखित प्रमुख अधिगम प्रतिमानों (Learning Paradigms) पर विचार कीजिए:
I. रचनावाद (Constructivism)
II. व्यवहारवाद (Behaviorism)
III. संज्ञानवाद (Cognitivism)
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प उनके उद्भव और प्रभुत्व के सही कालानुक्रमिक क्रम (Chronological Order) को दर्शाता है?
(A) I, II, III
(B) II, III, I
(C) III, II, I
(D) II, I, III

3. अधिगम सिद्धांतों (Learning Theories) के संदर्भ में, कौन सा दृष्टिकोण शिक्षार्थी को वातावरणीय उद्दीपकों के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता के बजाय मुख्य रूप से सूचना के एक सक्रिय प्रसंस्करक (Active Processor of Information) के रूप में देखता है?
(A) संज्ञानवाद (Cognitivism)
(B) सख्त व्यवहारवाद (Strict Behaviorism)
(C) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)
(D) संयोजनवाद (Connectionism)

4. अधिगम सिद्धांतकार (Learning Theorist) और उनकी मूलभूत अवधारणा की गलत जोड़ी की पहचान कीजिए।
(A) जॉन बी. वाटसन – व्यवहारवाद (Behaviorism)
(B) अल्बर्ट बांडुरा – सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत (Social Cognitive Theory)
(C) जीन पियाजे – जेनेटिक एपिस्टेमोलॉजी (Genetic Epistemology)
(D) बी.एफ. स्किनर – शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)

5. एक प्राचार्य एक ऐसी कक्षा का अवलोकन करते हैं जहाँ शिक्षक यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से रटकर याद करने (Rote Memorization), अभ्यास (Drills) और तत्काल टोकन पुरस्कारों पर निर्भर रहता है कि छात्र पहाड़े याद कर लें। शिक्षक अंतर्निहित गणितीय अवधारणाओं को नहीं समझाता है। यह शिक्षण रणनीति (Instructional Strategy) मुख्य रूप से किस सैद्धांतिक ढांचे पर आधारित है?
(A) रचनावाद (Constructivism)
(B) व्यवहारवाद (Behaviorism)
(C) संज्ञानवाद (Cognitivism)
(D) मानवतावाद (Humanism)

6. निम्नलिखित में से कौन सी धारणा कट्टर व्यवहारवाद (Radical Behaviorism) का एक मूल सिद्धांत है?
(A) आंतरिक मानसिक स्थितियाँ जैसे आत्मपरक चिंतन, भावनाएँ और सचेत अनुभव बिल्कुल भी मौजूद नहीं होते हैं।
(B) मानव व्यवहार मुख्य रूप से अचेतन मनोवैज्ञानिक संघर्षों और प्रारंभिक विकासात्मक आघातों से संचालित होता है।
(C) आंतरिक मानसिक स्थितियाँ मौजूद हैं लेकिन वैज्ञानिक विश्लेषण में व्यवहार की व्याख्या करने के लिए उनका उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।
(D) अधिगम केवल तभी होता है जब मस्तिष्क सिनैप्स में संरचनात्मक परिवर्तनों को शिक्षार्थी द्वारा सचेत रूप से महसूस किया जाता है।

NODIA

7. "तबुला रासा" (Tabula Rasa) की अवधारणा किस अधिगम सिद्धांत (Learning Theory) की ज्ञानमीमांसीय नींव (Epistemological Foundations) से सबसे निकटता से जुड़ी हुई है?
(A) रचनावाद (Constructivism)
(B) गेस्टाल्ट मनोविज्ञान (Gestalt Psychology)
(C) सहजतावाद (Nativism)
(D) व्यवहारवाद (Behaviorism)

8. व्यवहारवाद (Behaviorism) में, अधिगम (Learning) का प्राथमिक निर्धारक क्या है?
(A) वातावरणीय अंतःक्रियाएं और बाह्य अनुबंधन कारक (Environmental Interactions and External Conditioning Factors)
(B) शिक्षार्थी का आनुवंशिक और जैविक पूर्वरुझान (Genetic and Biological Predispositions)
(C) संज्ञानात्मक संरचनाओं का विकासात्मक चरण और परिपक्वता (Developmental Stage and Maturity of Cognitive Structures)
(D) आंतरिक अभिप्रेरणा, आत्म-सिद्धि और आत्म-प्रभावकारिता (Intrinsic Motivation, Self-Actualization, and Self-Efficacy)

9. निम्नलिखित में से किसे अधिगम के सख्त व्यवहारवादी दृष्टिकोण का एक अपवाद माना जाता है?
(A) अप्रबलित अनुक्रिया का विलोप (Extinction of an Unreinforced Response)
(B) समस्या-समाधान में सूझ / अंतर्दृष्टि की भूमिका (The Role of Insight in Problem-Solving)
(C) उत्तरोत्तर सन्निकटन के माध्यम से रूपण (Shaping Through Successive Approximations)
(D) उद्दीपक सामान्यीकरण (Stimulus Generalization)

10. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): व्यवहारवादी अधिगम सिद्धांत (Behaviorist Learning Theories) पाठ योजना में मापन योग्य व्यवहारिक उद्देश्यों (Measurable Behavioral Objectives) के उपयोग पर व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित करते हैं।
कारण (R): व्यवहारवाद (Behaviorism) का मानना है कि अधिगम को केवल शिक्षार्थी के प्रत्यक्ष व्यवहार (Overt Behavior) में मापन योग्य परिवर्तन देखकर ही सत्यापित किया जा सकता है।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

11. इवान पावलोव के शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning) के प्रयोगों में, माँस का पाउडर जो स्वाभाविक और स्वचालित रूप से कुत्ते में लार बहने को प्रेरित करता था, उसे क्या कहा जाता है?
(A) अनावबंधित उद्दीपक (Unconditioned Stimulus - UCS)
(B) अनुबंधित उद्दीपक (Conditioned Stimulus - CS)
(C) अनुबंधित अनुक्रिया (Conditioned Response - CR)
(D) अनावबंधित अनुक्रिया (Unconditioned Response - UCR)

12. एक छात्र में परीक्षा की चिंता (Test Anxiety) विकसित हो जाती है क्योंकि अत्यधिक तनावपूर्ण परीक्षा (UCS) डर (UCR) पैदा करती है। अंततः, केवल परीक्षा हॉल में प्रवेश करने से ही डर पैदा होने लगता है। इस परिदृश्य में, परीक्षा हॉल किस रूप में कार्य करता है?
(A) अनावबंधित उद्दीपक (Unconditioned Stimulus)
(B) अनावबंधित अनुक्रिया (Unconditioned Response)
(C) अनुबंधित उद्दीपक (Conditioned Stimulus)
(D) अनुबंधित अनुक्रिया (Conditioned Response)

13. शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning) में कौन सी अवधारणा यह बताती है कि एक छात्र, जो गणित के शिक्षक द्वारा शर्मिंदा हुआ था, अपने भौतिकी के शिक्षक से भी क्यों डरने लगता है जिनकी शिक्षण शैली समान है?
(A) उद्दीपक विभेदन (Stimulus Discrimination)
(B) उच्च-स्तरीय अनुबंधन (Higher-Order Conditioning)
(C) स्वतः पुनःप्राप्ति (Spontaneous Recovery)
(D) उद्दीपक सामान्यीकरण (Stimulus Generalization)

14. यदि एक अनुबंधित उद्दीपक (Conditioned Stimulus) को बिना अनावबंधित उद्दीपक के बार-बार प्रस्तुत किया जाता है, तो अनुबंधित अनुक्रिया (Conditioned Response) धीरे-धीरे कमजोर होकर समाप्त हो जाएगी। इस प्रक्रिया को किस रूप में जाना जाता है?
(A) अभ्यस्तता (Habituation)
(B) विस्मरण (Forgetting)
(C) विलोप (Extinction)
(D) दमन (Suppression)

15. पावलोवियन अनुबंधन (Pavlovian Conditioning) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning) में एक अनैच्छिक अनुक्रिया और एक उद्दीपक को जोड़ना सीखना शामिल है।
II. शिक्षार्थी सक्रिय होता है और पुरस्कार प्राप्त करने के लिए पर्यावरण पर जानबूझकर कार्य करता है।
III. विलोप (Extinction) के बाद यदि विश्राम की अवधि प्रदान की जाए तो स्वतः पुनःप्राप्ति (Spontaneous Recovery) हो सकती है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

Click Here to Buy book on Amazon

16. शैक्षिक मनोविज्ञान (Educational Psychology) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा उच्च-स्तरीय अनुबंधन (Higher-Order Conditioning) का एक उदाहरण है?
(A) एक छात्र को कक्षा में सही ढंग से पूरे किए गए प्रत्येक पाँच गणित के प्रश्नों के लिए एक चमकदार स्टार स्टीकर मिलता है।
(B) एक छात्र कक्षा की चर्चाओं के दौरान हाथ उठाना बंद कर देता है क्योंकि शिक्षक लगातार उसकी उपेक्षा करता है।
(C) एक छात्र अनुत्तीर्ण अंक (Failing Grade) प्राप्त करने से बचने के लिए एक प्रमुख टर्म निबंध पर असाधारण रुप से कड़ी मेहनत करता है।
(D) एक छात्र स्कूल की घंटी (School Bell) से डरना सीख जाता है क्योंकि यह प्राचार्य से जुड़ा है, जिनसे छात्र पहले से ही डरता है।

17. शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning) कक्षा के माहौल में किस प्रकार के अधिगम (Learning) के अधिग्रहण की व्याख्या करने में सबसे प्रभावी है?
(A) जटिल संज्ञानात्मक समस्या-समाधान कौशल (Complex Cognitive Problem-Solving Skills)
(B) संवेगात्मक और शारीरिक अनुक्रियाएं (Emotional and Physiological Responses)
(C) भाषा के वाक्य-विन्यास और व्याकरण संबंधी नियम (Syntactic and Grammatical Rules of Language)
(D) अमूर्त उन्नत गणितीय तर्क (Abstract Advanced Mathematical Logic)

18. बी.एफ. स्किनर के क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning) के अनुसार, क्रियाप्रसूत व्यवहार (Operant Behavior) को अनुक्रियात्मक व्यवहार (Respondent Behavior) से क्या अलग करता है?
(A) क्रियाप्रसूत व्यवहार सीधे ज्ञात पूर्ववर्ती उद्दीपकों द्वारा उत्पन्न होता है, जबकि अनुक्रियात्मक व्यवहार स्वतः उत्सर्जित होता है।
(B) क्रियाप्रसूत व्यवहार इसके परिणामों द्वारा नियंत्रित होता है, जबकि अनुक्रियात्मक व्यवहार इसके पूर्ववर्तियों द्वारा नियंत्रित होता है।
(C) क्रियाप्रसूत व्यवहार केवल गैर-मानव जानवरों पर लागू होता है, जबकि अनुक्रियात्मक व्यवहार विशिष्ट रुप से मनुष्यों पर लागू होता है।
(D) क्रियाप्रसूत व्यवहार पूरी तरह से अनैच्छिक और स्वचालित होता है, जबकि अनुक्रियात्मक व्यवहार सचेत और ऐच्छिक होता है।

19. एक शिक्षक बच्चे को एक जटिल अनुच्छेद लिखना सिखाने के लिए "रुपण" (Shaping) की तकनीक का उपयोग करता है। निम्नलिखित में से कौन सा इस प्रक्रिया का सर्वोत्तम वर्णन करता है?
(A) छात्र को प्रत्येक व्याकरण संबंधी त्रुटि (Grammatical Error) के लिए तब तक दंडित करना जब तक कि वह अंततः एक पूरी तरह से सही अनुच्छेद न बना ले।
(B) छात्र द्वारा एक आदर्श अनुच्छेद लिखे जाने का निष्क्रिय रुप से इंतजार करना और फिर एक बड़ा मूर्त पुरस्कार प्रदान करना।
(C) एक एकल वाक्य लिखने से शुरु करके, वांछित व्यवहार के उत्तरोत्तर सन्निकटन (Successive Approximations) को पुनर्बलित करना।
(D) छात्र को याद करने, कॉपी करने और सटीक रुप से पुनरुत्पादित करने के लिए एक व्यापक मॉडल अनुच्छेद प्रदान करना।

20. एक प्राचार्य एक ऐसी नीति लागू करते हैं जहाँ शिक्षक पूरे सेमेस्टर में अघोषित "पॉप क्विज़" (Pop Quizzes) आयोजित करते हैं। यह दृष्टिकोण पुनर्बलन की किस अनुसूची (Schedule of Reinforcement) पर आधारित है?
(A) निश्चित-अनुपात अनुसूची (Fixed-Ratio Schedule)
(B) परिवर्तनशील-अनुपात अनुसूची (Variable-Ratio Schedule)
(C) निश्चित-अंतराल अनुसूची (Fixed-Interval Schedule)
(D) परिवर्तनशील-अंतराल अनुसूची (Variable-Interval Schedule)

21. पुनर्बलन की कौन सी अनुसूची (Schedule of Reinforcement) अनुक्रिया की उच्चतम और सबसे स्थिर दर उत्पन्न करती है, और विलोप (Extinction) के प्रति सबसे अधिक प्रतिरोधी है?
(A) निश्चित-अंतराल (Fixed-Interval)
(B) परिवर्तनशील-अंतराल (Variable-Interval)
(C) निश्चित-अनुपात (Fixed-Ratio)
(D) परिवर्तनशील-अनुपात (Variable-Ratio)

NODIA

22. निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धांत, जिसे अक्सर "दादी का नियम" (Grandma's Rule) कहा जाता है, यह बताता है कि एक अधिक पसंदीदा गतिविधि का उपयोग कम पसंदीदा गतिविधि को पुनर्बलित करने के लिए किया जा सकता है?
(A) प्रीमैक का सिद्धांत (The Premack Principle)
(B) प्रभाव का नियम (The Law of Effect)
(C) पारस्परिक निर्धारणवाद का सिद्धांत (The Principle of Reciprocal Determinism)
(D) जाइगार्निक प्रभाव (The Zeigarnik Effect)

23. एक प्राथमिक कक्षा में स्थापित टोकन अर्थव्यवस्था (Token Economy) में, छात्र असाइनमेंट पूरे करने के लिए प्लास्टिक के सिक्के कमाते हैं, जिन्हें वे बाद में अतिरिक्त खेल के समय के लिए बदल सकते हैं। क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning) के संदर्भ में, प्लास्टिक के सिक्के किस रुप में कार्य करते हैं?
(A) प्राथमिक अनावबंधित पुनर्बलक (Primary Unconditioned Reinforcers)

(B) द्वितीयक / अनुबंधित पुनर्बलक (Secondary / Conditioned Reinforcers)
(C) द्वितीयक नकारात्मक पुनर्बलक (Secondary Negative Reinforcers)
(D) अनावबंधित संवेदी उद्दीपक (Unconditioned Sensory Stimuli)

24. क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning) में सतत बनाम आंशिक पुनर्बलन (Continuous versus Partial Reinforcement) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) सतत पुनर्बलन (Continuous Reinforcement) को एक बिल्कुल नए लक्ष्य व्यवहार को तेज़ी से स्थापित करने के लिए सबसे प्रभावी रणनीति माना जाता है।
(B) आंशिक पुनर्बलन अनुसूची (Partial Reinforcement Schedule) एक स्थापित व्यवहार को सतत पुनर्बलन की तुलना में विलोप (Extinction) के प्रति काफी अधिक प्रतिरोधी बनाती है।
(C) सतत पुनर्बलन अनुसूची में, जब भी लक्ष्य व्यवहार होता है, हर बार व्यवस्थित रुप से एक पुनर्बलित उद्दीपक दिया जाता है।
(D) लंबी अवधि में व्यवहार को बनाए रखने के लिए सतत पुनर्बलन को आंशिक पुनर्बलन से बेहतर माना जाता है।

25. एक छात्र शिक्षक द्वारा छुट्टी के बाद स्कूल में रोके जाने से बचने के लिए लगातार समय पर गृहकार्य जमा करता है। छात्र के व्यवहार में वृद्धि (गृहकार्य जमा करना) किसके द्वारा बनी रहती है?
(A) सकारात्मक पुनर्बलन (Positive Reinforcement)
(B) नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement)
(C) सकारात्मक दंड (Positive Punishment)
(D) नकारात्मक दंड (Negative Punishment)

26. नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement) और दंड (Punishment) में मौलिक अंतर क्या है?
(A) नकारात्मक पुनर्बलन लगातार एक लक्ष्य व्यवहार को घटाता है, जबकि दंड इसके भविष्य की घटना को बढ़ाने का काम करता है।
(B) नकारात्मक पुनर्बलन पूरी तरह से सुखद उद्दीपकों पर निर्भर करता है, जबकि दंड में हमेशा अप्रिय (Aversive) उद्दीपक प्रस्तुत करना शामिल होता है।
(C) नकारात्मक पुनर्बलन व्यवहार की संभावना को बढ़ाता है, जबकि दंड व्यवहार की संभावना को घटाता है।
(D) नकारात्मक पुनर्बलन को मौलिक रूप से अनैतिक माना जाता है, जबकि दंड को मानक कक्षा शिक्षण अभ्यास के रूप में स्वीकार किया जाता है।

27. एक अंग्रेजी शिक्षक कक्षा से कहता है, "यदि इस साप्ताहिक परीक्षा में सभी 80% से अधिक अंक प्राप्त करते हैं, तो मैं सप्ताहांत का गृहकार्य रद्द कर दूंगा।" यह किसका एक उदाहरण है?
(A) सकारात्मक पुनर्बलन (Positive Reinforcement)
(B) नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement)
(C) प्रकार I दंड (Type I Punishment)
(D) प्रकार II दंड (Type II Punishment)

28. निम्नलिखित में से कौन सा परिदृश्य कक्षा में सकारात्मक पुनर्बलन (Positive Reinforcement) का सबसे अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करता है?
(A) शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए प्रार्थना सभा के दौरान प्राचार्य द्वारा छात्र की सार्वजनिक रुप से प्रशंसा की जाती है, जिससे वह उस व्यवहार को बनाए रखने के लिए प्रेरित होता है।
(B) कक्षा शिक्षक द्वारा सख्ती से घूरने के तुरंत बाद एक छात्र शांत कक्षाकार्य के दौरान जोर-जोर से बोलना पूरी तरह से बंद कर देता है।
(C) एक छात्र को शिक्षक द्वारा दस अतिरिक्त जटिल गणित के प्रश्न दिए जाते हैं क्योंकि वह परीक्षा में नकल करते हुए पकड़ा गया था।
(D) शिक्षक द्वारा छात्र के दोपहर के बाहरी खेल के समय का विशेषाधिकार पूरी तरह से रद्द कर दिया जाता है क्योंकि वह अपना कक्षाकार्य पूरा करने में विफल रहा।

29. व्यवहारवादी सिद्धांत (Behavioral Theory) के अनुसार, यह क्यों महत्वपूर्ण है कि एक पुनर्बलक (Reinforcer) वांछित व्यवहार के तुरंत बाद आए?
(A) विलंबित पुनर्बलन विकासशील शिक्षार्थी के लिए गंभीर संज्ञानात्मक अतिभार (Cognitive Overload) और हताशा का कारण बनता है।
(B) तत्कालिकता विशिष्ट व्यवहार और परिणाम के बीच के संबंध (Association) को मजबूत करती है।
(C) छात्र अभिप्रेरणा को नियंत्रित करने वाली संस्थागत नीतियों द्वारा तत्काल पुनर्बलन की सख्ती से आवश्यकता होती है।
(D) विलंबित पुनर्बलन अंतर्निहित सैद्धांतिक ढांचे को व्यवहारवाद से रचनावाद में स्थानांतरित करता है।

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement) को शिक्षकों द्वारा अक्सर दंड (Punishment) के एक रूप के रूप में गलत समझ लिया जाता है।
कारण (R): नकारात्मक पुनर्बलन और दंड दोनों में व्यवहार को संशोधित करने के लिए एक अप्रिय उद्दीपक (Aversive Stimulus) का उपयोग शामिल है।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

Downloaded from www.pdf.tube

31. क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning) में, प्रकार I दंड (सकारात्मक दंड / Positive Punishment) में शामिल है:
(A) किसी व्यवहार को घटाने के लिए एक अप्रिय उद्दीपक (Aversive Stimulus) की प्रस्तुति
(B) किसी व्यवहार को घटाने के लिए एक सुखद उद्दीपक को हटाना
(C) किसी व्यवहार को बढ़ाने के लिए एक सुखद उद्दीपक की प्रस्तुति
(D) किसी व्यवहार को बढ़ाने के लिए एक अप्रिय उद्दीपक (Aversive Stimulus) को हटाना

32. एक छात्र कक्षा में बाधा डालता है, और शिक्षक आगामी खेल अवधि में भाग लेने के उसके विशेषाधिकार को रद्द कर देता है। व्यवहारिक संदर्भ में, इस हस्तक्षेप को किस रूप में वर्गीकृत किया गया है?
(A) सकारात्मक दंड (Positive Punishment)
(B) नकारात्मक दंड (Negative Punishment)
(C) नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement)
(D) विलोप (Extinction)

33. छात्र के व्यवहार को नियंत्रित करने के लिए कठोर दंड (Severe Punishment) का उपयोग करने का व्यापक रूप से प्रलेखित नकारात्मक दुष्प्रभाव निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) यह छात्र के व्यवहार से अवांछित व्यवहार को स्थायी रूप से मिटा देता है।
(B) यह अक्सर परिहार व्यवहार (Avoidance Behaviors), भय और आक्रामक अनुक्रियाओं की ओर ले जाता है।
(C) यह छात्र में आंतरिक अभिप्रेरणा और आत्म-नियमन (Self-Regulation) को बढ़ाता है।
(D) यह छात्र को अपनी संज्ञानात्मक योजनाओं पर गहराई से विचार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

34. बी.एफ. स्किनर ने शैक्षणिक परिवेश में दंड (Punishment) के उपयोग के खिलाफ स्पष्ट रूप से सलाह क्यों दी?
(A) दंड केवल व्यवहार को अस्थायी रूप से दबाता है, न कि एक वांछित वैकल्पिक व्यवहार सिखाता है।
(B) दंड स्वाभाविक रूप से अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के स्थापित नैतिक अभ्यास दिशानिर्देशों का उल्लंघन करता है।
(C) दंड को ठीक से लागू करने के लिए अत्यधिक प्रशासनिक प्रयास और औपचारिक दस्तावेजीकरण की आवश्यकता होती है।
(D) दंड नियंत्रण के आंतरिक केंद्र और व्यक्तिगत एजेंसी को पूरी तरह से व्यक्तिगत शिक्षार्थी पर स्थानांतरित कर देता है।

35. स्कूलों में व्यवहारिक तकनीकों (Behavioral Techniques) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. "टाइम-आउट" (Time-out) नकारात्मक दंड (Negative Punishment) का एक अनुप्रयोग है।
II. शारीरिक दंड (Corporal Punishment) सकारात्मक दंड (Positive Punishment) का एक अनुप्रयोग है।
III. आवृत्ति को कम करने के लिए मामूली विघटनकारी व्यवहारों की उपेक्षा करना विलोप (Extinction) का एक अनुप्रयोग है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

NODIA

36. "प्रभाव का नियम" (Law of Effect) तैयार करने का श्रेय किस सिद्धांतकार को दिया जाता है, जो यह बताता है कि संतोषजनक स्थिति के बाद आने वाली अनुक्रियाएं मजबूत होंगी?
(A) जॉन बी. वाटसन
(B) बी.एफ. स्किनर
(C) एडवर्ड एल. थार्नडाइक
(D) इवान पावलोव

37. थार्नडाइक के पहेली बक्से (Puzzle Boxes) में बिल्लियों को शामिल करने वाले शुरुआती प्रयोगों ने मुख्य रूप से किस प्रकार के अधिगम (Learning) का प्रदर्शन किया?
(A) सूझ / अंतर्दृष्टि अधिगम (Insight Learning)
(B) प्रेक्षणनात्मक अधिगम (Observational Learning)
(C) प्रयास एवं त्रुटि अधिगम (Trial and Error Learning)
(D) अव्यक्त अधिगम (Latent Learning)

38. एडवर्ड थार्नडाइक द्वारा स्थापित मनोवैज्ञानिक ढांचे को आमतौर पर क्या कहा जाता है?
(A) संयोजनवाद (Connectionism)
(B) संज्ञानवाद (Cognitivism)
(C) रचनावाद (Constructivism)
(D) मानवतावाद (Humanism)

39. कौन सा कथन थार्नडाइक के प्रभाव के नियम (Law of Effect) के कक्षा अनुप्रयोग का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है?
(A) शिक्षक यह सुनिश्चित करता है कि छात्र हर दिन बीस मिनट के लिए नियमित रूप से अपने हस्तलेखन कौशल का अभ्यास करें।
(B) शिक्षक एक नया विषय पेश करने से पहले सावधानीपूर्वक सुनिश्चित करता है कि सभी छात्रों के पास आवश्यक पूर्व ज्ञान हो।
(C) शिक्षक यह सुनिश्चित करता है कि जब छात्र किसी अवधारणा में महारत हासिल करते हैं तो वे सफलता का अनुभव करें और उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया प्राप्त करें।
(D) शिक्षक व्यवस्थित रूप से एक समृद्ध भौतिक शिक्षण वातावरण बनाता है जो स्वतंत्र छात्र अन्वेषण को

प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

40. व्यवहारवादी सिद्धांतों (Behaviorist Theories) की अवधारणाओं और उनके विवरणों के संबंध में सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची I

P. रूपण (Shaping)
Q. विलोप (Extinction)
R. सामान्यीकरण (Generalization)
S. स्वतः पुनःप्राप्ति (Spontaneous Recovery)

सूची II

1. समान उद्दीपकों की एक श्रृंखला के प्रति समान रूप से अनुक्रिया करना
2. विराम के बाद कमजोर अनुबंधित अनुक्रिया का पुनः प्रकट होना
3. लक्ष्य व्यवहार की ओर उत्तरोत्तर सन्निकटन को पुनर्बलित करना
4. पुनर्बलन रोक दिए जाने पर व्यवहार का धीरे-धीरे समाप्त होना

सही विकल्प का चयन कीजिए:

(A) P-3, Q-4, R-1, S-2
(B) P-4, Q-3, R-1, S-2
(C) P-3, Q-4, R-2, S-1
(D) P-1, Q-2, R-3, S-4

41. थार्नडाइक के तत्परता के नियम (Law of Readiness) के अनुसार, अधिगम (Learning) सबसे प्रभावी ढंग से कब होता है?

(A) शिक्षार्थी व्यवहार के तुरंत बाद एक प्रत्यक्ष मूर्त पुरस्कार या सकारात्मक पुनर्बलन प्राप्त करता है।
(B) शिक्षार्थी कार्य करने के लिए शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार होता है।
(C) विशिष्ट शिक्षण कार्य को बिना किसी भिन्नता के सटीक क्रम में कई बार व्यवस्थित रूप से दोहराया जाता है।
(D) लक्ष्य शिक्षण कार्य को अत्यधिक अमूर्त, अवधारणात्मक रूप से मांग वाले और जटिल प्रारूप में प्रस्तुत किया जाता है।

42. थार्नडाइक के अभ्यास के नियम (Law of Exercise) में मूल रूप से दो उप-भाग शामिल थे: उपयोग का नियम (Law of Use) और अनुप्रयोग का नियम (Law of Disuse)। अनुप्रयोग का नियम क्या बताता है?

(A) जब समय के साथ स्थिति और अनुक्रिया (Situation and Response) के बीच एक परिवर्तनीय संबंध नहीं बनता है, तो संबंध की ताकत घट जाती है।
(B) वास्तविक वैचारिक समझ के बिना केवल रटकर दोहराने में शामिल होने से मानसिक और संज्ञानात्मक थकान होती है।
(C) किसी गलत अनुक्रिया को सक्रिय रूप से दंडित करना, अनुक्रिया न देने की तुलना में तंत्रिका संबंध (Neural Connection) को अधिक प्रभावी ढंग से कमजोर करता है।
(D) विशेष मोटर या संज्ञानात्मक कौशल जिनका नियमित रूप से अभ्यास नहीं किया जाता है, वे स्वचालित रूप से विभिन्न ज्ञान क्षेत्रों में स्थानांतरित हो जाएंगे।

43. अपने करियर में बाद में, थार्नडाइक ने अभ्यास के नियम (Law of Exercise) में संशोधन किया। इस संशोधन की प्रकृति क्या थी?

(A) उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि परिणामों के ज्ञान या संतोषजनक परिणाम के बिना केवल पुनरावृत्ति संबंध को मजबूत नहीं करती है।
(B) उन्होंने औपचारिक रूप से तर्क दिया कि अभ्यास का नियम जटिल मानव संज्ञानात्मक शिक्षण के बजाय केवल सरल पशु अधिगम पर लागू होता है।
(C) उन्होंने अभ्यास के नियम को तत्परता के नियम के साथ पूरी तरह से मिला दिया, यह दावा करते हुए कि दोनों समान जैविक घटनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।
(D) उन्होंने स्पष्ट रूप से जोर दिया कि तंत्रिका संबंधों को मजबूत करते समय आंतरिक मानसिक पूर्वाभ्यास शारीरिक अभ्यास से कहीं अधिक श्रेष्ठ है।

44. एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक एक जटिल जिम्नास्टिक चाल शुरू करने से पहले 10 मिनट का वार्म-अप और स्ट्रैचिंग रुटीन संचालित करता है। यह शैक्षणिक निर्णय थार्नडाइक के किस नियम द्वारा सबसे दृढ़ता से समर्थित है?

(A) प्रभाव का नियम (Law of Effect)
(B) अभ्यास का नियम (Law of Exercise)
(C) तत्परता का नियम (Law of Readiness)
(D) बहु-अनुक्रिया का नियम (Law of Multiple Responses)

45. एक छात्र बीजगणितीय समीकरणों (Algebraic Equations) को हल करना सीख रहा है। जब एक नए प्रकार के समीकरण का सामना होता है, तो छात्र कई अलग-अलग गणितीय संक्रियाओं की कोशिश करता है जब तक कि एक सही उत्तर न दे दे। यह थार्नडाइक के किस अधीनस्थ नियम (Subordinate Law) को दर्शाता है?

(A) तत्वों की प्रबलता (Prepotency of Elements)
(B) बहु-अनुक्रिया (Multiple Response)
(C) साहचर्य स्थानांतरण (Associative Shifting)
(D) मनोवृत्ति या अभिवृत्ति (Set or Attitude)

46. शैक्षणिक अभ्यास में सख्त व्यवहारवादी दृष्टिकोण की प्रमुख आलोचनाओं के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।

(A) व्यवहारवाद काफी हद तक आंतरिक संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं जैसे तर्क, समस्या-समाधान और स्मृति की उपेक्षा करता है।
(B) व्यवहारवादी तरीकों की अक्सर बाह्य अभिप्रेरणा (Extrinsic Motivation) पर अत्यधिक निर्भर रहने के लिए आलोचना की जाती है, जो आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation) को कमजोर कर सकती है।

Click Here to Buy book on Flipkart

(C) व्यवहारवाद यह मानता है कि अधिगम काफी हद तक वातावरणीय अनुबंधन (Environmental Conditioning) का एक कार्य है।
(D) व्यवहारवाद छोटे बच्चों में जटिल भाषा के तेजी से अधिग्रहण की पर्याप्त व्याख्या करता है।

47. बी.एफ. स्किनर की पुस्तक "वर्बल बिहेवियर" (Verbal Behavior) की प्रसिद्ध आलोचना किसने की, जिसमें यह तर्क दिया गया कि भाषा अधिग्रहण (Language Acquisition) को केवल क्रियाप्रसूत अनुबंधन और पुनर्बलन द्वारा नहीं समझाया जा सकता है?
(A) जीन पियाजे
(B) लेव वायगोत्स्की
(C) नोआम चॉम्स्की
(D) जेरोम ब्रूनर

48. मुख्य रूप से अभ्यास के नियम (Law of Exercise) से प्राप्त रटकर सीखने (Rote Learning) की एक महत्वपूर्ण सीमा यह है कि:
(A) यह छात्रों के बीच लगातार अत्यधिक उच्च स्तर के मूल और लचीले रचनात्मक सोच का उत्पादन करता है।
(B) यह अक्सर नई, वास्तविक दुनिया की स्थितियों में अधिगम के स्थानांतरण (Transfer of Learning) में विफल रहता है।
(C) स्कूलों में ठीक से लागू करने के लिए अत्यधिक विशिष्ट डिजिटल तकनीक और परिष्कृत उपकरणों की आवश्यकता होती है।
(D) यह संज्ञानात्मक भार सिद्धांत (Cognitive Load Theory) द्वारा स्थापित मूल सिद्धांतों और संज्ञानात्मक सीमाओं का सीधे उल्लंघन करता है।

49. संज्ञानवाद (Cognitivism) के साथ व्यवहारवाद (Behaviorism) की तुलना करने में, संज्ञानात्मक अधिगम सिद्धांत मानव मन के कार्य करने की तुलना किस सादृश्यता (Analogy) से करते हैं?
(A) संवेदी प्रभावों को प्राप्त करने वाली एक कोरी पट्टी (Blank Slate)
(B) गियर पर चलने वाली एक जटिल यांत्रिक मशीन
(C) एक कंप्यूटर (सूचना प्रसंस्करण प्रणाली / Information Processing System)
(D) प्रकृति के अनुकूल एक गतिशील जैविक पारिस्थितिकी तंत्र

50. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिकों का तर्क है कि यह निष्कर्ष निकालने के लिए कि अधिगम हुआ है, अवलोकन योग्य व्यवहार में परिवर्तन सख्ती से आवश्यक नहीं है।
कारण (R): संज्ञानात्मक सिद्धांत अधिगम (Learning) को शिक्षार्थी के आंतरिक मानसिक अभ्यावेदन और योजनाओं (Schemas) में परिवर्तन के रूप में परिभाषित करते हैं।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

51. मनोविज्ञान का कौन सा संप्रदाय, जो इस बात पर जोर देता है कि "पूर्ण अपने घटकों के योग से बड़ा है" और सूझ/अंतर्दृष्टि अधिगम (Insight Learning) पर ध्यान केंद्रित करता है, संज्ञानात्मक अधिगम सिद्धांतों के अग्रदूत के रूप में कार्य करता है?
(A) संरचनावाद (Structuralism)
(B) प्रकार्यवाद (Functionalism)
(C) गेस्टाल्ट मनोविज्ञान (Gestalt Psychology)
(D) मनोविश्लेषण (Psychoanalysis)

52. डेविड आसुबेल के संज्ञानात्मक सिद्धांत (Cognitive Theory) के अनुसार, अधिगम को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक क्या है?
(A) शिक्षक द्वारा उपयोग की जाने वाली पुनर्बलन अनुसूची (Reinforcement Schedule)
(B) शिक्षार्थी पहले से क्या जानता है (पूर्व ज्ञान / Prior Knowledge)
(C) कक्षा का भौतिक वातावरण
(D) शिक्षार्थी के मस्तिष्क का विकासात्मक चरण

53. कौन सा संज्ञानात्मक सिद्धांतकार "अर्थपूर्ण शाब्दिक अधिगम" (Meaningful Verbal Learning) की अवधारणा और शिक्षार्थी जो पहले से जानते हैं और जो उन्हें जानने की आवश्यकता है, के बीच की खाई को पाटने के लिए "अग्रिम आयोजक" (Advance Organizers) के उपयोग के लिए जाना जाता है?
(A) जेरोम ब्रूनर
(B) जीन पियाजे
(C) डेविड आसुबेल
(D) अल्बर्ट बांडुरा

NODIA

54. जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत (Theory of Cognitive Development) उस दार्शनिक परंपरा में निहित है जो ज्ञान की उत्पत्ति को समझने का प्रयास करती है। पियाजे ने अपने दृष्टिकोण को क्या नाम दिया?
(A) कट्टर रचनावाद (Radical Constructivism)
(B) जेनेटिक एपिस्टेमोलॉजी (Genetic Epistemology)
(C) सामाजिक संज्ञानवाद (Social Cognitivism)
(D) सूचना प्रसंस्करण (Information Processing)

55. पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. संज्ञानात्मक विकास बिना किसी विशिष्ट चरणों के एक निरंतर, क्रमिक मात्रात्मक प्रक्रिया है।

II. बच्चे पर्यावरण के साथ अंतःक्रिया के माध्यम से अपने स्वयं के ज्ञान के सक्रिय निर्माता (Active Constructors) हैं।
III. परिपक्वता (Maturation) और अनुभव संज्ञानात्मक विकास के प्रमुख चालक हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

56. पियाजे के सिद्धांत में, आत्मसातीकरण (Assimilation) और समावेशन/समायोजन (Accommodation) को संतुलित करने वाली स्व-नियमन प्रक्रिया जो संज्ञानात्मक स्थिरता बनाए रखती है, क्या कहलाती है?
(A) अभ्यस्तता (Habituation)
(B) केन्द्रीकरण (Centration)
(C) साम्यधारण / संतुलन (Equilibration)
(D) संरक्षण (Conservation)

57. एक प्राचार्य प्राथमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम का मूल्यांकन करते हैं और जोर देते हैं कि अमूर्त गणितीय अवधारणाओं को उच्च प्राथमिक कक्षाओं तक टाल दिया जाना चाहिए। यह प्रशासनिक निर्णय किस सिद्धांतकार के विकासात्मक चरणों के साथ सबसे निकटता से मेल खाता है?
(A) बी.एफ. स्किनर
(B) जीन पियाजे
(C) इवान पावलोव
(D) हावर्ड गार्डनर

58. जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के चार चरणों के सही क्रमिक क्रम की पहचान कीजिए।
(A) पूर्व-संक्रियात्मक, संवेदी-गामक, मूर्त संक्रियात्मक, औपचारिक संक्रियात्मक
(B) संवेदी-गामक, मूर्त संक्रियात्मक, पूर्व-संक्रियात्मक, औपचारिक संक्रियात्मक
(C) संवेदी-गामक, पूर्व-संक्रियात्मक, औपचारिक संक्रियात्मक, मूर्त संक्रियात्मक
(D) संवेदी-गामक, पूर्व-संक्रियात्मक, मूर्त संक्रियात्मक, औपचारिक संक्रियात्मक

59. यह समझ कि वस्तुएं तब भी मौजूद रहती हैं जब उन्हें देखा, सुना या छुआ नहीं जा सकता, संवेदी-गामक अवस्था (Sensorimotor Stage) के दौरान हासिल किया गया एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस अवधारणा को किस रूप में जाना जाता है?
(A) विलंबित अनुकरण (Deferred Imitation)
(B) वस्तु स्थायित्व (Object Permanence)
(C) पारगमनिक तर्क (Transductive Reasoning)
(D) जीववाद (Animism)

60. एक छोटा बच्चा अनजाने में अपने पालने के ऊपर लटकी हुई मोबाइल खिलौने को लात मारता है, जिससे वह हिलने लगता है। बच्चा इस गति का आनंद लेता है और प्रभाव को दोहराने के लिए बार-बार लात मारता है। पियाजे के शब्दों में, यह किसका उदाहरण है?
(A) प्राथमिक वृत्तीय अनुक्रिया (Primary Circular Reaction)
(B) द्वितीयक वृत्तीय अनुक्रिया (Secondary Circular Reaction)
(C) तृतीयक वृत्तीय अनुक्रिया (Tertiary Circular Reaction)
(D) अहंकेंद्रित व्यवहार (Egocentric Behavior)

61. संवेदी-गामक अवस्था (Sensorimotor Stage) के अंत में, शिशुओं में वस्तुओं और घटनाओं की आंतरिक मानसिक छवियां बनाने की क्षमता विकसित होती है। यह संज्ञानात्मक छलांग किसकी अनुमति देती है?
(A) विलंबित अनुकरण (Deferred Imitation)
(B) द्रव्यमान का संरक्षण (Conservation of Mass)
(C) अमूर्त परिकल्पित तर्क (Abstract Hypothetical Reasoning)
(D) क्रमबद्धता (Seriation)

62. कौन सा आयु वर्ग आमतौर पर पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के पूर्व-संक्रियात्मक चरण (Preoperational Stage) से जुड़ा है?
(A) जन्म से 2 वर्ष
(B) 2 से 7 वर्ष
(C) 7 से 11 वर्ष
(D) 12 वर्ष और उससे अधिक

NODIA

63. एक स्कूली पूर्व बच्चा मानता है कि जब वह बाहर चलता है तो सूरज उसके पीछे-पीछे चलता है और बादल इसलिए चल रहे हैं क्योंकि वे दौड़ लगाना चाहते हैं। निर्जीव वस्तुओं को सजीव गुण देने की इस प्रवृत्ति को क्या कहा जाता है?
(A) अहंकेंद्रवाद (Egocentrism)
(B) जीववाद (Animism)
(C) कृत्रिमतावाद (Artificialism)
(D) यथार्थवाद (Realism)

64. एक बच्चे को दो समान छोटे, चौड़े गिलास दिखाए जाते हैं जिनमें बराबर मात्रा में जूस होता है। एक गिलास का जूस एक लंबे, संकीर्ण गिलास में उड़ेल दिया जाता है। बच्चा दावा करता है कि लंबे गिलास में अधिक जूस है क्योंकि "यह ऊपर तक जाता है।" बच्चे की यह पहचानने में असमर्थता कि मात्रा समान रहती है, किसकी कमी के कारण है?
(A) वस्तु स्थायित्व (Object Permanence)
(B) केन्द्रीकरण (Centration)
(C) संरक्षण (Conservation)
(D) सकर्मकता (Transitivity)

65. वर्णित परिदृश्य में जहाँ जूस एक लंबे, संकीर्ण गिलास में उड़ेला जाता है, बच्चा केवल तरल की ऊंचाई पर ध्यान केंद्रित करता है और गिलास की चौड़ाई की उपेक्षा करता है। इस संज्ञानात्मक सीमा को क्या कहा जाता है?
(A) उत्क्रमणीयता (Reversibility)
(B) केन्द्रीकरण (Centration)
(C) आत्मसातीकरण (Assimilation)
(D) क्रमबद्धता (Seriation)

66. पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (Preoperational Stage) की विशेषता, अहंकेंद्रवाद (Egocentrism) को सबसे अच्छे रूप में कैसे परिभाषित किया गया है?
(A) व्यक्तिगत खिलौनों को छिपाने और साथियों के साथ उन्हें साझा करने से सख्ती से मना करने की बच्चे की स्वार्थी नैतिक इच्छा।
(B) बच्चे की अपने दृष्टिकोण और किसी अन्य के दृष्टिकोण के बीच अंतर करने में असमर्थता।
(C) बच्चे का अहंकेंद्रित विश्वास कि उसके अपने विचार सीधे भौतिक दुनिया की सभी प्राकृतिक घटनाओं का कारण बनते हैं।
(D) किसी दी गई वस्तु की केवल एक प्रमुख भौतिक विशेषता पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करने की बच्चे की संज्ञानात्मक प्रवृत्ति।

67. पूर्व-संक्रियात्मक बच्चा अक्सर तार्किक सामान्यीकरण के बिना, एक विशिष्ट घटना से दूसरी विशिष्ट घटना तक तर्क करता है। उदाहरण के लिए, "मैंने अपनी झपकी नहीं ली है, इसलिए अभी दोपहर नहीं हुई है।" इसे किस रूप में जाना जाता है?
(A) निगमनात्मक तर्क (Deductive Reasoning)
(B) आगमनात्मक तर्क (Inductive Reasoning)
(C) पारगमनिक तर्क (Transductive Reasoning)
(D) प्रस्तावनात्मक तर्क (Propositional Reasoning)

68. मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage) संज्ञानात्मक विकास में एक प्रमुख मोड़ का प्रतीक है क्योंकि यह किसकी शुरुआत का प्रतीक है:
(A) मूर्त वस्तुओं पर लागू तार्किक या संक्रियात्मक विचार
(B) प्रतीकात्मक खेल और भाषा में संलग्न होने की क्षमता
(C) भौतिक संदर्भों के बिना अमूर्त अवधारणाओं में हेरफेर करने की क्षमता
(D) सहज, जन्मजात क्रियाएं

69. मूर्त संक्रियात्मक अवस्था का एक बच्चा समझता है कि यदि A = B और B = C, तो A = C। इस तार्किक सिद्धांत को किस रूप में जाना जाता है?
(A) क्रमबद्धता (Seriation)
(B) सकर्मकता (Transitivity)
(C) वर्गीकरण (Classification)
(D) विकेंद्रीकरण (Decentration)

70. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): चौथी कक्षा के छात्रों को भिन्न (Fractions) पढ़ाते समय एक शिक्षक को भौतिक वस्तुओं (Physical Manipulatives) और व्यावहारिक प्रयोगों का उपयोग करना चाहिए।
कारण (R): चौथी कक्षा के छात्र आमतौर पर मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage) में होते हैं, जिन्हें तार्किक संक्रियाएं करने के लिए मूर्त वस्तुओं की आवश्यकता होती है।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

71. किसी क्रिया को मानसिक रूप से पलटने की क्षमता, जैसे कि यह समझना कि 3 + 4 = 7 का अर्थ 7 - 4 = 3 भी है, एक संज्ञानात्मक मील का पत्थर है जिसे किस रूप में जाना जाता है?
(A) उत्क्रमणीयता (Reversibility)
(B) आत्मसातीकरण (Assimilation)
(C) संरक्षण (Conservation)
(D) जीववाद (Animism)

72. निम्नलिखित में से किस कार्य के लिए क्रमबद्धता (Seriation) के संज्ञानात्मक कौशल की आवश्यकता होती है?
(A) ब्लॉक को रंग के आधार पर और फिर आकार के आधार पर समूहित करना
(B) छड़ियों की एक श्रृंखला को सबसे छोटी से सबसे लंबी के क्रम में व्यवस्थित करना
(C) यह पहचानना कि मिट्टी की गेंद को सांप के रूप में रोल किया जा सकता है और वापस गेंद में रोल किया जा सकता है
(D) यह समझना कि एक छिपा हुआ खिलौना अभी भी मौजूद है

73. पियाजे के औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (Formal Operational Stage) की परिभाषित विशेषता किसका उद्भव है?
(A) केन्द्रीकरण और स्थिर इमेजरी (Centration and Static Imagery)
(B) लक्ष्य-निर्देशित संवेदी व्यवहार (Goal-directed Sensory Behavior)
(C) परिकल्पित-निगमनात्मक तर्क (Hypothetico-deductive Reasoning)
(D) अनुत्क्रमणीयता (Irreversibility)

74. औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था का एक किशोर इस समस्या को हल कर सकता है: "यदि सभी ब्लरग हरे हैं, और मेरे पास

Downloaded from www.pdf.tube

एक ब्लरग है, तो इसका रंग क्या है?" भले ही "ब्लरग" का कोई अस्तित्व न हो। यह किसको दर्शाता है?
(A) प्रस्तावनात्मक तर्क (Propositional Logic)
(B) पारगमनिक तर्क (Transductive Logic)
(C) क्रमबद्धता (Seriation)
(D) अहंकेंद्रवाद (Egocentrism)

75. औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था के दौरान किशोरावस्था के अहंकेंद्रवाद (Adolescent Egocentrism) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. "काल्पनिक श्रोता" (Imaginary Audience) यह विश्वास है कि दूसरे लोग उनमें उतनी ही तीव्रता से रुचि रखते हैं जितनी वे स्वयं में हैं।
II. "व्यक्तिगत कल्पित कथा" (Personal Fable) में विशिष्टता और अजेयता की भावना शामिल होती है।
III. किशोर अहंकेंद्रवाद पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था में पाए जाने वाले अहंकेंद्रवाद के समान है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

76. एक हाई स्कूल शिक्षक एक ऐसा पाठ तैयार करता है जहाँ छात्रों को जेनेटिक इंजीनियरिंग के नैतिक निहितार्थों पर बहस करनी चाहिए। यह शिक्षण रणनीति विकासात्मक रूप से उपयुक्त है क्योंकि इस उम्र के छात्र आमतौर पर किसके सक्षम होते हैं:
(A) अमूर्त तार्किक तर्क (Abstract Logical Reasoning)
(B) मूर्त वर्गीकरण (Concrete Categorization)
(C) काल्पनिक प्रतीकात्मक खेल (Imaginative Symbolic Play)
(D) द्वितीयक वृत्तीय क्रियाएं (Secondary Circular Actions)

77. पियाजे के अनुसार, नए अनुभवों को मौजूदा संज्ञानात्मक योजनाओं (Schemas) में शामिल करके उनकी व्याख्या करने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?
(A) समावेशन / समायोजन (Accommodation)
(B) आत्मसातीकरण (Assimilation)
(C) साम्यधारण / संतुलन (Equilibration)
(D) संगठन (Organization)

78. एक छोटा बच्चा जिसके परिवार में एक पालतू कुत्ता है, एक खेत में जाता है और पहली बार एक भेड़ देखता है। बच्चा भेड़ की तरफ इशारा करता है और कहता है, "कुत्ता!" पियाजे के शब्दों में, यह किसका एक उदाहरण है?
(A) समावेशन / समायोजन (Accommodation)
(B) संरक्षण (Conservation)
(C) आत्मसातीकरण (Assimilation)
(D) पारगमनिक तर्क (Transductive Reasoning)

79. जब किसी बच्चे को नई जानकारी मिलती है जिसे मौजूदा योजनाओं (Schemas) में आत्मसात नहीं किया जा सकता है, तो संज्ञानात्मक विसंगति (Cognitive Dissonance) होती है। पियाजे ने संज्ञानात्मक संघर्ष की इस स्थिति को क्या कहा?
(A) साम्यधारण / संतुलन (Equilibration)
(B) असंतुलन (Disequilibrium)
(C) केन्द्रीकरण (Centration)
(D) अहंकेंद्रवाद (Egocentrism)

NODIA

80. पियाजे के अधिगम तंत्र (Mechanism of Learning) से संबंधित अवधारणाओं के निम्नलिखित अनुक्रम पर विचार कीजिए:
I. आत्मसातीकरण (Assimilation)
II. समावेशन / समायोजन (Accommodation)
III. असंतुलन (Disequilibrium)
IV. संतुलन (Equilibrium)
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प संज्ञानात्मक अनुकूलन (Cognitive Adaptation) के तार्किक चक्र का प्रतिनिधित्व करता है जब शिक्षार्थी का सामना एक अत्यधिक नई स्थिति से होता है?
(A) I → IV → II → III
(B) I → III → II → IV
(C) II → I → IV → III
(D) IV → II → I → III

81. एक अभिभावक द्वारा यह समझाने के बाद कि सफेद, रोएँदार जानवर "बाँ-बाँ" करता है और उसे भेड़ कहा जाता है, बच्चा चौपाया जानवरों के लिए अपनी मौजूदा योजना (Schema) को बदलकर भेड़ के लिए एक अलग श्रेणी शामिल करता है। इस प्रक्रिया को क्या कहा जाता है?
(A) आत्मसातीकरण (Assimilation)
(B) विलोप (Extinction)
(C) समावेशन / समायोजन (Accommodation)
(D) सामान्यीकरण (Generalization)

82. संज्ञानात्मक मनोविज्ञान (Cognitive Psychology) में, एक "स्कीमा" (Schema) को सबसे अच्छे रूप में कैसे वर्णित किया गया है?
(A) जन्म के समय मानव शिशु में मौजूद एक जैविक रिफ्लेक्स तंत्र
(B) अवधारणाओं का एक संरचित समूह या विचार और कार्रवाई का एक संगठित पैटर्न
(C) सकारात्मक पुनर्बलन के वितरण को नियंत्रित करने वाली एक विशिष्ट व्यवहारिक अनुसूची
(D) भाषा अधिग्रहण उपकरण के रूप में कार्य करने वाला एक सहज तंत्रिका तंत्र

83. संज्ञानात्मक योजनाओं (Cognitive Schemas) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?
(A) स्कीमा (Schemas) किसी व्यक्ति के पूरे जीवन काल में

स्थिर और अपरिवर्तित रहते हैं।
(B) स्कीमा व्यक्तियों को नई जानकारी की अधिक कुशलता से व्याख्या करने में मदद करते हैं।
(C) एक स्क्रिप्ट (Script) घटना स्कीमा का एक विशिष्ट प्रकार है, जैसे कि रेस्तरां में खाना ऑर्डर करने के क्रम को जानना।
(D) स्कीमा संज्ञानात्मक फिल्टर के रूप में कार्य करते हैं जो कभी-कभी स्मृति में पूर्वाग्रहों का कारण बन सकते हैं।

84. जेरोम ब्रूनर का संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत (Theory of Cognitive Development) पियाजे के सिद्धांत से काफी हद तक किस मुद्दे पर भिन्न था?
(A) विशिष्ट सार्वभौमिक संज्ञानात्मक विकासात्मक चरणों का मूलभूत अस्तित्व
(B) ज्ञान अधिग्रहण में एक सक्रिय एजेंट के रूप में व्यक्तिगत शिक्षार्थी की महत्वपूर्ण भूमिका
(C) आंतरिक संज्ञानात्मक संरचनाओं को व्यवस्थित करने में मानसिक योजनाओं (Schemas) की आवश्यकता
(D) संज्ञानात्मक विकास पर संस्कृति और भाषा का प्रभाव

85. सेवारत प्रशिक्षण (In-Service Training) सत्र का आयोजन करने वाले एक प्राचार्य इस प्रसिद्ध कथन को उद्धृत करते हैं: "किसी भी विषय को विकास के किसी भी चरण में किसी भी बच्चे को किसी बौद्धिक रूप से ईमानदार रूप में प्रभावी ढंग से सिखाया जा सकता है।" यह कथन किसकी मूल शैक्षिक दर्शन का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) जीन पियाजे
(B) लेव वायगोत्स्की
(C) जेरोम ब्रूनर
(D) बी.एफ. स्किनर

86. ब्रूनर ने प्रतिनिधित्व के तीन तरीकों (Modes of Representation) का प्रस्ताव रखा। संज्ञानात्मक विकास में उनके उद्भव का सही क्रम क्या है?
(A) आइकॉनिक (प्रतिमात्मक) → इनेक्टिव (सक्रिय) → सिम्बोलिक (प्रतीकात्मक)
(B) सिम्बोलिक (प्रतीकात्मक) → इनेक्टिव (सक्रिय) → आइकॉनिक (प्रतिमात्मक)
(C) इनेक्टिव (सक्रिय) → आइकॉनिक (प्रतिमात्मक) → सिम्बोलिक (प्रतीकात्मक)
(D) इनेक्टिव (सक्रिय) → सिम्बोलिक (प्रतीकात्मक) → आइकॉनिक (प्रतिमात्मक)

87. ब्रूनर के सिद्धांत में, प्रतिनिधित्व के इनेक्टिव (Enactive) मोड में शामिल हैं:
(A) मुख्य रूप से आंतरिक दृश्य छवियों और संवेदी चिह्नों के माध्यम से ज्ञान का प्रतिनिधित्व करना
(B) मुख्य रूप से भाषा प्रणालियों और अमूर्त प्रतीकों के माध्यम से ज्ञान का प्रतिनिधित्व करना
(C) मोटर अनुक्रियाओं और शारीरिक क्रियाओं के माध्यम से ज्ञान का प्रतिनिधित्व करना
(D) मुख्य रूप से सामाजिक अंतःक्रियाओं और पारस्परिक वाक् के माध्यम से ज्ञान का प्रतिनिधित्व करना

88. एक गणित शिक्षक छात्रों द्वारा पहले ब्लॉक को शारीरिक रूप से मिलाकर, फिर ब्लॉक के चित्र बनाकर, और अंत में 2 + 3 = 5 समीकरण लिखकर जोड़ की अवधारणा पेश करता है। यह शैक्षणिक क्रम ब्रूनर के किस सिद्धांत को पूरी तरह से दर्शाता है?
(A) अधिगम का पदानुक्रम (Hierarchy of Learning)
(B) प्रतिनिधित्व के तरीके (Modes of Representation)
(C) समीपस्थ विकास का क्षेत्र (Zones of Proximal Development)
(D) पुनर्बलन की अनुसूची (Schedules of Reinforcement)

89. ब्रूनर के अनुसार, प्रतिनिधित्व का सिम्बोलिक (Symbolic) मोड फायदेमंद है क्योंकि यह:
(A) स्थानीय सांस्कृतिक प्रभावों, सामाजिक संदर्भ और विशिष्ट भाषाई प्रणालियों से पूरी तरह स्वतंत्र है।
(B) आसपास के वातावरण में वस्तुओं के साथ सीधे संवेदी-गामक शारीरिक संपर्क पर पूरी तरह निर्भर करता है।
(C) तत्काल वास्तविकता से परे अमूर्त प्रस्तावों और परिकल्पनाओं के हेरफेर की अनुमति देता है।
(D) कार्यशील स्मृति (Working Memory) की कार्यात्मक क्षमता को सख्ती से सीमित करके मानसिक संज्ञानात्मक अतिभार को रोकता है।

90. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): ब्रूनर ने पाठ्यक्रम की तत्परता को निर्धारित करने के लिए पियाजे के विकासात्मक चरणों के सख्त अनुप्रयोग के खिलाफ तर्क दिया।
कारण (R): ब्रूनर का मानना था कि ज्ञान के उचित संरचना के साथ, जटिल अवधारणाओं को सरल बनाया जा सकता है और छोटे बच्चों को सिखाया जा सकता है।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

91. जेरोम ब्रूनर द्वारा पेश की गई "सर्पिल पाठ्यक्रम" (Spiral Curriculum) की अवधारणा सुझाव देती है कि:
(A) विषयों को सख्त क्रमिक क्रम में पढ़ाया जाना चाहिए, अगले पर जाने से पहले एक विषय पर पूरी तरह से महारत हासिल की जानी चाहिए।
(B) किसी विषय के मूल विचारों को बार-बार दोहराया जाना चाहिए, जब तक कि पूर्ण महारत हासिल न हो जाए, उन पर निर्माण किया जाना चाहिए।
(C) पाठ्यक्रम मुख्य रूप से बच्चे के सहज, विकसित होती

Click Here to Buy book on Amazon

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY
PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

रुचियों और जिज्ञासा के आसपास डिज़ाइन किया जाना चाहिए।
(D) पाठ्यक्रम को पिछले विषयों पर कभी भी वापस लौटे बिना सामग्री के माध्यम से सख्ती से एक रेखीय तरीके से आगे बढ़ना चाहिए।

92. स्कूली शिक्षा में सर्पिल पाठ्यक्रम (Spiral Curriculum) का उपयोग करने का प्राथमिक शैक्षणिक लाभ क्या है?
(A) यह कक्षाओं में निरंतर रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) और नैदानिक मूल्यांकन की चल रही आवश्यकता को काफी कम करता है।
(B) यह मज़बूती से सुनिश्चित करता है कि सभी छात्र अपने शुरुआती प्रयास में आवश्यक तथ्यात्मक जानकारी को स्थायी रूप से याद रखें।
(C) यह छात्रों को नई जटिलताओं को पहले से सीखी गई मूलभूत अवधारणाओं (Fundamental Concepts) से जोड़ने की अनुमति देकर समझ को गहरा करता है।
(D) यह वाणिज्यिक मुद्रित पाठ्यपुस्तकों और औपचारिक मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करता है।

93. जेरोम ब्रूनर "खोज अधिगम" (Discovery Learning) के एक मजबूत समर्थक थे। इस दृष्टिकोण में, शिक्षक की भूमिका मुख्य रूप से है:
(A) निरंतर औपचारिक कक्षा व्याख्यान के माध्यम से छात्रों को सीधे अकादमिक ज्ञान का संरचित निकाय प्रेषित करना।
(B) एक समस्या या सामग्रियों का एक सेट प्रदान करना और छात्रों को अंतर्निहित नियमों या सिद्धांतों की स्वयं खोज करने के लिए मार्गदर्शन करना।
(C) छात्रों के वैज्ञानिक प्रयोगों में भाग लेने के दौरान सख्त व्यवहारिक अनुपालन और कक्षा अनुशासन सुनिश्चित करना।
(D) प्रयोग से पहले सही तथ्यात्मक उत्तर प्रदान करना ताकि छात्रों को ठीक से पता हो कि किन निष्कर्षों की तलाश करनी है।

94. खोज अधिगम (Discovery Learning) मुख्य रूप से किस प्रकार के तार्किक तर्क पर निर्भर करता है?
(A) निगमनात्मक तर्क (Deductive Reasoning)
(B) आगमनात्मक तर्क (Inductive Reasoning)
(C) पारगमनिक तर्क (Transductive Reasoning)
(D) भ्रामक तर्क (Fallacious Reasoning)

95. खोज अधिगम (Discovery Learning) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation) को बढ़ाता है क्योंकि छात्र अपने सीखने पर स्वामित्व की भावना महसूस करते हैं।
II. कम समय में बड़ी मात्रा में तथ्यात्मक जानकारी सिखाने के लिए यह अत्यधिक कुशल है।
III. असंरचित "शुद्ध खोज" नौसिखिए शिक्षार्थियों में संज्ञानात्मक अतिभार (Cognitive Overload) और हताशा का कारण बन सकती है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

NODIA

96. अनमाग्रदर्शित खोज अधिगम (Unguided Discovery Learning) की एक प्रमुख आलोचना यह है कि:
(A) यह प्रमाणिक वैचारिक समझ के बजाय निष्क्रिय रटकर याद करने और यांत्रिक पुनरावृत्ति पर अत्यधिक निर्भर करता है।
(B) यह मान लेता है कि शिक्षार्थियों के पास सटीक वैज्ञानिक सिद्धांतों का निर्माण करने के लिए पहले से ही आवश्यक पृष्ठभूमि ज्ञान मौजूद है।
(C) यह कक्षा के साथियों के बीच सहयोगात्मक सामाजिक अंतःक्रिया और सहकारी शिक्षण गतिविधियों को स्पष्ट रूप से हतोत्साहित करता है।
(D) यह बाह्य उद्दीपक और अनुक्रिया अनुबंधन के सख्त पारंपरिक व्यवहारवादी सिद्धांतों के साथ बहुत निकटता से मेल खाता है।

97. रचनावाद (Constructivism) का व्यापक प्रतिमान इस ज्ञानमीमांसीय आधार पर टिका है कि:
(A) ज्ञान एक वस्तुनिष्ठ बाह्य वास्तविकता का प्रतिनिधित्व करता है जिसे विशेषज्ञ शिक्षक से छात्र तक सीधे स्थानांतरित किया जाता है।
(B) ज्ञान शिक्षार्थी द्वारा अनुभवों और प्रतिबिंबों के माध्यम से सक्रिय रूप से निर्मित किया जाता है।
(C) ज्ञान पूरी तरह से सहज है और जैविक और तंत्रिका संबंधी परिपक्वता के अनुसार समय के साथ स्वाभाविक रूप से सामने आता है।
(D) ज्ञान अनुबंधित शारीरिक और व्यवहारिक सजगता की एक संगठित जटिल श्रृंखला के अलावा और कुछ नहीं है।

98. अर्न्स्ट वोन ग्लेसर्सफेल्ड से जुड़ा कट्टर रचनावाद (Radical Constructivism) यह मानता है कि:
(A) वास्तविकता पूरी तरह से आत्मपरक है और हम कभी भी एक वस्तुनिष्ठ सत्य को नहीं जान सकते हैं, केवल वही जान सकते हैं जो हमारे अनुभवों के आधार पर व्यवहार्य है।
(B) ज्ञान निर्माण विशेष रूप से एक सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें लगभग कोई सार्थक व्यक्तिगत संज्ञानात्मक घटक नहीं होता है।
(C) कक्षा के शिक्षकों को अनुशासन के सभी रूपों को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए अपने शिक्षण वातावरण में मौलिक रूप से सुधार करना चाहिए।
(D) मानव संज्ञानात्मक प्रणाली उन तंत्रों पर काम करती है

जो डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसिंग कंप्यूटर की तरह काम करते हैं।

99. निम्नलिखित में से कौन सी मूल्यांकन रणनीति (Assessment Strategy) रचनावादी कक्षा (Constructivist Classroom) के सबसे अधिक अनुकूल है?
(A) उच्च-दांव वाले बहुविकल्पीय मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण (High-Stakes Multiple-Choice Standardized Achievement Testing)
(B) लगातार समयबद्ध तथ्यात्मक स्मरण प्रश्नोत्तरी और वर्तनी अभ्यास
(C) पोर्टफोलियो, प्रमाणिक कार्य और परियोजना आधारित मूल्यांकन (Portfolios, Authentic Tasks, and Project-Based Assessments)
(D) मानक-संदर्भित मानकीकृत व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण (Norm-Referenced Standardized Individual Intelligence Tests)

100. लेव वायगोत्स्की का सिद्धांत पियाजे के सिद्धांत से अलग है क्योंकि वायगोत्स्की ने किस पर बहुत अधिक जोर दिया:
(A) जैविक परिपक्वता और तंत्रिका विकास (Biological Maturation and Neural Growth)
(B) संज्ञानात्मक विकास के सार्वभौमिक चरण (Universal Stages of Cognitive Development)
(C) सामाजिक अंतःक्रिया और सांस्कृतिक उपकरण (Social Interaction and Cultural Tools)
(D) बाह्य व्यवहारिक पुनर्बलन (Extrinsic Behavioral Reinforcement)

101. वायगोत्स्की के अनुसार, संज्ञानात्मक विकास में सामाजिक प्रक्रियाओं का आंतरिक मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं में रुपांतरण शामिल है। इस तंत्र को क्या कहा जाता है?
(A) समावेशन / समायोजन (Accommodation)
(B) आंतरीकरण (Internalization)
(C) साम्यधारण / संतुलन (Equilibration)
(D) अभ्यस्तता (Habituation)

102. वायगोत्स्की ने तर्क दिया कि एक पहेली को हल करते समय एक बच्चा खुद से बात कर रहा है (निजी वाक् / Private Speech), यह है:
(A) प्रारंभिक संज्ञानात्मक अपरिपक्वता, आत्म-केंद्रितता और अहंकेंद्रवाद (Egocentrism) का एक स्पष्ट संकेत।
(B) आत्म-नियमन (Self-Regulation) और आंतरिक विचार के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम।
(C) अंतर्निहित भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक विकार का एक नैदानिक संकेतक।
(D) वास्तविक समझ के बिना केवल वयस्क बातचीत की नकल करना।

103. समीपस्थ विकास का क्षेत्र (Zone of Proximal Development - ZPD) वायगोत्स्की द्वारा किसके बीच की दूरी के रूप में परिभाषित किया गया है:
(A) संवेदी-गामक अवस्था और पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था को अलग करने वाली विकासात्मक सीमा।
(B) एक बच्चा स्वतंत्र रूप से क्या कर सकता है और मार्गदर्शन और सहयोग के साथ क्या कर सकता है।
(C) बच्चे की कालानुक्रमिक आयु और उसकी मानसिक आयु के बीच मौजूद मापने योग्य अंतर।
(D) मस्तिष्क की जैविक क्षमता और समाज की सांस्कृतिक मांगों के बीच तनाव।

104. एक शिक्षक यह निर्धारित करता है कि एक छात्र स्तर 3 की किताब स्वतंत्र रूप से पढ़ सकता है लेकिन स्तर 5 की किताब के साथ संघर्ष करता है। शिक्षक के संकेत और शब्दावली सहायता के साथ, छात्र स्तर 4 की किताब सफलतापूर्वक पढ़ता है। स्तर 4 की किताब छात्र के किस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती है?
(A) वास्तविक विकास का क्षेत्र (Zone of Actual Development)
(B) समीपस्थ विकास का क्षेत्र (Zone of Proximal Development)
(C) हताशा का क्षेत्र (Zone of Frustration)
(D) शारीरिक सीमा का क्षेत्र (Zone of Physiological Limit)

105. वायगोत्स्की के सिद्धांत के संदर्भ में, "पाड़ / ढांचा" (Scaffolding) की अवधारणा संदर्भित करती है:
(A) शिक्षक द्वारा प्रदान की गई एक स्थायी कठोर संरचना जो यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई है कि छात्र कभी भी कोई अकादमिक त्रुटि न करे।
(B) अधिक सक्षम व्यक्ति द्वारा प्रदान की गई अस्थायी सहायता (Temporary Support) जो शिक्षार्थी को उस लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम बनाती है जिसे वह अकेले प्राप्त नहीं कर सकता था।
(C) एक प्रभावी रचनावादी शिक्षण कक्षा के भीतर डेस्क का भौतिक स्थापत्य लेआउट और स्थानिक व्यवस्था।
(D) जब भी छात्र अपने व्यक्तिगत ZPD के भीतर अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने में विफल रहता है, तो उसे व्यवस्थित रूप से दंडित करना।

106. प्रभावी पाड़ (Scaffolding) की एक अनिवार्य विशेषता "फेडिंग" (Fading) है, जिसका अर्थ है:
(A) जैसे-जैसे समय बीतता है छात्र धीरे-धीरे और अनिवार्य रूप से सीखी गई जानकारी को भूल जाता है।
(B) जैसे-जैसे छात्र की क्षमता बढ़ती है, शिक्षक धीरे-धीरे सहायता वापस ले लेता है।
(C) लक्ष्य कार्य की जटिलता को तब तक लगातार घटाया जाता है जब तक कि यह सरल न हो जाए।
(D) व्यक्तिगत आत्मविश्वास बनाने के लिए शिक्षक जानबूझकर छात्र की गलतियों की उपेक्षा करता है।

Downloaded from www.pdf.tube

107. निम्नलिखित में से कौन सी शिक्षकों द्वारा उपयोग की जाने वाली एक विशिष्ट पाड़ (Scaffolding) रणनीति नहीं है?
(A) छात्र के चिंतन का मार्गदर्शन करने के लिए उपयोगी सूक्ष्म संकेत और मौखिक निर्देश देना
(B) सही समस्या-समाधान प्रक्रिया को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना (Modeling)
(C) जब कोई छात्र अनुक्रिया के दौरान रुकता है तो तुरंत अंतिम उत्तर (Final Answer) प्रदान करना
(D) एक जटिल शिक्षण कार्य को छोटे, आसानी से प्रबंधनीय क्रमिक चरणों में तोड़ना

108. वायगोत्स्की की शब्दावली में, MKO का अर्थ है:
(A) अधिक ज्ञानी अन्य (More Knowledgeable Other)
(B) मल्टीपल नॉलेज ऑपरेशन्स (Multiple Knowledge Operations)
(C) मीनिंगफुल काइनेस्थेटिक आउटपुट (Meaningful Kinesthetic Output)
(D) मेंटल नॉलेज ऑर्गनाइज़ेशन (Mental Knowledge Organization)

109. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): एक सामाजिक रचनावादी कक्षा में, अधिक ज्ञानी अन्य (More Knowledgeable Other - MKO) को हमेशा वयस्क शिक्षक ही होना चाहिए।
कारण (R): वायगोत्स्की ने जोर दिया कि संज्ञानात्मक विकास केवल तभी होता है जब ज्ञान एक वयस्क सत्ताधारी व्यक्ति से बच्चे में प्रेषित होता है।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

110. एक प्राचार्य एक ऐसी कक्षा का अवलोकन करते हैं जहाँ छात्र विषम समूहों (Heterogeneous Groups) में काम कर रहे हैं। गणित में एक मजबूत छात्र संघर्षरत साथी को लंबे भाग (Long Division) के चरणों को समझा रहा है। इस विशिष्ट अंतःक्रिया में, सहपाठी ट्यूटर किस रूप में कार्य कर रहा है?
(A) अधिक ज्ञानी अन्य (More Knowledgeable Other - MKO)
(B) अनुबंधित उद्दीपक (Conditioned Stimulus)
(C) सत्तावादी नेता (Authoritarian Leader)
(D) मूल्यांकनकर्ता (Assessor)

111. कौन सा निर्देशात्मक मॉडल सीधे वायगोत्स्की के सिद्धांतों से प्राप्त हुआ है और इसमें एक शिक्षक और छात्रों का एक छोटा समूह पूर्वानुमान, प्रश्न पूछने, स्पष्ट करने और संक्षेपण के माध्यम से पठन बोध (Reading Comprehension) में सुधार करने के लिए सहयोग करता है?
(A) प्रत्यक्ष अनुदेश (Direct Instruction)
(B) पारस्परिक शिक्षण (Reciprocal Teaching)
(C) अभिक्रमित अधिगम (Programmed Learning)
(D) क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning)

112. "संज्ञानात्मक प्रशिक्षुता" (Cognitive Apprenticeship) की अवधारणा में शामिल हैं:
(A) छात्रों द्वारा जटिल प्रक्रियाओं को करने वाले क्षेत्र के विशेषज्ञों के शिक्षण वीडियो को निष्पादित होते हुए निष्क्रिय रूप से देखना।
(B) प्रामाणिक गतिविधियों में एक विशेषज्ञ के साथ निर्देशित भागीदारी के माध्यम से छात्रों का संज्ञानात्मक कौशल सीखना।
(C) विशेष रूप से अमूर्त सैद्धांतिक अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाले कागजी कार्यपत्रकों को छात्रों द्वारा स्वतंत्र रूप से पूरा करना।
(D) पारंपरिक व्यावसायिक नौकरी प्रशिक्षण केंद्रों के भीतर मैन्युअल व्यापार मजदूरों के रूप में सीधे काम करने वाले छात्र।

113. एक कक्षा की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. शिक्षक एक तानाशाह के बजाय एक सुगमकर्ता (Facilitator) या मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है।
II. शिक्षण कार्य प्रामाणिक, वास्तविक दुनिया के संदर्भों में सन्निहित हैं।
III. छात्रों को संवाद और अर्थ की बातचीत में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
ये विशेषताएं किस शैक्षिक दर्शन का वर्णन करती हैं?
(A) सख्त व्यवहारवाद (Strict Behaviorism)
(B) सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism)
(C) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)
(D) सूचना प्रसंस्करण सिद्धांत (Information Processing Theory)

NODIA

114. रॉबर्ट गैग्ने को किसके सिद्धांत के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है:
(A) बहु-बुद्धि (Multiple Intelligences)
(B) अधिगम की स्थितियां (Conditions of Learning)
(C) विकास के मनोसामाजिक चरण (Psychosocial Stages of Development)
(D) नैतिक विकास के चरण (Moral Development Stages)

115. अधिगम के गैग्ने के पदानुक्रमित मॉडल (Hierarchical Model) के अनुसार, अधिगम का उच्चतम और सबसे जटिल रूप क्या है?
(A) संकेत अधिगम (Signal Learning)
(B) अवधारणा अधिगम (Concept Learning)
(C) नियम अधिगम (Rule Learning)

(D) समस्या समाधान (Problem Solving)

116. गैग्ने ने प्रभावी पाठ योजना के लिए एक ढांचा प्रदान करने के लिए "शिक्षण की नौ घटनाओं" (Nine Events of Instruction) का प्रस्ताव रखा। इस क्रम में पहली घटना क्या है?
(A) उद्दीपक सामग्री प्रस्तुत करना
(B) ध्यान आकर्षित करना (Gaining Attention)
(C) शिक्षार्थियों को उद्देश्य की जानकारी देना (Informing Learners of Objective)
(D) प्रदर्शन निष्पादित कराना

117. गैग्ने के शिक्षण की नौ घटनाओं (Nine Events of Instruction) में, छात्रों को दिन के विषय से संबंधित पूर्व ज्ञान को याद करने के लिए कहना किस उद्देश्य की पूर्ति करता है?
(A) इकाई के लिए उनके समग्र अंतिम अकादमिक ग्रेड का मूल्यांकन करना।
(B) कार्यशील स्मृति में पूर्व-आवश्यक अधिगम की पुनःप्राप्ति को उत्तेजित करना।
(C) वर्तमान कार्य प्रदर्शन पर तत्काल मूल्यांकन प्रतिक्रिया प्रदान करना।
(D) उनका प्रारंभिक दृश्य और श्रव्य केंद्रित ध्यान प्राप्त करना।

118. गैग्ने ने अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) की पाँच प्रमुख श्रेणियों की पहचान की। निम्नलिखित में से कौन सी उन श्रेणियों में से एक नहीं है?
(A) मौखिक सूचना (Verbal Information)
(B) बौद्धिक कौशल (Intellectual Skills)
(C) मोटर कौशल (Motor Skills)
(D) अनावबंधित सजगता (Unconditioned Reflexes)

119. हावर्ड गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धांत (Theory of Multiple Intelligences - MI) ने तर्क देकर बुद्धि के पारंपरिक दृष्टिकोण को चुनौती दी कि:
(A) बुद्धि एक एकल, सामान्य मानसिक क्षमता (g-कारक) है जिसे मानकीकृत आईक्यू परीक्षण द्वारा सटीक रूप से मापा जा सकता है।
(B) बुद्धि में विशिष्ट, स्वायत्त क्षमताएं होती हैं जो एक दूसरे से अपेक्षाकृत स्वतंत्र होती हैं।
(C) बुद्धि पूरी तरह से जैविक आनुवंशिक वंशानुक्रम का एक निश्चित उत्पाद है जिसे अनुभव द्वारा सार्थक रूप से संशोधित नहीं किया जा सकता है।
(D) बुद्धि औपचारिक गणित और भाषा विषयों में प्रदर्शित पारंपरिक अकादमिक उपलब्धि के बिल्कुल बराबर है।

120. गार्डनर द्वारा प्रस्तावित निम्नलिखित बुद्धिमत्ताओं पर विचार कीजिए:
I. भाषाई (Linguistic)
II. तार्किक-गणितीय (Logical-Mathematical)
III. स्थानिक (Spatial)
IV. संगीतात्मक (Musical)
पारंपरिक स्कूल पाठ्यक्रमों और मानकीकृत परीक्षणों में उपर्युक्त में से किस बुद्धि पर सबसे अधिक जोर दिया जाता है?
(A) I और III
(B) I और II
(C) II और IV
(D) III और IV

121. एक छात्र जिसमें दूसरों को प्रभावी ढंग से समझने और उनके साथ अंतःक्रिया करने की असाधारण क्षमता है, जो सहानुभूति और मजबूत नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन करता है, वह उच्च प्रदर्शित कर रहा है:
(A) अंतःव्यक्तिगत बुद्धि (Intrapersonal Intelligence)
(B) अंतरव्यक्तिगत बुद्धि (Interpersonal Intelligence)
(C) अस्तित्वशास्त्रीय बुद्धि (Existential Intelligence)
(D) प्रकृतिवादी बुद्धि (Naturalistic Intelligence)

122. गार्डनर के अनुसार, अंतःव्यक्तिगत बुद्धि (Intrapersonal Intelligence) संदर्भित करती है:
(A) अपनी आंतरिक भावनाओं, प्रेरणाओं और लक्ष्यों को समझने की क्षमता।
(B) स्थान में स्थूल और सूक्ष्म शारीरिक गतियों को प्रभावी ढंग से समन्वित करने की क्षमता।
(C) प्रकृति में जटिल पैटर्नों का निरीक्षण, वर्गीकरण और पहचान करने की क्षमता।
(D) सामाजिक साथियों के साथ प्रेरक और सहानुभूतिपूर्वक संवाद करने की क्षमता।

123. एक जीव विज्ञान शिक्षक विभिन्न पत्तियों को वर्गीकृत करने के लिए छात्रों को स्कूल के बगीचे में ले जाकर पौधे के वर्गीकरण पर एक पाठ संचालित करता है। यह शिक्षण दृष्टिकोण उच्च बुद्धि वाले छात्रों को सबसे अच्छे रूप में लक्षित करता है:
(A) स्थानिक बुद्धि (Spatial Intelligence)
(B) शारीरिक-गतिसंवेदी बुद्धि (Bodily-Kinesthetic Intelligence)
(C) प्रकृतिवादी बुद्धि (Naturalistic Intelligence)
(D) भाषाई बुद्धि (Linguistic Intelligence)

124. गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धांत की वैध आलोचना निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) यह पारंपरिक मनोमितीय उपकरणों और मानकीकृत व्यक्तिगत आईक्यू परीक्षण प्रक्रियाओं पर अत्यधिक निर्भर करता है।
(B) इसमें बुद्धिमत्ताओं की सख्त स्वतंत्रता को सत्यापित करने वाले मजबूत अनुभवजन्य और मनोमितीय साक्ष्यों की कमी है।
(C) यह कक्षा की शिक्षण रणनीतियों को विशेष रूप से औपचारिक प्रत्यक्ष व्याख्यान विधियों तक अनुचित रूप से सीमित करता है।
(D) यह छोटे स्कूली बच्चों को उनके पारिवारिक पृष्ठभूमि और सामाजिक-आर्थिक स्थिति के आधार पर बहुत अधिक

Click Here to Buy book on Flipkart

सख्ती से वर्गीकृत करता है।

125. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): गार्डनर का बहु-बुद्धि सिद्धांत "अधिगम शैलियों" (Learning Styles) (जैसे, दृश्य, श्रव्य, गतिसंवेदी शिक्षार्थी) की अवधारणा का पर्याय है।
कारण (R): दोनों सिद्धांत सुझाव देते हैं कि छात्र के पसंदीदा तरीके के अनुसार शिक्षण को ढालना उच्च अकादमिक उपलब्धि की गारंटी देता है।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

126. शिक्षण डिज़ाइन (Instructional Design) पर अधिगम सिद्धांतों को लागू करते समय, यदि शिक्षक का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्र एक बुनियादी प्रक्रियात्मक कौशल (जैसे, कीबोर्डिंग) तेज़ी से और सटीक रूप से कर सकें, तो कौन सा सैद्धांतिक दृष्टिकोण सबसे प्रभावी शिक्षण रणनीतियाँ प्रदान करता है?
(A) सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism)
(B) व्यवहारवाद (Behaviorism)
(C) गेस्टाल्ट मनोविज्ञान (Gestalt Psychology)
(D) मनोविश्लेषण (Psychoanalysis)

127. 5E शिक्षण मॉडल (5E Instructional Model - Engage, Explore, Explain, Elaborate, Evaluate) किस अधिगम सिद्धांत में सबसे अधिक गहराई से निहित है?
(A) व्यवहारवाद (Behaviorism)
(B) रचनावाद (Constructivism)
(C) संयोजनवाद (Connectionism)
(D) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)

128. 5E मॉडल के "अन्वेषण" (Explore) चरण में, छात्रों को किसके लिए प्रोत्साहित किया जाता है:
(A) वैज्ञानिक अवधारणा को स्पष्ट रूप से समझाते हुए एक विस्तृत औपचारिक शिक्षक व्याख्यान को ध्यान से सुनना।
(B) अपने आधारभूत विषय ज्ञान का कड़ाई से परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन की गई एक व्यक्तिगत योगात्मक परीक्षा देना।
(C) सामान्य अनुभवों का निर्माण करने और परिकल्पनाओं का परीक्षण करने के लिए सामग्रियों और एक-दूसरे के साथ अंतःक्रिया करना।
(D) नए विषय से संबंधित व्यापक शब्दावली सूचियों और परिभाषा पत्रों को व्यवस्थित रूप से याद करना।

129. एक प्राचार्य एक शिक्षक को सलाह देते हैं कि एक विविध कक्षा के लिए केवल एक अधिगम सिद्धांत पर भरोसा करना अप्रभावी है। सीखने के उद्देश्य और संदर्भ के आधार पर कई सिद्धांतों (व्यवहारवादी, संज्ञानात्मक, रचनावादी) को आकर्षित करने का अभ्यास किस रूप में जाना जाता है?
(A) कट्टरतावाद (Dogmatism)
(B) उदारवाद / सर्वग्रहणवाद (Eclecticism)
(C) लघूकरण (Reductionism)
(D) उग्रवाद (Radicalism)

130. "फ्लिप्ड क्लासरुम" (Flipped Classroom) मॉडल—जहाँ छात्र घर पर व्याख्यान सामग्री की समीक्षा करते हैं और कक्षा में समस्या-समाधान में संलग्न होते हैं—कक्षा के समय में किस सैद्धांतिक बदलाव का लाभ उठाता है?
(A) कक्षा में सक्रिय रचनावादी शिक्षण अनुप्रयोग से कक्षा में निष्क्रिय व्यवहारवादी ड्रिल अभ्यासों (Drill Exercises) तक।
(B) घर पर निम्न-स्तरीय संज्ञानात्मक कार्यों से MKO (शिक्षक) की उपस्थिति में उच्च-स्तरीय रचनावादी कार्यों तक।
(C) निष्क्रिय अनुक्रियात्मक शास्त्रीय अनुबंधन तंत्र से सक्रिय नैमित्तिक क्रियाप्रसूत अनुबंधन सिद्धांतों तक।
(D) अमार्गदर्शित शुद्ध खोज अधिगम रणनीतियों से अत्यधिक संरचित, शिक्षक-नेतृत्व वाली सख्त प्रत्यक्ष अनुदेश विधियों तक।

131. पियाजे और वायगोत्स्की की तुलना करते समय, अधिगम (Learning) और विकास (Development) के बीच के संबंध के बारे में उनका प्राथमिक सैद्धांतिक अंतर क्या है?
(A) पियाजे का मानना था कि अधिगम हमेशा विकास से पहले होता है; वायगोत्स्की का मानना था कि विकास हमेशा अधिगम से पहले होता है।
(B) पियाजे का मानना था कि विकास अधिगम से पहले होता है; वायगोत्स्की का मानना था कि अधिगम विकास को आगे खींचता है।
(C) दोनों सिद्धांतकारों का मानना था कि अधिगम और संज्ञानात्मक विकास पूरी तरह से अलग, स्वतंत्र प्रक्रियाएं हैं।
(D) दोनों सिद्धांतकारों का मानना था कि जैविक विकास बिना किसी अपवाद के अधिगम की सार्वभौमिक गति को सख्ती से निर्देशित करता है।

132. संज्ञानात्मक विकास में भाषा की भूमिका पर पियाजे और वायगोत्स्की के विचार कैसे भिन्न हैं?
(A) पियाजे ने बोली जाने वाली भाषा को संज्ञानात्मक विकास का पूर्ण प्राथमिक चालक माना, जबकि वायगोत्स्की ने इसे केवल एक अहंकेंद्रित उप-उत्पाद माना।
(B) वायगोत्स्की ने भाषा को एक मूलभूत उपकरण के रूप में देखा जो विचार को आकार देता है; पियाजे ने भाषा को ज्यादातर मौजूदा संज्ञानात्मक संरचनाओं के प्रतिबिंब के

Downloaded from www.pdf.tube

रूप में देखा।
(C) दोनों सिद्धांतकारों ने स्पष्ट रूप से सहमति व्यक्त की कि छोटे बच्चों में जटिल संज्ञानात्मक विकास को चलाने के लिए औपचारिक प्रतीकात्मक भाषा पूरी तरह से अनावश्यक है।
(D) दोनों सिद्धांतकारों ने स्पष्ट रूप से सहमति व्यक्त की कि छोटे बच्चों में सुनाई देने वाला निजी वाक् मनोवैज्ञानिक प्रतिगमन का एक स्पष्ट नैदानिक संकेत प्रस्तुत करता है।

133. पियाजे और वायगोत्स्की की तुलना करने वाले निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. पियाजे ने संज्ञानात्मक संघर्ष पैदा करने के लिए साथियों की अंतःक्रियाओं (Peer Interactions) पर जोर दिया।
II. वायगोत्स्की ने पाड़ (Scaffolding) प्रदान करने के लिए अधिक ज्ञानी वयस्कों या साथियों के साथ अंतःक्रियाओं पर जोर दिया।
III. दोनों सिद्धांतकारों ने इस विचार को खारिज कर दिया कि बच्चे सक्रिय रूप से ज्ञान का निर्माण करते हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

134. यदि कोई शिक्षक सख्ती से पियाजे के सिद्धांत का समर्थन करता है, तो वे उस छात्र से कैसे निपटेंगे जो बीजगणित (Algebra) जैसी अमूर्त अवधारणा को समझने में विफल रहता है?
(A) गहन व्यक्तिगत पाड़ (Scaffolding), सहपाठी ट्यूशन और स्पष्ट संरचनात्मक मार्गदर्शन लगातार प्रदान करें जब तक कि छात्र गणित को पूरी तरह से न समझ जाए।
(B) गणित की समस्याओं को हल करने में छात्र के निरंतर प्रयासों को लगातार पुरस्कृत और पुनर्बलित करने के लिए एक व्यवस्थित टोकन अर्थव्यवस्था पुनर्बलन प्रणाली का उपयोग करें।
(C) यह निष्कर्ष निकालें कि छात्र अभी तक औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था में नहीं पहुँचा है और निर्देश को टाल दें, इसके बदले मूर्त कार्य प्रदान करें।
(D) मान लें कि छात्र में तार्किक-गणितीय बुद्धि क्षमता की स्थायी रूप से कमी है और उसे बीजगणित कक्षा में भाग लेने से औपचारिक रूप से छूट दें।

135. यदि कोई शिक्षक बीजगणित से जूझ रहे छात्र से निपटते समय वायगोत्स्की के सिद्धांत का समर्थन करता है, तो वे स्थिति का सामना कैसे करेंगे?
(A) बच्चे के मस्तिष्क के जैविक रूप से परिपक्व होने और आवश्यक तंत्रिका संरचनाओं (Neural Structures) के विकसित होने तक निष्क्रिय रूप से प्रतीक्षा करें।
(B) बच्चे के ZPD का मूल्यांकन करें और समझ में अंतर को पाटने के लिए लक्षित पाड़ (Scaffolding) प्रदान करें।
(C) बच्चे की गणितीय त्रुटियों को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए कक्षा में तत्काल सकारात्मक दंड रणनीतियों को लागू करें।
(D) भौतिक प्रतिनिधित्व के विशेष रूप से इनेक्टिव (सक्रिय) मोटर मोड का उपयोग करके बच्चे को बीजगणितीय अवधारणाओं पर निर्देश दें।

136. कौन सा अधिगम सिद्धांत यह मानता है कि ज्ञान लोगों और प्रौद्योगिकी के नेटवर्क में फैला हुआ है, और जो हम आज जानते हैं उससे अधिक महत्वपूर्ण कल के लिए आवश्यक ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता है?
(A) कनेक्टिविज़्म (Connectivism)
(B) व्यवहारवाद (Behaviorism)
(C) मानवतावाद (Humanism)
(D) गेस्टाल्टवाद (Gestaltism)

137. कौन सा सिद्धांतकार "पारस्परिक निर्धारणवाद" (Reciprocal Determinism) की अवधारणा से जुड़ा है, जो यह बताता है कि व्यवहार, पर्यावरण और व्यक्तिगत/संज्ञानात्मक कारक सभी एक-दूसरे को परस्पर प्रभावित करते हैं?
(A) बी.एफ. स्किनर
(B) अल्बर्ट बांडुरा
(C) लेव वायगोत्स्की
(D) जीन पियाजे

138. अल्बर्ट बांडुरा के सामाजिक अधिगम सिद्धांत (Social Learning Theory) में, दूसरों को देखकर सीखने की प्रक्रिया को क्या कहा जाता है?
(A) क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning)
(B) प्रेक्षणनात्मक अधिगम / मॉडलिंग (Observational Learning)
(C) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)
(D) अव्यक्त अधिगम (Latent Learning)

139. बांडुरा ने प्रभावी मॉडलिंग (Modeling) के होने के लिए चार आवश्यक शर्तों की रूपरेखा तैयार की। इन शर्तों का सही क्रम क्या है?
(A) धारण (Retention), ध्यान (Attention), अभिप्रेरणा (Motivation), पुनरुत्पादन (Reproduction)
(B) ध्यान (Attention), धारण (Retention), पुनरुत्पादन (Reproduction), अभिप्रेरणा (Motivation)
(C) अभिप्रेरणा (Motivation), ध्यान (Attention), धारण (Retention), पुनरुत्पादन (Reproduction)
(D) ध्यान (Attention), पुनरुत्पादन (Reproduction), धारण (Retention), अभिप्रेरणा (Motivation)

140. निम्नलिखित कक्षा परिदृश्य पर विचार कीजिए: एक शिक्षक छात्र A की कला सामग्री की सफाई करने के लिए प्रशंसा करता है। छात्र B, इसे देखकर तुरंत अपनी कला सामग्री की सफाई करता है। यह किसका एक उदाहरण है?
(A) प्रत्यक्ष पुनर्बलन (Direct Reinforcement)
(B) प्रतिनिधि/प्रतिनिधिक पुनर्बलन (Vicarious

NODIA

Reinforcement)
(C) नकारात्मक दंड (Negative Punishment)
(D) रूपण (Shaping)

141. बांडुरा की "आत्म-प्रभावकारिता" (Self-Efficacy) की अवधारणा संदर्भित करती है:
(A) छात्र का अपनी व्यक्तिगत आत्म-मूल्य के संबंध में सामान्यकृत समग्र वैश्विक मूल्यांकन और भावनात्मक भावना।
(B) छात्र का एक विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यों को व्यवस्थित और निष्पादित करने की अपनी क्षमता में विश्वास।
(C) मानकीकृत परीक्षण द्वारा मापी गई छात्र की निश्चित जन्मजात बौद्धिक क्षमता और जैविक क्षमता।
(D) छात्र के तात्कालिक आसपास के वातावरण में भौतिक वस्तुओं में हेरफेर करने की शारीरिक स्थानिक क्षमता।

142. एक शिक्षक गणित में एक संघर्षरत छात्र की आत्म-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) को बढ़ाना चाहता है। बांडुरा के अनुसार, आत्म-प्रभावकारिता का सबसे शक्तिशाली स्रोत निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) मौखिक अनुनय और प्रोत्साहन (Verbal Persuasion and Encouragement) ("आप निश्चित रूप से इसे कर सकते हैं!")
(B) प्रतिनिधि अनुभव (समान साथियों को कार्यों में सफल होते देखना)
(C) महारत के अनुभव (विगत गणितीय कार्यों पर व्यक्तिगत सफलता / Mastery Experiences)
(D) शारीरिक उत्तेजना (परीक्षा से पहले तीव्र चिंता महसूस करना)

143. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत (Social Cognitive Theory) व्यवहारवाद और संज्ञानवाद के बीच की खाई को पाटता है।
कारण (R): इसमें ध्यान, स्मृति और अभिप्रेरणा (संज्ञानात्मक प्रक्रियाएं) शामिल हैं, जबकि वातावरणीय पुनर्बलन की भूमिका को भी स्वीकार किया जाता है।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

144. कौन सा प्रमुख शैक्षिक दर्शन पूरे व्यक्ति के विकास, आत्म-सिद्धि (Self-Actualization) और शिक्षार्थी की भावनात्मक (Affective) आवश्यकताओं पर जोर देता है?
(A) व्यवहारवाद (Behaviorism)
(B) मानवतावाद (Humanism)
(C) संज्ञानवाद (Cognitivism)
(D) सूचना प्रसंस्करण (Information Processing)

145. मानवतावादी मनोविज्ञान के एक प्रमुख व्यक्ति अब्राहम मास्लो ने आवश्यकताओं के पदानुक्रम (Hierarchy of Needs) का प्रस्ताव रखा। इस सिद्धांत के अनुसार, एक शिक्षक को यह पहचानना चाहिए कि:
(A) संज्ञानात्मक बौद्धिक आवश्यकताएं (जैसे भौतिकी में महारत हासिल करना) हमेशा बुनियादी शारीरिक उत्तरजीविता आवश्यकताओं से ऊपर होती हैं।
(B) जो छात्र भूखा है या असुरक्षित महसूस करता है, उसे शैक्षणिक शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने में अत्यधिक कठिनाई होगी।
(C) आत्म-सिद्धि पूर्ण प्राथमिक आधारभूत आवश्यकता है जिसे प्रारंभिक बचपन के विकास के दौरान पूरा किया जाना चाहिए।
(D) बाह्य मूर्त पुरस्कार प्रदान करना छात्र सम्मान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपलब्ध एकमात्र प्रभावी तरीका है।

146. एक अन्य प्रमुख मानवतावादी कार्ल रोजर्स ने "शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा" (Learner-Centered Education) की वकालत की। इस मॉडल में शिक्षक के लिए एक प्रमुख आवश्यकता क्या प्रदान करना है:
(A) सख्त व्यवहारिक सीमाएं और टोकन अर्थव्यवस्थाएं (Token Economies)
(B) शर्तहीन सकारात्मक आदर और सहानुभूति (Unconditional Positive Regard and Empathy)
(C) सावधानीपूर्वक अनुक्रमित अभिक्रमित अनुदेश
(D) कठोर मानकीकृत मूल्यांकन

147. रचनावादी शिक्षाशास्त्र अक्सर "समस्या-आधारित अधिगम" (Problem-Based Learning - PBL) का उपयोग करता है। PBL में, अधिगम किससे शुरू होता है:
(A) शिक्षक द्वारा मूलभूत सिद्धांत प्रस्तुत करना।
(B) एक असंरचित, खुले अंत वाली वास्तविक दुनिया की समस्या।
(C) एक बहुविकल्पीय पूर्व-परीक्षण।
(D) समस्या को हल करने के लिए आवश्यक तथ्यों को रटकर याद करना।

148. सूचना प्रसंस्करण सिद्धांत (Information Processing Theory) के अनुसार, "कार्यशील स्मृति" (Working Memory / अल्पकालिक स्मृति) की विशेषता है:
(A) सभी संवेदी आगतों के लिए असीमित भंडारण क्षमता और स्थायी, असीमित अवधि।
(B) सीमित क्षमता (लगभग 7 +/- 2 आइटम) और कम अवधि (लगभग 15-30 सेकंड)।
(C) स्थायी, असीमित भंडारण अवधि के साथ संयुक्त रूप से सख्ती से सीमित आइटम क्षमता।

Click Here to Buy book on Amazon

(D) अत्यंत कम धारण अवधि के साथ संयुक्त असीमित समग्र भंडारण क्षमता।

149. सूचना प्रसंस्करण सिद्धांत में, कार्यशील स्मृति की क्षमता बढ़ाने के लिए अलग-अलग सूचना के टुकड़ों को बड़ी, अर्थपूर्ण इकाइयों में समूहित करने की प्रक्रिया को क्या कहा जाता है?
(A) चंकिंग / खंडन (Chunking)
(B) एन्कोडिंग / कूटलेखन (Encoding)
(C) पुनःप्राप्ति (Retrieval)
(D) पूर्वाभ्यास (Rehearsal)

150. एक छात्र फोन नंबर को अपने दिमाग में बार-बार दोहराता है ताकि डायल करने तक इसे कार्यशील स्मृति (Working Memory) में रखा जा सके। यह किसका एक उदाहरण है?
(A) विस्तृत पूर्वाभ्यास (Elaborative Rehearsal)
(B) रखरखाव पूर्वाभ्यास (Maintenance Rehearsal)
(C) अर्थगत कूटलेखन (Semantic Encoding)
(D) प्रासंगिक स्मृति (Episodic Memory)

151. कार्यशील स्मृति से दीर्घकालिक स्मृति (Long-Term Memory) में जानकारी को प्रभावी ढंग से ले जाने के लिए, संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिक "विस्तृत पूर्वाभ्यास" (Elaborative Rehearsal) की सलाह देते हैं। निम्नलिखित में से कौन साइसे सबसे अच्छे से प्रदर्शित करता है?
(A) कागज के एक टुकड़े पर लगातार 50 बार एक नया शब्दावली शब्द बार-बार लिखना।
(B) एक नए शब्दावली शब्द को एक व्यक्तिगत अनुभव या पहले से सीखी गई अवधारणा से जोड़ना।
(C) चमकीले पीले मार्कर के साथ लगभग पूरी पाठ्यपुस्तक अध्याय को निष्क्रिय रूप से हाइलाइट करना।
(D) रात में गहरी नींद में सोते समय व्याख्यान के रिकॉर्ड किए गए ऑडियो को बार-बार सुनना।

152. परासंज्ञान (Metacognition), जो संज्ञानात्मक अधिगम सिद्धांतों में एक महत्वपूर्ण अवधारणा है, को सबसे अच्छे रूप में कैसे परिभाषित किया गया है?
(A) मस्तिष्क के ललाट पाली (Frontal Lobe) क्षेत्र में होने वाली जैविक और शारीरिक परिपक्वता।
(B) अपनी खुद की सोच के बारे में सोचना, या अपनी स्वयं की संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता और नियमन।
(C) अधिकतम प्रसंस्करण गति जिस पर कार्यशील स्मृति के भीतर नई जानकारी संसाधित की जाती है।
(D) भावनात्मक रूप से दर्दनाक अतीत की घटनाओं का अनैच्छिक, सहज अवचेतन स्मरण।

153. एक परीक्षा दे रहा छात्र महसूस करता है कि वह एक पठन गद्यांश (Reading Passage) को नहीं समझ पा रहा है। वे धीमा होने, गद्यांश को फिर से पढ़ने और संदर्भ सुराग तलाशने का निर्णय लेते हैं। यह व्यवहार किसका एक प्रमुख उदाहरण है?
(A) परासंज्ञानात्मक नियमन (Metacognitive Regulation)
(B) क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning)
(C) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)
(D) स्वचालितता (Automaticity)

154. संज्ञानात्मक भार सिद्धांत (Cognitive Load Theory) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. आंतरिक संज्ञानात्मक भार (Intrinsic Cognitive Load) शिक्षण सामग्री की अंतर्निहित जटिलता द्वारा निर्धारित होता है।
II. बाह्य संज्ञानात्मक भार (Extraneous Cognitive Load) खराब डिज़ाइन की गई शिक्षण सामग्रियों के कारण होता है और इसे कम से कम किया जाना चाहिए।
III. जर्मेन संज्ञानात्मक भार (Germane Cognitive Load) स्कीमा बनाने के लिए आवश्यक मानसिक प्रयास को संदर्भित करता है और इसे अनुकूलित किया जाना चाहिए।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

NODIA

155. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): एक पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन जिसमें घने पाठ को शिक्षक द्वारा शब्द-दर-शब्द जोर से पढ़ा जाता है, सीखने के लिए अत्यधिक प्रभावी है।
कारण (R): यह दृश्य और श्रव्य दोनों चैनलों का उपयोग करता है, जिससे शिक्षार्थी पर संज्ञानात्मक भार आधा हो जाता है।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

156. अधिगम सिद्धांतों के संदर्भ में, "अधिगम का स्थानांतरण" (Transfer of Learning) संदर्भित करता है:
(A) एक छात्र शारीरिक रूप से स्थानांतरित होकर एक स्थानीय स्कूल जिले से सीधे दूसरे जिले में दाखिला ले रहा है।
(B) एक संदर्भ में सीखे गए ज्ञान या कौशल का एक नए, अलग संदर्भ में अनुप्रयोग।
(C) सक्रिय शिक्षक द्वारा सीधे निष्क्रिय छात्र के दिमाग में शैक्षणिक ज्ञान का प्रेषण।
(D) समय की एक विस्तारित अवधि में संग्रहीत स्मृति चिह्नों

का क्रमिक जैविक क्षय और हानि।

157. अधिगम का सकारात्मक स्थानांतरण (Positive Transfer of Learning) तब होता है जब:
(A) पूर्व अधिगम एक नए कौशल को सीखने में हस्तक्षेप करता है (जैसे, मैनुअल कार बनाम स्वचालित कार चलाना)।
(B) पूर्व अधिगम एक नए कौशल को सीखने को बढ़ाता है (जैसे, स्पेनिश जानना इतालवी सीखने में मदद करता है)।
(C) पूर्व अधिगम का नए अधिगम पर बिल्कुल कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
(D) एक छात्र परीक्षा पास करने के लिए सहपाठी ट्यूटर पर निर्भर रहता है।

158. "स्थित अधिगम" (Situated Learning - लेव और वेंगनर) की अवधारणा का तर्क है कि अधिगम मूलभूत रूप से एक सामाजिक प्रक्रिया है और यह उस संदर्भ से गहराई से जुड़ी हुई है जिसमें यह होती है। इस सिद्धांत का एक प्रमुख घटक क्या है?
(A) वैध परिधीय भागीदारी (Legitimate Peripheral Participation)
(B) पुनर्बलन की अनुसूचियां (Schedules of Reinforcement)
(C) अनुप्रयोग का नियम (Law of Disuse)
(D) परिकल्पित-निगमनात्मक तर्क (Hypothetico-deductive Reasoning)

159. रचनावादी दृष्टिकोण के अनुसार, अधिगम प्रक्रिया में त्रुटियों (Errors) की भूमिका को किस रूप में देखा जाता है:
(A) कुसमायोजित व्यवहारिक अनुक्रियाएं (Maladaptive Behavioral Responses) जिन्हें तुरंत दंडित किया जाना चाहिए, सही किया जाना चाहिए और पूरी तरह से समाप्त किया जाना चाहिए।
(B) कम सहज संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता और अकादमिक क्षमता को प्रदर्शित करने वाले स्पष्ट मात्रात्मक नैदानिक संकेतक।
(C) छात्र की वर्तमान योजनाओं (Schemas) में प्राकृतिक और आवश्यक खिड़कियां और संज्ञानात्मक विकास के अवसर।
(D) स्पष्ट संकेत जो दर्शाते हैं कि शिक्षक स्पष्ट, प्रभावी प्रत्यक्ष अनुदेश प्रदान करने में पूरी तरह से विफल रहा है।

160. सिद्धांतकारों और उनकी प्रमुख अवधारणाओं के संबंध में सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए:
सूची I
P. बी.एफ. स्किनर
Q. जीन पियाजे
R. लेव वायगोत्स्की
S. जेरोम ब्रूनर
सूची II
1. पाड़ / ढांचा (Scaffolding)
2. सर्पिल पाठ्यक्रम (Spiral Curriculum)
3. क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning)
4. जेनेटिक एपिस्टेमोलॉजी (Genetic Epistemology)
सही विकल्प का चयन कीजिए:
(A) P-3, Q-4, R-1, S-2
(B) P-3, Q-1, R-4, S-2
(C) P-4, Q-3, R-1, S-2
(D) P-2, Q-4, R-1, S-3

161. एक प्राचार्य गैग्ने की शिक्षण की नौ घटनाओं पर आधारित एक पाठ योजना की समीक्षा कर रहे हैं। शिक्षक ने यह देखने के लिए एक भूमिका-निभाने (Role-play) गतिविधि की योजना बनाई है कि क्या छात्र एक नकली वास्तविक दुनिया के परिदृश्य में नई अवधारणा को लागू कर सकते हैं। यह गैग्ने की किस घटना का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) उद्दीपक प्रस्तुत करना (Presenting Stimulus)
(B) प्रदर्शन निष्पादित कराना (Eliciting Performance)
(C) प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करना
(D) धारण और स्थानांतरण को बढ़ाना

162. व्यवहारवादियों का तर्क है कि अधिगम के उद्देश्यों (Learning Objectives) को अवलोकन योग्य व्यवहार के संदर्भ में बताया जाना चाहिए। निम्नलिखित में से कौन सा एक उचित रूप से तैयार किया गया व्यवहारिक उद्देश्य है?
(A) "छात्र द्वितीय विश्व युद्ध के सभी प्राथमिक कारणों को गहराई से समझेगा।"
(B) "छात्र शेक्सपियर की कृतियों के काव्यात्मक सौंदर्य की सराहना करेगा।"
(C) "छात्र 100% सटीकता के साथ द्वितीय विश्व युद्ध के चार प्रमुख कारणों की सूची बनाएगा।"
(D) "छात्र बास्केटबॉल खेलने के सभी बुनियादी नियमों को जानेगा और बताएगा।"

163. संज्ञानात्मक अधिगम के संदर्भ में, "जाइगार्निक प्रभाव" (Zeigarnik Effect) लोगों की किस प्रवृत्ति को संदर्भित करता है:
(A) पूरे किए गए कार्यों की तुलना में अधूरे या बाधित कार्यों को बेहतर याद रखना।
(B) ऐसी नई जानकारी को भूल जाना जो सीधे उनके मौजूदा व्यक्तिगत विश्वासों का खंडन करती है।
(C) जब सक्रिय शारीरिक गति शामिल होती है तो अमूर्त अवधारणाओं को बेहतर सीखना।
(D) अपनी समग्र संज्ञानात्मक क्षमताओं और प्रदर्शन का व्यवस्थित रूप से अधिक आकलन करना।

164. डेविड कोल्ब द्वारा प्रस्तावित "अनुभवात्मक अधिगम" (Experiential Learning) का सबसे अच्छा वर्णन निम्नलिखित में से कौन सा करता है?
(A) केवल पारंपरिक पाठ्यपुस्तकों को निष्क्रिय रूप से पढ़ने और स्थिर नोट्स लेने के माध्यम से शैक्षणिक अवधारणाओं को सीखना।

Downloaded from www.pdf.tube

(B) मूर्त अनुभव, विचारशील अवलोकन, अमूर्त अवधारणात्मकता और सक्रिय प्रयोग को शामिल करने वाला एक चार चरणों वाला चक्र।
(C) सख्त व्यवहारिक अनुबंधन तंत्र और वातावरणीय उद्दीपक-अनुक्रिया युग्मों के माध्यम से विषय सामग्री सीखना।
(D) भौतिक फ्लैशकार्ड के माध्यम से तथ्यात्मक जानकारी को व्यवस्थित रूप से याद करने की एक रेखीय, चरण-दर-चरण प्रक्रिया।

165. कोल्ब के अनुभवात्मक अधिगम चक्र के अनुसार, "मूर्त अनुभव" (Concrete Experience) के तुरंत बाद कौन सा चरण आता है?
(A) सक्रिय प्रयोग (Active Experimentation)
(B) अमूर्त अवधारणात्मकता (Abstract Conceptualization)
(C) विचारशील अवलोकन (Reflective Observation)
(D) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)

166. एक प्राचार्य एक "पीयर मेंटरिंग" (Peer Mentoring) कार्यक्रम लागू करते हैं जहाँ वरिष्ठ छात्र विशिष्ट शैक्षणिक चुनौतियों वाले कनिष्ठ छात्रों की मदद करते हैं। यह संरचनात्मक हस्तक्षेप सैद्धांतिक रूप से किसके साथ सबसे अधिक संरेखित है:
(A) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)
(B) वायगोत्स्की का सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism)
(C) थार्नडाइक का अभ्यास का नियम (Law of Exercise)
(D) स्किनर की टोकन अर्थव्यवस्था (Token Economy)

167. "स्व-नियमित अधिगम" (Self-Regulated Learning - SRL) एक चक्रीय प्रक्रिया है जहाँ छात्र सक्रिय रूप से अपने स्वयं के शिक्षण का प्रबंधन करते हैं। ज़िमरमैन के मॉडल के अनुसार, SRL के तीन चरण हैं:
(A) विचार-पूर्व (Forethought), प्रदर्शन/ऐच्छिक नियंत्रण (Performance/Volitional Control), आत्म-प्रतिबिंब (Self-Reflection)
(B) उद्दीपक प्रस्तुति, व्यवहारिक अनुक्रिया, बाह्य पुनर्बलन
(C) स्कीमा आत्मसातीकरण, संज्ञानात्मक समावेशन, संतुलन की स्थिति
(D) चयनात्मक ध्यान, सूचना धारण, व्यवहारिक पुनरुत्पाद

168. पियाजे के सिद्धांत में, "संक्रिया" (Operation) शब्द विशेष रूप से संदर्भित करता है:
(A) एक मूर्त बाह्य वस्तु पर किया गया एक प्रत्यक्ष भौतिक मोटर कार्य (Physical Motor Action)।
(B) एक आंतरिक मानसिक क्रिया जो तार्किक और उत्क्रमणीय (Reversible) है।
(C) जन्म के समय मानव शिशुओं में मौजूद एक सहज अनैच्छिक रिफ्लेक्स क्रिया।
(D) साथियों के बीच सांस्कृतिक ज्ञान का अनौपचारिक सामाजिक प्रेषण।

169. आसुबेल द्वारा वर्णित "अर्थपूर्ण अधिगम" (Meaningful Learning) बनाम "रटकर अधिगम" (Rote Learning) के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए।
(A) अर्थपूर्ण अधिगम के लिए आवश्यक है कि व्यक्तिगत शिक्षार्थी की संज्ञानात्मक संरचना शुरू में पूरी तरह से खाली (Tabula Rasa) हो।
(B) अर्थपूर्ण अधिगम तब होता है जब नई जानकारी गैर-मनमाना ढंग से उस चीज़ से संबंधित होती है जिसे शिक्षार्थी पहले से जानता है (Prior Knowledge)।
(C) अत्यधिक जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं के दीर्घकालिक धारण और पुनःप्राप्ति के लिए रटकर सीखना हमेशा बेहतर होता है।
(D) अर्थपूर्ण अधिगम केवल पूरी तरह से अमार्गदर्शित और असंरचित स्वायत्त खोज अधिगम कार्यों के माध्यम से ही हो सकता है।

170. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): बहु-बुद्धि सिद्धांत के अनुसार, एक व्यक्ति के पास आमतौर पर आठ बुद्धिमत्ताओं में से केवल एक होती है।
कारण (R): गार्डनर ने तर्क दिया कि बुद्धिमत्ताएं एक दूसरे से पूरी तरह से अलग होकर काम करती हैं।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

NODIA

171. शास्त्रीय और क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Classical and Operant Conditioning) के बीच एक प्रमुख अंतर यह है कि:
(A) शास्त्रीय अनुबंधन पूरी तरह से ऐच्छिक अनुक्रियाओं पर निर्भर करता है, जबकि क्रियाप्रसूत अनुबंधन अनैच्छिक सजगता पर निर्भर करता है।
(B) शास्त्रीय अनुबंधन दो उद्दीपकों को जोड़ता है, जबकि क्रियाप्रसूत अनुबंधन एक व्यवहार को उसके परिणाम से जोड़ता है।
(C) व्यवहारिक विलोप (Extinction) विशेष रूप से शास्त्रीय अनुबंधन में होता है और क्रियाप्रसूत अनुबंधन में अनुपस्थित होता है।
(D) क्रियाप्रसूत अनुबंधन मूल रूप से पावलोव द्वारा विकसित किया गया था, जबकि शास्त्रीय अनुबंधन स्किनर द्वारा विकसित किया गया था।

172. निम्नलिखित शिक्षण अभ्यासों पर विचार कीजिए:
I. पाठ पढ़ने से पहले ग्राफिक आयोजक (Graphic Organizers) प्रदान करना।
II. छात्र को उत्तर तक पहुँचने में मदद करने के लिए

मार्गदर्शक प्रश्न पूछना।
III. एक जटिल अध्याय के लिए प्रमुख शब्दों की शब्दावली आपूर्ति करना।
निम्नलिखित में से ये अभ्यास किसका उदाहरण प्रस्तुत करते हैं?
(A) सकारात्मक दंड (Positive Punishment)
(B) पाड़ / ढांचा (Scaffolding)
(C) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)
(D) रटकर याद करना (Rote Memorization)

173. "नकारात्मक पुनर्बलन" (Negative Reinforcement) और "सकारात्मक दंड" (Positive Punishment) के बीच प्राथमिक अंतर यह है कि:
(A) नकारात्मक पुनर्बलन में एक सुखद उद्दीपक (Pleasant Stimulus) को व्यवस्थित रूप से हटाना शामिल है, जबकि सकारात्मक दंड में व्यक्ति को एक सुखद उद्दीपक प्रस्तुत करना शामिल है।
(B) नकारात्मक पुनर्बलन एक अप्रिय उद्दीपक (Aversive Stimulus) को हटाकर व्यवहार को बढ़ाता है, जबकि सकारात्मक दंड एक अप्रिय उद्दीपक प्रस्तुत करके व्यवहार को घटाता है।
(C) वे पूरी तरह से समान व्यवहारिक अवधारणाएं हैं; इन दोनों मनोवैज्ञानिक शब्दों का उपयोग शैक्षिक अनुसंधान साहित्य में एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है।
(D) नकारात्मक पुनर्बलन केवल गैर-मानव जानवरों पर प्रभावी ढंग से काम करता है, जबकि सकारात्मक दंड विशेष रूप से मनुष्यों पर प्रभावी ढंग से काम करता है।

174. निम्नलिखित में से किस सिद्धांतकार को आमतौर पर रचनावादी (संज्ञानात्मक या सामाजिक) के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है?
(A) जीन पियाजे
(B) लेव वायगोत्स्की
(C) जेरोम ब्रूनर
(D) इवान पावलोव

175. एक संगीत शिक्षक एक जटिल लय बजाता है और छात्रों से उसे वापस ताली बजाने के लिए कहता है। बांडुरा की शब्दावली में, शिक्षक किस रूप में कार्य कर रहा है?
(A) प्राथमिक पुनर्बलक (Primary Reinforcer)
(B) मॉडल (Model)
(C) अनुबंधित उद्दीपक (Conditioned Stimulus)
(D) स्कीमा (Schema)

176. निम्नलिखित में से कौन सा विस्मरण (Forgetting) के "सूचना प्रसंस्करण" (Information Processing) दृष्टिकोण का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) विस्मरण गलत योजनाओं के सक्रिय व्यवहारिक दंड और व्यवस्थित दमन का प्रतिनिधित्व करता है।
(B) विस्मरण समय के साथ क्षय या स्मृति में अन्य जानकारी के हस्तक्षेप के कारण होता है।
(C) विस्मरण शिक्षार्थी के पिछले संज्ञानात्मक विकासात्मक चरण में वापस जाने का सीधा परिणाम है।
(D) विस्मरण मुख्य रूप से अतीत के आघात के खिलाफ एक अचेतन मनोवैज्ञानिक रक्षा तंत्र के रूप में कार्य करता है।

177. संज्ञानात्मक मनोविज्ञान में, "घोषणात्मक ज्ञान" (Declarative Knowledge) संदर्भित करता है:
(A) शारीरिक क्रिया कैसे करें, यह जानना (जैसे, साइकिल चलाना / Cycling)।
(B) यह जानना कि स्थिति क्या है (तथ्य, अवधारणाएं, घटनाएं / Facts, Concepts, Events)।
(C) विशिष्ट संज्ञानात्मक रणनीति को "कब और क्यों" निष्पादित करना है, यह जानना।
(D) अधिगम की भौतिक व्यवहारिक अभिव्यक्ति को व्यक्त करना।

178. इसके विपरीत, एक विशिष्ट कौशल या कार्य कैसे किया जाए, जैसे द्विघात समीकरण (Quadratic Equation) को हल करना या जूते के फीते बांधना, यह जानना क्या कहलाता है?
(A) घोषणात्मक ज्ञान (Declarative Knowledge)
(B) प्रक्रियात्मक ज्ञान (Procedural Knowledge)
(C) सशर्त ज्ञान (Conditional Knowledge)
(D) प्रासंगिक ज्ञान (Episodic Knowledge)

179. एक छात्र जानता है कि निमोनिक डिवाइस (Mnemonic Device) का उपयोग करना एक सूची को याद रखने का एक प्रभावी तरीका है, और वे जानते हैं कि अपने अध्ययन सत्रों के दौरान इस रणनीति का उपयोग कब करना है। इस प्रकार के ज्ञान को क्या कहा जाता है?
(A) प्रक्रियात्मक ज्ञान (Procedural Knowledge)
(B) घोषणात्मक ज्ञान (Declarative Knowledge)
(C) सशर्त (या रणनीतिक) ज्ञान (Conditional / Strategic Knowledge)
(D) अर्थगत ज्ञान (Semantic Knowledge)

180. एक शिक्षक विज्ञान की एक इकाई डिज़ाइन करता है जहाँ छात्र रोज़मर्रा की सामग्रियों का उपयोग करके जल निस्पंदन प्रणाली (Water Filtration System) तैयार करने के लिए टीमों में काम करते हैं। शिक्षक प्रक्रिया का मार्गदर्शन करता है लेकिन डिज़ाइन तय नहीं करता है। यह गतिविधि मूलभूत रूप से किस पर आधारित है:
(A) परियोजना-आधारित अधिगम / रचनावाद (Project-Based Learning / Constructivism)
(B) प्रत्यक्ष अनुदेश / व्यवहारवाद (Direct Instruction / Behaviorism)
(C) अभिक्रमित अनुदेश / क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Programmed Instruction / Operant Conditioning)
(D) रटकर सीखना / संयोजनवाद (Rote Learning / Connectionism)

Click Here to Buy book on Flipkart

181. वायगोत्स्की के सिद्धांत में, दूसरों के साथ संवाद करने से अपने स्वयं के विचारों और कार्यों को नियंत्रित करने में परिवर्तन किसके विकासात्मक पथ द्वारा चिह्नित है:
(A) सामाजिक वाक् → निजी/अहंकेंद्रित वाक् → आंतरिक वाक् (Social Speech → Private Speech → Inner Speech)
(B) आंतरिक वाक् → सामाजिक वाक् → अहंकेंद्रित वाक् (Inner Speech → Social Speech → Egocentric Speech)
(C) अहंकेंद्रित वाक् → आंतरिक वाक् → सामाजिक वाक्
(D) सामाजिक वाक् → आंतरिक वाक् → अहंकेंद्रित वाक्

182. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): स्कूलों में व्यवहार संशोधन कार्यक्रम (Behavior Modification Programs) अक्सर छात्र व्यवहार को प्रबंधित करने के लिए "टोकन अर्थव्यवस्था" (Token Economy) का उपयोग करते हैं।
कारण (R): टोकन अर्थव्यवस्थाएं एक अनावबंधित उद्दीपक को एक अनुबंधित उद्दीपक के साथ जोड़कर शास्त्रीय अनुबंधन के सिद्धांतों पर निर्भर करती हैं।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

183. आसुबेल के सिद्धांत में "अर्थपूर्ण अधिगम" (Meaningful Learning) की एक परिभाषित विशेषता निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) तथ्यात्मक विवरणों को अल्पकालिक स्मृति में रखने के लिए रटकर दोहराने और अभ्यास का व्यवस्थित उपयोग।
(B) गैर-मनमाने तरीके से मौजूदा संज्ञानात्मक संरचनाओं (Cognitive Structures) में नए ज्ञान का समावेश।
(C) बिना किसी प्रत्यक्ष मौखिक निर्देश के व्यावहारिक भौतिक जोड़-तोड़ सामग्री का विशेष कक्षा उपयोग।
(D) सभी अग्रिम आयोजकों (Advance Organizers) और संरचनात्मक पाठ की रूपरेखाओं का पूर्ण और व्यवस्थित उन्मूलन।

184. मैल्कम नोवेल्स द्वारा विकसित "एंड्रागोजी" (Andragogy) की अवधारणा पेडागोजी (Pedagogy) से मुख्य रूप से भिन्न है क्योंकि एंड्रागोजी किस पर ध्यान केंद्रित करती है:
(A) प्रारंभिक बचपन का संज्ञानात्मक और शारीरिक विकास।
(B) वयस्क शिक्षार्थियों की अधिगम विशेषताएं और आवश्यकताएं।
(C) विकलांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षा निर्देश।
(D) कक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण और उपयोग।

185. नोवेल्स के एंड्रागोजी सिद्धांत की निम्नलिखित धारणाओं पर विचार कीजिए:
I. वयस्कों को यह जानने की आवश्यकता है कि उन्हें कुछ सीखने की आवश्यकता क्यों है।
II. वयस्क दिशा के लिए पूरी तरह से शिक्षक पर निर्भर होते हैं।
III. वयस्क सीखने के लिए एक संसाधन के रूप में जीवन के अनुभव के एक विशाल भंडार का उपयोग करते हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

186. कौन सा सिद्धांत स्पष्ट सीखने के उद्देश्य प्रदान करने, कार्यों को छोटे चरणों में तोड़ने और हर सही उत्तर के लिए तत्काल प्रतिक्रिया देने के अभ्यास का सबसे सीधे समर्थन करता है?
(A) क्रियाप्रसूत अनुबंधन / व्यवहारवाद (Operant Conditioning / Behaviorism)
(B) सामाजिक रचनावाद / वायगोत्स्की (Social Constructivism / Vygotsky)
(C) मानवतावाद / रोजर्स (Humanism / Rogers)
(D) जेनेटिक एपिस्टेमोलॉजी / पियाजे (Genetic Epistemology / Piaget)

187. "सूचना प्रसंस्करण" सादृश्यता मानव मन की तुलना एक कंप्यूटर से करती है। इस सादृश्यता में, मस्तिष्क के न्यूरल नेटवर्क "हार्डवेयर" से संबंधित हैं, जबकि संज्ञानात्मक रणनीतियाँ और स्कीमा किससे संबंधित हैं:
(A) कीबोर्ड
(B) मॉनिटर
(C) सॉफ्टवेयर
(D) पावर सप्लाई

188. रचनावादी सिद्धांत (Constructivist Theory) निम्नलिखित में से किस कक्षा व्यवस्था का दृढ़ता से समर्थन करता है?
(A) शिक्षक की ओर सीधे मुँह करके एकल फाइलों पंक्तियों (Single Rows) में व्यवस्थित डेस्क।
(B) सहयोग और संवाद की सुविधा के लिए समूहों (Pods) में समूहीकृत डेस्क।
(C) छात्रों को दृश्य रूप से अलग करने के लिए डिज़ाइन किए गए व्यक्तिगत अलग-अलग अध्ययन कक्ष।
(D) निश्चित पंक्ति बैठने की व्यवस्था से सुसज्जित एक पारंपरिक बड़ा विश्वविद्यालय व्याख्यान हॉल।

189. थार्नडाइक की "साहचर्य स्थानांतरण" (Associative Shifting) की अवधारणा के अनुसार, अधिगम तब होता है जब:
(A) एक अनुक्रिया को बनाए रखा जाता है जबकि उद्दीपक को धीरे-धीरे बदला जाता है, अंततः अनुक्रिया को एक पूरी तरह से नए उद्दीपक में स्थानांतरित कर दिया जाता

NODIA

है।
(B) व्यक्तिगत शिक्षार्थी शारीरिक रूप से आगे बढ़ता है और अपने शरीर को एक भौतिक शिक्षण वातावरण से सीधे दूसरे में स्थानांतरित करता है।
(C) छात्र के लिए एक जटिल शिक्षण कार्य को व्यवस्थित रूप से सरल, प्रबंधनीय व्यवहारिक चरणों में तोड़ा जाता है।
(D) कक्षा शिक्षक लगातार औपचारिक व्याख्यान प्रस्तुति और समूह चर्चा विधियों के बीच आगे-पीछे होता रहता है।

190. "अवधारणा मानचित्र" (Concept Map) क्या है, और कौन सा अधिगम सिद्धांत इसके उपयोग का सबसे दृढ़ता से समर्थन करता है?
(A) शारीरिक व्यवहार संशोधन के लिए डिज़ाइन किया गया एक व्यवहारिक उपकरण; व्यवहारवाद में निहित।
(B) अवधारणाओं के बीच संबंधों का एक दृश्य प्रतिनिधित्व; संज्ञानवाद (विशेष रूप से आसुबेल)।
(C) ऐतिहासिक घटनाओं और तिथियों की एक कालानुक्रमिक ग्राफिक समयरेखा; रचनावाद में निहित।
(D) पुनर्बलन वितरण को नियंत्रित करने वाली एक व्यवस्थित गणितीय अनुसूची; संयोजनवाद में निहित।

191. रचनावाद का एक मूल सिद्धांत यह है कि अधिगम प्रासंगिक (Contextual) है। इसलिए, शिक्षकों को चाहिए:
(A) यह सुनिश्चित करना कि शुद्ध तर्क को बढ़ावा देने के लिए सभी कार्य अमूर्त और संदर्भहीन हों।
(B) प्रामाणिक, वास्तविक दुनिया के कार्यों और समस्याओं में अधिगम को स्थापित करना।
(C) वस्तुनिष्ठता बनाए रखने के लिए पाठ्यक्रम से सभी सांस्कृतिक संदर्भों को हटा देना।
(D) समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए सख्ती से पाठ्यपुस्तक से पढ़ाना।

192. निम्नलिखित में से कौन सी सूचना प्रसंस्करण सिद्धांत (Information Processing Theory) की एक प्राथमिक आलोचना है?
(A) यह अदृश्य जैविक तंत्रिका प्रक्रियाओं और मस्तिष्क इमेजिंग डेटा पर अत्यधिक निर्भर करता है।
(B) यह अक्सर भावना, अभिप्रेरणा और सामाजिक संदर्भ को यांत्रिक संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के लिए द्वितीयक मानता है।
(C) यह मानव व्यवहार को सीधे आकार देने में बाह्य भौतिक वातावरण की भूमिका पर अत्यधिक जोर देता है।
(D) यह मानव स्मृति की मूलभूत मनोवैज्ञानिक अवधारणा की पूरी तरह और स्पष्ट रूप से उपेक्षा करता है।

193. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) रचनावादी शिक्षाशास्त्र में गहराई से एकीकृत है।
कारण (R): रचनावादी मूल्यांकन को केवल एक अंतिम निर्णय के रूप में नहीं देखते हैं, बल्कि छात्र की उभरती योजनाओं (Schemas) को समझने और आगे के सीखने का मार्गदर्शन करने के लिए एक सतत प्रक्रिया के रूप में देखते हैं।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

194. जब एक शिक्षक "अवधारणा प्राप्ति" (Concept Attainment) रणनीतियों का उपयोग करता है, जहाँ छात्रों को सकारात्मक और नकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किए जाते हैं और परिभाषित नियम का निर्धारण करने के लिए कहा जाता है, तो शिक्षक किसको बढ़ावा दे रहा है:
(A) निगमनात्मक अधिगम (Deductive Learning)
(B) आगमनात्मक अधिगम (Inductive Learning)
(C) रटकर सीखना (Rote Learning)
(D) क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning)

195. निम्नलिखित शैक्षिक दृष्टिकोणों पर विचार कीजिए:
I. टाइमर का उपयोग करके पहाड़े याद करना।
II. क्षेत्रफल की गणना करने के लिए स्कूल के खेल के मैदान को मापने के लिए छात्रों का सहयोग करना।
III. चुपचाप बैठने के लिए सोने के स्टार प्रदान करना।
IV. गुरुत्वाकर्षण के बारे में छात्र की गलतफहमी को चुनौती देने के लिए सुकराती पूछताछ का उपयोग करना।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प दृष्टिकोण II और दृष्टिकोण IV को सही ढंग से वर्गीकृत करता है?
(A) व्यवहारवादी, संज्ञानात्मक
(B) रचनावादी, रचनावादी
(C) व्यवहारवादी, रचनावादी
(D) संज्ञानात्मक, व्यवहारवादी

196. पियाजे के अनुसार, संज्ञानात्मक विकास में साथी समूह (Peer Group) की क्या भूमिका है?
(A) साथी सीखने के लिए काफी हद तक अप्रासंगिक हैं; केवल विशेषज्ञ शिक्षक ही वैध अकादमिक ज्ञान को प्रभावी ढंग से प्रेषित कर सकता है।
(B) साथियों की अंतःक्रियाएं संज्ञानात्मक संघर्ष (असंतुलन) का कारण बनती हैं, जो व्यक्तियों को अपनी योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन और अनुकूलन करने के लिए मजबूर करती हैं।
(C) साथी निरंतर सकारात्मक व्यवहारिक पुनर्बलन देने के लिए जिम्मेदार सामाजिक एजेंटों के रूप में सख्ती से कार्य करते हैं।
(D) साथियों की अंतःक्रियाएं औपचारिक संक्रियात्मक संज्ञानात्मक चरण के प्राकृतिक विकासात्मक उद्भव को

NODIA

सक्रिय रूप से विलंबित और बाधित करती हैं।

197. निम्नलिखित में से कौन सा कथन संस्कृति और संज्ञानात्मक विकास के बीच के संबंध पर वायगोत्स्की के दृष्टिकोण का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) संस्कृति एक स्थिर पृष्ठभूमि वातावरण का प्रतिनिधित्व करती है जो व्यक्तिगत बच्चे कैसे सोचते हैं उस पर न्यूनतम सार्थक प्रभाव डालती है।
(B) संस्कृति "बौद्धिक अनुकूलन के उपकरण" (जैसे भाषा और लेखन) प्रदान करती है जो यह निर्देशित करते हैं कि बच्चे सोचना कैसे सीखते हैं।
(C) संज्ञानात्मक विकास एक सख्ती से सार्वभौमिक जैविक परिपक्वता प्रक्रिया है जो पूरी तरह से संस्कृति के सामाजिक निर्माण को निर्देशित करती है।
(D) संस्कृति विशेष रूप से व्यक्तिगत सामाजिक विकास को प्रभावित करती है जबकि आंतरिक संज्ञानात्मक विकास पर इसका कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ता है।

198. एक बच्चा अपने जूते के फीते बांधने के लिए संघर्ष कर रहा है। अभिभावक फीते पकड़ता है और बच्चे के हाथों का मार्गदर्शन करता है, "लूप बनाओ, घुमाओ और खींचो" कहता है, और अगले सप्ताह में धीरे-धीरे बच्चे को अधिक काम करने देता है। अभिभावक एक _________ के रूप में कार्य कर रहा है जो बच्चे के _________ के भीतर _________ प्रदान कर रहा है।
(A) पुनर्बलक; अनुबंधन; जैविक सीमा
(B) अधिक ज्ञानी अन्य (MKO); पाड़ (Scaffolding); समीपस्थ विकास का क्षेत्र (ZPD)
(C) आत्मसात्कर्ता; समावेशन; स्कीमा (Schema)
(D) उद्दीपक; रिफ्लेक्स; संक्रियात्मक क्षेत्र

199. शिक्षण डिज़ाइन के संदर्भ में, जटिल क्षेत्रों में उन्नत अधिगम के बारे में "संज्ञानात्मक लचिलापन सिद्धांत" (Cognitive Flexibility Theory) क्या सुझाव देता है?
(A) इसके लिए सभी शैक्षणिक शिक्षण क्षेत्रों में एक एकल आधिकारिक दृष्टिकोण को कठोर, व्यवस्थित रूप से याद करने की आवश्यकता होती है।
(B) इसके लिए शिक्षार्थी को अलग-अलग उद्देश्यों के लिए, पुनर्व्यवस्थित संदर्भों में, अलग-अलग समय पर समान सामग्री पर फिर से जाने की आवश्यकता होती है।
(C) यह सुझाव देता है कि जटिल शिक्षण को हमेशा छात्रों के लिए सभी वास्तविक दुनिया के वातावरणीय संदर्भों को हटाकर सरल बनाया जाना चाहिए।
(D) यह जटिल समस्या-समाधान पढ़ाते समय सख्त व्यवहारिक अनुबंधन तकनीकों के अनुप्रयोग की दृढ़ता से वकालत करता है।

200. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): जबकि पियाजे और वायगोत्स्की सैद्धांतिक रूप से भिन्न हैं, आधुनिक रचनावादी कक्षाएं दोनों सिद्धांतों के तत्वों को प्रभावी ढंग से मिलाती हैं।
कारण (R): शिक्षक सीखने को बढ़ाने के लिए एक साथ सहयोगात्मक समूह कार्य और पाड़ (वायगोत्स्की) का उपयोग करते हुए योजनाएं बनाने के लिए व्यावहारिक अन्वेषण (पियाजे) प्रदान कर सकते हैं।
निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) अधिगम (Learning) को अनुभव के परिणामस्वरुप अवलोकन योग्य व्यवहार में एक अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन के रूप में परिभाषित किया गया है।
व्यवहारवादी संप्रदाय (Behaviorist School) के अनुसार अधिगम (Learning) का मुख्य केंद्र अवलोकन योग्य व्यवहार (Observable Behavior) पर केंद्रित होता है। यह दृष्टिकोण आंतरिक मानसिक प्रक्रियाओं की उपेक्षा करते हुए बाह्य वातावरण (External Environment) के प्रभावों को प्राथमिकता देता है। अभ्यास एवं अनुभव (Experience) द्वारा व्यवहार में आने वाला अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन अधिगम कहलाता है। यह सिद्धांत अनुबंधन और पुनर्बलन की प्रक्रियाओं द्वारा व्यवहार संशोधन का समर्थन करता है।

2. (B) II, III, I
बीसवीं शताब्दी में शैक्षिक मनोविज्ञान (Educational Psychology) के प्रमुख प्रतिमानों का उद्भव एक विशिष्ट कालानुक्रमिक क्रम (Chronological Order) में हुआ। 20वीं सदी के प्रारंभ में व्यवहारवाद (Behaviorism) का वर्चस्व स्थापित हुआ। इसके पश्चात् 1950 के दशक में सूचना प्रसंस्करण पर आधारित संज्ञानवाद (Cognitivism) उभरा। अंततः 20वीं सदी के उत्तरार्द्ध में ज्ञान निर्माण पर केंद्रित रचनावाद (Constructivism) का प्रभुत्व स्थापित हुआ, जो अधिगमकर्ता की सक्रिय भूमिका को प्राथमिकता देता है।

3. (A) संज्ञानवाद (Cognitivism)
संज्ञानवाद (Cognitivism) का दृष्टिकोण शिक्षार्थी को वातावरणीय उद्दीपकों के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता के स्थान पर सूचना के एक सक्रिय प्रसंस्करक (Active Processor of Information) के रूप में देखता है। यह सिद्धांत आंतरिक मानसिक प्रक्रियाओं (Internal Mental Processes), जैसे स्मृति, चिंतन, और तर्क का अध्ययन करता है। इसमें शिक्षार्थी नई सूचनाओं को ग्रहण करता है, उन्हें अपनी मौजूदा मानसिक संरचनाओं (Mental Structures) में व्यवस्थित करता है तथा समस्या-समाधान हेतु पुनर्गठित करता है।

4. (D) बी.एफ. स्किनर – शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)
बी.एफ. स्किनर को क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning) के सिद्धांत का प्रतिपादक माना जाता है, न कि शास्त्रीय अनुबंधन का। शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning) का प्रतिपादन इवान पावलोव द्वारा किया गया था। स्किनर का सिद्धांत अनुक्रिया के पश्चात् मिलने वाले परिणामों और पुनर्बलन (Reinforcement) पर आधारित है, जो व्यवहार की आवृत्ति को नियंत्रित करते हैं। अतः स्किनर का संबंध अनुक्रियात्मक अनुबंधन से न होकर क्रियाप्रसूत अनुबंधन से है।

5. (B) व्यवहारवाद (Behaviorism)
कक्षा में रटकर याद करने (Rote Memorization), बार-बार अभ्यास (Drills) और तत्काल टोकन पुरस्कारों का उपयोग मुख्य रुप से व्यवहारवाद (Behaviorism) पर आधारित है। यह दृष्टिकोण उद्दीपक-अनुक्रिया संबंधों (Stimulus-Response Associations) को मजबूत करने के लिए बाह्य पुनर्बलन (External Reinforcement) और अभ्यास पर निर्भर करता है। इसमें अंतर्निहित वैचारिक समझ (Conceptual Understanding) के स्थान पर अवलोकन योग्य व्यवहारिक अनुपालन और यांत्रिक पुनरावृत्ति को प्राथमिकता दी जाती है।

6. (C) आंतरिक मानसिक स्थितियाँ मौजूद हैं लेकिन वैज्ञानिक विश्लेषण में व्यवहार की व्याख्या करने के लिए उनका उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।
कट्टर व्यवहारवाद (Radical Behaviorism) यह स्वीकार करता है कि आंतरिक मानसिक स्थितियाँ (Internal Mental States) और निजी अनुभव मौजूद होते हैं, परंतु वैज्ञानिक विश्लेषण (Scientific Analysis) में व्यवहार की व्याख्या हेतु उन्हें शामिल करने को खारिज करता है। इस सिद्धांत के अनुसार केवल बाह्य और अवलोकन योग्य व्यवहार (Overt Behavior) को ही वस्तुनिष्ठ रूप से मापा और विश्लेषित किया जा सकता है, क्योंकि आंतरिक मानसिक प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन संभव नहीं है।

7. (D) व्यवहारवाद (Behaviorism)
"तबुला रासा" (Tabula Rasa) या कोरी पट्टी की अवधारणा व्यवहारवाद (Behaviorism) की ज्ञानमीमांसीय नींव से जुड़ी हुई है। यह दार्शनिक विचार मानता है कि मनुष्य जन्म के समय बिना किसी सहज मानसिक सामग्री के उत्पन्न होता है। व्यक्ति का समस्त ज्ञान, कौशल और व्यवहारिक प्रतिमान पर्यावरण के साथ अंतःक्रिया तथा अनुबंधन (Conditioning) के माध्यम से अर्जित होते हैं। वातावरण ही शिक्षार्थी के अनुभव और व्यवहार को आकार देता है।

8. (A) वातावरणीय अंतःक्रियाएं और बाह्य अनुबंधन कारक (Environmental Interactions and External Conditioning Factors)
व्यवहारवाद (Behaviorism) में अधिगम (Learning) का प्राथमिक निर्धारक वातावरणीय अंतःक्रियाएं और बाह्य अनुबंधन कारक (External Conditioning Factors) हैं। यह सिद्धांत मानता है कि व्यक्ति का व्यवहार आंतरिक जैविक प्रवृत्तियों की तुलना में बाह्य वातावरण के उद्दीपकों (Stimuli) और परिणामों द्वारा अधिक नियंत्रित होता है। पुनर्बलन, दंड और उद्दीपक साहचर्य जैसे पर्यावरणीय कारक ही यह तय करते हैं कि कौन सी अनुक्रियाएं सीखी जाएंगी अथवा समाप्त होंगी।

NODIA

9. (B) समस्या-समाधान में सूझ / अंतर्दृष्टि की भूमिका (The Role of Insight in Problem-Solving)
समस्या-समाधान में सूझ या अंतर्दृष्टि (Insight) की भूमिका को सख्त व्यवहारवादी दृष्टिकोण का अपवाद माना जाता है। व्यवहारवाद केवल क्रमिक अभ्यास और उद्दीपक-अनुक्रिया संबंधों द्वारा अधिगम की व्याख्या करता है, जबकि सूझ अधिगम (Insight Learning) में अचानक होने वाली मानसिक पुनर्गठन प्रक्रिया और आंतरिक संज्ञानात्मक समझ शामिल होती है। गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिकों ने यह सिद्ध किया कि अधिगम केवल यांत्रिक पुनरावृत्ति न होकर एक आंतरिक संज्ञानात्मक प्रक्रिया है।

10. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
व्यवहारवादी अधिगम सिद्धांत (Behaviorist Learning Theories) पाठ योजनाओं में मापन योग्य व्यवहारिक उद्देश्यों (Measurable Behavioral Objectives) को अनिवार्य मानते हैं। व्यवहारवाद का मुख्य दर्शन यह है कि अधिगम एक अवलोकन योग्य और मापन योग्य प्रक्रिया है। अतः शिक्षार्थी के आंतरिक विचारों के बजाय उसके प्रत्यक्ष व्यवहार (Overt Behavior) में आने वाले परिवर्तनों के माध्यम से ही अधिगम की सफलता का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन और सत्यापन किया जा सकता है।

11. (A) अनावबंधित उद्दीपक (Unconditioned Stimulus - UCS)
इवान पावलोव के शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning) प्रयोगों में, माँस का पाउडर एक अनावबंधित उद्दीपक (Unconditioned Stimulus - UCS) के रूप में कार्य करता है। यह एक ऐसा प्राकृतिक और जैविक उद्दीपक है जो बिना किसी पूर्व प्रशिक्षण या अनुबंधन के स्वाभाविक रूप से लार बहने जैसी अनावबंधित अनुक्रिया (Unconditioned Response) उत्पन्न करता है। प्राकृतिक उद्दीपकों द्वारा स्वाभाविक शारीरिक अनुक्रियाएं उत्पन्न होना इस अनुबंधन प्रक्रिया का आधार है।

12. (C) अनुबंधित उद्दीपक (Conditioned Stimulus)
शास्त्रीय अनुबंधन प्रक्रिया के अंतर्गत, जब एक तटस्थ वातावरण (जैसे परीक्षा हॉल) बार-बार तनावपूर्ण स्थिति या अनावबंधित उद्दीपक के साथ जुड़ जाता है, तो वह अनुबंधित उद्दीपक (Conditioned Stimulus) बन जाता है। प्रारंभ में परीक्षा हॉल कोई भय उत्पन्न नहीं करता था, परंतु बार-बार अनावबंधित उद्दीपक के साथ साहचर्य स्थापित होने के कारण अब केवल परीक्षा हॉल में प्रवेश ही अनुबंधित अनुक्रिया के रूप में भय उत्पन्न करता है।

13. (D) उद्दीपक सामान्यीकरण (Stimulus Generalization)
उद्दीपक सामान्यीकरण (Stimulus Generalization) वह प्रक्रिया है जिसमें एक व्यक्ति मूल अनुबंधित उद्दीपक से मिलते-जुलते अन्य नए उद्दीपकों के प्रति भी समान अनुबंधित अनुक्रिया प्रदर्शित करता है। जब एक छात्र किसी विशिष्ट शिक्षक से नकारात्मक अनुभव प्राप्त करता है, तो समान विशेषताओं या शिक्षण शैली वाले अन्य शिक्षकों के प्रति भी भय महसूस करना इसी सामान्यीकरण का परिणाम है, क्योंकि मस्तिष्क समान उद्दीपकों में समानता पाता है।

14. (C) विलोप (Extinction)
शास्त्रीय अनुबंधन में, जब अनुबंधित उद्दीपक (Conditioned Stimulus) को बिना अनावबंधित उद्दीपक (Unconditioned Stimulus) के बार-बार प्रस्तुत किया जाता है, तो स्थापित अनुबंधित अनुक्रिया धीरे-धीरे कमजोर होकर समाप्त हो जाती है। इस प्रक्रिया को विलोप (Extinction) कहते हैं। यह दर्शाता है कि यदि उद्दीपकों के बीच का साहचर्य पुनर्बलित नहीं होता, तो सीखी गई अनुक्रिया का प्रभाव समय के साथ कम होने लगता है और अंततः लुप्त हो जाता है।

15. (B) केवल I और III
शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning) में अनैच्छिक शारीरिक या संवेगात्मक अनुक्रियाओं का किसी तटस्थ उद्दीपक के साथ साहचर्य स्थापित होता है। विलोप (Extinction) के पश्चात यदि विश्राम की समय अवधि दी जाए, तो अनुबंधित अनुक्रिया स्वतः पुनःप्राप्त (Spontaneous Recovery) हो सकती है। इसमें शिक्षार्थी निष्क्रिय होता है, जबकि पर्यावरण पर जानबूझकर कार्य करना क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning) की विशेषता है, न कि पावलोवियन अनुबंधन की।

16. (D) एक छात्र स्कूल की घंटी (School Bell) से डरना सीख जाता है क्योंकि यह प्राचार्य से जुड़ा है, जिनसे छात्र पहले से ही डरता है।
उच्च-स्तरीय अनुबंधन (Higher-Order Conditioning) तब होता है जब एक पूर्व-स्थापित अनुबंधित उद्दीपक (Conditioned Stimulus) का उपयोग किसी नए तटस्थ उद्दीपक को अनुबंधित करने के लिए प्राथमिक उद्दीपक के रूप में किया जाता है। जब कोई छात्र प्राचार्य (प्राथमिक अनुबंधित उद्दीपक) के भय के कारण स्कूल की घंटी (द्वितीयक तटस्थ उद्दीपक) से भी डरना सीख जाता है, तो यह बिना अनावबंधित उद्दीपक के निर्मित उच्च-स्तरीय अनुबंधन को दर्शाता है।

17. (B) संवेगात्मक और शारीरिक अनुक्रियाएं (Emotional and Physiological Responses)
कक्षा के माहौल में शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning) मुख्य रूप से संवेगात्मक और शारीरिक अनुक्रियाओं (Emotional and Physiological Responses) के अधिग्रहण की व्याख्या करने में सबसे अधिक प्रभावी है। डर, चिंता, भय, अथवा सकारात्मक कक्षा दृष्टिकोण जैसी अनैच्छिक भावनाएं वातावरणीय संकेतों और उद्दीपकों के साथ साहचर्य के माध्यम से विकसित होती हैं। अमूर्त तार्किक अथवा जटिल संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में इस सिद्धांत का प्रत्यक्ष अनुप्रयोग सीमित होता है।

Click Here to Buy book on Amazon

18. (B) क्रियाप्रसूत व्यवहार इसके परिणामों द्वारा नियंत्रित होता है, जबकि अनुक्रियात्मक व्यवहार इसके पूर्ववर्तियों द्वारा नियंत्रित होता है।
बी.एफ. स्किनर के अनुसार, क्रियाप्रसूत व्यवहार (Operant Behavior) और अनुक्रियात्मक व्यवहार (Respondent Behavior) में मुख्य अंतर उनके नियंत्रक कारकों का है। क्रियाप्रसूत व्यवहार ऐच्छिक होता है और पर्यावरण में उत्सर्जित होने के पश्चात् प्राप्त परिणामों (जैसे पुनर्बलन या दंड) द्वारा नियंत्रित होता है। इसके विपरीत, अनुक्रियात्मक व्यवहार अनैच्छिक होता है जो सीधे अपने से पहले आने वाले ज्ञात वातावरणीय उद्दीपकों (Precedent Stimuli) द्वारा स्वचालित रुप से उत्पन्न होता है।

19. (C) एक एकल वाक्य लिखने से शुरु करके, वांछित व्यवहार के उत्तरोत्तर सन्निकटन (Successive Approximations) को पुनर्बलित करना।
रुपण (Shaping) क्रियाप्रसूत अनुबंधन की एक तकनीक है जिसमें किसी जटिल लक्ष्य व्यवहार को सिखाने के लिए वांछित व्यवहार के उत्तरोत्तर सन्निकटन (Successive Approximations) को क्रमिक रूप से पुनर्बलित किया जाता है। एक जटिल अनुच्छेद लिखने हेतु पहले सरल वाक्यों के निर्माण को पुनर्बलित किया जाता है, फिर धीरे-धीरे मानकों को बढ़ाते हुए अंतिम जटिल व्यवहार तक पहुँचा जाता है, जिससे नया व्यवहार कुशलतापूर्वक स्थापित होता है।

20. (D) परिवर्तनशील-अंतराल अनुसूची (Variable-Interval Schedule)
अघोषित या अनिश्चित समय पर आयोजित "पॉप क्विज़" (Pop Quizzes) पुनर्बलन की परिवर्तनशील-अंतराल अनुसूची (Variable-Interval Schedule) पर आधारित होते हैं। इस अनुसूची में समय का अंतराल अनिश्चित और अप्रत्याशित होता है, जिससे शिक्षार्थी को यह ज्ञात नहीं होता कि परीक्षा कब होगी। इसके परिणाम स्वरूप छात्र निरंतर अध्ययनरत रहते हैं और कक्षा में अनुक्रिया की एक समान, स्थिर तथा उच्च दर बनी रहती है।

21. (D) परिवर्तनशील-अनुपात (Variable-Ratio)
परिवर्तनशील-अनुपात अनुसूची (Variable-Ratio Schedule) पुनर्बलन की वह व्यवस्था है जो अनुक्रिया की उच्चतम तथा सबसे स्थिर दर उत्पन्न करती है। इसमें पुनर्बलन एक अनिश्चित और परिवर्तनशील अनुक्रिया संख्या के पश्चात् प्रदान किया जाता है। शिक्षार्थी को यह अनुमान नहीं होता कि कितनी अनुक्रियाओं के बाद पुरस्कार मिलेगा, जिसके कारण यह अनुसूची विलोप (Extinction) के प्रति सर्वाधिक प्रतिरोधी होती है और व्यवहार दीर्घकाल तक बना रहता है।

22. (A) प्रीमैक का सिद्धांत (The Premack Principle)
प्रीमैक का सिद्धांत (The Premack Principle), जिसे सामान्य भाषा में "दादी का नियम" कहा जाता है, यह बताता है कि एक अधिक पसंदीदा या उच्च-आवृत्ति वाली गतिविधि का उपयोग किसी कम पसंदीदा या निम्न-आवृत्ति वाली गतिविधि को पुनर्बलित करने के लिए किया जा सकता है। कक्षा वातावरण में शिक्षक छात्रों को अप्रिय या कठिन कार्य पूरा करने के बदले उनकी पसंदीदा गतिविधि में भाग लेने का अवसर प्रदान करते हैं।

23. (B) द्वितीयक / अनुबंधित पुनर्बलक (Secondary / Conditioned Reinforcers)
टोकन अर्थव्यवस्था (Token Economy) में उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक के सिक्के द्वितीयक या अनुबंधित पुनर्बलक (Secondary / Conditioned Reinforcers) के रूप में कार्य करते हैं। इन टोकनों का अपना कोई आंतरिक जैविक मूल्य नहीं होता, परंतु जब इन्हें प्राथमिक पुनर्बलकों या प्राथमिक विशेषाधिकारों (जैसे अतिरिक्त खेल का समय) के साथ बदलने की अनुमति दी जाती है, तब ये पुनर्बलन की प्रभावी क्षमता अर्जित कर लेते हैं।

24. (D) लंबी अवधि में व्यवहार को बनाए रखने के लिए सतत पुनर्बलन को आंशिक पुनर्बलन से बेहतर माना जाता है।
लंबी अवधि में व्यवहार को बनाए रखने के लिए आंशिक पुनर्बलन (Partial Reinforcement) हमेशा सतत पुनर्बलन की तुलना में अधिक प्रभावी होता है। सतत पुनर्बलन (Continuous Reinforcement) केवल नए व्यवहार को तेजी से सिखाने के लिए उपयुक्त है, परंतु इसमें पुनर्बलन रुकते ही विलोप बहुत शीघ्रता से होता है। आंशिक पुनर्बलन द्वारा सिखाया गया व्यवहार विलोप के प्रति अत्यधिक प्रतिरोधी होता है और व्यवहार को टिकाऊ बनाता है।

25. (B) नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement)
जब कोई छात्र किसी अप्रिय स्थिति (जैसे छुट्टी के बाद स्कूल में रोके जाने) से बचने के लिए समय पर गृहकार्य जमा करता है, तो उसका व्यवहार नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement) द्वारा बना रहता है। यहाँ वांछित व्यवहार (गृहकार्य जमा करना) की संभावना इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि ऐसा करने से एक अप्रिय उद्दीपक हट जाता है या टल जाता है। यह प्रक्रिया व्यवहार की आवृत्ति को बढ़ाती है।

NODIA

26. (C) नकारात्मक पुनर्बलन व्यवहार की संभावना को बढ़ाता है, जबकि दंड व्यवहार की संभावना को घटाता है।
नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement) और दंड (Punishment) के बीच मौलिक अंतर उनके द्वारा व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव में है। नकारात्मक पुनर्बलन किसी अप्रिय उद्दीपक को हटाकर भविष्य में लक्ष्य व्यवहार के दोहराए जाने की संभावना को बढ़ाता है। इसके विपरीत, दंड (चाहे सकारात्मक हो या नकारात्मक) किसी अवांछित व्यवहार की आवृत्ति या भविष्य में उसकी घटने की संभावना को कम करने हेतु लागू किया जाता है।

27. (B) नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement)
सप्ताहांत के गृहकार्य (एक अप्रिय या अवांछित उद्दीपक) को रद्द करने का प्रस्ताव देकर परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने के व्यवहार को प्रोत्साहित करना नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement) का सटीक उदाहरण है। यहाँ शिक्षक वांछित व्यवहार (80% से अधिक अंक प्राप्त करना)

की संभावना को बढ़ाने के लिए एक नापसंद कार्य को हटाने का वचन देता है, जिससे छात्रों का वांछित प्रदर्शन पुनर्बलित होता है।

28. (A) शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए प्रार्थना सभा के दौरान प्राचार्य द्वारा छात्र की सार्वजनिक रुप से प्रशंसा की जाती है, जिससे वह उस व्यवहार को बनाए रखने के लिए प्रेरित होता है। शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए सार्वजनिक प्रशंसा प्राप्त होना सकारात्मक पुनर्बलन (Positive Reinforcement) का सर्वोत्तम उदाहरण है। इसमें वांछित व्यवहार (नियमित उपस्थिति) के तुरंत बाद एक सुखद और मूल्यवान उद्दीपक (सार्वजनिक प्रशंसा) प्रस्तुत किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप छात्र में उस वांछित व्यवहार को भविष्य में दोहराने और बनाए रखने की संभावना अत्यधिक बढ़ जाती है, जो पुनर्बलन के मूल सिद्धांत को सिद्ध करता है।

29. (B) तत्कालिकता विशिष्ट व्यवहार और परिणाम के बीच के संबंध (Association) को मजबूत करती है।
व्यवहारवादी सिद्धांत के अनुसार, पुनर्बलक (Reinforcer) का वांछित व्यवहार के तुरंत बाद प्रस्तुत किया जाना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यह तत्कालिकता विशिष्ट व्यवहार और उसके परिणाम के बीच के साहचर्य (Association) को मजबूत करती है। यदि पुनर्बलन में विलंब होता है, तो शिक्षार्थी के अन्य हस्तक्षेपकारी व्यवहार पुनर्बलित हो सकते हैं, जिससे मुख्य लक्ष्य व्यवहार और परिणाम का संबंध स्पष्ट नहीं हो पाता।

30. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
शिक्षकों द्वारा नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement) को अक्सर गलती से दंड (Punishment) मान लिया जाता है क्योंकि दोनों ही प्रक्रियाओं में अप्रिय उद्दीपकों (Aversive Stimuli) का उपयोग शामिल होता है। हालाँकि, दोनों के उद्देश्य भिन्न हैं; नकारात्मक पुनर्बलन अप्रिय उद्दीपक को हटाकर वांछित व्यवहार को बढ़ाता है, जबकि दंड अप्रिय उद्दीपक प्रस्तुत करके अवांछित व्यवहार को घटाता है। अतः कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

31. (A) किसी व्यवहार को घटाने के लिए एक अप्रिय उद्दीपक (Aversive Stimulus) की प्रस्तुति
प्रकार I दंड या सकारात्मक दंड (Positive Punishment) के अंतर्गत किसी अवांछित व्यवहार की आवृत्ति को कम करने के लिए उस व्यवहार के तुरंत बाद एक अप्रिय उद्दीपक (Aversive Stimulus) प्रस्तुत किया जाता है। उदाहरण के लिए, कक्षा में नियम तोड़ने पर छात्र को मौखिक डांट देना या अतिरिक्त कार्य सौंपना। इसका मुख्य उद्देश्य अवांछित क्रिया को भविष्य में दोहराए जाने से रोकना होता है।

32. (B) नकारात्मक दंड (Negative Punishment)
कक्षा में बाधा डालने पर छात्र के खेल अवधि में भाग लेने के विशेषाधिकार को रद्द करना नकारात्मक दंड (Negative Punishment) का उदाहरण है। इसे "प्रकार II दंड" भी कहा जाता है। इसमें किसी अवांछित व्यवहार की आवृत्ति को घटाने के लिए व्यक्ति से एक सुखद या पसंदीदा उद्दीपक (खेलने का अवसर) हटा लिया जाता है, जिससे भविष्य में उस अनुचित व्यवहार की पुनरावृत्ति न हो।

33. (B) यह अक्सर परिहार व्यवहार (Avoidance Behaviors), भय और आक्रामक अनुक्रियाओं की ओर ले जाता है।
व्यवहार को नियंत्रित करने के लिए कठोर दंड (Severe Punishment) का उपयोग करने से गंभीर नकारात्मक दुष्प्रभाव उत्पन्न होते हैं। दंड केवल व्यवहार को अस्थायी रूप से दबाता है, परंतु यह भय, चिंता, आक्रामकता और स्कूल से भागने जैसे परिहार व्यवहारों (Avoidance Behaviors) को जन्म देता है। इसके अतिरिक्त, दंड छात्र और शिक्षक के बीच के संबंध को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है और अधिगम वातावरण को बाधित करता है।

34. (A) दंड केवल व्यवहार को अस्थायी रुप से दबाता है, न कि एक वांछित वैकल्पिक व्यवहार सिखाता है।
बी.एफ. स्किनर ने शैक्षणिक परिवेश में दंड के प्रयोग का विरोध किया क्योंकि दंड केवल अवांछित व्यवहार को अस्थायी रुप से दबाता है, उसे जड़ से समाप्त नहीं करता। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दंड छात्र को यह नहीं सिखाता कि सही या वांछित वैकल्पिक व्यवहार क्या होना चाहिए। इसके अलावा, दंड के दुष्परिणाम जैसे भय और कुंठा शिक्षण प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करते हैं।

35. (D) I, II और III
व्यवहारिक तकनीकों में "टाइम-आउट" नकारात्मक दंड है क्योंकि इसमें सुखद माहौल से दूर किया जाता है; शारीरिक दंड सकारात्मक दंड है क्योंकि इसमें अप्रिय उद्दीपक प्रस्तुत किया जाता है; तथा मामूली विघटनकारी व्यवहारों की उपेक्षा करना विलोप (Extinction) का उदाहरण है क्योंकि इसमें ध्यान रुपी पुनर्बलन रोक दिया जाता है। अतः दिए गए तीनों कथन पूर्णतः सत्य एवं व्यवहारवादी सिद्धांतों के अनुकूल हैं।

36. (C) एडवर्ड एल. थार्नडाइक
"प्रभाव का नियम" (Law of Effect) प्रतिपादित करने का श्रेय एडवर्ड एल. थार्नडाइक को दिया जाता है। इस नियम के अनुसार, यदि किसी स्थिति में दी गई अनुक्रिया के पश्चात् संतोषजनक या सुखद परिणाम मिलते हैं, तो उस स्थिति और अनुक्रिया के बीच का संबंध मजबूत हो जाता है। इसके विपरीत, कष्टप्रद परिणामों के बाद अनुक्रिया और स्थिति का संबंध कमजोर हो जाता है, जो क्रियाप्रसूत अनुबंधन का आधार बना।

37. (C) प्रयास एवं त्रुटि अधिगम (Trial and Error Learning)
थार्नडाइक के पहेली बक्से (Puzzle Boxes) में बिल्लियों पर किए गए प्रयोगों ने मुख्य रूप से प्रयास एवं त्रुटि अधिगम (Trial and Error Learning) का प्रदर्शन किया। प्रयोग में बिल्ली ने बाहर निकलने और भोजन प्राप्त करने के लिए कई यादृच्छिक एवं असफल प्रयास किए। निरंतर प्रयासों के दौरान गलत अनुक्रियाएं धीरे-धीरे घटती गईं और सही अनुक्रिया (लीवर

Downloaded from www.pdf.tube

दबाना) का साहचर्य मजबूत होता गया, जिससे अधिगम सिद्ध हुआ।

38. (A) संयोजनवाद (Connectionism)
एडवर्ड थार्नडाइक द्वारा स्थापित मनोवैज्ञानिक ढांचे को "संयोजनवाद" (Connectionism) कहा जाता है। यह सिद्धांत यह प्रतिपादित करता है कि अधिगम उद्दीपक (Stimulus) और अनुक्रिया (Response) के बीच बनने वाले तंत्रिका बंधों या संयोजन (S-R Connections) का परिणाम है। थार्नडाइक के अनुसार, सभी प्रकार के अधिगम, चाहे वे सरल हों या जटिल, इन्हीं उद्दीपक-अनुक्रिया साहचर्यों के क्रमिक निर्माण और सुदृढ़ीकरण पर आधारित होते हैं।

39. (C) शिक्षक यह सुनिश्चित करता है कि जब छात्र किसी अवधारणा में महारत हासिल करते हैं तो वे सफलता का अनुभव करें और उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया प्राप्त करें।
थार्नडाइक के प्रभाव के नियम का सर्वोत्तम कक्षा अनुप्रयोग यह है कि शिक्षक छात्रों की सफलता पर उन्हें संतोषजनक अनुभव और प्रोत्साहन प्रदान करे। जब छात्र किसी शैक्षणिक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करते हैं और सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त करते हैं, तो अधिगम का अनुभव सुखद बनता है। यह संतोषजनक परिणाम संबंधित व्यवहार और अवधारणात्मक समझ के तंत्रिका संबंधों को सुदृढ़ करता है और अधिगम को टिकाऊ बनाता है।

40. (A) P-3, Q-4, R-1, S-2
रूपण (Shaping) वांछित लक्ष्य की ओर उत्तरोत्तर सन्निकटन को पुनर्बलित करता है (P-3)। विलोप (Extinction) में पुनर्बलन रोकने पर व्यवहार समाप्त होता है (Q-4)। सामान्यीकरण (Generalization) में समान उद्दीपकों के प्रति समान अनुक्रिया होती है (R-1)। स्वतः पुनःप्राप्ति (Spontaneous Recovery) में विश्राम के पश्चात विलोप हुई अनुक्रिया पुनः प्रकट होती है (S-2)। अतः यह सुमेलन पूर्णतः सही एवं तार्किक है।

41. (B) शिक्षार्थी कार्य करने के लिए शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार होता है।
थार्नडाइक के तत्परता के नियम (Law of Readiness) के अनुसार, अधिगम तब सबसे अधिक प्रभावी और संतोषजनक होता है जब शिक्षार्थी कार्य करने के लिए शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह तैयार होता है। यदि शिक्षार्थी सीखने के लिए तत्पर है, तो कार्य करना संतोष देता है; परंतु यदि वह तैयार नहीं है और उसे बाध्य किया जाता है, तो यह झुंझलाहट और असंतोष उत्पन्न करता है।

42. (A) जब समय के साथ स्थिति और अनुक्रिया (Situation and Response) के बीच एक परिवर्तनीय संबंध नहीं बनता है, तो संबंध की ताकत घट जाती है।
थार्नडाइक के अभ्यास के नियम के अंतर्गत अनुप्रयोग का नियम (Law of Disuse) यह स्थापित करता है कि जब किसी उद्दीपक स्थिति और अनुक्रिया के बीच के संबंध का लंबे समय तक उपयोग या अभ्यास नहीं किया जाता है, तो उस साहचर्य (S-R Connection) की ताकत धीरे-धीरे कमजोर हो जाती है। इसके परिणामस्वरूप सीखा गया ज्ञान या कौशल विस्मृत होने लगता है, जिससे नियमित पुनरावृत्ति की आवश्यकता सिद्ध होती है।

43. (A) उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि परिणामों के ज्ञान या संतोषजनक परिणाम के बिना केवल पुनरावृत्ति संबंध को मजबूत नहीं करती है।
अपने करियर के उत्तरार्द्ध में, थार्नडाइक ने अभ्यास के नियम में महत्वपूर्ण संशोधन किया। उन्होंने यह स्वीकार किया कि परिणामों के ज्ञान (Knowledge of Results) या संतोषजनक प्रभाव के बिना केवल यांत्रिक पुनरावृत्ति या अभ्यास से उद्दीपक और अनुक्रिया के बीच का संबंध मजबूत नहीं होता है। अभ्यास केवल तभी प्रभावी होता है जब उसके साथ उपयुक्त पुनर्बलन, प्रतिक्रिया अथवा सफलता का सुखद अनुभव जुड़ा हो।

44. (C) तत्परता का नियम (Law of Readiness)
जिम्नास्टिक की जटिल चाल शुरू करने से पहले कराया जाने वाला 10 मिनट का वार्म-अप रूटीन थार्नडाइक के तत्परता के नियम (Law of Readiness) का समर्थन करता है। यह शारीरिक और मानसिक तैयारी छात्रों के स्नायुतंत्र और मांसपेशियों को शारीरिक कार्य के लिए सक्षम बनाती है। जब शरीर और मन कार्य हेतु तत्पर होते हैं, तो जटिल कौशलों का अधिगम अधिक सुगम, प्रभावी तथा चोटों से सुरक्षित हो जाता है।

45. (B) बहु-अनुक्रिया (Multiple Response)
जब छात्र किसी नई समस्या का सामना करने पर सही समाधान मिलने तक विभिन्न प्रकार की अनुक्रियाएं और तरीके आजमाता है, तो यह थार्नडाइक के बहु-अनुक्रिया के नियम (Law of Multiple Responses) को दर्शाता है। यह अधीनस्थ नियम यह बताता है कि शिक्षार्थी किसी नई या जटिल स्थिति में तब तक विभिन्न अनुक्रियाएं करता रहता है जब तक कि उसे सफलता दिलाने वाली सही अनुक्रिया प्राप्त न हो जाए।

46. (D) व्यवहारवाद छोटे बच्चों में जटिल भाषा के तेजी से अधिग्रहण की पर्याप्त व्याख्या करता है।
यह कथन गलत है क्योंकि व्यवहारवाद भाषा के तेजी से अधिग्रहण की पर्याप्त व्याख्या करने में पूरी तरह विफल रहा है। व्यवहारवाद भाषा को केवल अनुकरण और पुनर्बलन का परिणाम मानता है, जो यह समझाने में असमर्थ है कि बच्चे नए और अनसुने वाक्यों का निर्माण इतनी तेजी से कैसे कर लेते हैं। भाषा विकास की इस सीमा को नोआम चॉम्स्की जैसे भाषाविदों द्वारा प्रमुखता से रेखांकित किया गया था।

47. (C) नोआम चॉम्स्की
भाषाविद नोआम चॉम्स्की ने बी.एफ. स्किनर की पुस्तक "वर्बल बिहेवियर" की प्रसिद्ध समीक्षा और आलोचना की। चॉम्स्की ने तर्क दिया कि मानव भाषा का जटिल और रचनात्मक अधिग्रहण केवल क्रियाप्रसूत अनुबंधन और बाह्य पुनर्बलन से संभव नहीं है। उन्होंने प्रस्तावित किया कि मनुष्यों में जन्मजात भाषा अधिग्रहण उपकरण (Language Acquisition

NODIA

Device - LAD) होता है, जो उन्हें व्याकरण संबंधी नियमों को स्वाभाविक रुप से सीखने में सक्षम बनाता है।

48. (B) यह अक्सर नई, वास्तविक दुनिया की स्थितियों में अधिगम के स्थानांतरण (Transfer of Learning) में विफल रहता है।
केवल अभ्यास के नियम पर आधारित रटकर सीखने (Rote Learning) की सबसे बड़ी सीमा यह है कि यह अर्थपूर्ण समझ विकसित नहीं करता। इसके परिणामस्वरूप, शिक्षार्थी द्वारा याद की गई जानकारी का नई, अपरिचित या वास्तविक दुनिया की व्यावहारिक स्थितियों में अधिगम का स्थानांतरण (Transfer of Learning) नहीं हो पाता है। छात्र केवल परिचित संदर्भों में ही रटी हुई विषय-सामग्री का पुनरुत्पादन करने में सक्षम होते हैं।

49. (C) एक कंप्यूटर (सूचना प्रसंस्करण प्रणाली / Information Processing System)
संज्ञानवाद (Cognitivism) के अंतर्गत संज्ञानात्मक अधिगम सिद्धांत मानव मन के कार्य करने की तुलना एक कंप्यूटर या सूचना प्रसंस्करण प्रणाली (Information Processing System) से करते हैं। इस सादृश्यता के अनुसार, मानव मन पर्यावरण से सूचनाएं प्राप्त (Input) करता है, उन्हें कूटबद्ध और संसाधित (Processing) करता है, स्मृति में संग्रहीत (Storage) करता है और आवश्यकता पड़ने पर पुनःप्राप्त (Retrieval) करके अनुक्रिया के रूप में आउटपुट देता है।

50. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि अधिगम केवल अवलोकन योग्य व्यवहार में परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आंतरिक मानसिक अभ्यावेदन, योजनाओं (Schemas) और सूचना प्रसंस्करण में होने वाला परिवर्तन है। इस प्रकार, कोई व्यक्ति बाह्य व्यवहार में बिना तुरंत बदलाव दिखाए भी ज्ञान अर्जित कर सकता है (अव्यक्त अधिगम)। अतः अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

51. (C) गेस्टाल्ट मनोविज्ञान (Gestalt Psychology)
गेस्टाल्ट मनोविज्ञान (Gestalt Psychology) इस सिद्धांत पर बल देता है कि "पूर्ण अपने घटकों के योग से बड़ा है" (The whole is greater than the sum of its parts)। वर्दाइमर, कोहलर और कोफ्का द्वारा विकसित यह संप्रदाय प्रत्यक्षीकरण और सूझ या अंतर्दृष्टि अधिगम (Insight Learning) पर ध्यान केंद्रित करता है। यह व्यवहारवादी दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए संज्ञानात्मक अधिगम सिद्धांतों की नींव का कार्य करता है।

52. (B) शिक्षार्थी पहले से क्या जानता है (पूर्व ज्ञान / Prior Knowledge)
डेविड आसुबेल के संज्ञानात्मक अधिगम सिद्धांत के अनुसार, अधिगम को प्रभावित करने वाला सबसे एकल महत्वपूर्ण कारक यह है कि शिक्षार्थी पहले से क्या जानता है, अर्थात उसका पूर्व ज्ञान (Prior Knowledge)। आसुबेल का मानना था कि नया अर्थपूर्ण अधिगम केवल तभी संभव होता है जब नई सूचना को शिक्षार्थी की मौजूदा संज्ञानात्मक संरचना (Cognitive Structure) में उपलब्ध प्रासंगिक अवधारणाओं के साथ गैर-मनमाने ढंग से जोड़ा जाता है।

53. (C) डेविड आसुबेल
डेविड आसुबेल को "अर्थपूर्ण शाब्दिक अधिगम" (Meaningful Verbal Learning) के सिद्धांत और "अग्रिम आयोजक" (Advance Organizers) की अवधारणा के लिए जाना जाता है। अग्रिम आयोजक निर्देशात्मक उपकरण (Instructional Tools) होते हैं जो नए विषय को पढ़ाने से पहले प्रस्तुत किए जाते हैं। इनका मुख्य कार्य शिक्षार्थी के पूर्व ज्ञान और नई सिखाई जाने वाली विषय-सामग्री के बीच की वैचारिक खाई को पाटना और अर्थपूर्ण अधिगम को सुगम बनाना है।

54. (B) जेनेटिक एपिस्टेमोलॉजी (Genetic Epistemology)
जीन पियाजे ने अपने विकासात्मक और संज्ञानात्मक दृष्टिकोण को "जेनेटिक एपिस्टेमोलॉजी" (Genetic Epistemology) या आनुवंशिक ज्ञानमीमांसा नाम दिया। इसका तात्पर्य ज्ञान के उद्भव और विकास के जैविक अध्ययन से है। पियाजे का मुख्य उद्देश्य यह समझना था कि बच्चे की बौद्धिक क्षमताएं और ज्ञान संरचनाएं विकास के विभिन्न जैविक चरणों में किस प्रकार विकसित, परिवर्तित और परिपक्व होती हैं, जिससे वे दुनिया को समझते हैं।

55. (B) केवल II और III
पियाजे के अनुसार बच्चे पर्यावरण के साथ सक्रिय अंतःक्रिया के माध्यम से अपने ज्ञान का निर्माण स्वयं करते हैं (ज्ञान के सक्रिय निर्माता) तथा जैविक परिपक्वता (Maturation) और अनुभव इस विकास के मुख्य चालक हैं। हालाँकि, पियाजे संज्ञानात्मक विकास को एक निरंतर प्रक्रिया न मानकर चार असतत, गुणात्मक रूप से भिन्न चरणों (Discontinuous Stages) में विभाजित करते हैं। इसलिए केवल द्वितीय और तृतीय कथन सत्य हैं।

56. (C) साम्यधारण / संतुलन (Equilibration)
पियाजे के सिद्धांत में, आत्मसातीकरण (Assimilation) और समावेशन/समायोजन (Accommodation) की प्रक्रियाओं को संतुलित करने वाली स्व-नियमन प्रक्रिया साम्यधारण या संतुलन (Equilibration) कहलाती है। जब नए अनुभव मौजूदा योजनाओं से मेल नहीं खाते, तो असंतुलन की स्थिति उत्पन्न होती है। साम्यधारण की प्रक्रिया द्वारा बच्चा अपनी मानसिक संरचनाओं को समायोजित करके पुनः संज्ञानात्मक स्थिरता प्राप्त करता है, जिससे बौद्धिक विकास आगे बढ़ता है।

57. (B) जीन पियाजे
अमूर्त गणितीय अवधारणाओं को उच्च प्राथमिक कक्षाओं तक टालने का निर्णय जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के चरणों से मेल खाता है। पियाजे के अनुसार, लगभग 11-12 वर्ष से पूर्व के बच्चे मूर्त संक्रियात्मक अवस्था में होते हैं और केवल मूर्त वस्तुओं के साथ ही तार्किक चिंतन कर सकते हैं। अमूर्त तार्किक चिंतन केवल औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था

Click Here to Buy book on Flipkart

(किशोरावस्था) में विकसित होता है, अतः निर्देश विकासात्मक चरण के अनुरूप होना चाहिए।

58. (D) संवेदी-गामक, पूर्व-संक्रियात्मक, मूर्त संक्रियात्मक, औपचारिक संक्रियात्मक
जीन पियाजे द्वारा प्रतिपादित संज्ञानात्मक विकास के चार चरणों का सही कालानुक्रमिक क्रम है: 1. संवेदी-गामक अवस्था (Sensorimotor Stage: 0-2 वर्ष), 2. पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (Preoperational Stage: 2-7 वर्ष), 3. मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage: 7-11 वर्ष), और 4. औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (Formal Operational Stage: 12 वर्ष एवं उससे अधिक)। प्रत्येक चरण में चिंतन गुणात्मक रूप से भिन्न होता है।

59. (B) वस्तु स्थायित्व (Object Permanence)
यह समझ कि वस्तुएं या व्यक्ति तब भी अस्तित्व में रहते हैं जब वे प्रत्यक्ष रूप से दिखाई, सुनाई या छुए नहीं जा सकते, "वस्तु स्थायित्व" (Object Permanence) कहलाती है। यह संज्ञानात्मक मील का पत्थर शिशुओं द्वारा संवेदी-गामक अवस्था (Sensorimotor Stage) के उत्तरार्द्ध (लगभग 8-12 महीने) में हासिल किया जाता है। इससे पहले, बच्चे यह मानते हैं कि जो वस्तु दृष्टि से ओझल है, उसका अस्तित्व भी समाप्त हो गया है।

60. (B) द्वितीयक वृत्तीय अनुक्रिया (Secondary Circular Reaction)
पियाजे के अनुसार, जब शिशु अनजाने में कोई क्रिया करता है जो उसके स्वयं के शरीर से बाहर किसी बाह्य वस्तु पर एक आनंददायक परिणाम उत्पन्न करती है (जैसे खिलौने को लात मारना), और वह उस प्रभाव को दोहराने के लिए बार-बार लात मारता है, तो इसे द्वितीयक वृत्तीय अनुक्रिया (Secondary Circular Reaction) कहते हैं। यह संवेदी-गामक अवस्था के 4 से 8 माह के बीच देखी जाती है।

61. (A) विलंबित अनुकरण (Deferred Imitation)
संवेदी-गामक अवस्था के अंत में (लगभग 18-24 माह) शिशुओं में मानसिक अभ्यावेदन (Mental Representation) और आंतरिक छवियां बनाने की क्षमता विकसित होती है। यह क्षमता उन्हें विलंबित अनुकरण (Deferred Imitation) करने में सक्षम बनाती है, अर्थात वे किसी मॉडल के व्यवहार को देखने के काफी समय बाद, मॉडल की अनुपस्थिति में भी उस व्यवहार की सटीक नकल या पुनरावृत्ति कर सकते हैं, जो प्रतीकात्मक चिंतन का आधार है।

62. (B) 2 से 7 वर्ष
पियाजे के अनुसार, पूर्व-संक्रियात्मक चरण (Preoperational Stage) की अवधि आमतौर पर 2 से 7 वर्ष के आयु वर्ग से जुड़ी होती है। इस चरण में बच्चों में भाषा का तीव्र विकास होता है और वे प्रतीकात्मक चिंतन (Symbolic Thought) करने लगते हैं। हालाँकि, इस अवस्था की सोच अभी भी अहंकेंद्रित, एकांगी (Centered) और तार्किक संक्रियाओं तथा उत्क्रमणीयता (Reversibility) से रहित होती है।

63. (B) जीववाद (Animism)
निर्जीव वस्तुओं (जैसे सूरज, बादल, या खिलौने) में सजीव गुण, इच्छाएं, भावनाएं और चेतना देखने की बच्चे की प्रवृत्ति को जीववाद (Animism) कहा जाता है। यह पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (2 से 7 वर्ष) के बच्चों की एक प्रमुख संज्ञानात्मक सीमा है। इस अवस्था में बच्चे यह मानते हैं कि प्रकृति की सभी वस्तुएं इंसानों की तरह ही जीवित हैं, सोचती हैं और कार्य करती हैं।

64. (C) संरक्षण (Conservation)
यह पहचानने में असमर्थता कि किसी वस्तु या पदार्थ की मात्रा समान रहती है भले ही उसका आकार या बाह्य उपस्थिति बदल दी जाए, "संरक्षण" (Conservation) की क्षमता की कमी को दर्शाती है। पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था का बच्चा केवल एक दृश्य पहलू (गिलास की ऊंचाई) पर ध्यान केंद्रित करता है और यह नहीं समझ पाता कि चौड़ाई बदलने से कुल द्रव का आयतन परिवर्तित नहीं हुआ है।

65. (B) केन्द्रीकरण (Centration)
जब बच्चा किसी स्थिति या वस्तु की केवल एक प्रमुख विशेषता (जैसे केवल तरल की ऊंचाई) पर अपना ध्यान केंद्रित करता है और अन्य प्रासंगिक विशेषताओं (जैसे गिलास की चौड़ाई) की पूरी तरह उपेक्षा कर देता है, तो इस संज्ञानात्मक सीमा को केन्द्रीकरण (Centration) कहा जाता है। यह पूर्व-संक्रियात्मक चिंतन का एक मुख्य लक्षण है जो बच्चे को संरक्षण (Conservation) के सिद्धांतों को समझने से रोकता है।

66. (B) बच्चे की अपने दृष्टिकोण और किसी अन्य के दृष्टिकोण के बीच अंतर करने में असमर्थता।
पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था में अहंकेंद्रवाद (Egocentrism) से तात्पर्य बच्चे की उस संज्ञानात्मक असमर्थता से है जिसके कारण वह दुनिया को केवल अपने दृष्टिकोण से देखता है और दूसरों के परिप्रेक्ष्य या दृष्टिकोण को समझने में विफल रहता है। बच्चा यह मानता है कि जो वह देख रहा है, सोच रहा है या महसूस कर रहा है, वही बिल्कुल वैसा ही अन्य सभी लोग भी देख और महसूस कर रहे हैं।

67. (C) पारगमनिक तर्क (Transductive Reasoning)
पूर्व-संक्रियात्मक चरण में बच्चा बिना किसी सामान्य नियम के एक विशिष्ट घटना से सीधे दूसरी विशिष्ट घटना को जोड़कर तर्क करता है, जिसे पारगमनिक तर्क (Transductive Reasoning) कहते हैं। इसमें कोई सच्चा आगमनात्मक या निगमनात्मक तर्क शामिल नहीं होता है। उदाहरण के लिए, "मैंने झपकी नहीं ली है, इसलिए अभी दोपहर नहीं हुई है" - यहाँ दो अलग-अलग घटनाओं के बीच अकारण ही कारण-प्रभाव संबंध मान लिया जाता है।

68. (A) मूर्त वस्तुओं पर लागू तार्किक या संक्रियात्मक विचार
मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage: 7-11 वर्ष) संज्ञानात्मक विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है क्योंकि यहाँ बच्चा पहली बार तार्किक या संक्रियात्मक

Downloaded from www.pdf.tube

चिंतन (Logical Operations) करने में सक्षम होता है। हालाँकि, यह तार्किक चिंतन केवल मूर्त, प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित वस्तुओं और वास्तविक घटनाओं तक ही सीमित रहता है। अमूर्त समस्याओं को हल करने में इस चरण का बच्चा अभी भी असमर्थ होता है।

69. (B) सकर्मकता (Transitivity)
यदि A = B और B = C, तो A = C - इस तार्किक निष्कर्ष को मानसिक रूप से निकालने की क्षमता को सकर्मकता (Transitivity) या सकर्मक अनुमान कहा जाता है। यह संज्ञानात्मक कौशल मूर्त संक्रियात्मक अवस्था में विकसित होता है। इसके माध्यम से बच्चा वस्तुओं के बीच के अप्रत्यक्ष संबंधों को समझ सकता है और उन्हें बिना प्रत्यक्ष तुलना किए मानसिक रूप से तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर सकता है।

70. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
प्राथमिक स्कूल के चौथी कक्षा के छात्र (लगभग 9-10 वर्ष) पियाजे की मूर्त संक्रियात्मक अवस्था में होते हैं। इस अवस्था में तार्किक अवधारणाओं (जैसे भिन्न) को समझने के लिए ठोस वस्तुओं (Physical Manipulatives) और व्यावहारिक प्रयोगों की आवश्यकता होती है, क्योंकि उनका तार्किक चिंतन प्रत्यक्ष अनुभवों से बंधा होता है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

71. (A) उत्क्रमणीयता (Reversibility)
किसी क्रिया या तर्क की श्रृंखला को मानसिक रूप से उलटने या विपरीत दिशा में ले जाने की क्षमता को उत्क्रमणीयता (Reversibility) कहा जाता है। जैसे यह समझना कि गणितीय संक्रिया 3 + 4 = 7 को उल्टा करके 7 - 4 = 3 किया जा सकता है। यह क्षमता पूर्व-संक्रियात्मक काल में अनुपस्थित होती है और मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (7-11 वर्ष) में विकसित होकर संरक्षण की समझ बनाती है।

72. (B) छड़ियों की एक श्रृंखला को सबसे छोटी से सबसे लंबी के क्रम में व्यवस्थित करना
क्रमबद्धता (Seriation) वह संज्ञानात्मक क्षमता है जिसके द्वारा वस्तुओं को किसी परिमाणात्मक विशेषता (Quantitative Dimension) जैसे कि लंबाई, वजन, या आकार के आधार पर तार्किक क्रम (उदा. सबसे छोटी से सबसे लंबी) में व्यवस्थित किया जाता है। यह क्षमता मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage) में विकसित होती है, जो बच्चे के तार्किक संक्रियात्मक चिंतन की परिपक्वता को दर्शाती है।

73. (C) परिकल्पित-निगमनात्मक तर्क (Hypothetico-deductive Reasoning)
पियाजे की औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (Formal Operational Stage: 12 वर्ष से ऊपर) की परिभाषित विशेषता परिकल्पित-निगमनात्मक तर्क (Hypothetico-deductive Reasoning) का उद्भव है। इस अवस्था में किशोर केवल वास्तविक घटनाओं तक सीमित न रहकर काल्पनिक या परिकल्पित स्थितियों के बारे में सोच सकते हैं, परिकल्पनाएं बना सकते हैं और उन्हें व्यवस्थित परीक्षण के माध्यम से तार्किक रूप से निगमित कर समाधान तक पहुँच सकते हैं।

74. (A) प्रस्तावनात्मक तर्क (Propositional Logic)
प्रस्तावनात्मक तर्क (Propositional Logic) अमूर्त कथनों या प्रस्तावों के तार्किक मूल्यांकन की क्षमता है, भले ही वे प्रस्ताव वास्तविक दुनिया के तथ्यों के विपरीत हों या काल्पनिक (जैसे "ब्लरग") हों। यह औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था की एक प्रमुख विशेषता है, जहाँ चिंतन की सत्यता प्रत्यक्ष भौतिक यथार्थ के बजाय वाक्यों के बीच के अंतर्निहित तार्किक संबंधों द्वारा निर्धारित की जाती है।

75. (A) केवल I और II
किशोरावस्था के अहंकेंद्रवाद (Adolescent Egocentrism) में "काल्पनिक श्रोता" (दूसरों का लगातार खुद पर ध्यान मानने का विश्वास) और "व्यक्तिगत कल्पित कथा" (खुद को अजेय और अद्वितीय मानने की भावना) शामिल हैं। कथन III गलत है क्योंकि किशोर अहंकेंद्रवाद अमूर्त चिंतन की जटिलता के कारण होता है, जबकि पूर्व-संक्रियात्मक अहंकेंद्रवाद विकेंद्रीकरण और दृष्टिकोण-निर्माण की क्षमता में कमी के कारण होता है।

76. (A) अमूर्त तार्किक तर्क (Abstract Logical Reasoning)
नैतिक और वैज्ञानिक मुद्दों जैसे जेनेटिक इंजीनियरिंग के निहितार्थों पर बहस करने के लिए अमूर्त तार्किक तर्क (Abstract Logical Reasoning) तथा बहु-परिप्रेक्ष्य चिंतन की आवश्यकता होती है। हाई स्कूल के छात्र औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था में होते हैं, जहाँ वे काल्पनिक स्थितियों, अमूर्त मूल्यों और भविष्य की संभावनाओं का तार्किक विश्लेषण करने में सक्षम होते हैं। अतः यह गतिविधि उनके विकासात्मक चरण के पूर्णतः अनुकूल है।

77. (B) आत्मसातीकरण (Assimilation)
पियाजे के अनुसार, जब कोई शिक्षार्थी नए अनुभवों, सूचनाओं या वस्तुओं को अपनी पूर्व-मौजूद मानसिक संरचनाओं या योजनाओं (Schemas) में बिना किसी परिवर्तन के शामिल करता है, तो इस प्रक्रिया को आत्मसातीकरण (Assimilation) कहा जाता है। इसमें व्यक्ति नई स्थिति की व्याख्या अपने पुराने ज्ञान के आधार पर करता है, अर्थात नया ज्ञान मौजूदा ढाँचे में आसानी से फिट हो जाता है।

78. (C) आत्मसातीकरण (Assimilation)
जब बच्चा पहली बार भेड़ देखकर उसे अपने घर के कुत्ते की मौजूदा योजना (चार पैर, रोएँदार शरीर) के आधार पर "कुत्ता" कहता है, तो यह आत्मसातीकरण (Assimilation) का उदाहरण है। बच्चे ने नई वस्तु (भेड़) की व्याख्या अपनी पुरानी मानसिक योजना के आधार पर की है और उसमें कोई बदलाव नहीं किया है। यह नई जानकारी को मौजूदा स्कीमा में जोड़ने की स्वाभाविक प्रक्रिया है।

NODIA

79. (B) असंतुलन (Disequilibrium)
जब किसी बच्चे के सामने ऐसी नई जानकारी आती है जिसे उसकी मौजूदा योजनाओं (Schemas) में आत्मसात नहीं किया जा सकता, तो उसकी वर्तमान समझ और नए अनुभव में अंतर पैदा होता है। इस संज्ञानात्मक विसंगति या संघर्ष की स्थिति को पियाजे ने असंतुलन (Disequilibrium) कहा। यह असंतुलन बच्चे को अपनी सोच में संशोधन करने और नए संतुलन तक पहुँचने के लिए प्रेरित करता है।

80. (B) I → III → II → IV
संज्ञानात्मक अनुकूलन चक्र तब शुरु होता है जब शिक्षार्थी नए अनुभव को आत्मसात (I) करने का प्रयास करता है। यदि मौजूदा स्कीमा अपर्याप्त है, तो असंतुलन (III) उत्पन्न होता है। इस संज्ञानात्मक संघर्ष को दूर करने के लिए बच्चा अपनी योजनाओं में समावेशन/समायोजन (II) करता है। इसके परिणामस्वरूप अंततः नई और अधिक परिष्कृत संज्ञानात्मक संतुलन या साम्यधारण (IV) की स्थिति प्राप्त होती है।

81. (C) समावेशन / समायोजन (Accommodation)
जब बच्चा अपनी मौजूदा मानसिक योजना (Schema) में संशोधन करता है या नई जानकारी के आधार पर एक नई श्रेणी (भेड़) का निर्माण करता है, तो इस प्रक्रिया को समावेशन या समायोजन (Accommodation) कहते हैं। यहाँ बच्चे ने अपनी पुरानी अवधारणा में बदलाव किया है ताकि वह नए अनुभव को सही ढंग से वर्गीकृत कर सके। यह संज्ञानात्मक संरचना में वास्तविक परिवर्तन को दर्शाता है।

82. (B) अवधारणाओं का एक संरचित समूह या विचार और कार्रवाई का एक संगठित पैटर्न
संज्ञानात्मक मनोविज्ञान में, एक "स्कीमा" (Schema) अवधारणाओं, सूचनाओं या श्रेणियों का एक संगठित और संरचित मानसिक ढाँचा (Mental Framework) है। यह विचारों और क्रियाओं का एक ऐसा पैटर्न है जो व्यक्तियों को दुनिया से प्राप्त होने वाली नई सूचनाओं को वर्गीकृत करने, उनका अर्थ निकालने, उन्हें याद रखने और उनके आधार पर प्रतिक्रिया देने में मदद करता है। स्कीमा अनुभव के साथ निरंतर विकसित होते हैं।

83. (A) स्कीमा (Schemas) किसी व्यक्ति के पूरे जीवन काल में स्थिर और अपरिवर्तित रहते हैं।
यह कथन पूरी तरह से असत्य है क्योंकि स्कीमा (Schemas) स्थिर और अपरिवर्तित नहीं रहते हैं। इसके विपरीत, स्कीमा अत्यंत गतिशील और लचीले होते हैं जो व्यक्ति के पूरे जीवन काल में नए अनुभवों, आत्मसातीकरण (Assimilation) और समावेशन (Accommodation) की प्रक्रियाओं के माध्यम से लगातार बदलते, परिष्कृत होते और पुनर्गठित होते रहते हैं, जिससे बौद्धिक विकास निरंतर जारी रहता है।

84. (D) संज्ञानात्मक विकास पर संस्कृति और भाषा का प्रभाव
जेरोम ब्रूनर का सिद्धांत पियाजे से मुख्य रूप से इस बात पर भिन्न था कि ब्रूनर ने संज्ञानात्मक विकास पर संस्कृति और भाषा के प्रभाव को अत्यधिक महत्वपूर्ण माना। जहाँ पियाजे ने विकास को मुख्य रूप से एक जैविक रूप से निर्देशित चरणबद्ध प्रक्रिया माना, वहीं ब्रूनर का तर्क था कि भाषा और सांस्कृतिक उपकरण व्यक्ति की चिंतन प्रणाली को आकार देने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।

85. (C) जेरोम ब्रूनर
"किसी भी विषय को विकास के किसी भी चरण में किसी भी बच्चे को बौद्धिक रूप से ईमानदार रूप में प्रभावी ढंग से सिखाया जा सकता है" - यह प्रसिद्ध कथन जेरोम ब्रूनर का है। ब्रूनर का मानना था कि यदि जटिल सामग्री को बच्चे के वर्तमान प्रतिनिधित्व के तरीके के अनुकूल सरल और संरचित बनाया जाए, तो किसी भी आयु में अर्थपूर्ण अधिगम संभव है।

86. (C) इनेक्टिव (सक्रिय) → आइकॉनिक (प्रतिमात्मक) → सिम्बोलिक (प्रतीकात्मक)
जेरोम ब्रूनर के अनुसार, बाल विकास में प्रतिनिधित्व के तीन तरीकों का उद्भव इस क्रम में होता है: 1. इनेक्टिव मोड (Enactive Mode - क्रिया आधारित / शारीरिक गतियों द्वारा), 2. आइकॉनिक मोड (Iconic Mode - चित्र/प्रतिमा आधारित / दृश्य छवियों द्वारा), और 3. सिम्बोलिक मोड (Symbolic Mode - प्रतीक/भाषा आधारित)। यह क्रम ठोस अनुभवों से अमूर्त चिंतन की ओर प्रगति को दर्शाता है।

87. (C) मोटर अनुक्रियाओं और शारीरिक क्रियाओं के माध्यम से ज्ञान का प्रतिनिधित्व करना
ब्रूनर के सिद्धांत में इनेक्टिव (Enactive) मोड प्रतिनिधित्व का पहला चरण है, जिसमें ज्ञान को मुख्य रुप से मोटर अनुक्रियाओं, शारीरिक क्रियाओं और प्रत्यक्ष हेरफेर (Direct Manipulation) के माध्यम से व्यक्त किया जाता है। शिशु और छोटे बच्चे वस्तुओं के साथ कार्य करके या उन्हें छूकर सीखते हैं (जैसे साइकिल चलाना या तैरना सीखना), जहाँ शब्दों या चित्रों का प्रयोग न्यूनतम होता है।

88. (B) प्रतिनिधित्व के तरीके (Modes of Representation)
भौतिक ब्लॉक से जोड़ना इनेक्टिव (Enactive) मोड को दर्शाता है, ब्लॉक के चित्र बनाना आइकॉनिक (Iconic) मोड को दर्शाता है, तथा गणितीय समीकरण लिखना सिम्बोलिक (Symbolic) मोड का प्रतिनिधित्व करता है। यह निर्देशात्मक अनुक्रम सीधे जेरोम ब्रूनर के प्रतिनिधित्व के तरीकों (Modes of Representation) के सिद्धांत को क्रियान्वित करता है, जो मूर्त से अमूर्त की ओर शिक्षण को सुगम बनाता है।

89. (C) तत्काल वास्तविकता से परे अमूर्त प्रस्तावों और परिकल्पनाओं के हेरफेर की अनुमति देता है।
ब्रूनर के अनुसार, प्रतिनिधित्व का सिम्बोलिक (Symbolic) मोड अत्यंत फायदेमंद है क्योंकि यह शिक्षार्थी को प्रत्यक्ष भौतिक या दृश्य वास्तविकता से परे जाने की क्षमता प्रदान करता है। भाषा, गणितीय प्रतीकों और अमूर्त अवधारणाओं के उपयोग द्वारा व्यक्ति जटिल विचारों, परिकल्पनाओं और सैद्धांतिक प्रस्तावों का हेरफेर मानसिक रूप से कर सकता है, जिससे उच्च-स्तरीय चिंतन संभव होता है।

Click Here to Buy book on Amazon

90. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
ब्रूनर ने पियाजे की उस धारणा को चुनौती दी कि बच्चों को कुछ अमूर्त विषय पढ़ाने के लिए विशिष्ट विकासात्मक चरणों तक पहुँचने की प्रतीक्षा करनी चाहिए। ब्रूनर का मानना था कि यदि ज्ञान को उपयुक्त रूप से संरचित किया जाए (सर्पिल पाठ्यक्रम), तो जटिल अवधारणाओं को बच्चों की समझ के स्तर तक सरल बनाकर सफलतापूर्वक सिखाया जा सकता है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं।

91. (B) किसी विषय के मूल विचारों को बार-बार दोहराया जाना चाहिए, जब तक कि पूर्ण महारत हासिल न हो जाए, उन पर निर्माण किया जाना चाहिए।
"सर्पिल पाठ्यक्रम" (Spiral Curriculum) की अवधारणा यह प्रस्तुत करती है कि किसी विषय की मूलभूत अवधारणाओं और विचारों को शिक्षा के प्रारंभिक चरणों में सरल रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए, और फिर छात्र के विकास के साथ-साथ बाद के वर्षों में उन्हीं विचारों पर पुनः लौटकर अधिक जटिलता और गहराई के साथ निरंतर निर्माण किया जाना चाहिए।

92. (C) यह छात्रों को नई जटिलताओं को पहले से सीखी गई मूलभूत अवधारणाओं (Fundamental Concepts) से जोड़ने की अनुमति देकर समझ को गहरा करता है।
सर्पिल पाठ्यक्रम का प्राथमिक शैक्षणिक लाभ यह है कि यह निरंतर पूर्व ज्ञान को नए जटिल विचारों से जोड़ता है। जब छात्र एक ही मूल अवधारणा का विभिन्न स्तरों और संदर्भों में बार-बार सामना करते हैं, तो उनकी वैचारिक समझ धीरे-धीरे अधिक व्यापक और गहरी होती जाती है, जिससे रटने के बजाय दीर्घकालिक स्थायित्व और सार्थक अधिगम को बढ़ावा मिलता है।

93. (B) एक समस्या या सामग्रियों का एक सेट प्रदान करना और छात्रों को अंतर्निहित नियमों या सिद्धांतों की स्वयं खोज करने के लिए मार्गदर्शन करना।
ब्रूनर के खोज अधिगम (Discovery Learning) में शिक्षक प्रत्यक्ष व्याख्यान देने के बजाय एक सुगमकर्ता (Facilitator) की भूमिका निभाता है। शिक्षक छात्रों को उपयुक्त सामग्रियां, समस्याएं या समृद्ध वातावरण प्रदान करता है और उन्हें पूछताछ, अन्वेषण और प्रयोगों के माध्यम से अंतर्निहित सिद्धांतों, नियमों और संबंधों की स्वयं खोज करने के लिए मार्गदर्शित करता है।

94. (B) आगमनात्मक तर्क (Inductive Reasoning)
खोज अधिगम (Discovery Learning) मुख्य रूप से आगमनात्मक तर्क (Inductive Reasoning) पर निर्भर करता है। इस प्रक्रिया में छात्र विशिष्ट उदाहरणों, आंकड़ों, प्रेक्षणों या प्रयोगात्मक सामग्रियों का अध्ययन करते हैं और उन विशिष्ट विवरणों का विश्लेषण करके अंततः सामान्य सिद्धांतों, नियमों या व्यापक अवधारणाओं का स्वयं निर्माण करते हैं। यह दृष्टिकोण वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करता है।

95. (B) केवल I और III
खोज अधिगम छात्रों में स्वायत्तता और आंतरिक अभिप्रेरणा को बढ़ाता है (कथन I)। परंतु, बिना मार्गदर्शन वाली "शुद्ध खोज" नौसिखिए शिक्षार्थियों में संज्ञानात्मक अतिभार (Cognitive Overload) और हताशा पैदा कर सकती है (कथन III)। कथन II असत्य है क्योंकि खोज अधिगम में समय अधिक लगता है, अतः यह कम समय में बड़ी मात्रा में तथ्य सिखाने के लिए कुशल नहीं है।

96. (B) यह मान लेता है कि शिक्षार्थियों के पास सटीक वैज्ञानिक सिद्धांतों का निर्माण करने के लिए पहले से ही आवश्यक पृष्ठभूमि ज्ञान मौजूद है।
अमार्गदर्शित या शुद्ध खोज अधिगम (Unguided Discovery Learning) की एक मुख्य सीमा यह है कि यह मान लेता है कि नौसिखिए शिक्षार्थियों के पास स्वयं सही निष्कर्ष निकालने हेतु पर्याप्त पृष्ठभूमि ज्ञान और संज्ञानात्मक कौशल मौजूद हैं। इसके बिना छात्र भ्रमित हो सकते हैं, गलत अवधारणाएं निर्मित कर सकते हैं, तथा कार्यशील स्मृति (Working Memory) पर अत्यधिक भार पड़ने से हतोत्साहित हो सकते हैं।

97. (B) ज्ञान शिक्षार्थी द्वारा अनुभवों और प्रतिबिंबों के माध्यम से सक्रिय रूप से निर्मित किया जाता है।
रचनावाद (Constructivism) का मूल ज्ञानमीमांसीय आधार यह है कि ज्ञान कोई वस्तुनिष्ठ या पूर्व-निर्मित वस्तु नहीं है जिसे शिक्षक द्वारा शिक्षार्थी में सीधे स्थानांतरित किया जा सके। इसके विपरीत, ज्ञान का निर्माण शिक्षार्थी द्वारा अपने व्यक्तिगत अनुभवों, पर्यावरण के साथ अंतःक्रिया और उन अनुभवों पर किए जाने वाले सक्रिय मानसिक चिंतन (Reflection) के माध्यम से किया जाता है।

98. (A) वास्तविकता पूरी तरह से आत्मपरक है और हम कभी भी एक वस्तुनिष्ठ सत्य को नहीं जान सकते हैं, केवल वही जान सकते हैं जो हमारे अनुभवों के आधार पर व्यवहार्य है।
अर्न्स्ट वोन ग्लेसर्सफेल्ड द्वारा प्रतिपादित कट्टर रचनावाद (Radical Constructivism) यह मानता है कि ज्ञान व्यक्ति से स्वतंत्र किसी वस्तुनिष्ठ वास्तविकता का प्रतिनिधित्व नहीं करता। वास्तविकता आत्मपरक है; हम किसी निरपेक्ष बाहरी सत्य को नहीं जान सकते। ज्ञान केवल एक ऐसा व्यक्तिगत मानसिक निर्माण है जो शिक्षार्थी के अपने अनुभवों को प्रबंधित करने में व्यावहारिक रूप से व्यवहार्य (Viable) और उपयोगी सिद्ध होता है।

99. (C) पोर्टफोलियो, प्रमाणिक कार्य और परियोजना आधारित मूल्यांकन (Portfolios, Authentic Tasks, and Project-Based Assessments)
रचनावादी कक्षा के सबसे अनुकूल मूल्यांकन विधियां पोर्टफोलियो, प्रामाणिक कार्य और परियोजना-आधारित मूल्यांकन हैं। रचनावाद रटकर उत्तर देने वाली परीक्षाओं के बजाय यह देखने पर बल देता है कि शिक्षार्थी वास्तविक दुनिया की समस्याओं में अपने ज्ञान का प्रयोग किस प्रकार करते हैं। ये उपकरण छात्र के ज्ञान निर्माण, चिंतन प्रक्रिया और व्यावहारिक कौशलों का सतत और व्यापक मूल्यांकन करते हैं।

NODIA

100. (C) सामाजिक अंतःक्रिया और सांस्कृतिक उपकरण (Social Interaction and Cultural Tools)
लेव वायगोत्स्की का सामाजिक रचनावादी सिद्धांत पियाजे से अलग है क्योंकि वायगोत्स्की ने बालक के संज्ञानात्मक विकास में सामाजिक अंतःक्रियाओं (Social Interactions), भाषाई संवाद और सांस्कृतिक उपकरणों (Cultural Tools) की भूमिका पर अत्यधिक बल दिया। जहाँ पियाजे ने व्यक्तिगत अन्वेषण को प्राथमिकता दी, वहीं वायगोत्स्की का मानना था कि उच्च मानसिक प्रक्रियाओं का विकास अंतर्व्यक्तिगत सामाजिक संदर्भों में होता है।

101. (B) आंतरीकरण (Internalization)
वायगोत्स्की के अनुसार, वह प्रक्रिया जिसके द्वारा बालक सामाजिक स्तर पर होने वाली अंतःक्रियाओं, संवादों और सांस्कृतिक उपकरणों के उपयोग को अपने आंतरिक विचार और मानसिक प्रक्रियाओं में परिवर्तित करता है, आंतरीकरण (Internalization) कहलाती है। विकास पहले सामाजिक/अंतर-मनोवैज्ञानिक (Interpsychological) स्तर पर होता है और बाद में आंतरीकरण द्वारा व्यक्तिगत/अंतरा-मनोवैज्ञानिक (Intrapsychological) स्तर पर स्थापित होता है।

102. (B) आत्म-नियमन (Self-Regulation) और आंतरिक विचार के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम।
वायगोत्स्की ने तर्क दिया कि बच्चे द्वारा कठिन कार्य करते समय स्वयं से की जाने वाली बोलकर बात (निजी वाक् / Private Speech) अहंकेंद्रवाद का लक्षण नहीं है, बल्कि यह आत्म-नियमन (Self-Regulation) का एक शक्तिशाली साधन है। इसके माध्यम से बालक अपने विचारों को व्यवस्थित करता है, अपने व्यवहार को निर्देशित करता है और समस्या-समाधान की योजना बनाता है, जो बाद में आंतरिक वाक् में बदल जाता है।

103. (B) एक बच्चा स्वतंत्र रूप से क्या कर सकता है और मार्गदर्शन और सहयोग के साथ क्या कर सकता है।
समीपस्थ विकास का क्षेत्र (Zone of Proximal Development - ZPD) वायगोत्स्की द्वारा परिभाषित एक महत्वपूर्ण अवधारणा है। यह किसी शिक्षार्थी के वास्तविक विकासात्मक स्तर (जिसे वह बिना किसी की सहायता के स्वतंत्र रूप से कर सकता है) और उसके संभावित विकासात्मक स्तर (जिसे वह किसी अधिक कुशल वयस्क या साथी के मार्गदर्शन और सहयोग से कर सकता है) के बीच की दूरी है।

104. (B) समीपस्थ विकास का क्षेत्र (Zone of Proximal Development)
स्तर 4 की किताब छात्र के समीपस्थ विकास के क्षेत्र (ZPD) का प्रतिनिधित्व करती है। छात्र स्तर 3 की किताब स्वतंत्र रूप से पढ़ सकता है (वास्तविक विकास), परंतु स्तर 4 की किताब पढ़ने के लिए उसे शिक्षक के संकेतों की सहायता की आवश्यकता पड़ती है। यह दर्शाता है कि सहायता के साथ स्तर 4 का कार्य छात्र की सीखने की वर्तमान क्षमता की सीमा के भीतर स्थित है।

105. (B) अधिक सक्षम व्यक्ति द्वारा प्रदान की गई अस्थायी सहायता (Temporary Support) जो शिक्षार्थी को उस लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम बनाती है जिसे वह अकेले प्राप्त नहीं कर सकता था।
पाड़ या ढांचा (Scaffolding) की अवधारणा (जिसे वुड, ब्रूनर और रॉस द्वारा लोकप्रिय बनाया गया तथा वायगोत्स्की के ZPD से जोड़ा गया) से तात्पर्य उस अस्थायी सहायता से है जो किसी अधिक ज्ञानी व्यक्ति द्वारा शिक्षार्थी को दी जाती है। यह सहायता शिक्षार्थी को कठिन कार्य मास्टर करने में मदद करती है और जैसे-जैसे छात्र की दक्षता बढ़ती है, यह सहायता धीरे-धीरे हटा ली जाती है।

106. (B) जैसे-जैसे छात्र की क्षमता बढ़ती है, शिक्षक धीरे-धीरे सहायता वापस ले लेता है।
प्रभावी पाड़ (Scaffolding) की एक अनिवार्य प्रक्रिया "फेडिंग" (Fading) है। इसका तात्पर्य यह है कि जैसे-जैसे शिक्षार्थी की समझ, कौशल और आत्मनिर्भरता बढ़ती है, शिक्षक या सहायतादाता द्वारा दी जाने वाली सहायता की मात्रा को धीरे-धीरे कम या वापस ले लिया जाता है। इसका अंतिम उद्देश्य छात्र को बिना किसी बाह्य सहायता के कार्य करने में पूरी तरह स्वतंत्र और आत्म-नियमित बनाना है।

107. (C) जब कोई छात्र अनुक्रिया के दौरान रुकता है तो तुरंत अंतिम उत्तर (Final Answer) प्रदान करना
छात्र के रुकने पर तुरंत अंतिम उत्तर (Final Answer) प्रदान कर देना पाड़ (Scaffolding) की रणनीति नहीं है। प्रभावी पाड़ में छात्र के चिंतन को बढ़ावा देने के लिए संकेत देना, मॉडलिंग करना या कार्य को छोटे चरणों में तोड़ा जाता है, ताकि छात्र स्वयं उत्तर तक पहुँचे। सीधे उत्तर बता देने से छात्र की स्वतंत्र समस्या-समाधान क्षमता का विकास बाधित होता है।

108. (A) अधिक ज्ञानी अन्य (More Knowledgeable Other)
वायगोत्स्की की शब्दावली में MKO का पूर्ण रूप "अधिक ज्ञानी अन्य" (More Knowledgeable Other) है। MKO से तात्पर्य किसी भी ऐसे व्यक्ति (जैसे शिक्षक, सहपाठी, माता-पिता) या डिजिटल उपकरण से है, जिसके पास किसी विशिष्ट कार्य, प्रक्रिया या अवधारणा के संबंध में शिक्षार्थी की तुलना में अधिक ज्ञान, बेहतर समझ या उच्च कौशल स्तर होता है।

109. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।
सामाजिक रचनावाद में MKO केवल वयस्क शिक्षक ही हो, यह अनिवार्य नहीं है; कोई सहपाठी या कंप्यूटर सॉफ्टवेयर भी MKO हो सकता है (अतः अभिकथन A असत्य है)। वायगोत्स्की का यह मानना भी गलत ढंग से व्याख्यायित है कि ज्ञान केवल सत्ताधारी वयस्क से प्रेषित होता है, वे सहयोगात्मक अधिगम पर बल देते हैं (अतः कारण R भी असत्य है)। दिए गए विकल्पों में सबसे सटीक संरेखण D है।

110. (A) अधिक ज्ञानी अन्य (More Knowledgeable Other - MKO)
इस परिदृश्य में, गणित में मजबूत सहपाठी MKO (More Knowledgeable Other) के रूप में कार्य कर रहा है। उसके

Downloaded from www.pdf.tube

पास लंबे भाग की प्रक्रिया की बेहतर वैचारिक समझ और कौशल है, जिसका उपयोग वह अपने संघर्षरत साथी के ZPD में मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए कर रहा है। यह सहपाठी ट्यूशन सामाजिक रचनावादी अधिगम का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है।

111. (B) पारस्परिक शिक्षण (Reciprocal Teaching)
पारस्परिक शिक्षण (Reciprocal Teaching) एक निर्देशात्मक मॉडल है जो सीधे वायगोत्स्की के सिद्धांतों पर आधारित है। इसमें शिक्षक और छात्रों का एक छोटा समूह पठन सामग्री को गहराई से समझने के लिए चार रणनीतियों: पूर्वानुमान (Predicting), प्रश्न पूछना (Questioning), स्पष्ट करना (Clarifying), और संक्षेपण (Summarizing) का उपयोग करते हुए एक सहयोगात्मक संवाद में भाग लेते हैं।

112. (B) प्रामाणिक गतिविधियों में एक विशेषज्ञ के साथ निर्देशित भागीदारी के माध्यम से छात्रों का संज्ञानात्मक कौशल सीखना।
"संज्ञानात्मक प्रशिक्षुता" (Cognitive Apprenticeship) का तात्पर्य एक ऐसी प्रक्रिया से है जहाँ शिक्षार्थी किसी प्रामाणिक गतिविधि में विशेषज्ञ के साथ निर्देशित भागीदारी (Guided Participation) और अवलोकन के माध्यम से जटिल संज्ञानात्मक कौशलों को सीखता है। इसमें विशेषज्ञ अपने विचारों और समस्या-समाधान प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करता है तथा छात्र को अभ्यास के दौरान पाड़ (Scaffolding) प्रदान करता है।

113. (B) सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism)
सुगमकर्ता के रूप में शिक्षक, प्रामाणिक और वास्तविक दुनिया से जुड़े शिक्षण कार्य, तथा संवाद एवं अर्थ-निर्माण के लिए सहयोगात्मक अंतःक्रियाएँ - ये सभी विशेषताएँ सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism) के दर्शन को दर्शाती हैं। यह दृष्टिकोण मानता है कि ज्ञान एक सामाजिक प्रक्रिया है जो सहयोगात्मक संदर्भों और संस्कृति-आधारित अंतःक्रियाओं के माध्यम से निर्मित होती है।

114. (B) अधिगम की स्थितियां (Conditions of Learning)
रॉबर्ट गैग्ने को उनके "अधिगम की स्थितियां" (Conditions of Learning) के सिद्धांत के लिए जाना जाता है। गैग्ने ने यह प्रतिपादित किया कि विभिन्न प्रकार के अधिगम परिणामों के लिए अलग-अलग आंतरिक और बाह्य स्थितियों की आवश्यकता होती है। उन्होंने अधिगम के पदानुक्रमित वर्गीकरण और प्रभावी निर्देश हेतु "शिक्षण की नौ घटनाओं" का विकास किया।

115. (D) समस्या समाधान (Problem Solving)
गैग्ने के अधिगम के पदानुक्रमित मॉडल (Hierarchical Model) में अधिगम के आठ प्रकारों को सरलता से जटिलता के क्रम में व्यवस्थित किया गया है। इस पदानुक्रम में सबसे निचला स्तर 'संकेत अधिगम' (Signal Learning) है, जबकि सबसे उच्चतम और अत्यधिक जटिल स्तर समस्या समाधान (Problem Solving) है, जिसमें नियमों के अनुप्रयोग द्वारा नई समस्याओं का समाधान किया जाता है।

116. (B) ध्यान आकर्षित करना (Gaining Attention)
रॉबर्ट गैग्ने द्वारा प्रस्तावित "शिक्षण की नौ घटनाओं" (Nine Events of Instruction) में सबसे पहली घटना शिक्षार्थियों का "ध्यान आकर्षित करना" (Gaining Attention) है। किसी भी पाठ की शुरुआत में छात्रों की जिज्ञासा जगाना और उनका ध्यान केंद्रित करना आवश्यक होता है, ताकि वे आने वाले नए उद्दीपकों और सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए मानसिक रूप से तैयार हो सकें।

117. (B) कार्यशील स्मृति में पूर्व-आवश्यक अधिगम की पुनःप्राप्ति को उत्तेजित करना।
गैग्ने की शिक्षण की नौ घटनाओं में छात्रों को विषय से संबंधित पूर्व ज्ञान को याद करने के लिए कहना (तीसरी घटना) कार्यशील स्मृति (Working Memory) में पूर्व-आवश्यक अधिगम की पुनःप्राप्ति को उत्तेजित करता है। यह प्रक्रिया नए अधिगम को पुराने ज्ञान से जोड़ने के लिए एक वैचारिक आधार प्रदान करती है, जिससे नई सामग्री को समझना और आत्मसात करना आसान हो जाता है।

118. (D) अनावबंधित सजगता (Unconditioned Reflexes)
रॉबर्ट गैग्ने ने अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) को पाँच प्रमुख श्रेणियों में वर्गीकृत किया है: 1. मौखिक सूचना (Verbal Information), 2. बौद्धिक कौशल (Intellectual Skills), 3. संज्ञानात्मक रणनीतियाँ (Cognitive Strategies), 4. मोटर कौशल (Motor Skills), और 5. मनोवृत्ति (Attitudes)। "अनावबंधित सजगता" जन्मजात जैविक अनुक्रियाएं हैं, अतः इन्हें सीखे गए परिणामों की श्रेणी में शामिल नहीं किया जाता।

119. (B) बुद्धि में विशिष्ट, स्वायत्त क्षमताएं होती हैं जो एक दूसरे से अपेक्षाकृत स्वतंत्र होती हैं।
हावर्ड गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धांत (Theory of Multiple Intelligences) ने पारंपरिक दृष्टिकोण (एकल 'g' कारक या IQ) को चुनौती देते हुए यह प्रस्तावित किया कि बुद्धि कोई एक एकीकृत क्षमता नहीं है। इसके बजाय, मनुष्यों में विभिन्न, विशिष्ट और स्वायत्त बुद्धिमत्ताएं (जैसे भाषाई, स्थानिक, संगीतात्मक) होती हैं, जो एक-दूसरे से अपेक्षाकृत स्वतंत्र रूप से विकसित और कार्य करती हैं।

120. (B) I और II
पारंपरिक स्कूली पाठ्यक्रमों, औपचारिक शिक्षण पद्धतियों और मानकीकृत आईक्यू परीक्षणों में मुख्य रूप से दो बुद्धिमत्ताओं: भाषाई बुद्धि (Linguistic Intelligence) और तार्किक-गणितीय बुद्धि (Logical-Mathematical Intelligence) पर अत्यधिक जोर दिया जाता है। पारंपरिक शैक्षणिक सफलता का मूल्यांकन काफी हद तक इन्हीं दो क्षेत्रों में छात्र के प्रदर्शन और भाषाई तथा गणितीय दक्षता के आधार पर किया जाता है।

121. (B) अंतरव्यक्तिगत बुद्धि (Interpersonal Intelligence)
दूसरों के मूड, प्रेरणाओं, भावनाओं और इरादों को प्रभावी ढंग से समझने, उनके साथ सफलतापूर्वक अंतःक्रिया करने,

NODIA

सहानुभूति दिखाने और नेतृत्व करने की असाधारण क्षमता "अंतरव्यक्तिगत बुद्धि" (Interpersonal Intelligence) कहलाती है। यह बुद्धि शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नेताओं और परामर्शदाताओं में उच्च स्तर पर पाई जाती है, जो उन्हें सामाजिक संदर्भों में अत्यधिक कुशल बनाती है।

122. (A) अपनी आंतरिक भावनाओं, प्रेरणाओं और लक्ष्यों को समझने की क्षमता।
गार्डनर के अनुसार, अंतःव्यक्तिगत बुद्धि (Intrapersonal Intelligence) से तात्पर्य स्वयं की आंतरिक दुनिया, अपनी भावनाओं, इच्छाओं, शक्तियों, सीमाओं और प्रेरणाओं को गहराई से समझने की क्षमता से है। इस बुद्धि से संपन्न व्यक्ति में उच्च आत्म-जागरूकता, स्व-नियमन और अपने जीवन के लक्ष्यों को स्पष्ट रुप से निर्धारित एवं निर्देशित करने की योग्यता होती है।

123. (C) प्रकृतिवादी बुद्धि (Naturalistic Intelligence)
बगीचे में जाकर पत्तियों का अवलोकन, तुलना और वर्गीकरण करने का शिक्षण दृष्टिकोण प्रकृतिवादी बुद्धि (Naturalistic Intelligence) को लक्षित करता है। इस बुद्धि वाले शिक्षार्थी प्राकृतिक पर्यावरण, वनस्पतियों, जीवों और प्राकृतिक पैटर्नों को पहचानने, उनका वर्गीकरण करने और उनके प्रति संवेदनशीलता प्रदर्शित करने में अत्यधिक कुशल होते हैं।

124. (B) इसमें बुद्धिमत्ताओं की सख्त स्वतंत्रता को सत्यापित करने वाले मजबूत अनुभवजन्य और मनोमितीय साक्ष्यों की कमी है।
हावर्ड गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धांत की सबसे वैध और प्रमुख वैज्ञानिक आलोचना यह है कि इसमें विभिन्न बुद्धिमत्ताओं की पूर्ण स्वायत्तता और स्वतंत्रता को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त अनुभवजन्य (Empirical) और मनोमितीय (Psychometric) साक्ष्यों की कमी है। आलोचकों का तर्क है कि ये बुद्धिमत्ताएं अलग-अलग प्रकार की बुद्धियों के बजाय विशेष प्रतिभाएं या कौशल हैं।

125. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।
गार्डनर का बहु-बुद्धि सिद्धांत (जो क्षमता के प्रकारों से संबंधित है) और "अधिगम शैलियाँ" (जो सीखने की पसंदीदा पद्धतियों से संबंधित हैं) दो अलग-अलग अवधारणाएँ हैं, वे पर्याय नहीं हैं (अतः अभिकथन A असत्य है)। हालाँकि, अधिगम शैलियों का सामान्य विचार यह मानता है कि पसंद के अनुसार ढालना परिणाम सुधारता है (अतः कारण R सत्य है)। अतः D सही विकल्प है।

126. (B) व्यवहारवाद (Behaviorism)
बुनियादी प्रक्रियात्मक कौशलों (Procedural Skills) जैसे कीबोर्डिंग, गति या सटीकता वाले कार्यों को सिखाने के लिए व्यवहारवादी दृष्टिकोण (Behaviorism) सबसे प्रभावी रणनीतियाँ प्रदान करता है। व्यवहारवाद में स्पष्ट निर्देश, लगातार अभ्यास (Drill and Practice), उत्तरोत्तर सन्निकटन द्वारा रुपण, तथा तत्काल प्रतिक्रिया और पुनर्बलन के माध्यम से कौशल का स्वचालन (Automaticity) तेज़ी से सुनिश्चित किया जाता है।

127. (B) रचनावाद (Constructivism)
5E शिक्षण मॉडल (Engage, Explore, Explain, Elaborate, Evaluate) पूरी तरह से रचनावादी अधिगम सिद्धांत (Constructivism) में निहित है। यह मॉडल शिक्षार्थियों को पूर्व ज्ञान से जोड़ने, प्रत्यक्ष अन्वेषण करने, स्वयं अवधारणाओं की व्याख्या करने, नए संदर्भों में ज्ञान का विस्तार करने तथा अपने अधिगम का स्व-मूल्यांकन करने का अवसर देता है, जो सक्रिय ज्ञान निर्माण का आधार है।

128. (C) सामान्य अनुभवों का निर्माण करने और परिकल्पनाओं का परीक्षण करने के लिए सामग्रियों और एक-दूसरे के साथ अंतःक्रिया करना।
5E मॉडल के "अन्वेषण" (Explore) चरण में छात्र प्रत्यक्ष और व्यावहारिक अनुभवों में संलग्न होते हैं। वे दी गई सामग्रियों के साथ कार्य करते हैं, प्रयोग करते हैं, सहपाठियों के साथ अंतःक्रिया करते हैं, अवलोकन करते हैं तथा परिकल्पनाओं का परीक्षण करते हैं। इस चरण में शिक्षक सीधे व्याख्यान न देकर एक मार्गदर्शक के रुप में छात्रों को स्वतंत्र खोज करने की सुविधा देता है।

129. (B) उदारवाद / सर्वग्रहणवाद (Eclecticism)
सीखने के विभिन्न उद्देश्यों, विषय की प्रकृति और छात्रों की विविध आवश्यकताओं के अनुसार किसी एक सिद्धांत के बजाय कई अधिगम सिद्धांतों (व्यवहारवादी, संज्ञानात्मक, रचनावादी) की सर्वोत्तम रणनीतियों को मिलाकर प्रयोग करने की शैक्षणिक पद्धति को "उदारवाद" या "सर्वग्रहणवाद" (Eclecticism) कहा जाता है। यह दृष्टिकोण व्यावहारिक और लचीला शिक्षण वातावरण निर्मित करता है।

130. (B) घर पर निम्न-स्तरीय संज्ञानात्मक कार्यों से MKO (शिक्षक) की उपस्थिति में उच्च-स्तरीय रचनावादी कार्यों तक।
"फ्लिप्ड क्लासरुम" मॉडल में छात्र घर पर व्यक्तिगत रुप से निम्न-स्तरीय संज्ञानात्मक कार्य (जैसे सूचना प्राप्त करना या वीडियो देखना) पूरा करते हैं। इसके बाद कक्षा का समय शिक्षक (MKO) और सहपाठियों की उपस्थिति में उच्च-स्तरीय रचनावादी गतिविधियों, जैसे समस्या-समाधान, बहस और सहयोगात्मक अनुप्रयोग में उपयोग किया जाता है, जो ZPD के भीतर अधिगम को अधिकतम करता है।

131. (B) पियाजे का मानना था कि विकास अधिगम से पहले होता है; वायगोत्स्की का मानना था कि अधिगम विकास को आगे खींचता है।
पियाजे और वायगोत्स्की के बीच मुख्य अंतर यह है कि पियाजे के अनुसार जैविक परिपक्वता और विकास (Development) अधिगम से पहले होता है (अर्थात विकास अधिगम की सीमाएं तय करता है)। इसके विपरीत, वायगोत्स्की का मानना था कि सामाजिक वातावरण में होने वाला अधिगम (Learning) बालक के संज्ञानात्मक विकास को आगे खींचता है और उसे नई ऊँचाइयों तक ले जाता है।

132. (B) वायगोत्स्की ने भाषा को एक मूलभूत उपकरण के रुप में देखा जो विचार को आकार देता है; पियाजे ने भाषा को

Click Here to Buy book on Flipkart

ज्यादातर मौजूदा संज्ञानात्मक संरचनाओं के प्रतिबिंब के रुप में देखा।
वायगोत्स्की ने भाषा को एक प्राथमिक सांस्कृतिक उपकरण माना जो बालक के विचारों को सक्रिय रुप से आकार देता है और संज्ञानात्मक विकास को संचालित करता है। इसके विपरीत, पियाजे ने भाषा को संज्ञानात्मक विकास का मुख्य चालक न मानकर केवल बालक की मौजूदा संज्ञानात्मक संरचनाओं और विकास के स्तर का एक प्रतिबिंब या उप-उत्पाद माना।

133. (A) केवल I और II
पियाजे ने स्वीकार किया कि साथियों के साथ विचारों का टकराव संज्ञानात्मक असंतुलन और चिंतन को बढ़ावा देता है (कथन I)। वायगोत्स्की ने MKO द्वारा ZPD में पाड़ देने पर जोर दिया (कथन II)। कथन III पूरी तरह असत्य है क्योंकि पियाजे और वायगोत्स्की दोनों ही इस बात पर दृढ़ता से सहमत थे कि बच्चे अपने ज्ञान के सक्रिय निर्माता हैं।

134. (C) यह निष्कर्ष निकालें कि छात्र अभी तक औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था में नहीं पहुँचा है और निर्देश को टाल दें, इसके बदले मूर्त कार्य प्रदान करें।
पियाजे के सख्त समर्थक शिक्षक यह मानेंगे कि अमूर्त बीजगणित को न समझ पाना यह दर्शाता है कि छात्र अभी तक औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था में नहीं पहुँचा है। चूँकि पियाजे के अनुसार विकास की गति जैविक परिपक्वता पर निर्भर करती है, अतः शिक्षक अमूर्त निर्देशों को टाल देगा और छात्र को पहले मूर्त कार्य प्रदान करेगा जब तक कि वह स्वाभाविक रुप से परिपक्व न हो जाए।

135. (B) बच्चे के ZPD का मूल्यांकन करें और समझ में अंतर को पाटने के लिए लक्षित पाड़ (Scaffolding) प्रदान करें।
वायगोत्स्कीवादी दृष्टिकोण अपनाने वाला शिक्षक छात्र के समीपस्थ विकास के क्षेत्र (ZPD) का निर्धारण करेगा। शिक्षक यह पहचानेगा कि बच्चा कहाँ अटक रहा है और उसे सही प्रकार की अस्थायी सहायता, जैसे दृश्य संकेत, मार्गदर्शक प्रश्न, समस्या का सरलीकरण या सहपाठी ट्यूशन (Scaffolding) प्रदान करेगा, ताकि बच्चा अमूर्त बीजगणितीय अवधारणा को सफलतापूर्वक समझ सके।

136. (A) कनेक्टिविज़्म (Connectivism)
जॉर्ज सीमेंस और स्टीफन डाउन्स द्वारा विकसित "कनेक्टिविज़्म" (Connectivism) डिजिटल युग का एक अधिगम सिद्धांत है। यह मानता है कि ज्ञान केवल व्यक्ति के दिमाग में नहीं, बल्कि प्रौद्योगिकीय और मानवीय नेटवर्क में फैला हुआ है। इस सिद्धांत का मुख्य विचार यह है कि जो हम आज जानते हैं उससे अधिक महत्वपूर्ण नई जानकारी प्राप्त करने और नेटवर्क से जुड़े रहने की क्षमता है।

137. (B) अल्बर्ट बांडुरा
"पारस्परिक निर्धारणवाद" (Reciprocal Determinism) की अवधारणा अल्बर्ट बांडुरा द्वारा प्रतिपादित की गई है। इस सिद्धांत के अनुसार, मानव व्यवहार, व्यक्तिगत/संज्ञानात्मक कारक (जैसे विश्वास और अपेक्षाएं), तथा वातावरणीय प्रभाव - ये तीनों घटक एक-दूसरे से पूरी तरह से जुड़े हुए हैं और एक-दूसरे को निरंतर प्रभावित और निर्धारित करते हैं।

138. (B) प्रेक्षणनात्मक अधिगम / मॉडलिंग (Observational Learning)
अल्बर्ट बांडुरा के सामाजिक अधिगम सिद्धांत में दूसरों के व्यवहार, क्रियाओं और उनके परिणामों को देखकर सीखने की प्रक्रिया को प्रेक्षणनात्मक अधिगम या मॉडलिंग (Observational Learning / Modeling) कहा जाता है। व्यक्ति सामाजिक वातावरण में दूसरों (मॉडलों) का अवलोकन करता है और प्रत्यक्ष अनुभव या पुनर्बलन के बिना भी नए व्यवहारिक प्रतिमानों को सीख लेता है।

139. (B) ध्यान (Attention), धारण (Retention), पुनरुत्पादन (Reproduction), अभिप्रेरणा (Motivation)
अल्बर्ट बांडुरा के अनुसार प्रेक्षणनात्मक अधिगम हेतु आवश्यक चार क्रमिक स्थितियाँ हैं: 1. ध्यान (Attention - मॉडल के व्यवहार पर ध्यान देना), 2. धारण (Retention - देखी गई क्रिया को स्मृति में याद रखना), 3. पुनरुत्पादन (Reproduction - क्रिया को शारीरिक रुप से दोहराना), और 4. अभिप्रेरणा (Motivation - व्यवहार को प्रदर्शित करने हेतु प्रोत्साहन होना)।

140. (B) प्रतिनिधि/प्रतिनिधिक पुनर्बलन (Vicarious Reinforcement)
जब छात्र B किसी अन्य छात्र A को सफाई करने पर प्रशंसा (पुनर्बलन) प्राप्त करते देखता है और स्वयं सफाई करने लगता है, तो यह प्रतिनिधि या प्रतिनिधिक पुनर्बलन (Vicarious Reinforcement) का उदाहरण है। इसमें शिक्षार्थी को स्वयं प्रत्यक्ष पुनर्बलन नहीं मिलता, बल्कि वह मॉडल को मिले पुरस्कार को देखकर उस व्यवहार को अपनाने के लिए प्रेरित होता है।

141. (B) छात्र का एक विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यों को व्यवस्थित और निष्पादित करने की अपनी क्षमता में विश्वास।
बांडुरा के अनुसार, "आत्म-प्रभावकारिता" (Self-Efficacy) किसी व्यक्ति का इस बात में विश्वास है कि वह किसी विशिष्ट कार्य या लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आवश्यक क्रियाओं को व्यवस्थित और निष्पादित कर सकता है। यह सामान्य आत्म-सम्मान से अलग है और यह निर्धारित करता है कि व्यक्ति चुनौतियों का सामना कैसे करता है और कितना प्रयास करता है।

142. (C) महारत के अनुभव (विगत गणितीय कार्यों पर व्यक्तिगत सफलता / Mastery Experiences)
बांडुरा के अनुसार, आत्म-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) को बढ़ाने का सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली स्रोत "महारत के अनुभव" (Mastery Experiences) हैं। जब कोई छात्र किसी कठिन कार्य को स्वयं सफलतापूर्वक पूरा करता है, तो यह प्रत्यक्ष सफलता उसकी अपनी क्षमताओं में विश्वास को सबसे

NODIA

दृढ़ता से मजबूत करती है और भविष्य के प्रयासों के लिए उच्च आत्म-प्रभावकारिता निर्मित करती है।

143. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत व्यवहारवाद और संज्ञानवाद को जोड़ता है क्योंकि यह स्वीकार करता है कि अधिगम वातावरणीय पुनर्बलन और उद्दीपक से प्रभावित होता है (व्यवहारवाद), परंतु साथ ही यह जोर देता है कि ध्यान, स्मृति, चिंतन और आत्म-प्रभावकारिता जैसी आंतरिक संज्ञानात्मक प्रक्रियाएं भी व्यवहार को मध्यस्थ करती हैं। अतः कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

144. (B) मानवतावाद (Humanism)
मानवतावाद (Humanism) वह प्रमुख शैक्षिक दर्शन है जो संपूर्ण व्यक्ति के विकास (Whole Person), व्यक्तिगत आत्म-सिद्धि (Self-Actualization), स्वतंत्रता, शिक्षार्थी की भावनात्मक (Affective) आवश्यकताओं और उसकी व्यक्तिगत क्षमता को अधिकतम करने पर बल देता है। यह दृष्टिकोण शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा का समर्थन करता है और बाह्य नियंत्रण के स्थान पर आंतरिक विकास को प्राथमिकता देता है।

145. (B) जो छात्र भूखा है या असुरक्षित महसूस करता है, उसे शैक्षणिक शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने में अत्यधिक कठिनाई होगी।
अब्राहम मास्लो के आवश्यकताओं के पदानुक्रम (Hierarchy of Needs) के अनुसार, जब तक व्यक्ति की निम्न-स्तरीय बुनियादी आवश्यकताएं (जैसे भोजन, नींद, सुरक्षा) पूरी नहीं होतीं, तब तक वह उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक या आत्म-सिद्धि की आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सकता। यदि छात्र भूखा या असुरक्षित है, तो उसकी प्राथमिकता शारीरिक उत्तरजीविता होगी, शैक्षणिक अधिगम नहीं।

146. (B) शर्तहीन सकारात्मक आदर और सहानुभूति (Unconditional Positive Regard and Empathy)
कार्ल रोजर्स के शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा मॉडल में शिक्षक का प्राथमिक दायित्व एक ऐसा सुरक्षित और स्वीकार्य वातावरण बनाना है जहाँ शर्तहीन सकारात्मक आदर (Unconditional Positive Regard), सहानुभूति (Empathy) और प्रमाणिकता मौजूद हो। रोजर्स का मानना था कि जब छात्रों को बिना किसी शर्त के स्वीकार किया जाता है, तो वे स्वाभाविक रूप से सीखने और आत्म-विकास की ओर बढ़ते हैं।

147. (B) एक असंरचित, खुले अंत वाली वास्तविक दुनिया की समस्या।
समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning - PBL) में शिक्षण की शुरुआत किसी शिक्षक व्याख्यान या सिद्धांत से न होकर एक जटिल, असंरचित और खुले अंत वाली वास्तविक दुनिया की समस्या (Real-World Problem) से होती है। छात्र इस प्रामाणिक समस्या का विश्लेषण करने, आवश्यक ज्ञान की पहचान करने और समाधान खोजने के लिए सहयोगात्मक रूप से कार्य करते हैं।

148. (B) सीमित क्षमता (लगभग 7 +/- 2 आइटम) और कम अवधि (लगभग 15-30 सेकंड)।
सूचना प्रसंस्करण सिद्धांत के अनुसार, कार्यशील स्मृति (Working Memory) या अल्पकालिक स्मृति की मुख्य विशेषता इसकी सीमित क्षमता और कम अवधि है। यह एक समय में केवल लगभग 7 ± 2 इकाइयों (आइटम) को ही धारण कर सकती है और बिना किसी पूर्वाभ्यास के सूचना को केवल 15 से 30 सेकंड तक बनाए रख सकती है।

149. (A) चंकिंग / खंडन (Chunking)
कार्यशील स्मृति (Working Memory) की सीमित क्षमता को बढ़ाने के लिए अलग-अलग सूचना के टुकड़ों को अर्थपूर्ण और बड़ी इकाइयों में व्यवस्थित करने या समूहित करने की प्रक्रिया को "चंकिंग" या खंडन (Chunking) कहा जाता है। जैसे 10 अंकों के फोन नंबर को छोटे समूहों में बाँटना। यह तकनीक कार्यशील स्मृति की क्षमता का कुशल उपयोग करने में मदद करती है।

150. (B) रखरखाव पूर्वाभ्यास (Maintenance Rehearsal)
कार्यशील स्मृति में किसी जानकारी को केवल बनाए रखने के लिए उसे बार-बार मन में या बोलकर दोहराने की प्रक्रिया को "रखरखाव पूर्वाभ्यास" (Maintenance Rehearsal) कहा जाता है। यह प्रक्रिया जानकारी को अल्पकालिक स्मृति में तब तक जीवित रखती है जब तक उसका उपयोग न हो जाए, परंतु यह दीर्घकालिक स्मृति में गहरी समझ या कूटलेखन का निर्माण नहीं करती।

NODIA

151. (B) एक नए शब्दावली शब्द को एक व्यक्तिगत अनुभव या पहले से सीखी गई अवधारणा से जोड़ना।
"विस्तृत पूर्वाभ्यास" (Elaborative Rehearsal) में नई सूचना के अर्थ पर चिंतन करना और उसे दीर्घकालिक स्मृति में पहले से मौजूद ज्ञान या व्यक्तिगत अनुभवों से जोड़ना शामिल है। किसी नए शब्द को पूर्व ज्ञान से जोड़कर समझना विस्तृत कूटलेखन (Semantic Encoding) उत्पन्न करता है, जिससे जानकारी कार्यशील स्मृति से दीर्घकालिक स्मृति में अधिक मजबूती से स्थानांतरित होती है।

152. (B) अपनी खुद की सोच के बारे में सोचना, या अपनी स्वयं की संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता और नियमन।
परासंज्ञान (Metacognition) का अर्थ है "अपनी खुद की सोच के बारे में सोचना" (Thinking about Thinking)। जॉन फ्लेवेल द्वारा लोकप्रिय बनाई गई इस अवधारणा में व्यक्ति की अपनी संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता, निगरानी (Monitoring) और स्व-नियमन शामिल है। इसमें यह जानना शामिल है कि कोई कैसे सीखता है और सीखने के लिए किन रणनीतियों का कब उपयोग करना है।

153. (A) परासंज्ञानात्मक नियमन (Metacognitive Regulation)
समझ में कमी को महसूस करके अपनी पढ़ने की गति धीमी करना, पुनः पढ़ना और रणनीतियों को बदलना "परासंज्ञानात्मक नियमन" (Metacognitive Regulation) का प्रत्यक्ष

उदाहरण है। इसमें शिक्षार्थी अपनी वर्तमान शिक्षण प्रक्रिया की निगरानी करता है और लक्ष्य प्राप्ति हेतु अपनी योजनाओं और रणनीतियों को आवश्यकतानुसार समायोजित करता है, जो एक कुशल शिक्षार्थी का लक्षण है।

154. (D) I, II और III
संज्ञानात्मक भार सिद्धांत के तीनों घटक सही हैं: आंतरिक भार (Intrinsic Load) सामग्री की जटिलता से संबंधित है; बाह्य भार (Extraneous Load) खराब शिक्षण डिज़ाइन से उत्पन्न होता है जिसे कम किया जाना चाहिए; तथा जर्मेन भार (Germane Load) स्कीमा निर्माण में लगने वाले उपयोगी मानसिक प्रयास को दर्शाता है जिसे अनुकूलित किया जाना चाहिए।

155. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।
स्लाइड पर लिखे घने पाठ को शब्द-दर-शब्द पढ़ना अत्यधिक बाह्य संज्ञानात्मक भार उत्पन्न करता है और इसे "विभाजित ध्यान प्रभाव" कहते हैं, अतः यह प्रभावी नहीं है (अभिकथन A असत्य है)। हालाँकि, दोहरावदार दृश्य और श्रव्य सामग्री प्रस्तुत करने का तर्क द्वैत कूटलेखन से जुड़ा गलत दावा प्रस्तुत करता है, अतः विकल्प D इस संदर्भ में सबसे उपयुक्त उत्तर है।

156. (B) एक संदर्भ में सीखे गए ज्ञान या कौशल का एक नए, अलग संदर्भ में अनुप्रयोग।
"अधिगम का स्थानांतरण" (Transfer of Learning) से तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसमें एक स्थिति या संदर्भ में अर्जित ज्ञान, कौशल, व्यवहार या दृष्टिकोण का उपयोग किसी नई, अलग या अपरिचित स्थिति में किया जाता है। यदि पूर्व अधिगम नए कार्य को आसान बनाता है तो यह सकारात्मक स्थानांतरण कहलाता है, और यदि बाधा डालता है तो नकारात्मक स्थानांतरण।

157. (B) पूर्व अधिगम एक नए कौशल को सीखने को बढ़ाता है (जैसे, स्पेनिश जानना इतालवी सीखने में मदद करता है)।
अधिगम का सकारात्मक स्थानांतरण (Positive Transfer of Learning) तब घटित होता है जब किसी एक संदर्भ में पहले सीखा गया ज्ञान या कौशल किसी नई स्थिति में नए कौशल को सीखने या समस्या को हल करने में मदद करता है और उसे सुगम बनाता है। उदाहरण के लिए, स्पेनिश भाषा का ज्ञान इतालवी सीखने में मदद करता है क्योंकि दोनों में कई समानताएं हैं।

158. (A) वैध परिधीय भागीदारी (Legitimate Peripheral Participation)
लेव और वेंगनर के "स्थित अधिगम" (Situated Learning) सिद्धांत का एक मुख्य घटक "वैध परिधीय भागीदारी" (Legitimate Peripheral Participation) है। इसके अनुसार, नौसिखिए शिक्षार्थी किसी अभ्यास समुदाय (Community of Practice) के बाहरी हिस्से में सरल कार्यों से शुरुआत करते हैं और धीरे-धीरे अंतःक्रिया और विशेषज्ञता प्राप्त करके समुदाय के पूर्ण और केंद्रीय सहभागी बन जाते हैं।

159. (C) छात्र की वर्तमान योजनाओं (Schemas) में प्राकृतिक और आवश्यक खिड़कियां और संज्ञानात्मक विकास के अवसर।
रचनावादी दृष्टिकोण के अनुसार, अधिगम प्रक्रिया में त्रुटियों (Errors) को दंडनीय गलतियों के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि उन्हें छात्र की वर्तमान मानसिक संरचनाओं और योजनाओं (Schemas) को समझने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण साधन माना जाता है। त्रुटियाँ यह दर्शाती हैं कि बच्चा वर्तमान में कैसे सोच रहा है और वे नए संज्ञानात्मक संतुलन और अधिगम का अवसर प्रदान करती हैं।

160. (A) P-3, Q-4, R-1, S-2
बी.एफ. स्किनर क्रियाप्रसूत अनुबंधन (P-3) से संबंधित हैं। जीन पियाजे जेनेटिक एपिस्टेमोलॉजी (Q-4) के प्रतिपादक हैं। लेव वायगोत्स्की का संबंध पाड़/ढांचा (R-1) की अवधारणा से है। जेरोम ब्रूनर ने सर्पिल पाठ्यक्रम (S-2) का प्रस्ताव दिया। अतः यह सुमेलन पूर्णतः सटीक और तार्किक है।

161. (B) प्रदर्शन निष्पादित कराना (Eliciting Performance)
गैग्ने की शिक्षण की नौ घटनाओं में, जब शिक्षक छात्रों को भूमिका-निभाने जैसी व्यावहारिक गतिविधियों में संलग्न करता है ताकि वे नई सीखी गई अवधारणा का प्रदर्शन कर सकें, तो यह "प्रदर्शन निष्पादित कराना" (Eliciting Performance - छठी घटना) कहलाता है। यह चरण शिक्षार्थी को नए अधिगम का अभ्यास करने और अपनी समझ की पुष्टि करने का अवसर देता है।

162. (C) "छात्र 100% सटीकता के साथ द्वितीय विश्व युद्ध के चार प्रमुख कारणों की सूची बनाएगा।"
व्यवहारवादी दृष्टिकोण के अनुसार एक उचित व्यवहारिक उद्देश्य में मापन योग्य और अवलोकन योग्य अनुक्रिया शामिल होनी चाहिए। "चार कारणों की सूची बनाएगा" एक प्रत्यक्ष, अवलोकन योग्य क्रिया है जिसे सटीकता के साथ मापा जा सकता है। इसके विपरीत, "समझेगा" या "सराहना करेगा" जैसे शब्द आंतरिक मानसिक स्थितियां हैं जिनका प्रत्यक्ष अवलोकन संभव नहीं है।

163. (A) पूरे किए गए कार्यों की तुलना में अधूरे या बाधित कार्यों को बेहतर याद रखना।
संज्ञानात्मक मनोविज्ञान में "ज़ाइगार्निक प्रभाव" (Zeigarnik Effect) ब्लुमा ज़ाइगार्निक द्वारा खोजी गई मनुष्यों की वह मानसिक प्रवृत्ति है, जिसके तहत लोग पूरे हो चुके कार्यों की तुलना में अधूरे, बाधित या बीच में छूटे हुए कार्यों को अधिक स्पष्टता से और बेहतर याद रखते हैं, क्योंकि अधूरे कार्य दिमाग में संज्ञानात्मक तनाव बनाए रखते हैं।

164. (B) मूर्त अनुभव, विचारशील अवलोकन, अमूर्त अवधारणात्मकता और सक्रिय प्रयोग को शामिल करने वाला एक चार चरणों वाला चक्र।
डेविड कोल्ब का "अनुभवात्मक अधिगम" (Experiential Learning) सिद्धांत अधिगम को एक चार-चरणीय चक्रीय प्रक्रिया के रूप में वर्णित करता है। इस चक्र में शिक्षार्थी पहले मूर्त अनुभव (Concrete Experience) प्राप्त करता है, फिर

Downloaded from www.pdf.tube

उस पर विचारशील अवलोकन (Reflective Observation) करता है, उसके आधार पर अमूर्त अवधारणाएं (Abstract Conceptualization) बनाता है, और अंततः नए संदर्भों में सक्रिय प्रयोग (Active Experimentation) करता है।

165. (C) विचारशील अवलोकन (Reflective Observation)
कोल्ब के अनुभवात्मक अधिगम चक्र (Experiential Learning Cycle) के अनुसार, जब शिक्षार्थी कोई "मूर्त अनुभव" (Concrete Experience) प्राप्त कर लेता है, तो उसके तुरंत बाद दूसरा चरण "विचारशील अवलोकन" (Reflective Observation) आता है। इस चरण में शिक्षार्थी प्राप्त अनुभव पर चिंतन करता है, उसका विश्लेषण करता है और यह समझने का प्रयास करता है कि क्या घटित हुआ।

166. (B) वायगोत्स्की का सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism)
वरिष्ठ छात्रों द्वारा कनिष्ठ छात्रों को दी जाने वाली सहायता पर आधारित "पीयर मेंटरिंग" कार्यक्रम वायगोत्स्की के सामाजिक रचनावाद से संरेखित है। यहाँ वरिष्ठ छात्र अधिक ज्ञानी अन्य (MKO) के रूप में कार्य करते हैं और कनिष्ठ छात्रों को उनके समीपस्थ विकास के क्षेत्र (ZPD) के भीतर सामाजिक अंतःक्रिया और पाड़ (Scaffolding) के माध्यम से सीखने में मदद करते हैं।

167. (A) विचार-पूर्व (Forethought), प्रदर्शन/ऐच्छिक नियंत्रण (Performance/Volitional Control), आत्म-प्रतिबिंब (Self-Reflection)
बैरी ज़िमरमैन के स्व-नियमित अधिगम (Self-Regulated Learning - SRL) मॉडल के तीन चक्रीय चरण हैं: 1. विचार-पूर्व चरण (Forethought Phase - लक्ष्य निर्धारण और योजना), 2. प्रदर्शन या ऐच्छिक नियंत्रण चरण (Performance Control Phase - रणनीति का क्रियान्वयन और निगरानी), और 3. आत्म-प्रतिबिंब चरण (Self-Reflection Phase - प्रदर्शन का मूल्यांकन और प्रतिक्रिया)।

168. (B) एक आंतरिक मानसिक क्रिया जो तार्किक और उत्क्रमणीय (Reversible) है।
पियाजे के सिद्धांत में, "संक्रिया" (Operation) शब्द का तात्पर्य एक ऐसी आंतरिक मानसिक क्रिया (Internal Mental Action) से है जो तार्किक नियमों का पालन करती है और उत्क्रमणीय (Reversible) होती है। संक्रियाएं बच्चे को बिना किसी भौतिक तोड़-फोड़ के वस्तुओं और विचारों में मानसिक हेरफेर करने में सक्षम बनाती हैं, जो मूर्त संक्रियात्मक अवस्था में विकसित होती हैं।

169. (B) अर्थपूर्ण अधिगम तब होता है जब नई जानकारी गैर-मनमाने ढंग से उस चीज़ से संबंधित होती है जिसे शिक्षार्थी पहले से जानता है (Prior Knowledge)।
आसुबेल के अनुसार, अर्थपूर्ण अधिगम (Meaningful Learning) की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें नई सीखी जाने वाली सूचना को शिक्षार्थी की पहले से मौजूद संज्ञानात्मक संरचना (Prior Knowledge) के साथ गैर-मनमाने और वैचारिक रूप से प्रासंगिक तरीके से जोड़ा जाता है। इसके विपरीत, रटकर अधिगम में नया ज्ञान बिना किसी पूर्व साहचर्य के केवल याद किया जाता है।

NODIA

170. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।
बहु-बुद्धि सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति के पास सभी आठ बुद्धिमत्ताएं विभिन्न संयोजनों और स्तरों में मौजूद होती हैं, केवल एक नहीं (अतः अभिकथन A असत्य है)। हालाँकि, गार्डनर का यह सैद्धांतिक तर्क सही है कि ये बुद्धिमत्ताएं एक-दूसरे से अपेक्षाकृत स्वतंत्र होकर कार्य करती हैं (अतः कारण R सत्य है)।

171. (B) शास्त्रीय अनुबंधन दो उद्दीपकों को जोड़ता है, जबकि क्रियाप्रसूत अनुबंधन एक व्यवहार को उसके परिणाम से जोड़ता है।
शास्त्रीय अनुबंधन में शिक्षार्थी दो उद्दीपकों (जैसे घंटी और भोजन) के बीच साहचर्य बनाना सीखता है, जिससे अनैच्छिक अनुक्रियाएं उत्पन्न होती हैं। इसके विपरीत, क्रियाप्रसूत अनुबंधन में शिक्षार्थी अपने ऐच्छिक व्यवहार और उसके बाद आने वाले परिणामों (पुनर्बलन या दंड) के बीच संबंध बनाता है, जिससे व्यवहार की भविष्य की दर निर्धारित होती है।

172. (B) पाड़ / ढांचा (Scaffolding)
ग्राफिक आयोजक प्रदान करना, मार्गदर्शक प्रश्न पूछना और कठिन शब्दों की शब्दावली देना - ये सभी रणनीतियाँ "पाड़" या ढांचे (Scaffolding) के सटीक उदाहरण हैं। यह शिक्षार्थी को ZPD के भीतर सहायता प्रदान करने वाली एक अस्थायी व्यवस्था है, जिससे छात्र जटिल शैक्षणिक कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करना सीखता है और धीरे-धीरे आत्मनिर्भर बनता है।

173. (B) नकारात्मक पुनर्बलन एक अप्रिय उद्दीपक (Aversive Stimulus) को हटाकर व्यवहार को बढ़ाता है, जबकि सकारात्मक दंड एक अप्रिय उद्दीपक प्रस्तुत करके व्यवहार को घटाता है।
नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement) का उद्देश्य किसी अप्रिय उद्दीपक को हटाकर वांछित व्यवहार की दर को बढ़ाना होता है। इसके विपरीत, सकारात्मक दंड (Positive Punishment) का उद्देश्य किसी अवांछित व्यवहार के बाद अप्रिय उद्दीपक को प्रस्तुत करके उस अवांछित व्यवहार की दर को घटाना होता है। दोनों के परिणाम विपरीत दिशा में कार्य करते हैं।

174. (D) इवान पावलोव
इवान पावलोव को शास्त्रीय अनुबंधन के विकास के लिए जाना जाता है और वे एक व्यवहारवादी (Behaviorist) विचारक हैं, न कि रचनावादी। इसके विपरीत, जीन पियाजे (संज्ञानात्मक रचनावाद), लेव वायगोत्स्की (सामाजिक रचनावाद) और जेरोम ब्रूनर (संज्ञानात्मक/खोज रचनावाद) - ये सभी मनोवैज्ञानिक रचनावादी प्रतिमान के प्रमुख आधार स्तंभ हैं।

175. (B) मॉडल (Model)
बांडुरा के सामाजिक अधिगम सिद्धांत की शब्दावली में, जब संगीत शिक्षक एक लय बजाकर दिखाता है ताकि छात्र उसका अनुकरण कर सकें, तो शिक्षक एक "मॉडल" (Model) के रूप में कार्य कर रहा है। छात्र शिक्षक की शारीरिक क्रियाओं का अवलोकन (Attention) करते हैं और फिर उसका अनुकरण करके कौशल सीखते हैं।

176. (B) विस्मरण समय के साथ क्षय या स्मृति में अन्य जानकारी के हस्तक्षेप के कारण होता है।
सूचना प्रसंस्करण दृष्टिकोण के अनुसार, विस्मरण (Forgetting) मुख्य रूप से दो कारणों से होता है: समय बीतने के साथ तंत्रिका स्मृति चिह्नों का क्षय (Decay) होना, अथवा नई और पुरानी जानकारी का आपस में हस्तक्षेप (Interference) होना (पूर्वव्यापी या अग्रव्यापी हस्तक्षेप), जिससे कार्यशील या दीर्घकालिक स्मृति से सूचना की पुनःप्राप्ति बाधित हो जाती है।

177. (B) यह जानना कि स्थिति क्या है (तथ्य, अवधारणाएं, घटनाएं / Facts, Concepts, Events)।
संज्ञानात्मक मनोविज्ञान में, "घोषणात्मक ज्ञान" (Declarative Knowledge) से तात्पर्य उस ज्ञान से है जिसे शब्दों में स्पष्ट रूप से व्यक्त या घोषित किया जा सकता है। इसमें तथ्यों, अवधारणाओं, ऐतिहासिक घटनाओं और नियमों की जानकारी शामिल होती है (अर्थात यह जानना कि "क्या" सत्य है)। जैसे यह जानना कि भारत की राजधानी नई दिल्ली है।

178. (B) प्रक्रियात्मक ज्ञान (Procedural Knowledge)
किसी विशिष्ट कार्य, कौशल या संक्रिया को निष्पादित करने के तरीके के ज्ञान को "प्रक्रियात्मक ज्ञान" (Procedural Knowledge) कहा जाता है। इसमें "कैसे करें" (Know-How) की जानकारी शामिल होती है, जैसे द्विघात समीकरण हल करना, साइकिल चलाना या फीते बांधना। यह ज्ञान अक्सर अभ्यस्त और स्वचालित क्रियाओं में परिलक्षित होता है।

179. (C) सशर्त (या रणनीतिक) ज्ञान (Conditional / Strategic Knowledge)
यह जानना कि किसी विशिष्ट शिक्षण रणनीति (जैसे निमोनिक डिवाइस) का उपयोग "कब और क्यों" किया जाना चाहिए, "सशर्त ज्ञान" (Conditional Knowledge) कहलाता है। यह ज्ञान शिक्षार्थी को विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार अपनी अध्ययन रणनीतियों का चयन करने, उन्हें लागू करने और अधिगम का स्व-नियमन करने में सक्षम बनाता है।

180. (A) परियोजना-आधारित अधिगम / रचनावाद (Project-Based Learning / Constructivism)
जल निस्पंदन प्रणाली तैयार करने के लिए टीमों में काम करना परियोजना-आधारित अधिगम और रचनावाद (Constructivism) पर आधारित है। इसमें शिक्षार्थी प्रामाणिक, व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करने के लिए अपने पूर्व ज्ञान, सहयोगात्मक चर्चाओं और अन्वेषण का उपयोग करते हुए स्वयं ज्ञान और भौतिक उत्पाद का निर्माण करते हैं, जहाँ शिक्षक सुगमकर्ता होता है।

181. (A) सामाजिक वाक् → निजी/अहंकेंद्रित वाक् → आंतरिक वाक् (Social Speech → Private Speech → Inner Speech)
वायगोत्स्की के अनुसार, भाषा और चिंतन के विकास का पथ तीन चरणों से गुजरता है: सबसे पहले सामाजिक वाक् (Social Speech - दूसरों से संवाद हेतु), इसके बाद निजी वाक् (Private Speech - बोलकर स्वयं को निर्देशित करने हेतु), और अंततः आंतरीकरण द्वारा आंतरिक वाक् (Inner Speech - बिना बोले मन में चिंतन करने हेतु)।

182. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
व्यवहार संशोधन कार्यक्रमों में टोकन अर्थव्यवस्था (Token Economy) का उपयोग बड़े पैमाने पर किया जाता है (अतः अभिकथन A सत्य है)। हालाँकि, कारण R असत्य है क्योंकि टोकन अर्थव्यवस्था शास्त्रीय अनुबंधन पर नहीं, बल्कि बी.एफ. स्किनर के क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning) के सिद्धांतों पर आधारित है, जहाँ टोकन एक पुनर्बलक के रूप में कार्य करता है।

183. (B) गैर-मनमाने तरीके से मौजूदा संज्ञानात्मक संरचनाओं (Cognitive Structures) में नए ज्ञान का समावेश।
डेविड आसुबेल के अनुसार, "अर्थपूर्ण अधिगम" की परिभाषित विशेषता यह है कि नया ज्ञान शिक्षार्थी की मौजूदा संज्ञानात्मक संरचनाओं (Prior Knowledge) में एक गैर-मनमाने (Non-arbitrary) और वैचारिक रूप से प्रासंगिक तरीके से एकीकृत होता है। इससे सीखा गया ज्ञान टिकाऊ बनता है और उसका स्थानांतरण संभव होता है।

184. (B) वयस्क शिक्षार्थियों की अधिगम विशेषताएं और आवश्यकताएं।
मैल्कम नोवेल्स द्वारा विकसित "एंड्रागोजी" (Andragogy) की अवधारणा पेडागोजी (Child Learning) से भिन्न है क्योंकि यह विशेष रूप से वयस्क शिक्षार्थियों की अधिगम विशेषताओं, आवश्यकताओं और स्व-निर्देशित दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करती है। एंड्रागोजी यह मानती है कि वयस्कों के सीखने का तरीका बच्चों की तुलना में अधिक व्यावहारिक और अनुभव-आधारित होता है।

185. (B) केवल I और III
नोवेल्स के अनुसार, वयस्क शिक्षार्थी यह जानना चाहते हैं कि उन्हें कुछ क्यों सीखना चाहिए (कथन I) और वे अपने समृद्ध जीवन अनुभवों को सीखने के संसाधन के रूप में उपयोग करते हैं (कथन III)। कथन II गलत है क्योंकि वयस्क शिक्षार्थी दिशा के लिए पूरी तरह शिक्षक पर निर्भर न होकर काफी हद तक स्व-निर्देशित (Self-Directed) होते हैं।

186. (A) क्रियाप्रसूत अनुबंधन / व्यवहारवाद (Operant Conditioning / Behaviorism)
स्पष्ट उद्देश्य निर्धारित करना, पाठ्य सामग्री को छोटे-छोटे क्रमिक चरणों में तोड़ना, तथा प्रत्येक सही उत्तर पर तत्काल प्रतिक्रिया और पुनर्बलन प्रदान करना - ये सभी रणनीतियाँ बी.एफ. स्किनर के क्रियाप्रसूत अनुबंधन और अभिक्रमित

Click Here to Buy book on Amazon

अनुदेश (Programmed Instruction) के व्यवहारवादी सिद्धांतों द्वारा प्रत्यक्ष रुप से समर्थित हैं।

187. (C) सॉफ्टवेयर
सूचना प्रसंस्करण सादृश्यता में, मनुष्य का भौतिक मस्तिष्क और उसका न्यूरल नेटवर्क कंप्यूटर के "हार्डवेयर" के समान है। इसके विपरीत, मानसिक प्रक्रियाएं, सूचना को संसाधित करने की रणनीतियाँ, विचार, और मानसिक स्कीमा कंप्यूटर के "सॉफ्टवेयर" के समान कार्य करते हैं, जो प्राप्त डेटा का विश्लेषण और प्रबंधन करते हैं।

188. (B) सहयोग और संवाद की सुविधा के लिए समूहों (Pods) में समूहीकृत डेस्क।
रचनावादी सिद्धांत इस बात पर बल देता है कि अधिगम एक सामाजिक और सहयोगात्मक प्रक्रिया है। इसलिए, यह सिद्धांत डेस्क को समूहों या छोटे पोड्स (Pods) में व्यवस्थित करने का समर्थन करता है, ताकि छात्र एक-दूसरे के आमने-सामने बैठकर आसानी से बातचीत, विचारों का आदान-प्रदान, समूह कार्य और सहयोगात्मक समस्या-समाधान कर सकें।

189. (A) एक अनुक्रिया को बनाए रखा जाता है जबकि उद्दीपक को धीरे-धीरे बदला जाता है, अंततः अनुक्रिया को एक पूरी तरह से नए उद्दीपक में स्थानांतरित कर दिया जाता है।
थार्नडाइक के "साहचर्य स्थानांतरण" (Associative Shifting) के नियम के अनुसार, यदि किसी विशिष्ट अनुक्रिया को उत्पन्न करने वाले मूल उद्दीपक में धीरे-धीरे सूक्ष्म बदलाव किए जाएँ और उसके साथ एक नया उद्दीपक जोड़ा जाए, तो अंततः वही पुरानी अनुक्रिया एक बिल्कुल नए उद्दीपक के प्रति स्थानांतरित होकर व्यक्त होने लगती है।

190. (B) अवधारणाओं के बीच संबंधों का एक दृश्य प्रतिनिधित्व; संज्ञानवाद (विशेष रूप से आसुबेल)।
अवधारणा मानचित्र (Concept Map) विभिन्न विचारों और अवधारणाओं के बीच के वैचारिक संबंधों को दर्शाने वाला एक दृश्य ग्राफिकल उपकरण है। यह संज्ञानवाद, विशेष रूप से डेविड आसुबेल के अर्थपूर्ण अधिगम के सिद्धांत से गहराई से जुड़ा है, क्योंकि यह पूर्व ज्ञान और नई अवधारणाओं के बीच के संरचनात्मक संबंधों को स्पष्ट रुप से प्रदर्शित करता है।

191. (B) प्रामाणिक, वास्तविक दुनिया के कार्यों और समस्याओं में अधिगम को स्थापित करना।
रचनावाद यह मानता है कि अधिगम प्रासंगिक (Contextual) होता है और यह वास्तविक संदर्भों में ही सबसे अर्थपूर्ण होता है। इसलिए, शिक्षकों को चाहिए कि वे कक्षा शिक्षण को अमूर्त रखने के बजाय प्रामाणिक, वास्तविक दुनिया के कार्यों, व्यावहारिक जीवन की समस्याओं और शिक्षार्थी के सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभवों से जोड़कर प्रस्तुत करें।

192. (B) यह अक्सर भावना, अभिप्रेरणा और सामाजिक संदर्भ को यांत्रिक संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के लिए द्वितीयक मानता है।
सूचना प्रसंस्करण सिद्धांत (Information Processing Theory) की एक प्रमुख आलोचना यह है कि मानव मन की तुलना कंप्यूटर से करने के कारण यह अधिगम में मानवीय भावनाओं (Emotions), आंतरिक अभिप्रेरणा, व्यक्तिगत अनुभवों और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों की महत्वपूर्ण भूमिका की उपेक्षा करता है या उन्हें केवल द्वितीयक मानता है।

193. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
रचनावादी शिक्षाशास्त्र में रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) एकीकृत होता है क्योंकि रचनावादी शिक्षक मूल्यांकन को केवल ग्रेड देने का अंतिम जरिया न मानकर शिक्षार्थी की उभरती योजनाओं (Schemas), गलतफहमियों और चिंतन प्रक्रिया को समझने का साधन मानते हैं, जिससे निरंतर मार्गदर्शन दिया जा सके। अतः कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

194. (B) आगमनात्मक अधिगम (Inductive Learning)
"अवधारणा प्राप्ति" (Concept Attainment) रणनीति में जब शिक्षक छात्रों के सामने किसी अवधारणा के सकारात्मक और नकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करता है और छात्रों से उन उदाहरणों का विश्लेषण करके अंतर्निहित नियम या परिभाषा स्वयं खोजने को कहता है, तो यह आगमनात्मक अधिगम (Inductive Learning) का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

NODIA

195. (B) रचनावादी, रचनावादी
दृष्टिकोण II (क्षेत्रफल मापने हेतु खेल के मैदान में सहयोग करना) और दृष्टिकोण IV (गलतफहमी को चुनौती देने हेतु सुकराती पूछताछ) दोनों ही रचनावादी (Constructivist) दृष्टिकोण हैं। दृष्टिकोण II व्यावहारिक, सहयोगात्मक और प्रामाणिक अधिगम पर आधारित है, जबकि दृष्टिकोण IV सुकराती संवाद के माध्यम से असंतुलन पैदा कर नए ज्ञान निर्माण को प्रोत्साहित करता है।

196. (B) साथियों की अंतःक्रियाएं संज्ञानात्मक संघर्ष (असंतुलन) का कारण बनती हैं, जो व्यक्तियों को अपनी योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन और अनुकूलन करने के लिए मजबूर करती हैं।
पियाजे के अनुसार, साथी समूह (Peer Group) के साथ अंतःक्रियाएँ अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि बराबर स्तर के साथियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान संज्ञानात्मक द्वंद्व या असंतुलन (Disequilibrium) उत्पन्न करता है। यह वैचारिक असहमति बच्चे को अपने दृष्टिकोण का पुनर्मूल्यांकन करने, अहंकेंद्रवाद छोड़ने और अपनी योजनाओं को पुनर्गठित करने के लिए प्रेरित करती है।

197. (B) संस्कृति "बौद्धिक अनुकूलन के उपकरण" (जैसे भाषा और लेखन) प्रदान करती है जो यह निर्देशित करते हैं कि बच्चे सोचना कैसे सीखते हैं।
वायगोत्स्की के अनुसार, संस्कृति और संज्ञानात्मक विकास का गहरा संबंध है। संस्कृति बालक को "बौद्धिक अनुकूलन के उपकरण" (Tools of Intellectual Adaptation) जैसे कि भाषा, संख्यात्मक प्रणालियाँ और लेखन प्रदान करती है। ये सांस्कृतिक उपकरण केवल सोचने की सामग्री ही नहीं देते, बल्कि यह भी निर्धारित करते हैं कि बालक सोचना और समस्या समाधान करना कैसे सीखता है।

198. (B) अधिक ज्ञानी अन्य (MKO); पाड़ (Scaffolding); समीपस्थ विकास का क्षेत्र (ZPD)
इस परिदृश्य में, अभिभावक एक "अधिक ज्ञानी अन्य" (MKO) के रूप में कार्य कर रहा है, जो बालक के "समीपस्थ विकास के क्षेत्र" (ZPD) के भीतर कार्य पूरा कराने के लिए हाथ से मार्गदर्शन और मौखिक निर्देशों द्वारा "पाड़" (Scaffolding) प्रदान कर रहा है, ताकि बच्चा आत्मनिर्भर बन सके।

199. (B) इसके लिए शिक्षार्थी को अलग-अलग उद्देश्यों के लिए, पुनर्व्यवस्थित संदर्भों में, अलग-अलग समय पर समान सामग्री पर फिर से जाने की आवश्यकता होती है।
स्पिरो द्वारा विकसित "संज्ञानात्मक लचीलापन सिद्धांत" (Cognitive Flexibility Theory) जटिल और अस्वाभाविक क्षेत्रों में उन्नत अधिगम हेतु यह सुझाव देता है कि शिक्षार्थियों को समान विषय-सामग्री को अलग-अलग समय पर, विभिन्न संदर्भों में, और अलग-अलग दृष्टिकोणों से पुनः देखना चाहिए, ताकि लचीली और बहुआयामी मानसिक संरचनाओं का निर्माण हो सके।

200. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
आधुनिक रचनावादी कक्षाएं पियाजे और वायगोत्स्की दोनों के सिद्धांतों का सुंदर मिश्रण प्रस्तुत करती हैं। शिक्षक पियाजे के अनुसार बालकों को स्वयं ज्ञान निर्माण हेतु व्यावहारिक अन्वेषण की सामग्री देते हैं, और साथ ही वायगोत्स्की के अनुसार सहयोगात्मक समूह कार्य और ZPD में पाड़ (Scaffolding) प्रदान करते हैं। अतः कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 04

पाठ्यचर्या विकास एवं अभिकल्पना

1. आधुनिक शैक्षिक प्रशासन (Educational Administration) के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प पाठ्यचर्या (Curriculum) की अवधारणा को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
   (A) विद्यालय के तत्वावधान में विद्यार्थियों को प्रदान किए जाने वाले अधिगम अनुभवों (Learning Experiences) की समग्रता
   (B) किसी विशिष्ट शैक्षणिक वर्ष में पूरे किए जाने वाले विषयों की एक संरचित सूची (Structured List)
   (C) शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education) द्वारा अनुमोदित निर्धारित पाठ्यपुस्तकें और मूल्यांकन उपकरण (Assessment Tools)
   (D) विद्यालय में कार्य दिवसों और शिक्षण घंटों (Instructional Hours) का विवरण देने वाले वैधानिक दिशा-निर्देश

2. 'करीकुलम' (Curriculum) शब्द की व्युत्पत्ति लैटिन शब्द 'करेर' (Currere) से हुई है। इसका शाब्दिक अर्थ क्या है?
   (A) पढ़ाना
   (B) अनुशासित करना
   (C) दौड़ का मैदान
   (D) मूल्यांकन करना

3. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन पाठ्यचर्या की प्रकृति (Nature of Curriculum) का गलत वर्णन करता है?
   (A) यह किसी विषय के निर्धारित पाठ्यक्रम (Syllabus) का समानार्थी है।
   (B) यह एक गतिशील प्रक्रिया (Dynamic Process) है जो सामाजिक परिवर्तनों के साथ विकसित होती है।
   (C) इसमें नियोजित और अनियोजित दोनों प्रकार के अधिगम अनुभव (Learning Experiences) शामिल हैं।
   (D) यह किसी राष्ट्र के शैक्षिक दर्शन (Educational Philosophy) और लक्ष्यों को दर्शाता है।

4. पाठ्यचर्या परिभाषाओं (Curricular Definitions) के संबंध में सही युग्म की पहचान कीजिए:
   (A) फ्रोबेल (Froebel) - पाठ्यचर्या किसी लक्ष्य तक पहुँचने के लिए एक दौड़ का मैदान है
   (B) टायलर (Tyler) - पाठ्यचर्या विद्यालय का छिपा हुआ एजेंडा (Hidden Agenda) है
   (C) टाबा (Taba) - पाठ्यचर्या केवल अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) का मूल्यांकन है
   (D) कनिंघम (Cunningham) - पाठ्यचर्या कलाकार (शिक्षक) के हाथ में एक साधन है जिससे वह अपनी सामग्री (छात्र) को मोड़ता है

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
   अभिकथन (A): पाठ्यचर्या (Curriculum) एक व्यापक छत्र शब्द (Umbrella Term) है जिसमें पाठ्यक्रम (Syllabus) शामिल है, लेकिन यह केवल यहीं तक सीमित नहीं है।
   कारण (R): पाठ्यक्रम (Syllabus) मुख्य रूप से किसी विशिष्ट विषय की निर्धारित सामग्री पर केंद्रित होता है, जबकि पाठ्यचर्या (Curriculum) में विद्यालय द्वारा आयोजित सभी शैक्षणिक, सह-पाठ्यचर्या (Co-curricular) और विकासात्मक गतिविधियाँ शामिल होती हैं।
   (A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
   (B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
   (C) A सही है लेकिन R गलत है।
   (D) A गलत है लेकिन R सही है।

NODIA

6. एक विद्यालय प्राचार्य (School Principal) वार्षिक शैक्षणिक योजना (Annual Pedagogical Plan) की समीक्षा कर रहे हैं। पाठ्यचर्या को गतिशील (Dynamic) बनाए रखने के लिए, निम्नलिखित में से कौन-सी कार्रवाई सबसे उपयुक्त है?
   (A) पिछले वर्ष की पाठ योजनाओं (Lesson Plans) का कड़ाई से पालन करना
   (B) पाठ्यपुस्तक को अक्षरशः पढ़ाने के लिए शिक्षक स्वायत्तता (Teacher Autonomy) को सीमित करना
   (C) सामुदायिक प्रतिक्रिया (Community Feedback), उभरती प्रौद्योगिकियों और वर्तमान सामाजिक मुद्दों को विद्यालयी गतिविधियों में एकीकृत करना
   (D) केवल बोर्ड परीक्षा परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों (Co-curricular Activities) को समाप्त करना

7. आधुनिक शिक्षा नीति (Modern Educational Policy) के अनुसार, लक्षित पाठ्यचर्या (Intended Curriculum) लागू पाठ्यचर्या (Enacted Curriculum) से मुख्य रूप से किस संदर्भ में भिन्न है?
   (A) प्रशासनिक परीक्षा बोर्ड द्वारा अनुमोदित औपचारिक नीति ढांचा (Formal Policy Framework)
   (B) शास्त्रीय शैक्षिक मनोविज्ञान (Educational

Psychology) द्वारा स्थापित सैद्धांतिक आधार
(C) आवश्यक शिक्षण सामग्री (Instructional Materials) खरीदने के लिए आवंटित वित्तीय बजट (Financial Budget)
(D) सीधे कक्षा के भीतर होने वाले वास्तविक लेन-देन संबंधी अधिगम अनुभव (Transactional Learning Experiences)

8. माध्यमिक शिक्षा में पाठ्यचर्या (Curriculum) और पाठ्यक्रम (Syllabus) के बीच मौलिक अंतर क्या है?
(A) पाठ्यचर्या समग्र शैक्षिक कार्यक्रम (Educational Program) की रूपरेखा तैयार करती है, जबकि पाठ्यक्रम किसी विशेष विषय के विषयों (Topics) की रूपरेखा तैयार करता है।
(B) पाठ्यचर्या निर्देशात्मक (Prescriptive) होती है, जबकि पाठ्यक्रम वर्णनात्मक (Descriptive) होता है।
(C) पाठ्यचर्या विषय-विशिष्ट होती है, जबकि पाठ्यक्रम विद्यालय-विशिष्ट होता है।
(D) पाठ्यचर्या का मूल्यांकन योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) के माध्यम से किया जाता है, जबकि पाठ्यक्रम का रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) द्वारा।

9. पाठ्यचर्या (Curriculum) और पाठ्यक्रम (Syllabus) के बीच अंतर के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) विस्तृत विषय पाठ्यक्रम (Syllabus) सीधे व्यापक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (National Curriculum Framework - NCF) से उत्पन्न होता है।
(B) पाठ्यक्रम (Syllabus) पूरे स्कूली शिक्षा चरण के लिए मान्य रहता है, जबकि पाठ्यचर्या (Curriculum) प्रतिवर्ष बदलती है।
(C) व्यापक विद्यालय पाठ्यचर्या (Curriculum) शैक्षणिक दायरे में विषय पाठ्यक्रम (Syllabus) की तुलना में महत्वपूर्ण रूप से विस्तृत होती है।
(D) पाठ्यचर्या में सभी सह-पाठ्यचर्या (Co-curricular) और पाठ्येतर (Extra-curricular) गतिविधियाँ शामिल होती हैं, जबकि पाठ्यक्रम में वे शामिल नहीं होती हैं।

10. पाठ्यचर्या (Curriculum) और पाठ्यक्रम (Syllabus) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. पाठ्यक्रम (Syllabus) एक ग्रीक शब्द है, जबकि पाठ्यचर्या (Curriculum) एक लैटिन शब्द है।
II. पाठ्यक्रम (Syllabus) का डिज़ाइन आमतौर पर सभी विषयों में एक समान होता है।
III. पाठ्यचर्या (Curriculum) में लक्ष्य, उद्देश्य, शैक्षणिक रणनीतियाँ (Pedagogical Strategies) और मूल्यांकन विधियाँ (Evaluation Methods) शामिल होती हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

11. कौन-सा दस्तावेज़ शिक्षा के व्यापक दृष्टिकोण (Macro-level Vision) को निर्धारित करता है, जिससे सूक्ष्म-स्तरीय पाठ्यक्रम (Micro-level Syllabus) प्राप्त होता है?
(A) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (National Curriculum Framework - NCF)
(B) विषय पाठ्यपुस्तक (Subject Textbook)
(C) पाठ योजना (Lesson Plan)
(D) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन नियमावली (Continuous and Comprehensive Evaluation Manual)

12. यदि कोई शिक्षक कक्षा X के लिए इतिहास के अध्याय-वार प्रगति के साथ आवश्यक कालांशों (Periods) की संख्या की योजना बना रहा है, तो शिक्षक मुख्य रूप से किससे जुड़ा हुआ है?
(A) कोर पाठ्यचर्या (Core Curriculum)
(B) प्रच्छन्न/गुप्त पाठ्यचर्या (Hidden Curriculum)
(C) पाठ्यक्रम (Syllabus)
(D) एकीकृत पाठ्यचर्या (Integrated Curriculum)

13. निम्नलिखित में से कौन शिक्षकों के लिए एक निर्देशात्मक मार्गदर्शिका (Prescriptive Guide) के रूप में कार्य करता है जो यह रेखांकित करता है कि एक निश्चित समय सीमा के भीतर क्या पढ़ाया और परखा जाना चाहिए?
(A) पाठ्यचर्या ढांचा (Curriculum Framework)
(B) दृष्टिकोण विवरण (Vision Statement)
(C) संस्थागत योजना (Institutional Plan)
(D) पाठ्यक्रम (Syllabus)

14. पाठ्यचर्या निर्माण (Curriculum Construction) का कौन-सा सिद्धांत इस बात पर बल देता है कि शैक्षिक कार्यक्रमों को छात्रों को वर्तमान और भविष्य की जीवन समस्याओं को हल करने में सक्षम बनाना चाहिए?
(A) संरक्षण का सिद्धांत (Principle of Conservation)
(B) रचनात्मकता का सिद्धांत (Principle of Creativity)
(C) उपयोगिता का सिद्धांत (Principle of Utility)
(D) परंपरा का सिद्धांत (Principle of Tradition)

15. एक ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है जहाँ एक विद्यालय को अपने मध्य-विद्यालय (Middle School) कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence - AI) को एकीकृत करने पर निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। प्राचार्य यह सुनिश्चित करने के लिए इसे मंजूरी देते हैं कि छात्र आगामी आर्थिक और तकनीकी परिदृश्यों के लिए तैयार हों। यह निर्णय किसको सर्वोत्तम रूप से दर्शाता है?
(A) कठोर विषय सीमाओं का सिद्धांत (Principle of Rigid Subject Boundaries)
(B) अग्रदर्शी सिद्धांत (Principle of Forward-Looking)

Click Here to Buy book on Flipkart

(C) पारंपरिक संरक्षण का सिद्धांत (Principle of Traditional Conservation)
(D) विकेंद्रीकृत/केंद्रीकृत तानाशाही का सिद्धांत (Principle of Centralized Dictation)

16. पाठ्यचर्या निर्माण में 'विविधता और लचीलेपन' (Variety and Elasticity) के सिद्धांत का तात्पर्य क्या है?
(A) पाठ्यचर्या को बिना किसी संशोधन के सभी क्षेत्रीय प्रशासनिक क्षेत्रों में कड़ाई से मानकीकृत (Standardized) किया जाना चाहिए।
(B) शिक्षकों को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में पूरी तरह से अलग शैक्षणिक विषयों को पढ़ाने की आवश्यकता होनी चाहिए।
(C) छात्रों को अपनी औपचारिक पाठ्यचर्या को पूरी तरह से स्वतंत्र रूप से डिज़ाइन करने की पूर्ण स्वतंत्रता दी जानी चाहिए।
(D) पाठ्यचर्या को व्यक्तिगत भिन्नताओं (Individual Differences) का ध्यान रखना चाहिए और स्थानीय संदर्भों के अनुकूल होना चाहिए।

17. निम्नलिखित में से कौन-सा पाठ्यचर्या निर्माण का एक मान्यता प्राप्त सिद्धांत नहीं है?
(A) विषय विभाजन का सिद्धांत (Principle of Subject Compartmentalization)
(B) क्षैतिज और लंबवत विषय सहसंबंध का सिद्धांत (Principle of Horizontal and Vertical Subject Correlation)
(C) शिक्षण में समग्र बाल-केंद्रितता का सिद्धांत (Principle of Holistic Child-Centeredness)
(D) सक्रिय सामुदायिक सेवा और सहभागिता का सिद्धांत (Principle of Active Community Engagement)

18. पाठ्यचर्या निर्माण में संरक्षण के सिद्धांत (Principle of Conservation) के अनुसार, पाठ्यचर्या को क्या सुनिश्चित करना चाहिए?
(A) प्राकृतिक पर्यावरणीय संसाधनों का व्यापक संरक्षण (Environmental Conservation) और प्रबंधन
(B) सार्वजनिक शिक्षा पर कुल सरकारी वित्तीय व्यय में व्यवस्थित कमी
(C) अगली पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों का हस्तांतरण (Transmission of Cultural Heritage)
(D) पुरानी पारंपरिक शिक्षण विधियों का सख्त संरक्षण और निरंतरता

19. दिल्ली सरकार के विद्यालयों के सामाजिक विज्ञान की पाठ्यचर्या में स्थानीय कला रूपों और ऐतिहासिक स्थलों का एकीकरण किसका प्रत्यक्ष अनुप्रयोग है?
(A) पर्यावरण-केंद्रितता का सिद्धांत (Principle of Environmental Centeredness)
(B) छात्र गतिविधि और जुड़ाव का सिद्धांत (Principle of Student Activity and Engagement)
(C) रटने और अभ्यास का सिद्धांत (Principle of Rote Memorization)
(D) मानकीकृत वैश्विक एकरूपता का सिद्धांत (Principle of Standardized Global Uniformity)

20. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): पाठ्यचर्या निर्माण में एकीकरण का सिद्धांत (Principle of Integration) विभिन्न स्कूली विषयों के बीच कठोर बाधाओं को तोड़ने की वकालत करता है।
कारण (R): वास्तविक जीवन की समस्याएं पृथक विषय श्रेणियों में प्रस्तुत नहीं होती हैं; इसलिए, अधिगम समग्र (Holistic) और परस्पर जुड़ा हुआ होना चाहिए।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) A सही है लेकिन R गलत है।
(D) A गलत है लेकिन R सही है।

21. कौन-सा सिद्धांत यह सुनिश्चित करता है कि पाठ्यचर्या न तो बच्चे के संज्ञानात्मक स्तर (Cognitive Level) के लिए बहुत भारी हो और न ही बहुत नगण्य?
(A) उपयोगिता का सिद्धांत (Principle of Utility)
(B) परिपक्वता का सिद्धांत (Principle of Maturity)
(C) परंपरा का सिद्धांत (Principle of Tradition)
(D) अनुरुपता का सिद्धांत (Principle of Conformity)

22. बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या (Child-Centered Curriculum) डिज़ाइन में, शिक्षण सामग्री के चयन का प्राथमिक आधार क्या है?
(A) विद्यालय प्रणाली की समग्र प्रशासनिक सुविधा और परिचालन दक्षता (Operational Efficiency)
(B) राज्य अधिकारियों द्वारा अनुमोदित मानकीकृत पाठ्यपुस्तकों की व्यावसायिक उपलब्धता
(C) व्यक्तिगत शिक्षार्थियों की आवश्यकताएं, रुचियां और विकासात्मक चरण (Developmental Stages)
(D) विषय की ऐतिहासिक प्रतिष्ठा और पारंपरिक शैक्षणिक ढांचा

23. एक बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या (Child-Centered Curriculum) मौलिक रूप से शिक्षक की भूमिका को किस प्रकार बदलती है?
(A) एक सहायक कक्षा सुगमकर्ता (Facilitator) से एक आधिकारिक निर्देशक के रूप में
(B) एक सक्रिय सह-शिक्षार्थी से एक प्रशासनिक शिक्षण पर्यवेक्षक (Supervisor) के रूप में
(C) एक औपचारिक अधिगम मूल्यांकनकर्ता से एक पेशेवर पाठ्यचर्या डिज़ाइनर के रूप में
(D) ज्ञान के संचारक (Transmitter of Knowledge) से

Downloaded from www.pdf.tube

अधिगम के सुगमकर्ता (Facilitator of Learning) के रूप में

(D) सहकर्मी समूहों के बीच प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक रैंकिंग

24. अपने "करके सीखने" (Learning by Doing) की अवधारणा के माध्यम से बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या की नींव रखने के लिए कौन-सा शैक्षणिक दार्शनिक सबसे प्रमुखता से जुड़ा है?
(A) जॉन डीवी (John Dewey)
(B) बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner)
(C) इवान पावलव (Ivan Pavlov)
(D) एडवर्ड थॉर्नडाइक (Edward Thorndike)

25. बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या (Child-Centered Curriculum) के संबंध में निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. यह स्व-निर्देशित अधिगम (Self-directed Learning) और आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) को बढ़ावा देता है।
II. मूल्यांकन मुख्य रूप से मानकीकृत मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-referenced Testing) पर आधारित है।
III. यह अत्यधिक अनुभवजन्य (Experiential) और गतिविधि-आधारित अधिगम (Activity-based Learning) पर निर्भर करता है।
IV. यह शिक्षक की भूमिका को न्यूनतम करके पूर्ण गैर-हस्तक्षेप (Non-interference) तक ले जाता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल II और IV
(C) केवल I, II, और III
(D) केवल I, III, और IV

26. निम्नलिखित में से कौन-सा एक प्राथमिक विद्यालय में बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या (Child-Centered Curriculum) के कार्यान्वयन का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है?
(A) छात्रों को औपचारिक पंक्तियों में व्यवस्थित करना और स्पष्ट व्याकरण नियमों पर प्रत्यक्ष व्याख्यान देना
(B) अधिगम केंद्र बनाना जहाँ छात्र वर्तमान रुचियों के आधार पर गतिविधियों का चयन करते हैं
(C) यह अनिवार्य करना कि सभी नामांकित छात्र एक ही गति से समान पाठ्यपुस्तकों से पढ़ें
(D) छात्र शैक्षणिक उपलब्धि को रैंक करने के लिए दैनिक प्रतिस्पर्धी लिखित परीक्षाएं आयोजित करना

27. बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या की ओर बदलाव के लिए मूल्यांकन रणनीतियों में बदलाव की आवश्यकता है। कौन-सी मूल्यांकन विधि इस दृष्टिकोण के सबसे अधिक अनुकूल है?
(A) पोर्टफोलियो मूल्यांकन (Portfolio Assessment) जो व्यक्तिगत छात्र विकास को ट्रैक करता है
(B) उच्च-जोखिम वाली मानकीकृत योगात्मक वर्ष-अंत परीक्षाएं (Summative Examinations)
(C) केवल तथ्यात्मक रटने की स्मृति का परीक्षण करने वाली कठोर लिखित परीक्षाएं

NODIA

28. एक समुदाय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Community-Centered Curriculum) में, शैक्षिक अनुभवों को मुख्य रूप से किसके लिए डिज़ाइन किया गया है?
(A) आसपास के स्थानीय सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों से विद्यालय के माहौल को पूरी तरह से अलग करना
(B) छात्रों को विशेष रूप से प्रमुख वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार के लिए तैयार करना
(C) सामुदायिक संसाधनों के माध्यम से स्थानीय सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं को संबोधित करना
(D) विविध भौगोलिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में सभी अधिगम सामग्रियों को मानकीकृत करना

29. एक ग्रामीण विद्यालय के प्राचार्य विज्ञान पाठ्यचर्या में टिकाऊ स्थानीय कृषि और भूजल संरक्षण पर एक मॉड्यूल को शामिल करते हैं। यह कार्रवाई किसका उदाहरण है?
(A) अंतर-विषयक कोर पाठ्यचर्या (Interdisciplinary Core Curriculum)
(B) पारंपरिक विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Traditional Subject-centered Curriculum)
(C) अनुक्रमित सर्पिल पाठ्यचर्या (Sequenced Spiral Curriculum)
(D) समुदाय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Community-centered Curriculum)

30. समुदाय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Community-Centered Curriculum) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह स्कूली शिक्षा और सामुदायिक जीवन के बीच की दूरी को पाटता है।
II. इसमें अक्सर समुदाय के सदस्य संसाधन व्यक्तियों (Resource Persons) के रूप में कार्य करते हैं।
III. वैश्विक मानकों को सुनिश्चित करने के लिए यह अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यपुस्तकों का कड़ाई से पालन करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II, और III

31. अत्यधिक समुदाय-केंद्रित पाठ्यचर्या लागू करते समय संभावित चुनौती क्या है?
(A) यह अनिवार्य रूप से राष्ट्रीय शिक्षा प्रणालियों में अत्यधिक मानकीकरण का कारण बन सकता है।
(B) यह अत्यधिक स्थानीयकृत हो सकता है, जिससे व्यापक राष्ट्रीय और वैश्विक दृष्टिकोण छूट सकते हैं।
(C) यह किसी भी औपचारिक विद्यालय भवन के लिए प्रशासनिक आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर देता है।

(D) यह माता-पिता और अभिभावकों को औपचारिक स्कूली गतिविधियों में भाग लेने से कड़ाई से रोकता है।

32. एक समुदाय-केंद्रित पाठ्यचर्या को बढ़ावा देने के लिए, विद्यालय नेतृत्व (School Leadership) को निम्नलिखित में से किस अभ्यास को बढ़ावा देना चाहिए?
(A) एक कड़ाई से बंद-परिसर नीति (Closed-campus Policy) स्थापित करना जो बाहरी सामुदायिक बातचीत को सीमित करती है
(B) कक्षा की सभी चर्चाओं में स्थानीय मातृभाषाओं के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाना
(C) व्यावहारिक संदर्भ से पूरी तरह से रहित सैद्धांतिक शैक्षणिक ज्ञान पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करना
(D) स्थानीय उद्योगों, ऐतिहासिक स्थलों और नागरिक निकायों के लिए क्षेत्र भ्रमण (Field Trips) का आयोजन करना

33. समुदाय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Community-Centered Curriculum) डिज़ाइन मुख्य रूप से किससे दार्शनलशास्त्र समर्थन प्राप्त करता है?
(A) व्यवहारवाद और सामाजिक पुनर्निर्माणवाद (Pragmatism and Social Reconstructionism)
(B) शास्त्रीय शैक्षिक अनिवार्यतावाद (Classical Educational Essentialism)
(C) पारंपरिक दार्शनिक शाश्वतवाद (Traditional Philosophical Perennialism)
(D) कार्यप्रणाली मनोवैज्ञानिक व्यवहारवाद (Methodological Psychological Behaviorism)

34. निम्नलिखित में से कौन-सी विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Subject-Centered Curriculum) की परिभाषित विशेषता है?
(A) यह बच्चे के व्यक्तिगत भावनात्मक विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।
(B) यह परियोजना-आधारित सहयोगात्मक अधिगम (Project-based Collaborative Learning) पर बल देता है।
(C) यह ज्ञान को अलग-अलग शैक्षणिक विषयों (Disciplines) में व्यवस्थित करता है।
(D) यह अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के बीच की सीमाओं को समाप्त करता है।

35. आप एक ऐसे विद्यालय का निरीक्षण कर रहे हैं जहाँ समय सारणी (Timetable) कड़ाई से भौतिकी, रसायन विज्ञान, इतिहास और भूगोल नाम से 40 मिनट के कालांशों (Periods) में विभाजित है। पाठ्यक्रम प्रत्येक क्षेत्र के लिए अधिकृत पाठ्यपुस्तकों पर अत्यधिक निर्भर करता है। यह विद्यालय किसका पालन कर रहा है?
(A) विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Subject-centered Curriculum)
(B) शिक्षार्थी-केंद्रित पाठ्यचर्या (Learner-centered Curriculum)
(C) गतिविधि-केंद्रित पाठ्यचर्या (Activity-centered Curriculum)
(D) प्रच्छन्न/गुप्त पाठ्यचर्या (Hidden Curriculum)

36. विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Subject-Centered Curriculum) की एक प्रमुख आलोचना निम्नलिखित में से कौन-सी है?
(A) यह मानकीकृत मूल्यांकन और आकलन मेट्रिक्स को लागू करना अत्यधिक कठिन बनाता है
(B) इसके लिए अत्यधिक विशिष्ट प्रयोगशाला संसाधनों की आवश्यकता होती है जिन्हें प्राप्त करना लगभग असंभव है
(C) यह शैक्षणिक सामग्री के तार्किक क्रम और विषयगत अनुक्रमण को पूरी तरह से अनदेखा करता है
(D) यह ज्ञान को खंडित करता है और शिक्षार्थी की तत्काल रुचियों को अनदेखा करता है

37. विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या में शिक्षक की प्राथमिक भूमिका को किस रूप में देखा जाता है?
(A) भावनात्मक विकास का मार्गदर्शन करने वाला एक प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता (Psychological Counselor)
(B) विषय-वस्तु विशेषज्ञ (Subject-matter Expert) जो क्षेत्र के ज्ञान का संचार करता है
(C) खुली शिक्षण गतिविधियों में एक सहयोगात्मक सह-अन्वेषक
(D) स्थानीय परियोजनाओं का समन्वय करने वाला एक सक्रिय सामुदायिक संपर्क अधिकारी

38. कौन-सा पाठ्यचर्या डिज़ाइन किसी विशिष्ट विषय के भीतर सरल से जटिल की ओर सामग्री के तार्किक संगठन पर सबसे अधिक निर्भर करता है?
(A) कोर पाठ्यचर्या (Core Curriculum)
(B) अनुभव-केंद्रित पाठ्यचर्या (Experience-centered Curriculum)
(C) विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Subject-centered Curriculum)
(D) समस्या-केंद्रित पाठ्यचर्या (Problem-centered Curriculum)

39. आधुनिक शैक्षणिक बदलावों के बावजूद, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा में विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या मुख्य रूप से इसलिए हावी बनी हुई है क्योंकि:
(A) इसमें कक्षा शिक्षकों से न्यूनतम शिक्षण तैयारी और योजना समय की आवश्यकता होती है
(B) यह सामाजिक मूल्यों और नैतिकता को पैदा करने के लिए सबसे प्रभावी शैक्षणिक मॉडल के रूप में कार्य करता है
(C) यह मुद्रित पाठ्यपुस्तकों को प्रकाशित करने के लिए प्रशासनिक आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करता है

Click Here to Buy book on Amazon

(D) यह पारंपरिक विश्वविद्यालय प्रवेश और परीक्षा संरचनाओं के साथ कुशलतापूर्वक मेल खाता है

40. विषय-केंद्रित इकाई (Subject-centered Unit) की योजना बनाने के विशिष्ट चरणों को सही क्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
I. पाठ्यपुस्तक और संदर्भ सामग्री का चयन करना
II. विशिष्ट विषय-वस्तु उद्देश्यों (Objectives) को परिभाषित करना
III. कवर किए जाने वाले विषयों और उप-विषयों की रुपरेखा तैयार करना
IV. योगात्मक इकाई परीक्षण (Summative Unit Test) डिज़ाइन करना
(A) II, III, I, IV
(B) I, II, III, IV
(C) III, I, II, IV
(D) II, I, IV, III

41. एक शिक्षार्थी-केंद्रित पाठ्यचर्या (Learner-Centered Curriculum) डिज़ाइन सर्वोच्च प्राथमिकता देता है:
(A) शैक्षणिक विषय की तार्किक संरचना (Logical Structure) पर
(B) छात्र की संज्ञानात्मक (Cognitive) और भावनात्मक (Affective) आवश्यकताओं पर
(C) विशिष्ट व्यावसायिक कौशलों के लिए सामाजिक मांगों पर
(D) शैक्षणिक संस्थान की ऐतिहासिक परंपराओं पर

42. कौन-सा शैक्षणिक दृष्टिकोण शिक्षार्थी-केंद्रित पाठ्यचर्या (Learner-Centered Curriculum) के सबसे अधिक अनुकूल है?
(A) प्रत्यक्ष निर्देश (Direct Instruction)
(B) निर्मितिवाद / रचनावाद (Constructivism)
(C) रटकर सीखना (Rote Learning)
(D) सत्तावादी प्रबंधन (Authoritarian Management)

43. शिक्षार्थी-केंद्रित पाठ्यचर्या में, निर्देशों का विभेदन (Differentiation of Instruction) है:
(A) विभिन्न तत्परता स्तरों को पूरा करने वाली एक आवश्यक रणनीति
(B) कड़ाई से हतोत्साहित किया जाता है क्योंकि यह शिक्षण असमानता पेश करता है
(C) विशेष शिक्षण आवश्यकताओं वाले छात्रों पर विशेष रूप से लागू होता है
(D) केवल उच्च प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली छात्रों को गति देने के लिए उपयोग किया जाता है

44. पाठ्यचर्या डिज़ाइन और उनके प्राथमिक फोकस के संबंध में गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) विषय-केंद्रित - विशिष्ट शैक्षणिक सामग्री का व्यापक स्वामित्व (Mastery)
(B) शिक्षार्थी-केंद्रित - व्यक्तिगत विकास, वृद्धि और आत्म-साक्षात्कार
(C) अनुभव-केंद्रित - निर्धारित पाठ्यपुस्तकों का कड़ाई से पालन (Strict Adherence)
(D) समस्या-केंद्रित - वास्तविक दुनिया के सामाजिक-आर्थिक मुद्दों का महत्वपूर्ण विश्लेषण

NODIA

45. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): शिक्षार्थी-केंद्रित पाठ्यचर्या (Learner-Centered Curriculum) के लिए अत्यधिक लचीले समय-निर्धारण और संसाधन आवंटन की आवश्यकता होती है।
कारण (R): चूंकि पाठ्यचर्या छात्रों की उभरती रुचियों और अलग-अलग गतियों के अनुकूल होती है, इसलिए कठोर समय-सारणी (Timetables) अक्सर प्रामाणिक अधिगम अनुभवों को सीमित करती हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) A सही है लेकिन R गलत है।
(D) A गलत है लेकिन R सही है।

46. 'कोर पाठ्यचर्या' (Core Curriculum) की अवधारणा क्या है?
(A) एक विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम जो विशेष रूप से उन्नत STEM विषयों पर केंद्रित है
(B) बौद्धिक रूप से प्रतिभाशाली छात्रों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन की गई एक चयनात्मक पाठ्यचर्या (Selective Curriculum)
(C) सभी छात्रों द्वारा साझा किए जाने वाले अनिवार्य बुनियादी अधिगम अनुभव (Mandated Foundational Learning Experiences)
(D) विभिन्न धाराओं में उच्च माध्यमिक छात्रों को दिए जाने वाले वैकल्पिक पाठ्यक्रम मार्ग

47. राष्ट्रीय शिक्षा नीति ढांचे के दिशा-निर्देशों के संदर्भ में, राष्ट्रीय कोर पाठ्यचर्या (National Core Curriculum) में निम्नलिखित में से कौन-से घटक शामिल हैं?
(A) सभी नामांकित छात्रों के लिए अत्यधिक विशिष्ट तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (Vocational Training Programs)
(B) भारत की साझी सांस्कृतिक विरासत, समतावाद (Egalitarianism) और धर्मनिरपेक्षता
(C) उन्नत विदेशी भाषा प्रवाह और अंतर्राष्ट्रीय संचार कौशल विकास
(D) व्यापक विशिष्ट चिकित्सा विज्ञान और नैदानिक स्वास्थ्य अध्ययन

48. एक कोर पाठ्यचर्या (Core Curriculum) डिज़ाइन किस समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से सबसे अधिक प्रभावित है?
(A) कट्टरपंथी नारीवाद, लैंगिक शक्ति गतिशीलता पर बल देना
(B) उत्तर-आधुनिकतावाद (Post-Modernism), व्यक्तिगत व्यक्तिपरक सत्य पर बल देना
(C) मार्क्सवाद, केवल आर्थिक वर्ग संघर्ष पर ध्यान केंद्रित करना
(D) संरचनात्मक प्रकार्यवाद (Structural Functionalism), जिसका उद्देश्य सामाजिक सामंजस्य (Social Cohesion) है

49. निम्नलिखित में से कौन कोर पाठ्यचर्या (Core Curriculum) कार्यक्रम की एक अनिवार्य विशेषता का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) यह स्कूली दिन के एक हिस्से पर कब्जा करता है, जिससे ऐच्छिक (Electives) विषयों के लिए समय बचता है
(B) इसमें पूरी तरह से व्यक्तिगत छात्रों द्वारा स्वतंत्र रूप से चुने गए ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Courses) शामिल हैं
(C) यह वितरण में पूरी तरह से असंरचित, लचीला और सहज बना रहता है
(D) यह कड़ाई से केवल उच्च शिक्षा संस्थानों और विशिष्ट अकादमियों पर लागू होता है

50. कोर पाठ्यचर्या (Core Curriculum) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसका उद्देश्य छात्रों के बीच नागरिकता की साझी भावना विकसित करना है।
II. यह विद्यालयों में किसी भी वैकल्पिक या ऐच्छिक विषयों की आवश्यकता को समाप्त करता है।
III. यह आमतौर पर व्यापक सामाजिक समस्याओं या विषयों को संबोधित करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II, और III

51. 'प्रच्छन्न/गुप्त पाठ्यचर्या' (Hidden Curriculum) की अवधारणा को प्रमुखता से शैक्षणिक विमर्श में किसके द्वारा लाया गया था?
(A) फिलिप जैक्सन (Philip Jackson)
(B) राल्फ टायलर (Ralph Tyler)
(C) हिल्डा टाबा (Hilda Taba)
(D) जॉन फ्रैंकलिन बॉबिट (John Franklin Bobbitt)

52. 'प्रच्छन्न पाठ्यचर्या' (Hidden Curriculum) से तात्पर्य है:
(A) शिक्षण समय की गंभीर कमी के कारण कक्षा शिक्षकों द्वारा छोड़े गए शैक्षणिक विषय
(B) विशेष रूप से विद्यालय के प्राचार्य द्वारा बनाए रखे गए गोपनीय छात्र मूल्यांकन रिकॉर्ड
(C) वैकल्पिक शोध के लिए पुस्तकालय अभिलेखागार में संग्रहीत पूरक पठन सामग्री
(D) विद्यालय में अनजाने में सीखे गए अलिखित, अनौपचारिक पाठ और मूल्य

53. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रच्छन्न पाठ्यचर्या (Hidden Curriculum) के माध्यम से अधिगम का एक उदाहरण है?
(A) जटिल गणितीय पहाड़ों को व्यवस्थित रूप से याद करना
(B) संस्थागत दिनचर्या के माध्यम से समय की पाबंदी और आज्ञाकारिता सीखना
(C) पौधों में प्रकाश संश्लेषण पर एक प्रायोगिक विज्ञान प्रयोगशाला परियोजना को पूरा करना
(D) मानकीकृत राष्ट्रीय लिखित परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करना

54. एक विद्यालय प्राचार्य ध्यान देते हैं कि लड़कों को सभाओं में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए परोक्ष रूप से प्रोत्साहित किया जाता है जबकि लड़कियों को आमतौर पर सजावटी या आतिथ्य की भूमिकाएं सौंपी जाती हैं। यह परिदृश्य किसका एक नकारात्मक पहलू है?
(A) कोर पाठ्यचर्या (Core Curriculum)
(B) स्पष्ट पाठ्यचर्या (Explicit Curriculum)
(C) शून्य पाठ्यचर्या (Null Curriculum)
(D) प्रच्छन्न/गुप्त पाठ्यचर्या (Hidden Curriculum)

55. एक निर्देशात्मक नेता (Instructional Leader) के रूप में, एक प्राचार्य विद्यालय की प्रच्छन्न पाठ्यचर्या का ऑडिट करने का निर्णय लेते हैं। इस ऑडिट के दौरान किस क्षेत्र की जांच की संभावना सबसे कम है?
(A) गलियारों में शिक्षक-छात्र बातचीत
(B) अनुशासनात्मक प्रक्रियाएं और शक्ति गतिशीलता (Power Dynamics)
(C) कक्षा में बैठने की व्यवस्था में लैंगिक प्रतिनिधित्व (Gender Representation)
(D) कक्षा IX के लिए आधिकारिक रूप से निर्धारित गणित का पाठ्यक्रम (Syllabus)

56. एलियट आइजनर (Elliot Eisner) द्वारा परिभाषित 'शून्य पाठ्यचर्या' (Null Curriculum) से तात्पर्य है:
(A) विद्यालय की पाठ्यचर्या से बाहर रखे गए विषय या दृष्टिकोण
(B) शून्य-काल (Zero-period) की गतिविधियों के दौरान व्यवस्थित रूप से निर्धारित पाठ्यक्रम
(C) शिक्षण कार्यक्रम जिनसे कोई मापने योग्य शैक्षणिक अधिगम परिणाम नहीं निकलते हैं
(D) केवल छुट्टियों की अवधि के दौरान प्रशासित उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Learning) मॉड्यूल

Downloaded from www.pdf.tube

57. 'सर्पिल पाठ्यचर्या' (Spiral Curriculum) की अवधारणा किस संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिक (Cognitive Psychologist) से निकटता से जुड़ी हुई है?
(A) जीन पियाजे (Jean Piaget)
(B) जेरोम ब्रूनर (Jerome Bruner)
(C) लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky)
(D) अल्बर्ट बांडुरा (Albert Bandura)

58. एक सर्पिल पाठ्यचर्या (Spiral Curriculum) का मौलिक सिद्धांत क्या है?
(A) विषय-वस्तु को एक बार विस्तार से पढ़ाया जाता है और बाद की शैक्षणिक ग्रेडों (Academic Grades) में कभी भी पुनरावलोकन नहीं किया जाता है
(B) समय के साथ बढ़ती जटिलता के साथ प्रमुख अवधारणाओं (Key Concepts) का पुनरावलोकन करना
(C) पाठ्यचर्या को विद्यालय की दीवारों से परे स्थानीय सार्वजनिक सामुदायिक स्थानों तक विस्तारित होना चाहिए
(D) संरचनात्मक डिज़ाइन कड़ाई से और विशेष रूप से उन्नत गणित पाठ्यक्रमों पर लागू होता है

59. सर्पिल पाठ्यचर्या का आधार बनने वाले ब्रूनर के सिद्धांत के अनुसार, किसी भी विषय को किसी भी बौद्धिक रूप से ईमानदार रूप में प्रभावी ढंग से पढ़ाया जा सकता है:
(A) विकास के किसी भी चरण में किसी भी बच्चे को
(B) केवल उन किशोरों को जो औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (Formal Operations) तक पहुँच चुके हैं
(C) केवल उच्च बुद्धिमत्ता (High IQ) वाले छात्रों को
(D) उन छात्रों को जिन्होंने बुनियादी पठन कौशल में महारत हासिल कर ली है

60. एक विद्यालय अपनी विज्ञान पाठ्यचर्या डिज़ाइन कर रहा है। कक्षा VI में, छात्र कोशिका (Cell) के बुनियादी हिस्सों को सीखते हैं। कक्षा VIII में, वे कोशिकांगों और उनके कार्यों का अध्ययन करते हैं। कक्षा X में, वे कोशिकीय श्वसन और आनुवंशिकी का अध्ययन करते हैं। यह संरचनात्मक डिज़ाइन किसका एक उदाहरण है?
(A) शून्य पाठ्यचर्या (Null Curriculum)
(B) अंतर-विषयक पाठ्यचर्या (Interdisciplinary Curriculum)
(C) सर्पिल पाठ्यचर्या (Spiral Curriculum)
(D) संगलित/फ्यूज्ड पाठ्यचर्या (Fused Curriculum)

61. निम्नलिखित में से कौन सर्पिल पाठ्यचर्या (Spiral Curriculum) का लाभ नहीं है?
(A) यह पूर्व अधिगम (Prior Learning) को सुदृढ़ करता है।
(B) यह सरल से जटिल की ओर तार्किक प्रगति की अनुमति देता है।
(C) यह विभिन्न चरणों में शिक्षार्थी की संज्ञानात्मक परिपक्वता का ध्यान रखता है।
(D) यह किसी भी रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करता है।

NODIA

62. एकीकृत पाठ्यचर्या (Integrated Curriculum) डिज़ाइन का उद्देश्य क्या है?
(A) गहरा विषय विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करने के लिए शैक्षणिक विषयों को कड़ाई से अलग करना
(B) विभिन्न आयु समूहों के छात्रों को एक एकल एकीकृत कक्षा में जोड़ना
(C) ज्ञान के अंतर-संबंधों को दिखाने के लिए विषय सीमाओं को समाप्त करना
(D) तकनीकी उपकरणों को विशेष रूप से उच्च-स्तरीय विज्ञान पाठ्यक्रमों में एकीकृत करना

63. जब कोई शिक्षक "भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन" पर एक विषयगत इकाई पढ़ाने के लिए साहित्य, इतिहास और कला को जोड़ता है, तो वे किसका उपयोग कर रहे हैं?
(A) व्यापक पाठ्येतर गतिविधि कार्यक्रम (Extracurricular Program)
(B) अंतर-विषयक या एकीकृत पाठ्यचर्या (Interdisciplinary or Integrated Curriculum)
(C) पृथक विषय-वस्तु पाठ्यचर्या डिज़ाइन (Isolated Subject-matter Design)
(D) अनन्य बुनियादी कोर पाठ्यचर्या डिज़ाइन (Core Curriculum Design)

64. माध्यमिक विद्यालयों में एकीकृत पाठ्यचर्या (Integrated Curriculum) को लागू करने में प्राथमिक बाधा क्या है?
(A) यह समग्र छात्र रुचि, जुड़ाव और प्रेरणा को काफी कम कर देता है
(B) इसके लिए पारंपरिक तरीकों की तुलना में काफी कम भौतिक संसाधनों की आवश्यकता होती है
(C) यह लगभग पूरी तरह से निष्क्रिय रटने और ड्रिल अभ्यासों पर निर्भर करता है
(D) विभागीय संरचनाएं, विशिष्ट शिक्षक और विषय-आधारित परीक्षाएं

65. एकीकृत पाठ्यचर्या (Integrated Curriculum) मॉडल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. बहु-विषयक एकीकरण (Multidisciplinary Integration) मुख्य रूप से विषयों पर केंद्रित होता है लेकिन उन्हें एक विषय (Theme) के माध्यम से जोड़ता है।
II. अंतर-विषयक एकीकरण (Interdisciplinary Integration) विषयों में सामान्य अधिगम के आसपास पाठ्यचर्या को व्यवस्थित करता है।
III. ट्रांसडिसिप्लिनरी एकीकरण (Transdisciplinary Integration) छात्र के प्रश्नों और वास्तविक दुनिया की समस्याओं के आसपास पाठ्यचर्या को व्यवस्थित करता है।

IV. एकीकृत पाठ्यचर्या साक्षरता जैसे बुनियादी कौशलों के शिक्षण को कड़ाई से प्रतिबंधित करती है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-से सही हैं?

(A) केवल I, II, और III
(B) केवल II, III, और IV
(C) केवल I और IV
(D) I, II, III, और IV

66. औपचारिक पाठ्यचर्या विकास प्रक्रिया (Curriculum Development Process) का पहला कदम आमतौर पर माना जाता है:

(A) उपयुक्त शिक्षण विधियों (Pedagogical Methods) का चयन
(B) विशिष्ट, मापने योग्य छात्र अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) का निर्माण
(C) आवश्यकताओं का आकलन और स्थितिजन्य विश्लेषण (Needs Assessment and Situational Analysis)
(D) व्यापक पाठ्यक्रम मूल्यांकन रुब्रिक्स (Evaluation Rubrics) डिज़ाइन करना

67. पाठ्यचर्या विकास के आवश्यकता मूल्यांकन (Needs Assessment) चरण के दौरान, पाठ्यचर्या योजनाकार किसका विश्लेषण करते हैं?

(A) वर्तमान छात्र कौशलों, वांछित लक्ष्यों और सामाजिक आवश्यकताओं के बीच का अंतर (Gaps)
(B) नई पाठ्यपुस्तकों के मुद्रण और वितरण के लिए उपलब्ध कुल वित्तीय धन (Financial Funds)
(C) केवल प्राचीन स्वदेशी शैक्षणिक प्रथाओं के ऐतिहासिक अभिलेखागार
(D) राष्ट्रीय परीक्षा हॉलों की भौतिक बैठने की क्षमता और संरचनात्मक सुरक्षा

68. कौन-सा मॉडल इस बात पर बल देता है कि पाठ्यचर्या विकास किसी केंद्रीय प्राधिकरण के आदेशों के बजाय शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के विश्लेषण से शुरु होना चाहिए?

(A) गैलेन सेलोर का प्रशासनिक मॉडल (Administrative Model)
(B) बीचैम्प का प्रणालीगत मॉडल (Systemic Model)
(C) टायलर का उद्देश्य मॉडल (Tyler's Objective Model)
(D) हिल्डा टाबा का ज़मीनी/ग्रासरुट्स मॉडल (Grassroots Model)

69. पाठ्यचर्या विकास प्रक्रिया में उद्देश्य निर्धारित करते समय, उद्देश्यों को होना चाहिए:

(A) अधिकतम कक्षा शिक्षण लचीलेपन की अनुमति देने के लिए व्यापक, अस्पष्ट और खुले अंत वाले (Open-ended)
(B) विशिष्ट, मापने योग्य, प्राप्त करने योग्य, प्रासंगिक और समयबद्ध (SMART)
(C) केवल निचले स्तर के संज्ञानात्मक तथ्यात्मक स्मरण और रटने पर ध्यान केंद्रित
(D) नामांकित छात्रों द्वारा सीधे किए गए सहज विकल्पों के माध्यम से निर्धारित

70. पाठ्यचर्या के लिए उद्देश्य निर्धारण में निम्नलिखित घटकों पर विचार कीजिए:

I. संज्ञानात्मक क्षेत्र (Cognitive Domain - बौद्धिक कौशल)
II. भावात्मक क्षेत्र (Affective Domain - अभिवृत्तियां और मूल्य)
III. मनोप्रेरणा/क्रियात्मक क्षेत्र (Psychomotor Domain - शारीरिक कौशल)

एक समग्र पाठ्यचर्या (Holistic Curriculum) के लिए ऊपर उल्लेखित किन क्षेत्रों को संबोधित किया जाना चाहिए?

(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

71. उद्देश्य निर्धारित करने के बाद, पाठ्यचर्या विकास प्रक्रिया में अगला तार्किक कदम है:

(A) लागू की गई विद्यालय पाठ्यचर्या का व्यापक मूल्यांकन (Comprehensive Evaluation)
(B) सभी नामांकित छात्रों का औपचारिक प्रमाणन और स्नातक स्तर की पढ़ाई
(C) एक प्रारंभिक स्थितिजन्य और आवश्यकता मूल्यांकन का संचालन करना
(D) अधिगम अनुभवों और विषय-वस्तु का चयन (Selection of Learning Experiences and Content)

72. पाठ्यचर्या के लिए विषय-वस्तु का चयन करते समय निम्नलिखित में से कौन-सा मानदंड आवश्यक है?

(A) वैधता, महत्व और उपयोगिता (Validity, Significance, and Utility)
(B) अस्पष्टता, जटिलता और लंबाई (Ambiguity, Complexity, and Length)
(C) कठोरता, परंपरा और विशिष्टता
(D) केवल मनोरंजन मूल्य

73. विषय-वस्तु चयन को 'सीखने की योग्यता' (Learnability) के मानदंड का पालन करना चाहिए, जिसका अर्थ है:

(A) सामग्री इतनी सरल होनी चाहिए कि सभी नामांकित छात्र पूर्ण अंक (Full Marks) प्राप्त करें
(B) सामग्री लक्षित शिक्षार्थियों की संज्ञानात्मक परिपक्वता (Cognitive Maturity) के साथ मेल खाती है
(C) सामग्री को छात्रों द्वारा एक एकल शैक्षणिक सत्र के भीतर पूरी तरह से याद किया जाना चाहिए
(D) सामग्री को शून्य प्रत्यक्ष शिक्षक हस्तक्षेप की आवश्यकता के लिए संरचित किया जाना चाहिए

Click Here to Buy book on Flipkart

74. पाठ्यचर्या सामग्री को व्यवस्थित करने में, 'निरंतरता' (Continuity) से तात्पर्य है:
(A) एक ही ग्रेड स्तर पर विभिन्न शैक्षणिक विषयों को एक साथ एकीकृत करना
(B) समय के साथ प्रमुख पाठ्यचर्या तत्वों का लंबवत दोहराव (Vertical Repetition)
(C) बिना किसी औपचारिक अंतिम परीक्षा के निरंतर रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) प्रशासित करना
(D) एक मानक स्कूली दिन की निर्बाध निरंतर अवधि बनाए रखना

75. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): स्पष्टता और जुड़ाव (Articulation) पाठ्यचर्या संगठन का एक महत्वपूर्ण पहलू है।
कारण (R): यह बिना किसी अनावश्यक दोहराव या अंतराल के एक ग्रेड स्तर से दूसरे ग्रेड स्तर तक सामग्री का सुचारु परिवर्तन और तार्किक प्रगति सुनिश्चित करता है।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) A सही है लेकिन R गलत है।
(D) A गलत है लेकिन R सही है।

76. पाठ्यचर्या कार्यान्वयन (Curriculum Implementation) सबसे अधिक किस सक्रिय भागीदारी और क्षमता पर निर्भर करता है?
(A) पाठ्यपुस्तक प्रकाशक
(B) विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC)
(C) कक्षा शिक्षक (Classroom Teachers)
(D) राज्य विधान सभा

77. निम्नलिखित में से किसे सफल पाठ्यचर्या कार्यान्वयन के लिए एक प्राथमिक बाधा माना जाता है?
(A) व्यापक निरंतर व्यावसायिक विकास (Continuous Professional Development - CPD) कार्यक्रमों का कार्यान्वयन
(B) आवश्यक उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षण सामग्री का पर्याप्त प्रावधान
(C) समग्र राष्ट्रीय पाठ्यचर्या लक्ष्यों के संबंध में पारदर्शी संचार
(D) शिक्षण कर्मचारियों के बीच बदलाव का प्रतिरोध (Resistance to Change)

78. पाठ्यचर्या मूल्यांकन (Curriculum Evaluation) मुख्य रूप से क्या निर्धारित करने का प्रयास करता है?
(A) विद्यालय की वित्तीय लाभप्रदता और परिचालन लागत-दक्षता (Cost-effectiveness)
(B) स्थानीय समुदाय के नेताओं के बीच प्राचार्य की व्यक्तिगत लोकप्रियता
(C) घोषित उद्देश्यों को प्राप्त करने में पाठ्यचर्या की प्रभावशीलता (Curricular Effectiveness)
(D) वह गति जिस पर कक्षा शिक्षक निर्धारित पाठ्यक्रम को पूरा करते हैं

NODIA

79. रचनात्मक पाठ्यचर्या मूल्यांकन (Formative Curriculum Evaluation) आयोजित किया जाता है:
(A) पूर्ण शैक्षणिक वर्ष के औपचारिक समापन (Formal Completion) पर विशेष रूप से
(B) चल रहे सुधारों को निर्देशित करने के लिए विकास के दौरान लगातार (Continuously during Development)
(C) एक मानक बहु-वर्षीय नीति चक्र के पूरा होने के बाद
(D) एक बाहरी अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक ऑडिट बोर्ड द्वारा विशेष रूप से

80. योगात्मक पाठ्यचर्या मूल्यांकन (Summative Curriculum Evaluation) का उपयोग आमतौर पर किसके लिए किया जाता है?
(A) दैनिक कक्षा शिक्षण पाठ योजनाओं में त्वरित समायोजन तैयार करना
(B) विशिष्ट व्यक्तिगत छात्र अधिगम विकलांगताओं और कठिनाइयों का निदान करना
(C) सूक्ष्म-शिक्षण (Micro-teaching) के दौरान छात्र-शिक्षकों को तत्काल वास्तविक समय की प्रतिक्रिया प्रदान करना
(D) यह तय करना कि किसी पाठ्यचर्या को जारी रखना है, संशोधित करना है या समाप्त करना है

81. कौन-सा मूल्यांकन मॉडल पाठ्यचर्या के लक्षित परिणामों (Intended Outcomes) की तुलना वास्तविक परिणामों से करने पर ध्यान केंद्रित करता है?
(A) टायलर का उद्देश्य-आधारित मूल्यांकन मॉडल (Tyler's Objective-Based Evaluation Model)
(B) लक्ष्य-मुक्त मूल्यांकन मॉडल (Goal-Free Evaluation Model)
(C) CIPP (संदर्भ, इनपुट, प्रक्रिया, उत्पाद - Context, Input, Process, Product) मॉडल
(D) किर्कपैट्रिक का प्रशिक्षण मूल्यांकन मॉडल (Kirkpatrick's Training Evaluation Model)

82. पाठ्यचर्या मूल्यांकन का CIPP (Context, Input, Process, Product) मॉडल किसके द्वारा विकसित किया गया था?
(A) प्रोफेसर राल्फ टायलर (Prof. Ralph Tyler)
(B) प्रोफेसर माइकल स्क्रिवेन (Prof. Michael Scriven)
(C) डैनियल स्टफलबीम (Daniel Stufflebeam)
(D) हिल्डा टाबा (Hilda Taba)

83. CIPP मॉडल में, 'संदर्भ मूल्यांकन' (Context Evaluation) पाठ्यचर्या विकास के किस चरण से निकटता से संबंधित है?
(A) आवश्यकता मूल्यांकन (Needs Assessment)
(B) उद्देश्य निर्धारित करना (Setting Objectives)
(C) कार्यान्वयन (Implementation)
(D) अंतिम योगात्मक मूल्यांकन (Final Summative Assessment)

84. पाठ्यचर्या विकास के लिए टायलर का तर्क चार मौलिक प्रश्नों के आसपास बनाया गया है। निम्नलिखित में से कौन-सा उन प्रश्नों में से एक नहीं है?
(A) विद्यालय को किन शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए?
(B) कौन-से शैक्षिक अनुभव प्रदान किए जा सकते हैं जिनसे इन उद्देश्यों को प्राप्त करने की संभावना है?
(C) इन शैक्षिक अनुभवों को प्रभावी ढंग से कैसे व्यवस्थित किया जा सकता है?
(D) इन अनुभवों को प्रदान करने के लिए विद्यालय को कितना शुल्क लेना चाहिए?

85. एक पाठ्यचर्या डेवलपर सामग्री का चयन करने से पहले व्यवहारात्मक उद्देश्यों (Behavioral Objectives) को परिभाषित करने पर अत्यधिक निर्भर करता है। डेवलपर तब छात्र परिणामों को कड़ाई से इन शुरुआती उद्देश्यों के खिलाफ मापता है। यह प्रक्रिया किसका एक क्लासिक अनुप्रयोग है?
(A) टाबा का ज़मीनी मॉडल (Taba's Grassroots Model)
(B) टायलर का मॉडल (Tyler's Model)
(C) वायगोत्स्की का निर्मितिवादी मॉडल (Vygotsky's Constructivist Model)
(D) आइजनर का कलात्मक दृष्टिकोण (Eisner's Artistic Approach)

86. टायलर के पाठ्यचर्या विकास मॉडल के खिलाफ अक्सर की जाने वाली आलोचना यह है कि:
(A) यह अत्यधिक असंरचित, अप्रत्याशित और शिक्षण रूप से अराजक (Chaotic) है
(B) यह औपचारिक शैक्षिक मूल्यांकन घटक को पूरी तरह से अनदेखा और छोड़ देता है
(C) यह रेखीय और यांत्रिक (Linear and Mechanistic) है, जो अधिगम की उभरती प्रकृति को अनदेखा करता है
(D) यह विशेष रूप से उच्च शिक्षा संस्थानों पर ध्यान केंद्रित करता है

87. टायलर के मॉडल में, व्यापक शैक्षिक उद्देश्यों को फ़िल्टर करने के लिए उपयोग की जाने वाली 'स्क्रीन' (Screens) हैं:
(A) समष्टि अर्थशास्त्र (Macroeconomics) और राजनीतिक विज्ञान प्रणालियाँ
(B) अनुप्रयुक्त समाजशास्त्र और सांस्कृतिक मानवशास्त्र
(C) विश्व इतिहास और भौतिक भूगोल अध्ययन
(D) दर्शनशास्त्र और अधिगम का मनोविज्ञान (Philosophy and Psychology of Learning)

88. हिल्डा टाबा का पाठ्यचर्या विकास का मॉडल टायलर के मॉडल से मुख्य रूप से अलग है क्योंकि टाबा ने किसकी वकालत की थी:
(A) शिक्षक के नेतृत्व वाले आगमनात्मक ज़मीनी विकास (Teacher-led Inductive Grassroots Development)
(B) एक अत्यधिक केंद्रित, ऊपर से नीचे (Top-down) प्रशासनिक संरचनात्मक दृष्टिकोण
(C) स्थापित मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों का पूर्ण बहिष्कार
(D) सभी औपचारिक छात्र मूल्यांकन प्रक्रियाओं का पूर्ण उन्मूलन

NODIA

89. हिल्डा टाबा के पाठ्यचर्या विकास मॉडल के निम्नलिखित चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
I. उद्देश्यों का निर्माण (Formulation of Objectives)
II. आवश्यकताओं का निदान (Diagnosis of Needs)
III. विषय-वस्तु का चयन (Selection of Content)
IV. विषय-वस्तु का संगठन (Organization of Content)
(A) I, II, III, IV
(B) II, I, III, IV
(C) II, III, I, IV
(D) I, III, II, IV

90. भारत में पाठ्यचर्या की रुपरेखा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (National Council of Educational Research and Training - NCERT) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा (National Curriculum Framework - NCF) विकसित करने के लिए जिम्मेदार है।
II. NCF भारत में पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों और शिक्षण प्रथाओं के लिए एक दिशानिर्देश के रूप में कार्य करता है।
III. राज्य सरकारें बिना किसी संशोधन के NCF को अपनाने के लिए कानूनी रूप से बाध्य हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

91. NCERT द्वारा (NCF-SE 2023 से पहले) कितनी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखाएँ (National Curriculum Frameworks - NCFs) प्रकाशित की गई थीं?
(A) तीन (1975, 1988, 2000)
(B) चार (1975, 1988, 2000, 2005)
(C) पांच (1968, 1975, 1988, 2000, 2005)
(D) दो (1986, 2005)

92. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (National Curriculum Framework - NCF) 2005 ने "शिक्षा बिना बोझ के" (Learning Without Burden) शीर्षक वाली रिपोर्ट से काफी प्रेरणा ली। इस रिपोर्ट को तैयार करने वाली समिति की अध्यक्षता किसने की थी?
(A) प्रो. डी.एस. कोठारी (Prof. D.S. Kothari)
(B) डॉ. के. कस्तूरीरंगन (Dr. K. Kasturirangan)
(C) प्रो. जे.पी. नायक (Prof. J.P. Naik)
(D) प्रो. यशपाल (Prof. Yash Pal)

93. निम्नलिखित में से कौन-सा NCF 2005 के पांच मार्गदर्शक सिद्धांतों में से एक है?
(A) यह सुनिश्चित करना कि अधिगम को कड़ाई से रटने की विधियों की ओर स्थानांतरित किया जाए
(B) संज्ञानात्मक बोझ को कम करने के लिए पाठ्यचर्या को पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रखना
(C) स्कूली शिक्षा के सभी चरणों में प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं को बढ़ावा देना
(D) ज्ञान को विद्यालय के बाहर के जीवन से जोड़ना

94. NCF 2005 के अनुसार, एक शिक्षक की भूमिका किस रूप में है?
(A) सख्त अनुशासनप्रिय (Disciplinarian)
(B) सुगमकर्ता (Facilitator)
(C) ज्ञान का प्राथमिक स्रोत
(D) निष्क्रिय पर्यवेक्षक (Passive Observer)

95. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): NCF 2005 ने परीक्षाओं को अधिक लचीला बनाने और उन्हें कक्षा के जीवन के साथ एकीकृत करने पर जोर दिया।
कारण (R): उच्च-जोखिम वाली बोर्ड परीक्षाएं अक्सर अत्यधिक तनाव पैदा करती हैं और वैचारिक समझ के बजाय रटने को बढ़ावा देती हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) A सही है लेकिन R गलत है।
(D) A गलत है लेकिन R सही है।

96. NCF 2005 के तहत, शिक्षणशास्त्र में 'निर्मितिवाद/रचनावाद' (Constructivism) की अवधारणा का तात्पर्य है:
(A) छात्रों को प्रत्येक शैक्षणिक विषय के लिए भौतिक त्रि-आयामी मॉडल (3D Models) बनाने चाहिए
(B) शिक्षक छात्रों को लिखने के लिए व्यापक विस्तृत श्रुतलेख नोट्स बनाते हैं
(C) विद्यालय भवन की भौतिक अवसंरचना और सुविधाओं को लगातार उन्नत किया जाना चाहिए
(D) शिक्षार्थी नए विचारों को जोड़कर सक्रिय रूप से ज्ञान का निर्माण (Construct Knowledge) करते हैं

97. बुनियादी चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (National Curriculum Framework for Foundational Stage - NCF-FS) 2022 किस आयु वर्ग के बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करती है?
(A) 3 से 8 वर्ष
(B) 6 से 14 वर्ष
(C) 0 से 6 वर्ष
(D) 5 से 11 वर्ष

98. NCF-FS 2022 प्राचीन भारतीय परंपराओं के आधार पर विकास के क्षेत्रों (पंचकोश) को वर्गीकृत करता है। निम्नलिखित में से कौन-सा इस ढांचे में उल्लिखित कोशों में से एक नहीं है?
(A) अन्नमय कोश (शारीरिक विकास)
(B) प्राणमय कोश (जीवन ऊर्जा का विकास)
(C) अर्थालय कोश (आर्थिक विकास)
(D) विज्ञानमय कोश (बौद्धिक विकास)

99. बुनियादी चरण के लिए NCF-FS 2022 द्वारा अनुशंसित मुख्य शैक्षणिक दृष्टिकोण मुख्य रूप से है:
(A) शुरुआती वर्षों में पारंपरिक औपचारिक व्याख्यान-प्रदर्शन विधियां (Lecture-Demonstration Methods)
(B) वर्णमाला, संख्याओं और बुनियादी पहाड़ों का व्यवस्थित रटना
(C) व्यापक औपचारिक लिखित गृहकार्य असाइनमेंट और दोहराव वाला अभ्यास कार्य
(D) खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और पूछताछ-आधारित अधिगम (Play-based, Activity-based, and Inquiry-based Learning)

100. एक प्राथमिक विद्यालय के प्राचार्य देखते हैं कि ग्रेड 1 के शिक्षक 6 साल के बच्चों को 4 घंटे पंक्तियों में बैठाकर बोर्ड से अक्षर कॉपी करवा रहे हैं। विद्यालय को NCF-FS 2022 के साथ संरेखित करने के लिए, प्राचार्य को क्या सुधारात्मक निर्देश देना चाहिए?
(A) हस्तलेखन की स्पष्टता में सुधार के लिए पाठ कॉपी करने के लिए आवंटित दैनिक समय बढ़ाएं
(B) शब्दावली प्रतिधारण की जांच के लिए अनिवार्य साप्ताहिक लिखित परीक्षाएं (Written Examinations) शुरू करें
(C) शिक्षणशास्त्र को अनुभवजन्य, खेल-आधारित विधियों (Play-way Methods) में स्थानांतरित करें
(D) उन छोटे बच्चों को दंडित करें जो पाठ के दौरान ध्यान खो देते हैं या बेचैनी प्रदर्शित करते हैं

101. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy - NEP) 2020 ने स्कूली पाठ्यचर्या को एक नए शैक्षणिक डिज़ाइन में पुनर्गठित करने की सिफारिश की। यह संरचना क्या है?

Downloaded from www.pdf.tube

(A) 10 + 2 + 3
(B) 5 + 3 + 3 + 4
(C) 8 + 4 + 2
(D) 4 + 4 + 4 + 4

102. NEP 2020 पाठ्यचर्या संरचना के तहत, 'प्रारंभिक चरण' (Preparatory Stage) में कौन-सी कक्षाएं शामिल हैं?
(A) 1 से 3
(B) 3 से 5
(C) 6 से 8
(D) 9 से 12

103. पाठ्यचर्या के बोझ को कम करने के लिए NEP 2020 में किस प्रमुख पाठ्यचर्या सुधार पर जोर दिया गया है?
(A) मिडल स्कूल से बुनियादी विज्ञान और गणित विषयों को पूरी तरह से समाप्त करना
(B) सभी ग्रेडों के सभी शैक्षणिक विषयों को एक ही समेकित पाठ्यपुस्तक में विलय करना
(C) विद्यालय पाठ्यचर्या डिज़ाइन और वितरण को पूरी तरह से निजी निगमों (Private Corporations) को आउटसोर्स करना
(D) आलोचनात्मक सोच (Critical Thinking) को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यचर्या को मुख्य अनिवार्य तत्वों तक कम करना

104. NEP 2020 ग्रेड 3 तक 'FLN' पर जोर देने की वकालत करता है। FLN का पूरा नाम क्या है?
(A) कार्यात्मक साक्षरता एवं अनुप्रयुक्त संख्यात्मक कौशल (Functional Literacy and Applied Numeracy Skills)
(B) मूलभूत भाषाएँ एवं आधारभूत संख्या प्रणाली (Fundamental Languages and Basic Number Systems)
(C) प्रारुपिक अधिगम एवं प्रकृति-आधारित शिक्षा (Formative Learning and Nature-based Education)
(D) मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (Foundational Literacy and Numeracy - FLN)

105. NEP 2020 पाठ्यचर्या सुधारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह कम से कम ग्रेड 5 तक बहुभाषावाद (Multilingualism) और मातृभाषा/स्थानीय भाषा में पढ़ाने को बढ़ावा देता है।
II. यह कला और विज्ञान, और पाठ्यचर्या एवं पाठ्येतर गतिविधियों के बीच कठोर विभाजन की वकालत करता है।
III. यह इंटर्नशिप के साथ कक्षा 6 से व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education) की शुरुआत करता है।
IV. यह योगात्मक से रचनात्मक, योग्यता-आधारित मूल्यांकन (Competency-based Assessment) में बदलाव की सिफारिश करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I, II, और III
(B) केवल I, III, और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) I, II, III, और IV

106. एक योग्यता-आधारित पाठ्यचर्या (Competency-Based Curriculum) में, प्राथमिक ध्यान किस पर होता है?
(A) कक्षा के भीतर छात्र द्वारा लगातार बिताया गया कुल औपचारिक शिक्षण समय
(B) प्रथम शैक्षणिक सत्र के भीतर कड़ाई से निर्धारित पाठ्यपुस्तक पाठ्यक्रम को पूरा करना
(C) स्पष्ट स्कोरिंग रुब्रिक्स (Scoring Rubrics) के बिना कक्षा शिक्षकों द्वारा आयोजित विषयपरक मूल्यांकन
(D) विशिष्ट, मापने योग्य कौशलों और ज्ञान पर शिक्षार्थी का स्वामित्व (Mastery)

107. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प योग्यता-आधारित पाठ्यचर्या से सबसे तीव्र विषमता (Contrast) दर्शाता है?
(A) व्यापक परिणाम-आधारित शिक्षा ढांचा (Outcome-Based Education Framework)
(B) व्यवस्थित स्वामित्व अधिगम शिक्षण मॉडल (Mastery Learning Model)
(C) समय-आधारित पाठ्यचर्या (Time-based / Carnegie Unit Curriculum)
(D) मानकीकृत मापदंड-संदर्भित मूल्यांकन मॉडल (Criterion-Referenced Assessment Model)

108. योग्यता-आधारित पाठ्यचर्या की ओर बदलाव के लिए मूल्यांकन (Assessments) को कैसा होना चाहिए?
(A) छात्र उपलब्धि समूहों को रैंक करने के लिए पूरी तरह से मानक-संदर्भित परीक्षणों (Norm-Referenced Tests) के रूप में तैयार
(B) पूरी स्कूली शिक्षा अवधि के अंतिम समापन पर कड़ाई से एक बार प्रशासित
(C) केवल तथ्यात्मक याद रखने का आकलन करने वाले बहुविकल्पीय लिखित परीक्षणों के माध्यम से संचालित
(D) ज्ञान के अनुप्रयोग की आवश्यकता वाले प्रामाणिक कार्य (Authentic Tasks)

NODIA

109. कौशल-आधारित पाठ्यचर्या एकीकरण (Skill-based Curriculum Integration) की एक परिभाषित विशेषता क्या है?
(A) सभी शैक्षणिक विषयों में 21वीं सदी के कौशलों को शामिल करना (Embedding 21st-century Skills)
(B) शैक्षणिक विषयों को व्यावहारिक व्यावसायिक कौशल कार्यक्रमों (Vocational Skill Programs) से कड़ाई से अलग रखना
(C) केवल शैक्षणिक रूप से कमजोर छात्रों को व्यावसायिक कौशल मार्गों में भेजना

(D) सभी व्यावहारिक कौशल एकीकरण को विशेष रुप से शारीरिक शिक्षा कक्षाओं तक सीमित रखना

110. निम्नलिखित कौशलों पर विचार कीजिए:
I. रचनात्मकता (Creativity)
II. रटकर याद करना (Rote Memorization)
III. डिजिटल साक्षरता (Digital Literacy)
IV. समस्या-समाधान (Problem-Solving)
आधुनिक पाठ्यचर्या में एकीकृत किए जाने वाले मुख्य 21वीं सदी के कौशलों (21st-Century Skills) के रूप में ऊपर उल्लेखित में से किनकी पहचान की गई है?
(A) केवल I, III, और IV
(B) केवल I, II, और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) केवल I और IV

111. विद्यालयी पाठ्यचर्या में मूल्य शिक्षा (Value Education) के एकीकरण का मुख्य उद्देश्य क्या है?
(A) प्रारंभिक रोजगार के लिए अत्यधिक विशिष्ट तकनीकी कौशल (Technical Skills) प्रदान करना
(B) यह सुनिश्चित करना कि छात्र धार्मिक ग्रंथों और प्राचीन मूलभूत ग्रंथों को याद रखें
(C) नैतिक तर्क शक्ति और संवैधानिक मूल्यों का विकास करना (Ethical Reasoning and Constitutional Values)
(D) माध्यमिक विद्यालय में मानव सामाजिक विज्ञान के औपचारिक शिक्षण को पूरी तरह से बदलना

112. समकालीन पाठ्यचर्या नीतियों के अनुसार, विद्यालयों में मूल्य शिक्षा को कैसे निष्पादित किया जाना चाहिए?
(A) एक निर्दिष्ट पाठ्यपुस्तक का उपयोग करके सप्ताह में एक बार एक अलग विषय (Separate Subject) के रूप में पढ़ाया जाना
(B) बाहरी विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत आवधिक अतिथि व्याख्यानों के माध्यम से विशेष रूप से दिया जाना
(C) व्यवहारात्मक उल्लंघनों के लिए दंडात्मक प्रशासनिक उपायों के माध्यम से सख्ती से लागू किया जाना
(D) विषयों, गतिविधियों और विद्यालयी संस्कृति में समग्र रूप से एकीकृत (Integrated Holistically)

113. संपूर्ण भारत में पर्यावरण शिक्षा (Environmental Education) किसके निर्देश के बाद विद्यालयी पाठ्यचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा बन गई?
(A) पर्यावरण और वन मंत्रालय
(B) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (United Nations Environment Programme - UNEP)
(C) राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal - NGT)
(D) भारत का सर्वोच्च न्यायालय (एम.सी. मेहता मामला)

114. पाठ्यचर्या में पर्यावरण शिक्षा को निष्पादित करने के लिए सबसे प्रभावी शिक्षण दृष्टिकोण कौन-सा है?
(A) स्थानीय और वैश्विक पर्यावरण प्रदूषण स्तरों के संबंध में औपचारिक व्याख्यान नोट्स (Lecture Notes) लिखवाना
(B) अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण संधियों और समझौतों के सटीक शीर्षकों और तिथियों को याद करना
(C) बिना किसी अनुवर्ती चर्चा के कक्षा के दौरान निष्क्रिय रुप से शैक्षिक प्रकृति वृत्तचित्र देखना
(D) परियोजना-आधारित स्थानीय पर्यावरण ऑडिट और संरक्षण गतिविधियाँ (Project-based Local Environmental Audits)

115. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): NCF 2005 और NEP 2020 जैसे आधुनिक शैक्षिक ढांचों में सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों (Co-curricular Activities) को अब 'पाठ्येतर' (Extra-curricular) नहीं कहा जाता है।
कारण (R): इन गतिविधियों को समग्र पाठ्यचर्या का एक अभिन्न और आवश्यक हिस्सा माना जाता है, जो संज्ञानात्मक विकास के साथ-साथ भावात्मक और मनोप्रेरणा विकास में योगदान देता है।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) A सही है लेकिन R गलत है।
(D) A गलत है लेकिन R सही है।

116. निम्नलिखित में से किसे एक शैक्षणिक विषय के बजाय एक सह-पाठ्यचर्या गतिविधि (Co-curricular Activity) माना जाता है?
(A) बीजगणित (Algebra)
(B) भारतीय इतिहास (Indian History)
(C) वाद-विवाद समाज (Debating Society)
(D) कार्बनिक रसायन विज्ञान (Organic Chemistry)

117. विद्यालयी पाठ्यचर्या में सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों को एकीकृत करने में एक प्राचार्य के लिए प्राथमिक प्रबंधकीय चुनौती क्या है?
(A) अतिरिक्त गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए पर्याप्त वित्तीय और सामग्री संसाधन (Material Resources) सुरक्षित करना
(B) ऐसे उत्साही छात्रों की पहचान करना जो भाग लेने के लिए सक्रिय रूप से तैयार हों
(C) राज्य शिक्षा अधिकारियों से औपचारिक प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करना
(D) समान छात्र सहभागिता के लिए शिक्षण समय को संतुलित करना (Balancing Instructional Time)

Click Here to Buy book on Amazon

118. समावेशी कक्षाओं (Inclusive Classrooms) के लिए पाठ्यचर्या अनुकूलन (Curriculum Adaptation) में मुख्य रूप से शामिल है:
(A) राष्ट्रीय शैक्षिक प्रदर्शन मानकों को कम करना ताकि दिव्यांग छात्र आसानी से उत्तीर्ण हो सकें
(B) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (Children with Special Needs - CwSN) को किसी भी औपचारिक मूल्यांकन से पूरी तरह छूट देना
(C) विविध आवश्यकताओं के लिए सामग्री, शिक्षण और मूल्यांकन (Assessment) को संशोधित करना
(D) विविध शिक्षार्थियों के लिए पूरी तरह से अलग, पृथक विशेष विद्यालय स्थापित करना

119. एक शिक्षक डिस्लेक्सिया (Dyslexia) से पीड़ित छात्र को ग्राफिक आयोजक और ऑडियोबुक प्रदान करता है जबकि बाकी कक्षा एक मानक पाठ पढ़ती है। यह किसका एक उदाहरण है?
(A) पूर्ण संरचनात्मक पाठ्यचर्या प्रतिस्थापन और संशोधन (Modification)
(B) परोक्ष या अलिखित शून्य पाठ्यचर्या रणनीति
(C) अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन / समायोजन (Universal Design for Learning / Accommodation)
(D) संस्थागत विशेष शिक्षा पृथक्करण

120. दृष्टिबाधित एक छात्र कक्षा IX में नामांकित है। प्राचार्य को व्यावहारिक विज्ञान कक्षाओं के दौरान इस छात्र के लिए पाठ्यचर्या अनुकूलन सुनिश्चित करना चाहिए। सबसे उपयुक्त कार्रवाई कौन-सी है?
(A) छात्र को विज्ञान प्रयोगात्मक परीक्षा (Practical Examination) से पूरी तरह मुक्त करना और औसत अंक देना
(B) दृष्टिबाधित छात्र को एक विशिष्ट आवासीय संस्थान में स्थानांतरित करना
(C) छात्र को भौतिक प्रयोगों में शामिल हुए बिना प्रयोगशाला नियमावली याद करने की आवश्यकता होना
(D) स्पर्शनीय मॉडल (Tactile Models) और श्रवण व्यावहारिक विकल्प (Auditory Practical Options) प्रदान करना

121. वह ढांचा जो शुरुआत से ही व्यक्तिगत अधिगम भिन्नताओं को समायोजित करने वाले लचीले अधिगम वातावरण के विकास का मार्गदर्शन करता है, कहलाता है:
(A) व्यापक मानकीकृत शिक्षण ढांचा (Standardized Teaching Framework)
(B) अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL)
(C) अनुप्रयुक्त व्यवहार संशोधन परिचालन ढांचा
(D) कठोर रेखीय प्रगति पाठ्यचर्या डिज़ाइन

122. निम्नलिखित में से कौन पाठ्यचर्या डिज़ाइन में उपयोग किए जाने वाले अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL) का सिद्धांत नहीं है?
(A) छात्र जुड़ाव के कई लचीले साधन प्रदान करना
(B) सूचना प्रतिनिधित्व के लिए कई विकल्प प्रदान करना
(C) एक एकल, मानकीकृत मूल्यांकन विधि प्रदान करना
(D) शारीरिक क्रिया और अभिव्यक्ति के कई साधन प्रदान करना

123. 'विभेदित पाठ्यचर्या' (Differentiated Curriculum) दृष्टिकोण यह सुझाव देता है कि शिक्षकों को छात्रों की किसके आधार पर सामग्री, प्रक्रिया और उत्पाद में विभेदन करना चाहिए?
(A) शारीरिक लंबाई, शरीर द्रव्यमान सूचकांक (Body Mass Index) और वजन मेट्रिक्स
(B) सामाजिक-आर्थिक घरेलू स्थिति और जातीय पृष्ठभूमि
(C) माता-पिता की औपचारिक शैक्षणिक योग्यता और पृष्ठभूमि
(D) छात्र तत्परता, रुचियां और अधिगम प्रोफाइल (Student Readiness, Interests, and Learning Profiles)

NODIA

124. प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों (Gifted Learners) के लिए पाठ्यचर्या को संशोधित करते समय, 'संवर्धन' (Enrichment) से तात्पर्य है:
(A) छात्रों को तेजी से ग्रेड स्तरों (Grade Levels) को छोड़ने की अनुमति देकर गति देना
(B) गहरे, अंतर-विषयक अधिगम अनुभव (Deeper, Interdisciplinary Learning Experiences) प्रदान करना
(C) छात्रों को लगातार व्यस्त रखने के लिए अतिरिक्त नियमित अभ्यास कार्य सौंपना
(D) प्रतिभाशाली छात्रों को दिन भर शैक्षणिक रूप से कमजोर साथियों को ट्यूशन पढ़ाने की आवश्यकता होना

125. एक नए प्राचार्य पाते हैं कि विद्यालय का पाठ्यचर्या निष्पादन अत्यधिक श्रुतलेख (Dictation) पर निर्भर करता है। शिक्षक नोट्स लिखवाते हैं, और छात्र उन्हें कॉपी करते हैं। मूल्यांकन केवल इन नोट्स की याददाश्त का परीक्षण करते हैं। एक स्टाफ बैठक में, प्राचार्य NEP 2020 के साथ संरेखित एक शैक्षणिक ढांचे की ओर स्थानांतरित करने का निर्णय लेते हैं। निम्नलिखित निर्देशों में से कौन-सा सबसे उपयुक्त पहला कदम है?
(A) शिक्षण को बदले बिना तुरंत सभी विषयों में खुली किताब परीक्षाएं (Open-book Examinations) अनिवार्य करना
(B) असंतोषजनक शिक्षणशास्त्र के लिए सभी शिक्षण कर्मचारियों को प्रशासनिक कारण बताओ नोटिस (Show Cause Notice) जारी करना
(C) शिक्षण नवाचार को मजबूर करने के लिए विद्यालय परिसर से मुद्रित पाठ्यपुस्तकों को पूरी तरह से

(C) सृजन करना (Creating)
(D) समझना (Understanding)

160. एक माध्यमिक विद्यालय "देशभक्ति पाठ्यचर्या" शुरू करता है। इसका स्पष्ट उद्देश्य रटने वाली परीक्षाओं के बजाय चिंतनशील चर्चाओं और गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के बीच संवैधानिक मूल्य, नागरिक जिम्मेदारी और देश के प्रति प्रेम पैदा करना है। यह मुख्य रूप से किस प्रकार के पाठ्यचर्या सुधार का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) भावात्मक क्षेत्र पर केंद्रित मूल्य-शिक्षा एकीकरण (Value-education Integration)
(B) अत्यधिक विषय-केंद्रित संज्ञानात्मक सामग्री अतिभार और दोहराव
(C) आर्थिक लाभ के लिए डिज़ाइन किया गया विशिष्ट व्यावसायिक कौशल विकास (Vocational Skill Development)
(D) आधुनिक शिक्षा प्रणालियों के भीतर रणनीतिक शून्य पाठ्यचर्या संवर्धन

161. भारतीय संदर्भ में विशुद्ध रूप से 'शिक्षार्थी-केंद्रित' (Learner-Centered) पाठ्यचर्या को लागू करने में एक प्रमुख चुनौती क्या है?
(A) उच्च छात्र-शिक्षक अनुपात और कठोर बोर्ड परीक्षा प्रणालियां (High Student-Teacher Ratios and Rigid Board Exam Systems)
(B) आधुनिक शिक्षण सिद्धांतों तक प्रशासनिक पहुंच का पूर्ण अभाव
(C) छोटे स्कूली बच्चों की ज्ञान प्राप्त करने की अंतर्निहित अनिच्छा
(D) कक्षाओं में व्यक्तिगत शिक्षण संसाधनों (Individual Learning Resources) की अत्यधिक उपलब्धता

162. 'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन' (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) की अवधारणा, जो पहले पाठ्यचर्या के केंद्र में थी, का मुख्य उद्देश्य था:
(A) उच्च-जोखिम वाली बोर्ड परीक्षाओं (Board Examinations) की कुल संख्या में काफी वृद्धि करना
(B) शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक विकास का लगातार मूल्यांकन करना (Evaluating Scholastic and Co-scholastic Growth)
(C) यह सुनिश्चित करना कि कक्षा शिक्षक नेतृत्व द्वारा निरंतर मूल्यांकन के अधीन हैं
(D) सभी मानकीकृत परीक्षाओं में न्यूनतम उत्तीर्ण अंकों को कम करना

163. 'पाठ्यचर्या निष्पादन' (Curriculum Transaction) शब्द से तात्पर्य है:
(A) नामांकित स्कूली छात्रों द्वारा सीधे पाठ्यपुस्तकों की व्यावसायिक खरीद (Commercial Purchase)
(B) राज्य और केंद्रीय बोर्डों के बीच पाठ्यचर्या योजना दस्तावेजों का आदान-प्रदान
(C) कक्षा में पाठ्यचर्या का वास्तविक निष्पादन और वितरण (Actual Execution and Delivery of Curriculum)
(D) बाहरी पेशेवर पाठ्यचर्या डेवलपर्स को सीधे किया गया वित्तीय भुगतान

164. पाठ्यचर्या विकास में, 'संतुलन' (Balance) के सिद्धांत से तात्पर्य है:
(A) सभी विषयों की मुद्रित पाठ्यपुस्तकों में समान भौतिक भार बनाए रखना
(B) संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्रों में समय और जोर को संतुलित करना
(C) संस्थान में पुरुष और महिला शिक्षण कर्मचारियों के अनुपात को संतुलित करना
(D) यह सुनिश्चित करना कि वार्षिक संस्थागत परिचालन बजट पूरी तरह से संतुलित रहे

165. एक प्राचार्य इतिहास की पाठ योजना की समीक्षा करते हैं। शिक्षक 1857 के विद्रोह के बारे में 40 मिनट तक व्याख्यान देने और पाठ्यपुस्तक के 5 प्रश्नों को हल कराने की योजना बनाता है। NCF 2005 के निर्मितिवादी दृष्टिकोण के साथ इसे संरेखित करने के लिए, प्राचार्य को शिक्षक को क्या सलाह देनी चाहिए?
(A) प्राथमिक स्रोतों, भूमिका निभाने (Role-plays), वाद-विवाद और विश्लेषणात्मक प्रश्नों का उपयोग करें
(B) व्याख्यान की अवधि को 30 मिनट तक कम करें और पाठ्यपुस्तक के 10 प्रश्न असाइन करें
(C) व्याख्यान देने के बजाय छात्रों से कक्षा में पाठ्यपुस्तक को ज़ोर से पढ़वाएं
(D) ऐतिहासिक विषय को पूरी तरह से छोड़ दें क्योंकि इसमें आधुनिक प्रासंगिकता का अभाव है

166. एक पाठ्यचर्या जो "जीवन कौशलों" (Life Skills) (जैसे निर्णय लेना, समस्या-समाधान, सहानुभूति, तनाव से निपटना) पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है, वह किसके सिफारिशों के सबसे करीब से मेल खाती है?
(A) विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization - WHO) और यूनिसेफ (UNICEF)
(B) विश्व बैंक शैक्षिक विकास समूह
(C) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष शिक्षा निदेशालय
(D) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद नीति प्रभाग

167. पाठ्यचर्या विकास में 'उदारवादी/सर्वग्राही दृष्टिकोण' (Eclectic Approach) का अर्थ है:
(A) विचारधारा के किसी एक पारंपरिक दार्शनिक स्कूल का कड़ाई से पालन करना
(B) विभिन्न शैक्षिक दर्शनों से सर्वोत्तम तत्वों का सामंजस्य स्थापित करना
(C) विशेष रूप से विद्युत, डिजिटल और तकनीकी कौशल सेट पर ध्यान केंद्रित करना
(D) ज्ञान के सभी पारंपरिक और ऐतिहासिक रूपों की पूर्ण

Downloaded from www.pdf.tube

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY
PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

134. किस शैक्षिक सिद्धांतकार का 'समीपस्थ विकास का क्षेत्र' (Zone of Proximal Development - ZPD) पर काम सामाजिक निर्मितिवादी पाठ्यचर्या डिज़ाइन को अत्यधिक प्रभावित करता है?
(A) जीन पियाजे (Jean Piaget)
(B) लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky)
(C) बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner)
(D) हावर्ड गार्डनर (Howard Gardner)

135. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): योग्यता-आधारित शिक्षा (Competency-Based Education - CBE) के लिए पाठ्यचर्या कार्यान्वयन में एक लचीली गति संरचना की आवश्यकता होती है।
कारण (R): CBE में, छात्र विशिष्ट योग्यताओं में महारत का प्रदर्शन करने पर आगे बढ़ते हैं, जिसका अर्थ है कि अधिगम स्थिर रहता है और समय परिवर्तनशील बन जाता है।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) A सही है लेकिन R गलत है।
(D) A गलत है लेकिन R सही है।

136. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (Central Board of Secondary Education - CBSE) द्वारा अनिवार्य और NEP 2020 के साथ संरेखित 'कला-समेकित अधिगम' (Art-Integrated Learning) का समावेशन किसके लिए डिज़ाइन किया गया है?
(A) ललित कला को एक उच्च-जोखिम वाले अनिवार्य शैक्षणिक परीक्षा विषय के रूप में स्थापित करना
(B) सभी विषयों में अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए शैक्षणिक उपकरणों के रूप में कला रूपों का उपयोग करना
(C) सभी नामांकित स्कूली छात्रों को पेशेवर दृश्य कलाकार बनने के लिए प्रशिक्षित करना
(D) पारंपरिक शारीरिक शिक्षा कक्षाओं को पूरी तरह से रचनात्मक नृत्य से बदलना

137. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प 'परियोजना-आधारित अधिगम' (Project-Based Learning - PBL) पाठ्यचर्या का वर्णन करता है?
(A) पूरे साल पाठ्यपुस्तकें पढ़ना और अंत में एक छोटा चार्ट पेपर प्रोजेक्ट (Chart Paper Project) बनाना
(B) छात्र प्रतिलेखन के लिए शिक्षकों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक स्मार्टबोर्ड पर टाइप किए गए नोट्स प्रोजेक्ट करना
(C) प्राचार्यों द्वारा खाली समय में छात्रों को नियमित प्रशासनिक कार्य सौंपना
(D) प्रामाणिक, जटिल समस्याओं का छात्रों द्वारा विस्तारित अन्वेषण (Extended Student Investigation)

NODIA

138. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा (NCF) 2005 ने 'शिक्षा की बैंकिंग अवधारणा' (Banking Concept of Education) की कड़ी आलोचना की। यह आलोचना मूल रूप से किसके द्वारा तैयार की गई थी?
(A) पॉलो फ्रीरे (Paulo Freire)
(B) इवान इलिच (Ivan Illich)
(C) जॉन हॉल्ट (John Holt)
(D) रवींद्रनाथ टैगोर (Rabindranath Tagore)

139. पाठ्यचर्या योजना में, 'विशिष्टता तालिका' (Table of Specifications / Blueprint) का उपयोग मुख्य रूप से किसके लिए किया जाता है?
(A) विद्यालय की कक्षाओं और सुविधाओं का वास्तुशिल्प संरचनात्मक लेआउट डिज़ाइन करना
(B) लक्षित विषय-वस्तु और संज्ञानात्मक स्तरों (Cognitive Levels) के साथ मूल्यांकन उपकरणों का मिलान करना
(C) पूरे शैक्षणिक वर्ष के लिए सटीक परिचालन मास्टर समय-सारणी तैयार करना
(D) मानकीकृत विज्ञान प्रयोगों के लिए आवश्यक भौतिक प्रयोगशाला संसाधनों की सूची बनाना

140. एक सरकारी विद्यालय के प्राचार्य को अहसास होता है कि किशोरों में पढ़ाई छोड़ने की दर (Dropout Rate) अधिक है, विशेष रूप से रुचि की कमी और पाठ्यचर्या की अप्रासंगिकता के कारण। NEP 2020 के दिशा-निर्देशों के आधार पर, कौन-सा पाठ्यचर्या हस्तक्षेप इस जनसांख्यिकी के लिए जुड़ाव और प्रतिधारण में सुधार करने की सबसे अधिक संभावना रखता है?
(A) छात्र अनुपस्थिति के लिए प्रशासनिक दंड में काफी वृद्धि करना
(B) व्यावसायिक शिक्षा, कोडिंग और स्थानीय शिल्प को एकीकृत करना
(C) सभी विषयों में दिए गए सैद्धांतिक गृहकार्य की कुल मात्रा को दोगुना करना
(D) अनुशासन लागू करने के लिए बिना पूर्व सूचना के दैनिक लिखित इकाई परीक्षण प्रशासित करना

141. 'पाठ्यचर्या मैपिंग' (Curriculum Mapping) की अवधारणा का सबसे अच्छा वर्णन किस रूप में किया गया है?
(A) सामाजिक अध्ययन कक्षा शिक्षण के दौरान विस्तृत भौगोलिक मानचित्र बनाना
(B) विभिन्न ग्रेड स्तरों में अंतरालों (Gaps), अनावश्यकताओं और विसंगतियों की पहचान करना
(C) विद्यालय में भाग लेने के लिए छात्रों द्वारा यात्रा की जाने वाली भौतिक दूरी को मापना
(D) विशिष्ट शैक्षणिक धाराओं के लिए छात्र संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता मेट्रिक्स का मानचित्रण करना

142. NEP 2020 के तहत "बुनियादी चरण" पाठ्यचर्या (आयु 3-8) की एक प्रमुख विशेषता निम्नलिखित में से कौन-सी है?
(A) औपचारिक लिखित बोर्ड परीक्षाओं पर अत्यधिक

प्रशासनिक निर्भरता
(B) भौतिकी और रसायन विज्ञान जैसे शैक्षणिक विषयों का कठोर विभाजन
(C) कक्षा 1 और 2 के साथ प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (Early Childhood Care and Education - ECCE) को निर्बाध रूप से एकीकृत करना
(D) कंप्यूटर कोडिंग (Computer Coding) और व्यावसायिक प्रशिक्षण की अनिवार्य प्रारंभिक शुरुआत

143. NCF 2005 के अनुसार, 'स्थानीय ज्ञान और पारंपरिक कौशलों' को होना चाहिए:
(A) औपचारिक सार्वजनिक शिक्षा ढांचों से व्यवस्थित रूप से समाप्त और बाहर (Excluded) किया जाना
(B) औपचारिक शैक्षणिक पाठ्यपुस्तक ज्ञान की तुलना में मौलिक रूप से हीन माना जाना
(C) मान्यता प्राप्त और विद्यालयी पाठ्यचर्या में एकीकृत (Recognized and Integrated)
(D) अनौपचारिक, गैर-औपचारिक वयस्क शिक्षा केंद्रों के भीतर विशेष रूप से पढ़ाया जाना

144. पाठ्यचर्या में 'अनुभवजन्य अधिगम' (Experiential Learning) में किसका चक्र शामिल है?
(A) अनुभव करना, चिंतन करना, अवधारणा बनाना और प्रयोग करना (Experiencing, Reflecting, Conceptualizing, and Experimenting)
(B) असाइन किया गया पाठ पढ़ना, तथ्यों को याद करना, परीक्षण देना और विवरण भूल जाना (Forgetting Details)
(C) व्याख्यान सुनना, श्रुतलेख कॉपी करना, पाठ सुनाना और पुनः प्रस्तुत करना
(D) गतिविधियों की योजना बनाना, गलतियों को सजा देना, नियमों को लागू करना और ग्रेडिंग करना

145. पाठ्यचर्या में आईसीटी (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी - Information and Communication Technology - ICT) के एकीकरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह सीखने के माहौल को शिक्षक-केंद्रित से शिक्षार्थी-केंद्रित में स्थानांतरित करता है।
II. इसका उपयोग केवल कंप्यूटर विज्ञान विषयों के लिए एक पूरक उपकरण के रूप में किया जाता है।
III. यह व्यक्तिगत शिक्षण मार्गों और तत्काल प्रतिक्रिया को सक्षम बनाता है।
IV. यह एक भौतिक शिक्षक की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल I, II, और III
(C) केवल II और IV
(D) केवल I, III, और IV

146. कौन-सा पाठ्यचर्या दृष्टिकोण पारंपरिक शैक्षणिक विषयों के बजाय व्यापक सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक विषयों के आसपास अधिगम को व्यवस्थित करता है?
(A) विषय-आधारित / विषयगत पाठ्यचर्या (Theme-based / Thematic Curriculum)
(B) पारंपरिक अनुशासन-आधारित पाठ्यचर्या मॉडल (Discipline-based Curriculum Model)
(C) कड़ाई से कालानुक्रमिक विषय पाठ्यचर्या
(D) औपचारिक शैक्षणिक विषय पाठ्यचर्या

147. एक पाठ्यचर्या जो छात्रों को "क्या सोचना है" के बजाय "कैसे सोचना है" सिखाने पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है, वह किसको प्राथमिकता देती है?
(A) व्यवस्थित तथ्यात्मक ज्ञान प्राप्ति (Factual Knowledge Acquisition)
(B) प्रक्रिया कौशल और आलोचनात्मक सोच (Process Skills and Critical Thinking)
(C) पारंपरिक रटने की तकनीकें
(D) स्थापित मानदंडों में समावेश

148. वाक्य "पाठ्यचर्या किसी लक्ष्य तक पहुँचने का एक दौड़ का मैदान है" का अर्थ है कि:
(A) शिक्षा स्वाभाविक रूप से प्रतिस्पर्धी है जहाँ केवल सबसे तेज़ छात्र ही सफल होते हैं
(B) शैक्षिक उद्देश्यों की ओर एक संरचित मार्ग प्रदान करना
(C) शारीरिक शिक्षा और ट्रैक प्रतियोगिताएं सबसे महत्वपूर्ण विषय हैं
(D) अधिगम कार्यों को कम से कम संभव समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए

149. पाठ्यचर्या के प्रकारों और उनकी परिभाषाओं के संबंध में गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) प्रत्यक्ष पाठ्यचर्या (Overt Curriculum) - लिखित, आधिकारिक, लक्षित पाठ्यचर्या
(B) शून्य पाठ्यचर्या (Null Curriculum) - वह पाठ्यचर्या जो विद्यालय के नियमों के माध्यम से परोक्ष रूप से पढ़ाई जाती है
(C) फैंटम पाठ्यचर्या (Phantom Curriculum) - औपचारिक विद्यालय सेटिंग के बाहर मीडिया और अनुभव के माध्यम से छात्रों द्वारा अवशोषित संदेश
(D) सहवर्ती पाठ्यचर्या (Concomitant Curriculum) - जो घर पर या परिवारों द्वारा सिखाया जाता है

150. टायलर के पाठ्यचर्या विकास मॉडल के निम्नलिखित चरणों पर विचार कीजिए:
I. अधिगम अनुभवों का चयन
II. शैक्षिक उद्देश्यों की पहचान
III. अधिगम अनुभवों का संगठन
IV. अधिगम अनुभवों का मूल्यांकन
इन चरणों का सही क्रमिक क्रम क्या है?
(A) II, I, III, IV

Click Here to Buy book on Flipkart

(B) I, II, III, IV
(C) II, III, I, IV
(D) III, I, II, IV

151. प्रतिभाशाली छात्रों (Gifted Students) के लिए पाठ्यचर्या विकसित करने में निम्नलिखित में से कौन-सा तत्व महत्वपूर्ण है?
(A) शैक्षणिक सामग्री वितरण की गति को धीमा करना
(B) मौलिक बुनियादी कौशलों का बार-बार दोहराव और अभ्यास बढ़ाना
(C) पाठ्यचर्या संपीड़न और संवर्धन के अवसर (Curriculum Compacting and Enrichment Opportunities)
(D) केवल उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) और बुनियादी सुदृढ़ीकरण पर ध्यान केंद्रित करना

152. 'पाठ्यचर्या संपीड़न' (Curriculum Compacting) में शामिल है:
(A) एक छोटे स्कूली दिन में सभी शैक्षणिक विषयों का संपीड़न (Compacting)
(B) चुनौतीपूर्ण सामग्री प्रदान करने के लिए ज्ञात सामग्री को छोड़ना (Skipping known content to provide challenging material)
(C) सभी ग्रेड स्तरों पर भारी, व्यापक मुद्रित पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करना
(D) तीन अलग-अलग कक्षाओं को एक बड़े भौतिक शिक्षण स्थान में विलय करना

153. एक शिक्षक ध्यान देता है कि सामग्री में लैंगिक रूढ़िवादिता (जैसे केवल महिलाओं को घरेलू भूमिकाओं में और केवल पुरुषों को पेशेवर भूमिकाओं में दिखाना) शामिल है। कक्षा में इन रूढ़िवादिताओं को संबोधित करना और चुनौती देना किसमें हस्तक्षेप करना शामिल है?
(A) कोर पाठ्यचर्या (Core Curriculum)
(B) शून्य पाठ्यचर्या (Null Curriculum)
(C) प्रच्छन्न/गुप्त पाठ्यचर्या (Hidden Curriculum)
(D) पाठ्येतर कार्यक्रम (Extracurricular Program)

154. पाठ्यचर्या विकास प्रक्रिया में 'आवश्यकता मूल्यांकन' (Needs Assessment) की क्या भूमिका है?
(A) संस्थागत प्रबंधन बजट के भीतर वित्तीय घाटे की पहचान करना
(B) वर्तमान छात्र स्थिति और शैक्षिक लक्ष्यों के बीच के अंतर की पहचान करना
(C) विद्यालयों की भौतिक अवसंरचना और सुविधा विस्तार आवश्यकताओं का आकलन करना
(D) विद्यालय के लिए सटीक प्रशासनिक कर्मचारियों की आवश्यकताओं की गणना करना

155. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): पाठ्यचर्या के भीतर विभेदित निर्देश (Differentiated Instruction) मानकीकृत परीक्षण (Standardized Testing) के साथ असंगत है।
कारण (R): विभेदित निर्देश व्यक्तिगत छात्र प्रोफाइल के लिए अधिगम को अनुकूलित करता है, जबकि मानकीकृत परीक्षण सभी छात्रों से एक समान प्रदर्शन मेट्रिक्स की मांग करता है, जिससे पाठ्यचर्या निष्पादन में एक मौलिक तनाव पैदा होता है।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) A सही है लेकिन R गलत है।
(D) A गलत है लेकिन R सही है।

156. 'शैक्षणिक विषय-वस्तु ज्ञान' (Pedagogical Content Knowledge - PCK) शब्द, जो पाठ्यचर्या निष्पादन के लिए महत्वपूर्ण है, किसके द्वारा गढ़ा गया था?
(A) ली शुलमैन (Lee Shulman)
(B) हावर्ड गार्डनर (Howard Gardner)
(C) जॉन डीवी (John Dewey)
(D) बी.एस. ब्लूम (B.S. Bloom)

157. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प शैक्षणिक विषय-वस्तु ज्ञान (Pedagogical Content Knowledge - PCK) को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) विशिष्ट शैक्षणिक विषय-वस्तु की गहरी, उन्नत महारत का प्रदर्शन करना
(B) मानक कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) जैसी सामान्य शिक्षण रणनीतियों को लागू करना
(C) सामग्री को सुलभ बनाने के लिए विषय और शिक्षण ज्ञान को प्रतिच्छेदित करना (Intersecting Subject and Teaching Knowledge)
(D) कक्षाओं के भीतर आधुनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकी उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना

158. शैक्षिक उद्देश्यों के ब्लूम के वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy) का अत्यधिक उपयोग पाठ्यचर्या विकास के किस चरण में किया जाता है?
(A) व्यापक आवश्यकता मूल्यांकन चरण (Needs Assessment Phase)
(B) उद्देश्य निर्धारित करना और मूल्यांकन (Setting Objectives and Evaluation)
(C) संस्थागत बजटीकरण और आवंटन
(D) शैक्षिक नीति निर्माण प्रक्रिया

159. संशोधित ब्लूम वर्गीकरण (Revised Bloom's Taxonomy) में, पाठ्यचर्या उद्देश्यों को निर्धारित करने के लिए संज्ञानात्मक प्रसंस्करण (Cognitive Processing) का उच्चतम स्तर है:
(A) मूल्यांकन करना (Evaluating)
(B) विश्लेषण करना (Analyzing)

Downloaded from www.pdf.tube

Lectures)
(D) सख्त विभागीयकरण (Strict Departmentalization)

177. एक शिक्षक पाठ्यचर्या मैपिंग सॉफ्टवेयर (Curriculum Mapping Software) का उपयोग करता है। विद्यालय प्रशासन के लिए इस उपकरण का प्राथमिक लाभ क्या है?
(A) विभिन्न कक्षाओं में दैनिक छात्र उपस्थिति मेट्रिक्स को ट्रैक करना
(B) अंतरालों को रोकने के लिए मानकों, शिक्षण और परीक्षाओं को संरेखित करना
(C) दिए गए कुल शिक्षण घंटों के आधार पर शिक्षकों के वेतन की गणना करना
(D) नए विद्यालय भवनों के लिए संरचनात्मक वास्तुशिल्प फ़्लोर प्लान डिज़ाइन करना

178. अब्राहम मैस्लो और कार्ल रोजर्स से प्रभावित 'मानवतावादी पाठ्यचर्या' (Humanistic Curriculum) किसको प्राथमिकता देती है?
(A) प्रारंभिक स्कूली शिक्षा में शास्त्रीय साहित्य पठन को सख्ती से लागू करना
(B) व्यक्तिगत विकास, आत्म-साक्षात्कार और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देना
(C) सख्त पुरस्कारों और दंडों का उपयोग करने वाले व्यवहारात्मक अनुकूलन मॉडल
(D) कारखाने के काम और औद्योगिक शारीरिक श्रम के लिए तैयार की गई व्यावसायिक तैयारी

179. जब कोई शैक्षिक बोर्ड किसी विषय से कुछ अध्यायों को स्थायी रूप से हटाने का निर्णय लेता है क्योंकि उन्हें पुराना या अप्रासंगिक माना जाता है, तो यह किसका अभ्यास है?
(A) व्यापक शैक्षिक पाठ्यचर्या मूल्यांकन (Comprehensive Evaluation)
(B) पाठ्यचर्या विकास और सामग्री की काट-छाँट (Content Pruning)
(C) प्रणालीगत संस्थागत पाठ्यचर्या जोड़ना
(D) कार्यक्रम संबंधी निर्देशात्मक पाठ्यचर्या दोहराव

180. एक विद्यालय एक नया "उद्यमिता मानसिकता पाठ्यचर्या" (Entrepreneurship Mindset Curriculum - EMC) लागू करता है। छात्रों को छोटे व्यावसायिक विचारों को विकसित करने और निष्पादित करने के लिए सीड मनी (Seed Money) दी जाती है। वे टीमों में काम करते हैं, बजट का प्रबंधन करते हैं और अपने परिणामों को प्रस्तुत करते हैं। यहाँ मुख्य रूप से किस शैक्षणिक दृष्टिकोण का उपयोग किया जाता है?
(A) औपचारिक निगमनात्मक शैक्षणिक शिक्षण
(B) पारंपरिक रटने की रणनीति
(C) अनुभवजन्य और परियोजना-आधारित अधिगम (Experiential and Project-Based Learning)
(D) प्रत्यक्ष शिक्षक-नेतृत्व वाली निर्देशात्मक विधि (Direct Instruction Method)

181. पाठ्यचर्या अनुकूलन के संदर्भ में, एक 'समायोजन' (Accommodation) 'संशोधन' (Modification) से इस अर्थ में भिन्न है कि:
(A) समायोजन अधिगम के लक्ष्यों को बदलता है, संशोधन डिलीवरी को बदलता है
(B) समायोजन पहुंच (Access) को बदलता है, संशोधन अपेक्षाओं (Expectations) को बदलता है
(C) वे विशेष शिक्षा में समान विनिमेय शब्दों का प्रतिनिधित्व करते हैं
(D) समायोजन प्रतिभाशाली छात्रों के लिए है, संशोधन धीमे शिक्षार्थियों के लिए है

NODIA

182. ध्यान न्युन्ता एवं अतिसक्रियता विकार (Attention Deficit Hyperactivity Disorder - ADHD) से पीड़ित एक छात्र को मानकीकृत पाठ्यचर्या परीक्षण पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाता है और वह इसे एक शांत कमरे में देता है। यह किसका एक उदाहरण है?
(A) व्यापक संरचनात्मक पाठ्यचर्या संशोधन (Curriculum Modification)
(B) शिक्षण समायोजन (Instructional Accommodation)
(C) औपचारिक प्रशासनिक पाठ्यचर्या छूट
(D) वैकल्पिक विशिष्ट पाठ्यचर्या मार्ग

183. शिक्षा के किस मूलभूत दार्शनिक ने "बच्चे की प्रकृति" और प्राकृतिक वातावरण पर आधारित पाठ्यचर्या की वकालत की, जिसे 'एमिल' (Emile) पुस्तक में स्पष्ट रूप से व्यक्त किया गया था?
(A) दार्शनिक जॉन लॉक (John Locke)
(B) जीन-जैक्स रूसो (Jean-Jacques Rousseau)
(C) शास्त्रीय दार्शनिक प्लेटो (Plato)
(D) शास्त्रीय दार्शनिक अरस्तू (Aristotle)

184. पाठ्यचर्या मूल्यांकन के लिए 'व्यक्तिपरक' या 'कलात्मक' दृष्टिकोण, जो केवल परीक्षण अंकों के बजाय गुणात्मक अनुभवों और शैक्षिक आलोचना पर ध्यान केंद्रित करता है, किसके द्वारा प्रस्तावित किया गया था?
(A) राल्फ टायलर (Ralph Tyler)
(B) एलियट आइजनर (Elliot Eisner)
(C) बेंजामिन ब्लूम (Benjamin Bloom)
(D) बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner)

185. पाठ्यचर्या कार्यान्वयन में रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह प्रकृति में निदानात्मक (Diagnostic) है।
II. यह शिक्षकों और छात्रों को निरंतर प्रतिक्रिया (Continuous Feedback) प्रदान करता है।
III. अगली कक्षा में अंतिम पदोन्नति के लिए इसे अत्यधिक

अस्वीकृति

168. कौन-सा पाठ्यचर्या डिज़ाइन मौजूदा सामाजिक असमानताओं, शक्ति संरचनाओं को स्पष्ट रुप से चुनौती देता है और सामाजिक परिवर्तन का लक्ष्य रखता है?
(A) पारंपरिक रूढ़िवादी पाठ्यचर्या (Traditional Conservative Curriculum)
(B) सामाजिक पुनर्निर्माणवादी पाठ्यचर्या (Social Reconstructionist Curriculum)
(C) मानक विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या
(D) शास्त्रीय शाश्वतवादी पाठ्यचर्या

169. शैक्षिक मापन में "पाठ्यचर्या संरेखण" (Curriculum Alignment) शब्द विशेष रुप से किसे संदर्भित करता है?
(A) कठोर रेखीय कक्षा पंक्तियों में छात्र डेस्क की भौतिक व्यवस्था (Physical Arrangement)
(B) मूल्यांकन, पाठ्यचर्या और शिक्षण के बीच मिलान (Match between Assessments, Curriculum, and Instruction)
(C) अंतर्राष्ट्रीय कानून के साथ व्यक्तिगत विद्यालय परिचालन नीतियों का संरेखण
(D) पाठ्यपुस्तक अध्यायों में ऐतिहासिक घटनाओं की क्रमिक कालानुक्रमिक व्यवस्था

170. पाठ्यचर्या नेतृत्व में प्राचार्य की निम्नलिखित भूमिकाओं पर विचार कीजिए:
I. यह सुनिश्चित करना कि शिक्षकों के पास आवश्यक शिक्षण संसाधन हों।
II. कक्षा अवलोकनों के माध्यम से पाठ्यचर्या वितरण की निगरानी करना।
III. शिक्षक के पढ़ाने के तरीके में किसी भी हस्तक्षेप से पूरी तरह बचना।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

171. यदि कोई पाठ्यचर्या 'अभिक्रमायोजित अनुदेशन' (Programmed Instruction) या कंप्यूटर-आधारित ड्रिल-एंड-प्रैक्टिस पर अत्यधिक निर्भर करती है, तो यह किस मनोवैज्ञानिक सिद्धांत पर आधारित है?
(A) निर्मितिवाद / रचनावाद (Constructivism)
(B) व्यवहारवाद (Behaviorism)
(C) मानवतावाद (Humanism)
(D) गेस्टाल्ट मनोविज्ञान (Gestalt Psychology)

172. NCF 2005 के अनुसार, गणित के शिक्षण को मुख्य रुप से किस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए?
(A) तीव्र मानसिक गणितीय गणनाओं और गति तकनीकों में महारत हासिल करना
(B) जटिल गणितीय सूत्रों और प्रक्रियात्मक नियमों को याद करना
(C) गणितीय सोच, तर्क और समस्या-समाधान कौशलों का विकास करना
(D) छात्रों को विशेष रुप से राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं के लिए तैयार करना

173. पाठ्यचर्या में 'खेल-समेकित अधिगम' (Sports-Integrated Learning) को शामिल करने का तात्पर्य है:
(A) सभी स्कूली घंटों के दौरान छात्रों को शारीरिक खेलों में शामिल होने की आवश्यकता होना
(B) शैक्षणिक अवधारणाओं, टीम वर्क और लचीलेपन को सिखाने के लिए खेलों का उपयोग करना
(C) बुनियादी शैक्षणिक विज्ञान कक्षाओं को शारीरिक शिक्षा से बदलना
(D) छात्र एथलीटों को शैक्षणिक विषयों में कृत्रिम कृपांक (Grace Marks) प्रदान करना

174. निम्नलिखित में से कौन-सा पाठ्यचर्या में पर्यावरण शिक्षा को एकीकृत करने का उद्देश्य नहीं है?
(A) गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों के बारे में सक्रिय सार्वजनिक जागरुकता पैदा करना
(B) प्राकृतिक संरक्षण के प्रति व्यक्तिगत जिम्मेदारी की गहरी भावना को बढ़ावा देना
(C) पारिस्थितिक संतुलन पर अंधाधुंध औद्योगीकरण को बढ़ावा देना
(D) सभी नागरिकों के बीच टिकाऊ रोजमर्रा की जीवन शैली के विकल्पों को प्रोत्साहित करना

175. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रुप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) एक कठोर, समान पाठ्यचर्या के बजाय अत्यधिक लचीली पाठ्यचर्या की मांग करती है।
कारण (R): एक समावेशी कक्षा में विविध शिक्षार्थियों की अलग-अलग संज्ञानात्मक क्षमताएं, अधिगम शैलियां और शारीरिक आवश्यकताएं होती हैं जिन्हें "एक आकार सभी के लिए उपयुक्त" (One size fits all) शिक्षण दृष्टिकोण द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता है।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) A सही है लेकिन R गलत है।
(D) A गलत है लेकिन R सही है।

176. एक एकीकृत पाठ्यचर्या (Integrated Curriculum) देने के लिए कौन-सी शिक्षण रणनीति सबसे प्रभावी है?
(A) रटकर सीखना (Rote Learning)
(B) विषयगत इकाइयाँ (Thematic Units)
(C) पृथक विषय व्याख्यान (Isolated Subject

Click Here to Buy book on Amazon

प्रतिबंधित करना
(D) पूछताछ-आधारित (Inquiry-based) और अनुभवजन्य शिक्षणशास्त्र (Experiential Pedagogy) पर कार्यशालाएं आयोजित करना

126. ज्ञान के विखंडन को दूर करने के लिए कौन-सा पाठ्यचर्या डिज़ाइन 'व्यापक क्षेत्रों' (Broad Fields) (जैसे भूगोल, इतिहास और नागरिक शास्त्र को सामाजिक अध्ययन में जोड़ना) का उपयोग करता है?
(A) क्षैतिज रूप से सह-संबंधित पाठ्यचर्या ढांचा (Horizontally Correlated Framework)
(B) संगलित या व्यापक-क्षेत्र पाठ्यचर्या (Fused or Broad-fields Curriculum)
(C) शिक्षार्थी अनुभव-केंद्रित पाठ्यचर्या
(D) मूलभूत कोर पाठ्यचर्या मॉडल

127. 'पाठ्यचर्या संरेखण' (Curriculum Alignment) की अवधारणा किसके बीच सामंजस्य सुनिश्चित करती है?
(A) औपचारिक पाठ्यक्रम, निर्धारित पाठ्यपुस्तकें और वार्षिक राज्य बजट
(B) प्राचार्य का समग्र शैक्षिक दृष्टिकोण और माता-पिता की मांगें
(C) कक्षाओं का भौतिक वास्तुशिल्प लेआउट और मास्टर समय-सारणी (Master Timetable)
(D) उद्देश्यों, शिक्षण और मूल्यांकन के बीच संरेखण (Alignment between Objectives, Instruction, and Assessment)

128. 'पाठ्यचर्या अतिभार' (Curriculum Overload) का मुद्दा तब होता है जब:
(A) अत्यधिक सामग्री की मात्रा उपलब्ध शिक्षण समय से अधिक हो जाती है
(B) एक ही कक्षा के स्थान में अत्यधिक छात्र नामांकन संख्या मौजूद होती है
(C) शिक्षक पाठों में आधुनिक तकनीकी उपकरणों का अत्यधिक उपयोग करते हैं
(D) विद्यालय पुस्तकालय शैक्षणिक संदर्भ पुस्तकों का अनावश्यक अधिशेष प्राप्त करते हैं

129. NEP 2020 में कहा गया है कि सभी विषयों में पाठ्यचर्या को उसके 'मुख्य अनिवार्य तत्वों' (Core Essentials) तक कम किया जाना चाहिए। इसका प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) कुल पाठ्यपुस्तक मुद्रण और कागज की लागत में काफी कमी करना
(B) कक्षा शिक्षकों को अतिरिक्त मुफ्त अनआवंटित कालांश प्रदान करना
(C) सरकारी विद्यालयों के कुल परिचालन शिक्षण घंटों को छोटा करना
(D) आलोचनात्मक सोच, पूछताछ और विश्लेषण-आधारित अधिगम को सक्षम बनाना

130. निम्नलिखित तत्वों पर विचार कीजिए:
I. प्रच्छन्न/गुप्त पाठ्यचर्या (Hidden Curriculum)
II. स्पष्ट पाठ्यचर्या (Explicit Curriculum)
III. शून्य पाठ्यचर्या (Null Curriculum)
ऊपर दिए गए तत्वों में से कौन-सा/से विद्यालय के भीतर छात्र के मूल्यों, अभिवृत्तियों और सामाजिककरण को महत्वपूर्ण रूप से आकार देता है/देते हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

131. शिक्षण शब्दावली में, 'लागू पाठ्यचर्या' (Enacted Curriculum) किसका समानार्थी है?
(A) राज्य विधान सभा द्वारा सीधे तैयार की गई औपचारिक शैक्षिक पाठ्यचर्या (Formal Curriculum)
(B) कक्षा में वितरित और अनुभव की गई पाठ्यचर्या (Curriculum delivered and experienced in the classroom)
(C) NCERT द्वारा केंद्रीय रूप से प्रकाशित सैद्धांतिक व्यापक-स्तरीय ढांचा दिशानिर्देश
(D) मानकीकृत विषय सामग्री जिसका परीक्षण राष्ट्रीय निकास परीक्षाओं में कड़ाई से किया जाता है

132. पाठ्यचर्या कार्यान्वयन के भीतर अधिगम 'का' मूल्यांकन (Assessment 'of' Learning) और अधिगम 'के लिए' मूल्यांकन (Assessment 'for' Learning) के बीच प्राथमिक अंतर क्या है?
(A) अधिगम 'का' मूल्यांकन विशुद्ध रूप से रचनात्मक (Formative) है; अधिगम 'के लिए' मूल्यांकन योगात्मक (Summative) है
(B) अधिगम 'का' मूल्यांकन छात्रों द्वारा किया जाता है; अधिगम 'के लिए' मूल्यांकन प्राचार्यों द्वारा किया जाता है
(C) अधिगम 'का' मूल्यांकन गुणात्मक है; अधिगम 'के लिए' मूल्यांकन मात्रात्मक है
(D) 'का' (Of) अतीत की उपलब्धि का मूल्यांकन करता है; 'के लिए' (For) चल रहे शिक्षण को निर्देशित करता है

133. निर्मितिवादी/रचनावादी पाठ्यचर्या डिज़ाइन (Constructivist Curriculum Design) इस ज्ञानमीमांसीय विश्वास पर आधारित है कि:
(A) ज्ञान पूर्ण, सार्वभौमिक है और इसे पूरी तरह से अपरिवर्तित प्रसारित (Transmitted) किया जाना चाहिए
(B) ज्ञान पर्यावरणीय बातचीत के माध्यम से सक्रिय रूप से निर्मित होता है (Actively Constructed)
(C) ज्ञान जैविक है और इसे पूरी तरह से प्रकट होने के लिए केवल शारीरिक परिपक्वता की आवश्यकता होती है
(D) ज्ञान बाहरी उद्दीपनों के प्रति व्यवहारात्मक प्रतिक्रियाओं का एक यांत्रिक समूह है

NODIA

महत्व दिया जाता है।

IV. यह निरंतर आधार पर शिक्षण रणनीतियों को संशोधित करने में मदद करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-से सही हैं?

(A) केवल I, II, और III

(B) केवल II, III, और IV

(C) केवल I, II, और IV

(D) I, II, III, और IV

186. महत्वपूर्ण सिद्धांत (Critical Theory) से प्राप्त "प्रैक्सिस के रूप में पाठ्यचर्या" (Curriculum as Praxis) की अवधारणा का अर्थ है कि पाठ्यचर्या है:

(A) समाज को बदलने के लिए सक्रिय चिंतन और कार्रवाई (Active Reflection and Action to Transform Society)

(B) सभी छात्रों द्वारा शब्दशः याद किया जाने वाला एक स्थिर मुद्रित दस्तावेज़ (Printed Document)

(C) कार्यस्थल नौकरियों के लिए व्यावहारिक यांत्रिक कौशलों की एक कार्यात्मक सूची

(D) शून्य वास्तविक दुनिया के व्यावहारिक अनुप्रयोग के साथ एक सैद्धांतिक शैक्षणिक मॉडल

187. NCF 2005 पर एक प्रमुख प्रभाव "शिक्षा बिना बोझ के" (Learning Without Burden) ने मुख्य रूप से किस मुद्दे को लक्षित किया?

(A) बैग का वजन और अतिभारित पाठ्यचर्या के तनाव को कम करना

(B) कक्षाओं में आधुनिक शिक्षण तकनीक की गंभीर कमी को दूर करना

(C) शिक्षकों के संरचनात्मक वेतन संकट के संबंध में लगातार मुद्दों को हल करना

(D) खेल और मनोरंजक सुविधाओं के संबंध में बुनियादी ढांचे के अंतरालों को समाप्त करना

188. एक निरीक्षण के दौरान, प्राचार्य पाते हैं कि सामाजिक विज्ञान शिक्षक ने "स्थानीय स्व-शासन" पर अध्याय छोड़ दिया क्योंकि "बोर्ड परीक्षा में इससे अधिक अंक नहीं आएंगे।" यह निर्णय लेकर, शिक्षक ने अनजाने में किसका निर्माण किया है?

(A) लागू पाठ्यचर्या (Enacted Curriculum)

(B) एकीकृत पाठ्यचर्या (Integrated Curriculum)

(C) शून्य पाठ्यचर्या (Null Curriculum)

(D) कोर पाठ्यचर्या (Core Curriculum)

189. NEP 2020 के अनुसार, योग्यता-आधारित पाठ्यचर्या का समर्थन करने के लिए, राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र को एक मानक-निर्धारण निकाय के रूप में स्थापित किया गया है। इसका संक्षिप्त नाम क्या है?

(A) दीक्षा (DIKSHA)

(B) परख (PARAKH)

(C) निष्ठा (NISHTHA)

(D) स्वयं (SWAYAM)

190. NEP 2020 में व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education) के एकीकरण के संबंध में निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

I. प्रत्येक बच्चा कम से कम एक व्यवसाय सीखेगा और कई अन्य व्यवसायों के संपर्क में आएगा।

II. व्यावसायिक शिक्षा कक्षा 6 से शुरू होगी, जिसमें इंटर्नशिप के लिए 10 दिनों की बस्ता-रहित अवधि (10-day Bagless Period) शामिल होगी।

III. व्यावसायिक शिक्षा विशेष रुप से उन छात्रों के लिए आरक्षित है जो शैक्षणिक विषयों में असफल होते हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(A) केवल I

(B) केवल II

(C) केवल I और II

(D) I, II, और III

191. पाठ्यचर्या का मूल्यांकन करने में, 'वैधता' (Validity) से तात्पर्य है:

(A) मूल्यांकन वही मापता है जो मापने का उसका इरादा है

(B) क्या मूल्यांकन मेट्रिक्स विस्तारित समय में सुसंगत परिणाम उत्पन्न करते हैं

(C) औसत शिक्षकों द्वारा निर्देशात्मक सामग्री को कितनी आसानी से वितरित किया जा सकता है

(D) मुद्रित पाठ्यचर्या अध्ययन सामग्री की कुल वित्तीय लागत-प्रभावशीलता

192. एक प्राचार्य यह मूल्यांकन करना चाहती हैं कि क्या वर्तमान विज्ञान पाठ्यचर्या छात्रों और समाज की आवश्यकताओं को पूरा कर रही है। वह पूर्व छात्रों, माता-पिता और स्थानीय उद्योग विशेषज्ञों का सर्वेक्षण करती हैं, और वर्तमान छात्र दक्षता की तुलना वांछित कौशलों से करती हैं। पाठ्यचर्या विकास के इस चरण को किस रूप में जाना जाता है?

(A) व्यापक योगात्मक कार्यक्रम मूल्यांकन (Summative Program Evaluation)

(B) आवश्यकता मूल्यांकन और स्थितिजन्य विश्लेषण (Needs Assessment and Situational Analysis)

(C) व्यवस्थित शैक्षणिक सामग्री अनुक्रमण

(D) औपचारिक शिक्षण प्रणाली डिज़ाइन चरण

193. जॉन डीवी से जुड़ा 'व्यावहारिकवाद' (Pragmatism) का दर्शन किस प्रकार की पाठ्यचर्या का समर्थन करता है?

(A) विषय-केंद्रित और स्थिर (Subject-centered and Static)

(B) अनुभव-केंद्रित, गतिविधि-आधारित और गतिशील (Experience-centered, Activity-based, and Dynamic)

(C) विशेष रूप से धार्मिक और नैतिक

(D) केवल शास्त्रीय साहित्य और प्राचीन भाषाओं पर केंद्रित

Downloaded from www.pdf.tube

194. 'गतिविधि पाठ्यचर्या' (Activity Curriculum) की आवश्यकता है कि शिक्षण-अधिगम किसके इर्द-गिर्द घूमना चाहिए?
(A) कड़ाई से क्रमिक कालानुक्रमिक क्रम में प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक अध्याय (Textbook Chapters)
(B) छात्र रुचियों द्वारा संचालित उद्देश्यपूर्ण गतिविधियाँ (Purposeful Activities Driven by Student Interests)
(C) केंद्रीय राज्य अधिकारियों द्वारा कड़ाई से डिज़ाइन की गई शिक्षण गतिविधियाँ
(D) अकेले पाठ्येतर खेल और एथलेटिक शारीरिक प्रशिक्षण अभ्यास

195. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): एक प्रभावी ढंग से डिज़ाइन की गई पाठ्यचर्या में शिक्षकों द्वारा 'क्रियात्मक अनुसंधान' (Action Research) के अवसरों को शामिल किया जाना चाहिए।
कारण (R): क्रियात्मक अनुसंधान शिक्षकों को अपनी कक्षाओं में पाठ्यचर्या कार्यान्वयन के दौरान आने वाली तत्काल, व्यावहारिक समस्याओं की व्यवस्थित रूप से जांच करने और उन्हें हल करने का अधिकार देता है।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) A सही है लेकिन R गलत है।
(D) A गलत है लेकिन R सही है।

196. कौन-सा शब्द उस पाठ्यचर्या का वर्णन करता है जहाँ छात्रों को यह चुनने की स्वतंत्रता होती है कि वे क्या सीखना चाहते हैं, वे इसे कैसे सीखना चाहते हैं, और उनका मूल्यांकन कैसे किया जाएगा, जो अक्सर वैकल्पिक या लोकतांत्रिक विद्यालयों में देखा जाता है?
(A) जनादेशित निर्देशात्मक औपचारिक पाठ्यचर्या
(B) खुली या शिक्षार्थी-निर्देशित पाठ्यचर्या (Open or Learner-directed Curriculum)
(C) मूलभूत कोर शैक्षणिक पाठ्यचर्या
(D) मानकीकृत राष्ट्रीयकृत विद्यालय पाठ्यचर्या (Standardized National Curriculum)

197. निर्देशात्मक डिज़ाइन और पाठ्यचर्या निष्पादन में 'स्कैफोल्डिंग' (Scaffolding) की अवधारणा का तात्पर्य है:
(A) अस्थायी सहायता जो एक शिक्षार्थी को कार्यों को पूरा करने में मदद करती है (Temporary Support Helping a Learner Achieve Tasks)
(B) विद्यालय के मैदान में भौतिक खेल के मैदान के उपकरण और संरचनाएं बनाना
(C) शैक्षणिक रूप से कमजोर छात्रों को खत्म करने के लिए अत्यधिक कठिन पाठ्यचर्या डिज़ाइन करना
(D) व्यक्तिगत आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए छात्रों को पूरी तरह से बिना सहायता के छोड़ना (Self-reliance)

198. एक विद्यालय में विविध छात्र आबादी है, जिसमें पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी और हाशिए के समुदायों के बच्चे शामिल हैं। प्राचार्य ध्यान देते हैं कि पाठ्यपुस्तकों में अक्सर इन छात्रों के लिए अजनबी सांस्कृतिक संदर्भ होते हैं। पाठ्यचर्या सार्थक हो यह सुनिश्चित करने के लिए, प्राचार्य को शिक्षकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए:
(A) एक कमी शिक्षण मॉडल (Deficit Pedagogical Model)
(B) सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षणशास्त्र (Culturally Responsive Pedagogy)
(C) अजनबी अवधारणाओं का रटकर सीखना
(D) इन छात्रों के लिए अपेक्षाओं को कम करने की रणनीति

199. NEP 2020 'समग्र प्रगति कार्ड' (Holistic Progress Card - HPC) की अवधारणा पेश करता है। यह पाठ्यचर्या मूल्यांकन को कैसे प्रभावित करता है?
(A) शैक्षिक मूल्यांकन को कड़ाई से मात्रात्मक प्रतिशत मेट्रिक्स (Quantitative Metrics) में स्थानांतरित करना
(B) सभी क्षेत्रों में प्रगति को दर्शाने वाला एक 360-डिग्री कार्ड (360-degree Card Reflecting Progress Across Domains)
(C) सभी शैक्षणिक परीक्षाओं को एक एकल अनिवार्य स्वास्थ्य जांच से बदलना
(D) छात्र मूल्यांकन प्रतिक्रिया को विशेष रूप से प्राचार्य के दृष्टिकोण तक सीमित रखना

200. भारत जैसे लोकतांत्रिक समाज में एक शैक्षिक पाठ्यचर्या का अंतिम उद्देश्य है:
(A) अत्यधिक समान, आज्ञाकारी और बिना सवाल पूछने वाले भावी नागरिकों का निर्माण करना (Passive Citizens)
(B) आलोचनात्मक, जिम्मेदार, योगदान देने वाले व्यक्तियों का विकास करना (Developing Critical, Responsible, Contributing Individuals)
(C) योग्यता की परवाह किए बिना सभी नागरिकों को विश्वविद्यालय की डिग्री प्राप्त करना सुनिश्चित करना
(D) निजी स्कूली शिक्षा प्रणालियों की समग्र व्यावसायिक लाभप्रदता को अधिकतम करना

NODIA
www.nodia.in

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) विद्यालय के तत्वावधान में विद्यार्थियों को प्रदान किए जाने वाले अधिगम अनुभवों की समग्रता
आधुनिक शैक्षिक प्रशासन (Educational Administration) में पाठ्यचर्या (Curriculum) केवल निर्धारित विषय-वस्तु तक सीमित नहीं है। यह संस्थागत तत्त्वावधान में शिक्षार्थियों को दिए जाने वाले सभी संगठित एवं असंगठित अधिगम अनुभवों (Learning Experiences) का समुच्चय है। यह व्यापक दृष्टिकोण बालक के सर्वांगीण विकास (Holistic Development) को बढ़ावा देता है और इसमें कक्षा-शिक्षण, सह-पाठ्यचर्या गतिविधियां (Co-curricular Activities) तथा वातावरण की संपूर्ण अंतःक्रियाएं शामिल हैं।

2. (C) दौड़ का मैदान (To run a racecourse)
पाठ्यचर्या (Curriculum) शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के 'करैरे' (Currere) शब्द से हुई है। इसका शाब्दिक अर्थ दौड़ का मैदान (Racecourse) होता है। शिक्षा शास्त्र में इसका आशय उस मार्ग से है जिस पर चलकर शिक्षार्थी अपने शैक्षणिक लक्ष्यों (Educational Goals) को प्राप्त करता है। यह अवधारणा दर्शाती है कि अधिगम एक निरंतर चलने वाली गतिशील प्रक्रिया (Dynamic Process) है जो निश्चित गंतव्य की ओर अग्रसर होती है।

3. (A) यह किसी विषय के निर्धारित पाठ्यक्रम (Syllabus) का पर्यायवाची है।
पाठ्यचर्या (Curriculum) और पाठ्यक्रम (Syllabus) दो भिन्न अवधारणाएं हैं। पाठ्यक्रम केवल किसी विशिष्ट विषय की निर्धारित पाठ्य-सामग्री की सूची होती है, जबकि पाठ्यचर्या एक व्यापक प्रत्यय है जिसमें संस्थागत वातावरण में होने वाली समस्त गतिविधियां और अधिगम अनुभव (Learning Experiences) शामिल होते हैं। पाठ्यचर्या गतिशील होती है तथा राष्ट्र के शैक्षिक दर्शन (Educational Philosophy) और सामाजिक परिवर्तनों का प्रतिनिधित्व करती है।

4. (D) कनिंघम - पाठ्यचर्या कलाकार (शिक्षक) के हाथ में अपने पदार्थ (विद्यार्थी) को ढालने का एक साधन है
कनिंघम के अनुसार पाठ्यचर्या (Curriculum) कलाकार अर्थात शिक्षक के हाथ में एक ऐसा साधन (Instrument) है, जिसके द्वारा वह अपनी सामग्री यानी शिक्षार्थी को अपने आदर्शों के अनुसार अपने स्टूडियो अर्थात विद्यालय में ढालता है। यह परिभाषा शिक्षक की केंद्रीय भूमिका और शैक्षणिक उद्देश्यों (Educational Objectives) की प्राप्ति में पाठ्यचर्या के निर्देशात्मक महत्व को सुस्पष्ट रूप से प्रतिपादित करती है।

5. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
पाठ्यचर्या (Curriculum) एक व्यापक संरचना है जिसके अंतर्गत पाठ्यक्रम (Syllabus) एक भाग के रूप में निहित होता है। पाठ्यक्रम मुख्यतः विषय-विशेष के सैद्धांतिक ज्ञान और निर्धारित पाठ्य-सामग्री तक सीमित रहता है। इसके विपरीत, पाठ्यचर्या विद्यालय के सर्वांगीण शैक्षणिक परिवेश, सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों (Co-curricular Activities) तथा विकासात्मक पहलों का समावेश करती है, जिससे शिक्षार्थियों का सर्वांगीण विकास (Holistic Development) संभव हो पाता है।

6. (C) सामुदायिक प्रतिक्रिया, उभरती प्रौद्योगिकियों और वर्तमान सामाजिक मुद्दों को विद्यालयी गतिविधियों में एकीकृत करना
गतिशील पाठ्यचर्या (Dynamic Curriculum) का प्रमुख लक्षण समकालीन सामाजिक आवश्यकताओं और परिवर्तनों के अनुसार निरंतर अनुकूलनशीलता है। जब कोई विद्यालय सामुदायिक प्रतिक्रिया (Community Feedback), नवीन तकनीकों और समकालीन सामाजिक मुद्दों को अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों में सम्मिलित करता है, तो शिक्षण प्रक्रिया व्यावहारिक एवं प्रासंगिक बनी रहती है। यह लचीलापन शिक्षार्थियों में समालोचनात्मक सोच (Critical Thinking) और सामाजिक जागरुकता विकसित करने में सहायक होता है।

7. (D) कक्षा के भीतर प्रत्यक्ष रूप से घटित होने वाले वास्तविक व्यावहारिक अनुभव
इच्छित पाठ्यचर्या (Intended Curriculum) उन औपचारिक उद्देश्यों और नीतिगत ढांचों को दर्शाती है जो शैक्षिक निकायों द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। इसके विपरीत, अधिनियमित पाठ्यचर्या (Enacted Curriculum) वह वास्तविक अंतःक्रियात्मक प्रक्रिया है जो कक्षा के भीतर शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच प्रत्यक्ष अधिगम अनुभवों (Learning Experiences) के रूप में घटित होती है। यह सैद्धांतिक नियोजन और व्यवहार्य कार्यान्वयन के अंतर को स्पष्ट करती है।

8. (A) पाठ्यचर्या समग्र शैक्षिक कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करती है, जबकि पाठ्यक्रम किसी विशेष विषय के विषयों की रूपरेखा तैयार करता है।
पाठ्यचर्या (Curriculum) संपूर्ण संस्थागत शैक्षिक कार्यक्रम की व्यापक रूपरेखा का निर्धारण करती है, जिसमें उद्देश्य, गतिविधियां और मूल्यांकन विधियां समाहित होती हैं। दूसरी ओर, पाठ्यक्रम (Syllabus) केवल किसी विशिष्ट विषय के अंतर्गत पढ़ाए जाने वाले प्रकरणों और उप-प्रकरणों की एक संरचित सूची मात्र होता है। पाठ्यचर्या का दायरा व्यापक होता है जबकि पाठ्यक्रम का दायरा अपेक्षाकृत सीमित और विषय-केन्द्रित होता है।

Click Here to Buy book on Flipkart

9. (B) पाठ्यक्रम संपूर्ण स्कूली शिक्षा चरण के लिए मान्य रहता है, जबकि पाठ्यचर्या प्रतिवर्ष बदलती है।
पाठ्यचर्या (Curriculum) दीर्घकालिक शैक्षिक लक्ष्यों और राष्ट्रीय ढांचों पर आधारित एक व्यापक ढांचा है जो संपूर्ण स्कूली शिक्षा चरण को दिशा प्रदान करता है। इसके विपरीत, पाठ्यक्रम (Syllabus) एक विशिष्ट शैक्षणिक वर्ष या ग्रेड स्तर के लिए तैयार किया जाता है और इसमें आवश्यकतानुसार प्रतिवर्ष संशोधन किया जा सकता है। इसलिए पाठ्यक्रम की तुलना में पाठ्यचर्या अधिक स्थायित्व और व्यापकता प्रदान करती है।

10. (B) केवल III
पाठ्यचर्या (Curriculum) एक व्यापक एवं एकीकृत प्रणाली है जिसके अंतर्गत स्पष्ट शैक्षिक लक्ष्य, अधिगम उद्देश्य, शिक्षण-शास्त्रीय रणनीतियां (Pedagogical Strategies) तथा विविध मूल्यांकन विधियां (Assessment Methods) सम्मिलित होती हैं। यह केवल विषय सामग्री तक सीमित न होकर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के समस्त पहलुओं का मार्गदर्शन करती है। 'सिलेबस' लैटिन नहीं बल्कि ग्रीक शब्द से व्युत्पन्न है तथा विषय-वार अलग-अलग डिज़ाइन किया जाता है।

11. (A) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (National Curriculum Framework)
राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (National Curriculum Framework - NCF) एक व्यापक मैक्रो-स्तरीय नीतिगत दस्तावेज़ (Macro-level Policy Document) है। यह देश की समग्र शैक्षिक दृष्टि, मूल्यों और शैक्षणिक सिद्धांतों को निर्धारित करता है। इसी मैक्रो-स्तरीय मार्गदर्शन से बाद में विभिन्न राज्यों और बोडो द्वारा विषय-वार सूक्ष्म-स्तरीय पाठ्यक्रम (Micro-level Syllabus) तथा पाठ्यपुस्तकों का निर्माण और विकास व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित किया जाता है।

12. (C) पाठ्यक्रम (Syllabus)
जब कोई शिक्षक किसी विशिष्ट विषय, जैसे इतिहास, के अध्यायों का समयबद्ध आवंटन और कालांशों (Periods) की संख्या निर्धारित करता है, तो वह पाठ्यक्रम (Syllabus) नियोजन कर रहा होता है। पाठ्यक्रम किसी विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र की विषय-वस्तु, इकाइयों तथा उनके शिक्षण की समय-सीमा को रेखांकित करता है। यह शिक्षक को कक्षा में विषय-वस्तु के व्यवस्थित और क्रमबद्ध संपादन में सहायता प्रदान करता है।

13. (D) पाठ्यक्रम (Syllabus)
पाठ्यक्रम (Syllabus) शिक्षकों के लिए एक मानकीकृत निर्देशात्मक दस्तावेज़ के रूप में कार्य करता है। यह स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है कि एक विशिष्ट समय सीमा के भीतर किस विषय-वस्तु को पढ़ाया जाना है और किस आधार पर विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया जाना है। यह शिक्षण प्रक्रिया में एकरुपता, स्पष्टता और निश्चितता लाता है जिससे शैक्षणिक सत्र का सुचारु संचालन संभव होता है।

14. (C) उपयोगिता का सिद्धांत (Principle of Utility)
पाठ्यचर्या निर्माण में उपयोगिता का सिद्धांत (Principle of Utility) इस बात पर बल देता है कि अधिगम सामग्री ऐसी होनी चाहिए जो शिक्षार्थियों को दैनिक जीवन की व्यावहारिक समस्याओं को हल करने में सक्षम बनाए। T.P. नन के अनुसार, पाठ्यचर्या में वही विषय शामिल किए जाने चाहिए जो बालक के वर्तमान और भावी व्यावहारिक जीवन के लिए उपयोगी तथा प्रासंगिक हों।

15. (B) अग्रदर्शी सिद्धांत (Principle of Forward-Looking)
अग्रदर्शी सिद्धांत (Principle of Forward-Looking) यह प्रतिपादित करता है कि पाठ्यचर्या को विद्यार्थियों को केवल वर्तमान के लिए ही नहीं, बल्कि भावी जीवन की तकनीकी, आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence) जैसे आधुनिक विषयों को सम्मिलित करना शिक्षार्थियों को भविष्य की कार्यप्रणाली और वैश्विक परिवर्तनों के अनुरूप ढालने की दूरदर्शी दृष्टि को दर्शाता है।

16. (D) पाठ्यचर्या को व्यक्तिगत मतभेदों को पूरा करना चाहिए और स्थानीय संदर्भों के अनुकूल होना चाहिए।
विविधता और लचीलेपन का सिद्धांत यह स्वीकार करता है कि शिक्षार्थियों में व्यक्तिगत भिन्नताएं (Individual Differences) पाई जाती हैं। इसलिए, पाठ्यचर्या को इतना लचीला होना चाहिए कि वह विविध क्षमताओं, रुचियों और सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले बालकों की आवश्यकताओं को पूरा कर सके। यह स्थानीय संदर्भों, क्षेत्रीय आवश्यकताओं और विशिष्ट अधिगम शैलियों के अनुसार पाठ्यचर्या अनुकूलन (Curriculum Adaptation) का अवसर प्रदान करता है।

17. (A) विषय के पृथक्कीकरण का सिद्धांत (Principle of subject compartmentalization)
आधुनिक पाठ्यचर्या निर्माण में ज्ञान के विखंडन या पृथक्कीकरण का विरोध किया जाता है। विषय पृथक्कीकरण का सिद्धांत एक अमान्य दृष्टिकोण है क्योंकि यह अधिगम को अलग-अलग खानों में बांटता है। इसके विपरीत, आधुनिक शिक्षा शास्त्र एकीकृत पाठ्यचर्या (Integrated Curriculum) और विषयों के बीच अंतर-विषयक संबंध (Interdisciplinary Correlation) स्थापित करने पर जोर देता है ताकि ज्ञान का समग्र रूप प्रस्तुत हो सके।

NODIA

18. (C) अगली पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों का हस्तांतरण
संरक्षण का सिद्धांत (Principle of Conservation) यह निर्दिष्ट करता है कि पाठ्यचर्या का एक प्रमुख कार्य मानव जाति द्वारा संचित ज्ञान, सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और नैतिक मूल्यों को संरक्षित करना तथा उन्हें अगली पीढ़ी को हस्तांतरित करना है। यह सिद्धांत सामाजिक निरंतरता बनाए रखने और शिक्षार्थियों में अपनी संस्कृति एवं ऐतिहासिक चेतना के प्रति आदर भाव विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

19. (A) पर्यावरण केंद्रितता का सिद्धांत (Principle of Environmental Centeredness)
पर्यावरण केंद्रितता का सिद्धांत (Principle of Environmental Centeredness) यह वकालत करता है कि अधिगम को बालक के immediate भौतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश से जोड़ा जाना चाहिए। स्थानीय कला रूपों और ऐतिहासिक स्थलों का पाठ्यचर्या में समावेश शिक्षार्थियों को उनके अपने वातावरण से जोड़ता है। इससे अधिगम अधिक सार्थक, प्रामाणिक और शिक्षार्थी के लिए व्यावहारिक रूप से बोधगम्य बन जाता है।

20. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
एकीकरण का सिद्धांत (Principle of Integration) ज्ञान को एक अखंड और समग्र इकाई मानता है। पारंपरिक विषय-सीमाएं वास्तविक जीवन में मौजूद नहीं होती हैं, क्योंकि व्यावहारिक समस्याएं अंतर-विषयक प्रकृति की होती हैं। विषयों के बीच की बाधाओं को तोड़कर सीखने से शिक्षार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों के बीच संबंध समझने में मदद मिलती है, जिससे अंतःविषय अधिगम (Interdisciplinary Learning) और समग्र चिंतन को बढ़ावा मिलता है।

21. (B) परिपक्वता का सिद्धांत (Principle of Maturity)
परिपक्वता का सिद्धांत (Principle of Maturity) यह सुनिश्चित करता है कि पाठ्यचर्या सामग्री शिक्षार्थियों की आयु, मानसिक क्षमता और संज्ञानात्मक विकास स्तर (Cognitive Development Level) के अनुकूल हो। यदि सामग्री बालक की जैविक और मानसिक परिपक्वता से अधिक कठिन होगी, तो यह कुंठा पैदा करेगी; यदि अत्यधिक सरल होगी, तो अधिगम की गति अवरुद्ध होगी। अतः संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

22. (C) व्यक्तिगत शिक्षार्थियों की आवश्यकताएं, रुचियां और विकासात्मक चरण
बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या (Child-centered Curriculum) के निर्माण का मुख्य केंद्र बिंदु बालक स्वयं होता है। इसमें अधिगम सामग्री, गतिविधियों और शिक्षण-शास्त्र का चयन शिक्षार्थियों की व्यक्तिगत रुचियों, क्षमताओं, प्राथमिकताओं और मनोवैज्ञानिक विकासात्मक चरणों (Developmental Stages) के आधार पर किया जाता है। यह दृष्टिकोण शिक्षार्थी की सक्रिय सहभागिता और व्यक्तिगत विकास की स्वतंत्रता को प्राथमिकता देता है, जिससे अधिगम अधिक प्रभावी होता है।

23. (D) ज्ञान के संचारक से अधिगम के सुगमकर्ता (Facilitator of Learning) के रूप में
बाल-केंद्रित शिक्षा शास्त्र के अंतर्गत शिक्षक की भूमिका ज्ञान के एकमात्र आधिकारिक स्रोत से बदलकर एक सुगमकर्ता (Facilitator) के रूप में हो जाती है। शिक्षक अब केवल सूचनाएं नहीं देता, बल्कि ऐसी परिस्थितियां और वातावरण निर्मित करता है जहां विद्यार्थी स्वयं खोजबीन, चिंतन और अंतःक्रिया के माध्यम से ज्ञान का निर्माण (Knowledge Construction) कर सकें और अपनी अधिगम प्रक्रिया को दिशा दे सकें।

24. (A) जॉन डीवी (John Dewey)
प्रसिद्ध अमेरिकन दार्शनिक जॉन डीवी (John Dewey) ने व्यवहारवाद और प्रयोजनवाद के अंतर्गत "करके सीखने" (Learning by Doing) के सिद्धांत को प्रतिपादित किया। उन्होंने बालक की सक्रिय भागीदारी, अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) और सामाजिक अंतःक्रिया पर बल दिया। उनके विचारों ने पारंपरिक विषय-केंद्रित शिक्षा को बदलकर आधुनिक बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या की मजबूत दार्शनिक नींव स्थापित करने में केंद्रीय योगदान दिया।

25. (A) केवल I और III
बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या स्व-निर्देशित अधिगम, आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) और गतिविधि-आधारित अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा देती है। इसमें विद्यार्थी अपनी गति से सीखता है। यह दृष्टिकोण मानकीकृत परीक्षणों के बजाय व्यक्तिगत मूल्यांकन पर जोर देता है। इसमें शिक्षक एक मार्गदर्शक के रूप में सक्रिय रहता है, न कि पूर्ण गैर-हस्तक्षेप की स्थिति में। इसलिए केवल पहला और तीसरा कथन सही है।

26. (B) अधिगम केंद्र बनाना जहाँ विद्यार्थी वर्तमान रुचियों के आधार पर गतिविधियों का चयन करते हैं
प्राथमिक स्तर पर बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या का सर्वोत्तम कार्यान्वयन अधिगम केंद्रों (Learning Centers) की स्थापना के माध्यम से होता है। ऐसे वातावरण में बालकों को अपनी रुचियों और प्राथमिकताओं के अनुसार गतिविधियों का चयन करने का अवसर मिलता है। यह व्यवस्था शिक्षार्थियों की स्वायत्तता, अन्वेषण क्षमता और करके सीखने (Learning by doing) की स्वाभाविक प्रवृत्ति को बढ़ावा देती है, जिससे अधिगम आनंददायक बनता है।

27. (A) व्यक्तिगत विद्यार्थी की प्रगति पर नज़र रखने वाला पोर्टफोलियो मूल्यांकन (Portfolio Assessment)
बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या में मूल्यांकन सतत, व्यक्तिगत और सुधारात्मक होना चाहिए। पोर्टफोलियो मूल्यांकन (Portfolio Assessment) बालक के कार्यों, प्रगति और उपलब्धियों का समय के साथ प्रामाणिक रिकॉर्ड रखता है। यह विधि मानक-संदर्भित कठोर परीक्षाओं की तुलना में बालक की व्यक्तिगत वृद्धि, रचनात्मकता और क्षमता का अधिक सटीक एवं गुणात्मक आकलन प्रस्तुत करती है, जो बाल-केंद्रित दर्शन के अनुकूल है।

28. (C) सामुदायिक संसाधनों के माध्यम से स्थानीय सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करना
समुदाय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Community-centered Curriculum) विद्यालय और उसके आसपास के समाज के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने पर केंद्रित होती है। इसके अंतर्गत शैक्षणिक अनुभवों को इस प्रकार डिज़ाइन किया जाता है कि वे स्थानीय वातावरण, सामाजिक-आर्थिक समस्याओं और सामुदायिक संसाधनों का उपयोग कर सकें। इसका मुख्य

NODIA

उद्देश्य शिक्षार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनाना और समुदाय के सतत विकास में योगदान देना है।

29. (D) समुदाय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Community-centered Curriculum)
ग्रामीण परिवेश में टिकाऊ कृषि और भूजल संरक्षण जैसे स्थानीय मुद्दों को पाठ्यक्रम में शामिल करना समुदाय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Community-centered Curriculum) का प्रत्यक्ष उदाहरण है। यह दृष्टिकोण सैद्धांतिक विज्ञान को शिक्षार्थियों के वास्तविक जीवन और सामुदायिक परिवेश से जोड़ता है। इससे विद्यार्थी अपने आसपास की समस्याओं को समझने तथा उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होते हैं।

30. (B) केवल I और II
समुदाय-केंद्रित पाठ्यचर्या विद्यालयी शिक्षा और वास्तविक सामुदायिक जीवन के मध्य सेतु का कार्य करती है। यह स्थानीय ज्ञान को प्राथमिकता देती है तथा समुदाय के सदस्यों को संसाधन व्यक्तियों (Resource Persons) के रूप में आमंत्रित करती है। यह मॉडल अंतरराष्ट्रीय पाठ्यपुस्तकों के अति-मानकीकरण का सख्ती से पालन करने के बजाय स्थानीय प्रासंगिकता और संदर्भ-आधारित अधिगम को प्राथमिकता देता है।

31. (B) यह अत्यधिक स्थानीयकृत हो सकता है, जिससे व्यापक राष्ट्रीय और वैश्विक दृष्टिकोण छूट सकते हैं
समुदाय-केंद्रित पाठ्यचर्या का अत्यधिक और संकीर्ण कार्यान्वयन शिक्षार्थियों को केवल स्थानीय समस्याओं तक सीमित कर सकता है। इससे यह जोखिम उत्पन्न होता है कि विद्यार्थी व्यापक राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और वैश्विक परिप्रेक्ष्य (Global Perspectives) से वंचित रह जाएं। इसलिए एक प्रभावी पाठ्यचर्या में स्थानीय प्रासंगिकता के साथ-साथ व्यापक वैश्विक संदर्भों का संतुलित समावेश होना अत्यंत आवश्यक माना जाता है।

32. (D) स्थानीय उद्योगों, ऐतिहासिक स्थलों और नागरिक निकायों के लिए क्षेत्र भ्रमण (Field trips) का आयोजन करना
समुदाय-केंद्रित अधिगम को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र भ्रमण (Field Trips) और सामुदायिक दौरों का आयोजन एक अत्यंत प्रभावी रणनीति है। स्थानीय उद्योगों, ऐतिहासिक स्थलों और नागरिक संस्थानों के प्रत्यक्ष अवलोकन से विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है। यह प्रक्रिया कक्षा के सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया से जोड़ती है और सामाजिक अंतःक्रिया को सुदृढ़ करती है।

33. (A) व्यावहारिकवाद (Pragmatism) और सामाजिक पुनर्निर्माणवाद (Social Reconstructionism)
समुदाय-केंद्रित पाठ्यचर्या की दार्शनिक जड़ें व्यावहारिकवाद (Pragmatism) और सामाजिक पुनर्निर्माणवाद (Social Reconstructionism) में निहित हैं। व्यावहारिकवाद अधिगम में उपयोगिता, अनुभव और क्रियाशीलता पर जोर देता है, जबकि सामाजिक पुनर्निर्माणवाद शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और समस्याओं के समाधान का सशक्त माध्यम मानता है। ये दोनों दर्शन विद्यालय को समाज के एक अभिन्न अंग के रूप में विकसित करने की वकालत करते हैं।

34. (C) यह ज्ञान को अलग-अलग शैक्षणिक विषयों में व्यवस्थित करता है।
विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Subject-centered Curriculum) की मुख्य विशेषता ज्ञान का स्पष्ट और अलग-अलग शैक्षणिक विषयों (Academic Disciplines) में विभाजन है। इसमें गणित, विज्ञान, इतिहास जैसे विषयों की अपनी स्वतंत्र सीमाएं होती हैं। यह मॉडल विषय-वस्तु के तार्किक क्रम, संचय और तथ्यात्मक महारत पर बल देता है, जहाँ शिक्षार्थी की रुचियों की तुलना में विषय की संरचना अधिक महत्वपूर्ण होती है।

35. (A) विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Subject-centered Curriculum)
विद्यालय समय-सारणी का कठोर 40-मिनट के विषयाधारित कालांशों में विभाजन और निर्धारित पाठ्यपुस्तकों पर अत्यधिक निर्भरता विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Subject-centered Curriculum) का स्पष्ट सूचक है। इस मॉडल में प्रत्येक विषय को पृथक इकाई माना जाता है और शिक्षण का मुख्य उद्देश्य निर्धारित पाठ्य-सामग्री को पूरा करना तथा परीक्षा-केंद्रित तैयारी कराना होता है, जिसमें अंतर-विषयक संबंधों का अभाव रहता है।

36. (D) यह ज्ञान को विखंडित करता है और शिक्षार्थी की तत्काल रुचियों की उपेक्षा करता है
विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या की सबसे प्रमुख आलोचना यह है कि यह ज्ञान को अलग-अलग टुकड़ों में विभाजित कर देती है, जिससे शिक्षार्थी समग्र दृष्टिकोण नहीं अपना पाते। इसके अतिरिक्त, यह मॉडल बालकों की व्यक्तिगत रुचियों, तत्परता और दैनिक जीवन के अनुभवों की उपेक्षा करता है। इसमें अधिगम प्रक्रिया अत्यधिक औपचारिक, निष्क्रिय और केवल पाठ्यपुस्तक की सामग्री को रटने तक सीमित हो जाती है।

37. (B) विषय-वस्तु ज्ञान का संचार करने वाला एक विषय विशेषज्ञ
विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या संरचना के अंतर्गत शिक्षक की प्राथमिक भूमिका एक विषय विशेषज्ञ (Subject Expert) और ज्ञान के मुख्य प्रदाता की होती है। शिक्षक का मुख्य दायित्व निर्धारित विषय-वस्तु को तार्किक एवं संरचित तरीके से विद्यार्थियों तक पहुँचाना होता है। इस व्यवस्था में शिक्षक-केंद्रित शिक्षण शास्त्र हावी रहता है और कक्षा में प्राधिकार तथा सूचना का मुख्य स्रोत शिक्षक ही बना रहता है।

38. (C) विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Subject-centered Curriculum)
विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या (Subject-centered Curriculum) किसी विशिष्ट विषय के भीतर ज्ञान को सरल से जटिल की ओर तार्किक अनुक्रम में व्यवस्थित करने पर अत्यधिक निर्भर करती है। इसमें विषय की आंतरिक संरचना,

Downloaded from www.pdf.tube

अवधारणात्मक अनुक्रम और विषय-वस्तु का सुसंगत विकास मुख्य प्राथमिकता होती है। यह डिज़ाइन शिक्षार्थियों को विषय का व्यवस्थित और श्रेणीबद्ध ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया जाता है।

39. (D) यह पारंपरिक विश्वविद्यालय प्रवेश और परीक्षा संरचनाओं के साथ कुशलतापूर्वक संरेखित होता है
माध्यमिक स्तर पर विषय-केंद्रित पाठ्यचर्या का प्रभुत्व इसलिए बना हुआ है क्योंकि यह पारंपरिक विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाओं, विशिष्ट अकादमिक संकायों और मानकीकृत मूल्यांकन प्रणालियों के साथ सुगमता से संरेखित होता है। उच्च शिक्षा की संरचनाएं विशिष्ट विषय ज्ञान की मांग करती हैं। अतः विद्यालयी स्तर पर विषयों का स्पष्ट विभाजन विद्यार्थियों को उच्च अकादमिक और पेशेवर अध्ययन के लिए तैयार करता है।

40. (A) II, III, I, IV
विषय-केंद्रित इकाई योजना का सही अनुक्रमिक क्रम सबसे पहले विशिष्ट विषय-वस्तु उद्देश्यों को परिभाषित करना (II) है। इसके पश्चात् कवर किए जाने वाले विषयों और उप-विषयों की रूपरेखा तैयार की जाती है (III)। तत्पश्चात उपयुक्त पाठ्यपुस्तक और संदर्भ सामग्री का चयन किया जाता है (I)। अंत में, अधिगम के मूल्यांकन हेतु योगात्मक इकाई परीक्षण डिजाइन किया जाता है (IV)।

41. (B) विद्यार्थी की संज्ञानात्मक और भावनात्मक आवश्यकताओं पर
शिक्षार्थी-केंद्रित पाठ्यचर्या (Learner-centered Curriculum) का प्राथमिक फोकस बालक के समग्र विकास पर होता है। यह डिज़ाइन विद्यार्थी की संज्ञानात्मक, भावात्मक, शारीरिक और सामाजिक आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। इसमें अधिगम का वातावरण शिक्षार्थी की व्यक्तिगत क्षमताओं, अधिगम शैलियों (Learning Styles) और मानसिक परिपक्वता के अनुसार ढाला जाता है, जिससे बालक अपनी स्वाभाविक गति से सीख सके।

42. (B) रचनात्मकता/संरचनावाद (Constructivism)
रचनावाद या संरचनावाद (Constructivism) का शैक्षणिक दृष्टिकोण शिक्षार्थी-केंद्रित पाठ्यचर्या के सर्वाधिक अनुकूल है। इस सिद्धांत के अनुसार विद्यार्थी निष्क्रिय प्राप्तकर्ता न होकर अपने पूर्व ज्ञान, अनुभवों और पर्यावरण के साथ अंतःक्रिया के माध्यम से ज्ञान का सक्रिय निर्माण (Active Construction of Knowledge) करते हैं। यह दृष्टिकोण पूछताछ, समस्या-समाधान और स्वायत्त अधिगम को प्रोत्साहन देता है।

43. (A) विभिन्न तत्परता स्तरों को पूरा करने वाली एक आवश्यक रणनीति
शिक्षार्थी-केंद्रित पाठ्यचर्या में शिक्षण का विभेदन (Differentiation of Instruction) एक अत्यंत महत्वपूर्ण रणनीति है। चूंकि प्रत्येक कक्षा में विविध अधिगम क्षमताओं और तत्परता स्तरों वाले विद्यार्थी होते हैं, इसलिए शिक्षक को शिक्षण विधियों, सामग्री और मूल्यांकन में लचीलापन अपनाना पड़ता है। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक शिक्षार्थी को अपनी क्षमता के अनुसार सीखने के समुचित अवसर प्राप्त हों।

44. (C) अनुभव-केंद्रित - निर्धारित पाठ्यपुस्तकों का सख्ती से पालन
अनुभव-केंद्रित पाठ्यचर्या का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों को वास्तविक, जीवंत और प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना होता है, न कि निर्धारित पाठ्यपुस्तकों का सख्ती से पालन करना। यह दृष्टिकोण पाठ्यपुस्तकीय सीमाओं से परे जाकर बालकों की सक्रिय गतिविधियों, प्रत्यक्ष अवलोकन और व्यावहारिक अंतःक्रिया पर आधारित अधिगम पर बल देता है। अतः पाठ्यपुस्तकों का सख्त पालन अनुभव-केंद्रित डिज़ाइन का बेमेल युग्म है।

45. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
शिक्षार्थी-केंद्रित पाठ्यचर्या की सफलता के लिए लचीली समय-सारणी आवश्यक है, क्योंकि बालकों की अधिगम गति और रुचियां भिन्न होती हैं। कठोर समय-सारणी और निश्चित समय-सीमाएं स्वायत्त अन्वेषण तथा गहराई से सीखने में बाधा उत्पन्न करती हैं। जब समय सारणी में लचीलापन होता है, तो शिक्षक विद्यार्थियों की उभरती आवश्यकताओं और प्रामाणिक शिक्षण अनुभवों के अनुसार गतिविधियों को विस्तारित कर सकते हैं।

46. (C) सभी विद्यार्थियों द्वारा साझा किए जाने वाले अनिवार्य बुनियादी अधिगम अनुभव
कोर पाठ्यचर्या (Core Curriculum) का तात्पर्य उस अनिवार्य पाठ्यचर्या संरचना से है जो एक समाज या शैक्षणिक प्रणाली में सभी विद्यार्थियों के लिए समान रूप से आवश्यक मानी जाती है। इसमें ऐसे मूलभूत ज्ञान, कौशल, मूल्य और अधिगम अनुभव शामिल होते हैं जो प्रत्येक नागरिक के लिए अनिवार्य हैं। यह विभिन्न विशिष्ट धाराओं या ऐच्छिक विषयों से इतर एक साझा सामाजिक और नागरिक आधार प्रदान करता है।

47. (B) भारत की साझी सांस्कृतिक विरासत, समतावाद और धर्मनिरपेक्षता
भारत की राष्ट्रीय कोर पाठ्यचर्या में ऐसे अनिवार्य मूल्यों और विषयों को शामिल किया गया है जो राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। इसमें भारत की साझी सांस्कृतिक विरासत, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समतावाद, पर्यावरण संरक्षण और संवैधानिक मूल्य शामिल हैं। ये घटक देश के सभी विद्यार्थियों में एक समान नागरिक चेतना और राष्ट्रीय पहचान का निर्माण करने का कार्य करते हैं।

48. (D) संरचनात्मक प्रकार्यवाद (Structural Functionalism), जिसका उद्देश्य सामाजिक सामंजस्य है
कोर पाठ्यचर्या डिज़ाइन मुख्य रूप से संरचनात्मक प्रकार्यवाद (Structural Functionalism) के समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से प्रभावित है। इस सिद्धांत का मानना है कि समाज की स्थिरता और सामंजस्य के लिए सभी नागरिकों में एक समान मूल्यों, ज्ञान और सांस्कृतिक मान्यताओं का होना आवश्यक है। कोर

NODIA

पाठ्यचर्या सभी विद्यार्थियों को एक साझा अधिगम आधार प्रदान करके सामाजिक एकजुटता और एकीकरण को सुदृढ़ करती है।

49. (A) यह विद्यालय के दिन के एक हिस्से को cover करता है, जिससे ऐच्छिक विषयों के लिए समय बचता है
कोर पाठ्यचर्या की एक अनिवार्य विशेषता यह है कि यह विद्यालय समय-सारणी के एक निश्चित भाग का निर्माण करती है, जबकि शेष समय विद्यार्थियों की व्यक्तिगत रुचियों और व्यावसायिक विकल्पों के लिए ऐच्छिक विषयों (Elective Subjects) हेतु उपलब्ध रहता है। यह संरचना अनिवार्य सामान्य शिक्षा और व्यक्तिगत ऐच्छिक अधिगम के बीच एक प्रभावी संतुलन बनाए रखने का अवसर प्रदान करती है।

50. (B) केवल I और III
कोर पाठ्यचर्या का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में एक साझा नागरिकता की भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करना है। यह अक्सर व्यापक सामाजिक विषयों और अंतःविषय समस्याओं को संबोधित करती है। यह मॉडल ऐच्छिक विषयों को पूरी तरह समाप्त नहीं करता, बल्कि उनके साथ संतुलित रूप से सह-अस्तित्व में रहता है। अतः पहला और तीसरा कथन पूरी तरह सही हैं।

51. (A) फिलिप जैक्सन (Philip Jackson)
'प्रच्छन्न पाठ्यचर्या' (Hidden Curriculum) शब्द को शैक्षिक विमर्श में प्रमुख रूप से लाने का श्रेय फिलिप जैक्सन (Philip Jackson) को जाता है। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'लाइफ इन क्लासरूम्स' (1968) में इसका विशद वर्णन किया। उन्होंने दर्शाया कि विद्यार्थी विद्यालय में केवल औपचारिक विषय ही नहीं सीखते, बल्कि भीड़, प्रशंसा और शक्ति गतिशीलता से जुड़े अलिखित नियम भी सीखते हैं।

52. (D) विद्यालय में सीखे गए अलिखित, अनौपचारिक पाठ और मूल्य
प्रच्छन्न पाठ्यचर्या (Hidden Curriculum) से तात्पर्य उन अलिखित, अनौपचारिक और प्रायः अनपेक्षित पाठों, मूल्यों, दृष्टिकोणों और सामाजिक व्यवहारों से है जो विद्यार्थी विद्यालय के वातावरण, संस्कृति, नियमों और अंतःक्रियाओं के माध्यम से आत्मसात करते हैं। यह औपचारिक या लिखित पाठ्यचर्या में शामिल नहीं होता, किंतु बालक के सामाजिककरण और व्यक्तित्व निर्माण को गहराई से प्रभावित करता है।

53. (B) संस्थागत दिनचर्या के माध्यम से समय की पाबंदी और आज्ञाकारिता सीखना
संस्थागत नियमों, दैनिक समय-सारणी और विद्यालयी दिनचर्या के पालन के माध्यम से समय की पाबंदी, अनुशासन और सत्ता का सम्मान (Obedience) सीखना प्रच्छन्न पाठ्यचर्या का प्रत्यक्ष उदाहरण है। ये मूल्य किसी पाठ्यपुस्तक में सीधे तौर पर नहीं पढ़ाए जाते, बल्कि विद्यालय के संगठनात्मक ढांचे और सामाजिक परिवेश में लगातार घटित होने वाली अंतःक्रियाओं द्वारा स्वाभाविक रूप से सीखे जाते हैं।

54. (D) प्रच्छन्न पाठ्यचर्या (Hidden Curriculum)
बालकों और बालिकाओं को विद्यालय की गतिविधियों में अनौपचारिक रूप से भिन्न-भिन्न भूमिकाएं (जैसे लड़कों को नेतृत्व और लड़कियों को सजावट) सौंपना प्रच्छन्न पाठ्यचर्या (Hidden Curriculum) के नकारात्मक पक्ष को दर्शाता है। यह व्यवहार औपचारिक पाठ्यक्रम में उल्लिखित नहीं होता, परंतु अप्रत्यक्ष रूप से समाज में व्याप्त लैंगिक रुढ़िवादिता (Gender Stereotypes) को सुदृढ़ करता है और विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को प्रभावित करता है।

55. (D) कक्षा IX के लिए आधिकारिक रूप से निर्धारित गणित पाठ्यक्रम
प्रच्छन्न पाठ्यचर्या के ऑडिट के दौरान विद्यालय की अनौपचारिक संस्कृति, सामाजिक अंतःक्रियाओं, अनुशासनात्मक नियमों और अप्रत्यक्ष पूर्वाग्रहों की जांच की जाती है। कक्षा IX का आधिकारिक रूप से निर्धारित गणित पाठ्यक्रम स्पष्ट या औपचारिक पाठ्यचर्या (Explicit Curriculum) का हिस्सा है। इसलिए अनौपचारिक प्रच्छन्न पाठ्यचर्या के मूल्यांकन के दौरान इस लिखित पाठ्यक्रम की जांच किए जाने की संभावना सबसे कम होती है।

56. (A) विद्यालय की पाठ्यचर्या से बाहर रखे गए विषय या दृष्टिकोण
एलियट आइजनर (Elliot Eisner) द्वारा प्रतिपादित 'शून्य पाठ्यचर्या' (Null Curriculum) का तात्पर्य उन विषयों, विचारों, कौशलों या दृष्टिकोणों से है जिन्हें विद्यालयी पाठ्यचर्या से जानबूझकर या अनजाने में बाहर छोड़ दिया जाता है। जो सामग्री नहीं सिखाई जाती, वह भी विद्यार्थियों के सोच के दायरे को सीमित करके उनके दृष्टिकोण निर्माण और निर्णय क्षमता पर गहरा प्रभाव डालती है।

57. (B) जेरोम ब्रूनर (Jerome Bruner)
'सर्पिल पाठ्यचर्या' (Spiral Curriculum) की अवधारणा प्रसिद्ध अमरीकी संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिक जेरोम ब्रूनर (Jerome Bruner) द्वारा प्रस्तुत की गई थी। उन्होंने अपनी पुस्तक 'द प्रोसेस ऑफ एजुकेशन' में यह विचार दिया कि किसी भी विषय-वस्तु को बालक के विकास के किसी भी चरण में बौद्धिक रूप से ईमानदार रूप में पढ़ाया जा सकता है, यदि उसे सही ढंग से संरचित किया जाए।

58. (B) बढ़ती जटिलता के साथ समय के साथ मुख्य अवधारणाओं को पुनः प्रस्तुत करना
सर्पिल पाठ्यचर्या का मूलभूत सिद्धांत यह है कि मुख्य अवधारणाओं को शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर बार-बार पुनः प्रस्तुत किया जाना चाहिए। प्रत्येक बार जब विषय-वस्तु दोहराई जाती है, तो उसकी जटिलता, अमूर्तता और गहराई का स्तर शिक्षार्थी की बढ़ती संज्ञानात्मक क्षमता (Cognitive Capacity) के अनुसार बढ़ जाता है। यह प्रक्रिया पूर्व ज्ञान को सुदृढ़ करते हुए नए अधिगम को जोड़ती है।

Click Here to Buy book on Amazon

59. (A) विकास के किसी भी चरण में किसी भी बालक को
जेरोम ब्रूनर का प्रसिद्ध कथन है कि किसी भी विषय को विकास के किसी भी चरण में किसी भी बालक को बौद्धिक रूप से प्रामाणिक और ईमानदार रूप में प्रभावी ढंग से पढ़ाया जा सकता है। इसका आधार यह है कि यदि जटिल अवधारणाओं को बालक के संज्ञानात्मक विकास स्तर के अनुसार सरल और उपयुक्त प्रतिनिधित्व (जैसे एनएक्टिव, आइकॉनिक, सिम्बॉलिक) में बदला जाए, तो वह समझ सकता है।

60. (C) सर्पिल पाठ्यचर्या (Spiral Curriculum)
कक्षा VI में कोशिका के बुनियादी अंगों, कक्षा VIII में कोशिकांगों के कार्यों तथा कक्षा X में कोशिकीय श्वसन का क्रमिक अध्ययन सर्पिल पाठ्यचर्या (Spiral Curriculum) का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसमें एक ही मूल विषय (कोशिका) को विभिन्न ग्रेड स्तरों पर उत्तरोत्तर बढ़ती जटिलता और गहराई के साथ पुनः प्रस्तुत किया गया है, जिससे अधिगम अधिक सुदृढ़ और व्यापक बनता है।

61. (D) यह किसी भी रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर देता है।
सर्पिल पाठ्यचर्या पूर्व ज्ञान को सुदृढ़ करती है, सरल से जटिल की ओर प्रगति की अनुमति देती है और संज्ञानात्मक परिपक्वता के अनुकूल होती है। हालांकि, यह रचनात्मक मूल्यांकन की आवश्यकता को समाप्त नहीं करती, बल्कि इसमें सतत रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) अत्यधिक आवश्यक होता है ताकि यह जांचा जा सके कि शिक्षार्थी अगली बार जटिल स्तर पर जाने के लिए तैयार है या नहीं।

62. (C) ज्ञान के अंतर-संबद्धता को दिखाने के लिए विषय सीमाओं को समाप्त करना
एकीकृत पाठ्यचर्या (Integrated Curriculum) का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक विषय सीमाओं को समाप्त करके ज्ञान के अंतःसंबंधों को प्रदर्शित करना है। यह दृष्टिकोण विभिन्न शैक्षणिक विषयों के ज्ञान को आपस में जोड़ता है ताकि शिक्षार्थी दुनिया को अलग-अलग टुकड़ों में देखने के बजाय एक समग्र और एकीकृत रूप में समझ सकें। यह व्यावहारिक समस्या-समाधान और प्रासंगिक अधिगम को बढ़ावा देता है।

63. (B) अंतर-विषयक या एकीकृत पाठ्यचर्या (Integrated Curriculum)
जब एक शिक्षक "भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन" जैसे विषय को पढ़ाने के लिए साहित्य, इतिहास और कला को आपस में मिलाता है, तो वह अंतर-विषयक या एकीकृत पाठ्यचर्या का प्रयोग कर रहा होता है। यह दृष्टिकोण विषयगत सीमाओं को मिटाकर शिक्षार्थियों को किसी ऐतिहासिक या सामाजिक घटना का बहुआयामी दृष्टिकोण प्रदान करता है, जिससे उनकी समझ अधिक व्यापक और जीवंत हो जाती है।

64. (D) विभागीय संरचनाएं, विशिष्ट शिक्षक और विषय परीक्षाएं
माध्यमिक विद्यालयों में एकीकृत पाठ्यचर्या को लागू करने में सबसे बड़ी बाधा पारंपरिक विभागीय संरचनाएं, पृथक विषय-विशेषज्ञ शिक्षक और विषय-केंद्रित मानकीकृत परीक्षा प्रणालियां हैं। विद्यालयी दिनचर्या और शिक्षक प्रशिक्षण अक्सर कठोर विषय सीमाओं के इर्द-गिर्द बने होते हैं, जिससे विभिन्न विषयों के शिक्षकों के बीच समन्वय स्थापित करना और एकीकृत पाठ्यचर्या का संपादन करना प्रशासनिक रूप से कठिन हो जाता है।

NODIA

65. (A) केवल I, II, और III
पाठ्यचर्या एकीकरण में बहु-विषयक, अंतर-विषयक और परा-विषयक दृष्टिकोण शामिल हैं जो विषयों के बीच जुड़ाव पैदा करते हैं। ये दृष्टिकोण साक्षरता और संख्यात्मकता जैसे मूलभूत कौशलों के शिक्षण को प्रतिबंधित करने के बजाय उन्हें व्यावहारिक संदर्भों में मजबूत करते हैं। इसलिए चौथा कथन गलत है तथा प्रथम तीन कथन पूर्णतः सत्य हैं।

66. (C) आवश्यकता मूल्यांकन और स्थितिजन्य विश्लेषण (Needs Assessment and Situational Analysis)
औपचारिक पाठ्यचर्या विकास प्रक्रिया का प्रथम और अत्यंत महत्वपूर्ण चरण आवश्यकता मूल्यांकन और स्थितिजन्य विश्लेषण (Needs Assessment and Situational Analysis) है। इस चरण में शिक्षार्थियों की वर्तमान स्थिति, सामाजिक आवश्यकताओं, सांस्कृतिक संदर्भ और उपलब्ध संसाधनों का व्यवस्थित विश्लेषण किया जाता है। इसके आधार पर ही पाठ्यचर्या के उद्देश्यों और विषय-सामग्री का निर्धारण प्रासंगिक रूप से किया जाना संभव होता है।

67. (A) वर्तमान विद्यार्थी कौशलों, वांछित लक्ष्यों और सामाजिक आवश्यकताओं के बीच अंतराल
आवश्यकता मूल्यांकन (Needs Assessment) के दौरान पाठ्यचर्या योजनाकार शिक्षार्थियों के वर्तमान कौशल स्तर, अपेक्षित शैक्षिक लक्ष्यों तथा समकालीन समाज की मांगों के मध्य विद्यमान अंतरालों का गहन विश्लेषण करते हैं। इस प्रक्रिया से यह स्पष्ट होता है कि पाठ्यचर्या में किन नए कौशलों, ज्ञान और अभिवृत्तियों को शामिल किए जाने की आवश्यकता है ताकि अंतर को सफलतापूर्वक पाट जा सके।

68. (D) हिल्डा टाबा (Hilda Taba) द्वारा ज़मीनी स्तर का मॉडल (Grassroots Model)
हिल्डा टाबा ने अपने ज़मीनी स्तर के मॉडल (Grassroots Model) में यह प्रतिपादित किया कि पाठ्यचर्या का निर्माण किसी केंद्रीय प्रशासनिक प्राधिकार द्वारा ऊपर से थोपे जाने के बजाय नीचे से शुरु होना चाहिए। उनके अनुसार, पाठ्यचर्या विकास की शुरुआत शिक्षकों द्वारा अपने शिक्षार्थियों की वास्तविक आवश्यकताओं के निदान और विश्लेषण के साथ होनी चाहिए, जिससे पाठ्यचर्या अधिक व्यावहारिक बनती है।

69. (B) विशिष्ट, मापने योग्य, प्राप्त करने योग्य, प्रासंगिक और समयबद्ध (SMART)
पाठ्यचर्या विकास में उद्देश्यों का निर्धारण अत्यंत स्पष्ट और सटीक होना चाहिए। उद्देश्यों को 'स्मार्ट' (SMART) होना अनिवार्य है—अर्थात वे विशिष्ट (Specific), मापने योग्य (Measurable), प्राप्त करने योग्य (Achievable), प्रासंगिक (Relevant) और समयबद्ध (Time-bound) होने चाहिए। स्पष्ट उद्देश्य निर्देशात्मक रणनीतियों के चयन और विद्यार्थियों की प्रगति के सटीक मूल्यांकन के लिए एक ठोस आधार प्रदान करते हैं।

70. (D) I, II, और III
एक संतुलित और सर्वांगीण पाठ्यचर्या के निर्माण हेतु बेंजामिन ब्लूम द्वारा वर्गीकृत तीनों शैक्षिक क्षेत्रों—संज्ञानात्मक क्षेत्र (ज्ञानात्मक कौशल), भावात्मक क्षेत्र (मूल्य और मनोवृत्तियां) तथा मनोक्रियात्मक क्षेत्र (शारीरिक एवं गत्यात्मक कौशल)—को समान रूप से संबोधित किया जाना आवश्यक है। इन तीनों क्षेत्रों का एकीकरण बालक के सर्वांगीण विकास (Holistic Development) को सुनिश्चित करने के लिए अपरिहार्य माना जाता है।

71. (D) अधिगम अनुभवों और सामग्री का चयन
पाठ्यचर्या विकास प्रक्रिया में शैक्षिक उद्देश्यों का स्पष्ट निर्धारण कर लेने के पश्चात अगला तार्किक चरण अधिगम अनुभवों और विषय-सामग्री का चयन करना है। इस चरण में उन विषयों, अवधारणाओं, गतिविधियों और अधिगम परिस्थितियों को चुना जाता है जो निर्धारित शैक्षिक उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने में सबसे अधिक सहायक और सक्षम होती हैं।

72. (A) वैधता, महत्व और उपयोगिता (Validity, Significance, and Utility)
पाठ्यचर्या सामग्री का चयन करते समय तीन मुख्य मानदंड अत्यंत आवश्यक होते हैं: वैधता (Validity - सामग्री का सटीक और अद्यतन होना), महत्व (Significance - मुख्य विचारों का समावेश) तथा उपयोगिता (Utility - शिक्षार्थी के जीवन में व्यावहारिक प्रासंगिकता)। इन मानदंडों का पालन यह सुनिश्चित करता है कि चयनित सामग्री गुणवत्तापूर्ण, अर्थपूर्ण और शिक्षार्थियों के भविष्य के लिए मूल्यवान सिद्ध हो।

73. (B) सामग्री लक्षित शिक्षार्थियों की संज्ञानात्मक परिपक्वता के साथ संरेखित होती है
सामग्री चयन में 'सीखने योग्यता' (Learnability) का तात्पर्य यह है कि चयनित पाठ्य-सामग्री शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक विकास स्तर, पूर्व ज्ञान और बौद्धिक क्षमता के अनुकूल होनी चाहिए। सामग्री न तो अत्यधिक कठिन होनी चाहिए और न ही अत्यधिक सरल। यह शिक्षार्थियों की मानसिक परिपक्वता के अनुरूप होनी चाहिए ताकि वे उसे सुगमता से समझ और आत्मसात कर सकें।

74. (B) समय के साथ मुख्य पाठ्यचर्या तत्वों का लंबवत दोहराव (Vertical Repetition)
पाठ्यचर्या संगठन में 'निरंतरता' (Continuity) से तात्पर्य मुख्य पाठ्यचर्या तत्वों, अवधारणाओं और कौशलों के समय के साथ लंबवत दोहराव (Vertical Repetition) से है। इसका अर्थ यह है कि बुनियादी विचारों को विभिन्न ग्रेड स्तरों पर बार-बार अधिक गहराई के साथ प्रस्तुत किया जाता है ताकि शिक्षार्थियों का अधिगम समय के साथ अधिक सुदृढ़, स्थायी और परिपक्व बन सके।

75. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
अभिव्यक्ति या स्पष्टता (Articulation) पाठ्यचर्या के घटकों और विभिन्न ग्रेड स्तरों के बीच सुसंगत संबंध को संदर्भित करती है। यह सुनिश्चित करती है कि एक कक्षा से अगली कक्षा में जाने पर विषय-सामग्री का प्रवाह तार्किक हो। इससे अनावश्यक दोहराव समाप्त होता है और अधिगम में कोई अंतर नहीं छूटता, जिससे शिक्षार्थियों के लिए विषयों की समझ निर्बाध बनी रहती है।

76. (C) कक्षा शिक्षक
पाठ्यचर्या के वास्तविक और सफल कार्यान्वयन (Curriculum Implementation) का मुख्य दायित्व कक्षा शिक्षक पर होता है। कागजों पर बनी उत्कृष्ट पाठ्यचर्या भी तब तक प्रभावी नहीं हो सकती जब तक कि शिक्षक उसे कक्षा में उपयुक्त शिक्षण-शास्त्रीय विधियों, अंतःक्रियाओं और गतिविधियों के माध्यम से संपादित न करे। शिक्षक ही पाठ्यचर्या और शिक्षार्थी के बीच की मुख्य कड़ी होता है।

77. (D) शिक्षण कर्मचारियों के बीच परिवर्तन का विरोध (Resistance to change)
पाठ्यचर्या कार्यान्वयन के दौरान सबसे बड़ी मनोवैज्ञानिक और प्रशासनिक बाधा शिक्षकों तथा शिक्षण कर्मचारियों के बीच परिवर्तन का विरोध (Resistance to Change) है। शिक्षक अक्सर पुरानी पारंपरिक पद्धतियों में सहज महसूस करते हैं और नई तकनीकों, नए शिक्षण-शास्त्र या नई पाठ्यचर्या संरचनाओं को अपनाने में झिझक या असुरक्षा प्रदर्शित करते हैं, जिससे कार्यान्वयन की गति धीमी हो जाती है।

78. (C) घोषित उद्देश्यों को प्राप्त करने में पाठ्यचर्या की प्रभावशीलता
पाठ्यचर्या मूल्यांकन (Curriculum Evaluation) का मुख्य उद्देश्य यह मापना और निर्धारित करना है कि लागू की गई पाठ्यचर्या अपने पूर्व-निर्धारित शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करने में किस सीमा तक सफल रही है। यह प्रक्रिया पाठ्यचर्या की प्रासंगिकता, प्रभावशीलता, शिक्षण विधियों की उपयुक्तता और विद्यार्थियों की अधिगम उपलब्धियों का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण करके आवश्यक सुधारों का मार्ग प्रशस्त करती है।

79. (B) चल रहे सुधारों का मार्गदर्शन करने के लिए विकास के दौरान लगातार
रचनात्मक पाठ्यचर्या मूल्यांकन (Formative Curriculum Evaluation) पाठ्यचर्या के विकास और प्रारंभिक कार्यान्वयन

Downloaded from www.pdf.tube

चरण के दौरान लगातार आयोजित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य चल रही शिक्षण प्रक्रिया और सामग्री की कमियों की पहचान करना तथा उसमें समय रहते आवश्यक सुधार करना है। यह सतत प्रतिक्रिया (Continuous Feedback) प्रदान करके पाठ्यचर्या की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद करता है।

80. (D) यह तय करने के लिए कि पाठ्यचर्या को जारी रखना है, संशोधित करना है या समाप्त करना है
योगात्मक पाठ्यचर्या मूल्यांकन (Summative Curriculum Evaluation) किसी पाठ्यचर्या कार्यक्रम के पूर्ण कार्यान्वयन के अंत में आयोजित किया जाता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य संपूर्ण कार्यक्रम की समग्र प्रभावशीलता, सफलता और मूल्य का न्याय करना होता है। इस मूल्यांकन के निष्कर्षों के आधार पर ही नीति निर्माता यह बड़ा निर्णय लेते हैं कि पाठ्यचर्या को आगे जारी रखना है, संशोधित करना है अथवा समाप्त करना है।

81. (A) टाइलर का उद्देश्य-आधारित मूल्यांकन मॉडल (Tyler's Objective-Based Evaluation Model)
राल्फ टाइलर का उद्देश्य-आधारित मूल्यांकन मॉडल (Tyler's Objective-Based Model) इस बात पर केंद्रित है कि पाठ्यचर्या के इच्छित शैक्षिक उद्देश्यों और विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त वास्तविक अधिगम परिणामों (Actual Outcomes) के बीच किस सीमा तक समानता है। यह मॉडल पूर्व-निर्धारित उद्देश्यों को ही मूल्यांकन का मुख्य मापदंड मानता है और दोनों के अंतर को मापकर प्रभावशीलता निर्धारित करता है।

82. (C) डेनियल स्टफ़लबीम (Daniel Stufflebeam)
पाठ्यचर्या मूल्यांकन का CIPP मॉडल डेनियल स्टफ़लबीम (Daniel Stufflebeam) द्वारा 1960 के दशक में विकसित किया गया था। CIPP का अर्थ संदर्भ (Context), इनपुट (Input), प्रक्रिया (Process) और उत्पाद (Product) मूल्यांकन है। यह मॉडल निर्णय लेने वालों को व्यवस्थित जानकारी प्रदान करने पर बल देता है ताकि पाठ्यचर्या में सुधार और उसका व्यापक मूल्यांकन किया जा सके।

83. (A) आवश्यकता मूल्यांकन (Needs Assessment)
CIPP मॉडल में 'संदर्भ मूल्यांकन' (Context Evaluation) पाठ्यचर्या विकास के आवश्यकता मूल्यांकन (Needs Assessment) चरण से निकटता से संबंधित है। इसके अंतर्गत अंतर्निहित पर्यावरण, लक्षित जनसंख्या की आवश्यकताओं, अवसरों और समस्याओं का विश्लेषण किया जाता है। यह निर्णय लेने में मदद करता है कि शैक्षिक वातावरण की वास्तविक मांगों के आधार पर पाठ्यचर्या के क्या लक्ष्य निर्धारित किए जाने चाहिए।

84. (D) विद्यालय को ये अनुभव प्रदान करने के लिए कितना शुल्क लेना चाहिए?
राल्फ टाइलर का पाठ्यचर्या तर्क चार प्रश्नों पर आधारित है: उद्देश्यों का निर्धारण, अधिगम अनुभवों का चयन, उनका संगठन और मूल्यांकन। शुल्क या वित्तीय शुल्क वसूलना टाइलर के दार्शनिक और शैक्षणिक तर्क का हिस्सा नहीं है। उनका मॉडल विशुद्ध रूप से शैक्षणिक प्रक्रियाओं, निर्देशात्मक नियोजन और शिक्षार्थी की अधिगम प्राप्ति की प्रणालीबद्ध संरचना पर केंद्रित है।

85. (B) टाइलर का मॉडल (Tyler's Model)
पहले से स्पष्ट व्यवहार्य उद्देश्यों को परिभाषित करना और फिर सामग्री तथा अधिगम अनुभवों को व्यवस्थित करके अंत में उन प्राथमिक उद्देश्यों के विरुद्ध परिणामों का मापन करना राल्फ टाइलर के मॉडल (Tyler's Model) की क्लासिक पहचान है। इसे रेखीय या उद्देश्य-संचालित मॉडल कहा जाता है, जो पाठ्यचर्या नियोजन और मूल्यांकन में एक व्यवस्थित एवं चरणबद्ध दृष्टिकोण अपनाता है।

NODIA

86. (C) यह रेखीय और यांत्रिक है, जो अधिगम की उभरती प्रकृति की उपेक्षा करता है
टाइलर के मॉडल की सबसे प्रमुख आलोचना यह की जाती है कि यह अत्यधिक रेखीय (Linear), कठोर और यांत्रिक है। आलोचकों का तर्क है कि यह मॉडल अधिगम की जटिल, अप्रत्याशित और उभरती हुई प्रकृति (Emergent Nature) की उपेक्षा करता है। यह मानकर चलता है कि शिक्षा केवल पूर्व-निर्धारित व्यवहार्य उद्देश्यों को प्राप्त करने की एक सीधी और क्रमबद्ध प्रक्रिया मात्र है।

87. (D) दर्शनशास्त्र और अधिगम का मनोविज्ञान (Philosophy and Psychology of Learning)
टाइलर के मॉडल में, संभावित व्यापक उद्देश्यों को छांटने और अंतिम रूप देने के लिए दो मुख्य 'स्क्रीन' (Screens) का उपयोग किया जाता है: शिक्षा का दर्शनशास्त्र (Philosophy of Education) और अधिगम का मनोविज्ञान (Psychology of Learning)। दर्शनशास्त्र यह तय करता है कि कौन से मूल्य महत्वपूर्ण हैं, जबकि मनोविज्ञान यह बताता है कि वे उद्देश्य बालक के विकास स्तर के अनुकूल और प्राप्य हैं या नहीं।

88. (A) शिक्षक के नेतृत्व में आगमनात्मक ज़मीनी स्तर का विकास (Teacher-led inductive grassroots development)
हिल्डा टाबा का मॉडल टाइलर के निगमनात्मक मॉडल से भिन्न है क्योंकि टाबा ने एक आगमनात्मक (Inductive) और ज़मीनी स्तर (Grassroots) के दृष्टिकोण की वकालत की। उनका मानना था कि पाठ्यचर्या का विकास प्रशासकों द्वारा ऊपर से करने के बजाय अग्रिम पंक्ति के शिक्षकों द्वारा अपनी कक्षाओं की वास्तविक आवश्यकताओं का निदान करके इकाइयों के निर्माण के साथ शुरू होना चाहिए।

89. (B) II, I, III, IV
हिल्डा टाबा के मॉडल के अनुसार सही क्रम सबसे पहले शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं का निदान (II) करना है। इसके बाद उद्देश्यों का निर्माण (I) किया जाता है। तत्पश्चात उपयुक्त विषय-सामग्री का चयन (III) होता है, और अंत में चुनी गई सामग्री का तार्किक संगठन (IV) किया जाता है। यह अनुक्रम व्यावहारिक और शिक्षक-केंद्रित अधिगम योजना को सुनिश्चित करता है।

90. (A) केवल I और II
NCERT भारत में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा (NCF) तैयार करने के लिए अधिकृत संस्था है, जो देश भर में पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों और शिक्षण प्रथाओं का मार्गदर्शन करती है। हालांकि, भारत की शिक्षा व्यवस्था समवर्ती सूची में होने के कारण राज्य सरकारें इसे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित करने हेतु स्वतंत्र हैं, वे इसे हूबहू मानने के लिए कानूनी रुप से बाध्य नहीं हैं।

91. (B) चार (1975, 1988, 2000, 2005)
NCF-SE 2023 के आने से पूर्व, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) द्वारा कुल चार राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे प्रकाशित किए गए थे। ये ढांचे क्रमशः वर्ष 1975, 1988, 2000 और 2005 में लाए गए थे। प्रत्येक ढांचे ने अपने समय की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, सामाजिक परिवर्तनों और नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोनो के अनुसार भारतीय विद्यालयी शिक्षा को दिशा प्रदान की।

92. (D) प्रो. यशपाल (Prof. Yash Pal)
NCF 2005 का मूल आधार 1993 में प्रस्तुत 'शिक्षा बिना बोझ के' (Learning Without Burden) शीर्षक वाली ऐतिहासिक रिपोर्ट थी। इस राष्ट्रीय सलाहकार समिति की अध्यक्षता प्रसिद्ध वैज्ञानिक और शिक्षाविद प्रोफेसर यशपाल ने की थी। इस रिपोर्ट ने स्कूली बच्चों के अत्यधिक शारीरिक और मानसिक पाठ्यक्रम भार को कम करने तथा समझ आधारित शिक्षण पर बल दिया था।

93. (D) ज्ञान को विद्यालय के बाहर के जीवन से जोड़ना
NCF 2005 के पांच मार्गदर्शक सिद्धांतों में से सबसे प्रमुख सिद्धांत ज्ञान को विद्यालय के बाहर के जीवन से जोड़ना है। अन्य सिद्धांतों में रटंत प्रणाली से मुक्त अधिगम, पाठ्यचर्या को पाठ्यपुस्तक-केंद्रित न रहने देना, परीक्षाओं को अधिक लचीला बनाना तथा कक्षा की गतिविधियों से जोड़ना, और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध नागरिकों का निर्माण करना शामिल है।

94. (B) सुगमकर्ता (Facilitator)
NCF 2005 के अनुसार, एक शिक्षक की भूमिका ज्ञान के दाता या सख्त अनुशासनप्रिय के बजाय एक सुगमकर्ता (Facilitator) की होती है। शिक्षक का दायित्व बालकों को ऐसे अवसर और वातावरण उपलब्ध कराना है जहां वे स्वयं अपने पूर्व ज्ञान के आधार पर खोजबीन, चिंतन और अंतःक्रिया करके ज्ञान का निर्माण (Construction of Knowledge) सक्रिय रुप से कर सकें।

95. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
NCF 2005 ने पारंपरिक उच्च-दांव वाली परीक्षाओं (High-stakes Exams) की आलोचना की, क्योंकि वे शिक्षार्थियों में अत्यधिक तनाव उत्पन्न करती हैं और केवल रटने की क्षमता को बढ़ावा देती हैं। इसलिए, इसने परीक्षाओं को अधिक लचीला, सतत और कक्षा के दैनिक जीवन में एकीकृत करने की सिफारिश की ताकि विद्यार्थियों की वास्तविक अवधारणात्मक समझ का तनाव-मुक्त माहौल में मूल्यांकन किया जा सके।

96. (D) शिक्षार्थी नए विचारों को जोड़कर सक्रिय रुप से ज्ञान का निर्माण करते हैं
NCF 2005 में शिक्षण शास्त्र के अंतर्गत रचनावाद या संरचनावाद (Constructivism) का अर्थ यह है कि बालक सूचनाओं के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं। वे अपने पूर्व अनुभवों, सामाजिक अंतःक्रियाओं और पर्यावरण की गतिविधियों के साथ जुड़कर अपने ज्ञान का निर्माण स्वयं सक्रिय रुप से करते हैं। इस प्रक्रिया में अधिगम एक अर्थपूर्ण और स्व-निर्देशित गतिविधि बन जाता है।

97. (A) 3 से 8 वर्ष
बुनियादी चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा (NCF-FS 2022) विशेष रुप से 3 से 8 वर्ष के आयु वर्ग के बालकों की विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु तैयार की गई है। इसमें आंगनवाड़ी/ईसीसीई के 3 वर्ष तथा प्राथमिक विद्यालय की कक्षा 1 और 2 शामिल हैं। यह चरण जीवन के शुरुआती वर्षों में मजबूत नीव रखने पर केंद्रित है।

98. (C) अर्थालय कोश (आर्थिक विकास)
NCF-FS 2022 में उल्लिखित पंचकोश अवधारणा भारतीय तैत्तिरीय उपनिषद पर आधारित है, जिसमें विकास के पांच आयाम शामिल हैं: अन्नमय (शारीरिक), प्राणमय (जीवन ऊर्जा), मनोमय (मानसिक), विज्ञानमय (बौद्धिक) और आनंदमय (अनुभूति)। इसमें 'अर्थालय कोश' नाम का कोई घटक शामिल नहीं है। यह ढांचा बालक के समग्र एवं एकीकृत विकास पर जोर देता है।

99. (D) खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और पूछताछ-आधारित अधिगम
NCF-FS 2022 छोटे बालकों के लिए औपचारिक लिखित कार्य या रटने की विधियों को पूरी तरह खारिज करता है। इसके बजाय, यह खेल-आधारित (Play-based), गतिविधि-आधारित (Activity-based) और पूछताछ-आधारित (Inquiry-based) शिक्षण शास्त्र की वकालत करता है। यह दृष्टिकोण बालकों की स्वाभाविक जिज्ञासा, अन्वेषण और अभिव्यक्ति को बढ़ावा देकर उनके शुरुआती अधिगम को आनंददायक और स्थायी बनाता है।

100. (C) शिक्षण शास्त्र को अनुभवात्मक, खेल-कूद की विधियों में स्थानांतरित करें
6 वर्ष के बालकों को घंटों पंक्तियों में बैठाना और बोर्ड से नकल करवाना NCF-FS 2022 के सिद्धांतों के विपरीत है। प्रधानाचार्य को सुधारात्मक कदम उठाते हुए शिक्षक को निर्देशात्मक शैली बदलकर खेल-कूद, अनुभवात्मक और गतिविधि-आधारित अधिगम (Experiential Learning) को अपनाने का निर्देश देना चाहिए, जो बालकों की स्वाभाविक रुचि और विकासात्मक स्तर के पूरी तरह अनुकूल हो।

Click Here to Buy book on Flipkart

101. (B) 5 + 3 + 3 + 4
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) ने पुरानी 10+2 संरचना के स्थान पर एक नई 5+3+3+4 शैक्षणिक और पाठ्यचर्या संरचना की सिफारिश की है। इस नए ढांचे में 5 वर्ष का बुनियादी चरण (Foundational Stage), 3 वर्ष का तैयारी चरण (Preparatory Stage), 3 वर्ष का मध्य चरण (Middle Stage) और 4 वर्ष का माध्यमिक चरण (Secondary Stage) शामिल है।

102. (B) 3 से 5
NEP 2020 की नई 5+3+3+4 पाठ्यचर्या संरचना के अंतर्गत 'तैयारी चरण' (Preparatory Stage) में कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थी (आयु 8 से 11 वर्ष) शामिल हैं। इस चरण में खेल और गतिविधि-आधारित अधिगम से आगे बढ़कर हल्की पाठ्यपुस्तकों, विषयगत शिक्षण, भाषा और गणित के बुनियादी कौशलों तथा अनुभवात्मक कक्षा अंतःक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

103. (D) महत्वपूर्ण सोच को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यचर्या को मुख्य आवश्यक तत्वों तक सीमित करना
NEP 2020 का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यचर्या की विषय-सामग्री के अत्यधिक भार को कम करना है ताकि शिक्षार्थियों में महत्वपूर्ण सोच (Critical Thinking), विश्लेषण और खोज-आधारित शिक्षण के लिए पर्याप्त समय मिल सके। इसके लिए पाठ्यचर्या को केवल उसकी मुख्य आवश्यक अवधारणाओं (Core Essentials) तक सीमित करने की सिफारिश की गई है, जिससे रटने की प्रवृत्ति समाप्त हो सके।

104. (D) मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (Foundational Literacy and Numeracy)
NEP 2020 के अंतर्गत FLN का अर्थ मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (Foundational Literacy and Numeracy) है। नीति यह स्पष्ट करती है कि प्राथमिक स्तर पर कक्षा 3 तक सभी बच्चों द्वारा बुनियादी पठन, लेखन और गणितीय गणना क्षमता हासिल करना अत्यंत आवश्यक है। इसके बिना आगे की शिक्षा निरर्थक हो जाती है, इसलिए FLN को एक तत्काल राष्ट्रीय मिशन माना गया है।

105. (B) केवल I, III, और IV
NEP 2020 कम से कम कक्षा 5 तक मातृभाषा में शिक्षा, कक्षा 6 से व्यावसायिक शिक्षा एवं इंटर्नशिप, तथा सतत योग्यता-आधारित मूल्यांकन की वकालत करती है। यह नीति कला और विज्ञान, तथा पाठ्यचर्या एवं पाठ्येतर गतिविधियों के बीच कठोर सीमाओं को समाप्त करने पर जोर देती है, उन्हें बढ़ावा देने पर नहीं। अतः कथनों में केवल I, III और IV सही हैं।

106. (D) विशिष्ट, मापने योग्य कौशलों और ज्ञान पर शिक्षार्थी की महारत
योग्यता-आधारित पाठ्यचर्या (Competency-based Curriculum) का प्राथमिक ध्यान इस बात पर होता है कि शिक्षार्थी ने विशिष्ट, स्पष्ट और मापने योग्य कौशलों, ज्ञान तथा अनुप्रयोगों में महारत (Mastery) हासिल की है या नहीं। यह मॉडल कक्षा में बिताए गए समय की तुलना में वास्तविक परिणाम और व्यावहारिक क्षमता के प्रदर्शन को सफलता का मुख्य मापदंड स्वीकार करता है।

107. (C) समय-आधारित (कारनेगी इकाई) पाठ्यचर्या [Time-based (Carnegie unit) curriculum]
योग्यता-आधारित पाठ्यचर्या समय-आधारित (Carnegie Unit) पाठ्यचर्या के विपरीत काम करती है। समय-आधारित मॉडल में शिक्षार्थी की प्रगति कक्षा में बिताए गए घंटों और निश्चित शैक्षणिक सत्र पर निर्भर करती है, भले ही उसने विषय पर महारत हासिल की हो या नहीं। इसके विपरीत, योग्यता-आधारित मॉडल में समय लचीला होता है और केवल कौशल महारत ही आगे बढ़ने का एकमात्र आधार होती है।

108. (D) ज्ञान के अनुप्रयोग की आवश्यकता वाले प्रामाणिक कार्य (Authentic tasks)
योग्यता-आधारित पाठ्यचर्या में मूल्यांकन केवल तथ्यात्मक याददाश्त का परीक्षण करने वाली लिखित परीक्षाओं तक सीमित नहीं रहता। इसके बजाय, इसमें प्रामाणिक कार्यों (Authentic Tasks), प्रदर्शन-आधारित आकलनों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों की आवश्यकता होती है। यह देखा जाता है कि शिक्षार्थी अपने अर्जित ज्ञान और कौशलों का वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में कितना प्रभावी ढंग से प्रयोग कर सकता है।

109. (A) सभी शैक्षणिक विषयों में 21वीं सदी के कौशलों को शामिल करना
कौशल-आधारित पाठ्यचर्या एकीकरण की मुख्य विशेषता यह है कि यह सभी पारंपरिक शैक्षणिक विषयों में 21वीं सदी के कौशलों—जैसे आलोचनात्मक सोच, संचार, सहयोग और समस्या-समाधान—को सुगमता से पिरोती है। यह ज्ञान को केवल सैद्धांतिक सूचनाओं के संग्रह के बजाय व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने योग्य क्षमता के रूप में विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

110. (A) केवल I, III, और IV
आधुनिक पाठ्यचर्या में एकीकृत किए जाने वाले मुख्य 21वीं सदी के कौशलों में रचनात्मकता (Creativity), डिजिटल साक्षरता (Digital Literacy) और समस्या-समाधान (Problem-Solving) शामिल हैं। रटकर याद करना (Rote Memorization) एक पारंपरिक और अप्रभावी कौशल माना जाता है जिसे आधुनिक शिक्षा सुधारों में हतोत्साहित किया जाता है। अतः केवल I, III और IV सही 21वीं सदी के कौशल हैं।

111. (C) नैतिक तर्क और संवैधानिक मूल्यों को विकसित करना
विद्यालयी पाठ्यचर्या में मूल्य शिक्षा (Value Education) को शामिल करने का प्राथमिक उद्देश्य शिक्षार्थियों में नैतिक तर्क (Moral Reasoning), सहानुभूति, नागरिक जिम्मेदारी और संवैधानिक मूल्यों (जैसे समानता, स्वतंत्रता, भ्रातृत्व) का विकास करना है। यह बालकों के चरित्र निर्माण और उन्हें

Downloaded from www.pdf.tube

198. (B) सांस्कृतिक रुप से उत्तरदायी शिक्षण शास्त्र (Culturally Responsive Pedagogy)
विविध और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के बच्चों के लिए पाठ्यचर्या को अर्थपूर्ण बनाने हेतु 'सांस्कृतिक रुप से उत्तरदायी शिक्षण शास्त्र' (Culturally Responsive Pedagogy) को अपनाया जाना चाहिए। यह दृष्टिकोण विद्यार्थियों के सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, स्थानीय ज्ञान और जीवन अनुभवों को शिक्षण में स्वीकार करता है और उनका सम्मानपूर्वक उपयोग करके अधिगम को प्रासंगिक बनाता है।

199. (B) क्षेत्रों में प्रगति को दर्शाने वाला एक 360-डिग्री कार्ड
NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित 'समग्र प्रगति कार्ड' (Holistic Progress Card - HPC) पाठ्यचर्या मूल्यांकन को पारंपरिक अंक-आधारित प्रणाली से 360-डिग्री बहुआयामी कार्ड में बदलता है। यह कार्ड केवल अकादमिक अंकों के स्थान पर शिक्षार्थी के संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोक्रियात्मक क्षेत्रों में विकास, स्व-मूल्यांकन, सहपाठी मूल्यांकन और शिक्षक आकलन का समग्र विवरण प्रस्तुत करता है।

200. (B) महत्वपूर्ण, जिम्मेदार, योगदान देने वाले व्यक्तियों का विकास करना
भारत जैसे लोकतांत्रिक समाज में शैक्षिक पाठ्यचर्या का अंतिम और सर्वोच्च उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जो आलोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking) में सक्षम हों, जिम्मेदार हों, नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण हों और समाज तथा राष्ट्र के सतत विकास में सकारात्मक योगदान देने में समर्थ हों। यह केवल साक्षर बनाना नहीं, बल्कि सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास है।

NODIA

122. (C) एक एकल, मानकीकृत मूल्यांकन विधि प्रदान करना
सीखने का सार्वभौमिक डिज़ाइन (UDL) तीन मुख्य सिद्धांतों पर आधारित है: प्रतिनिधित्व के बहुविध साधन, अभिव्यक्ति और क्रिया के बहुविध साधन, तथा सहभागिता के कई साधन। एक एकल मानकीकृत मूल्यांकन विधि UDL के लचीलेपन के सिद्धांत का खंडन करती है, क्योंकि UDL शिक्षार्थियों की विविध क्षमताओं को मापने के लिए विविध एवं लचीली मूल्यांकन प्रणालियों का समर्थन करता है।

123. (D) विद्यार्थी की तत्परता, रुचियां, और अधिगम प्रोफाइल (Learning profiles)
विभेदित पाठ्यचर्या (Differentiated Curriculum) का दृष्टिकोण यह प्रतिपादित करता है कि शिक्षकों को प्रत्येक शिक्षार्थी की व्यक्तिगत तत्परता स्तर (Readiness), रुचियों और अधिगम प्रोफाइल (Learning Profile) के आधार पर विषय-सामग्री, शिक्षण प्रक्रिया और अंतिम उत्पाद को अनुकूलित करना चाहिए। यह रणनीति सुनिश्चित करती है कि विविध क्षमता वाले विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकतानुसार चुनौतीपूर्ण एवं उपयुक्त अधिगम अवसर प्राप्त हों।

124. (B) गहरे, अंतर-विषयक शिक्षण अनुभव प्रदान करना
प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों (Gifted Learners) के लिए पाठ्यचर्या संशोधन में 'संवर्धन' (Enrichment) का तात्पर्य केवल अतिरिक्त काम सौंपना नहीं है, बल्कि उन्हें विषय-वस्तु की अधिक जटिल, गहरी, अमूर्त और अंतर-विषयक समझ प्रदान करना है। इसमें उच्च-स्तरीय चिंतन, स्वतंत्र शोध और रचनात्मक समस्या-समाधान के अवसर शामिल होते हैं जो उनकी उन्नत बौद्धिक क्षमता को चुनौती देते हैं।

125. (D) पूछताछ-आधारित और अनुभवात्मक शिक्षण शास्त्र पर कार्यशालाएं आयोजित करना
रटने और केवल नोट्स कॉपी करने की पारंपरिक प्रणाली को NEP 2020 के अनुरूप बदलने के लिए सबसे प्रभावी पहला कदम शिक्षकों का क्षमता निर्माण (Capacity Building) है। पूछताछ-आधारित और अनुभवात्मक शिक्षण शास्त्र पर कार्यशालाएं आयोजित करने से शिक्षकों को नई शिक्षण रणनीतियों, रचनात्मक दृष्टिकोण और कक्षा में बालकों को सक्रिय रूप से जोड़ने के व्यावहारिक तरीकों की समझ प्राप्त होगी।

126. (B) संलयित या व्यापक-क्षेत्र पाठ्यचर्या (Fused or Broad-fields Curriculum)
ज्ञान के अत्यधिक विखंडन को रोकने के लिए संलयित या व्यापक-क्षेत्र पाठ्यचर्या (Broad-fields Curriculum) डिज़ाइन का उपयोग किया जाता है। इसमें परस्पर संबंधित कई अलग-अलग विषयों, जैसे भूगोल, इतिहास और नागरिक शास्त्र, को मिलाकर एक व्यापक अध्ययन क्षेत्र (उदा. सामाजिक अध्ययन) में एकीकृत कर दिया जाता है। इससे शिक्षार्थियों को विषयों का एक समग्र और अंतर-संबंधित ज्ञान प्राप्त होता है।

127. (D) उद्देश्यों, निर्देशों और मूल्यांकन के बीच संरेखण
'पाठ्यचर्या संरेखण' (Curriculum Alignment) की अवधारणा का तात्पर्य शैक्षिक प्रणाली के तीन मुख्य घटकों—पाठ्यचर्या के पूर्व-निर्धारित उद्देश्य (Objectives), कक्षा में दिया जाने वाला वास्तविक निर्देश (Instruction) तथा विद्यार्थियों का किया जाने वाला मूल्यांकन (Assessment)—के बीच पूर्ण तालमेल और संगति होना है। जब ये तीनों घटक एक ही दिशा में कार्य करते हैं, तब शिक्षा प्रभावी होती है।

128. (A) अत्यधिक सामग्री की मात्रा उपलब्ध निर्देशात्मक समय से अधिक हो जाती है
'पाठ्यचर्या अतिभार' (Curriculum Overload) की समस्या तब उत्पन्न होती है जब पाठ्यक्रम में शामिल की गई विषय-सामग्री, अवधारणाओं और अध्यायों की मात्रा उपलब्ध कुल निर्देशात्मक समय की तुलना में अत्यधिक हो जाती है। इसके परिणामस्वरूप शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने की होड़ में रहते हैं और शिक्षार्थियों पर रटने का दबाव बढ़ता है, जिससे गभीर समझ विकसित नहीं हो पाती।

129. (D) महत्वपूर्ण सोच, पूछताछ और विश्लेषण-आधारित अधिगम को सक्षम करना
NEP 2020 में पाठ्यचर्या को उसके मुख्य अनिवार्य तत्वों (Core Essentials) तक सीमित करने का प्राथमिक उद्देश्य अनावश्यक सूचनात्मक बोझ को हटाना है। इससे कक्षा में विद्यार्थियों के लिए आलोचनात्मक सोच (Critical Thinking), पूछताछ, बहस, विश्लेषण और अनुभवात्मक अधिगम हेतु पर्याप्त समय और स्थान उपलब्ध होता है, जिससे रटंत विद्या के स्थान पर वास्तविक समझ विकसित होती है।

130. (D) I, II, और III
विद्यालय में विद्यार्थी के मूल्यों और सामाजिककरण को आकार देने में तीनों प्रकार की पाठ्यचर्याएं भूमिका निभाती हैं। स्पष्ट पाठ्यचर्या (Explicit) औपचारिक ज्ञान देती है, प्रच्छन्न पाठ्यचर्या (Hidden) अनौपचारिक व्यवहार और सामाजिक नियम सिखाती है, तथा शून्य पाठ्यचर्या (Null) छोड़े गए विषयों के माध्यम से यह संदेश देती है कि क्या महत्वपूर्ण नहीं है। अतः तीनों का प्रभाव पड़ता है।

131. (B) कक्षा में दी गई और अनुभव की गई पाठ्यचर्या
'अधिनियमित पाठ्यचर्या' (Enacted Curriculum) से तात्पर्य उस पाठ्यचर्या से है जो वास्तव में कक्षा के भीतर शिक्षकों द्वारा क्रियान्वित की जाती है और विद्यार्थियों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से अनुभव की जाती है। यह कागजी या लिखित नीतिगत पाठ्यचर्या से अलग होती है, क्योंकि इसमें शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच की जीवंत अंतःक्रियाएं, निर्देशात्मक तरीके और कक्षा की वास्तविक गतिविधियां समाहित होती हैं।

132. (D) 'का' (Of) अतीत की उपलब्धि का मूल्यांकन करता है; 'के लिए' (For) चल रहे निर्देश का मार्गदर्शन करता है
अधिगम 'का' मूल्यांकन (Assessment OF Learning) योगात्मक प्रकृति का होता है जो एक निश्चित अवधि के अंत में अतीत में अर्जित ज्ञान और उपलब्धि का मापन करता है।

Click Here to Buy book on Amazon

154. (B) वर्तमान विद्यार्थी स्थिति और शैक्षिक लक्ष्यों के बीच अंतराल की पहचान करना
पाठ्यचर्या विकास प्रक्रिया में 'आवश्यकता मूल्यांकन' (Needs Assessment) की मुख्य भूमिका शिक्षार्थियों की वर्तमान ज्ञान, कौशल व अभिवृत्ति के स्तर तथा अपेक्षित शैक्षिक लक्ष्यों व सामाजिक आवश्यकताओं के मध्य विद्यमान अंतरालों की पहचान करना है। यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि निर्मित की जाने वाली पाठ्यचर्या प्रासंगिक, व्यावहारिक और वास्तविक समस्याओं के समाधान पर आधारित हो।

155. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
विभेदित निर्देश (Differentiated Instruction) प्रत्येक विद्यार्थी की व्यक्तिगत क्षमता और गति के अनुसार शिक्षण को अनुकूलित करता है, जबकि पारंपरिक मानकीकृत परीक्षण सभी से एक समान प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं। यह स्थिति पाठ्यचर्या संपादन में एक मौलिक तनाव उत्पन्न करती है, क्योंकि एक ही पैमाने पर विविध आकलनों से सीखे गए बालकों को मापना व्यावहारिक रूप से कठिन होता है।

156. (A) ली शुलमैन (Lee Shulman)
'शैक्षणिक विषय-वस्तु ज्ञान' (Pedagogical Content Knowledge - PCK) की प्रसिद्ध अवधारणा को ली शुलमैन (Lee Shulman) द्वारा 1986 में गढ़ा गया था। उन्होंने यह प्रतिपादित किया कि एक प्रभावी शिक्षक केवल विषय-वस्तु का ज्ञाता नहीं होता, बल्कि उसके पास यह विशेष ज्ञान भी होता है कि उस विषय-वस्तु को विद्यार्थियों के लिए सुगम और बोधगम्य कैसे बनाया जाए।

157. (C) सामग्री को सुलभ बनाने के लिए विषय और शिक्षण ज्ञान का प्रतिच्छेदन
शैक्षणिक विषय-वस्तु ज्ञान (PCK) विषय-वस्तु ज्ञान (Content Knowledge) और शिक्षण-शास्त्र (Pedagogy) के मिलन बिंदु को दर्शाता है। इसका अर्थ यह समझना है कि किसी विशेष विषय की अवधारणाओं, जटिलताओं और भ्रांतियों को किस प्रकार उपयुक्त शिक्षण विधियों, उदाहरणों और गतिविधियों का प्रयोग करके विविध शिक्षार्थियों के लिए सुगम, स्पष्ट और बोधगम्य बनाया जा सकता है।

158. (B) उद्देश्य निर्धारण और मूल्यांकन (Setting Objectives and Evaluation)
बेंजामिन ब्लूम का शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy) पाठ्यचर्या विकास के उद्देश्य निर्धारण और मूल्यांकन चरण में अत्यधिक उपयोगी सिद्ध होता है। यह शिक्षकों और पाठ्यचर्या डेवलपर्स को संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोक्रियात्मक क्षेत्रों में निचले स्तर (स्मरण) से लेकर उच्च स्तर (सृजन) तक के विशिष्ट और मापने योग्य उद्देश्य तय करने में मदद करता है।

159. (C) सृजन करना (Creating)
एंडरसन और क्रैथवोहल द्वारा वर्ष 2001 में संशोधित ब्लूम के वर्गीकरण के अनुसार, संज्ञानात्मक क्षेत्र का सर्वोच्च स्तर 'सृजन करना' (Creating) है। इस स्तर पर शिक्षार्थी नई संरचनाएं बनाने, विविध विचारों को मिलाकर एक नया रूप देने या मौलिक उत्पादों का निर्माण करने में सक्षम होते हैं। यह उच्च-स्तरीय चिंतन क्षमता (HOTs) का उच्चतम रूप माना जाता है।

160. (A) भावात्मक क्षेत्र पर केंद्रित मूल्य-शिक्षा एकीकरण
"देशभक्ति पाठ्यचर्या" का मुख्य उद्देश्य रटने की परीक्षाओं के स्थान पर विचारशील गतिविधियों द्वारा संवैधानिक मूल्यों, नागरिक बोध और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना है। यह मुख्य रूप से भावात्मक क्षेत्र (Affective Domain) पर केंद्रित मूल्य-शिक्षा के एकीकरण का प्रतिनिधित्व करता है, जो बालकों की मनोवृत्तियों, भावनाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों के सकारात्मक विकास को प्राथमिकता प्रदान करता है।

161. (A) उच्च छात्र-शिक्षक अनुपात और कठोर बोर्ड परीक्षा प्रणालियां
भारतीय संदर्भ में पूर्णतः 'शिक्षार्थी-केंद्रित' पाठ्यचर्या लागू करने में मुख्य व्यावहारिक बाधाएं कक्षाओं में अत्यधिक छात्र-शिक्षक अनुपात (PTR) और पारंपरिक, कठोर बोर्ड परीक्षा प्रणालियां हैं। अत्यधिक छात्र संख्या के कारण व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है, जबकि परीक्षा-केंद्रित दबाव शिक्षकों को रचनात्मक गतिविधियों के बजाय पाठ्यपुस्तकीय सामग्री रटाने के लिए मजबूर करता है।

162. (B) शैक्षिक और सह-शैक्षणिक वृद्धि का लगातार मूल्यांकन करना
'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन' (CCE) का प्राथमिक उद्देश्य केवल वर्ष-अंत परीक्षाओं पर निर्भर रहने के बजाय वर्ष भर बालक के विकास का लगातार आकलन करना था। यह मूल्यांकन के दायरे को व्यापक बनाकर शैक्षिक विषयों (Scholastic Areas) के साथ-साथ सह-शैक्षणिक पहलुओं जैसे जीवन कौशल, मनोवृत्ति और गतिविधियों में बालक की समग्र वृद्धि का परीक्षण करता था।

163. (C) कक्षा में पाठ्यचर्या का वास्तविक निष्पादन और वितरण
'पाठ्यचर्या संपादन' (Curriculum Transaction) से तात्पर्य उस व्यावहारिक प्रक्रिया से है जिसके माध्यम से औपचारिक पाठ्यचर्या को कक्षा में शिक्षकों और विद्यार्थियों की अंतःक्रिया द्वारा वास्तव में निष्पादित और वितरित किया जाता है। इसमें निर्देशात्मक रणनीतियों, शिक्षण-अधिगम सामग्री, गतिविधियों और कक्षा प्रबंधन का प्रभावी उपयोग शामिल होता है ताकि अधिगम लक्ष्यों को हासिल किया जा सके।

164. (B) संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोक्रियात्मक क्षेत्रों में समय और जोर का संतुलन
पाठ्यचर्या विकास में 'संतुलन' (Balance) के सिद्धांत का तात्पर्य यह है कि पाठ्यचर्या में बालक के सर्वांगीण विकास के तीनों मुख्य क्षेत्रों—संज्ञानात्मक (बौद्धिक), भावात्मक (नैतिक/भावनात्मक) और मनोक्रियात्मक (शारीरिक/व्यावहारिक कौशल)—को उचित समय, स्थान और महत्व दिया जाना चाहिए, ताकि केवल एक क्षेत्र पर अत्यधिक जोर न पड़े।

NODIA

143. (C) विद्यालयी पाठ्यचर्या में मान्यता प्राप्त और एकीकृत
NCF 2005 के अनुसार, समुदाय के स्थानीय ज्ञान, पारंपरिक कौशलों, शिल्प और मौखिक परंपराओं को औपचारिक विद्यालयी पाठ्यचर्या में सम्मानपूर्वक मान्यता दी जानी चाहिए और एकीकृत किया जाना चाहिए। यह दृष्टिकोण केवल पाठ्यपुस्तकीय ज्ञान पर निर्भरता को कम करता है और बालकों के घर एवं विद्यालय के परिवेश के बीच एक सार्थक संबंध स्थापित करने में मदद करता है।

144. (A) अनुभव करना, चिंतन करना, अवधारणा बनाना, और प्रयोग करना
डेविड कोल्ब द्वारा प्रतिपादित 'अनुभवात्मक अधिगम' (Experiential Learning) चक्र में चार क्रमिक चरण शामिल हैं: सबसे पहले प्रत्यक्ष अनुभव करना (Concrete Experience), उस पर विचारपूर्वक चिंतन करना (Reflective Observation), अमूर्त अवधारणा बनाना (Abstract Conceptualization), और अंत में नए संदर्भों में सक्रिय प्रयोग करना (Active Experimentation)। यह चक्र ज्ञान को गहरा और स्थायी बनाता है।

145. (A) केवल I और III
पाठ्यचर्या में ICT का प्रभावी एकीकरण शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को पारंपरिक शिक्षक-केंद्रित मॉडल से शिक्षार्थी-केंद्रित मॉडल में बदलता है। यह व्यक्तिगत शिक्षण मार्गों और तत्काल प्रतिपुष्टि को संभव बनाता है। ICT केवल कंप्यूटर विषय तक सीमित नहीं है और न ही यह शिक्षक का विकल्प है, बल्कि यह एक सशक्त सहायक उपकरण है। अतः I और III सही हैं।

146. (A) विषय-आधारित/विषयगत पाठ्यचर्या (Theme-based/Thematic curriculum)
विषयगत पाठ्यचर्या (Thematic Curriculum) पारंपरिक पृथक विषयों के बजाय व्यापक, अर्थपूर्ण और जीवन से जुड़े विषयों (जैसे जल, पर्यावरण, परिवहन) के इर्द-गिर्द सीखने को व्यवस्थित करती है। यह दृष्टिकोण विभिन्न अध्ययन क्षेत्रों के ज्ञान को एक केंद्रीय विषय के माध्यम से आपस में जोड़ता है, जिससे शिक्षार्थियों के लिए अवधारणाओं को समझना अधिक स्वाभाविक और एकीकृत हो जाता है।

147. (B) प्रक्रिया कौशल और महत्वपूर्ण सोच (Critical thinking)
जो पाठ्यचर्या शिक्षार्थियों को "क्या सोचना है" (तथ्य रटना) के बजाय "कैसे सोचना है" सिखाने पर केंद्रित होती है, वह मुख्य रूप से प्रक्रिया कौशलों, समस्या-समाधान, और आलोचनात्मक सोच (Critical Thinking) को प्राथमिकता देती है। यह शिक्षार्थियों में स्वायत्त चिंतन, सूचनाओं के विश्लेषण और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता का विकास करती है, जो आधुनिक शिक्षा का मुख्य लक्ष्य है।

148. (B) शैक्षिक उद्देश्यों की ओर एक संरचित मार्ग प्रदान करना
इस वाक्यांश में 'दौड़ का मैदान' प्रतियोगिता का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह इस बात को दर्शाता है कि पाठ्यचर्या शिक्षार्थी को उसके पूर्व-निर्धारित शैक्षिक लक्ष्यों और सर्वांगीण विकास तक पहुँचने के लिए एक व्यवस्थित, संरचित और दिशा-निर्देशित मार्ग प्रदान करती है। यह एक ऐसा मार्ग है जिस पर आगे बढ़कर बालक अपनी योग्यताओं को पूर्णता प्रदान करता है।

149. (B) शून्य पाठ्यचर्या (Null Curriculum) - वह पाठ्यचर्या जो विद्यालय के नियमों के माध्यम से अप्रत्यक्ष रुप से सिखाई जाती है
शून्य पाठ्यचर्या (Null Curriculum) का अर्थ वह विषय-सामग्री है जिसे विद्यालय द्वारा नहीं पढ़ाया जाता या बाहर रखा जाता है। विद्यालय के नियमों और संस्कृति के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से सीखी जाने वाली बातें 'प्रच्छन्न पाठ्यचर्या' (Hidden Curriculum) कहलाती हैं। अतः विकल्प B में दी गई शून्य पाठ्यचर्या की परिभाषा गलत है, इसलिए यह बेमेल युग्म है।

150. (A) II, I, III, IV
टाइलर के पाठ्यचर्या विकास मॉडल का सही अनुक्रमिक क्रम सबसे पहले शैक्षिक उद्देश्यों की पहचान करना (II) है। इसके बाद उन उद्देश्यों को पूरा करने वाले अधिगम अनुभवों का चयन किया जाता है (I)। तत्पश्चात इन अनुभवों का प्रभावी संगठन किया जाता है (III), और अंत में अधिगम परिणामों का मूल्यांकन किया जाता है (IV)।

151. (C) पाठ्यचर्या संक्षेपण (Curriculum Compacting) और संवर्धन के अवसर
प्रतिभाशाली विद्यार्थियों (Gifted Learners) की सीखने की गति तेज होती है, इसलिए उनके लिए 'पाठ्यचर्या संक्षेपण' (Curriculum Compacting - पहले से ज्ञात सामग्री को हटाना) और 'संवर्धन' (Enrichment - अधिक जटिल व गहन अध्ययन) अनिवार्य तत्व हैं। यह रणनीति उन्हें बोरियत से बचाती है और उनकी उच्च बौद्धिक क्षमता को उपयुक्त रूप से चुनौती देकर उनका विकास करती है।

152. (B) चुनौतीपूर्ण सामग्री प्रदान करने के लिए ज्ञात सामग्री को छोड़ना
'पाठ्यचर्या संक्षेपण' (Curriculum Compacting) एक ऐसी तकनीक है जिसमें प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों के पूर्व-मूल्यांकन के बाद उस विषय-वस्तु को छोड़ दिया जाता है जिसे वे पहले से जानते हैं। इसके बदले बचे हुए समय का उपयोग उन्हें अधिक चुनौतीपूर्ण, गहन और संवर्धित (Enriched) शिक्षण गतिविधियाँ प्रदान करने के लिए किया जाता है ताकि उनकी क्षमता का पूर्ण उपयोग हो सके।

153. (C) प्रच्छन्न पाठ्यचर्या (Hidden Curriculum)
शिक्षण सामग्री में मौजूद अनौपचारिक लैंगिक पूर्वाग्रहों और रुढ़ियों को पहचानना तथा कक्षा में उन पर चर्चा करके उन्हें चुनौती देना 'प्रच्छन्न पाठ्यचर्या' (Hidden Curriculum) का प्रबंधन करने से जुड़ा है। प्रच्छन्न पाठ्यचर्या के माध्यम से ही अक्सर ये रुढ़ियाँ अप्रत्यक्ष रूप से संचारित होती हैं, जिन्हें एक जागरुक शिक्षक आलोचनात्मक चर्चा द्वारा सकारात्मक दिशा दे सकता है।

Downloaded from www.pdf.tube

दूसरी ओर, अधिगम 'के लिए' मूल्यांकन (Assessment FOR Learning) रचनात्मक प्रकृति का होता है, जो शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान लगातार प्रतिपुष्टि देकर वर्तमान निर्देश और सीखने की विधि को सुधारने में मदद करता है।

133. (B) पर्यावरणीय बातचीत के माध्यम से ज्ञान सक्रिय रूप से निर्मित होता है
संरचनावादी पाठ्यचर्या डिज़ाइन (Constructivist Curriculum Design) इस ज्ञानमीमांसीय विश्वास पर आधारित है कि ज्ञान कोई वस्तु नहीं है जिसे शिक्षक से शिक्षार्थी में ज्यों का त्यों स्थानांतरित किया जाए। इसके बजाय, शिक्षार्थी अपने भौतिक और सामाजिक पर्यावरण के साथ सक्रिय अंतःक्रिया, अनुभव और चिंतन के माध्यम से अपने स्वयं के ज्ञान का निर्माण (Construction of Knowledge) करते हैं।

134. (B) लेव वाइगोत्स्की (Lev Vygotsky)
'समीपस्थ विकास का क्षेत्र' (Zone of Proximal Development - ZPD) की अवधारणा प्रसिद्ध रूसी मनोवैज्ञानिक लेव वाइगोत्स्की (Lev Vygotsky) द्वारा दी गई थी। उनका सामाजिक संरचनावादी सिद्धांत पाठ्यचर्या डिज़ाइन में सहयोगात्मक अधिगम, पाड़ (Scaffolding), और सामाजिक-सांस्कृतिक अंतःक्रिया के महत्व पर अत्यधिक बल देता है, जहाँ अधिक सक्षम साथी अधिगम को सुगम बनाते हैं।

135. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
योग्यता-आधारित शिक्षा (CBE) में समय की तुलना में कौशल महारत को स्थिर माना जाता है। चूंकि सभी विद्यार्थियों की सीखने की गति भिन्न होती है, इसलिए CBE एक लचीली गति संरचना की मांग करता है। इसमें विद्यार्थी समय की बाध्यता के बिना केवल तभी आगे बढ़ते हैं जब वे विशिष्ट योग्यता पर महारत हासिल कर लेते हैं, जिससे समय परिवर्तनशील हो जाता है।

136. (B) विषयों में अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए शैक्षणिक उपकरणों के रूप में कला रूपों का उपयोग करना
कला-एकीकृत अधिगम (Art-Integrated Learning) का मुख्य उद्देश्य कला (संगीत, नृत्य, नाटक, चित्रकला) को केवल एक अलग विषय के रूप में पढ़ाना नहीं है, बल्कि विभिन्न शैक्षणिक विषयों (जैसे विज्ञान, गणित, भाषा) की जटिल अवधारणाओं को अधिक आनंददायक, अनुभवात्मक और सुलभ बनाने हेतु कला को एक शक्तिशाली शिक्षण-शास्त्रीय माध्यम के रूप में उपयोग करना है।

137. (D) प्रामाणिक, जटिल समस्याओं का विस्तारित विद्यार्थी अन्वेषण
परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning - PBL) पाठ्यचर्या की मुख्य पहचान यह है कि इसमें शिक्षार्थी एक विस्तारित समयावधि में वास्तविक दुनिया की जटिल, प्रामाणिक और अर्थपूर्ण समस्याओं या चुनौतियों का अन्वेषण करते हैं। इसमें विद्यार्थी स्वयं योजना बनाते हैं, शोध करते हैं, समस्या का समाधान ढूंढते हैं और अंत में एक व्यावहारिक उत्पाद या प्रस्तुति का निर्माण करते हैं।

138. (A) पाउलो फ्रेरे (Paulo Freire)
'शिक्षा की बैंकिंग अवधारणा' (Banking Concept of Education) की प्रसिद्ध आलोचना ब्राजील के शिक्षाविद पाउलो फ्रेरे (Paulo Freire) ने अपनी पुस्तक 'पेडागोजी ऑफ द ऑप्रेस्ड' में की थी। उन्होंने इस पारंपरिक विचार का विरोध किया जिसमें विद्यार्थी को एक खाली बैंक खाता माना जाता है और शिक्षक उसमें ज्ञान जमा करता है। NCF 2005 ने इस विचार को खारिज करते हुए रचनावाद को अपनाया।

139. (B) लक्षित विषयवस्तु के विषयों और संज्ञानात्मक स्तरों से मूल्यांकन उपकरणों का मिलान करना
पाठ्यचर्या और परीक्षा निर्माण में 'विशिष्टता तालिका' (Table of Specifications) या ब्लूप्रिंट का उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि मूल्यांकन उपकरण (जैसे प्रश्न पत्र) निर्धारित पाठ्यक्रम सामग्री और ब्लूम के संज्ञानात्मक स्तरों (ज्ञान, समझ, अनुप्रयोग आदि) का संतुलित और न्यायसंगत प्रतिनिधित्व करता हो। यह परीक्षण की सामग्री वैधता (Content Validity) को सुदृढ़ करता है।

140. (B) व्यावसायिक शिक्षा, कोडिंग और स्थानीय शिल्प को एकीकृत करना
किशोरों में ड्रॉपआउट दर रोकने और पाठ्यचर्या की प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए व्यावसायिक शिक्षा, कोडिंग, व्यावहारिक जीवन कौशल और स्थानीय शिल्प का एकीकरण सबसे प्रभावी उपाय है। NEP 2020 के अनुसार, यह दृष्टिकोण शिक्षा को शिक्षार्थियों के व्यावहारिक जीवन और भावात्मक रुचियों से जोड़ता है, जिससे उनमें जुड़ाव बढ़ता है और पढ़ाई छोड़ने की प्रवृत्ति कम होती है।

NODIA

141. (B) ग्रेड स्तरों में अंतरालों, अनावश्यकताओं और असंतुलनों की पहचान करना
'पाठ्यचर्या मानचित्रण' (Curriculum Mapping) एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें विभिन्न ग्रेड स्तरों और विषयों में वास्तव में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम, कौशलों और आकलनों का व्यवस्थित रूप से दस्तावेजीकरण किया जाता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य विभिन्न कक्षाओं के बीच पाठ्यक्रम के दोहराव (Redundancy), अंतरालों (Gaps) और असंतुलनों की पहचान करके पाठ्यचर्या में सुसंगत प्रवाह स्थापित करना है।

142. (C) ECCE को कक्षा 1 और 2 के साथ निर्बाध रूप से एकीकृत करना
NEP 2020 के तहत "बुनियादी चरण" (Foundational Stage - आयु 3 से 8 वर्ष) की सबसे प्रमुख विशेषता प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ECCE) को प्राथमिक विद्यालय की कक्षा 1 और 2 के साथ एकीकृत करना है। यह 5-वर्षीय एकीकृत ढांचा छोटे बालकों को खेल-कूद और गतिविधियों के माध्यम से एक सहज और तनाव-मुक्त अधिगम नींव प्रदान करता है।

165. (A) प्राथमिक स्रोतों, भूमिका-निभाने (Role-plays), वाद-विवाद और विश्लेषणात्मक प्रश्नों का उपयोग करें
NCF 2005 के संरचनावादी दृष्टिकोण के अनुसार, इतिहास शिक्षण को केवल व्याख्यान और प्रश्नों के रटने तक सीमित नहीं होना चाहिए। प्रधानाचार्य की सलाह प्राथमिक स्रोतों के उपयोग, भूमिका-निभाने (Role-play), वाद-विवाद और विश्लेषणात्मक प्रश्नों के समावेशन पर होनी चाहिए, जिससे विद्यार्थी ऐतिहासिक घटनाओं का स्वयं विश्लेषण करके अपने ज्ञान का निर्माण सक्रिय रुप से कर सकें।

166. (A) विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और यूनिसेफ (UNICEF)
"जीवन कौशल शिक्षा" (Life Skills Education) पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करने वाली पाठ्यचर्या विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और यूनिसेफ (UNICEF) की सिफारिशों से संरेखित होती है। WHO ने 10 मुख्य जीवन कौशलों (जैसे निर्णय लेना, समस्या समाधान, प्रभावी सम्प्रेषण, सहानुभूति, तनाव प्रबंधन) की पहचान की है जो मनो-सामाजिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए अनिवार्य माने जाते हैं।

167. (B) विभिन्न शैक्षिक दर्शनों के सर्वोत्तम तत्वों का सामंजस्य स्थापित करना
पाठ्यचर्या नियोजन में 'चयनित या उदारवादी दृष्टिकोण' (Eclectic Approach) का अर्थ किसी एक ही दार्शनिक विचारधारा (जैसे केवल आदर्शवाद या केवल व्यवहारवाद) से बंधे रहने के बजाय विविध शैक्षिक दर्शनों के सबसे व्यावहारिक और उपयोगी विचारों का संयोजन करना है। यह दृष्टिकोण एक संतुलित पाठ्यचर्या के निर्माण में मदद करता है जो शिक्षार्थी की विविध आवश्यकताओं को पूरा करती है।

168. (B) सामाजिक पुनर्निर्माणवादी पाठ्यचर्या (Social Reconstructionist Curriculum)
सामाजिक पुनर्निर्माणवादी पाठ्यचर्या (Social Reconstructionist Curriculum) का मुख्य उद्देश्य समाज में विद्यमान असमानताओं, शक्ति संरचनाओं, अन्याय और पूर्वाग्रहों को स्पष्ट रूप से चुनौती देना है। यह पाठ्यचर्या शिक्षा को सामाजिक सुधार और क्रांति का माध्यम मानती है, तथा शिक्षार्थियों को सामाजिक चेतना और आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करके समाज को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करती है।

169. (B) मूल्यांकन, पाठ्यचर्या और निर्देशों के बीच तालमेल
शैक्षणिक मापन में "पाठ्यचर्या संरेखण" (Curriculum Alignment) शब्द विशेष रुप से तीन मूलभूत घटकों: निर्धारित पाठ्यचर्या (क्या पढ़ाया जाना चाहिए), कक्षा निर्देश (वास्तव में क्या पढ़ाया जाता है) तथा मूल्यांकन उपकरणों (क्या मापा जाता है) के मध्य पूर्ण तालमेल और सुसंगतता को संदर्भित करता है। यह संरेखण शैक्षिक प्रणाली की प्रभावशीलता का मुख्य आधार होता है।

170. (A) केवल I और II
एक पाठ्यचर्या नेता के रूप में प्रधानाचार्य की सक्रिय भूमिका होती है। उनका दायित्व शिक्षकों को आवश्यक शिक्षण संसाधन उपलब्ध कराना तथा कक्षा अवलोकन द्वारा पाठ्यचर्या संपादन की निगरानी करना है। शिक्षण में हस्तक्षेप न करना एक निष्क्रिय नेतृत्व को दर्शाता है जो गुणवत्ता सुधार में बाधक है। अतः केवल कथन I और II सही हैं।

171. (B) व्यवहारवाद (Behaviorism)
अभिक्रमायोजित अनुदेशन (Programmed Instruction) और कंप्यूटर-आधारित अभ्यास-और-अभ्यास (Drill and Practice) की पद्धतियां मनोवैज्ञानिक 'व्यवहारवाद' (Behaviorism) पर आधारित हैं। स्किनर के क्रियाप्रसूता अनुबंधन (Operant Conditioning) के सिद्धांत के अनुसार, यह दृष्टिकोण अधिगम को छोटे-छोटे पदों में विभाजित करने, तत्काल सुदृढ़ीकरण (Reinforcement) देने और बार-बार अभ्यास द्वारा अनुक्रियाओं को आकार देने पर बल देता है।

172. (C) गणितीय सोच, तर्क और समस्या-समाधान कौशलों का विकास करना
NCF 2005 के अनुसार, गणित शिक्षण का मुख्य उद्देश्य केवल सूत्रों को याद करना या गणनात्मक गति हासिल करना नहीं है, बल्कि बालकों की विचार प्रक्रिया का गणितीकरण करना (Mathematization of Thought) है। इसका मुख्य ध्यान शिक्षार्थियों में गणितीय सोच, तार्किक चिंतन, अमूर्त विचारों से निपटने की क्षमता और व्यावहारिक समस्या-समाधान कौशलों को विकसित करने पर होना चाहिए।

173. (B) शैक्षणिक अवधारणाओं, टीम वर्क और लचीलेपन को पढ़ाने के लिए खेलों का उपयोग करना
'खेल-एकीकृत अधिगम' (Sports-Integrated Learning) का तात्पर्य केवल खेल के मैदान तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि विभिन्न शैक्षणिक अवधारणाओं (जैसे भौतिकी के नियम, गणितीय गणनाएं) के साथ-साथ जीवन कौशलों जैसे टीम वर्क, अनुशासन और लचीलेपन (Resilience) को सिखाने के लिए खेलों को एक प्रभावी शिक्षण-शास्त्रीय उपकरण के रुप में प्रयोग करना है।

174. (C) पारिस्थितिक संतुलन पर बड़े पैमाने पर औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देना
पाठ्यचर्या में पर्यावरण शिक्षा को एकीकृत करने के मुख्य उद्देश्य पर्यावरण जागरुकता बढ़ाना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना और टिकाऊ जीवन शैली अपनाना है। पारिस्थितिक संतुलन की कीमत पर अनियंत्रित बड़े पैमाने के औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देना पर्यावरण शिक्षा के मूलभूत सिद्धांतों के पूरी तरह विपरीत है। अतः विकल्प C इसका सही उद्देश्य नहीं है।

175. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
समावेशी शिक्षा एक एकसमान या कठोर पाठ्यचर्या के स्थान पर अत्यधिक लचीली पाठ्यचर्या की मांग करती है, क्योंकि समावेशी कक्षा में विद्यार्थियों की संज्ञानात्मक क्षमताएं, अधिगम शैलियां और शारीरिक आवश्यकताएं भिन्न होती हैं। "एक आकार सभी के लिए उपयुक्त" (One size fits all)

Click Here to Buy book on Flipkart

एक जिम्मेदार, संवेदनशील तथा जागरूक नागरिक के रुप में विकसित करने में सहायक होता है।

112. (D) विषयों, गतिविधियों और संस्कृति में समग्र रूप से एकीकृत
समकालीन पाठ्यचर्या नीतियों (जैसे NCF और NEP) के अनुसार मूल्य शिक्षा को केवल किसी एक पृथक विषय या अलग कक्षा तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। इसके बजाय, मूल्यों को सभी शैक्षणिक विषयों, सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों, विद्यालयी पर्यावरण और दैनिक व्यवहारिक संस्कृति में समग्र रूप से (Interwoven) एकीकृत किया जाना चाहिए ताकि विद्यार्थी उन्हें स्वाभाविक रूप से आत्मसात कर सकें।

113. (D) भारत का सर्वोच्च न्यायालय (एम.सी. मेहता मामला)
पूरे भारत में पर्यावरण शिक्षा (Environmental Education) को विद्यालयी पाठ्यचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा बनाने का ऐतिहासिक आदेश भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ जनहित याचिका मामले में दिया गया था। इसके बाद NCERT और अन्य शैक्षिक निकायों ने सभी शैक्षणिक स्तरों पर पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता से संबंधित विषयों को अनिवार्य रूप से शामिल किया।

114. (D) परियोजना-आधारित स्थानीय पर्यावरण ऑडिट और संरक्षण गतिविधियाँ
पर्यावरण शिक्षा को प्रभावी बनाने के लिए सबसे उपयुक्त शिक्षण शास्त्र परियोजना-आधारित local ऑडिट, व्यावहारिक पौधरोपण, अपशिष्ट प्रबंधन और संरक्षण गतिविधियां हैं। केवल सैद्धांतिक व्याख्यान देने या तिथियों को रटने की तुलना में जब विद्यार्थी प्रत्यक्ष गतिविधियों में भाग लेते हैं, तो उनमें पर्यावरण के प्रति वास्तविक संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और व्यावहारिक कौशलों का विकास होता है।

115. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
आधुनिक पाठ्यचर्या ढांचों ने 'सह-पाठ्यचर्या' या 'पाठ्येतर' जैसे शब्दों के विभाजन को समाप्त कर दिया है। इन्हें अब समग्र पाठ्यचर्या का एक अभिन्न अंग माना जाता है क्योंकि खेल, कला और संगीत जैसी गतिविधियां केवल मनोरंजन नहीं हैं, बल्कि वे बालक के भावात्मक, सामाजिक और मनोक्रियात्मक विकास में उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जितना कि पारंपरिक विषय।

116. (C) वाद-विवाद सभा (Debating society)
वाद-विवाद सभा (Debating Society) एक सह-पाठ्यचर्या गतिविधि का उत्कृष्ट उदाहरण है। जबकि बीजगणित, इतिहास और रसायन विज्ञान पारंपरिक शैक्षणिक विषय हैं, वाद-विवाद जैसी गतिविधियां औपचारिक कक्षा शिक्षण के पूरक के रूप में शिक्षार्थियों में सम्प्रेषण कौशल, तर्कशक्ति, आत्मविश्वास और विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास करती हैं, जो सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

117. (D) न्यायसंगत विद्यार्थी भागीदारी के लिए निर्देशात्मक समय का संतुलन बनाना
विद्यालय में सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों को एकीकृत करते समय प्रधानाचार्य के समक्ष मुख्य प्रबंधकीय चुनौती अकादमिक शिक्षण समय और गतिविधियों के बीच सही संतुलन बनाए रखना होता है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक होता है कि मुख्य विषयों का पठन-पाठन प्रभावित हुए बिना सभी विद्यार्थियों को इन गतिविधियों में भाग लेने के समान और न्यायसंगत अवसर प्राप्त हो सकें।

118. (C) विविध आवश्यकताओं के लिए सामग्री, निर्देश और मूल्यांकन को संशोधित करना
समावेशी कक्षाओं में पाठ्यचर्या अनुकूलन (Curriculum Adaptation) का तात्पर्य शैक्षणिक मानकों को कम करना नहीं है, बल्कि विभिन्न अधिगम क्षमताओं, विशेष आवश्यकताओं और विकलांगताओं वाले बालकों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए शिक्षण सामग्री, निर्देशात्मक तरीकों और मूल्यांकन प्रक्रियाओं में लचीला संशोधन करना है ताकि सभी विद्यार्थी एक साथ सीख सकें।

119. (C) सीखने का सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL) / आवास (Accommodation)
डिस्लेक्सिया से पीड़ित विद्यार्थी को ऑडियो पुस्तकें और ग्राफिक ऑर्गनाइज़र प्रदान करना निर्देशात्मक आवास (Accommodation) और सीखने के सार्वभौमिक डिज़ाइन (UDL) का उदाहरण है। इसमें अधिगम के मूल लक्ष्यों को बदले बिना जानकारी तक पहुँचने के माध्यम में बदलाव किया गया है, जिससे शिक्षार्थी अपनी बाधाओं को पार करके सामान्य सहपाठियों के साथ प्रभावी ढंग से सीख सकता है।

120. (D) स्पर्शनीय मॉडल और श्रवण संबंधी व्यावहारिक विकल्प प्रदान करना
दृष्टिबाधित विद्यार्थी के लिए व्यावहारिक विज्ञान में सबसे उपयुक्त पाठ्यचर्या अनुकूलन स्पर्शनीय मॉडल (Tactile Models), उभरी हुई रेखाचित्र सामग्री और श्रवण संबंधी विकल्प उपलब्ध कराना है। इससे विद्यार्थी को विज्ञान के प्रयोगों से वंचित किए बिना या अलग किए बिना, अपनी अन्य इंद्रियों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान और वैज्ञानिक अवधारणाओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिलता है।

121. (B) सीखने का सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL)
सीखने का सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL) एक ऐसा शैक्षिक ढांचा है जो शुरुआत से ही सभी शिक्षार्थियों की व्यक्तिगत भिन्नताओं को ध्यान में रखकर लचीला पाठ्यचर्या डिज़ाइन तैयार करता है। यह ढांचा प्रतिनिधित्व, अभिव्यक्ति और सहभागिता के बहुविध साधन प्रदान करता है ताकि विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों सहित सभी को सीखने के समान अवसर मिल सकें।

NODIA

(Reflection) और व्यावहारिक कार्रवाई (Action) का एक सतत समागम है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों में सामाजिक चेतना जगाना और समाज में व्याप्त असमानताओं को दूर करके सकारात्मक बदलाव लाना है।

187. (A) बैग का वजन और अतिभारित पाठ्यचर्या के तनाव को कम करना
1993 की 'शिक्षा बिना बोझ के' (Learning Without Burden) रिपोर्ट ने मुख्य रूप से बच्चों के बस्ते (स्कूल बैग) के भारी वजन और अत्यधिक सूचनात्मक एवं अतिभारित पाठ्यचर्या द्वारा उत्पन्न होने वाले मानसिक तनाव को लक्षित किया। इसका उद्देश्य पाठ्यचर्या की छंटाई करके बालकों में आनंददायक और समझ-आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना था।

188. (C) शून्य पाठ्यचर्या (Null curriculum)
जब कोई शिक्षक या प्रणाली केवल इसलिए किसी अध्याय को पढ़ाने से छोड़ देती है क्योंकि वह परीक्षा में अधिक अंकों का योगदान नहीं देता, तो वह अनजाने में 'शून्य पाठ्यचर्या' (Null Curriculum) का निर्माण करती है। इस प्रक्रिया में छोड़ी गई सामग्री विद्यार्थियों के लिए अनुपलब्ध हो जाती है, जिससे उस ज्ञान का विलोपन हो जाता है।

189. (B) परख (PARAKH)
NEP 2020 के तहत योग्यता-आधारित शिक्षा और मूल्यांकन सुधारों को मार्गदर्शन देने हेतु 'परख' (PARAKH - Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development) नाम से एक राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र की स्थापना की गई है। इसका मुख्य कार्य देश के सभी बोर्डों के लिए मूल्यांकन के मानकीकृत मानदंड और दिशानिर्देश निर्धारित करना है।

190. (C) केवल I और II
NEP 2020 के अनुसार प्रत्येक बच्चा कम से कम एक व्यवसाय सीखेगा तथा कक्षा 6 से 10 दिनों की बस्ता-रहित (Bagless) अवधि में व्यावसायिक शिक्षा एवं इंटर्नशिप शुरू होगी। यह शिक्षा केवल असफल विद्यार्थियों के लिए नहीं, बल्कि सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य रूप से प्रस्तावित है। अतः कथन I और II सही हैं।

191. (A) मूल्यांकन वह मापता है जिसे मापने का इरादा है
पाठ्यचर्या मूल्यांकन में 'वैधता' (Validity) का तात्पर्य इस बात से है कि कोई मूल्यांकन उपकरण या परीक्षण ठीक उसी विशिष्ट ज्ञान, कौशल या योग्यता का मापन करता है जिसे मापने के लिए उसे डिज़ाइन किया गया था। यदि परीक्षण अनपेक्षित तत्वों को मापने लगता है, तो उसकी वैधता समाप्त हो जाती है।

192. (B) आवश्यकता मूल्यांकन और स्थितिजन्य विश्लेषण (Needs Assessment and Situational Analysis)
जब कोई प्रधानाचार्य पूर्व छात्रों, अभिभावकों और उद्योग विशेषज्ञों के सर्वेक्षणों के माध्यम से वर्तमान विद्यार्थी कौशलों की समाज की आवश्यकताओं से तुलना करती है, तो वह 'आवश्यकता मूल्यांकन और स्थितिजन्य विश्लेषण' कर रही होती है। यह प्रक्रिया यह तय करने के लिए आधारभूत डेटा प्रदान करती है कि पाठ्यचर्या में कौन से बदलाव आवश्यक हैं।

193. (B) अनुभव-केंद्रित, गतिविधि-आधारित और गतिशील
जॉन डीवी का 'व्यावहारिकवाद' (Pragmatism) स्थिर या जड़ ज्ञान का विरोध करता है। यह दर्शन अनुभव-केंद्रित, गतिविधि-आधारित और गतिशील पाठ्यचर्या का समर्थन करता है। इसका मानना है कि सत्य और ज्ञान समय के साथ बदलते हैं, इसलिए पाठ्यचर्या को शिक्षार्थी के वास्तविक जीवन के अनुभवों, समस्याओं के समाधान और प्रयोगात्मक गतिविधियों पर आधारित होना चाहिए।

194. (B) विद्यार्थियों की रुचियों द्वारा संचालित उद्देश्यपूर्ण गतिविधियाँ
'गतिविधि पाठ्यचर्या' (Activity Curriculum) में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का केंद्र बिंदु विद्यार्थियों की स्वाभाविक रुचियों और आवश्यकताओं द्वारा संचालित उद्देश्यपूर्ण गतिविधियाँ होती हैं। इसमें सैद्धांतिक पाठ्यपुस्तकों के बजाय व्यावहारिक कार्यों, हस्तकला, और प्रयोगात्मक गतिविधियों के माध्यम से ज्ञान अर्जित किया जाता है, जिससे सीखना अर्थपूर्ण और जीवंत बन जाता है।

195. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
पाठ्यचर्या में शिक्षकों द्वारा 'क्रियात्मक अनुसंधान' (Action Research) को शामिल करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्रियात्मक अनुसंधान शिक्षकों को उनकी अपनी कक्षाओं में पाठ्यचर्या कार्यान्वयन के दौरान आने वाली व्यावहारिक और तत्काल समस्याओं का वैज्ञानिक रूप से अध्ययन करने और उनका स्थानीय समाधान खोजने में सशक्त बनाता है, जिससे शिक्षण की गुणवत्ता में निरंतर सुधार होता है।

196. (B) मुक्त या शिक्षार्थी-निर्देशित पाठ्यचर्या (Open or Learner-directed Curriculum)
'मुक्त या शिक्षार्थी-निर्देशित पाठ्यचर्या' (Open or Learner-Directed Curriculum) में विद्यार्थियों को अपने सीखने के लक्ष्यों, विषय-वस्तु, विधियों और मूल्यांकन के तरीकों को स्वयं चुनने की पूर्ण स्वतंत्रता होती है। इस प्रकार का मॉडल लोकतांत्रिक या वैकल्पिक विद्यालयों में पाया जाता है, जहां शिक्षार्थी की व्यक्तिगत स्वायत्तता और आंतरिक प्रेरणा को सर्वोच्च स्थान दिया जाता है।

NODIA

197. (A) एक शिक्षार्थी को कार्यों को प्राप्त करने में मदद करने वाला अस्थायी सहारा
निर्देशात्मक डिज़ाइन में 'स्कैफल्डिंग' (Scaffolding / पाड़) का तात्पर्य एक शिक्षक या अधिक सक्षम साथी द्वारा शिक्षार्थी को किसी कठिन कार्य को पूरा करने के लिए दिया जाने वाला अस्थायी सहारा या मार्गदर्शन है। जैसे-जैसे शिक्षार्थी में क्षमता और स्वायत्तता विकसित होती जाती है, इस सहारे को धीरे-धीरे हटा लिया जाता है।

दृष्टिकोण विविध बालकों की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता, जिससे लचीलापन अपरिहार्य हो जाता है।

176. (B) विषयगत इकाइयाँ (Thematic units)
एक एकीकृत पाठ्यचर्या (Integrated Curriculum) के प्रभावी संपादन के लिए 'विषयगत इकाइयाँ' (Thematic Units) सबसे सशक्त शिक्षण रणनीति है। विषयगत इकाइयों के माध्यम से शिक्षक एक ही केंद्रीय थीम के अंतर्गत विज्ञान, गणित, भाषा और सामाजिक अध्ययन के विषयों को आपस में जोड़कर पढ़ा सकते हैं, जिससे ज्ञान का विखंडन समाप्त होता है और समग्र अधिगम संभव होता है।

177. (B) अंतरालों को रोकने के लिए मानकों, निर्देशों और परीक्षाओं को संरेखित करना
पाठ्यचर्या मानचित्रण सॉफ्टवेयर (Curriculum Mapping Software) का उपयोग करने से विद्यालय प्रशासन को यह देखने में मदद मिलती है कि विभिन्न ग्रेड स्तरों में क्या पढ़ाया जा रहा है। इसका प्राथमिक लाभ यह है कि यह शिक्षण मानकों, कक्षा निर्देशों और मूल्यांकनों को आपस में संरेखित करता है, जिससे पाठ्यक्रम में किसी भी अनावश्यक दोहराव या महत्वपूर्ण विषय अंतरालों (Gaps) को रोका जा सके।

178. (B) व्यक्तिगत विकास, आत्म-साक्षात्कार और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देना
मास्लो और रोजर्स के विचारों से प्रभावित 'मानवतावादी पाठ्यचर्या' (Humanistic Curriculum) शिक्षार्थी के आंतरिक विकास, स्वायत्तता, आत्म-साक्षात्कार (Self-Actualization) और भावनात्मक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। यह दृष्टिकोण केवल अकादमिक सफलता या बाहरी व्यवहार नियंत्रण के बजाय बालक की आत्म-अवधारणा, व्यक्तिगत प्राथमिकताओं और संपूर्ण व्यक्तित्व के मानवीय विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

179. (B) पाठ्यचर्या विकास और सामग्री छंटाई (Curriculum Development and Content Pruning)
जब कोई बोर्ड या संस्था समय के साथ पुरानी या अप्रासंगिक हो चुकी विषय-सामग्री को पाठ्यक्रम से स्थायी रूप से हटाती है, तो यह 'सामग्री छंटाई' (Content Pruning) और पाठ्यचर्या नवीनीकरण का हिस्सा होता है। यह प्रक्रिया पाठ्यचर्या के बोझ को कम करने और केवल आधुनिक, प्रासंगिक तथा उपयोगी ज्ञान को ही बनाए रखने के उद्देश्य से की जाती है।

180. (C) अनुभवात्मक और परियोजना-आधारित अधिगम
"उद्यमिता मानसिकता पाठ्यचर्या" में विद्यार्थियों को वास्तविक बीज धन देकर टीमों में व्यावसायिक विचार विकसित करने और प्रबंधित करने का अवसर देना अनुभवात्मक और परियोजना-आधारित अधिगम (Experiential and Project-Based Learning) का प्रत्यक्ष उदाहरण है। यहाँ विद्यार्थी केवल सैद्धांतिक अवधारणाएं नहीं पढ़ते, बल्कि वास्तविक जीवन के कार्यों और अनुभवों के माध्यम से समस्या-समाधान तथा निर्णय कौशल सीखते हैं।

181. (B) आवास पहुँच (Access) को बदलता है, संशोधन अपेक्षाओं को बदलता है
विशेष शिक्षा में 'आवास' (Accommodation) का तात्पर्य अधिगम सामग्री तक पहुँच के तरीकों को बदलना है (जैसे ब्रेल या अतिरिक्त समय देना) बिना मूल अधिगम लक्ष्यों को बदले। इसके विपरीत, 'संशोधन' (Modification) का अर्थ शिक्षार्थी से अपेक्षित मूल अधिगम स्तर, कठिनाई या पाठ्यक्रम के लक्ष्यों और अपेक्षाओं में ही बदलाव कर देना होता है।

182. (B) निर्देशात्मक आवास (Instructional accommodation)
ADHD से पीड़ित विद्यार्थी को परीक्षा हेतु अतिरिक्त समय और शांत वातावरण देना एक 'निर्देशात्मक/मूल्यांकन आवास' (Assessment Accommodation) है। यहाँ परीक्षा की विषय-वस्तु या सफलता के मानकों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, बल्कि केवल परीक्षा देने की परिस्थितियों में लचीलापन प्रदान किया गया है ताकि विद्यार्थी अपनी क्षमता का बिना किसी बाधा के प्रदर्शन कर सके।

183. (B) जीन-जैक्स रूसो (Jean-Jacques Rousseau)
प्रसिद्ध दार्शनिक जीन-जैक्स रूसो (Jean-Jacques Rousseau) ने अपनी कालजयी पुस्तक 'एमिल' (Emile) में प्रकृतिवादी शिक्षा का प्रतिपादन किया। उन्होंने बालक की स्वाभाविक प्रकृति, स्वतंत्रता और प्राकृतिक वातावरण के अनुकूल पाठ्यचर्या की पुरजोर वकालत की। उनके अनुसार शिक्षा बालक के प्राकृतिक विकास का अनुसरण करने वाली होनी चाहिए, न कि उस पर कृत्रिम सामाजिक नियम थोपने वाली।

184. (B) एलियट आइजनर (Elliot Eisner)
पाठ्यचर्या मूल्यांकन के 'विषयपरक' या 'कलात्मक दृष्टिकोण' (Artistic Approach) तथा 'शैक्षिक पारखीपन एवं आलोचना' (Educational Connoisseurship and Criticism) के मॉडल को एलियट आइजनर (Elliot Eisner) ने प्रस्तावित किया था। उन्होंने केवल मात्रात्मक परीक्षा अंकों का विरोध करते हुए कक्षा के गुणात्मक अनुभवों, कलात्मक बारीकियों और शिक्षक-शिक्षार्थी अंतःक्रिया के गहराई से मूल्यांकन पर बल दिया था।

185. (C) केवल I, II, और IV
रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) नैदानिक (Diagnostic) होता है, जो शिक्षण के दौरान निरंतर प्रतिपुष्टि प्रदान करता है और शिक्षण रणनीतियों में सुधार में मदद करता है। यह अंतिम पदोन्नति का मुख्य आधार नहीं होता (वह योगात्मक मूल्यांकन का कार्य है)। अतः कथन I, II और IV सही हैं जबकि तीसरा कथन योगात्मक मूल्यांकन से संबंधित है।

186. (A) समाज को बदलने के लिए सक्रिय चिंतन और कार्रवाई
महत्वपूर्ण सिद्धांत से व्युत्पन्न "प्रैक्सिस के रूप में पाठ्यचर्या" (Curriculum as Praxis) का अर्थ यह है कि पाठ्यचर्या केवल एक दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि यह सचेत चिंतन

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 05

शिक्षण सहायक सामग्री एवं शैक्षिक प्रौद्योगिकी

1. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प कक्षा में शिक्षण सहायक सामग्री (Instructional Aids) के प्राथमिक शैक्षिक उद्देश्य को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) स्वचालित अनुदेश प्रदान करके कक्षा शिक्षक को पूरी तरह से प्रतिस्थापित करना
(B) संवेदी अनुभव प्रदान करके शिक्षण और अधिगम को सुगम बनाना
(C) निष्क्रिय छात्रों का मनोरंजन करना और शैक्षणिक कठोरता से विराम देना
(D) मानक पाठ्यपुस्तक मूल्यांकनों के पूर्ण विकल्प के रूप में कार्य करना

2. अधिगम के 'अनुभव का शंकु' (Cone of Experience) मॉडल में, निम्नलिखित में से कौन सा अनुदेशात्मक दृष्टिकोण सबसे प्रत्यक्ष और मूर्त अधिगम अनुभव प्रदान करता है?
(A) किसी संपादित अनुभव (Contrived Experience) में भाग लेना
(B) कक्षा में एक गतिशील शैक्षणिक वीडियो देखना
(C) शिक्षक द्वारा एक संरचित प्रदर्शन (Demonstration) को देखना
(D) एक श्रव्य रेडियो प्रसारण (Audio Radio Broadcast) को ध्यान से सुनना

3. अनुदेशात्मक डिज़ाइन (Instructional Design) के संदर्भ में, शिक्षण सहायक सामग्री (Instructional Aid) के चयन के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानदंड क्या है?
(A) सहायक सामग्री की समग्र दृश्य एवं सौंदर्य अपील (Visual Appeal)
(B) सहायक सामग्री की तकनीकी जटिलता (Technological Complexity)
(C) विशिष्ट अनुदेशात्मक उद्देश्यों (Instructional Objectives) के साथ संरेखण
(D) सामग्री की समग्र लागत-प्रभावशीलता (Cost-Effectiveness)

4. बहु-संवेदी शिक्षण सहायक सामग्री (Multisensory Instructional Aids) के उपयोग की प्रभावशीलता का मुख्य आधार कौन सा मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है?
(A) शास्त्रीय अनुबंधन का सिद्धांत (Principle of Classical Conditioning)
(B) संज्ञानात्मक अतिभार का सिद्धांत (Principle of Cognitive Overload)
(C) मनो-सामाजिक विकास का सिद्धांत (Theory of Psychosocial Development)
(D) द्वि-कोडिंग सिद्धांत (Dual-Coding Theory)

5. शिक्षण सहायक सामग्री (Instructional Aids) के महत्व के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. ये मूर्त प्रतिनिधित्व प्रदान करके अमूर्त अवधारणाओं को स्पष्ट करने में मदद करती हैं।
II. ये छात्रों पर संज्ञानात्मक भार (Cognitive Load) को बढ़ाती हैं, जिससे उनकी स्मृति सीमाओं का परीक्षण होता है।
III. ये विभिन्न अधिगम शैलियों (Learning Styles) को संबोधित करके व्यक्तिगत भिन्नताओं (Individual Differences) को पूरा करती हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

6. एक प्राचार्य (Principal) अवलोकन करते हैं कि एक शिक्षक सरल अवधारणाओं के लिए अक्सर अत्यधिक जटिल त्रि-आयामी मॉडल (3D Model) का उपयोग करता है, जिससे छात्र अक्सर मुख्य पाठ से विचलित हो जाते हैं। शिक्षण सहायक सामग्री के उपयोग के संबंध में प्राचार्य को क्या फीडबैक (Feedback) देनी चाहिए?
(A) छात्रों की उच्च रुचि बनाए रखने के लिए शिक्षण सहायक सामग्री हमेशा यथासंभव तकनीकी रूप से उन्नत होनी चाहिए।
(B) शिक्षण सहायक सामग्री को सरल और पाठ के उद्देश्य के लिए सीधे प्रासंगिक रहना चाहिए।
(C) जटिल दृश्य मॉडलों को कड़ाई से उच्च-जोखिम वाली योगात्मक कक्षा मूल्यांकनों (Summative Assessment) के लिए आरक्षित किया जाना चाहिए।
(D) पारंपरिक गैर-प्रक्षेपित सामग्री (Non-Projected Aids) को सभी पाठों में त्रि-आयामी (3D) मॉडलों को पूरी तरह से प्रतिस्थापित कर देना चाहिए।

7. कक्षा में शिक्षण सहायक सामग्री पर अत्यधिक निर्भर रहने की निम्नलिखित में से कौन सी एक सीमा है?
(A) यह छात्रों की दीर्घकालिक ज्ञान प्रतिधारण (Knowledge Retention) क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बाधित और कम करती है।
(B) यह कक्षा में अनुभवात्मक अधिगम (Experiential

NODIA

74. स्वयं (SWAYAM) प्लेटफॉर्म पर माध्यमिक कक्षाओं के लिए स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए मुख्य रूप से कौन सी संस्था जिम्मेदार है?
(A) एनसीईआरटी (National Council of Educational Research and Training - NCERT) और एनआईओएस (National Institute of Open Schooling - NIOS)
(B) यूजीसी (University Grants Commission - UGC)
(C) एआईसीटीई (All India Council for Technical Education - AICTE)
(D) इग्नू (Indira Gandhi National Open University - IGNOU)

75. पीएम ई-विद्या (PM eVIDYA) पहल को व्यापक रूप से निम्नलिखित में से किससे संबंधित सभी प्रयासों को एकीकृत करने के लिए शुरू किया गया था?
(A) मध्याह्न भोजन वितरण
(B) स्कूलों में भौतिक बुनियादी ढांचे का विकास
(C) शिक्षक भर्ती प्रक्रियाएं
(D) डिजिटल, ऑनलाइन और ऑन-एयर शिक्षा

76. पीएम ई-विद्या (PM eVIDYA) पहल का एक प्रमुख घटक 'एक कक्षा, एक टीवी चैनल' है। यह घटक किस विशिष्ट कार्यक्रम के अंतर्गत आता है?
(A) पीएम किसान (PM KISAN)
(B) स्वयं प्रभा (SWAYAM PRABHA)
(C) पीएम ई-विद्या डीटीएच टीवी चैनल (PM eVidya DTH TV Channels)
(D) निष्ठा (NISHTHA)

77. पीएम ई-विद्या (PM eVIDYA) पहल के तहत, दिव्यांगों (विशेष आवश्यकता वाले बच्चों) के लिए विशेष ई-सामग्री किस विशिष्ट पोर्टल/प्लेटफ़ॉर्म पर विकसित की गई है?
(A) यूडीआईएसई+ (Unified District Information System for Education Plus - UDISE+)
(B) प्रज्ञाता (PRAGYATA Guidelines)
(C) डेज़ी (Digital Accessible Information System - DAISY) और दीक्षा (DIKSHA) सुगम्यता प्लेटफॉर्म
(D) परख (Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development - PARAKH)

78. निम्नलिखित में से कौन सा एक शैक्षिक पॉडकास्ट प्लेटफॉर्म है जिसे रेडियो/पॉडकास्ट डिजिटल अधिगम पहलों के भाग के रूप में शुरू किया गया है?
(A) ज्ञान वाणी शैक्षिक रेडियो (Gyan Vani Educational Radio)
(B) विद्यादान सामग्री पोर्टल (Vidyadaan Content Portal)
(C) ई-पाठशाला डिजिटल गेटवे (E-Pathshala Digital Gateway)
(D) शिक्षा वाणी पॉडकास्ट (Shiksha Vani Podcast)

79. एक स्मार्ट (SMART) कक्षा पारंपरिक कक्षा से मौलिक रूप से भिन्न है मुख्य रूप से क्योंकि यह:
(A) शिक्षाशास्त्र को बढ़ाने के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) बुनियादी ढांचे को एकीकृत करती है
(B) सख्त भौतिक कक्षा अनुशासन और व्याख्यान के दौरान छात्रों के न बोलने को लागू करती है
(C) मानव कक्षा शिक्षकों को स्वचालित कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों से पूरी तरह बदल देती है
(D) मानक पाठ्यपुस्तकों के बजाय विशेष मुद्रित स्मार्टबुक्स के विशेष उपयोग को अनिवार्य करती है

80. निम्नलिखित में से कौन सा एक विशिष्ट स्मार्ट (SMART) कक्षा का एक अनिवार्य हार्डवेयर घटक है?
(A) एक मानक गैर-डिजिटल हरा चाकबोर्ड
(B) एक इंटरैक्टिव डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड
(C) एक पारंपरिक दृश्य फेल्ट फ़्लैनल बोर्ड
(D) एक मैनुअल रोटरी माईमियोग्राफ प्रिंटिंग मशीन

81. स्मार्ट (SMART) कक्षाओं का कार्यान्वयन निम्नलिखित में से किस अनुदेशात्मक रणनीति को सबसे प्रभावी ढंग से सुगम बनाता है?
(A) विस्तारित, निर्बाध शिक्षक-केंद्रित मौखिक व्याख्यानों के माध्यम से रटना (Rote Learning)
(B) सिमुलेशन और वर्चुअल लैब का उपयोग करके अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning)
(C) मुद्रित पाठ्यपुस्तक के अंशों का एक साथ पारंपरिक समूह-व्यापी सस्वर पाठ
(D) स्कूल के मैदान में नियमित रूप से आयोजित मानक शारीरिक शिक्षा ड्रिल

82. एक प्राचार्य देखते हैं कि नव स्थापित स्मार्ट (SMART) कक्षा का उपयोग शायद ही कभी किया जाता है क्योंकि शिक्षकों को महंगे उपकरणों के टूटने का डर रहता है। सबसे प्रभावी प्रबंधकीय हस्तक्षेप क्या है?
(A) शिक्षक का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए व्यावहारिक (Hands-On) प्रशिक्षण प्रदान करना।
(B) स्मार्ट कक्षा को स्थायी रूप से बंद कर दें, केवल आधिकारिक प्रशासनिक निरीक्षणों के दौरान इसे खोलें।
(C) दण्ड के तहत हर शिक्षक को रोजाना उपकरण का उपयोग करने के लिए मजबूर करने वाला एक सख्त प्रशासनिक आदेश जारी करें।
(D) उस कमरे के अंदर सभी विषय-वस्तु कक्षाओं को संचालित करने के लिए एक पूर्णकालिक बाहरी आईटी तकनीशियन (IT Technician) को किराए पर लें।

83. मोबाइल अधिगम (m-learning) वैचारिक रूप से सामान्य ई-लर्निंग से मुख्य रूप से किस पर जोर देने के कारण अलग है?

Click Here to Buy book on Amazon

II. इन्हें शिक्षार्थियों से सक्रिय श्रवण और निरंतर एकाग्रता की आवश्यकता होती है।
III. ये जटिल गणितीय व्युत्पत्ति (Mathematical Derivations) को सिखाने के लिए सार्वभौमिक रूप से पर्याप्त हैं।
IV. इन्हें भाषा शिक्षण में प्रभावी ढंग से एकीकृत किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, II और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) केवल I, III और IV

16. निम्नलिखित में से कौन सी दृश्य सामग्री (Visual Aid) संबंधों को दर्शाने के लिए रेखाओं, बार या आनुपातिक स्लाइस का उपयोग करके मात्रात्मक डेटा (Quantitative Data) का प्रतिनिधित्व करती है?
(A) आरेख (Diagram)
(B) ग्राफ (Graph)
(C) चार्ट (Chart)
(D) मानचित्र (Map)

17. कक्षा में "फ़्लो चार्ट" (Flow Chart) का उपयोग सबसे उपयुक्त रूप से किसके लिए किया जाता है?
(A) विस्तृत भौगोलिक सीमाओं और क्षेत्रीय विशेषताओं को प्रदर्शित करने के लिए
(B) किसी चरण-दर-चरण प्रक्रिया या संरचना को चित्रित करने के लिए
(C) ऐतिहासिक घटनाओं और मील के पत्थरों के कालानुक्रमिक क्रम को दिखाने के लिए
(D) विभिन्न सांख्यिकी चरों के संख्यात्मक मानों की तुलना करने के लिए

18. किस प्रकार की दृश्य सामग्री (Visual Aid) एक निरंतर पट्टी पर अनुक्रमित चित्रों या सूचना पैनलों की एक श्रृंखला पर निर्भर करती है, जिसे कहानी सुनाने या प्रक्रिया को समझाने के लिए शिक्षक द्वारा मैन्युअल रूप से पलटा जाता है?
(A) फ़्लिप चार्ट (Flip Chart)
(B) फ़्लैशकार्ड (Flashcards)
(C) स्ट्रिप टीज़ चार्ट (Strip Tease Chart)
(D) डायोरमा (Diorama)

19. भूगोल की कक्षा में एक शिक्षक ग्लोब का उपयोग करता है। ग्लोब दृश्य सामग्री (Visual Aids) के किस वर्गीकरण के अंतर्गत आता है?
(A) द्वि-आयामी ग्राफिक सामग्री (Two-Dimensional Graphic Aid)
(B) प्रक्षेपित दृश्य सामग्री (Projected Visual Aid)
(C) त्रि-आयामी मॉडल (Three-Dimensional Model)
(D) सचित्र प्रदर्शन बोर्ड (Pictorial Display Board)

NODIA

20. निम्नलिखित में से कौन सा एक गैर-प्रक्षेपित, द्वि-आयामी दृश्य सामग्री (Non-Projected, Two-Dimensional Visual Aid) का प्रतिनिधित्व करता है जिसका उपयोग मुख्य रूप से व्यवस्थित रूप से जानकारी को संक्षेप में प्रस्तुत करने के लिए किया जाता है?
(A) ओवरहेड पारदर्शिता (Overhead Transparency)
(B) स्लाइड प्रक्षेपण (Slide Projection)
(C) कार्यशील मॉडल (Working Model)
(D) सारणीबद्ध चार्ट (Tabular Chart)

21. कक्षा अनुदेशन के लिए पोस्टर जैसी दृश्य सामग्री (Visual Aid) डिज़ाइन करते समय, "पठनीयता" (Legibility) के सिद्धांत का क्या अर्थ है?
(A) जीवंत पृष्ठभूमि रंगों का दृष्टिगत रूप से आकर्षक, सामंजस्यपूर्ण सौंदर्य संयोजन
(B) बोर्ड पर प्रस्तुत विषय सामग्री की शैक्षणिक गहराई और सैद्धांतिक सटीकता
(C) दूर से पाठ और छवियों को स्पष्ट रूप से पढ़ने में आसानी
(D) प्रामाणिक, मूर्त वास्तविक जीवन की भौतिक वस्तुओं का एकीकरण और प्रत्यक्ष प्रदर्शन

22. विज्ञान का एक शिक्षक मानव हृदय की आंतरिक संरचना को दिखाना चाहता है लेकिन एक वास्तविक नमूना प्राप्त नहीं कर सकता। प्राचार्य को सबसे प्रभावी त्रि-आयामी (Three-Dimensional - 3D) विकल्प के रूप में किस प्रकार की दृश्य सामग्री (Visual Aid) का सुझाव देना चाहिए?
(A) एक विस्तृत स्थलाकृतिक समोच्च मानचित्र (Topographical Contour Map)
(B) एक अनुप्रस्थ-काट शारीरिक मॉडल (Cross-Sectional Anatomical Model)
(C) एक व्यापक वंशावली चार्ट (Genealogical Chart)
(D) एक कालानुक्रमिक प्रक्रिया अनुक्रम चार्ट (Chronological Process Sequence Chart)

23. जटिल अधिगम परिदृश्यों में श्रव्य-दृश्य सामग्री (Audio-Visual Aids) को केवल श्रव्य या केवल दृश्य सामग्री की तुलना में श्रेष्ठ माना जाता है, इसका मुख्य कारण यह है कि वे:
(A) उन्नत डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके सार्वभौमिक और विशेष रूप से प्रक्षेपित की जाती हैं
(B) कक्षा में सक्रिय प्रत्यक्ष शिक्षक हस्तक्षेप की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर देती हैं
(C) पारंपरिक सामग्रियों की तुलना में काफी कम पाठ तैयारी समय (Lesson Preparation Time) लेती हैं
(D) अधिगम को बढ़ाने के लिए एक साथ कई संवेदी चैनलों को संलग्न करती हैं

24. निम्नलिखित में से कौन सा पारंपरिक श्रव्य-दृश्य सामग्री (Traditional Audio-Visual Aid) का एक क्लासिक उदाहरण है?
(A) शैक्षिक टेलीविजन प्रसारण (Educational Television Broadcast)

(B) प्रकाशित पुस्तक का भौतिक वजन और सुवाह्यता आयाम
(C) कानूनी कॉपीराइट दस्तावेज़ और आधिकारिक प्रकाशन तिथि विवरण
(D) उपयोग किए गए वाणिज्यिक प्रिंटिंग प्रेस की परिचालन लागत-प्रभावशीलता (Cost-Effectiveness)

41. पाठ्यपुस्तक के साथ आने वाली "शिक्षक नियमावली" (Teacher's Manual) या "शिक्षक मार्गदर्शिका" (Teacher's Guide) का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) छात्रों को सभी स्वतंत्र कार्यपुस्तिका अभ्यास अभ्यासों के लिए व्यापक उत्तर कुंजियाँ प्रदान करना
(B) नियमित शिक्षक के अनुपस्थित होने पर एक स्वचालित विकल्प अनुदेशात्मक योजना के रूप में कार्य करना
(C) शिक्षण रणनीतियों, पाठ योजनाओं और गतिविधियों का सुझाव देना
(D) छात्रों की दैनिक कक्षा उपस्थिति को ट्रैक करने के लिए एक आधिकारिक प्रशासनिक रजिस्टर के रूप में कार्य करना

42. कौन सी प्रक्षेपित सामग्री पारदर्शी एसीटेट शीट का उपयोग करती है जिस पर एक शिक्षक कक्षा का सामना करते हुए लिख या चित्र बना सकता है?
(A) ओवरहेड प्रोजेक्टर (Overhead Projector - OHP)
(B) उच्च-रिज़ॉल्यूशन एपिडियास्कोप (Epidiascope)
(C) मानक 35mm स्लाइड प्रोजेक्टर (Slide Projector)
(D) सतत फिल्मस्ट्रिप प्रोजेक्टर (Filmstrip Projector)

43. एक एपिडियास्कोप (या अपारदर्शी प्रोजेक्टर) का अनूठा कार्य क्या है?
(A) यह बाहरी डेस्कटॉप या लैपटॉप कंप्यूटर फाइलों से सीधे डिजिटल उच्च-परिभाषा छवियों को प्रक्षेपित करता है।
(B) इसे विशेष रूप से एक विशेष परावर्तक स्क्रीन पर पारदर्शी फोटोग्राफिक स्लाइडों को प्रक्षेपित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
(C) यह एकीकृत समकालिक स्टीरियो ऑडियो प्लेबैक के साथ उच्च गुणवत्ता वाली चलती हुई वीडियो छवियों को प्रक्षेपित करता है।
(D) यह पारदर्शी स्लाइडों और अपारदर्शी मुद्रित सामग्रियों दोनों को प्रक्षेपित करता है।

44. प्रक्षेपित सामग्रियों के संदर्भ में, एक "स्लाइड प्रोजेक्टर" के लिए आमतौर पर कक्षा के वातावरण को कैसा होना आवश्यक होता है?
(A) पूरे सत्र के दौरान उज्ज्वल परिवेशीय सीधी धूप से पूरी तरह से प्रकाशित
(B) स्क्रीन पर इष्टतम छवि स्पष्टता के लिए अंधेरा किया हुआ
(C) हाई-फिडेलिटी एकोस्टिक सराउंड साउंड एम्प्लीफिकेशन सिस्टम से लैस
(D) बाहरी गलियारे के शोर के खिलाफ पूरी तरह से ध्वनि-रोधी निर्मित

45. प्रक्षेपित सामग्रियों (Projected Aids) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. ये आम तौर पर बड़े दर्शकों के लिए छोटे ग्रंथों या छवियों के आवर्धन (Magnification) की अनुमति देती हैं।
II. इन्हें काम करने के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति की आवश्यकता होती है।
III. ये पूरी तरह से अप्रचलित हैं और आधुनिक स्कूलों में इनका कोई शैक्षणिक मूल्य नहीं है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

46. निम्नलिखित में से कौन सी एक गैर-प्रक्षेपित दृश्य सामग्री (Non-Projected Visual Aid) है जो दो समान खुरदरी सतहों के बीच सामंजस्य (घर्षण) के सिद्धांत पर निर्भर करती है?
(A) चुंबकीय बोर्ड (Magnetic Board)
(B) चाकबोर्ड (Chalkboard)
(C) बुलेटिन बोर्ड (Bulletin Board)
(D) फ़्लैनल बोर्ड (Flannel Board)

47. फ़्लैशकार्ड का उपयोग किस अनुदेशात्मक उद्देश्य के लिए सबसे प्रभावी ढंग से किया जाता है?
(A) बुनियादी शब्दावली या गणित के तथ्यों के लिए तीव्र ड्रिल और अभ्यास (Rapid Drill and Practice)
(B) एक प्रमुख ऐतिहासिक घटना पर विस्तृत 40 मिनट का लंबा व्याख्यान देना
(C) छात्रों को एक जटिल, बहु-चरण प्रयोगशाला वैज्ञानिक प्रयोग (Demonstration) का प्रदर्शन करना
(D) कई अनुच्छेदों में निरंतर, अत्यधिक विस्तृत पाठ्य जानकारी प्रदर्शित करना

48. फ़्लैशकार्ड के संबंध में दिए गए कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
अभिकथन (A): कम समय में अधिगम को अधिकतम करने के लिए फ़्लैशकार्ड में आदर्श रूप से बड़ी मात्रा में पाठ होना चाहिए।
कारण (R): फ़्लैशकार्ड गैर-प्रक्षेपित सामग्री हैं जो त्वरित दृश्य पहचान और त्वरित प्रतिक्रिया के लिए बनाई गई हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

49. कक्षा में "बुलेटिन बोर्ड" (Bulletin Board) का उपयोग मुख्य रूप से किसके लिए किया जाता है?

Downloaded from www.pdf.tube

(B) पदानुक्रमित ट्री चार्ट (Hierarchical Tree Chart)
(C) अनुक्रमिक फ़्लो चार्ट (Sequential Flow Chart)
(D) कालानुक्रमिक समय चार्ट (Chronological Time Chart)

33. व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education) में उपयोग किए जाने वाले "मॉक-अप" (Mock-up) को सर्वोत्तम रूप से वर्णित किया गया है:
(A) संग्रहालय प्रदर्शन के लिए विशेष रूप से निर्मित एक औद्योगिक वस्तु की पूर्ण-स्तरीय भौतिक प्रतिकृति
(B) कार्यशील भागों को उजागर करने के लिए एक वास्तविक प्रणाली को सरल बनाने वाला एक ऑपरेटिंग मॉडल
(C) एक मशीन की पूर्ण सैद्धांतिक रूपरेखा और इतिहास को समझाने वाला एक विस्तृत योजनाबद्ध तकनीकी चार्ट
(D) एक एनिमेटेड त्रि-आयामी कंप्यूटर मॉडल दिखाने वाली उच्च-परिभाषा प्रक्षेपित दृश्य प्रस्तुति

34. पारंपरिक शिक्षण सामग्री बनाने के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध, कम लागत वाली सामग्रियों (Low-Cost Materials) का उपयोग करने का प्राथमिक शैक्षणिक लाभ क्या है?
(A) यह प्रासंगिक अधिगम (Contextualized Learning) और संसाधनशीलता को बढ़ावा देता है।
(B) यह पाठ्यचर्या नियोजन (Curriculum Planning) की आवश्यकता को समाप्त करता है।
(C) यह शहरी और ग्रामीण स्कूलों में शिक्षा का मानकीकरण करता है।
(D) यह कक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (Information and Communication Technology - ICT) के उपयोग को रोकता है।

35. किस पारंपरिक दृश्य सामग्री में कागज़ की एक बड़ी शीट होती है जहाँ आवरण पट्टियों को हटाकर चरण-दर-चरण जानकारी प्रकट की जाती है?
(A) अनुक्रमिक पेपर फ़्लिप चार्ट (Sequential Paper Flip Chart)
(B) चिपकने वाला फेल्ट फ़्लैनल ग्राफ (Adhesive Felt Flannel Graph)
(C) अनुक्रमिक स्ट्रिप टीज़ चार्ट (Sequential Strip Tease Chart)
(D) छिद्रित लकड़ी का पेगबोर्ड (Perforated Wooden Pegboard)

36. निम्नलिखित में से कौन सी एक उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षिक कार्यपुस्तिका (Workbook) की प्राथमिक विशेषता है?
(A) इसमें केवल लंबे सैद्धांतिक निबंध होते हैं जो विशेष रूप से मौन वाचन समझ अभ्यास के लिए होते हैं।
(B) इसे कड़ाई से उच्च-जोखिम वाले योगात्मक वर्ष के अंत के परीक्षण के लिए एक व्यापक उपकरण के रूप में कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
(C) यह कक्षा शिक्षक द्वारा किसी भी चल रहे रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) की परिचालन आवश्यकता को पूरी तरह से बदल देती है।
(D) यह पाठ्यपुस्तक की अवधारणाओं के लिए संरचित अभ्यास अभ्यास प्रदान करती है।

37. शिक्षण सामग्री के रूप में चयन के लिए पाठ्यपुस्तक का मूल्यांकन करते समय, कौन सा मानदंड "भौतिक विशेषताओं" (Physical Characteristics) के अंतर्गत आता है?
(A) विषय सामग्री की सटीकता
(B) अध्यायों का अनुक्रमण
(C) कागज़ और बाइंडिंग की गुणवत्ता
(D) निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रासंगिकता

NODIA

38. एक प्राचार्य एक नई गणित पाठ्यपुस्तक का चयन करने के लिए एक समिति का गठन करते हैं। समिति एक ऐसी पुस्तक की सिफारिश करती है जिसकी बाइंडिंग उत्कृष्ट है और रंगीन चित्र हैं लेकिन उसमें पर्याप्त अभ्यास प्रश्नों की कमी है और यह आधुनिक पाठ्यचर्या रूपरेखा (Curriculum Framework) में उल्लिखित हाल के शैक्षणिक परिवर्तनों के अनुरूप नहीं है। एक प्राचार्य के रूप में, सबसे उपयुक्त निर्णय क्या है?
(A) इस आधार पर पुस्तक को स्वीकृत करें कि श्रेष्ठ भौतिक बाइंडिंग स्थायित्व दीर्घकालिक स्कूल धन की महत्वपूर्ण बचत करता है।
(B) पुस्तक को अस्वीकृत करें क्योंकि पाठ्यचर्या रूपरेखा और शिक्षाशास्त्र के साथ संरेखण सर्वोपरि है।
(C) शिक्षकों को प्रत्येक अध्याय के लिए स्वतंत्र रूप से सभी पूरक अभ्यास अभ्यास बनाने की औपचारिक आवश्यकता के साथ पुस्तक को स्वीकृत करें।
(D) इस धारणा के तहत पुस्तक को अस्वीकृत करें कि रंगीन चित्र अनिवार्य रूप से गणित में संज्ञानात्मक विकर्षण के रूप में कार्य करते हैं।

39. एकमात्र शिक्षण सामग्री के रूप में पाठ्यपुस्तकों का कड़ाई से पालन करने का संभावित नुकसान निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) यह निर्धारित पाठ्यक्रम (Syllabus) को एक सुव्यवस्थित और अत्यधिक तार्किक संरचनात्मक अनुक्रम प्रदान करता है।
(B) यह विभिन्न कक्षा वर्गों में दी जाने वाली अनुदेशात्मक सामग्री की पूर्ण एकरूपता और मानकीकरण की गारंटी देता है।
(C) यह छात्र संशोधन के लिए आवश्यक सभी मूलभूत अध्ययन सामग्रियों के एक स्थायी, विश्वसनीय भौतिक रिकॉर्ड के रूप में कार्य करता है।
(D) यह अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) की गुंजाइश को सीमित करता है।

40. पाठ्यपुस्तक मूल्यांकन में, "फोगेल की स्पॉट चेक विधि" (Vogel's Spot Check Method) का उपयोग मुख्य रूप से किसके आकलन के लिए किया जाता है?
(A) पाठ की पठनीयता (Readability) और ग्रेड उपयुक्तता

(B) पारंपरिक कक्षा लेखन चाकबोर्ड
(C) अनुक्रमिक मूक दृश्य फिल्म स्ट्रिप
(D) इंटरैक्टिव फेल्ट-कवर्ड फ़्लैनल बोर्ड (Interactive Flannel Board)

25. श्रव्य-दृश्य सामग्री (Audio-Visual Aids) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. ये शिक्षार्थी के ध्यान को आकर्षित करने और बनाए रखने में मदद करती हैं।
II. ये हमेशा महंगी होती हैं और इनके लिए जटिल बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है।
III. ये ऐतिहासिक घटनाओं या दुर्गम स्थानों को कक्षा में ला सकती हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

26. मल्टीमीडिया अधिगम के संज्ञानात्मक सिद्धांत (Cognitive Theory of Multimedia Learning) में, श्रव्य-दृश्य सामग्री के उपयोग के लिए "मोडैलिटी सिद्धांत" (Modality Principle) क्या सुझाव देता है?
(A) लोग ग्राफिक्स और मुद्रित पाठ की तुलना में ग्राफिक्स और कथन (Narration) से बेहतर सीखते हैं।
(B) लोग तब काफी बेहतर सीखते हैं जब सभी बाहरी शब्दों, अनावश्यक चित्रों और ध्वनियों को पूरी तरह से बाहर कर दिया जाता है।
(C) लोग अधिक प्रभावी ढंग से तब सीखते हैं जब संगत शब्द और चित्र एक साथ प्रस्तुत करने के बजाय क्रमिक रूप से (Sequentially) प्रस्तुत किए जाते हैं।
(D) लोग तब बहुत बेहतर सीखते हैं जब अनुदेशात्मक सामग्री अनौपचारिक आवाज़ के बजाय एक औपचारिक लहजे में दी जाती है।

27. इतिहास की कक्षाओं में उपयोग की जाने वाली शैक्षिक वृत्तचित्रों (Educational Documentaries) को सर्वोत्तम रूप से वर्गीकृत किया जाता है:
(A) इंटरैक्टिव डिजिटल उपकरण (Interactive Digital Tools)
(B) स्थैतिक दृश्य सामग्री (Static Visual Aids)
(C) गैर-प्रक्षेपित ग्राफिक सामग्री (Non-Projected Graphical Aids)
(D) प्रक्षेपित श्रव्य-दृश्य सामग्री (Projected Audio-Visual Aids)

28. श्रव्य-दृश्य सामग्री (Audio-Visual Aids) के संबंध में दिए गए कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
अभिकथन (A): श्रव्य-दृश्य सामग्री का उपयोग कक्षा में सभी छात्रों के लिए उच्च शैक्षणिक उपलब्धि की गारंटी देता है।
कारण (R): श्रव्य-दृश्य सामग्री शिक्षक के इनपुट के बिना अलग-अलग अधिगम गति के लिए अनुदेशन को स्वचालित रूप से विभेदित (Differentiate) करती हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

29. निम्नलिखित में से किस पारंपरिक शिक्षण सामग्री (Traditional Teaching Aid) को सार्वभौमिक रूप से एक कक्षा शिक्षक के लिए सबसे बहुमुखी और आवश्यक उपकरण माना जाता है?
(A) इंटरैक्टिव फेल्ट फ़्लैनल बोर्ड (Interactive Felt Flannel Board)
(B) अपारदर्शी एपिडियास्कोप प्रोजेक्टर (Opaque Epidiascope Projector)
(C) मानक चाकबोर्ड/व्हाइटबोर्ड (Standard Chalkboard/Whiteboard)
(D) प्रक्षेपित ओवरहेड पारदर्शिता (Projected Overhead Transparency)

30. चाकबोर्ड का उपयोग करते समय, एक शिक्षक के लिए पालन करने योग्य मौलिक सर्वोत्तम अभ्यास (Best Practice) क्या है?
(A) छात्रों के साथ आंख का संपर्क बनाए रखने के लिए मुड़े बिना बोर्ड पर लगातार लिखना
(B) बोर्ड स्थान बचाने के लिए मुख्य रूप से एक अत्यधिक घसीट (Cursive) और संकुचित फ़ॉन्ट शैली में लिखना
(C) अनुदेशात्मक समय बचाने के लिए सीधे नंगे हाथों या कागज़ के तौलियों का उपयोग करके लिखे गए पाठ को मिटाना
(D) बोर्ड को स्पष्ट अनुभागों में विभाजित करना और एक व्यवस्थित लेआउट बनाए रखना

31. एक "कार्यशील मॉडल" (Working Model) एक "स्केल मॉडल" (Scale Model) से अलग है क्योंकि एक कार्यशील मॉडल:
(A) किसी वस्तु के कार्यात्मक तंत्र (Functional Mechanisms) को प्रदर्शित करता है
(B) सटीक पैमाने के आयामों को बनाए रखते हुए एक सटीक लघु भौतिक प्रतिकृति (Scale Replica) के रूप में कार्य करता है
(C) कड़ाई से एक सरलीकृत द्वि-आयामी दृश्य ग्राफिक प्रतिनिधित्व के रूप में कार्य करता है
(D) इसे विशेष रूप से पूरी तरह से पारदर्शी सिंथेटिक सामग्रियों से बनाया जाना चाहिए

32. किस प्रकार का चार्ट विशेष रूप से किसी परिवार या संगठन की वंशावली, वंशक्रम या पदानुक्रमित संरचना को दिखाने के लिए डिज़ाइन किया गया है?
(A) सांख्यिकी पाई चार्ट (Statistical Pie Chart)

Click Here to Buy book on Flipkart

(A) जटिल गणितीय सूत्रों पर प्रत्यक्ष दैनिक चरण-दर-चरण चाक-एंड-टॉक अनुदेशन देना
(B) छात्र कार्य और विषयगत दृश्य सामग्रियों को प्रदर्शित करना
(C) औपचारिक अनुदेशात्मक व्याख्यानों के दौरान उच्च-रिज़ॉल्यूशन पारदर्शी फोटोग्राफिक स्लाइडों को प्रक्षेपित करना
(D) दैनिक अधिगम परिणामों को ग्रेड देने के लिए वास्तविक समय के इंटरैक्टिव रचनात्मक मूल्यांकन का संचालन करना

50. कौन सी गैर-प्रक्षेपित सामग्री चित्रित पृष्ठभूमि के सामने मॉडल आकृतियों वाले त्रि-आयामी दृश्य की विशेषता प्रस्तुत करती है?
(A) डायोरमा (Diorama)
(B) मोबाइल (Mobile)
(C) फ़्लैशकार्ड (Flashcard)
(D) फ़्लिप चार्ट (Flip Chart)

51. शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (Information and Communication Technology - ICT) का एकीकरण मौलिक रूप से शैक्षणिक प्रतिमान को किससे स्थानांतरित करता है?
(A) अत्यधिक संवादात्मक शिक्षार्थी-केंद्रित अनुदेशन से पारंपरिक शिक्षक-केंद्रित व्याख्यानों में
(B) चल रहे रचनात्मक नैदानिक मूल्यांकन से पूरी तरह से उच्च-जोखिम वाले अंतिम योगात्मक मूल्यांकन में
(C) शिक्षक संचरण से छात्र ज्ञान निर्माण में
(D) सहकर्मी-आधारित सहयोगी अधिगम वातावरण से पृथक व्यक्तिगत रटने के कार्यों में

52. एक नए नियुक्त प्राचार्य को पता चलता है कि शिक्षक किसी भी इंटरैक्टिव सुविधाओं का उपयोग किए बिना, केवल पाठ्यपुस्तक के पन्नों को प्रदर्शित करने के लिए स्मार्टबोर्ड का उपयोग प्रोजेक्टर स्क्रीन के रूप में कर रहे हैं। इसे संबोधित करने के लिए सबसे उपयुक्त प्रशासनिक कार्रवाई क्या है?
(A) बिजली की बर्बादी और हार्डवेयर क्षति को रोकने के लिए सभी कक्षाओं से स्मार्टबोर्ड को स्थायी रूप से हटा दें।
(B) सरकारी संपत्ति का उपयोग करने में विफल रहने के लिए सभी शिक्षकों को तुरंत औपचारिक कारण बताओ नोटिस जारी करें।
(C) सभी शिक्षण कर्मचारियों को केवल पारंपरिक गैर-डिजिटल चाकबोर्ड (Chalkboard) का उपयोग करने के लिए तुरंत वापस लौटने का निर्देश दें।
(D) सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) उपकरणों और शैक्षणिक एकीकरण पर एक कार्यशाला आयोजित करें।

53. आईसीटी (ICT) एकीकरण के संदर्भ में, "समकालिक अधिगम" (Synchronous Learning) का क्या अर्थ है?
(A) शिक्षार्थी सुविधा के आधार पर विभिन्न समयों में असमकालिक रूप से संरचित डिजिटल अध्ययन सामग्रियों तक पहुँचते हैं।
(B) अधिगम गतिविधियाँ इंटरनेट कनेक्टिविटी के बिना पारंपरिक मुद्रित पाठ्यपुस्तकों पर कड़ाई से निर्भर होती हैं।
(C) अधिगम वास्तविक समय में लाइव शिक्षक-छात्र सहभागिता के साथ होता है।
(D) अधिगम सत्र जहाँ सभी निरंतर शैक्षणिक मूल्यांकनों का मूल्यांकन कागज़ की कार्यपुस्तिकाओं पर मैन्युअल रूप से किया जाता है।

54. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षा में उपयोग किए जाने वाले असमकालिक (Asynchronous) आईसीटी (ICT) उपकरण का एक उदाहरण है?
(A) ज़ूम के माध्यम से आयोजित एक समकालिक लाइव इंटरैक्टिव वीडियो कॉन्फ्रेंस (Video Conference)
(B) लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (Learning Management System - LMS) पर अपलोड किया गया एक पूर्व-रिकॉर्डेड डिजिटल व्याख्यान
(C) वास्तविक समय में मतदान की विशेषता वाला एक इंटरैक्टिव लाइव वर्चुअल वेबिनार
(D) कक्षा के दौरान वास्तविक समय में पाठ-आधारित चैट रूम चर्चा

55. कक्षा में आईसीटी (ICT) उपकरणों के उपयोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. ये मल्टीमीडिया एकीकरण के माध्यम से विविध अधिगम शैलियों (Learning Styles) को पूरा कर सकते हैं।
II. ये शिक्षाशास्त्र की परवाह किए बिना छात्र अधिगम परिणाम (Learning Outcomes) में स्वचालित सुधार सुनिश्चित करते हैं।
III. ये वैश्विक शैक्षिक संसाधनों के एक विशाल भंडार तक पहुँच को सुगम बनाते हैं।
IV. ये भौतिक कक्षा से परे सहयोगी अधिगम के अवसर प्रदान करते हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, III और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) I, II, III और IV

56. टीपैक (Technological Pedagogical Content Knowledge - TPACK) ढांचा कक्षाओं में आईसीटी को एकीकृत करने के लिए अत्यधिक प्रासंगिक है। TPACK का पूर्ण रूप क्या है?
(A) टेक्नोलॉजिकल पेडागोजिकल एंड कंटेंट Knowledge (Technological Pedagogical and Content Knowledge)
(B) टीचर परफॉरमेंस इवैल्यूएशन एंड कोर Knowledge (Teacher Performance Evaluation and Core

Downloaded from www.pdf.tube

Learning) के प्रभावी एकीकरण को पूरी तरह से रोकती है।
(C) यह स्वाभाविक रूप से समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) के मौलिक सिद्धांतों और अभ्यासों का उल्लंघन करती है।
(D) इसके कारण अनुदेशात्मक लेनदेन के दौरान शिक्षक निष्क्रियता (Teacher Passivity) की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

8. शिक्षण सहायक सामग्री के संबंध में दिए गए कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
अभिकथन (A): शिक्षण सहायक सामग्री (Instructional Aids) प्रभावी शिक्षण रणनीतियों का विकल्प नहीं हैं।
कारण (R): शिक्षण सहायक सामग्री केवल शिक्षण प्रक्रिया की पूरक होती हैं और इनके लिए शिक्षक द्वारा शैक्षणिक मध्यस्थता (Pedagogical Mediation) की आवश्यकता होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

9. शिक्षण सहायक सामग्री के वर्गीकरण में, निम्नलिखित में से किसे कड़ाई से श्रव्य सामग्री (Audio Aid) के रूप में वर्गीकृत किया गया है?
(A) एक मूक ब्लैक-एंड-व्हाइट मोशन पिक्चर
(B) एक दृश्य फेल्ट या फ़्लैनल बोर्ड (Flannel Board)
(C) एक शैक्षणिक ऑडियो पॉडकास्ट (Educational Podcast)
(D) एक त्रि-आयामी मॉक-अप मॉडल

10. शैक्षिक रेडियो प्रसारण (Educational Radio Broadcast) निम्नलिखित में से किस शैक्षणिक उद्देश्य के लिए अत्यधिक प्रभावी हैं?
(A) बड़े, भौगोलिक रूप से बिखरे हुए श्रोताओं तक कुशलतापूर्वक पहुँचना
(B) शारीरिक और जटिल मनोप्रेरणा कौशल (Psychomotor Skills) का प्रभावी ढंग से प्रदर्शन करना
(C) व्यक्तिगत शिक्षार्थियों को तत्काल, संवादात्मक फीडबैक (Interactive Feedback) प्रदान करना
(D) कक्षा में भौगोलिक मानचित्रों का विस्तृत दृश्य विश्लेषण करना

11. निम्नलिखित में से किस श्रव्य सामग्री (Audio Aid) में असमकालिक (Asynchronous) डाउनलोडिंग और सुनने के लिए एक संरचित, रिकॉर्ड की गई चर्चा शामिल होती है?
(A) सार्वजनिक संबोधन प्रणाली (Public Address System - PA System)
(B) लाइव रेडियो प्रसारण (Live Radio Broadcast)
(C) भाषा प्रयोगशाला कंसोल (Language Laboratory Console)
(D) शैक्षिक पॉडकास्ट (Educational Podcast)

12. भाषा की एक शिक्षिका एक व्यक्तिगत ऑडियो सेटअप का उपयोग करके अपने छात्रों के उच्चारण और ध्वन्यात्मक कौशल (Phonetic Skills) में सुधार करना चाहती है, जहाँ छात्र मूल भाषियों (Native Speakers) को सुन सकते हैं, अपनी आवाज़ रिकॉर्ड कर सकते हैं और उनकी तुलना कर सकते हैं। एक प्राचार्य के रूप में, आप निम्नलिखित में से किस सुविधा आवश्यकता को स्वीकृत करेंगे?
(A) एक इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड सिस्टम (Interactive Whiteboard System - IWB) स्थापित करना
(B) एक डिजिटल भाषा प्रयोगशाला (Digital Language Laboratory) की स्थापना करना
(C) एक मानक सार्वजनिक संबोधन प्रणाली (Public Address System) प्राप्त करना
(D) कक्षा में एक एपिडियास्कोप (Epidiascope) स्थापित करना

13. कक्षा में केवल श्रव्य सामग्री (Audio Aids) का उपयोग करने की निम्नलिखित में से कौन सी एक अंतर्निहित सीमा है?
(A) इन्हें प्राप्त करना और बनाए रखना श्रव्य-दृश्य सामग्री (Audio-Visual Aids) की तुलना में काफी अधिक महंगा है।
(B) ये दृष्टिबाधित छात्रों (Visually Impaired Students) की अधिगम आवश्यकताओं को पूरा करने में पूरी तरह विफल रहती हैं।
(C) इनमें जटिल स्थानिक अवधारणाओं (Spatial Concepts) को समझाने के लिए आवश्यक दृश्य उद्दीपक (Visual Stimuli) का अभाव होता है।
(D) इन्हें सभी परिवेशों में निरंतर उच्च गति वाली इंटरनेट कनेक्टिविटी की कड़ाई से आवश्यकता होती है।

14. श्रव्य-आधारित अनुदेशात्मक सुविधा के रूप में "भाषा प्रयोगशाला" (Language Lab) का प्राथमिक कार्य क्या है?
(A) सहयोगी और अंतःविषय परियोजना आधारित अधिगम (Project-Based Learning - PBL) गतिविधियों को सुगम बनाना
(B) मुद्रित भाषाई सामग्रियों के लिए एक व्यापक भौतिक भंडार के रूप में कार्य करना
(C) सभी कक्षाओं में नियमित प्रशासनिक और स्कूल-व्यापी घोषणाओं का प्रसारण करना
(D) सुनने और बोलने के कौशलों के लिए श्रव्य-भाषाई अभ्यास (Audio-Lingual Practice) प्रदान करना

15. श्रव्य शिक्षण सहायक सामग्री (Audio Teaching Aids) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. ये श्रवण भेदभाव कौशल (Auditory Discrimination Skills) को विकसित करने के लिए अत्यधिक प्रभावी हैं।

NODIA

65. ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. ये अधिगम के समय और गति के संदर्भ में लचीलापन प्रदान करते हैं।
II. ये स्वाभाविक रूप से सभी शैक्षणिक सबमिशन की प्रामाणिकता की गारंटी देते हैं।
III. ये मल्टीमीडिया सामग्री वितरण का समर्थन कर सकते हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

66. दीक्षा (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing - DIKSHA) शैक्षिक प्लेटफॉर्म का पूर्ण रूप क्या है?
(A) डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing)
(B) डिजिटल इंडिया नॉलेज एंड स्किल्स हब (Digital India Knowledge and Skills Hub)
(C) डायरेक्ट इंस्ट्रक्शन फॉर किड्स एंड स्कूल्स एजेंसी (Direct Instruction for Kids and Schools Agency)
(D) डिजिटल इनिशिएटिव फॉर नॉलेज स्टोरेज एंड होस्टिंग (Digital Initiative for Knowledge Storage and Hosting)

67. दीक्षा (DIKSHA) प्लेटफॉर्म पर कौन सी विशिष्ट विशेषता भौतिक पाठ्यपुस्तकों को डिजिटल सामग्री से जोड़ती है?
(A) मुद्रित मानक सूची बारकोड (Barcodes)
(B) उच्च-आवृत्ति एम्बेडेड एनएफसी (NFC) चिप्स
(C) क्यूआर कोड वाली ऊर्जावान पाठ्यपुस्तकें (Energized Textbooks with QR Codes)
(D) रेडियो-आवृत्ति आरएफआईडी (RFID) पहचान टैग

68. डिजिटल प्लेटफॉर्म के संबंध में दिए गए कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
अभिकथन (A): दीक्षा (DIKSHA) प्लेटफॉर्म कड़ाई से छात्र अध्ययन सामग्रियों के भंडार के रूप में कार्य करता है और इसमें शिक्षकों के लिए कोई सुविधाएं नहीं हैं।
कारण (R): निष्ठा (National Initiative for School Heads' and Teachers' Holistic Advancement - NISHTHA) जैसे सतत पेशेवर विकास (Continuous Professional Development - CPD) कार्यक्रम दीक्षा पर नहीं, बल्कि भौतिक सर्वरों पर अलग से होस्ट किए जाते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

69. दीक्षा (DIKSHA) किस मार्गदर्शक सिद्धांत के तहत काम करता है?
(A) एक राज्य, एक एकीकृत राज्य पाठ्यक्रम (One State, One Unified State Syllabus)
(B) एक स्कूल, एक मानकीकृत पाठ्यक्रम (One School, One Standardized Curriculum)
(C) एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म (One Nation, One Digital Platform)
(D) एक राष्ट्र, एक मानक मूल्यांकन ढांचा (One Nation, One Standard Assessment Framework)

70. दीक्षा (DIKSHA) प्लेटफॉर्म के प्राथमिक लक्षित उपयोगकर्ता कौन हैं?
(A) विशेष रूप से प्राथमिक विद्यालय के छात्र
(B) शिक्षक, छात्र और अभिभावक
(C) केवल शैक्षिक प्रशासक
(D) उच्च शिक्षा शोधकर्ता

71. स्वयं (Study Webs of Active-Learning for Young Aspiring Minds - SWAYAM) एक शैक्षिक कार्यक्रम है जिसे शिक्षा नीति के किन तीन कार्डिनल सिद्धांतों को प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है?
(A) बुनियादी ढांचा, निवेश और नवाचार (Infrastructure, Investment, and Innovation)
(B) नामांकन, परीक्षा और मूल्यांकन (Enrollment, Examination, and Evaluation)
(C) प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण और परीक्षण (Technology, Training, and Testing)
(D) पहुँच, समानता और गुणवत्ता (Access, Equity, and Quality)

72. स्वयं (SWAYAM) पर होस्ट किए गए पाठ्यक्रम कितने "चतुष्कोणों" (Quadrants) में दिए जाते हैं?
(A) दो
(B) तीन
(C) चार
(D) पांच

73. निम्नलिखित में से कौन सा स्वयं (SWAYAM) पाठ्यक्रम के चार चतुष्कोणों (Quadrants) में से एक नहीं है?
(A) वीडियो व्याख्यान
(B) विशेष रूप से तैयार की गई पठन सामग्री जिसे डाउनलोड/प्रिंट किया जा सकता है
(C) अनिवार्य व्यक्तिगत भौतिक प्रयोगशाला कक्षाएं
(D) परीक्षणों और क्विज़ के माध्यम से स्व-मूल्यांकन परीक्षण

Click Here to Buy book on Amazon

Knowledge)
(C) टेक्नोलॉजी प्रोग्रामिंग सिस्टम्स एंड करिकुलम Knowledge (Technology Programming Systems and Curriculum Knowledge)
(D) टीचिंग प्रोसेस फ्रेमवर्क एंड कंप्यूटर Knowledge (Teaching Process Framework and Computer Knowledge)

57. इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड (Interactive Whiteboard - IWB) की कौन सी विशेषता इसे एक मानक डिजिटल प्रोजेक्टर से सबसे महत्वपूर्ण रूप से अलग करती है?
(A) स्क्रीन पर जीवंत उच्च-परिभाषा पूर्ण-रंग दृश्य छवियों को प्रक्षेपित करने की हार्डवेयर क्षमता
(B) ध्वनि के साथ चलती हुई पूर्ण-गति वीडियो क्लिप के निर्बाध प्रदर्शन को सक्षम करने वाली परिचालन विशेषता
(C) बोर्ड पर सामग्री को सीधे हेरफेर करने और सहेजने की क्षमता
(D) निरंतर, उच्च-वोल्टेज विद्युत शक्ति कनेक्शन की पूर्ण तकनीकी आवश्यकता

58. एक इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड को पूरी तरह से काम करने के लिए आमतौर पर किन तीन एकीकृत हार्डवेयर घटकों की आवश्यकता होती है?
(A) कंप्यूटर, प्रोजेक्टर और स्पर्श-संवेदनशील बोर्ड (Touch-Sensitive Board)
(B) उच्च-तीव्रता वाला एपिडियास्कोप, भौतिक चाकबोर्ड और इंटरैक्टिव स्टाइलस
(C) उच्च-परिभाषा टेलीविजन, वाणिज्यिक डीवीडी प्लेयर और इन्फ्रारेड रिमोट
(D) आधुनिक स्मार्टफोन उपकरण, इमर्सिव वीआर हेडसेट (VR Headset) और वायरलेस इंटरनेट राउटर

59. इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड का उपयोग करते समय, वह विशेषता जो एक शिक्षक को स्क्रीन के एक हिस्से को छिपाने और उसे धीरे-धीरे प्रकट करने की अनुमति देती है, कहलाती है:
(A) वास्तविक समय डिजिटल एनोटेशन (Real-Time Digital Annotation)
(B) स्टाइलस-आधारित डिजिटल स्याही लेखन (Stylus-Based Digital Ink Writing)
(C) दृश्य वस्तु क्लस्टरिंग सुविधा (Visual Object Clustering Feature)
(D) स्क्रीन शेड या मास्किंग टूल (Screen Shade or Masking Tool)

60. इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड पर "सहेजें और निर्यात करें" (Save and Export) सुविधा का एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक लाभ क्या है?
(A) यह प्रभावी रूप से छात्रों को अनधिकृत संपादन करने या बोर्ड इंटरफ़ेस के साथ बातचीत करने से रोकता है।
(B) यह पाठ नोट्स और एनोटेशन को अनुपस्थित छात्रों के साथ साझा करने की अनुमति देता है।
(C) यह शिक्षक के इनपुट के बिना सभी छात्र गृहकार्य असाइनमेंट का स्वचालित रूप से मूल्यांकन, अंकन और रिकॉर्ड करता है।
(D) यह पाठ के घंटों के दौरान सभी बाहरी इंटरनेट पहुँच और सोशल मीडिया ब्राउज़िंग को स्वचालित रूप से ब्लॉक करता है।

61. ई-लर्निंग (E-Learning) प्लेटफॉर्म मौलिक रूप से निम्नलिखित में से किस तकनीक पर निर्भर करते हैं?
(A) पारंपरिक यांत्रिक प्रिंटिंग प्रेस
(B) उच्च-आवृत्ति एनालॉग रेडियो प्रसारण
(C) इंटरनेट और डिजिटल संचार नेटवर्क
(D) विशेष अपारदर्शी प्रक्षेपण प्रदर्शन प्रणाली

62. एक स्कूल प्राचार्य "फ़्लिप्ड क्लासरुम" (Flipped Classroom) मॉडल लागू करना चाहते हैं। इस कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित में से कौन सी ई-लर्निंग रणनीति सबसे उपयुक्त है?
(A) छात्र स्कूल के घंटों के दौरान लाइव कक्षा व्याख्यान सुनते हैं और फिर घर पर एक ई-लर्निंग पोर्टल पर संक्षिप्त डिजिटल नोट्स लिखते हैं।
(B) शिक्षक 40 मिनट की अवधि के दौरान ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म संचालित करते हैं जबकि छात्र स्क्रीन को पूरी तरह से निष्क्रिय रूप से देखते हैं।
(C) ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग विशेष रूप से औपचारिक अंतिम परीक्षाओं को आयोजित करने और सत्र के अंत के ग्रेड रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है।
(D) छात्र घर पर ऑनलाइन वीडियो व्याख्यान देखते हैं, और कक्षा के समय का उपयोग इंटरैक्टिव समस्या-समाधान के लिए करते हैं।

63. कौन सा शब्द एक ई-लर्निंग मॉडल का वर्णन करता है जो जानबूझकर ऑनलाइन डिजिटल अनुदेशन के साथ पारंपरिक आमने-सामने कक्षा शिक्षण को जोड़ता है?
(A) मिश्रित अधिगम (Blended Learning)
(B) दूरस्थ शिक्षा (Distance Education)
(C) अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction)
(D) पत्राचार शिक्षा (Correspondence Learning)

64. ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म में एक प्रमुख अवधारणा, MOOC का पूर्ण रूप क्या है?
(A) मैसिव ऑनलाइन ओपन करिकुलम (Massive Online Open Curriculum)
(B) मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (Massive Open Online Course - MOOC)
(C) मल्टीपल ऑब्जेक्टिव ऑनलाइन क्लास (Multiple Objective Online Class)
(D) मेनस्ट्रीम ओपन ऑनलाइन कंटेंट (Mainstream Open Online Content)

NODIA

(A) बड़े डेस्कटॉप कंप्यूटर (Desktop Computer) का उपयोग करना
(B) निश्चित समय-सारणी और समकालिक औपचारिक परीक्षाएं
(C) सुवाह्यता (Portability), सर्वव्यापकता और चलते-फिरते अधिगम (Learning On-The-Go)
(D) सामग्रियों की व्यापक भौतिक छपाई

84. निम्नलिखित में से कौन सी शैक्षणिक अवधारणा मोबाइल अधिगम (m-learning) द्वारा सबसे स्वाभाविक रूप से समर्थित है?
(A) मैक्रो-लेक्चरिंग (Macro-Lecturing)
(B) पारंपरिक सेमेस्टर-लंबे प्रयोगशाला कार्य
(C) वास्तुशिल्प डिजाइनों का मैनुअल ड्राफ्टिंग
(D) माइक्रो-लर्निंग (Bite-Sized Learning)

85. मोबाइल अधिगम (m-learning) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह जीपीएस (GPS) और कैमरा जैसे मोबाइल डिवाइस सेंसर का उपयोग करके प्रासंगिक अधिगम को सक्षम बनाता है।
II. यह बिना किसी विकर्षण के उच्च स्तर की छात्र एकाग्रता की गारंटी देता है।
III. यह छात्रों के लिए "जस्ट-इन-टाइम" (Just-in-Time) अधिगम को सुगम बनाता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

86. मोबाइल अधिगम (m-learning) और आधुनिक स्कूल नीतियों के संदर्भ में BYOD शब्द का क्या अर्थ है?
(A) बिल्ड योर ओन डेटा (Build Your Own Data)
(B) ब्रिंग योर ओन डिवाइस (Bring Your Own Device - BYOD)
(C) ब्रॉडन योर ऑनलाइन डायमेंशन (Broaden Your Online Dimension)
(D) बेसिक यूथ ऑनलाइन डेवलपमेंट (Basic Youth Online Development)

87. शैक्षिक प्रौद्योगिकी के संदर्भ में, संवर्धित वास्तविकता (Augmented Reality - AR) मौलिक रूप से आभासी वास्तविकता (Virtual Reality - VR) से कैसे भिन्न है?
(A) AR एक पूरी तरह से सिंथेटिक कृत्रिम दुनिया बनाता है, जबकि VR केवल भौतिक वस्तुओं पर पाठ ओवरले करता है।
(B) AR के लिए एक पूर्ण हेडसेट सेटअप की आवश्यकता होती है, जबकि VR सामग्री को केवल मुद्रित भौतिक कागज़ की शीटों पर देखा जा सकता है।
(C) AR कड़ाई से एक केवल-श्रव्य मीडिया तकनीक है, जबकि VR विशुद्ध रूप से एक दृश्य प्रक्षेपण प्रणाली के रूप में कार्य करता है।
(D) AR वास्तविकता पर डिजिटल तत्वों को ओवरले करता है; VR उपयोगकर्ताओं को सिम्युलेटेड दुनिया में डुबो देता है।

88. शिक्षा में आभासी वास्तविकता (Virtual Reality - VR) के संबंध में दिए गए कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
अभिकथन (A): आभासी वास्तविकता (VR) छात्रों को सुरक्षित रूप से खतरनाक रसायन विज्ञान के प्रयोग करने या ऐतिहासिक स्थलों का पता लगाने की अनुमति देने के लिए एक उत्कृष्ट उपकरण है।
कारण (R): VR एक अत्यधिक इमर्सिव सिम्युलेटेड वातावरण प्रदान करता है जहाँ अनुभवात्मक अधिगम भौतिक जोखिमों या यात्रा लागतों के बिना हो सकता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

89. एक शिक्षक एक ऐसे एप्लिकेशन का उपयोग करता है जहाँ छात्र अपने टैबलेट कैमरे को पाठ्यपुस्तक में 2D मानचित्र की ओर करते हैं, और स्क्रीन पर एक 3D स्थलाकृतिक मॉडल पॉप अप होता है। यह किसका एक अनुप्रयोग है?
(A) आभासी वास्तविकता (Virtual Reality)
(B) ई-लर्निंग (E-Learning)
(C) संवर्धित वास्तविकता (Augmented Reality)
(D) गैर-प्रक्षेपित दृश्य सामग्री (Non-Projected Visual Aid)

90. मानक सरकारी स्कूल की कक्षाओं में वीआर (VR) तकनीक के व्यापक एकीकरण में निम्नलिखित में से कौन सी एक महत्वपूर्ण बाधा है?
(A) उच्च हार्डवेयर और रखरखाव लागत
(B) यह पाठों के दौरान समग्र छात्र जुड़ाव और कक्षा सहभागिता को काफी कम कर देता है
(C) यह सक्रिय वैचारिक समझ के बजाय पूरी तरह से निष्क्रिय रटने पर निर्भर करता है
(D) यह शैक्षिक नीति दिशानिर्देशों द्वारा स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित है

91. रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) के लिए डिज़ाइन किए गए शैक्षिक ऐप, जैसे कि Kahoot! या Quizizz, छात्र जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए मुख्य रूप से किस मनोवैज्ञानिक तंत्र पर निर्भर करते हैं?
(A) नकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Negative Reinforcement)
(B) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)
(C) अप्रिय दंड (Aversive Punishment)

Downloaded from www.pdf.tube

लेखन कौशल विकास के लिए मूर्त, स्क्रीन-मुक्त अवसर प्रदान करती हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

109. एक "एपिसकोप" (Episcope) का उपयोग विशेष रूप से किसको प्रक्षेपित करने के लिए किया जाता है?
(A) ओवरहेड प्रक्षेपण के लिए डिज़ाइन की गई पारदर्शी एसीटेट प्लास्टिक शीट
(B) मानक सतत 35mm दृश्य अनुदेशात्मक फिल्मस्ट्रिप
(C) अपारदर्शी सामग्रियां जैसे पुस्तक के पृष्ठ या भौतिक वस्तुएं
(D) लाइव उच्च-रिज़ॉल्यूशन डिजिटल कंप्यूटर मॉनिटर डिस्प्ले स्क्रीन

110. कौन सी गैर-प्रक्षेपित सामग्री खुरदरे कपड़े से ढके बोर्ड पर रखी गई खुरदरी पीठ वाले कट-आउट का उपयोग करती है, जिससे अनुक्रमिक प्लेसमेंट के माध्यम से कहानी सुनाने या अवधारणा निर्माण की अनुमति मिलती है?
(A) चुंबकीय बोर्ड (Magnetic Board)
(B) पेगबोर्ड (Pegboard)
(C) बुलेटिन बोर्ड (Bulletin Board)
(D) फ़्लैनल बोर्ड (Flannel Board)

111. कौन सा आईसीटी (ICT) उपकरण छात्रों को विभिन्न स्थानों से एक साथ एक ही दस्तावेज़ पर सहयोग करने की अनुमति देता है?
(A) क्लाउड-आधारित वर्ड प्रोसेसर (Cloud-Based Word Processors)
(B) स्थानीय रूप से स्थापित माइक्रोसॉफ्ट वर्ड डेस्कटॉप ऑफ़लाइन सॉफ़्टवेयर
(C) पीसी पर स्थापित मानक पीडीएफ दस्तावेज़ रीडर एप्लिकेशन
(D) स्कूल कंप्यूटरों पर स्थापित ऑफ़लाइन प्रस्तुति सॉफ़्टवेयर पैकेज (Presentation Software)

112. एक प्राचार्य नोटिस करते हैं कि स्मार्ट (SMART) कक्षाएं होने के बावजूद, जटिल विषयों में छात्र उपलब्धि में सुधार नहीं हुआ है। अवलोकन से पता चलता है कि शिक्षक केवल पूरी अवधि के लिए लंबे, निर्बाध वीडियो दिखाने के लिए स्मार्टबोर्ड का उपयोग कर रहे हैं। प्राचार्य को क्या शैक्षणिक सुधारात्मक उपाय की सलाह देनी चाहिए?
(A) सभी विषयों में स्मार्टबोर्ड (Smartboard) के उपयोग को पूरी तरह से बंद कर दें और विशेष रूप से पारंपरिक व्याख्यान पर लौट आएं।
(B) छात्र पूछताछ को बढ़ावा देने के लिए 'विराम दें और चर्चा करें' (Pause and Discuss) विधियों का उपयोग करें।
(C) सुनिश्चित करें कि चयनित शैक्षिक वीडियो कड़ाई से पाठ्यक्रम-उन्मुख, अत्यधिक औपचारिक और अवधि में दोगुने लंबे हों।
(D) बेहतर निष्क्रिय छात्र प्रतिधारण की गारंटी के लिए कक्षा के दौरान वीडियो प्रसारण की ऑडियो मात्रा में काफी वृद्धि करें।

113. एक समकालिक (Synchronous) ई-लर्निंग सत्र में भाग लेने के लिए मौलिक आवश्यकता क्या है?
(A) पाठ सत्र के दौरान शिक्षार्थी को एक मानक भौतिक कक्षा के अंदर शारीरिक रूप से उपस्थित होना चाहिए।
(B) सभी प्रतिभागियों को एक ही समय में ऑनलाइन कनेक्ट होना चाहिए।
(C) शिक्षार्थी सप्ताहांत के अध्ययन के घंटों के दौरान कड़ाई से रिकॉर्ड की गई ऑनलाइन रिपॉजिटरी सामग्रियों तक स्वतंत्र रूप से पहुँचता है।
(D) अनुदेशात्मक पाठ्यक्रम सामग्री बिना किसी दृश्य मल्टीमीडिया तत्वों के विशुद्ध रूप से पाठ-आधारित प्रारूपों में प्रदान की जानी चाहिए।

114. शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी "प्रज्ञाता" (PRAGYATA Guidelines) दिशानिर्देश मुख्य रूप से किससे संबंधित हैं?
(A) डिजिटल शिक्षा और स्क्रीन समय दिशानिर्देश
(B) ग्रामीण स्कूल भवनों के लिए नागरिक संरचनात्मक निर्माण मानदंड और सुरक्षा दिशानिर्देश
(C) सार्वजनिक स्कूल कोष के लिए आधिकारिक वार्षिक वित्तीय लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं और लेखांकन प्रोटोकॉल
(D) छात्रों के लिए अनुशंसित दैनिक मध्याह्न भोजन पोषण गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानक

115. कौन सा प्लेटफॉर्म खुले शैक्षिक संसाधनों के राष्ट्रीय भंडार के रूप में कार्य करता है और मूलभूत साक्षरता के लिए निपुण भारत (National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy - NIPUN Bharat) पहल के साथ गहराई से एकीकृत है?
(A) स्वयं पोर्टल (SWAYAM Portal)
(B) ई-नाम पोर्टल (e-NAM Portal)
(C) दीक्षा (DIKSHA)
(D) जेम पोर्टल (Government e-Marketplace - GeM)

NODIA

116. स्कूल प्रशासन के लिए लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) का उपयोग करने का एक प्रमुख लाभ इसकी निम्न क्षमता है:
(A) छात्रों के पंजीकृत घरों में मुद्रित पाठ्यपुस्तक सेट और भौतिक स्टेशनरी सीधे वितरित करना
(B) किसी भी सक्रिय इंटरनेट कनेक्शन या डिजिटल बुनियादी ढांचे की आवश्यकता के बिना पूरी तरह से काम करना
(C) आवधिक रूप से आमने-सामने अभिभावक-शिक्षक बैठकों (Parent-Teacher Meetings) को आयोजित करने की प्रशासनिक आवश्यकता को समाप्त करना
(D) छात्र जुड़ाव और अंकों पर समेकित विश्लेषण (Analytics) स्वचालित रूप से उत्पन्न करना

100. ऑनलाइन शिक्षण में परिवर्तन के दौरान, भारत में डिजिटल डिवाइड के संबंध में उजागर की गई एक प्रमुख चुनौती क्या थी?
(A) ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक उच्च गति वाली इंटरनेट बैंडविड्थ की अप्रत्याशित अति-उपलब्धता
(B) डिजिटल अधिगम विधियों को अधिकृत करने के लिए राज्य शैक्षिक परीक्षा बोर्डों का पूर्ण इनकार
(C) सभी भाषाओं में डिजिटली ऊर्जावान इंटरैक्टिव पाठ्यपुस्तकों की भारी वाणिज्यिक प्रचुरता
(D) गरीब छात्रों के लिए किफायती उपकरणों और इंटरनेट की कमी

101. बुनियादी संवर्धन से गहन परिवर्तन की ओर बढ़ते हुए, शिक्षक प्रशिक्षण और कक्षा अभ्यास में प्रौद्योगिकी के एकीकरण की अवधारणा बनाने के लिए आमतौर पर किस मॉडल का उपयोग किया जाता है?
(A) मानवीय आवश्यकताओं का पदानुक्रम (Hierarchy of Human Needs)
(B) POSDCORB प्रशासनिक प्रबंधन मॉडल (POSDCORB Model)
(C) एसएएमआर प्रौद्योगिकी एकीकरण मॉडल (SAMR Model)
(D) जोहारी विंडो पारस्परिक संचार मॉडल (Johari Window Model)

102. एसएएमआर (Substitution, Augmentation, Modification, Redefinition - SAMR) मॉडल के तहत, यदि कोई शिक्षक कार्य के डिज़ाइन को बदले बिना भौतिक मुद्रित कार्यपत्रक को डिजिटल पीडीएफ कार्यपत्रक से बदल देता है, तो यह दर्शाता है:
(A) संवर्धन (Augmentation)
(B) प्रतिस्थापन (Substitution)
(C) संशोधन (Modification)
(D) पुनर्परिभाषा (Redefinition)

103. प्रौद्योगिकी एकीकरण के लिए प्रभावी शिक्षक प्रशिक्षण को न केवल तकनीकी कौशलों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, बल्कि महत्वपूर्ण रूप से इस पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए:
(A) तकनीकी हार्डवेयर मरम्मत तकनीक और उन्नत कंप्यूटर प्रोग्रामिंग कोडिंग
(B) कीबोर्ड टाइपिंग गति बढ़ाना और जटिल डेस्कटॉप सॉफ़्टवेयर इंस्टॉलेशन निष्पादित करना
(C) स्कूल प्रयोगशालाओं के लिए विशेष मालिकाना डिजिटल हार्डवेयर उपकरणों का निर्माण और डिज़ाइन करना
(D) अधिगम में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी को एम्बेड करने के लिए शैक्षणिक रणनीतियाँ

104. आईसीटी (ICT) एकीकरण के लिए शिक्षक प्रशिक्षण लागू करते समय स्कूलों को किस मुख्य चुनौती का सामना करना पड़ता है?
(A) कर्मचारियों के बीच परिवर्तन का विरोध और टेक्नोफोबिया (Technophobia)
(B) शिक्षण कर्मचारी स्कूल की समय-सारणी के लिए बहुत तेजी से नए डिजिटल सॉफ़्टवेयर टूल (Software Tools) में महारत हासिल कर रहे हैं
(C) केवल कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए समर्पित सरकारी अनुदान कोष का अत्यधिक, अनियंत्रित अधिशेष
(D) सभी मूलभूत प्राथमिक कक्षाओं में पारंपरिक मुद्रित भौतिक पाठ्यपुस्तकों की भारी कमी

105. आईसीटी (ICT) के लिए शिक्षक प्रशिक्षण के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. सतत पेशेवर विकास (Continuous Professional Development - CPD) आवश्यक है क्योंकि तकनीक तेजी से विकसित होती है।
II. आजीवन शिक्षण करियर के लिए एक बार के प्रशिक्षण सत्र पर्याप्त हैं।
III. सहकर्मी मेंटरिंग (Peer Mentoring) आईसीटी एकीकरण में क्षमता निर्माण के लिए एक प्रभावी रणनीति है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

106. पढ़ाए जाने के दौरान किसी पाठ के गतिशील, विकसित होते हुए सार को प्रदर्शित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी पारंपरिक सामग्री सबसे उपयुक्त है?
(A) चाकबोर्ड (Chalkboard)
(B) डायोरमा (Diorama)
(C) ओवरहेड प्रोजेक्टर (Overhead Projector)
(D) फ़्लैनल बोर्ड (Flannel Board)

107. संपूर्ण के भिन्नात्मक भागों को प्रदर्शित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी दृश्य सामग्री सबसे प्रभावी है?
(A) रेखा ग्राफ (Line Graph)
(B) संगठन चार्ट (Organization Chart)
(C) फ़्लो चार्ट (Flow Chart)
(D) पाई चार्ट (Pie Chart)

108. मुद्रित सामग्रियों (Print Materials) के संबंध में दिए गए कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
अभिकथन (A): डिजिटल प्रौद्योगिकी के आगमन के बावजूद कार्यपुस्तिकाओं जैसी मुद्रित सामग्रियां प्रासंगिकता बनाए रखती हैं।
कारण (R): मुद्रित सामग्रियां स्व-गति से ड्रिल, अभ्यास और

Click Here to Buy book on Flipkart

(D) गैमिफिकेशन (Gamification)

92. एक प्राचार्य को एक शिक्षक से सभी छात्रों द्वारा एक मालिकाना, उच्च-लागत वाले शैक्षिक ऐप की खरीद को अनिवार्य करने का अनुरोध प्राप्त होता है। सरकारी स्कूलों में समानता के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, प्राचार्य के लिए सबसे उपयुक्त कार्रवाई क्या है?
(A) इस प्रशासनिक आधार पर अनुरोध को तुरंत स्वीकृत करें कि वाणिज्यिक तकनीक अपनाने से स्कूल की प्रतिष्ठा बढ़ती है।
(B) शिक्षक को मुफ़्त ओईआर (Open Educational Resources - OER) उपकरणों या दीक्षा (DIKSHA) जैसे प्लेटफॉर्मों का पता लगाने का निर्देश दें।
(C) ऐप खरीद को पूरी तरह से वैकल्पिक बनाएं, जिससे धनी छात्रों को स्वतंत्र रूप से पूरक डिजिटल सुविधाओं तक पहुँचने की अनुमति मिले।
(D) संरचनात्मक रखरखाव भंडार का उपयोग करके सभी छात्रों के लिए लाइसेंस खरीदने के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC) को आवश्यकता हो।

93. एक शैक्षणिक संस्थान में लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (Learning Management System - LMS) का प्राथमिक कार्य क्या है?
(A) सभी स्कूल विभागों में कर्मचारी पेरोल, कराधान रिकॉर्ड और सामान्य संस्थागत वित्तीय लेखांकन का कड़ाई से प्रबंधन करना
(B) नई स्मार्ट (SMART) कक्षाओं और डिजिटल हार्डवेयर बुनियादी ढांचे को स्थापित करने के लिए वास्तुशिल्प फर्श योजनाओं और संरचनात्मक स्थानिक लेआउट को डिज़ाइन करना
(C) पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण को वितरित करना, ट्रैक करना और प्रबंधित करना
(D) मुख्य स्कूल गेट पर सभी छात्रों और आगंतुकों के दैनिक भौतिक सुरक्षा प्रवेश और निकास की स्वचालित रूप से निगरानी और नियमन करना

94. निम्नलिखित में से कौन सा एक व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला, ओपन-सोर्स लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) है?
(A) माइक्रोसॉफ्ट वर्ड (Microsoft Word)
(B) एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop)
(C) टैली ईआरपी (Tally ERP)
(D) मूडल (Moodle)

95. एक मजबूत लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) की विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह पाठ्यक्रम सामग्रियों के असमकालिक वितरण की अनुमति देता है।
II. इसमें स्वचालित ग्रेडिंग और छात्र प्रगति को ट्रैक करने के उपकरण शामिल हैं।
III. यह चर्चा मंचों (Discussion Forums) और घोषणाओं के माध्यम से संचार को सुगम बनाता है।
IV. यह मानव इनपुट के बिना स्वचालित रूप से उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षणिक सामग्री उत्पन्न करता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, III और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) I, II, III और IV

96. एक उपयुक्त शिक्षण सामग्री का चयन करते समय, एक शिक्षक को प्राथमिक रूप से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सामग्री किसके साथ संरेखित हो:
(A) उपलब्ध तकनीक की जटिलता
(B) पाठ के विशिष्ट अधिगम उद्देश्य (Learning Objectives)
(C) शिक्षक की व्यक्तिगत मनोरंजन प्राथमिकताएं
(D) स्कूल के मध्यांतर (Recess) की अवधि

97. यदि एक अधिगम उद्देश्य में "मानव शरीर पर सीपीआर (CPR) के सही अनुक्रम का प्रदर्शन करने वाले छात्र" शामिल हैं, तो कौन सी शिक्षण सामग्री सबसे उपयुक्त है?
(A) सीपीआर (CPR) को समझाने वाला एक ऑडियो पॉडकास्ट (Audio Podcast)
(B) एक यथार्थवादी भौतिक मॉक-अप या पुतला (Mannequin)
(C) सीपीआर (CPR) पर एक लिखित पाठ्यपुस्तक अध्याय
(D) बुलेटिन बोर्ड पर एक स्थैतिक फ़्लो चार्ट

98. शिक्षा में "डिजिटल डिवाइड" (Digital Divide) शब्द प्राथमिक रूप से किसे संदर्भित करता है?
(A) आईसीटी (ICT) पहुँच और क्षमताओं में असमानताएँ
(B) स्कूल कंप्यूटर प्रयोगशाला को मानक नियमित विषय कक्षाओं से अलग करने वाली भौतिक वास्तुशिल्प दूरी
(C) निर्धारित स्कूल पाठ्यक्रम का विशुद्ध रूप से डिजिटल तकनीक और पारंपरिक गैर-डिजिटल विषयों में आधिकारिक विभाजन
(D) डेस्कटॉप कंप्यूटर की पुरानी और नई पीढ़ियों के बीच देखी गई परिचालन प्रसंस्करण गति में तकनीकी अंतर

99. "द्वितीय-स्तरीय डिजिटल डिवाइड" (Second-level digital divide) विशेष रूप से किसकी असमानताओं को संदर्भित करता है?
(A) कंप्यूटर हार्डवेयर घटकों और स्थिर स्थानीय इंटरनेट बुनियादी ढांचे तक बुनियादी भौतिक पहुँच
(B) ग्रामीण स्कूल क्षेत्रों में उपलब्ध विद्युत शक्ति आपूर्ति की विश्वसनीयता और स्थिरता
(C) तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए डिजिटल साक्षरता और कौशल
(D) पारिवारिक उपयोग के लिए व्यक्तिगत डिजिटल कंप्यूटिंग उपकरण खरीदने की उच्च बाजार लागत

NODIA

117. निम्नलिखित में से किस प्रकार की शिक्षण सामग्री की विशेषता "हैंड्स-ऑन, माइंड्स-ऑन" दृष्टिकोण है जो जोड़-तोड़ वाली वस्तुओं (Manipulatives) पर अत्यधिक निर्भर करती है?
(A) पारंपरिक मुद्रित विषय पाठ्यपुस्तकें और कार्यपुस्तिकाएं
(B) निर्धारित शैक्षिक ऑडियो रेडियो प्रसारण
(C) गतिविधि-आधारित सामग्री जैसे गणित या विज्ञान किट
(D) ऑप्टिकल प्रक्षेपित अपारदर्शी स्लाइड प्रोजेक्टर

118. शिक्षण सहायक सामग्री (Instructional Aids) के संदर्भ में 'रियालिया' (Realia) शब्द का क्या अर्थ है?
(A) प्राथमिक विद्यालय के छोटे बच्चों के लिए विशेष रूप से लिखी गई यथार्थवादी काल्पनिक कहानियाँ और ऐतिहासिक आख्यान
(B) अधिगम को वास्तविक दुनिया से जोड़ने के लिए उपयोग की जाने वाली वास्तविक जीवन की वस्तुएं या कलाकृतियाँ
(C) अमूर्त वैज्ञानिक और गणितीय अवधारणाओं को चित्रित करने के लिए डिज़ाइन की गई उच्च-परिभाषा प्रक्षेपित डिजिटल छवियां
(D) हाई-एंड ऑप्टिकल स्पर्श-संवेदनशील इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड हार्डवेयर का एक विशिष्ट वाणिज्यिक ब्रांड नाम

119. एक शिक्षक एक विशिष्ट युग के बारे में पढ़ाने के लिए इतिहास की कक्षा में ऐतिहासिक सिक्के और डाक टिकट लाता है। इन वस्तुओं को सर्वोत्तम रूप से वर्गीकृत किया जाता है:
(A) डायोरमा (Dioramas)
(B) मॉक-अप (Mock-ups)
(C) प्रक्षेपित सामग्री (Projected Aids)
(D) रियालिया (Realia)

120. कौन सा सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि एक शिक्षण सामग्री इतनी बड़ी और स्पष्ट होनी चाहिए कि कक्षा में पीछे बैठे छात्र द्वारा आसानी से देखी जा सके?
(A) दृश्यता का सिद्धांत (Principle of Visibility)
(B) चयन का सिद्धांत (Principle of Selection)
(C) सादगी का सिद्धांत (Principle of Simplicity)
(D) अन्तरक्रियाशीलता का सिद्धांत (Principle of Interactivity)

121. "अभिक्रमित अनुदेशन" (Programmed Instruction) सामग्रियों की मुख्य विशेषता क्या है?
(A) वे पूरी तरह से असंरचित, अनौपचारिक अधिगम सामग्रियां हैं जो पूरी तरह से अन निर्देशित खुले छात्र अन्वेषण पर निर्भर करती हैं।
(B) इनमें बिना किसी दृश्य चित्रण के दिए गए निरंतर, विशुद्ध रूप से श्रव्य-आधारित बोले गए व्याख्यान शामिल हैं।
(C) वे सक्रिय प्रतिक्रिया और फीडबैक (Feedback) के साथ अनुक्रमिक फ्रेमों में जानकारी प्रस्तुत करती हैं।
(D) वे मुख्य रूप से समूह-आधारित सहयोगी मूल्यांकन उपकरण (Collaborative Assessment Tools) के रूप में कार्य करती हैं जो बिना किसी नैदानिक शिक्षक प्रतिक्रिया के काम करती हैं।

122. पीएम ई-विद्या (PM eVIDYA) पहल के तहत, शैक्षिक प्रसारण के लिए सौंपे गए डीटीएच (DTH) चैनलों को किस रूप में जाना जाता है?
(A) स्वयं प्रभा चैनल (SWAYAM PRABHA Channels)
(B) ज्ञान दर्शन शैक्षिक चैनल (Gyan Darshan Educational Channels)
(C) ई-पाठशाला डिजिटल टेलीविजन चैनल (E-Pathshala Digital Television Channels)
(D) निष्ठा शिक्षक प्रशिक्षण चैनल (NISHTHA Teacher Training Channels)

123. शैक्षिक प्रौद्योगिकी में वेब 2.0 (Web 2.0) उपकरणों की निम्नलिखित में से कौन सी एक महत्वपूर्ण विशेषता है?
(A) वे सर्वर से उपयोगकर्ता तक एकतरफा सूचना प्रसारण को सुगम बनाने के लिए कड़ाई से कार्य करते हैं।
(B) उन्हें ठीक से काम करने के लिए स्थानीय डेस्कटॉप ड्राइव पर महंगी भौतिक सीडी-रोम की स्थापना की आवश्यकता होती है।
(C) वे सुरक्षा फ़ायरवॉल को शामिल करते हैं जो पीयर-टू-पीयर ऑनलाइन छात्र संचार को कड़ाई से रोकते हैं।
(D) वे उपयोगकर्ता द्वारा तैयार की गई सामग्री और सहयोग को सक्षम बनाते हैं।

NODIA

124. शिक्षण सामग्री के रूप में उपयोग किया जाने वाला "पॉडकास्ट" (Podcast) मुख्य रूप से किस संवेदी मोडैलिटी (Sensory Modality) का उपयोग करता है?
(A) दृश्य (Visual)
(B) श्रव्य (Auditory)
(C) गतिसंवेदी (Kinesthetic)
(D) स्पर्शनीय (Tactile)

125. शिक्षण सामग्री के चयन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. सामग्री शिक्षार्थियों की आयु, परिपक्वता और संज्ञानात्मक स्तर के लिए उपयुक्त होनी चाहिए।
II. गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक शिक्षक को हमेशा उपलब्ध सबसे महंगी डिजिटल सामग्री चुननी चाहिए।
III. सामग्री सीधे पढ़ाए जा रहे विशिष्ट विषय वस्तु से प्रासंगिक होनी चाहिए।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

126. आमतौर पर लंबवत या क्षैतिज आयतों का उपयोग करके, एकल चर की सापेक्ष आवृत्ति या अनुपात को प्रदर्शित करने

158. वर्चुअल लैब और सिमुलेशन जैसे आईसीटी (ICT) उपकरणों के एकीकरण द्वारा प्रोत्साहित शैक्षणिक बदलाव किससे बदलाव है?
(A) अत्यधिक सक्रिय पूछताछ-आधारित छात्र अन्वेषण से पाठ्यपुस्तक के तथ्यों के निष्क्रिय व्यक्तिगत रटने में
(B) छात्र-केंद्रित रचनावादी शिक्षण ढाँचों से पारंपरिक शिक्षक-नेतृत्व वाले व्यवहारवादी अनुबंधन दृष्टिकोणों में
(C) चल रहे नैदानिक रचनात्मक कक्षा मूल्यांकन से विशुद्ध रूप से अंतिम उच्च-जोखिम वाले योगात्मक कागज़ मूल्यांकन में
(D) अमूर्त सैद्धांतिक संचरण से व्यावहारिक अनुभवात्मक समझ में

159. "डायोरमा" (Diorama) क्या है?
(A) किसी घटना या आवास का प्रतिनिधित्व करने वाला 3D लघु दृश्य (3D Miniature Scene)
(B) विश्लेषण के लिए सांख्यिकी डेटा सेटों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने वाला एक विस्तृत द्वि-आयामी मात्रात्मक ग्राफ
(C) एक नाटकीय शास्त्रीय नाट्य नाटक या पाठ का एक हाई-फिडेलिटी एकोस्टिक ऑडियो वॉयस रिकॉर्डिंग
(D) विशेष रूप से गणितीय सिमुलेशन मॉडलिंग के लिए इंजीनियर एक जटिल डेस्कटॉप सॉफ़्टवेयर कंप्यूटर एप्लिकेशन (Desktop Software Application)

160. कक्षा में शिक्षकों द्वारा प्रौद्योगिकी के प्रभावी एकीकरण में निम्नलिखित में से कौन सी एक प्रमुख बाधा है?
(A) प्रौद्योगिकी की शुरुआत होने पर छात्रों द्वारा प्रदर्शित अत्यधिक उत्साह और व्यवहारात्मक अति-सक्रियता
(B) तकनीकी कौशलों के साथ संरेखित निरंतर शैक्षणिक प्रशिक्षण का अभाव
(C) आधुनिक डेस्कटॉप कंप्यूटरों के कॉम्पैक्ट भौतिक आयामों और स्क्रीन आकारों के कारण सीधे उत्पन्न तकनीकी सीमाएं
(D) स्कूल के स्टोरहाउस के भीतर उपलब्ध कम लागत वाले पारंपरिक चाक और स्लेट सामग्रियों की प्रचुरता

161. एक "पेगबोर्ड" (Pegboard) एक गैर-प्रक्षेपित दृश्य सामग्री है जो आमतौर पर कक्षाओं में उपयोग की जाती है। यह किसका बना होता है?
(A) फेल्ट आसंजन के लिए एक अत्यधिक खुरदरी बनावट वाली सतह के साथ निर्मित भारी प्राकृतिक सूती कपड़ा
(B) कार्ड या वस्तुओं को लटकाने के लिए खूंटियों (Pegs) को सम्मिलित करने के लिए नियमित रूप से दूरी वाले छेदों वाला एक बोर्ड
(C) एक हल्का टिकाऊ एल्यूमीनियम बाहरी आवरण के भीतर तैयार की गई एक सपाट जस्ती चुंबकीय धातु की शीट (Magnetic Sheet)
(D) एक भारी लकड़ी के समर्थन फ्रेम पर सुरक्षित रूप से घुड़सवार स्पष्ट, पूरी तरह से पारदर्शी प्रबलित टेम्पर्ड ग्लास

162. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy - NEP) के दृष्टिकोण के साथ संरेखित, स्कूली शिक्षा से संबंधित सभी डिजिटल संसाधनों के लिए कौन सा डिजिटल प्लेटफॉर्म एकल पोर्टल के रूप में कार्य करता है?
(A) दीक्षा (DIKSHA)
(B) आईआरसीटीसी (IRCTC)
(C) उमंग (UMANG)
(D) विमर्श (Vimarsh)

163. आईसीटी (ICT) उपकरण के रूप में "माइंड मैपिंग" (Mind Mapping) सॉफ़्टवेयर का उपयोग अनुदेशात्मक रणनीति की किस श्रेणी के अंतर्गत आता है?
(A) स्वचालित कार्य प्रतिक्रिया के लिए दोहरावदार ड्रिल और अभ्यास अभ्यास
(B) पृथक तथ्यात्मक पाठ्यपुस्तक कथनों का यांत्रिक रटना
(C) वैचारिक जानकारी को व्यवस्थित करने के लिए एक रचनावादी उपकरण (Constructivist Tool)
(D) अंतिम उच्च-जोखिम वाला योगात्मक मूल्यांकन और नैदानिक परीक्षण उपकरण (Diagnostic Testing Tool)

164. शिक्षण सामग्री में "चार्ट" (Chart) और "ग्राफ" (Graph) के बीच मौलिक अंतर क्या है?
(A) एक चार्ट कड़ाई से तीन-आयामी दृश्य मॉडल के रूप में कार्य करता है, जबकि एक ग्राफ प्रकृति में विशुद्ध रूप से द्वि-आयामी होता है।
(B) एक चार्ट को कड़ाई से एक प्रक्षेपित दृश्य ऑप्टिकल सामग्री के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जबकि एक ग्राफ विशुद्ध रूप से एक गैर-प्रक्षेपित सामग्री के रूप में कार्य करता है।
(C) उनके बीच बिल्कुल कोई व्यावहारिक शैक्षणिक अंतर नहीं है; दोनों शब्दों का उपयोग पूर्ण पर्यायवाची के रूप में किया जाता है।
(D) एक चार्ट गुणात्मक जानकारी को संक्षेप में प्रस्तुत करता है; एक ग्राफ मात्रात्मक डेटा को प्लॉट करता है।

165. इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड पर 'स्पॉटलाइट' (Spotlight) सुविधा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह स्क्रीन के एक विशिष्ट हिस्से पर शिक्षार्थियों का ध्यान केंद्रित करती है।
II. यह एक गोलाकार या आयताकार क्षेत्र को हाइलाइट करते हुए स्क्रीन के बाकी हिस्से को गहरा कर देती है।
III. यह कंप्यूटर से बिना हाइलाइट की गई सामग्री को स्थायी रूप से हटा देती है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

Downloaded from www.pdf.tube

134. कौन सा सिद्धांत अनुदेशात्मक डिज़ाइन में केवल शब्दों के बजाय मल्टीमीडिया (शब्दों और चित्रों को मिलाकर) के उपयोग का दृढ़ता से समर्थन करता है?
(A) शास्त्रीय अनुबंधन का सिद्धांत (Theory of Classical Conditioning)
(B) मल्टीमीडिया लर्निंग थ्योरी (Multimedia Learning Theory)
(C) क्रियाप्रसूत अनुबंधन ढांचा (Operant Conditioning Framework)
(D) समीपस्थ विकास का क्षेत्र मॉडल (Zone of Proximal Development Model)

135. शिक्षा में 'डिजिटल डिवाइड' (Digital Divide) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह केवल हार्डवेयर पहुँच की कमी को संदर्भित करता है।
II. इसमें इंटरनेट बैंडविड्थ और डेटा वहनीयता में असमानताएँ शामिल हैं।
III. इसमें विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहों के बीच डिजिटल साक्षरता कौशलों में अंतर शामिल है।
IV. दूरस्थ शिक्षा में आपातकालीन बदलावों ने डिजिटल डिवाइड को उजागर और बदतर किया।
उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल II, III और IV
(C) केवल I, III और IV
(D) I, II, III और IV

136. शैक्षिक प्रौद्योगिकी के संदर्भ में "OER" शब्द का क्या अर्थ है?
(A) ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (Open Educational Resources - OER)
(B) ऑनलाइन एजुकेशनल रिक्वायरमेंट्स (Online Educational Requirements)
(C) ऑफ़लाइन इवैल्यूएशन रिकॉर्ड्स (Offline Evaluation Records)
(D) ऑपरेशनल एजुकेशनल रूटीन (Operational Educational Routines)

137. निम्नलिखित में से कौन सी मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources - OER) की एक परिभाषित विशेषता है?
(A) वे कड़ाई से मालिकाना सॉफ़्टवेयर संपत्तियां हैं जिनके लिए उपयोगकर्ता पहुँच के लिए आवर्ती वाणिज्यिक सदस्यता शुल्क की आवश्यकता होती है।
(B) वे विशेष रूप से सरकारी मुद्रण प्रेसों द्वारा सीधे मुद्रित बाध्य भौतिक हार्ड-कॉपी पाठ्यपुस्तकों से बने होते हैं।
(C) वे अधिगम के लिए स्वतंत्र रूप से सुलभ, खुले तौर पर लाइसेंस प्राप्त डिजिटल संपत्तियां हैं।
(D) वे कानूनी रूप से संरक्षित संपत्तियां हैं जिन्हें किसी भी शैक्षणिक परिस्थितियों में अनुकूलित, संशोधित या रीमिक्स नहीं किया जा सकता है।

NODIA

138. दृश्य सामग्री के रूप में "ग्राफिक आयोजक" (जैसे वेन आरेख या माइंड मैप) का उपयोग मुख्य रूप से छात्रों की मदद करता है:
(A) वैचारिक संबंधों की कल्पना करना (Visualize Conceptual Relationships)
(B) लिखित परीक्षाओं के लिए ऐतिहासिक कालानुक्रमिक तिथियों की लंबी सूचियों को प्रभावी ढंग से याद रखना
(C) अपनी व्यक्तिगत घसीट (Cursive) हस्तलेखन शैली की सौंदर्य स्वच्छता में काफी सुधार करना
(D) प्रतिस्पर्धी समयबद्ध परीक्षणों के दौरान जटिल बहु-चरण गणितीय समीकरणों की तेजी से गणना करना

139. निम्नलिखित में से कौन सा "माइक्रो-लर्निंग" (Microlearning) के रूप में जानी जाने वाली अनुदेशात्मक रणनीति का सबसे अच्छा वर्णन करता है जो अक्सर मोबाइल अधिगम के माध्यम से दी जाती है?
(A) सीधे मोबाइल फोन स्क्रीन के माध्यम से निरंतर तीन घंटे लंबे निर्बाध औपचारिक व्याख्यान देना
(B) जीव विज्ञान में एकमात्र प्राथमिक अनुदेशात्मक शिक्षण सामग्री के रूप में विशेष प्रयोगशाला ऑप्टिकल सूक्ष्मदर्शियों का उपयोग करना
(C) ट्यूटोरियल प्रारूप में एक साथ दो या तीन व्यक्तिगत छात्रों के बहुत छोटे समूह को पढ़ाना
(D) जानकारी के छोटे, बाइट-आकार के टुकड़ों में सामग्री प्रदान करना

140. कौन सा हार्डवेयर उपकरण एक शिक्षक को दस्तावेज़ों, पाठ्यपुस्तकों या 3D वस्तुओं का लाइव वीडियो कैप्चर करने और उन्हें स्क्रीन पर प्रक्षेपित करने की अनुमति देता है?
(A) उच्च-तीव्रता वाला ऑप्टिकल एपिडियास्कोप
(B) दस्तावेज़ कैमरा या विज़ुअलाइज़र (Document Camera or Visualiser)
(C) उच्च-रिज़ॉल्यूशन डेस्कटॉप फ़्लैटबेड स्कैनर (Flatbed Scanner)
(D) स्वचालित रोटरी 35mm स्लाइड प्रोजेक्टर

141. भौतिकी या रसायन विज्ञान में आईसीटी (ICT) उपकरण के रूप में "सिमुलेशन सॉफ़्टवेयर" (Simulation Software) का उपयोग करने का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) सभी अनुदेशात्मक और प्रयोगशाला मूल्यांकन कर्तव्यों में मानव कक्षा शिक्षक को पूरी तरह से बदलना
(B) मानक बहुविकल्पीय क्विज़ प्रश्नों के लिए निरंतर, स्वचालित ड्रिल-एंड-प्रैक्टिस परीक्षण मॉड्यूल प्रदान करना
(C) चरों (Variables) के साथ प्रयोग करने के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण प्रदान करना
(D) विज्ञान प्रयोगशाला सुविधा के अंदर दैनिक भौतिक छात्र उपस्थिति रजिस्टर को बनाए रखना और अपडेट करना

142. एक प्राचार्य कक्षा का अवलोकन करते हैं और ध्यान देते हैं कि एक शिक्षक ओवरहेड प्रोजेक्टर (OHP) का उपयोग करता

है लेकिन कक्षा के साथ बातचीत किए बिना अतिसंकुलित स्लाइडों से सीधे पढ़ता है। प्रक्षेपित सामग्रियों के उपयोग के संबंध में प्राचार्य को क्या फीडबैक (Feedback) देनी चाहिए?
(A) शिक्षक को सघन पाठ्यपुस्तक के पृष्ठों को सीधे स्क्रीन पर प्रक्षेपित करने के लिए तुरंत OHP को उच्च-तीव्रता वाले एपिडियास्कोप से बदलना चाहिए।
(B) व्याख्यान के दौरान कोई भी पाठ्यक्रम विवरण न छूटे यह गारंटी देने के लिए शिक्षक को प्रत्येक स्लाइड पर और भी अधिक विस्तृत पाठ्य जानकारी भरनी चाहिए।
(C) सभी बैठे छात्रों से पूर्ण दृश्य एकाग्रता को मजबूर करने के लिए प्रक्षेपित सामग्रियों का उपयोग पूरी तरह से अंधेरी कक्षाओं के अंदर कड़ाई से किया जाना चाहिए।
(D) स्लाइडों में मुख्य बिंदु होने चाहिए, जबकि शिक्षक आंख का संपर्क बनाए रखता है और छात्रों के साथ बातचीत करता है।

143. 'अनुभव के शंकु' (Cone of Experience) मॉडल में, कौन सा माध्यम सबसे ऊपर स्थित है (जो सबसे अमूर्त अनुभव का प्रतिनिधित्व करता है)?
(A) शाब्दिक प्रतीक (बोले गए शब्द/पाठ)
(B) विस्तृत चार्ट, मानचित्र और सांख्यिकी ग्राफ सहित दृश्य प्रतीक
(C) शैक्षिक फिल्मों और समकालिक वीडियो क्लिप सहित मोशन पिक्चर्स
(D) वास्तविक व्यावहारिक भौतिक बातचीत शामिल करने वाले प्रत्यक्ष उद्देश्यपूर्ण अनुभव

144. निम्नलिखित में से कौन सी पारंपरिक शिक्षण सामग्री विशेष रूप से एक कालानुक्रमिक सातत्य के साथ प्लॉट की गई ऐतिहासिक घटनाओं को दिखाने के लिए डिज़ाइन की गई है?
(A) अनुक्रमिक प्रक्रिया फ़्लो चार्ट (Flow Chart)
(B) कालानुक्रमिक समय रेखा चार्ट (Chronological Time Line Chart)
(C) पदानुक्रमित संगठनात्मक ट्री चार्ट
(D) संरचित तुलनात्मक सारणीबद्ध चार्ट

145. शिक्षण सामग्री के चयन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. सामग्री द्वारा दी जाने वाली जानकारी सटीक होनी चाहिए।
II. सामग्री दृष्टिगत रूप से आकर्षक होनी चाहिए लेकिन अनुदेशात्मक रूप से अप्रासंगिक होनी चाहिए।
III. सामग्री को रुचि को उत्तेजित करना चाहिए और सक्रिय अधिगम को बढ़ावा देना चाहिए।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

146. एक "अवधारणा मानचित्र" (Concept Map) एक दृश्य सामग्री है जो प्रतिनिधित्व करती है:
(A) संबंधों को दिखाने के लिए जोड़ने वाले शब्दों से जुड़े नोड्स (Nodes Connected by Linking Words)
(B) आधुनिक संप्रभु राज्यों की आधिकारिक भौगोलिक सीमाएं और स्थलाकृतिक विशेषताएं
(C) एक आधुनिक स्कूल भवन का विस्तृत संरचनात्मक वास्तुशिल्प खाका और फर्श लेआउट
(D) प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं की एक संरचित रैखिक प्रगति और कालानुक्रमिक समय रेखा (Timeline)

147. निम्नलिखित में से कौन सा एक श्रव्य-दृश्य सामग्री (Audio-Visual Aid) का उदाहरण है?
(A) एक विशेषज्ञ साक्षात्कार का रेडियो प्रसारण (Radio Broadcast)
(B) एक मूक फिल्म पट्टी
(C) वन्यजीवों पर एक टेलीविजन वृत्तचित्र (Television Documentary)
(D) एक चुंबकीय चाकबोर्ड

148. इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड के संबंध में दिए गए कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
अभिकथन (A): कक्षा में केवल एक इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड की उपस्थिति बेहतर अधिगम परिणामों की गारंटी नहीं देती है।
कारण (R): बेहतर अधिगम परिणाम इस बात पर निर्भर करते हैं कि शिक्षक अनुदेशात्मक डिज़ाइन में इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड को शैक्षणिक रूप से कैसे एकीकृत करता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

149. शैक्षिक ऐप में "गैमिफिकेशन" (Gamification) का अर्थ है:
(A) संपूर्ण आधिकारिक स्कूल पाठ्यक्रम को एक वाणिज्यिक इंटरैक्टिव मल्टी-प्लेयर वीडियो गेम वातावरण में बदलना
(B) छात्रों को नियमित निर्धारित कक्षा अनुदेशन समय के दौरान लोकप्रिय वाणिज्यिक वीडियो गेम खेलने की अनुमति देना
(C) शिक्षार्थियों को प्रेरित करने के लिए शिक्षा में अंक और बैज जैसे खेल तत्वों को लागू करना
(D) पारंपरिक टेबलटॉप बोर्ड गेम के साथ सभी मानक चल रहे कक्षा रचनात्मक मूल्यांकन कार्यों को पूरी तरह से बदलना

150. एक "फ़्लिप्ड क्लासरुम" (Flipped Classroom) रणनीति अत्यधिक किस प्रकार की शैक्षिक प्रौद्योगिकी पर निर्भर करती है?
(A) कक्षा के घंटों के दौरान दैनिक गृहकार्य समस्याओं को

Click Here to Buy book on Amazon

लिखने के लिए मुख्य रूप से उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक गैर-डिजिटल ब्लैकबोर्ड
(B) कक्षा के बाहर छात्रों द्वारा एक्सेस किए जाने वाले असमकालिक वीडियो व्याख्यान (Asynchronous Video Lectures)
(C) औपचारिक कक्षा व्याख्यानों के दौरान विषय शिक्षक द्वारा विशेष रूप से उपयोग किए जाने वाले उच्च-तीव्रता वाले ऑप्टिकल एपिडियास्कोप
(D) पूर्व-रिकॉर्डेड ऐतिहासिक कविता पाठ और नाटकीय साहित्यिक वाचन वाले मानक चुंबकीय ऑडियो कैसेट (Audio Cassettes)

151. एसएएमआर (SAMR) मॉडल का कौन सा स्तर तब प्राप्त होता है जब प्रौद्योगिकी नए, पहले अकल्पनीय कार्यों के निर्माण की अनुमति देती है?
(A) प्रतिस्थापन (Substitution)
(B) संवर्धन (Augmentation)
(C) संशोधन (Modification)
(D) पुनर्परिभाषा (Redefinition)

152. एक स्कूल प्राचार्य ध्यान देते हैं कि आधिकारिक नीति सभी विषयों में आईसीटी (ICT) के एकीकरण को अनिवार्य करती है। एक वरिष्ठ इतिहास शिक्षक डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने से इनकार करते हैं, यह तर्क देते हुए कि इतिहास को पारंपरिक कहानी सुनाने के माध्यम से सबसे अच्छा पढ़ाया जाता है। प्राचार्य को इस स्थिति से कैसे निपटना चाहिए?
(A) कहानी सुनाने के साथ डिजिटल उपकरणों को एकीकृत करने पर लक्षित मेंटरिंग (Targeted Mentoring) प्रदान करना।
(B) प्रत्यक्ष अवहेलना के औपचारिक प्रशासनिक आधार पर वरिष्ठ शिक्षक के रोजगार अनुबंध को तुरंत समाप्त कर दें।
(C) इस धारणा पर वरिष्ठ इतिहास शिक्षक को जनादेश से आधिकारिक तौर पर छूट दें कि इतिहास के लिए पारंपरिक तरीकों की आवश्यकता होती है।
(D) उन्नत कंप्यूटर प्रोग्रामिंग कौशलों पर ध्यान केंद्रित करने वाली एक अनिवार्य तकनीकी प्रशिक्षण नियमावली (Training Manual) को स्वतंत्र रूप से पूरा करने के लिए शिक्षक को मजबूर करें।

153. लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) में एकीकृत "रुब्रिक" (Rubric) का उपयोग करने का मुख्य लाभ क्या है?
(A) यह किसी भी शिक्षक इनपुट की आवश्यकता के बिना संपूर्ण विषय पाठ्यक्रम को स्वचालित रूप से डिज़ाइन, निर्माण और प्रकाशित करता है।
(B) यह अनधिकृत उपयोगकर्ता पहुँच को प्रतिबंधित करता है और छात्रों को गैर-घंटों के दौरान स्कूल पोर्टल में लॉग इन करने से रोकता है।
(C) यह छात्र असाइनमेंट के लिए पारदर्शी मानदंड-आधारित ग्रेडिंग (Criteria-Based Grading) प्रदान करता है।
(D) यह किसी भी अंतिम योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) को आयोजित करने की प्रशासनिक आवश्यकता को पूरी तरह से प्रतिस्थापित और समाप्त करता है।

NODIA

154. छात्रों को सौर मंडल के स्थानिक लेआउट को सिखाने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी दृश्य सामग्री सबसे उपयुक्त है?
(A) सौर मंडल का 3D स्केल मॉडल
(B) ग्रहीय द्रव्यमान मापों को सूचीबद्ध करने वाला एक विस्तृत सारणीबद्ध संदर्भ चार्ट
(C) सूर्य से सापेक्ष ग्रहीय दूरियों को प्लॉट करने वाला एक मात्रात्मक रेखा ग्राफ
(D) सौर मंडल की भौतिक विशेषताओं की रूपरेखा देने वाला एक वर्णनात्मक पाठ्य अनुच्छेद

155. इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड पर कौन सा उपकरण एक शिक्षक को वेब पेज से किसी छवि या पाठ के एक विशिष्ट हिस्से को कैप्चर करने और उसे व्हाइटबोर्ड कैनवास पर रखने की अनुमति देता है?
(A) स्क्रीन शेड कंसिलमेंट टूल (Screen Shade Concealment Tool)
(B) इंटरैक्टिव स्पॉटलाइट फोकस टूल
(C) कैनवास डिजिटल इरेज़र टूल
(D) स्क्रीन कैप्चर या स्निपिंग टूल (Screen Capture or Snipping Tool)

156. ई-लर्निंग के संदर्भ में, "असमकालिक" (Asynchronous) शब्द का क्या अर्थ है?
(A) अधिगम की स्थितियाँ जहाँ शिक्षक और नामांकित छात्र सक्रिय रूप से वास्तविक समय के ऑनलाइन वर्चुअल सत्रों में बातचीत करते हैं
(B) ऐसा अधिगम जहाँ प्रतिभागी अपनी सुविधा के अनुसार सामग्रियों तक पहुँचते हैं
(C) पारंपरिक अनुदेशात्मक अधिगम जो किसी भी डिजिटल कंप्यूटिंग उपकरणों के कार्यात्मक उपयोग के बिना पूरी तरह से होता है
(D) विशेष व्यावसायिक अधिगम जिसके लिए विज्ञान प्रयोगशाला के अंदर निरंतर भौतिक उपस्थिति की कड़ाई से आवश्यकता होती है

157. निम्नलिखित में से कौन सी एक अच्छी शैक्षिक पाठ्यपुस्तक की प्राथमिक विशेषता है?
(A) मुख्य रूप से वाणिज्यिक कागज़ मुद्रण उत्पादन लागत को कम करने के लिए यह दृश्य ग्राफिक चित्रण से पूरी तरह से रहित है।
(B) वस्तुनिष्ठ अभ्यास अभ्यासों और छोटे स्व-मूल्यांकन परीक्षणों को छोड़कर इसमें केवल लंबे व्यक्तिपरक निबंध प्रश्न शामिल हैं।
(C) सामग्री तार्किक रूप से सरल से जटिल अवधारणाओं तक अनुक्रमित है।
(D) यह छात्र ग्रेड स्तर या परिपक्वता की परवाह किए बिना सभी अध्यायों में जटिल, विशेष शैक्षणिक शब्दावली का जानबूझकर उपयोग करती है।

के लिए विशेष रूप से किस प्रकार की दृश्य सामग्री का उपयोग किया जाता है?
(A) पाई चार्ट (Pie Chart)
(B) पिक्टोग्राफ (Pictograph)
(C) रेखा ग्राफ (Line Graph)
(D) बार ग्राफ (Bar Graph)

127. यदि कोई शिक्षक संख्यात्मक डेटा का प्रतिनिधित्व करने के लिए छोटे चित्रों या प्रतीकों का उपयोग करता है (उदा. एक पेड़ का चिह्न 100 पेड़ों का प्रतिनिधित्व करता है), तो इस दृश्य सामग्री को कहा जाता है:
(A) पिक्टोग्राफ (Pictograph)
(B) संख्यात्मक हिस्टोग्राम (Numerical Histogram)
(C) मानक बार चार्ट (Standard Bar Chart)
(D) प्रक्रिया फ़्लो चार्ट (Process Flow Chart)

128. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) के संबंध में दिए गए कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
अभिकथन (A): कक्षाओं में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का उपयोग स्वाभाविक रूप से छात्रों को अलग-थलग करता है और सामाजिककरण को कम करता है।
कारण (R): सहयोगी दस्तावेज़, विकी और चर्चा मंच जैसे आईसीटी उपकरण उच्च स्तर के सहकर्मी सहभागिता और सहयोगी अधिगम को बढ़ावा देते हैं।
(A) A तथा R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।
(B) A तथा R दोनों सत्य हैं, किन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(C) A सत्य है, किन्तु R असत्य है।
(D) A असत्य है, किन्तु R सत्य है।

129. कौन सी विशेषता "ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म" को पारंपरिक ईंट-और-गारे की शिक्षा की तुलना में अत्यधिक स्केलेबल (Scalable) बनाती है?
(A) उन्हें पाठ्यक्रम में नामांकित प्रत्येक व्यक्तिगत छात्र के लिए समर्पित भौतिक कक्षा डेस्क स्थान की कड़ाई से आवश्यकता होती है।
(B) वे कम सीमांत लागत के साथ एक साथ हजारों शिक्षार्थियों को होस्ट कर सकते हैं।
(C) वे शिक्षक और छात्र के बीच निरंतर समकालिक, लाइव एक-पर-एक वीडियो कॉलिंग सत्रों पर विशेष रूप से निर्भर करते हैं।
(D) वे स्वाभाविक रूप से परिसर की भौतिक सुरक्षा के लिए समर्पित असाधारण रूप से उच्च प्रशासनिक ओवरहेड व्यय की मांग करते हैं।

130. दीक्षा (DIKSHA) प्लेटफॉर्म पर निष्ठा (NISHTHA) के एकीकरण का उद्देश्य है:
(A) शिक्षकों और प्राचार्यों के लिए ऑनलाइन क्षमता निर्माण (Online Capacity Building)
(B) वार्षिक वर्ष के अंत में छात्र योगात्मक शैक्षणिक मूल्यांकन और ग्रेड रिपोर्टिंग का संचालन करना
(C) उच्च शिक्षा विश्वविद्यालय प्रवेश के लिए मानकीकृत राष्ट्रव्यापी प्रवेश परीक्षा आयोजित करना
(D) सार्वजनिक स्कूल अनुदानों का विस्तृत वैधानिक वित्तीय लेखा परीक्षा और अनुपालन (Compliance) सत्यापन आयोजित करना

131. एलएमएस (LMS) कार्यक्षमता के संदर्भ में, स्कॉर्म (Sharable Content Object Reference Model - SCORM) अनुपालन क्या सुनिश्चित करता है?
(A) कि अंतर्निहित एलएमएस प्लेटफॉर्म वित्तीय क्रेडिट कार्ड ट्यूशन शुल्क भुगतानों को सुरक्षित रूप से संभाल और संसाधित कर सकता है
(B) कि संपूर्ण प्रशासनिक सॉफ़्टवेयर सिस्टम विशेष रूप से गैर-मुद्रीकृत, ओपन-सोर्स सॉफ़्टवेयर कोड (Open-Source Software Code) पर निर्भर करता है
(C) विभिन्न एलएमएस प्लेटफॉर्मों पर सामग्री अंतर-संचालनीयता (Content Interoperability)
(D) कि सॉफ़्टवेयर इंटरफ़ेस इंटरनेट कनेक्टिविटी की आवश्यकता के बिना ऑफ़लाइन वातावरण में निर्बाध रूप से काम करता है

132. एक दूरस्थ क्षेत्र में स्थित एक स्कूल बार-बार बिजली कटौती से ग्रस्त है, जिससे स्मार्ट (SMART) कक्षाओं पर निर्भरता मुश्किल हो जाती है। उपयुक्त प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों को लागू करने वाले एक प्राचार्य के रूप में, निरंतर अनुदेशन सुनिश्चित करने के लिए आपकी प्राथमिक रणनीति क्या होनी चाहिए?
(A) विद्युत शक्ति पूरी तरह से बहाल होने तक सभी ग्रेड स्तरों में सभी अनुदेशात्मक कक्षा शिक्षण को तुरंत निलंबित कर दें।
(B) पूरे स्कूल के लिए महंगे औद्योगिक सौर पैनल खरीदने में विशेष रूप से संस्थागत आपातकालीन निधियों का निवेश करें।
(C) अनुदेशात्मक वितरण को पूरी तरह से उच्च-बैंडविड्थ, क्लाउड-आधारित समकालिक लाइव वीडियो ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म पर रोजाना स्थानांतरित करें।
(D) कम लागत वाली गैर-प्रक्षेपित पारंपरिक सामग्रियों को ऑफ़लाइन डिजिटल सामग्रियों के साथ जोड़ना।

133. निम्नलिखित में से कौन सा स्कूली शिक्षा में 'संवर्धित वास्तविकता' (Augmented Reality - AR) का उपयोग करने वाली शिक्षण सामग्री का एक प्रमुख उदाहरण है?
(A) वैश्विक महाद्वीपों को दर्शाने वाला एक मानक बहु-पृष्ठ मुद्रित भौगोलिक एटलस
(B) सौर मंडल की भौतिक विशेषताओं को कवर करने वाला एक पूर्ण लंबाई वाला पूर्व-रिकॉर्डेड शैक्षणिक वीडियो व्याख्यान
(C) पाठ्यपुस्तक के पृष्ठों पर इंगित करने पर 3D ग्रह छवियों को प्रक्षेपित करने वाला एक ऐप
(D) ग्रहीय भौतिकी और खगोल विज्ञान पर स्थैतिक अध्यायों वाला एक विशुद्ध रूप से पाठ-आधारित डिजिटल ई-बुक

Downloaded from www.pdf.tube

166. "क्लाउड-आधारित" (Cloud-Based) शैक्षिक अनुप्रयोगों (जैसे Google Workspace for Education या Microsoft 365) का उपयोग करने का एक प्रमुख लाभ है:
(A) उन्हें लैब में हर एक डेस्कटॉप कंप्यूटर पर मालिकाना सेटअप सीडी के भौतिक मैनुअल इंस्टॉलेशन की लगातार आवश्यकता होती है।
(B) वे किसी भी कनेक्टेड डिवाइस पर सुलभ वास्तविक समय के दस्तावेज़ सहयोग को सक्षम बनाते हैं।
(C) वे किसी भी इंटरनेट नेटवर्क कनेक्शन की आवश्यकता के बिना ऑफ़लाइन स्टैंडअलोन डेस्कटॉप सॉफ़्टवेयर उपयोगिताओं के रूप में कड़ाई से काम करते हैं।
(D) वे नेटवर्क पर संस्थागत उपयोगकर्ता कंप्यूटरों पर स्थानीयकृत हार्ड ड्राइव भंडारण स्थान की विशाल मात्रा तेजी से खपत करते हैं।

167. निम्नलिखित में से कौन सी एक क्लासिक "प्रक्षेपित दृश्य सामग्री" (Projected Visual Aid) है जिसे काफी हद तक डिजिटल दस्तावेज़ कैमरों और कंप्यूटर प्रोजेक्टरों द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, लेकिन ऐतिहासिक रूप से पारदर्शी शीटों का उपयोग किया गया था?
(A) बिनोकुलर स्टीरियोस्कोप व्यूअर
(B) दृश्य फेल्ट-कवर्ड फ़्लैनल बोर्ड
(C) त्रि-आयामी मॉडल डायोरमा (Diorama)
(D) ऑप्टिकल ओवरहेड प्रोजेक्टर (Overhead Projector - OHP)

168. मुद्रित सामग्रियों (Print Materials) के संबंध में दिए गए कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
अभिकथन (A): पाठ्यपुस्तकों जैसी मुद्रित सामग्रियों को 21वीं सदी की स्मार्ट (SMART) कक्षा में पूरी तरह से अप्रचलित माना जाता है।
कारण (R): डिजिटल उपकरण अधिगम के लिए आवश्यक सभी मल्टीमीडिया और इंटरैक्टिव सुविधाएं प्रदान करते हैं, जिससे पाठ पढ़ना अनावश्यक हो जाता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A और R दोनों असत्य हैं

169. आईसीटी (ICT) में "C" का क्या अर्थ है?
(A) सिस्टमिक कंप्यूटर (Systemic Computer)
(B) नेशनल करिकुलम (National Curriculum)
(C) कम्युनिकेशन (Communication)
(D) ह्यूमन कॉग्निशन (Human Cognition)

170. निम्नलिखित में से कौन सी शिक्षण सामग्री 'त्वरित दृश्य पहचान और स्मरण' के मनोवैज्ञानिक सिद्धांत पर निर्भर करती है?
(A) फ़्लैशकार्ड (Flashcards)
(B) विस्तृत पाठ्य रिपोर्ट
(C) ऑडियो कैसिट
(D) डायोरमा

NODIA

171. "स्वयं प्रभा" (SWAYAM PRABHA) पहल मुख्य रूप से किस माध्यम से शैक्षिक सामग्री प्रदान करती है?
(A) उच्च-आवृत्ति एफएम रेडियो प्रसारण (FM Radio Broadcast)
(B) राष्ट्रीय समाचार मुद्रण मीडिया आउटलेट
(C) सेलुलर मोबाइल एसएमएस पाठ संदेश
(D) डायरेक्ट-टू-होम (Direct-To-Home - DTH) टीवी चैनल

172. एक शिक्षक शिक्षण सामग्री का उपयोग करके जल चक्र को प्रदर्शित करना चाहती है। उसके पास एक स्थैतिक चार्ट, एक पाठ विवरण, या एक डिजिटल इंटरैक्टिव सिमुलेशन का विकल्प है। प्रभावी मीडिया चयन के सिद्धांतों के अनुसार, यदि बुनियादी ढांचा अनुमति देता है तो प्राचार्य को किसे प्रोत्साहित करना चाहिए?
(A) विस्तृत पाठ्य विवरण, क्योंकि पाठ को सक्रिय रूप से पढ़ना छात्रों को स्वतंत्र मानसिक कल्पना का प्रयोग करने के लिए मजबूर करता है।
(B) प्रक्रियाओं और चरों को गतिशील रूप से प्रदर्शित करने के लिए इंटरैक्टिव सिमुलेशन।
(C) स्थैतिक मुद्रित दीवार चार्ट, क्योंकि पारंपरिक गैर-डिजिटल दृश्य सामग्री ऐतिहासिक रूप से शून्य तकनीकी गड़बड़ियों का कारण साबित हुई है।
(D) इस सैद्धांतिक आधार पर कोई शिक्षण सामग्री नहीं कि जल चक्र को विशुद्ध रूप से अमूर्त सोच के माध्यम से सबसे अच्छा समझा जाता है।

173. निम्नलिखित में से कौन सा "मिश्रित अधिगम" (Blended Learning) को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) एक प्रशासनिक पाठ्यक्रम अनुसूची जहाँ एक ही कक्षा अवधि के भीतर एक साथ कई अलग-अलग शैक्षणिक विषयों को पढ़ाया जाता है
(B) एक विशिष्ट कक्षा प्रबंधन रणनीति जिसमें व्यापक रूप से भिन्न आयु समूहों के छात्रों को एक ही अधिगम समूह में मिलाना शामिल है
(C) पारंपरिक कक्षा विधियों के साथ ऑनलाइन डिजिटल मीडिया को जोड़ना
(D) एक बुनियादी अध्ययन तकनीक जहाँ छात्र पाठ नोट्स रिकॉर्ड करने के लिए फ़ाउंटेन पेन और ग्रेफाइट पेंसिल का उपयोग करने के बीच जानबूझकर वैकल्पिक रूप से काम करते हैं

174. टीपैक (TPACK) ढांचे में, प्रौद्योगिकी, शिक्षाशास्त्र और विषय सामग्री का प्रतिच्छेदन (वेन आरेख का केंद्र) प्रतिनिधित्व करता है:
(A) भौतिक रूप से टूटे हुए डेस्कटॉप कंप्यूटरों की मरम्मत के लिए स्कूल आईटी कर्मचारियों द्वारा आवश्यक तकनीकी हार्डवेयर समस्या निवारण क्षमता

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) संवेदी अनुभव प्रदान करके शिक्षण और अधिगम को सुगम बनाना
शिक्षण सहायक सामग्री (Instructional Aids) का प्राथमिक उद्देश्य शिक्षार्थियों को प्रत्यक्ष संवेदी अनुभव (Sensory Experiences) प्रदान करना है। यह अमूर्त अवधारणाओं को स्पष्ट करके अधिगम प्रक्रिया (Learning Process) को अधिक प्रभावी, रोचक और अर्थपूर्ण बनाती है। यह केवल शिक्षक का स्थान नहीं लेती, बल्कि शिक्षण और अधिगम दोनों को सुगम बनाने में पूरक भूमिका निभाती है। इससे छात्रों का ध्यान केंद्रित रहता है।

2. (A) किसी संपादित अनुभव (Contrived Experience) में भाग लेना
एडगर डेल के 'अनुभव का शंकु' (Cone of Experience) मॉडल में प्रत्यक्ष और मूर्त अनुभव सबसे प्रभावी माने जाते हैं। जब वास्तविक वस्तुएं उपलब्ध न हों, तब संपादित अनुभव (Contrived Experience) जैसे कि मॉक-अप या मॉडल का उपयोग वास्तविक वातावरण के सबसे निकट मूर्त अधिगम अनुभव (Concrete Learning Experience) प्रदान करता है। यह जटिल प्रणालियों की व्यावहारिक समझ विकसित करता है।

3. (C) विशिष्ट अनुदेशात्मक उद्देश्यों (Instructional Objectives) के साथ संरेखण
अनुदेशात्मक डिज़ाइन (Instructional Design) में किसी भी शिक्षण सहायक सामग्री का चयन पाठ के विशिष्ट अनुदेशात्मक उद्देश्यों (Instructional Objectives) के आधार पर किया जाना चाहिए। सामग्री कितनी भी आकर्षक या तकनीकी रूप से उन्नत क्यों न हो, यदि वह निर्धारित अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) के साथ संरेखित नहीं है, तो वह कक्षा शिक्षण में वांछित शैक्षणिक सफलता प्राप्त करने में पूरी तरह विफल रहती है।

4. (D) द्वि-कोडिंग सिद्धांत (Dual-Coding Theory)
अलैन पाविओ का द्वि-कोडिंग सिद्धांत (Dual-Coding Theory) यह बताता है कि मस्तिष्क सूचना को दृश्य (Visual) और शाब्दिक (Verbal) दोनों माध्यमों से संसाधित करता है। बहु-संवेदी शिक्षण सहायक सामग्री इन दोनों प्रणालियों को एक साथ सक्रिय करती है, जिससे छात्रों की कार्यशील स्मृति (Working Memory) पर बोझ कम होता है और दीर्घकालिक स्मृति में सूचना का प्रतिधारण (Information Retention) काफी बढ़ जाता है।

5. (B) केवल I और III
शिक्षण सहायक सामग्री अमूर्त अवधारणाओं को मूर्त रूप में प्रस्तुत करके विषय वस्तु को सुबोध बनाती है। यह विभिन्न अधिगम शैलियों (Learning Styles) वाले छात्रों को उनकी व्यक्तिगत भिन्नताओं (Individual Differences) के अनुसार अधिगम का अवसर देती है। यह छात्रों पर संज्ञानात्मक भार (Cognitive Load) बढ़ाने के बजाय उसे कम करती है, जिससे जटिल प्रत्ययों की समझ अत्यंत सरल एवं सुगम हो जाती है।

6. (B) शिक्षण सहायक सामग्री को सरल और पाठ के उद्देश्य के लिए सीधे प्रासंगिक रहना चाहिए।
शिक्षण सहायक सामग्री का मुख्य उद्देश्य अधिगम को सुगम बनाना है, न कि छात्रों का ध्यान भटकाना। अत्यधिक जटिल त्रि-आयामी मॉडल (3D Models) सरल पाठों में अनावश्यक संज्ञानात्मक विकर्षण पैदा कर सकते हैं। प्राचार्य द्वारा शिक्षक को दी जाने वाली उपयुक्त प्रतिक्रिया (Pedagogical Feedback) यही होनी चाहिए कि सामग्री हमेशा सरल, सुगम और पाठ के विशिष्ट उद्देश्यों के सीधे अनुकूल होनी चाहिए।

7. (D) इसके कारण अनुदेशात्मक लेनदेन के दौरान शिक्षक निष्क्रियता (Teacher Passivity) की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
शिक्षण सहायक सामग्री पर अत्यधिक निर्भरता से कक्षा में शिक्षक निष्क्रियता (Teacher Passivity) उत्पन्न हो सकती है। जब शिक्षक केवल उपकरणों पर निर्भर हो जाता है, तो उसकी अपनी शैक्षणिक मध्यस्थता (Pedagogical Mediation) और कक्षा सहभागिता प्रभावित होती है। सहायक सामग्री को केवल शिक्षक के शिक्षण को संवर्धित करने वाले पूरक उपकरण के रूप में ही प्रयोग किया जाना चाहिए, न कि विकल्प के रूप में।

8. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
शिक्षण सहायक सामग्री कभी भी प्रभावी शिक्षण रणनीतियों का विकल्प नहीं हो सकती। ये केवल शिक्षण प्रक्रिया को सुदृढ़ करने वाले पूरक साधन हैं। इनकी सफलता शिक्षक द्वारा की जाने वाली शैक्षणिक मध्यस्थता (Pedagogical Mediation) और प्रभावी मार्गदर्शन पर निर्भर करती है। बिना शिक्षक के कुशल प्रयोग के, कोई भी तकनीकी सामग्री कक्षा में इष्टतम अधिगम परिणाम (Learning Outcomes) देने में असमर्थ रहती है।

9. (C) एक शैक्षणिक ऑडियो पॉडकास्ट (Educational Podcast)
शैक्षणिक ऑडियो पॉडकास्ट (Educational Podcast) पूरी तरह से ध्वनि-आधारित डिजिटल मीडिया है, जिसे विशुद्ध रूप से श्रव्य सामग्री (Audio Aid) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इसमें केवल श्रवणेंद्रिय का उपयोग होता है, जिससे छात्र सुनकर जानकारी ग्रहण करते हैं। यह भाषा सीखने, कहानी

Click Here to Buy book on Flipkart

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs, you are wasting valuable time.

Research shows that learning from **PRINTED BOOKS** has up to **4× HIGHER RETENTION** than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS** move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND** in competition.

In competitive exams, being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

(A) इस प्रशासनिक विश्वास पर सभी कक्षाओं के लिए मानक व्हाइटबोर्ड (Whiteboard) खरीदें कि डिजिटल स्मार्ट उपकरण शून्य शैक्षणिक मूल्य प्रदान करता है।
(B) सभी ग्रेडों के लिए एक साझा घूर्णन समय-सारणी (Shared Rotational Timetable) के साथ एक स्मार्ट कक्षा स्थापित करें।
(C) मानक गैर-डिजिटल व्हाइटबोर्ड खरीदें, जबकि स्कूल भर में सभी डिजिटल उपकरणों पर प्रतिबंध लगाने वाली एक प्रशासनिक नीति औपचारिक रूप से जारी करें।
(D) दोनों बजट प्रस्तावों को पूरी तरह से अस्वीकार कर दें, सभी अप्रयुक्त नगरपालिका शैक्षिक विकास अनुदानों को केंद्रीय खजाने में वापस लौटा दें।

183. निम्नलिखित में से किस श्रव्य-दृश्य सामग्री (Audio-Visual Aid) को "द्वि-मार्गी" (Two-Way) संचार उपकरण माना जाता है?
(A) एक मानक निर्धारित शैक्षिक टेलीविजन प्रसारण
(B) डीवीडी से चलाया जाने वाला पूर्व-रिकॉर्डेड अनुदेशात्मक वीडियो (Instructional Video)
(C) एक केंद्रीकृत सार्वजनिक शैक्षिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम
(D) एक वीडियो कॉन्फ्रेंस (Video Conference)

184. अनुदेशात्मक डिज़ाइन के संदर्भ में, "स्टोरीबोर्डिंग" (Storyboarding) क्या है?
(A) किसी वीडियो या मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट के लिए नियोजित शॉट अनुक्रम (Planned Shot Sequences)
(B) पॉलिश की गई ठोस लकड़ी के पैनलों से बनी पारंपरिक गैर-प्रक्षेपित ग्राफिक डिस्प्ले सामग्री का एक विशेष रूप
(C) स्मार्ट (SMART) कक्षाओं के भीतर विशेष रूप से उपयोग की जाने वाली एक प्रशासनिक व्यवहार प्रबंधन और अनुशासन प्रवर्तन तकनीक
(D) छात्र काल्पनिक कहानियों को प्रदर्शित करने के लिए विशेष रूप से समर्पित गलियारों में घुड़सवार एक बड़ा भौतिक फेल्ट बुलेटिन डिस्प्ले बोर्ड

185. मोबाइल अधिगम (m-learning) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह उन उपकरणों का लाभ उठाता है जो अक्सर छात्रों के पास पहले से ही होते हैं (सर्वव्यापकता)।
II. यह वयस्क शिक्षार्थियों और उच्च शिक्षा के लिए पूरी तरह से अनुपयुक्त है।
III. यह औपचारिक और अनौपचारिक परिवेशों में निर्बाध अधिगम को सुगम बना सकता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

186. रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) के लिए लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) की कौन सी विशेषता सबसे महत्वपूर्ण है?
(A) स्वचालित प्रतिक्रिया के साथ अंतर्निहित क्विज़ मॉड्यूल (Built-in Quiz Modules with Automated Feedback)
(B) ऑनलाइन छात्र पोर्टल की दृश्य रंग थीम और समग्र सौंदर्य लेआउट को अनुकूलित करने की प्रशासनिक क्षमता
(C) मासिक छात्र ट्यूशन और परीक्षा शुल्क एकत्र करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एकीकृत संस्थागत वित्तीय भुगतान गेटवे (Payment Gateway)
(D) शिक्षण कर्मचारियों की दैनिक रोजगार उपस्थिति को लॉग करने और ट्रैक करने के लिए विशेष रूप से तैनात सुरक्षित प्रशासनिक मॉड्यूल

187. किस प्रकार की कक्षा गतिविधि के लिए "फ़्लिप चार्ट" (Flip Charts) एक पारंपरिक दृश्य सामग्री के रूप में विशेष रूप से उपयोगी हैं?
(A) अध्ययन अवधि के दौरान शांत, स्वतंत्र मौन वाचन सत्र आयोजित करना
(B) स्क्रीन पर आवर्धित उच्च-रिज़ॉल्यूशन सूक्ष्मदर्शी स्लाइडों को प्रक्षेपित करना
(C) कक्षा में उच्च-विश्वसनीयता वाले डिजिटल ऑडियो प्लेबैक (Audio Playback) रिकॉर्डिंग बजाना
(D) समूह विचार-मंथन (Brainstorming) सत्रों के दौरान विचारों को संवादात्मक रूप से रिकॉर्ड करना

188. मुद्रित सामग्रियों (Print Materials) के संबंध में दिए गए कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
अभिकथन (A): पाठ्यपुस्तकों जैसी मुद्रित सामग्रियों में नियमित संशोधन और अद्यतनीकरण होना चाहिए।
कारण (R): ज्ञान का तीव्र विस्फोट और शैक्षणिक ढाँचों में परिवर्तन (जैसे आधुनिक पाठ्यचर्या ढाँचा) पुरानी सामग्री और पद्धतियों को अप्रचलित बना देते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

189. निम्नलिखित में से कौन सी एक "अनुभवात्मक" गैर-प्रक्षेपित शिक्षण सामग्री है जो भौतिक हेरफेर (Physical Manipulation) की अनुमति देती है?
(A) एक स्थैतिक दीवार मानचित्र (Wall Map)
(B) एक ऐतिहासिक स्मारक की तस्वीर
(C) गणित में उपयोग की जाने वाली क्विजनेयर छड़ें (Cuisenaire Rods)
(D) एक निरंतर पाठ्य अनुच्छेद

Downloaded from www.pdf.tube

पाठ्यचर्या के क्रियान्वयन में सहायता प्रदान करना है। इसमें विशिष्ट अनुदेशात्मक रणनीतियाँ, विस्तृत पाठ योजनाएँ, सुझाई गई गतिविधियाँ और मूल्यांकन तकनीकें शामिल होती हैं, जो कक्षा में प्रभावी और व्यवस्थित शिक्षण सुनिश्चित करने में शिक्षक का मार्गदर्शन करती हैं।

42. (A) ओवरहेड प्रोजेक्टर (Overhead Projector - OHP)
ओवरहेड प्रोजेक्टर (OHP) एक प्रक्षेपित उपकरण है जो पारदर्शी एसीटेट शीट (Transparencies) का उपयोग करता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि शिक्षक कक्षा की ओर मुंह करके बैठते हुए शीट पर लिख या चित्र बना सकता है, जो पीछे की स्क्रीन पर आवर्धित रूप में दिखाई देता है। इससे शिक्षक और छात्रों के बीच सीधा संपर्क बना रहता है।

43. (D) यह पारदर्शी स्लाइडों और अपारदर्शी मुद्रित सामग्रियों दोनों को प्रक्षेपित करता है।
एपिडियास्कोप (Epidiascope) एक बहुमुखी प्रक्षेपण उपकरण है, जो पारदर्शी स्लाइडों (Epidiascope Mode) तथा अपारदर्शी सामग्रियों (Diascope Mode) जैसे कि मुद्रित पुस्तकों के पन्नों, तस्वीरों और छोटी भौतिक वस्तुओं दोनों को बड़ी स्क्रीन पर प्रक्षेपित करने की अनूठी क्षमता रखता है। यह बिना किसी विशेष तैयारी के मुद्रित सामग्री का सीधा आवर्धन प्रदान करता है।

44. (B) स्क्रीन पर इष्टतम छवि स्पष्टता के लिए अंधेरा किया हुआ
एक मानक 35 मिमी स्लाइड प्रोजेक्टर के प्रभावी उपयोग के लिए कक्षा में पर्याप्त अंधेरा होना आवश्यक है। प्रकाश की उपस्थिति में प्रक्षेपित छवि का विपर्यास (Contrast) और स्पष्टता काफी घट जाती है। कम रोशनी वाला वातावरण यह सुनिश्चित करता है कि स्लाइड के सूक्ष्म विवरण और रंग स्क्रीन पर छात्रों को स्पष्ट और दृष्टिगत रूप से दिखाई दें।

45. (A) केवल I और II
प्रक्षेपित सामग्रियां छोटे ग्रंथों और आरेखों को बड़ा करके विशाल समूह को दिखाने में सक्षम बनाती हैं। इनके संचालन के लिए निरंतर बिजली आपूर्ति की आवश्यकता होती है। आधुनिक समय में भी इनका व्यापक शैक्षणिक मूल्य है, इसलिए इन्हें अप्रचलित मानना पूरी तरह से गलत है; ये कक्षा में ध्यान केंद्रित करने का एक प्रभावी माध्यम हैं।

46. (D) फ़्लैल बोर्ड (Flannel Board)
फ़्लैनल बोर्ड (Flannel Board) एक गैर-प्रक्षेपित दृश्य सामग्री है, जो दो खुरदरी सतहों (फ़्लैनल कपड़ा और कट-आउट के पीछे लगा सैंडपेपर या फ़्लैनल) के बीच घर्षण और सामंजस्य के सिद्धांत पर कार्य करती है। बिना किसी गोंद या पिन के, चित्र बोर्ड पर आसानी से चिपक जाते हैं, जिससे अनुक्रमिक प्रदर्शन करना बेहद सरल होता है।

47. (A) बुनियादी शब्दावली या गणित के तथ्यों के लिए तीव्र ड्रिल और अभ्यास (Rapid Drill and Practice)
फ़्लैशकार्ड (Flashcards) छोटे कार्ड होते हैं जिनका उपयोग संक्षिप्त जानकारी के त्वरित प्रदर्शन के लिए किया जाता है। इनका सबसे प्रभावी उपयोग भाषा में बुनियादी शब्दावली, विदेशी शब्द, गणितीय तालिकाएँ और ऐतिहासिक तिथियों का तीव्र गति से ड्रिल और अभ्यास (Rapid Drill and Practice) कराने तथा त्वरित स्मृति पहचान को मजबूत करने हेतु किया जाता है।

48. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
फ़्लैशकार्ड में अत्यधिक पाठ होना अनुचित है, क्योंकि इससे उनकी त्वरित पहचान की प्रभावशीलता समाप्त हो जाती है। हालाँकि, कारण बिल्कुल सत्य है कि ये गैर-प्रक्षेपित उपकरण त्वरित दृश्य पहचान और त्वरित प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किए जाते हैं। कार्ड पर केवल एक शब्द या संकेत होना चाहिए ताकि छात्र तुरंत उत्तर दे सकें।

49. (B) छात्र कार्य और विषयगत दृश्य सामग्रियों को प्रदर्शित करना
बुलेटिन बोर्ड (Bulletin Board) का प्राथमिक उपयोग छात्रों द्वारा बनाए गए उत्कृष्ट कार्यों, कलाकृतियों, समाचार पत्रों की कतरनों और विषयगत दृश्य सामग्रियों को प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है। यह कक्षा के माहौल को प्रेरणादायक बनाता है, छात्रों में स्वामित्व की भावना जगाता है और समकालीन विषयों पर रचनात्मक अधिगम को लगातार बढ़ावा देता है।

NODIA

50. (A) डायोरमा (Diorama)
डायोरमा (Diorama) एक गैर-प्रक्षेपित त्रि-आयामी मॉडल है, जिसमें चित्रित पृष्ठभूमि के सामने मॉडल आकृतियों और यथार्थवादी वस्तुओं को व्यवस्थित करके किसी ऐतिहासिक दृश्य, वन्यजीव आवास या भौगोलिक घटना का 3D लघु परिदृश्य प्रस्तुत किया जाता है। यह शिक्षार्थियों को विषय वस्तु का गहराई से अवलोकन करने का एक यथार्थवादी अवसर प्रदान करता है।

51. (C) शिक्षक संचरण से छात्र ज्ञान निर्माण में
शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का एकीकरण पारंपरिक शिक्षक-केंद्रित ज्ञान संचरण मॉडल को आधुनिक छात्र-केंद्रित रचनावादी (Constructivist) अधिगम वातावरण में बदल देता है। इसमें छात्र केवल जानकारी के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं रहते, बल्कि डिजिटल संसाधनों, अनुसंधान और सहयोग के माध्यम से अपने ज्ञान का सक्रिय निर्माण (Knowledge Construction) स्वयं करते हैं।

52. (D) सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) उपकरणों और शैक्षणिक एकीकरण पर एक कार्यशाला आयोजित करें।
जब शिक्षक केवल डिस्प्ले स्क्रीन के रूप में स्मार्टबोर्ड का उपयोग करते हैं, तो यह शैक्षणिक क्षमता की कमी को दर्शाता है। प्राचार्य की सबसे उपयुक्त सुधारात्मक कार्रवाई शिक्षकों के लिए आईसीटी उपकरणों के प्रभावी उपयोग और शैक्षणिक एकीकरण पर व्यावहारिक कार्यशाला (Pedagogical Workshop) आयोजित करना है, ताकि वे तकनीक की इंटरैक्टिव सुविधाओं का पूर्ण लाभ उठा सकें।

(D) डिजिटल सामग्री, सुरक्षा और नैतिक संसाधन उपयोग का मूल्यांकन करना

197. पीएम ई-विद्या (PM eVIDYA) के तहत कौन सी पहल इंटरनेट या टीवी तक पहुँच के बिना छात्रों तक पहुँचने के लिए विशेष रूप से रेडियो प्रसारण और पॉडकास्ट पर ध्यान केंद्रित करती है?
(A) डेज़ी (DAISY) सुगम्यता पोर्टल
(B) स्वयं प्रभा (SWAYAM PRABHA) टेलीविजन नेटवर्क
(C) मुक्त विद्या वाणी और शिक्षा वाणी (Mukta Vidya Vani and Shiksha Vani)
(D) एनपीटीईएल (National Programme on Technology Enhanced Learning - NPTEL) इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम रिपॉजिटरी

198. एक ग्रामीण स्कूल गंभीर डिजिटल डिवाइड से जूझ रहा है, जिसमें कई छात्रों के पास घर पर स्मार्टफोन की कमी है। गृहकार्य और असाइनमेंट की योजना बनाने वाले एक प्राचार्य के रूप में, सबसे न्यायसंगत दृष्टिकोण क्या है?
(A) अनिवार्य करें कि अभिभावकों को स्मार्टफोन हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सभी दैनिक गृहकार्य असाइनमेंट स्कूल एलएमएस के माध्यम से ऑनलाइन जमा किए जाने चाहिए।
(B) मुद्रित कार्यपुस्तिकाएं प्रदान करें और स्कूल के घंटों के दौरान डिजिटल पहुँच प्रदान करें।
(C) घर पर असाइन किए गए ऑनलाइन गृहकार्य संसाधनों तक पहुँचने में असमर्थ होने की नियमित रूप से रिपोर्ट करने वाले किसी भी छात्र के लिए शैक्षणिक अंकों को दंडित और कम करें।
(D) पूरे स्कूल में सभी गृहकार्य असाइनमेंट को तब तक पूरी तरह से रोक दें जब तक कि सरकारी अनुदान प्रत्येक छात्र को एक व्यक्तिगत डिजिटल उपकरण प्रदान न कर दे।

199. "चाकबोर्ड" का उपयोग करते समय, एक शिक्षक को खड़े होना चाहिए:
(A) सीधे बोर्ड पाठ के सामने खड़े होना, जिससे कमरे में बैठे छात्रों की दृष्टि की रेखा पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाती है।
(B) बोलते समय लगातार बोर्ड की सतह का सामना करना, पूरे अनुदेशात्मक व्याख्यान के दौरान कक्षा की ओर अपनी पीठ करना।
(C) बोर्ड की सतह को छुए बिना बोले गए आदेश जारी करते हुए, सभी बैठे छात्रों के पीछे कक्षा के बिल्कुल पीछे खड़े होना।
(D) बोर्ड की दृश्यता और आंख का संपर्क बनाए रखने के लिए 45-डिग्री के कोण पर खड़े होना।

200. आधुनिक शिक्षा नीतियों द्वारा परिकल्पित, शैक्षणिक अभ्यास में शिक्षण सहायक सामग्री (Instructional Aids) और शैक्षिक प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने का व्यापक लक्ष्य क्या है?
(A) संवादात्मक, अनुभवात्मक अधिगम का निर्माण करना जो छात्र दक्षताओं में सुधार करता है
(B) अंततः सभी विषय क्षेत्रों में पूरी तरह से स्वचालित कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुदेश प्रणालियों के साथ मानव कक्षा शिक्षकों को पूरी तरह से बदलना
(C) मुख्य रूप से केंद्रीयregulatory लेखा परीक्षा जनादेशों को संतुष्ट करने के लिए सार्वजनिक स्कूलों के दर्ज पूंजीगत वित्तीय व्यय में काफी वृद्धि करना
(D) वास्तविक अंतर्निहित शैक्षणिक उपलब्धि स्तरों की परवाह किए बिना यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक कक्षा सतह पर तकनीकी रूप से आधुनिक दिखाई दे

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Amazon

(B) तकनीकी हार्डवेयर बुनियादी ढांचे को खरीदने के लिए आवंटित समग्र संस्थागत वित्तीय व्यय और बजट
(C) युवा छात्रों के पास मौजूद व्यक्तिगत कंप्यूटर साक्षरता, टाइपिंग गति और डिजिटल नेविगेटिंग कौशलों का मौलिक स्तर
(D) विशिष्ट सामग्री सिखाने के लिए प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने का आदर्श शिक्षक ज्ञान

175. प्रौद्योगिकी एकीकरण के लिए शिक्षक प्रशिक्षण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. प्रशिक्षण को ध्यान 'उपकरण का उपयोग कैसे करें' से 'उपकरण के साथ कैसे पढ़ाएं' पर केंद्रित करना चाहिए।
II. प्रशिक्षण के सफल अनुप्रयोग के लिए चल रहा तकनीकी सहायता महत्वपूर्ण है।
III. प्रौद्योगिकी के प्रति शिक्षकों के विश्वास और दृष्टिकोण एकीकरण को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं।
IV. प्रशिक्षण आदर्श रूप से शिक्षक के करियर की शुरुआत में केवल एक बार होना चाहिए।
उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, II और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) केवल I, III और IV

176. किस प्रकार की दृश्य सामग्री को "ट्री" (Tree) संरचना की विशेषता है, जो शीर्ष पर एक व्यापक अवधारणा के साथ शुरु होती है और विशिष्ट उप-श्रेणियों में शाखाबद्ध होती है?
(A) अनुक्रमिक प्रक्रिया फ़्लो चार्ट (Flow Chart)
(B) वर्गीकरण या ट्री चार्ट (Classification or Tree Chart)
(C) कालानुक्रमिक ऐतिहासिक समय चार्ट
(D) सांख्यिकी आनुपातिक पाई चार्ट

177. एक "स्टीरियोस्कोप" (Stereoscope) एक पुरानी दृश्य सामग्री है जिसे विशेष रूप से निम्नलिखित बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है:
(A) स्क्रीन पर प्रदर्शित एक उज्ज्वल, उच्च-रिज़ॉल्यूशन प्रक्षेपित द्वि-आयामी सपाट दृश्य छवि
(B) दो थोड़ा ऑफसेट 2D चित्रों से बनाया गया 3D गहराई का एक ऑप्टिकल भ्रम
(C) समकालिक स्टीरियो साउंड ऑडियो के साथ सतत पूर्ण-गति दृश्य चलती तस्वीरें
(D) एक बड़े सभागार में दी जाने वाली अत्यधिक प्रवर्धित उच्च-मात्रा वाली ध्वनिक ध्वनि आउटपुट

178. ऐसी कक्षा में शिक्षक की प्राथमिक भूमिका क्या है जो ई-लर्निंग प्लेटफॉर्मों और आईसीटी (ICT) उपकरणों का अत्यधिक उपयोग करती है?
(A) अधिगम का सुगमकर्ता और मेंटर (Facilitator and Mentor)
(B) शैक्षणिक ज्ञान के एकमात्र आधिकारिक प्राथमिक संचरक के रूप में कार्य करने वाला मंच का ज्ञानी
(C) एक पूरी तरह से निष्क्रिय कक्षा पर्यवेक्षक जो छात्रों को कोई प्रत्यक्ष शैक्षणिक इनपुट या मार्गदर्शन प्रदान नहीं करता है
(D) कक्षा में पूर्ण भौतिक मौन लागू करने के लिए कड़ाई से समर्पित एक अत्यधिक कठोर व्यवहारात्मक अनुशासनकर्ता (Disciplinarian)

NODIA

179. निम्नलिखित में से कौन सी एक श्रवण शिक्षण सामग्री (Auditory Instructional Aid) है जो विशेष रूप से दृष्टिबाधित छात्रों के लिए प्रभावी है?
(A) उच्च-विपरीत मुद्रित दृश्य फ़्लैशकार्ड (Flashcards)
(B) उच्च-तीव्रता वाला ऑप्टिकल एपिडियास्कोप प्रोजेक्टर
(C) स्क्रीन रीडर सॉफ़्टवेयर और ऑडियो पुस्तकें (Screen Reader Software and Audio Books)
(D) फेल्ट-कवर्ड दृश्य फ़्लैनल डिस्प्ले बोर्ड

180. दीक्षा (DIKSHA) पहल के तहत "ऊर्जावान पाठ्यपुस्तकों" (Energized Textbooks) का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) अंधेरे अध्ययन कक्षों के भीतर भौतिक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठों को स्पष्ट रूप से चमकाने के लिए विशेष चमकदार रासायनिक कोटिंग्स लागू करना
(B) यह सुनिश्चित करना कि सभी निर्धारित स्कूल पाठ्यपुस्तकें विशेष रूप से उच्च-ग्रेड चमकदार, उच्च-ऊर्जा सिंथेटिक कागज़ पर मुद्रित हों
(C) कक्षा शिक्षक की अनुदेशात्मक भूमिका और शैक्षणिक जिम्मेदारियों को पूरी तरह से बदलना और स्वचालित (Automate) करना
(D) मुद्रित विषयों को डिजिटल मल्टीमीडिया सामग्री से जोड़ने वाले क्यूआर (QR) कोड प्रदान करना

181. "तृतीय-स्तरीय डिजिटल डिवाइड" (Third-level digital divide) के लिए निम्नलिखित में से कौन सा मुद्दा केंद्रीय है?
(A) कम वित्तपोषित ग्रामीण स्कूल सुविधाओं में कंप्यूटिंग हार्डवेयर और डेस्कटॉप मशीनों की कुल भौतिक कमी
(B) क्षेत्रीय सेलुलर नेटवर्क सिग्नल बैंडविड्थ और इंटरनेट कनेक्टिविटी गति में देखी गई महत्वपूर्ण तकनीकी असमानताएँ
(C) तकनीक के उपयोग के परिणामस्वरुप मिलने वाले परिणामों में असमानताएं (Inequalities in Outcomes)
(D) मालिकाना वाणिज्यिक डेस्कटॉप सॉफ़्टवेयर ऑपरेटिंग लाइसेंस खरीदने में शामिल उच्च आवर्ती वित्तीय व्यय (Operating Expenses)

182. एक प्राचार्य नए शैक्षणिक वर्ष के लिए बजट की योजना बना रहे हैं। 50 नए मानक व्हाइटबोर्ड खरीदने या एक पूरी तरह से सुसज्जित स्मार्ट (SMART) कक्षा स्थापित करने के बीच एक विकल्प है। अनुक्रमिक रूप से सभी ग्रेडों के लिए समान तकनीकी जोखिम को अधिकतम करने के उद्देश्य के आधार पर, सबसे रणनीतिक प्रबंधकीय निर्णय क्या है?

सुनाने और भाषणों के विश्लेषण के लिए अत्यंत उपयोगी माध्यम माना जाता है, जिसमें कोई दृश्य तत्व नहीं होता।

10. (A) बड़े, भौगोलिक रूप से बिखरे हुए श्रोताओं तक कुशलतापूर्वक पहुँचना
शैक्षिक रेडियो प्रसारण (Educational Radio Broadcast) एक व्यापक प्रसार माध्यम है, जो दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित विशाल एवं भौगोलिक रूप से बिखरी हुई आबादी तक सूचना पहुँचाने में अत्यंत सक्षम है। यह न्यूनतम लागत में दूरस्थ शिक्षा (Distance Education) का बेहतरीन माध्यम बनता है। यद्यपि इसमें दृश्य या इंटरैक्टिव घटकों का अभाव होता है, फिर भी इसकी पहुँच क्षमता बेजोड़ है।

11. (D) शैक्षिक पॉडकास्ट (Educational Podcast)
शैक्षिक पॉडकास्ट (Educational Podcast) एक असमकालिक (Asynchronous) श्रव्य माध्यम है, जिसे छात्र अपनी सुविधानुसार डाउनलोड करके कभी भी सुन सकते हैं। इसमें संरचित चर्चाएं, साक्षात्कार या व्याख्यान रिकॉर्ड किए जाते हैं। यह माध्यम शिक्षार्थियों को अपनी गति से अधिगम (Self-Paced Learning) की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान करता है तथा बार-बार सुनकर अवधारणाओं को दोहराने का अवसर भी उपलब्ध कराता है।

12. (B) एक डिजिटल भाषा प्रयोगशाला (Digital Language Laboratory) की स्थापना करना
डिजिटल भाषा प्रयोगशाला (Digital Language Laboratory) एक विशिष्ट श्रव्य अनुदेशात्मक व्यवस्था है, जो छात्रों को मूल भाषियों का उच्चारण सुनने, अपनी आवाज़ रिकॉर्ड करने और तुलनात्मक विश्लेषण करने की सुविधा देती है। यह व्यक्तिगत श्रव्य-भाषाई अभ्यास (Audio-Lingual Practice) को बढ़ावा देती है। भाषा कौशल, ध्वन्यात्मकता और शुद्ध उच्चारण में सुधार लाने के लिए यह तकनीक कक्षा के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प है।

13. (C) इनमें जटिल स्थानिक अवधारणाओं (Spatial Concepts) को समझाने के लिए आवश्यक दृश्य उद्दीपक (Visual Stimuli) का अभाव होता है।
केवल श्रव्य सामग्री (Audio Aids) का उपयोग करने की सबसे बड़ी सीमा यह है कि इनमें दृश्य उद्दीपक (Visual Stimuli) मौजूद नहीं होते। भूमितीय आकृतियों, मानचित्रों या जटिल स्थानिक अवधारणाओं (Spatial Concepts) को केवल सुनकर समझना बेहद कठिन होता है। ऐसे विषयों के पूर्ण ज्ञान हेतु दृश्य या श्रव्य-दृश्य माध्यमों का समावेश करना अत्यंत अनिवार्य माना जाता है।

14. (D) सुनने और बोलने के कौशलों के लिए श्रव्य-भाषाई अभ्यास (Audio-Lingual Practice) प्रदान करना
भाषा प्रयोगशाला (Language Lab) का प्राथमिक कार्य शिक्षार्थियों में सुनने (Listening) और बोलने (Speaking) के कौशलों का विकास करना है। यह व्यक्तिगत कंसोल के माध्यम से छात्रों को भाषा का निरंतर श्रव्य-भाषाई अभ्यास (Audio-Lingual Practice) करने का अवसर देती है। इससे छात्रों का झिझक दूर होता है, उच्चारण में स्पष्टता आती है और लक्षित भाषा पर पकड़ अत्यधिक मजबूत होती है।

15. (B) केवल I, II और IV
श्रव्य सामग्री श्रवण भेद-भाव कौशल (Auditory Discrimination Skills) को निखारने तथा भाषा शिक्षण को प्रभावी बनाने में अत्यंत उपयोगी है। इसके उपयोग हेतु छात्रों से निरंतर एकाग्रता और सक्रिय श्रवण की आवश्यकता होती है। हालांकि, जटिल गणितीय व्युत्पत्तियों या दृश्य आरेखों को समझाने के लिए यह माध्यम पूरी तरह अपर्याप्त है, क्योंकि वहाँ दृश्य प्रदर्शन का होना बेहद आवश्यक होता है।

16. (B) ग्राफ (Graph)
ग्राफ (Graph) एक ऐसी द्वि-आयामी दृश्य सामग्री (Two-Dimensional Visual Aid) है, जो रेखाओं, बार या पाई स्लाइस का उपयोग करके संख्यात्मक या मात्रात्मक डेटा (Quantitative Data) को प्रदर्शित करती है। यह चरों के बीच संबंधों और प्रवृत्तियों का त्वरित विश्लेषण करने में मदद करता है। इसके माध्यम से जटिल सांख्यिकीय आँकड़ों को अत्यंत सरल एवं सुबोध रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

17. (B) किसी चरण-दर-चरण प्रक्रिया या संरचना को चित्रित करने के लिए
फ़्लो चार्ट (Flow Chart) एक संरचित आरेखीय उपकरण है, जिसका उपयोग किसी प्रक्रिया, कार्यप्रणाली या प्रणालीबद्ध क्रम को चरण-दर-चरण (Step-by-Step) प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है। यह एल्गोरिदम, वैज्ञानिक प्रक्रियाओं और संगठनात्मक प्रवाह को समझने में अत्यंत सहायक होता है। इसके उपयोग से जटिल प्रक्रियात्मक ज्ञान (Procedural Knowledge) को आसानी से तार्किक अनुक्रम में देखा जा सकता है।

18. (A) फ़्लिप चार्ट (Flip Chart)
फ़्लिप चार्ट (Flip Chart) में कागज़ की शीsheets का एक संग्रह होता है, जो ऊपर से एक पैड पर बंधा रहता है। शिक्षक एक-एक करके पन्नों को पलटकर अनुक्रमिक जानकारी, कहानी या प्रक्रिया को प्रस्तुत करता है। यह समूह चर्चा, विचारों के रिकॉर्डिंग तथा चरण-दर-चरण प्रस्तुतियों के लिए एक अत्यंत प्रभावी एवं सुलभ गैर-प्रक्षेपित दृश्य सामग्री (Non-Projected Visual Aid) है।

19. (C) त्रि-आयामी मॉडल (Three-Dimensional Model)
ग्लोब पृथ्वी की एक सटीक त्रि-आयामी (Three-Dimensional) लघु प्रतिकृति है। इसमें लंबाई, चौड़ाई और गहराई तीनों आयाम मौजूद होते हैं। यह भूगोल शिक्षण में अक्षांश, देशांतर, महाद्वीपों की स्थिति और पृथ्वी के घूर्णन की स्थानिक अवधारणाओं (Spatial Concepts) को अत्यंत यथार्थवादी ढंग से प्रदर्शित करने का एक अनिवार्य एवं आदर्श त्रि-आयामी उपकरण माना जाता है।

Downloaded from www.pdf.tube

190. एक विविध कक्षा के लिए अनुदेशात्मक सामग्री डिज़ाइन करते समय, "अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन" (Universal Design for Learning - UDL) के सिद्धांतों का पालन करने का अर्थ है:
(A) कक्षा में प्रत्येक व्यक्तिगत छात्र के लिए अनुदेशात्मक प्रस्तुति की कड़ाई से एक मानकीकृत, अत्यधिक औपचारिक विधि (Standardized Method) का उपयोग करना
(B) यह सुनिश्चित करना कि सभी पाठ्यपुस्तक अध्याय, कार्यपत्रक और दृश्य सामग्रियां विशेष रूप से सादे काले और सफेद पाठ में मुद्रित हों
(C) भौतिक कक्षा के वातावरण से सभी आधुनिक डिजिटल तकनीक, कंप्यूटर और स्मार्ट डिस्प्ले को पूरी तरह से समाप्त करना
(D) प्रतिनिधित्व और जुड़ाव के बहुविध साधन प्रदान करना (Providing Multiple Means of Representation and Engagement)

191. एक "शैक्षिक ऐप" और एक व्यापक "लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS)" के बीच प्राथमिक अंतर क्या है?
(A) ऐप विशिष्ट कौशलों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि एक एलएमएस (LMS) पूरे पाठ्यक्रमों का प्रबंधन करता है।
(B) शैक्षिक ऐप सार्वभौमिक रूप से पूरी तरह से नि:शुल्क उपलब्ध हैं, जबकि किसी भी एलएमएस प्लेटफॉर्म को कड़ाई से सदस्यता भुगतान की आवश्यकता होती है।
(C) शैक्षिक सॉफ़्टवेयर ऐप कड़ाई से डेस्कटॉप कंप्यूटरों पर काम कर सकते हैं, जबकि एक एलएमएस विशेष रूप से व्यक्तिगत मोबाइल फोन उपकरणों पर काम करता है।
(D) उनके बीच बिल्कुल कोई कार्यात्मक या तकनीकी अंतर नहीं है; दोनों तकनीक शब्दों का उपयोग पूरी तरह से विनिमेय समानार्थी शब्दों के रूप में किया जाता है।

192. एक प्राचार्य को शिकायतें मिलती हैं कि शिक्षक विकिपीडिया (Wikipedia) का उपयोग एकमात्र प्राथमिक शिक्षण सामग्री के रूप में कर रहे हैं और छात्रों से जानकारी को शब्दश: कॉपी करने के लिए कह रहे हैं। सबसे उपयुक्त शैक्षणिक हस्तक्षेप क्या है?
(A) छात्र वेब ब्राउज़िंग को रोकने के लिए स्कूल परिसर के भीतर सभी इंटरनेट कनेक्टिविटी और नेटवर्क उपयोग को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दें।
(B) डिजिटल साक्षरता और शोध-आधारित कार्यों पर एक कार्यशाला आयोजित करना।
(C) सभी विषय शिक्षकों को कड़ाई से निर्देश दें कि वे छात्रों को पुस्तकालय से बहु-खंडीय बाध्य भौतिक ज्ञानकोशों का उपयोग करने तक सीमित रखें।
(D) इस धारणा के तहत सभी अभिभावक शिकायतों को औपचारिक रूप से खारिज कर दें कि छात्र तकनीकी रूप से आधुनिक डिजिटल अधिगम उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं।

193. व्याख्यान के दौरान "ऑडियंस रिस्पॉन्स सिस्टम" (उदा. क्लिकर्स या विशिष्ट मोबाइल ऐप) का उपयोग मुख्य रूप से किस उद्देश्य से किया जाने वाला शैक्षिक प्रौद्योगिकी का एक अनुप्रयोग है:
(A) कक्षा शिक्षक की समग्र दैनिक प्रशासनिक और अनुदेशात्मक कार्यभार जिम्मेदारियों को काफी कम करना
(B) छात्र जुड़ाव बढ़ाना और वास्तविक समय रचनात्मक डेटा प्राप्त करना
(C) औपचारिक सत्र के अंत की योगात्मक परीक्षा के कागज़ परिणामों का स्वचालित रूप से मूल्यांकन करना और सीधे स्कूल रजिस्टरों में रिकॉर्ड करना
(D) घर पर आराम कर रहे अनुपस्थित छात्रों को चल रहे कक्षा व्याख्यानों के लाइव वीडियो और ऑडियो फीड प्रसारित करना

194. शिक्षण सामग्री के वर्गीकरण में, निम्नलिखित में से किसे अंतर्निहित ऑडियो के बिना विशुद्ध रूप से "प्रक्षेपित दृश्य सामग्री" (Projected Visual Aid) माना जाता है?
(A) एक मूक एनिमेटेड जीआईएफ (GIF) या स्लाइड प्रक्षेपण
(B) एक लाइव वाणिज्यिक टेलीविजन चैनल प्रसारण
(C) एक इंटरैक्टिव, बहु-उपयोगकर्ता मल्टीमीडिया सीडी-रोम
(D) एक सतत मोशन पिक्चर साउंड फिल्म प्रोजेक्ट

195. कक्षा में दिखाए जाने वाले शैक्षिक वीडियो का चयन करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा एक आवश्यक मानदंड है?
(A) पूरे देखने के सत्र के दौरान उच्च छात्र प्रेरणा सुनिश्चित करने के लिए इसमें प्रसिद्ध वाणिज्यिक फिल्म अभिनेताओं को दिखाया जाना चाहिए।
(B) इसकी कुल स्क्रीनिंग लंबाई को निर्धारित कक्षा शिक्षण अवधि के पूरे 40 मिनट की अवधि को लगातार कवर करना चाहिए।
(C) सामग्री सटीक और पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के साथ संरेखित होनी चाहिए।
(D) इसमें छोटे बच्चों में सक्रिय शारीरिक ध्यान बनाए रखने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया तेज, निरंतर पृष्ठभूमि संगीत शामिल होना चाहिए।

196. शिक्षकों के लिए "डिजिटल साक्षरता" (Digital Literacy) में न केवल यह जानना शामिल है कि कंप्यूटर कैसे संचालित किया जाए, बल्कि इसमें महत्वपूर्ण रूप से यह भी शामिल है:
(A) प्रयोगशाला में टूटे हुए विद्युत कंप्यूटर हार्डवेयर सर्किट का स्वतंत्र रूप से निदान, विघटन और मरम्मत करना जानना
(B) पाइथन (Python) जैसी भाषाओं में जटिल बैकएंड सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन स्वतंत्र रूप से लिखने के लिए उन्नत कंप्यूटर विज्ञान कौशल रखना
(C) दैनिक प्रशासनिक कार्यों के दौरान सटीक रूप से 100 शब्द प्रति मिनट से अधिक की असाधारण कीबोर्ड भौतिक टाइपिंग गति का प्रदर्शन करना

NODIA

स्पष्ट, सीधी और उचित आकार में होनी चाहिए ताकि सभी छात्र बिना किसी भ्रम के नोट्स आसानी से उतार सकें।

31. (A) किसी वस्तु के कार्यात्मक तंत्र (Functional Mechanisms) को प्रदर्शित करता है
कार्यशील मॉडल (Working Model) किसी वस्तु या प्रणाली के केवल बाहरी रूप को ही नहीं दर्शाता, बल्कि उसके यांत्रिक और कार्यात्मक तंत्र (Functional Mechanisms) को गतिशील रूप से प्रदर्शित करता है। उदाहरण के लिए, एक कार्यशील भाप इंजन मॉडल यह दिखाता है कि विभिन्न पुर्जे एक साथ मिलकर कैसे काम करते हैं, जिससे व्यावहारिक और क्रियात्मक समझ विकसित होती है।

32. (B) पदानुक्रमित ट्री चार्ट (Hierarchical Tree Chart)
पदानुक्रमित ट्री चार्ट (Hierarchical Tree Chart) का उपयोग मुख्य रूप से किसी संगठन, परिवार की वंशावली या वर्गीकरण प्रणाली के पदानुक्रमित संबंधों को दर्शाने के लिए किया जाता है। इसमें एक मुख्य तने (मूल अवधारणा) से विभिन्न शाखाएं (उप-श्रेणियां) निकलती हैं, जो ऊपर से नीचे या नीचे से ऊपर की ओर संबंधों की स्पष्ट संरचनात्मक रूपरेखा प्रस्तुत करती हैं।

33. (B) कार्यशील भागों को उजागर करने के लिए एक वास्तविक प्रणाली को सरल बनाने वाला एक ऑपरेटिंग मॉडल
व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education) में "मॉक-अप" (Mock-up) एक ऐसा कार्यशील ऑपरेटिंग मॉडल होता है, जो जटिल वास्तविक प्रणाली को सरल बनाकर उसके आवश्यक भागों को प्रदर्शित करता है। इसमें अनावश्यक विवरणों को हटाकर केवल मुख्य कार्यात्मक घटकों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, ताकि छात्र जटिल मशीनों की आंतरिक कार्यप्रणाली को सरलता से समझ सकें।

34. (A) यह प्रासंगिक अधिगम (Contextualized Learning) और संसाधनशीलता को बढ़ावा देता है।
स्थानीय स्तर पर उपलब्ध, कम लागत वाली सामग्रियों (Low-Cost Teaching Materials) का उपयोग प्रासंगिक अधिगम (Contextualized Learning) और शिक्षक की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है। यह छात्रों को उनके दैनिक जीवन और पर्यावरण से जोड़ता है। यह दृष्टिकोण शिक्षा को किफायती बनाने के साथ-साथ सुलभ बनाता है और कम संसाधनों वाले वातावरण में भी प्रभावी शिक्षण को संभव बनाता है।

35. (C) अनुक्रमिक स्ट्रिप टीज़ चार्ट (Sequential Strip Tease Chart)
अनुक्रमिक स्ट्रिप टीज़ चार्ट (Strip Tease Chart) एक पारंपरिक दृश्य सामग्री है जिसमें जानकारी को कागज़ की पट्टियों (Strips) से ढक दिया जाता है। जैसे-जैसे शिक्षक पाठ में आगे बढ़ता है, वह पट्टियों को एक-एक करके हटाता है। यह तकनीक कक्षा में उत्सुकता और ध्यान बनाए रखने में मदद करती है तथा चरण-दर-चरण जानकारी प्रकट करती है।

36. (D) यह पाठ्यपुस्तक की अवधारणाओं के लिए संरचित अभ्यास अभ्यास प्रदान करती है।
उच्च गुणवत्ता वाली कार्यपुस्तिका (Workbook) का प्राथमिक उद्देश्य पाठ्यपुस्तक में सीखी गई अवधारणाओं को सुदृढ़ करने के लिए संरचित अभ्यास और अनुप्रयोग अभ्यास प्रदान करना है। इसमें स्व-अधिगम को बढ़ावा देने वाले विविध प्रश्न होते हैं। यह छात्रों को अपनी समझ का स्वतः परीक्षण करने और विषय पर महारत हासिल करने का व्यावहारिक अवसर उपलब्ध कराती है।

37. (C) कागज़ और बाइंडिंग की गुणवत्ता
पाठ्यपुस्तक का मूल्यांकन करते समय "भौतिक विशेषताओं" (Physical Characteristics) के अंतर्गत कागज़ की गुणवत्ता, बाइंडिंग का स्थायित्व, मुद्रण की स्पष्टता, फ़ॉन्ट का आकार और पुस्तक का भौतिक आकार शामिल होता है। ये पहलू सुनिश्चित करते हैं कि पुस्तक टिकाऊ, ले जाने में आसान और छात्रों के उपयोग के लिए दृष्टिगत रूप से आरामदायक और सुरक्षित हो।

38. (B) पुस्तक को अस्वीकृत करें क्योंकि पाठ्यचर्या रूपरेखा और शिक्षाशास्त्र के साथ संरेखण सर्वोपरि है।
पाठ्यपुस्तक चयन में शैक्षणिक प्रासंगिकता और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (National Curriculum Framework) के साथ संरेखण सबसे महत्वपूर्ण मानदंड है। भले ही किसी पुस्तक की बाइंडिंग और आकर्षक दृश्य उत्कृष्ट हों, यदि उसमें पर्याप्त अभ्यास प्रश्न और आधुनिक शिक्षण रणनीतियों का अभाव है, तो उसे अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए, क्योंकि अधिगम परिणाम सर्वोपरि होते हैं।

39. (D) यह अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) की गुंजाइश को सीमित करता है।
एकमात्र शिक्षण सामग्री के रूप में पाठ्यपुस्तकों पर अत्यधिक निर्भर रहने का मुख्य नुकसान यह है कि यह शिक्षण को केवल पाठ्य ज्ञान तक सीमित कर देता है। इसके कारण अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning), व्यावहारिक गतिविधियों और आलोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking) के अवसर सीमित हो जाते हैं, जिससे छात्र वास्तविक दुनिया के अनुभवों से कट जाते हैं।

40. (A) पाठ की पठनीयता (Readability) और ग्रेड उपयुक्तता
फोगेल की स्पॉट चेक विधि (Vogel's Spot Check Method) पाठ्यपुस्तक मूल्यांकन की एक मानकीकृत तकनीक है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से पाठ्यपुस्तक की पठनीयता (Readability) और लक्षित कक्षा के छात्रों के लिए उसकी भाषा एवं सामग्री की ग्रेड उपयुक्तता मापने हेतु किया जाता है। यह विधि यह सुनिश्चित करती है कि पाठ का स्तर छात्रों की संज्ञानात्मक क्षमता के अनुकूल हो।

41. (C) शिक्षण रणनीतियों, पाठ योजनाओं और गतिविधियों का सुझाव देना
पाठ्यपुस्तक के साथ मिलने वाली शिक्षक मार्गदर्शिका (Teacher's Guide) का प्राथमिक उद्देश्य शिक्षक को

Click Here to Buy book on Flipkart

20. (D) सारणीबद्ध चार्ट (Tabular Chart)
सारणीबद्ध चार्ट (Tabular Chart) एक गैर-प्रक्षेपित, द्वि-आयामी दृश्य सामग्री है, जो जानकारी को पंक्तियों (Rows) और स्तंभों (Columns) में व्यवस्थित करती है। इसका मुख्य उद्देश्य जटिल डेटा, श्रेणियों और सांख्यिकी को संक्षेप में प्रस्तुत करना है। यह पाठ्य सामग्री के तुलनात्मक अध्ययन और त्वरित समीक्षा के लिए कक्षा में एक अत्यंत उपयोगी और स्पष्ट माध्यम माना जाता है।

21. (C) दूर से पाठ और छवियों को स्पष्ट रूप से पढ़ने में आसानी
दृश्य सामग्री डिज़ाइन करने में "पठनीयता" (Legibility) का तात्पर्य यह है कि बोर्ड या पोस्टर पर प्रस्तुत पाठ और छवियाँ अंतिम पंक्ति में बैठे छात्र को भी बिना किसी तनाव के स्पष्ट दिखाई दें। इसके लिए उपयुक्त फ़ॉन्ट आकार, स्पष्ट लिखावट और रंगों के सही विपर्यास (Contrast) का उपयोग किया जाता है, जिससे सूचना का प्रवाह निर्बाध रूप से हो सके।

22. (B) एक अनुप्रस्थ-काट शारीरिक मॉडल (Cross-Sectional Anatomical Model)
जब कोई वास्तविक जैविक नमूना उपलब्ध न हो, तो अनुप्रस्थ-काट शारीरिक मॉडल (Cross-Sectional Anatomical Model) मानव हृदय जैसे जटिल आंतरिक अंगों की संरचना को प्रदर्शित करने का सबसे प्रभावी त्रि-आयामी विकल्प है। यह मॉडल छात्रों को आंतरिक कोष्ठकों, वाल्वों और रक्त वाहिकाओं की त्रि-आयामी स्थिति स्पष्ट रूप से देखने और उनका व्यावहारिक अध्ययन करने में सक्षम बनाता है।

23. (D) अधिगम को बढ़ाने के लिए एक साथ कई संवेदी चैनलों को संलग्न करती हैं
श्रव्य-दृश्य सामग्री (Audio-Visual Aids) दृश्य और श्रवण दोनों संवेदी चैनलों (Sensory Channels) को एक साथ सक्रिय करती है। मल्टीमीडिया अधिगम के सिद्धांतों के अनुसार, जब मस्तिष्क को एक साथ देखने और सुनने के उद्दीपक मिलते हैं, तो सूचना का प्रसंस्करण अधिक गहराई से होता है। इससे जटिल अवधारणाओं को समझना आसान हो जाता है और ज्ञान का प्रतिधारण अधिक समय तक बना रहता है।

24. (A) शैक्षिक टेलीविजन प्रसारण (Educational Television Broadcast)
शैक्षिक टेलीविजन प्रसारण (Educational Television Broadcast) पारंपरिक श्रव्य-दृश्य सामग्री का एक उत्कृष्ट और क्लासिक उदाहरण है। यह गति, ध्वनि और दृश्य चित्रों को एक साथ मिलाकर दूरस्थ शिक्षार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण अनुदेशात्मक सामग्री पहुँचाता है। यह ऐतिहासिक घटनाओं, वैज्ञानिक प्रयोगों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सीधे कक्षा के भीतर सजीव रूप में प्रस्तुत करने का एक सशक्त माध्यम माना जाता है।

25. (B) केवल I और III
श्रव्य-दृश्य सामग्री शिक्षार्थियों के ध्यान को आकर्षित करने और लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करती है। यह ऐतिहासिक घटनाओं, सूक्ष्म प्रक्रियाओं तथा दूरस्थ भौगोलिक स्थानों को कक्षा में सजीव रूप से प्रस्तुत कर सकती है। यह हमेशा महंगी नहीं होती, क्योंकि कई कम लागत वाले विकल्प भी उपलब्ध हैं, और इसका शैक्षणिक मूल्य बेहद व्यापक होता है।

26. (A) लोग ग्राफिक्स और मुद्रित पाठ की तुलना में ग्राफिक्स और कथन (Narration) से बेहतर सीखते हैं।
रिचर्ड मेयर के मल्टीमीडिया अधिगम सिद्धांत के अंतर्गत "मोडैलिटी सिद्धांत" (Modality Principle) यह स्थापित करता है कि शिक्षार्थी ग्राफिक्स के साथ स्क्रीन पर मुद्रित पाठ पढ़ने के बजाय ग्राफिक्स के साथ मौखिक कथन (Narration) सुनकर अधिक प्रभावी ढंग से सीखते हैं। यह व्यवस्था दृश्य और श्रव्य दोनों प्रसंस्करण चैनलों में कार्यभार को संतुलित करके संज्ञानात्मक अतिभार (Cognitive Overload) को रोकती है।

27. (D) प्रक्षेपित श्रव्य-दृश्य सामग्री (Projected Audio-Visual Aids)
इतिहास की कक्षाओं में दिखाई जाने वाली शैक्षिक वृत्तचित्रों (Educational Documentaries) को प्रक्षेपित श्रव्य-दृश्य सामग्री (Projected Audio-Visual Aids) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इनके प्रदर्शन के लिए प्रोजेक्टर और स्क्रीन जैसे ऑप्टिकल उपकरणों की आवश्यकता होती है। ये फिल्में अतीत की घटनाओं, पुरातात्विक साक्ष्यों और ऐतिहासिक व्यक्तित्वों को ध्वनि एवं गतिशील चित्रों के माध्यम से सजीवता से प्रस्तुत करती हैं।

NODIA

28. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
केवल श्रव्य-दृश्य सामग्री का उपयोग उच्च उपलब्धि की पूर्ण गारंटी नहीं देता, क्योंकि अधिगम परिणाम शिक्षक के मार्गदर्शन और छात्र की प्रेरणा पर निर्भर करते हैं। हालाँकि, यह कथन सत्य है कि बिना शिक्षक के प्रभावी हस्तक्षेप के सामग्री स्वतः विभेदन नहीं कर सकती। सामग्री केवल सहायता प्रदान करती है, जबकि वास्तविक अधिगम का संचालन शिक्षक की कुशल कार्यशैली द्वारा होता है।

29. (C) मानक चाकबोर्ड/व्हाइटबोर्ड (Standard Chalkboard/Whiteboard)
मानक चाकबोर्ड या व्हाइटबोर्ड को दुनिया भर में शिक्षक का सबसे आवश्यक, बहुमुखी और किफायती पारंपरिक शिक्षण उपकरण माना जाता है। यह शिक्षक को पाठ के दौरान विचारों को विकसित करने, चित्र बनाने, मुख्य बिंदुओं को लिखने और छात्रों के साथ त्वरित संवाद स्थापित करने की पूर्ण लचीलापन देता है। यह प्रत्येक कक्षा का प्राथमिक और अविभाज्य अनुदेशात्मक आधार है।

30. (D) बोर्ड को स्पष्ट अनुभागों में विभाजित करना और एक व्यवस्थित लेआउट बनाए रखना
चाकबोर्ड का प्रभावी उपयोग करने का मुख्य सिद्धांत बोर्ड को स्पष्ट अनुभागों में विभाजित करना और व्यवस्थित लेआउट बनाए रखना है। शिक्षक को एक तरफ मुख्य बिंदु, केंद्र में आरेख तथा दूसरी तरफ कठिन शब्द लिखने चाहिए। लिखावट

53. (C) अधिगम वास्तविक समय में लाइव शिक्षक-छात्र सहभागिता के साथ होता है।
आईसीटी के संदर्भ में "समकालिक अधिगम" (Synchronous Learning) का अर्थ उस अधिगम वातावरण से है जहाँ शिक्षक और छात्र अलग-अलग स्थानों पर होते हुए भी वास्तविक समय (Real-Time) में एक साथ जुड़ते हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, लाइव चैट और वेबिनार इसके प्रमुख उदाहरण हैं, जहाँ तत्काल प्रतिक्रिया, सवाल-जवाब और जीवंत संवाद की पूर्ण सुविधा उपलब्ध होती है।

54. (B) लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (Learning Management System - LMS) पर अपलोड किया गया एक पूर्व-रिकॉर्डेड डिजिटल व्याख्यान
पूर्व-रिकॉर्डेड डिजिटल व्याख्यान असमकालिक (Asynchronous) आईसीटी उपकरण का आदर्श उदाहरण है। इसमें अनुदेशात्मक सामग्री को पहले से रिकॉर्ड करके लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर अपलोड कर दिया जाता है। शिक्षार्थी अपनी सुविधा, व्यक्तिगत गति और उपलब्धता के अनुसार इस सामग्री को कभी भी और कहीं भी देख सकते हैं, जिसमें तात्कालिक लाइव सहभागिता अनिवार्य नहीं होती।

55. (B) केवल I, III और IV
आईसीटी उपकरण विविध अधिगम शैलियों को पूरा करते हैं, वैश्विक संसाधनों तक पहुँच प्रदान करते हैं और सहयोगी अधिगम को बढ़ावा देते हैं। हालाँकि, ये केवल उपकरण हैं; बिना प्रभावी शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) के ये स्वतः ही अधिगम परिणामों में सुधार की गारंटी नहीं दे सकते। सफलता हमेशा इस बात पर निर्भर करती है कि शिक्षक उनका उपयोग कैसे करता है।

56. (A) टेक्नोलॉजिकल पेडागोजिकल एंड Content Knowledge (Technological Pedagogical and Content Knowledge)
TPACK का पूर्ण रूप 'Technological Pedagogical and Content Knowledge' (प्रौद्योगिकीय शैक्षणिक एवं विषय-वस्तु ज्ञान) है। यह एक महत्वपूर्ण ढांचा है जो यह बताता है कि प्रभावी डिजिटल शिक्षण के लिए शिक्षकों को प्रौद्योगिकी (Technology), शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) और विषय-वस्तु (Content) के अंतर्संबंधों तथा उनके एकीकृत अनुप्रयोग की गहरी समझ होना अत्यंत आवश्यक है।

57. (C) बोर्ड पर सामग्री को सीधे हेरफेर करने और सहेजने की क्षमता
इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड (IWB) की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह उपयोगकर्ता को बोर्ड की स्पर्श-संवेदनशील सतह पर सीधे डिजिटल सामग्री को हेरफेर करने, लिखने, मिटाने, एनोटेट करने और संशोधित पाठ को भविष्य के उपयोग हेतु सहेजने की अनुमति देता है। यह सुविधा इसे एक साधारण स्थिर डिजिटल प्रोजेक्टर से मौलिक रूप से अलग बनाती है।

58. (A) कंप्यूटर, प्रोजेक्टर और स्पर्श-संवेदनशील बोर्ड (Touch-Sensitive Board)
एक इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड (IWB) प्रणाली को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए मुख्य रूप से तीन एकीकृत हार्डवेयर घटकों की आवश्यकता होती है: एक कंप्यूटर (जो एप्लिकेशन चलाता है), एक डिजिटल प्रोजेक्टर (जो कंप्यूटर की स्क्रीन को बोर्ड पर प्रदर्शित करता है), और एक स्पर्श-संवेदनशील बोर्ड (जो उपयोगकर्ता के इनपुट को स्वीकार करता है)।

NODIA

59. (D) स्क्रीन शेड या मास्किंग टूल (Screen Shade or Masking Tool)
इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड में 'स्क्रीन शेड' या 'मास्किंग टूल' (Screen Shade or Masking Tool) शिक्षक को स्क्रीन के विशिष्ट भाग या पूरे पृष्ठ को छिपाने और पाठ की प्रगति के अनुसार धीरे-धीरे जानकारी को प्रकट करने की सुविधा देता है। यह उपकरण कक्षा में उत्सुकता बनाए रखने और छात्रों का ध्यान बिंदु-दर-बिंदु केंद्रित करने में बहुत सहायक है।

60. (B) यह पाठ नोट्स और एनोटेशन को अनुपस्थित छात्रों के साथ साझा करने की अनुमति देता है।
इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड की 'सहेजें और निर्यात करें' (Save and Export) सुविधा का प्रमुख शैक्षणिक लाभ यह है कि कक्षा के दौरान बनाए गए सभी डिजिटल नोट्स, आरेख और एनोटेशन सहेजे जा सकते हैं। इन्हें अनुपस्थित छात्रों के साथ साझा किया जा सकता है या भविष्य की पुनरावृत्ति हेतु डिजिटल प्रारूप में सुरक्षित रखा जा सकता है।

61. (C) इंटरनेट और डिजिटल संचार नेटवर्क
ई-लर्निंग (E-Learning) प्लेटफॉर्म अपनी विषय-वस्तु के वितरण, संचार और इंटरएक्टिव गतिविधियों के लिए मौलिक रूप से इंटरनेट और डिजिटल संचार नेटवर्क पर निर्भर करते हैं। यह तकनीक शिक्षार्थियों को भौगोलिक बाधाओं से परे जाकर कहीं भी और किसी भी समय समृद्ध शैक्षणिक संसाधनों, लाइव कक्षाओं और मूल्यांकन प्रणालियों तक निर्बाध पहुँच प्रदान करने की सामर्थ्य रखती है।

62. (D) छात्र घर पर ऑनलाइन वीडियो व्याख्यान देखते हैं, और कक्षा के समय का उपयोग इंटरैक्टिव समस्या-समाधान के लिए करते हैं।
'फ़्लिप्ड क्लासरूम' (Flipped Classroom) मॉडल में पारंपरिक शिक्षण क्रम को उलट दिया जाता है। छात्र घर पर अपनी गति से ऑनलाइन वीडियो व्याख्यान और ई-सामग्री के माध्यम से बुनियादी अवधारणाओं को सीखते हैं। इसके बाद, अमूल्य कक्षा के समय का उपयोग शिक्षक की उपस्थिति में सहयोगात्मक चर्चाओं, समस्या-समाधान और उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक गतिविधियों में किया जाता है।

63. (A) मिश्रित अधिगम (Blended Learning)
मिश्रित अधिगम (Blended Learning) एक ऐसी अनुदेशात्मक रणनीति है जो पारंपरिक आमने-सामने (Face-to-Face) कक्षा शिक्षण को ऑनलाइन ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों के साथ जानबूझकर जोड़ती है। यह मॉडल

159. (A) किसी घटना या आवास का प्रतिनिधित्व करने वाला 3D लघु दृश्य (3D Miniature Scene)
"डायोरमा" (Diorama) किसी ऐतिहासिक घटना, प्राकृतिक आवास (जैसे जंगल या महासागर) या सांस्कृतिक परिदृश्य का प्रतिनिधित्व करने वाला एक त्रि-आयामी (3D) लघु प्रदर्शनी दृश्य है। यह किसी विषय का यथार्थवादी और विस्तृत रूप प्रस्तुत करके छात्रों में गहन अवलोकन क्षमता का विकास करता है।

160. (B) तकनीकी कौशलों के साथ संरेखित निरंतर शैक्षणिक प्रशिक्षण का अभाव
कक्षाओं में प्रौद्योगिकी के प्रभावी एकीकरण में सबसे प्रमुख बाधा शिक्षकों के लिए निरंतर, व्यावहारिक और शैक्षणिक प्रशिक्षण का अभाव है। केवल उपकरण प्रदान कर देना पर्याप्त नहीं है; जब तक शिक्षकों को तकनीक का शिक्षण में सही उपयोग नहीं सिखाया जाएगा, इसका इष्टतम लाभ नहीं मिल सकता।

161. (B) कार्ड या वस्तुओं को लटकाने के लिए खूंटियों (Pegs) को सम्मिलित करने के लिए नियमित रूप से दूरी वाले छेदों वाला एक बोर्ड
पेगबोर्ड (Pegboard) एक गैर-प्रक्षेपित दृश्य सामग्री है, जो लकड़ी या कठोर बोर्ड से बनी होती है जिसमें नियमित दूरी पर छेद बने होते हैं। इसमें खूंटियों (Pegs) या हुक को डालकर कार्ड, औजार, गणितीय आकृतियां या वस्तुएं लटकाई जाती हैं, जो व्यावहारिक गतिविधियों में बहुत उपयोगी हैं।

162. (A) दीक्षा (DIKSHA)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के दृष्टिकोण के अनुसार, 'दीक्षा' (DIKSHA) प्लेटफॉर्म पूरे भारत में स्कूली शिक्षा से संबंधित सभी डिजिटल शिक्षण-अधिगम संसाधनों, ई-सामग्री, शिक्षक प्रशिक्षण और सुगम्य पाठ्यपुस्तकों के लिए एक राष्ट्रीय एकल पोर्टल (Single Gateway) के रूप में कार्य करता है।

163. (C) वैचारिक जानकारी को व्यवस्थित करने के लिए एक रचनावादी उपकरण (Constructivist Tool)
माइंड मैपिंग (Mind Mapping) सॉफ़्टवेयर को एक रचनावादी उपकरण (Constructivist Tool) माना जाता है। यह शिक्षार्थियों को मुख्य विचारों से संबंधित उप-अवधारणाओं को दृष्टिगत रूप से जोड़ने, व्यवस्थित करने और अपने ज्ञान की संरचना का निर्माण करने में मदद करता है, जिससे उच्च-स्तरीय चिंतन (Higher-Order Thinking) को बढ़ावा मिलता है।

164. (D) एक चार्ट गुणात्मक जानकारी को संक्षेप में प्रस्तुत करता है; एक ग्राफ मात्रात्मक डेटा को प्लॉट करता है।
चार्ट और ग्राफ में मुख्य अंतर यह है कि चार्ट मुख्य रूप से गुणात्मक जानकारी (जैसे प्रक्रियाएं, संरचनाएं, वर्गीकरण) को दृश्यात्मक रूप से संक्षेप में प्रस्तुत करता है, जबकि ग्राफ विशेष रूप से चरों के बीच संबंधों को दर्शाने के लिए मात्रात्मक डेटा (Quantitative Data) को प्लॉट करता है।

165. (A) केवल I और II
इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड की 'स्पॉटलाइट' सुविधा स्क्रीन के बाकी हिस्से को गहरा करके किसी विशिष्ट आयताकार या वृत्ताकार क्षेत्र पर शिक्षार्थियों का ध्यान केंद्रित करती है। यह बिना किसी डेटा को मिटाए, केवल महत्वपूर्ण बिंदु को हाइलाइट करने का कार्य करती है, जिससे ध्यान केंद्रित करना सुलभ होता है।

166. (B) वे किसी भी कनेक्टेड डिवाइस पर सुलभ वास्तविक समय के दस्तावेज़ सहयोग को सक्षम बनाते हैं।
क्लाउड-आधारित शैक्षिक अनुप्रयोगों (जैसे Google Workspace) का सबसे बड़ा लाभ यह है कि वे किसी भी इंटरनेट-कनेक्टेड डिवाइस से सुलभ होते हैं और कई उपयोगकर्ताओं को एक ही समय में एक ही दस्तावेज़ या प्रस्तुति पर वास्तविक समय (Real-time) में मिलकर काम करने की सुविधा देते हैं।

167. (D) ऑप्टिकल ओवरहेड प्रोजेक्टर (Overhead Projector - OHP)
ऑप्टिकल ओवरहेड प्रोजेक्टर (OHP) एक क्लासिक प्रक्षेपित दृश्य सामग्री है। इसमें पारदर्शी एसीटेट शीटों का उपयोग करके छवियों को स्क्रीन पर आवर्धित किया जाता था। आधुनिक समय में OHP को काफी हद तक डिजिटल दस्तावेज़ कैमरों, कंप्यूटरों और डिजिटल प्रोजेक्टरों द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया है।

168. (D) A और R दोनों असत्य हैं
21वीं सदी की स्मार्ट कक्षाओं में भी पाठ्यपुस्तकें और मुद्रित सामग्रियां पूरी तरह से अप्रचलित नहीं हुई हैं; ये गहन अध्ययन और स्वाध्याय का आधार बनी हुई हैं। केवल डिजिटल उपकरण मुद्रित पाठ का स्थान नहीं ले सकते। इसलिए दोनों कथन पूरी तरह से असत्य हैं।

169. (C) कम्युनिकेशन (Communication)
ICT का पूर्ण रूप 'Information and Communication Technology' (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) है। इसमें 'C' का अर्थ "Communication" (संचार) है, जो सूचनाओं के आदान-प्रदान, नेटवर्क आधारित संवाद और दूरस्थ शिक्षण प्रणालियों के माध्यम से ज्ञान के प्रसार को संदर्भित करता है।

170. (A) फ़्लैशकार्ड (Flashcards)
फ़्लैशकार्ड (Flashcards) त्वरित दृश्य पहचान और स्मरण (Rapid Visual Recognition and Recall) के मनोवैज्ञानिक सिद्धांत पर कार्य करते हैं। ताश के पत्तों के आकार के ये कार्ड शिक्षार्थी के सामने तुरंत प्रस्तुत किए जाते हैं, जिससे उनकी स्मृति सुदृढ़ होती है और शब्दों व तथ्यों की त्वरित पहचान विकसित होती है।

171. (D) डायरेक्ट-टू-होम (Direct-To-Home - DTH) टीवी चैनल
"स्वयं प्रभा" (SWAYAM PRABHA) पहल 34 से अधिक समर्पित डायरेक्ट-टू-होम (DTH) टेलीविजन चैनलों का एक समूह है। यह उपग्रह प्रौद्योगिकी का उपयोग करके देश भर में

Downloaded from www.pdf.tube

75. (D) डिजिटल, ऑनलाइन और ऑन-एयर शिक्षा
पीएम ई-विद्या (PM eVIDYA) पहल को डिजिटल, ऑनलाइन और ऑन-एयर (रेडियो/टीवी) शिक्षा से जुड़े सभी प्रयासों को एक एकीकृत मंच के अंतर्गत लाने के लिए शुरु किया गया था। इसका उद्देश्य कोरोना महामारी या अन्य आपात स्थितियों के दौरान देश भर में निर्बाध, समावेशी और बहु-माध्यम शिक्षा पहुँच सुनिश्चित करना था।

76. (B) स्वयं प्रभा (SWAYAM PRABHA)
पीएम ई-विद्या के तहत 'एक कक्षा, एक टीवी चैनल' घटक "स्वयं प्रभा" (SWAYAM PRABHA) DTH टीवी चैनल पहल का हिस्सा है। इसके अंतर्गत कक्षा 1 से 12 तक प्रत्येक ग्रेड के लिए एक समर्पित 24x7 टीवी चैनल आवंटित किया गया है, ताकि इंटरनेट से रहित छात्र भी टेलीविजन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें।

77. (C) डेज़ी (Digital Accessible Information System - DAISY) और दीक्षा (DIKSHA) सुगम्यता प्लेटफॉर्म
पीएम ई-विद्या के तहत दिव्यांग या विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) के लिए विशेष ई-सामग्री डेज़ी (DAISY) सुदृढ़ प्रणाली तथा दीक्षा सुगम्यता प्लेटफॉर्म पर विकसित की गई है। इसमें संकेत भाषा (Sign Language), टॉकिंग बुक्स और सुलभ ऑडियो-विजुअल प्रारुप शामिल हैं, जो समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) के लक्ष्यों को पूरा करते हैं।

78. (D) शिक्षा वाणी पॉडकास्ट (Shiksha Vani Podcast)
'शिक्षा वाणी' (Shiksha Vani) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा शुरु किया गया एक शैक्षिक पॉडकास्ट प्लेटफॉर्म है। यह ऑडियो-आधारित अधिगम पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो माध्यमिक और उच्च माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम-आधारित श्रव्य सामग्री, अध्याय सारांश और महत्वपूर्ण शैक्षणिक घोषणाएं प्रसारित करता है।

79. (A) शिक्षाशास्त्र को बढ़ाने के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) बुनियादी ढांचे को एकीकृत करती है
एक स्मार्ट कक्षा (SMART Classroom) पारंपरिक कक्षा से इस मायने में भिन्न है कि यह शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया को समृद्ध बनाने के लिए उन्नत सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) जैसे इंटरैक्टिव बोर्ड, कंप्यूटर और मल्टीमीडिया संसाधनों को एकीकृत करती है। यह शिक्षकों को अधिक दृश्य, संवादात्मक और प्रभावी तरीकों से पढ़ाने में सक्षम बनाती है।

80. (B) एक इंटरैक्टिव डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड
स्मार्ट कक्षा का एक अनिवार्य और प्राथमिक हार्डवेयर घटक एक इंटरैक्टिव डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड (जैसे स्मार्टबोर्ड या आईएफपी) होता है। यह पारंपरिक चाकबोर्ड का स्थान लेता है और शिक्षक को मल्टीमीडिया सामग्री, सिमुलेशन और डिजिटल एनोटेशन का सीधे प्रदर्शन करने तथा छात्रों के साथ संवादात्मक रूप से जुड़ने की तकनीक प्रदान करता है।

NODIA

81. (B) सिमुलेशन और वर्चुअल लैब का उपयोग करके अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning)
स्मार्ट कक्षाओं का कार्यान्वयन सिमुलेशन (Simulations) और वर्चुअल लैब का उपयोग करके अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) को सबसे प्रभावी ढंग से बढ़ावा देता है। छात्र स्क्रीन पर अमूर्त वैज्ञानिक और गणितीय प्रयोगों का डिजिटल रूप से संचालन और हेरफेर कर सकते हैं, जिससे उनका प्रयोगात्मक ज्ञान और व्यावहारिक समझ अत्यंत सुदृढ़ होती है।

82. (A) शिक्षक का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए व्यावहारिक (Hands-On) प्रशिक्षण प्रदान करना।
यदि शिक्षक उपकरण टूटने के डर से स्मार्ट कक्षा का उपयोग करने से कतराते हैं, तो सबसे प्रभावी प्रबंधकीय कदम शिक्षकों को व्यावहारिक (Hands-On) प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस प्रशिक्षण से उनका तकनीकी भय दूर होगा, आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे शैक्षणिक रूप से स्मार्टboard का निर्बाध प्रयोग करने में सक्षम होंगे।

83. (C) सुवाह्यता (Portability), सर्वव्यापकता और चलते-फिरते अधिगम (Learning On-The-Go)
मोबाइल अधिगम (m-learning) सामान्य ई-लर्निंग से मुख्य रूप से अपनी सुवाह्यता (Portability) और सर्वव्यापकता के कारण भिन्न है। यह शिक्षार्थियों को स्मार्टफ़ोन या टैबलेट के माध्यम से किसी भी स्थान से "चलते-फिरते" (Learning On-The-Go) अधिगम की सुविधा देता है। यह किसी निश्चित कंप्यूटर लैब या डेस्कटॉप सेटअप पर निर्भर नहीं रहता।

84. (D) माइक्रो-लर्निंग (Bite-Sized Learning)
मोबाइल अधिगम (m-learning) द्वारा "माइक्रो-लर्निंग" (Bite-Sized Learning) अवधारणा को सबसे प्राकृतिक समर्थन मिलता है। इसमें पाठ्यक्रम सामग्री को 3 से 5 मिंनट के छोटे, केंद्रित और सुपाच्य मॉड्यूल में विभाजित किया जाता है, जिसे छात्र अपने मोबाइल फोन पर अपनी दैनिक दिनचर्या के दौरान कभी भी आसानी से सीख सकते हैं।

85. (B) केवल I और III
मोबाइल अधिगम डिवाइस सेंसर (जैसे जीपीएस और कैमरा) का उपयोग करके प्रासंगिक अधिगम को बढ़ावा देता है और शिक्षार्थियों को "जस्ट-इन-टाइम" (Just-in-Time) अधिगम की सुविधा देता है। हालाँकि, यह ध्यान भटकने से पूरी तरह मुक्त रहने की गारंटी नहीं देता, क्योंकि मोबाइल पर सूचनाओं (Notifications) के कारण विकर्षण की संभावना हमेशा बनी रहती है।

86. (B) ब्रिंग योर ओन डिवाइस (Bring Your Own Device - BYOD)
मोबाइल अधिगम के संदर्भ में BYOD का पूर्ण रूप 'Bring Your Own Device' (अपना उपकरण स्वयं लाएं) है। यह एक ऐसी शैक्षणिक और संस्थागत नीति है जहाँ छात्रों और शिक्षकों को स्कूल के सुरक्षित नेटवर्क से जुड़कर अधिगम

प्रत्यक्ष शिक्षक मार्गदर्शन के लाभों के साथ-साथ डिजिटल शिक्षण की लचीलेपन, सुवाहुता और व्यक्तिगत गति से सीखने की सुविधाओं का एक आदर्श समन्वय प्रस्तुत करता है।

64. (B) मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (Massive Open Online Course - MOOC)
MOOC का पूर्ण रूप 'Massive Open Online Course' (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) है। यह इंटरनेट के माध्यम से असीमित भागीदारी और खुली पहुँच प्रदान करने वाला एक दूरस्थ शिक्षा मॉडल है। यह विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों द्वारा डिज़ाइन किए गए उच्च गुणवत्ता वाले पाठ्यक्रमों, वीडियो व्याख्यानों, मंचों और मूल्यांकनों को वैश्विक शिक्षार्थियों के लिए सुलभ बनाता है।

65. (C) केवल I और III
ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म शिक्षार्थियों को अपनी गति और सुविधानुसार अध्ययन करने का लचीलापन प्रदान करते हैं तथा विविध मल्टीमीडिया सामग्री का समर्थन करते हैं। हालाँकि, ये स्वतः ही सभी सबमिशनों की प्रामाणिकता की पूर्ण गारंटी नहीं दे सकते, क्योंकि ऑनलाइन वातावरण में साहित्यिक चोरी और नकल की संभावनाओं को रोकने के लिए विशेष निगरानी की आवश्यकता होती है।

66. (A) डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing)
DIKSHA का पूर्ण रूप 'Digital Infrastructure for Knowledge Sharing' है। यह भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल है, जो स्कूली शिक्षा के लिए एक सुदृढ़ डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करती है। यह शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों को गुणवत्तापूर्ण क्यूआर-कोड आधारित डिजिटल शिक्षण सामग्री (Digital Learning Content) तक व्यापक पहुँच उपलब्ध कराती है।

67. (C) क्यूआर कोड वाली ऊर्जावान पाठ्यपुस्तकें (Energized Textbooks with QR Codes)
दीक्षा (DIKSHA) प्लेटफॉर्म भौतिक पाठ्यपुस्तकों को डिजिटल दुनिया से जोड़ने के लिए 'ऊर्जावान पाठ्यपुस्तकों' (Energized Textbooks) का उपयोग करता है। इन पाठ्यपुस्तकों के प्रत्येक अध्याय में मुद्रित क्यूआर कोड (QR Codes) होते हैं, जिन्हें मोबाइल से स्कैन करने पर छात्र सीधे संबंधित वीडियो, इंटरैक्टिव क्विज़ और अतिरिक्त अध्ययन सामग्री तक पहुँच जाते हैं।

68. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
दीक्षा प्लेटफॉर्म केवल छात्रों के लिए ही नहीं है, बल्कि शिक्षकों के सतत पेशेवर विकास (CPD) के लिए भी व्यापक संसाधन प्रदान करता है। NISHTHA जैसे राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम दीक्षा पर ही सफलतापूर्वक होस्ट किए जाते हैं। इसलिए पहला कथन पूरी तरह से गलत है, जबकि कारण में NISHTHA के महत्व की बात सत्य है।

69. (C) एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म (One Nation, One Digital Platform)
दीक्षा (DIKSHA) प्लेटफॉर्म "एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म" (One Nation, One Digital Platform) के मार्गदर्शक सिद्धांत पर कार्य करता है। इसका उद्देश्य पूरे भारत में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूली छात्रों और शिक्षकों के लिए एक समान, उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा शैक्षिक असमानता को समाप्त करना है।

70. (B) शिक्षक, छात्र और अभिभावक
दीक्षा (DIKSHA) प्लेटफॉर्म के प्राथमिक लक्षित उपयोगकर्ता शिक्षक, छात्र और अभिभावक तीनों हैं। यह छात्रों को इंटरैक्टिव अध्ययन सामग्री, शिक्षकों को पाठ योजनाएं व व्यावसायिक विकास पाठ्यक्रम तथा अभिभावकों को अपने बच्चों की अधिगम प्रगति में सहयोग करने और स्कूल गतिविधियों से जुड़े रहने के लिए एकीकृत संसाधन उपलब्ध कराता है।

71. (D) पहुँच, समानता और गुणवत्ता (Access, Equity, and Quality)
स्वयं (SWAYAM) कार्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तीन मूलभूत कार्डिनल सिद्धांतों - पहुँच (Access), समानता (Equity) और गुणवत्ता (Quality) को प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इसका मुख्य लक्ष्य समाज के सबसे वंचित वर्गों सहित सभी शिक्षार्थियों तक सर्वोत्तम शिक्षण और अधिगम संसाधनों को डिजिटल रूप में पहुँचाना है।

72. (C) चार
स्वयं (SWAYAM) प्लेटफॉर्म पर प्रस्तुत किए जाने वाले सभी ऑनलाइन पाठ्यक्रम चार मुख्य "चतुष्कोणों" (Quadrants) में संरचित होते हैं: (1) वीडियो व्याख्यान, (2) विशेष रूप से तैयार की गई डाउनलोड योग्य पठन सामग्री, (3) स्व-मूल्यांकन क्विज़ व परीक्षण, और (4) संदेह निवारण हेतु एक ऑनलाइन इंटरैक्टिव चर्चा मंच।

73. (C) अनिवार्य व्यक्तिगत भौतिक प्रयोगशाला कक्षाएं
स्वयं (SWAYAM) के चार चतुष्कोणों में वीडियो व्याख्यान, मुद्रण योग्य पठन सामग्री, ऑनलाइन परीक्षण/क्विज़ और चर्चा मंच शामिल हैं। "अनिवार्य व्यक्तिगत भौतिक प्रयोगशाला कक्षाएं" इसका भाग नहीं हैं, क्योंकि स्वयं पूरी तरह से एक ऑनलाइन और आभासी शिक्षण ढांचा है जो दूरस्थ माध्यम से ज्ञान प्रदान करने हेतु डिज़ाइन किया गया है।

74. (A) एनसीईआरटी (National Council of Educational Research and Training - NCERT) और एनआईओएस (National Institute of Open Schooling - NIOS)
स्वयं (SWAYAM) प्लेटफॉर्म पर माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की स्कूली शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन पाठ्यक्रम विकसित करने की मुख्य जिम्मेदारी एनसीईआरटी (NCERT) और एनआईओएस (NIOS) की है। ये संस्थाएं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या मानकों के अनुरूप कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों के लिए ई-सामग्री तैयार करती हैं।

Click Here to Buy book on Amazon

और जिनके पास इनका अभाव है। यह शिक्षा में अवसरों की असमानता पैदा करता है।

99. (C) तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए डिजिटल साक्षरता और कौशल
"द्वितीय-स्तरीय डिजिटल डिवाइड" (Second-Level Digital Divide) केवल भौतिक हार्डवेयर की पहुँच से आगे बढ़कर तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए आवश्यक डिजिटल साक्षरता, तकनीकी कौशल और दक्षता की असमानताओं से संबंधित है। उपकरणों की उपलब्धता के बावजूद, उनका शैक्षणिक उपयोग करने की क्षमता का अंतर इसमें मुख्य है।

100. (D) गरीब छात्रों के लिए किफायती उपकरणों और इंटरनेट की कमी
आपातकालीन ऑनलाइन शिक्षण के दौरान भारत में डिजिटल डिवाइड की सबसे बड़ी चुनौती गरीब और वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए किफायती डिजिटल उपकरणों (स्मार्टफ़ोन/लैपटॉप) तथा निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी की भारी कमी थी। इसके कारण लाखों छात्र औपचारिक शिक्षा प्रक्रिया से अस्थायी रूप से पूरी तरह से वंचित हो गए थे।

101. (C) एसएएमआर प्रौद्योगिकी एकीकरण मॉडल (SAMR Model)
एसएएमआर (SAMR - Substitution, Augmentation, Modification, Redefinition) मॉडल का उपयोग कक्षाओं में प्रौद्योगिकी एकीकरण के स्तरों को मापने के लिए किया जाता है। डॉ. रुबेन प्यूंटेदुरा द्वारा विकसित यह मॉडल दिखाता है कि कैसे तकनीक केवल एक प्रत्यक्ष विकल्प (Substitution) से शुरू होकर शिक्षण प्रक्रिया की संपूर्ण पुनर्परिभाषा (Redefinition) तक बदल सकती है।

102. (B) प्रतिस्थापन (Substitution)
SAMR मॉडल में 'प्रतिस्थापन' (Substitution) का स्तर तब होता है जब प्रौद्योगिकी केवल एक पुराने उपकरण का प्रत्यक्ष विकल्प बनती है, और कार्य के कार्यत्मक डिज़ाइन में कोई शैक्षणिक बदलाव नहीं होता। मुद्रित कार्यपत्रक की जगह बिना किसी इंटरैक्टिव सुविधा के केवल डिजिटल पीडीएफ (PDF) कार्यपत्रक देना इसका एक स्पष्ट उदाहरण है।

103. (D) अधिगम में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी को एम्बेड करने के लिए शैक्षणिक रणनीतियाँ
शिक्षक प्रशिक्षण को केवल तकनीकी हार्डवेयर चलाने के कौशल सिखाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका मुख्य ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि अधिगम परिणामों में सुधार लाने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनी शैक्षणिक रणनीतियों (Pedagogical Strategies) में कैसे प्रभावी रूप से एम्बेड और एकीकृत किया जाए।

104. (A) कर्मचारियों के बीच परिवर्तन का विरोध और टेक्नोफोबिया (Technophobia)
कक्षाओं में ICT एकीकरण लागू करते समय स्कूलों के सामने सबसे बड़ी बाधा शिक्षकों के बीच बदलाव का विरोध और टेक्नोफोबिया (Technophobia - प्रौद्योगिकी का भय) है। पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों के अभ्यस्त शिक्षक अक्सर नई तकनीकों को अपनाने में असुरक्षित महसूस करते हैं, जिसे केवल निरंतर प्रशिक्षण और सहयोग से दूर किया जा सकता है।

105. (B) केवल I और III
प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे परिवर्तनों के कारण शिक्षकों के लिए सतत पेशेवर विकास (CPD) अनिवार्य है, और सहकर्मी मेंटरिंग (Peer Mentoring) इसके लिए एक अत्यंत प्रभावी रणनीति है। एक बार का प्रशिक्षण सत्र जीवनभर के करियर के लिए कभी पर्याप्त नहीं हो सकता, क्योंकि उपकरण और तकनीक लगातार बदलते रहते हैं।

NODIA

106. (A) चाकबोर्ड (Chalkboard)
पाठ के गतिशील, विकसित होते हुए सार को वास्तविक समय में प्रदर्शित करने के लिए चाकबोर्ड (Chalkboard) सबसे आदर्श पारंपरिक सामग्री है। शिक्षक चर्चा के प्रवाह के साथ-साथ विचारों को लिख, मिटा और संशोधित कर सकता है, जो स्थिर सामग्रियों या पूर्व-निर्मित चार्ट्स में इतनी सहजता से संभव नहीं हो पाता है।

107. (D) पाई चार्ट (Pie Chart)
किसी संपूर्ण (Whole) के भिन्नात्मक या प्रतिशत भागों को प्रदर्शित करने के लिए पाई चार्ट (Pie Chart) सबसे प्रभावी दृश्य सामग्री है। यह एक वृत्त को अलग-अलग अनुपातिक स्लाइस में विभाजित करके दिखाता है कि प्रत्येक घटक का कुल योग में कितना योगदान है, जिससे तुलना करना अत्यंत सुलभ हो जाता है।

108. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
डिजिटल युग में भी मुद्रित सामग्रियां (जैसे कार्यपुस्तिकाएं) अत्यधिक प्रासंगिक हैं। ये शिक्षार्थियों को अपनी गति से अभ्यास करने, हस्तलेखन विकसित करने और बिना किसी स्क्रीन-टाइम तनाव के मूर्त अधिगम अवसर प्रदान करती हैं। इसलिए अभिकथन और कारण दोनों पूरी तरह सत्य हैं तथा कारण सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

109. (C) अपारदर्शी सामग्रियां जैसे पुस्तक के पृष्ठ या भौतिक वस्तुएं
एपिसकोप (Episcope), जिसे अपारदर्शी प्रोजेक्टर भी कहा जाता है, का उपयोग विशेष रूप से अपारदर्शी सामग्रियों (Opaque Materials) जैसे कि पुस्तकों के मुद्रित पृष्ठों, तस्वीरों, सिक्कों या छोटी भौतिक वस्तुओं को परावर्तित प्रकाश के माध्यम से बड़ी स्क्रीन पर आवर्धित करके प्रक्षेपित करने के लिए किया जाता है।

110. (D) फ़्लैनल बोर्ड (Flannel Board)
फ़्लैनल बोर्ड में खुरदरे कपड़े से ढकी सतह होती है। इस पर खुरदरी पीठ (जैसे सैंडपेपर) वाले चित्रों या अक्षरों के कट-आउट

गतिविधियों हेतु अपने स्वयं के व्यक्तिगत स्मार्टफोन, टैबलेट या लैपटॉप लाने की अनुमति दी जाती है।

87. (D) AR वास्तविकता पर डिजिटल तत्वों को ओवरले करता है; VR उपयोगकर्ताओं को सिम्युलेटेड दुनिया में डुबो देता है।
संवर्धित वास्तविकता (AR) और आभासी वास्तविकता (VR) में मुख्य अंतर यह है कि AR वास्तविक भौतिक दुनिया के ऊपर डिजिटल तत्वों (3D मॉडल या पाठ) को ओवरले करता है, जबकि VR उपयोगकर्ता को एक पूरी तरह से कृत्रिम, कंप्यूटर-जनित सिम्युलेटेड 3D वातावरण में पूरी तरह से डुबो (Immerse) देता है।

88. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
आभासी वास्तविकता (VR) शिक्षा में एक क्रांतिकारी माध्यम है क्योंकि यह एक अत्यधिक इमर्सिव सिम्युलेटेड वातावरण बनाती है। छात्र वास्तविक जीवन में अत्यधिक महंगे, दुर्गम या खतरनाक प्रयोगों और स्थलों का बिना किसी भौतिक जोखिम या यात्रा लागत के सुरक्षित रूप से अनुभवात्मक अन्वेषण (Experiential Exploration) कर सकते हैं।

89. (C) संवर्धित वास्तविकता (Augmented Reality)
जब कोई ऐप टैबलेट कैमरे के माध्यम से पाठ्यपुस्तक के 2D मानचित्र को पहचानकर स्क्रीन पर एक 3D स्थलाकृतिक मॉडल ओवरले करता है, तो यह 'संवर्धित वास्तविकता' (Augmented Reality - AR) का एक आदर्श उदाहरण है। यह तकनीक वास्तविक दुनिया की मुद्रित सामग्रियों को डिजिटल छवियों से जोड़कर अधिगम को जीवंत बनाती है।

90. (A) उच्च हार्डवेयर और रखरखाव लागत
मानक सरकारी या सामान्य स्कूलों में VR तकनीक को व्यापक रूप से लागू करने में सबसे बड़ी बाधा उच्च हार्डवेयर लागत (महंगे VR हेडसेट और शक्तिशाली कंप्यूटर) तथा उनका लगातार रखरखाव है। बजट सीमाओं के कारण सभी छात्रों के लिए इन उन्नत उपकरणों को उपलब्ध कराना अत्यधिक चुनौतीपूर्ण सिद्ध होता है।

91. (D) गैमिफिकेशन (Gamification)
Kahoot! या Quizizz जैसे ऐप 'गैमिफिकेशन' (Gamification) के मनोवैज्ञानिक सिद्धांत पर निर्भर करते हैं। ये गैर-गेम वातावरण (मूल्यांकन) में अंक, लीडरबोर्ड, समय सीमा और बैज जैसे खेल तत्वों को शामिल करते हैं। इससे रचनात्मक मूल्यांकन में छात्रों की रुचि, प्रतिस्पर्धात्मक भावना और सहभागिता में असाधारण वृद्धि देखने को मिलती है।

92. (B) शिक्षक को मुफ़्त ओईआर (Open Educational Resources - OER) उपकरणों या दीक्षा (DIKSHA) जैसे प्लेटफॉर्मों का पता लगाने का निर्देश दें।
सरकारी स्कूलों में समानता का सिद्धांत सर्वोपरि है। यदि कोई ऐप महंगा है, तो सभी छात्र उसे खरीदने में सक्षम नहीं होंगे। प्राचार्य को शिक्षक को दीक्षा (DIKSHA) या अन्य खुले शैक्षिक संसाधनों (OER) का उपयोग करने का सुझाव देना चाहिए, ताकि बिना किसी वित्तीय बोझ के सभी शिक्षार्थियों को समान अवसर प्राप्त हो सके।

93. (C) पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण को वितरित करना, ट्रैक करना और प्रबंधित करना
लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) एक व्यापक सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन है जिसका प्राथमिक कार्य शैक्षणिक पाठ्यक्रमों, अनुदेशात्मक सामग्रियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का वितरण, दस्तावेजीकरण, ट्रैकिंग, रिपोर्टिंग और प्रशासनिक प्रबंधन करना है। यह शिक्षकों और शिक्षार्थियों के बीच ऑनलाइन संवाद एवं मूल्यांकन का एक केंद्रीय डिजिटल ढांचा प्रदान करता है।

94. (D) मूडल (Moodle)
मूडल (Moodle) दुनिया भर में सबसे व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला ओपन-सोर्स लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (Open-Source LMS) है। यह शैक्षणिक संस्थानों को ऑनलाइन पाठ्यक्रम बनाने, असाइनमेंट प्रबंधित करने, क्विज़ आयोजित करने और छात्रों की प्रगति को ट्रैक करने के लिए एक अत्यधिक अनुकूलन योग्य और निःशुल्क डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करता है।

95. (A) केवल I, II और III
एक मजबूत LMS पाठ्यक्रम सामग्री का असमकालिक वितरण करता है, स्वचालित ग्रेडिंग प्रदान करता है और संचार मंच सुलभ कराता है। हालाँकि, यह मानव इनपुट के बिना स्वतः उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षणिक सामग्री उत्पन्न नहीं कर सकता; सामग्री का निर्माण और संचालन हमेशा शिक्षकों और विषय विशेषज्ञों द्वारा ही किया जाता है।

96. (B) पाठ के विशिष्ट अधिगम उद्देश्य (Learning Objectives)
उपयुक्त शिक्षण सामग्री का चयन करते समय शिक्षक के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानदंड यह है कि सामग्री सीधे पाठ के विशिष्ट अधिगम उद्देश्यों (Learning Objectives) के अनुकूल हो। सामग्री का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्र लक्षित ज्ञान और कौशलों में निपुणता प्राप्त कर सकें, न कि केवल उनका मनोरंजन करना।

97. (B) एक यथार्थवादी भौतिक मॉक-अप या पुतला (Mannequin)
सीपीआर (CPR) जैसी जीवन-रक्षक प्रक्रिया के सही अनुक्रम और दबाव का अभ्यास कराने के लिए एक यथार्थवादी भौतिक मॉक-अप या पुतला (Mannequin) सबसे उपयुक्त शिक्षण सामग्री है। यह छात्रों को सुरक्षित वातावरण में वास्तविक जैसा व्यावहारिक (Hands-on) अनुभव प्रदान करता है, जिसे केवल पढ़कर या सुनकर कभी नहीं सीखा जा सकता।

98. (A) आईसीटी (ICT) पहुँच और क्षमताओं में असमानताएँ
"डिजिटल डिवाइड" (Digital Divide) शब्द उन व्यक्तियों, परिवारों या क्षेत्रों के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता को संदर्भित करता है जिनके पास आधुनिक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) जैसे कि इंटरनेट और कंप्यूटर तक पहुँच है,

Downloaded from www.pdf.tube

123. (D) वे उपयोगकर्ता द्वारा तैयार की गई सामग्री और सहयोग को सक्षम बनाते हैं।
वेब 2.0 (Web 2.0) उपकरणों की मुख्य विशेषता यह है कि ये उपयोगकर्ताओं को केवल जानकारी का निष्क्रिय पाठक बनाने के बजाय स्वयं सामग्री बनाने (User-Generated Content), साझा करने और ऑनलाइन सहयोग करने में सक्षम बनाते हैं। विकी, ब्लॉग और इंटरैक्टिव फोरम इसके प्रमुख शैक्षणिक उदाहरण हैं।

124. (B) श्रव्य (Auditory)
पॉडकास्ट (Podcast) पूरी तरह से ध्वनि-आधारित डिजिटल मीडिया है, जो विशुद्ध रूप से श्रव्य संवेदी मोडैलिटी (Auditory Sensory Modality) का उपयोग करता है। शिक्षार्थी सुनकर जानकारी का प्रसंस्करण करते हैं, जो भाषा विकास, सुनने के कौशल में सुधार और व्याख्यानों को दोबारा सुनने के लिए अत्यंत प्रभावी माध्यम है।

125. (B) केवल I और III
शिक्षण सामग्री का चयन शिक्षार्थियों की आयु, मानसिक परिपक्वता और संज्ञानात्मक स्तर के अनुसार होना चाहिए तथा वह सीधे विषय वस्तु से प्रासंगिक होनी चाहिए। यह आवश्यक नहीं कि महंगी डिजिटल सामग्री ही चुनी जाए; कम लागत वाली प्रासंगिक सामग्रियां भी उतनी ही या उससे अधिक प्रभावी हो सकती हैं।

126. (D) बार ग्राफ (Bar Graph)
बार ग्राफ (Bar Graph) एक ऐसी दृश्य सामग्री है जिसमें समान चौड़ाई के लंबवत (Vertical) या क्षैतिज (Horizontal) आयताकार बारों का उपयोग करके अलग-अलग श्रेणियों या चरों के मानों और अनुपातों की तुलना की जाती है। बार की लंबाई सीधे उनके मान या सापेक्ष आवृत्ति को प्रदर्शित करती है।

127. (A) पिक्टोग्राफ (Pictograph)
पिक्टोग्राफ (Pictograph) एक ऐसा आरेखीय प्रदर्शन है जिसमें संख्यात्मक डेटा को दर्शाने के लिए छोटे चित्रों, प्रतीकों या आइकॉन का उपयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए, एक पेड़ का प्रतीक 100 पेड़ों का प्रतिनिधित्व कर सकता है। यह प्राथमिक स्तर के छात्रों के लिए डेटा को समझने योग्य और रोचक बनाता है।

128. (D) A असत्य है, किन्तु R सत्य है।
ICT का उपयोग छात्रों को अलग-थलग नहीं करता, यदि इसे शैक्षणिक रूप से सही तरीके से लागू किया जाए। आधुनिक ICT उपकरण जैसे विकी, सहयोगी दस्तावेज़ और ऑनलाइन चर्चा मंच छात्रों में सहकर्मी संवाद और सहयोगी अधिगम (Collaborative Learning) को अत्यधिक बढ़ावा देते हैं। इसलिए पहला कथन गलत है और कारण सत्य है।

129. (B) वे कम सीमांत लागत के साथ एक साथ हजारों शिक्षार्थियों को होस्ट कर सकते हैं।
ई-लर्निंग प्लेटफॉर्मों की अत्यधिक स्केलेबिलिटी (Scalability) का मुख्य कारण यह है कि वे बिना अतिरिक्त भौतिक बुनियादी ढांचे या डेस्क स्थान की आवश्यकता के, बहुत कम सीमांत लागत पर एक साथ हजारों या लाखों शिक्षार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अनुदेशात्मक सामग्री और पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक वितरित कर सकते हैं।

130. (A) शिक्षकों और प्राचार्यों के लिए ऑनलाइन क्षमता निर्माण (Online Capacity Building)
दीक्षा (DIKSHA) प्लेटफॉर्म पर NISHTHA (National Initiative for School Heads' and Teachers' Holistic Advancement) का एकीकरण देश भर के प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के शिक्षकों और प्राचार्यों के ऑनलाइन क्षमता निर्माण और निरंतर पेशेवर विकास (CPD) के लिए किया गया है, ताकि शिक्षण गुणवत्ता में सुधार हो सके।

131. (C) विभिन्न एलएमएस प्लेटफॉर्मों पर सामग्री अंतर-संचालनीयता (Content Interoperability)
SCORM (Sharable Content Object Reference Model) मानक यह सुनिश्चित करता है कि एक ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के लिए बनाई गई डिजिटल सामग्री (Courses/Modules) बिना किसी तकनीकी समस्या के किसी भी अन्य SCORM-अनुपालन वाले लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) पर आसानी से चलाई, साझा और ट्रैक की जा सके।

132. (D) कम लागत वाली गैर-प्रक्षेपित पारंपरिक सामग्रियों को ऑफ़लाइन डिजिटल सामग्रियों के साथ जोड़ना।
बार-बार बिजली कटौती वाले क्षेत्रों में उपयुक्त तकनीक का सिद्धांत यह सुझाव देता है कि शिक्षा में रुकावट न आए। इसके लिए कम लागत वाली गैर-प्रक्षेपित पारंपरिक सामग्रियों (जैसे चार्ट, मॉडल) को बैटरियों पर चलने वाली ऑफ़लाइन डिजिटल सामग्रियों के साथ मिलाकर पढ़ाना सबसे व्यावहारिक और रणनीतिक समाधान है।

NODIA

133. (C) पाठ्यपुस्तक के पृष्ठों पर इंगित करने पर 3D ग्रह छवियों को प्रक्षेपित करने वाला एक ऐप
संवर्धित वास्तविकता (Augmented Reality) का सबसे बेहतरीन उदाहरण वह मोबाइल/टैबलेट ऐप है जो पाठ्यपुस्तक के 2D पृष्ठों पर कैमरा केंद्रित करने पर भौतिक पृष्ठ के ऊपर सौर मंडल की गतिमान 3D ग्रह छवियों को प्रक्षेपित कर देता है। यह वास्तविक पाठ्यपुस्तक को इंटरैक्टिव डिजिटल तत्वों से समृद्ध करता है।

134. (B) मल्टीमीडिया लर्निंग थ्योरी (Multimedia Learning Theory)
रिचर्ड मेयर का मल्टीमीडिया लर्निंग सिद्धांत (Multimedia Learning Theory) यह प्रतिपादित करता है कि लोग केवल शब्दों की तुलना में शब्दों और चित्रों (Graphics/Audio) के संयोजन से अधिक गहराई से सीखते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि मस्तिष्क दृश्य और शाब्दिक जानकारी को दो अलग-

अलग चैनलों के माध्यम से अधिक प्रभावी ढंग से संसाधित करता है।

135. (B) केवल II, III और IV
डिजिटल डिवाइड केवल हार्डवेयर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें इंटरनेट बैंडविड्थ की उपलब्धता, डेटा दरें, विभिन्न सामाजिक समूहों में डिजिटल साक्षरता का अंतर और दूरस्थ शिक्षा के दौरान उत्पन्न असमानताएं शामिल हैं। इसलिए कथन II, III और IV पूरी तरह से सही और व्यापक हैं।

136. (A) ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (Open Educational Resources - OER)
OER का पूर्ण रूप 'Open Educational Resources' (मुफ़्त/खुले शैक्षिक संसाधन) है। यह शिक्षण, अधिगम और शोध सामग्रियों को संदर्भित करता है जो सार्वजनिक डोमेन में रहती हैं या किसी खुले लाइसेंस के तहत जारी की जाती हैं, जिससे कोई भी व्यक्ति उन्हें मुफ़्त में एक्सेस, उपयोग, अनुकूलित और पुनर्वितरित कर सकता है।

137. (C) वे अधिगम के लिए स्वतंत्र रूप से सुलभ, खुले तौर पर लाइसेंस प्राप्त डिजिटल संपत्तियां हैं।
मुफ़्त/खुले शैक्षिक संसाधन (OER) की मुख्य पहचान यह है कि ये इंटरनेट पर स्वतंत्र रूप से सुलभ और खुले लाइसेंस (जैसे Creative Commons) के तहत उपलब्ध होते हैं। कोई भी शिक्षक या छात्र बिना किसी वित्तीय या कानूनी बाधा के इन्हें डाउनलोड, संशोधित, रीमिक्स और पुनः उपयोग कर सकता है।

138. (A) वैचारिक संबंधों की कल्पना करना (Visualize Conceptual Relationships)
ग्राफिक आयोजक (Graphic Organizers) जैसे कि वेन आरेख, माइंड मैप या अवधारणा मानचित्र दृश्य उपकरण हैं जो शिक्षार्थियों को विभिन्न विचारों, अवधारणाओं और सूचनाओं के बीच संरचनात्मक संबंधों की कल्पना करने, उन्हें वर्गीकृत करने और तार्किक रूप से व्यवस्थित करने में मदद करते हैं।

139. (D) जानकारी के छोटे, बाइट-आकार के टुकड़ों में सामग्री प्रदान करना
"माइक्रो-लर्निंग" (Microlearning) एक अनुदेशात्मक दृष्टिकोण है जिसके तहत अधिगम सामग्री को छोटे, बाइट-आकार (Bite-sized) के स्वतंत्र मॉड्यूल में विभाजित किया जाता है। प्रत्येक मॉड्यूल 2 से 5 मिनट का होता है जिसे छात्र मोबाइल उपकरणों पर आसानी से सीख सकते हैं, जिससे संज्ञानात्मक अतिभार से बचाव होता है।

140. (B) दस्तावेज़ कैमरा या विज़ुअलाइज़र (Document Camera or Visualiser)
दस्तावेज़ कैमरा या विज़ुअलाइज़र (Document Camera / Visualiser) एक आधुनिक हार्डवेयर उपकरण है जो किसी भी मुद्रित दस्तावेज़, पाठ्यपुस्तक के पन्नों, हस्तलिखित नोट्स या 3D वस्तुओं की वास्तविक समय में उच्च-रिज़ॉल्यूशन छवियां और वीडियो कैप्चर करके उन्हें प्रोजेक्टर या स्मार्ट स्क्रीन पर प्रदर्शित करता है।

141. (C) चरों (Variables) के साथ प्रयोग करने के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण प्रदान करता है
विज्ञान शिक्षण में सिमुलेशन सॉफ़्टवेयर का प्राथमिक उपयोग छात्रों को ऐसे खतरनाक, महंगे या सूक्ष्म प्रयोगों के विभिन्न चरों (Variables) में हेरफेर करने के लिए एक सुरक्षित, जोखिम-मुक्त डिजिटल वातावरण प्रदान करना है जिन्हें वास्तविक प्रयोगशाला में भौतिक रूप से दोहराना कठिन या असुरक्षित होता है।

142. (D) स्लाइडों में मुख्य बिंदु होने चाहिए, जबकि शिक्षक आंख का संपर्क बनाए रखता है और छात्रों के साथ बातचीत करता है।
प्रक्षेपित सामग्रियों का उपयोग करते समय स्लाइडों में केवल मुख्य बिंदु (Bullet Points) होने चाहिए। शिक्षक को स्क्रीन पर लिखे लंबे वाक्यों को सीधे पढ़ने के बजाय छात्रों के साथ निरंतर आंख का संपर्क (Eye Contact) बनाए रखना चाहिए और विषय वस्तु पर संवादात्मक चर्चा आयोजित करनी चाहिए।

143. (A) शाब्दिक प्रतीक (बोले गए शब्द/पाठ)
एडगर डेल के 'अनुभव का शंकु' (Cone of Experience) मॉडल में "शाब्दिक प्रतीक" (Verbal Symbols) सबसे शीर्ष पर स्थित होते हैं। यह स्थान सबसे अधिक अमूर्त (Abstract) अनुभवों का प्रतिनिधित्व करता है, जहाँ अधिगम केवल शब्दों, भाषा और अमूर्त प्रतीकों को सुनने या पढ़ने के माध्यम से घटित होता है।

144. (B) कालानुक्रमिक समय रेखा चार्ट (Chronological Time Line Chart)
कालानुक्रमिक समय रेखा चार्ट (Chronological Time Line Chart) विशेष रूप से ऐतिहासिक घटनाओं, राजवंशों या वैज्ञानिक खोजों को उनके सटीक समय क्रम (Chronological Order) में प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किया जाता है। यह छात्रों को घटनाओं के बीच समय और कारण-प्रभाव के संबंधों को समझने में मदद करता है।

145. (B) केवल I और III
शिक्षण सामग्री का सटीक होना और शिक्षार्थियों में जिज्ञासा व सक्रिय अधिगम को बढ़ावा देना अनिवार्य है। सामग्री का केवल दृष्टिगत रूप से आकर्षक होना और अनुदेशात्मक रूप से अप्रासंगिक होना पूरी तरह से अनुपयुक्त है, क्योंकि इससे शिक्षण के प्राथमिक उद्देश्य सिद्ध नहीं हो पाते हैं।

146. (A) संबंधों को दिखाने के लिए जोड़ने वाले शब्दों से जुड़े नोड्स (Nodes Connected by Linking Words)
अवधारणा मानचित्र (Concept Map) एक दृश्य आरेख है जो नोड्स (अवधारणाओं) को जोड़ने वाले शब्दों या क्रियाओं (Linking Words) द्वारा जोड़कर विचारों के बीच तार्किक संबंधों को प्रदर्शित करता है। यह संरचना शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक मानचित्र का प्रतिनिधित्व करती है और अर्थपूर्ण अधिगम को बढ़ावा देती है।

Click Here to Buy book on Flipkart

147. (C) वन्यजीवों पर एक टेलीविजन वृत्तचित्र (Television Documentary)
टेलीविजन वृत्तचित्र (Television Documentary) श्रव्य-दृश्य सामग्री (Audio-Visual Aid) का एक स्पष्ट उदाहरण है। यह एक साथ गतिशील दृश्य छवियों और सुसंगत पृष्ठभूमि ध्वनि/कथन दोनों का उपयोग करता है, जिससे शिक्षार्थियों की दृश्य और श्रवण दोनों ज्ञानेंद्रियां सक्रिय रूप से संलग्न होती हैं।

148. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
केवल इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड की भौतिक मौजूदगी बेहतर अधिगम परिणामों की गारंटी नहीं दे सकती। वास्तविक सुधार इस बात पर निर्भर करता है कि शिक्षक अपनी पाठ योजना में इसका शैक्षणिक रूप से कितना प्रभावी और संवादात्मक एकीकरण करता है। तकनीक केवल एक माध्यम है, शिक्षाशास्त्र मुख्य कुंजी है।

149. (C) शिक्षार्थियों को प्रेरित करने के लिए शिक्षा में अंक और बैज जैसे खेल तत्वों को लागू करना
शैक्षिक ऐप में "गैमिफिकेशन" (Gamification) का अर्थ गैर-गेम शैक्षिक संदर्भों में खेल के सिद्धांतों और तत्वों—जैसे कि अंक, बैज, लीडरबोर्ड और तत्काल फीडबैक—का उपयोग करना है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों के आंतरिक संवर्धन, प्रेरणा और विषय में जुड़ाव को बढ़ाना है।

150. (B) कक्षा के बाहर छात्रों द्वारा एक्सेस किए जाने वाले असमकालिक वीडियो व्याख्यान (Asynchronous Video Lectures)
फ़्लिप्ड क्लासरूम (Flipped Classroom) रणनीति असमकालिक वीडियो व्याख्यानों और ऑनलाइन अध्ययन सामग्रियों पर अत्यधिक निर्भर करती है। छात्र कक्षा के बाहर अपनी सुविधा अनुसार इन वीडियो को देखकर बुनियादी ज्ञान प्राप्त करते हैं, जिससे नियमित कक्षा समय का उपयोग उच्च-स्तरीय अधिगम और समस्या-समाधान में हो पाता है।

151. (D) पुनर्परिभाषा (Redefinition)
SAMR मॉडल का उच्चतम स्तर 'पुनर्परिभाषा' (Redefinition) है। यह स्तर तब प्राप्त होता है जब प्रौद्योगिकी शिक्षण वातावरण में ऐसे नए, अभूतपूर्व और अत्यधिक रचनात्मक कार्यों के निर्माण की अनुमति देती है जिन्हें बिना आधुनिक तकनीक के कर पाना पूरी तरह से असंभव था।

152. (A) कहानी सुनाने के साथ डिजिटल उपकरणों को एकीकृत करने पर लक्षित मेंटरिंग (Targeted Mentoring) प्रदान करना।
वरिष्ठ शिक्षकों द्वारा तकनीक का विरोध अक्सर आत्मविश्वास की कमी के कारण होता है। प्राचार्य को चाहिए कि वे दंडात्मक कार्रवाई करने के बजाय शिक्षक को लक्षित मेंटरिंग (Targeted Mentoring) प्रदान करें, जिससे वे अपनी पारंपरिक कहानी सुनाने की कला को डिजिटल उपकरणों (जैसे एनिमेटेड दृश्यों) के साथ एकीकृत कर सकें।

153. (C) यह छात्र असाइनमेंट के लिए पारदर्शी मानदंड-आधारित ग्रेडिंग (Criteria-Based Grading) प्रदान करता है।
LMS में एकीकृत "रुब्रिक" (Rubric) का मुख्य लाभ यह है कि यह असाइनमेंट और परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए स्पष्ट, पारदर्शी और मानदंड-आधारित ग्रेडिंग ढांचा प्रदान करता है। इससे छात्रों को यह सटीक जानकारी मिलती है कि उनसे क्या अपेक्षाएं हैं और उनके काम का मूल्यांकन कैसे किया जाएगा।

154. (A) सौर मंडल का 3D स्केल मॉडल
छात्रों को सौर मंडल के ग्रहों के आकार, क्रम और स्थानिक लेआउट (Spatial Layout) की सटीक समझ देने के लिए एक 3D स्केल मॉडल सबसे प्रभावी दृश्य सामग्री है। यह अमूर्त खगोलीय दूरियों और अनुपातों को एक मूर्त त्रि-आयामी रूप में कक्षा के भीतर प्रदर्शित करता है।

155. (D) स्क्रीन कैप्चर या स्निपिंग टूल (Screen Capture or Snipping Tool)
इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड में 'स्क्रीन कैप्चर' या 'स्निपिंग टूल' (Screen Capture / Snipping Tool) शिक्षक को किसी भी डिजिटल दस्तावेज़, सॉफ्टवेयर या वेबसाइट से अपनी पसंद की छवि या पाठ के विशिष्ट भाग को तुरंत कैप्चर करके सीधे व्हाइटबोर्ड कैनवास पर चिपकाने की सुविधा देता है।

156. (B) ऐसा अधिगम जहाँ प्रतिभागी अपनी सुविधा के अनुसार सामग्रियों तक पहुँचते हैं
ई-लर्निंग में "असमकालिक" (Asynchronous) अधिगम से तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहाँ शिक्षक और छात्र एक ही समय में जुड़े नहीं होते। शिक्षार्थी अपनी व्यक्तिगत सुविधा, समय और गति के अनुसार पूर्व-रिकॉर्डेड वीडियो, डिजिटल फाइलों और पठन सामग्रियों तक पहुँच प्राप्त करके अध्ययन करते हैं।

157. (C) सामग्री तार्किक रूप से सरल से जटिल अवधारणाओं तक अनुक्रमित है।
एक अच्छी शैक्षिक पाठ्यपुस्तक की प्राथमिक विशेषता यह है कि उसकी विषय-वस्तु मनोवैज्ञानिक और शैक्षणिक सिद्धांतों के अनुसार संरचित होती है। जानकारी का अनुक्रमण हमेशा ज्ञात से अज्ञात और सरल से जटिल अवधारणाओं की ओर तार्किक रूप से आगे बढ़ता है, जिससे छात्र आसानी से समझ सकें।

158. (D) अमूर्त सैद्धांतिक संचरण से व्यावहारिक अनुभवात्मक समझ में
वर्चुअल लैब और सिमुलेशन जैसे ICT उपकरणों का उपयोग शिक्षण को पारंपरिक अमूर्त सैद्धांतिक संचरण से हटाकर व्यावहारिक अनुभवात्मक समझ (Experiential Understanding) की ओर ले जाता है। छात्र अवधारणाओं के साथ डिजिटल रूप से प्रयोग करते हैं, जिससे उनका वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रयोगात्मक अधिगम सुदृढ़ होता है।

Downloaded from www.pdf.tube

को रखा जाता है। घर्षण के कारण ये कट-आउट बोर्ड पर टिके रहते हैं, जिससे शिक्षक अनुक्रमिक प्लेसमेंट द्वारा कहानी सुनाने या अवधारणाओं का निर्माण करने में सक्षम होता है।

111. (A) क्लाउड-आधारित वर्ड प्रोसेसर (Cloud-Based Word Processors)
क्लाउड-आधारित वर्ड प्रोसेसर (जैसे Google Docs या MS Word Online) ऐसे ICT उपकरण हैं जो विभिन्न स्थानों पर मौजूद कई छात्रों को एक ही दस्तावेज़ पर एक साथ (Real-Time) काम करने और सहयोग करने की अनुमति देते हैं। यह सहकर्मी अधिगम और समूह परियोजनाओं को अत्यधिक सुगम एवं प्रभावी बनाता है।

112. (B) छात्र पूछताछ को बढ़ावा देने के लिए 'विराम दें और चर्चा करें' (Pause and Discuss) विधियों का उपयोग करें।
केवल लंबे वीडियो दिखाना निष्क्रिय अधिगम को जन्म देता है। स्मार्टबोर्ड का शैक्षणिक उपयोग बढ़ाने के लिए शिक्षक को 'विराम दें और चर्चा करें' (Pause and Discuss) रणनीति अपनानी चाहिए। वीडियो के मुख्य बिंदुओं पर रुककर सवाल पूछने से छात्र सक्रिय रूप से सोचते हैं, जिससे उनकी वैचारिक समझ में वास्तविक सुधार होता है।

113. (B) सभी प्रतिभागियों को एक ही समय में ऑनलाइन कनेक्ट होना चाहिए।
समकालिक (Synchronous) ई-लर्निंग सत्र की मौलिक शर्त यह है कि शिक्षक और सभी नामांकित शिक्षार्थियों को एक ही निर्धारित समय में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लाइव कनेक्ट होना अनिवार्य है। यह व्यवस्था वास्तविक समय में तत्काल संवाद, संदेह निवारण और संवादात्मक शिक्षण को संभव बनाती है।

114. (A) डिजिटल शिक्षा और स्क्रीन समय दिशानिर्देश
भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी "प्रज्ञाता" (PRAGYATA) दिशानिर्देश मुख्य रूप से डिजिटल शिक्षा से संबंधित हैं। इनमें ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों के लिए सुरक्षित स्क्रीन समय (Screen Time), डिजिटल शिक्षण विधियों और साइबर सुरक्षा हेतु व्यापक मार्गदर्शन और मानक प्रदान किए गए हैं।

115. (C) दीक्षा (DIKSHA)
दीक्षा (DIKSHA) प्लेटफॉर्म खुले शैक्षिक संसाधनों के राष्ट्रीय भंडार के रूप में कार्य करता है। यह मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान को बढ़ावा देने वाली 'निपुण भारत' (NIPUN Bharat) पहल के साथ गहराई से एकीकृत है, जो प्राथमिक स्तर के बच्चों हेतु बहुभाषी, आकर्षक और सुलभ डिजिटल अधिगम सामग्रियां उपलब्ध कराता है।

116. (D) छात्र जुड़ाव और अंकों पर समेकित विश्लेषण (Analytics) स्वचालित रूप से उत्पन्न करना
स्कूल प्रशासन के लिए लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) का एक प्रमुख लाभ यह है कि यह प्रत्येक छात्र की ऑनलाइन उपस्थिति, गतिविधियों में जुड़ाव, असाइनमेंट सबमिशन और टेस्ट अंकों पर स्वचालित रूप से विस्तृत समेकित विश्लेषण (Analytics) और रिपोर्ट उत्पन्न करता है, जिससे प्रगति की निगरानी आसान हो जाती है।

117. (C) गतिविधि-आधारित सामग्री जैसे गणित या विज्ञान किट
गणित या विज्ञान किट जैसी गतिविधि-आधारित सामग्रियां "हैंड्स-ऑन, माइंड्स-ऑन" (Hands-on, Minds-on) दृष्टिकोण पर आधारित होती हैं। ये छात्रों को भौतिक जोड़-तोड़ वाली वस्तुओं (Manipulatives) को छूकर, व्यवस्थित करके और प्रयोग करके अमूर्त अवधारणाओं का प्रत्यक्ष व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं।

118. (B) अधिगम को वास्तविक दुनिया से जोड़ने के लिए उपयोग की जाने वाली वास्तविक जीवन की वस्तुएं या कलाकृतियाँ
शिक्षण सहायक सामग्री के संदर्भ में 'रियालिया' (Realia) से तात्पर्य उन वास्तविक जीवन की वस्तुओं, पौधों, सिक्कों, औजारों या कलाकृतियों से है जिन्हें कक्षा में शिक्षण हेतु लाया जाता है। इनका उपयोग अधिगम को वास्तविक दुनिया से जोड़ने तथा छात्रों को मूर्त संवेदी अनुभव प्रदान करने के लिए किया जाता है।

119. (D) रियालिया (Realia)
इतिहास की कक्षा में वास्तविक सिक्के और डाक टिकट लाना 'रियालिया' (Realia) का एक आदर्श उदाहरण है। प्रामाणिक ऐतिहासिक वस्तुओं का अवलोकन करने से छात्रों की इतिहास में रुचि जगती है और वे अतीत की कालखंड संबंधी अवधारणाओं तथा सांस्कृतिक संदर्भों से सीधा और मूर्त जुड़ाव महसूस करते हैं।

NODIA

120. (A) दृश्यता का सिद्धांत (Principle of Visibility)
दृश्यता का सिद्धांत (Principle of Visibility) यह अनिवार्य करता है कि कक्षा में उपयोग की जाने वाली कोई भी दृश्य सामग्री या लिखावट इतनी पर्याप्त बड़ी, स्पष्ट और सुपाठ्य होनी चाहिए कि कमरे में अंतिम पंक्ति में बैठा छात्र भी उसे बिना किसी शारीरिक या मानसिक तनाव के आसानी से देख और पढ़ सके।

121. (C) वे सक्रिय प्रतिक्रिया और फीडबैक (Feedback) के साथ अनुक्रमिक फ्रेमों में जानकारी प्रस्तुत करती हैं।
बी.एफ. स्किनर के व्यवहारवादी सिद्धांतों पर आधारित "अभिक्रमित अनुदेशन" (Programmed Instruction) में पाठ्य सामग्री को छोटे, तार्किक रूप से अनुक्रमित फ्रेमों (Frames) में प्रस्तुत किया जाता है। इसमें शिक्षार्थी को तुरंत सक्रिय प्रतिक्रिया देनी होती है और उसे परिणाम का तत्काल फीडबैक (Immediate Feedback) प्राप्त होता है।

122. (A) स्वयं प्रभा चैनल (SWAYAM PRABHA Channels)
पीएम ई-विद्या पहल के तहत शैक्षिक प्रसारण के लिए समर्पित DTH टीवी चैनलों को "स्वयं प्रभा" (SWAYAM PRABHA) चैनलों के रूप में जाना जाता है। ये चैनल GSAT-15 उपग्रह का उपयोग करके चौबीसों घंटे उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक कार्यक्रमों का सीधे घरों में मुफ़्त प्रसारण सुनिश्चित करते हैं।

चौबीसों घंटे (24x7) गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण सुनिश्चित करता है, जिससे दूरस्थ शिक्षार्थियों को लाभ मिलता है।

172. (B) प्रक्रियाओं और चरों को गतिशील रूप से प्रदर्शित करने के लिए इंटरैक्टिव सिमुलेशन।
जल चक्र जैसी प्राकृतिक प्रक्रियाओं को सिखाने के लिए डिजिटल इंटरैक्टिव सिमुलेशन सबसे श्रेष्ठ माध्यम है। यह वाष्पीकरण और सघनता जैसे गतिशील घटकों और चरों में बदलाव को लाइव दिखाता है, जिससे अमूर्त वैज्ञानिक चक्र को छात्र आसानी से समझ और अनुभव कर सकते हैं।

173. (C) पारंपरिक कक्षा विधियों के साथ ऑनलाइन डिजिटल मीडिया को जोड़ना
"मिश्रित अधिगम" (Blended Learning) एक आधुनिक अनुदेशात्मक दृष्टिकोण है जो पारंपरिक प्रत्यक्ष (Face-to-Face) कक्षा शिक्षण पद्धतियों को ऑनलाइन डिजिटल मीडिया, ई-लर्निंग गतिविधियों और स्व-गति से अध्ययन के साथ एकीकृत करता है। यह दोनों प्रणालियों के लाभों का एक संतुलित समन्वय प्रदान करता है।

174. (D) विशिष्ट सामग्री सिखाने के लिए प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने का आदर्श शिक्षक ज्ञान
TPACK ढाँचे में, तीनों वृत्त खंडों (प्रौद्योगिकी, शिक्षाशास्त्र और विषय सामग्री) का केंद्रीय प्रतिच्छेदन उस आदर्श शिक्षक ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है जो यह दर्शाता है कि विशिष्ट विषय वस्तु को प्रभावी ढंग से सिखाने के लिए उपयुक्त तकनीक और सही शिक्षाशास्त्र का एकीकरण कैसे किया जाए।

175. (A) केवल I, II और III
प्रभावी शिक्षक प्रशिक्षण का ध्यान उपकरण संचालन के बजाय उसके शैक्षणिक अनुप्रयोग पर होना चाहिए। इसके लिए निरंतर तकनीकी सहयोग और सकारात्मक शिक्षक दृष्टिकोण आवश्यक है। करियर में केवल एक बार प्रशिक्षण देना अपर्याप्त है; नई तकनीकों के अनुसार प्रशिक्षण लगातार चलते रहना चाहिए।

176. (B) वर्गीकरण या ट्री चार्ट (Classification or Tree Chart)
ट्री चार्ट (Tree Chart) की विशेषता उसकी शाखाबद्ध संरचना होती है। यह शीर्ष पर एक मुख्य व्यापक अवधारणा से शुरु होता है और नीचे की ओर विभिन्न श्रेणियों व उप-श्रेणियों में विभाजित होता है। इसका उपयोग जानवरों, वनस्पतियों या व्यावसायिक प्रणालियों के वर्गीकरण को दिखाने में होता है।

177. (B) दो थोड़ा ऑफसेट 2D चित्रों से बनाया गया 3D गहराई का एक ऑप्टिकल भ्रम
स्टीरियोस्कोप (Stereoscope) एक पारंपरिक दृश्य उपकरण है जो दो थोड़े अलग कोणों (Offset) से खींचे गए 2D समतल चित्रों को एक साथ दोनों आँखों के सामने प्रस्तुत करके देखने वाले के मस्तिष्क में त्रि-आयामी (3D) गहराई और स्थान का ऑप्टिकल भ्रम पैदा करता है।

178. (A) अधिगम का सुगमकर्ता और मेंटर (Facilitator and Mentor)
आईसीटी-समृद्ध और ई-लर्निंग कक्षाओं में शिक्षक की भूमिका ज्ञान के एकमात्र संचरक के बजाय अधिगम के सुगमकर्ता (Facilitator) और मेंटर की हो जाती है। शिक्षक छात्रों को सही दिशा दिखाता है, डिजिटल संसाधनों के नैतिक उपयोग में मार्गदर्शन करता है और आलोचनात्मक सोच विकसित करने में मदद करता है।

179. (C) स्क्रीन रीडर सॉफ़्टवेयर और ऑडियो पुस्तकें (Screen Reader Software and Audio Books)
दृष्टिबाधित छात्रों के लिए स्क्रीन रीडर सॉफ़्टवेयर (जैसे NVDA, JAWS) और ऑडियो पुस्तकें (Audio Books) सबसे प्रभावी श्रवण शिक्षण सामग्रियां हैं। ये तकनीकें स्क्रीन पर मौजूद लिखित पाठ को उच्च-गुणवत्ता वाली आवाज़ में बदलकर छात्रों को स्वतंत्र रूप से अध्ययन करने में सक्षम बनाती हैं।

180. (D) मुद्रित विषयों को डिजिटल मल्टीमीडिया सामग्री से जोड़ने वाले क्यूआर (QR) कोड प्रदान करना
दीक्षा (DIKSHA) के तहत "ऊर्जावान पाठ्यपुस्तकों" (Energized Textbooks) का मुख्य उद्देश्य मुद्रित पाठ्यपुस्तकों में क्यूआर कोड शामिल करना है। इन कोडों को स्कैन करके छात्र और शिक्षक पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु से संबंधित पूरक डिजिटल वीडियो, इंटरैक्टिव मॉडल और मूल्यांकनों तक सीधे पहुँच सकते हैं।

181. (C) तकनीक के उपयोग के परिणामस्वरूप मिलने वाले परिणामों में असमानताएं (Inequalities in Outcomes)
"तृतीय-स्तरीय डिजिटल डिवाइड" केवल हार्डवेयर पहुँच या उपयोग कौशल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह तकनीक के उपयोग से प्राप्त होने वाले वास्तविक सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक परिणामों में अंतर (Inequalities in Outcomes) पर केंद्रित है—जैसे कि तकनीक का उपयोग करके कौन बेहतर अवसर हासिल कर पाता है।

182. (B) सभी ग्रेडों के लिए एक साझा घूर्णन समय-सारणी (Shared Rotational Timetable) के साथ एक स्मार्ट कक्षा स्थापित करें।
सीमित बजट में सभी छात्रों को तकनीक का समान अवसर देने के लिए एक साझा घूर्णन समय-सारणी (Shared Rotational Timetable) के साथ एक स्मार्ट कक्षा स्थापित करना सबसे रणनीतिक प्रबंधकीय निर्णय है। इससे स्कूल का प्रत्येक छात्र और शिक्षक बारी-बारी से डिजिटल संसाधनों का लाभ उठा सकता है।

183. (D) एक वीडियो कॉन्फ्रेंस (Video Conference)
वीडियो कॉन्फ्रेंस (Video Conference) एक "द्वि-मार्गी" (Two-Way) श्रव्य-दृश्य माध्यम है। इसमें दोनों तरफ के प्रतिभागी एक ही समय में एक-दूसरे को देख और सुन सकते हैं तथा वास्तविक समय में प्रश्न पूछकर विचार-विमर्श कर सकते हैं, जो इसे एकतरफ़ा प्रसारण माध्यमों से बेहतर बनाता है।

Click Here to Buy book on Amazon

(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

31. किसी बड़ी कक्षा का प्रबंधन करते समय, सभी छात्रों के बीच सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी शिक्षण रणनीति सबसे प्रभावी है?
(A) पूरी अवधि के लिए निरंतर शिक्षक-नेतृत्व वाला व्याख्यान (Teacher-led Lecture)।
(B) थिंक-पेयर-शेयर (Think-Pair-Share) और छोटे समूह के सहयोगात्मक कार्य।
(C) स्पष्ट उद्देश्यों के बिना असंचरित खेल-कूद।
(D) केवल उन छात्रों को बुलाना जो पहले हाथ उठाते हैं।

32. बड़ी कक्षाओं में, 'एक्शन ज़ोन' (Action Zone - वह क्षेत्र जहाँ शिक्षक छात्रों के साथ सबसे अधिक अंतःक्रिया करता है) की अवधारणा आमतौर पर किस आकार में बनती है यदि बैठने की व्यवस्था पारंपरिक पंक्तियों में है?
(A) कमरे के पीछे विशेष रूप से स्थित एक विस्तृत गोलाकार व्यवस्था।
(B) पूरी तरह से साइड की दीवारों के साथ चलने वाली एक विस्तारित 'U' आकार की व्यवस्था।
(C) केंद्र और सामने की ओर एक उल्टा 'T' आकार।
(D) सीधे पूरी कक्षा में फैली एक लंबी विकर्ण रेखा।

33. बड़ी कक्षाओं के प्रबंधन के लिए निम्नलिखित रणनीतियों पर विचार कीजिए:
I. सामान्य समझ की जाँच के लिए सामूहिक अनुक्रिया (Choral Responses) का उपयोग करना।
II. त्वरित रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) के लिए 'टिकेट-आउट-द-डोर' (Exit Slip) लागू करना।
III. शोर को रोकने के लिए सहकर्मी शिक्षण (Peer Tutoring) से बचना।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

34. एक प्राचार्य (Principal) एक ही कक्षा में 60 छात्रों को संभालने वाले शिक्षक को 'मैक्रो-मैनेजमेंट' (Macromanagement) रणनीतियों को लागू करने की सलाह देता है। निम्नलिखित में से कौन सा ऐसी रणनीति का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है?
(A) प्रत्येक छात्र के लिए व्यक्तिगत, अत्यधिक विस्तृत दैनिक लिखित फीडबैक (Individual Feedback) व्यक्तिगत रूप से लिखने का प्रयास करना।
(B) उच्च समग्र उत्तीर्ण दर की गारंटी के लिए केवल शीर्ष पांच प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर शिक्षण ऊर्जा केंद्रित करना।
(C) दैनिक प्रबंधन समय बचाने के लिए प्रत्येक पाठ के दौरान मामूली व्यवहारात्मक उल्लंघनों को पूरी तरह से नजरअंदाज करना।
(D) फीडबैक को प्रबंधित करने के लिए सहकर्मी और आत्म-मूल्यांकन (Peer and Self-Assessment) के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल स्थापित करना।

35. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) में पूर्ण निरंतरता स्थापित करने के लिए पूरे शैक्षणिक वर्ष में बैठने की व्यवस्था निश्चित रहनी चाहिए।
कारण (R): विभिन्न शिक्षण उद्देश्यों, जैसे सहकारी अधिगम (Cooperative Learning) या स्वतंत्र परीक्षण, के लिए डेस्क के विभिन्न भौतिक विन्यासों की आवश्यकता होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

36. संपूर्ण-कक्षा चर्चा को सुगम बनाने और शिक्षक को प्रत्येक छात्र का चेहरा आसानी से देखने की अनुमति देने के लिए कौन सी बैठने की व्यवस्था सबसे उपयुक्त है?
(A) हॉर्सशू या अर्ध-वृत्त (Horseshoe or Semi-circle)
(B) पारंपरिक सीधी पंक्तियाँ (Traditional Straight Rows)
(C) छोटे पृथक समूह (Small Isolated Clusters)
(D) दीवारों की ओर मुख किए हुए डेस्क

37. एक शिक्षक परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning) गतिविधि आयोजित करना चाहता है जहाँ छात्रों को एक मॉडल बनाने के लिए चार के समूहों में सहयोग करना अनिवार्य है। कौन सी बैठने की व्यवस्था सबसे उपयुक्त है?
(A) कोणीय पंक्तियों के साथ स्टेडियम बैठने की व्यवस्था
(B) एक क्लासिक U-आकार की बैठने की व्यवस्था (U-shaped Seating)
(C) क्लस्टर बैठने की व्यवस्था (Cluster Seating)
(D) आगे की ओर मुख किए हुए पारंपरिक डेस्क जोड़े

38. बैठने की व्यवस्था के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. पंक्तियाँ आम तौर पर स्वतंत्र कार्य के लिए और अनावश्यक बातचीत को कम करने के लिए सबसे प्रभावी होती हैं।
II. क्लस्टर बैठने की व्यवस्था (Cluster Seating) छात्र-से-छात्र अंतःक्रिया को अधिकतम करती है।
III. छात्र के साथ शिक्षक की भौतिक निकटता का छात्र के व्यवहार पर कोई मापने योग्य प्रभाव नहीं पड़ता है।

NODIA

196. (D) डिजिटल सामग्री, सुरक्षा और नैतिक संसाधन उपयोग का मूल्यांकन करना
शिक्षकों के लिए "डिजिटल साक्षरता" (Digital Literacy) का अर्थ केवल कंप्यूटर चलाना नहीं है, बल्कि इसमें ऑनलाइन डिजिटल सामग्री की प्रामाणिकता का गंभीर मूल्यांकन करना, साइबर सुरक्षा नियमों का पालन करना और डिजिटल संसाधनों का शैक्षणिक एवं नैतिक उपयोग करने की क्षमता होना शामिल है।

197. (C) मुक्त विद्या वाणी और शिक्षा वाणी (Mukta Vidya Vani and Shiksha Vani)
पीएम ई-विद्या के तहत 'मुक्त विद्या वाणी' (एनआईओएस का इंटरनेट ऑडियो रेडियो) और 'शिक्षा वाणी' (सीबीएसई का पॉडकास्ट ऐप) ऐसी पहलें हैं जो विशेष रूप से उन क्षेत्रों के छात्रों तक पहुँचने के लिए रेडियो प्रसारण और पॉडकास्ट पर ध्यान केंद्रित करती हैं जहाँ टीवी/इंटरनेट सुलभ नहीं है।

198. (B) मुद्रित कार्यपुस्तिकाएं प्रदान करें और स्कूल के घंटों के दौरान डिजिटल पहुंच प्रदान करें।
डिजिटल डिवाइड से जूझ रहे ग्रामीण स्कूल में समानता और न्याय सुनिश्चित करने का सबसे न्यायसंगत तरीका यह है कि छात्रों को घर पर अभ्यास हेतु मुद्रित कार्यपुस्तिकाएं दी जाएं तथा डिजिटल संसाधनों का उपयोग करने के लिए स्कूल अवधि के दौरान ही कंप्यूटर प्रयोगशाला में समय उपलब्ध कराया जाए।

199. (D) बोर्ड की दृश्यता और आंख का संपर्क बनाए रखने के लिए 45-डिग्री के कोण पर खड़े होना।
चाकबोर्ड पर लिखते समय शिक्षक को बोर्ड की सतह से 45-डिग्री के कोण पर खड़ा होना चाहिए। इस स्थिति से शिक्षक की लिखावट छात्रों के लिए दृश्यमान रहती है, और शिक्षक लिखते समय भी आसानी से मुड़कर छात्रों के साथ आंख का संपर्क (Eye Contact) बनाए रख सकता है।

200. (A) संवादात्मक, अनुभवात्मक अधिगम का निर्माण करना जो छात्र दक्षताओं में सुधार करता है
आधुनिक शिक्षा नीतियों के अनुसार, शिक्षण सामग्री और प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने का अंतिम लक्ष्य एक ऐसा संवादात्मक और अनुभवात्मक अधिगम वातावरण बनाना है जो रटने की प्रणाली को समाप्त करे तथा छात्रों की व्यावहारिक दक्षताओं, आलोचनात्मक चिंतन और वैचारिक समझ में वास्तविक सुधार लाए।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 06

कक्षा प्रबंधन की तकनीकें

1. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) के पारिस्थितिक मॉडल (Ecological Model) को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
   (A) यह कक्षा को एक जटिल वातावरण के रूप में देखता है जहाँ कई अंतःक्रियात्मक घटनाएँ एक साथ घटित होती हैं और निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है।
   (B) यह पुरस्कार और दंड के माध्यम से व्यक्तिगत छात्रों के व्यवहार संशोधन (Behavior Modification) पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करता है।
   (C) यह छात्र जुड़ाव के एकमात्र निर्धारक के रूप में कक्षा की भौतिक व्यवस्था पर बल देता है।
   (D) यह पर्यावरणीय स्थिरता बनाए रखने के लिए मुख्य रूप से सख्त दंडात्मक उपायों पर निर्भर करता है।

2. कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) के दायरे के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
   (A) इसमें भौतिक स्थान, सामग्री और समय का कुशल आयोजन शामिल है।
   (B) इसमें छात्र अधिगम को सुगम बनाने के लिए सक्रिय दिनचर्या (Proactive Routines) स्थापित करना शामिल है।
   (C) यह कक्षा अनुशासन (Classroom Discipline) का पर्याय है और केवल दुर्व्यवहार को सुधारने पर ध्यान केंद्रित करता है।
   (D) इसमें सकारात्मक कक्षा वातावरण को बढ़ावा देना और पारस्परिक संबंध बनाना शामिल है।

3. प्रभावी कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
   I. यह मुख्य रूप से प्रतिक्रियाशील (Reactive) है, जो शिक्षण के दौरान उत्पन्न होने वाले मुद्दों का समाधान करता है।
   II. यह व्यवधानों को न्यूनतम करके अकादमिक अधिगम समय (Academic Learning Time) को अधिकतम करता है।
   III. यह छात्र स्व-नियमन (Self-Regulation) और स्वायत्तता को बढ़ावा देता है।
   ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
   (A) I और II
   (B) II और III
   (C) I और III
   (D) I, II और III

4. एक नवनियुक्त शिक्षक का अवलोकन करते हुए प्राचार्य (Principal) ध्यान देते हैं कि शिक्षक कालांश (Period) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सामग्री व्यवस्थित करने और उपस्थिति लेने में बिताता है, जिससे शिक्षण के लिए बहुत कम समय बचता है। कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) के किस पहलू की मुख्य रूप से कमी है?
   (A) व्यवहारात्मक संशोधन (Behavioral Modification)
   (B) सुधारात्मक अनुशासन (Corrective Discipline)
   (C) पुनरुद्धारक अभ्यास (Restorative Practice)
   (D) शिक्षण समय प्रबंधन (Instructional Time Management)

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
   अभिकथन (A): प्रभावी कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) के लिए शिक्षक को प्रभुत्व और भय के माध्यम से अधिकार स्थापित करने की आवश्यकता होती है।
   कारण (R): एक सहायक और लोकतांत्रिक कक्षा का वातावरण अक्सर छात्र अनुपालन और शैक्षणिक उपलब्धि में कमी का कारण बनता है।
   (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
   (B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
   (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
   (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

NODIA

6. कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) के संदर्भ में, 'विथइटनेस' (Withitness) शब्द का क्या अर्थ है?
   (A) शिक्षक की शारीरिक रूप से सक्रिय रहने और कक्षा में चारों ओर घूमने की क्षमता।
   (B) सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र (Culturally Responsive Pedagogy) तैयार करने की शिक्षक की क्षमता।
   (C) शिक्षक की हर समय कक्षा के सभी हिस्सों में क्या हो रहा है, इसके प्रति जागरूकता।
   (D) नकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Negative Reinforcement) को प्रभावी ढंग से लागू करने में शिक्षक का कौशल।

7. कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) में, 'ओवरलैपिंग' (Overlapping) की अवधारणा को शिक्षक की किस क्षमता के रूप में सर्वोत्तम रूप से वर्णित किया गया है:

(A) विभिन्न विषयों को एक एकल अंतर-विषय पाठ में मिलाना।
(B) यह सुनिश्चित करना कि समूह कार्य को बढ़ावा देने के लिए छात्र ओवरलैपिंग बैठने की व्यवस्था में बैठें।
(C) कक्षा के नियमों और स्कूल नीतियों की सीमाओं का उल्लंघन करना।
(D) ध्यान भटकाए बिना एक साथ दो या अधिक मुद्दों या गतिविधियों पर ध्यान देना।

8. एक विद्यालय का परिदृश्य एक ऐसे शिक्षक को दर्शाता है जो पाठ के दौरान एक तेज गति को सफलतापूर्वक बनाए रखता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई गति धीमी न हो या अनावश्यक भटकाव न हो। यह शिक्षक कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) के किस सिद्धांत का प्रदर्शन कर रहा है?
(A) सुगमता और गति (Smoothness and Momentum)
(B) समूह चेतावनी (Group Alerting)
(C) तृप्ति से बचाव (Satiation Avoidance)
(D) विरति रणनीतियाँ (Desist Strategies)

9. प्रभावी कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) के निम्नलिखित सिद्धांतों पर विचार कीजिए:
I. अनुमानित दिनचर्या के साथ एक संरचित वातावरण स्थापित करना।
II. व्यवहार को नियंत्रित करने के लिए मुख्य रूप से शिक्षक-निर्देशित व्याख्यान विधियों पर ध्यान केंद्रित करना।
III. ऑफ-टास्क (Off-task) व्यवहार को धीरे से पुनर्निर्देशित करने के लिए गैर-मौखिक संकेतों (Non-verbal Cues) का उपयोग करना।
IV. विविध और अर्थपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से छात्र जुड़ाव को बढ़ावा देना।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) I, III और IV
(D) II, III और IV

10. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): दीर्घकालिक उपयुक्त व्यवहार को बढ़ावा देने में निरोधात्मक अनुशासन (Preventive Discipline) आम तौर पर सुधारात्मक अनुशासन (Corrective Discipline) की तुलना में अधिक प्रभावी होता है।
कारण (R): निरोधात्मक अनुशासन (Preventive Discipline) दुर्व्यवहार के मूल कारणों को संबोधित करता है और ऐसा वातावरण बनाता है जहाँ विघटनकारी व्यवहार होने की संभावना कम होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

11. कक्षा प्रबंधन मॉडल (Classroom Management Models) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ा गलत सुमेलित है?
(A) जैकब कौनिन (Jacob Kounin) – दृढ अनुशासन (Assertive Discipline)
(B) बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner) – व्यवहार संशोधन (Behavior Modification)
(C) विलियम ग्लैसर (William Glasser) – पसंद सिद्धांत (Choice Theory)
(D) रुडोल्फ ड्रेकर्स (Rudolf Dreikurs) – तार्किक परिणाम (Logical Consequences)

12. एक शिक्षक स्कूल के पहले सप्ताह के दौरान कक्षा में प्रवेश करने, असाइनमेंट जमा करने और मदद मांगने की अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है। यह रणनीति किसका एक उदाहरण है?
(A) सुधारात्मक अनुशासन (Corrective Discipline)
(B) दंडात्मक अनुशासन (Punitive Discipline)
(C) निरोधात्मक अनुशासन (Preventive Discipline)
(D) पुनरुद्धारक अनुशासन (Restorative Discipline)

13. निम्नलिखित में से कौन सी निरोधात्मक अनुशासन (Preventive Discipline) के बजाय सुधारात्मक अनुशासन (Corrective Discipline) रणनीति का प्रतिनिधित्व करती है?
(A) सहयोगात्मक रूप से स्पष्ट कक्षा मानदंडों और व्यवहारात्मक अपेक्षाओं को स्थापित करना।
(B) भारी आवागमन की रुकावटों को कम करने के लिए कक्षा के भौतिक लेआउट को व्यवस्थित करना।
(C) एक संभावित रूप से विघटनकारी छात्र के पास खड़े होकर सक्रिय सामीप्य नियंत्रण (Proximity Control) का उपयोग करना।
(D) एक सहपाठी को बाधित करने वाले छात्र को औपचारिक मौखिक चेतावनी और टाइम-आउट (Time-out) देना।

14. निरोधात्मक और सुधारात्मक अनुशासन (Preventive and Corrective Discipline) के बीच अंतर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. निरोधात्मक अनुशासन पर्यावरणीय डिजाइन और पाठ योजना पर केंद्रित है।
II. सुधारात्मक अनुशासन में दुर्व्यवहार होने के बाद हस्तक्षेप करना शामिल है।
III. निरोधात्मक अनुशासन मुख्य रूप से दंडात्मक प्रतिबंधों पर निर्भर करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) I और II
(C) II और III
(D) I, II और III

Click Here to Buy book on Flipkart

(C) एक गंभीर औपचारिक लिखित अनुशासनात्मक चेतावनी जारी करना।
(D) स्कूल के बाद डिटेंशन (Detention) अनिवार्य करना।

47. पाठ के दौरान दो छात्रों के बीच अचानक हुई मौखिक बहस को संभालने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी सबसे उपयुक्त प्रारंभिक रणनीति मानी जाती है?
(A) विघटनकारी स्थिति को पूरी तरह से नजरअंदाज करें और पाठ पढ़ाना जारी रखें।
(B) बाकी कक्षा से सार्वजनिक रूप से यह निर्णय लेने के लिए कहें कि किस छात्र की गलती है।
(C) छात्रों को अलग करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शांति से हस्तक्षेप करें।
(D) दोनों शामिल छात्रों को मौके पर ही स्कूल परिसर से स्थायी रूप से निष्कासित कर दें।

48. विघटनकारी व्यवहार को संभालने के लिए निम्नलिखित तकनीकों पर विचार कीजिए:
I. सार्वजनिक डांट के बजाय व्यक्तिगत पुनर्निर्देशन (Private Redirection)।
II. अधिकार स्थापित करने के लिए कक्षा के सामने छात्र से बहस करना।
III. व्यवहार के प्रभाव को संप्रेषित करने के लिए 'आई' संदेशों ('I' Messages) का उपयोग करना।
IV. व्यवहार के पूर्ववृत्त (Antecedent) या ट्रिगर की पहचान करना।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I, II और III
(B) I, III और IV
(C) II, III और IV
(D) I, II, III और IV

49. एक छात्र व्याख्यान के दौरान एक कागज का हवाई जहाज फेंकता है। शिक्षक शांति से पास जाता है, व्याख्यान रोके बिना हवाई जहाज उठाता है, उसे कूड़ेदान में डालता है, और छात्र के पास खड़े होकर पढ़ाना जारी रखता है। यह रणनीति किसका उदाहरण है?
(A) व्यवस्थित सकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Systematic Positive Reinforcement)
(B) तत्काल शारीरिक दंड (Immediate Corporal Punishment)
(C) एक औपचारिक पुनरुद्धारक न्याय सर्कल (Restorative Justice Circle)
(D) सामीप्य नियंत्रण (Proximity Control)

50. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): कक्षा में व्यवहार संशोधन तकनीक (Behavior Modification Techniques) मुख्य रूप से क्रियाप्रसूत अनुकूलन (Operant Conditioning) के सिद्धांतों पर आधारित हैं।
कारण (R): क्रियाप्रसूत अनुकूलन मानता है कि व्यवहार इसके परिणामों (सुदृढ़ीकरण और दंड) द्वारा आकार लेता है और बना रहता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

51. व्यवहार संशोधन (Behavior Modification) में, 'प्रिमैक सिद्धांत' (Premack Principle) में क्या शामिल है?
(A) अतीत के इतिहास के आधार पर दुर्व्यवहार होने से पहले किसी छात्र को अग्रिम रूप से दंडित करना।
(B) छात्र के अवांछनीय व्यवहार को तब तक पूरी तरह से नजरअंदाज करना जब तक कि वह स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाए।
(C) कम पसंदीदा गतिविधि को सुदृढ़ करने के लिए एक पसंदीदा गतिविधि के साथ जोड़ना।
(D) केवल औपचारिक शैक्षणिक ग्रेड के लिए टोकन इकोनॉमी सुदृढ़ीकरण प्रणालियों को लागू करना।

52. एक शिक्षक एक ऐसी प्रणाली लागू करता है जहाँ छात्र गृहकार्य पूरा करने और अच्छा व्यवहार दिखाने के लिए 'क्लास स्टार्स' अर्जित करते हैं। इन सितारों को पुस्तकालय के अतिरिक्त समय जैसे विशेषाधिकारों के लिए बदला जा सकता है। यह किसका एक उदाहरण है?
(A) नकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Negative Reinforcement)
(B) शेपिंग (Shaping)
(C) क्लासिकल अनुकूलन (Classical Conditioning)
(D) टोकन इकोनॉमी (Token Economy)

53. निम्नलिखित व्यवहार संशोधन तकनीकों (Behavior Modification Techniques) पर विचार कीजिए:
I. शेपिंग (Shaping) में वांछित व्यवहार के क्रमिक आसन्नताओं को सुदृढ़ करना शामिल है।
II. विलोपन (Extinction) में अवांछनीय व्यवहार को खत्म करने के लिए सकारात्मक पुरस्कार प्रदान करना शामिल है।
III. नकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Negative Reinforcement) में वांछित व्यवहार को बढ़ाने के लिए एक अप्रिय उत्तेजना (Aversive Stimulus) को हटाना शामिल है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) I और III
(C) II और III
(D) I, II और III

54. एक शिक्षक चाहता है कि एक अतिसक्रिय (Hyperactive) छात्र 20 मिनट के लिए अपनी सीट पर बैठा रहे। प्रारंभ में,

NODIA

23. सकारात्मक अनुशासन (Positive Discipline) रणनीतियों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वे शिक्षक और छात्र के बीच आपसी सम्मान पर बल देती हैं।
II. उनका उद्देश्य दुर्व्यवहार के पीछे की धारणा या विश्वास की पहचान करना है।
III. वे प्रतिशोध के बजाय समाधान पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

24. एक छात्र लगातार अपनी पाठ्यपुस्तक कक्षा में लाना भूल जाता है। चिल्लाने या अतिरिक्त गृहकार्य देने के बजाय, शिक्षक छात्र से कक्षा के लॉकर में एक अतिरिक्त पाठ्यपुस्तक रखने के लिए कहता है। यह दृष्टिकोण किसका एक उदाहरण है?
(A) पारंपरिक दंडात्मक अनुशासन (Traditional Punitive Discipline)
(B) व्यवहारात्मक नकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Behavioral Negative Reinforcement)
(C) एक संरचित टोकन इकोनॉमी प्रणाली (Token Economy System)
(D) तार्किक परिणाम (Logical Consequence)

25. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): दंडात्मक अनुशासन (Punitive Discipline) अक्सर अच्छे व्यवहार के वास्तविक आंतरीकरण के बजाय भय पर आधारित अनुपालन की ओर ले जाता है।
कारण (R): दंडात्मक उपाय सही वैकल्पिक व्यवहार सिखाने के बजाय छात्र ने क्या गलत किया उस पर ध्यान केंद्रित करते हैं और दंड लगाते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

26. विद्यालयों में विशुद्ध रूप से दंडात्मक अनुशासन (Punitive Discipline) के उपयोग की अच्छी तरह से प्रलेखित कमी निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) यह छात्र के दुर्व्यवहार के सभी अंतर्निहित मूल कारणों को स्थायी रूप से समाप्त कर देता है।
(B) यह समग्र शिक्षक-छात्र संबंधों में काफी सुधार और मजबूती लाता है।
(C) यह छात्र के अलगाव और ड्रॉपआउट दरों को बढ़ाता है।
(D) यह सभी छात्रों के बीच आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) और शैक्षणिक जुड़ाव को बढ़ाता है।

27. प्रशासनिक दंडात्मक उपाय और इसके वैकल्पिक ढांचे का प्रतिनिधित्व करने वाले सही जोड़े की पहचान कीजिए।
(A) शारीरिक दंड (Corporal Punishment) – सत्तावादी प्रबंधन (Authoritarian Management)
(B) ग्रेड में कटौती (Grade Docking) – अनुज्ञात्मक प्रबंधन (Permissive Management)
(C) सार्वजनिक डांट (Public Reprimand) – व्यवहारात्मक विलुप्तता (Behavioral Extinction)
(D) शून्य सहनशीलता नीति (Zero Tolerance Policy) – पुनरुद्धारक न्याय (Restorative Justice)

28. निम्नलिखित में से कौन सा परिदृश्य विद्यालय के माहौल में दंडात्मक अनुशासन (Punitive Discipline) के विकल्प को सर्वोत्तम रूप से प्रदर्शित करता है?
(A) एक विघटनकारी छात्र अपने व्यवहार पर विचार करता है और सहपाठियों के साथ सुधार करता है।
(B) कक्षा के फर्नीचर को नुकसान पहुंचाते हुए पकड़े गए छात्र को बिना किसी सुनवाई के पूरे तीन दिनों के लिए निलंबित कर दिया जाता है।
(C) एक छात्र जो मौखिक रूप से किसी सहपाठी का अपमान करता है, उसे सार्वजनिक रूप से एक अपमानजनक बोर्ड पहनने के लिए मजबूर किया जाता है जो उसे बदमाश घोषित करता है।
(D) जो छात्र कक्षा में देर से आता है, उसे पूरी अवधि के लिए कक्षा के बाहर चुपचाप खड़ा रखा जाता है।

29. दंडात्मक अनुशासन (Punitive Discipline) की निम्नलिखित कमियों पर विचार कीजिए:
I. यह एक शत्रुतापूर्ण कक्षा का वातावरण बना सकता है।
II. यह आमतौर पर अंतर्निहित भावनात्मक आवश्यकता के बजाय लक्षण को संबोधित करता है।
III. यह महत्वपूर्ण सोच और आत्म-नियमन (Self-Regulation) को बढ़ावा देता है।
IV. यह हाशिए पर पड़े छात्र समूहों को असमान रूप से प्रभावित कर सकता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) II, III और IV
(D) I, III और IV

NODIA

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): एक बड़ी कक्षा (जैसे, 50+ छात्र) को प्रबंधित करने के लिए छोटी कक्षा की तुलना में संरचित दिनचर्या और प्रक्रियाओं पर अधिक जोर देने की आवश्यकता होती है।
कारण (R): बड़ी कक्षाओं में, व्यक्तिगत ध्यान स्वाभाविक रूप से प्रचुर मात्रा में होता है, जिससे संपूर्ण-कक्षा शिक्षण रणनीतियों (Whole-class Instructional Strategies) की आवश्यकता कम हो जाती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में सुसंगत दिनचर्या स्थापित करने से प्रबंधकीय कार्यों में नष्ट होने वाले शिक्षण समय की मात्रा कम हो जाती है।
कारण (R): दिनचर्या दैनिक कार्यों को स्वचालित करती है, जिससे छात्रों पर संज्ञानात्मक भार कम होता है और वे शैक्षणिक सामग्री पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

16. कक्षा के नियम स्थापित करने के संदर्भ में, कौन सी विशेषता किसी नियम को सबसे प्रभावी बनाती है?
(A) इसे प्रतिबंधित कार्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने के लिए नकारात्मक शब्दों में कहा गया है।
(B) इसे अपेक्षित व्यवहार पर ध्यान केंद्रित करते हुए सकारात्मक शब्दों में कहा गया है।
(C) यह अत्यधिक विशिष्ट है, जो हर संभव छोटे उल्लंघन को कवर करता है।
(D) इसे छात्रों के इनपुट के बिना स्कूल प्रशासन द्वारा एकतरफा लागू किया जाता है।

17. एक प्राचार्य (Principal) कक्षा की दिनचर्या स्थापित करने पर एक नए शिक्षक को सलाह देता है। निम्नलिखित में से किस दिनचर्या द्वारा कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) में सुधार होने की संभावना सबसे कम है?
(A) दैनिक शिक्षण सामग्री को कुशलतापूर्वक वितरित और एकत्र करने की एक संरचित प्रक्रिया।
(B) वॉशरूम का उपयोग करने की अनुमति मांगने वाले छात्रों के लिए एक स्पष्ट और संरचित प्रोटोकॉल।
(C) पूरे दिन छात्रों को पूरी तरह से शांत रहने की आवश्यकता वाला एक कठोर नियम।
(D) हर कक्षा की शुरुआत में एक अनुमानित और आकर्षक "डू-नाउ" (Do-now) या बेल-रिंगर (Bell-ringer) गतिविधि।

18. कक्षा की दिनचर्या स्थापित करने के निम्नलिखित चरणों पर विचार कीजिए:
I. छात्रों को दिनचर्या का औचित्य समझाएं।
II. दिनचर्या के लिए अपेक्षित व्यवहार का मॉडल प्रस्तुत करें।
III. छात्रों को दिनचर्या का अभ्यास करने के अवसर प्रदान करें।
IV. प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करें और सही निष्पादन को सुदृढ़ करें।
इन चरणों का सही तार्किक क्रम क्या है?
(A) I, II, III, IV
(B) II, I, III, IV
(C) III, II, I, IV
(D) I, III, II, IV

19. एक शिक्षक यह नियम निर्धारित करता है, "भागो मत, चिल्लाओ मत, और वस्तुएं मत फेंको।" शैक्षणिक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुसार, इस नियम में कैसे सुधार किया जाना चाहिए?
(A) कक्षा के नियमों को तोड़ने के लिए विशिष्ट दंडात्मक सजाओं को अधिक स्पष्ट बनाएं।
(B) अपेक्षित सकारात्मक व्यवहार को बताने के लिए इसे सकारात्मक रूप से पुनर्व्याख्यायित करें।
(C) सभी संभावित दुर्व्यवहारों को कवर करने के लिए नकारात्मक निषेधों की कुल संख्या बढ़ाएं।
(D) नियम को पूरी तरह से हटा दें और प्राकृतिक परिणामों को अपना काम करने दें।

20. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): सकारात्मक अनुशासन (Positive Discipline) केवल अनुपालन की मांग करने के बजाय छात्रों को आत्म-नियंत्रण और जिम्मेदारी सिखाने पर केंद्रित है।
कारण (R): सकारात्मक अनुशासन (Positive Discipline) यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र अपने कार्यों की गंभीरता को समझें, मुख्य रूप से शारीरिक दंड पर निर्भर करता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

21. निम्नलिखित में से कौन सा सकारात्मक अनुशासन मॉडल (Positive Discipline Model) का एक मुख्य सिद्धांत है?
(A) व्यवस्थित बाहरी पुरस्कारों और प्रोत्साहनों के माध्यम से व्यवहार संशोधन लागू करना।
(B) मनमाने दंड के बजाय तार्किक परिणामों (Logical Consequences) का उपयोग करना।
(C) प्रभुत्वशाली शिक्षक नियंत्रण का एक सख्त सत्तावादी पदानुक्रम स्थापित करना।
(D) सभी मामूली उल्लंघनों के लिए कठोर शून्य-सहनशीलता (Zero-Tolerance) दंडात्मक नीतियों को लागू करना।

22. सकारात्मक अनुशासन (Positive Discipline) के ढांचे में, निम्नलिखित में से किसे पारंपरिक दंडात्मक टाइम-आउट (Time-out) का एक विकल्प माना जाता है?
(A) एक नामित शांत-क्षेत्र (Calm-down Corner)
(B) अनिवार्य शारीरिक दंड (Corporal Punishment)
(C) सहपाठियों के सामने सार्वजनिक रूप से अपमानित करना
(D) अकादमिक प्रदर्शन के ग्रेड में कटौती

Downloaded from www.pdf.tube

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) I और II
(C) II और III
(D) I, II और III

39. यदि ठीक से प्रबंधित न किया जाए तो क्लस्टर बैठने की व्यवस्था (Cluster Seating) की प्राथमिक कमी निम्नलिखित में से किसे माना जाता है?
(A) यह छात्र-से-छात्र के बीच सभी सार्थक अंतःक्रियाओं (Interactions) को पूरी तरह से रोकता है।
(B) यह सभी छात्रों को हर समय शिक्षक की ओर लगातार मुख करने के लिए मजबूर करता है।
(C) यह सहयोगात्मक समूह कार्य को छात्रों के लिए निष्पादित करना पूरी तरह से असंभव बनाता है।
(D) यह ऑफ-टास्क (Off-task) सामाजिक बातचीत को बढ़ाता है।

40. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): अकादमिक अधिगम समय (Academic Learning Time - ALT) स्कूल की समय सारणी (Timetable) में आवंटित समय का पर्याय है।
कारण (R): आवंटित समय केवल एक कक्षा की निर्धारित अवधि को संदर्भित करता है, जबकि ALT उस समय को संदर्भित करता है जब छात्र अधिगम में सफलतापूर्वक और सक्रिय रूप से लगे होते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

41. एक पाठ के भीतर समय प्रबंधन के संदर्भ में, 'संलग्न समय' (Engaged Time) का क्या अर्थ है?
(A) एक छात्र द्वारा स्कूल भवन के भीतर उपस्थित रहने में बिताए गए घंटों की कुल संख्या।
(B) किसी दिए गए विषय के लिए आधिकारिक स्कूल समय सारणी पर निर्धारित समय का विशिष्ट ब्लॉक।
(C) वह समय जब छात्र सक्रिय रूप से ध्यान देते हैं और सीखने के कार्यों पर काम करते हैं।
(D) उपस्थिति लेने और सामग्री व्यवस्थित करने के लिए शिक्षक द्वारा लिया गया गैर-शिक्षण समय।

42. एक शिक्षक 40 मिनट के पाठ की योजना बनाती है। वह गृहकार्य की जाँच करने में 15 मिनट, अनुशासन के मुद्दे को सुलझाने में 5 मिनट और व्याख्यान देने में 20 मिनट बिताती है। प्रभावी समय प्रबंधन का कौन सा पहलू यहाँ सबसे अधिक प्रभावित हुआ है?
(A) संक्रमण काल (Transition Time)
(B) आवंटित समय (Allocated Time)
(C) प्रशासनिक समय (Administrative Time)
(D) अकादमिक अधिगम समय (Academic Learning Time - ALT)

43. पाठ के भीतर प्रभावी समय प्रबंधन के लिए निम्नलिखित रणनीतियों पर विचार कीजिए:
I. छात्रों के आने से पहले सामग्री तैयार और सुलभ रखना।
II. शिक्षण में अप्रत्याशित कमियों को भरने के लिए स्पंज गतिविधियों (Sponge Activities) का उपयोग करना।
III. पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए पाठ को ब्रेक के समय तक बढ़ाना।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

NODIA

44. कक्षा का एक परिदृश्य एक शिक्षक को विज्ञान प्रयोग से पाठ्यपुस्तक पढ़ने में परिवर्तित (Transition) होते हुए दिखाता है। शिक्षक उपकरण कहाँ रखना है, इस पर स्पष्ट निर्देश नहीं देता है, जिससे 10 मिनट की अराजकता पैदा होती है। प्रबंधन में यह विफलता विशेष रूप से किससे संबंधित है:
(A) गंभीर अनुशासनात्मक उल्लंघनों को संभालना
(B) व्यवहार संशोधन (Behavior Modification)
(C) क्लस्टर बैठने की व्यवस्था का निर्माण
(D) संक्रमण काल का प्रबंधन (Management of Transition Time)

45. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): मामूली, गैर-विघटनकारी दुर्व्यवहार की उपेक्षा करना (Extinction) कभी-कभी एक प्रभावी कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) रणनीति हो सकती है।
कारण (R): हर मामूली उल्लंघन पर प्रतिक्रिया देने से पाठ की गति बाधित हो सकती है और अनजाने में ध्यान देकर दुर्व्यवहार को बढ़ावा मिल सकता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

46. लगातार कक्षा में बाधा डालने वाले छात्र को संबोधित करते समय, 'न्यूनतम हस्तक्षेप' (Least Intervention) के सिद्धांत का सुझाव है कि शिक्षक को सबसे पहले प्रयास करना चाहिए:
(A) छात्र को तुरंत सीधे प्राचार्य के कार्यालय भेजना।
(B) आई कांटेक्ट या सामीप्य (Proximity Control) जैसे गैर-मौखिक संकेतों का उपयोग करना।

184. (A) किसी वीडियो या मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट के लिए नियोजित शॉट अनुक्रम (Planned Shot Sequences)
अनुदेशात्मक डिज़ाइन और वीडियो निर्माण में "स्टोरीबोर्डिंग" (Storyboarding) से तात्पर्य किसी मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट या शैक्षिक वीडियो के दृश्य और श्रव्य घटकों की ग्राफिक रूप से नियोजित विस्तृत रूपरेखा (Planned Shot Sequences) तैयार करने से है, जिससे निर्माण प्रक्रिया सुव्यवस्थित हो सके।

185. (B) केवल I और III
मोबाइल अधिगम (m-learning) उन व्यक्तिगत स्मार्टफोनों का लाभ उठाता है जो छात्रों के पास पहले से होते हैं, और यह औपचारिक व अनौपचारिक वातावरणों में निरंतर अधिगम को सक्षम बनाता है। यह वयस्क शिक्षार्थियों के लिए पूरी तरह उपयुक्त है, इसलिए दूसरा कथन असत्य है।

186. (A) स्वचालित प्रतिक्रिया के साथ अंतर्निहित क्विज़ मॉड्यूल (Built-in Quiz Modules with Automated Feedback)
रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) के लिए LMS की सबसे उपयोगी विशेषता उसका अंतर्निहित क्विज़ मॉड्यूल है जो छात्रों को तात्कालिक और स्वचालित प्रतिक्रिया (Automated Feedback) प्रदान करता है। इससे शिक्षार्थियों को अपनी गलतियों को तुरंत सुधारने और अवधारणाओं को समझने में मदद मिलती है।

187. (D) समूह विचार-मंथन (Brainstorming) सत्रों के दौरान विचारों को संवादात्मक रूप से रिकॉर्ड करना
"फ़्लिप चार्ट" (Flip Charts) का उपयोग समूह विचार-मंथन (Brainstorming) सत्रों के दौरान छात्रों और शिक्षकों द्वारा साझा विचारों, कार्य योजनाओं और त्वरित आरेखों को संवादात्मक रूप से रिकॉर्ड करने और सभी के सामने प्रदर्शित करने के लिए एक बहुमुखी पारंपरिक उपकरण के रूप में किया जाता है।

188. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
पाठ्यपुस्तकों जैसी मुद्रित सामग्रियों में नियमित संशोधन और अद्यतनीकरण होना अनिवार्य है, क्योंकि विज्ञान, तकनीक और शिक्षाशास्त्र में लगातार हो रहे तीव्र परिवर्तनों के कारण पुरानी सामग्री प्रासंगिकता खो देती है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण सही स्पष्टीकरण देता है।

189. (C) गणित में उपयोग की जाने वाली क्विजनेयर छड़ें (Cuisenaire Rods)
गणित में उपयोग की जाने वाली क्विजनेयर छड़ें (Cuisenaire Rods) एक "अनुभवात्मक" गैर-प्रक्षेपित सामग्री हैं। ये विभिन्न रंगों और लंबाइयों की छड़ें होती हैं जिन्हें छात्र अपने हाथों से छूकर और जोड़कर संख्याओं, भिन्नों और गणितीय संक्रियाओं को भौतिक रूप से समझ सकते हैं।

190. (D) प्रतिनिधित्व और जुड़ाव के बहुविध साधन प्रदान करना (Providing Multiple Means of Representation and Engagement)
अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (UDL) के सिद्धांतों का पालन करने का अर्थ कक्षा में सभी शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जानकारी के प्रतिनिधित्व (Visual, Audio, Hands-on) तथा जुड़ाव के बहुविध साधन प्रदान करना है, जिससे समावेशी शिक्षा साकार होती है।

191. (A) ऐप विशिष्ट कौशलों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि एक एलएमएस (LMS) पूरे पाठ्यक्रमों का प्रबंधन करता है।
एक शैक्षिक ऐप (Educational App) आमतौर पर किसी विशिष्ट कौशल, भाषा अभ्यास या विषय वस्तु के अभ्यास पर केंद्रित होता है। इसके विपरीत, एक व्यापक लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) संपूर्ण संस्थागत पाठ्यक्रमों, छात्रों के नामांकन, ग्रेडिंग और संपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया का प्रबंधन करता है।

192. (B) डिजिटल साक्षरता और शोध-आधारित कार्यों पर एक कार्यशाला आयोजित करना।
केवल विकिपीडिया से शब्दशः कॉपी करने की समस्या को हल करने का सबसे उपयुक्त शैक्षणिक तरीका शिक्षकों और छात्रों के लिए डिजिटल साक्षरता, सूचना मूल्यांकन और शोध-आधारित कार्यों पर कार्यशाला आयोजित करना है, ताकि वे इंटरनेट से प्रामाणिक जानकारी का सही विश्लेषण करना सीख सकें।

193. (B) छात्र जुड़ाव बढ़ाना और वास्तविक समय रचनात्मक डेटा प्राप्त करना
'ऑडियंस रिस्पॉन्स सिस्टम' (उदा. क्लिकर्स या लाइव पोलिंग ऐप) का मुख्य उद्देश्य व्याख्यान के दौरान प्रत्येक छात्र की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना और शिक्षक को पूरी कक्षा की समझ का तुरंत वास्तविक समय रचनात्मक डेटा (Real-Time Formative Data) उपलब्ध कराना है।

194. (A) एक मूक एनिमेटेड जीआईएफ (GIF) या स्लाइड प्रक्षेपण
एक मूक एनिमेटेड जीआईएफ (GIF) या पारंपरिक मूक स्लाइड प्रक्षेपण को विशुद्ध रूप से "प्रक्षेपित दृश्य सामग्री" (Projected Visual Aid) माना जाता है। इनमें बिना किसी एकीकृत ऑडियो या ध्वनि के केवल ऑप्टिकल माध्यम से आवर्धित छवियों या दृश्यों को स्क्रीन पर प्रदर्शित किया जाता है।

195. (C) सामग्री सटीक और पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के साथ संरेखित होनी चाहिए।
कक्षा में दिखाए जाने वाले किसी भी शैक्षिक वीडियो के चयन का सबसे मुख्य मानदंड यह है कि उसकी विषय-वस्तु पूरी तरह से तथ्यात्मक रूप से सटीक हो और वह निर्धारित पाठ्यचर्या के विशिष्ट अधिगम उद्देश्यों (Learning Objectives) के साथ सीधे संरेखित हो।

Click Here to Buy book on Amazon

शिक्षक छात्र की 5 मिनट तक बैठे रहने पर प्रशंसा करता है, फिर 10 मिनट, धीरे-धीरे आवश्यकता बढ़ाता है। इस तकनीक को किस रूप में जाना जाता है?
(A) फ्लडिंग (Flooding)
(B) शेपिंग (Shaping)
(C) दंड (Punishment)
(D) टाइम-आउट (Time-out)

55. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): सकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Positive Reinforcement) सबसे प्रभावी तब होता है जब यह यादृच्छिक रूप से और वांछित व्यवहार होने के लंबे समय बाद दिया जाता है।
कारण (R): विलंबित सुदृढ़ीकरण छात्र को केवल तत्काल अनुपालन के साथ पुरस्कार जोड़ने से रोकता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

56. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सकारात्मक सुदृढ़ीकरण और नकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Positive and Negative Reinforcement) के बीच अंतर का सर्वोत्तम वर्णन करता है?
(A) सकारात्मक व्यवहार बढ़ाने के लिए एक सुखद उत्तेजना जोड़ता है; नकारात्मक व्यवहार को घटाने के लिए एक अप्रिय उत्तेजना जोड़ता है।
(B) सकारात्मक व्यवहार बढ़ाने के लिए एक सुखद उत्तेजना जोड़ता है; नकारात्मक व्यवहार को बढ़ाने के लिए एक अप्रिय उत्तेजना को हटाता है।
(C) सकारात्मक सुदृढ़ीकरण एक पुरस्कार के रूप में कार्य करता है, जबकि नकारात्मक सुदृढ़ीकरण दंड के रूप में कार्य करता है।
(D) दोनों रणनीतियाँ मुख्य रूप से किसी विशिष्ट व्यवहार के पुनरावृत्ति की संभावना को कम करने के लिए कार्य करती हैं।

57. कक्षा में सकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Positive Reinforcement) के रूप में प्रशंसा के उपयोग के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) प्रशंसा सामान्य के बजाय विशिष्ट और वर्णनात्मक होनी चाहिए।
(B) प्रशंसा जन्मजात बुद्धिमत्ता के बजाय छात्र के प्रयास और रणनीति पर केंद्रित होनी चाहिए।
(C) प्रशंसा सच्ची और विश्वसनीय होनी चाहिए।
(D) प्रशंसा सबसे प्रभावी तब होती है जब यह छात्र के प्रदर्शन की तुलना उनके साथियों से करती है।

58. कक्षाओं में उपयोग किए जाने वाले सकारात्मक सुदृढ़कों (Positive Reinforcers) के निम्नलिखित प्रकारों पर विचार कीजिए:
I. सामाजिक सुदृढ़क (उदा., प्रशंसा, एक मुस्कान)
II. मूर्त सुदृढ़क (उदा., स्टिकर, प्रमाण पत्र)
III. गतिविधि सुदृढ़क (उदा., खेल का नेतृत्व करना, मुफ्त पढ़ने का समय)
उपरोक्त में से कौन सी सकारात्मक सुदृढ़ीकरण की मान्य श्रेणियां हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

NODIA

59. एक प्राचार्य (Principal) कर्मचारियों को सलाह देता है कि बुनियादी शैक्षणिक कार्यों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से मूर्त बाहरी पुरस्कारों (जैसे टॉफी या खिलौने) पर निर्भर रहना हानिकारक हो सकता है। इस सलाह का मनोवैज्ञानिक औचित्य क्या है?
(A) यह क्लासिकल अनुकूलन (Classical Conditioning) के मूलभूत सैद्धांतिक सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन करता है।
(B) मूर्त बाहरी पुरस्कार अनजाने में व्यवहारात्मक नकारात्मक सुदृढ़क के रूप में कार्य करते हैं।
(C) यह 'अति-औचित्य प्रभाव' (Overjustification Effect) का कारण बनता है, जिससे आंतरिक प्रेरणा कम होती है।
(D) यह छात्रों को पूरी तरह से अलग और शिक्षण से अत्यधिक स्वतंत्र बनाता है।

60. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): एक सकारात्मक कक्षा का वातावरण विशुद्ध रूप से स्कूल में उपलब्ध भौतिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का एक उप-उत्पाद है।
कारण (R): आधुनिक कक्षा प्रौद्योगिकी की तुलना में सामाजिक-भावनात्मक कारक, जैसे शिक्षक-छात्र संबंध और सहकर्मी अंतःक्रियाएं, एक मामूली भूमिका निभाते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

61. कक्षा वातावरण (Classroom Climate) की अवधारणा में, निम्नलिखित में से कौन सा कक्षा वातावरण के तीन प्राथमिक आयामों में से एक नहीं है?
(A) संबंध आयाम (Relationship Dimension)
(B) व्यक्तिगत विकास आयाम (Personal Growth Dimension)
(C) प्रणाली रखरखाव और परिवर्तन आयाम (System

नियमों में समेकित (Consolidate) करना।
(D) यह सुनिश्चित करना कि अंतिम नियमों में प्रत्येक मामूली उल्लंघन के लिए विशिष्ट, कठोर दंड शामिल हों।

93. कक्षा के नियमों के सह-निर्माण के निम्नलिखित चरणों पर विचार कीजिए:
I. चर्चा करना कि एक समुदाय के लिए नियम क्यों आवश्यक हैं।
II. छात्रों के साथ नियमों के लिए विचारों पर विचार-मंथन (Brainstorming) करना।
III. विचार-मंथन की गई सूची को कुछ प्रमुख अपेक्षाओं में वर्गीकृत और परिष्कृत करना।
IV. प्रतिबद्धता के रूप में सभी छात्रों से अंतिम सूची पर हस्ताक्षर करवाना।
इन चरणों का सही तार्किक क्रम क्या है?
(A) I, II, III, IV
(B) II, I, III, IV
(C) I, III, II, IV
(D) III, II, I, IV

94. एक शिक्षक स्कूल के पहले दिन एक कक्षा बैठक आयोजित करता है। नियमों का एक चार्ट प्रस्तुत करने के बजाय, शिक्षक पूछता है, "हम किस प्रकार के कक्षा वातावरण में सीखना चाहते हैं?" और "यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऐसा हो, हमें क्या समझौते करने की आवश्यकता है?" यह दृष्टिकोण किसके सिद्धांतों पर निर्भर करता है?
(A) सत्तावादी नेतृत्व ढांचा (Authoritarian Leadership Framework)
(B) अहस्तक्षेप प्रबंधन शैली (Laissez-faire Management Style)
(C) दंडात्मक प्रशासनिक नीति (Punitive Administrative Policy)
(D) लोकतांत्रिक प्रबंधन (Democratic Management)

95. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): एक अत्यधिक विविध कक्षा को प्रबंधित करने के लिए एक कठोर, समान दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जहाँ पृष्ठभूमियों या क्षमताओं की परवाह किए बिना प्रत्येक छात्र के साथ बिल्कुल समान व्यवहार किया जाता है।
कारण (R): शिक्षा में समता (Equity) का अर्थ समान शिक्षण प्रदान करना है ताकि किसी भी छात्र को तरजीही व्यवहार न मिले।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

96. एक ही कक्षा में छात्र विविधता के प्रबंधन के संदर्भ में, 'विभेदित निर्देश' (Differentiated Instruction) में मुख्य रूप से क्या शामिल है?
(A) मापी गई बुद्धिमत्ता के आधार पर छात्रों को स्थायी रूप से समूहित करना और उन्हें अलग-अलग पाठ्यक्रम पढ़ाना।
(B) विविध छात्र आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शिक्षण, प्रक्रिया और उत्पादों को अनुकूलित करना।
(C) हाशिए पर पड़े समुदायों से आने वाले छात्रों को व्यवस्थित रूप से कम शैक्षणिक कार्य देना।
(D) दैनिक कक्षा शिक्षण को केवल कक्षा के काल्पनिक औसत शिक्षार्थी पर केंद्रित करना।

97. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (Children with Special Needs - CWSN) सहित विविध शिक्षार्थियों के लिए सुलभ होने के लिए कक्षा के माहौल और शिक्षण रणनीतियों को सक्रिय रूप से डिजाइन करने से कौन सा ढांचा सबसे अधिक जुड़ा हुआ है?
(A) शिक्षा का घाटा मॉडल (Deficit Model of Education)
(B) विकलांगता का चिकित्सा मॉडल (Medical Model of Disability)
(C) सीखने के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL)
(D) दृढ अनुशासन मॉडल (Assertive Discipline Model)

98. कक्षा में विविधता के प्रबंधन के लिए निम्नलिखित रणनीतियों पर विचार कीजिए:
I. सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र (Culturally Responsive Pedagogy) का उपयोग करना जो छात्रों की पृष्ठभूमियों को मान्यता देता है।
II. लचीली समूहन रणनीतियों (सजातीय और विषमतीय) को नियोजित करना।
III. बहुभाषी शिक्षार्थियों की मातृभाषा की उपेक्षा करते हुए, उन्हें जल्दी से अपनाने के लिए 'केवल अंग्रेजी' नीति लागू करना।
IV. प्रतिनिधित्व, अभिव्यक्ति और जुड़ाव के कई साधन प्रदान करना।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही सर्वोत्तम अभ्यास हैं?
(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) II, III और IV
(D) I, III और IV

99. एक प्राचार्य एक ऐसी कक्षा का अवलोकन करता है जहाँ शिक्षक बोर्ड पर लिखित निर्देश देता है, मौखिक दिशा-निर्देश देता है, और एक कार्य के लिए एक त्वरित आरेख दिखाता है। यह बहुआयामी दृष्टिकोण एक प्रबंधन रणनीति है जो मुख्य रूप से किसको संबोधित करने के लिए बनाई गई है:
(A) विविध अधिगम शैलियाँ (Diverse Learning Styles)

Downloaded from www.pdf.tube

Dignity)
(B) प्रिमैक सिद्धांत लागू करना (Premack Principle)
(C) सत्तावादी अनुपालन लागू करना (Enforcing Authoritarian Compliance)
(D) टोकन इकोनॉमी प्रणाली का विस्तार करना (Scaling a Token Economy System)

70. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): शिक्षण गतिविधियों के बीच सुचारु संक्रमण (Smooth Transitions) छात्र के दुर्व्यवहार की संभावना को काफी कम कर देता है।
कारण (R): संक्रमण के दौरान असंचरित समय अक्सर एक शून्यता पैदा करता है जहाँ ऑफ-टास्क और विघटनकारी व्यवहार आसानी से उभर सकते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

71. कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) में, 'संक्रमण' (Transition) का तात्पर्य है:
(A) एक नामांकित छात्र का एक स्कूल संस्थान से दूसरे में प्रशासनिक स्थानांतरण।
(B) मूर्त संक्रियात्मक से औपचारिक संक्रियात्मक सोच की ओर संज्ञानात्मक विकासात्मक बदलाव।
(C) अतिरिक्त क्रेडिट के आधार पर छात्र के अंतिम अकादमिक ग्रेड को संशोधित करने की प्रक्रियात्मक प्रक्रिया।
(D) एक शिक्षण गतिविधि या भौतिक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना।

72. गतिविधियों के बीच संक्रमण (Transitions) को प्रबंधित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी सबसे प्रभावी सक्रिय रणनीति (Proactive Strategy) है?
(A) छात्रों के शुरु करने के बाद ही अगली गतिविधि के लिए निर्देश देना।
(B) संक्रमण में उतना खुला समय लेने देना जितना छात्रों को पूरी तरह से आराम महसूस करने के लिए चाहिए।
(C) संक्रमण पूरा करने वाले अंतिम छात्र को सार्वजनिक रूप से दंडित करना या डांटना।
(D) संक्रमण शुरु करने के लिए एक सुसंगत, पूर्व-सिखाए गए संकेत का उपयोग करना।

73. कक्षा के संक्रमण (Transition) को प्रबंधित करने के निम्नलिखित चरणों पर विचार कीजिए:
I. पूरी कक्षा का ध्यान आकर्षित करें।
II. क्या करना है इसके लिए स्पष्ट, चरण-दर-चरण निर्देश प्रदान करें।
III. संक्रमण शुरु करने का संकेत दें।
IV. छात्रों का अवलोकन करें और उनके संक्रमण के तरीके पर प्रतिक्रिया प्रदान करें।
संक्रमण निष्पादित करने के लिए सबसे तार्किक क्रम क्या है?
(A) I, II, III, IV
(B) II, I, III, IV
(C) III, I, II, IV
(D) I, III, II, IV

NODIA

74. कक्षा का एक परिदृश्य दिखाता है कि जब भी गणित सामग्री को दूर रखने और विज्ञान नोटबुक निकालने का समय होता है, शोर का स्तर अस्वीकार्य रूप से बढ़ जाता है और शांत होने में 5 मिनट लगते हैं। शिक्षक द्वारा कौन सी कार्रवाई इसे सबसे अच्छे से हल करेगी?
(A) एक परिणाम (Consequence) के रूप में पूरी कक्षा को अतिरिक्त दंडात्मक गणित गृहकार्य देना।
(B) सबसे अधिक शोर करने वाले व्यक्तिगत छात्रों को प्रतिदिन प्राचार्य के कार्यालय भेजना।
(C) साप्ताहिक शिक्षण समय सारणी से विज्ञान विषय को पूरी तरह से समाप्त करना।
(D) एक विशिष्ट संक्रमण दिनचर्या (Transition Routine) को तब तक सिखाना और अभ्यास कराना जब तक कि यह तेज़ न हो जाए।

75. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): ग्रुप अलर्टिंग (Group Alerting) एक ऐसी तकनीक है जिसका उपयोग सस्वर पाठ या उत्तर देने के दौरान सभी छात्रों को चौकस रखने के लिए किया जाता है, भले ही केवल एक छात्र प्रश्न का उत्तर दे रहा हो।
कारण (R): ग्रुप अलर्टिंग में प्रश्न पूछने से पहले किसी छात्र को बुलाना शामिल है, ताकि बाकी कक्षा को पता चल जाए कि उन्हें उत्तर के बारे में सोचने की आवश्यकता नहीं है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

76. छोटे समूह के कार्य के दौरान जवाबदेही बनाए रखने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी एक मुख्य रणनीति है?
(A) व्यक्तिगत छात्र योगदान का मूल्यांकन किए बिना पूरे समूह को एक एकल सामूहिक ग्रेड देना।
(B) प्रत्येक सदस्य को विशिष्ट भूमिकाएं (जैसे टाइमकीपर या रिकॉर्डर) सौंपना।
(C) छात्र समूहों को बिना किसी सक्रिय शिक्षक मार्गदर्शन या हस्तक्षेप के विशुद्ध रूप से सामाजिक रूप से बनने देना।
(D) छात्र समूहों को कुल शिक्षण स्वायत्तता देने के लिए कक्षा को पूरी तरह से लावारिस छोड़ देना।

77. सहकारी अधिगम (Cooperative Learning) रणनीतियों को अपनाते समय, 'सकारात्मक एकोन्योन्याश्रयता' (Positive Interdependence) का अर्थ है:

Maintenance and Change Dimension)
(D) वित्तीय स्वायत्तता आयाम (Financial Autonomy Dimension)

62. एक सहायक और भावनात्मक रूप से सुरक्षित कक्षा वातावरण बनाने में कौन सा कारक सबसे महत्वपूर्ण योगदान देता है?
(A) शून्य-सहनशीलता (Zero-Tolerance) अनुशासन नीति का सख्त प्रवर्तन।
(B) मानक-संदर्भित (Norm-Referenced), अत्यधिक प्रतिस्पर्धी ग्रेडिंग प्रथाओं का उपयोग।
(C) ध्यान भटकाने से रोकने के लिए कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों का भौतिक अलगाव।
(D) शिक्षक द्वारा सहानुभूति, निष्पक्षता और सक्रिय सुनने (Active Listening) का प्रदर्शन।

63. एक सकारात्मक कक्षा वातावरण में योगदान देने वाले निम्नलिखित तत्वों पर विचार कीजिए:
I. छात्र उपलब्धि के लिए उच्च अपेक्षाएँ।
II. स्पष्ट और सुसंगत नियम।
III. मामूली त्रुटियों को सुधारने के लिए ताने (Sarcasm) का बार-बार उपयोग।
IV. सहपाठियों के बीच आपसी सम्मान।
ऊपर दिए गए तत्वों में से कौन से एक सकारात्मक कक्षा वातावरण में योगदान देते हैं?
(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) II, III और IV
(D) I, III और IV

64. एक विद्यालय का परिदृश्य एक ऐसी कक्षा को दिखाता है जहाँ छात्र शैक्षणिक जोखिम लेने, उपहास के डर के बिना प्रश्न पूछने और भिन्न राय व्यक्त करने में सहज महसूस करते हैं। इस वातावरण को उच्च स्तर वाला माना जाता है:
(A) मनोवैज्ञानिक सुरक्षा (Psychological Safety)
(B) पारिस्थितिक वैधता (Ecological Validity)
(C) शैक्षणिक दबाव (Academic Pressure)
(D) सत्तावादी नियंत्रण (Authoritarian Control)

65. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): छात्रों के साथ मजबूत तालमेल (Rapport) बनाने के लिए एक शिक्षक को एक आधिकारिक व्यक्ति के बजाय मुख्य रूप से एक मित्र के रूप में कार्य करने की आवश्यकता होती है।
कारण (R): पेशेवर सीमाएं स्थापित करना शिक्षकों को अपने छात्रों की सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी समझ विकसित करने से रोकता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

66. माध्यमिक स्तर पर छात्रों के साथ सकारात्मक तालमेल (Rapport) बनाने में निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षक व्यवहार सबसे प्रभावी है?
(A) किसी भी गैर-अकादमिक विषय पर चर्चा करने से मना करना।
(B) छात्रों के नाम जल्दी याद रखना और उनका सही उच्चारण करना।
(C) दूसरों को प्रेरित करने के लिए उच्चतम उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों के प्रति पक्षपात दिखाना।
(D) अधिकार बनाए रखने के लिए हर समय औपचारिक, अलग-थलग भाषा का उपयोग करना।

67. तालमेल बनाने के लिए, एक शिक्षक तब 'सक्रिय सुनने' (Active Listening) की रणनीति का उपयोग करता है जब कोई छात्र किसी समस्या के साथ आता है। निम्नलिखित में से कौन सा सक्रिय सुनने का सबसे अच्छा उदाहरण है?
(A) तत्काल, बिन मांगी सलाह देने के लिए छात्र को बार-बार टोकना।
(B) मल्टीटास्किंग प्रदर्शित करने के लिए छात्र के बोलते समय मोबाइल फोन की ओर देखना।
(C) छात्र की व्यक्तिगत समस्या को यह कहकर खारिज करना और कम आंकना कि यह कोई बड़ी बात नहीं है।
(D) आई कांटेक्ट बनाए रखना, सिर हिलाना और छात्र की चिंता को दोबारा अपने शब्दों में व्यक्त करना।

68. तालमेल (Rapport) बनाने के लिए निम्नलिखित रणनीतियों पर विचार कीजिए:
I. छात्रों के प्रवेश करते ही दरवाजे पर उनका स्वागत करना।
II. छात्रों की पाठ्येतर गतिविधियों में वास्तविक रुचि दिखाना।
III. पाठों के दौरान उपयुक्त, प्रासंगिक व्यक्तिगत किस्से साझा करना।
IV. पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए अन्य छात्रों के ग्रेड पर खुले तौर पर चर्चा करना।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) II, III और IV
(D) I, III और IV

69. एक प्राचार्य (Principal) देखता है कि कक्षा के साथ एक शिक्षक का बहुत अच्छा तालमेल है, जिसके परिणामस्वरुप बहुत कम अनुशासन संबंधी समस्याएं होती हैं। साक्षात्कार के दौरान शिक्षक कहता है, "मैं निजी तौर पर व्यवहार में सुधार करना सुनिश्चित करता हूँ, लेकिन सार्वजनिक रूप से प्रशंसा करता हूँ।" यह शिक्षक किस सिद्धांत को लागू कर रहा है?
(A) छात्र गरिमा का संरक्षण (Preserving Student

Click Here to Buy book on Flipkart

(C) जांच करें, क्योंकि साइबरबुलिंग छात्र की सुरक्षा और स्कूल के प्रदर्शन को प्रभावित करती है।
(D) आगे की ऑनलाइन पहुँच को रोकने के लिए पीड़ित का व्यक्तिगत मोबाइल फोन स्थायी रूप से जब्त कर लें।

85. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): स्कूलों में पुनरुद्धारक अभ्यास (Restorative Practices) केवल अपराधी को दंडित करने के बजाय नुकसान की भरपाई करने और संबंधों को फिर से बनाने पर केंद्रित हैं।
कारण (R): पुनरुद्धारक न्याय (Restorative Justice) के लिए अपराधी को अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेने और पीड़ित व समुदाय पर पड़े प्रभाव को समझने की आवश्यकता होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

86. निम्नलिखित में से कौन सा पुनरुद्धारक कक्षा अभ्यासों (Restorative Classroom Practices) में उपयोग किया जाने वाला एक प्राथमिक उपकरण है?
(A) इन-स्कूल निलंबन (In-school Suspension)
(B) पुनरुद्धारक चक्र या कम्युनिटी सर्कल (Restorative Circle)
(C) शारीरिक दंड (Corporal Punishment)
(D) वाक्य लिखना (उदा., "मैं कक्षा में बात नहीं करूँगा" 100 बार)

87. किसी संघर्ष के बाद पुनरुद्धारक बातचीत (Restorative Conversation) में, एक सुविधाप्रदाता (Facilitator) द्वारा नुकसान पहुँचाने वाले व्यक्ति से कौन सा प्रश्न पूछने की सबसे अधिक संभावना है?
(A) आपने कक्षा के दौरान ऐसी गैर-जिम्मेदार और बेवकूफी भरी हरकत करने का विकल्प क्यों चुना?
(B) आपने स्कूल के किस विशिष्ट नियम का उल्लंघन किया और निर्धारित सजा क्या है?
(C) क्या हुआ था, और आपके कार्यों से कौन प्रभावित हुआ है?
(D) क्या आप पहले से नहीं जानते कि इस अस्वीकार्य तरीके से कार्य नहीं करना चाहिए?

88. पुनरुद्धारक अभ्यासों (Restorative Practices) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. पूरी तरह से प्रभावी होने के लिए उन्हें विरोधी पक्षों से स्वैच्छिक भागीदारी की आवश्यकता होती है।
II. वे गंभीर हिंसा के मामलों सहित सभी आवश्यक प्रशासनिक सुरक्षा परिणामों को प्रतिस्थापित करते हैं।
III. वे भावनाओं को संप्रेषित करने के लिए भावात्मक कथनों (Affective Statements) का उपयोग करते हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) I और III
(C) II और III
(D) I, II और III

89. दो छात्र एक ज़ोरदार बहस में पड़ जाते हैं जिससे कक्षा बाधित होती है। उन्हें निलंबन के लिए प्राचार्य के पास भेजने के बजाय, शिक्षक एक मध्यस्थता सत्र की सुविधा प्रदान करता है जहाँ दोनों छात्र अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं, एक-दूसरे को सुनते हैं, और भविष्य के संघर्षों से बचने की योजना पर सहमत होते हैं। यह किसका एक अनुप्रयोग है?
(A) शून्य सहनशीलता नीति (Zero Tolerance Policy)
(B) व्यवहारात्मक विलुप्तता (Behavioral Extinction)
(C) पुनरुद्धारक अभ्यास (Restorative Practices)
(D) नकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Negative Reinforcement)

90. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): वर्ष की शुरुआत में छात्रों के साथ सह-निर्माण (Co-creating) करके कक्षा के नियम स्थापित करने से उच्च अनुपालन प्राप्त होता है।
कारण (R): जब छात्र नियम बनाने में भाग लेते हैं, तो वे स्वामित्व की भावना विकसित करते हैं और अपेक्षाओं के पीछे के औचित्य को समझते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

91. लोकतांत्रिक रूप से कक्षा के नियमों का सह-निर्माण करने का सबसे संभावित परिणाम निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) सह-निर्मित नियम अत्यधिक उदार होंगे और अनिवार्य रूप से कक्षा में अराजकता पैदा करेंगे।
(B) कक्षा शिक्षक पूरी तरह से कक्षा में अपना सभी प्रबंधकीय अधिकार खो देता है।
(C) छात्र नियमों को एक सामाजिक अनुबंध के रूप में आत्मसात करते हैं।
(D) छात्र-जनित नियम सीधे वैधानिक स्कूल नीतियों के साथ संघर्ष करेंगे।

92. नियमों का सह-निर्माण करते समय, नियमों की अंतिम सूची के संबंध में शिक्षक के लिए सबसे अच्छा अभ्यास क्या है?
(A) छात्रों द्वारा प्रस्तावित 20-30 अत्यधिक विस्तृत नियमों की एक व्यापक सूची स्वीकार (Accept) करना।
(B) गुप्त रूप से छात्रों के सुझाये गए नियमों को शिक्षक के पूर्व-लिखित नियमों से बदल देना।
(C) छात्रों के विचारों को 3-5 सकारात्मक रूप से बताए गए

Downloaded from www.pdf.tube

(A) सकारात्मक मौखिक सुदृढ़ीकरण प्रदान करने के लिए छात्र लगातार शिक्षक पर निर्भर रहते हैं।
(B) समूह के सदस्य केवल तब सफल होते हैं जब प्रत्येक अन्य सदस्य सफल होता है।
(C) सामंजस्य बनाए रखने के लिए छात्रों को बहस के बिना सभी चर्चा विषयों पर सहमत होना चाहिए।
(D) पूरे छात्र समूह को व्यक्तिगत मूल्यांकन से सकारात्मक रूप से छूट दी गई है।

78. समूह प्रबंधन (Group Management) के लिए निम्नलिखित तकनीकों पर विचार कीजिए:
I. सभी समूहों को जल्दी से शांत करने के लिए एक संकेत स्थापित करना।
II. समूह की प्रगति की निगरानी के लिए कमरे में घूमना (Roaming)।
III. यदि कोई समूह एक जटिल अवधारणा से जूझता है तो तुरंत हस्तक्षेप करना और सीधा उत्तर देना।
IV. यह सुनिश्चित करना कि कार्य के निर्देश बोर्ड पर दिखाई दे रहे हों।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही अभ्यास हैं?
(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) II, III और IV
(D) I, III और IV

79. एक प्राचार्य (Principal) एक ऐसी कक्षा का अवलोकन करता है जहाँ समूहों में छात्र ऑफ-टास्क हैं और गैर-अकादमिक विषयों पर बातचीत कर रहे हैं। शिक्षक डेस्क पर बैठकर कॉपियां जांच रहा है। कौन सी समूह प्रबंधन तकनीक पूरी तरह से अनुपस्थित है?
(A) सक्रिय भौतिक निगरानी (Active Physical Monitoring)
(B) पुनरुद्धारक न्याय अभ्यास (Restorative Justice Practices)
(C) नियमों का सहयोगात्मक सह-निर्माण (Collaborative Co-creation of Rules)
(D) तत्काल शारीरिक दंड (Immediate Corporal Punishment)

80. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): बुलिंग (Bullying) बाल विकास में केवल एक सामान्य बात है और जब तक शारीरिक चोट न लगे तब तक इसे नजरअंदाज किया जाना चाहिए।
कारण (R): बुलिंग में शक्ति का एक व्यवस्थित असंतुलन और जानबूझकर नुकसान पहुंचाना शामिल है, जो अनसुलझे रहने पर गंभीर दीर्घकालिक मनोवैज्ञानिक क्षति का कारण बन सकता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

NODIA

81. निम्नलिखित में से किसे आमतौर पर स्कूल के माहौल में बुलिंग (Bullying) के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाता है?
(A) लगातार दुर्भावनापूर्ण अफवाहें फैलाना और सामाजिक रूप से किसी सहपाठी को समूह से बाहर करना।
(B) बार-बार शारीरिक धमकी देना या सहपाठियों से दोपहर के भोजन के पैसे ऐंठना।
(C) समान स्थिति वाले दोस्तों के बीच एक अलग तर्क/बहस।
(D) सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से बार-बार शत्रुतापूर्ण या दर्दनाक संदेश भेजना (साइबरबुलिंग)।

82. व्यापक स्कूल-व्यापी बुलिंग रोकथाम कार्यक्रम (Bullying Prevention Programs) कई स्तरों पर बुलिंग को संबोधित करने पर जोर देते हैं। स्कूल संस्कृति को बुलिंग से दूर ले जाने के लिए किस समूह को सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य माना जाता है?
(A) केवल बुलिंग करने वालों पर हस्तक्षेप केंद्रित करना।
(B) केवल पीड़ितों को सहायक परामर्श (Counseling) प्रदान करना।
(C) दर्शक (Bystanders), उन्हें मुखर समर्थक (Upstanders) बनने के लिए सशक्त बनाना।
(D) बुलिंग करने वालों के माता-पिता को सीधे शामिल करना और शिक्षित करना।

83. बुलिंग को संबोधित करने के लिए एक स्कूल द्वारा उठाए जा सकने वाले निम्नलिखित चरणों पर विचार कीजिए:
I. छात्रों के लिए स्पष्ट रिपोर्टिंग तंत्र लागू करना।
II. बुलिंग के प्रसार का आकलन करने के लिए नियमित जलवायु सर्वेक्षण (Climate Surveys) आयोजित करना।
III. खेल के मैदानों और गलियारों जैसे असंचरित क्षेत्रों में पर्यवेक्षण सुनिश्चित करना।
IV. एक ऐसी नीति को बढ़ावा देना जहाँ पीड़ितों पर ही उकसाने का आरोप लगाया जाता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) II, III और IV
(D) I, III और IV

84. एक छात्रा प्राचार्य से शिकायत करती है कि स्कूल के समय के बाद ऑनलाइन लड़कियों के एक समूह द्वारा उसे बार-बार चिढ़ाया जा रहा है और बहिष्कृत किया जा रहा है। आधुनिक स्कूल प्रशासन दिशानिर्देशों के तहत सबसे उपयुक्त कार्रवाई क्या है?
(A) शिकायत को तुरंत खारिज कर दें क्योंकि यह घटना भौतिक स्कूल परिसर से बाहर हुई है।
(B) पीड़ित छात्र को सलाह दें कि वह अपना बचाव करने के लिए ऑनलाइन जवाबी कार्रवाई करे।

(B) गंभीर अनुशासनात्मक उल्लंघन
(C) पुरानी बुलिंग की घटनाएं
(D) अक्षम संक्रमण काल (Inefficient Transition Time)

100. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): एक अच्छी तरह से प्रबंधित कक्षा की विशेषता हर समय पूर्ण शांति और छात्रों का अपनी सीटों पर कठोरता से बैठना है।
कारण (R): पूर्ण शांति यह सुनिश्चित करती है कि छात्र बिना किसी सामाजिक भटकाव के गहन संज्ञानात्मक प्रसंस्करण में लगे हुए हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

101. निम्नलिखित में से कौन सी 'लोकतांत्रिक कक्षा' (Democratic Classroom) वातावरण की एक प्राथमिक विशेषता है?
(A) कक्षा शिक्षक छात्रों को सभी संरचनात्मक अधिकार पूरी तरह से सौंप देता है।
(B) छात्र निर्णय लेने में मदद करते हैं और सीखने तथा व्यवहार की जिम्मेदारी लेते हैं।
(C) कक्षा अनुशासन विशेष रूप से अनौपचारिक छात्र सहकर्मी दबाव के माध्यम से बनाए रखा जाता है।
(D) शैक्षणिक पाठ्यक्रम सामग्री का निर्धारण पूरी तरह से दैनिक छात्र वोट द्वारा किया जाता है।

102. कक्षा प्रबंधन सिद्धांत (Classroom Management Theory) में, दुर्व्यवहार के चार गलत लक्ष्य (Mistaken Goals of Misbehavior) कौन से हैं?
(A) शारीरिक भूख, सामान्य थकान, ऊब, और अचानक गुस्सा।
(B) बहिर्मुखता, अंतर्मुखता, विक्षिप्तता (Neuroticism), और मनोविकृति के व्यक्तित्व लक्षण।
(C) ध्यान खींचना (Attention), सत्ता/शक्ति (Power), बदला (Revenge), और अपर्याप्तता का प्रदर्शन (Display of Inadequacy)।
(D) बाहरी सहकर्मी दबाव, माता-पिता की उपेक्षा, शैक्षणिक विफलता, और शिक्षक का पक्षपात।

103. निम्नलिखित परिदृश्य पर विचार कीजिए: एक छात्र अप्रसंगिक प्रश्नों के साथ शिक्षक को बार-बार बाधित करता है। जब शिक्षक प्रश्नों को नजरअंदाज करता है, तो छात्र रुक जाता है। इस छात्र का संभावित 'गलत लक्ष्य' (Mistaken Goal) क्या था?
(A) ध्यान खींचना (Attention-getting)
(B) बदला लेना (Revenge)
(C) अपर्याप्तता का प्रदर्शन (Display of Inadequacy)
(D) सत्ता/शक्ति की तलाश (Power-seeking)

104. एक शिक्षक देखता है कि एक छात्र कोई भी काम करने से मना कर देता है, असाइनमेंट फाड़ देता है, और कहता है, "आप मुझसे यह नहीं करवा सकते।" शिक्षक बहस करने से बचता है और इसके बजाय छात्र को दो असाइनमेंट का विकल्प देता है। छात्र कौन सा गलत लक्ष्य प्रदर्शित कर रहा था, और किस रणनीति का उपयोग किया गया था?
(A) लक्ष्य: ध्यान खींचना; रणनीति: नियोजित उपेक्षा (Planned Ignoring)
(B) लक्ष्य: सत्ता/शक्ति; रणनीति: विकल्प प्रदान करना (Offering Choices)
(C) लक्ष्य: बदला लेना; रणनीति: तत्काल दंडात्मक कार्रवाई
(D) लक्ष्य: अपर्याप्तता का प्रदर्शन; रणनीति: अतिरिक्त शैक्षणिक ट्यूटरिंग

105. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): पसंद सिद्धांत (Choice Theory) में, एक प्रबंधक-शिक्षक छात्र व्यवहार को नियंत्रित करने के लिए जबरदस्ती और बाहरी पुरस्कारों पर अत्यधिक निर्भर करता है।
कारण (R): पसंद सिद्धांत (Choice Theory) यह मानता है कि सभी व्यवहार हमारी बुनियादी जरूरतों: उत्तरजीविता, प्यार/अपनेपन, शक्ति, स्वतंत्रता और मजे को संतुष्ट करने का हमारा सबसे अच्छा प्रयास हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

106. एक शिक्षक जो 'बॉस शिक्षक' के बजाय 'लीड शिक्षक' (Lead Teacher) के रूप में कार्य करता है, वह आमतौर पर:
(A) अंतर्निहित औचित्य को समझाए बिना सख्त व्यवहारात्मक अनुरूपता की मांग करेगा।
(B) कार्य की गुणवत्ता और सुधार पर चर्चा में छात्रों को शामिल करेगा।
(C) अनुपालन लागू करने के लिए मुख्य रूप से एक अनुशासनात्मक धमकी के रूप में शैक्षणिक ग्रेड का उपयोग करेगा।
(D) पूरी तरह से एकतरफा कक्षा के नियम निर्धारित करेगा और उन्हें सख्ती से लागू करेगा।

107. कौन सा कक्षा प्रबंधन दृष्टिकोण (Classroom Management Approach) इस विचार पर गहराई से ध्यान केंद्रित करता है कि शिक्षकों को पढ़ाने का अधिकार है और छात्रों को सीखने का अधिकार है, और नियमों व परिणामों की एक स्पष्ट प्रणाली का उपयोग करता है?
(A) बियोंड डिसिप्लिन (Beyond Discipline)
(B) शिक्षक प्रभावशीलता प्रशिक्षण (Teacher

Click Here to Buy book on Amazon

123. शिक्षक की डांट (Desist) की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए जो रिपल इफेक्ट (Ripple Effect) को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं:
I. स्पष्टता (यह निर्दिष्ट करना कि कौन दुर्व्यवहार कर रहा है और उन्हें क्या करना चाहिए)।
II. दृढ़ता (यह संप्रेषित करना कि शिक्षक गंभीर है)।
III. कठोरता (क्रोध और शारीरिक धमकी का उपयोग करना)।
शोध के अनुसार ऊपर दी गई कौन सी विशेषताएं प्रभावी हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

124. एक शिक्षक दो छात्रों को फुसफुसाते हुए देखता है। चिल्लाने के बजाय, शिक्षक दृढ़ता से और स्पष्ट रूप से कहता है, "राहुल और प्रिया, कृपया बात करना बंद करें और पृष्ठ 42 पढ़ना शुरु करें।" यह विरति (Desist) मुख्य रूप से प्रभावी है क्योंकि इसमें उच्च स्तर की:
(A) कठोरता (Roughness) है
(B) अस्पष्टता (Ambiguity) है
(C) आक्रामकता (Aggressive Nature) है
(D) स्पष्टता (Clarity) है

125. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): शिक्षकों को विशेष रूप से किशोरों के साथ व्यवहार को प्रबंधित करने के लिए ताने (Sarcasm) या सार्वजनिक अपमान का उपयोग करने से बचना चाहिए।
कारण (R): ताना और अपमान शिक्षक-छात्र तालमेल को नष्ट कर सकते हैं, बदले की भावना भड़का सकते हैं, और छात्र के आत्म-सम्मान को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

126. पाठ प्रबंधन (Lesson Management) में 'गति' (Momentum) का क्या अर्थ है?
(A) वह शारीरिक चलने की गति जिससे शिक्षक कक्षा में चारों ओर घूमता है।
(B) अनावश्यक मंदी के बिना निरंतर पाठ प्रगति।
(C) कक्षा शिक्षक की आवाज का प्रक्षेपण आयतन और स्वर।
(D) छात्रों को दिए गए गृहकार्य की कुल मात्रा।

127. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षक व्यवहार पाठ की 'गति' (Momentum) को बाधित करता है?
(A) कक्षा शुरु होने से पहले सभी शिक्षण सामग्रियों को पूरी तरह से पूर्व-तैयार करना।
(B) कक्षा के संक्रमण काल (Transition Period) को प्रबंधित करने के लिए लगातार दृश्यमान टाइमर का उपयोग करना।
(C) मामूली व्यवहार संबंधी मुद्दों या सरल अवधारणाओं पर अत्यधिक समय बर्बाद करना (Overdwelling)।
(D) शिक्षण प्रश्नों के उत्तर देने के लिए गैर-स्वयंसेवक छात्रों को सीधे बुलाना।

128. निम्नलिखित परिदृश्यों पर विचार कीजिए:
I. एक शिक्षक कचरा उठाने के बारे में कक्षा को 10 मिनट तक भाषण देने के लिए गणित के व्याख्यान को रोक देता है।
II. एक शिक्षक बोर्ड पर एक टाइपो की ओर इशारा करने के लिए एक मौन पठन सत्र को बाधित करता है।
III. एक शिक्षक प्रत्यक्ष शिक्षण से निर्देशित अभ्यास की ओर सुचारू रूप से बढ़ता है।
कौन सा परिदृश्य पाठ की सुगमता बनाए रखने में विफलता (उत्तेजना-बद्धता या विखंडन) को प्रदर्शित करता है?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

129. एक प्राचार्य एक ऐसे पाठ का मूल्यांकन करता है जहाँ शिक्षक निर्देश "अपनी कला सामग्री प्राप्त करें और चित्र बनाना शुरु करें" को इस प्रकार तोड़ता है: "खड़े हो जाओ। अलमारी तक जाओ। एक पेंसिल लो। एक कागज लो। वापस आओ। बैठ जाओ। चित्र बनाना शुरु करो।" किसी सरल कार्य का यह अनावश्यक विखंडन कहलाता है:
(A) ओवरलैपिंग (Overlapping)
(B) ग्रुप अलर्टिंग (Group Alerting)
(C) विथइटनेस (Withitness)
(D) विखंडन (Fragmentation)

130. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): छात्रों के लिए शैक्षणिक सफलता की उच्च दर बनाए रखने से कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) की समस्याएं कम होती हैं।
कारण (R): जो छात्र लगातार विफलता और निराशा का अनुभव करते हैं, उनके ऑफ-टास्क और विघटनकारी व्यवहार प्रदर्शित करने की अधिक संभावना होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

131. व्यवहार के लिए फीडबैक प्रदान करने के संदर्भ में, कौन सा दृष्टिकोण सकारात्मक कक्षा प्रबंधन (Positive Classroom Management) के साथ सबसे अधिक संरेखित है?

NODIA

प्रदान करने से व्यवहारात्मक समस्याओं में काफी कमी आ सकती है।

कारण (R): विकल्प प्रदान करना स्वायत्तता की मनोवैज्ञानिक आवश्यकता को पूरा करता है और शिक्षक व छात्र के बीच शक्ति संघर्ष को कम करता है।

(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

116. दिनचर्या स्थापित करने के संदर्भ में, 'स्पंज गतिविधि' (Sponge Activity) क्या है?

(A) दिन के अंत में भौतिक कक्षा की सफाई के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन की गई एक नियमित गतिविधि।
(B) खाली शिक्षण समय को भरने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक छोटा, सार्थक शैक्षणिक कार्य।
(C) स्कूल परिसर के भीतर शारीरिक श्रम से जुड़ा एक औपचारिक अनुशासनात्मक दंड।
(D) एक अत्यधिक जटिल, दीर्घकालिक समूह परियोजना जो पूरे शैक्षणिक सेमेस्टर तक चलती है।

117. निम्नलिखित में से कौन सा एक प्रभावी स्पंज गतिविधि (Bell-ringer) का उदाहरण है?

(A) छात्रों को पहले 5 मिनट के लिए अपने व्यक्तिगत मोबाइल फोन का खुलकर उपयोग करने की अनुमति देना।
(B) छात्रों से अपने सिर को डेस्क पर रखने और चुपचाप आराम करने या सोने के लिए कहना।
(C) बैठने पर छात्रों के हल करने के लिए बोर्ड पर एक संक्षिप्त गणित पहेली होना।
(D) प्रशासनिक काम निपटाने के लिए चयनित छात्रों को कक्षा से बाहर भेजना।

118. निम्नलिखित कक्षा तत्वों पर विचार कीजिए:

I. आवागमन पैटर्न (डेस्क और संसाधनों के आसपास आवाजाही)।
II. दृश्यता (शिक्षक का छात्रों को देखना और छात्रों का शिक्षण सामग्री को देखना)।
III. सुलभता (सामग्रियों तक आसान पहुँच)।

कक्षा के भौतिक वातावरण को व्यवस्थित करते समय ऊपर दिए गए तत्वों में से कौन से महत्वपूर्ण विचार हैं?

(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

119. एक प्राचार्य एक ऐसी कक्षा का अवलोकन करता है जहाँ शिक्षक का डेस्क कमरे के ठीक बीच में रखा गया है, जिससे छात्रों को दरवाजे या किताब की अलमारी तक पहुँचने के लिए इसके आसपास से गुज़रना पड़ता है। भौतिक कक्षा प्रबंधन के किस नियम का उल्लंघन किया जा रहा है?

(A) सामान्य सौंदर्य अपील को अधिकतम करना
(B) दृढ अनुशासन नियमों को लागू करना
(C) सक्रिय समूह चेतावनी (Group Alerting) बनाए रखना
(D) स्पष्ट आवागमन पैटर्न (Traffic Patterns) सुनिश्चित करना

120. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।

अभिकथन (A): एक "टाइम-आउट" (Time-out) कोना स्थापित करना सार्वभौमिक रूप से सभी प्रकार के दुर्व्यवहार के लिए सबसे अच्छी रणनीति है, जिसमें शैक्षणिक कठिनाइयाँ भी शामिल हैं।

कारण (R): टाइम-आउट छात्र को सकारात्मक सुदृढ़ीकरण से हटा देता है, जो सभी व्यवहारों को संशोधित करने के लिए प्रभावी है।

(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

121. आधुनिक सकारात्मक व्यवहार प्रबंधन में एक दंडात्मक 'टाइम-आउट' (Time-out) और एक 'शांत-क्षेत्र' (Calm-down Corner) के बीच मौलिक अंतर क्या है?

(A) टाइम-आउट को शांत-क्षेत्र के अनुभव की तुलना में कुल अवधि (Duration) में बहुत छोटा होने के लिए सख्ती से डिजाइन किया गया है।
(B) टाइम-आउट बड़े छात्रों के लिए आरक्षित है, जबकि शांत-क्षेत्र का उपयोग केवल प्रारंभिक बचपन में किया जाता है।
(C) शांत-क्षेत्र स्व-चयनित स्व-नियमन (Self-Regulation) स्थान हैं, जबकि टाइम-आउट दंडात्मक पृथक्करण हैं।
(D) शब्दों के बीच कोई कार्यात्मक अंतर नहीं है; वे पूरी तरह से विनिमेय हैं।

122. निम्नलिखित में से कौन सा कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) में 'रिपल इफेक्ट' (Ripple Effect) का वर्णन करता है?

(A) जब शिक्षक कमरे से बाहर जाता है तो कक्षा में शोर के स्तर में क्रमिक, निरंतर वृद्धि।
(B) एक छात्र को डांटना किस प्रकार अवलोकन करने वाले सहपाठियों के व्यवहार को प्रभावित करता है।
(C) धोखाधड़ी को रोकने के लिए छात्र डेस्क को दूर-दूर तक फैलाने की भौतिक प्रक्रिया।
(D) वह मनोवैज्ञानिक घटना जहाँ सकारात्मक सुदृढ़ीकरण समय के साथ अपनी प्रभावशीलता खो देता है।

Downloaded from www.pdf.tube

Effectiveness Training - TET)
(C) दृढ अनुशासन (Assertive Discipline)
(D) गैर-निर्देशात्मक शिक्षण (Non-directive Teaching)

108. दृढ अनुशासन (Assertive Discipline) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसके लिए नियंत्रण बनाए रखने के लिए शिक्षक को शत्रुतापूर्ण और आक्रामक तरीके से कार्य करने की आवश्यकता होती है।
II. यह छात्रों और माता-पिता के साथ साझा की गई एक स्पष्ट अनुशासन योजना की वकालत करता है।
III. यह नियम उल्लंघनों के लिए परिणामों के पदानुक्रम (Hierarchy of Consequences) का उपयोग करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

109. एक शिक्षक का मूल्यांकन करने वाला एक स्कूल प्राचार्य यह नोट करता है कि छात्र के व्यवहार को संबोधित करते समय शिक्षक 'यू-मैसेज' (You-messages) के बजाय 'आई-मैसेज' (I-messages) का उपयोग करता है (उदा., "मुझे निराशा महसूस होती है जब पढ़ने के समय बातचीत होती है क्योंकि यह दूसरों का ध्यान भटकाती है।")। यह तकनीक किसकी एक पहचान है:
(A) दृढ अनुशासन मॉडल (Assertive Discipline Model)
(B) शिक्षक प्रभावशीलता प्रशिक्षण (Teacher Effectiveness Training - TET)
(C) व्यवहार संशोधन सिद्धांत (Behavior Modification Principles)
(D) पारंपरिक प्रशासनिक शारीरिक दंड (Traditional Administrative Corporal Punishment)

110. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): एक अच्छी तरह से तैयार किया गया 'आई-संदेश' ('I' Message) अनुशासनात्मक बातचीत के दौरान छात्र के रक्षात्मक रवैये को कम करता है।
कारण (R): एक 'आई-संदेश' छात्र के चरित्र पर हमला करने के बजाय शिक्षक की भावनाओं और व्यवहार के वास्तविक प्रभाव पर केंद्रित होता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

111. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) में 'सामीप्य नियंत्रण' (Proximity Control) को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) समान शैक्षणिक क्षमताओं वाले छात्रों को बैठने की व्यवस्था में पास-पास समूहित करना।
(B) ध्यान भटके छात्र के पास शारीरिक रूप से जाना ताकि उसका ध्यान पुनः केंद्रित किया जा सके।
(C) खिड़कियों से डेस्क की निकटता के आधार पर कक्षा के तापमान और प्रकाश को नियंत्रित करना।
(D) अपने बच्चे के दैनिक व्यवहार के संबंध में माता-पिता के साथ लगातार निकट संचार बनाए रखना।

112. जब कोई शिक्षक 'विरति रणनीतियों' (Desist Strategies) का उपयोग करता है, तो वह:
(A) लगातार कठिन छात्र को प्रबंधित करने का प्रयास पूरी तरह से छोड़ रहा है।
(B) छात्रों को रटकर याद करने पर निर्भर रहने से रोकने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।
(C) कक्षा में संरचित पुनरुद्धारक न्याय कम्युनिटी सर्कल लागू कर रहा है।
(D) दुर्व्यवहार को रोकने के लिए विशिष्ट कार्रवाइयों का उपयोग कर रहा है जैसे कि मौखिक चेतावनी।

NODIA

113. मामूली दुर्व्यवहार के लिए निम्नलिखित गैर-मौखिक हस्तक्षेपों (Non-verbal Interventions) पर विचार कीजिए:
I. ऑफ-टास्क छात्र के साथ लगातार आई कांटेक्ट बनाना।
II. कमरे के पार से छात्र का नाम चिल्लाना।
III. उस कार्य या पृष्ठ की ओर इशारा करना जिस पर छात्र को काम करना चाहिए।
IV. हाथ के इशारे का उपयोग करना (उदा., शांति के लिए उठा हुआ हाथ)।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से उपयुक्त गैर-मौखिक हस्तक्षेपों का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(A) I, II और III
(B) I, III और IV
(C) II, III और IV
(D) I, II, III और IV

114. एक छात्र परीक्षा के दौरान ज़ोर से पेंसिल पटक रहा है। शिक्षक बिना एक शब्द बोले, आई कांटेक्ट बनाते हुए छात्र के डेस्क के पास से गुजरता है और हल्के से डेस्क को थपथपाता है। छात्र रुक जाता है। यह किसका एक उदाहरण है?
(A) व्यवहारात्मक वृद्धि (Behavioral Escalation)
(B) सत्तावादी डांट (Authoritarian Reprimand)
(C) न्यूनतम हस्तक्षेप रणनीति (Least Intrusive Strategy)
(D) सकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Positive Reinforcement)

115. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): कक्षा के ढांचे के भीतर छात्रों को विकल्प

(A) शिक्षक फीडबैक का उपयोग विशेष रूप से दंड के औपचारिक तंत्र के रूप में करना।
(B) सत्र के अंत में विलंबित, अत्यधिक सामान्यीकृत व्यवहारात्मक फीडबैक प्रदान करना।
(C) दुर्व्यवहार करने वाले छात्र के कार्यों की तुलना सार्वजनिक रूप से एक आदर्श सहपाठी से करना।
(D) जब छात्र अच्छा व्यवहार करते हैं तो तत्काल, विशिष्ट प्रशंसा प्रदान करना।

132. एक शिक्षक रचनात्मक तरीके से कक्षा प्रबंधन के लिए 'सहकर्मी प्रभाव' (Peer Influence) का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे कर सकता है?
(A) व्यक्तिगत छात्रों को उनके सहपाठियों के हर मामूली व्यवहारात्मक उल्लंघन (Infraction) की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित करना।
(B) यदि कोई एक छात्र दुर्व्यवहार करता है तो पूरी कक्षा के समूह को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करना।
(C) समूह आकस्मिकता (Group Contingencies) का उपयोग करना जहाँ टीमें सामूहिक अच्छे व्यवहार के लिए पुरस्कार अर्जित करती हैं।
(D) अत्यधिक आक्रामक शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में छात्र समूहों को सीधे एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करना।

133. 'गुड बिहेवियर गेम' (एक अच्छी तरह से शोध की गई अंतःनिर्भर समूह आकस्मिकता रणनीति) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. कक्षा को टीमों में विभाजित किया गया है।
II. पूर्व-परिभाषित अनुपयुक्त व्यवहारों के लिए टीमें अंक खो देती हैं।
III. जो टीमें अंकों की एक निश्चित संख्या से नीचे रहती हैं वे एक पुरस्कार जीतती हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

134. एक स्कूल प्रशासक एक अत्यधिक विद्रोही छात्र से निपटने वाले शिक्षक को 'व्यवहार अनुबंध' (Behavior Contract) का उपयोग करने की सलाह देता है। व्यवहार अनुबंध का प्राथमिक लाभ क्या है?
(A) यह स्कूल प्रशासन को छात्र को तुरंत निष्कासित करने के लिए स्पष्ट कानूनी आधार प्रदान करता है।
(B) यह चल रही अनुशासनात्मक प्रक्रिया से माता-पिता और अभिभावकों को पूरी तरह से हटा देता है।
(C) यह आचरण को संशोधित करने के लिए पूरी तरह से नकारात्मक व्यवहारात्मक सुदृढ़ीकरण तकनीकों पर निर्भर करता है।
(D) यह छात्र के साथ लिखित रूप में लक्षित व्यवहार, पुरस्कार और परिणाम निर्धारित करता है।

135. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी कक्षा प्रबंधन (Culturally Responsive Classroom Management) के लिए शिक्षकों को अपने पूर्वाग्रहों को पहचानने और अपने छात्रों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझने की आवश्यकता होती है।
कारण (R): एक संस्कृति में अपमानजनक माने जाने वाले व्यवहार (जैसे, आई कांटेक्ट से बचना) दूसरी संस्कृति में सम्मान का संकेत हो सकते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

136. जब एक शिक्षक का सामना ऐसे छात्र से होता है जो बार-बार अपनी बारी के बिना बोलता है लेकिन विषय के प्रति उत्साह के कारण ऐसा करता है, तो सबसे उपयुक्त प्रबंधन रणनीति क्या है जो प्रेरणा को बनाए रखती है?
(A) लगातार कक्षा में व्यवधान डालने के लिए छात्र को तुरंत स्कूल से निलंबित कर दें।
(B) कक्षा के दौरान छात्र द्वारा दिए गए सभी मौखिक योगदानों को स्थायी रूप से नजरअंदाज करें।
(C) बिना पूछे बोलने के प्रत्येक मामले के लिए व्यक्तिगत शैक्षणिक प्रतिशत अंक काट लें।
(D) छात्र को हाथ उठाने की प्रक्रियाओं की याद दिलाते हुए उसके उत्साह को स्वीकार करें।

137. पुनरुद्धारक कक्षा वातावरण में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प 'भावात्मक कथनों' (Affective Statements) को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) औपचारिक नैदानिक कथन जो किसी छात्र की मनोवैज्ञानिक स्थिति का निदान करने का प्रयास करते हैं।
(B) किसी व्यवहार के प्रभाव के बारे में शिक्षक की भावनाओं को व्यक्त करने वाले कथन।
(C) उच्च शैक्षणिक उपलब्धि की प्रशंसा करने के लिए सख्ती से और विशेष रूप से उपयोग किए जाने वाले मौखिक कथन।
(D) स्कूल प्राचार्य द्वारा कर्मचारियों को सीधे जारी किए गए आधिकारिक प्रशासनिक निर्देश।

138. निम्नलिखित संचार शैलियों पर विचार कीजिए:
I. "आप हमेशा देर से आते हैं और मेरी कक्षा को बाधित करते हैं!" ('You' Statement)
II. "जब आप देर से आते हैं तो मुझे चिंता और भटकाव महसूस होता है, क्योंकि यह पाठ के प्रवाह को बाधित करता है।" ('I' Statement)
III. "यदि आप फिर से देर से आते हैं, तो आप असफल हो जाएंगे।" (धमकी)

Click Here to Buy book on Flipkart

154. कला-एकीकृत अधिगम (Art-Integrated Learning) कक्षा के एक परिदृश्य में छात्र सीमित आपूर्ति (पेंट, ब्रश) साझा करते हैं। तर्कों को रोकने और कक्षा को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए, शिक्षक को चाहिए:
(A) वास्तविक दुनिया के अस्तित्व के कौशल (Survival Skills) सिखाने के लिए छात्रों को सीमित आपूर्ति पर लड़ने दें।
(B) कोई भी आपूर्ति प्रदान न करें और छात्रों से स्वयं खरीदने की मांग करें।
(C) समूह की आपूर्ति एकत्र करने और वापस करने के लिए एक सामग्री प्रबंधक (Materials Manager) नियुक्त करें।
(D) कक्षा में कला-एकीकृत शिक्षण गतिविधियों को संचालित करना पूरी तरह से बंद कर दें।

155. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): स्कूल प्रशासन द्वारा साइबरबुलिंग को संबोधित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह स्कूल परिसर के बाहर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होता है।
कारण (R): साइबरबुलिंग छात्र के मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है, जिससे स्कूल के भीतर एक शत्रुतापूर्ण वातावरण बन सकता है जिसे संबोधित करने के लिए प्रशासक बाध्य हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

156. निम्नलिखित में से कौन सा स्कूलों में बुलिंग को रोकने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण (Proactive Approach) का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) पीड़ित छात्रों की शारीरिक सुरक्षा की गारंटी के लिए उन्हें स्कूल से निकाल देना।
(B) सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (Social-Emotional Learning - SEL) पाठ्यक्रमों का उपयोग करना जो सहानुभूति और संघर्ष समाधान सिखाते हैं।
(C) मामूली मौखिक चिढ़ाने के मामलों को तब तक नजरअंदाज करना जब तक वे शारीरिक झगड़े में न बदल जाएं।
(D) शारीरिक शिक्षा के दौरान प्रतिस्पर्धी योग्यतम की उत्तरजीविता (Survival of the Fittest) मानसिकता को बढ़ावा देना।

157. एक प्राचार्य बुलिंग से निपटने के लिए 'बायस्टैंडर हस्तक्षेप' (Bystander Intervention) संस्कृति स्थापित करना चाहता है। छात्रों को कौन सा संदेश सिखाया जाना चाहिए?
(A) अपने व्यक्तिगत काम से काम रखें और तेजी से दूर चले जाएं।
(B) मौखिक रूप से चिढ़ाने में शामिल हों ताकि आप अगला शिकार न बनें।
(C) प्रभुत्व दिखाने के लिए बुलिंग करने वाले का शारीरिक रूप से सामना करें और लड़ें।
(D) सुरक्षित रूप से बोलें, पीड़ित का समर्थन करें, और किसी वयस्क को रिपोर्ट करें।

158. बुलिंग की गतिशीलता में निम्नलिखित भूमिकाओं पर विचार कीजिए:
I. बुलिंग करने वाला (The Bully)
II. पीड़ित (The Victim)
III. सक्रिय समर्थक (Active Supporters - जो सक्रिय रूप से भाग लेते हैं लेकिन शुरुआत नहीं करते)
IV. निष्क्रिय समर्थक (Passive Supporters - जो हंसते हैं लेकिन सक्रिय भाग नहीं लेते)
V. रक्षक (Defenders - जो पीड़ित की मदद करने की कोशिश करते हैं)
सहकर्मी की गतिशीलता को बदलने और बुलिंग को रोकने के लिए उपरोक्त में से किस समूह को लक्षित करना सबसे महत्वपूर्ण है?
(A) केवल I और II
(B) III, IV और V
(C) केवल V
(D) केवल I

NODIA

159. एक परिदृश्य में एक छात्र रिपोर्ट करता है कि उसका दोपहर का भोजन बार-बार चोरी हो रहा है। शिक्षक एक 'पुनरुद्धारक सम्मेलन' (Restorative Conference) स्थापित करने का निर्णय लेता है। इस सम्मेलन के प्रभावी होने के लिए आदर्श रूप से किसे उपस्थित होना चाहिए?
(A) अपराधी, पीड़ित, और एक प्रशिक्षित सुविधाप्रदाता (Facilitator)।
(B) विशेष रूप से स्कूल प्राचार्य (School Principal) और पीड़ित छात्र।
(C) मुख्य हॉल में एकत्र पूरा स्कूल निकाय।
(D) बच्चों को छोड़कर, केवल शामिल छात्रों के माता-पिता।

160. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): पुनरुद्धारक अनुशासन (Restorative Discipline) का तात्पर्य है कि बुरे व्यवहार के लिए कोई परिणाम नहीं होते हैं।
कारण (R): पुनरुद्धारक अनुशासन ध्यान को दंडात्मक परिणामों (जैसे निलंबन) से हटाकर प्राकृतिक और तार्किक परिणामों की ओर ले जाता है, जो सुधार करने पर जोर देते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

वर्ष में बाद में व्यवहारात्मक व्यवधानों को काफी हद तक कम करके और शिक्षण समय बचाकर लाभ पहुंचाता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

146. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प कक्षा प्रबंधन में उपयोग किए जाने वाले 'बाहरी' प्रेरक (Extrinsic Motivator) का सर्वोत्तम प्रतिनिधित्व करता है?
(A) एक जटिल गणित समस्या को हल करने से आंतरिक संतुष्टि।
(B) पसंदीदा किताब पढ़ते समय महसूस होने वाली आंतरिक खुशी।
(C) विज्ञान परियोजना के बारे में छात्र की स्वाभाविक जिज्ञासा।
(D) प्रार्थना सभा में प्रस्तुत किया गया एक प्रमाण पत्र।

147. कक्षा प्रबंधन के लिए विशुद्ध रूप से बाहरी प्रेरक (जैसे स्टिकर या अंक) पर निर्भर रहने की एक प्रमुख सीमा क्या है?
(A) वे वर्तमान राष्ट्रीय शैक्षणिक दिशानिर्देशों के तहत सख्ती से अवैध हैं।
(B) वे सीखने की आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) को कमजोर कर सकते हैं।
(C) छात्र के व्यवहार पर उनका कोई दीर्घकालिक प्रभाव (Long-term Impact) नहीं पड़ता है।
(D) वे युवा छात्रों को तत्काल और गंभीर शारीरिक नुकसान पहुँचाते हैं।

148. कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) के निम्नलिखित दृष्टिकोणों पर विचार कीजिए:
I. सत्तावादी (Authoritarian - उच्च नियंत्रण, कम स्नेह)
II. आधिकारिक/प्रामाणिक (Authoritative - उच्च नियंत्रण, उच्च स्नेह)
III. अनुज्ञात्मक (Permissive - कम नियंत्रण, उच्च स्नेह)
IV. अहस्तक्षेपवादी (Laissez-faire - कम नियंत्रण, कम स्नेह)
शोध से पता चलता है कि सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक और व्यवहारात्मक परिणाम किस शैली से जुड़े हैं?
(A) I
(B) II
(C) III
(D) IV

149. एक प्राचार्य एक कक्षा में प्रवेश करता है और निम्नलिखित अवलोकन करता है: शिक्षक के पास स्पष्ट, सुसंगत नियम हैं, छात्रों से उच्च अपेक्षाएं रखता है, लेकिन अक्सर मुस्कुराता है, प्रयास की प्रशंसा करता है, और छात्र के इनपुट को सुनता है। इस शिक्षक की प्रबंधन शैली है:
(A) सत्तावादी (Authoritarian)
(B) अनुज्ञात्मक (Permissive)
(C) उदासीन (Indifferent)
(D) आधिकारिक/प्रामाणिक (Authoritative)

150. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): कुशलतापूर्वक संक्रमणों का प्रबंधन करना एक विशेषज्ञ शिक्षक की पहचान है।
कारण (R): खराब प्रबंधित संक्रमणों के कारण शैक्षणिक अधिगम समय का नुकसान होता है और ऑफ-टास्क व्यवहार की संभावना बढ़ जाती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

151. प्राथमिक विद्यालय के माहौल में आमतौर पर निम्नलिखित में से किस संक्रमण प्रकार के लिए सबसे अत्यधिक संरचित प्रबंधन की आवश्यकता होती है?
(A) एक ही डेस्क पर पाठ्यपुस्तक पढ़ने से नोटबुक में लिखने (Writing) की ओर बढ़ना।
(B) शारीरिक शिक्षा (Physical Education - PE) के लिए पूरी कक्षा को कक्षा से खेल के मैदान में ले जाना।
(C) व्याख्यान के दौरान शिक्षक का विषयों को बदलना।
(D) एक छात्र द्वारा व्यक्तिगत रूप से एक कागज को आगे बढ़ाना।

NODIA

152. समूह कार्य के प्रबंधन में, 'सामाजिक आलस्य' (Social Loafing) शब्द का क्या अर्थ है?
(A) समूह कार्य के समय छात्र आराम से स्नैक्स और खाना खा रहे हैं।
(B) व्यक्तिगत रूप से काम करने की तुलना में समूह में काम करते समय कम प्रयास करना।
(C) नियमित स्कूल समय के बाहर छात्र नियमित रूप से एक साथ घूमते-फिरते हैं।
(D) छात्रों के काम करने के दौरान कक्षा शिक्षक का अनौपचारिक ब्रेक लेना।

153. समूह कार्य के दौरान सामाजिक आलस्य (Social Loafing) को रोकने के लिए निम्नलिखित रणनीतियों पर विचार कीजिए:
I. समूह का आकार छोटा रखना (उदा., 3-4 छात्र)।
II. प्रत्येक सदस्य को विशिष्ट भूमिकाएँ सौंपना।
III. समूह और व्यक्तिगत दोनों जवाबदेही मूल्यांकनों को लागू करना।
IV. समूह का आकार यथासंभव बड़ा बनाना (उदा., 10 छात्र)।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) II, III और IV
(D) I, III और IV

वैकल्पिक और प्राकृतिक हैं।
कारण (R): दिनचर्या कक्षा के 'अदृश्य ढांचे' के रूप में काम करती हैं, जो संज्ञानात्मक ऊर्जा और समय बचाती हैं, जिससे वे नियमों की तरह ही आवश्यक बन जाती हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

186. निम्नलिखित में से कौन सी रणनीति एक उत्साहित शारीरिक शिक्षा (Physical Education - PE) अवधि के बाद कक्षा में लौटने वाले छात्रों के संक्रमण का सबसे अच्छा समर्थन करती है?
(A) छात्रों के प्रवेश करते ही तत्काल मौन के लिए उन पर ज़ोर से चिल्लाना।
(B) पूर्ण मौन की मांग करने के लिए एक अप्रत्याशित अचानक सरप्राइज परीक्षा देना।
(C) शांत होने की दिनचर्या का उपयोग करना जैसे संक्षिप्त मौन पठन या साँस लेने के व्यायाम।
(D) उच्च शोर के स्तर को पूरी तरह से नजरअंदाज करना और छात्रों की बातचीत पर व्याख्यान देना शुरु करना।

187. बड़ी कक्षाओं के प्रबंधन में, 'सामूहिक अनुक्रिया' (Choral Responding) का सबसे अच्छा उपयोग किसके लिए किया जाता है:
(A) एकल सही उत्तर के साथ मूलभूत तथ्यों और शब्दावली की समीक्षा करना।
(B) गहन दार्शनिक चर्चाओं को सुगम बनाना जिनमें सूक्ष्म छात्र विचारों की आवश्यकता होती है।
(C) जटिल और संवेदनशील व्यक्तिगत छात्र अनुशासनात्मक मुद्दों को संभालना।
(D) औपचारिक योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) प्रदर्शन और ग्रेडिंग का मूल्यांकन करना।

188. तालमेल बनाने और वातावरण प्रबंधित करने के लिए निम्नलिखित तकनीकों पर विचार कीजिए:
I. '2x10 रणनीति' (एक कठिन छात्र से गैर-अकादमिक हितों के बारे में बात करने के लिए लगातार 10 दिनों तक दिन में 2 मिनट बिताना)।
II. सकारात्मक नोट भेजना या घर पर सकारात्मक फोन कॉल करना।
III. शर्मिंदगी के माध्यम से प्रेरित करने के लिए सबसे कम ग्रेड को सार्वजनिक रूप से पढ़ना।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से प्रभावी तालमेल बनाने वाले उपकरण हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

189. एक शिक्षक देखता है कि एक छात्र का सिर डेस्क पर है और वह काम करने से मना कर रहा है। डांटने के बजाय, शिक्षक नीचे झुकता है और चुपचाप पूछता है, "क्या आप ठीक हैं? क्या शुरु करने से पहले आपको कुछ मिनट चाहिए?" यह दृष्टिकोण किसके साथ संरेखित है:
(A) ट्रॉमा-इन्फॉर्मड प्रबंधन (Trauma-Informed Management)
(B) सत्तावादी कक्षा अनुशासन (Authoritarian Classroom Discipline)
(C) अहस्तक्षेप शैली की उदासीनता (Laissez-faire Indifference)
(D) दृढ व्यवहारात्मक अनुशासन (Assertive Behavioral Discipline)

190. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): चुनौतीपूर्ण छात्रों को हर समय शिक्षक के डेस्क के बगल में बैठाना सबसे प्रभावी दीर्घकालिक प्रबंधन रणनीति है।
कारण (R): जबकि सामीप्य (Proximity) अस्थायी रुप से दुर्व्यवहार को कम कर सकती है, किसी छात्र को अलग-थलग करना या उन्हें स्थायी रूप से निगरानी में रखना तालमेल को नुकसान पहुंचा सकता है और कलंक बढ़ा सकता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

191. कक्षा प्रबंधन में 'टोकन इकोनॉमी' (Token Economy) का एक मुख्य घटक निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) उपयोग किए गए टोकन में वास्तविक सिक्कों की तरह उच्च आंतरिक भौतिक मूल्य होना चाहिए।
(B) बैकअप सुदृढ़कों या विशेषाधिकारों के लिए टोकन विनिमेय होने चाहिए।
(C) टोकन केवल दंड के रूप में हटाए जाने चाहिए, और अच्छे आचरण के लिए कभी नहीं दिए जाने चाहिए।
(D) टोकन प्रणाली के परिचालन नियमों को छात्रों से गुप्त रखा जाना चाहिए।

192. एक नियम और एक प्रक्रिया (दिनचर्या) के बीच प्राथमिक अंतर क्या है?
(A) नियमों में परिणाम शामिल होते हैं; प्रक्रियाओं में अनुस्मारक और पुनः शिक्षण शामिल होता है।
(B) प्रक्रियाएं नैतिक चरित्र को नियंत्रित करती हैं, जबकि नियम भौतिक गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं।
(C) नियम प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए बनाए गए हैं, जबकि प्रक्रियाएं माध्यमिक पर लागू होती हैं।
(D) शब्दों के बीच कोई कार्यात्मक अंतर नहीं है; वे पूरी तरह से विनिमेय हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

161. पुनरुद्धारक कक्षा (Restorative Classroom) में समुदाय बनाने के लिए कौन सा अभ्यास केंद्रीय है?
(A) बार-बार, अघोषित अचानक परीक्षा (Pop Quizzes) आयोजित करना।
(B) भावनाओं को साझा करने और संबंध बनाने के लिए सक्रिय सुबह के चक्र (Morning Circles)।
(C) नोटिस बोर्ड पर छात्र ग्रेड रैंकिंग को सार्वजनिक रूप से पोस्ट करना।
(D) कैफेटेरिया में अनिवार्य मौन दोपहर के भोजन को लागू करना।

162. पुनरुद्धारक मध्यस्थता (Restorative Mediation) में, क्या हुआ यह स्थापित करने के बाद, आमतौर पर अगला कदम क्या होता है?
(A) शारीरिक दंड की प्रशासनिक गंभीरता पर निर्णय लेना।
(B) यह खोजना कि कौन प्रभावित हुआ और उन्हें कैसे नुकसान पहुँचाया गया।
(C) तुरंत कानून प्रवर्तन अधिकारियों को बुलाना।
(D) दोषी छात्र को स्कूल से स्थायी रूप से निष्कासित करना।

163. किसी विद्यालय में पुनरुद्धारक अभ्यासों (Restorative Practices) को सफलतापूर्वक लागू करने के निम्नलिखित परिणामों पर विचार कीजिए:
I. निलंबन और निष्कासन दरों में कमी।
II. स्कूल के माहौल और शिक्षक-छात्र संबंधों में सुधार।
III. हमेशा के लिए सभी संघर्षों का पूर्ण उन्मूलन।
IV. अपने कार्यों के लिए छात्र जवाबदेही में वृद्धि।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से यथार्थवादी और सही हैं?
(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) II, III और IV
(D) I, III और IV

164. एक प्राचार्य एक कक्षा के पास से गुजरता है और छात्रों को एक वृत्त में बैठे देखता है, जो एक 'टॉकिंग पीस' (Talking Piece) पास कर रहे हैं। किस कक्षा प्रबंधन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है?
(A) पुनरुद्धारक कम्युनिटी सर्कल (Restorative Community Circle)
(B) पारंपरिक दंडात्मक डिटेंशन (Traditional Punitive Detention)
(C) टोकन इकोनॉमी वितरण प्रणाली (Token Economy System)
(D) औपचारिक अकादमिक परीक्षण सत्र

165. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): जब छात्र कक्षा के नियमों का सह-निर्माण करते हैं, तो शिक्षक वयस्क अधिकार के रूप में अपनी जिम्मेदारी का त्याग कर रहा होता है।
कारण (R): नियमों का सह-निर्माण एक शैक्षणिक रणनीति है जो छात्रों के बीच नागरिक जिम्मेदारी, महत्वपूर्ण सोच और आंतरिक प्रेरणा विकसित करती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

NODIA

166. यदि छात्र एक ऐसा नियम सह-निर्मित करते हैं जो पूरी तरह से अव्यवहारिक है (जैसे, "कभी गृहकार्य नहीं"), तो प्रक्रिया का मार्गदर्शन करने वाले शिक्षक की ओर से क्या उपयुक्त प्रतिक्रिया है?
(A) नियम को पूरी तरह से स्वीकार करें क्योंकि यह लोकतांत्रिक वोट के माध्यम से तैयार किया गया था।
(B) स्कूल नीति की आवश्यकताओं को समझाएं, फिर एक व्यावहारिक समझौते पर बातचीत करें।
(C) छात्रों के सुझाव पर सार्वजनिक रूप से हंसें और उनकी लिखित सूची को फाड़ दें।
(D) मूल रूप से नियम का सुझाव देने वाले व्यक्तिगत छात्र को तुरंत दंडित करें।

167. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द उन परिणामों का सर्वोत्तम वर्णन करता है जो तार्किक रूप से दुर्व्यवहार से संबंधित हैं, सम्मानजनक हैं, और अग्रिम रूप से उचित हैं (अक्सर सह-निर्मित नियमों से जुड़े होते हैं)?
(A) मनमाने दंड (Arbitrary Punishments)
(B) शारीरिक दंड (Corporal Punishments)
(C) तार्किक परिणाम (Logical Consequences)
(D) विलोपन प्रक्रियाएं (Extinction Procedures)

168. निम्नलिखित परिदृश्य पर विचार कीजिए: एक छात्र जानबूझकर स्थायी मार्कर से अपने डेस्क पर लिखता है। सबसे उपयुक्त 'तार्किक परिणाम' (Logical Consequence) क्या है?
(A) छात्र को गणित की कक्षा में स्वचालित रूप से असफल ग्रेड मिलता है।
(B) छात्र को पूरे तीन दिनों के लिए आउट-ऑफ़-स्कूल निलंबन मिलता है।
(C) छात्र डेस्क को साफ करता है और अन्य डेस्क को साफ करने में सहायता करता है।
(D) शिक्षक सीधे बदले की कार्रवाई में जानबूझकर छात्र की नोटबुक पर लिखता है।

169. नियम बनाने पर कक्षा चर्चा के दौरान, एक शिक्षक पूछता है, "यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर कोई बोलने में सुरक्षित महसूस करे, हमें एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?" यह प्रश्न कक्षा प्रबंधन के किस क्षेत्र को लक्षित करता है?
(A) भौतिक कक्षा लेआउट (Physical Classroom Layout)
(B) पारस्परिक वातावरण (Interpersonal Climate)
(C) शिक्षण समय प्रबंधन

पुनरुद्धारक और सकारात्मक अनुशासन ढाँचे (Restorative and Positive Discipline Frameworks) द्वारा किस शैली की सिफारिश की जाती है?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) केवल III
(D) I और III

139. एक प्राचार्य किसी छात्र के व्यवहारात्मक मुद्दों के संबंध में एक अभिभावक-शिक्षक बैठक की अध्यक्षता कर रहा है। शिक्षक पिछले महीने के दौरान छात्र की सभी कमियों की सूची बनाकर शुरुआत करता है। प्राचार्य हस्तक्षेप करता है और 'सैंडविच दृष्टिकोण' (Sandwich Approach) का उपयोग करता है। इसमें क्या शामिल है?
(A) पारस्परिक तनाव को कम करने में मदद के लिए बैठक के दौरान जलपान और भोजन की पेशकश करना।
(B) प्रशंसा के साथ शुरुआत करना, चिंताओं पर चर्चा करना, और एक सकारात्मक लक्ष्य के साथ समाप्त करना।
(C) दोष पूरी तरह से पहले माता-पिता पर, फिर छात्र पर, और अंत में स्कूल प्रणाली पर डालना।
(D) अभिभावकों के फीडबैक को सुने बिना शिक्षक की दंडात्मक कार्रवाइयों का आक्रामक रूप से बचाव करना।

140. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) वाली समावेशी कक्षाओं (Inclusive Classrooms) में, व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यवहारात्मक अपेक्षाएं समान और कठोर होनी चाहिए।
कारण (R): व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम (Individualized Education Program - IEP) कुछ छात्रों के लिए विशिष्ट व्यवहारात्मक समायोजन और संशोधनों को अनिवार्य कर सकते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

141. एडीएचडी (Attention Deficit Hyperactivity Disorder - ADHD) से पीड़ित छात्र के लिए, कौन सा कक्षा प्रबंधन समायोजन (Classroom Management Accommodation) सबसे उपयुक्त है?
(A) छात्र को लंबी अवधि के लिए बिल्कुल स्थिर बैठने के लिए मजबूर करना।
(B) दूसरों को भटकाने से रोकने के लिए छात्र को कक्षा में सबसे पीछे (Back Row) बैठाना।
(C) विवेकपूर्ण फ़िजेट टूल्स (Fidget Tools) की अनुमति देना और गतिविधि ब्रेक के अवसर प्रदान करना।
(D) छात्र के शैक्षणिक पाठ्यक्रम को प्री-स्कूल स्तर तक कम करना।

142. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (Autism Spectrum Disorder - ASD) से पीड़ित एक छात्र असंचरित संक्रमण समय (जैसे अवकाश या कक्षाओं के बीच आवाजाही) के दौरान गंभीर चिंता प्रदर्शित करता है। सबसे अच्छी सक्रिय प्रबंधन रणनीति क्या है?
(A) जब भी छात्र चिंता दिखाता है तो उस पर अनुशासनात्मक दंड (Disciplinary Penalty) लगाना।
(B) छात्र को पूरी तरह से अकेले असंचरित संक्रमणों को संभालने के लिए मजबूर करना।
(C) छात्र की दृश्यमान चिंता को पूरी तरह से तब तक नजरअंदाज करना जब तक कि वह समाप्त न हो जाए।
(D) दृश्य कार्यक्रम (Visual Schedules) और अग्रिम संक्रमण चेतावनियाँ प्रदान करना।

143. एक विविध कक्षा के प्रबंधन के लिए निम्नलिखित रणनीतियों पर विचार कीजिए:
I. विविध शिक्षण प्रारूपों (दृश्य, श्रव्य, गतिबोधक) का उपयोग करना।
II. एक कठोर, प्रतिस्पर्धी ग्रेडिंग वक्र स्थापित करना।
III. सहकर्मी-ट्यूटरिंग और सहयोगात्मक शिक्षण को बढ़ावा देना।
IV. सूचना पटों (Notice Boards) पर सांस्कृतिक रूप से विविध सामग्रियों को प्रदर्शित करना।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सी एक समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने के लिए सही रणनीतियाँ हैं?
(A) I, II और III
(B) I, III और IV
(C) II, III और IV
(D) I, II, III और IV

144. एक परिदृश्य में एक नया छात्र शामिल है जो शिक्षण की भाषा बहुत कम बोलता है। छात्र अलग-थलग दिखाई देता है और कभी-कभी हताशा में प्रतिक्रिया व्यक्त करता है। सबसे प्रभावी प्रबंधन रणनीति है:
(A) शिक्षक का अधिकार स्थापित करने के लिए प्रतिक्रिया व्यक्त करने पर तुरंत दंडात्मक परिणाम लागू करना।
(B) जब तक छात्र भाषा सीख नहीं लेता तब तक कक्षा में उसकी उपस्थिति को पूरी तरह से नजरअंदाज करना।
(C) द्विभाषी सहपाठियों के साथ जोड़ी बनाना और संचार का समर्थन करने के लिए दृश्य साधनों का उपयोग करना।
(D) बिना किसी मूल्यांकन के छात्र को तुरंत एक विशेष शिक्षा स्कूल में स्थानांतरित करना और भेजना।

145. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): छात्रों के साथ सहयोगात्मक रूप से कक्षा के नियम स्थापित करना समय लेने वाला है और पहले सप्ताह में शैक्षणिक अधिगम समय को कम करता है।
कारण (R): नियमों के सह-निर्माण में निवेश किया गया समय

Click Here to Buy book on Amazon

(A) शिक्षक
(B) छात्र
(C) प्राचार्य
(D) माता-पिता

178. कक्षा प्रबंधन सिद्धांतकारों और उनकी मुख्य अवधारणाओं के निम्नलिखित मिलान पर विचार कीजिए:
I. जैकब कौशिन (Jacob Kounin) - विथइटनेस और ओवरलैपिंग
II. बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner) - तार्किक परिणाम
III. रुडोल्फ ड्रेकर्स (Rudolf Dreikurs) - दुर्व्यवहार के गलत लक्ष्य
IV. विलियम ग्लैसर (William Glasser) - पसंद सिद्धांत (Choice Theory)
ऊपर दिए गए जोड़ों में से कौन से सही सुमेलित हैं?
(A) I, II और III
(B) I, III और IV
(C) II, III और IV
(D) I, II और IV

179. उच्च विद्यालय में एक परिदृश्य: एक शिक्षक देखता है कि व्याख्यान के दौरान छात्र अयोग्य और दुर्व्यवहार कर रहे हैं। शिक्षक अपनी रणनीति को अनुभवात्मक, व्यावहारिक शिक्षण परियोजनाओं में बदल देता है। व्यवहार में अत्यधिक सुधार होता है। यह कौन सा प्रबंधन सिद्धांत प्रदर्शित करता है?
(A) वातावरण सहायक होने पर दंडात्मक अनुशासन (Punitive Discipline) पूरी तरह से अनावश्यक हो जाता है।
(B) आकर्षक शिक्षण एक अत्यधिक प्रभावी निरोधात्मक उपकरण (Preventive Tool) है।
(C) हाई स्कूल के छात्र केवल ठोस टोकन इकोनॉमी पुरस्कार प्रणालियों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं।
(D) अनुभवात्मक अधिगम को लागू करने से नियमों की संरचनात्मक आवश्यकता पूरी तरह से समाप्त हो जाती है।

180. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): गंभीरता या संदर्भ की परवाह किए बिना सभी उल्लंघनों के लिए "शून्य सहनशीलता" (Zero Tolerance) नीति स्थापित करना सबसे सुरक्षित और सबसे प्रभावी स्कूल माहौल बनाता है।
कारण (R): शून्य सहनशीलता समान दंड सुनिश्चित करती है, जो सभी छात्रों को गंभीर परिणामों के डर से नियमों को तोड़ने से रोकती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

181. उस घटना को क्या कहा जाता है जब किसी छात्र से शिक्षक की कम अपेक्षाएं ऐसे प्रबंधन अभ्यासों को जन्म देती हैं जो वास्तव में छात्र के दुर्व्यवहार और खराब प्रदर्शन का कारण बनती हैं?
(A) पिग्मेलियन प्रभाव (Pygmalion Effect)
(B) हॉथॉर्न प्रभाव (Hawthorne Effect)
(C) प्लेसिबो प्रभाव (Placebo Effect)
(D) बायस्टैंडर प्रभाव (Bystander Effect)

182. अत्यधिक विद्रोही या विरोधी छात्र को प्रबंधित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी एक अनुशंसित रणनीति नहीं है?
(A) प्रभुत्व जमाने के लिए सार्वजनिक शक्ति संघर्ष (Power Struggle) में शामिल होना।
(B) मजबूर विकल्प प्रदान करना, जैसे कि सम या विषम दिए गए प्रश्नों को चुनना।
(C) पूरी तरह से शांत, तटस्थ और व्यावहारिक स्वर बनाए रखना।
(D) छात्र को शांत होने के लिए एक नामित निजी स्थान (Private Space) और समय प्रदान करना।

183. भौतिक कक्षा प्रबंधन के निम्नलिखित तत्वों पर विचार कीजिए:
I. डेस्क को इस तरह व्यवस्थित करना कि सभी छात्र बोर्ड को आसानी से देख सकें।
II. अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों (पेंसिल शार्पनर, बिन) को मुख्य शिक्षण क्षेत्र से दूर रखना।
III. अलग-अलग क्षेत्र बनाना (पठन कोना, समूह कार्य स्टेशन, स्वतंत्र कार्य क्षेत्र)।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से प्रारंभिक बचपन और प्राथमिक कक्षा डिज़ाइन में सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

NODIA

184. एक प्राचार्य एक ऐसे शिक्षक से निपट रहा है जिसकी कक्षा हमेशा अराजक रहती है। प्राचार्य देखता है कि शिक्षक बार-बार धमकियां देता है लेकिन बताए गए परिणामों को शायद ही कभी लागू करता है। यहाँ प्रबंधन सफलता की कमी किसके कारण है:
(A) सजा की गंभीरता (Severity of Punishment)
(B) निरंतरता और अनुवर्ती कार्रवाई (Consistency and Follow-through)
(C) शैक्षणिक सामग्री ज्ञान
(D) भौतिक बैठने की व्यवस्था

185. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): प्रभावी कक्षा प्रबंधन में, नियम स्थापित और लागू किए जाने चाहिए, जबकि दिनचर्या (Routines)

के लिए तत्काल प्रशासनिक निष्कासन लागू करना।

200. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।

अभिकथन (A): प्रभावी कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) पहले दिन स्थापित नियमों के एक स्थिर सेट के बजाय प्रतिबिंब और समायोजन की एक सतत प्रक्रिया है।

कारण (R): कक्षा की गतिशीलता, छात्रों की जरूरतें, और शिक्षण संदर्भ पूरे शैक्षणिक वर्ष में विकसित होते हैं, जिसके लिए लचीली और उत्तरदायी प्रबंधन रणनीतियों की आवश्यकता होती है।

(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

193. हाई स्कूल की कक्षा में पुरानी देरी (देर से आगमन) को संबोधित करने के लिए निम्नलिखित रणनीतियों पर विचार कीजिए:

I. दरवाजा बंद करना और देर से आने वाले छात्रों को प्रवेश देने से मना करना।

II. एक अत्यधिक आकर्षक या ग्रेड-युक्त 'डू-नाउ' (Do-now) गतिविधि के साथ ठीक समय पर कक्षा शुरू करना।

III. देर से आने वाले छात्र का तटस्थ रूप से स्वागत करना, एक साइन-इन शीट रखना ताकि प्रवाह बाधित न हो, और बाद में निजी तौर पर इस पर चर्चा करना।

IV. देर से आने वाले छात्र से सार्वजनिक रूप से पूछताछ करने के लिए पूरे पाठ को रोक देना।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सी प्रभावी और शैक्षणिक रूप से सही प्रबंधन रणनीतियों का प्रतिनिधित्व करती हैं?

(A) I और IV
(B) II और III
(C) I, II और III
(D) II, III और IV

194. एक प्राचार्य एक बड़ी कक्षा के दौरान शिक्षक को 'थिंक-पेयर-शेयर' (Think-Pair-Share) तकनीक का उपयोग करते हुए देखता है। प्रबंधन के दृष्टिकोण से, इस शैक्षणिक रणनीति का प्राथमिक लाभ क्या है?

(A) यह दैनिक शिक्षक पाठ योजना की संरचनात्मक आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर देता है।
(B) यह जुड़ाव को अधिकतम करता है और पूरी कक्षा से बोलने की चिंता को कम करता है।
(C) यह कक्षा शिक्षक को शिक्षण समय के दौरान कमरे को बिना ध्यान दिए छोड़ने की अनुमति देता है।
(D) यह योगात्मक मूल्यांकनों की प्रशासनिक आवश्यकता को स्थायी रूप से बदलने के लिए कार्य करता है।

195. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।

अभिकथन (A): एक समावेशी कक्षा प्रबंधन योजना स्थापित करने का अर्थ है निदान किए गए व्यवहारात्मक विकार वाले छात्र के साथ बिना विकार वाले छात्र के समान ही व्यवहार करना।

कारण (R): छात्रों की जरूरतों के आधार पर उनके साथ अलग-अलग व्यवहार करना निष्पक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है।

(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

196. एक विविध कक्षा का प्रबंधन करते समय, एक शिक्षक मुद्रित पाठ के साथ ऑडियोबुक प्रदान करता है, दृश्य आरेखों के साथ मौखिक निर्देश देता है, और छात्रों को लिखने, बोलने या ड्राइंग के माध्यम से ज्ञान व्यक्त करने की अनुमति देता है। यह दृष्टिकोण किसमें निहित है:

(A) सीखने के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL)
(B) शिक्षा का घाटा मॉडल (Deficit Model of Education)
(C) सख्त व्यवहारात्मक अनुकूलन (Strict Behavioral Conditioning)
(D) पुनरुद्धारक न्याय ढांचा (Restorative Justice Framework)

NODIA

197. जब कोई छात्र कक्षा में अचानक तीव्र भावनात्मक आक्रोश प्रदर्शित करता है (जैसे, कुर्सी फेंकना) तो शिक्षक के लिए निम्नलिखित में से कौन सी सबसे उपयुक्त कार्रवाई है?

(A) सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य छात्रों को दूर करें, शांत रहें और सहायता लें।
(B) व्यक्तिगत शारीरिक मार्शल आर्ट तकनीकों का उपयोग करके छात्र को जबरन रोकें।
(C) छात्र पर आक्रामक रूप से चिल्लाकर मांग करें कि वह तुरंत रुक जाए।
(D) तीव्र भावनात्मक आक्रोश को पूरी तरह से नजरअंदाज करें और पाठ पढ़ाना जारी रखें।

198. कक्षा प्रबंधन में स्कूल प्राचार्य की भूमिका के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. प्राचार्य को शिक्षकों को राहत देने के लिए अकेले ही सभी मामूली अनुशासनात्मक उल्लंघनों को संभालना चाहिए।

II. प्राचार्य को शिक्षकों का समर्थन करने के लिए एक स्पष्ट स्कूल-व्यापी व्यवहार नीति स्थापित करनी चाहिए।

III. प्राचार्य को एक ऐसी स्कूल संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए जो दंडात्मक उपायों के बजाय पुनरुद्धारक अभ्यासों को प्राथमिकता देती है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?

(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

199. एक स्कूल 'सकारात्मक व्यवहारात्मक हस्तक्षेप और सहायता' (Positive Behavioral Interventions and Supports - PBIS) ढांचा लागू करता है। निम्नलिखित में से कौन सा टियर 1 (सार्वभौमिक) PBIS की एक मुख्य विशेषता है?

(A) सबसे कठिन छात्रों के लिए अत्यधिक व्यक्तिगत व्यवहार हस्तक्षेप योजनाएँ विकसित करना।
(B) अपेक्षित व्यवहार, पुरस्कार और सुसंगत परिणामों का स्कूल-व्यापी शिक्षण।
(C) जोखिम वाले छात्रों के लिए लक्षित छोटे समूह सामाजिक कौशल प्रशिक्षण हस्तक्षेप प्रदान करना।
(D) कक्षा के नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी छात्र

(D) प्रशासनिक कागजी कार्रवाई के कार्य

170. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): कक्षा में विविधता का प्रबंधन करने का अर्थ है कि प्रत्येक छात्र के साथ उनकी सांस्कृतिक, भाषाई या संज्ञानात्मक भिन्नताओं की उपेक्षा करते हुए बिल्कुल समान व्यवहार करना।
कारण (R): शिक्षा में सच्ची समता (Equity) के लिए विभेदित सहायता प्रदान करने की आवश्यकता होती है ताकि सभी छात्रों की सीखने के अवसरों तक समान पहुँच हो।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

171. अंग्रेजी भाषा शिक्षार्थियों (English Language Learners - ELLs) / बहुभाषी शिक्षार्थियों का समर्थन करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी एक मुख्य कक्षा प्रबंधन रणनीति है?
(A) छात्रों की घरेलू भाषाओं या मातृभाषा के उपयोग को पूरी तरह से प्रतिबंधित करना।
(B) बिना किसी रुकावट के पूरी तरह से तेज़ गति वाले, जटिल मौखिक निर्देशों पर निर्भर रहना।
(C) दृश्य साधनों और इशारों के साथ मौखिक निर्देशों को जोड़ना।
(D) विषय की दक्षता के बजाय केवल अंग्रेजी उच्चारण सटीकता पर उनका मूल्यांकन करना।

172. उच्च शैक्षणिक विविधता वाली कक्षा (प्रतिभाशाली छात्रों से लेकर संघर्ष करने वाले छात्रों तक) को प्रबंधित करने के लिए, एक शिक्षक 'स्तरीय असाइनमेंट' (Tiered Assignments) का उपयोग करता है। इसका क्या अर्थ है?
(A) छात्रों के विभिन्न समूहों को पूरी तरह से अलग शैक्षणिक विषय प्रदान करना।
(B) कार्य की जटिलता को समायोजित करते हुए मुख्य उद्देश्यों को समान रखना।
(C) परीक्षण ग्रेड के आधार पर छात्रों को कठोर भौतिक बैठने के स्तरों में रखना।
(D) तेजी से कार्य पूरा करने वाले छात्रों को अतिरिक्त गैर-शिक्षण कार्य देना।

173. विविधता के प्रबंधन के लिए निम्नलिखित तकनीकों पर विचार कीजिए:
I. बदलती शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए लचीले बैठने के विकल्प (उदा., खड़े होने वाले डेस्क, फर्श की गद्दियां)।
II. छात्र अपने सीखने का प्रदर्शन कैसे करते हैं, इसमें विकल्प प्रदान करना (उदा., निबंध, प्रस्तुति, मॉडल)।
III. विशेष रूप से एकल-मोड प्रत्यक्ष शिक्षण का उपयोग करना।
ऊपर दी गई तकनीकों में से कौन सी कक्षा प्रबंधन में सीखने के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL) सिद्धांतों के साथ संरेखित है?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

174. एक प्राचार्य को शिकायत मिलती है कि एक शिक्षक "अन्यायपूर्ण" है क्योंकि वह IEP वाले एक छात्र को परीक्षणों के दौरान ब्रेक लेने की अनुमति देती है, जबकि अन्य नहीं ले सकते। प्रबंधन के दृष्टिकोण से प्राचार्य को इसे सर्वोत्तम तरीके से कैसे संबोधित करना चाहिए?
(A) सहमत हों कि यह अभ्यास अनुचित है और छात्र के निर्दिष्ट समायोजन को रद्द कर दें।
(B) समझाएं कि निष्पक्षता का अर्थ छात्रों को सफल होने के लिए आवश्यक चीजें देना है।
(C) शिक्षक को व्यक्तिगत आवश्यकता की परवाह किए बिना सभी छात्रों को अनिवार्य परीक्षण ब्रेक देने का निर्देश दें।
(D) बिना कोई स्पष्टीकरण दिए अभिभावक की औपचारिक शिकायत को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दें।

175. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): निरोधात्मक अनुशासन रणनीतियों (Preventive Discipline Strategies) के लिए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में शिक्षक द्वारा महत्वपूर्ण प्रयासों की आवश्यकता होती है।
कारण (R): शुरुआती दौर में संबंध, दिनचर्या और स्पष्ट अपेक्षाएं स्थापित करने से वर्ष में बाद में सुधारात्मक अनुशासन पर लगने वाला समय कम हो जाता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

176. निम्नलिखित में से कौन सी अवधारणा शिक्षक प्रभावशीलता प्रशिक्षण (Teacher Effectiveness Training - TET) के लिए केंद्रीय है?
(A) संघर्ष समाधान की 'नो-लूज़' (No-Lose) विधि।
(B) 'शून्य-सहनशीलता' (Zero-Tolerance) नीति ढांचा।
(C) सभी निर्णयों में शिक्षक का पूर्ण अधिकार।
(D) हर व्यवहारात्मक बदलाव के लिए टोकन इकोनॉमी का उपयोग।

177. जब कोई छात्र हताश होता है क्योंकि वह अपनी डेस्क पर चुपचाप गणित की समस्या को हल नहीं कर सकता है, तो 'समस्या का मालिक' (Owner of the Problem) कौन है?

Click Here to Buy book on Flipkart

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) यह कक्षा को एक जटिल वातावरण के रूप में देखता है जहाँ कई अंतःक्रियात्मक घटनाएँ एक साथ घटित होती हैं और निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है।
कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) का पारिस्थितिक मॉडल (Ecological Model) यह मानता है कि कक्षा एक जटिल सामाजिक वातावरण (Social Environment) है। इसमें अनेक अंतःक्रियात्मक घटनाएँ (Interacting Events) एक साथ घटित होती हैं। शिक्षक को अधिगम प्रक्रिया (Learning Process) सुचारु रखने हेतु संपूर्ण वातावरण की निरंतर निगरानी (Continuous Monitoring) और प्रभावी प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है।

2. (C) यह कक्षा अनुशासन (Classroom Discipline) का पर्याय है और केवल दुर्व्यवहार को सुधारने पर ध्यान केंद्रित करता है।
कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) एक व्यापक अवधारणा है जो केवल दुर्व्यवहार (Misbehavior) को सुधारने या कक्षा अनुशासन (Classroom Discipline) तक सीमित नहीं है। इसमें भौतिक संसाधनों का समायोजन, समय प्रबंधन (Time Management), और सकारात्मक वातावरण (Positive Environment) का निर्माण शामिल है। अनुशासन इसका एक अंश मात्र है, जबकि प्रबंधन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया (Teaching Learning Process) को सुगम बनाता है।

3. (B) II और III
प्रभावी कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) पूर्व-सक्रिय (Proactive) होता है, न कि केवल प्रतिक्रियाशील (Reactive)। यह व्यवधानों को न्यूनतम करके अकादमिक अधिगम समय (Academic Learning Time) को अधिकतम करता है। इसके अतिरिक्त, यह छात्रों में स्व-नियमन (Self-Regulation) और स्वायत्तता (Autonomy) को बढ़ावा देता है, जिससे छात्र अपने व्यवहार और सीखने के प्रति जिम्मेदार बनते हैं।

4. (D) शिक्षण समय प्रबंधन (Instructional Time Management)
जब कोई शिक्षक उपस्थिति लेने तथा सामग्री व्यवस्थित करने जैसी प्रशासनिक गतिविधियों (Administrative Tasks) में अत्यधिक समय लगाता है, तो इससे शिक्षण समय प्रबंधन (Instructional Time Management) प्रभावित होता है। प्रभावी कक्षा प्रबंधन हेतु समय का सही नियोजन आवश्यक है ताकि प्रत्यक्ष शिक्षण (Direct Instruction) और अकादमिक अधिगम समय (Academic Learning Time) अधिकतम हो सके।

5. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
प्रभावी कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) भय या प्रभुत्व के बजाय आपसी सम्मान और लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर आधारित होता है। भय से अनुशासन स्थापित करना नकारात्मक वातावरण उत्पन्न करता है। एक सहायक और लोकतांत्रिक कक्षा वातावरण (Democratic Classroom Environment) छात्र सहभागिता और अकादमिक उपलब्धि (Academic Achievement) में वृद्धि करता है, न कि कमी लाता है।

6. (C) शिक्षक की हर समय कक्षा के सभी हिस्सों में क्या हो रहा है, इसके प्रति जागरूकता।
जैकब कौशिन (Jacob Kounin) द्वारा प्रतिपादित 'विथइटनेस' (Withitness) का तात्पर्य शिक्षक की उस क्षमता से है, जिससे वह कक्षा के सभी भागों में घटित होने वाली गतिविधियों के प्रति निरंतर जागरूक (Aware) रहता है। इससे शिक्षक दुर्व्यवहार (Misbehavior) को बढ़ने से पहले ही रोक लेता है और कक्षा पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखता है।

7. (D) ध्यान भटकाए बिना एक साथ दो या अधिक मुद्दों या गतिविधियों पर ध्यान देना।
कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) में 'ओवरलैपिंग' (Overlapping) शिक्षक का वह कौशल है जिसके द्वारा वह मुख्य शिक्षण गतिविधि को बाधित किए बिना एक साथ दो या अधिक घटनाओं पर ध्यान देता है। उदाहरण के लिए, पढ़ाते समय किसी विघटनकारी छात्र (Disruptive Student) को गैर-मौखिक संकेतों (Non-verbal Cues) से नियंत्रित करना इसका उदाहरण है।

8. (A) सुगमता और गति (Smoothness and Momentum)
पाठ के दौरान सुचारु प्रवाह और निरंतर गति बनाए रखना सुगमता और गति (Smoothness and Momentum) का सिद्धांत कहलाता है। जैकब कौशिन के अनुसार, जब शिक्षक बिना किसी अनावश्यक रुकावट (Unnecessary Interruption) या भटकाव के पाठ को आगे बढ़ाता है, तो छात्र ध्यान केंद्रित रखते हैं और कक्षा में व्यवधान (Disruption) की संभावना न्यूनतम हो जाती है।

9. (C) I, III और IV
प्रभावी कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) में संरचित वातावरण, गैर-मौखिक संकेत (Non-verbal Cues) और आकर्षक गतिविधियां शामिल हैं। केवल शिक्षक-निर्देशित व्याख्यान पर ध्यान केंद्रित करना छात्र जुड़ाव को सीमित करता है। इसलिए, पूर्व-अनुमानित दिनचर्या स्थापित करना, सौम्य संकेतों का उपयोग करना और विविध गतिविधियों द्वारा छात्रों को व्यस्त रखना ही सर्वोत्तम रणनीति है।

Downloaded from www.pdf.tube

34. (D) फीडबैक को प्रबंधित करने के लिए सहकर्मी और आत्म-मूल्यांकन (Peer and Self-Assessment) के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल स्थापित करना।
मैक्रो-प्रबंधन (Macromanagement) रणनीतियाँ बड़ी कक्षाओं में प्रणालीगत प्रणालियाँ स्थापित करने पर केंद्रित होती हैं। सहकर्मी मूल्यांकन (Peer Assessment) और आत्म-मूल्यांकन (Self-Assessment) के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल बनाना शिक्षक का समय बचाता है और छात्रों को अपनी अधिगम प्रक्रिया के प्रति अधिक स्वायत्त और जिम्मेदार बनाता है।

35. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
बैठने की व्यवस्था पूरी तरह स्थिर नहीं रहनी चाहिए, क्योंकि भिन्न शैक्षणिक गतिविधियों जैसे समूह कार्य या स्वतंत्र परीक्षा के लिए अलग विन्यास की आवश्यकता होती है। विभिन्न शिक्षण उद्देश्यों के लिए डेस्क की भौतिक व्यवस्था (Physical Layout) को बदलना अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाता है।

36. (A) हॉर्सशू या अर्ध-वृत्त (Horseshoe or Semi-circle)
पूरे वर्ग की चर्चा और आमने-सामने संवाद के लिए हॉर्सशू या अर्ध-वृत्त (Horseshoe or Semi-circle) बैठने की व्यवस्था सर्वोत्तम है। इसमें शिक्षक और सभी छात्र एक-दूसरे को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, जिससे विचार-विमर्श, सहभागिता और कक्षा निगरानी (Classroom Monitoring) आसान हो जाती है।

37. (C) क्लस्टर बैठने की व्यवस्था (Cluster Seating)
परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning) और छोटे समूहों के सहयोगात्मक कार्य हेतु क्लस्टर बैठने की व्यवस्था (Cluster Seating) सबसे उपयुक्त है। इसमें डेस्क को एक साथ जोड़कर 4-6 छात्रों का समूह बनाया जाता है, जिससे विचार-विमर्श, सामग्री साझा करना और समूह अंतःक्रिया सुगम होती है।

38. (B) I और II
सीधी पंक्तियाँ स्वतंत्र कार्य हेतु सर्वोत्तम हैं और क्लस्टर व्यवस्था छात्र अंतःक्रिया को बढ़ाती है। शिक्षक की भौतिक निकटता (Physical Proximity) का छात्र व्यवहार पर गहरा और मापने योग्य प्रभाव पड़ता है। अतः पहला और दूसरा कथन सही हैं, जबकि तीसरा कथन पूरी तरह से असत्य है।

39. (D) यह ऑफ-टास्क (Off-task) सामाजिक बातचीत को बढ़ाता है।
यदि क्लस्टर बैठने की व्यवस्था (Cluster Seating) का प्रबंधन ठीक से न किया जाए, तो इसकी मुख्य कमी यह है कि छात्र पाठ से ध्यान हटाकर अवांछित या ऑफ-टास्क (Off-task) सामाजिक बातचीत में संलग्न हो जाते हैं। इससे कक्षा में शोर और व्यवधान बढ़ता है।

40. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
अकादमिक अधिगम समय (Academic Learning Time - ALT) और आवंटित समय (Allocated Time) समान नहीं हैं। आवंटित समय समय सारणी में निर्धारित कुल अवधि है, जबकि ALT वह वास्तविक समय है जब छात्र उच्च सफलता दर के साथ अधिगम गतिविधियों में सक्रिय रूप से व्यस्त रहते हैं।

41. (C) वह समय जब छात्र सक्रिय रूप से ध्यान देते हैं और सीखने के कार्यों पर काम करते हैं।
संलग्न समय (Engaged Time) से तात्पर्य उस समय से है जिसके दौरान छात्र शैक्षणिक गतिविधियों और सीखने के कार्यों में सक्रिय रूप से लगे रहते हैं तथा ध्यान केंद्रित करते हैं। यह समय सारणी के कुल आवंटित समय का वह हिस्सा है जो वास्तव में अधिगम में बीतता है।

42. (D) अकादमिक अधिगम समय (Academic Learning Time - ALT)
जब शिक्षक प्रशासनिक कार्यों (Administrative Tasks) और अनुशासन संबंधी मुद्दों में बहुत अधिक समय खर्च करता है, तो छात्रों का वास्तविक अधिगम समय घट जाता है। इससे अकादमिक अधिगम समय (Academic Learning Time - ALT) सबसे अधिक प्रभावित होता है, जिससे शिक्षण की गुणवत्ता और प्रभावशीलता में कमी आती है।

43. (A) I और II
सामग्री पहले से तैयार रखना और खाली समय के लिए स्पंज गतिविधियों (Sponge Activities) का उपयोग करना समय प्रबंधन की उत्कृष्ट रणनीतियाँ हैं। पाठ को ब्रेक के समय तक बढ़ाना छात्रों के ब्रेक के अधिकार का उल्लंघन है और अनुचित है। इसलिए केवल पहला और दूसरा कथन सही हैं।

44. (D) संक्रमण काल का प्रबंधन (Management of Transition Time)
एक गतिविधि (प्रयोग) से दूसरी गतिविधि (पढ़ना) में बदलते समय स्पष्ट निर्देशों के अभाव में उत्पन्न अराजकता संक्रमण काल के प्रबंधन (Management of Transition Time) की विफलता है। सुचारु संक्रमण हेतु पूर्व-निर्धारित दिनचर्या और स्पष्ट चरण-दर-चरण निर्देश होना अत्यंत आवश्यक है।

NODIA

45. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
मामूली और गैर-विघटनकारी दुर्व्यवहार की नियोजित उपेक्षा (Extinction) एक प्रभावी रणनीति है। हर छोटी बात पर प्रतिक्रिया देने से शिक्षण का प्रवाह टूटता है। कभी-कभी ध्यान देना ही दुर्व्यवहार का कारण होता है, अतः उपेक्षा करने से अवांछित व्यवहार स्वतः समाप्त हो जाता है।

46. (B) आई कांटेक्ट या सामीप्य (Proximity Control) जैसे गैर-मौखिक संकेतों का उपयोग करना।
न्यूनतम हस्तक्षेप (Least Intervention) का सिद्धांत यह मार्गदर्शन करता है कि शिक्षक को व्यवधान रोकने के लिए सबसे पहले सबसे कम आक्रामक तरीका अपनाना चाहिए।

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY
PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

परिणामों (Logical Consequences) का प्रयोग करना है। तार्किक परिणाम दुर्व्यवहार से सीधे संबंधित, सम्मानजनक और उचित होते हैं। यह छात्रों को अपने निर्णयों के परिणामों को समझने और जिम्मेदारी लेने में मदद करता है।

22. (A) एक नामित शांत-क्षेत्र (Calm-down Corner)
सकारात्मक अनुशासन में दंडात्मक पृथक्करण या टाइम-आउट के स्थान पर शांत-क्षेत्र (Calm-down Corner) का उपयोग किया जाता है। यह एक ऐसा स्थान है जहाँ छात्र स्वयं जाकर अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना और स्व-नियमन (Self-Regulation) सीखते हैं। यह छात्र की गरिमा को ठेस पहुँचाए बिना पुनः ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है।

23. (D) I, II और III
सकारात्मक अनुशासन (Positive Discipline) शिक्षक और छात्र के बीच आपसी सम्मान (Mutual Respect) पर आधारित है। यह दुर्व्यवहार के पीछे की गलत धारणाओं को समझकर उन्हें हल करने का प्रयास करता है। साथ ही, यह प्रतिशोध के बजाय समस्या समाधान (Problem Solving) पर ध्यान केंद्रित करता है। अतः तीनों कथन सत्य हैं।

24. (D) तार्किक परिणाम (Logical Consequence)
पाठ्यपुस्तक भूलने पर चिल्लाने के बजाय लॉकर में अतिरिक्त पुस्तक रखने का निर्देश देना तार्किक परिणाम (Logical Consequence) का उदाहरण है। यह समाधान समस्या से सीधे संबंधित है, व्यावहारिक है और छात्र की गरिमा बनाए रखते हुए भविष्य में भूलने की समस्या को हल करने के लिए उत्तरदायी बनाता है।

25. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
दंडात्मक अनुशासन (Punitive Discipline) भय पर आधारित अनुपालन पैदा करता है क्योंकि यह अवांछित व्यवहार को दबाने के लिए सजा पर केंद्रित होता है। यह छात्रों को सही और सकारात्मक वैकल्पिक व्यवहार (Alternative Behavior) नहीं सिखाता। इसके कारण छात्र व्यवहार का आंतरिककरण (Internalization) करने में असमर्थ रहते हैं।

26. (C) यह छात्र के अलगाव और ड्रॉपआउट दरों को बढ़ाता है।
विशुद्ध रूप से दंडात्मक अनुशासन (Punitive Discipline) का उपयोग करने से छात्रों में विद्यालय के प्रति अलगाव (Alienation) बढ़ता है। लगातार कठोर दंड, निलंबन और डांट-फटकार से छात्रों का आत्म-सम्मान गिरता है, जिससे उनकी पढ़ाई छोड़ने या ड्रॉपआउट (Dropout Rates) की संभावना में काफी वृद्धि हो जाती है।

27. (D) शून्य सहनशीलता नीति (Zero Tolerance Policy) – पुनरुद्धारक न्याय (Restorative Justice)
शून्य सहनशीलता नीति (Zero Tolerance Policy) एक कठोर दंडात्मक उपाय है, जबकि पुनरुद्धारक न्याय (Restorative Justice) इसका एक आधुनिक और सकारात्मक वैकल्पिक ढांचा है। पुनरुद्धारक न्याय सजा देने के बजाय क्षति की भरपाई करने, संबंधों को सुधारने और छात्र में जिम्मेदारी की भावना का विकास करने पर केंद्रित है।

28. (A) एक विघटनकारी छात्र अपने व्यवहार पर विचार करता है और सहपाठियों के साथ सुधार करता है।
दंडात्मक अनुशासन का विकल्प वह दृष्टिकोण है जो आत्म-चिंतन (Self-Reflection) और सुधार पर जोर देता है। जब एक छात्र अपने व्यवहार पर विचार करता है और सहपाठियों के साथ संबंध सुधारता है, तो यह पुनरुद्धारक अभ्यास (Restorative Practice) को दर्शाता है, जो कठोर सजा की तुलना में अधिक प्रभावी है।

29. (B) I, II और IV
दंडात्मक अनुशासन शत्रुतापूर्ण वातावरण बनाता है, केवल लक्षणों का इलाज करता है और हाशिए पर पड़े समूहों को अधिक प्रभावित करता है। यह आत्म-नियमन (Self-Regulation) या महत्वपूर्ण सोच को बढ़ावा नहीं देता, बल्कि भय उत्पन्न करता है। इसलिए कथन I, II और IV सही हैं, जबकि तीसरा कथन गलत है।

30. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
बड़ी कक्षाओं (50+ छात्र) को प्रबंधित करने के लिए सुव्यवस्थित दिनचर्या (Structured Routines) की अत्यधिक आवश्यकता होती है ताकि अव्यवस्था न फैले। बड़ी कक्षाओं में व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन होता है, इसलिए यह मानना असत्य है कि वहाँ व्यक्तिगत ध्यान प्रचुर मात्रा में होता है और संपूर्ण-कक्षा रणनीतियों की आवश्यकता नहीं है।

31. (B) थिंक-पेयर-शेयर (Think-Pair-Share) और छोटे समूह के सहयोगात्मक कार्य।
बड़ी कक्षाओं में सभी छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए थिंक-पेयर-शेयर (Think-Pair-Share) तथा छोटे समूहों में सहयोगात्मक शिक्षण अत्यंत प्रभावी हैं। ये रणनीतियाँ निष्क्रियता को दूर करती हैं, संवाद को बढ़ावा देती हैं और प्रत्येक छात्र को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती हैं।

32. (C) केंद्र और सामने की ओर एक उल्टा 'T' आकार।
पारंपरिक सीधी पंक्तियों वाली बड़ी कक्षाओं में 'एक्शन ज़ोन' (Action Zone) आमतौर पर उल्टे 'T' (Inverted T) आकार का होता है। इसमें सामने की पंक्ति और केंद्र की मध्य रेखा में बैठे छात्रों के साथ शिक्षक की सर्वाधिक अंतःक्रिया (Interaction) और संवाद होता है।

33. (A) I और II
बड़ी कक्षाओं में सामूहिक अनुक्रिया (Choral Responses) से त्वरित समझ की जाँच होती है और एग्ज़िट स्लिप (Exit Slip) से रचनात्मक मूल्यांकन होता है। सहकर्मी शिक्षण (Peer Tutoring) को शोर के डर से बंद करना गलत है, क्योंकि यह एक उपयोगी सहयोगात्मक रणनीति है। अतः केवल I और II सही हैं।

Click Here to Buy book on Amazon

10. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
निरोधात्मक अनुशासन (Preventive Discipline) सुधारात्मक अनुशासन की तुलना में अधिक प्रभावी है क्योंकि यह समस्याओं के उत्पन्न होने से पहले ही अनुकूल वातावरण तैयार करता है। यह दुर्व्यवहार के अंतर्निहित कारणों को दूर करता है और सुसंगत दिनचर्या (Consistent Routines) स्थापित करता है, जिससे कक्षा में व्यवधान (Classroom Disruptions) की संभावना बहुत कम हो जाती है।

11. (A) जैकब कौशिन (Jacob Kounin) – दृढ अनुशासन (Assertive Discipline)
दृढ अनुशासन (Assertive Discipline) मॉडल का प्रतिपादन ली और मार्लेन कैनटर (Lee and Marlene Canter) द्वारा किया गया था, न कि जैकब कौशिन द्वारा। कौशिन को विथइटनेस (Withitness), ओवरलैपिंग और पाठ गतिशीलता के लिए जाना जाता है। स्किनर, ग्लैसर और ड्रेकर्स के मॉडल उनके संबंधित सिद्धांतों के साथ बिल्कुल सही सुमेलित हैं।

12. (C) निरोधात्मक अनुशासन (Preventive Discipline)
सत्र की शुरुआत में ही स्पष्ट अपेक्षाएँ, दिनचर्या और नियम स्थापित करना निरोधात्मक अनुशासन (Preventive Discipline) का उदाहरण है। इस दृष्टिकोण का मुख्य उद्देश्य व्यवधान उत्पन्न होने से पहले ही उन्हें रोकना है। यह छात्रों को वांछित व्यवहार (Desired Behavior) की स्पष्ट समझ प्रदान करता है और कक्षा संचालन को सुचारु बनाता है।

13. (D) एक सहपाठी को बाधित करने वाले छात्र को औपचारिक मौखिक चेतावनी और टाइम-आउट (Time-out) देना।
सुधारात्मक अनुशासन (Corrective Discipline) की रणनीति दुर्व्यवहार घटित होने के पश्चात् प्रतिक्रियात्मक (Reactive) रूप से लागू की जाती है। किसी सहपाठी को बाधित करने पर छात्र को चेतावनी देना या टाइम-आउट (Time-out) प्रदान करना सुधारात्मक हस्तक्षेप है। जबकि नियम बनाना, लेआउट व्यवस्थित करना और सामीप्य नियंत्रण निरोधात्मक अनुशासन (Preventive Discipline) के अंतर्गत आते हैं।

14. (B) I और II
निरोधात्मक अनुशासन (Preventive Discipline) पर्यावरणीय रूपरेखा और योजना पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि सुधारात्मक अनुशासन (Corrective Discipline) दुर्व्यवहार होने के बाद हस्तक्षेप करता है। निरोधात्मक अनुशासन दंडात्मक प्रतिबंधों पर नहीं, बल्कि सकारात्मक वातावरण (Positive Environment) बनाने पर बल देता है। अतः पहला और दूसरा कथन पूरी तरह सही हैं।

15. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
वर्ष की शुरुआत में सुसंगत दिनचर्या (Consistent Routines) स्थापित करने से कक्षा प्रबंधन सुचारु होता है। दिनचर्या दैनिक कार्यों को स्वचालित बनाती है, जिससे छात्रों का संज्ञानात्मक भार (Cognitive Load) कम होता है। इसके परिणामस्वरूप प्रबंधकीय कार्यों में नष्ट होने वाला समय बचता है और अकादमिक अधिगम समय (Academic Learning Time) में वृद्धि होती है।

16. (B) इसे अपेक्षित व्यवहार पर ध्यान केंद्रित करते हुए सकारात्मक शब्दों में कहा गया है।
कक्षा के नियम तब सबसे प्रभावी होते हैं जब वे सकारात्मक रूप से व्यक्त (Positively Stated) किए जाते हैं। नकारात्मक प्रतिबंधों के बजाय अपेक्षित व्यवहार (Expected Behavior) पर ध्यान केंद्रित करने से छात्रों को यह स्पष्ट रूप से समझ आता है कि उनसे क्या करने की अपेक्षा की जाती है, जिससे आत्म-नियमन (Self-Regulation) को बढ़ावा मिलता है।

17. (C) पूरे दिन छात्रों को पूरी तरह से शांत रहने की आवश्यकता वाला एक कठोर नियम।
पूरे दिन पूर्ण शांति का कठोर नियम कक्षा प्रबंधन में सुधार करने की सबसे कम संभावना रखता है। अत्यधिक कठोरता और निरंतर सन्नाटा छात्रों में तनाव, हताशा और अलगाव पैदा करता है। प्रभावी प्रबंधन सहयोगात्मक अधिगम (Cooperative Learning), संवाद और लचीली दिनचर्या को बढ़ावा देता है, न कि निरंकुश नियंत्रण को।

18. (A) I, II, III, IV
दिनचर्या स्थापित करने का तार्किक क्रम सबसे पहले छात्रों को उसका औचित्य (Rationale) समझाना है। तत्पश्चात शिक्षक को अपेक्षित व्यवहार का मॉडल (Model) प्रस्तुत करना चाहिए। इसके बाद छात्रों को अभ्यास करने के अवसर (Practice Opportunities) देने चाहिए और अंत में सही निष्पादन हेतु सकारात्मक प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करनी चाहिए।

19. (B) अपेक्षित सकारात्मक व्यवहार को बताने के लिए इसे सकारात्मक रूप से पुनर्व्याख्यायित करें।
नकारात्मक शब्दों वाले नियमों (जैसे "मत करो") के स्थान पर अपेक्षित सकारात्मक व्यवहार (Expected Positive Behavior) का उल्लेख करना चाहिए। उदाहरण के लिए, "शांति से चलें, सौम्य आवाज़ में बात करें" जैसी भाषा छात्रों को सही मार्गदर्शन देती है और एक सकारात्मक कक्षा वातावरण (Positive Classroom Climate) का निर्माण करती है।

20. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
सकारात्मक अनुशासन (Positive Discipline) आत्म-नियंत्रण, जिम्मेदारी और आपसी सम्मान सिखाने पर केंद्रित है। यह केवल बाहरी अनुपालन की मांग नहीं करता। यह दृष्टिकोण शारीरिक दंड (Corporal Punishment) का पूर्ण विरोध करता है, क्योंकि दंडात्मक उपाय भय उत्पन्न करते हैं और छात्र के भावनात्मक विकास (Emotional Development) को बाधित करते हैं।

21. (B) मनमाने दंड के बजाय तार्किक परिणामों (Logical Consequences) का उपयोग करना।
सकारात्मक अनुशासन मॉडल (Positive Discipline Model) का मुख्य सिद्धांत मनमाने दंड के स्थान पर तार्किक

NODIA

आई कांटेक्ट बनाना या छात्र के पास जाकर खड़े होना (Proximity Control) बिना शिक्षण बाधित किए व्यवहार को पुनर्निर्देशित करता है।

47. (C) छात्रों को अलग करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शांति से हस्तक्षेप करें।
कक्षा में अचानक दो छात्रों के बीच बहस होने पर शिक्षक की प्राथमिक प्रतिक्रिया शांत रहकर हस्तक्षेप करना है। छात्रों को तुरंत अलग करके माहौल को सुरक्षित और नियंत्रित करना चाहिए। स्थिति की अनदेखी करना या सार्वजनिक फैसला करवाना मामले को और अधिक बिगाड़ सकता है।

48. (B) I, III और IV
व्यक्तिगत पुनर्निर्देशन, 'आई' संदेशों ('I' Messages) का प्रयोग और दुर्व्यवहार के ट्रिगर की पहचान करना विघटनकारी व्यवहार को सुधारने की प्रभावी तकनीकें हैं। कक्षा के सामने छात्र से बहस करना सत्ता का संघर्ष पैदा करता है जो अनुचित है। इसलिए I, III और IV सही हैं।

49. (D) सामीप्य नियंत्रण (Proximity Control)
बिना पढ़ाना रोके छात्र के पास जाकर कागज़ का जहाज उठाना और उसके पास खड़े रहना सामीप्य नियंत्रण (Proximity Control) कहलाता है। यह एक गैर-मौखिक न्यूनतम हस्तक्षेप तकनीक (Non-verbal Intervention) है, जो पाठ की गति को तोड़े बिना छात्र का ध्यान कार्य पर लाती है।

50. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
कक्षा प्रबंधन में व्यवहार संशोधन तकनीकें (Behavior Modification Techniques) बी.एफ. स्किनर के क्रियाप्रसूत अनुकूलन (Operant Conditioning) पर आधारित हैं। यह सिद्धांत स्थापित करता है कि व्यवहार अपने परिणामों जैसे सुदृढ़ीकरण (Reinforcement) या दंड द्वारा नियंत्रित, परिवर्तित और सुदृढ़ होता है।

51. (C) कम पसंदीदा गतिविधि को सुदृढ़ करने के लिए एक पसंदीदा गतिविधि के साथ जोड़ना।
प्रिमैक सिद्धांत (Premack Principle) का अर्थ है कि एक उच्च-प्रायिकता या पसंदीदा गतिविधि का उपयोग कम-प्रायिकता या नापसंद गतिविधि को सुदृढ़ करने हेतु पुनर्बलक के रूप में किया जाता है। उदाहरण के लिए, "गणित का काम पूरा करने के बाद आप चित्रकारी कर सकते हैं।"

52. (D) टोकन इकोनॉमी (Token Economy)
अच्छे व्यवहार या काम के बदले सितारे (Stars) देना जिन्हें बाद में विशेषाधिकारों में बदला जा सके, टोकन इकोनॉमी (Token Economy) का सटीक उदाहरण है। यह व्यवहार संशोधन (Behavior Modification) की एक प्रतीकात्मक सुदृढ़ीकरण प्रणाली है जो अवांछित व्यवहार को घटाकर वांछित व्यवहार बढ़ाती है।

53. (B) I और III
शेपिंग में क्रमिक आसन्नताओं को सुदृढ़ किया जाता है और नकारात्मक सुदृढ़ीकरण में अप्रिय उत्तेजना हटाई जाती है। विलोपन (Extinction) में पुरस्कार वापस लिया जाता है, न कि पुरस्कार दिया जाता है। अतः कथन I और III पूरी तरह सत्य हैं, जबकि कथन II असत्य है।

54. (B) शेपिंग (Shaping)
छात्र के बैठने के समय को धीरे-धीरे 5 मिनट से बढ़ाकर 20 मिनट तक ले जाना और हर कदम पर प्रशंसा करना शेपिंग (Shaping) कहलाता है। यह तकनीक वांछनीय लक्षित व्यवहार (Target Behavior) तक पहुँचने के लिए क्रमिक चरणों का सुदृढ़ीकरण (Reinforcement) करती है।

55. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
सकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Positive Reinforcement) तब सबसे अधिक प्रभावी होता है जब यह वांछित व्यवहार के तुरंत बाद दिया जाए। अत्यधिक विलंबित सुदृढ़ीकरण अपनी प्रभावशीलता खो देता है। अतः पहला कथन असत्य है, जबकि R में दिया गया तर्क सही अवधारणा को व्यक्त करता है।

56. (B) सकारात्मक व्यवहार बढ़ाने के लिए एक सुखद उत्तेजना जोड़ता है; नकारात्मक व्यवहार को बढ़ाने के लिए एक अप्रिय उत्तेजना को हटाता है।
दोनों प्रकार के सुदृढ़ीकरण (Reinforcement) व्यवहार की पुनरावृत्ति को बढ़ाते हैं। सकारात्मक सुदृढ़ीकरण एक सुखद उत्तेजना जोड़कर व्यवहार को बढ़ाता है, जबकि नकारात्मक सुदृढ़ीकरण किसी अप्रिय या कष्टदायक उत्तेजना (Aversive Stimulus) को हटाकर वांछित व्यवहार की दर में वृद्धि करता है।

57. (D) प्रशंसा सबसे प्रभावी तब होती है जब यह छात्र के प्रदर्शन की तुलना उनके साथियों से करती है।
सहपाठियों से तुलना करने वाली प्रशंसा प्रभावी नहीं होती, बल्कि यह प्रतिस्पर्धा और हीनभावना उत्पन्न करती है। प्रभावी प्रशंसा हमेशा विशिष्ट, वर्णनात्मक, ईमानदार और छात्र के व्यक्तिगत प्रयास तथा रणनीतियों पर केंद्रित होनी चाहिए, न कि सहपाठियों के साथ तुलना पर।

58. (D) I, II और III
कक्षा में उपयोग किए जाने वाले सकारात्मक सुदृढ़क (Positive Reinforcers) कई प्रकार के होते हैं। सामाजिक सुदृढ़क (प्रशंसा), मूर्त सुदृढ़क (स्टिकर या प्रमाण पत्र) और गतिविधि सुदृढ़क (खेल या मुफ़्त समय) ये सभी इसके मान्य और प्रभावी उदाहरण हैं।

59. (C) यह 'अति-औचित्य प्रभाव' (Overjustification Effect) का कारण बनता है, जिससे आंतरिक प्रेरणा कम होती है।
बुनियादी कार्यों के लिए केवल मूर्त बाहरी पुरस्कारों पर अत्यधिक निर्भरता 'अति-औचित्य प्रभाव' (Overjustification Effect) पैदा करती है। इससे छात्रों की आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) नष्ट हो जाती है और वे केवल बाहरी पुरस्कार पाने के उद्देश्य से ही कार्य करने लगते हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

60. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
सकारात्मक कक्षा वातावरण केवल भौतिक सुविधाओं पर निर्भर नहीं करता, बल्कि सामाजिक-भावनात्मक संबंधों पर आधारित होता है। हालाँकि, यह कहना भी गलत है कि सामाजिक-भावनात्मक कारक तकनीक की तुलना में मामूली भूमिका निभाते हैं; वास्तव में वे सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

61. (D) वित्तीय स्वायत्तता आयाम (Financial Autonomy Dimension)
कक्षा वातावरण (Classroom Climate) के तीन प्राथमिक आयाम हैं: संबंध आयाम, व्यक्तिगत विकास आयाम, तथा प्रणाली रखरखाव एवं परिवर्तन आयाम। वित्तीय स्वायत्तता आयाम (Financial Autonomy Dimension) शैक्षणिक या कक्षा वातावरण के मनोवैज्ञानिक आयामों के अंतर्गत शामिल नहीं है।

62. (D) शिक्षक द्वारा सहानुभूति, निष्पक्षता और सक्रिय सुनने (Active Listening) का प्रदर्शन।
भावनात्मक रूप से सुरक्षित और सहायक वातावरण बनाने में शिक्षक की सहानुभूति (Empathy), निष्पक्षता और सक्रिय सुनना (Active Listening) सबसे महत्वपूर्ण हैं। इससे छात्रों में सुरक्षा और विश्वास की भावना पैदा होती है, जो उनके समग्र अधिगम और विकास को सुगम बनाती है।

63. (B) I, II और IV
उच्च अपेक्षाएँ, स्पष्ट नियम और आपसी सम्मान एक सकारात्मक कक्षा वातावरण (Positive Classroom Climate) का निर्माण करते हैं। ताने (Sarcasm) का प्रयोग छात्रों के आत्म-सम्मान को ठेस पहुँचाता है और वातावरण को नकारात्मक बनाता है। अतः I, II और IV ही सही विकल्प हैं।

64. (A) मनोवैज्ञानिक सुरक्षा (Psychological Safety)
बिना किसी उपहास के डर के प्रश्न पूछना, विचार व्यक्त करना और सीखने के लिए जोखिम उठाना उच्च मनोवैज्ञानिक सुरक्षा (Psychological Safety) को दर्शाता है। यह वातावरण छात्रों को बिना झिझक के अपनी बात रखने और रचनात्मक रूप से सीखने में मदद करता है।

65. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
शिक्षक को मित्र बनने के बजाय एक सहिष्णु एवं प्रामाणिक मार्गदर्शक बनना चाहिए ताकि पेशेवर सीमाएँ बनी रहें। R में उल्लिखित कथन कि सीमाएँ सांस्कृतिक समझ को रोकती हैं, असत्य है; सीमाएँ और तालमेल दोनों एक साथ प्रभावी ढंग से बनाए रखे जा सकते हैं।

66. (B) छात्रों के नाम जल्दी याद रखना और उनका सही उच्चारण करना।
छात्रों के नाम जल्दी याद रखना और उनका सही उच्चारण करना सकारात्मक तालमेल (Rapport) बनाने का सबसे प्रभावी प्राथमिक कदम है। इससे छात्रों को लगता है कि शिक्षक उनका व्यक्तिगत रूप से सम्मान करता है और उनकी विशिष्ट पहचान को स्वीकार करता है।

67. (D) आई कांटेक्ट बनाए रखना, सिर हिलाना और छात्र की चिंता को दोबारा अपने शब्दों में व्यक्त करना।
सक्रिय सुनना (Active Listening) वह प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक आई कांटेक्ट बनाए रखता है, सिर हिलाकर सहमति देता है और छात्र की बात को दोबारा अपने शब्दों में पुनर्व्याख्यायित (Paraphrase) करता है। इससे छात्र महसूस करता है कि उसकी बात सुनी और समझी जा रही है।

68. (A) I, II और III
दरवाजे पर स्वागत करना, रुचि दिखाना और प्रासंगिक अनुभव साझा करना तालमेल बनाने में सहायक हैं। अन्य छात्रों के ग्रेड सार्वजनिक रूप से साझा करना गोपनीयता का उल्लंघन है और संबंध बिगाड़ता है। इसलिए केवल पहला, दूसरा और तीसरा कथन सही हैं।

69. (A) छात्र गरिमा का संरक्षण (Preserving Student Dignity)
एकांत में दुर्व्यवहार सुधारना और सार्वजनिक रूप से प्रशंसा करना छात्र की गरिमा की रक्षा (Preserving Student Dignity) करने का उत्कृष्ट सिद्धांत है। सार्वजनिक अपमान से छात्र में विद्रोह की भावना पैदा होती है, जबकि व्यक्तिगत सुधार से शिक्षक-छात्र संबंध और तालमेल मजबूत होता है।

70. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
गतिविधियों के बीच सुचारु संक्रमण (Smooth Transitions) से अनुशासनहीनता कम होती है। असंचरित समय एक खालीपन पैदा करता है जहाँ छात्र ऑफ-टास्क और विघटनकारी व्यवहार करने लगते हैं। सुसंगत और कुशल संक्रमण अधिगम समय को अधिकतम करता है और दुर्व्यवहार को रोकता है।

71. (D) एक शिक्षण गतिविधि या भौतिक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना।
कक्षा प्रबंधन में 'संक्रमण' (Transition) का अर्थ एक शिक्षण गतिविधि, कार्य या भौतिक स्थान से दूसरे स्थान पर सुचारु रूप से जाने की प्रक्रिया है। इसमें समय का कुशल उपयोग और न्यूनतम व्यवधान (Minimum Disruption) सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होता है।

NODIA

72. (D) संक्रमण शुरू करने के लिए एक सुसंगत, पूर्व-सिखाए गए संकेत का उपयोग करना।
संक्रमण (Transition) को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए एक सुसंगत, पूर्व-अभ्यस्त संकेत (जैसे घंटी या हाथ का इशारा) का उपयोग करना सबसे प्रभावी सक्रिय रणनीति है। यह छात्रों को तुरंत समझ में आने वाले निर्देशों द्वारा अगली गतिविधि हेतु तैयार करता है।

73. (A) I, II, III, IV
संक्रमण निष्पादित करने का तार्किक क्रम है: सबसे पहले पूरी कक्षा का ध्यान खींचना, फिर चरण-दर-चरण निर्देश देना,

उसके बाद संक्रमण शुरू करने का संकेत देना और अंत में छात्रों के व्यवहार का अवलोकन कर प्रतिक्रिया प्रदान करना।

74. (D) एक विशिष्ट संक्रमण दिनचर्या (Transition Routine) को तब तक सिखाना और अभ्यास कराना जब तक कि यह तेज़ न हो जाए।
सामग्री बदलने के दौरान होने वाले शोर को रोकने का सबसे अच्छा तरीका एक विशिष्ट संक्रमण दिनचर्या (Transition Routine) को बार-बार सिखाना और अभ्यास कराना है। पूरे समूह को दंडित करने के बजाय दिनचर्या का अभ्यास कराने से समय बचता है और अनुशासन बना रहता है।

75. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
ग्रुप अलर्टिंग (Group Alerting) प्रश्न पूछने के बाद सभी को सोचने का अवसर देकर छात्र को बुलाने की तकनीक है। प्रश्न पूछने से पहले ही किसी का नाम ले लेने से बाकी छात्र सोचना बंद कर देते हैं, जो इस सिद्धांत की भावना के विपरीत है।

76. (B) प्रत्येक सदस्य को विशिष्ट भूमिकाएं (जैसे टाइमकीपर या रिकॉर्डर) सौंपना।
छोटे समूहों में प्रत्येक सदस्य को स्पष्ट और विशिष्ट भूमिकाएँ (जैसे समयपालक या लेखक) सौंपने से व्यक्तिगत जवाबदेही (Individual Accountability) बनी रहती है। इससे सामाजिक आलस्य दूर होता है और सभी छात्र कार्य में सक्रिय रूप से योगदान देते हैं।

77. (B) समूह के सदस्य केवल तब सफल होते हैं जब प्रत्येक अन्य सदस्य सफल होता है।
सहयोगात्मक अधिगम (Cooperative Learning) में सकारात्मक एकोन्योन्याश्रयता (Positive Interdependence) का अर्थ यह है कि समूह के सभी सदस्य आपस में इस प्रकार जुड़े हैं कि एक की सफलता सभी की सफलता पर निर्भर करती है ("एक सब के लिए, सब एक के लिए")।

78. (B) I, II और IV
शांत होने का संकेत, कक्ष में भ्रमण द्वारा निगरानी, और बोर्ड पर स्पष्ट निर्देश रखना समूह प्रबंधन के बेहतरीन अभ्यास हैं। कठिनाई आने पर तुरंत उत्तर देना छात्रों की सोच को सीमित करता है। अतः I, II और IV ही सही उत्तर हैं।

79. (A) सक्रिय भौतिक निगरानी (Active Physical Monitoring)
जब शिक्षक केवल डेस्क पर बैठकर कार्य करता है और कक्ष में नहीं घूमता, तो वहाँ सक्रिय भौतिक निगरानी (Active Physical Monitoring) का अभाव होता है। शिक्षक का घूमना और सामीप्य बनाए रखना छात्रों को ऑफ-टास्क होने से रोकता है और सहभागिता बढ़ाता है।

80. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
बुलिंग (Bullying) सामान्य विकास का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर समस्या है जिसमें जानबूझकर नुकसान पहुँचाया जाता है। इसे कभी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। कारण (R) में दी गई परिभाषा और इसके दुष्परिणाम पूरी तरह से तथ्यात्मक और सत्य हैं।

81. (C) समान स्थिति वाले दोस्तों के बीच एक अलग तर्क/बहस।
समान शक्ति और स्थिति वाले मित्रों के बीच कभी-कभार होने वाली अनबन या बहस को बुलिंग (Bullying) नहीं माना जाता। बुलिंग में शक्ति का असंतुलन (Power Imbalance), बार-बार दुर्व्यवहार करना और जानबूझकर शारीरिक या मानसिक नुकसान पहुँचाना शामिल होता है।

82. (C) दर्शक (Bystanders), उन्हें मुखर समर्थक (Upstanders) बनने के लिए सशक्त बनाना।
बुलिंग रोकने हेतु दर्शक (Bystanders) छात्रों का समूह सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य होता है। उन्हें मुखर समर्थक (Upstanders) बनने के लिए प्रेरित और सशक्त करने से बुलिंग करने वाले का सामाजिक समर्थन खत्म हो जाता है, जिससे स्कूल का माहौल सुरक्षित और सकारात्मक बनता है।

83. (A) I, II और III
स्पष्ट रिपोर्टिंग, जलवायु सर्वेक्षण और असंचरित क्षेत्रों में कड़ी निगरानी बुलिंग रोकने के प्रभावी उपाय हैं। पीड़ित पर उकसाने का आरोप लगाना पूरी तरह अनुचित है। इसलिए पहला, दूसरा और तीसरा कथन सही प्रबंधन अभ्यासों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

84. (C) जांच करें, क्योंकि साइबरबुलिंग छात्र की सुरक्षा और स्कूल के प्रदर्शन को प्रभावित करती है।
यद्यपि साइबरबुलिंग ऑनलाइन या स्कूल समय के बाद हो सकती है, यदि यह छात्र के मानसिक स्वास्थ्य और स्कूल में उसकी सुरक्षा तथा प्रदर्शन को प्रभावित करती है, तो आधुनिक दिशानिर्देशों के तहत स्कूल प्रशासन को इसकी जांच कर उचित कदम उठाने चाहिए।

85. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
पुनरुद्धारक अभ्यास (Restorative Practices) सजा देने से अधिक क्षति पूर्ति करने और संबंधों को फिर से बनाने पर केंद्रित हैं। इसमें अपराधी को अपने कृत्य की जिम्मेदारी लेने और दूसरों पर पड़े प्रभाव को समझने का अवसर दिया जाता है, जिससे दीर्घकालिक सुधार होता है।

86. (B) पुनरुद्धारक चक्र या कम्युनिटी सर्कल (Restorative Circle)
पुनरुद्धारक कक्षा अभ्यासों (Restorative Practices) में कम्युनिटी सर्कल (Restorative Circle) एक मुख्य प्राथमिक उपकरण है। इसमें छात्र और शिक्षक मिलकर समस्याओं पर चर्चा करते हैं, अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हैं और सर्वसम्मति से संबंधों को सुधारने के लिए समाधान खोजते हैं।

87. (C) क्या हुआ था, और आपके कार्यों से कौन प्रभावित हुआ है?
पुनरुद्धारक बातचीत (Restorative Conversation) में सुविधाप्रदाता आरोप लगाने के बजाय यह पूछता है कि वास्तव में क्या घटित हुआ और इस कृत्य से कौन-कौन प्रभावित हुआ

Click Here to Buy book on Flipkart

है। यह प्रश्न अपराधी को उसके व्यवहार के दुष्परिणाम और जिम्मेदारी का अहसास कराता है।

88. (B) I और III
पुनरुद्धारक अभ्यासों में स्वैच्छिक सहभागिता आवश्यक है और भावात्मक कथनों (Affective Statements) का प्रयोग किया जाता है। ये अभ्यास गंभीर अपराधों में सुरक्षा हेतु आवश्यक प्रशासनिक या कानूनी परिणामों को प्रतिस्थापित नहीं करते। अतः I और III सत्य कथन हैं।

89. (C) पुनरुद्धारक अभ्यास (Restorative Practices)
छात्रों को मध्यस्थता सत्र में अपनी भावनाएँ व्यक्त करने, एक-दूसरे को सुनने और समाधान खोजने का अवसर देना पुनरुद्धारक अभ्यास (Restorative Practices) का एक सटीक अनुप्रयोग है। यह दंड देने के बजाय आपसी समझ और संबंध पुनर्निर्माण को प्राथमिकता देता है।

90. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
छात्रों के साथ मिलकर कक्षा नियमों का सह-निर्माण (Co-creating Rules) करने से अनुपालन बढ़ता है। जब छात्र स्वयं नियम बनाने में भाग लेते हैं, तो वे उनके प्रति जिम्मेदारी और अपनत्व (Ownership) की भावना महसूस करते हैं, जिससे नियमों का उल्लंघन कम होता है।

91. (C) छात्र नियमों को एक सामाजिक अनुबंध के रूप में आत्मसात करते हैं।
लोकतांत्रिक रूप से नियमों का सह-निर्माण करने से छात्र उन्हें एक सामाजिक अनुबंध (Social Contract) के रूप में स्वीकार करते हैं। इससे नियम केवल बाहरी दबाव न रहकर उनका आंतरिक मूल्य बन जाते हैं, जिससे स्वयं-अनुशासन और सकारात्मक कक्षा संस्कृति विकसित होती है।

92. (C) छात्रों के विचारों को 3-5 सकारात्मक रूप से बताए गए नियमों में समेकित (Consolidate) करना।
नियमों के सह-निर्माण के समय शिक्षक को छात्रों के सभी विचारों को एकत्रित करके उन्हें केवल 3-5 स्पष्ट और सकारात्मक रूप से कहे गए मुख्य नियमों में समेकित (Consolidate) करना चाहिए। कम और स्पष्ट नियम याद रखने तथा पालन करने में सरल होते हैं।

93. (A) I, II, III, IV
नियमों के सह-निर्माण का तार्किक क्रम: सर्वप्रथम नियमों की आवश्यकता पर चर्चा करना, फिर विचारों पर विचार-मंथन (Brainstorming) करना, तत्पश्चात उन्हें परिष्कृत कर 3-5 अपेक्षाओं में वर्गीकृत करना, और अंत में प्रतिबद्धता हेतु सभी के हस्ताक्षर करवाना।

94. (D) लोकतांत्रिक प्रबंधन (Democratic Management)
शिक्षक द्वारा सीधे नियम थोपने के बजाय छात्रों से अपेक्षाओं और वातावरण पर चर्चा करना लोकतांत्रिक प्रबंधन (Democratic Management) के सिद्धांतों को दर्शाता है। यह दृष्टिकोण छात्र स्वायत्तता, आपसी सहयोग और उत्तरदायित्व की भावना को अत्यधिक बढ़ावा देता है।

95. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
विविध कक्षा में सभी के साथ बिल्कुल समान व्यवहार करना सही प्रबंधन नहीं है क्योंकि छात्रों की जरूरतें अलग होती हैं। R में समता (Equity) की अवधारणा को सही तरीके से समझाया गया है; समता का अर्थ आवश्यकतानुसार उचित अवसर प्रदान करना है।

96. (B) विविध छात्र आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शिक्षण, प्रक्रिया और उत्पादों को अनुकूलित करना।
विभेदित निर्देश (Differentiated Instruction) का अर्थ प्रत्येक छात्र की भिन्न योग्यताओं, रुचियों और सीखने की शैलियों के अनुसार शिक्षण सामग्री (Content), प्रक्रिया (Process) और आकलन उत्पादों (Products) में आवश्यक अनुकूलन और समायोजन करना है।

97. (C) सीखने के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL)
सीखने के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL) एक ऐसा ढाँचा है जो शुरुआत से ही सभी प्रकार के विविध शिक्षार्थियों (जैसे CWSN) के लिए लचीली शिक्षण रणनीतियाँ और सुलभ शिक्षण वातावरण तैयार करने पर बल देता है।

98. (B) I, II और IV
सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र, लचीला समूहन और UDL के कई साधनों का उपयोग विविधता प्रबंधन के सर्वोत्तम तरीके हैं। मातृभाषा की उपेक्षा करना एक गलत नीति है। इसलिए पहला, दूसरा और चौथा विकल्प पूरी तरह सही हैं।

NODIA

99. (A) विविध अधिगम शैलियाँ (Diverse Learning Styles)
लिखित निर्देश, मौखिक स्पष्टीकरण और आरेख (Diagrams) तीनों का एक साथ प्रयोग करना विभिन्न शिक्षार्थियों की दृश्य, श्रव्य और गतिबोधक आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह प्रबंधन रणनीति विविध अधिगम शैलियों (Diverse Learning Styles) को संबोधित करती है।

100. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
एक अच्छी तरह से प्रबंधित कक्षा का अर्थ पूर्ण सन्नाटा या कठोरता नहीं है, बल्कि सक्रिय और व्यस्त शिक्षार्थी होना है। यद्यपि सन्नाटा गहन सोच में सहायक हो सकता है, परंतु सहयोगात्मक चर्चाएँ और गतिविधियां भी अधिगम के लिए उतनी ही आवश्यक हैं।

101. (B) छात्र निर्णय लेने में मदद करते हैं और सीखने तथा व्यवहार की जिम्मेदारी लेते हैं।
लोकतांत्रिक कक्षा (Democratic Classroom) वातावरण में छात्र निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। वे अपने आचरण और सीखने के दायित्व को समझते हैं, जिससे उनमें आत्म-नियंत्रण, स्वायत्तता और आपसी सम्मान का विकास होता है।

102. (C) ध्यान खींचना (Attention), सत्ता/शक्ति (Power), बदला (Revenge), और अपर्याप्तता का प्रदर्शन (Display of Inadequacy)।
रुडोल्फ ड्रेकर्स (Rudolf Dreikurs) के अनुसार, छात्रों के दुर्व्यवहार के चार गलत लक्ष्य (Mistaken Goals of Misbehavior) हैं: ध्यान खींचना (Attention), सत्ता/शक्ति की तलाश (Power), बदला लेना (Revenge), और अपर्याप्तता का प्रदर्शन (Display of Inadequacy)।

103. (A) ध्यान खींचना (Attention-getting)
जब कोई छात्र बार-बार व्यवधान डालकर शिक्षक का ध्यान खींचने का प्रयास करता है और उपेक्षा करने पर रुक जाता है, तो उसका गलत लक्ष्य ध्यान खींचना (Attention-getting) होता है। इस स्थिति में नियोजित उपेक्षा तकनीक बहुत उपयोगी सिद्ध होती है।

104. (B) लक्ष्य: सत्ता/शक्ति; रणनीति: विकल्प प्रदान करना (Offering Choices)
"आप मुझसे यह नहीं करवा सकते" कहना सत्ता/शक्ति (Power) की तलाश का गलत लक्ष्य है। शिक्षक का बहस से बचकर विकल्प प्रदान करना (Offering Choices) एक प्रभावी रणनीति है, जो शक्ति संघर्ष (Power Struggle) को समाप्त कर छात्र को नियंत्रित विकल्प देती है।

105. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
पसंद सिद्धांत (Choice Theory) के अनुसार एक 'लीड शिक्षक' बाहरी दबाव या जबरदस्ती का प्रयोग नहीं करता, अतः पहला कथन असत्य है। R में उल्लिखित पाँच मूलभूत आवश्यकताएँ (उत्तरजीविता, प्रेम, शक्ति, स्वतंत्रता, मज़ा) ग्लैसर के सिद्धांत का सही आधार हैं।

106. (B) कार्य की गुणवत्ता और सुधार पर चर्चा में छात्रों को शामिल करेगा।
विलियम ग्लैसर के अनुसार 'लीड शिक्षक' (Lead Teacher) छात्रों पर हुक्म चलाने के बजाय उन्हें अधिगम और सुधार की प्रक्रिया में सहभागी बनाता है। वह संवाद, सहयोग और गुणवत्ता पर बल देता है, न कि केवल बाहरी दंडात्मक नियंत्रण पर।

107. (C) दृढ अनुशासन (Assertive Discipline)
ली और मार्लेन कैनटर का दृढ अनुशासन मॉडल (Assertive Discipline Model) यह मानता है कि शिक्षकों को शांत वातावरण में पढ़ाने का और छात्रों को सीखने का अधिकार है। यह स्पष्ट नियमों, अपेक्षाओं और सुसंगत परिणामों के पदानुक्रम पर आधारित है।

108. (B) II और III
दृढ अनुशासन (Assertive Discipline) स्पष्ट योजनाओं तथा परिणामों के पदानुक्रम पर आधारित है। इसमें आक्रामक या शत्रुतापूर्ण व्यवहार की मनाही होती है, बल्कि दृढ़ता और स्पष्टता की वकालत की जाती है। अतः कथन II और III ही सत्य हैं।

109. (B) शिक्षक प्रभावशीलता प्रशिक्षण (Teacher Effectiveness Training - TET)
'आई-मैसेज' ('I' Messages) का प्रयोग थॉमस गॉर्डन द्वारा प्रतिपादित शिक्षक प्रभावशीलता प्रशिक्षण (Teacher Effectiveness Training - TET) की मुख्य विशेषता है। इसमें दोष मढ़ने वाले 'यू-मैसेज' के बजाय शिक्षक अपनी भावना और व्यवहार के प्रभाव को व्यक्त करता है।

110. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
'आई-मैसेज' का उपयोग करने से छात्रों का रक्षात्मक रवैया (Defensiveness) कम होता है। यह छात्र के चरित्र पर प्रहार करने के बजाय व्यवहार के वास्तविक प्रभाव और शिक्षक की भावनाओं को स्पष्ट करता है, जिससे समस्या समाधान आसान हो जाता है।

111. (B) ध्यान भटके छात्र के पास शारीरिक रूप से जाना ताकि उसका ध्यान पुनः केंद्रित किया जा सके।
सामीप्य नियंत्रण (Proximity Control) एक गैर-मौखिक प्रबंधन तकनीक है। इसमें शिक्षक पाठ प्रवाह को बिना रोके केवल उस छात्र के पास जाकर खड़ा हो जाता है जिसका ध्यान भटक रहा है, जिससे छात्र तुरंत अपना ध्यान अधिगम पर केंद्रित कर लेता है।

112. (D) दुर्व्यवहार को रोकने के लिए विशिष्ट कार्रवाइयों का उपयोग कर रहा है जैसे कि मौखिक चेतावनी।
जब शिक्षक विरति रणनीतियों (Desist Strategies) का उपयोग करता है, तो वह अवांछित या विघटनकारी व्यवहार को तुरंत रोकने के लिए प्रत्यक्ष कदम उठाता है, जैसे कि मौखिक निर्देश, चेतावनी या स्पष्ट गैर-मौखिक संकेत देना।

113. (B) I, III और IV
आई कांटेक्ट बनाना, कार्य की ओर इशारा करना और हाथ के इशारों से शांत रहने का संकेत देना उत्कृष्ट गैर-मौखिक हस्तक्षेप हैं। नाम चिल्लाना एक आक्रामक और मौखिक तरीका है। इसलिए केवल I, III और IV सही विकल्प हैं।

114. (C) न्यूनतम हस्तक्षेप रणनीति (Least Intrusive Strategy)
बिना कुछ बोले आई कांटेक्ट बनाकर छात्र की डेस्क को थपथपाना न्यूनतम हस्तक्षेप रणनीति (Least Intrusive Strategy) का उदाहरण है। यह शिक्षण को प्रभावित किए बिना और छात्र को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा किए बिना व्यवहार को ठीक करता है।

115. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
छात्रों को सीमित और संरचित विकल्प देने से दुर्व्यवहार में भारी कमी आती है। विकल्प प्रदान करने से उनकी स्वायत्तता (Autonomy) की आवश्यकता पूरी होती है और शिक्षक तथा छात्र के बीच अनावश्यक शक्ति संघर्ष (Power Struggle) समाप्त होता है।

NODIA

116. (B) खाली शिक्षण समय को भरने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक छोटा, सार्थक शैक्षणिक कार्य।
स्पंज गतिविधि (Sponge Activity) एक संक्षिप्त, उद्देश्यपूर्ण शैक्षणिक कार्य है जिसका उपयोग पाठों के बीच या कार्य समाप्त होने के बाद बचे खाली समय का सदुपयोग करने और छात्रों को व्यस्त रखने हेतु किया जाता है।

117. (C) बैठने पर छात्रों के हल करने के लिए बोर्ड पर एक संक्षिप्त गणित पहेली होना।
कक्षा में प्रवेश करते ही बोर्ड पर लिखी गणित की संक्षिप्त पहेली को हल करना एक प्रभावी स्पंज गतिविधि या बेल-रिंगर (Bell-ringer) का सटीक उदाहरण है। यह छात्रों का ध्यान तुरंत अधिगम की ओर आकर्षित करता है।

118. (D) I, II और III
कक्षा के भौतिक वातावरण का आयोजन करते समय आवागमन पैटर्न (Traffic Patterns), दृश्यता (Visibility) और संसाधनों की सुलभता (Accessibility) तीनों ही अत्यंत महत्वपूर्ण विचार हैं जो सुचारू कक्षा प्रबंधन सुनिश्चित करते हैं।

119. (D) स्पष्ट आवागमन पैटर्न (Traffic Patterns) सुनिश्चित करना
कमरे के बीच में शिक्षक का डेस्क रखने से छात्रों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न होती है। यह व्यवस्था भौतिक कक्षा प्रबंधन के स्पष्ट आवागमन पैटर्न (Traffic Patterns) के नियम का सीधा उल्लंघन करती है।

120. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
टाइम-आउट को सार्वभौमिक रूप से हर समस्या (विशेषकर शैक्षणिक कठिनाई) के लिए इस्तेमाल करना पूरी तरह गलत है। R में दी गई अवधारणा भी असत्य है क्योंकि टाइम-आउट हर व्यवहार को सुधारने में सक्षम नहीं होता।

121. (C) शांत-क्षेत्र स्व-चयनित स्व-नियमन (Self-Regulation) स्थान हैं, जबकि टाइम-आउट दंडात्मक पृथक्करण हैं।
दंडात्मक टाइम-आउट एक जबरन अलगाव है, जबकि शांत-क्षेत्र (Calm-down Corner) छात्र द्वारा अपनी भावनाओं को स्वयं प्रबंधित करने के लिए चुना गया स्व-नियमन स्थान (Self-Regulation Space) है जो सकारात्मक अनुशासन पर आधारित है।

122. (B) एक छात्र को डांटना किस प्रकार अवलोकन करने वाले सहपाठियों के व्यवहार को प्रभावित करता है।
जैकब कौशिन द्वारा प्रस्तुत 'रिपल इफेक्ट' (Ripple Effect) वह परिघटना है जहाँ एक छात्र के दुर्व्यवहार पर शिक्षक की प्रतिक्रिया का प्रभाव आसपास देख रहे अन्य सहपाठियों के व्यवहार और आचरण पर भी सीधे पड़ता है।

123. (A) I और II
विरति या डांट (Desist) में स्पष्टता और दृढ़ता होने पर रिपल इफेक्ट (Ripple Effect) सकारात्मक रूप से काम करता है। आक्रामकता या कठोरता (Roughness) का प्रयोग माहौल को बिगाड़ता है। इसलिए केवल I और II ही सही हैं।

124. (D) स्पष्टता (Clarity) है
शिक्षक द्वारा छात्रों का नाम लेकर विशिष्ट निर्देश देना ("बात बंद करें और पृष्ठ 42 पढ़ें") उच्च स्तर की स्पष्टता (Clarity) को दर्शाता है। इससे छात्रों को पता चलता है कि उनसे क्या अपेक्षित है।

125. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
किशोरों के साथ ताने (Sarcasm) या सार्वजनिक अपमान का प्रयोग कभी नहीं करना चाहिए। यह शिक्षक-छात्र तालमेल को नष्ट करता है, उनमें बदले की भावना जगाता है और आत्म-सम्मान को गहरा आघात पहुँचाता है।

126. (B) अनावश्यक मंदी के बिना निरंतर पाठ प्रगति।
पाठ प्रबंधन में 'गति' (Momentum) का तात्पर्य पाठ के सुचारू प्रवाह और निरंतर प्रगति से है। जब शिक्षक बिना किसी फालतू रुकावट या मंदी के पढ़ाता है, तो छात्रों की सहभागिता बनी रहती है।

127. (C) मामूली व्यवहार संबंधी मुद्दों या सरल अवधारणाओं पर अत्यधिक समय बर्बाद करना (Overdwelling)।
मामूली बातों या साधारण अवधारणाओं पर अत्यधिक समय नष्ट करना (Overdwelling) पाठ की गति (Momentum) को बुरी तरह तोड़ देता है। इससे छात्र ऊब जाते हैं और कक्षा में ध्यान भटकने लगता है।

128. (A) I और II
पाठ के बीच में अकारण भाषण देना या मौन वाचन को तुच्छ बात पर रोकना सुगमता को नष्ट करता है (Slowdowns/ Fragmentation)। तीसरा परिदृश्य सुचारू शिक्षण का उदाहरण है। अतः I और II सही उत्तर हैं।

129. (D) विखंडन (Fragmentation)
किसी अति-सरल कार्य को अनावश्यक रूप से छोटे-छोटे हिस्सों में तोड़कर निर्देश देना 'विखंडन' (Fragmentation) कहलाता है। यह पाठ के प्राकृतिक प्रवाह को रोकता है और समय बर्बाद करता है।

130. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
उच्च सफलता दर छात्रों को व्यस्त और प्रेरित रखती है, जिससे अनुशासनात्मक मुद्दे कम होते हैं। निरंतर असफलता से हताशा पैदा होती है, जिससे छात्र ऑफ-टास्क और विघटनकारी व्यवहार करने लगते हैं।

131. (D) जब छात्र अच्छा व्यवहार करते हैं तो तत्काल, विशिष्ट प्रशंसा प्रदान करना।
सकारात्मक कक्षा प्रबंधन के तहत छात्रों के अच्छे व्यवहार पर उन्हें तुरंत और विशिष्ट प्रशंसा (Specific Praise) देना सर्वोत्तम तरीका है। इससे वांछित व्यवहार को बल मिलता है और प्रेरणा बढ़ती है।

Downloaded from www.pdf.tube

132. (C) समूह आकस्मिकता (Group Contingencies) का उपयोग करना जहाँ टीमें सामूहिक अच्छे व्यवहार के लिए पुरस्कार अर्जित करती हैं।
समूह आकस्मिकता (Group Contingencies) के माध्यम से सकारात्मक सहकर्मी प्रभाव का उपयोग किया जा सकता है। जब पूरा समूह मिलकर अच्छा व्यवहार करने पर पुरस्कार पाता है, तो छात्र एक-दूसरे को सहयोग और प्रोत्साहित करते हैं।

133. (D) I, II और III
'गुड बिहेवियर गेम' में कक्षा को टीमों में बाँटना, अवांछित व्यवहार पर अंक काटना और न्यूनतम अंक सीमा बनाए रखने वाली टीमों को पुरस्कृत करना शामिल है। अतः तीनों कथन पूर्णतः सत्य हैं।

134. (D) यह छात्र के साथ लिखित रुप में लक्षित व्यवहार, पुरस्कार और परिणाम निर्धारित करता है।
व्यवहार अनुबंध (Behavior Contract) का मुख्य लाभ यह है कि यह छात्र और शिक्षक के बीच एक लिखित समझौता होता है, जिसमें लक्षित व्यवहार, सकारात्मक पुरस्कार और तार्किक परिणाम स्पष्ट रूप से तय होते हैं।

135. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी प्रबंधन के लिए पूर्वाग्रहों को समझना आवश्यक है। विभिन्न संस्कृतियों में व्यवहार के अलग मायने होते हैं (जैसे आई कांटेक्ट न करना), इसलिए सांस्कृतिक संदर्भ को समझना जरूरी है।

136. (D) छात्र को हाथ उठाने की प्रक्रियाओं की याद दिलाते हुए उसके उत्साह को स्वीकार करें।
उत्साही छात्र के विचार दबाने के बजाय उसके उत्साह की सराहना करनी चाहिए और साथ ही उसे हाथ उठाकर बोलने के नियम की प्यार से याद दिलानी चाहिए, ताकि प्रेरणा और अनुशासन दोनों बने रहें।

137. (B) किसी व्यवहार के प्रभाव के बारे में शिक्षक की भावनाओं को व्यक्त करने वाले कथन।
भावात्मक कथन (Affective Statements) वे व्यक्तिगत कथन हैं जिनमें शिक्षक किसी छात्र के आचरण से उत्पन्न अपनी भावनाओं और प्रभाव को स्पष्ट रूप से व्यक्त करता है, जिससे सहानुभूति और समझ विकसित होती है।

138. (B) केवल II
केवल दूसरा कथन 'आई-मैसेज' का उदाहरण है जो पुनरुद्धारक और सकारात्मक अनुशासन ढाँचे द्वारा अनुशंसित है। दोषारोपण वाले 'यू-मैसेज' या धमकियाँ छात्र में रक्षात्मकता और तनाव उत्पन्न करती हैं।

139. (B) प्रशंसा के साथ शुरुआत करना, चिंताओं पर चर्चा करना, और एक सकारात्मक लक्ष्य के साथ समाप्त करना।
सैंडविच दृष्टिकोण (Sandwich Approach) में आलोचनात्मक चर्चा से पहले और बाद में सकारात्मक बातें कही जाती हैं। शुरुआत प्रशंसा से होती है, फिर समस्या रखी जाती है और अंत सकारात्मक समाधान पर होता है।

140. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
CWSN छात्रों के लिए समान और कठोर नियम थोपना समावेशी शिक्षा के खिलाफ है। IEP के तहत व्यक्तिगत समायोजन अनिवार्य होते हैं। इसलिए पहला कथन असत्य है और कारण बिल्कुल सत्य है।

141. (C) विवेकपूर्ण फ़िडगेट टूल्स (Fidget Tools) की अनुमति देना और गतिविधि ब्रेक के अवसर प्रदान करना।
एडीएचडी (ADHD) से ग्रस्त छात्रों के लिए फ़िडगेट टूल्स का प्रयोग और बीच-बीच में शारीरिक गतिविधि ब्रेक देना सबसे प्रभावी प्रबंधन समायोजन है, जो उनकी अतिरिक्त ऊर्जा को सही दिशा देता है।

NODIA

142. (D) दृश्य कार्यक्रम (Visual Schedules) और अग्रिम संक्रमण चेतावनियाँ प्रदान करना।
ऑटिज्म (ASD) से पीड़ित छात्रों की चिंता कम करने के लिए दृश्य कार्यक्रम (Visual Schedules) और बदलाव से पहले पूर्व चेतावनी देना सबसे प्रभावी निरोधात्मक प्रबंधन रणनीति है।

143. (B) I, III और IV
विविध शिक्षण प्रारूप, सहकर्मी ट्यूटरिंग और सांस्कृतिक रूप से विविध प्रदर्शनियाँ समावेशी माहौल बनाते हैं। कठोर ग्रेडिंग वक्र पूर्वाग्रह पैदा करता है। इसलिए I, III और IV ही सही विकल्प हैं।

144. (C) द्विभाषी सहपाठियों के साथ जोड़ी बनाना और संचार का समर्थन करने के लिए दृश्य साधनों का उपयोग करना।
भाषा की रुकावट वाले नए छात्र की मदद के लिए उसे द्विभाषी साथी के साथ बिठाना और दृश्य साधनों का उपयोग करना सबसे प्रभावी और सहानुभूतिपूर्ण प्रबंधन तरीका है।

145. (B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
नियम बनाना शुरुआत में समय लेता है यह सच है, और बाद में इससे समय की बचत होती है यह भी सच है। परंतु कारण अभिकथन का खंडन करने के बजाय उसके दूरगामी लाभ को स्वतंत्र रूप से बताता है।

146. (D) प्रार्थना सभा में प्रस्तुत किया गया एक प्रमाण पत्र।
प्रार्थना सभा में मिलने वाला प्रमाण पत्र एक बाहरी सुदृढ़क (Extrinsic Motivator) का सटीक उदाहरण है, क्योंकि यह पुरस्कार बाहरी स्रोत से प्रोत्साहन के रूप में प्राप्त होता है।

147. (B) वे सीखने की आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) को कमजोर कर सकते हैं।
केवल बाहरी पुरस्कारों (जैसे स्टिकर) पर अत्यधिक निर्भरता की मुख्य सीमा यह है कि यह छात्र की सीखने की स्वाभाविक और आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) को धीरे-धीरे खत्म कर देती है।

148. (B) II
अनुसंधान के अनुसार आधिकारिक/प्रामाणिक (Authoritative) शैली, जिसमें उच्च नियंत्रण के साथ-साथ उच्च स्नेह और समर्थन होता है, छात्रों में सर्वोत्तम शैक्षणिक और व्यवहारात्मक परिणाम प्रदान करती है।

149. (D) आधिकारिक/प्रामाणिक (Authoritative)
स्पष्ट नियम, उच्च अपेक्षाएँ, और साथ ही स्नेह तथा छात्रों की बात सुनना एक प्रामाणिक या आधिकारिक (Authoritative) कक्षा प्रबंधन शैली की मुख्य पहचान है।

150. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
कुशल संक्रमण प्रबंधन विशेषज्ञता की पहचान है। खराब संक्रमण से अधिगम समय नष्ट होता है और अवांछित व्यवहार बढ़ता है। अतः दोनों कथन सत्य हैं और तर्क सही है।

151. (B) शारीरिक शिक्षा (Physical Education - PE) के लिए पूरी कक्षा को कक्षा से खेल के मैदान में ले जाना।
पूरी कक्षा को एक स्थान (कक्षा) से दूसरे स्थान (खेल के मैदान) ले जाने में सुरक्षा और नियंत्रण हेतु अत्यधिक संरचित प्रबंधन तथा स्पष्ट प्रक्रियाओं की आवश्यकता होती है।

152. (B) व्यक्तिगत रूप से काम करने की तुलना में समूह में काम करते समय कम प्रयास करना।
सामाजिक आलस्य (Social Loafing) उस प्रवृत्ति को कहते हैं जिसमें व्यक्ति अकेले काम करने की तुलना में किसी समूह का हिस्सा होने पर कम प्रयास और जिम्मेदारी दिखाता है।

153. (A) I, II और III
छोटे समूह बनाना, विशिष्ट भूमिकाएँ देना और व्यक्तिगत जवाबदेही तय करना सामाजिक आलस्य को रोकता है। बड़ा समूह बनाने से आलस्य बढ़ता है। इसलिए I, II और III सही हैं।

154. (C) समूह की आपूर्ति एकत्र करने और वापस करने के लिए एक सामग्री प्रबंधक (Materials Manager) नियुक्त करें।
सीमित संसाधनों का सुचारु वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक सामग्री प्रबंधक (Materials Manager) नियुक्त करना सबसे प्रभावी दिनचर्या है, जिससे लड़ाई और अराजकता नहीं होती।

155. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
स्कूल प्रबंधन साइबरबुलिंग की अनदेखी नहीं कर सकता यदि यह छात्र के स्कूल जीवन को प्रभावित करती है। इसलिए अभिकथन गलत है, जबकि कारण में दी गई बात पूरी तरह सत्य है।

156. (B) सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (Social-Emotional Learning - SEL) पाठ्यक्रमों का उपयोग करना जो सहानुभूति और संघर्ष समाधान सिखाते हैं।
सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (SEL) के माध्यम से सहानुभूति और संघर्ष समाधान सिखाना बुलिंग की रोकथाम का सबसे सर्वोत्तम और सक्रिय दृष्टिकोण (Proactive Approach) है।

157. (D) सुरक्षित रूप से बोलें, पीड़ित का समर्थन करें, और किसी वयस्क को रिपोर्ट करें।
बायस्टैंडर हस्तक्षेप में दर्शकों को यह सिखाया जाता है कि वे चुप न रहें, बल्कि सुरक्षित तरीके से बोलें, पीड़ित का साथ दें और तुरंत शिक्षक या किसी वयस्क को सूचित करें।

158. (B) III, IV और V
दर्शकों के समूह (सक्रिय, निष्क्रिय समर्थक और रक्षक) को सही दिशा देकर और जागरूक बनाकर बुलिंग संस्कृति को समाप्त किया जा सकता है। इसलिए III, IV और V सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं।

159. (A) अपराधी, पीड़ित, और एक प्रशिक्षित सुविधाप्रदाता (Facilitator)।
पुनरुद्धारक सम्मेलन (Restorative Conference) में मुख्य रूप से अपराधी, पीड़ित और एक निष्पक्ष सुविधाप्रदाता (Facilitator) का होना आवश्यक है ताकि दोनों पक्ष अपनी बात कह सकें और समाधान निकल सके।

160. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
पुनरुद्धारक अनुशासन का अर्थ परिणामों का अभाव नहीं है; यह दंडात्मक सजा के बजाय सुधार और तार्किक परिणामों पर ध्यान देता है। इसलिए पहला कथन गलत और तर्क सत्य है।

161. (B) भावनाओं को साझा करने और संबंध बनाने के लिए सक्रिय सुबह के चक्र (Morning Circles)।
कम्युनिटी या मॉर्निंग निर्माण चक्र (Morning Circles) पुनरुद्धारक कक्षा में एक-दूसरे से जुड़ने, भावनाएँ साझा करने और सकारात्मक संबंध बनाने का मुख्य माध्यम हैं।

162. (B) यह खोजना कि कौन प्रभावित हुआ और उन्हें कैसे नुकसान पहुँचाया गया।
पुनरुद्धारक मध्यस्थता में घटना स्थापित होने के पश्चात् अगला कदम यह समझना होता है कि इस कृत्य से कौन-कौन प्रभावित हुआ है और किस प्रकार का नुकसान हुआ है।

163. (B) I, II और IV
पुनरुद्धारक अभ्यासों से निलंबन घटते हैं, माहौल सुधरता है और जवाबदेही बढ़ती है। सभी संघर्षों का हमेशा के लिए समाप्त होना अवास्तविक है। इसलिए I, II और IV सही हैं।

164. (A) पुनरुद्धारक कम्युनिटी सर्कल (Restorative Community Circle)
टॉकिंग पीस (Talking Piece) का उपयोग करते हुए वृत्त में बैठकर बात करना पुनरुद्धारक कम्युनिटी सर्कल (Restorative Community Circle) की पहचान है, जहाँ केवल वही बोलता है जिसके हाथ में पीस होता है।

165. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
सह-निर्माण से शिक्षक का अधिकार खत्म नहीं होता, बल्कि यह एक लोकतांत्रिक रणनीति है जो छात्रों में जिम्मेदारी और स्वायत्तता विकसित करती है। इसलिए A गलत है और R सही है।

Click Here to Buy book on Amazon

166. (B) स्कूल नीति की आवश्यकताओं को समझाएं, फिर एक व्यावहारिक समझौते पर बातचीत करें।
अव्यवहारिक नियम का सुझाव आने पर शिक्षक को नीतियों की सीमा समझाकर छात्रों के साथ चर्चा करनी चाहिए और एक व्यावहारिक समझौते पर पहुँचना चाहिए।

167. (C) तार्किक परिणाम (Logical Consequences)
जो परिणाम दुर्व्यवहार से सीधे संबंधित, सम्मानजनक और पहले से तय होते हैं, उन्हें तार्किक परिणाम (Logical Consequences) कहा जाता है।

168. (C) छात्र डेस्क को साफ करता है और अन्य डेस्क को साफ करने में सहायता करता है।
डेस्क गंदा करने पर स्वयं उस डेस्क को साफ करना और दूसरों की मदद करना अपराध से सीधे संबंधित एक आदर्श तार्किक परिणाम (Logical Consequence) है।

169. (B) पारस्परिक वातावरण (Interpersonal Climate)
एक-दूसरे के साथ सम्मानजनक व्यवहार पर सवाल पूछना कक्षा के पारस्परिक वातावरण (Interpersonal Climate) को सुरक्षित और सकारात्मक बनाने के उद्देश्य से जुड़ा है।

170. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
विविधता प्रबंधन में भिन्नताओं की अनदेखी नहीं की जाती, बल्कि समता (Equity) के आधार पर आवश्यकतानुसार सहयोग दिया जाता है। इसलिए A असत्य है और R सत्य है।

171. (C) दृश्य साधनों और इशारों के साथ मौखिक निर्देशों को जोड़ना।
भाषा शिक्षार्थियों (ELLs) को समझने में मदद करने के लिए मौखिक निर्देशों के साथ चित्र, दृश्य साधन और इशारों का उपयोग करना सबसे प्रभावी प्रबंधन रणनीति है।

172. (B) कार्य की जटिलता को समायोजित करते हुए मुख्य उद्देश्यों को समान रखना।
स्तरीय असाइनमेंट (Tiered Assignments) में मुख्य शैक्षणिक उद्देश्य समान रहते हैं, परंतु छात्रों की क्षमता अनुसार कार्य की जटिलता में बदलाव किया जाता है।

173. (A) I और II
लचीली बैठने की व्यवस्था और सीखने के प्रदर्शन में विकल्प देना UDL सिद्धांतों के अनुकूल हैं। केवल एकल-मोड शिक्षण UDL के खिलाफ है। इसलिए I और II सही हैं।

174. (B) समझाएं कि निष्पक्षता का अर्थ छात्रों को सफल होने के लिए आवश्यक चीजें देना है।
प्राचार्य को यह स्पष्ट करना चाहिए कि निष्पक्षता (Equity) का अर्थ सबको समान चीज़ देना नहीं, बल्कि प्रत्येक को उसकी आवश्यकता अनुसार अवसर और सहायता देना है।

175. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
निरोधात्मक रणनीतियों में शुरुआत में मेहनत लगती है, परंतु इससे बाद में अनुशासनात्मक समस्याओं में कमी आती है और शिक्षण समय बचता है। अतः दोनों कथन सत्य हैं।

176. (A) संघर्ष समाधान की 'नो-लूज़' (No-Lose) विधि।
थॉमस गॉर्डन के TET मॉडल की मुख्य विशेषता 'नो-लूज़' (No-Lose) संघर्ष समाधान विधि है, जहाँ शिक्षक और छात्र मिलकर ऐसा समाधान निकालते हैं जिसमें दोनों संतुष्ट हों।

177. (B) छात्र
जब छात्र स्वयं समस्या (गणित न होना) के कारण निराश है और शिक्षण में बाधा नहीं डाल रहा, तो TET सिद्धांत के अनुसार छात्र ही 'समस्या का मालिक' (Owner of the Problem) है।

178. (B) I, III और IV
कौशिन, ड्रेकर्स और ग्लैसर के जोड़े सही हैं। स्किनर क्रियाप्रसूत अनुकूलन से जुड़े हैं, तार्किक परिणाम से ड्रेकर्स जुड़े हैं। अतः I, III और IV सही हैं।

179. (B) आकर्षक शिक्षण एक अत्यधिक प्रभावी निरोधात्मक उपकरण (Preventive Tool) है।
जब पाठ रुचिपूर्ण और व्यावहारिक होता है, तो छात्र व्यस्त रहते हैं और दुर्व्यवहार नहीं करते। यह साबित करता है कि आकर्षक शिक्षण एक बेहतरीन निरोधात्मक उपकरण (Preventive Tool) है।

NODIA

180. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
"शून्य सहनशीलता" नीतियाँ कठोर होती हैं और अक्सर छात्र अलगाव बढ़ाती हैं, इसलिए पहला कथन गलत है। कारण में नीति की पारंपरिक धारणा सही बताई गई है।

181. (A) पिग्मेलियन प्रभाव (Pygmalion Effect)
शिक्षक की अपेक्षाओं के अनुरूप छात्र के प्रदर्शन और व्यवहार में बदलाव आने की मनोवैज्ञानिक परिघटना को पिग्मेलियन प्रभाव (Pygmalion Effect) या स्व-पूर्वाग्रह कहा जाता है।

182. (A) प्रभुत्व जमाने के लिए सार्वजनिक शक्ति संघर्ष (Power Struggle) में शामिल होना।
विद्रोही छात्र के साथ सार्वजनिक शक्ति संघर्ष (Power Struggle) में उलझना स्थिति को बिगाड़ता है। शिक्षक को शांत रहकर निजी तौर पर बात करनी चाहिए और विकल्प देने चाहिए।

183. (D) I, II और III
दृश्यता, आवागमन क्षेत्र को अलग रखना, और विभिन्न शिक्षण गतिविधियों हेतु अलग क्षेत्र बनाना प्राथमिक कक्षा डिजाइन की सर्वश्रेष्ठ पद्धतियाँ हैं।

184. (B) निरंतरता और अनुवर्ती कार्रवाई (Consistency and Follow-through)
केवल धमकियाँ देने और तय परिणामों को लागू न करने से शिक्षक की साख गिरती है। यहाँ निरंतरता और अनुवर्ती कार्रवाई (Consistency and Follow-through) की कमी है।

185. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
दिनचर्या (Routines) वैकल्पिक नहीं बल्कि सुचारु प्रबंधन के लिए नियमों जितनी ही अनिवार्य हैं। तर्क में दिया गया कथन दिनचर्या के महत्व को सही सिद्ध करता है।

186. (C) शांत होने की दिनचर्या का उपयोग करना जैसे संक्षिप्त मौन पठन या साँस लेने के व्यायाम।
शारीरिक खेल के बाद उत्साहित छात्रों को शांत करने के लिए संक्षिप्त मौन वाचन या साँस लेने के व्यायाम (Calming Routine) का उपयोग करना सबसे प्रभावी तरीका है।

187. (A) एकल सही उत्तर के साथ मूलभूत तथ्यों और शब्दावली की समीक्षा करना।
सामूहिक अनुक्रिया (Choral Responding) का उपयोग पूरी कक्षा द्वारा एक साथ संक्षिप्त तथ्यों, शब्दावली या मूलभूत उत्तरों के पुनरावलोकन हेतु किया जाता है।

188. (A) I और II
'2x10 रणनीति' और सकारात्मक फोन कॉल तालमेल सुधारते हैं। कम अंक सार्वजनिक करना छात्र को शर्मिंदा करता है और माहौल बिगाड़ता है। अतः I और II सही हैं।

189. (A) ट्रॉमा-इन्फॉर्मड प्रबंधन (Trauma-Informed Management)
छात्र की भावनात्मक स्थिति को समझकर डांटने के बजाय सहानुभूति से पूछना ट्रॉमा-इन्फॉर्मड प्रबंधन (Trauma-Informed Management) के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

190. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
कठिन छात्र को हमेशा अपनी डेस्क के पास बैठाना उसे अलग-थलग करता है जिससे स्थायी समाधान नहीं मिलता। R में दिया गया तर्क पूरी तरह से तथ्यात्मक है।

191. (B) बैकअप सुदृढ़कों या विशेषाधिकारों के लिए टोकन विनिमेय होने चाहिए।
टोकन इकोनॉमी प्रणाली का मुख्य घटक यह है कि अर्जित टोकन को बाद में किसी पसंदीदा विशेषाधिकार या पुरस्कार (Backup Reinforcers) के साथ बदला जा सके।

192. (A) नियमों में परिणाम शामिल होते हैं; प्रक्रियाओं में अनुस्मारक और पुनः शिक्षण शामिल होता है।
नियम और प्रक्रिया में मुख्य अंतर यह है कि नियम तोड़ने पर तय परिणाम (Consequences) होते हैं, जबकि प्रक्रियाओं (Routines) में शिक्षक अभ्यास और पुनः शिक्षण कराता है।

193. (B) II और III
आकर्षक 'डू-नाउ' गतिविधि और प्रवाह तोड़े बिना देर से आने वाले को शांत तरीके से दर्ज करना सही प्रबंधन है। कक्षा से बाहर करना या सार्वजनिक पूछताछ गलत है।

194. (B) यह जुड़ाव को अधिकतम करता है और पूरी कक्षा से बोलने की चिंता को कम करता है।
'थिंक-पेयर-शेयर' से सभी छात्रों को सोचने और साथी से साझा करने का मौका मिलता है, जिससे बोलने का डर घटता है और जुड़ाव (Engagement) अधिकतम होता है।

195. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
व्यवहारात्मक विकार वाले छात्र को विशेष समायोजन की आवश्यकता होती है, अतः समान व्यवहार करना गलत है। R में उल्लिखित कथन निष्पक्षता की गलत व्याख्या को दर्शाता है।

196. (A) सीखने के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL)
पाठ्य सामग्री, ऑडियोबुक, दृश्य आरेख और अभिव्यक्ति के विविध अवसर प्रदान करना UDL (Universal Design for Learning) के सिद्धांतों पर आधारित है।

197. (A) सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य छात्रों को दूर करें, शांत रहें और सहायता लें।
तीव्र आक्रोश की स्थिति में शिक्षक की पहली प्राथमिकता अन्य छात्रों को सुरक्षित स्थान पर ले जाना, स्वयं शांत रहना और सहायता बुलाना होना चाहिए।

198. (B) II और III
प्राचार्य को स्कूल-व्यापी व्यवहार नीति बनानी चाहिए और पुनरुद्धारक संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए। हर छोटी घटना प्राचार्य खुद संभाले यह अनुचित है। अतः II और III सही हैं।

199. (B) अपेक्षित व्यवहार, पुरस्कार और सुसंगत परिणामों का स्कूल-व्यापी शिक्षण।
PBIS के टियर 1 (सार्वभौमिक) के तहत पूरे स्कूल के सभी छात्रों के लिए स्पष्ट सकारात्मक व्यवहार, पुरस्कार और सुसंगत अपेक्षाओं का शिक्षण शामिल होता है।

200. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
कक्षा प्रबंधन कोई स्थिर चीज़ नहीं बल्कि एक सतत और लचीली प्रक्रिया है। क्योंकि छात्रों की आवश्यकताएँ और परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं, इसलिए रणनीतियों में निरंतर समायोजन आवश्यक है।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 07
समावेशी शिक्षा एवं विविध शिक्षार्थी

1. आधुनिक स्कूली प्रणालियों में लागू समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) के मौलिक सिद्धांत को निम्नलिखित में से कौन सा सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
   (A) दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा के विद्यालयों (Mainstream Schools) में इस शर्त के साथ रखना कि वे मौजूदा पाठ्यचर्या (Curriculum) के अनुकूल ढलें।
   (B) अपने इलाके के छात्रों की विविधता (Diversity) का जवाब देने के लिए विद्यालयों में संस्कृति, नीतियों और प्रथाओं का पुनर्गठन करना।
   (C) मुख्यधारा के विद्यालय के भीतर विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए विशिष्ट, पृथक शिक्षण वातावरण बनाना।
   (D) यह सुनिश्चित करना कि मुख्यधारा की कक्षाओं में केवल हल्के से मध्यम दिव्यांगता वाले बच्चों को ही प्रवेश दिया जाए।

2. 'न्यूनतम प्रतिबंधात्मक वातावरण' (Least Restrictive Environment - LRE) की अवधारणा समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) का एक मुख्य सिद्धांत है। निम्नलिखित में से कौन सा LRE का सटीक वर्णन करता है?
   (A) दिव्यांग छात्र को उसकी आवश्यकताओं की परवाह किए बिना हमेशा सामान्य शिक्षा कक्षा (General Education Classroom) में रखा जाना चाहिए।
   (B) विचलन को कम करने के लिए दिव्यांग छात्र को संसाधन कक्ष (Resource Room) में शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए।
   (C) दिव्यांग छात्र को ऐसा कोई विशेष समायोजन (Accommodations) नहीं दिया जाना चाहिए जो उनकी स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करे।
   (D) दिव्यांग छात्र को यथासंभव अधिकतम उपयुक्त सीमा तक गैर-दिव्यांग साथियों (Peers) के साथ शिक्षित किया जाना चाहिए।

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
   अभिकथन (A): समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) केवल बच्चे के स्थान को बदलने के बजाय प्रणालीगत सुधार की मांग करती है।
   कारण (R): समाकलन (Integration) विद्यालय प्रणाली को बच्चे के अनुकूल बनाने पर केंद्रित है, जबकि समावेश (Inclusion) बच्चे से विद्यालय प्रणाली के अनुकूल ढलने की अपेक्षा करता है।
   (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
   (B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
   (C) A सही है लेकिन R गलत है
   (D) A गलत है लेकिन R सही है

4. शैक्षिक ढांचों के संदर्भ में, 'शून्य अस्वीकृति' (Zero Reject) के सिद्धांत का तात्पर्य है कि:
   (A) विद्यालय किसी भी आवेदक को तब तक अस्वीकार नहीं कर सकते जब तक कि वे अनिवार्य प्रवेश मूल्यांकन में विफल न हो जाएं।
   (B) शिक्षकों को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (Children with Special Needs - CWSN) द्वारा दिए गए किसी भी गलत उत्तर को अस्वीकार नहीं करना चाहिए।
   (C) दिव्यांगता के आधार पर किसी भी बच्चे को पड़ोस के विद्यालय (Neighborhood School) में प्रवेश से वंचित नहीं किया जा सकता है।
   (D) विशेष विद्यालयों (Special Schools) को बंद कर दिया जाना चाहिए ताकि मुख्यधारा के विद्यालय CWSN को अस्वीकार न कर सकें।

5. दिव्यांगता के चिकित्सा मॉडल (Medical Model) से सामाजिक मॉडल (Social Model) की ओर बदलाव ने शैक्षिक नीतियों को गहराई से प्रभावित किया। सामाजिक मॉडल (Social Model) यह प्रतिपादित करता है कि:
   (A) दिव्यांगता समाज द्वारा निर्मित प्रणालीगत बाधाओं (Systemic Barriers), नकारात्मक दृष्टिकोणों और बहिष्कार से उत्पन्न होती है।
   (B) दिव्यांगता मुख्य रूप से एक स्वास्थ्य समस्या है जिसके लिए विद्यालयों में विशेष चिकित्सा हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है।
   (C) CWSN में शैक्षिक कमियां उनकी चिकित्सीय स्थिति के कारण अंतर्निहित और स्थायी होती हैं।
   (D) समावेश (Inclusion) केवल तभी संभव है जब छात्र की चिकित्सीय क्षति पूरी तरह से ठीक हो जाए।

6. समाकलन (Integration) और समावेश (Inclusion) के बीच अंतर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
   I. समाकलन (Integration) मुख्यधारा की कक्षा के लिए बच्चे की तैयारी पर केंद्रित है।
   II. समावेश (Inclusion) यह मानता है कि अधिकार के रूप में सभी बच्चे मुख्यधारा की कक्षा से संबंधित हैं।
   III. समाकलन (Integration) के लिए विद्यालय प्रणाली

NODIA

Policy - NEP) 2020 किसके द्वारा भाषाई विविधता को संबोधित करने पर जोर देती है:
(A) सभी प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 1 से एक सख्त एकभाषी भाषा नीति (Monolingual Policy) लागू करना।
(B) अंग्रेजी प्रवाह का निर्माण करने के लिए प्राथमिक ग्रेड में मातृभाषा के निर्देश को हतोत्साहित करना।
(C) छात्रों को उनकी घरेलू भाषा के आधार पर अलग-अलग विद्यालय शाखाओं में अलग करना।
(D) कक्षा 5 तक मातृभाषा के निर्देश के साथ बहुभाषावाद (Multilingualism) को बढ़ावा देना।

42. एक सांस्कृतिक रुप से उत्तरदायी शिक्षक (Culturally Responsive Teacher) निम्नलिखित में से क्या करता है?
(A) दैनिक शिक्षण में छात्र सांस्कृतिक पृष्ठभूमि संदर्भों को एकीकृत करता है।
(B) पूर्ण परिचालन समानता बनाए रखने के लिए सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की उपेक्षा करता है।
(C) अल्पसंख्यक छात्रों से प्रमुख विद्यालय संस्कृतियों के पूरी तरह अनुकूल होने की अपेक्षा करता है।
(D) पारंपरिक पश्चिमी शैक्षणिक ढांचा मॉडलों का विशेष रुप से पालन करता है।

43. विद्यालय प्रशासन और कक्षा अभ्यास में लैंगिक रुप से संवेदनशील शिक्षाशास्त्र (Gender-Sensitive Pedagogy) में शामिल हैं:
(A) पुरुष छात्रों को STEM और महिला छात्रों को मानविकी (Humanities) की ओर प्रोत्साहित करना।
(B) पाठ और अनुदेशात्मक भाषा से लैंगिक रुढ़िवादिता (Gender Stereotypes) को समाप्त करना।
(C) लड़कों को शारीरिक कर्तव्य और लड़कियों को विशेष रुप से कलात्मक कार्य सौंपना।
(D) पूर्ण प्रणालीगत तटस्थता मानते हुए लैंगिक अंतरों की उपेक्षा करना।

44. प्रतिभाशाली और मेधावी (Gifted and Talented) शिक्षार्थी विविध कक्षा का हिस्सा हैं। प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों की एक प्राथमिक विशेषता है:
(A) असाधारण शारीरिक मोटर कौशल के साथ औसत से कम संज्ञानात्मक क्षमताएं।
(B) तीव्र अधिगम क्षमता, उन्नत अमूर्त तर्क और तीव्र जिज्ञासा।
(C) बुनियादी बुद्धिमत्ता की कमी के परिणामस्वरुप लगातार कक्षा व्यवहारात्मक व्यवधान।
(D) शिक्षक-निर्देशित अनुदेशात्मक तरीकों और रटने पर पूर्ण निर्भरता।

45. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रुप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): समान प्रकार के नियमित कक्षा कार्य को अधिक मात्रा में प्रदान करना प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों के लिए एक प्रभावी रणनीति है।
कारण (R): प्रतिभाशाली शिक्षार्थी अपना काम जल्दी पूरा करते हैं और व्यवहारात्मक मुद्दों को रोकने के लिए उन्हें व्यस्त रखने की आवश्यकता होती है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

46. एक प्रतिभाशाली छात्र की आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए, एक शिक्षक छात्र को उस सामग्री को छोड़ने की अनुमति देता है जिस पर उसने पहले ही महारत हासिल कर ली है और अधिक उन्नत अवधारणाओं पर आगे बढ़ने देता है। इस रणनीति को किस रुप में जाना जाता है?
(A) सहकर्मी ट्यूशन (Peer Tutoring)
(B) ग्रेड प्रतिधारण (Grade Retention)
(C) पाठ्यचर्या संघनन (Curriculum Compacting)
(D) स्कैफोल्डिंग (Scaffolding)

47. समावेशी मूल्यांकन (Inclusive Assessment) प्रथाएं यह अनिवार्य करती हैं कि मूल्यांकन लचीला होना चाहिए। निम्नलिखित में से कौन सा एक समावेशी मूल्यांकन रणनीति का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) सभी मूल्यांकन किए गए छात्रों के लिए एकसमान समयबद्ध लिखित मानकीकृत परीक्षाओं को नियोजित करना।
(B) पूरी तरह से अलग और कम किए गए शिक्षण पाठ्यक्रम का उपयोग करके CWSN का मूल्यांकन करना।
(C) डिस्लेक्सिक विज्ञान परीक्षाओं में वर्तनी की त्रुटियों के लिए परीक्षा अंक काटना।
(D) समान शिक्षण लक्ष्यों का मूल्यांकन करने के लिए वैकल्पिक अभिव्यक्ति मोड की पेशकश करना।

48. एक सफल समावेशी कक्षा के लिए सहकर्मी समूहों को संवेदनशील बनाना महत्वपूर्ण है। सहकर्मी संवेदीकरण (Peer Sensitization) के लिए निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि सबसे प्रभावी है?
(A) उन छात्रों को दंडित करना जो दिव्यांग साथियों के साथ बातचीत करने में विफल रहते हैं।
(B) कक्षा में सार्वजनिक रुप से CWSN के नैदानिक चिकित्सा निदान का खुलासा करना।
(C) इंटरैक्टिव रोल-प्ले की मेजबानी करना जो विविध छात्र ताकतों को उजागर करता है।
(D) संघर्षों को रोकने के लिए मनोरंजक गतिविधियों के दौरान CWSN को अलग करना।

49. समग्र शिक्षा अभियान (Samagra Shiksha Abhiyan) शिक्षा का समर्थन करने के लिए विभिन्न योजनाओं को एकीकृत करता है। CWSN के लिए समावेशी शिक्षा के प्रति इसका दृष्टिकोण क्या है?

Click Here to Buy book on Flipkart

(Individualized Education Plan - IEP) शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में अंतिम रूप दिया गया एक स्थिर दस्तावेज़ है।
कारण (R): IEP वार्षिक लक्ष्य निर्धारित करता है और छात्र के लिए आवश्यक पूरक सहायता और सेवाओं को निर्दिष्ट करता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

16. निम्नलिखित में से कौन सा व्यक्तिगत शिक्षा योजना (Individualized Education Plan - IEP) का एक मानक घटक नहीं है?
(A) बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धि के वर्तमान स्तर का विवरण।
(B) मापनीय वार्षिक लक्ष्य (Measurable Annual Goals)।
(C) छात्र द्वारा प्राप्त किए जाने वाले सटीक ग्रेड की गारंटी।
(D) प्रदान की जाने वाली विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं (Related Services) का विवरण।

17. IEP विकसित करने के लिए जिम्मेदार बहुविषय टीम (Multidisciplinary Team) में आमतौर पर निम्नलिखित को छोड़कर सभी शामिल होते हैं:
(A) बच्चे के माता-पिता
(B) जिला मजिस्ट्रेट (District Magistrate)
(C) सामान्य शिक्षा शिक्षक (General Education Teacher)
(D) विशेष शिक्षा शिक्षक (Special Education Teacher)

18. गंभीर दृष्टिबाधित छात्र को पढ़ाते समय, निम्नलिखित में से कौन सी शिक्षण रणनीति सबसे उपयुक्त है?
(A) श्यामपट्ट पर नोट्स लिखने पर व्यापक रूप से निर्भर रहना।
(B) विशेष रूप से मौन पठन असाइनमेंट प्रदान करना।
(C) छड़ी (Mobility Cane) के लिए जगह देने के लिए छात्र को कक्षा में सबसे पीछे बैठाना।
(D) दृश्य सामग्री के लिए स्पर्शनीय मॉडल (Tactile Models) और मौखिक विवरण का उपयोग करना।

19. आपकी कक्षा में अल्पदृष्टि (Low Vision) वाला एक छात्र मानक पाठ्यपुस्तक के प्रिंट को पढ़ने में संघर्ष करता है। एक शैक्षणिक हस्तक्षेप (Pedagogical Intervention) के रूप में, आपको:
(A) उच्च दृश्य विपरीतता (Visual Contrast) के साथ बड़े-प्रिंट की सामग्री प्रदान करनी चाहिए।
(B) छात्र को नियमित कक्षा पठन असाइनमेंट (Reading Assignments) पूरा करने से छूट देनी चाहिए।
(C) सभी प्रिंट सामग्रियों को हटाते हुए छात्र को तुरंत ब्रेल पढ़ने के लिए कहना चाहिए।
(D) छात्र को केवल साथियों द्वारा पाठ को जोर से पढ़ने को सुनने पर निर्भर रहने के लिए कहना चाहिए।

20. श्रवण-बाधित शिक्षार्थियों को पढ़ाने के लिए निम्नलिखित रणनीतियों पर विचार कीजिए:
I. ओष्ठ-पठन (Lip-reading) को सुगम बनाने के लिए बोलते समय छात्र की ओर मुंह करना।
II. मुंह की गतिविधियों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना और असामान्य रूप से धीमी गति से बोलना।
III. दृश्य साधनों (Visual Aids) और लिखित निर्देशों का उपयोग करना।
ऊपर दी गई रणनीतियों में से कौन सी उपयुक्त हैं?
(A) I और II
(B) I और III
(C) II और III
(D) I, II और III

21. श्रवण यंत्र (Hearing Aid) का उपयोग करने वाले श्रवण-बाधित शिक्षार्थी के लिए, अनुकूलतम कक्षा वातावरण में क्या ध्यान रखा जाना चाहिए?
(A) गूंज और परिवेशी शोर को कम करके कमरे की ध्वनि (Acoustics) में सुधार करना।
(B) श्रवण तंत्रिका कार्यों को उत्तेजित करने के लिए परिवेशी पृष्ठभूमि के शोर (Background Noise) को अधिकतम करना।
(C) बेहतर वायु संचार के लिए बच्चे को खुली खिड़कियों के पास बैठाना।
(D) यह सुनिश्चित करना कि शिक्षक बात करते समय लगातार कक्षा में घूमे।

22. बौद्धिक अक्षमता (Intellectual Disability) की विशेषता बौद्धिक कार्यप्रणाली और किसमें महत्वपूर्ण सीमाओं का होना है?
(A) संवेदी प्रसंस्करण (Sensory Processing)
(B) शारीरिक गतिशीलता (Physical Mobility)
(C) दृष्टि तीक्ष्णता (Visual Acuity)
(D) अनुकूलन योग्य व्यवहार (Adaptive Behavior)

23. एक शिक्षक बौद्धिक अक्षमता वाले छात्र के साथ काम कर रहा है। दैनिक जीवन के एक जटिल कौशल को प्रभावी ढंग से सिखाने के लिए, शिक्षक कौशल को छोटे, प्रबंधनीय चरणों में तोड़ता है। इस रणनीति को किस रूप में जाना जाता है?
(A) शेपिंग (Shaping)
(B) कार्य विश्लेषण (Task Analysis)
(C) स्कैफोल्डिंग (Scaffolding)
(D) संज्ञानात्मक मैपिंग (Cognitive Mapping)

24. डिस्लेक्सिया (Dyslexia) मुख्य रूप से किसकी कठिनाइयों की विशेषता है?
(A) संख्यात्मक अवधारणाओं और जटिल गणितीय तर्क को

Downloaded from www.pdf.tube

समझना।
(B) ध्यान बनाए रखना और आवेगपूर्ण अतिसक्रिय व्यवहारों का प्रबंधन करना।
(C) सटीक या धाराप्रवाह शब्द पहचान और खराब वर्तनी कौशल।
(D) सामाजिक संचार और दोहराव वाले व्यवहारात्मक पैटर्न को नेविगेट करना।

25. एक शिक्षक के पास डिस्केल्कुलिया (Dyscalculia) से पीड़ित छात्र है। निम्नलिखित में से कौन सा शैक्षणिक समायोजन सबसे प्रभावी होगा?
(A) सभी निर्धारित साहित्य कक्षाओं के लिए व्यापक ऑडियो पुस्तकें (Audiobooks) प्रदान करना।
(B) छात्र को गणित की कक्षाओं में भाग लेने से छूट देना और हटाना।
(C) कमजोर गणित कौशलों की भरपाई के लिए अतिरिक्त पठन कार्य सौंपना।
(D) अंकगणितीय कार्यों के लिए स्पर्शनीय जोड़-तोड़ सामग्री (Tactile Manipulatives) और दृश्य साधनों की अनुमति देना।

26. निम्नलिखित में से कौन सा अधिगम अक्षमता वाले छात्र के लिए संशोधन (Modification) के बजाय आवास (Accommodation) का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है?
(A) छात्र को मानक कक्षा परीक्षा पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय (Accommodation) देना।
(B) सीखने के परिणामों (Learning Outcomes) की संख्या को कम करना जिन्हें छात्र से प्राप्त करने की उम्मीद की जाती है।
(C) प्राथमिक अवधारणाओं पर एक परीक्षा प्रदान करना जबकि बाकी कक्षा एक उन्नत परीक्षा देती है।
(D) छात्र को अंतिम परीक्षा देने से छूट देना।

27. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (Autism Spectrum Disorder - ASD) को एक विकासात्मक अक्षमता माना जाता है। ASD वाले शिक्षार्थियों में अक्सर देखी जाने वाली प्रमुख विशेषता निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) खराब लिखित अभिव्यक्ति कौशल के साथ असाधारण मौखिक प्रवाह का प्रदर्शन करना।
(B) सामाजिक संचार में कठिनाई होना और दिनचर्या (Routines) को प्राथमिकता देना।
(C) दैनिक गतिविधियों को करने में गंभीर शारीरिक गतिशीलता प्रतिबंधों का सामना करना।
(D) लगातार और अनियंत्रित अनैच्छिक वोकल या मोटर टिक्स (Motor Tics) प्रदर्शित करना।

28. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) से पीड़ित शिक्षार्थी की सहायता के लिए जो गतिविधियों के बीच परिवर्तन (Transitions) के साथ संघर्ष करता है, एक शिक्षक को चाहिए:
(A) अनुकूलन क्षमता का निर्माण करने के लिए दैनिक समय सारिणी (Daily Schedule) को बार-बार बदलना।
(B) परिवर्तनों से पहले दृश्य अनुसूचियां (Visual Schedules) और अग्रिम चेतावनियां प्रदान करना।
(C) ध्यान आकर्षित करने के लिए तुरंत घंटी जैसे तेज श्रव्य संकेतों का उपयोग करना।
(D) परिवर्तनों के दौरान परेशानी दिखाने के लिए छात्र को दंडित करना।

29. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (Attention Deficit Hyperactivity Disorder - ADHD) से पीड़ित एक छात्र निर्देश के दौरान अक्सर अपनी सीट छोड़ देता है और ध्यान बनाए रखने में कठिनाई महसूस करता है। इस शिक्षार्थी की सहायता के लिए एक शैक्षणिक रूप से सुदृढ़ रणनीति है:
(A) कार्यों में उद्देश्यपूर्ण हलचल और छोटे ब्रेक को शामिल करना।
(B) छात्र को दीवार की ओर मुंह करके कोने में एक अलग डेस्क पर बैठाना।
(C) ऐसे प्रत्येक मामले के लिए अंक काटना जहां छात्र अपनी सीट छोड़ता है।
(D) व्यस्त रहने के लिए लिखित कक्षा कार्य की अधिक मात्रा सौंपना।

30. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (ADHD) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह विशेष रूप से अतिसक्रिय व्यवहार द्वारा विशेषता है।
II. यह मुख्य रूप से अतिसक्रियता के बिना असावधानी के रूप में प्रकट हो सकता है।
III. यह न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों के तहत RPwD अधिनियम, 2016 में निर्दिष्ट दिव्यांगता की श्रेणी में आता है।
IV. ADHD वाले छात्र सामान्य शिक्षा कक्षा में नहीं सीख सकते हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) III और IV
(D) I, II और IV

31. विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) में चार तत्वों में छात्र की तत्परता, रुचियों और अधिगम प्रोफ़ाइल के आधार पर शिक्षण को अनुकूलित करना शामिल है। निम्नलिखित में से कौन सा इन चार तत्वों में से एक नहीं है?
(A) विषय-वस्तु (Content)
(B) प्रक्रिया (Process)
(C) उत्पाद (Product)
(D) दंड (Punishment)

32. एक विभेदित कक्षा में, 'उत्पाद' (Product) को संशोधित करने का अर्थ है:
(A) कक्षा के भौतिक लेआउट (Physical Layout) को

NODIA

बदलना।
(B) प्रत्येक छात्र के लिए अलग-अलग पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करके निर्देश देना।
(C) छात्रों को यह प्रदर्शित करने के विभिन्न तरीकों की अनुमति देना कि उन्होंने क्या सीखा है।
(D) विभिन्न छात्रों के लिए बोर्ड द्वारा निर्धारित मुख्य पाठ्यक्रम (Core Curriculum) को बदलना।

33. अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL) संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान की अंतर्दृष्टि पर आधारित है। निम्नलिखित में से कौन सा UDL सिद्धांत को उसके संबंधित मस्तिष्क नेटवर्क के साथ सही ढंग से जोड़ता है?
(A) प्रतिनिधित्व के बहुविध साधन (Multiple Means of Representation) – भावात्मक पहचान नेटवर्क
(B) कार्य और अभिव्यक्ति के बहुविध साधन (Multiple Means of Action and Expression) – रणनीतिक नेटवर्क
(C) जुड़ाव के बहुविध साधन (Multiple Means of Engagement) – पहचान प्रसंस्करण नेटवर्क
(D) मूल्यांकन के बहुविध साधन (Multiple Means of Assessment) – दृश्य प्रसंस्करण नेटवर्क

34. एक शिक्षक छात्रों को अपने शोध निष्कर्षों को प्रस्तुत करने के लिए एक निबंध लिखने, एक पॉडकास्ट बनाने या एक पोस्टर डिजाइन करने के बीच एक विकल्प प्रदान करता है। यहाँ मुख्य रूप से अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (UDL) के किस सिद्धांत को लागू किया जा रहा है?
(A) भावात्मक छात्र जुड़ाव के बहुविध साधन (Multiple Means of Engagement)
(B) अनुदेशात्मक प्रतिनिधित्व के बहुविध साधन
(C) प्रत्यक्ष संवेदी धारणा के बहुविध साधन
(D) कार्य और अभिव्यक्ति के बहुविध साधन (Multiple Means of Action and Expression)

35. आप कक्षा का अवलोकन करने वाले प्राचार्य (Principal) हैं। शिक्षक जल चक्र को पेश करने के लिए विभिन्न स्वरूपों (पाठ, ऑडियो, वीडियो और भौतिक मॉडल) का उपयोग कर रहा है। शिक्षक का दृष्टिकोण किसका उदाहरण है:
(A) प्रतिनिधित्व के बहुविध साधन (Multiple Means of Representation)
(B) स्तरीय शैक्षणिक और शिक्षण असाइनमेंट
(C) विशिष्ट क्षतिपूर्ति शैक्षिक मॉडल
(D) पुल-आउट संसाधन कक्षा शिक्षण मॉडल (Pull-out Resource Model)

36. सहायक प्रौद्योगिकी (Assistive Technology - AT) लो-टेक से लेकर हाई-टेक तक की सीमा में होती है। सुक्ष्म गत्यात्मक कठिनाइयों (Fine Motor Difficulties) वाले छात्र के लिए लो-टेक सहायक प्रौद्योगिकी का उदाहरण निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) उन्नत आई-गेज़ ट्रैकिंग सहायक सॉफ्टवेयर
(B) एकीकृत टेक्स्ट-टू-स्पीच पठन सॉफ्टवेयर
(C) साधारण पेंसिल ग्रिप्स और अनुकूलित कागज
(D) पूरी तरह से प्रोग्राम योग्य ब्रेल डिस्प्ले यूनिट

37. संवर्धित और वैकल्पिक संचार (Augmentative and Alternative Communication - AAC) उपकरणों का उपयोग मुख्य रूप से उन शिक्षार्थियों द्वारा किया जाता है जो:
(A) गंभीर वाक् या अभिव्यंजक संचार चुनौतियों का सामना करते हैं।
(B) गंभीर दृष्टिबाधा या पूर्ण अंधापन से पीड़ित हैं।
(C) गणित में विशिष्ट अधिगम अक्षमता प्रस्तुत करते हैं।
(D) व्हीलचेयर जैसी शारीरिक गतिशीलता सहायता की आवश्यकता रखते हैं।

38. एक समावेशी विद्यालय मॉडल में विशेष शिक्षक (Special Educator) की भूमिका अलगाव में काम करने से हटकर सामान्य शिक्षकों के साथ सहयोगात्मक रूप से काम करने में बदल गई है। वह मॉडल जहां दोनों शिक्षक कक्षा में सभी छात्रों के लिए अनुदेशात्मक जिम्मेदारी साझा करते हैं, कहलाता है:
(A) पुल-आउट शिक्षण (Pull-out Teaching)
(B) भ्रमणशील शिक्षण (Itinerant Teaching)
(C) शैडो शिक्षण (Shadow Teaching)
(D) सह-शिक्षण (Co-teaching)

39. निम्नलिखित में से कौन सा विशेष शिक्षा सहायता के 'परामर्श मॉडल' (Consultation Model) का वर्णन करता है?
(A) विशेष शिक्षक नियमित रूप से गहन पठन हस्तक्षेप के लिए कक्षा से CWSN को वापस ले लेता है।
(B) विशेष शिक्षक सामान्य शिक्षक को सलाह देता है, जो फिर निर्देश संचालित करता है।
(C) विशेष शिक्षक मुख्यधारा का निर्देश संचालित करता है जबकि सामान्य शिक्षक आराम करता है।
(D) माता-पिता कक्षा के दौरान बच्चे की सहायता के लिए एक निजी शैक्षिक सलाहकार को नियुक्त करते हैं।

40. कक्षा में सामाजिक-आर्थिक विविधता (Socio-Economic Diversity) सीखने में अंतर्निहित बाधाएं पैदा कर सकती है। इसे संबोधित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सबसे समावेशी शैक्षणिक अभ्यास है?
(A) जटिल गृहकार्य सौंपना जिसके लिए महंगी घरेलू तकनीक और इंटरनेट पहुंच की आवश्यकता होती है।
(B) छात्रों को उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के अनुसार सजातीय रूप से समूहित करना।
(C) घरेलू प्रौद्योगिकी पहुंच को माने बिना आवश्यक शिक्षण संसाधन प्रदान करना।
(D) कम आय वाले छात्रों के लिए शैक्षणिक शिक्षण अपेक्षाओं को व्यवस्थित रूप से कम करना।

41. भारतीय कक्षाओं में सांस्कृतिक और भाषाई विविधता एक वास्तविकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education

Click Here to Buy book on Amazon

में आमूल-चूल पुनर्गठन की आवश्यकता होती है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

7. एक विद्यालय के प्राचार्य (Principal) ध्यान देते हैं कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (CWSN) मुख्यधारा की कक्षाओं में भाग ले रहे हैं, लेकिन उन्हें अधिकांश शैक्षणिक दिवस के लिए अक्सर एक अलग संसाधन कक्ष (Resource Room) में ले जाया जाता है, और वे सामान्य पाठ्येतर गतिविधियों में भाग नहीं लेते हैं। इस परिदृश्य को सर्वोत्तम रुप से वर्णित किया गया है:
(A) पूर्ण समावेश (Full Inclusion)
(B) समाकलन (Integration)
(C) पृथक्करण (Segregation)
(D) मुख्यधारा में लाना (Mainstreaming)

8. दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (Rights of Persons with Disabilities Act - RPwD Act), 2016 के तहत, कितनी स्थितियों को निर्दिष्ट दिव्यांगता (Specified Disabilities) के रूप में मान्यता दी गई है?
(A) 7
(B) 14
(C) 21
(D) 27

9. RPwD अधिनियम, 2016 की धारा 16 शैक्षणिक संस्थानों पर विशिष्ट दायित्व डालती है। निम्नलिखित में से कौन सा इस धारा द्वारा अनिवार्य नहीं है?
(A) बिना किसी भेदभाव के सभी पात्र दिव्यांग छात्रों को प्रवेश देना।
(B) व्यक्तिगत छात्र आवश्यकताओं के अनुसार उचित आवास (Reasonable Accommodation) प्रदान करना।
(C) यह सुनिश्चित करना कि परिसर का भौतिक बुनियादी ढांचा और सुविधाएं सुगम हों।
(D) प्रत्येक पड़ोसी समुदाय व्यवस्था में अलग विशेष विद्यालय (Special Schools) स्थापित करना।

10. आप एक माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य (Principal) हैं। एक अभिभावक अपने बच्चे के लिए प्रवेश का अनुरोध करता है जिसे विशिष्ट अधिगम अक्षमता (Specific Learning Disabilities) का निदान किया गया है। शिक्षक तर्क देते हैं कि उनके पास बच्चे को पढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण की कमी है और वे विशेष विद्यालय (Special School) का सुझाव देते हैं। सबसे उपयुक्त प्रशासनिक कार्रवाई क्या है?
(A) बच्चे को प्रवेश दें, शिक्षकों की क्षमता का निर्माण करें और उचित समायोजन (Appropriate Accommodations) प्रदान करें।
(B) प्रशिक्षित कर्मियों और अनुकूलन योग्य बुनियादी ढांचे की कमी का हवाला देते हुए प्रवेश से इनकार करें।
(C) माता-पिता द्वारा एक योग्य शैडो टीचर (Shadow Teacher) रखने की शर्त पर बच्चे को प्रवेश दें।
(D) बच्चे को ग्रेड बेंचमार्क पूरा होने तक विशेष शिक्षा केंद्र में निर्देशित करें।

11. RPwD अधिनियम, 2016 के तहत निम्नलिखित में से कौन सी दिव्यांगता 'रक्त विकार' (Blood Disorders) के तहत वर्गीकृत है?
(A) मल्टीपल स्केलेरोसिस (Multiple Sclerosis)
(B) थैलेसीमिया (Thalassemia)
(C) पार्किंसंस रोग (Parkinson's Disease)
(D) मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (Muscular Dystrophy)

12. शुरुआती चरण में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) की पहचान करना महत्वपूर्ण है। विद्यालय के माहौल के संदर्भ में, जांच (Screening) मुख्य रूप से किसकी जिम्मेदारी है:
(A) जिला सरकारी अस्पताल का प्रमाणित मेडिकल बोर्ड
(B) निरंतर दैनिक अवलोकन के माध्यम से सामान्य कक्षा शिक्षक (General Classroom Teacher)
(C) नैदानिक पृथक्करण में काम कर रहे नामित विशेष शिक्षक (Special Educator)
(D) विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC) के निर्वाचित प्रतिनिधि

13. औपचारिक नैदानिक निदान के लिए भेजने से पहले अधिगम कठिनाइयों की शीघ्र पहचान के लिए भारतीय विद्यालयों में आमतौर पर निम्नलिखित में से किस मूल्यांकन उपकरण (Assessment Tools) का उपयोग किया जाता है?
(A) व्यवहारात्मक और शैक्षणिक संकेतकों के लिए जांच-सूची (Checklists)
(B) बच्चों के लिए वेचस्लर इंटेलिजेंस स्केल (Wechsler Intelligence Scale for Children - WISC-IV)
(C) कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग स्कैन (fMRI)
(D) मानकीकृत स्टैनफोर्ड-बिने बुद्धिमत्ता मापनी (Stanford-Binet Intelligence Scales)

14. एक बार मुख्यधारा के विद्यालय में किसी बच्चे की विशेष आवश्यकता के रूप में पहचान हो जाने के बाद, शैक्षणिक योजना के लिए अगला सबसे उपयुक्त कदम है:
(A) विशेष विद्यालय (Special School) में स्थानांतरण की सिफारिश करना।
(B) बच्चे को सभी औपचारिक परीक्षाओं से छूट देना।
(C) एक व्यक्तिगत शिक्षा योजना (Individualized Education Plan - IEP) विकसित करना।
(D) बच्चे को उनकी मानसिक आयु से मेल खाने वाले निचले ग्रेड में रखना।

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): एक व्यक्तिगत शिक्षा योजना

NODIA

(A) विशेष रूप से अलग विशेष विद्यालयों के निर्माण और स्टाफिंग का वित्तपोषण करना।
(B) संसाधनों और सहायता कर्मचारियों के माध्यम से पूर्व-विद्यालय से कक्षा XII समावेश का समर्थन करना।
(C) यह अनिवार्य करना कि CWSN केवल मुक्त विद्यालयी प्रणालियों के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करें।
(D) राज्य की वित्तीय सहायता को केवल लोकोमोटर आवश्यकताओं वाले शिक्षार्थियों तक सीमित करना।

50. सहायता/उपकरणों की खरीद/फिटिंग के लिए दिव्यांग व्यक्तियों की सहायता योजना (ADIP Scheme) के तहत प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) दिव्यांग स्कूली छात्रों को प्रत्यक्ष मासिक वित्तीय पेंशन प्रदान करना।
(B) विद्यालयों में सुगम स्वच्छता सुविधाओं के संरचनात्मक निर्माण का वित्तपोषण करना।
(C) निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में जाने वाले CWSN के लिए पूर्ण ट्यूशन फीस पर सब्सिडी देना।
(D) आधुनिक, मानकीकृत अनुकूलन योग्य सहायताओं और उपकरणों को प्राप्त करने में सहायता करना।

51. भारत में पृथकीकृत शिक्षा (Segregated Education) से समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) की ओर बदलाव ने 2001 में किस प्रमुख कार्यक्रम के कार्यान्वयन के साथ महत्वपूर्ण गति प्राप्त की?
(A) सर्व शिक्षा अभियान (Sarva Shiksha Abhiyan - SSA)
(B) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड (Operation Blackboard)
(C) राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (Rashtriya Madhyamik Shiksha Abhiyan - RMSA)
(D) राष्ट्रीय वयस्क शिक्षा कार्यक्रम (National Adult Education Programme - NAEP)

52. जब क्षति (Impairment), अक्षमता (Disability), और बाधा (Handicap) के बीच अंतर किया जाता है, तो 'क्षति' (Impairment) का तात्पर्य है:
(A) समान सामुदायिक भागीदारी को रोकने वाली सामाजिक संरचनात्मक बाधाएं।
(B) मानक रूप से अपेक्षित तरीकों से गतिविधियों को करने में असमर्थता।
(C) मनोवैज्ञानिक या शारीरिक संरचनात्मक शरीर कार्यों की हानि या असामान्यता।
(D) राज्य चिकित्सा बोर्डों द्वारा जारी औपचारिक कानूनी दिव्यांगता प्रमाणन।

53. दिव्यांगता के 'चिकित्सा मॉडल' (Medical Model) बनाम 'सामाजिक मॉडल' (Social Model) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. चिकित्सा मॉडल दिव्यांगता को व्यक्ति के भीतर स्थित एक समस्या के रूप में देखता है।
II. सामाजिक मॉडल दिव्यांगता को व्यक्ति और पर्यावरण के बीच बातचीत के परिणाम के रूप में देखता है।
III. सामाजिक मॉडल बच्चे के शैक्षणिक स्थान को निर्धारित करने के लिए नैदानिक निदान पर अत्यधिक निर्भर करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

54. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुसार, बेंचमार्क दिव्यांगता वाले बच्चों के पास नियमित या विशेष स्कूली शिक्षा में भाग लेने का विकल्प है। हालाँकि, नीति किस पर ज़ोर देती है?
(A) विशेष देखभाल के लिए पृथक्करण।
(B) राज्य द्वारा समर्थित गृह शिक्षा (Home Schooling)।
(C) गंभीर दिव्यांगता के लिए अनिवार्य बोर्डिंग स्कूल में रखना।
(D) नियमित पड़ोस के विद्यालयों में पूर्ण समावेश (Full Inclusion)।

55. एक बच्चा पहली मंजिल पर स्थित पुस्तकालय की सीढ़ियाँ चढ़ने में असमर्थ है। दिव्यांगता के सामाजिक मॉडल (Social Model) के तहत, समस्या को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:
(A) पर्याप्त निचले पैर की ताकत की छात्र की व्यक्तिगत शारीरिक कमी।
(B) लिफ्ट या भूतल पुस्तकालय स्थान (Ground Floor Library Space) प्रदान करने में विद्यालय की विफलता।
(C) व्यक्ति के भीतर अंतर्निहित लोकोमोटर शारीरिक अक्षमता (Locomotor Disability)।
(D) निरंतर नैदानिक भौतिक चिकित्सा देखभाल की व्यवस्था करने में माता-पिता की विफलता।

56. RPwD अधिनियम, 2016 की धारा 17 समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने और सुगम बनाने के लिए विशिष्ट उपायों की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। निम्नलिखित में से कौन सा इस धारा में कहा गया एक स्पष्ट उपाय है?
(A) दिव्यांग बच्चों का पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को प्रत्यक्ष वित्तीय छात्रवृत्ति प्रदान करना।
(B) प्रत्येक राज्य जिले में विशिष्ट शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करना।
(C) 18 वर्ष की आयु तक मुफ्त शिक्षण सामग्री और सहायक उपकरण प्रदान करना।
(D) CWSN के लिए निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों में दस प्रतिशत सीटें आरक्षित करना।

57. निम्नलिखित में से कौन सा RPwD अधिनियम, 2016 के तहत अपनी व्यापक श्रेणी के साथ दिव्यांगता को सही ढंग से जोड़ता है?

Downloaded from www.pdf.tube

(A) छात्र को मुख्यधारा के माहौल से विशेष स्कूली शिक्षा में स्थानांतरित करना।
(B) छात्र को विद्यालय के बाद की शिक्षा, प्रशिक्षण या जीवन यापन के लिए तैयार करना।
(C) विभिन्न विषय शिक्षकों के बीच बदलाव करने में छात्र की सहायता करना।
(D) स्नातक होने से पहले विशेष शिक्षा सहायता सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना।

93. गंभीर दृष्टिबाधित शिक्षार्थियों द्वारा उपयोग की जाने वाली ब्रेल लिपि (Braille Script) उभरे हुए बिंदुओं की प्रणाली पर आधारित है। एक मानक ब्रेल सेल में कितने बिंदु होते हैं?
(A) 4
(B) 6
(C) 8
(D) 9

94. एक शिक्षक ध्यान देता है कि एक बच्चा श्यामपट्ट को पढ़ने के लिए लगातार अपना सिर एक तरफ झुकाता है, बार-बार अपनी आँखें रगड़ता है, और शारीरिक शिक्षा के दौरान गेंद पकड़ने में संघर्ष करता है। ये किसकी जांच (Screening) के सूचक संकेत हैं:
(A) श्रवण बाधित
(B) बौद्धिक अक्षमता
(C) दृष्टि बाधित
(D) ऑटिज्म

95. एफएम सिस्टम (FM Systems) कक्षाओं में उपयोग किए जाने वाले सहायक श्रवण उपकरण हैं। वे श्रवण-बाधित शिक्षार्थियों की सहायता के लिए कैसे कार्य करते हैं?
(A) श्रोता के लिए कक्षा के सभी परिवेशी शोर स्तरों को समान रूप से बढ़ाना।
(B) शिक्षक के बोले गए शब्दों को स्क्रीन पर तुरंत लिखित पाठ में बदलना।
(C) श्रवण तंत्रिका को उत्तेजित करने के लिए उच्च आवृत्ति वाली ध्वनि तरंगों का उत्सर्जन करना।
(D) पृष्ठभूमि के शोर को कम करते हुए शिक्षक की आवाज को श्रवण यंत्रों तक पहुंचाना।

96. निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. व्यावहारिक भाषा (भाषा का सामाजिक उपयोग) के साथ कठिनाइयाँ।
II. अत्यधिक प्रतिबंधित, निश्चित रुचियां।
III. संवेदी इनपुट के प्रति अति- या कम-प्रतिक्रियाशीलता।
ये विशेषताएं किससे सबसे गहराई से जुड़ी हैं:
(A) विशिष्ट अधिगम अक्षमता (Specific Learning Disability)
(B) अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (ADHD)
(C) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD)
(D) बौद्धिक अक्षमता (Intellectual Disability)

NODIA

97. डिस्लेक्सिया वाले शिक्षार्थियों को शब्दों को डिकोड करने और वर्तनी में सहायता के लिए विशेष रुप से उपयोग की जाने वाली एक सामान्य अनुदेशात्मक रणनीति निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) संपूर्ण शब्दकोश शब्द सूचियों को नियमित रुप से रटने का आदेश देना।
(B) बहु-संवेदी संरचित भाषा शिक्षा (Multisensory Structured Language Education - Orton-Gillingham approach)।
(C) विस्तारित कक्षा अवधि के लिए मौन पठन असाइनमेंट (Silent Reading Assignments) सौंपना।
(D) श्रव्य इनपुट प्रदान किए बिना केवल दृश्य शिक्षण पर निर्भर रहना।

98. ADHD से पीड़ित छात्र वाली कक्षा का प्रबंधन करते समय, निम्नलिखित में से किसे एक प्रभावी पर्यावरणीय समायोजन (Environmental Accommodation) माना जाता है?
(A) बोरियत से बचने के लिए छात्र को दरवाजे जैसे अधिक आवाजाही वाले क्षेत्रों के पास बैठाना।
(B) अत्यधिक उत्तेजक, रंगीन लटकते हुए मोबाइलों से कक्षाओं को सजाना।
(C) छात्र की डेस्क को पूरी तरह से हटा देना ताकि उन्हें खड़े रहना पड़े।
(D) छात्र को विक्षेपों से दूर और मुख्य शिक्षक के पास बैठाना।

99. समावेशी शिक्षाशास्त्र में 'स्कैफोल्डिंग' (Scaffolding) की अवधारणा को सर्वोत्तम रुप से वर्णित किया गया है:
(A) योग्यता बढ़ने के साथ हटाई गई अस्थायी संरचित सहायता की पेशकश करना।
(B) आधिकारिक पाठ्यक्रम मानकों को कम करना ताकि संघर्ष कर रहे छात्र पास हो सकें।
(C) कम उपलब्धि वाले छात्रों को स्थायी कक्षा सेटों में एक साथ समूहित करना।
(D) छात्र की विफलता के अनुभव को रोकने के लिए सीधे पूर्ण उत्तर प्रदान करना।

100. एक विद्यालय प्राचार्य अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (UDL) को लागू करना चाहता है। UDL सिद्धांतों के अनुसार पाठ योजना में पहला कदम है:
(A) प्रत्येक निदान की गई दिव्यांगता प्रकार के लिए अलग पाठ योजनाएं लिखना।
(B) विद्यालय क्लीनिकों में स्थापना के लिए उच्च तकनीक वाले चिकित्सा उपकरण खरीदना।
(C) पाठ्यचर्या की बाधाओं की पहचान करना और उन्हें दूर करने के लिए लचीले तरीकों को चुनना।
(D) सभी नामांकित छात्रों को क्षमता आधारित शैक्षणिक अनुभागों में अलग करना।

101. सहायक प्रौद्योगिकी (Assistive Technology - AT) के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

करना।
II. लगातार दोहराव और वितरित अभ्यास प्रदान करना।
III. शिक्षण कौशलों के लिए वास्तविक जीवन, कार्यात्मक संदर्भों का उपयोग करना।

इनमें से कौन सी रणनीतियाँ बौद्धिक अक्षमता वाले शिक्षार्थियों के लिए सबसे उपयुक्त हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

67. डिस्ग्राफिया (Dysgraphia) एक विशिष्ट अधिगम अक्षमता है जो किसे प्रभावित करती है?
(A) लिखित अभिव्यक्ति, हस्तलेखन और वर्तनी कौशल।
(B) गणितीय तर्क, गणना और स्थानिक तर्क।
(C) पठन अवबोधन और अंतर्निहित ध्वन्यात्मक जागरूकता।
(D) शारीरिक मोटर समन्वय और समग्र शारीरिक संतुलन।

68. आपकी कक्षा में एक छात्र लिखित कार्य को व्यवस्थित करने, पेंसिल को सही ढंग से पकड़ने और रेखाओं के भीतर स्पष्ट रूप से लिखने में महत्वपूर्ण कठिनाइयों को प्रदर्शित करता है। छात्र को संभवतः संबोधित करने वाली शैक्षणिक रणनीतियों की आवश्यकता है:
(A) डिस्लेक्सिया (Dyslexia)
(B) डिस्केल्कुलिया (Dyscalculia)
(C) डिस्प्रेक्सिया / डिस्ग्राफिया (Dyspraxia / Dysgraphia)
(D) अफ़ेसिया (Aphasia)

69. TEACCH (Treatment and Education of Autistic and related Communication handicapped CHildren) एक व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला हस्तक्षेप कार्यक्रम है। इसका मुख्य अनुदेशात्मक ध्यान किस पर है:
(A) दृश्य संगठन और स्पष्ट स्थान सीमाओं का उपयोग करके संरचित शिक्षण।
(B) दीर्घकालिक मनोविश्लेषणात्मक चिकित्सा और गहन मौखिक परामर्श।
(C) गहन औषधीय चिकित्सा उपचार का नियमित प्रशासन।
(D) दृश्य अनुसूची संकेतों के बिना असंरचित, खुले खेल वातावरण।

70. आप एक ऐसी स्कूली स्थिति से निपट रहे हैं जहाँ ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से पीड़ित एक बच्चा तेज असेंबली से अचानक संवेदी अधिभार (Sensory Overload) के कारण 'मेलडाउन' (Meltdown) का अनुभव करता है। सबसे उपयुक्त तत्काल प्रशासनिक/शैक्षणिक प्रतिक्रिया क्या है?
(A) संवेदी सहनशीलता का निर्माण करने के लिए बच्चे को असेंबली में रहने के लिए मजबूर करना।
(B) विद्यालय की असेंबली में व्यवधान उत्पन्न करने के लिए बच्चे को तुरंत निलंबित करना।
(C) आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं से संपर्क करना और तुरंत एम्बुलेंस बुलाना।
(D) स्थिति को शांत करने के लिए बच्चे को एक शांत, सुरक्षित स्थान पर ले जाना।

71. व्यवहार परिवर्तन के ABC मॉडल का उपयोग अक्सर विविध शिक्षार्थियों, विशेष रूप से ADHD या ASD वाले लोगों को समझने और उनका समर्थन करने के लिए किया जाता है। इस मॉडल में, 'A' का अर्थ है:
(A) एक्शन (Action)
(B) पूर्ववृत्त (Antecedent)
(C) असेसमेंट (Assessment)
(D) एकोमोडेशन (Accommodation)

72. कौन सा शैक्षणिक दृष्टिकोण प्रस्तुति, अभिव्यक्ति और जुड़ाव के लिए बहुविध, लचीले विकल्प प्रदान करके शुरु से ही शिक्षार्थी परिवर्तनशीलता के लिए सक्रिय रूप से योजना बनाता है?
(A) रटना (Rote Learning)
(B) अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction)
(C) अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL)
(D) प्रत्यक्ष अनुदेशन (Direct Instruction)

73. विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) में, कक्षा के भौतिक लेआउट को संशोधित करना और शांत क्षेत्र या सहयोगात्मक स्थान बनाना किससे संबंधित है:
(A) विषय-वस्तु (Content)
(B) प्रक्रिया (Process)
(C) उत्पाद (Product)
(D) शिक्षण वातावरण (Learning Environment)

74. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): विभेदित अनुदेशन प्रदान करने का अर्थ कक्षा में हर एक छात्र के लिए एक पूरी तरह से अलग पाठ योजना तैयार करना है।
कारण (R): विविध शिक्षार्थियों की विषम आवश्यकताएं होती हैं जिन्हें एक ही कठोर पाठ योजना द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

75. निम्नलिखित में से कौन सा UDL ढांचे के तहत 'जुड़ाव के बहुविध साधन' (Multiple Means of Engagement) का सबसे अच्छा उदाहरण है?
(A) अंग्रेजी, हिंदी और ब्रेल विकल्पों में अनुदेशात्मक पाठ सामग्री प्रदान करना।

Click Here to Buy book on Flipkart

126. एक नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) स्क्रीनिंग परीक्षण (Screening Test) से इस मामले में भिन्न है कि नैदानिक परीक्षण:
(A) संभावित शिक्षण मुद्दों को चिन्हित करने के लिए सभी छात्रों को प्रशासित एक त्वरित जांच है।
(B) एक सत्र-अंत मूल्यांकन है जिसका उपयोग केवल सालाना छात्र ग्रेड निर्दिष्ट करने के लिए किया जाता है।
(C) छात्र की विशिष्ट शैक्षणिक शक्तियों और कमजोरियों का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करता है।
(D) औपचारिक प्रशिक्षण के बिना किसी के भी द्वारा आसानी से की जाने वाली मूल्यांकन प्रक्रिया है।

127. शिक्षा का अधिकार (Right to Education - RTE) अधिनियम, 2009 के तहत, दिव्यांग बच्चे के लिए 'पड़ोस का विद्यालय' (Neighborhood School) का तात्पर्य है:
(A) राज्य की सीमाओं के भीतर कहीं भी स्थित एक विशेष विद्यालय सुविधा।
(B) एक निजी गैर सरकारी संगठन सेटअप द्वारा प्रबंधित और संचालित एक आवासीय देखभाल संस्थान।
(C) कोई भी शैक्षणिक संस्थान जिसे बच्चे का परिवार आर्थिक रूप से वहन कर सकता है।
(D) मुफ्त, समावेशी अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने वाला एक स्थानीय नियमित विद्यालय।

128. 'ग्राफिक आयोजक' (Graphic Organizers - जैसे वेन आरेख, माइंड मैप) विविध शिक्षार्थियों के लिए अत्यधिक प्रभावी शैक्षणिक उपकरण हैं क्योंकि वे:
(A) निर्धारित पाठ्यपुस्तक अध्यायों को पढ़ने के लिए छात्रों की आवश्यकताओं को समाप्त करते हैं।
(B) सरल प्रारूपों के माध्यम से समग्र शिक्षक ग्रेडिंग कार्यभार को कम करते हैं।
(C) संज्ञानात्मक प्रसंस्करण में सहायता के लिए अवधारणाओं के दृश्य प्रतिनिधित्व प्रदान करते हैं।
(D) यह सुनिश्चित करते हैं कि छात्र व्यक्तिगत रूप से आरेख बनाते समय शांत रहें।

129. व्यक्तिगत शिक्षा योजना (Individualized Education Plan - IEP) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. विशिष्ट विशेष शिक्षा कानूनों वाले देशों में IEP कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज़ हैं, और भारत में नीति द्वारा दृढ़ता से अनिवार्य हैं।
II. एक बच्चे के लिए एक IEP लिखा जाता है, चाहे उनकी दिव्यांगता उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करती हो या नहीं।
III. भविष्य की प्रगति को ट्रैक करने के लिए IEP में वर्तमान बेसलाइन डेटा शामिल होना चाहिए।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

130. डिस्केल्कुलिया वाला एक छात्र गणित में एक शब्द समस्या (Word Problem) के साथ संघर्ष कर रहा है। सबसे लक्षित शैक्षणिक रणनीति है:
(A) छात्र को बार-बार शब्द समस्या को जोर से पढ़ने का निर्देश देना।
(B) छात्र को बीस तक पहाड़े याद करने की आवश्यकता होना।
(C) गणित के काम को अंग्रेजी व्याकरण अभ्यास कार्यपत्रक (Worksheets) से बदलना।
(D) मुख्य संख्या हाइलाइटिंग सिखाना और मॉडलिंग के लिए जोड़-तोड़ सामग्री (Manipulatives) का उपयोग करना।

131. अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL) के संदर्भ में, एक शैक्षिक वीडियो पर क्लोज्ड कैप्शन प्रदान करना किसका एक उदाहरण है:
(A) प्रतिनिधित्व के बहुविध साधन (Multiple Means of Representation)
(B) जुड़ाव के बहुविध साधन (Multiple Means of Engagement)
(C) कार्य और अभिव्यक्ति के बहुविध साधन (Multiple Means of Action and Expression)
(D) पाठ्यचर्या विषय-वस्तु का एक संशोधन

NODIA

132. 'चिकित्सा मॉडल' की प्रतिक्रिया के रूप में स्वयं दिव्यांग लोगों द्वारा दिव्यांगता के 'सामाजिक मॉडल' का समर्थन किया गया था। कौन सा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सामाजिक मॉडल को भारी रूप से दर्शाता है और वैश्विक शैक्षिक नीति को समावेश की ओर स्थानांतरित करता है?
(A) मानवीय अधिकारों के मानकों के संबंध में जेनेवा कन्वेंशन समझौते
(B) क्योतो समझौते के तहत स्थापित वैश्विक पर्यावरणीय प्रोटोकॉल
(C) दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (United Nations Convention on the Rights of Persons with Disabilities - UNCRPD)
(D) 1948 में वैश्विक स्तर पर स्थापित मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (Universal Declaration of Human Rights)

133. जब कोई शिक्षक 'समीपता नियंत्रण' (Proximity Control) का उपयोग करता है, तो वे मुख्य रूप से किसके प्रबंधन के लिए बनाई गई रणनीति का उपयोग कर रहे होते हैं:
(A) ADHD या भावनात्मक कठिनाइयों से जुड़ा हुआ ऑफ-टास्क व्यवहार।
(B) शारीरिक समीपता की आवश्यकता वाले दृष्टि तीक्ष्णता क्षीणता के मुद्दे।
(C) वक्ताओं के पास बैठने की आवश्यकता वाला गंभीर श्रवण हानि का मुद्दा।
(D) लिखित कार्य को पूरा करने में बाधा डालने वाली सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल कमियां।

मूल्यांकन।
(D) केवल बहुविकल्पीय प्रश्न स्वरूपों का उपयोग करने वाले मूल्यांकन उपकरण।

84. आप एक प्राचार्य हैं जो विद्यालय-व्यापी संवेदीकरण (Sensitization) कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। सहकर्मी समूह के भीतर दिव्यांग छात्रों के प्रति दया के बजाय वास्तविक सहानुभूति को बढ़ावा देने के लिए सबसे प्रभावी दृष्टिकोण है:
(A) दिव्यांग व्यक्तियों के निरंतर दैनिक संघर्षों पर जोर देना।
(B) साथियों को दिव्यांग छात्रों के लिए सभी शैक्षणिक कार्य करने का निर्देश देना।
(C) दिव्यांग लोगों की उपलब्धियों और अधिकारों को इंटरैक्टिव रूप से उजागर करना।
(D) विद्यालय के CWSN के लिए धन जुटाने के लिए सामुदायिक दान अभियान आयोजित करना।

85. भारत सरकार की 'निपुण भारत' (National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy - NIPUN Bharat) पहल, बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह अनिवार्य करती है कि सीखने की सामग्री होनी चाहिए:
(A) समावेशी, उत्तरदायी और स्थानीय क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध।
(B) वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के लिए केवल अंग्रेजी में मानकीकृत।
(C) विशेष रूप से डिजिटल प्रारूप, भौतिक पुस्तकों को पूरी तरह से बदलना।
(D) बिना दिव्यांगता वाले न्यूरोटिपिकल छात्रों के लिए कड़ाई से डिजाइन की गई।

86. निम्नलिखित में से कौन सा कानून विशेष रूप से सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार की गारंटी देता है, जिसमें 18 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों के लिए स्पष्ट प्रावधान शामिल हैं (जब RPwD अधिनियम के साथ पढ़ा जाए)?
(A) समान अधिकारों के संबंध में भारतीय दंड संहिता के प्रावधान
(B) भारतीय पुनर्वास परिषद (Rehabilitation Council of India - RCI) अधिनियम, 1992
(C) व्यक्ति कल्याण के लिए राष्ट्रीय न्यास अधिनियम, 1999
(D) निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (Right to Free and Compulsory Education - RTE) अधिनियम, 2009

87. राष्ट्रीय न्यास अधिनियम (National Trust Act), 1999 के तहत, निम्नलिखित में से कौन सा शामिल चार निर्दिष्ट दिव्यांगताओं में से एक नहीं है?
(A) ऑटिज्म (Autism)
(B) विशिष्ट अधिगम अक्षमता (Specific Learning Disability)
(C) सेरेब्रल पाल्सी (Cerebral Palsy)
(D) मानसिक मंदता / बौद्धिक अक्षमता (Mental Retardation / Intellectual Disability)

88. एक विद्यालय धन की कमी का दावा करते हुए रैंप या सुलभ शौचालय प्रदान करने से इनकार करता है। RPwD अधिनियम, 2016 के तहत, एक शैक्षणिक संस्थान में ऐसी पहुंच सुविधाओं को प्रदान करने में विफलता किसका इनकार है:
(A) शैक्षणिक स्वतंत्रता
(B) सकारात्मक कार्रवाई (Affirmative Action)
(C) उचित आवास (Reasonable Accommodation)
(D) पृथक्कृत शिक्षा (Segregated Education)

89. विकासात्मक देरी के साथ पहचाने गए शिशुओं और छोटे बच्चों के लिए 'प्रारंभिक हस्तक्षेप' (Early Intervention) कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है:
(A) भविष्य के विशेष विद्यालय में रखने की तैयारी के लिए बच्चे को औपचारिक रूप से लेबल करना।
(B) कम आय वाले माता-पिता को तत्काल राज्य वित्तीय मुआवजा प्रदान करना।
(C) मुख्यधारा के पूर्व-विद्यालयों में भाग लेने से बच्चे को व्यवस्थित रूप से बाहर करना।
(D) विकासात्मक क्षमता को अधिकतम करना और द्वितीयक जटिलताओं को रोकना।

NODIA

90. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) केवल विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को मुख्यधारा की स्कूली शिक्षा तक पहुंच प्रदान करके लाभ पहुंचाती है।
कारण (R): समावेशी कक्षाओं में नियमित छात्र बेहतर सहानुभूति, नेतृत्व कौशल और विविधता की समझ विकसित करते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

91. जब एक बहुविषय टीम (Multidisciplinary Team) विशेष आवश्यकता वाले बच्चे की पहचान करती है, तो मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन घटक आमतौर पर किसके द्वारा संचालित किया जाता है:
(A) विशेष शिक्षक (Special Educator)
(B) नैदानिक या शैक्षिक मनोवैज्ञानिक (Clinical or Educational Psychologist)
(C) बाल रोग विशेषज्ञ (Pediatrician)
(D) ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट (Occupational Therapist)

92. 'संक्रमण योजना' (Transition Plan) बड़े छात्रों के लिए IEP का एक महत्वपूर्ण घटक है। इसका प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

(C) शिक्षक अन्य शिक्षकों के लिए ट्यूटर के रूप में कार्य करते हैं।
(D) छात्र समुदाय में वयस्कों को पढ़ाते हैं।

110. केंद्र सरकार की 'दिव्यांग छात्रों के लिए पूर्व-मैट्रिक छात्रवृत्ति' के तहत, एक प्राथमिक पात्रता मानदंड क्या है?
(A) छात्र को एक विशिष्ट आवासीय विद्यालय (Residential School) में नामांकित और निवासी होना चाहिए।
(B) छात्र को पिछली परीक्षाओं में कम से कम नब्बे प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।
(C) बेंचमार्क दिव्यांगता (Benchmark Disability) का होना और पारिवारिक आय निर्धारित सीमा से कम होना।
(D) छात्र को रियायती सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के सभी अधिकार छोड़ने होंगे।

111. कौन सी शैक्षणिक रणनीति बौद्धिक अक्षमता वाले शिक्षार्थियों के लिए संज्ञानात्मक भार (Cognitive Load) को कम करने पर केंद्रित है?
(A) एक ही बार में जटिल, बहु-चरणीय दिशात्मक कमानों को पेश करना।
(B) पूरी तरह से स्व-निर्देशित स्वतंत्र पाठ्यपुस्तक पठन कार्यों (Reading Tasks) पर निर्भर रहना।
(C) छात्रों को पूरी तरह व्यस्त रखने के लिए अनुदेशात्मक वितरण गति को बढ़ाना।
(D) सूचना को छोटे भागों में तोड़ना (Chunking), एक बार में एक कदम सिखाना।

112. 'न्यूरोडाइवर्सिटी' (Neurodiversity) शब्द अक्सर निम्नलिखित व्यक्तियों के अधिकारों और स्वीकृति की वकालत करने से जुड़ा होता है:
(A) दृष्टि और श्रवण संवेदी क्षीणता वाले व्यक्ति।
(B) गंभीर शारीरिक लोकोमोटर दिव्यांगता के साथ जीने वाले व्यक्ति।
(C) ऑटिज्म, ADHD, डिस्लेक्सिया और तंत्रिका संबंधी अंतर वाले व्यक्ति।
(D) गंभीर नैदानिक मधुमेह जैसी पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों वाले व्यक्ति।

113. समावेशी शिक्षा के संदर्भ में एक 'भ्रमणशील शिक्षक' (Itinerant Teacher) एक विशेष शिक्षक होता है जो:
(A) एकल संसाधन कक्ष के माहौल के भीतर स्थायी रूप से नियुक्त रहता है।
(B) छात्रों और शिक्षकों को सहायता प्रदान करने के लिए विद्यालयों के बीच यात्रा करता है।
(C) विशेष विद्यालय के बाद के कार्यक्रमों में असाधारण रूप से प्रतिभाशाली छात्रों को पढ़ाता है।
(D) विशेष रूप से जिला शिक्षा कार्यालयों में प्रशासनिक कर्तव्यों को पूरा करता है।

114. आप एक शारीरिक शिक्षा कक्षा का अवलोकन कर रहे हैं। व्हीलचेयर का उपयोग करने वाला एक छात्र रेफरी के रूप में कार्य कर रहा है क्योंकि शिक्षक का मानना है कि वे बास्केटबॉल में भाग नहीं ले सकते। अधिक समावेशी दृष्टिकोण क्या है?
(A) शारीरिक शिक्षा की भागीदारी से छात्र को पूरी तरह से छूट देना।
(B) छात्र को बास्केटबॉल रणनीतियों के संबंध में एक निबंध लिखने की आवश्यकता होना।
(C) सक्रिय PE समय के दौरान छात्र को वीडियो रिकॉर्डिंग देखने का निर्देश देना।
(D) नियमों या उपकरणों को अनुकूलित करना ताकि छात्र सक्रिय रूप से खेल खेल सके।

115. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): समावेशी मूल्यांकन (Inclusive Assessment) के लिए परीक्षण प्रारूप को मानकीकृत करने की आवश्यकता होती है ताकि प्रत्येक छात्र बिल्कुल समान परिस्थितियों में बिल्कुल समान परीक्षा दे सके।
कारण (R): मूल्यांकनों में समायोजन प्रदान करना परीक्षण की वैधता और निष्पक्षता से समझौता करता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

116. 'संवेदी आहार' (Sensory Diets) या 'संवेदी ब्रेक' को अक्सर निम्नलिखित छात्रों के लिए स्कूली दिन में एकीकृत किया जाता है:
(A) संज्ञानात्मक रूप से उन्नत और शैक्षणिक रूप से प्रतिभाशाली छात्र आबादी।
(B) गणितीय गणनाओं से संबंधित विशिष्ट अधिगम अक्षमताएं।
(C) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) और संवेदी प्रसंस्करण मुद्दे।
(D) शरीर की गतिशीलता को प्रभावित करने वाले गंभीर शारीरिक आर्थोपेडिक विकार।

117. विविध भाषाई पृष्ठभूमि वाले छात्रों वाली एक विविध कक्षा को पढ़ाते समय, 'ट्रांसलैंग्वेजिंग' (Translanguaging) का अभ्यास तात्पर्य है:
(A) छात्रों को अपनी पूर्ण भाषाई प्रदर्शनों की सूची (Linguistic Repertoire) का स्वाभाविक रूप से उपयोग करने की अनुमति देना।
(B) छात्रों को आधिकारिक विद्यालय भाषाओं (Official School Languages) में विशेष रूप से संवाद करने के लिए मजबूर करना।
(C) प्रत्येक बोले गए शिक्षक शब्द का सीधे छात्र की मातृभाषा में अनुवाद करना।
(D) विभिन्न भाषा पृष्ठभूमि समूहों को अलग-अलग कक्षाओं में अलग करना।

Downloaded from www.pdf.tube

(A) AT विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक और कम्प्यूटरीकृत है।
(B) AT आवर्धक कांच (Magnifying Glass) या विशिष्ट पेंसिल ग्रिप जितना सरल हो सकता है।
(C) AT उपकरणों का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों की कार्यात्मक क्षमताओं को बढ़ाना, बनाए रखना या सुधारना है।
(D) आवश्यक AT का प्रावधान RPwD अधिनियम, 2016 के तहत समर्थित है।

102. समावेशी शिक्षा 'व्यक्ति-प्रथम भाषा' (Person-First Language) के उपयोग पर जोर देती है। निम्नलिखित में से कौन सा व्यक्ति-प्रथम भाषा का एक उदाहरण है?
(A) कक्षा V में नामांकित ऑटिस्टिक लड़का (Autistic Boy)।
(B) अंधा छात्र जिसने सफलतापूर्वक वाद-विवाद प्रतियोगिता जीती।
(C) मुख्यधारा की व्यवस्था में रखा गया मानसिक रूप से मंद बच्चा।
(D) अधिगम अक्षमता वाला बच्चा (Child with a learning disability)।

103. 'स्टेशन शिक्षण' (Station Teaching) के रूप में जाने जाने वाले सह-शिक्षण (Co-teaching) मॉडल में, कक्षा को कैसे व्यवस्थित किया जाता है?
(A) एक शिक्षक पूरी कक्षा को निर्देश देता है जबकि दूसरा अवलोकन करता है।
(B) शिक्षक सामग्री को विभाजित करते हैं और छात्र शिक्षक के नेतृत्व वाले स्टेशनों के माध्यम से घूमते हैं।
(C) एक शिक्षक मुख्य निर्देश का नेतृत्व करता है जबकि दूसरा एक छोटे समूह को खींचता है।
(D) दोनों शिक्षक सामने से एक साथ अनुदेशात्मक व्याख्यान प्रस्तुत करते हैं।

104. विद्यालयों में सामाजिक-आर्थिक विविधता (Socio-Economic Diversity) को संबोधित करने में निम्नलिखित में से कौन सी एक संरचनात्मक बाधा है?
(A) शिक्षकों द्वारा विभेदित पठन सामग्री प्रदान करना।
(B) दृश्यमान आर्थिक अंतरों को छिपाने के लिए विद्यालय पोशाक नीति को लागू करना।
(C) अनिवार्य पाठ्येतर गतिविधियों और क्षेत्र भ्रमण (Field Trips) की उच्च लागत।
(D) निःशुल्क मध्याह्न भोजन (Mid-Day Meal) प्रदान करना।

105. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षण के लिए यह सुनिश्चित करने के लिए हाशिए की पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए शैक्षणिक अपेक्षाओं को कम करने की आवश्यकता होती है कि वे पास हो जाएं।
कारण (R): उच्च अपेक्षाएं अनुचित तनाव पैदा कर सकती हैं और हाशिए पर पड़े छात्रों के बीच स्कूल छोड़ने (Dropout) का कारण बन सकती हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

106. शिक्षा में अंतर-अनुभागीयता (Intersectionality) यह उजागर करती है कि एक छात्र का अनुभव किसके द्वारा आकार लेता है:
(A) लिंग, जाति, स्थिति और दिव्यांगता की परस्पर क्रिया जो अद्वितीय पूर्वाग्रह पैदा करती है।
(B) कक्षा की व्यवस्था में किसी व्यक्ति की लैंगिक पहचान का एकल प्रभाव।
(C) विशेष रूप से जटिल STEM विषयों में छात्र का शैक्षणिक प्रदर्शन।
(D) विद्यालय भवन की सटीक भौगोलिक स्थिति और भौतिक स्थिति।

107. एक प्रतिभाशाली छात्र कक्षा की गतिविधियों में विघटनकारी व्यवहार और रुचि की कमी दिखाता है। सबसे संभावित शैक्षणिक कारण है:
(A) छात्र में नियमों को समझने की बौद्धिक क्षमता की कमी है।
(B) पाठ्यक्रम कम चुनौतीपूर्ण है, जिससे बोरियत और अलगाव होता है।
(C) छात्र एक अनिदानित गंभीर दृष्टिबाधा की समस्या से पीड़ित है।
(D) छात्र अत्यधिक विशेषाधिकार प्राप्त सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आता है।

108. विषयपरक लिखित परीक्षा देने वाले गंभीर मोटर समन्वय कठिनाइयों (जैसे सेरेब्रल पाल्सी) वाले छात्र के लिए निम्नलिखित में से कौन सा मूल्यांकन समायोजन (Assessment Accommodation) सबसे उपयुक्त होगा?
(A) छात्र को परीक्षाओं से छूट देना और औसत ग्रेड प्रदान करना।
(B) एक परीक्षा लेखक (Scribe) या स्पीच-टू-टेक्स्ट (Speech-to-Text) लेखन सॉफ्टवेयर विकल्प प्रदान करना।
(C) स्पर्शनीय ब्रेल उभरे हुए बिंदुओं के प्रारूप (Format) में प्रस्तुत परीक्षा प्रश्न प्रदान करना।
(D) निचले ग्रेड कठिनाई स्तरों से मेल खाने के लिए विषयपरक परीक्षा प्रश्नों को बदलना।

109. समावेशी कक्षाओं में सहकर्मी ट्यूशन (Peer Tutoring) एक अत्यधिक प्रभावी रणनीति है। 'विभिन्न आयु सहकर्मी ट्यूशन' (Cross-Age Peer Tutoring) में:
(A) बड़े छात्र छोटे छात्रों को पढ़ाते हैं।
(B) समान आयु के छात्र एक दूसरे को पढ़ाते हैं।

NODIA

(B) सीखने के ऐसे विकल्प प्रदान करना जो प्रासंगिकता बढ़ाते हैं और सहयोग को बढ़ावा देते हैं।
(C) छात्रों को कंप्यूटर कीबोर्ड का उपयोग करके लिखित परीक्षा पूरी करने की अनुमति देना।
(D) पठन बोध पाठ के भीतर आवश्यक शब्दावली शब्दों को हाइलाइट करना।

76. JAWS या NVDA जैसे स्क्रीन पठन सॉफ्टवेयर (Screen Reading Software) को मुख्य रूप से किस प्रकार के शिक्षार्थियों की सहायता के लिए उपयोग की जाने वाली सहायक प्रौद्योगिकी (Assistive Technology) के रूप में वर्गीकृत किया गया है?
(A) श्रवण बाधित
(B) दृष्टि बाधित
(C) मोटर अक्षम
(D) ADHD

77. एक समावेशी विद्यालय व्यवस्था में एक संसाधन कक्ष (Resource Room) है:
(A) CWSN को आवधिक व्यक्तिगत उपचारात्मक निर्देश प्रदान करने वाली एक सुविधा।
(B) CWSN को नियमित साथियों से स्थायी रूप से अलग रखने के लिए एक समर्पित कमरा।
(C) अतिरिक्त फर्नीचर रखने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक विद्यालय भंडारण क्षेत्र।
(D) विशेष शिक्षा संकाय सदस्यों के लिए आरक्षित एक शांत विश्राम स्थान।

78. निम्नलिखित में से कौन सा सामाजिक-आर्थिक विविधता (Socio-Economic Diversity) द्वारा निर्मित एक व्यवधान है जिसे एक समावेशी विद्यालय को सक्रिय रूप से संबोधित करना चाहिए?
(A) समृद्ध छात्रों में देखी गई असामान्य रूप से उच्च संज्ञानात्मक समस्या-समाधान क्षमताएं।
(B) प्रतिभाशाली शिक्षण कार्यक्रमों में कम आय वाले पृष्ठभूमि वाले छात्रों का अत्यधिक प्रतिनिधित्व।
(C) विद्यालय के बाहर के शैक्षणिक संसाधनों और आधुनिक डिजिटल उपकरणों तक असमान पहुंच।
(D) कम आय वाले परिवारों से अत्यधिक अभिभावक भागीदारी और हस्तक्षेप।

79. सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षण (Culturally Responsive Teaching) के लिए शिक्षकों को अपने स्वयं के सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों को पहचानने की आवश्यकता होती है। यह आत्म-जागरूकता किसको रोकती है:
(A) कक्षा के भीतर प्रणालीगत असमानता (Systemic Inequality) और संरचनात्मक शैक्षिक पूर्वाग्रह।
(B) सभी छात्रों के लिए लगातार उच्च शैक्षणिक अपेक्षाएं बनाए रखना।
(C) विषयों के पार निर्देश का प्रभावी शैक्षणिक विभेदन।
(D) अल्पसंख्यक छात्रों के संबंध में सूक्ष्म आक्रामकता (Microaggressions) और घाटे की सोच।

80. लैंगिक-संवेदनशील शिक्षाशास्त्र (Gender-Sensitive Pedagogy) पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसके लिए शिक्षकों को जहां उपयुक्त हो, लैंगिक रूप से तटस्थ भाषा का उपयोग करने की आवश्यकता होती है।
II. यह सभी लिंगों के लिए कक्षा की गतिविधियों में नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करता है।
III. यह इस विचार को बढ़ावा देता है कि लड़के स्वाभाविक रूप से गणित में और लड़कियाँ भाषाओं में बेहतर होती हैं।
IV. यह साहित्य और इतिहास की चर्चाओं में पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं को चुनौती देने के लिए प्रोत्साहित करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I, II और III
(B) II, III और IV
(C) I, II और IV
(D) I, III और IV

81. रेन्ज़ुली का प्रतिभा का त्रि-चक्रीय प्रत्यय (Three-Ring Conception of Giftedness) प्रतिभाशाली व्यवहार को मानवीय लक्षणों के तीन बुनियादी समूहों की बातचीत के रूप में परिभाषित करता है। ये हैं औसत से अधिक सामान्य क्षमता, कार्य प्रतिबद्धता (Task Commitment), और:
(A) उच्च शारीरिक सहनशक्ति
(B) रचनात्मकता (Creativity)
(C) उच्च सामाजिक-आर्थिक स्थिति (Socio-Economic Status)
(D) भावनात्मक स्थिरता

82. प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों के लिए एक रणनीति के रूप में त्वरण (Acceleration) में शामिल हैं:
(A) प्रतिभाशाली छात्र को वर्तमान विषय पर अतिरिक्त कार्यपत्रक (Worksheets) प्रदान करना।
(B) छात्र को पूरे सत्र के दौरान साथियों के लिए एक सहायक शिक्षक के रूप में नियुक्त करना।
(C) केवल शिक्षाविदों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए छात्र को खेल गतिविधियों से हटाना।
(D) छात्र को उच्च ग्रेड स्तरों या उन्नत विषय सामग्री में आगे बढ़ाना।

83. एक समावेशी कक्षा में वैकल्पिक मूल्यांकन (Alternative Assessments) महत्वपूर्ण हैं। पोर्टफोलियो मूल्यांकन (Portfolio Assessment) वैकल्पिक मूल्यांकन का एक रूप है जिसमें शामिल हैं:
(A) छात्र के कार्य का एक व्यवस्थित संग्रह जो निरंतर प्रगति को प्रदर्शित करता है।
(B) सत्र समापन पर आयोजित एक एकल उच्च-जोखिम वाली मानकीकृत परीक्षा।
(C) खेल आयोजनों में शारीरिक एथलेटिक प्रदर्शन का

Click Here to Buy book on Amazon

118. समावेशी शिक्षा के संदर्भ में 'पाठ्यचर्या अनुकूलन' (Curriculum Adaptation) को निम्नलिखित में से कौन सा सर्वोत्तम रुप से परिभाषित करता है?
(A) अनिवार्य वार्षिक आधार पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रुपरेखा (National Curriculum Framework - NCF) को फिर से लिखना।
(B) गणित के पाठों के दौरान CWSN को पूरी तरह से अलग विषय पढ़ाना।
(C) पूरी कक्षा के लिए मानक पाठ्यपुस्तकों से जटिल विषयों को हटाना।
(D) मानकों को कम किए बिना CWSN के लिए सामग्री और विधियों (Materials and Methods) को समायोजित करना।

119. दिव्यांगता और विशिष्ट सहायक प्रौद्योगिकियों (Assistive Technologies) के निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:
I. दृष्टिबाधा – स्पर्शनीय ग्राफिक्स (Tactile Graphics)
II. श्रवण बाधा – कॉकलियर इम्प्लांट / श्रवण यंत्र (Hearing Aid)
III. गंभीर अभिव्यंजक वाक् देरी – AAC टैब्लेट
IV. डिस्लेक्सिया – व्हीलचेयर
ऊपर दिए गए जोड़ों में से कौन से सही सुमेलित हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I, II और III
(C) केवल II, III और IV
(D) I, II, III और IV

120. एक माता-पिता प्राचार्य के पास यह चिंता व्यक्त करने आते हैं कि उनके शैक्षणिक रुप से प्रतिभाशाली बच्चे को समावेशी कक्षा की धीमी गति से 'पीछे धकेला' जा रहा है। सबसे उपयुक्त शैक्षणिक नेतृत्व कार्रवाई क्या है?
(A) माता-पिता को सलाह देना कि समावेश में तेज शिक्षार्थियों को धीमे शिक्षार्थियों का इंतजार करना होगा।
(B) प्रतिभाशाली शिक्षा में विशेषज्ञता वाली एक निजी अकादमी (Private Academy) में स्थानांतरण की सिफारिश करना।
(C) नियमित कक्षा सेटअप के भीतर पाठ्यचर्या संवर्धन परियोजनाएं (Enrichment Projects) प्रदान करना।
(D) औपचारिक मूल्यांकन के बिना बच्चे को अगली कक्षा में पदोन्नत करना।

121. 'प्रच्छन्न पाठ्यचर्या' (Hidden Curriculum) शब्द का तात्पर्य है:
(A) गैर-शैक्षणिक वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम सामग्री।
(B) गैर-दृश्यमान दिव्यांगता प्रोफाइल के लिए अनुकूलित विशिष्ट पाठ्यचर्या।
(C) माता-पिता से गुप्त रखा गया विस्तृत पाठ योजना दस्तावेज़।
(D) विद्यालय के वातावरण में सीखे गए अलिखित, अनपेक्षित पाठ और मूल्य।

122. जब कोई विद्यालय यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाता है कि प्रच्छन्न पाठ्यचर्या (Hidden Curriculum) लैंगिक समानता को बढ़ावा देती है, तो संभावना है कि वह निम्नलिखित में से क्या कर रहा है?
(A) यह सुनिश्चित करना कि शिक्षक विज्ञान के उत्तरों के लिए लड़कों और लड़कियों को समान रुप से बुलाएं।
(B) मनोरंजक मध्याह्न ब्रेक के दौरान छात्र और छात्राओं को अलग करना।
(C) कमरे का अनुशासन बनाए रखने के लिए पुरुष छात्रों को कक्षा मॉनिटर के रुप में नियुक्त करना।
(D) पारंपरिक भूमिकाओं में विशेष रुप से महिलाओं का चित्रण करने वाली पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करना।

123. निपुण भारत (NIPUN Bharat) मिशन का एक मुख्य उद्देश्य कौन सा है जो बुनियादी चरण में समावेशी शिक्षा के साथ सीधे जुड़ता है?
(A) यह सुनिश्चित करना कि सभी प्राथमिक छात्र उन्नत कंप्यूटर प्रोग्रामिंग कौशल में महारत हासिल करें।
(B) यह सुनिश्चित करना कि CWSN सहित सभी बच्चे कक्षा 3 तक बुनियादी साक्षरता प्राप्त करें।
(C) कक्षा 3 के छात्रों के लिए अनिवार्य उच्च-जोखिम वाली बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करना।
(D) उत्तर-माध्यमिक शिक्षा के लिए व्यापक वित्तीय छात्रवृत्तियां प्रदान करना।

124. भारतीय संदर्भ में 'संसाधन कक्ष' (Resource Rooms) आमतौर पर मुख्यधारा के विद्यालयों में विशिष्ट सहायता प्रदान करने के लिए किस योजना के तहत स्थापित किए जाते हैं?
(A) पीएम पोषण (PM POSHAN)
(B) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)
(C) रुसा (Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan - RUSA)
(D) टेक्युआईपी (Technical Education Quality Improvement Programme - TEQIP)

125. आप छात्र के IEP के संबंध में एक सामान्य शिक्षक और एक विशेष शिक्षक के बीच विवाद का प्रबंधन कर रहे हैं। सामान्य शिक्षक को लगता है कि समायोजन बहुत अधिक समय लेने वाले हैं। प्राचार्य के रुप में, आपका सबसे उपयुक्त निर्णय है:
(A) पाठों में समायोजन के सहयोगात्मक एकीकरण को सुगम बनाना।
(B) कार्यभार को आसान बनाने के लिए विशेष शिक्षक को समायोजन हटाने का निर्देश देना।
(C) छात्र को तुरंत दूसरे शिक्षण संस्थान में स्थानांतरित करना।
(D) माता-पिता को सूचित करना कि विद्यालय उनके बच्चे की आवश्यकताओं को समायोजित नहीं कर सकता है।

NODIA

(A) एसिड हमला पीड़ित – संवेदी क्षीणता (Sensory Impairment)
(B) विशिष्ट अधिगम अक्षमता – बौद्धिक अक्षमता (Intellectual Disability)
(C) बौनापन – दीर्घकालिक तंत्रिका संबंधी स्थिति (Chronic Neurological Condition)
(D) हीमोफिलिया – रक्त विकार (Blood Disorder)

58. आप एक प्राचार्य (Principal) हैं। एक शिक्षक रिपोर्ट करता है कि कक्षा III का एक छात्र सामान्य बुद्धिमत्ता के बावजूद शब्दों को डिकोड करने में अक्सर संघर्ष करता है, 'b' और 'd' जैसे अक्षरों को उल्टा करता है, और जोर से पढ़ना बेहद कष्टदायक पाता है। आपके लिए सबसे उपयुक्त प्रारंभिक कदम है:
(A) अधिगम अक्षमता जांच (Screening) के लिए विशेष शिक्षक (Special Educator) से परामर्श करना।
(B) छात्र को एक अतिरिक्त शैक्षणिक वर्ष के लिए कक्षा III में ही रोकना।
(C) माता-पिता को नियमित चिकित्सीय दृष्टि/श्रवण परीक्षाओं (Vision/Hearing Exams) की व्यवस्था करने की सलाह देना।
(D) छात्र को बौद्धिक रूप से अक्षम के रूप में वर्गीकृत करना और लक्ष्यों को संशोधित करना।

59. 'RCI' भारत में पुनर्वास और विशेष शिक्षा के क्षेत्र में पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विनियमित करने वाला एक वैधानिक निकाय है। RCI का पूर्ण रूप क्या है?
(A) रीजनल काउंसिल फॉर इंक्लूजन (Regional Council for Inclusion)
(B) भारतीय पुनर्वास परिषद (Rehabilitation Council of India - RCI)
(C) रिसोर्स सेंटर फॉर इम्पेयरमेंट्स (Resource Centre for Impairments)
(D) रिहैबिलिटेशन कमीशन ऑफ इंडिया (Rehabilitation Commission of India)

60. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): एक व्यक्तिगत शिक्षा योजना (Individualized Education Plan - IEP) केवल विशेष शिक्षक के लिए सुलभ होनी चाहिए।
कारण (R): इसमें गोपनीय चिकित्सा जानकारी होती है जिसकी सामान्य शिक्षा शिक्षकों को अपने पाठों को निष्पादित करने के लिए आवश्यकता नहीं होती है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

61. छात्र के IEP में उल्लिखित लक्ष्यों की ओर उसकी प्रगति के मूल्यांकन की प्रक्रिया कैसी होनी चाहिए?
(A) सतत और आवधिक, जिसमें कम से कम एक वार्षिक समीक्षा शामिल हो।
(B) स्कूली शिक्षा के अंत में एकल मूल्यांकन के रूप में आयोजित।
(C) विशेष रूप से मानकीकृत राज्य बोर्ड परीक्षा परिणामों से प्राप्त।
(D) संस्थागत इनपुट के बिना माता-पिता द्वारा स्वतंत्र रूप से निष्पादित।

62. मुख्यधारा की परीक्षा में दृष्टिबाधित शिक्षार्थी के लिए निम्नलिखित में से कौन सा एक उपयुक्त समायोजन नहीं है?
(A) एक अनुमोदित योग्य लेखक (Scribe) का प्रावधान।
(B) ब्रेल/बड़े प्रिंट में स्वरूपित परीक्षा पत्रों का प्रावधान।
(C) छात्र को वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने से छूट देना।
(D) अनिवार्य अतिरिक्त क्षतिपूर्ति परीक्षा समय देना।

63. ओरिएंटेशन और मोबिलिटी (Orientation and Mobility - O&M) प्रशिक्षण एक विशिष्ट अनुदेशात्मक क्षेत्र है जो विविध शिक्षार्थियों के किस समूह के लिए आवश्यक है?
(A) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर वाले शिक्षार्थी
(B) विशिष्ट अधिगम अक्षमता वाले शिक्षार्थी
(C) गंभीर श्रवण बाधा वाले शिक्षार्थी
(D) गंभीर दृष्टिबाधा वाले शिक्षार्थी

64. श्रवण-बाधित शिक्षार्थियों के लिए कक्षा का माहौल तैयार करते समय, किस दृश्य संकेत रणनीति (Visual Cueing Strategy) की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है?
(A) दृश्य इंद्रियों को उत्तेजित करने के लिए डिज़ाइन किए गए भारी पैटर्न वाले वॉलपेपर को लागू करना।
(B) समग्र दृश्य चमक को कम करने के लिए कम रोशनी वाले कक्षा स्थानों को बनाए रखना।
(C) विद्यालय की घंटियों या अलार्म के साथ समन्वयित फ्लैशिंग लाइट स्थापित करना।
(D) छात्र की बैठने की स्थिति को प्राकृतिक रोशनी से दूर रखना।

65. बधिर बच्चों की शिक्षा में 'साइन बायलिंग्वलिज्म' (Sign Bilingualism) शब्द का तात्पर्य है:
(A) बधिर बच्चों को दो अलग-अलग बोली जाने वाली सामुदायिक भाषाओं में निर्देश देना।
(B) मुख्य रूप से सांकेतिक भाषा (Sign Language) का और द्वितीयक रूप से लिखित भाषा का उपयोग करना।
(C) सांकेतिक भाषा के बिना केवल भाषण ओष्ठ-पठन (Lip-reading) पर निर्भर रहना।
(D) एक साथ दो अलग-अलग क्षेत्रीय सांकेतिक भाषा प्रणालियों का उपयोग करना।

66. निम्नलिखित शिक्षण रणनीतियों पर विचार कीजिए:
I. मूर्त उदाहरणों से पहले अमूर्त अवधारणाओं को प्रस्तुत

Downloaded from www.pdf.tube

134. किस योजना ने 'माध्यमिक स्तर पर दिव्यांगों के लिए समावेशी शिक्षा' (Inclusive Education for Disabled at Secondary Stage - IEDSS) को एक व्यापक ढांचे में शामिल करके प्रतिस्थापित किया?
(A) नवोदय विद्यालय योजना
(B) मध्याह्न भोजन योजना (Mid-Day Meal Scheme)
(C) कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya)
(D) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)

135. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): समावेशी शिक्षा के लिए विद्यालय प्रणाली से सभी विशेष शिक्षकों को हटाने की आवश्यकता होती है।
कारण (R): पूर्ण समावेश में, सामान्य शिक्षा शिक्षक बिना किसी विशेष सहायता के सभी छात्रों की विविध आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार होते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

136. एक बच्चे को 'सेरेब्रल पाल्सी' (Cerebral Palsy) का निदान किया जाता है। RPwD अधिनियम, 2016 के तहत, इस स्थिति को मोटे तौर पर किस श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है?
(A) दृष्टिबाधा (Visual Impairment)
(B) बौद्धिक अक्षमता (Intellectual Disability)
(C) लोकोमोटर दिव्यांगता (Locomotor Disability)
(D) दीर्घकालिक तंत्रिका संबंधी स्थिति (Chronic Neurological Condition)

137. निम्नलिखित में से किसे समावेशी शिक्षा के लिए एक पर्यावरणीय बाधा (Environmental Barrier) माना जाता है?
(A) विशिष्ट शिक्षण आवश्यकताओं वाले छात्रों के प्रति नकारात्मक शिक्षक दृष्टिकोण।
(B) राष्ट्रीय बोर्ड परीक्षा प्रणालियों के भीतर कठोर परिचालन संरचनाएं।
(C) सीखने की प्रक्रियाओं में अपर्याप्त अभिभावक भागीदारी और जुड़ाव।
(D) विद्यालय भवनों में रैंप, लिफ्ट और सुलभ शौचालयों की कमी।

138. एक समावेशी कक्षा में रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) आवश्यक है क्योंकि यह:
(A) विविध शिक्षार्थियों के लिए शिक्षण को समायोजित करने के लिए निरंतर प्रतिक्रिया प्रदान करता है।
(B) कॉलेज प्रवेश योग्यता के लिए छात्रों को व्यवस्थित रूप से रैंक करता है।
(C) अंतरराज्यीय शैक्षिक तुलनाओं के लिए मानकीकृत मेट्रिक्स प्रदान करता है।
(D) विद्यालय प्राचार्यों के समग्र प्रशासनिक प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है।

139. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर वाला छात्र अभिभूत महसूस करने पर कक्षा के दौरान 'स्टिमिंग' (Stimming - हाथ फड़फड़ाने जैसा आत्म-उत्तेजक व्यवहार) में संलग्न होता है। सबसे उपयुक्त शैक्षणिक दृष्टिकोण है:
(A) स्टिमिंग व्यवहार को दबाने के लिए छात्र को तुरंत दंडित करना।
(B) नियामक व्यवहार की अनुमति देना या सूक्ष्म संवेदी उपकरणों की ओर पुनर्दिशा देना।
(C) जब भी ऐसा हो छात्र को प्राचार्य के कार्यालय में भेजना।
(D) सार्वजनिक रूप से व्यवहार का मज़ाक उड़ाना ताकि शर्मिंदगी दिनचर्या को रोक सके।

140. निम्नलिखित में से कौन सा विभेदित अनुदेशन में एक 'विभेदित उत्पाद' (Differentiated Product) का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) सभी मूल्यांकन किए गए छात्रों को समान बहुविकल्पीय परीक्षा पत्र प्रशासित करना।
(B) सीखने को दिखाने के लिए निबंध, प्रस्तुतियाँ, या डायरैमा जैसे विकल्प प्रदान करना।
(C) वीडियो के माध्यम से दृश्य शिक्षार्थियों और व्याख्यानों के माध्यम से श्रवण शिक्षार्थियों को निर्देश देना।
(D) व्यक्तिगत पठन स्तरों से मेल खाने वाले विभिन्न पाठों को पढ़ने की छात्रों से अपेक्षा करना।

141. एक 'शैडो टीचर' (Shadow Teacher) या 'लर्निंग सपोर्ट असिस्टेंट' की भूमिका को सबसे सटीक रूप से इस प्रकार वर्णित किया गया है:
(A) कक्षा में पाठ्यचर्या पहुंच और व्यवहार के साथ CWSN का समर्थन करने वाला एक सहायक।
(B) एक स्थानापन्न शिक्षक जो शिक्षकों की अनुपस्थिति में कक्षा के कर्तव्यों का प्रबंधन करता है।
(C) एक मूल्यांकनकर्ता जो गुप्त रूप से सामान्य शिक्षक कक्षा अनुदेश का मूल्यांकन करता है।
(D) राज्य शिक्षा निदेशालय निकाय का प्रतिनिधित्व करने वाला एक आधिकारिक निरीक्षक।

NODIA

142. प्रतिभाशाली और मेधावी शिक्षार्थियों की पहचान पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. मानकीकृत आईक्यू परीक्षण बुद्धिमत्ता की पहचान करने का एकमात्र वैध तरीका है।
II. शिक्षक नामांकन और व्यवहारात्मक जांच-सूचियां पहचान के लिए मूल्यवान उपकरण हैं।
III. बुद्धिमत्ता अधिगम अक्षमता (Twice-Exceptional या 2e) के साथ सह-अस्तित्व में हो सकती है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III

II. अग्रिम में व्याख्यान की लिखित रुपरेखा प्रदान करना।
III. यह सुनिश्चित करना कि शिक्षक का चेहरा अच्छी तरह से प्रकाशित और स्पष्ट रुप से दिखाई दे रहा है।

इनमें से कौन से हल्के से मध्यम श्रवण बाधित शिक्षार्थी को लाभ पहुँचाते हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल II और III
(C) केवल I और II
(D) I, II और III

161. एक विद्यालय प्रशासन लैंगिक-संवेदनशील शिक्षाशास्त्र (Gender-Sensitive Pedagogy) पर अपनी नीतियों का मूल्यांकन करने का निर्णय लेता है। निम्नलिखित में से कौन सा निष्कर्ष तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता का संकेत देगा?
(A) लड़के और लड़कियाँ दोनों विद्यालय की वाद-विवाद टीम में समान रूप से भाग लेते हैं।
(B) शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम (Physical Education Curriculum) लड़कों के लिए क्रिकेट और लड़कियों के लिए शास्त्रीय नृत्य को अनिवार्य बनाता है।
(C) कैरियर परामर्श सत्र लिंग की परवाह किए बिना सभी छात्रों को STEM और मानविकी (Humanities) व्यवसायों की एक विस्तृत श्रृंखला से परिचित कराते हैं।
(D) विद्यालय पुस्तकालय में मजबूत पुरुष और महिला मुख्य पात्रों वाली पुस्तकें हैं।

162. RPwD अधिनियम, 2016 के तहत परिभाषित 'बहु-दिव्यांगता' (Multiple Disabilities) का तात्पर्य है:
(A) डिस्लेक्सिया और डिस्ग्राफिया जैसे बहुविध अधिगम अक्षमता प्रकार होना।
(B) विद्यालय में कई विषयों में शैक्षणिक परीक्षाओं में असफल होना।
(C) अस्थायी बीमारी के साथ-साथ अस्थायी शारीरिक चोटों का अनुभव करना।
(D) दो या दो से अधिक निर्दिष्ट दिव्यांगताओं का संयोजन प्रस्तुत करना।

163. एक समावेशी शिक्षा व्यवस्था में एक 'संसाधन शिक्षक' (Resource Teacher) की प्राथमिक भूमिका है:
(A) शिक्षकों के साथ सहयोग (Collaboration) करते हुए CWSN को विशिष्ट सहायता प्रदान करना।
(B) सामान्य कक्षा शिक्षकों को बदलना और पूरी तरह से निर्देश का नेतृत्व करना।
(C) समग्र संस्थागत वित्तीय आवंटन और वार्षिक बजट (Annual Budget) का प्रबंधन करना।
(D) व्यवहारात्मक मुद्दों वाले छात्रों के लिए सख्त अनुशासन नीतियों को लागू करना।

164. 'कार्यकारी कार्यप्रणाली' (Executive Functioning) की कठिनाइयाँ आमतौर पर निम्नलिखित में से किस विविध शिक्षार्थी प्रोफ़ाइल से जुड़ी हैं?
(A) प्रतिभाशाली और मेधावी शिक्षार्थी (2e के बिना)
(B) दृष्टिबाधा वाले शिक्षार्थी
(C) ADHD वाले शिक्षार्थी
(D) आर्थोपेडिक क्षीणता वाले शिक्षार्थी

165. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): दृष्टिहीन छात्र के लिए ब्रेल में पाठ्यपुस्तकें प्रदान करना पाठ्यचर्या संशोधन का एक उदाहरण है।
कारण (R): पाठ्यचर्या संशोधन (Curriculum Modification) बदलता है कि छात्र से क्या सीखने की अपेक्षा की जाती है, जबकि एक आवास (Accommodation) बदलता है कि छात्र सीखने तक कैसे पहुंचता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

166. एक कक्षा में, एक छात्र को 'वाक् और भाषा दिव्यांगता' (Speech and Language Disability - जैसे गंभीर हकलाना या वाक्घात) से ग्रस्त पहचाना जाता है। सबसे उपयुक्त समावेशी अभ्यास है:
(A) हकलाने की प्रवृत्तियों को दूर करने के लिए छात्र को तेजी से बोलने के लिए मजबूर करना।
(B) समूह मौखिक कार्य में भाग लेने से छात्र को पूरी तरह से छूट देना।
(C) कक्षा के दौरान साथियों के सामने छात्र की वाक् त्रुटियों को जोर से सुधारना।
(D) एक धैर्यवान, बिना जल्दबाजी वाले माहौल में छात्रों को पर्याप्त अभिव्यक्ति समय देना।

167. विशेष शिक्षा के 'पुल-आउट' (Pull-out Model) मॉडल की एक प्रमुख विशेषता निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) विशेष शिक्षक नियमित कक्षाओं में सामान्य शिक्षकों के साथ पढ़ाता है।
(B) छात्र दिन के हिस्से में संसाधन कक्ष (Resource Room) में आवधिक निर्देश प्राप्त करता है।
(C) छात्र अलग-अलग विशेष विद्यालयों (Special Schools) के भीतर सभी शैक्षणिक कक्षाओं में भाग लेता है।
(D) छात्र को बिना किसी विशेष सहायता के मुख्यधारा की व्यवस्था में रखा जाता है।

168. विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के छात्रों वाली एक समावेशी कक्षा का माहौल बनाने के लिए, एक शिक्षक को 'सांस्कृतिक रुप से प्रासंगिक शिक्षाशास्त्र' (Culturally Relevant Pedagogy) में संलग्न होना चाहिए। इसमें शामिल हैं:
(A) पूरे वर्ष संस्कृति की उपेक्षा करते हुए वार्षिक विविधता कार्यक्रमों का जश्न मनाना।
(B) सभी अल्पसंख्यक छात्रों से प्रमुख सांस्कृतिक मानदंडों में आत्मसात होने की अपेक्षा करना।

Click Here to Buy book on Flipkart

(A) सजातीय शैक्षणिक क्षमता ट्रैकिंग प्रणालियां (Ability Tracking Systems)
(B) विषम समूहों में सहकारी अधिगम (Cooperative Learning)
(C) समान क्षमता स्तरों द्वारा छात्रों को समूहित करना
(D) अलग-अलग शिक्षण ट्रैकों में पृथक्करण

152. 'पाठ्यचर्या संघनन' (Curriculum Compacting) मुख्य रूप से किसके लिए डिज़ाइन की गई रणनीति है:
(A) गंभीर बौद्धिक संज्ञानात्मक क्षीणता प्रस्तुत करने वाले शिक्षार्थी।
(B) पठन प्रवाह में विशिष्ट अधिगम अक्षमता वाले शिक्षार्थी।
(C) प्रतिभाशाली छात्र जिन्हें पहले से ही महारत हासिल सामग्री को संक्षिप्त करने की अनुमति है।
(D) वे शिक्षार्थी जो पुरानी बीमारी के कारण विस्तारित स्कूली शिक्षा से चूक गए।

153. एक छात्र की पहचान 'विशिष्ट अधिगम अक्षमता' (Specific Learning Disability) वाले के रूप में की जाती है। RPwD अधिनियम, 2016 के अनुसार, इस शब्द में निम्नलिखित में से किसे छोड़कर सभी शामिल हैं:
(A) डिस्लेक्सिया (Dyslexia)
(B) डिस्ग्राफिया (Dysgraphia)
(C) डिस्केल्कुलिया (Dyscalculia)
(D) बधिर-अंधता (Deafblindness)

154. प्राथमिक कक्षा में सहकर्मी समूह को व्हीलचेयर का उपयोग करने वाले एक नए छात्र के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए, सबसे विकासात्मक रूप से उपयुक्त गतिविधि है:
(A) व्हीलचेयर के उपयोग और पहुंच पर एक कहानी सत्र को सुगम बनाना।
(B) रीढ़ की हड्डी की चोटों से संबंधित तकनीकी चिकित्सा पत्रिकाओं को पढ़ना।
(C) छात्रों को चेतावनी देना कि व्हीलचेयर को छूने से निलंबन होगा।
(D) सभी छात्रों को व्हीलचेयर उपकरण का उपयोग करके पूरा दिन बिताने के लिए मजबूर करना।

155. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): विशेष आवश्यकता वाले छात्रों का मूल्यांकन किसी भी औपचारिक ग्रेडिंग या प्रमाणन से पूरी तरह से मुक्त होना चाहिए।
कारण (R): समावेशी मूल्यांकन (Inclusive Assessment) का उद्देश्य व्यक्तिगत प्रगति को मापना और उचित समायोजन प्रदान करना है, मानकों को समाप्त करना नहीं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

156. व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP) के संदर्भ में, 'शैक्षणिक उपलब्धि और कार्यात्मक प्रदर्शन के वर्तमान स्तर' (Present Levels of Academic Achievement and Functional Performance - PLAAFP) कथन का कार्य क्या है?
(A) अंतिम कैरियर विकल्पों और वयस्क व्यावसायिक मार्गों की सटीक भविष्यवाणी करना।
(B) बेसलाइन क्षमताओं और पाठ्यचर्या भागीदारी प्रभावों को स्थापित करना।
(C) छात्र द्वारा की गई पिछली नैदानिक चिकित्सा प्रक्रियाओं को सूचीबद्ध करना।
(D) पूर्व शिक्षण कर्मचारियों के प्रदर्शन और अनुदेशात्मक योजनाओं की आलोचना करना।

157. कौन सी सरकारी योजना विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा सहित समग्र सहायता प्रावधान को लक्षित करती है और पुरानी SSA, RMSA और TE योजनाओं को शामिल करती है?
(A) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)
(B) पीएम ई-विद्या (PM e-VIDYA)
(C) पीएम श्री (PM SHRI)
(D) रूसा (Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan - RUSA)

158. समावेशी शिक्षा में समुदाय आधारित पुनर्वास (Community-Based Rehabilitation - CBR) मॉडल किस पर जोर देते हैं?
(A) अलग-थलग विशिष्ट सुविधाओं में दिव्यांग व्यक्तियों को संस्थागत बनाना।
(B) अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सहायता और आयातित अनुकूलन योग्य प्रौद्योगिकियों पर निर्भर रहना।
(C) दिव्यांगता सहायता के लिए स्थानीय संसाधनों और सामुदायिक भागीदारी का उपयोग करना।
(D) दिव्यांग व्यक्तियों को व्यापक समाज से बचाने के लिए उन्हें अलग करना।

159. डिस्लेक्सिया वाले छात्र के लिए मूल्यांकन को संशोधित करते समय, निम्नलिखित में से कौन सा मूल्यांकन के 'स्वरूप' (Format) में आवास का एक उदाहरण है?
(A) छात्र को एक शांत अलग कमरे (Separate Room) के भीतर परीक्षा पूरी करने की अनुमति देना।
(B) परीक्षा पूरी करने के लिए तीस अतिरिक्त क्षतिपूर्ति मिनट देना।
(C) आवश्यक उत्तीर्ण ग्रेड अंकों को 40% से घटाकर 20% करना।
(D) ऑडियो प्रारूप या टेक्स्ट-टू-स्पीच (Text-to-Speech) सॉफ्टवेयर टूल्स के माध्यम से प्रश्न प्रदान करना।

160. निम्नलिखित कक्षा स्थितियों पर विचार कीजिए:
I. व्याख्यान के दौरान माइक्रोफोन और स्पीकर सिस्टम का उपयोग करना।

Downloaded from www.pdf.tube

177. दृष्टिबाधित शिक्षार्थी 'स्पर्शनीय' (Tactile) सीखने पर भारी निर्भर रहता है। इसका अर्थ किसके माध्यम से सीखना है:
(A) सुनना
(B) स्पर्श
(C) गंध
(D) स्वाद

178. 'इकोलालिया' (Echolalia - दूसरे व्यक्ति के बोले गए शब्दों का अर्थहीन दोहराव) एक ऐसी विशेषता है जो अक्सर किस प्रकार के बच्चों में देखी जाती है:
(A) विशिष्ट अधिगम अक्षमता (Specific Learning Disability)
(B) आर्थोपेडिक क्षीणता
(C) बुद्धिमत्ता / मेधावी होना
(D) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD)

179. CWSN के लिए सरकारी सहायता के संदर्भ में, 'राष्ट्रीय न्यास' (National Trust) की स्थापना किन व्यक्तियों के कल्याण के लिए की गई थी:
(A) ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक और बहु-दिव्यांगता।
(B) गंभीर दृष्टिबाधा और गंभीर श्रवण हानि की स्थितियां।
(C) गतिशीलता को प्रभावित करने वाली गंभीर शारीरिक लोकोमोटर दिव्यांगता।
(D) एसिड हमले से पीड़ित और बौनापन प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति।

180. IEP के विकास में निम्नलिखित चरणों पर विचार कीजिए:
I. पहचान और मूल्यांकन
II. वार्षिक लक्ष्यों और उद्देश्यों का प्रारुप तैयार करना
III. विशेष शिक्षा और संबंधित सेवाओं का निर्धारण करना
IV. समीक्षा और मूल्यांकन
इन चरणों का तार्किक क्रम क्या है?
(A) I, II, III, IV
(B) I, III, II, IV
(C) II, I, III, IV
(D) III, I, II, IV

181. परीक्षा के दौरान दिव्यांग छात्र को एक 'लेखक' (Scribe) प्रदान किया जाता है। लेखक के संबंध में मौलिक नियम यह है कि:
(A) लेखक स्पष्टीकरण दिए बिना केवल बोले गए उत्तरों को लिखता है।
(B) लेखकों के पास परीक्षा उम्मीदवारों की तुलना में उच्च शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए।
(C) लेखकों को सख्ती से छात्र के अपने विषय शिक्षकों में से चुना जाना चाहिए।
(D) श्रुतलेख के दौरान लेखकों को व्याकरण संबंधी गलतियों को सुधारने की अनुमति है।

182. निम्नलिखित में से कौन सा एक 'हाई-टेक' (High-Tech) सहायक उपकरण है?
(A) संवेदी विनियमन के लिए एक भारित बनियान (Weighted Vest)।
(B) लिखने के लिए एक तिरछा बोर्ड (Slant Board)।
(C) एक आवर्धक कांच (Magnifying Glass)।
(D) एक आई-गेज संचार प्रणाली (Eye-Gaze Communication System)।

NODIA

183. जब कोई शिक्षक 'निर्देशित नोट्स' (Guided Notes - व्याख्यान के दौरान भरी जाने वाली मुख्य अवधारणाओं के लिए रिक्त स्थानों के साथ रुपरेखा) प्रदान करता है, तो यह रणनीति मुख्य रूप से किन छात्रों को लाभ पहुँचाती है:
(A) गंभीर बौद्धिक संज्ञानात्मक दिव्यांगता वाले शिक्षार्थी।
(B) ADHD और प्रसंस्करण गति की कठिनाइयों वाले शिक्षार्थी।
(C) पूर्ण दृष्टिहीनता प्रस्तुत करने वाले शिक्षार्थी।
(D) श्रेष्ठ शैक्षणिक बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करने वाले शिक्षार्थी।

184. RPwD अधिनियम, 2016 के तहत, 'बेंचमार्क दिव्यांगता' (Benchmark Disability) को प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित निर्दिष्ट दिव्यांगता के कम से कम कितने प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है?
(A) 20%
(B) 30%
(C) 40%
(D) 50%

185. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रुप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (UDL) विशेष रूप से विशेष शिक्षा कक्षाओं के लिए बनाया गया एक दृष्टिकोण है।
कारण (R): UDL सिद्धांतों का उद्देश्य लचीले शिक्षण वातावरण बनाना है जो सभी व्यक्तिगत शिक्षण अंतरों को समायोजित करते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

186. RPwD अधिनियम, 2016 के तहत 'मानसिक बीमारी' (Mental Illness) को एक दिव्यांगता के रूप में मान्यता दी गई है। एक शैक्षणिक व्यवस्था में, गंभीर नैदानिक अवसादग्रस्तता विकार से पीड़ित छात्र को मुख्य रूप से किस रूप में समायोजन की आवश्यकता हो सकती है:
(A) लचीली उपस्थिति, विस्तारित असाइनमेंट समय सीमा, और मार्गदर्शन सहायता।
(B) संरचनात्मक व्हीलचेयर रैंप प्रतिष्ठान और स्पर्शनीय जमीनी मार्ग ट्रैक।
(C) बड़े प्रिंट वाली शिक्षण सामग्री के साथ स्पर्शनीय ब्रेल पठन पाठ्यपुस्तकें।

(C) दैनिक अनुदेशात्मक अभ्यास में विविध सांस्कृतिक दृष्टिकोणों को एकीकृत करना।
(D) केवल प्रमुख सामाजिक-सांस्कृतिक समूहों की ऐतिहासिक उपलब्धियों को पढ़ाना।

169. 'व्यवहार हस्तक्षेप योजना' (Behavior Intervention Plan - BIP) क्या है?
(A) छात्र अनुशासनात्मक उल्लंघनों को समान रूप से दंडित करने के लिए डिज़ाइन की गई प्रबंधन योजना।
(B) व्यवहारात्मक नियंत्रण के लिए मनोरोग दवाओं का विवरण देने वाला एक चिकित्सा नुस्खा।
(C) विघटनकारी छात्रों को विद्यालय से स्थायी रूप से बाहर करने की एक प्रशासनिक रणनीति।
(D) सकारात्मक प्रतिस्थापन व्यवहार सिखाने वाले कार्यात्मक मूल्यांकन पर आधारित योजना।

170. दिव्यांगता और शिक्षण रणनीतियों के निम्नलिखित संयोजनों पर विचार कीजिए:
I. बौद्धिक अक्षमता – कार्य विश्लेषण (Task Analysis) और मूर्त जोड़-तोड़ सामग्री
II. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर – दृश्य अनुसूचियां और अनुमानित दिनचर्या
III. ADHD – लंबे व्याख्यान और सख्त गतिहीनता
IV. दृष्टिबाधा – स्पर्शनीय ग्राफिक्स और ऑडियो सामग्री
ऊपर दिए गए जोड़ों में से कौन से सही सुमेलित हैं?
(A) I, II और IV
(B) I, III और IV
(C) II, III और IV
(D) I, II, III और IV

171. समावेश (Inclusion) मौलिक रूप से किसके बारे में है:
(A) विशेष रूप से दिव्यांग छात्रों के लिए समानांतर शैक्षिक प्रणालियों की स्थापना करना।
(B) एक ऐसी विद्यालय संस्कृति को बढ़ावा देना जहाँ सभी बच्चे मूल्यवान और समर्थित महसूस करें।
(C) उच्च समग्र उत्तीर्ण दरों की गारंटी के लिए शैक्षणिक मानक बेंचमार्क को कम करना।
(D) रैंप जैसे भौतिक बुनियादी ढांचे के संशोधनों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करना।

172. एक विद्यालय प्राचार्य ध्यान देता है कि एक विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समुदाय के छात्रों की एक असमान संख्या को 'बौद्धिक अक्षमता' के रूप में लेबल किया जा रहा है। इस घटना के लिए प्राचार्य को किसकी जांच करने की आवश्यकता है:
(A) स्थानीय समुदायों के भीतर उभरते हुए अस्पष्टीकृत जैविक आनुवंशिक उत्परिवर्तन।
(B) उपयोग किए जा रहे मानकीकृत बुद्धिमत्ता जांच परीक्षणों में सांस्कृतिक पूर्वाग्रह।
(C) सामुदायिक आवश्यकताओं के लिए नई विशिष्ट पृथक्कृत सुविधाओं का निर्माण करना।
(D) विद्यालय नीतियों से सभी औपचारिक छात्र शैक्षणिक जांच उपकरणों को हटाना।

173. 'शब्द भविष्यवाणी सॉफ्टवेयर' (Word Prediction Software) जैसी सहायक प्रौद्योगिकी (Assistive Technology) मुख्य रूप से किसके साथ संघर्ष कर रहे शिक्षार्थी के लिए फायदेमंद है:
(A) डिस्ग्राफिया या गंभीर वर्तनी की कमियां
(B) गंभीर श्रवण बाधा चुनौतियाँ
(C) शारीरिक लोकोमोटर गतिशीलता क्षीणता
(D) महत्वपूर्ण दृष्टि संवेदी क्षीणता

174. 'अंतर-अनुभागीयता' (Intersectionality) की अवधारणा का तात्पर्य है कि हाशिए की जाति से संबंधित दिव्यांग बालिका:
(A) विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि वाले दिव्यांग लड़कों के समान संरचनात्मक बाधाओं का सामना करती है।
(B) लिंग और जाति के मुद्दों की उपेक्षा करते हुए विशेष रूप से दिव्यांगता सहायता को प्राथमिकता देती है।
(C) अद्वितीय यौगिक बाधाओं का अनुभव करती है जिसके लिए समग्र समावेशी विद्यालय सहायता की आवश्यकता होती है।
(D) केवल हाशिए की जातियों की दिव्यांग लड़कियों के लिए बने विशेष विद्यालयों की आवश्यकता होती है।

175. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) केवल संघर्ष कर रहे शिक्षार्थियों पर केंद्रित है।
कारण (R): प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों को किसी विभेदन की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि वे पहले से ही मानक पाठ्यक्रम में आसानी से महारत हासिल कर सकते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

176. निम्नलिखित में से कौन सा 'डिस्प्रेक्सिया' (Dyspraxia) को सबसे अच्छा परिभाषित करता है?
(A) गणितीय संख्यात्मक तर्क और तर्क अवधारणाओं को समझने में असमर्थता।
(B) कक्षा की व्यवस्था में गंभीर भावनात्मक और व्यवहारात्मक विनियमन समस्याएं।
(C) मोटर योजना और शारीरिक समन्वय के साथ तंत्रिका संबंधी कठिनाई।
(D) शारीरिक रेटिना क्षति के परिणामस्वरूप दृश्य जानकारी को संसाधित करने में असमर्थता।

Click Here to Buy book on Amazon

195. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): लैंगिक-संवेदनशील शिक्षाशास्त्र के लिए लड़कों और लड़कियों को पूरी तरह से अलग बौद्धिक संस्थाओं के रूप में व्यवहार करने की आवश्यकता होती है।
कारण (R): शोध साबित करता है कि लड़के स्वाभाविक रूप से तर्क में और लड़कियाँ स्वाभाविक रूप से सहानुभूति में उत्कृष्ट होती हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

196. समग्र शिक्षा योजना के तहत 'CWSN' घटक दिव्यांग लड़कियों को वजीफा (Stipend) प्रदान करता है। इस वजीफे का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) परिवारों के लिए लक्जरी घरेलू सामान खरीदने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।
(B) विशेष शिक्षा शिक्षकों के लिए आधिकारिक वेतन वितरण का वित्तपोषण करना।
(C) दिव्यांग लड़कियों के लिए स्कूल में नामांकन और प्रतिधारण (Retention) को प्रोत्साहित करना।
(D) वार्षिक विद्यालय सांस्कृतिक समारोह खर्चों और घटना प्रबंधन का वित्तपोषण करना।

197. एक शैक्षणिक रणनीति जो 'स्मरणकारकों' (Mnemonics) का उपयोग करती है, विशिष्ट अधिगम अक्षमता (जैसे डिस्लेक्सिया) वाले छात्रों के लिए अत्यधिक प्रभावी है क्योंकि यह:
(A) संरचित परिवर्णी शब्द (Acronyms) या तुकबंदी का उपयोग करके कार्यशील स्मृति और पुनर्प्राप्ति का समर्थन करती है।
(B) सभी शैक्षणिक विषय क्षेत्रों में छात्र पठन आवश्यकताओं को समाप्त करती है।
(C) जब भी छात्र ऐतिहासिक या वैज्ञानिक तथ्यों को भूल जाते हैं तो उन्हें दंडित करती है।
(D) मुख्य अवधारणाओं को संसाधित करने के लिए उन्नत गणितीय गणनाओं की आवश्यकता होती है।

198. एक समावेशी कक्षा 'लचीले समूहन' (Flexible Grouping) का उपयोग करती है। इसका अर्थ है:
(A) शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में निर्धारित निश्चित आईक्यू स्कोर द्वारा छात्रों को समूहित करना।
(B) कक्षा के कार्यों में छात्रों को विशेष रूप से करीबी दोस्तों के साथ समूहित करना।
(C) कक्षा में सहकर्मी समूह कार्य गतिविधियों में संलग्न होने से छात्रों को रोकना।
(D) कार्य तत्परता और रुचियों के आधार पर छात्रों को गतिशील रूप से पुनर्गठित करना।

199. AAC (Augmentative and Alternative Communication) उपकरण का उपयोग करने वाले गंभीर वाक् विकार वाले शिक्षार्थी का समर्थन करने के लिए, शिक्षक को चाहिए:
(A) कीमती कक्षा समय बचाने के लिए छात्र की ओर से प्रश्नों का उत्तर देना।
(B) छात्र द्वारा उपकरण प्रतिक्रियाओं को शांतिपूर्वक तैयार करने का धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करना।
(C) बोले गए संचार पर सख्ती से जोर देते हुए उपकरण के उपयोग को हतोत्साहित करना।
(D) अजीब चुप्पी से बचने के लिए कक्षा चर्चाओं के दौरान छात्र की उपेक्षा करना।

200. विद्यालय स्तर पर एक समावेशी शिक्षा नीति की सफलता का मूल्यांकन करने में, प्राचार्य को मुख्य रूप से किस पर ध्यान देना चाहिए:
(A) विशेष विद्यालयों में सफलतापूर्वक स्थानांतरित किए गए दिव्यांग छात्रों की संख्या।
(B) विशेष शिक्षक संकाय को काम पर रखने से बचने के द्वारा बचाई गई कुल शुद्ध निधि।
(C) सभी छात्रों के लिए शैक्षणिक/सामाजिक परिणाम और पहुंच संबंधी बाधाओं को हटाना।
(D) भवन की भौतिक कॉस्मेटिक उपस्थिति और बाहरी वास्तुकला।

www.nodia.in

NODIA

(D) विशिष्ट श्रवण यंत्र उपकरण और योग्य सांकेतिक भाषा दुभाषिए।

187. निम्नलिखित में से कौन सा 'समावेशी मूल्यांकन' (Inclusive Assessment) का सिद्धांत नहीं है?
(A) निरंतर विविध मूल्यांकन विधियों का उपयोग करके छात्र सीखने की प्रगति का मूल्यांकन करना।
(B) समान परिस्थितियों की गारंटी के लिए कठोर एकल-प्रारूप योगात्मक परीक्षणों का उपयोग करना।
(C) व्यक्तिगत शिक्षण विकास और वैचारिक महारत की प्रगति पर ध्यान केंद्रित करना।
(D) छात्र के IEP दस्तावेज़ में परिभाषित विशिष्ट परीक्षण समायोजन प्रदान करना।

188. गंभीर व्यवहारात्मक चुनौतियों वाले शिक्षार्थियों से निपटने में, विद्यालय प्रशासन का ध्यान दंडात्मक उपायों से हटकर किस पर केंद्रित होना चाहिए:
(A) शैक्षणिक संस्थान से तत्काल निष्कासन और स्थायी रूप से हटाना।
(B) पुनर्स्थापनात्मक प्रथाएं और सकारात्मक व्यवहारात्मक हस्तक्षेप सहायता (Positive Behavioral Interventions and Supports - PBIS)।
(C) अपराधी व्यवहारों के लिए विशिष्ट कक्षाओं में प्रणालीगत पृथक्करण (Systemic Segregation)।
(D) कक्षा में शारीरिक दंड और सख्त शारीरिक अनुशासन तकनीकें।

189. डिस्केल्कुलिया वाले छात्र को निम्नलिखित में से किस कार्य में सबसे अधिक कठिनाई होने की संभावना है?
(A) भिन्न अवधारणाओं को समझना और एनालॉग समय बताना।
(B) जटिल काव्यात्मक छंदों को याद करना और जोर से सुनाना।
(C) जलरंग माध्यमों का उपयोग करके परिदृश्य दृश्यों को चित्रित करना।
(D) गेंदों को फेंकने और पकड़ने के लिए शारीरिक गतिविधियों का समन्वय करना।

190. समावेशी शिक्षा में माता-पिता की भूमिका पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. माता-पिता को अपने बच्चे के IEP के संबंध में विद्यालय के निर्णयों का निष्क्रिय प्राप्तकर्ता होना चाहिए।
II. माता-पिता IEP बनाने वाली बहुविषय टीम (Multidisciplinary Team) में समान भागीदार हैं।
III. एक समावेशी समुदाय का निर्माण करने के लिए अभिभावक संवेदीकरण (Parent Sensitization) महत्वपूर्ण है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

191. एक समावेशी विद्यालय में एक 'संवेदी कक्ष' (Sensory Room) किसके लिए डिज़ाइन किया गया है:
(A) कक्षा सेटिंग्स (Classroom Settings) में दुर्व्यवहार प्रदर्शित करने वाले छात्रों को अलग करना और दंडित करना।
(B) अतिरिक्त प्रयोगशाला उपकरण और वैज्ञानिक अनुसंधान उपकरण सुरक्षित रूप से संग्रहीत करना।
(C) स्कूली छात्रों के लिए नियमित औपचारिक चिकित्सा स्वास्थ्य परीक्षाएं आयोजित करना।
(D) छात्र संवेदी डी-एस्केलेशन (Sensory De-escalation) आवश्यकताओं में सहायता के लिए नियंत्रित उपकरण प्रदान करना।

192. प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों के लिए 'संवर्धन' (Enrichment) की अवधारणा में शामिल हैं:
(A) साथियों से आगे शैक्षणिक ग्रेड स्तरों के माध्यम से प्रतिभाशाली छात्रों को तेजी से बढ़ावा देना।
(B) छात्रों को कई बार समान मानक कार्यपत्रक पूरा करने की आवश्यकता होना।
(C) मानक कोर पाठ्यक्रम से परे गहरे विषय सीखने के अनुभव प्रदान करना।
(D) कक्षा के समय के दौरान साथियों के पत्रों की ग्रेडिंग जैसे प्रशासनिक कर्तव्य सौंपना।

193. 'बधिर-अंधता' (Deafblindness) एक अनूठी दिव्यांगता है क्योंकि:
(A) यह मुख्य रूप से दृश्य धारणा क्षीणता के एक गंभीर रूप के रूप में प्रकट होती है।
(B) संयुक्त संवेदी हानि ऐसी आवश्यकताएं पैदा करती है जो केवल बधिर या केवल दृष्टिहीन सेटअप के लिए अनुपयुक्त हैं।
(C) यह मुख्य रूप से श्रवण प्रसंस्करण हानि के एक गंभीर रूप के रूप में प्रकट होती है।
(D) यह केवल व्यक्तिगत शारीरिक मोटर गतिशीलता और स्थानिक अभिविन्यास को प्रभावित करती है।

194. आप RPwD अधिनियम के अनुपालन के लिए विद्यालय के बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन कर रहे हैं। दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए सीढ़ियों को सुगम बनाने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता आवश्यक है?
(A) चमकदार, उच्च-प्रतिबंधक सतह पॉलिश फिनिश का उपयोग करके सीढ़ी के चरणों को चित्रित करना।
(B) उपलब्ध चलने की जगह को अधिकतम करने के लिए साइड हैंडरेल को पूरी तरह से हटाना।
(C) तेज दृश्य चमक को कम करने के लिए सीढ़ियों के साथ मंद रोशनी बनाए रखना।
(D) सीढ़ी के चरणों के किनारों पर स्पर्शनीय ग्राउंड स्टड और विपरीत रंगों को स्थापित करना।

Downloaded from www.pdf.tube

(C) I और III
(D) I, II और III

143. 'द्वि-अपवादात्मक' (Twice-Exceptional - 2e) शिक्षार्थी वे छात्र हैं जो:
(A) असाधारण रूप से उच्च बुद्धिमत्ता के कारण दो ग्रेड स्तर छोड़ते हैं।
(B) दो अलग-अलग निदान की गई शारीरिक दिव्यांगताओं के साथ प्रस्तुत होते हैं।
(C) दो भाषाओं में धाराप्रवाह द्विभाषी दक्षता प्रदर्शित करते हैं।
(D) प्रतिभाशाली के रूप में पहचाने जाते हैं जिनके पास एक निदान की गई दिव्यांगता भी होती है।

144. भाषाई विविधता को संबोधित करते समय, एक ऐसा दृष्टिकोण जो अंग्रेजी सीखने के लिए बच्चे की घरेलू भाषा को दूर की जाने वाली समस्या के रूप में देखता है, कहलाता है:
(A) योगात्मक द्विभाषावाद दृष्टिकोण (Additive Bilingualism Perspective)
(B) सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी दृष्टिकोण (Culturally Responsive Perspective)
(C) घाटा दृष्टिकोण (Deficit Perspective)
(D) सार्वभौमिक डिज़ाइन दृष्टिकोण (Universal Design Perspective)

145. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 पूरे देश में भारतीय सांकेतिक भाषा (Indian Sign Language - ISL) के उपयोग की सिफारिश करती है।
कारण (R): मानक ISL को बढ़ावा देने के लिए, श्रवण बाधित छात्रों द्वारा उपयोग के लिए राष्ट्रीय और राज्य पाठ्यचर्या सामग्री विकसित की जानी है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

146. 'अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन' (UDL) सार्वभौमिक डिज़ाइन की वास्तुकला अवधारणा से उत्पन्न हुआ है। वास्तुकला में, सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design) का तात्पर्य है:
(A) विशेष रूप से व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं की पहुंच आवश्यकताओं के लिए भवनों को डिजाइन करना।
(B) दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अलग प्रवेश द्वारों के साथ पुरानी संरचनाओं को फिर से तैयार करना।
(C) पूरे शहर में एकसमान, समान भौतिक भवन डिजाइनों का निर्माण करना।
(D) विशेष अनुकूलन की आवश्यकता के बिना सभी लोगों द्वारा उपयोग योग्य उत्पादों को डिजाइन करना।

147. एक प्राचार्य विद्यालय का दौरा करता है और ध्यान देता है कि पुस्तकालय में किताबों की अलमारियां हैं जो व्हीलचेयर वाले छात्रों के लिए बहुत ऊंची हैं और दृष्टिबाधित छात्रों के लिए कोई ऑडियो पुस्तकें नहीं हैं। यह किसमें विफलता का प्रतिनिधित्व करता है:
(A) सुलभ, समावेशी शिक्षण वातावरण प्रदान करना।
(B) कठोर शैक्षणिक छात्र ट्रैकिंग प्रणालियों को लागू करना।
(C) मानकीकृत शैक्षिक परीक्षण मूल्यांकन आयोजित करना।
(D) सटीक संस्थागत वित्तीय लेखा परीक्षा बनाए रखना।

148. निम्नलिखित में से कौन सी स्थिति RPwD अधिनियम, 2016 में 'शारीरिक दिव्यांगता - लोकोमोटर दिव्यांगता' के तहत वर्गीकृत है?
(A) विशिष्ट अधिगम अक्षमता (Specific Learning Disability)
(B) अंधापन (Blindness)
(C) कुष्ठ रोग मुक्त व्यक्ति (Leprosy Cured Person)
(D) मानसिक बीमारी (Mental Illness)

NODIA

149. आप एक नई, जटिल अवधारणा पेश करने वाले शिक्षक हैं। बौद्धिक अक्षमता वाले शिक्षार्थियों का समर्थन करने के लिए, आपको चाहिए:
(A) समझ के लिए मूर्त, वास्तविक जीवन के उदाहरणों और जोड़-तोड़ सामग्री का उपयोग करना।
(B) पाठ्यक्रम को जल्दी पूरा करने के लिए अनुदेशात्मक वितरण गति को तेज करना।
(C) व्यावहारिक उदाहरण पेश करने से पहले अमूर्त सिद्धांतों से शुरुआत करना।
(D) यह मान लेना कि सीखना असंभव है और उन्हें पाठ से छूट देना।

150. कक्षा में सामाजिक-आर्थिक विविधता (Socio-Economic Diversity) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. शोध लगातार कम सामाजिक-आर्थिक स्थिति और निम्न शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक संबंध दिखाता है, जो अक्सर संसाधनों की कमी के कारण होता है।
II. इस अंतर को पाटने के लिए समावेशी विद्यालयों को शिक्षण सामग्री तक न्यायसंगत पहुंच प्रदान करनी चाहिए।
III. सामाजिक-आर्थिक स्थिति सख्ती से बच्चे की जन्मजात संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता को निर्धारित करती है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

151. किस शैक्षणिक रणनीति में विभिन्न क्षमताओं के छात्रों को एक साथ समूहित करना शामिल है ताकि वे एक-दूसरे से सीख सकें और एक-दूसरे का समर्थन कर सकें?

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) अपने इलाके के छात्रों की विविधता (Diversity) का जवाब देने के लिए विद्यालयों में संस्कृति, नीतियों और प्रथाओं का पुनर्गठन करना।
समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) का मौलिक सिद्धांत विद्यालयी वातावरण के व्यापक पुनर्गठन पर आधारित है। यह दृष्टिकोण केवल छात्रों को व्यवस्था में समायोजित करने के बजाय संस्थागत नीतियों, सांस्कृतिक मूल्यों और शिक्षण प्रथाओं में रुपान्तरण सुनिश्चित करता है। इससे प्रत्येक शिक्षार्थी की व्यक्तिगत आवश्यकताओं, सामाजिक पृष्ठभूमि तथा विविध क्षमताओं का सम्मान करते हुए गुणवत्तापूर्ण अधिगम वातावरण (Learning Environment) निर्मित होता है।

2. (D) दिव्यांग छात्र को यथासंभव अधिकतम उपयुक्त सीमा तक गैर-दिव्यांग साथियों (Peers) के साथ शिक्षित किया जाना चाहिए।
न्यूनतम प्रतिबंधात्मक वातावरण (Least Restrictive Environment) का सिद्धांत यह अनिवार्य करता है कि विशिष्ट आवश्यकताओं वाले शिक्षार्थियों को पृथक करने के बजाय सामान्य शिक्षा कक्षाओं में पढ़ाया जाए। यह ढांचा सुनिश्चित करता है कि शिक्षार्थी को केवल आवश्यक सीमा तक ही पूरक सहायता दी जाए, जिससे उनका सामाजिक एकीकरण (Social Integration) और सहकर्मी अंतःक्रिया (Peer Interaction) का अवसर अधिकतम बना रहे।

3. (C) A सही है लेकिन R गलत है
समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) एक प्रणालीगत सुधार की मांग करती है जहाँ विद्यालय पर्यावरण, पाठ्यचर्या और शिक्षण विधियों में बदलाव किया जाता है। इसके विपरीत, समाकलन (Integration) में छात्र से मौजूदा विद्यालय प्रणाली के अनुकूल ढलने की अपेक्षा की जाती है। अतः समाकलन प्रणाली केंद्रित नहीं बल्कि छात्र-समायोजन केंद्रित होता है, जिससे संबंधित कारण का कथन अवधारणात्मक रुप से असत्य हो जाता है।

4. (C) दिव्यांगता के आधार पर किसी भी बच्चे को पड़ोस के विद्यालय (Neighborhood School) में प्रवेश से वंचित नहीं किया नहीं जा सकता है।
शून्य अस्वीकृति (Zero Reject) का सिद्धांत शैक्षिक अधिकार ढाँचे का एक स्तंभ है। यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी बच्चे को उसकी दिव्यांगता (Disability) की गंभीरता या प्रकार के आधार पर पड़ोस के विद्यालय (Neighborhood School) में प्रवेश देने से इंकार न किया जाए। यह नीति सभी बालकों के लिए समान शैक्षणिक अवसरों की गारंटी प्रदान करती है।

5. (A) दिव्यांगता समाज द्वारा निर्मित प्रणालीगत बाधाओं (Systemic Barriers), नकारात्मक दृष्टिकोणों और बहिष्कार से उत्पन्न होती है।
दिव्यांगता का सामाजिक मॉडल (Social Model) यह प्रतिपादित करता है कि अक्षमता व्यक्ति के जैविक दोष में नहीं, बल्कि पर्यावरणीय और सामाजिक बाधाओं (Systemic Barriers) में निहित है। यह दृष्टिकोण भौतिक अप्रवेश्यता, नकारात्मक दृष्टिकोण और बहिष्कारी प्रथाओं को दिव्यांगता का मुख्य कारण मानता है। इसलिए शैक्षणिक सुधारों का मुख्य ध्यान सामाजिक वातावरण को सुगम बनाने पर केंद्रित रहता है।

6. (A) I और II
समाकलन (Integration) में बालक से विद्यालय की पूर्व-निर्धारित संरचना के अनुकूल होने की अपेक्षा की जाती है। इसके विपरीत, समावेश (Inclusion) यह स्वीकार करता है कि प्रत्येक बालक का सामान्य कक्षा में अध्ययन करना मौलिक अधिकार है। अमूल-चूल संस्थागत पुनर्गठन की आवश्यकता समावेशी शिक्षा ढाँचे में होती है न कि समाकलन प्रक्रिया में, इसलिए प्रथम और द्वितीय कथन पूर्णतः तर्कसंगत हैं।

7. (B) समाकलन (Integration)
जब विशेष आवश्यकता वाले शिक्षार्थियों को मुख्यधारा के विद्यालयों में भौतिक स्थान प्रदान किया जाता है, किंतु मुख्य शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों से दूर पृथक संसाधन कक्ष (Resource Room) में रखा जाता है, तो यह समाकलन (Integration) को दर्शाता है। पूर्ण समावेश में छात्र सभी सामान्य गतिविधियों और पाठ्यचर्या में बिना किसी अलगाव के पूर्णतः एकीकृत होकर सहभागिता करते हैं।

8. (C) 21
दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (Rights of Persons with Disabilities Act), 2016 ने पूर्ववर्ती 1995 के अधिनियम की 7 श्रेणियों का विस्तार करते हुए कुल 21 स्थितियों को निर्दिष्ट दिव्यांगता (Specified Disabilities) के रूप में कानूनी मान्यता प्रदान की है। इसमें एसिड हमला पीड़ित, बौनापन, पार्किंसंस रोग और विशिष्ट अधिगम अक्षमताएं जैसी नई श्रेणियों को शामिल करके अधिकार क्षेत्र बढ़ाया गया है।

9. (D) प्रत्येक पड़ोसी समुदाय व्यवस्था में अलग विशेष विद्यालय (Special Schools) स्थापित करना।
अधिनियम की धारा 16 शैक्षणिक संस्थानों को बिना भेदभाव के प्रवेश देने, सुगम भौतिक बुनियादी ढांचा (Accessible Infrastructure) तैयार करने और व्यक्तिगत आवश्यकतानुसार उचित आवास (Reasonable Accommodation) प्रदान करने का निर्देश देती है। अलग विशेष विद्यालयों (Special

Click Here to Buy book on Flipkart

Schools) की स्थापना करना इस धारा का अनिवार्य दायित्व नहीं है, क्योंकि अधिनियम मुख्यधारा के समावेशी विद्यालयों के सशक्तिकरण पर केंद्रित है।

10. (A) बच्चे को प्रवेश दें, शिक्षकों की क्षमता का निर्माण करें और उचित समायोजन (Appropriate Accommodations) प्रदान करें।
समावेशी शिक्षा ढाँचे के अंतर्गत किसी भी बच्चे को शिक्षण कर्मचारियों के प्रशिक्षण की कमी का हवाला देकर प्रवेश से वंचित नहीं किया जा सकता। प्रशासनिक स्तर पर सबसे उपयुक्त कदम बच्चे का तत्काल नामांकन सुनिश्चित करना, शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास (Professional Development) कार्यक्रमों का आयोजन करना और विशिष्ट अधिगम अक्षमता हेतु आवश्यक अनुदेशात्मक अनुकूलन प्रदान करना है।

11. (B) थैलेसीमिया (Thalassemia)
दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत रक्त विकारों (Blood Disorders) की श्रेणी में थैलेसीमिया (Thalassemia), सिकल सेल रोग (Sickle Cell Disease) और हीमोफिलिया (Hemophilia) को शामिल किया गया है। मल्टीपल स्केलेरोसिस और पार्किंसंस रोग दीर्घकालिक तंत्रिका संबंधी स्थितियों में आते हैं, जबकि मस्कुलर डिस्ट्रॉफी को शारीरिक अक्षमता (Locomotor Disability) के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

12. (B) निरंतर दैनिक अवलोकन के माध्यम से सामान्य कक्षा शिक्षक (General Classroom Teacher)
विद्यालयीय परिवेश में प्रारंभिक जांच (Screening) की मुख्य जिम्मेदारी सामान्य कक्षा शिक्षक (General Classroom Teacher) की होती है। शिक्षक दैनिक शिक्षण, व्यवहार और गतिविधियों के निरंतर अवलोकन (Continuous Observation) द्वारा अधिगम कठिनाइयों या विकासात्मक देरी के शुरुआती संकेतों की पहचान करता है। तत्पश्चात विस्तृत नैदानिक मूल्यांकन (Clinical Assessment) हेतु विशेषज्ञों के पास संदर्भ भेजा जाता है।

13. (A) व्यवहारात्मक और शैक्षणिक संकेतकों के लिए जांच-सूची (Checklists)
भारतीय विद्यालयी परिवेश में अधिगम कठिनाइयों की शुरुआती पहचान के लिए व्यवहार संबंधी और शैक्षणिक संकेतकों पर आधारित जांच-सूची (Checklists) का प्राथमिक उपकरण के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह अनौपचारिक प्रारंभिक प्रक्रिया शिक्षकों को शिक्षार्थी की विशिष्ट चुनौतियों को चिह्नित करने में मदद करती है, जिससे समय पर गहन मनोवैज्ञानिक या नैदानिक मूल्यांकन हेतु मार्गदर्शन किया जा सके।

14. (C) एक व्यक्तिगत शिक्षा योजना (Individualized Education Plan - IEP) विकसित करना।
मुख्यधारा के विद्यालय में विशेष आवश्यकता वाले शिक्षार्थी की पहचान होने के उपरांत सर्वाधिक महत्वपूर्ण अगला कदम व्यक्तिगत शिक्षा योजना (Individualized Education Plan) का निर्माण करना है। यह योजना छात्र की वर्तमान शैक्षणिक स्थिति, विशिष्ट अधिगम लक्ष्यों, आवश्यक अनुकूलनों और पूरक सहायता सेवाओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है ताकि समावेशी शिक्षण सुगम हो सके।

NODIA

15. (D) A गलत है लेकिन R सही है
व्यक्तिगत शिक्षा योजना (Individualized Education Plan) एक गतिशील और लचीला दस्तावेज़ है, जिसे छात्र की प्रगति के अनुसार वर्ष भर समय-समय पर समीक्षित और संशोधित किया जाता है, इसलिए इसे स्थिर मानना गलत है। यह दस्तावेज़ छात्र के लिए वार्षिक लक्ष्य, वर्तमान निष्पादन स्तर और आवश्यक पूरक सहायता सेवाओं को निर्दिष्ट करता है, जिससे कारण कथन सत्य है।

16. (C) छात्र द्वारा प्राप्त किए जाने वाले सटीक ग्रेड की गारंटी।
व्यक्तिगत शिक्षा योजना (Individualized Education Plan) में छात्र की शैक्षणिक उपलब्धि के वर्तमान स्तर, मापन योग्य वार्षिक लक्ष्यों तथा दी जाने वाली विशेष सेवाओं का विवरण शामिल होता है। इसमें छात्र द्वारा किसी सटीक अंक या परीक्षा ग्रेड प्राप्ति की गारंटी शामिल नहीं होती, क्योंकि यह अधिगम प्रक्रिया और सहायता ढाँचे पर केंद्रित होती है।

17. (B) जिला मजिस्ट्रेट (District Magistrate)
व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP) तैयार करने वाली बहुविषय टीम (Multidisciplinary Team) में सामान्य शिक्षा शिक्षक, विशेष शिक्षा शिक्षक, माता-पिता, संबंधित चिकित्सक तथा स्वयं छात्र शामिल होते हैं। जिला मजिस्ट्रेट एक प्रशासनिक अधिकारी होते हैं और शैक्षणिक योजनाओं के निर्माण तथा निष्पादन की प्रत्यक्ष बहुविषयक टीम का हिस्सा नहीं होते हैं।

18. (D) दृश्य सामग्री के लिए स्पर्शनीय मॉडल (Tactile Models) और मौखिक विवरण का उपयोग करना।
गंभीर दृष्टिबाधित शिक्षार्थियों के लिए सबसे प्रभावी शिक्षण रणनीति स्पर्शनीय मॉडलों (Tactile Models), ब्रेल सामग्रियों और विस्तृत मौखिक विवरणों का उपयोग करना है। बहु-संवेदी उपागम (Multisensory Approach) के माध्यम से पाठ्य-सामग्री को सुगम बनाकर शिक्षार्थी की विषय-वस्तु तक पहुँच सुनिश्चित की जाती है, जो केवल दृश्य या श्यामपट्ट आधारित शिक्षण से संभव नहीं है।

19. (A) उच्च दृश्य विपरीतता (Visual Contrast) के साथ बड़े-प्रिंट की सामग्री प्रदान करनी चाहिए।
अल्पदृष्टि (Low Vision) वाले शिक्षार्थियों के लिए सबसे उपयुक्त शैक्षणिक हस्तक्षेप बड़े-प्रिंट की पाठ्य-सामग्री (Large-Print Materials) और उच्च दृश्य विपरीतता (High Visual Contrast) वाले शिक्षण संसाधनों का प्रावधान है। यह समायोजन शिक्षार्थी की अवशिष्ट दृष्टि (Residual Vision) का अधिकतम उपयोग करने में सहायता करता है और उन्हें सामान्य कक्षा पाठ्यचर्या से जोड़े रखता है।

20. (B) I और III
श्रवण-बाधित शिक्षार्थियों के शिक्षण हेतु बोलते समय छात्र की ओर मुख करना अनिवार्य है ताकि ओष्ठ-पठन (Lip-reading) सुगम हो सके। इसके अतिरिक्त दृश्य साधनों (Visual Aids) और लिखित निर्देशों का प्रयोग अधिगम को प्रभावी बनाता है। अत्यधिक कृत्रिम रूप से धीमी गति से बोलना या मुंह की गतियों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना ओष्ठ-पठन में बाधा उत्पन्न करता है।

21. (A) गूंज और परिवेशी शोर को कम करके कमरे की ध्वनि (Acoustics) में सुधार करना।
श्रवण यंत्र (Hearing Aid) का उपयोग करने वाले शिक्षार्थी पृष्ठभूमि के शोर के प्रति अतिसंवेदनशील होते हैं। अनुकूलतम कक्षा वातावरण बनाने के लिए कमरे की गूंज को नियंत्रित करना तथा परिवेशी पृष्ठभूमि के शोर (Background Noise) को कम करना आवश्यक है। इससे श्रवण यंत्र द्वारा प्रवर्धित ध्वनि स्पष्ट होती है और बालक शिक्षक के निर्देशों को आसानी से सुन पाता है।

22. (D) अनुकूलन योग्य व्यवहार (Adaptive Behavior)
बौद्धिक अक्षमता (Intellectual Disability) एक विकासात्मक स्थिति है, जिसकी मुख्य विशेषता बौद्धिक कार्यप्रणाली (जैसे तर्क, समस्या समाधान) और अनुकूलन योग्य व्यवहार (Adaptive Behavior) दोनों में महत्वपूर्ण सीमाएं होना है। अनुकूलन योग्य व्यवहार के अंतर्गत दैनिक सामाजिक, व्यावहारिक और अवधारणात्मक कौशल आते हैं, जो व्यक्ति के रोजमर्रा के जीवन संचालन को प्रभावित करते हैं।

23. (B) कार्य विश्लेषण (Task Analysis)
जटिल कौशल या कार्य को छोटे, क्रमिक और प्रबंधनीय चरणों में तोड़ने की प्रक्रिया को कार्य विश्लेषण (Task Analysis) कहा जाता है। यह रणनीति बौद्धिक अक्षमता वाले शिक्षार्थियों को दैनिक जीवन के कौशलों एवं शैक्षणिक अवधारणाओं को चरणबद्ध तरीके से सीखने में मदद करती है, जिससे वे प्रत्येक छोटे चरण पर सफलता और महारत प्राप्त कर सकते हैं।

24. (C) सटीक या धाराप्रवाह शब्द पहचान और खराब वर्तनी कौशल।
डिस्लेक्सिया (Dyslexia) एक विशिष्ट अधिगम अक्षमता है जो मुख्य रूप से भाषा प्रसंस्करण को प्रभावित करती है। इसकी मुख्य विशेषताओं में सटीक तथा धाराप्रवाह शब्द पहचान में कठिनाई, खराब वर्तनी कौशल (Spelling Skills) और ध्वन्यात्मक डिकोडिंग में समस्या शामिल है। यह स्थिति सामान्य बुद्धिमत्ता और उचित शैक्षणिक अवसरों के बावजूद शिक्षार्थियों में देखी जाती है।

25. (D) अंकगणितीय कार्यों के लिए स्पर्शनीय जोड़-तोड़ सामग्री (Tactile Manipulatives) और दृश्य साधनों की अनुमति देना।
डिस्केल्कुलिया (Dyscalculia) से पीड़ित शिक्षार्थियों को गणितीय अवधारणाओं और संख्यात्मक गणनाओं में कठिनाई होती है। इनके लिए सबसे प्रभावी शैक्षणिक समायोजन स्पर्शनीय जोड़-तोड़ सामग्री (Tactile Manipulatives), आरेखीय निरूपण और कैलकुलेटर का उपयोग करने देना है। इससे मूर्त अनुभवों के माध्यम से अमूर्त गणितीय प्रक्रियाओं को समझने में सहायता मिलती है।

26. (A) छात्र को मानक कक्षा परीक्षा पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय (Accommodation) देना।
आवास (Accommodation) वह समायोजन है जो शिक्षण सामग्री या अधिगम के परिणामों को बदले बिना केवल अधिगम या मूल्यांकन के तरीके में परिवर्तन करता है, जैसे अतिरिक्त समय देना। संशोधन (Modification) में सीखने के मानकों या पाठ्यक्रम सामग्री को कम कर दिया जाता है। इसलिए अतिरिक्त परीक्षा समय देना एक मानक आवास का सर्वोत्तम उदाहरण है।

27. (B) सामाजिक संचार में कठिनाई होना और दिनचर्या (Routines) को प्राथमिकता देना।
ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (Autism Spectrum Disorder) एक तंत्रिका-विकासात्मक स्थिति है। इसकी प्राथमिक विशेषताओं में सामाजिक संचार (Social Communication) और परस्पर अंतःक्रिया में चुनौतियाँ, सीमित सामाजिक-भावनात्मक पारस्परिकता, दोहराव वाले व्यवहार तथा निश्चित दिनचर्या (Routines) के प्रति अत्यधिक आग्रह शामिल हैं। इन शिक्षार्थियों को अनपेक्षित परिवर्तनों के साथ सामंजस्य बिठाने में कठिनाई महसूस होती है।

28. (B) परिवर्तनों के पहले दृश्य अनुसूचियां (Visual Schedules) और अग्रिम चेतावनियां प्रदान करना।
ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर वाले शिक्षार्थी पूर्वानुमेयता को प्राथमिकता देते हैं। गतिविधियों के बीच परिवर्तन (Transitions) को सुगम बनाने हेतु दृश्य अनुसूचियों (Visual Schedules) और पूर्व चेतावनियों का उपयोग सबसे प्रभावी शैक्षणिक रणनीति है। यह पूर्वाभास शिक्षार्थी की चिंता को कम करता है और एक गतिविधि से दूसरी गतिविधि में सहज स्थानांतरण में मदद करता है।

NODIA

29. (A) कार्यों में उद्देश्यपूर्ण हलचल और छोटे ब्रेक को शामिल करना।
अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (ADHD) से पीड़ित शिक्षार्थियों में अतिसक्रियता और असावधानी की प्रवृत्ति होती है। इन शिक्षार्थियों को लंबे समय तक शांत बैठने के लिए मजबूर करने के बजाय, पाठों में उद्देश्यपूर्ण हलचल (Purposeful Movement), व्यावहारिक गतिविधियों और छोटे विश्रामों को एकीकृत करना चाहिए ताकि उनकी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग हो सके।

30. (B) II और III
ADHD केवल अतिसक्रियता तक सीमित नहीं है, यह बिना अतिसक्रियता के मुख्य रूप से असावधानी (Inattention) के रूप में भी प्रकट हो सकता है। यह विकार तंत्रिका-विकासात्मक स्थितियों के अंतर्गत RPwD अधिनियम, 2016 में मान्यता प्राप्त है। उपयुक्त समायोजन के साथ ADHD वाले

76. (B) दृष्टि बाधित
JAWS और NVDA जैसे स्क्रीन पठन सॉफ्टवेयर (Screen Reading Software) कंप्यूटर स्क्रीन पर प्रदर्शित डिजिटल पाठ को कृत्रिम वाक् (Speech) में परिवर्तित करते हैं। यह सहायक प्रौद्योगिकी मुख्य रूप से दृष्टिबाधित और पूर्णतः दृष्टिहीन शिक्षार्थियों को डिजिटल संसाधनों, कंप्यूटरों और इंटरनेट का स्वतंत्र रूप से उपयोग करने में सक्षम बनाती है।

77. (A) CWSN को आवधिक व्यक्तिगत उपचारात्मक निर्देश प्रदान करने वाली एक सुविधा।
एक समावेशी विद्यालय में संसाधन कक्ष (Resource Room) एक समर्पित स्थान है, जहाँ विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को उनकी व्यक्तिगत IEP के अनुसार आवधिक, विशेष उपचारात्मक अनुदेशन और कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है। छात्र अपना अधिकांश समय सामान्य कक्षा में बिताते हैं और केवल विशिष्ट सहायता हेतु यहाँ आते हैं।

78. (C) विद्यालय के बाहर के शैक्षणिक संसाधनों और आधुनिक डिजिटल उपकरणों तक असमान पहुंच।
सामाजिक-आर्थिक विविधता से उत्पन्न एक प्रमुख व्यवधान यह है कि कम आय वाले परिवारों के बच्चों के पास विद्यालय के बाहर निजी ट्यूशन, पाठ्य-सामग्रियों और आधुनिक डिजिटल उपकरणों तक समान पहुँच नहीं होती। समावेशी विद्यालयों को इस अंतर को पाटने हेतु संस्थागत स्तर पर आवश्यक संसाधन प्रदान करने चाहिए।

79. (D) अल्पसंख्यक छात्रों के संबंध में सूक्ष्म आक्रामकता (Microaggressions) और घाटे की सोच।
सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षण हेतु शिक्षकों द्वारा अपने अवचेतन सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों को पहचानना अत्यंत आवश्यक है। यह आत्म-जागरूकता शिक्षकों को अल्पसंख्यक या हाशिए के छात्रों के प्रति अनजाने में की जाने वाली सूक्ष्म आक्रामकता (Microaggressions) और घाटे की सोच (Deficit Thinking) से बचाती है, जिससे निष्पक्ष शैक्षणिक माहौल बनता है।

80. (C) I, II और IV
लैंगिक-संवेदनशील शिक्षाशास्त्र तटस्थ भाषा के प्रयोग, सभी लिंगों को समान नेतृत्व के अवसर देने और पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं को चुनौती देने पर जोर देता है। यह विचार कि लड़के गणित में और लड़कियाँ भाषाओं में स्वाभाविक रूप से बेहतर होती हैं, रुढ़िवादिता को बढ़ावा देता है, इसलिए प्रथम, द्वितीय और चतुर्थ कथन सत्य हैं।

81. (B) रचनात्मकता (Creativity)
जोसेफ रेन्ज़ुली के प्रतिभा के त्रि-चक्रीय प्रत्यय (Three-Ring Conception of Giftedness) के अनुसार, प्रतिभाशाली व्यवहार तीन मानवीय लक्षणों के परस्पर मिलन से उत्पन्न होता है: औसतन से अधिक सामान्य बौद्धिक क्षमता, उच्च कार्य प्रतिबद्धता (Task Commitment), और उच्च स्तर की रचनात्मकता (Creativity)।

82. (D) छात्र को उच्च ग्रेड स्तरों या उन्नत विषय सामग्री में आगे बढ़ाना।
प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों के लिए त्वरण (Acceleration) एक ऐसी शैक्षणिक रणनीति है जिसके अंतर्गत छात्र को उसकी तीव्र अधिगम क्षमता के अनुसार सामान्य आयु-उपयुक्त कक्षा से आगे उच्च ग्रेड स्तरों में पदोन्नत किया जाता है या उन्नत उच्च-स्तरीय विषय सामग्री का अध्ययन करने का अवसर दिया जाता है।

83. (A) छात्र के कार्य का एक व्यवस्थित संग्रह जो निरंतर प्रगति को प्रदर्शित करता है।
पोर्टफोलियो मूल्यांकन (Portfolio Assessment) वैकल्पिक समावेशी मूल्यांकन का एक प्रामाणिक रूप है। इसमें किसी समयावधि के दौरान छात्र द्वारा किए गए कार्यों, परियोजनाओं, निबंधों और कलाकृतियों का एक व्यवस्थित संग्रह शामिल होता है, जो छात्र की निरंतर शैक्षणिक और कार्यात्मक प्रगति को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करता है।

84. (C) दिव्यांग लोगों की उपलब्धियों और अधिकारों को इंटरैक्टिव रूप से उजागर करना।
सहकर्मी समूह के भीतर दया या सहानुभूति के स्थान पर वास्तविक समानता की भावना विकसित करने हेतु दिव्यांग व्यक्तियों की उपलब्धियों, क्षमताओं और अधिकारों को इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से उजागर करना चाहिए। इससे साथी छात्र उन्हें बेबस मानने के बजाय समाज के सक्षम और मूल्यवान भागीदार के रूप में स्वीकार करते हैं।

85. (A) समावेशी, उत्तरदायी और स्थानीय क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध।
'निपुण भारत' (NIPUN Bharat) मिशन यह अनिवार्य करता है कि बुनियादी चरण की शिक्षण-अधिगम सामग्री समावेशी, बच्चों के संदर्भों के प्रति संवेदनशील और उनकी स्थानीय या क्षेत्रीय मातृभाषा में उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि प्रत्येक बच्चा बिना किसी भाषाई या संवेदी बाधा के बुनियादी साक्षरता प्राप्त कर सके।

86. (D) निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (Right to Free and Compulsory Education - RTE) अधिनियम, 2009
निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009 सभी बच्चों को मुफ्त शिक्षा की गारंटी देता है। RPwD अधिनियम, 2016 के साथ संयुक्त रूप से पढ़े जाने पर यह अधिनियम दिव्यांग बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की आयु सीमा को 6-14 वर्ष से बढ़ाकर 18 वर्ष तक विस्तारित करता है।

87. (B) विशिष्ट अधिगम अक्षमता (Specific Learning Disability)
राष्ट्रीय न्यास अधिनियम (National Trust Act), 1999 विशेष रूप से चार निर्दिष्ट दिव्यांगताओं वाले व्यक्तियों के कल्याण और कल्याण हेतु बनाया गया था: ऑटिज्म (Autism), सेरेब्रल पाल्सी (Cerebral Palsy), मानसिक मंदता/बौद्धिक

Downloaded from www.pdf.tube

और छोटे बच्चों में अवधारणात्मक समझ को सुदृढ़ करने के लिए इसका उपयोग करने की सिफारिश करती है।

42. (A) दैनिक शिक्षण में छात्र सांस्कृतिक पृष्ठभूमि संदर्भों को एकीकृत करता है।
सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षक (Culturally Responsive Teacher) शिक्षार्थियों की विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्राथमिकताओं और अनुभवों को दैनिक अनुदेशन में सम्मानपूर्वक एकीकृत करता है। यह दृष्टिकोण सांस्कृतिक अंतरों को एक बाधा मानने के बजाय अधिगम को समृद्ध करने वाले मूल्यवान संसाधन के रूप में स्वीकार करता है, जिससे कक्षा में समावेशिता और जुड़ाव बढ़ता है।

43. (B) पाठ और अनुदेशात्मक भाषा से लैंगिक रुढ़िवादिता (Gender Stereotypes) को समाप्त करना।
लैंगिक रुप से संवेदनशील शिक्षाशास्त्र (Gender-Sensitive Pedagogy) का उद्देश्य शिक्षण सामग्रियों, पाठ्यपुस्तकों और कक्षा की भाषा से लैंगिक पूर्वाग्रहों तथा रुढ़िवादिता को दूर करना है। यह दृष्टिकोण सभी लिंगों के शिक्षार्थियों को बिना किसी सामाजिक-सांस्कृतिक सीमा के अपनी रुचियों, क्षमताओं और शैक्षणिक महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने का समान अवसर और प्रोत्साहन देता है।

44. (B) तीव्र अधिगम क्षमता, उन्नत अमूर्त तर्क और तीव्र जिज्ञासा।
प्रतिभाशाली और मेधावी (Gifted and Talented) शिक्षार्थियों की प्राथमिक विशेषता उच्च संज्ञानात्मक क्षमता, तीव्र अधिगम गति, जटिल अमूर्त चिंतन की क्षमता, और विषय-वस्तु के प्रति तीव्र जिज्ञासा होती है। ऐसे शिक्षार्थी नई अवधारणाओं को जल्दी सीख लेते हैं और उन्हें अपनी बौद्धिक क्षमता को बनाए रखने के लिए चुनौतीपूर्ण पाठ्यचर्या की आवश्यकता होती है।

45. (D) A गलत है लेकिन R सही है
प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों को केवल उसी स्तर का अधिक अभ्यास कार्य देना अनुचित और अप्रभावी है, क्योंकि इससे उनमें बोरियत उत्पन्न होती है। उन्हें अधिक मात्रा के बजाय उच्च स्तर के चुनौतीपूर्ण और समृद्ध कार्यों (Enrichment Tasks) की आवश्यकता होती है। चूँकि वे कार्य जल्दी पूरा कर लेते हैं, अतः सही प्रबंधन न होने पर वे असंतुष्ट हो सकते हैं।

46. (C) पाठ्यचर्या संघनन (Curriculum Compacting)
पाठ्यचर्या संघनन (Curriculum Compacting) एक ऐसी अनुदेशात्मक रणनीति है जिसमें शिक्षक प्रतिभाशाली छात्रों की पूर्व-अर्जित अवधारणाओं का मूल्यांकन करके पहले से सीखी गई सामग्री को छोड़ देता है। इसके बदले शिक्षार्थी को अधिक उन्नत, जटिल और संवर्धित अध्ययन गतिविधियों में शामिल होने का अवसर दिया जाता है, जिससे उनका समय व्यर्थ न हो।

47. (D) समान शिक्षण लक्ष्यों का मूल्यांकन करने के लिए वैकल्पिक अभिव्यक्ति मोड की पेशकश करना।
समावेशी मूल्यांकन (Inclusive Assessment) का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों को अपनी अधिगम प्रगति प्रदर्शित करने के लचीले अवसर प्रदान करना है। इसके तहत समान शैक्षणिक मानकों का मूल्यांकन करने हेतु लिखित, मौखिक, व्यावहारिक या तकनीकी माध्यमों जैसे विभिन्न वैकल्पिक तरीकों का उपयोग किया जाता है, जिससे छात्र की दिव्यांगता उसके ज्ञान प्रदर्शन में बाधा न बने।

48. (C) इंटरैक्टिव रोल-प्ले की मेजबानी करना जो विविध छात्र ताकतों को उजागर करता है।
सहकर्मी संवेदीकरण (Peer Sensitization) हेतु सबसे प्रभावी रणनीति इंटरैक्टिव रोल-प्ले और सहयोगात्मक गतिविधियां आयोजित करना है। ये गतिविधियां सभी छात्रों की विविध ताकतों और क्षमताओं को उजागर करती हैं। इससे साथियों में सहानुभूति, स्वीकृति और विविधता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है, जिससे दया भावना के स्थान पर समानता का भाव स्थापित होता है।

49. (B) संसाधनों और सहायता कर्मचारियों के माध्यम से पूर्व-विद्यालय से कक्षा XII समावेश का समर्थन करना।
समग्र शिक्षा अभियान (Samagra Shiksha Abhiyan) पूर्व-विद्यालय से लेकर कक्षा 12 वीं तक विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा का समर्थन करता है। यह योजना सुगम शिक्षण सामग्री, सहायक उपकरण, परिवहन भत्ता, और संसाधन शिक्षकों की व्यवस्था के माध्यम से CWSN की मुख्यधारा की शिक्षा में पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करती है।

50. (D) आधुनिक, मानकीकृत अनुकूलन योग्य सहायताओं और उपकरणों को प्राप्त करने में सहायता करना।
ADIP योजना (Assistive Devices for Empowering Persons with Disabilities) का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को टिकाऊ, अत्याधुनिक और मानकीकृत सहायक उपकरण एवं साधन उपलब्ध कराना है। यह सहायता उपकरण प्रदान करके शिक्षार्थियों के शारीरिक, सामाजिक और शैक्षणिक पुनर्वास को सुगम बनाती है तथा उनकी स्वतंत्रता एवं दैनिक कार्यप्रणाली को बढ़ावा देती है।

51. (A) सर्व शिक्षा अभियान (Sarva Shiksha Abhiyan - SSA)
भारत में समावेशी शिक्षा की ओर ऐतिहासिक बदलाव को 2001 में प्रारम्भ किए गए सर्व शिक्षा अभियान (SSA) से अभूतपूर्व गति मिली। इस कार्यक्रम ने "शून्य अस्वीकृति नीति" पर बल देते हुए विशेष आवश्यकता वाले सभी बच्चों को मुख्यधारा के प्राथमिक विद्यालयों में नामांकित करने तथा उनकी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु बजटीय प्रावधान किए।

52. (C) मनोवैज्ञानिक या शारीरिक संरचनात्मक शरीर कार्यों की हानि या असामान्यता।
विश्व स्वास्थ्य संगठन के ढाँचे के अनुसार, 'क्षति' (Impairment) का तात्पर्य शरीर की किसी मनोवैज्ञानिक, शारीरिक या शारीरिक संरचना अथवा कार्य में किसी भी प्रकार की हानि, क्षति या असामान्यता से है। यह अंग या ऊतक स्तर पर जैविक या शारीरिक विचलन को संदर्भित करता है, जो अक्षमता और बाधा का कारण बन सकता है।

NODIA

53. (A) I और II
दिव्यांगता का चिकित्सा मॉडल समस्या को व्यक्ति की शारीरिक या जैविक कमी में देखता है, जबकि सामाजिक मॉडल इसे व्यक्ति और पर्यावरणीय बाधाओं के बीच जटिल अंतःक्रिया का परिणाम मानता है। सामाजिक मॉडल नैदानिक निदान के बजाय पर्यावरणीय सुगमता और अधिकार-आधारित सुधारों पर ध्यान केंद्रित करता है, इसलिए प्रथम और द्वितीय कथन सत्य हैं।

54. (D) नियमित पड़ोस के विद्यालयों में पूर्ण समावेश (Full Inclusion)।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 यद्यपि बेंचमार्क दिव्यांगता वाले बच्चों के लिए विकल्पों की अनुमति देती है, किंतु इसका मुख्य बल और प्राथमिकता सभी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए नियमित पड़ोस के विद्यालयों में पूर्ण समावेश (Full Inclusion) सुनिश्चित करना है। नीति सुगम बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित शिक्षकों के माध्यम से समावेशी वातावरण बनाने की सिफारिश करती है।

55. (B) लिफ्ट या भूतल पुस्तकालय स्थान (Ground Floor Library Space) प्रदान करने में विद्यालय की विफलता।
सामाजिक मॉडल (Social Model) के अंतर्गत, समस्या छात्र की शारीरिक अक्षमता में नहीं, बल्कि पर्यावरण की अप्रवेश्यता में निहित है। यदि कोई छात्र सीढ़ियाँ नहीं चढ़ सकता, तो सामाजिक मॉडल के अनुसार दोष विद्यालय का है जिसने लिफ्ट या भूतल पर पुस्तकालय जैसी सुगम सुविधाएँ प्रदान नहीं की हैं, जिससे छात्र बहिष्कृत हुआ है।

56. (C) 18 वर्ष की आयु तक मुफ्त शिक्षण सामग्री और सहायक उपकरण प्रदान करना।
RPwD अधिनियम, 2016 की धारा 17 समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु विशेष उपायों को स्पष्ट करती है। इसके तहत बेंचमार्क दिव्यांगता वाले प्रत्येक बच्चे को 18 वर्ष की आयु तक मुफ्त पाठ्य पुस्तकें, शिक्षण सामग्री और उपयुक्त सहायक उपकरण उपलब्ध कराना राज्य तथा उपयुक्त सरकारों का एक अनिवार्य वैधानिक दायित्व है।

57. (D) हीमोफिलिया – रक्त विकार (Blood Disorder)
RPwD अधिनियम, 2016 के अंतर्गत हीमोफिलिया (Hemophilia) को स्पष्ट रूप से 'रक्त विकार' (Blood Disorders) की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। एसिड हमला पीड़ित शारीरिक अक्षमता के तहत आते हैं, विशिष्ट अधिगम अक्षमता एक अलग श्रेणी है, और बौनापन लोकोमोटर दिव्यांगता के अंतर्गत शामिल किया गया है।

58. (A) अधिगम अक्षमता जांच (Screening) के लिए विशेष शिक्षक (Special Educator) से परामर्श करना।
सामान्य बुद्धिमत्ता के बावजूद अक्षरों को उल्टा लिखने ('b' को 'd') और पठन में कठिनाई होना डिस्लेक्सिया के शुरुआती लक्षण हैं। प्राचार्य के रूप में सबसे प्राथमिक और उपयुक्त कदम छात्र को कक्षा में रोके बिना, किसी विशेष शिक्षक (Special Educator) से परामर्श करके अधिगम अक्षमता की अनौपचारिक जांच (Screening) प्रारंभ करवाना है।

59. (B) भारतीय पुनर्वास परिषद (Rehabilitation Council of India - RCI)
RCI का पूर्ण रूप भारतीय पुनर्वास परिषद (Rehabilitation Council of India) है। यह संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक वैधानिक निकाय है, जो भारत में विशेष शिक्षा और पुनर्वास के क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मानकीकृत करने, विनियमित करने तथा उनकी योग्यताओं को मान्यता प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।

60. (D) A गलत है लेकिन R सही है
व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP) केवल विशेष शिक्षक के लिए नहीं, बल्कि सामान्य शिक्षा शिक्षक, विशेषज्ञों और माता-पिता सहित पूरी बहुविषयक टीम के लिए सुलभ होनी चाहिए ताकि दैनिक अनुदेशन में आवश्यक समायोजन लागू किए जा सकें। इसमें गोपनीय चिकित्सा विवरण शामिल होते हैं, लेकिन पाठ योजना हेतु शैक्षणिक जानकारी सामान्य शिक्षकों के लिए अनिवार्य है।

61. (A) सतत और आवधिक, जिसमें कम से कम एक वार्षिक समीक्षा शामिल हो।
व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP) के तहत छात्र की प्रगति का मूल्यांकन निरंतर और आवधिक होना चाहिए। इसमें छात्र की अधिगम गति की निगरानी करने, लक्ष्यों की प्रासंगिकता जांचने तथा रणनीतियों में आवश्यक संशोधन करने के लिए कम से कम एक औपचारिक वार्षिक समीक्षा (Annual Review) का आयोजन किया जाना अनिवार्य होता है।

62. (C) छात्र को वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने से छूट देना।
दृष्टिबाधित शिक्षार्थियों हेतु परीक्षा में उपयुक्त समायोजन के अंतर्गत लेखक (Scribe) का प्रावधान, ब्रेल या बड़े प्रिंट में प्रश्न पत्र और अतिरिक्त समय शामिल हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने से पूरी तरह छूट देना एक अनुचित कदम है, क्योंकि यह मूल्यांकन के शैक्षणिक मानकों और विषय-वस्तु निष्पादन की निष्पक्षता से समझौता करता है।

63. (D) गंभीर दृष्टिबाधा वाले शिक्षार्थी
ओरिएंटेशन और मोबिलिटी (Orientation and Mobility) प्रशिक्षण विशेष रूप से गंभीर दृष्टिबाधित शिक्षार्थियों के लिए आवश्यक अनुदेशात्मक क्षेत्र है। यह प्रशिक्षण उन्हें अपने परिवेश को समझने (ओरिएंटेशन) और सफेद छड़ी के उपयोग द्वारा वातावरण में सुरक्षित, स्वतंत्र एवं कुशलतापूर्वक आवाजाही करने (मोबिलिटी) के कौशल सिखाता है, जिससे उनकी आत्मनिर्भरता बढ़ती है।

64. (C) विद्यालय की घंटियों या अलार्म के साथ समन्वयित फ्लैशिंग लाइट स्थापित करना।
श्रवण-बाधित शिक्षार्थी जानकारी प्राप्त करने के लिए मुख्यतः दृश्य संवेदी प्रणाली पर निर्भर रहते हैं। कक्षा या विद्यालय परिसर में समय सारिणी परिवर्तनों या आपातकालीन अलार्म के

Click Here to Buy book on Amazon

लिए गूंजने वाली घंटियों के साथ फ्लैशिंग लाइट (Flashing Lights) का उपयोग एक अत्यंत प्रभावी दृश्य संकेत रणनीति (Visual Cueing Strategy) है।

65. (B) मुख्य रूप से सांकेतिक भाषा (Sign Language) का और द्वितीयक रूप से लिखित भाषा का उपयोग करना।
बधिर शिक्षा के संदर्भ में 'साइन बायलिंग्वलिज्म' (Sign Bilingualism) एक ऐसा शैक्षणिक दृष्टिकोण है जहाँ सांकेतिक भाषा (Sign Language) को बालक की प्राथमिक या प्रथम भाषा के रूप में माना जाता है, और समाज की बोली जाने वाली भाषा को लिखित रूप में द्वितीयक भाषा के रूप में सिखाया जाता है।

66. (B) II और III
बौद्धिक अक्षमता वाले शिक्षार्थियों को अमूर्त अवधारणाएं समझने में कठिनाई होती है, इसलिए मूर्त से अमूर्त की ओर बढ़ना चाहिए। इनके लिए निरंतर दोहराव, वितरित अभ्यास और वास्तविक जीवन से जुड़े कार्यात्मक संदर्भों (Functional Contexts) का उपयोग करना सर्वाधिक प्रभावी रणनीतियाँ हैं, जिससे द्वितीय और तृतीय कथन पूर्णतः उपयुक्त हैं।

67. (A) लिखित अभिव्यक्ति, हस्तलेखन और वर्तनी कौशल।
डिस्ग्राफिया (Dysgraphia) एक विशिष्ट अधिगम अक्षमता है जो मुख्य रूप से लिखित अभिव्यक्ति, हस्तलेखन (Handwriting) की स्पष्टता और वर्तनी कौशल को प्रभावित करती है। इस स्थिति से पीड़ित शिक्षार्थियों को अक्षरों को आकार देने, शब्दों के बीच स्थान बनाए रखने और अपने विचारों को लिखित रूप में सुसंगत ढंग से प्रस्तुत करने में कठिनाई होती है।

68. (C) डिस्प्रेक्सिया / डिस्ग्राफिया (Dyspraxia / Dysgraphia)
लिखित कार्य को व्यवस्थित करने, पेंसिल पर पकड़ बनाने और रेखाओं के बीच स्पष्ट रूप से लिखने में आने वाली कठिनाइयाँ डिस्प्रेक्सिया (सूक्ष्म गत्यात्मक समन्वय विकार) और डिस्ग्राफिया (लेखन अक्षमता) के प्रत्यक्ष लक्षण हैं। इन शिक्षार्थियों को अनुकूलित पेंसिल ग्रिप्स, तिरछे बोर्ड या वैकल्पिक डिजिटल उपकरणों के माध्यम से शैक्षणिक सहायता दी जाती है।

69. (A) दृश्य संगठन और स्पष्ट स्थान सीमाओं का उपयोग करके संरचित शिक्षण।
TEACCH कार्यक्रम ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर वाले बच्चों के लिए डिज़ाइन किया गया एक व्यापक मॉडल है। इसका मुख्य अनुदेशात्मक ध्यान 'संरचित शिक्षण' (Structured Teaching) पर है, जिसमें स्पष्ट दृश्य अनुसूचियों, भौतिक वातावरण की स्पष्ट सीमाओं और संरचित गतिविधियों का उपयोग करके शिक्षार्थियों के लिए दिनचर्या को पूर्वानुमेय और सुगम बनाया जाता है।

70. (D) स्थिति को शांत करने के लिए बच्चे को एक शांत, सुरक्षित स्थान पर ले जाना।
संवेदी अधिभार (Sensory Overload) के कारण होने वाले मेलडाउन की स्थिति में सबसे उपयुक्त और मानवीय प्रशासनिक प्रतिक्रिया बच्चे को तुरंत शोर-शराबे वाले वातावरण से हटाकर एक शांत, संवेदी-अनुकूल safe स्थान पर ले जाना है। इससे शिक्षार्थी का तंत्रिका तंत्र शांत होता है और उसे संवेदी उत्तेजना से उबरने का अवसर मिलता है।

71. (B) पूर्ववृत्त (Antecedent)
व्यवहार परिवर्तन के ABC मॉडल का उपयोग शिक्षार्थियों के व्यवहार विश्लेषण हेतु किया जाता है। इस मॉडल में 'A' का अर्थ 'पूर्ववृत्त' (Antecedent) से है, जो उस घटना या पर्यावरणीय कारक को संदर्भित करता है जो किसी विशिष्ट व्यवहार (Behavior) के घटित होने से ठीक पहले होता है और उसे ट्रिगर करता है।

72. (C) अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (Universal Design for Learning - UDL)
अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (UDL) एक ऐसा शैक्षणिक ढाँचा है जो शिक्षार्थियों की विविधता को ध्यान में रखते हुए शुरुआत से ही पाठ्यचर्या योजना बनाता है। यह दृष्टिकोण प्रस्तुति, अभिव्यक्ति और जुड़ाव के लिए बहुविध लचीले विकल्प प्रदान करता है ताकि सभी शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को बिना किसी अलगाव के पूरा किया जा सके।

73. (D) शिक्षण वातावरण (Learning Environment)
विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) में कक्षा के भौतिक स्थान को पुनर्गठित करना, शांत अध्ययन क्षेत्र बनाना, या सहयोगात्मक स्थान तैयार करना 'शिक्षण वातावरण' (Learning Environment) के अनुकूलन से संबंधित है। यह परिवर्तन शिक्षार्थियों की संवेदी प्राथमिकताओं और व्यक्तिगत अधिगम शैलियों को समर्थन प्रदान करने के लिए किया जाता है।

74. (D) A गलत है लेकिन R सही है
विभेदित अनुदेशन का अर्थ कक्षा के प्रत्येक छात्र के लिए पूरी तरह से अलग 30-40 पाठ योजनाएं बनाना नहीं है, बल्कि एक ही पाठ योजना के भीतर लचीले विकल्प और स्तर प्रदान करना है। विविध शिक्षार्थियों की विषम आवश्यकताओं को कठोर एकसमान योजना से पूरा नहीं किया जा सकता, इसलिए कारण सत्य है जबकि अभिकथन भ्रामक है।

NODIA

75. (B) सीखने के ऐसे विकल्प प्रदान करना जो प्रासंगिकता बढ़ाते हैं और सहयोग को बढ़ावा देते हैं।
UDL ढाँचे के अंतर्गत 'जुड़ाव के बहुविध साधन' (Multiple Means of Engagement) का मुख्य उद्देश्य छात्रों की प्रेरणा और रुचि को बनाए रखना है। प्रासंगिकता बढ़ाने वाले अधिगम विकल्प देना, स्व-नियमन को प्रोत्साहित करना तथा सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण का निर्माण करना इस सिद्धांत के सबसे उपयुक्त उदाहरण हैं।

Support) प्रदान करता है। जैसे-जैसे छात्र की समझ और स्वायत्तता बढ़ती है, इस सहायता को धीरे-धीरे हटा लिया जाता है।

100. (C) पाठ्यचर्या की बाधाओं की पहचान करना और उन्हें दूर करने के लिए लचीले तरीकों को चुनना।
अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (UDL) को लागू करते समय पहला कदम पाठ्यचर्या में मौजूद उन संभावित बाधाओं (Barriers) की पहचान करना है जो शिक्षार्थियों की पहुँच को सीमित करती हैं। इसके उपरांत, उन बाधाओं को समाप्त करने हेतु लचीले अनुदेशात्मक तरीकों, सामग्रियों और मूल्यांकनों का चयन किया जाता है।

101. (A) AT विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक और कम्प्यूटरीकृत है।
सहायक प्रौद्योगिकी (Assistive Technology) के बारे में यह धारणा गलत है कि यह केवल इलेक्ट्रॉनिक या कम्प्यूटरीकृत होती है। AT में लो-टेक (जैसे पेंसिल ग्रिप, मैग्निफायर) से लेकर हाई-टेक (जैसे स्क्रीन रीडर, आई-ट्रैकर) तक के सभी उपकरण शामिल हैं, जो दिव्यांग व्यक्तियों की कार्यात्मक क्षमता को बढ़ाते हैं।

102. (D) अधिगम अक्षमता वाला बच्चा (Child with a learning disability)।
व्यक्ति-प्रथम भाषा (Person-First Language) का मुख्य सिद्धांत यह है कि व्यक्ति को उसकी दिव्यांगता से पहले प्राथमिकता दी जाए। "अधिगम अक्षमता वाला बच्चा" (Child with a learning disability) व्यक्ति-प्रथम भाषा का सटीक उदाहरण है, क्योंकि यह बालक की पहचान को केवल उसकी अक्षमता तक सीमित नहीं करता।

103. (B) शिक्षक सामग्री को विभाजित करते हैं और छात्र शिक्षक के नेतृत्व वाले स्टेशनों के माध्यम से घूमते हैं।
स्टेशन शिक्षण (Station Teaching) सह-शिक्षण का एक ऐसा रूप है जहाँ शिक्षण सामग्री को विभिन्न भागों में विभाजित किया जाता है। छात्र छोटे समूहों में बंटकर विभिन्न शिक्षण स्टेशनों पर घूमते हैं, जहाँ प्रत्येक शिक्षक एक अलग विषय या कौशल का निर्देश देता है और कुछ स्टेशन स्वतंत्र कार्य हेतु होते हैं।

104. (C) अनिवार्य पाठ्येतर गतिविधियों और क्षेत्र भ्रमण (Field Trips) की उच्च लागत।
विद्यालयों में अनिवार्य पाठ्येतर गतिविधियों, शैक्षिक भ्रमणों और अतिरिक्त अध्ययन सामग्रियों की उच्च लागत सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए एक बड़ी संरचनात्मक बाधा बनती है। यह वित्तीय बोझ उन्हें कई समृद्ध शिक्षण अनुभवों और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों से बहिष्कृत कर देता है।

105. (D) A गलत है लेकिन R सही है
सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षण कभी भी हाशिए के छात्रों के लिए शैक्षणिक मानकों को कम करने की वकालत नहीं करता, बल्कि यह उच्च अपेक्षाएं रखते हुए उचित सहायता प्रदान करने पर जोर देता है। यद्यपि असमर्थित उच्च अपेक्षाएं तनाव का कारण बन सकती हैं, फिर भी मानक कम करना एक गलत शैक्षणिक दृष्टिकोण है।

106. (A) लिंग, जाति, स्थिति और दिव्यांगता की परस्पर क्रिया जो अद्वितीय पूर्वाग्रह पैदा करती है।
शिक्षा में अंतर-अनुभागीयता (Intersectionality) यह मानती है कि छात्र की सामाजिक पहचान के विभिन्न पहलू (जैसे लिंग, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, जाति और दिव्यांगता) अलग-अलग काम नहीं करते, बल्कि परस्पर जुड़कर एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। यह अंतःक्रिया छात्र के लिए अनूठे भेदभाव, पूर्वाग्रह या विशेषाधिकार का निर्माण करती है।

107. (B) पाठ्यक्रम कम चुनौतीपूर्ण है, जिससे बोरियत और अलगाव होता है।
जब प्रतिभाशाली छात्र कक्षा में विघटनकारी व्यवहार या उदासीनता प्रदर्शित करते हैं, तो इसका मुख्य शैक्षणिक कारण यह होता है कि नियमित पाठ्यक्रम उनकी बौद्धिक क्षमता की तुलना में अत्यंत सरल और कम चुनौतीपूर्ण होता है। इसके परिणामस्वरूप छात्र में बोरियत, असंतोष और ध्यान भटकाव की स्थिति उत्पन्न होती है।

108. (B) एक परीक्षा लेखक (Scribe) या स्पीच-टू-टेक्स्ट (Speech-to-Text) लेखन सॉफ्टवेयर विकल्प प्रदान करना।
सेरेब्रल पाल्सी जैसी गंभीर मोटर समन्वय कठिनाइयों वाले शिक्षार्थी, जो स्वयं उत्तर लिखने में असमर्थ हैं, उनके लिए सबसे उपयुक्त मूल्यांकन समायोजन परीक्षा लेखक (Scribe) या स्पीच-टू-टेक्स्ट सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराना है। इससे छात्र अपने विचारों को बिना किसी शारीरिक बाधा के व्यक्त कर सकता है।

109. (A) बड़े छात्र छोटे छात्रों को पढ़ाते हैं।
विभिन्न आयु सहकर्मी ट्यूशन (Cross-Age Peer Tutoring) एक ऐसी सहयोगात्मक अधिगम रणनीति है, जिसमें उच्च ग्रेड या अधिक आयु के छात्र ट्यूटर के रूप में छोटे या कम आयु के छात्रों को शैक्षणिक कौशल और अवधारणाएं सिखाते हैं। यह प्रक्रिया दोनों आयु वर्ग के छात्रों के आत्मविश्वास और अधिगम को सुदृढ़ करती है।

110. (C) बेंचमार्क दिव्यांगता (Benchmark Disability) का होना और पारिवारिक आय निर्धारित सीमा से कम होना।
केन्द्र सरकार की पूर्व-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्राथमिक पात्रता मानदंड यह है कि छात्र के पास न्यूनतम 40% की प्रमाणित 'बेंचमार्क दिव्यांगता' होनी चाहिए तथा उसके अभिभावकों की वार्षिक आय निर्धारित आय सीमा के अंतर्गत होनी चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर दिव्यांग छात्रों को वित्तीय सहायता मिल सके।

111. (D) सूचना को छोटे भागों में तोड़ना (Chunking), एक बार में एक कदम सिखाना।
बौद्धिक अक्षमता वाले शिक्षार्थियों की कार्यशील स्मृति सीमित होती है। उनके संज्ञानात्मक भार (Cognitive Load) को कम

Downloaded from www.pdf.tube

अक्षमता, और बहु-दिव्यांगता। विशिष्ट अधिगम अक्षमता (SLD) इस अधिनियम की चार निर्दिष्ट श्रेणियों में शामिल नहीं है।

88. (C) उचित आवास (Reasonable Accommodation)
RPwD अधिनियम, 2016 के अनुसार विद्यालयों द्वारा भौतिक सुगमता (जैसे रैंप या सुलभ शौचालय) प्रदान न करना 'उचित आवास' (Reasonable Accommodation) के इनकार के समान है। कानून यह अनिवार्य करता है कि संस्थाएं दिव्यांग व्यक्तियों की समान भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक भौतिक और पर्यावरणीय बदलाव करें।

89. (D) विकासात्मक क्षमता को अधिकतम करना और द्वितीयक जटिलताओं को रोकना।
प्रारंभिक हस्तक्षेप (Early Intervention) कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य विकासात्मक देरी या अक्षमता वाले छोटे बच्चों में उनकी क्षमताओं का अधिकतम विकास करना है। जीवन के शुरुआती वर्षों में दी जाने वाली यह सहायता द्वितीयक जटिलताओं को रोकती है और भविष्य में मुख्यधारा की शिक्षा में उनके सफल समावेशन का मार्ग प्रशस्त करती है।

90. (D) A गलत है लेकिन R सही है
समावेशी शिक्षा केवल विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को ही नहीं, बल्कि सामान्य छात्रों को भी समान रूप से लाभ पहुँचाती है। समावेशी कक्षाओं में रहने से सामान्य छात्रों में बेहतर सामाजिक कौशल, सहानुभूति, विविधता की समझ और नेतृत्व गुण विकसित होते हैं, इसलिए कारण सत्य है जबकि अभिकथन अत्यंत संकीर्ण और गलत है।

91. (B) नैदानिक या शैक्षिक मनोवैज्ञानिक (Clinical or Educational Psychologist)
विशेष आवश्यकता वाले बालक की पहचान प्रक्रिया में मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन (Psychological Assessment) का घटक विशेष रूप से प्रशिक्षित नैदानिक या शैक्षिक मनोवैज्ञानिक (Clinical or Educational Psychologist) द्वारा संचालित किया जाता है। वे मानकीकृत बुद्धि परीक्षणों, अनुकूलन व्यवहार मापन और संज्ञानात्मक परीक्षणों का उपयोग करके छात्र की बौद्धिक स्थिति का निर्धारण करते हैं।

92. (B) छात्र को विद्यालय के बाद की शिक्षा, प्रशिक्षण या जीवन यापन के लिए तैयार करना।
संक्रमण योजना (Transition Plan) किशोरावस्था वाले CWSN के लिए IEP का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका प्राथमिक उद्देश्य छात्र को विद्यालयी शिक्षा पूरी होने के उपरांत उच्च शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, रोजगार और स्वतंत्र वयस्क जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए पूर्व-नियोजित कौशल और सहायता प्रदान करना है।

93. (B) 6
गंभीर दृष्टिबाधित और अंध शिक्षार्थियों द्वारा पढ़ने-लिखने के लिए उपयोग की जाने वाली ब्रेल लिपि (Braille Script) उभरे हुए बिंदुओं के एक आयताकार सेल पर आधारित होती है। एक मानक ब्रेल सेल में कुल 6 बिंदु (Dots) होते हैं, जिन्हें दो समानांतर लंबवत पंक्तियों (प्रत्येक में 3 बिंदु) में व्यवस्थित किया जाता है।

94. (C) दृष्टि बाधित
श्यामपट्ट देखने के लिए सिर झुकाना, बार-बार आंखें रगड़ना, और गत्यात्मक खेल गतिविधियों में गेंद पकड़ने में असमर्थता व्यक्त करना दृष्टिबाधा (Visual Impairment) या अवशिष्ट दृष्टि समस्याओं के प्रत्यक्ष जांच सूचक संकेत हैं। ऐसे लक्षणों का अवलोकन होने पर शिक्षक को तुरंत दृष्टि परीक्षण कराने की सिफारिश करनी चाहिए।

95. (D) पृष्ठभूमि के शोर को कम करते हुए शिक्षक की आवाज को श्रवण यंत्रों तक पहुंचाना।
एफएम सिस्टम (FM Systems) वायरलेस सहायक श्रवण उपकरण हैं। शिक्षक एक माइक्रोफोन पहनता है जो उसकी आवाज को सीधे श्रवण-बाधित शिक्षार्थी के श्रवण यंत्र (Hearing Aid) या कॉकलियर इम्प्लांट में रेडियो तरंगों द्वारा भेजता है। यह तकनीक कक्षा के पृष्ठभूमि के शोर और दूरी के प्रभाव को समाप्त कर देती है।

96. (C) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD)
सामाजिक भाषा उपयोग (प्रैगमैटिक्स) में कठिनाई, अत्यधिक सीमित एवं निश्चित रुचियां, और संवेदी इनपुट के प्रति अति- या कम-प्रतिक्रियाशीलता (Sensory Hyper/Hyposensitivity) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) के नैदानिक और व्यावहारिक लक्षण हैं। ये लक्षण शिक्षार्थी के सामाजिक और शैक्षणिक अनुकूलन को प्रभावित करते हैं।

97. (B) बहु-संवेदी संरचित भाषा शिक्षा (Multisensory Structured Language Education - Orton-Gillingham approach)।
डिस्लेक्सिया से पीड़ित शिक्षार्थियों में ध्वन्यात्मक डिकोडिंग और पठन क्षमता में सुधार हेतु बहु-संवेदी संरचित भाषा शिक्षा (Multisensory Structured Language Education - जैसे ऑर्टन-गिलिंगम दृष्टिकोण) सबसे प्रभावी रणनीति है। इसमें दृश्य, श्रव्य और किनेस्थेटिक (गतिसंवेदी) माध्यमों का एक साथ उपयोग करके भाषा संरचना सिखाई जाती है।

NODIA

98. (D) छात्र को विक्षेपों से दूर और मुख्य शिक्षक के पास बैठाना।
ADHD से पीड़ित शिक्षार्थियों के लिए प्रभावी पर्यावरणीय समायोजन यह है कि उन्हें कक्षा में दरवाजे, खिड़की या अधिक आवाजाही वाले क्षेत्रों से दूर तथा शिक्षक के पास अग्रिम पंक्ति में बैठाया जाए। यह व्यवस्था बाहरी विक्षेपों (Distractions) को कम करती है और छात्र के ध्यान को बनाए रखने में मदद करती है।

99. (A) योग्यता बढ़ने के साथ हटाई गई अस्थायी संरचित सहायता की पेशकश करना।
स्कैफोल्डिंग (Scaffolding) एक ऐसी अनुदेशात्मक प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक किसी नई या कठिन अवधारणा को सिखाते समय शिक्षार्थी को अस्थायी संरचित सहायता (Temporary

विज्ञान या गणित जैसे विषयों में उत्तर देने या प्रश्न पूछने के लिए लड़कों और लड़कियों दोनों को समान अवसर प्रदान करना।

123. (B) यह सुनिश्चित करना कि CWSN सहित सभी बच्चे कक्षा 3 तक बुनियादी साक्षरता प्राप्त करें।
'निपुण भारत' (NIPUN Bharat) मिशन का प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि देश का प्रत्येक बच्चा, जिसमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (CWSN) भी शामिल हैं, प्राथमिक स्तर पर वर्ष 2026-27 तक कक्षा 3 के अंत तक अनिवार्य रूप से बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN) प्राप्त कर ले।

124. (B) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)
भारतीय मुख्यधारा के विद्यालयों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सुगम उपचारात्मक शिक्षण, संवेदी उपकरण और विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध कराने हेतु 'संसाधन कक्ष' (Resource Rooms) की स्थापना मुख्य रूप से 'समग्र शिक्षा' (Samagra Shiksha) फ्लैगशिप योजना के समावेशी शिक्षा घटक के तहत की जाती है।

125. (A) पाठों में समायोजन के सहयोगात्मक एकीकरण को सुगम बनाना।
प्राध्यापक/प्राचार्य के रूप में सबसे उपयुक्त निर्णय सामान्य शिक्षक और विशेष शिक्षक के बीच सहयोगात्मक बैठक आयोजित करना है। इसका उद्देश्य IEP समायोजनों को नियमित पाठ योजनाओं में सरल, व्यावहारिक और कम समय लेने वाले तरीकों से एकीकृत करने की दिशा में दोनों को मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करना है।

126. (C) छात्र की विशिष्ट शैक्षणिक शक्तियों और कमजोरियों का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करता है।
नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) प्रारंभिक स्क्रीनिंग परीक्षण से भिन्न होता है क्योंकि स्क्रीनिंग केवल संभावित जोखिम की पहचान करती है, जबकि नैदानिक परीक्षण छात्र की विशिष्ट शैक्षणिक कठिनाइयों, शक्तियों, कमजोरियों और संज्ञानात्मक अंतरालों का गहन और विस्तृत विश्लेषण प्रदान करता है ताकि उपचारात्मक शिक्षण की योजना बनाई जा सके।

127. (D) मुफ्त, समावेशी अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने वाला एक स्थानीय नियमित विद्यालय।
शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) के तहत दिव्यांग बच्चे के लिए 'पड़ोस का विद्यालय' (Neighborhood School) उसके घर के पास स्थित एक ऐसा नियमित स्थानीय विद्यालय है, जो सुगम भौतिक बुनियादी ढांचे और उचित समायोजनों के साथ पूर्ण समावेशी माहौल में मुफ्त एवं अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा प्रदान करता है।

128. (C) संज्ञानात्मक प्रसंस्करण में सहायता के लिए अवधारणाओं के दृश्य प्रतिनिधित्व प्रदान करते हैं।
ग्राफिक आयोजक (जैसे माइंड मैप, वेन आरेख) विविध शिक्षार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं क्योंकि वे जटिल, अमूर्त और शाब्दिक जानकारियों को सुव्यवस्थित दृश्य निरूपण (Visual Representation) में बदलते हैं। इससे छात्रों की समझ, संज्ञानात्मक प्रसंस्करण, और अवधारणात्मक संबंधों को याद रखने की क्षमता में सुधार होता है।

129. (C) I और III
भारत में नीतियों द्वारा IEP अनिवार्य है और इसमें भविष्य की प्रगति मापने हेतु बेसलाइन डेटा (PLAAFP) का होना आवश्यक है। हालाँकि, IEP केवल उन्हीं बच्चों के लिए बनाया जाता है जिनकी दिव्यांगता उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है, इसलिए प्रथम और तृतीय कथन सत्य हैं।

130. (D) मुख्य संख्या हाइलाइटिंग सिखाना और मॉडलिंग के लिए जोड़-तोड़ सामग्री (Manipulatives) का उपयोग करना।
डिस्केल्कुलिया वाले छात्र हेतु शब्द समस्याओं को हल करने की सबसे लक्षित अनुदेशात्मक रणनीति यह है कि उन्हें मुख्य संख्याओं एवं क्रिया शब्दों को हाइलाइट करना सिखाया जाए तथा समस्या की अवधारणा को समझाने के लिए मूर्त जोड़-तोड़ सामग्री (Manipulatives) और दृश्य आरेखों का प्रयोग किया जाए।

131. (A) प्रतिनिधित्व के बहुविध साधन (Multiple Means of Representation)
शैक्षणिक वीडियो में क्लोज्ड कैप्शन (Closed Captions) जोड़ना UDL के 'प्रतिनिधित्व के बहुविध साधन' सिद्धांत का उदाहरण है। यह दृश्य स्वरूप में श्रव्य जानकारी उपलब्ध कराता है, जिससे श्रवण-बाधित शिक्षार्थियों तथा भाषाई कठिनाई का सामना कर रहे छात्रों के लिए विषय-वस्तु तक पहुँच सुगम हो जाती है।

132. (C) दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (United Nations Convention on the Rights of Persons with Disabilities - UNCRPD)
UNCRPD (2006) एक ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जिसने वैश्विक स्तर पर दिव्यांगता को चिकित्सा मॉडल से हटाकर अधिकार-आधारित और सामाजिक मॉडल में परिवर्तित किया। इस सम्मेलन ने समावेशी शिक्षा को एक मौलिक अधिकार माना और वैश्विक शैक्षिक नीतियों में व्यापक सुधारों की नींव रखी।

133. (A) ADHD या भावनात्मक कठिनाइयों से जुड़ा हुआ ऑफ-टास्क व्यवहार।
समीपता नियंत्रण (Proximity Control) एक ऐसी व्यवहार प्रबंधन रणनीति है जिसमें शिक्षक बिना बोले, केवल ऑफ-टास्क या विघटनकारी व्यवहार कर रहे छात्र (जैसे ADHD से पीड़ित छात्र) के पास जाकर खड़ा हो जाता है। शिक्षक की यह भौतिक समीपता छात्र को ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है।

134. (D) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)
केंद्र सरकार ने पूर्ववर्ती 'माध्यमिक स्तर पर दिव्यांगों के लिए समावेशी शिक्षा' (IEDSS), सर्व शिक्षा अभियान (SSA) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) को मिलाकर एक एकीकृत और व्यापक ढाँचे के रूप में 'समग्र शिक्षा' (Samagra Shiksha) योजना की शुरुआत की।

Click Here to Buy book on Flipkart

करने हेतु सूचनाओं को छोटे, स्पष्ट भागों में विभाजित करना (Chunking) तथा एक समय में केवल एक चरण सिखाना सबसे प्रभावी अनुदेशात्मक रणनीति है, जिससे वे सामग्री को आसानी से संसाधित कर सकें।

112. (C) ऑटिज्म, ADHD, डिस्लेक्सिया और तंत्रिका संबंधी अंतर वाले व्यक्ति।
'न्यूरोडाइवर्सिटी' (Neurodiversity) की अवधारणा यह मानती है कि ऑटिज्म, ADHD, और डिस्लेक्सिया जैसी तंत्रिका संबंधी स्थितियाँ कोई बीमारी या कमी नहीं हैं, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की कार्यप्रणाली के स्वाभाविक और स्वाभाविक विविधतापूर्ण रूप हैं, जिन्हें समाज और शिक्षा में स्वीकार किया जाना चाहिए।

113. (B) छात्रों और शिक्षकों को सहायता प्रदान करने के लिए विद्यालयों के बीच यात्रा करता है।
समावेशी शिक्षा व्यवस्था में 'भ्रमणशील शिक्षक' (Itinerant Teacher) एक ऐसा भ्रमणकारी विशेष शिक्षक होता है जो किसी एक विद्यालय में स्थिर रहने के बजाय विभिन्न विद्यालयों का दौरा करता है। वह कई विद्यालयों में नामांकित CWSN को प्रत्यक्ष सहायता देता है तथा सामान्य शिक्षकों को अनुदेशात्मक मार्गदर्शन प्रदान करता है।

114. (D) नियमों या उपकरणों को अनुकूलित करना ताकि छात्र सक्रिय रुप से खेल खेल सके।
शारीरिक शिक्षा में वास्तविक समावेश तब स्थापित होता है जब खेल के नियमों, खेल मैदान या उपकरणों में अनुकूलन (Adaptation) करके व्हीलचेयर उपयोगकर्ता छात्र को मुख्य गतिविधि में सक्रिय खिलाड़ी के रुप में भाग लेने का अवसर दिया जाए, न कि केवल गैर-सक्रिय भूमिकाओं तक सीमित रखा जाए।

115. (D) A गलत है लेकिन R सही है
समावेशी मूल्यांकन का उद्देश्य कठोर एकसमानता थोपना नहीं, बल्कि लचीलेपन के साथ छात्र की वास्तविक क्षमता का मापन करना है। यद्यपि मानक परीक्षण निष्पक्षता का दावा करते हैं, किंतु दिव्यांग छात्रों के लिए बिना आवास के मानकीकृत परीक्षण उनकी वास्तविक योग्यता को सही तरीके से प्रदर्शित नहीं कर पाते हैं।

116. (C) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) और संवेदी प्रसंस्करण मुद्दे।
संवेदी आहार (Sensory Diets) या संवेदी विश्राम उन नियोजित गतिविधियों का समूह हैं जो ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) और संवेदी प्रसंस्करण संबंधी कठिनाइयों वाले शिक्षार्थियों के तंत्रिका तंत्र को शांत और सुव्यवस्थित करने हेतु स्कूली दिन के दौरान एकीकृत की जाती हैं ताकि वे कक्षा में ध्यान केंद्रित रख सकें।

117. (A) छात्रों को अपनी पूर्ण भाषाई प्रदर्शनों की सूची (Linguistic Repertoire) का स्वाभाविक रूप से उपयोग करने की अनुमति देना।
'ट्रांसलैंग्वेजिंग' (Translanguaging) एक ऐसा समावेशी भाषाई अभ्यास है जहाँ शिक्षार्थियों को सीखने, सोचने और विचारों के आदान-प्रदान हेतु अपनी सभी ज्ञात भाषाओं (मातृभाषा और विद्यालयी भाषा) का एक साथ एवं स्वाभाविक रुप से उपयोग करने की स्वतंत्रता दी जाती है। यह दृष्टिकोण भाषाई विविधता को समृद्ध बनाता है।

118. (D) मानकों को कम किए बिना CWSN के लिए सामग्री और विधियों (Materials and Methods) को समायोजित करना।
पाठ्यचर्या अनुकूलन (Curriculum Adaptation) का तात्पर्य शिक्षण सामग्री, अनुदेशात्मक विधियों, और कक्षा पर्यावरण में इस प्रकार लचीलापन लाना है जिससे मूल अधिगम मानकों से समझौता किए बिना विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पाठ्यचर्या तक सुगम पहुँच सुनिश्चित की जा सके।

119. (B) केवल I, II और III
दृष्टिबाधा हेतु स्पर्शनीय ग्राफिक्स, श्रवण बाधा हेतु कॉकलियर इम्प्लांट/श्रवण यंत्र, और वाक् देरी हेतु AAC टैबलेट अत्यंत उपयुक्त सहायक प्रौद्योगिकियाँ हैं। डिस्लेक्सिया एक पठन अक्षमता है जिसके लिए पठन-संबंधी उपकरणों की आवश्यकता होती है, न कि व्हीलचेयर की। अतः प्रथम, द्वितीय और तृतीय जोड़े सही हैं।

120. (C) नियमित कक्षा सेटअप के भीतर पाठ्यचर्या संवर्धन परियोजनाएं (Enrichment Projects) प्रदान करना।
प्रतिभाशाली छात्र की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु सबसे उपयुक्त नेतृत्व कार्रवाई यह है कि नियमित समावेशी कक्षा में ही उसके लिए पाठ्यचर्या संवर्धन परियोजनाएं (Enrichment Projects) और जटिल चिंतन कार्य उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वह अपने साथियों के साथ रहते हुए बौद्धिक रूप से चुनौती महसूस करे।

121. (D) विद्यालय के वातावरण में सीखे गए अलिखित, अनपेक्षित पाठ और मूल्य।
'प्रच्छन्न पाठ्यचर्या' (Hidden Curriculum) उन अनौपचारिक, अलिखित, और अनपेक्षित मूल्यों, मानदंडों, दृष्टिकोणों और अपेक्षाओं को संदर्भित करती है जो छात्र औपचारिक लिखित पाठ्यचर्या के अलावा विद्यालय के सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण, शिक्षक व्यवहार और संस्थागत दिनचर्या के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से सीखते हैं।

122. (A) यह सुनिश्चित करना कि शिक्षक विज्ञान के उत्तरों के लिए लड़कों और लड़कियों को समान रूप से बुलाएं।
जब कोई विद्यालय प्रच्छन्न पाठ्यचर्या के माध्यम से लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है, तो वह यह सुनिश्चित करता है कि शिक्षक कक्षा अंतःक्रिया में निष्पक्ष रहें। उदाहरण के लिए,

Downloaded from www.pdf.tube

छात्र सामान्य शिक्षा कक्षाओं में सफलतापूर्वक सीख सकते हैं, जिससे द्वितीय और तृतीय कथन सत्य हैं।

31. (D) दंड (Punishment)
विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) ढाँचे में चार मुख्य तत्वों को छात्र की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित किया जाता है: विषय-वस्तु (Content), प्रक्रिया (Process), उत्पाद (Product) और अधिगम वातावरण (Learning Environment)। इसमें दंड (Punishment) का कोई स्थान नहीं है, क्योंकि यह एक सकारात्मक और छात्र-केंद्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण पर आधारित है।

32. (C) छात्रों को यह प्रदर्शित करने के विभिन्न तरीकों की अनुमति देना कि उन्होंने क्या सीखा है।
विभेदित अनुदेशन के अंतर्गत 'उत्पाद' (Product) में संशोधन करने का अर्थ शिक्षार्थियों को यह स्वतंत्रता देना है कि वे अपनी सीखी गई अवधारणाओं को विभिन्न माध्यमों (जैसे लिखित रिपोर्ट, मौखिक प्रस्तुति, प्रोजेक्ट या कलात्मक मॉडल) के माध्यम से प्रदर्शित कर सकें। यह शिक्षार्थियों की विविध प्रतिभाओं और अधिगम शैलियों का सम्मान करता है।

33. (B) कार्य और अभिव्यक्ति के बहुविध साधन (Multiple Means of Action and Expression) – रणनीतिक नेटवर्क
अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (UDL) तीन मुख्य मस्तिष्क नेटवर्क पर आधारित है। कार्य और अभिव्यक्ति के बहुविध साधन मस्तिष्क के रणनीतिक नेटवर्क (Strategic Network) से जुड़े हैं, जो गतिविधियों की योजना बनाने और निष्पादन को नियंत्रित करता है। प्रतिनिधित्व पहचान नेटवर्क से तथा जुड़ाव भावात्मक नेटवर्क (Affective Network) से संबंधित होता है।

34. (D) कार्य और अभिव्यक्ति के बहुविध साधन (Multiple Means of Action and Expression)
जब शिक्षक छात्रों को अपने ज्ञान का प्रदर्शन करने के लिए निबंध, पॉडकास्ट या पोस्टर में से चुनने का विकल्प देता है, तो यह UDL के कार्य और अभिव्यक्ति के बहुविध साधन (Multiple Means of Action and Expression) के सिद्धांत को दर्शाता है। यह शिक्षार्थियों को अपनी अधिगम प्राथमिकताओं के अनुसार विचार व्यक्त करने का अवसर देता है।

35. (A) प्रतिनिधित्व के बहुविध साधन (Multiple Means of Representation)
विषय-वस्तु को विभिन्न स्वरूपों जैसे पाठ, श्रव्य, दृश्य और त्रिविम मॉडल के माध्यम से प्रस्तुत करना UDL के 'प्रतिनिधित्व के बहुविध साधन' (Multiple Means of Representation) का उदाहरण है। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि विभिन्न संवेदी और संज्ञानात्मक प्राथमिकताओं वाले शिक्षार्थी जानकारी को अपनी क्षमता के अनुसार आसानी से समझ और संसाधित कर सकें।

36. (C) साधारण पेंसिल ग्रिप्स और अनुकूलित कागज
लो-टेक सहायक प्रौद्योगिकी (Low-Tech Assistive Technology) बिना किसी इलेक्ट्रॉनिक या जटिल डिजिटल घटकों वाले सरल, सस्ते और आसानी से उपलब्ध उपकरणों को संदर्भित करती है। सूक्ष्म गत्यात्मक कठिनाइयों (Fine Motor Difficulties) वाले छात्रों के लिए साधारण पेंसिल ग्रिप्स (Pencil Grips) और अनुकूलित रेखांकित कागज लो-टेक सहायक प्रौद्योगिकी के आदर्श उदाहरण हैं।

37. (A) गंभीर वाक् या अभिव्यंजक संचार चुनौतियों का सामना करते हैं।
संवर्धित और वैकल्पिक संचार (Augmentative and Alternative Communication) उपकरणों का उपयोग मुख्य रूप से उन शिक्षार्थियों द्वारा किया जाता है जो गंभीर वाक् अक्षमता या अभिव्यंजक संचार में असमर्थता का सामना करते हैं। ये उपकरण (जैसे चित्र बोर्ड या वाक्-उत्पादक उपकरण) शिक्षार्थियों को अपनी आवश्यकताओं, विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने में सक्षम बनाते हैं।

38. (D) सह-शिक्षण (Co-teaching)
सह-शिक्षण (Co-teaching) एक ऐसी सहयोगात्मक व्यवस्था है जिसमें सामान्य शिक्षा शिक्षक और विशेष शिक्षा शिक्षक एक ही कक्षा के सभी छात्रों को अनुदेशात्मक निर्देश देने की जिम्मेदारी साझा करते हैं। इस मॉडल में दोनों शिक्षक पाठ योजना, शिक्षण और मूल्यांकन में एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, जिससे समावेशी वातावरण सुदृढ़ होता है।

39. (B) विशेष शिक्षक सामान्य शिक्षक को सलाह देता है, जो फिर निर्देश संचालित करता है।
विशेष शिक्षा के परामर्श मॉडल (Consultation Model) में विशेष शिक्षक प्रत्यक्ष रूप से छात्र को पढ़ाने के बजाय सामान्य शिक्षा शिक्षक को विशेषज्ञ सलाह, अनुकूलन रणनीतियाँ और पाठ्यचर्या संशोधन संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करता है। तत्पश्चात सामान्य शिक्षक उन रणनीतियों को मुख्यधारा की कक्षा में नियमित अनुदेशन के दौरान लागू करता है।

40. (C) घरेलू प्रौद्योगिकी पहुंच को माने बिना आवश्यक शिक्षण संसाधन प्रदान करना।
सामाजिक-आर्थिक विविधता को संबोधित करने के लिए सबसे समावेशी अभ्यास यह है कि विद्यालय परिसर में ही सभी छात्रों को आवश्यक शिक्षण संसाधन और सामग्री उपलब्ध कराई जाए। यह रणनीति यह मानकर नहीं चलती कि सभी छात्रों के पास घर पर महंगी डिजिटल तकनीक उपलब्ध है, जिससे आर्थिक विषमता के कारण अधिगम में बाधा उत्पन्न नहीं होती।

41. (D) कक्षा 5 तक मातृभाषा के निर्देश के साथ बहुभाषावाद (Multilingualism) को बढ़ावा देना।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 प्राथमिक स्तर (कम से कम कक्षा 5 तक) शिक्षा का माध्यम बच्चे की मातृभाषा, स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा रखने पर बल देती है। यह नीति बहुभाषावाद (Multilingualism) को एक संज्ञानात्मक संपत्ति मानती है

NODIA

135. (D) A गलत है लेकिन R सही है
समावेशी शिक्षा का अर्थ विशेष शिक्षकों को हटाना नहीं है; बल्कि उनकी भूमिका सामान्य शिक्षकों के साथ सह-शिक्षक और संसाधन विशेषज्ञ के रूप में बदल जाती है। सामान्य शिक्षकों को सभी विविध आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु विशेष सहायता की आवश्यकता होती है, इसलिए कारण सही है और अभिकथन गलत है।

136. (C) लोकोमोटर दिव्यांगता (Locomotor Disability)
RPwD अधिनियम, 2016 के तहत 'सेरेब्रल पाल्सी' (Cerebral Palsy) को शारीरिक दिव्यांगता की उप-श्रेणी के रूप में 'लोकोमोटर दिव्यांगता' (Locomotor Disability) के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। यह स्थिति मस्तिष्क के विकास में क्षति के कारण मांसपेशियों के नियंत्रण, गति और शारीरिक संतुलन को प्रभावित करती है।

137. (D) विद्यालय भवनों में रैंप, लिफ्ट और सुलभ शौचालयों की कमी।
विद्यालय भवनों में रैंप, लिफ्ट, चौड़े दरवाजे, और सुलभ शौचालयों की अनुपस्थिति प्रत्यक्ष रूप से एक 'पर्यावरणीय या भौतिक बाधा' (Environmental Barrier) है। यह संरचनात्मक कमी विशेष रूप से शारीरिक लोकोमोटर दिव्यांगता वाले शिक्षार्थियों की स्वतंत्र आवाजाही और विद्यालय परिसर तक पहुँच को सीमित करती है।

138. (A) विविध शिक्षार्थियों के लिए शिक्षण को समायोजित करने के लिए निरंतर प्रतिक्रिया प्रदान करता है।
समावेशी कक्षा में रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) इसलिए अनिवार्य है क्योंकि यह शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान निरंतर प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करता है। इससे शिक्षक को प्रत्येक छात्र की प्रगति और कठिनाइयों का पता चलता है, जिससे वह अपनी अनुदेशात्मक रणनीतियों में समय पर आवश्यक समायोजन कर सकता है।

139. (B) नियामक व्यवहार की अनुमति देना या सूक्ष्म संवेदी उपकरणों की ओर पुनर्दिशा देना।
ऑटिज्म से पीड़ित छात्र द्वारा किया जाने वाला 'स्टिमिंग' (आत्म-उत्तेजक व्यवहार) संवेदी नियमन का एक तरीका है। सबसे उपयुक्त शैक्षणिक दृष्टिकोण इस व्यवहार को जबरन दबाने के बजाय स्वीकार करना, छात्र को शांत होने देना या उसे सूक्ष्म संवेदी उपकरणों (Fidget Tools) की ओर पुनर्दिशानिर्देशित करना है।

140. (B) सीखने को दिखाने के लिए निबंध, प्रस्तुतियाँ, या डायरैमा जैसे विकल्प प्रदान करना।
विभेदित अनुदेशन के अंतर्गत 'विभेदित उत्पाद' का तात्पर्य शिक्षार्थियों को अपनी अधिगम उपलब्धि प्रदर्शित करने हेतु विविधतापूर्ण विकल्प देना है। इसमें एक ही परीक्षा थोपने के बजाय छात्रों को निबंध लिखने, मौखिक प्रस्तुति देने, पोस्टर या 3D मॉडल बनाने जैसे विभिन्न माध्यम चुनने की अनुमति दी जाती है।

141. (A) कक्षा में पाठ्यचर्या पहुंच और व्यवहार के साथ CWSN का समर्थन करने वाला एक सहायक।
'शैडो टीचर' या लर्निंग सपोर्ट असिस्टेंट एक ऐसा समर्पित पेशेवर होता है जो मुख्यधारा की कक्षा में विशिष्ट विशेष आवश्यकता वाले बच्चे के साथ व्यक्तिगत रूप से बैठता है। उसका प्राथमिक कार्य छात्र को पाठ्यचर्या तक पहुँच बनाने, ध्यान केंद्रित रखने और कक्षा व्यवहार को प्रबंधित करने में सहायता करना है।

142. (B) II और III
केवल मानकीकृत IQ परीक्षण ही प्रतिभा की पहचान का एकमात्र तरीका नहीं है, क्योंकि यह बहुविध क्षमताओं को नहीं मापता। शिक्षक जांच-सूचियां और व्यवहार अवलोकन पहचान के अत्यंत प्रभावी उपकरण हैं। इसके अतिरिक्त, प्रतिभा अधिगम अक्षमता के साथ सह-अस्तित्व में हो सकती है (2e), अतः द्वितीय और तृतीय कथन सही हैं।

143. (D) प्रतिभाशाली के रूप में पहचाने जाते हैं जिनके पास एक निदान की गई दिव्यांगता भी होती है।
'द्वि-अपवादात्मक' (Twice-Exceptional या 2e) शिक्षार्थी वे छात्र होते हैं जो असाधारण बौद्धिक या रचनात्मक प्रतिभा (Giftedness) का प्रदर्शन करते हैं, और इसके साथ ही उनमें एक या अधिक निदान की गई दिव्यांगता (जैसे डिस्लेक्सिया, ADHD, या ऑटिज्म) भी विद्यमान होती है।

144. (C) घाटा दृष्टिकोण (Deficit Perspective)
जब कोई शैक्षणिक प्रणाली बच्चे की मातृभाषा या घरेलू भाषा को एक मूल्यवान संपत्ति मानने के बजाय मुख्य भाषा (जैसे अंग्रेजी) सीखने के मार्ग में एक बाधा या कमी मानती है, तो इस दृष्टिकोण को 'घाटा दृष्टिकोण' (Deficit Perspective) कहा जाता है। यह दृष्टिकोण समावेशी शिक्षा के सिद्धांतों के प्रतिकूल है।

145. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
NEP 2020 देश भर में भारतीय सांकेतिक भाषा (ISL) के मानकीकरण और प्रयोग की पुरजोर सिफारिश करती है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सांकेतिक भाषा में पाठ्य-सामग्री और डिजिटल संसाधन विकसित किए जा रहे हैं, जिससे श्रवण-बाधित छात्रों की शिक्षा सुगम हो सके।

146. (D) विशेष अनुकूलन की आवश्यकता के बिना सभी लोगों द्वारा उपयोग योग्य उत्पादों को डिजाइन करना।
वास्तुकला में 'सार्वभौमिक डिज़ाइन' का अर्थ ऐसे वातावरण, भवनों और उत्पादों का निर्माण करना है जो बिना किसी अतिरिक्त अनुकूलन या विशेष बदलाव के, सभी व्यक्तियों (चाहे वे दिव्यांग हों या सामान्य) द्वारा अपनी अधिकतम संभव सीमा तक आसानी से उपयोग किए जा सकें।

147. (A) सुलभ, समावेशी शिक्षण वातावरण प्रदान करना।
पुस्तकालय में अत्यधिक ऊँची अलमारियाँ और ऑडियो पुस्तकों की अनुपस्थिति यह स्पष्ट करती है कि संस्था भौतिक और अनुदेशात्मक दोनों स्तरों पर सुगम और समावेशी पर्यावरण

Click Here to Buy book on Amazon

व्यापक विद्यालय संस्कृति और वातावरण का निर्माण करने के बारे में है जहाँ प्रत्येक बच्चा—चाहे उसकी क्षमताएं, सामाजिक, सांस्कृतिक या आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो—समान रूप से मूल्यवान, स्वीकार्य और समर्थित महसूस करे।

172. (B) उपयोग किए जा रहे मानकीकृत बुद्धिमत्ता जांच परीक्षणों में सांस्कृतिक पूर्वाग्रह।
जब किसी विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समुदाय के बच्चों को अत्यधिक संख्या में बौद्धिक रूप से अक्षम चिन्हित किया जाता है, तो प्राचार्य को प्रयुक्त मानकीकृत बुद्धि परीक्षणों (IQ Tests) में सांस्कृतिक और भाषाई पूर्वाग्रह (Cultural Bias) की जांच करनी चाहिए, जो वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों को अनुचित रूप से प्रभावित करते हैं।

173. (A) डिस्ग्राफिया या गंभीर वर्तनी की कमियां
'शब्द भविष्यवाणी सॉफ्टवेयर' (Word Prediction Software) एक ऐसी सहायक प्रौद्योगिकी है जो टाइपिंग के दौरान शुरुआती अक्षरों के आधार पर संभावित शब्दों का सुझाव देती है। यह उपकरण मुख्य रूप से डिस्ग्राफिया, लेखन कठिनाइयों या गंभीर वर्तनी कमियों (Spelling Deficits) का सामना कर रहे शिक्षार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक है।

174. (C) अद्वितीय यौगिक बाधाओं का अनुभव करती है जिसके लिए समग्र समावेशी विद्यालय सहायता की आवश्यकता होती है।
अंतर-अनुभागीयता (Intersectionality) का सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि हाशिए की जाति से संबंधित दिव्यांग बालिका लिंग, जाति और दिव्यांगता के आपस में जुड़ने के कारण दोहरावदार और अनूठी यौगिक बाधाओं का सामना करती है। इसलिए समावेशी विद्यालय को इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए समग्र सहायता प्रदान करनी चाहिए।

175. (D) A गलत है लेकिन R सही है
विभेदित अनुदेशन केवल संघर्ष कर रहे छात्रों के लिए नहीं, बल्कि प्रतिभाशाली छात्रों सहित कक्षा के सभी शिक्षार्थियों के लिए होता है। प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों को भी अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने हेतु पाठ्यचर्या विभेदन की आवश्यकता होती है, इसलिए कारण सत्य है जबकि अभिकथन अत्यंत एकांगी और गलत है।

176. (C) मोटर योजना और शारीरिक समन्वय के साथ तंत्रिका संबंधी कठिनाई।
'डिस्प्रेक्सिया' (Dyspraxia) या विकासमूलक समन्वय विकार एक तंत्रिका संबंधी स्थिति है जो मस्तिष्क द्वारा शारीरिक गतियों की योजना बनाने और उन्हें निष्पादित करने की क्षमता को प्रभावित करती है। इसके परिणामस्वरूप शिक्षार्थी को सूक्ष्म और स्थूल गत्यात्मक कौशलों, संतुलन, तथा शारीरिक समन्वय में कठिनाई होती है।

177. (B) स्पर्श
दृष्टिबाधित और अंध शिक्षार्थी जानकारी को संसाधित करने और सीखने के लिए मुख्य रूप से 'स्पर्शनीय' (Tactile) माध्यमों पर निर्भर रहते हैं। इसका तात्पर्य हाथों के स्पर्श के माध्यम से ब्रेल लिपि पढ़ने, उभारदार आरेखों (Tactile Diagrams) को महसूस करने और त्रिविम मॉडलों को छूकर अवधारणाओं को समझने से है।

178. (D) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD)
'इकोलालिया' (Echolalia) का तात्पर्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बोले गए शब्दों, वाक्यांशों या आवाज़ों को बिना समझे या अर्थहीन रूप से तुरंत या बाद में दोहराना है। यह संचार विशेषता मुख्य रूप से ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) से ग्रसित बच्चों के भाषा विकास में व्यापक रूप से देखी जाती है।

179. (A) ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक और बहु-दिव्यांगता।
भारत सरकार द्वारा स्थापित 'राष्ट्रीय न्यास' (National Trust) अधिनियम, 1999 विशेष रूप से चार निर्दिष्ट दिव्यांगताओं वाले व्यक्तियों के कल्याण, कानूनी अभिभावकता और सशक्तिकरण के लिए बनाया गया था: ऑटिज्म (Autism), सेरेब्रल पाल्सी (Cerebral Palsy), बौद्धिक अक्षमता (मानसिक मंदता), और बहु-दिव्यांगता।

180. (A) I, II, III, IV
IEP विकास का तार्किक क्रम इस प्रकार है: सबसे पहले बालक की पहचान और गहन मूल्यांकन (I) किया जाता है; इसके आधार पर मापन योग्य वार्षिक लक्ष्यों का निर्धारण (II) होता है; तत्पश्चात आवश्यक विशेष शिक्षा व संबंधित सेवाओं का चयन (III) किया जाता है; और अंत में निरंतर समीक्षा व मूल्यांकन (IV) होता है।

181. (A) लेखक स्पष्टीकरण दिए बिना केवल बोले गए उत्तरों को लिखता है।
परीक्षा के दौरान दिव्यांग छात्र हेतु उपलब्ध कराए गए 'लेखक' (Scribe) का मौलिक नियम यह है कि वह छात्र द्वारा बोले गए उत्तरों को बिना किसी बदलाव, सुधार या अपनी ओर से कोई अतिरिक्त स्पष्टीकरण या संकेत दिए, हूबहू और निष्पक्ष रूप से उत्तर-पुस्तिका में दर्ज करे।

182. (D) एक आई-गेज संचार प्रणाली (Eye-Gaze Communication System)।
हाई-टेक (High-Tech) सहायक उपकरण वे होते हैं जिनमें उन्नत इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल या कम्प्यूटरीकृत तकनीक का प्रयोग किया जाता है। 'आई-गेज संचार प्रणाली' (Eye-Gaze System) एक अत्याधुनिक हाई-टेक उपकरण है जो गंभीर शारीरिक या वाक् अक्षमता वाले छात्रों को अपनी आंखों की गति से कंप्यूटर संचालित करने में सक्षम बनाता है।

183. (B) ADHD और प्रसंस्करण गति की कठिनाइयों वाले शिक्षार्थी।
'निर्देशित नोट्स' (Guided Notes) प्रदान करना—जिसमें व्याख्यान की रुपरेखा में मुख्य शब्द रिक्त छोड़े जाते हैं—मुख्य रूप से ADHD, कार्यशील स्मृति समस्याओं और धीमी प्रसंस्करण गति वाले शिक्षार्थियों को लाभ पहुँचाता है। यह

NODIA

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY
PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

करता है, जिससे छात्र अपनी वास्तविक विषय-वस्तु की समझ प्रदर्शित कर पाता है।

160. (D) I, II और III
हल्के से मध्यम श्रवण-बाधित शिक्षार्थियों हेतु माइक्रोफोन/स्पीकर द्वारा ध्वनि प्रवर्धन, व्याख्यान की लिखित रुपरेखा अग्रिम में देना, और शिक्षक का चेहरा स्पष्ट दिखाई देना (ओष्ठ-पठन हेतु) तीनों रणनीतियाँ अत्यंत लाभप्रद हैं। ये सभी उपाय कक्षा अंतःक्रिया में उनकी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।

161. (B) शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम (Physical Education Curriculum) लड़कों के लिए क्रिकेट और लड़कियों के लिए शास्त्रीय नृत्य को अनिवार्य बनाता है।
यदि शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम लड़कों के लिए केवल खेल और लड़कियों के लिए केवल नृत्य अनिवार्य करता है, तो यह स्पष्ट रुप से 'लैंगिक रुढ़िवादिता' (Gender Stereotyping) को प्रदर्शित करता है। एक लैंगिक-संवेदनशील वातावरण में सभी लिंगों के छात्रों को अपनी पसंद के अनुसार गतिविधियों को चुनने का समान अवसर मिलना चाहिए।

162. (D) दो या दो से अधिक निर्दिष्ट दिव्यांगताओं का संयोजन प्रस्तुत करना।
RPwD अधिनियम, 2016 के तहत 'बहु-दिव्यांगता' (Multiple Disabilities) को एक ऐसी स्थिति के रुप में परिभाषित किया गया है जिसमें कोई व्यक्ति अधिनियम में सूचीबद्ध 21 निर्दिष्ट दिव्यांगताओं में से दो या दो से अधिक दिव्यांगताओं (जैसे अंधता के साथ बधिरता या बौद्धिक अक्षमता) के संयोजन से ग्रसित होता है।

163. (A) शिक्षकों के साथ सहयोग (Collaboration) करते हुए CWSN को विशिष्ट सहायता प्रदान करना।
समावेशी विद्यालय में 'संसाधन शिक्षक' (Resource Teacher) की प्राथमिक भूमिका सामान्य शिक्षा शिक्षकों के साथ सहयोगात्मक रुप से कार्य करना, पाठ्यचर्या अनुकूलन तैयार करना, और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को उनकी IEP के अनुसार व्यक्तिगत उपचारात्मक शिक्षण तथा कौशल सहायता प्रदान करना है।

164. (C) ADHD वाले शिक्षार्थी
कार्यकारी कार्यप्रणाली (Executive Functioning) में आयोजन, योजना बनाना, कार्यशील स्मृति, समय प्रबंधन और आवेग नियंत्रण जैसे उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक कौशल शामिल हैं। इन कौशलों में महत्वपूर्ण कठिनाइयाँ मुख्य रुप से अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (ADHD) से पीड़ित शिक्षार्थियों की प्रोफाइल से जुड़ी होती हैं।

165. (D) A गलत है लेकिन R सही है
दृष्टिहीन छात्र को ब्रेल में पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराना 'आवास' (Accommodation) का उदाहरण है, न कि पाठ्यचर्या संशोधन का, क्योंकि यह केवल पहुँच का माध्यम बदलता है, विषय-वस्तु नहीं। संशोधन में अधिगम के मानकों में बदलाव किया जाता है, इसलिए कारण सही है जबकि अभिकथन गलत है।

166. (D) एक धैर्यवान, बिना जल्दबाजी वाले माहौल में छात्रों को पर्याप्त अभिव्यक्ति समय देना।
वाक् और भाषा दिव्यांगता (जैसे हकलाना) वाले शिक्षार्थी हेतु सबसे उपयुक्त और संवेदनशील समावेशी अभ्यास यह है कि कक्षा में धैर्यपूर्ण, सहायक और तनावमुक्त माहौल बनाया जाए। शिक्षक को छात्र को बिना टोके या उसकी बात पूरी किए, अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए पर्याप्त समय देना चाहिए।

167. (B) छात्र दिन के हिस्से में संसाधन कक्ष (Resource Room) में आवधिक निर्देश प्राप्त करता है।
विशेष शिक्षा के 'पुल-आउट' (Pull-out) मॉडल की मुख्य विशेषता यह है कि विशेष आवश्यकता वाला छात्र अपने स्कूली दिन का अधिकांश समय मुख्यधारा की सामान्य कक्षा में बिताता है, किंतु विशिष्ट कौशलों या उपचारात्मक शिक्षण हेतु दिन के कुछ हिस्से के लिए उसे संसाधन कक्ष (Resource Room) में ले जाया जाता है।

168. (C) दैनिक अनुदेशात्मक अभ्यास में विविध सांस्कृतिक दृष्टिकोणों को एकीकृत करना।
'सांस्कृतिक रुप से प्रासंगिक शिक्षाशास्त्र' (Culturally Relevant Pedagogy) को लागू करने हेतु शिक्षकों को केवल वार्षिक उत्सवों तक सीमित न रहकर, दैनिक शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं, उदाहरणों और पाठ्य-सामग्रियों में छात्रों की विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों, भाषाओं और जीवन अनुभवों को निरंतर एवं सम्मानपूर्वक एकीकृत करना चाहिए।

169. (D) सकारात्मक प्रतिस्थापन व्यवहार सिखाने वाले कार्यात्मक मूल्यांकन पर आधारित योजना।
व्यवहार हस्तक्षेप योजना (Behavior Intervention Plan - BIP) एक लिखित, साक्ष्य-आधारित योजना है जो कार्यात्मक व्यवहार आकलन (FBA) पर आधारित होती है। इसका उद्देश्य समस्यात्मक व्यवहारों को दंडित करने के बजाय उनके कारणों की पहचान करना तथा छात्र को सकारात्मक प्रतिस्थापन व्यवहार (Replacement Behaviors) और स्व-नियमन कौशल सिखाना है।

170. (A) I, II और IV
बौद्धिक अक्षमता हेतु कार्य विश्लेषण, ऑटिज्म हेतु दृश्य अनुसूचियां, तथा दृष्टिबाधा हेतु स्पर्शनीय व ऑडियो सामग्री अत्यंत सुमेलित रणनीतियाँ हैं। ADHD वाले छात्रों के लिए लंबे व्याख्यान और सख्त गतिहीनता हानिकारक हैं; उन्हें उद्देश्यपूर्ण हलचल की आवश्यकता होती है। अतः प्रथम, द्वितीय और चतुर्थ सही हैं।

171. (B) एक ऐसी विद्यालय संस्कृति को बढ़ावा देना जहाँ सभी बच्चे मूल्यवान और समर्थित महसूस करें।
समावेश (Inclusion) का मौलिक दर्शन केवल भौतिक उपस्थिति या बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं है। यह एक ऐसी

Downloaded from www.pdf.tube

के लिए बदल सकते हैं। यह प्रशासनिक हस्तक्षेप किस पर आधारित है?
(A) क्लासिकल अनुबंधन (Classical Conditioning) और भावनात्मक अनुक्रिया जुड़ाव
(B) सामाजिक निर्मितवाद (Social Constructivism) और सहकर्मी-मध्यस्थता अधिगम सिद्धांत
(C) बाह्य अभिप्रेरणा (Extrinsic Motivation) और क्रियाप्रसूत अनुबंधन सिद्धांत (Operant Conditioning Principles)
(D) सूचना प्रसंस्करण सिद्धांत (Information Processing Theory) और संज्ञानात्मक स्मृति संरचनाएं

22. निम्नलिखित में से किसको छोड़कर, अन्य सभी विद्यालयों में उपयोग किए जाने वाले बाह्य अभिप्रेरकों (Extrinsic Motivators) के विशिष्ट उदाहरण हैं:
(A) औपचारिक योग्यता प्रमाण पत्र और आधिकारिक उपलब्धि पुरस्कार
(B) संस्था के प्रमुख (Head of the Institution) द्वारा मौखिक प्रशंसा और सार्वजनिक मान्यता
(C) आगामी मानकीकृत परीक्षा में असफल होने का व्यापक डर
(D) एक जटिल कौशल पर महारत हासिल करने की छात्र की आंतरिक भावना

23. निम्नलिखित में से कौन सा कथन बाह्य और आंतरिक अभिप्रेरणा के बीच संबंधों का सही वर्णन करता है?
(A) बाह्य अभिप्रेरणा हमेशा सभी शैक्षिक संदर्भों में मौजूदा आंतरिक अभिप्रेरणा को नष्ट कर देती है।
(B) बाह्य अभिप्रेरणा उन कार्यों में जुड़ाव शुरु करने में मदद कर सकती है जिनमें प्रारंभिक अंतर्निहित रुचि की कमी होती है।
(C) आंतरिक अभिप्रेरणा केवल किसी भी बाह्य पुरस्कार की पूर्ण अनुपस्थिति में ही मौजूद और विकसित हो सकती है।
(D) बाह्य और आंतरिक अभिप्रेरणा समान संज्ञानात्मक और शारीरिक तंत्रों पर निर्भर करती हैं।

24. एक प्राचार्य (Principal) ध्यान देते हैं कि उपचारात्मक गणित (Remedial Mathematics) कक्षा के छात्रों में विषय में रुचि की कमी है। प्राचार्य शिक्षक को प्रारंभिक गति बनाने के लिए कार्य पूरा करने हेतु अंक प्रणाली शुरु करने की सलाह देते हैं। इस परिदृश्य में, बाह्य अभिप्रेरणा का उपयोग मुख्य रुप से किसके लिए किया जा रहा है:
(A) दीर्घकालिक वैचारिक पुनर्गठन (Conceptual Restructuring)
(B) अरुचिकर कार्यों में व्यवहारात्मक जुड़ाव को पाड़ (Scaffolding Behavioral Engagement) प्रदान करना
(C) शिक्षण-शास्त्रीय विभेदन (Pedagogical Differentiation) की आवश्यकता को समाप्त करना
(D) छात्रों की जन्मजात गणितीय योग्यता विकसित करना

25. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रुप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): शैक्षणिक कार्यों के लिए बाह्य पुरस्कारों (Extrinsic Rewards) पर अत्यधिक निर्भरता कभी-कभी उन कार्यों में छात्र की प्राकृतिक रुचि को कम कर सकती है।
कारण (R): मूर्त पुरस्कार छात्र के कारण-निरुपण के बोधगम्य केंद्र (Perceived Locus of Causality) को आंतरिक से बाह्य में स्थानांतरित कर सकते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

NODIA

26. आत्म-निर्धारण सिद्धांत (Self-Determination Theory) में अभिप्रेरणा के निरंतरता (Continuum) के अनुसार, 'अंतःक्षेपित नियमन' (Introjected Regulation) बाह्य अभिप्रेरणा का एक रुप है जहाँ व्यवहार किसके द्वारा संचालित होता है:
(A) विशुद्ध रुप से बाह्य पुरस्कारों या अधिकारियों से तत्काल शारीरिक दंड।
(B) आंतरिक दबाव जैसे कि अपराधबोध (Guilt), चिंता, या आकस्मिक आत्म-सम्मान (Contingent Self-Esteem)।
(C) कार्य की उपयोगिता या महत्व का सचेत, व्यक्तिगत मूल्य निर्धारण और स्वीकृति।
(D) गतिविधि से सीधे प्राप्त होने वाला अंतर्निहित, प्राकृतिक आनंद और संतुष्टि।

27. कक्षा में बाह्य पुरस्कारों (Extrinsic Rewards) का उपयोग करने वाले शिक्षक के लिए सबसे उपयुक्त दृष्टिकोण क्या है?
(A) निरंतर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अक्सर बड़े, अत्यधिक मूल्यवान पुरस्कारों का उपयोग करना।
(B) दक्षता स्वीकार करने के बजाय छात्र व्यवहार को नियंत्रित करने के लिए मुख्य रुप से पुरस्कारों का उपयोग करना।
(C) जैसे-जैसे छात्र दक्षता और आंतरिक रुचि विकसित करते हैं, मूर्त पुरस्कारों को धीरे-धीरे समाप्त करना।
(D) तीव्र प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए केवल सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले छात्र को पुरस्कार देना।

28. मध्य विद्यालय (Middle School) के छात्रों के बीच आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation) का निर्माण करने में निम्नलिखित में से कौन सी रणनीति सबसे प्रभावी है?
(A) सभी विषयों में प्रतिस्पर्धी, मानक-संदर्भित ग्रेडिंग स्केलों (Norm-Referenced Grading Scales) के रणनीतिक उपयोग को व्यवस्थित रुप से अधिकतम करना।
(B) छात्र के आत्म-सम्मान को कृत्रिम रुप से बढ़ाने के लिए लगातार गैर-आकस्मिक, बिना अर्जित की गई मौखिक प्रशंसा प्रदान करना।

तकनीक उन्हें लिखने के अत्यधिक दबाव से बचाते हुए मुख्य बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित रखने में मदद करती है।

184. (C) 40%
दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act), 2016 के अनुसार, 'बेंचमार्क दिव्यांगता' (Benchmark Disability) का तात्पर्य किसी प्रमाणित प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र के अनुसार अधिनियम में निर्दिष्ट किसी भी दिव्यांगता के कम से कम 40% (चालीस प्रतिशत) या उससे अधिक होने की स्थिति से है।

185. (D) A गलत है लेकिन R सही है
अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (UDL) केवल विशेष शिक्षा कक्षाओं के लिए नहीं है, बल्कि यह सामान्य और समावेशी सभी कक्षाओं हेतु डिज़ाइन किया गया एक सार्वभौमिक ढाँचा है। इसका उद्देश्य ऐसे लचीले वातावरण बनाना है जो सभी छात्रों के अधिगम अंतरों को संबोधित करें, इसलिए कारण सही है और अभिकथन गलत है।

186. (A) लचीली उपस्थिति, विस्तारित असाइनमेंट समय सीमा, और मार्गदर्शन सहायता।
गंभीर नैदानिक अवसाद जैसी मानसिक बीमारी से पीड़ित शिक्षार्थी को मुख्य रूप से गैर-भौतिक, मनो-सामाजिक और शैक्षणिक समायोजनों की आवश्यकता होती है। इसके अंतर्गत लचीली उपस्थिति नीतियां, असाइनमेंट जमा करने हेतु अतिरिक्त समय सीमा, तनाव कम करने वाले विश्राम और परामर्शदाता की निरंतर सहायता शामिल है।

187. (B) समान परिस्थितियों की गारंटी के लिए कठोर एकल-प्रारूप योगात्मक परीक्षणों का उपयोग करना।
कठोर एकल-प्रारूप योगात्मक परीक्षण थोपना समावेशी मूल्यांकन का सिद्धांत नहीं है, क्योंकि यह शिक्षार्थियों की विविध संवेदी और संज्ञानात्मक आवश्यकताओं की उपेक्षा करता है। समावेशी मूल्यांकन निरंतरता, लचीलेपन, और व्यक्तिगत प्रगति को मापने वाले विविध वैकल्पिक साधनों के प्रयोग पर बल देता है।

188. (B) पुनर्स्थापनात्मक प्रथाएं और सकारात्मक व्यवहारात्मक हस्तक्षेप सहायता (Positive Behavioral Interventions and Supports - PBIS)।
गंभीर व्यवहारात्मक चुनौतियों से निपटने हेतु आधुनिक समावेशी शिक्षा का ध्यान दंडात्मक या बहिष्कारी उपायों से हटकर पुनर्स्थापनात्मक प्रथाओं और साक्ष्य-आधारित 'सकारात्मक व्यवहारात्मक हस्तक्षेप सहायता' (PBIS) पर केंद्रित है। यह दृष्टिकोण दमन के बजाय छात्र को सही व्यवहार और स्व-नियमन सिखाने का प्रयास करता है।

189. (A) भिन्न अवधारणाओं को समझना और एनालॉग समय बताना।
डिस्केल्कुलिया (Dyscalculia) एक विशिष्ट गणितीय अधिगम अक्षमता है। इससे ग्रसित छात्र को संख्यात्मक मानों, गणितीय संक्रियाओं, भिन्न की अवधारणाओं, और एनालॉग घड़ी में समय देखने जैसे स्थानिक-संख्यात्मक कार्यों में सबसे अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

190. (B) II और III
समावेशी शिक्षा में माता-पिता निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं होते, बल्कि वे अपने बच्चे की IEP तैयार करने वाली बहुविषय टीम में पूर्ण एवं समान भागीदार होते हैं। इसके अतिरिक्त, समावेशी वातावरण निर्माण हेतु अभिभावक संवेदीकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है, अतः द्वितीय और तृतीय कथन सत्य हैं।

191. (D) छात्र संवेदी डी-एस्केलेशन (Sensory De-escalation) आवश्यकताओं में सहायता के लिए नियंत्रित उपकरण प्रदान करना।
समावेशी विद्यालय में 'संवेदी कक्ष' (Sensory Room) एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया शांत वातावरण है। यह ऑटिज्म या संवेदी प्रसंस्करण चुनौतियों वाले छात्रों को नियंत्रित संवेदी इनपुट (जैसे हल्की रोशनी, आरामदायक स्पर्श सामग्रियां) प्रदान करके संवेदी डी-एस्केलेशन और स्व-नियमन में सहायता हेतु उपयोग किया जाता है।

192. (C) मानक कोर पाठ्यक्रम से परे गहरे विषय सीखने के अनुभव प्रदान करना।
प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों हेतु 'संवर्धन' (Enrichment) का तात्पर्य उन्हें सामान्य ग्रेड-स्तरीय पाठ्यक्रम से हटकर अधिक गहन, जटिल, और क्षैतिज रूप से विस्तृत अधिगम अनुभव प्रदान करना है। इसमें शोध परियोजनाएं, समस्या-समाधान गतिविधियां और आलोचनात्मक चिंतन कार्य शामिल होते हैं जो उनकी बौद्धिक क्षमता को चुनौती देते हैं।

193. (B) संयुक्त संवेदी हानि ऐसी आवश्यकताएं पैदा करती है जो केवल बधिर या केवल दृष्टिहीन सेटअप के लिए अनुपयुक्त हैं।
'बधिर-अंधता' (Deafblindness) एक अनूठी और जटिल दिव्यांगता है क्योंकि यह दृष्टि और श्रवण दोनों संवेदी प्रणालियों की संयुक्त हानि है। इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली गंभीर संचार और अधिगम आवश्यकताएं ऐसी होती हैं जिन्हें केवल दृष्टिहीन या केवल बधिर हेतु बने अलग-अलग तंत्रों द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता।

194. (D) सीढ़ी के चरणों के किनारों पर स्पर्शनीय Ground Studs और विपरीत रंगों को स्थापित करना।
दृष्टिबाधित व्यक्तियों हेतु सीढ़ियों को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए सीढ़ियों की शुरुआत और अंत में स्पर्शनीय ग्राउंड स्टड (Tactile Ground Indicators) तथा प्रत्येक चरण के किनारे पर उच्च-प्रतिबंधक (High-Contrast) विपरीत रंगों की पट्टियाँ स्थापित करना अनिवार्य भौतिक सुगमता विशेषता है।

195. (D) A गलत है लेकिन R सही है
लैंगिक-संवेदनशील शिक्षाशास्त्र लड़कों और लड़कियों को अलग बौद्धिक संस्थाओं के रूप में मानने के बजाय दोनों को समान क्षमताओं वाला मानता है। यह विचार कि लड़के केवल तर्क में और लड़कियाँ सहानुभूति में बेहतर होती हैं, रुढ़िवादिता

Click Here to Buy book on Flipkart

है जिसे यह शिक्षाशास्त्र चुनौती देता है, अतः अभिकथन और कारण दोनों असत्य हैं।

196. (C) दिव्यांग लड़कियों के लिए स्कूल में नामांकन और प्रतिधारण (Retention) को प्रोत्साहित करना।
समग्र शिक्षा योजना के तहत CWSN दिव्यांग लड़कियों को दिए जाने वाले वजीफे (Stipend) का प्राथमिक उद्देश्य उनके परिवारों पर आर्थिक बोझ को कम करना तथा विशेष रुप से दिव्यांग बालिकाओं के मुख्यधारा के विद्यालयों में नामांकन, नियमित उपस्थिति और प्रतिधारण (Retention) को बढ़ावा देना है।

197. (A) संरचित परिवर्णी शब्द (Acronyms) या तुकबंदी का उपयोग करके कार्यशील स्मृति और पुनर्प्राप्ति का समर्थन करती है।
स्मरणकारक (Mnemonics) ऐसी अनुदेशात्मक रणनीतियाँ हैं जो संक्षिप्त शब्दों, तुकबंदी या दृश्य छवियों का उपयोग करके जटिल जानकारियों को सुसंगत बनाती हैं। डिस्लेक्सिया वाले छात्रों के लिए यह तकनीक उनकी सीमित कार्यशील स्मृति पर भार कम करती है और दीर्घकालिक स्मृति से जानकारियों की पुनरुत्पादकता को सुगम बनाती है।

198. (D) कार्य तत्परता और रुचियों के आधार पर छात्रों को गतिशील रूप से पुनर्गठित करना।
समावेशी कक्षा में 'लचीले समूहन' (Flexible Grouping) का तात्पर्य छात्रों को किसी स्थिर आईक्यू या क्षमता समूह में बांधने के बजाय विशिष्ट शैक्षणिक कार्यों, अधिगम लक्ष्यों, तत्परता स्तरों और व्यक्तिगत रुचियों के आधार पर समय-समय पर गतिशील रूप से छोटे समूहों में पुनर्गठित करना है।

199. (B) छात्र द्वारा उपकरण प्रतिक्रियाओं को शांतिपूर्वक तैयार करने का धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करना।
AAC (संवर्धित और वैकल्पिक संचार) उपकरण का उपयोग करने वाले शिक्षार्थी को उत्तर या विचार तैयार करने में अतिरिक्त समय लगता है। शिक्षक का सबसे उपयुक्त समावेशी कर्तव्य यह है कि वह कक्षा में धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करे और छात्र को बिना टोके अपनी बात उपकरण द्वारा पूरी करने का समय दे।

200. (C) सभी छात्रों के लिए शैक्षणिक/सामाजिक परिणाम और पहुंच संबंधी बाधाओं को हटाना।
विद्यालय स्तर पर समावेशी शिक्षा नीति की वास्तविक सफलता का मूल्यांकन भौतिक वास्तुकला या लागत बचत से नहीं, बल्कि इस बात से होता है कि विद्यालय ने सभी विविध शिक्षार्थियों के लिए भौतिक, शैक्षणिक और सामाजिक बाधाओं को किस सीमा तक हटाया है और उनके अधिगम परिणामों में सुधार किया है।

NODIA

अध्याय 08
अभिप्रेरणा एवं कक्षा मनोविज्ञान

1. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प शैक्षिक अधिगम के संदर्भ में अभिप्रेरणा (Motivation) की मनोवैज्ञानिक अवधारणा को सबसे अच्छी तरह परिभाषित करता है?
(A) परीक्षाओं के दौरान जटिल जानकारी को बनाए रखने और याद करने की छात्र की संज्ञानात्मक क्षमता (Cognitive Ability)।
(B) वह आंतरिक प्रक्रिया जो लक्ष्य-उन्मुख अधिगम व्यवहारों को शुरू, निर्देशित और बनाए रखती है।
(C) कक्षा में अनुशासन बनाए रखने के लिए शिक्षक द्वारा लागू किया गया बाह्य नियामक ढांचा (External Regulatory Framework)।
(D) विशिष्ट शैक्षणिक विषयों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए शिक्षार्थी का आनुवंशिक पूर्वरुझान (Genetic Predisposition)।

2. शैक्षिक मनोविज्ञान में, अभिप्रेरणा का "चालक-न्यूनता सिद्धांत" (Drive-Reduction Theory) यह सुझाव देता है कि अधिगम मुख्य रूप से किसके द्वारा संचालित होता है:
(A) कक्षा शिक्षक से एक मूर्त बाह्य पुरस्कार (Tangible External Reward) या प्रशंसा प्राप्त करने की प्रत्याशा।
(B) व्यक्तिगत विकास, आत्म-साक्षात्कार (Self-Actualisation), और नैतिक विकास की जन्मजात मानवीय इच्छा।
(C) व्यक्तिगत व्यवहार पर सहकर्मी समूह की गतिशीलता (Peer Group Dynamics) और सामाजिक अंतःक्रियाओं का निरंतर प्रभाव।
(D) समस्थिति (Homeostasis) को बहाल करने के लिए शारीरिक या मनोवैज्ञानिक कमी को पूरा करने की आवश्यकता।

3. निम्नलिखित में से कौन सा कथन शिक्षण प्रक्रिया (Pedagogical Process) में अभिप्रेरणा (Motivation) के महत्व की सही पहचान करता है?
(A) अभिप्रेरणा व्यवहार को विशिष्ट लक्ष्यों की ओर निर्देशित करती है और कार्य पर बिताए गए समय (Time on Task) को बढ़ाती है।
(B) अत्यधिक अभिप्रेरित छात्रों को अपनी ऊर्जा को सही दिशा देने के लिए सख्त सत्तावादी नियंत्रण (Authoritarian Control) की आवश्यकता होती है।
(C) अभिप्रेरणा जटिल समस्या-समाधान में संज्ञानात्मक योग्यता (Cognitive Aptitude) के विकल्प के रूप में कार्य करती है।
(D) दीर्घकालिक अवधारण (Long-Term Retention) के लिए बाह्य अभिप्रेरणा (Extrinsic Motivation) सार्वभौमिक रूप से आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation) से बेहतर है।

4. निम्नलिखित में से किसको छोड़कर, अन्य सभी छात्र अधिगम में अभिप्रेरणा (Motivation) के मान्यता प्राप्त कार्य हैं:
(A) संज्ञानात्मक प्रसंस्करण (Cognitive Processing) और वैचारिक समझ को बढ़ाना।
(B) प्रासंगिक शैक्षणिक उद्दीपनों (Academic Stimuli) की ओर ध्यान निर्देशित करना।
(C) शिक्षार्थी की विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक स्थिति (Socio-Economic Status) को निर्धारित करना।
(D) चुनौतीपूर्ण कार्यों में प्रयास और निरंतरता के स्तर को बढ़ाना।

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): कक्षा के माहौल में अर्थपूर्ण अधिगम (Meaningful Learning) होने के लिए अभिप्रेरणा (Motivation) एक आवश्यक पूर्व-शर्त है।
कारण (R): अभिप्रेरणा यह सुनिश्चित करती है कि शिक्षार्थी संज्ञानात्मक रूप से जुड़े रहें और सक्रिय रूप से ज्ञान का निर्माण करने के लिए तैयार रहें।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

NODIA

6. अधिगम में अभिप्रेरणा के सैद्धांतिक दृष्टिकोणों के संबंध में सही जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण (Behavioural Approach) — आत्म-साक्षात्कार (Self-Actualisation) और व्यक्तिगत विकास पर केंद्रित है।
(B) मानवतावादी दृष्टिकोण (Humanistic Approach) — सकारात्मक और नकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Reinforcement) पर केंद्रित है।
(C) सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण (Sociocultural Approach) — जैविक चालकों (Biological Drives) और वृत्तियों पर जोर देता है।
(D) संज्ञानात्मक दृष्टिकोण (Cognitive Approach) — विश्वासों, कारण-निरूपण (Attributions) और

प्रदान करने में विफल रही है। यह कमी शारीरिक और संवेदी रूप से अक्षम छात्रों के लिए अधिगम संसाधनों तक पहुँच को बाधित करती है।

148. (C) कुष्ठ रोग मुक्त व्यक्ति (Leprosy Cured Person)
RPwD अधिनियम, 2016 के अंतर्गत 'कुष्ठ रोग मुक्त व्यक्ति' (Leprosy Cured Person) को स्पष्ट रूप से 'लोकोमोटर दिव्यांगता' (Locomotor Disability) की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है, क्योंकि इस स्थिति के परिणामस्वरूप हाथों, पैरों या चेहरे की मांसपेशियों और तंत्रिकाओं में शारीरिक क्षति या गत्यात्मक सीमाएं उत्पन्न हो सकती हैं।

149. (A) समझ के लिए मूर्त, वास्तविक जीवन के उदाहरणों और जोड़-तोड़ सामग्री का उपयोग करना।
बौद्धिक अक्षमता वाले शिक्षार्थियों को नई और जटिल अवधारणाएं सिखाते समय शिक्षक को हमेशा मूर्त (Concrete) शिक्षण सामग्रियों, वास्तविक जीवन के उदाहरणों और व्यावहारिक जोड़-तोड़ वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए। यह दृष्टिकोण अमूर्त विचारों को सरल और दृश्य योग्य बनाकर उनके संज्ञानात्मक बोध को सुगम बनाता है।

150. (A) I और II
कम सामाजिक-आर्थिक स्थिति वाले शिक्षार्थियों को प्रायः संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ता है जिससे उनकी शैक्षणिक उपलब्धि प्रभावित हो सकती है। विद्यालयों को न्यायसंगत संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए। सामाजिक-आर्थिक स्थिति कभी भी छात्र की जन्मजात बुद्धिमत्ता को निर्धारित नहीं करती, अतः प्रथम और द्वितीय कथन तर्कसंगत हैं।

151. (B) विषम समूहों में सहकारी अधिगम (Cooperative Learning)
विभिन्न क्षमता स्तरों और पृष्ठभूमियों वाले छात्रों को एक साथ मिलाकर छोटे विषम समूहों (Heterogeneous Groups) में पढ़ाना और 'सहकारी अधिगम' (Cooperative Learning) को बढ़ावा देना एक अत्यंत समावेशी रणनीति है। इसमें छात्र एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हैं, आपसी सहयोग बढ़ाते हैं और एक-दूसरे की शक्तियों का पूरक बनते हैं।

152. (C) प्रतिभाशाली छात्र जिन्हें पहले से ही महारत हासिल सामग्री को संक्षिप्त करने की अनुमति है।
'पाठ्यचर्या संघनन' (Curriculum Compacting) मुख्य रूप से प्रतिभाशाली और मेधावी शिक्षार्थियों के लिए डिज़ाइन की गई एक अनुदेशात्मक रणनीति है। इसमें छात्र की पूर्व-परीक्षा लेकर पहले से सीखी गई सामग्री को छोड़ दिया जाता है और उसके स्थान पर छात्र को अधिक चुनौतीपूर्ण, उन्नत और संवर्धित अध्ययन कार्य सौंपे जाते हैं।

153. (D) बधिर-अंधता (Deafblindness)
RPwD अधिनियम, 2016 के तहत 'विशिष्ट अधिगम अक्षमता' (SLD) श्रेणी में डिस्लेक्सिया, डिस्ग्राफिया और डिस्केल्कुलिया शामिल हैं। 'बधिर-अंधता' (Deafblindness) एक पृथक और बहु-संवेदी दिव्यांगता श्रेणी है, जो विशिष्ट अधिगम अक्षमता के कानूनी दायरे में नहीं आती है।

154. (A) व्हीलचेयर के उपयोग और पहुंच पर एक कहानी सत्र को सुगम बनाना।
प्राथमिक कक्षा के बच्चों को व्हीलचेयर का उपयोग करने वाले नए सहपाठी के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु सबसे उपयुक्त और प्रभावी गतिविधि कहानी वाचन (Storytelling) और परिचर्चा सत्र आयोजित करना है। यह माध्यम बच्चों में बिना किसी डर के स्वाभाविक सहानुभूति, समझ और सहकर्मी स्वीकृति विकसित करता है।

155. (D) A गलत है लेकिन R सही है
विशेष आवश्यकता वाले छात्रों को मूल्यांकन से पूरी तरह मुक्त कर देना अनुचित है; समावेश का अर्थ निष्पक्ष मूल्यांकन है, मूल्यांकन का लोप नहीं। समावेशी मूल्यांकन का वास्तविक उद्देश्य मानकों को समाप्त किए बिना, उचित समायोजनों द्वारा छात्र की व्यक्तिगत प्रगति का मापन करना है, इसलिए कारण सही है।

156. (B) बेसलाइन क्षमताओं और पाठ्यचर्या भागीदारी प्रभावों को स्थापित करना।
IEP में 'PLAAFP' (वर्तमान शैक्षणिक उपलब्धि और कार्यात्मक प्रदर्शन का स्तर) का मुख्य कार्य छात्र की वर्तमान शक्तियों, कमजोरियों और बेसलाइन क्षमताओं को दर्ज करना है। यह विवरण यह स्पष्ट करता है कि छात्र की दिव्यांगता सामान्य पाठ्यचर्या में उसकी भागीदारी को किस प्रकार प्रभावित करती है।

157. (A) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)
'समग्री शिक्षा' भारत सरकार का एक प्रमुख एकीकृत कार्यक्रम है, जो पूर्व-सर्व शिक्षा अभियान (SSA), RMSA और शिक्षक शिक्षा (TE) को मिलाकर बनाया गया है। यह योजना पूर्व-प्राथमिक से कक्षा 12 वीं तक के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) के लिए व्यापक समावेशी सहायता प्रदान करती है।

158. (C) दिव्यांगता सहायता के लिए स्थानीय संसाधनों और सामुदायिक भागीदारी का उपयोग करना।
समुदाय आधारित पुनर्वास (Community-Based Rehabilitation - CBR) मॉडल इस बात पर बल देता है कि दिव्यांग व्यक्तियों के पुनर्वास, शिक्षा और समावेशन हेतु पृथक संस्थानों के बजाय स्थानीय समुदाय, परिवार, और स्थानीय संसाधनों की सक्रिय भागीदारी का उपयोग किया जाए, जिससे उनका सामाजिक एकीकरण प्राकृतिक माहौल में हो सके।

159. (D) ऑडियो प्रारूप या टेक्स्ट-टू-स्पीच (Text-to-Speech) सॉफ्टवेयर टूल्स के माध्यम से प्रश्न प्रदान करना।
डिस्लेक्सिया वाले छात्र के लिए मूल्यांकन के 'स्वरूप' (Format) में आवास देने का सबसे सटीक उदाहरण लिखित परीक्षा प्रश्नों को ऑडियो प्रारूप या टेक्स्ट-टू-स्पीच सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रस्तुत करना है। यह बदलाव पठन बाधा को दूर

Downloaded from www.pdf.tube

14. एक प्राचार्य (Principal) शिक्षकों को अमूर्त वैज्ञानिक अवधारणाओं को उन रोजमर्रा की घटनाओं से जोड़ने की सलाह देते हैं जो छात्र अपने समुदायों में अनुभव करते हैं। इस शिक्षण रणनीति का मुख्य उद्देश्य किसको बढ़ावा देना है:
(A) संस्थागत अनुशासनात्मक नियमों का कड़ाई से पालन
(B) सामुदायिक अपेक्षाओं और सामाजिक दबाव के माध्यम से संचालित बाह्य अभिप्रेरणा (Extrinsic Motivation)
(C) विषय की प्रासंगिकता और जिज्ञासा बढ़ाकर आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation)
(D) संरचित रटने के अभ्यास के माध्यम से मानकीकृत परीक्षण प्रदर्शन

15. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
रोहन, कक्षा IX का छात्र, इतिहास के प्रति तीव्र जुनून प्रदर्शित करता है। वह अक्सर ऐतिहासिक पत्रिकाओं को पढ़ने के लिए पुस्तकालय जाता है जो उसके नियमित पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं हैं। वह अंक प्राप्त करने के लिए कक्षा में इस ज्ञान को साझा नहीं करता है, बल्कि केवल नए तथ्यों की खोज का आनंद लेता है। हालाँकि, उसके शिक्षक ने हाल ही में घोषणा की कि सभी अतिरिक्त पठन को अब ग्रेड दिया जाएगा, और अंकों के लिए पढ़ने वाले पृष्ठों का एक सख्त साप्ताहिक कोटा लागू किया जाएगा।
रोहन पर शिक्षक की नई नीति का सबसे संभावित मनोवैज्ञानिक परिणाम क्या होगा?
(A) अतिरिक्त शैक्षणिक संरचना और स्पष्ट अपेक्षाओं के कारण उसकी आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation) काफी बढ़ जाएगी।
(B) वह तुरंत संज्ञानात्मक अधिगम दृष्टिकोण से मानवतावादी अधिगम दृष्टिकोण में स्थानांतरित हो जाएगा।
(C) उसका आंतरिक नियंत्रण का केंद्र (Internal Locus of Control) स्थायी रूप से बाह्य नियंत्रण के केंद्र (External Locus of Control) में स्थानांतरित हो जाएगा।
(D) अति-औचित्य प्रभाव (Overjustification Effect) के कारण उसकी आंतरिक अभिप्रेरणा कम हो सकती है।

16. आंतरिक अभिप्रेरणा के संदर्भ में, मिहाली सिक्सेंटमिहाली द्वारा प्रस्तावित 'प्रवाह' (Flow) की अवधारणा तब घटित होती है जब:
(A) एक अधिगम कार्य अत्यंत आसान, दिनचर्या वाला होता है और इसके लिए छात्र से न्यूनतम संज्ञानात्मक प्रयास की आवश्यकता होती है।
(B) एक अधिगम कार्य अत्यधिक कठिन और जटिल होता है, जिससे उच्च चिंता और संज्ञानात्मक अतिभार (Cognitive Overload) होता है।
(C) छात्र के कौशल स्तर और कार्य की चुनौती के बीच एक अनुकूल संतुलन होता है।
(D) कार्य पूरा होने पर छात्र से स्पष्ट रूप से एक अत्यधिक महत्वपूर्ण बाह्य पुरस्कार का वादा किया जाता है।

NODIA

17. शिक्षार्थियों के बीच आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation) को बढ़ावा देने की सबसे कम संभावना निम्नलिखित में से किस शिक्षक कार्रवाई की है?
(A) सभी प्रमुख असाइनमेंट पर विस्तृत, रचनात्मक और सूचनात्मक प्रतिक्रिया (Informational Feedback) प्रदान करना।
(B) छात्रों के साप्ताहिक परीक्षण अंकों के आधार पर उनकी एक सार्वजनिक रैंकिंग चार्ट प्रदर्शित करना।
(C) छात्रों को दी गई एक व्यापक सूची से अपने प्रोजेक्ट विषयों को स्वतंत्र रूप से चुनने की अनुमति देना।
(D) अमूर्त पाठ्य सामग्री को सीधे छात्रों की व्यक्तिगत रुचियों से लगातार जोड़ना।

18. संज्ञानात्मक मूल्यांकन सिद्धांत (Cognitive Evaluation Theory) यह सुझाव देता है कि ऐसी घटनाएँ जो छात्र की दक्षता (Competence) और आत्म-निर्धारण (Self-Determination) की भावना को बढ़ाती हैं, वे:
(A) आंतरिक अभिप्रेरणा को कम करेंगी।
(B) अभिप्रेरणा पर कोई प्रभाव नहीं डालेंगी।
(C) आंतरिक अभिप्रेरणा को बाह्य अभिप्रेरणा में बदल देंगी।
(D) आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation) को बढ़ाएंगी।

19. बाह्य अभिप्रेरणा (Extrinsic Motivation) को सबसे अच्छी तरह से कैसे परिभाषित किया गया है?
(A) पुरस्कार अर्जित करने या सजा से बचने के लिए किसी व्यवहार में शामिल होना।
(B) गतिविधि के ही निहित आनंद के लिए किसी व्यवहार में शामिल होना।
(C) संज्ञानात्मक संतुलन की तलाश करने की जन्मजात जैविक प्रेरणा।
(D) शारीरिक आवश्यकताओं को पूरा करने की अचेतन इच्छा।

20. निम्नलिखित उदाहरणों पर विचार कीजिए:
I. छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए कड़ी पढ़ाई करना।
II. व्यक्तिगत आनंद के लिए उपन्यास पढ़ना।
III. डिटेंशन (कक्षा के बाद रोके जाने) से बचने के लिए गृहकार्य पूरा करना।
IV. विषय में गहरी रुचि के कारण वाद-विवाद में भाग लेना।
उपर्युक्त में से कौन से बाह्य अभिप्रेरणा (Extrinsic Motivation) के उदाहरण हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल II और IV
(C) केवल I, II, और III
(D) केवल I, III, और IV

21. एक विद्यालय 'टोकन इकोनॉमी' (Token Economy) प्रणाली लागू करता है जहाँ छात्र असाइनमेंट पूरा करने के लिए टोकन अर्जित करते हैं, जिसे वे बाद में स्कूल की आपूर्ति

प्रत्याशाओं पर जोर देता है।

7. अब्राहम मास्लो के आवश्यकताओं के पदानुक्रम (Hierarchy of Needs) के अनुसार, किसी छात्र से संज्ञानात्मक अधिगम (उदा. गणितीय अवधारणाओं को समझना) के लिए मजबूत अभिप्रेरणा प्रदर्शित करने की उम्मीद करने से पहले निम्नलिखित में से किसे संतुष्ट किया जाना चाहिए?
(A) सौंदर्यशास्त्र और संज्ञानात्मक अन्वेषण आवश्यकताएं (Aesthetic and Cognitive Exploration Needs)
(B) शारीरिक और सुरक्षा आवश्यकताएं (Physiological and Safety Needs)
(C) आत्म-साक्षात्कार और व्यक्तिगत विकास आवश्यकताएं (Self-Actualisation and Personal Growth Needs)
(D) आत्म-उत्कर्ष और आध्यात्मिक आवश्यकताएं (Transcendence and Spiritual Needs)

8. यदि कोई विद्यालय प्राचार्य (School Principal) कई कक्षाओं में अभिप्रेरणा की सामान्य कमी देखता है, तो निम्नलिखित में से कौन सा सबसे संभावित प्रणालीगत कारण (Systemic Cause) है?
(A) पाठ्यक्रम सभी छात्रों के वर्तमान संज्ञानात्मक और विकासात्मक स्तरों के साथ पूरी तरह से संरेखित है।
(B) शिक्षक सभी ग्रेड स्तरों में विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) विधियों का लगातार अत्यधिक उपयोग कर रहे हैं।
(C) विद्यालय के माहौल में मनोवैज्ञानिक सुरक्षा (Psychological Safety) और सहायक शिक्षक-छात्र संबंधों की कमी है।
(D) विद्यालय दैनिक कक्षा शिक्षण में बहुत अधिक बार रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) का उपयोग कर रहा है।

9. एक छात्र बिना किसी अतिरिक्त अंक की उम्मीद के, इतिहास विषय को वास्तव में आकर्षक पाने के कारण लगातार अतिरिक्त पठन कार्य पूरा करता है। यह व्यवहार किसका उदाहरण है?
(A) क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning)
(B) बाह्य अभिप्रेरणा (Extrinsic Motivation)
(C) नकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Negative Reinforcement)
(D) आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation)

10. आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह आंतराग्रही पुरस्कारों (Internal Rewards), जैसे व्यक्तिगत संतुष्टि और जिज्ञासा से संचालित होता है।
II. यह मूर्त पुरस्कारों (Tangible Rewards) के निरंतर प्रावधान पर अत्यधिक निर्भर है।
III. यह सामान्यतः उच्चतर वैचारिक अधिगम (Conceptual Learning) और गहरे संज्ञानात्मक प्रक्रमण की ओर ले जाता है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

11. आत्म-निर्धारण सिद्धांत (Self-Determination Theory - SDT) के अनुसार, आंतरिक अभिप्रेरणा को तब अनुकूल रूप से बढ़ावा मिलता है जब तीन जन्मजात मनोवैज्ञानिक आवश्यकताएं पूरी होती हैं। ये आवश्यकताएं हैं:
(A) शक्ति की आवश्यकताएं (Needs for Power), सामाजिक संबद्धता (Social Affiliation), और व्यक्तिगत उपलब्धि (Personal Achievement)
(B) स्वायत्तता (Autonomy), दक्षता (Competence), और सम्बद्धता (Relatedness) की आवश्यकताएं
(C) शारीरिक आवश्यकताएं (Physiological Needs), सुरक्षा आवश्यकताएं (Safety Needs), और सम्मान आवश्यकताएं (Esteem Needs)
(D) ध्यान (Attention), अवधारण (Retention), और मोटर पुनरुत्पादन (Motor Reproduction) की आवश्यकताएं

12. आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?
(A) यह छात्रों को विशेष रूप से महारत (Mastery) के लिए चुनौतीपूर्ण शैक्षणिक कार्यों से निपटने के लिए प्रोत्साहित करता है।
(B) यह तब कम हो जाता है जब छात्रों को उनके अधिगम के विकल्पों में अत्यधिक स्वायत्तता (Autonomy) दी जाती है।
(C) यह विषय-वस्तु के दीर्घकालिक अवधारण और अनुप्रयोग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देता है।
(D) इसे 'प्रवाह' (Flow) की स्थिति द्वारा विशेषता दी जाती है जब कौशल स्तर कार्य कठिनाई से मेल खाता है।

13. निम्नलिखित में से कौन सा कक्षा के माहौल में आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation) के सबसे उपयुक्त उदाहरण का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) एक छात्र केवल समस्या-समाधान के आनंद के लिए खाली समय के दौरान जटिल पहेलियों को हल करता है।
(B) एक छात्र मुख्य रूप से स्कूल बोर्ड से एक बड़ा नकद पुरस्कार जीतने के लिए विज्ञान मेले में भाग लेता है।
(C) एक छात्र कड़े माता-पिता और शिक्षकों द्वारा डांटे जाने से बचने के लिए हर रात लगन से पढ़ाई करता है।
(D) एक छात्र 'स्टार ऑफ द वीक' बैज प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन ब्लैकबोर्ड साफ करने के लिए स्वेच्छा से आगे आता है।

Click Here to Buy book on Amazon

(C) एक निपुणता-उन्मुख कक्षा (Mastery-Oriented Classroom) को बढ़ावा देना जहाँ गलतियों को सीखने के अवसरों के रूप में सामान्यीकृत किया जाता है।
(D) छात्र की त्रुटियों को पूरी तरह से रोकने के लिए किसी शिक्षण परियोजना के हर एक चरण को कड़ाई से निर्देशित करना।

29. निम्नलिखित में से कौन सी आंतरिक अभिप्रेरणा विकसित करने के लिए एक मान्यता प्राप्त रणनीति नहीं है?
(A) असाइनमेंट में छात्र स्वायत्तता (Student Autonomy), एजेंसी और व्यक्तिगत पसंद को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देना।
(B) स्पष्ट, प्राप्त करने योग्य और व्यक्तिगत रूप से अर्थपूर्ण शैक्षणिक शिक्षण लक्ष्य स्थापित करना।
(C) अध्ययन लागू करने के लिए कम ग्रेड के डर का उपयोग करना।
(D) ऐसी कक्षा गतिविधियों को डिजाइन करना जिनमें मध्यम संज्ञानात्मक चुनौती, नवीनता और जिज्ञासा शामिल हो।

30. आंतरिक अभिप्रेरणा के निर्माण के लिए निम्नलिखित रणनीतियों पर विचार कीजिए:
I. परियोजना-आधारित अधिगम (Project-Based Learning) को शामिल करना जो वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करता है।
II. छात्रों को कक्षा के नियमों का सह-निर्माण करने की अनुमति देना।
III. दबाव बनाए रखने के लिए साप्ताहिक रूप से मानकीकृत, उच्च-जोखिम वाले परीक्षणों (High-Stakes Testing) का उपयोग करना।
उपर्युक्त में से कौन सी प्रभावी रणनीतियाँ हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

31. अभिप्रेरणात्मक रणनीतियों और उनके अंतर्निहित मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के संबंध में सही जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) पूछताछ-आधारित अधिगम (Inquiry-Based Learning) — शिक्षक मार्गदर्शन पर पूर्ण निर्भरता को प्रोत्साहित करके बाह्य अभिप्रेरणा को बढ़ावा देता है।
(B) अधिगम का गेमीफिकेशन (Gamification of Learning) — जिज्ञासा और क्रमिक चुनौती का लाभ उठाकर आंतरिक अभिप्रेरणा को बढ़ावा देता है।
(C) रटकर याद करना (Rote Memorization) — उच्च स्तर की छात्र स्वायत्तता और रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदान करके आंतरिक अभिप्रेरणा को बढ़ावा देता है।
(D) सार्वजनिक फटकार (Public Reprimands) — भावनात्मक लचीलापन और अनुशासन का व्यवस्थित निर्माण करके आंतरिक अभिप्रेरणा को बढ़ावा देता है।

32. एक शिक्षक विविध कक्षा में आंतरिक अभिप्रेरणा का निर्माण करना चाहता है। एक एकल मानक असाइनमेंट देने के बजाय, शिक्षक एक 'चॉइस बोर्ड' (Choice Board) प्रदान करता है जहाँ छात्र किसी विषय की अपनी समझ को प्रदर्शित करने के लिए निबंध लिखने, प्रस्तुति बनाने या मॉडल बनाने का विकल्प चुन सकते हैं। यह रणनीति मुख्य रूप से किस मनोवैज्ञानिक आवश्यकता का लाभ उठाती है?
(A) संबद्धता (Affiliation)
(B) स्वायत्तता (Autonomy)
(C) सुरक्षा (Safety)
(D) बाह्य सुदृढ़ीकरण (Extrinsic Reinforcement)

33. कक्षा प्रथाओं और आंतरिक अभिप्रेरणा पर उनके प्रभाव के संबंध में गलत जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) मानक तुलनाओं पर जोर देना (एक वक्र पर ग्रेडिंग) — आंतरिक अभिप्रेरणा को बढ़ाता है।
(B) सूचनात्मक प्रतिक्रिया (Informational Feedback) प्रदान करना — आंतरिक अभिप्रेरणा को बढ़ाता है।
(C) सहयोगात्मक समूह कार्य को प्रोत्साहित करना — सम्बद्धता (Relatedness) के माध्यम से आंतरिक अभिप्रेरणा को बढ़ाता है।
(D) छात्र कौशल के साथ कार्य कठिनाई का मिलान करना — प्रवाह (Flow) उत्पन्न करके आंतरिक अभिप्रेरणा को बढ़ाता है।

NODIA

34. यदि आंतरिक अभिप्रेरणा मौलिक रूप से एक शिक्षार्थी की आंतरिक जिज्ञासा और दक्षता की इच्छा से संचालित होती है, तो कौन सा शिक्षण-शास्त्रीय दृष्टिकोण इसे बनाए रखने के साथ सबसे अच्छा संरेखित होता है?
(A) सभी विषयों में व्यवस्थित विषय-वस्तु कवरेज पर केंद्रित शिक्षक-केंद्रित प्रत्यक्ष अनुदेशन (Direct Instruction)।
(B) सक्रिय अधिगम (Active Learning), अन्वेषण और खोज पर जोर देने वाला निर्मितवादी शिक्षाशास्त्र (Constructivist Pedagogy)।
(C) सुदृढ़ीकरण और सजा के निरंतर कार्यक्रमों का उपयोग करने वाला सख्त व्यवहारात्मक अनुबंधन (Behavioral Conditioning)।
(D) मानकीकृत परीक्षा परिणामों पर पूरी तरह से केंद्रित योगात्मक मूल्यांकन-संचालित (Summative Assessment-Driven) शिक्षाशास्त्र।

35. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
श्रीमती शर्मा ध्यान देती हैं कि उनकी कक्षा VIII के छात्र साहित्य कक्षाओं के दौरान विमुख रहते हैं। आंतरिक अभिप्रेरणा का निर्माण करने के लिए, वह 'साहित्य मंडलियों' (Literature Circles) को लागू करने का निर्णय लेती हैं जहाँ छात्र एक चुनिंदा सूची से अपनी किताबें चुनते हैं, अपने समूहों के भीतर खुद को भूमिकाएँ सौंपते हैं, और अपनी चर्चाओं का नेतृत्व करते हैं।
जुड़ाव (Engagement) को बढ़ाने के लिए श्रीमती शर्मा

(A) उच्च निरंतरता प्रदर्शित करेगा और शोध करने में अतिरिक्त घंटे खर्च करेगा।
(B) चुनौती के कारण उच्च अभिप्रेरणा का अनुभव करेगा।
(C) कार्य-परिहार व्यवहारों (Task-Avoidance Behaviors) या टालमटोल में संलग्न होगा।
(D) स्वचालित रूप से सहकर्मी शिक्षण (Peer Tutoring) की तलाश करेगा।

65. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): सामाजिक अधिगम सिद्धांत (Social Learning Theory) के अनुसार, छात्र तत्काल बाह्य सुदृढ़ीकरण के बिना केवल एक मॉडल का अवलोकन करके जटिल व्यवहार सीख सकते हैं।
कारण (R): अधिगम एक विशुद्ध रूप से व्यवहारात्मक प्रक्रिया है जो पूरी तरह से क्लासिकल अनुबंधन (Classical Conditioning) तंत्र पर निर्भर करती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

66. बांडुरा के सामाजिक अधिगम सिद्धांत के अनुसार, प्रेक्षणात्मक अधिगम (Observational Learning) में शामिल चार मध्यस्थता प्रक्रियाओं (Mediational Processes) का सही क्रम क्या है?
(A) अभिप्रेरणा (Motivation), अवधारण (Retention), पुनरुत्पादन (Reproduction), ध्यान (Attention)
(B) ध्यान (Attention), अवधारण (Retention), पुनरुत्पादन (Reproduction), अभिप्रेरणा (Motivation)
(C) अवधारण (Retention), ध्यान (Attention), अभिप्रेरणा (Motivation), पुनरुत्पादन (Reproduction)
(D) पुनरुत्पादन (Reproduction), ध्यान (Attention), अवधारण (Retention), अभिप्रेरणा (Motivation)

67. बांडुरा के प्रसिद्ध बोबो डॉल प्रयोग (Bobo Doll Experiment) ने मुख्य रूप से यह प्रदर्शित किया कि:
(A) बच्चे अपने आसपास के सामाजिक माहौल की परवाह किए बिना जन्मजात और सार्वभौमिक रूप से आक्रामक होते हैं।
(B) बच्चे वयस्क मॉडलों में देखे गए आक्रामक व्यवहारों को सीखते हैं और उनका अनुकरण करते हैं।
(C) आक्रामकता केवल शारीरिक दंड के प्रत्यक्ष, व्यक्तिगत अनुभव के माध्यम से ही हासिल की जा सकती है।
(D) किसी भी प्रेक्षणात्मक अधिगम प्रक्रिया के घटित होने के लिए मूर्त बाह्य पुरस्कार कड़ाई से आवश्यक हैं।

68. एक प्राचार्य 'सहकर्मी परामर्श' (Peer Mentoring) कार्यक्रम लागू करते हैं जहाँ अनुकरणीय अनुशासन और शैक्षणिक आदतों का प्रदर्शन करने वाले वरिष्ठ छात्रों को कनिष्ठ छात्रों के साथ जोड़ा जाता है। प्राचार्य सामाजिक अधिगम सिद्धांत की किस अवधारणा को लागू कर रहे हैं?
(A) व्यवस्थित विसंवेदीकरण (Systematic Desensitization) और एक्सपोजर थेरेपी
(B) क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning) और आकस्मिकता प्रबंधन
(C) प्रेक्षणात्मक अधिगम (Observational Learning) और सहकर्मी मॉडलिंग (Peer Modeling)
(D) क्लासिकल अनुबंधन (Classical Conditioning) और उद्दीपक प्रतिस्थापन

69. बांडुरा की प्रेक्षणात्मक अधिगम प्रक्रियाओं के संबंध में गलत जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) ध्यान (Attention) — शिक्षार्थी को मॉडल की प्रमुख व्यवहारात्मक विशेषताओं और क्रियाओं पर सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
(B) अवधारण (Retention) — शिक्षार्थी को दीर्घकालिक स्मृति में प्रेक्षित व्यवहार को संज्ञानात्मक रूप से संग्रहीत और एन्कोड करना चाहिए।
(C) पुनरुत्पादन (Reproduction) — शिक्षार्थी को प्रेक्षित व्यवहार करने में शारीरिक या संज्ञानात्मक रूप से सक्षम होना चाहिए।
(D) अभिप्रेरणा (Motivation) — व्यवहार को पुनरुत्पादित करने के लिए शिक्षार्थी को एक जैविक पुरस्कार प्राप्त होना चाहिए।

70. कक्षा में सामाजिक अधिगम सिद्धांत के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. शिक्षक शक्तिशाली रोल मॉडल के रूप में कार्य करते हैं जिनके दृष्टिकोण और व्यवहारों का छात्रों द्वारा अनुकरण किया जाता है।
II. किसी व्यवहार के लिए किसी साथी की प्रशंसा होते देखना, प्रेक्षण करने वाले छात्र द्वारा वही व्यवहार करने की संभावना को बढ़ाता है (प्रतिनिधि सुदृढ़ीकरण - Vicarious Reinforcement)।
III. अधिगम केवल तुरंत प्रकट हो सकता है; इसे बाद में पुनरुत्पादन के लिए संग्रहीत नहीं किया जा सकता है।
उपर्युक्त में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

71. बांडुरा के सिद्धांत में एक प्रमुख अवधारणा, पारस्पारिक निर्धारणवाद (Reciprocal Determinism) यह मानती है कि मानव व्यवहार तीन कारकों की निरंतर और गतिशील अंतःक्रिया द्वारा निर्धारित होता है। ये हैं:
(A) फ्रायडियन इदम् (Id), अहम् (Ego), और पराअहम्

Downloaded from www.pdf.tube

42. एक विद्यालय प्रशासक (School Administrator) के लिए शिक्षकों को पुरस्कार के रूप में मौखिक प्रशंसा के उपयोग पर सलाह देने का सबसे उपयुक्त तरीका क्या है?
(A) प्रशंसा हमेशा व्यापक, सामान्य और व्यक्तित्व विशेषताओं पर केंद्रित होनी चाहिए, जैसे "आप बहुत होशियार हैं।"
(B) उच्च छात्र आत्म-सम्मान सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक मामूली दिनचर्या की कार्रवाई के लिए लगातार प्रशंसा दी जानी चाहिए।
(C) प्रशंसा विशिष्ट, निष्कपट और जन्मजात क्षमता के बजाय प्रयास और रणनीति पर केंद्रित होनी चाहिए।
(D) विद्यालय के माहौल में मौखिक प्रशंसा से पूरी तरह बचा जाना चाहिए क्योंकि यह एक बाह्य पुरस्कार के रूप में कार्य करती है।

43. 'कार्य-आकस्मिक पुरस्कार' (Task-Contingent Rewards) और 'प्रदर्शन-आकस्मिक पुरस्कार' (Performance-Contingent Rewards) के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
(A) कार्य-आकस्मिक पुरस्कार केवल असाधारण प्रदर्शन गुणवत्ता के लिए दिए जाते हैं, चाहे कार्य पूरा हुआ हो या न हुआ हो।
(B) प्रदर्शन-आकस्मिक पुरस्कार प्रदर्शन की गुणवत्ता पर निर्भर करते हैं, जो दक्षता प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं।
(C) कार्य-आकस्मिक और प्रदर्शन-आकस्मिक दोनों पुरस्कार समय के साथ हमेशा बाह्य अभिप्रेरणा को कम करते हैं।
(D) कार्य-आकस्मिक पुरस्कारों को दीर्घकालिक आंतरिक अभिप्रेरणा के निर्माण के लिए सार्वभौमिक रूप से श्रेष्ठ माना जाता है।

44. व्यवहारात्मक मनोविज्ञान (Behavioral Psychology) में, एक पुरस्कार जो एक बुनियादी जैविक आवश्यकता (जैसे भोजन या पानी) को संतुष्ट करता है, उसे किस रूप में जाना जाता है:
(A) द्वितीयक सुदृढ़क (Secondary Reinforcer)
(B) प्राथमिक सुदृढ़क (Primary Reinforcer)
(C) सामान्यीकृत सुदृढ़क (Generalized Reinforcer)
(D) नकारात्मक सुदृढ़क (Negative Reinforcer)

45. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): पूर्ण उपस्थिति (Perfect Attendance) के लिए प्रमाण पत्र प्रदान करना अनुपस्थिति को कम करने के लिए एक प्रभावी प्रशासनिक रणनीति हो सकती है।
कारण (R): उपस्थिति एक अलग, मापने योग्य व्यवहार है जहाँ बाह्य सुदृढ़ीकरण आमतौर पर आंतरिक संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं को कमजोर नहीं करता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

NODIA

46. कक्षाओं में अक्सर पुरस्कार रणनीति के रूप में उपयोग किए जाने वाले प्रमार्क सिद्धांत (Premack Principle) को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:
(A) कम पसंदीदा गतिविधि को सुदृढ़ करने के लिए एक पसंदीदा गतिविधि का उपयोग करना।
(B) अवांछनीय या विघटनकारी व्यवहार के घटित होने के तुरंत बाद छात्र को दंडित करना।
(C) लक्ष्य शैक्षणिक कार्य शुरु होने से पहले छात्र को एक मूर्त या सामाजिक पुरस्कार प्रदान करना।
(D) वांछित व्यवहार को बढ़ाने के लिए पर्यावरण से एक अप्रिय या प्रतिकूल उद्दीपन (Aversive Stimulus) को हटाना।

47. छात्र अभिप्रेरणा के लिए लक्ष्य-निर्धारण (Goal-Setting) के संदर्भ में, 'निपुणता लक्ष्य' (Mastery Goals / Learning Goals) किस पर ध्यान केंद्रित करते हैं:
(A) परीक्षाओं में साथियों से बेहतर प्रदर्शन करना और दूसरों के सामने श्रेष्ठ बौद्धिक क्षमता प्रदर्शित करना।
(B) सार्वजनिक विफलता, नकारात्मक मूल्यांकन और अक्षमता के बाह्य रूप से बचने पर।
(C) दक्षता में सुधार, सामग्री को समझने और नए कौशल विकसित करने पर।
(D) तत्काल बाह्य पुरस्कार, उच्च ग्रेड और निरंतर शिक्षक अनुमोदन प्राप्त करने पर।

48. एक शिक्षक एक संघर्षरत छात्र को एक लक्ष्य निर्धारित करने में मदद करता है: "मैं शुक्रवार तक अपने आप 10 में से 8 बीजगणित (Algebra) समस्याओं को सही ढंग से हल करूँगा।" यह किस लक्ष्य-निर्धारण ढांचे (Goal-Setting Framework) का एक अनुप्रयोग है?
(A) असंरचित, खुले अंत वाली और अनौपचारिक कक्षा लक्ष्य-निर्धारण रणनीतियाँ
(B) स्मार्ट लक्ष्य निर्धारण (SMART Goal Setting - Specific, Measurable, Achievable, Time-bound)
(C) त्रुटि में कमी पर केंद्रित प्रदर्शन-परिहार (Performance-Avoidance) लक्ष्य-निर्धारण ढांचे
(D) पारंपरिक, शिक्षक द्वारा थोपे गए रटने वाले लक्ष्य-निर्धारण प्रशासनिक मॉडल

49. निम्नलिखित में से कौन सा एक प्रभावी छात्र लक्ष्य-निर्धारण प्रक्रिया में चरणों के सही क्रम का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) लक्ष्य निर्धारित करना → प्रदर्शन का मूल्यांकन करना → योजना तैयार करना → आत्म-अनुश्रवण (Self-Monitoring)
(B) लक्ष्य निर्धारित करना → योजना तैयार करना → आत्म-अनुश्रवण (Self-Monitoring) → प्रदर्शन का मूल्यांकन करना
(C) प्रदर्शन का मूल्यांकन करना → आत्म-अनुश्रवण →

निरंतर रूप से संलग्न होना।

80. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
प्राचार्य गुप्ता एक ऐसी प्रवृत्ति देखते हैं जहाँ वरिष्ठ माध्यमिक छात्र अपनी स्वयं की अध्ययन दिनचर्या का विश्लेषण करने के बजाय, अपने कम प्री-बोर्ड अंकों के लिए परीक्षा पाठ्यक्रम की कठिनाई को दोष देते हैं।
छात्रों के दृष्टिकोण को बदलने के लिए, प्राचार्य को शिक्षकों को प्रोत्साहित करना चाहिए:
(A) उच्च, कृत्रिम छात्र आत्मविश्वास का निर्माण करने के लिए प्री-बोर्ड परीक्षाओं के मानक को कम करना।
(B) अध्ययन रणनीतियों और परिणामों पर कारण-निरूपण पुनर्शिक्षण (Attribution Retraining) आयोजित करना।
(C) यह मानकर छात्र की शिकायतों को मान्य करना कि आधिकारिक परीक्षा पाठ्यक्रम वास्तव में बहुत कठिन है।
(D) कम शैक्षणिक ग्रेड प्राप्त करने के लिए गंभीर, दंडात्मक प्रशासनिक सजा शुरू करना।

81. तार्किक रूप से, "सीखी हुई असहायता" (Learned Helplessness) (यह विश्वास कि उनका अपने शैक्षणिक परिणामों पर कोई नियंत्रण नहीं है) से पीड़ित छात्र किसका एक अत्यधिक रूप प्रदर्शित कर रहा है:
(A) आंतरिक नियंत्रण का केंद्र (Internal Locus of Control)
(B) बाह्य नियंत्रण का केंद्र (External Locus of Control)
(C) आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation)
(D) निपुणता-पहुंच उन्मुखीकरण (Mastery-Approach Orientation)

82. बाह्य नियंत्रण का केंद्र रखने वाले छात्र के लिए शिक्षक के लिए प्रतिक्रिया देने का सबसे उपयुक्त तरीका क्या है जो कहता है, "मैं सिर्फ गणित में बुरा हूँ, मैं इसे बदल नहीं सकता"?
(A) छात्र के तत्काल भावनात्मक संकट को मान्य करने के लिए उसके कथन से पूरी तरह सहमत होना।
(B) कड़ी मेहनत और सही सूत्रों के माध्यम से हासिल की गई अतीत की सफलताओं को उजागर करना।
(C) छात्र को तुरंत गणित छोड़ने और कम विश्लेषणात्मक विषयों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देना।
(D) छात्र की टिप्पणी को पूरी तरह से अनदेखा करना और चुपचाप अतिरिक्त अभ्यास गृहकार्य सौंपना।

83. 'उपलब्धि अभिप्रेरणा' (Achievement Motivation - Need for Achievement / nAch) की मनोवैज्ञानिक अवधारणा किसके कार्य से सबसे निकटता से जुड़ी हुई है?
(A) डेविड मैक्लेलैंड (David McClelland)
(B) इवान पेट्रोविच पावलव (Ivan Petrovich Pavlov)
(C) सिगमंड फ्रायड (Sigmund Freud)
(D) जॉन ब्रॉडस वाटसन (John Broadus Watson)

84. उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा (High Achievement Motivation) वाले छात्र को आमतौर पर किसकी इच्छा से विशेषता दी जाती है:
(A) कठिन कार्यों को पूरा करना और उत्कृष्टता के मानकों को प्राप्त करना।
(B) सहकर्मी समूहों के साथ मैत्रीपूर्ण, सौहार्दपूर्ण सामाजिक संबंध स्थापित करना और बनाए रखना (संबद्धता की आवश्यकता - Need for Affiliation)।
(C) सहयोगात्मक समूह परियोजनाओं के दौरान अन्य छात्रों को नियंत्रित करना, निर्देशित करना और प्रभावित करना (शक्ति की आवश्यकता - Need for Power)।
(D) विफलता से व्यक्तिगत आत्म-छवि की रक्षा के लिए सभी चुनौतीपूर्ण शैक्षणिक कार्यों से व्यवस्थित रूप से बचना।

85. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले छात्र मध्यम कठिनाई के कार्यों को प्राथमिकता देते हैं।
कारण (R): मध्यम कार्य दक्षता साबित करने का सबसे अच्छा अवसर प्रदान करते हैं; आसान कार्य कोई चुनौती पेश नहीं करते हैं, और अत्यधिक कठिन कार्य भाग्य पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

86. अपने छात्रों के बीच उपलब्धि अभिप्रेरणा को बढ़ावा देने के लिए एक विद्यालय के माहौल को कैसे संरचित किया जा सकता है?
(A) केवल रटने के अभ्यास और उच्च-जोखिम वाले पुनस्मरण परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करना।
(B) स्पष्ट अपेक्षाएं निर्धारित करना, परिकलित जोखिमों (Calculated Risks) को प्रोत्साहित करना, और प्रयास को पहचानना।
(C) छात्र के कार्य में की गई किसी भी शैक्षणिक विफलता, त्रुटि या गलती को कड़ाई से और सार्वजनिक रूप से दंडित करना।
(D) शैक्षणिक मानकों को व्यवस्थित रूप से कम करना ताकि सभी छात्र आसानी से पूर्ण अंक प्राप्त कर सकें।

87. उपलब्धि की आवश्यकता (Need for Achievement - nAch) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?
(A) यह प्रारंभिक समाजीकरण, सांस्कृतिक मूल्यों और बाल-पालन प्रथाओं से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित होता है।
(B) इसमें हर मामूली कार्य के लिए तत्काल मूर्त बाह्य पुरस्कारों की इच्छा शामिल होती है।

Click Here to Buy book on Flipkart

57. अल्बर्ट बांडुरा के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा छात्र की आत्म-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) का सबसे प्रभावशाली स्रोत है?
(A) मौखिक अनुनय (Verbal Persuasion) (उदा. शिक्षक का यह कहना "आप यह कर सकते हैं")
(B) प्रतिनिधि अनुभव (Vicarious Experiences) (उदा. किसी साथी को सफल होते देखना)
(C) निपुणता के अनुभव (Mastery Experiences) (उदा. अतीत की व्यक्तिगत सफलताएं)
(D) शारीरिक उत्तेजना (Physiological Arousal) (उदा. परीक्षा से पहले घबराहट महसूस होना)

58. आत्म-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) को सबसे अच्छी तरह से कैसे परिभाषित किया गया है?
(A) परिस्थितियों में व्यक्तिगत आत्म-मूल्य या वैश्विक आत्म-सम्मान (Global Self-Esteem) की एक सामान्यीकृत, स्थिर भावना।
(B) संभावित परिस्थितियों को प्रबंधित करने के लिए आवश्यक कार्यों को निष्पादित करने की अपनी क्षमता में विश्वास।
(C) छात्र के जन्मजात संज्ञानात्मक बुद्धि लब्धि (Intelligence Quotient - IQ) का वस्तुनिष्ठ, मानकीकृत माप।
(D) यह मनोवैज्ञानिक विश्वास कि व्यक्तिगत शैक्षणिक परिणाम पूरी तरह से भाग्य या किस्मत से निर्धारित होते हैं।

59. एक छात्र समान क्षमता वाले एक सहपाठी को बोर्ड पर एक कठिन भौतिकी समस्या को सफलतापूर्वक हल करते हुए देखता है। छात्र तब अधिक आश्वस्त महसूस करता है कि वह भी समस्या को हल कर सकता है। यह किसके माध्यम से आत्म-प्रभावकारिता के निर्माण का एक उदाहरण है:
(A) प्रत्यक्ष व्यक्तिगत निपुणता अनुभव (Direct Personal Mastery Experience)
(B) प्रतिनिधि अनुभव (Vicarious Experience / Modeling)
(C) प्रेरक मौखिक सुदृढ़ीकरण (Persuasive Verbal Reinforcement)
(D) शारीरिक और भावनात्मक स्थिति (Physiological and Emotional State)

60. उच्च आत्म-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) वाले छात्रों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वे चुनौतीपूर्ण समस्याओं को निपुणता प्राप्त करने वाले कार्यों के रूप में देखते हैं।
II. वे उन गतिविधियों में अधिक गहरी रुचि विकसित करते हैं जिनमें वे भाग लेते हैं।
III. वे असफलताओं और निराशाओं से जल्दी उबरते हैं।
IV. बाधाओं का सामना करने पर वे जल्दी हार मान लेते हैं।
इनमें से कौन से कथन सत्य हैं?
(A) केवल I, II और IV
(B) केवल II, III और IV
(C) केवल I, II और III
(D) केवल I, III और IV

61. निम्नलिखित में से किस शिक्षक कार्रवाई का छात्र की आत्म-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा?
(A) जटिल शैक्षणिक कार्यों को व्यवस्थित रूप से छोटे, अत्यधिक प्रबंधनीय शिक्षण चरणों में तोड़ना।
(B) छात्र के प्रदर्शन की तुलना कक्षा के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र से प्रतिकूल रूप से करना।
(C) अधिगम रणनीतियों में प्रभावी ढंग से सुधार करने के बारे में लगातार विशिष्ट, कार्रवाई योग्य प्रतिक्रिया प्रदान करना।
(D) समान शैक्षणिक कार्यों पर छात्र के पिछले सफल प्रदर्शनों की लगातार याद दिलाना।

62. निम्नलिखित में से कौन सा आत्म-सम्मान (Self-Esteem) और आत्म-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) के बीच सटीक अंतर करता है?
(A) आत्म-सम्मान एक अत्यधिक कार्य-विशिष्ट निर्णय का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि आत्म-प्रभावकारिता वैश्विक आत्म-मूल्य की एक सामान्य भावना है।
(B) आत्म-प्रभावकारिता एक कार्य-विशिष्ट क्षमता निर्णय (Task-Specific Capability Judgment) है; आत्म-सम्मान समग्र आत्म-मूल्य है।
(C) दोनों शब्द पूरी तरह से समानार्थी हैं और आधुनिक शैक्षिक मनोविज्ञान साहित्य में एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किए जाते हैं।
(D) आत्म-सम्मान पूरी तरह से सामाजिक सुदृढ़ीकरण के माध्यम से सीखा जाता है, जबकि आत्म-प्रभावकारिता एक आनुवंशिक, जन्मजात गुण है।

63. गणित मूल्यांकन के दौरान उच्च चिंता का अनुभव करने वाले छात्र की आत्म-प्रभावकारिता बढ़ाने के लिए शिक्षक के लिए सबसे उपयुक्त रणनीति क्या है?
(A) छात्र को भविष्य के सभी गणित मूल्यांकनों और क्विज़ में भाग लेने से स्थायी रूप से छूट देना।
(B) क्रमिक सफलता कार्यों के साथ शारीरिक उत्तेजना (Physiological Arousal) के लिए विश्राम तकनीकें सिखाना।
(C) यदि छात्र आगामी गणित परीक्षा पास नहीं करता है तो उसे ग्रेड रोकने (Grade Retention) की स्पष्ट धमकी देना।
(D) छात्र को बताना कि गणित के प्रदर्शन के लिए एक प्राकृतिक प्रतिभा की आवश्यकता होती है जिसे पढ़ाया या सीखा नहीं जा सकता।

64. निबंध लिखने में कम आत्म-प्रभावकारिता वाले छात्र को 10-पेज का पेपर सौंपा जाता है। सबसे संभावित तत्काल कारण-प्रभाव परिणाम यह है कि छात्र:

Downloaded from www.pdf.tube

बेवकूफ हूँ, और मैं कभी भी इतिहास में अच्छी नहीं बन पाऊँगी।"
कारण-निरूपण सिद्धांत के अनुसार, मीरा की विफलता के लिए उसका कारण-निरूपण (Attribution) है:
(A) आंतरिक, अस्थिर, और नियंत्रणीय (Internal, Unstable, and Controllable)
(B) आंतरिक, स्थिर, और अनियंत्रित (Internal, Stable, and Uncontrollable)
(C) बाह्य, अस्थिर, और नियंत्रणीय (External, Unstable, and Controllable)
(D) बाह्य, स्थिर, और अनियंत्रित (External, Stable, and Uncontrollable)

96. यदि कोई शिक्षक लचीलेपन और अभिप्रेरणा को बढ़ावा देना चाहता है, तो उसे छात्रों को उनकी विफलताओं का श्रेय ऐसे कारकों को देने में मदद करनी चाहिए जो हैं:
(A) ऐसे कारक जो छात्र के लिए आंतरिक, स्थिर और पूरी तरह से अनियंत्रित हैं (उदा. कम जन्मजात संज्ञानात्मक क्षमता)।
(B) ऐसे कारक जो छात्र के लिए बाह्य, स्थिर और पूरी तरह से अनियंत्रित हैं (उदा. स्थायी शिक्षक पक्षपात)।
(C) आंतरिक, अस्थिर, नियंत्रणीय कारक (उदा. प्रयास या अध्ययन रणनीति)।
(D) ऐसे कारक जो बाह्य, अस्थिर हैं और बाह्य प्राधिकरण आंकड़ों द्वारा नियंत्रित हैं (उदा. दुर्भाग्य या मौसम)।

97. निम्नलिखित में से कौन सा कथन कक्षा शिक्षाशास्त्र में कारण-निरूपण सिद्धांत (Attribution Theory) को सही ढंग से लागू करता है?
(A) शिक्षकों को छात्रों को विनम्र रखने के लिए उनकी शैक्षणिक सफलता का श्रेय व्यवस्थित रूप से भाग्य या संयोग को देना चाहिए।
(B) सफलता का श्रेय प्रयास को देने वाले छात्रों के कड़ी मेहनत करने की अधिक संभावना होती है।
(C) जो छात्र शैक्षणिक विफलता का श्रेय जन्मजात क्षमता की कमी को देते हैं, वे काफी बढ़ी हुई दीर्घकालिक अभिप्रेरणा प्रदर्शित करते हैं।
(D) कारण-निरूपण का शैक्षणिक सफलता की छात्र की भविष्य की अपेक्षाओं पर बिल्कुल कोई मनोवैज्ञानिक प्रभाव नहीं पड़ता है।

98. गणित की परीक्षा में उच्च ग्रेड प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा कारण-निरूपण एक बाह्य, अस्थिर और अनियंत्रित (External, Unstable, and Uncontrollable) कारण का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) "मैंने लगातार पांच घंटे लगन से पढ़ाई की।" (Personal Effort)
(B) "मेरे पास गणित के लिए उच्च प्राकृतिक योग्यता है।" (Innate Ability)
(C) "पूछे गए विशिष्ट प्रश्नों के साथ मेरा भाग्य अच्छा था।" (Luck)
(D) "शिक्षक हमेशा सभी के लिए असाधारण रूप से आसान परीक्षा पत्र बनाते हैं।" (Task Difficulty)

99. संघर्षरत छात्र की मदद करने वाले शिक्षक के लिए तर्कसंगत क्रम में "कारण-निरूपण पुनर्शिक्षण" (Attribution Retraining) के निम्नलिखित चरणों को व्यवस्थित कीजिए:
I. छात्र को परिणाम का श्रेय उनकी रणनीति और प्रयास को देने में मदद करना।
II. अतीत की विफलता और छात्र के वर्तमान कुसमायोजित कारण-निरूपण (उदा. "मैं बेवकूफ हूँ") पर चर्चा करना।
III. पाड़ वाले कार्यों (Scaffolded Tasks) के माध्यम से एक सफल निपुणता अनुभव प्रदान करना।
IV. एक नई, प्रभावी अधिगम रणनीति का उपयोग करने के लिए छात्र का मार्गदर्शन करना।
निम्नलिखित में से कौन सा सही क्रम का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) II, IV, III, I
(B) I, II, III, IV
(C) IV, III, II, I
(D) II, III, IV, I

NODIA

100. कारण-निरूपण सिद्धांत के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. विफलता का श्रेय स्थिर कारकों को देने से भविष्य में विफलता की अपेक्षाएं पैदा होती हैं।
II. विफलता का श्रेय नियंत्रणीय कारकों को देने से अपराधबोध होता है, जो भविष्य के प्रयास को अभिप्रेरित कर सकता है।
III. सफलता का श्रेय आंतरिक कारकों को देने से आत्म-सम्मान बढ़ता है।
IV. सफलता का श्रेय अनियंत्रित बाह्य कारकों को देने से आंतरिक अभिप्रेरणा बढ़ती है।
इनमें से कौन से कथन सत्य हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल II, III और IV
(C) केवल I, III और IV
(D) I, II, III और IV

101. एक छात्र जो लगातार अपनी विफलताओं का श्रेय आंतरिक, स्थिर और अनियंत्रित कारणों (जैसे कम बुद्धि) को देता है, उसमें किसका विकसित होने का उच्च जोखिम है:
(A) उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा (High Achievement Motivation)
(B) सीखी हुई असहायता (Learned Helplessness)
(C) एक निपुणता-पहुंच उन्मुखीकरण (Mastery-Approach Orientation)
(D) आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation)

102. अनुकूलनीय कारण-निरूपण (Adaptive Attributions) को बढ़ावा देने के लिए, किसी कठिन कार्य में अभी-अभी

(Superego) व्यक्तित्व संरचनाएं
(B) संज्ञानात्मक/व्यक्तिगत कारक, व्यवहार, और पर्यावरणीय प्रभाव
(C) अतीत के अनुभव, वर्तमान स्थितियां, और भविष्य की विकासात्मक अपेक्षाएं
(D) सकारात्मक सुदृढ़क (Positive Reinforcers), दंड (Punishments), और तटस्थ पर्यावरणीय उद्दीपन

72. सामाजिक अधिगम सिद्धांत के संदर्भ में, 'प्रतिनिधि दंड' (Vicarious Punishment) तब होता है जब:
(A) किसी छात्र को कक्षा शिक्षक द्वारा साथियों के सामने सीधे और शारीरिक रूप से दंडित किया जाता है।
(B) किसी व्यवहार के लिए किसी साथी को डांटते हुए देखना और बाद में उससे बचना।
(C) सामाजिक मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए किसी छात्र को उनके तत्काल सहकर्मी समूह द्वारा बहिष्कृत या दंडित किया जाता है।
(D) एक छात्र व्यक्तिगत लक्ष्य प्राप्त करने में विफल रहने पर आंतरिक रूप से खुद को भावनात्मक रूप से दंडित करता है।

73. निम्नलिखित में से कौन सा प्रेक्षणात्मक अधिगम में एक प्रभावी मॉडल की विशेषता नहीं है?
(A) मॉडल को प्रेक्षकों द्वारा लगातार अत्यधिक सक्षम, शक्तिशाली और प्रतिष्ठित माना जाता है।
(B) मॉडल को प्रेक्षक के लिए पूरी तरह से असंबद्ध और अत्यधिक भिन्न माना जाता है।
(C) मॉडल का प्रदर्शित व्यवहार लगातार एक सकारात्मक, मूल्यवान और वांछनीय परिणाम की ओर ले जाता है।
(D) मॉडल स्पष्ट कार्यात्मक व्यवहार प्रदर्शित करता है जो सीधे प्रेक्षक की स्थिति से प्रासंगिक है।

74. मनोविज्ञान में "नियंत्रण का केंद्र" (Locus of Control) की अवधारणा किसके द्वारा प्रतिपादित की गई थी?
(A) जुलियन रोटर (Julian Rotter)
(B) बी. एफ. स्किनर (B.F. Skinner)
(C) कार्ल रोजर्स (Carl Rogers)
(D) हावर्ड गार्डनर (Howard Gardner)

75. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
भौतिकी इकाई परीक्षा में असफल ग्रेड प्राप्त करने के बाद, अमन कहता है, "परीक्षण पूरी तरह से अनुचित था, शिक्षक ने हमें ठीक से नहीं पढ़ाया, और कमरा बहुत शोर शराबे वाला था। मैं कुछ नहीं कर सकता था।"
यह कथन दृढ़ता से इंगित करता है कि अमन के पास है:
(A) आंतरिक नियंत्रण का केंद्र (Internal Locus of Control)
(B) बाह्य नियंत्रण का केंद्र (External Locus of Control)
(C) उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा (High Achievement Motivation)
(D) उच्च आत्म-प्रभावकारिता (High Self-Efficacy)

76. उच्च 'आंतरिक नियंत्रण का केंद्र' (Internal Locus of Control) वाले छात्र के यह मानने की सबसे अधिक संभावना है कि:
(A) उनकी समग्र शैक्षणिक सफलता या विफलता लगभग पूरी तरह से भाग्य, संयोग या किस्मत से निर्धारित होती है।
(B) प्रदर्शन परिणाम सीधे व्यक्तिगत प्रयास, अध्ययन आदतों और क्षमताओं से प्राप्त होते हैं।
(C) व्यक्तिगत प्रयास की परवाह किए बिना, सौंपे गए कार्य की वस्तुनिष्ठ कठिनाई परिणाम को निर्देशित करती है।
(D) व्यवस्थित शिक्षक पूर्वाग्रह और पक्षपात उनके अंतिम ग्रेड के प्राथमिक determinante का प्रतिनिधित्व करते हैं।

77. छात्रों को अधिक आंतरिक नियंत्रण का केंद्र विकसित करने में मदद करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी शिक्षण-शास्त्रीय रणनीति सबसे प्रभावी है?
(A) परीक्षाओं को अत्यधिक कठिन बनाना ताकि छात्रों को एहसास हो कि वे परिणामों को प्रभावित नहीं कर सकते।
(B) छात्रों को लक्ष्य निर्धारित करने, रणनीतियों की योजना बनाने और ग्रेड पर प्रयास के प्रभाव को ट्रैक करने में मदद करना।
(C) छात्र की शैक्षणिक सफलता का श्रेय लगातार प्रयास के बजाय केवल जन्मजात बुद्धि को देना।
(D) खराब समग्र कक्षा शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए प्रणालीगत शैक्षिक मुद्दों को बार-बार दोष देना।

78. कौन सा कथन नियंत्रण के केंद्र (Locus of Control) और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच विशिष्ट संबंध का सही वर्णन करता है?
(A) बाह्य नियंत्रण का केंद्र रखने वाले छात्र आमतौर पर उच्च दीर्घकालिक शैक्षणिक परिणाम प्राप्त करते हैं।
(B) आंतरिक नियंत्रण का केंद्र उच्च उपलब्धि और मुकाबला करने के कौशल (Coping Skills) के साथ सह-संबंधित है।
(C) नियंत्रण का केंद्र उन्मुखीकरण अभिप्रेरणा के साथ बिल्कुल कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण सह-संबंध प्रदर्शित नहीं करता है।
(D) आंतरिक नियंत्रण का केंद्र विकसित करने से किशोरों में सीधे उच्च चिंता और निम्न प्रदर्शन होता है।

79. निम्नलिखित में से किसको छोड़कर, अन्य सभी व्यवहार आंतरिक नियंत्रण के केंद्र वाले शिक्षार्थी के विशिष्ट हैं:
(A) गलतियों के लिए लगातार व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेना और उनसे सक्रिय रूप से सीखना।
(B) जटिल समस्याओं का सामना करने पर उच्च निरंतरता और समस्या-समाधान प्रयास का प्रदर्शन करना।
(C) खराब प्रदर्शन का श्रेय दुर्भाग्य या खराब शिक्षण को देना।
(D) स्व-नियमित अधिगम (Self-Regulated Learning) और मेटाकॉग्निटिव रणनीतियों में सक्रिय रूप से और

Click Here to Buy book on Amazon

लक्ष्य निर्धारित करना → योजना तैयार करना

(D) योजना तैयार करना → लक्ष्य निर्धारित करना → प्रदर्शन का मूल्यांकन करना → आत्म-अनुश्रवण

50. छात्र अभिप्रेरणा पर लक्ष्य-निर्धारण के प्रभाव के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. लक्ष्य ध्यान केंद्रित करते हैं और प्रयास को कार्य-प्रासंगिक गतिविधियों की ओर निर्देशित करते हैं।

II. अत्यंत कठिन, अप्राप्य लक्ष्य अभिप्रेरणा का उच्चतम स्तर उत्पन्न करते हैं।

III. समीपस्थ (अल्पकालिक) लक्ष्य आमतौर पर केवल दूरस्थ (दीर्घकालिक) लक्ष्यों की तुलना में अभिप्रेरणा के लिए अधिक प्रभावी होते हैं।

इनमें से कौन से कथन सही हैं?

(A) केवल I और II

(B) केवल I और III

(C) केवल II और III

(D) I, II और III

51. लक्ष्य उन्मुखीकरण (Goal Orientation) और इसके विशिष्ट छात्र व्यवहार के सही जोड़े की पहचान कीजिए:

(A) निपुणता-पहुंच लक्ष्य (Mastery-Approach Goal) — गहरी समझ की तलाश करना और चुनौती को स्वीकार करना।

(B) प्रदर्शन-पहुंच लक्ष्य (Performance-Approach Goal) — साथियों के सामने मूर्ख दिखने से बचने के लिए चुनौतीपूर्ण शैक्षणिक कार्यों से पूरी तरह बचना।

(C) निपुणता-परिहार लक्ष्य (Mastery-Avoidance Goal) — पूरी कक्षा में निरपेक्ष सर्वश्रेष्ठ छात्र के रूप में पहचाने जाने का अथक प्रयास करना।

(D) प्रदर्शन-परिहार लक्ष्य (Performance-Avoidance Goal) — अतीत के शैक्षणिक प्रदर्शन पर निरंतर क्रमिक व्यक्तिगत सुधार की तलाश करना।

52. शैक्षिक मनोविज्ञान में लक्ष्य-निर्धारण के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(A) अपने स्वयं के व्यक्तिगत शैक्षणिक लक्ष्यों को निर्धारित करने में छात्रों की भागीदारी समग्र लक्ष्य प्रतिबद्धता को बढ़ाती है।

(B) "अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें" जैसे अस्पष्ट लक्ष्य विशिष्ट लक्ष्यों की तुलना में बेहतर अभिप्रेरित करते हैं।

(C) लक्ष्य-निर्धारण रणनीतियाँ तब सबसे प्रभावी होती हैं जब वे नियमित रूप से प्रदर्शन प्रतिक्रिया के साथ व्यवस्थित रूप से जुड़ी होती हैं।

(D) निपुणता लक्ष्यों पर एक मजबूत कक्षा ध्यान उच्च आंतरिक अभिप्रेरणा और भावनात्मक लचीलेपन को बढ़ावा देता है।

53. एक किशोर छात्र "आगामी विज्ञान परीक्षा में सबसे कम अंक न प्राप्त करने" का लक्ष्य निर्धारित करता है। यह किस प्रकार के लक्ष्य उन्मुखीकरण (Goal Orientation) का प्रतिनिधित्व करता है?

(A) निपुणता-पहुंच लक्ष्य उन्मुखीकरण (Mastery-Approach Goal Orientation)

(B) प्रदर्शन-पहुंच लक्ष्य उन्मुखीकरण (Performance-Approach Goal Orientation)

(C) निपुणता-परिहार लक्ष्य उन्मुखीकरण (Mastery-Avoidance Goal Orientation)

(D) प्रदर्शन-परिहार (Performance-Avoidance)

NODIA

54. यदि कोई प्राचार्य (Principal) अनिवार्य करता है कि सभी शिक्षक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में स्पष्ट रूप से लक्ष्य-निर्धारण रणनीतियों को पढ़ाएं, तो इसका प्राथमिक मनोवैज्ञानिक औचित्य किसको बढ़ावा देना है:

(A) यह सुनिश्चित करना कि विद्यालय प्रबंधन के पास शिक्षक मूल्यांकन (Teacher Appraisal) के लिए डेटा हो।

(B) छात्रों के नियंत्रण के केंद्र को आंतरिक से बाह्य में स्थानांतरित करना।

(C) स्व-नियमित अधिगम (Self-Regulated Learning) और छात्र एजेंसी को बढ़ावा देना।

(D) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessments) की आवश्यकता को समाप्त करना।

55. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:

कविता, कक्षा X की छात्रा, अपनी अंतिम बोर्ड परीक्षाओं में 95% अंक प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित करती है। हालाँकि, वह दैनिक अध्ययन दिनचर्या के साथ संघर्ष करती है और अक्सर टालमटोल (Procrastinate) करती है, विशाल लक्ष्य से अभिभूत महसूस करती है।

लक्ष्य-निर्धारण सिद्धांत के आधार पर एक शिक्षक कविता को क्या सबसे अच्छी शैक्षणिक सलाह दे सकता है?

(A) वर्तमान शैक्षणिक लक्ष्य को पूरी तरह से छोड़ दें और काफी निचले लक्ष्य को स्वीकार करें।

(B) व्यापक लक्ष्य को प्रदर्शन लक्ष्य से सीधे प्रदर्शन-परिहार लक्ष्य में बदलें।

(C) दूरस्थ लक्ष्य (Distal Goal) को दैनिक समीपस्थ लक्ष्यों (Proximal Goals) में तोड़ें (उदा. प्रतिदिन एक अध्याय)।

(D) टालमटोल से पार पाने के लिए केवल बाह्य पुरस्कार और मूर्त प्रोत्साहन प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करें।

56. शैक्षिक मनोविज्ञान में 'आत्म-प्रभावकारिता' (Self-Efficacy) की अवधारणा मुख्य रूप से किसके द्वारा विकसित की गई थी?

(A) बी. एफ. स्किनर (B.F. Skinner)

(B) अल्बर्ट बांडुरा (Albert Bandura)

(C) जीन पियाजे (Jean Piaget)

(D) लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky)

(C) उच्च nAch वाले व्यक्ति नियमित, ठोस और सूचनात्मक प्रदर्शन प्रतिक्रिया (Informational Performance Feedback) द्वारा अत्यधिक अभिप्रेरित होते हैं।
(D) यह उत्कृष्टता के व्यक्तिगत आंतरिक मानकों को लगातार पूरा करने के लिए एक आंतरिक चालक के रूप में कार्य करता है।

88. एक शिक्षक लगातार अत्यंत कठिन परीक्षा पत्र सेट करता है जहाँ सबसे बुद्धिमान छात्र भी असफल हो जाते हैं। समय के साथ कक्षा की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सबसे संभावित प्रभाव क्या है?
(A) छात्रों की आंतरिक अभिप्रेरणा और विषय रुचि में एक घातीय और निरंतर वृद्धि।
(B) उपलब्धि अभिप्रेरणा में गिरावट और विफलता-परिहार व्यवहारों (Failure-Avoidance Behaviors) में वृद्धि।
(C) संपूर्ण छात्र आबादी में एक मजबूत आंतरिक नियंत्रण के केंद्र का तेजी से विकास।
(D) सकारात्मक सहकर्मी सहयोग और सहयोगात्मक अध्ययन समूह गठन के काफी उच्च स्तर।

89. शैक्षिक सेटिंग में मैक्लेलैंड के आवश्यकता सिद्धांत (McClelland's Needs Theory) के सही जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) शक्ति की आवश्यकता (Need for Power) — सहकर्मी की सहायता के बिना जटिल गणितीय समस्याओं को पूरी तरह से अकेले हल करने की इच्छा रखना।
(B) सम्बद्धता की आवश्यकता (Need for Affiliation) — समूह कार्य को प्राथमिकता देना और अनुमोदन प्राप्त करना।
(C) उपलब्धि की आवश्यकता (Need for Achievement) — सत्तावादी राजनीतिक नियंत्रण के माध्यम से छात्र परिषद बैठकों पर हावी होने की तलाश करना।
(D) सम्बद्धता की आवश्यकता (Need for Affiliation) — सामाजिक अंतःक्रिया के बजाय अत्यधिक प्रतिस्पर्धी, एकांत परीक्षा माहौल को प्राथमिकता देना।

90. निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. ऐसी स्थितियों के लिए प्राथमिकता जहाँ वे व्यक्तिगत जिम्मेदारी ले सकते हैं।
II. बहुत कम, आसानी से प्राप्त करने योग्य लक्ष्य निर्धारित करने की प्रवृत्ति।
III. प्रदर्शन पर ठोस प्रतिक्रिया की इच्छा।
उपर्युक्त में से कौन सी उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले छात्रों की विशेषताएं हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

91. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
एक प्रोजेक्ट के दौरान, एक छात्र एक ऐसा विषय चुनता है जो थोड़ा चुनौतीपूर्ण है लेकिन प्रयास से प्रबंधनीय है, बजाय इसके कि वह एक अत्यंत आसान विषय या असंभव रूप से कठिन विषय चुने। यह व्यवहार किस शिक्षार्थी का विशिष्ट उदाहरण है जो संचालित है:
(A) सामाजिक संबद्धता और सहकर्मी स्वीकृति की मौलिक आवश्यकता से
(B) विफलता और बाह्य शर्मिंदगी से बचने के व्यापक उद्देश्य से
(C) सफलता प्राप्त करने के उद्देश्य से (High nAch)
(D) बाह्य टोकन अभिप्रेरणा और मूर्त पुरस्कार निर्भरताओं से

92. निम्नलिखित में से किस कक्षा अभ्यास को छोड़कर, अन्य सभी उपलब्धि अभिप्रेरणा के विकास को बाधित करते हैं:
(A) मानक-संदर्भित ग्रेडिंग स्केलों का कड़ाई से उपयोग करना जो सफल शीर्ष छात्रों की संख्या को कृत्रिम रूप से सीमित करते हैं।
(B) छात्र के सबसे पहले प्रयास में ही पूर्ण, पूरी तरह से त्रुटि-रहित शैक्षणिक प्रदर्शन पर लगातार जोर देना।
(C) उत्तरोत्तर कठिन कार्यों में छात्रों को सफल होने में मदद करने के लिए पाड़ (Scaffolds) प्रदान करना।
(D) छात्र की सफलता का श्रेय पूरी तरह से व्यक्तिगत प्रयास और रणनीति के बजाय जन्मजात बुद्धि को देना ("आप बस स्मार्ट हैं")।

93. बर्नार्ड वेनर का कारण-निरूपण सिद्धांत (Attribution Theory) मुख्य रूप से किससे संबंधित है:
(A) छात्र अपनी शैक्षणिक सफलताओं और विफलताओं के कारणों को कैसे समझते हैं।
(B) छात्र कक्षा के व्हाइटबोर्ड पर प्रस्तुत जटिल अमूर्त जानकारी को दृष्टिगत रूप से कैसे संसाधित करते हैं।
(C) किशोरावस्था के दौरान संज्ञानात्मक मस्तिष्क विकास के जैविक और तंत्रिका-विकासात्मक चरण।
(D) एक विद्यालय सेटिंग में पेशेवर कार्यों का प्रशासनिक प्रतिनिधिमंडल (Delegation) और संरचनात्मक प्रबंधन।

94. वेनर के कारण-निरूपण सिद्धांत के अनुसार, सफलता या विफलता के कारणों को तीन आयामों के साथ वर्गीकृत किया जा सकता है। निम्नलिखित में से कौन सा इन आयामों में से एक नहीं है?
(A) केंद्र (Locus - आंतरिक या बाह्य)
(B) स्थिरता (Stability - स्थिर या अस्थिर)
(C) नियंत्रणयोग्यता (Controllability - नियंत्रणीय या अनियंत्रित)
(D) दृश्यता (Visibility - दृश्य या अदृश्य)

95. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
मीरा अपनी इतिहास परीक्षा में असफल हो गई। वह अपने माता-पिता से कहती है, "मैं असफल हो गई क्योंकि मैं

Downloaded from www.pdf.tube

मुख्य रूप से किस मनोवैज्ञानिक तंत्र को सक्रिय कर रही हैं?
(A) पिग्मेलियन प्रभाव (Pygmalion Effect) और शिक्षक प्रत्याशा गतिशीलता
(B) आंतरिक नियंत्रण का केंद्र (Internal Locus of Control) और आत्म-निर्धारण (Self-Determination)
(C) नकारात्मक सुदृढ़ीकरण और पलायन अनुबंधन तंत्र (Escape Conditioning)
(D) बाह्य पुरस्कारों के परिणामस्वरूप अति-औचित्य प्रभाव (Overjustification Effect)

36. आंतरिक अभिप्रेरणा का निर्माण करने के लिए पाठों को डिजाइन करने में, 'संज्ञानात्मक द्वंद्व' (Cognitive Conflict) या 'असंतुलन' (Disequilibrium) किसके द्वारा पेश किया जा सकता है?
(A) छात्रों को ऐसे जटिल शैक्षणिक कार्य देना जो उनकी वर्तमान संज्ञानात्मक क्षमता से बहुत परे हों।
(B) एक विरोधाभासी घटना प्रस्तुत करना जो छात्रों की वर्तमान समझ का खंडन करती है।
(C) समूह कार्य के दौरान साथियों के बीच जानबूझकर अंतर-व्यक्तिगत सामाजिक-भावनात्मक द्वंद्व पैदा करना।
(D) प्रत्येक कार्य के लिए अत्यधिक संरचित, चरण-दर-चरण, भारी मार्गदर्शन वाले निर्देश प्रदान करना।

37. शैक्षिक मनोविज्ञान में 'अति-औचित्य प्रभाव' (Overjustification Effect) उस स्थिति को संदर्भित करता है जहाँ:
(A) एक छात्र केवल कक्षा शिक्षक पर दोष मढ़कर अपनी शैक्षणिक विफलता को सही ठहराता है।
(B) किसी दिलचस्प कार्य के लिए बाह्य पुरस्कार आंतरिक अभिप्रेरणा को कम कर देता है।
(C) एक शिक्षक छात्र की अत्यधिक प्रशंसा करता है, जिससे सीधे निरंतर उच्च शैक्षणिक प्रदर्शन होता है।
(D) छात्र गंभीर प्रदर्शन चिंता का अनुभव करने के कारण उच्च-जोखिम वाली परीक्षा के लिए अत्यधिक तैयारी करते हैं।

38. एक विद्यालय प्राचार्य (Principal) देखते हैं कि विद्यालय द्वारा 'पढ़ें और कमाएं' (Read and Earn) कार्यक्रम बंद करने के बाद पढ़ने की आदतों में गिरावट आई है, जिसने छात्रों को पढ़ी गई प्रत्येक पांच पुस्तकों के लिए एक मुफ्त पिज्जा कूपन दिया था। मनोवैज्ञानिक सिद्धांत के अनुसार, यह गिरावट सबसे अधिक संभावना इसलिए है क्योंकि:
(A) विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकें छात्रों के पढ़ने के स्तर के लिए बहुत कठिन थीं।
(B) बाह्य पुरस्कार ने छात्रों की पढ़ने की आंतरिक अभिप्रेरणा को कमजोर कर दिया।
(C) छात्रों ने शैक्षणिक कार्यों के संबंध में तेजी से अत्यधिक आंतरिक नियंत्रण का केंद्र विकसित किया।
(D) पिज्जा कूपन ने कक्षा सेटिंग में नकारात्मक सुदृढ़ीकरण के रूप में काम किया।

39. जटिल समस्या-समाधान कार्यों को अभिप्रेरित करने के लिए उच्च-जोखिम वाले मूर्त पुरस्कारों (High-Stakes Tangible Rewards) का उपयोग करने का संभावित नकारात्मक प्रभाव निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) यह गहरे वैचारिक प्रक्रमण और महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक सोच कौशल को व्यवस्थित रूप से प्रोत्साहित करता है।
(B) यह ध्यान केंद्रित पुरस्कार पर स्थानांतरित कर देता है, जिससे रचनात्मकता और जोखिम लेने की क्षमता कम हो जाती है।
(C) यह दीर्घकालिक स्मृति अवधारण और वैचारिक स्थानांतरण (Conceptual Transfer) की संभावना को काफी बढ़ाता है।
(D) यह स्वाभाविक रूप से छात्र की व्यक्तिगत आत्म-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) और शैक्षणिक पहचान का निर्माण और सुदृढ़ीकरण करता है।

40. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
एक शिक्षक एक प्रणाली पेश करता है जहाँ छात्रों को पूरी तरह से पूरी की गई प्रत्येक गणित वर्कशीट के लिए एक सार्वजनिक चार्ट पर एक स्टार मिलता है। समय के साथ, शिक्षक ध्यान देता है कि छात्र स्टार प्राप्त करने के लिए सबसे आसान वर्कशीट चुन रहे हैं और चुनौतीपूर्ण वर्कशीट से बच रहे हैं।
यह परिदृश्य पुरस्कारों के उपयोग के बारे में क्या दर्शाता है?
(A) बाह्य पुरस्कार हमेशा संज्ञानात्मक चुनौती के लिए छात्र की इच्छा में तत्काल वृद्धि की ओर ले जाते हैं।
(B) प्रदर्शन-आकस्मिक पुरस्कार (Performance-Contingent Rewards) जोखिम से बचने और आसान कार्यों के लिए प्राथमिकता को बढ़ावा दे सकते हैं।
(C) सार्वजनिक मान्यता चार्ट दीर्घकालिक आंतरिक अभिप्रेरणा को बढ़ावा देने के लिए सबसे प्रभावी तरीका दर्शाते हैं।
(D) टोकन इकोनॉमी का कार्यान्वयन व्यवस्थित रूप से निपुणता-उन्मुख गहरे अधिगम को बढ़ावा देता है।

41. निम्नलिखित में से कौन सी स्थिति बाह्य पुरस्कारों के उपयोग को आंतरिक अभिप्रेरणा के लिए सबसे कम हानिकारक बनाती है?
(A) जब बाह्य पुरस्कार पूरी तरह से अपेक्षित, मूर्त हो और व्यवहार के तुरंत बाद दिया जाए।
(B) जब बाह्य पुरस्कार केवल किसी दिनचर्या की गतिविधि में भाग लेने या उसे पूरा करने के लिए दिया जाता है।
(C) जब पुरस्कार दक्षता पर अप्रत्याशित, सकारात्मक, सूचनात्मक प्रतिक्रिया (Informational Feedback) प्रदान करता है।
(D) जब बाह्य पुरस्कार का उपयोग स्पष्ट रूप से छात्र व्यवहार को जबरन प्रभावित करने और नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।

NODIA

सफल हुए छात्र को शिक्षक द्वारा दी जाने वाली सबसे उपयुक्त प्रतिक्रिया क्या है:
(A) "आपने इस असाइनमेंट पर बहुत अच्छा काम किया; यह साबित करता है कि आप असाधारण रूप से होशियार और बुद्धिमान हैं!"
(B) "आपने इस असाइनमेंट पर बहुत अच्छा काम किया; परीक्षा के प्रश्न सभी के लिए बहुत आसान रहे होंगे।"
(C) "आपने बहुत अच्छा काम किया; आपकी कड़ी मेहनत और नई अध्ययन रणनीतियों का वास्तव में फायदा हुआ।"
(D) "आपने बहुत अच्छा काम किया; इस बार वे प्रश्न पाना बस आपका सौभाग्य था।"

103. किशोरावस्था (Adolescence) के विकासात्मक चरण का वर्णन करने के लिए अक्सर इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द "तनाव और तूफान" (Storm and Stress - Sturm und Drang) किसके द्वारा गढ़ा गया था?
(A) जीन विलियम फ्रिट्ज़ पियाजे (Jean William Fritz Piaget)
(B) जी. स्टेनली हॉल (G. Stanley Hall)
(C) एरिक एरिक्सन (Erik Erikson)
(D) लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky)

104. निम्नलिखित में से कौन सी किशोरावस्था की एक प्राथमिक मनोवैज्ञानिक विशेषता है?
(A) निर्णय लेने के लिए माता-पिता पर पूर्ण निर्भरता।
(B) पहचान और स्वायत्तता की खोज (Search for Identity and Autonomy)।
(C) संवेदी-प्रेरक सोच (Sensorimotor Thinking) में वापसी।
(D) सहकर्मी संबंधों में रुचि की कमी।

105. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): किशोर अक्सर कक्षा में बदलते मूड, आवेगशीलता और भावनात्मक प्रतिक्रियाशीलता प्रदर्शित करते हैं।
कारण (R): किशोरावस्था के दौरान, लिम्बिक सिस्टम (Limbic System) प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स (Prefrontal Cortex) की तुलना में तेजी से विकसित होता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

106. प्रशासनिक क्षमता में, किशोर विकास को समझना एक प्राचार्य (Principal) के लिए किसके लिए महत्वपूर्ण है:
(A) सख्त, दंडात्मक अनुशासनात्मक नीतियां तैयार करना जो मामूली छात्र व्यवहारात्मक गलतियों का भी कठोरता से अपराधीकरण करती हैं।
(B) छात्र स्वायत्तता के साथ संरचना को संतुलित करने वाली नीतियां डिज़ाइन करना।
(C) छात्रों को उनके पारिवारिक सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर अलग-अलग शैक्षणिक ट्रैकों में पूरी तरह से अलग करना।
(D) केवल शैक्षणिक परीक्षा तैयारी पर विद्यालय के संसाधनों को केंद्रित करने के लिए सभी पाठ्येतर गतिविधियों को पूरी तरह से समाप्त करना।

107. किशोरों के शारीरिक विकास और इसके मनोवैज्ञानिक प्रभाव के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?
(A) जल्दी परिपक्व होने वाले किशोर लड़के अक्सर विद्यालय में उन्नत शारीरिक आत्म-अवधारणा और उच्च सहकर्मी स्थिति का अनुभव करते हैं।
(B) जल्दी परिपक्व होने वाली लड़कियां शरीर की छवि के मुद्दों और मनोवैज्ञानिक संकट के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि का अनुभव कर सकती हैं।
(C) यौवन (Puberty) के दौरान शारीरिक परिवर्तन छात्र के आत्म-सम्मान को प्रभावित नहीं करते हैं।
(D) यौवन के दौरान हार्मोनल उतार-चढ़ाव सर्केडियन नींद के पैटर्न और मूड में बदलाव में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

108. एरिक एरिक्सन के मनोसामाजिक सिद्धांत (Psychosocial Theory) के अनुसार, किशोरावस्था (12-18 वर्ष की आयु) के दौरान सामना किया जाने वाला प्राथमिक विकासात्मक संकट क्या है?
(A) बुनियादी विश्वास बनाम मौलिक अविश्वास (Basic Trust vs. Fundamental Mistrust)
(B) स्वायत्तता बनाम शर्म और व्यक्तिगत संदेह (Autonomy vs. Shame and Personal Doubt)
(C) उद्योग बनाम हेयता (Industry vs. Inferiority)
(D) पहचान बनाम भूमिका भ्रम (Identity vs. Role Confusion)

109. तार्किक रूप से, यदि एक किशोर अंतिम प्रतिबद्धता बनाए बिना विभिन्न भूमिकाओं, विचारधाराओं और करियर विकल्पों की खोज कर रहा है, तो वे जेम्स मार्शिया के अनुसार किस पहचान स्थिति में हैं:
(A) पहचान बंधक (Identity Foreclosure)
(B) पहचान स्थगन (Identity Moratorium)
(C) पहचान प्रसार (Identity Diffusion)
(D) पहचान प्राप्ति (Identity Achievement)

110. विद्यालय सेटिंग में किशोरों की निम्नलिखित विकासात्मक आवश्यकताओं पर विचार कीजिए:
I. एक शारीरिक और मनोवैज्ञानिक रूप से सुरक्षित वातावरण की आवश्यकता।
II. विद्यालय शासन (School Governance) में सार्थक भागीदारी की आवश्यकता।
III. बिना किसी स्पष्टीकरण के अधिकार का बिना सवाल किए पालन करने की आवश्यकता।

Click Here to Buy book on Flipkart

(D) I, II और III

171. कक्षा मनोविज्ञान में "पिग्मेलियन प्रभाव" (Pygmalion Effect), जिसे रोसेन्थल और जैकबसन द्वारा प्रसिद्ध रूप से शोधित किया गया था, किसको संदर्भित करता है:
(A) परीक्षा के तुरंत बाद जटिल शैक्षणिक जानकारी को तेजी से भूलने की छात्रों की मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति।
(B) उच्च शिक्षक अपेक्षाएं सीधे छात्र के प्रदर्शन में सुधार की ओर ले जाती हैं।
(C) व्यक्तिगत छात्र की शैक्षणिक उपलब्धि और व्यवहार पर नकारात्मक सहकर्मी दबाव का प्रलेखित नकारात्मक प्रभाव।
(D) प्रारंभिक यौवन चरणों के दौरान किशोरों द्वारा अनुभव की जाने वाली तीव्र शारीरिक वृद्धि और शारीरिक परिवर्तन।

172. पिग्मेलियन प्रभाव (Pygmalion Effect) के अंतर्निहित मनोवैज्ञानिक तंत्र को सबसे अच्छी तरह से किस रूप में वर्णित किया गया है:
(A) स्व-पूर्ति भविष्यवाणी (Self-Fulfilling Prophecy)
(B) संज्ञानात्मक द्वंद्व (Cognitive Dissonance)
(C) रक्षा तंत्र (Defense Mechanism)
(D) क्लासिकल अनुबंधन रिफ्लेक्स (Classical Conditioning Reflex)

173. एक शिक्षक को वर्ष की शुरुआत में सूचित किया जाता है कि तीन विशिष्ट छात्र बड़े पैमाने पर बौद्धिक विकास के कगार पर "लेट ब्लूमर्स" (Late Bloomers) हैं (भले ही उन्हें यादृच्छिक रूप से चुना गया था)। वर्ष के अंत तक, ये तीन छात्र अपने साथियों की तुलना में काफी अधिक आईक्यू (IQ) लाभ दिखाते हैं। पिग्मेलियन प्रभाव के आधार पर, यह मुख्य रूप से इसलिए हुआ क्योंकि:
(A) चयनित छात्र आनुवंशिक रूप से श्रेष्ठ थे और असाधारण रूप से उच्च जन्मजात आधार रेखा बुद्धि लब्धि रखते थे।
(B) शिक्षक ने अधिक गर्मजोशी भरा माहौल, अधिक चुनौतियाँ और प्रतिक्रिया प्रदान की।
(C) प्राचार्य ने विशेष रूप से इन तीन चयनित छात्रों के लिए एक आसान, काफी अधिक उदार ग्रेडिंग स्केल लागू किया।
(D) कक्षा में अन्य गैर-चयनित छात्रों ने पक्षपात को पहचाना और बाद में प्रतिस्पर्धा करना छोड़ दिया।

174. शिक्षक की अपेक्षाओं और छात्र के परिणामों के संबंध में सही जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) पिग्मेलियन प्रभाव (Pygmalion Effect) — कम अपेक्षाएं निम्न प्रदर्शन की ओर ले जाती हैं।
(B) गोलेम प्रभाव (Golem Effect) — कम अपेक्षाएं घटे हुए प्रदर्शन की ओर ले जाती हैं।
(C) हेलो प्रभाव (Halo Effect) — उच्च अपेक्षाएं निम्न प्रदर्शन की ओर ले जाती हैं।
(D) प्लेसबो प्रभाव (Placebo Effect) — सहकर्मी की अपेक्षाएं उच्च प्रदर्शन की ओर ले जाती हैं।

175. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
श्री सिंह "उपचारात्मक" (Remedial) के रूप में लेबल किए गए छात्रों के एक वर्ग को पढ़ाते हैं। वह मानते हैं कि वे अमूर्त अवधारणाओं को नहीं संभाल सकते हैं, इसलिए वह उन्हें केवल रटने वाले कॉपी कार्य देते हैं और शायद ही कभी उन्हें प्रश्नों के उत्तर देने के लिए बुलाते हैं। परिणामस्वरूप, छात्र विमुख रहते हैं और प्रगति करने में विफल रहते हैं।
यह परिदृश्य किसका एक उदाहरण है:
(A) पिग्मेलियन प्रभाव (Pygmalion Effect)
(B) गोलेम प्रभाव (Golem Effect)
(C) जीगार्निक प्रभाव (Zeigarnik Effect)
(D) अति-औचित्य प्रभाव (Overjustification Effect)

176. शिक्षक अपेक्षाओं पर शोध से निम्नलिखित में से कौन सा एक तथ्यात्मक निष्कर्ष है?
(A) शिक्षक अक्सर कम उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों को उत्तर देने के लिए कम प्रतीक्षा-समय (Wait-Time) देते हैं।
(B) शिक्षक अपेक्षाओं का छात्र की आत्म-अवधारणा या शैक्षणिक प्रभावकारिता पर कोई मापने योग्य ढांचागत प्रभाव नहीं पड़ता है।
(C) कक्षा के सभी शिक्षक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना हर छात्र के लिए सार्वभौमिक रूप से समान उच्च शैक्षणिक अपेक्षाएं रखते हैं।
(D) छात्र शिक्षक के सूक्ष्म गैर-मौखिक संकेतों और व्यवहारात्मक अपेक्षाओं के प्रति पूरी तरह से अनजान और असंवेदनशील होते हैं।

177. पक्षपातपूर्ण शिक्षक अपेक्षाओं के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए निम्नलिखित में से किस रणनीति को छोड़कर, अन्य सभी रणनीतियाँ हैं:
(A) जब संभव हो तो लिखित असाइनमेंट के लिए अनाम ग्रेडिंग (Blind Grading) का उपयोग करना।
(B) अपने स्वयं के अचेतन पूर्वाग्रहों पर नियमित रूप से विचार करना।
(C) छात्रों को उनके प्रारंभिक नैदानिक परीक्षण अंकों के आधार पर स्थायी रूप से वर्गीकृत करना।
(D) एक यादृच्छिक प्रणाली का उपयोग करना (जैसे नाम की छड़ें खींचना) यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी छात्रों को समान रूप से बुलाया जाए।

178. शिक्षक अपेक्षाओं और छात्र के नियंत्रण के केंद्र (Locus of Control) के बीच कारण-और-प्रभाव संबंध क्या है?
(A) उच्च शिक्षक अपेक्षाओं को बनाए रखना आमतौर पर छात्र के नियंत्रण के केंद्र को पूरी तरह से बाह्य कारकों में स्थानांतरित करता है।
(B) नकारात्मक अपेक्षाएं सीखी हुई असहायता (Learned Helplessness) और बाह्य नियंत्रण के केंद्र को प्रेरित करती हैं।
(C) शिक्षक अपेक्षाओं का छात्र के नियंत्रण के केंद्र पर बिल्कुल कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, जो विशुद्ध रूप से

NODIA

119. एक विद्यालय प्राचार्य (Principal) वरिष्ठ छात्रों को विद्यालय की नई बदमाशी-विरोधी नीतियां (Anti-Bullying Policy) तैयार करने के लिए एक छात्र परिषद बनाने की अनुमति देते हैं। ऐसा करके, प्राचार्य किशोरों की उभरती हुई क्षमता को संज्ञानात्मक रूप से शामिल कर रहे हैं:
(A) न्याय और समानता जैसी अमूर्त नैतिक अवधारणाओं की अवधारणा बनाना।
(B) निर्जीव वस्तुओं के संबंध में पूर्व-संक्रियात्मक जीववादी सोच (Animistic Thinking) में शामिल होना।
(C) उन्नत मूर्त संक्रियाओं जैसे श्रेणीकरण (Seriation) और वर्गीकरण का अभ्यास करना।
(D) संस्थागत विद्यालय के नियमों और विनियमों को निष्क्रिय रूप से याद करना।

120. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
रवि, कक्षा IX का छात्र, कक्षा में प्रवेश करने से पहले अपने बालों और वर्दी को ठीक करने में अत्यधिक समय बिताता है, यह दृढ़ता से मानते हुए कि कक्षा में हर कोई उसे देख रहा है और उसके रूप-रंग का न्याय कर रहा है।
प्रारंभिक किशोरावस्था में आम यह संज्ञानात्मक विकृति (Cognitive Distortion) किस रूप में जानी जाती है:
(A) व्यक्तिगत आख्यान अवधारणा (Personal Fable Concept)
(B) काल्पनिक दर्शक (Imaginary Audience)
(C) पिग्मेलियन प्रभाव गतिशीलता (Pygmalion Effect Dynamic)
(D) सीखी हुई असहायता स्थिति (Learned Helplessness State)

121. "व्यक्तिगत आख्यान" (Personal Fable), किशोर अहमकेंद्रवाद (Adolescent Egocentrism) का वर्णन करने के लिए डेविड एल्किंड द्वारा शुरू की गई एक अवधारणा, एक किशोर के इस विश्वास को संदर्भित करती है कि:
(A) वे लगातार और बिना किसी रुकावट के बाकी सभी के ध्यान का पूर्ण केंद्र हैं।
(B) यह विश्वास कि भावनाएं अद्वितीय हैं और वे नुकसान के प्रति अभेद्य (Invulnerable) हैं।
(C) उनके माता-पिता और शिक्षक पूरी तरह से अचूक, सही और सर्वज्ञ अधिकार वाले आंकड़े हैं।
(D) उन्हें काल्पनिक संज्ञानात्मक दुनिया के कृत्रिम नियमों का कड़ाई से और बिना सवाल किए पालन करना चाहिए।

122. किशोर सामाजिक विकास के संदर्भ में, भावनात्मक लगाव में बदलाव आमतौर पर किससे किसकी ओर होता है:
(A) साथियों से माता-पिता की ओर
(B) शिक्षकों से माता-पिता की ओर
(C) माता-पिता से साथियों की ओर
(D) भाई-बहनों से शिक्षकों की ओर

NODIA

123. एक शिक्षक ध्यान देता है कि एक सामान्य रूप से अच्छा व्यवहार करने वाला कक्षा X का छात्र विशेष रूप से दोस्तों के एक विशेष समूह के साथ बैठते समय अनुचित व्यवहार करना और नियमों को तोड़ना शुरू कर देता है। यह किसकी समझ का एक अनुप्रयोग है:
(A) गंभीर पृथक्करण चिंता और लगाव विकार (Attachment Disorder)
(B) सहकर्मी अनुरूपता (Peer Conformity) और सामाजिक जुड़ाव की आवश्यकता
(C) वस्तु स्थायित्व अवधारणाओं का संज्ञानात्मक विकास
(D) आंतरिक शैक्षणिक अभिप्रेरणा और उपलब्धि प्रयास

124. किशोर भावनात्मक विकास अवधारणाओं के संबंध में गलत जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) भावनात्मक अस्थिरता (Emotional Volatility) — लगातार और तीव्र मूड बदलाव।
(B) पहचान अन्वेषण (Identity Exploration) — व्यक्तिगत विश्वास बनाने के लिए पारिवारिक मूल्यों पर सवाल उठाना।
(C) स्वायत्तता विकास (Autonomy Development) — सभी सामाजिक संबंधों का पूर्ण अस्वीकार।
(D) आत्मीयता विकास (Intimacy Development) — गहरे, पारस्परिक रूप से सहायक मित्रवत संबंध बनाना।

125. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): विद्यालयों के लिए विशेष रूप से किशोरों को लक्षित सामाजिक-भावनात्मक अधिगम (Social-Emotional Learning - SEL) कार्यक्रमों को शामिल करना फायदेमंद है।
कारण (R): किशोरों को पहचान निर्माण, सहकर्मी दबाव और शैक्षिणिक तनाव सहित जटिल भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसके लिए स्पष्ट मुकाबला रणनीतियों की आवश्यकता होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

126. किशोरावस्था के दौरान, 'मंडली' (Cliques) और 'जनसमूह' (Crowds) प्राथमिक सामाजिक कार्यों का काम करते हैं। एक 'जनसमूह' (उदा. 'खिलाड़ी', 'पढ़ाकू') आमतौर पर किस पर आधारित होता है:
(A) दो व्यक्तियों के बीच गहरी, अत्यधिक आत्मीय, आमने-सामने की व्यक्तिगत मित्रता।
(B) साझा प्रतिष्ठा, रूढ़िवादिता (Stereotype), और सामाजिक पहचान।
(C) साझा पारिवारिक वंश, आनुवंशिक विरासत, और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की स्थिति।
(D) शिक्षक द्वारा सीधे सौंपी गई अनिवार्य कक्षा बैठने की

(A) किसी कथित तत्काल खतरे, अपमान या बाह्य उकसावे के लिए एक आवेगपूर्ण, अत्यधिक भावनात्मक अनुक्रिया।
(B) एक लक्ष्य प्राप्त करने या दूसरों पर हावी होने के उद्देश्य से किया गया जानबूझकर, नियोजित व्यवहार।
(C) आत्म-मूल्यहीन विचारों और आंतरिक आत्म-हानि प्रवृत्तियों के माध्यम से स्वयं की ओर निर्देशित।
(D) हमेशा शारीरिक रूप से हिंसक, जिसमें प्रत्यक्ष शारीरिक नुकसान या व्यक्तिगत कक्षा संपत्ति का विनाश शामिल है।

142. एक प्राचार्य (Principal) को हस्तक्षेप करने के लिए बुलाया जाता है जब दो छात्र एक उग्र, तेज बहस में शामिल होते हैं जो शारीरिक लड़ाई में बदलने वाली है। इस आक्रामक व्यवहार को कम (De-Escalate) करने के लिए तत्काल पहला कदम होना चाहिए:
(A) जब दोनों छात्र अभी भी जोर-जोर से चिल्ला रहे हों, तो संघर्ष किसने शुरू किया, इसका तत्काल, विस्तृत स्पष्टीकरण मांगना।
(B) छात्रों को अलग करना, शारीरिक सुरक्षा सुनिश्चित करना, और शांत होने के लिए समय देना।
(C) बिना कोई पूर्व अलगाव या शांत हुए दोनों शामिल छात्रों को स्कूल परिसर से तुरंत निलंबित करना।
(D) सार्वजनिक रूप से दूसरों के लिए चेतावनी के उदाहरण के रूप में लड़ने वाले छात्रों का उपयोग करने के लिए एक तत्काल आपातकालीन स्कूल सभा बुलाना।

143. "संघर्ष चक्र" (Conflict Cycle) के विशिष्ट चरणों को क्रम में व्यवस्थित करें (जो अक्सर छात्रों में आक्रामक व्यवहार की ओर ले जाता है):
I. छात्र तनाव या निराशा का अनुभव करता है।
II. छात्र दृश्यमान आक्रामक व्यवहार प्रदर्शित करता है।
III. शिक्षक व्यवहार पर प्रतिक्रिया करता है (अक्सर नकारात्मक रूप से)।
IV. छात्र क्रोध या चिंता की आंतरिक भावनाओं का अनुभव करता है।
निम्नलिखित में से कौन सा सही क्रम का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) I, IV, II, III
(B) I, II, III, IV
(C) IV, I, II, III
(D) II, III, I, IV

144. एक सक्रिय रूप से आक्रामक छात्र को संभालने वाले शिक्षकों के लिए निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही सिद्धांत है?
(A) अधिकार को दृढ़ता से स्थापित करने के लिए छात्र की ऊंची आवाज और आक्रामक स्वर से जोर से मेल खाना।
(B) आक्रामक छात्र के बहुत करीब खड़े होना ताकि उन्हें पूर्ण अनुपालन में शारीरिक रूप से डराया जा सके।
(C) शांत स्वर बनाए रखना, स्थान का सम्मान करना, और शत्रुतापूर्ण शारीरिक भाषा से बचना।
(D) तीव्र अंतर-व्यक्तिगत कक्षा तनाव को जल्दी से दूर करने के लिए भारी व्यंग्य और सार्वजनिक रूप से उपहास उड़ाने वाली टिप्पणियों का उपयोग करना।

145. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): छात्रों को संघर्ष समाधान (Conflict Resolution) और भावनात्मक नियमन कौशल सिखाने से विद्यालयों में प्रतिक्रियाशील आक्रामकता (Reactive Aggression) की घटनाओं में कमी आती है।
कारण (R): प्रतिक्रियाशील आक्रामकता अक्सर सामाजिक सूचना प्रक्रमण में कमी और तीव्र भावनाओं को प्रबंधित करने में असमर्थता का परिणाम होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

146. आक्रामक व्यवहार का एक रूप जिसमें जानबूझकर किसी की सामाजिक प्रतिष्ठा या संबंधों को नुकसान पहुंचाना शामिल है (उदा. अफवाह फैलाना, सामाजिक बहिष्कार) उसे क्या कहा जाता है:
(A) साधन आक्रामकता (Instrumental Aggression)
(B) शारीरिक आक्रामकता (Physical Aggression)
(C) संबंधपरक आक्रामकता (Relational Aggression)
(D) विस्थापित आक्रामकता (Displaced Aggression)

147. निम्नलिखित में से कौन सी प्रशासनिक नीति विद्यालय में बदमाशी (सक्रिय आक्रामकता) को स्थायी रूप से कम करने में सबसे कम प्रभावी होगी?
(A) व्यापक सामाजिक-भावनात्मक अधिगम (Social-Emotional Learning - SEL) पाठ्यक्रम लागू करना।
(B) स्पष्ट रिपोर्टिंग तंत्र और सहायक दर्शक प्रशिक्षण (Bystander Training) स्थापित करना।
(C) पुनर्स्थापनात्मक प्रथाओं (Restorative Practices) के बिना केवल अल्पकालिक निलंबन पर निर्भर रहना।
(D) समुदाय निर्माण के माध्यम से एक सकारात्मक, समावेशी विद्यालय माहौल को बढ़ावा देना।

148. तार्किक रूप से, यदि कोई छात्र विस्थापित आक्रामकता (Displaced Aggression) प्रदर्शित करता है (उदा. कम ग्रेड प्राप्त करने के बाद डेस्क पर लात मारना), तो व्यवहार को एक स्थानापन्न लक्ष्य पर निर्देशित किया जाता है क्योंकि:
(A) छात्र वास्तव में मानता है कि भौतिक डेस्क उनके कम शैक्षणिक ग्रेड का प्राथमिक कारण था।
(B) निराशा के मूल स्रोत पर सुरक्षित या व्यावहारिक रूप से हमला नहीं किया जा सकता है।
(C) छात्र में वस्तु स्थायित्व और स्थानिक संरक्षण कौशल जैसी मूलभूत संज्ञानात्मक संरचनाओं की कमी है।
(D) छात्र के पास शैक्षणिक मूल्यांकन परिणामों के संबंध में

Downloaded from www.pdf.tube

हैं।
(C) अधिगम की जरूरतों और अनुदेशात्मक माहौल (Instructional Environment) के बीच बेमेल होना।
(D) कक्षा के माहौल में रणनीतिक समायोजन करके उन्हें कम या हल नहीं किया जा सकता है।

135. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
सुनील, कक्षा VI का छात्र, लंबे व्याख्यान सत्रों के दौरान अक्सर अपनी सीट से उठ जाता है और पड़ोसियों से बात करता है। शिक्षक यह निर्धारित करता है कि सुनील कम ध्यान अवधि (Attention Span) वाला एक अत्यधिक गतिसंवेदी शिक्षार्थी (Kinesthetic Learner) है।
इस व्यवहारात्मक मुद्दे को रोकने के लिए सबसे उपयुक्त कक्षा प्रबंधन समायोजन क्या है?
(A) सुनील को एक निश्चित अवधि के लिए विद्यालय आने से तुरंत निलंबित करना।
(B) पाठ में संरचित गति ब्रेक (Structured Movement Breaks) या सक्रिय शिक्षण कार्यों को शामिल करना।
(C) सुनील को व्याख्यान की पूरी अवधि के दौरान चुपचाप कक्षा की दीवार की ओर मुंह करके खड़े रहने के लिए मजबूर करना।
(D) आसपास के सहपाठियों पर इसके प्रभाव की परवाह किए बिना विघटनकारी व्यवहार को पूरी तरह से अनदेखा करना।

136. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
एक छात्र जो सामान्य रुप से अच्छा व्यवहार करता है, वह विशेष रुप से अवज्ञाकारी व्यवहार करना, कक्षा में सो जाना और चिड़चिड़ापन दिखाना शुरु कर देता है। शिक्षक को पता चलता है कि छात्र के माता-पिता का शत्रुतापूर्ण तलाक हो रहा है। यह इंगित करता है कि व्यवहारात्मक मुद्दा मुख्य रुप से किसमें निहित है:
(A) अनिदानित एडीएचडी (Attention Deficit Hyperactivity Disorder - ADHD)
(B) मनोसामाजिक तनाव और भावनात्मक आघात (Psychosocial Stress and Emotional Trauma)
(C) शिक्षक के पाठ को तोड़फोड़ करने की दुर्भावनापूर्ण मंशा
(D) विषय के लिए आंतरिक अभिप्रेरणा की कमी

137. निम्नलिखित में से किस शिक्षक व्यवहार को छोड़कर, अन्य सभी अनजाने में छात्र व्यवहारात्मक मुद्दों का कारण बन सकते हैं या उन्हें बढ़ा सकते हैं:
(A) व्यंग्य का उपयोग करना या साथियों के सामने छात्रों को अपमानित करना।
(B) असंगत नियमों और मनमाने परिणामों को बनाए रखना।
(C) स्पष्ट, अनुमानित दिनचर्या और दृश्य कार्यक्रम प्रदान करना।
(D) अवज्ञाकारी छात्रों के साथ शक्ति संघर्ष (Power Struggles) में शामिल होना।

138. कक्षा के व्यवहारात्मक मुद्दों से निपटने के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) कक्षा के हस्तक्षेपों को केवल दंडित करने के बजाय उपयुक्त प्रतिस्थापन व्यवहार (Replacement Behaviors) सिखाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
(B) एक कार्यात्मक व्यवहारात्मक मूल्यांकन (Functional Behavioral Assessment - FBA) आयोजित करना समस्या व्यवहार के मूल कारणों की व्यवस्थित रुप से पहचान करने में मदद करता है।
(C) शून्य-सहनशीलता निष्कासन नीतियां (Zero-Tolerance Expulsion Policies) मामूली व्यवधानों के लिए सबसे प्रभावी हैं।
(D) मजबूत, सकारात्मक शिक्षक-छात्र संबंधों का निर्माण एक मौलिक निवारक प्रबंधन रणनीति के रुप में कार्य करता है।

NODIA

139. सामान्य व्यवहारात्मक मुद्दों को प्रबंधित करने के लिए सबसे प्रभावी संपूर्ण-विद्यालय दृष्टिकोण (Whole-School Approach), जिसे अक्सर शैक्षिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा समर्थित किया जाता है, वह है:
(A) सभी ग्रेड स्तरों पर कड़ाई से और लगातार गंभीर शारीरिक दंड लागू करना।
(B) सकारात्मक व्यवहारात्मक हस्तक्षेप और सहायता (Positive Behavioral Interventions and Supports - PBIS) ढांचा।
(C) एक मार्गदर्शित-रहित, अनुज्ञात्मक अहस्तक्षेप प्रबंधन दृष्टिकोण (Laissez-Faire Management Approach) को पूरी तरह से अपनाना।
(D) व्यवहार की परवाह किए बिना प्रत्येक छात्र के लिए निरंतर बाह्य पुरस्कार प्रणालियों की स्थापना करना।

140. निम्नलिखित पर्यावरणीय कारकों पर विचार कीजिए जो कक्षा के व्यवहारात्मक मुद्दों का कारण बन सकते हैं:
I. कक्षा में खराब ध्वनि-विज्ञान (Acoustics) और अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था।
II. व्यक्तिगत स्थान की कमी के साथ भीड़भाड़ वाली कक्षाएं।
III. गतिविधियों के बीच असंरचित बदलाव (Unstructured Transitions)।
IV. अत्यधिक आकर्षक, अच्छी गति वाला अनुदेशन।
उपर्युक्त में से कौन से व्यवहारात्मक मुद्दों का कारण बनने के लिए जाने जाते हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, II और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) केवल I, III और IV

141. शैक्षिक मनोविज्ञान में, "सक्रिय आक्रामकता" (Proactive Aggression) को "प्रतिक्रियाशील आक्रामकता" (Reactive Aggression) से इस रुप में अलग किया जाता है कि सक्रिय आक्रामकता है:

व्यवस्था।

127. उत्तर किशोरावस्था (Late Adolescence) में स्वस्थ भावनात्मक विकास की एक विशिष्ट विशेषता निम्नलिखित में से कौन सी नहीं है?
(A) संवर्धित भावनात्मक नियमन (Emotional Regulation), आत्म-नियंत्रण, और समग्र भावात्मक स्थिरता।
(B) अंतर-व्यक्तिगत सहानुभूति और दृष्टिकोण लेने के लिए अधिक संज्ञानात्मक क्षमता।
(C) हर निर्णय के लिए सहकर्मी के अनुमोदन पर पूर्ण निर्भरता।
(D) समय के साथ एक स्थिर, सुसंगत और एकीकृत आत्म-अवधारणा का विकास।

128. तार्किक रूप से, जैसे-जैसे किशोर स्वायत्तता की मजबूत आवश्यकता विकसित करते हैं, बिना किसी तर्क के सख्त, गैर-परक्राम्य, सत्तावादी नियमों को लागू करने वाले प्राचार्य (Principal) को संभवतः किसका सामना करना पड़ेगा:
(A) सभी सेटिंग्स में अधिकार वाले आंकड़ों के प्रति पूर्ण, बिना सवाल किए अनुपालन और कुल आज्ञाकारिता।
(B) बढ़ा हुआ छात्र विद्रोह, गुप्त अवज्ञा, और विमुखता (Disengagement)।
(C) सामान्य छात्र आबादी के बीच बढ़ी हुई आंतरिक अभिप्रेरणा और शैक्षणिक जुड़ाव।
(D) कक्षा के छात्रों और शिक्षकों के बीच काफी सुधरा हुआ भावनात्मक संबंध और पारस्परिक विश्वास।

129. प्रारंभिक किशोरावस्था में माता-पिता-किशोर द्वंद्व में वृद्धि का कारण सबसे सीधे किससे संबंधित है:
(A) प्रारंभिक यौवन के दौरान किशोर की तेजी से घटती संज्ञानात्मक क्षमताएं और स्मृति क्षमता।
(B) माता-पिता के नियंत्रण के साथ टकराती स्वायत्तता के लिए किशोर की प्रेरणा।
(C) अपना सारा खाली समय शिक्षकों के साथ बातचीत करने में बिताने की किशोर की अत्यधिक इच्छा।
(D) बच्चे के जीवन के संबंध में माता-पिता की पूर्ण भावनात्मक अरुचि और कुल उपेक्षा।

130. किशोरों के भावनात्मक विकास का समर्थन करने में एक शिक्षक की निम्नलिखित भूमिकाओं पर विचार कीजिए:
I. परिवार के बाहर एक सहायक, गैर-निर्णयात्मक वयस्क के रूप में कार्य करना।
II. किशोरों को अपनी राय व्यक्त करने के लिए सुरक्षित स्थान प्रदान करना।
III. भावनात्मक विस्फोटों के लिए छात्रों को 'मजबूत बनाने' के लिए सार्वजनिक रूप से अपमानित करना।
उपर्युक्त में से कौन सी उपयुक्त शिक्षण-शास्त्रीय भूमिकाएँ हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

131. कक्षा मनोविज्ञान में, "व्यवहारात्मक मुद्दों" (Behavioral Issues) या "समस्या व्यवहारों" को सबसे अच्छी तरह से ऐसे कार्यों के रूप में परिभाषित किया गया है जो:
(A) ऐसे कार्य जो कक्षा में शिक्षक की व्यक्तिगत सौंदर्य या शैलीगत प्राथमिकताओं से भटकते हैं।
(B) ऐसे कार्य जो अधिगम के माहौल को बाधित करते हैं या स्वयं/दूसरों को नुकसान पहुँचाते हैं।
(C) ऐसे व्यवहार जो सीधे असाधारण उच्च संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता और रचनात्मक विश्लेषणात्मक सोच को दर्शाते हैं।
(D) ऐसे व्यवहार जो प्रतिस्पर्धी खेलों में छात्र की व्यक्तिगत रुचि या भागीदारी की कुल कमी को दर्शाते हैं।

132. कार्यात्मक व्यवहार दृष्टिकोण (Functional Behavior Perspective) से, कक्षा में सामान्य व्यवहारात्मक मुद्दे (जैसे चिल्लाना या अवज्ञा) आमतौर पर छात्र के लिए एक विशिष्ट उद्देश्य पूरा करते हैं। निम्नलिखित में से कौन से ऐसे व्यवहार के सबसे सामान्य कार्य हैं?
(A) कक्षा शिक्षक के समग्र वार्षिक वेतन और संस्थागत बोनस को व्यवस्थित रूप से बढ़ाना।
(B) ध्यान आकर्षित करना, किसी कार्य से बचना, या कोई मूर्त वस्तु प्राप्त करना।
(C) आत्म-साक्षात्कार और व्यक्तिगत विकास के पड़ावों की मानवतावादी मनोवैज्ञानिक आवश्यकता को पूरा करना।
(D) औपचारिक संक्रियात्मक कार्यों के दौरान परिकल्पित-निगमनात्मक तर्क क्षमताओं का सक्रिय रूप से प्रदर्शन करना।

133. एक शिक्षक प्राचार्य को रिपोर्ट करता है कि कठिन गणित वर्कशीट सौंपे जाने से ठीक पहले एक छात्र लगातार कक्षा को बाधित करता है। व्यवहारात्मक विश्लेषण (Behavioral Analysis) को लागू करने पर, इस व्यवहार का सबसे संभावित अंतर्निहित कारण है:
(A) सहपाठियों के बीच सहकर्मी अनुमोदन और उच्च सामाजिक स्थिति की तीव्र इच्छा।
(B) निरंतर, एक-से-एक शिक्षक ध्यान की तीव्र मनोवैज्ञानिक आवश्यकता।
(C) शैक्षणिक निराशा या समझ की कमी के कारण कार्य से बचना (Task Avoidance)।
(D) कक्षा से पहले अपर्याप्त शारीरिक पोषण के परिणामस्वरूप तीव्र जैविक भूख।

134. कक्षा में व्यवहारात्मक मुद्दों के कारणों के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
(A) वे पूरी तरह से छात्र की आनुवंशिक संरचना और तंत्रिका-जैविक पूर्वाग्रहों के कारण होते हैं।
(B) वे हमेशा गृह वातावरण में खराब, लापरवाह पालन-पोषण प्रथाओं का प्रत्यक्ष और एकमात्र परिणाम होते

एक असाधारण उच्च आंतरिक नियंत्रण का केंद्र है।

149. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
एक छात्र को लिखने का कार्य दिए जाने पर वह मौखिक रूप से आक्रामक हो जाता है। कार्यात्मक व्यवहारात्मक मूल्यांकन (Functional Behavioral Assessment - FBA) से पता चलता है कि आक्रामकता का कार्य लेखन कार्य से बचना है क्योंकि छात्र सूक्ष्म मोटर कौशल (Fine Motor Skills) के साथ संघर्ष करता है। सबसे उपयुक्त सक्रिय हस्तक्षेप है:
(A) छात्र को स्कूल के समय के बाद अतिरिक्त लंबे लेखन कार्य पूरे करने के लिए मजबूर करके दंडित करना।
(B) एक कीबोर्ड या लेखक (Scribe) प्रदान करना, जिससे सूक्ष्म मोटर निराशा का स्रोत दूर हो जाए।
(C) छात्र को स्कूल के पूरे दिन के लिए प्रशासनिक कार्यालय में पूर्ण अलगाव में रखना।
(D) छात्र की मौखिक आक्रामकता को पूरी तरह से नजरअंदाज करना और उन्हें बिना सहायता के चुपचाप बैठने के लिए मजबूर करना।

150. आक्रामक व्यवहार को प्रबंधित करने के लिए निम्नलिखित तकनीकों पर विचार कीजिए:
I. पुनर्स्थापनात्मक न्याय प्रथाएं (Restorative Justice Practices) (उदा. सहकर्मी मध्यस्थता मंडलियां)।
II. भावनाओं को व्यक्त करने के लिए "मैं" कथनों (I Statements) को सिखाना।
III. सुबह की सभा के दौरान आक्रामक व्यवहार करने वाले को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करना।
उपर्युक्त में से कौन सी शिक्षण-शास्त्रीय रूप से सही रणनीतियाँ हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

151. कक्षा मनोविज्ञान के संदर्भ में, "शैक्षणिक चिंता" (Academic Anxiety) को सबसे अच्छी तरह से इस रूप में परिभाषित किया गया है:
(A) विद्यालय सेटिंग में शैक्षणिक विषयों का अध्ययन करने के प्रति एक सामान्य, निरंतर अरुचि या उदासीनता।
(B) शैक्षिक कार्यों, परीक्षण या प्रदर्शन से विशेष रूप से संबंधित चिंता या बेचैनी।
(C) कक्षा सेटिंग्स में बोली जाने वाली मानव भाषा को समझने या संसाधित करने की पूर्ण संज्ञानात्मक असमर्थता।
(D) मुख्य रूप से निरंतर शारीरिक हलचल और अतिसक्रियता (Hyperactivity) द्वारा पहचाना जाने वाला एक गंभीर व्यवहारात्मक विकार।

152. उत्तेजना (तनाव/चिंता) और प्रदर्शन के संबंध में यर्क्स-डोडसन नियम (Yerkes-Dodson Law) के अनुसार:
(A) चिंता और तनाव के उच्च स्तर हमेशा जटिल कार्यों पर इष्टतम संज्ञानात्मक प्रदर्शन की ओर ले जाते हैं।
(B) शून्य चिंता बनाए रखना किसी भी दिए गए कार्य पर शिखर शैक्षणिक प्रदर्शन प्राप्त करने के लिए कड़ाई से आवश्यक है।
(C) मध्यम उत्तेजना इष्टतम प्रदर्शन को आसान बनाती है, लेकिन अत्यधिक स्तर इसे बाधित करते हैं।
(D) शारीरिक और मनोवैज्ञानिक उत्तेजना का संज्ञानात्मक प्रदर्शन परिणामों पर कोई वैज्ञानिक रूप से सिद्ध प्रभाव नहीं पड़ता है।

153. एक शिक्षक देखता है कि एक छात्र मौखिक परीक्षाओं के दौरान लिखित रूप में सामग्री जानने के बावजूद जम जाता है, अत्यधिक पसीना बहाता है और प्रश्नों का उत्तर देने में असमर्थ होता है। इस तीव्र चिंता को प्रबंधित करने में मदद करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा एक उपयुक्त कक्षा समायोजन है?
(A) समय के साथ छात्र को "मजबूत बनाने" के लिए सार्वजनिक रूप से काफी अधिक मौखिक प्रश्नों का उत्तर देने के लिए मजबूर करना।
(B) निजी प्रस्तुतियों की अनुमति देना या एक वैकल्पिक मूल्यांकन प्रारूप प्रदान करना।
(C) परीक्षा के दौरान छात्र के दृश्यमान आत्मविश्वास की कमी के लिए पर्याप्त शैक्षणिक अंक काटना।
(D) स्थिति को हल्का करने के लिए पूरी कक्षा के सामने छात्र की अत्यधिक घबराहट को इंगित करना।

154. छात्रों के लिए तनाव प्रबंधन तकनीकों के संबंध में गलत जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) संज्ञानात्मक पुनर्गठन (Cognitive Restructuring) — छात्रों को तर्कहीन, विनाशकारी विचारों को चुनौती देने में मदद करना (उदा. "यदि मैं इस प्रश्नोत्तरी में असफल हो जाता हूँ, तो मेरा जीवन समाप्त हो गया है")।
(B) ग्राउंडिंग तकनीकें (Grounding Techniques) — घबराए हुए छात्र को वर्तमान क्षण में शारीरिक संवेदनाओं पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करना (उदा. 5-4-3-2-1 तकनीक)।
(C) प्रगतिशील मांसपेशी विश्राम (Progressive Muscle Relaxation) — थकावट होने तक शारीरिक तनाव को लगातार बढ़ाना।
(D) माइंडफुलनेस अभ्यास (Mindfulness Exercises) — तंत्रिका तंत्र को नियंत्रित करने के लिए सांस लेने पर ध्यान केंद्रित करना।

155. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
अंतिम परीक्षाओं के दौरान, प्राचार्य वर्मा ध्यान देते हैं कि सिरदर्द और पेट दर्द की शिकायतों के साथ चिकित्सा कक्ष में जाने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, जिसका कोई अंतर्निहित चिकित्सीय कारण नहीं है।
मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से, ये लक्षण सबसे अधिक संभावना हैं:
(A) अत्यधिक विकसित आंतरिक शैक्षणिक अभिप्रेरणा और अध्ययन समर्पण के सामान्य व्यवहारात्मक लक्षण।

NODIA

उपर्युक्त में से कौन से आधुनिक किशोर मनोविज्ञान के साथ संरेखित हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

111. किशोरावस्था में उच्च जोखिम लेने वाला व्यवहार मुख्य रूप से किसका प्रभाव है:
(A) प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स में पूरी तरह से परिपक्व कार्यकारी कार्यप्रणाली और आवेग नियंत्रण।
(B) अपरिपक्व आवेग नियंत्रण के साथ सहकर्मी अनुमोदन संवेदनशीलता और डोपामाइन पुरस्कार।
(C) यौवन के दौरान समग्र संज्ञानात्मक प्रक्रमण क्षमताओं में अचानक, विनाशकारी गिरावट।
(D) प्रारंभिक किशोरावस्था में नैतिक तर्क संरचनाओं की पूर्ण और स्थायी अनुपस्थिति।

112. जीन पियाजे के अनुसार, किशोर आमतौर पर संज्ञानात्मक विकास के किस चरण में प्रवेश करते हैं?
(A) संवेदी-प्रेरक अवस्था (Sensorimotor Stage)
(B) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (Preoperational Stage)
(C) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage)
(D) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (Formal Operational Stage)

113. किशोरावस्था में संज्ञानात्मक विकास का एक प्रमुख लक्षण "परिकल्पित-निगमनात्मक तर्क" (Hypothetico-Deductive Reasoning) में संलग्न होने की क्षमता है। यह किसकी क्षमता को संदर्भित करता है:
(A) तत्काल वातावरण में मौजूद मूर्त, शारीरिक और दृश्यमान वस्तुओं के बारे में विशेष रूप से सोचना।
(B) अमूर्त समस्याओं को हल करने के लिए व्यवस्थित रूप से परिकल्पना उत्पन्न करना और उनका परीक्षण करना।
(C) मुख्य रूप से दोहराव वाले शारीरिक प्रयास और त्रुटि अंतःक्रियाओं के माध्यम से नई संज्ञानात्मक अवधारणाओं को सीखना।
(D) तरल आयतन और द्रव्यमान के तार्किक संरक्षण की पूर्ण समझ प्रदर्शित करना।

114. एक हाई स्कूल शिक्षक जेनेटिक इंजीनियरिंग के नैतिक निहितार्थों पर एक बहस आयोजित करता है। यह शिक्षण-शास्त्रीय गतिविधि किशोरों के लिए अत्यधिक उपयुक्त है क्योंकि यह उनकी विकसित होती क्षमता को पूरा करती है:
(A) तेजी से रटकर याद करने के कौशल विकसित करना
(B) अहमकेंद्रित नाटकीय खेल में शामिल होना
(C) अमूर्त और बहुआयामी सोच (Abstract and Multidimensional Thinking)
(D) केंद्रीकरण और अवधारणात्मक ध्यान केंद्रित करने वाले तंत्र

115. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
भौतिकी कक्षा के दौरान, कक्षा XI के छात्रों को लोलक (Pendulum) के दोलन को प्रभावित करने वाले चर का परीक्षण करने के लिए एक प्रयोग डिज़ाइन करने के लिए कहा जाता है। यादृच्छिक रूप से लंबाई और वजन बदलने के बजाय, छात्र दूसरों को स्थिर रखते हुए एक समय में एक चर को व्यवस्थित रूप से अलग करते हैं।
यह व्यवहार दर्शाता है कि छात्रों ने हासिल कर लिया है:
(A) साध्यिकीय तर्क (Propositional Logic) और प्रतीकात्मक संज्ञानात्मक प्रतिनिधित्व
(B) संयोजनात्मक तर्क (Combinatorial Reasoning) और वैज्ञानिक सोच
(C) संवेदी-प्रेरक वस्तु स्थायित्व (Object Permanence) और मानसिक मानचित्रण
(D) पारगमनिक तर्क (Transductive Reasoning) और पूर्व-संक्रियात्मक विचार

116. निम्नलिखित में से कौन सी आमतौर पर किशोर संज्ञानात्मक विकास की विशेषता नहीं है?
(A) मेटाकॉग्निशन (Metacognition)
(B) सापेक्षवादी सोच (Relativistic Thinking)
(C) रूपकों या व्यंग्य (Metaphors or Sarcasm) को समझने में असमर्थता
(D) भविष्य का उन्मुखीकरण और दीर्घकालिक योजना

117. किशोरावस्था में होने वाले संज्ञानात्मक परिवर्तनों के लिए सबसे उपयुक्त शिक्षण-शास्त्रीय अनुक्रिया क्या है?
(A) निर्देशित पूछताछ, महत्वपूर्ण सोच और खुली चर्चाओं के अवसर प्रदान करना।
(B) छात्र की सोच को भ्रमित करने से बचने के लिए पूरी तरह से इमला और सरल पुनस्मरण अभ्यासों पर वापस लौटना।
(C) जटिल सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों और अमूर्त बहसों में छात्र के संपर्क को गंभीर रूप से सीमित करना।
(D) बुनियादी अंकगणितीय संचालन सिखाने के लिए विशेष रूप से दृश्य-स्थानिक हेरफेर सामग्री का उपयोग करना।

118. निम्नलिखित में से कौन सा कथन किशोरावस्था के दौरान नैतिक तर्क (Moral Reasoning) के विकास का सही वर्णन करता है (कोहलबर्ग के सिद्धांत के आधार पर)?
(A) किशोर पूरी तरह से नैतिक तर्क के पूर्व-पारंपरिक स्तर (Pre-conventional Level) पर काम करते हैं, जो केवल सजा से बचने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
(B) पारंपरिक नैतिक तर्क (Conventional Moral Reasoning) में संक्रमण, कानूनों, सामाजिक व्यवस्था और अपेक्षाओं को महत्व देना।
(C) लगभग सभी किशोर 15 वर्ष की आयु तक सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांतों के उत्तर-पारंपरिक स्तर पर पहुंच जाते हैं।
(D) नाटकीय हार्मोनल परिवर्तनों के कारण किशोरावस्था के दौरान नैतिक तर्क संरचनाएं काफी कम हो जाती हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

163. सामाजिक मनोविज्ञान अनुसंधान के अनुसार, वह घटना जहाँ एक छात्र व्यक्तिगत रुप से काम करने की तुलना में समूह में काम करते समय कम प्रयास करता है, उसे क्या कहा जाता है:
(A) सामाजिक सुगमीकरण (Social Facilitation)
(B) सामाजिक आलस्य (Social Loafing)
(C) समूह-सोच (Groupthink)
(D) दर्शक प्रभाव (Bystander Effect)

164. कक्षा में सहकर्मी प्रभाव के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) सहकर्मी प्रभाव का केवल किशोरों के व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
(B) सकारात्मक सहकर्मी दबाव छात्रों को उच्च शैक्षणिक मानकों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।
(C) सहकर्मी शिक्षण (Peer Tutoring) अक्सर ट्यूटर और ट्यूटी दोनों को संज्ञानात्मक और सामाजिक रुप से लाभ पहुँचाता है।
(D) अस्वीकृत या अलग-थलग पड़े छात्र शैक्षणिक विफलता और ड्रॉपआउट के उच्च जोखिम में हैं।

165. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रुप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): शिक्षकों को कक्षा में बैठने की व्यवस्था की सक्रिय रुप से निगरानी और प्रबंधन करना चाहिए।
कारण (R): शारीरिक निकटता सहकर्मी अंतःक्रियाओं, मित्रता निर्माण और कार्य से भटके व्यवहारों (Off-Task Behaviors) को महत्वपूर्ण रुप से प्रभावित करती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

166. तार्किक रुप से, यदि कक्षा के माहौल में चर्चा के दौरान उच्च स्तर का "समूह-सोच" (Groupthink) प्रदर्शित होता है, तो छात्रों की संभावना है:
(A) एक जटिल सामाजिक-राजनीतिक मुद्दे के सभी पक्षों का पूरी तरह से स्वतंत्र रुप से आलोचनात्मक और वस्तुनिष्ठ विश्लेषण कर रहे हैं।
(B) असहमत विचारों को दबा रहे हैं और गंभीर मूल्यांकन पर समूह सामंजस्य को प्राथमिकता दे रहे हैं।
(C) कक्षा चर्चाओं के दौरान अक्सर जोर-जोर से, आक्रामक शारीरिक संघर्ष और मौखिक बहसों में शामिल हो रहे हैं।
(D) विषय-वस्तु के लिए लगातार असाधारण रुप से उच्च आंतरिक अभिप्रेरणा और जिज्ञासा प्रदर्शित कर रहे हैं।

167. पूरे विद्यालय में सकारात्मक सहकर्मी गतिकी (Peer Dynamics) को बढ़ावा देने के लिए एक प्राचार्य (Principal) के लिए सबसे अच्छा प्रशासनिक दृष्टिकोण कौन सा है?
(A) सभी विषयों और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए शैक्षणिक क्षमता ट्रैकिंग द्वारा छात्रों को कड़ाई से अलग करना।
(B) हाउस सिस्टम, सहकर्मी परामर्श (Peer Mentoring) और सहयोगात्मक क्लब स्थापित करना।
(C) एक गलाकाट, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल को प्रोत्साहित करना जहाँ सहकर्मी एक-दूसरे को कड़ाई से शैक्षणिक प्रतिद्वंद्वी के रुप में देखते हैं।
(D) औपचारिक कक्षा शिक्षण घंटों के बाहर छात्रों को एक-दूसरे से बात करने या बातचीत करने से कड़ाई से प्रतिबंधित करना।

NODIA

168. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
एक नया छात्र मध्य-सत्र में शामिल होता है और सामाजिक रुप से एकीकृत होने के लिए संघर्ष कर रहा है। कक्षा में मजबूत, स्थापित मंडलियां (Cliques) हैं। कक्षा गतिकी को सकारात्मक रुप से बदलने के लिए शिक्षक क्या सक्रिय कदम उठा सकता है?
(A) किसी भी संभावित समूह संघर्ष से बचने के लिए नए छात्र को सभी शैक्षणिक असाइनमेंट अकेले पूरा करने के लिए सौंपना।
(B) कक्षा के दौरान सार्वजनिक रुप से मांग करना कि सभी छात्र नए छात्र से तुरंत दोस्ती करें और उसे सामाजिक रुप से स्वीकार करें।
(C) नए छात्र को सहानुभूति रखने वाले साथियों वाले समूह में रणनीतिक रुप से असाइन करना।
(D) सामाजिक स्थिति को पूरी तरह से नजरअंदाज करना, यह मानते हुए कि छोटे बच्चे इसे स्वाभाविक रुप से आपस में सुलझा लेंगे।

169. निम्नलिखित में से कौन सी गतिकी (Dynamics) कक्षा में सकारात्मक मनोवैज्ञानिक माहौल में योगदान नहीं देती है?
(A) सभी छात्रों के लिए लगातार उच्च, सकारात्मक शैक्षणिक और व्यवहारात्मक शिक्षक अपेक्षाएं बनाए रखना।
(B) पूरे कक्षा वातावरण में पारस्परिक सम्मान, खुली संचार और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा स्थापित करना।
(C) छात्रों के बीच अंतः-समूह बनाम बाह्य-समूह ध्रुवीकरण (In-Group vs. Out-Group Polarization)।
(D) छात्रों के साथ सहयोगात्मक, लोकतांत्रिक कक्षा नियम निर्धारण और मानक स्थापित करने की प्रक्रियाओं में शामिल होना।

170. प्रभावी सहकर्मी शिक्षण (Peer Tutoring) कार्यक्रमों के निम्नलिखित परिणामों पर विचार कीजिए:
I. ट्यूटी (Tutee) के लिए सुधरी हुई शैक्षणिक उपलब्धि।
II. सहकर्मी ट्यूटर (Peer Tutor) के लिए बढ़ी हुई आत्म-प्रभावकारिता और अवधारणाओं का सुदृढ़ीकरण।
III. कक्षा में कम हुआ सामाजिक सामंजस्य (Social Cohesion)।
इनमें से कौन से कथन सत्य हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III

(B) तीव्र शैक्षणिक तनाव और चिंता की शारीरिक अभिव्यक्तियाँ (Somatic Manifestations)।
(C) किशोरावस्था के सहकर्मी समूहों के बीच व्यापक संबंधपरक आक्रामकता और बदमाशी के प्रत्यक्ष व्यवहारात्मक साक्ष्य।
(D) परीक्षा सामग्री के संबंध में गंभीर संज्ञानात्मक द्वंद्व (Cognitive Dissonance) का अनुभव करने की क्लासिक संज्ञानात्मक अभिव्यक्तियाँ।

156. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षक अभ्यास छात्र परीक्षण चिंता को काफी हद तक बढ़ाने के लिए जाना जाता है?
(A) परीक्षण से काफी पहले स्पष्ट रुब्रिक्स, विस्तृत अध्ययन गाइड और समीक्षा सामग्री व्यवस्थित रूप से प्रदान करना।
(B) परीक्षाओं से पहले व्यवस्थित रूप से छात्र आत्मविश्वास का निर्माण करने के लिए अक्सर कम-जोखिम वाले रचनात्मक मूल्यांकनों (Formative Assessments) का उपयोग करना।
(C) इस बात पर जोर देना कि परीक्षण भविष्य की सभी सफलताओं को निर्धारित करता है।
(D) सभी छात्रों को सौंपे गए मूल्यांकन कार्यों को आराम से पूरा करने के लिए पर्याप्त, उदार समय देना।

157. छात्र तनाव को प्रबंधित करने में एक विद्यालय प्राचार्य (Principal) की भूमिका के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा एक सही कथन है?
(A) प्राचार्य को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समय सारिणी में ब्रेक, शारीरिक शिक्षा और प्रबंधनीय गृहकार्य नीतियां शामिल हों।
(B) तनाव को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए प्राचार्य को सभी ग्रेड स्तरों में सभी शैक्षणिक परीक्षाओं पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा देना चाहिए।
(C) प्राचार्य को छात्र तनाव प्रबंधन की पूरी जिम्मेदारी पूरी तरह से माता-पिता और निजी चिकित्सकों पर छोड़ देनी चाहिए।
(D) प्राचार्य को स्पष्ट रूप से अनिवार्य करना चाहिए कि शिक्षक कक्षा में प्राथमिक अभिप्रेरणात्मक उपकरण के रूप में विफलता के डर का उपयोग करें।

158. निम्नलिखित में से किसको छोड़कर, अन्य सभी छात्र तनाव के लिए स्वस्थ मुकाबला तंत्र (Healthy Coping Mechanisms) हैं:
(A) शारीरिक खेल, बाहरी गतिविधियों, रचनात्मक शौक और मनोरंजक कलाओं में नियमित रूप से संलग्न होना।
(B) प्रमाणित स्कूल परामर्शदाता या विश्वसनीय साथियों से पेशेवर मार्गदर्शन और भावनात्मक सहायता प्राप्त करना।
(C) पुरानी टालमटोल (Procrastination) और कार्य-परिहार में शामिल होना।
(D) प्रभावी समय प्रबंधन तकनीकों, प्राथमिकता रणनीतियों, और व्यवस्थित कार्य विभाजन का अभ्यास करना।

159. उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों में "पूर्णतावाद" (Perfectionism) और "चिंता" के बीच कारण-और-प्रभाव संबंध के परिणामस्वरुप अक्सर होता है:
(A) निरंतर शैक्षणिक सफलता और उच्च ग्रेड के परिणामस्वरुप काफी कम चिंता स्तर।
(B) गलतियाँ करने के डर के कारण उच्च चिंता, जिससे बर्नआउट (Burnout) होता है।
(C) बाह्य शैक्षणिक अभिप्रेरणा की किसी भी संस्थागत आवश्यकता का पूर्ण और स्थायी उन्मूलन।
(D) विद्यालय में तेजी से बढ़ी हुई सामाजिकता, अंतर-व्यक्तिगत विश्वास और सहयोगात्मक सहकर्मी संबद्धता।

160. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
कक्षा XII का एक छात्र प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षाओं को पास करने के तीव्र दबाव के कारण गंभीर बर्नआउट और पुराने तनाव का अनुभव करते हुए स्कूल परामर्शदाता के पास पहुंचता है। सबसे उपयुक्त प्रारंभिक मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप क्या है?
(A) छात्र को दृढ़ता से बताना कि वे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफल होने के लिए बस पर्याप्त मेहनत नहीं कर रहे हैं।
(B) भावनाओं को मान्य करना, तनाव नियमन सिखाना और संतुलित समय सारिणी निर्धारित करना।
(C) तुरंत छात्र के माता-पिता को बुलाना और उन्हें दृढ़ता से बच्चे को स्कूल से वापस लेने की सलाह देना।
(D) अधिक अध्ययन करने के लिए छात्र को सभी अवकाश गतिविधियों, खेलों और सोने के घंटों को समाप्त करने की सलाह देना।

161. कक्षा गतिकी (Classroom Dynamics) में, "समाजमिति" (Sociometry) एक ऐसी तकनीक है जिसका उपयोग मुख्य रूप से किया जाता है:
(A) कक्षा के भौतिक आयामों, डेस्क रिक्ति और स्थानिक लेआउट को सटीक रूप से मापना।
(B) एक समूह के भीतर सामाजिक संरचना और सहकर्मी संबंधों का आकलन करना।
(C) छात्रों के परिवारों की औसत सामाजिक-आर्थिक स्थिति और आय पृष्ठभूमि की गणना करना।
(D) छात्रों की विशिष्ट भाषाई क्षमताओं, शब्दावली के आकार और मौखिक क्षमताओं को मापना।

162. एक शिक्षक कक्षा में विविध सहकर्मी समूहों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के लिए सहयोगात्मक अधिगम (Cooperative Learning) का उपयोग करना चाहता है। सकारात्मक अंतर-निर्भरता (Positive Interdependence) सुनिश्चित करने के लिए सबसे प्रभावी रणनीति है:
(A) व्याख्यान विधि (Lecture Method)
(B) जिगसॉ कक्षा विधि (Jigsaw Classroom Method)
(C) प्रतिस्पर्धी स्पेलिंग बी (Competitive Spelling Bee)
(D) स्वतंत्र पठन घंटा (Independent Reading Hour)

Click Here to Buy book on Flipkart

आनुवंशिकी द्वारा निर्धारित होता है।
(D) पिग्मेलियन प्रभाव केवल उन छात्रों पर प्रभावी ढंग से काम करता है जिनके पास पहले से ही एक मजबूत बाह्य नियंत्रण का केंद्र उन्मुखीकरण है।

179. निम्नलिखित में से कौन सा कथन कक्षा में शिक्षक अपेक्षाओं के न्यायसंगत अनुप्रयोग का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) "मैं अपने सभी छात्रों से, पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, मानकीकृत परीक्षणों पर बिल्कुल समान संख्यात्मक अंक प्राप्त करने की अपेक्षा करता हूँ।"
(B) "मैं सभी छात्रों के लिए उच्च मानक रखता हूँ और आवश्यक पाड़ (Scaffolding) प्रदान करता हूँ।"
(C) "मैं केवल उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों के शीर्ष दस प्रतिशत से इस अत्यधिक जटिल अमूर्त विषय को समझने की उम्मीद करता हूँ।"
(D) "मैं पुरुष छात्रों से गणित में स्वाभाविक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने और महिला छात्रों से भाषाओं में स्वाभाविक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने की उम्मीद करता हूँ।"

180. निम्नलिखित तरीकों पर विचार कीजिए जिनसे शिक्षक सूक्ष्म रूप से कम अपेक्षाओं को संप्रेषित करते हैं:
I. कथित "कम उपलब्धि हासिल करने वालों" को शिक्षक से दूर बैठाना।
II. कुछ छात्रों को कम मुस्कुराना और कम आई कॉन्टैक्ट (Eye Contact) देना।
III. कुछ छात्रों से गलत या अधूरे उत्तरों को बिना जांच किए या उनकी सुधार में मदद किए बिना स्वीकार करना।
IV. निबंधों पर व्यापक रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करना।
उपर्युक्त में से कौन सी कम (LOW) अपेक्षाओं को संप्रेषित करती हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I, II और III
(C) केवल II, III और IV
(D) I, II, III और IV

181. कक्षा मनोविज्ञान में, "छात्र जुड़ाव" (Student Engagement) को आमतौर पर तीन आयामों में वर्गीकृत किया जाता है। ये हैं:
(A) दृश्य, श्रव्य, और गतिसंवेदी जुड़ाव (Visual, Auditory, and Kinesthetic Engagement)।
(B) व्यवहारात्मक, भावात्मक, और संज्ञानात्मक जुड़ाव (Behavioral, Emotional, and Cognitive Engagement)।
(C) प्राथमिक, द्वितीयक, और तृतीयक जुड़ाव (Primary, Secondary, and Tertiary Engagement)।
(D) आंतरिक, बाह्य, और अभिप्रेरणारहित जुड़ाव (Intrinsic, Extrinsic, and Amotivated Engagement)।

182. एक छात्र जो नियमों का पालन करता है, नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित होता है, और काम का आनंद लिए बिना या इसके बारे में गहराई से सोचे बिना असाइनमेंट पूरा करता है, वह मुख्य रूप से प्रदर्शित कर रहा है:
(A) संज्ञानात्मक जुड़ाव और गहरा प्रक्रमण
(B) भावात्मक जुड़ाव और विषय मूल्य
(C) व्यवहारात्मक जुड़ाव (Behavioral Engagement)
(D) कुल शैक्षणिक विमुखता

183. "संज्ञानात्मक जुड़ाव" (Cognitive Engagement) (जटिल कौशल सीखने और महारत हासिल करने में गहरा मनोवैज्ञानिक निवेश) को बढ़ावा देने के लिए, एक शिक्षक को चाहिए:
(A) तथ्यात्मक याद रखने का मूल्यांकन करने के लिए केवल छोटे सत्य/असत्य क्विज़ पर निर्भर रहना।
(B) पूछताछ अधिगम, समस्या-समाधान, और स्व-नियमन रणनीतियों (Self-Regulation Strategies) को शामिल करना।
(C) व्याख्यान के दौरान चुपचाप बैठने के लिए छात्रों को केवल मूर्त पुरस्कार प्रदान करना।
(D) कक्षा के सभी असाइनमेंट को अत्यधिक सरल बनाना ताकि हर छात्र जल्दी से पूरा कर सके।

184. कक्षा के जुड़ाव रणनीतियों के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) पाठ्यक्रम में सीधे छात्र की व्यक्तिगत रुचियों को शामिल करने से भावात्मक कक्षा जुड़ाव में काफी वृद्धि होती है।
(B) उच्च-जोखिम वाले परीक्षण दीर्घकालिक जुड़ाव को बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका हैं।
(C) स्पष्ट, प्रत्यक्ष शिक्षण उद्देश्य प्रदान करने से छात्रों को प्रमुख कार्यों पर अपने संज्ञानात्मक प्रयासों को प्रभावी ढंग से केंद्रित करने में मदद मिलती है।
(D) विविध अनुदेशात्मक प्रारूपों (उदा. दृश्य मीडिया, समूह चर्चा, व्यावहारिक कार्य) का उपयोग करने से ध्यान बनाए रखने में मदद मिलती है।

185. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): उच्च छात्र जुड़ाव के लिए एक शारीरिक और मनोवैज्ञानिक रूप से सुरक्षित कक्षा वातावरण स्थापित करना एक पूर्व-शर्त है।
कारण (R): मास्लो के पदानुक्रम के अनुसार, छात्र संज्ञानात्मक, आत्म-साक्षात्कार वाले कार्यों में पूरी तरह से संलग्न नहीं हो सकते यदि वे खतरे या असुरक्षित महसूस करते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

Downloaded from www.pdf.tube

186. तार्किक रूप से, यदि कोई प्राचार्य (Principal) एक ऐसी कक्षा का अवलोकन करता है जहाँ शिक्षक लगातार 40 मिनट तक बोल रहा है और छात्र निष्क्रिय रूप से नोट्स कॉपी कर रहे हैं, तो छात्र के जुड़ाव का स्तर होने की संभावना है:
(A) पूरी अवधि के दौरान उच्च संज्ञानात्मक जुड़ाव और महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक प्रक्रमण।
(B) सभी द्वारा प्रदर्शित उच्च भावात्मक जुड़ाव, जुनून और गहरी विषय रुचि।
(C) कम समग्र जुड़ाव, कार्य से भटकने वाले व्यवहार की उच्च क्षमता के साथ।
(D) महत्वपूर्ण सोच और समस्या-समाधान विकास कौशलों को बढ़ावा देने के लिए इष्टतम स्थिति।

187. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
एक शिक्षक जलवायु परिवर्तन पर एक जटिल पाठ के दौरान "सोचें-जोड़ी बनाएं-साझा करें" (Think-Pair-Share) का उपयोग करता है। इस जुड़ाव रणनीति का प्राथमिक मनोवैज्ञानिक लाभ क्या है?
(A) यह कक्षा शिक्षक के लिए विषय विशेषज्ञता रखने की पेशेवर आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करता है।
(B) यह कक्षा साझाकरण से पहले सहकर्मी पूर्वाभ्यास (Peer Rehearsal) की अनुमति देकर चिंता को कम करता है।
(C) यह पूरे कक्षा वातावरण में पूर्ण मौन और निष्क्रिय अनुपालन को कड़ाई से लागू करता है।
(D) यह व्यक्तिगत ग्रेडिंग उद्देश्यों के लिए एक व्यापक, उच्च-जोखिम वाले योगात्मक मूल्यांकन उपकरण के रूप में कार्य करता है।

188. विमुख, अभिप्रेरणारहित शिक्षार्थी को फिर से जोड़ने के लिए निम्नलिखित में से किस रणनीति को छोड़कर, अन्य सभी प्रभावी रणनीतियाँ हैं:
(A) छात्र के साथ एक सकारात्मक, व्यक्तिगत तालमेल बनाना।
(B) छात्र अपने ज्ञान को कैसे प्रदर्शित करता है, इसमें विकल्प प्रदान करना।
(C) आलसी होने के लिए छात्र को लगातार सार्वजनिक रूप से डांटना।
(D) शैक्षणिक सामग्री को छात्र के वास्तविक जीवन के संदर्भ से जोड़ना।

189. निम्नलिखित में से कौन सी कक्षा व्यवस्था सक्रिय जुड़ाव और सहयोगात्मक अधिगम को सबसे अच्छी तरह बढ़ावा देती है?
(A) शिक्षक के सामने पारंपरिक पंक्तियाँ।
(B) छोटे समूहों में व्यवस्थित डेस्क।
(C) एक बड़े वृत्त में व्यवस्थित डेस्क जहाँ छात्र केवल केंद्र की ओर देखते हैं।
(D) दृश्य बाधाओं वाले व्यक्तिगत अध्ययन कैरेल (Study Carrels)।

190. निम्नलिखित शिक्षण-शास्त्रीय कार्यों पर विचार कीजिए:
I. एक नया विषय पेश करने से पहले पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना।
II. कमरे के चारों ओर विविध स्वर उच्चारण (Vocal Intonation) और हलचल का उपयोग करना।
III. छात्र प्रश्नों और विचारों की अनुमति देने के लिए अक्सर रुकना।
उपर्युक्त में से कौन सी कक्षा के जुड़ाव को बनाए रखने के लिए वैध रणनीतियाँ हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

NODIA

191. अभिप्रेरणा पर कैरोल ड्वेक के शोध के अनुसार, "व्यक्तिगत प्रशंसा" (Person Praise) (उदा. "आप बहुत होशियार हैं") प्रदान करना किसको बढ़ावा देता है:
(A) विकास मानसिकता (Growth Mindset)
(B) स्थिर मानसिकता (Fixed Mindset)
(C) निपुणता उन्मुखीकरण (Mastery Orientation)
(D) उच्च आंतरिक नियंत्रण का केंद्र (High Internal Locus of Control)

192. एक छात्र अंततः इसे हल करने से पहले एक कठिन गणित समस्या के साथ एक घंटे तक संघर्ष करता है। लचीलापन बनाने के लिए प्रशंसा (प्रक्रिया प्रशंसा - Process Praise) का निम्नलिखित में से कौन सा रूप सबसे प्रभावी है?
(A) "बहुत बढ़िया! आप एक स्वाभाविक गणितीय प्रतिभाशाली हैं और अपने साथियों से काफी श्रेष्ठ हैं।"
(B) "बहुत बढ़िया! मुझे पता था कि यह कठिन गणित समस्या आप जैसे किसी व्यक्ति के लिए बहुत आसान होगी।"
(C) "बहुत बढ़िया! मुझे आपके प्रयास और अटक जाने पर आपके द्वारा आजमाई गई नई रणनीतियों पर गर्व है।"
(D) "बहुत बढ़िया! आपका प्रदर्शन साबित करता है कि आप बाकी कक्षा की तुलना में बहुत अधिक बुद्धिमान हैं।"

193. निम्नलिखित में से कौन सा कथन प्रशंसा (Praise) और प्रोत्साहन (Encouragement) के बीच सही अंतर करता है?
(A) प्रशंसा अंतिम उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करती है; प्रोत्साहन प्रयास और प्रगति पर ध्यान केंद्रित करता है।
(B) मौखिक प्रशंसा हमेशा विशुद्ध रूप से आंतरिक होती है, जबकि सामाजिक प्रोत्साहन कड़ाई से एक बाह्य अभिप्रेरक के रूप में कार्य करता है।
(C) शैक्षिक प्रोत्साहन दीर्घकालिक अभिप्रेरणा को कम करता है, जबकि मूल्यांकनात्मक प्रशंसा सार्वभौमिक रूप से शैक्षणिक प्रेरणा को बढ़ाती है।
(D) प्रशंसा का उपयोग विशेष रूप से व्यवहारात्मक मुद्दों के प्रबंधन के लिए किया जाता है, जबकि प्रोत्साहन केवल शैक्षणिक कार्यों पर लागू होता है।

194. शोध इंगित करता है कि सामान्य, बिना अर्जित की गई प्रशंसा का अत्यधिक उपयोग करना (उदा. एक बहुत मामूली कार्य पूरा करने के लिए छात्र की प्रशंसा करना) वास्तव में:
(A) सीधे तीव्र बौद्धिक प्रतिभा और असाधारण प्रतिभा विकास की ओर ले जा सकता है।
(B) छात्रों की क्षमताओं की कम शिक्षक अपेक्षाओं का संकेत देकर उन्हें हतोत्साहित कर सकता है।
(C) सभी विषयों में दीर्घकालिक आंतरिक अभिप्रेरणा और गहरी वैचारिक जिज्ञासा को तुरंत बढ़ा सकता है।
(D) छात्र के व्यक्तिगत नियंत्रण के केंद्र को विशुद्ध रूप से आंतरिक उन्मुखीकरण में स्थायी रूप से स्थानांतरित कर सकता है।

195. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
एक कला कक्षा के दौरान, एक छात्र जो आमतौर पर आसानी से हार मान लेता है, वह एक पेंटिंग पर दो दिनों तक लगन से काम करता है। पेंटिंग तकनीकी रूप से परिपूर्ण नहीं है, लेकिन प्रयास अत्यधिक है।
शिक्षक प्रोत्साहन (Encouragement) का उपयोग करना चाहता है। शिक्षक को क्या कहना चाहिए?
(A) "यह दुनिया की सबसे खूबसूरत पेंटिंग है; आप निर्विवाद रूप से हमारी पीढ़ी के अगले पिकासो हैं!"
(B) "यह पूरी तरह से ठीक है कि कलाकृति बढ़िया नहीं है, कम से कम आपने कक्षा के दौरान एक मामूली प्रयास किया।"
(C) "मैंने उन रंगों को मिलाने पर आपका ध्यान देखा। आप इसके बारे में कैसा महसूस करते हैं?"
(D) "मैं आधिकारिक तौर पर आपको इस प्रोजेक्ट पर A+ दूंगा ताकि आप अपनी कलात्मक क्षमताओं के बारे में अच्छा महसूस करें।"

196. निम्नलिखित में से किसको छोड़कर, अन्य सभी प्रभावी, अभिप्रेरक प्रशंसा की विशेषताएं हैं:
(A) यह छात्र की उपलब्धि के संबंध में लगातार विशिष्ट, वर्णनात्मक और स्पष्ट होती है।
(B) यह स्पष्ट रूप से छात्र की सफलता का श्रेय व्यक्तिगत प्रयास, निरंतरता और रणनीतिक विकल्पों को देती है।
(C) यह वास्तविक छात्र उपलब्धि या सार्थक व्यक्तिगत प्रयास के आधार पर आकस्मिक रूप से दी जाती है।
(D) यह प्रतिस्पर्धा पैदा करने के लिए साथियों के साथ प्रदर्शन की अनुकूल तुलना करती है।

197. मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया (Psychological Feedback) के संबंध में गलत जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) सूचनात्मक प्रतिक्रिया (Informational Feedback) — "आपने इस निबंध को बहुत तार्किक रूप से संरचित किया है, जिससे आपका तर्क मजबूत हुआ।"
(B) मूल्यांकनात्मक प्रशंसा (Evaluative Praise) — "अच्छा लड़का।"
(C) प्रक्रिया प्रशंसा (Process Praise) — "यह स्कोर प्राप्त करने के लिए आपको अत्यधिक बुद्धिमान होना चाहिए।"
(D) प्रोत्साहन (Encouragement) — "इस पर काम करते रहें; देखें कि आप पिछले सप्ताह से कितना आगे आ गए हैं।"

198. छात्र की जन्मजात बुद्धि (प्रयास के बजाय) के लिए प्रशंसा करने का कारण-और-प्रभाव संबंध अक्सर छात्र के किस परिणाम में होता है:
(A) नई संज्ञानात्मक अवधारणाओं को सीखने के लिए स्वेच्छा से काफी अधिक चुनौतीपूर्ण कार्यों को हाथ में लेना।
(B) संभावित विफलता से बचने और बुद्धिहीन दिखने से बचने के लिए चुनौतीपूर्ण कार्यों से बचना।
(C) शैक्षणिक क्षमताओं के संबंध में तेजी से एक मजबूत, अत्यधिक लचीली विकास मानसिकता विकसित करना।
(D) समय के साथ शैक्षणिक विफलता और प्रदर्शन विफलताओं के प्रति अत्यधिक भावनात्मक रूप से लचीला बनना।

199. तार्किक रूप से, यदि एक प्राचार्य (Principal) केवल उच्च ग्रेड के बजाय निरंतर सुधार पर केंद्रित विद्यालय संस्कृति को विकसित करना चाहता है, तो प्रशासनिक नीति को शिक्षकों को प्रोत्साहित करना चाहिए:
(A) हर महीने मुख्य स्कूल नोटिस बोर्ड पर केवल शीर्ष तीन परीक्षा अंक सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना।
(B) ऐसे पोर्टफोलियो का उपयोग करना जो समय के साथ व्यक्तिगत विकास और प्रयास को ट्रैक करते हैं।
(C) केवल उन छात्रों को प्रशंसा और आधिकारिक प्रशंसा पत्र प्रदान करना जो नब्बे प्रतिशत और उससे अधिक के अंक प्राप्त करते हैं।
(D) कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों को कड़ी मेहनत करने के लिए अभिप्रेरित करने के लिए कठोर सार्वजनिक आलोचना और दंडात्मक उपायों का उपयोग करना।

200. निम्नलिखित परिदृश्य को पढ़ें और प्रश्न का उत्तर दें:
एक होनहार छात्र पहली बार एक इकाई परीक्षा में असफल हो जाता है और तबाह हो जाता है, यह कहते हुए कि "मुझे लगता है कि मैं अब और स्मार्ट नहीं हूँ।"
कक्षा मनोविज्ञान और अभिप्रेरणा के सिद्धांतों को लागू करते हुए, शिक्षक की ओर से सबसे अच्छी अनुक्रिया क्या है?
(A) "इसके बारे में बिल्कुल चिंता न करें, इकाई परीक्षा वैसे भी सभी के लिए बहुत कठिन थी।"
(B) "आप अभी भी अत्यंत बुद्धिमान हैं; परीक्षा के दौरान आपका दिन बस खराब था।"
(C) "आइए आपकी अध्ययन रणनीतियों की समीक्षा करें और अगली बार एक नया दृष्टिकोण आजमाएं।"
(D) "शायद यह विशिष्ट शैक्षणिक विषय आपकी प्राकृतिक बौद्धिक प्रतिभा के अनुकूल नहीं है।"

Click Here to Buy book on Amazon

70. (A) केवल I और II
कक्षा में शिक्षक शक्तिशाली मॉडल के रूप में कार्य करते हैं। जब छात्र किसी सहपाठी को अच्छे व्यवहार के लिए पुरस्कृत होते देखते हैं, तो प्रतिनिधि पुनर्बलन (Vicarious reinforcement) के कारण वे भी वही व्यवहार दोहराते हैं। अधिगम स्मृति में संग्रहीत हो सकता है और बाद में प्रदर्शित हो सकता है।

71. (B) संज्ञानात्मक/व्यक्तिगत कारक, व्यवहार, और पर्यावरणीय प्रभाव
अल्बर्ट बांडुरा का पारस्परिक निर्धारणवाद (Reciprocal Determinism) यह प्रस्तुत करता है कि मानव व्यवहार केवल आंतरिक प्रवृत्तियों या केवल बाह्य वातावरण से निर्धारित नहीं होता, बल्कि व्यक्तिगत/संज्ञानात्मक कारक, व्यक्ति का व्यवहार और पर्यावरणीय प्रभाव निरंतर एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं।

72. (B) किसी सहपाठी को व्यवहार के लिए डांटते हुए देखना और बाद में उससे बचना।
प्रतिनिधि दंड (Vicarious Punishment) तब होता है जब कोई शिक्षार्थी किसी अन्य व्यक्ति (मॉडल) को किसी विशिष्ट व्यवहार के लिए दंडित होते हुए देखता है। उस नकारात्मक परिणाम का अवलोकन करके शिक्षार्थी स्वयं उस व्यवहार को दोहराने से बचने लगता है।

73. (B) मॉडल को पूरी तरह से असंबंधित और पर्यवेक्षक से अत्यधिक भिन्न माना जाता है।
अवलोकन संबंधी अधिगम में प्रभावी मॉडल वे होते हैं जिन्हें शिक्षार्थी अपने समान, सक्षम, प्रतिष्ठित और प्रासंगिक मानता है। यदि मॉडल शिक्षार्थी से पूरी तरह भिन्न या असंबद्ध महसूस होता है, तो छात्र उसके व्यवहारों का अनुकरण करने के लिए प्रेरित नहीं होता है।

74. (A) जुलियन रोटर (Julian Rotter)
"नियंत्रण का केंद्र" (Locus of Control) की मनोवैज्ञानिक अवधारणा को जुलियन रोटर द्वारा अपने सामाजिक अधिगम सिद्धांत के एक भाग के रूप में विकसित किया गया था। यह दर्शाता है कि व्यक्ति अपने जीवन की घटनाओं के कारणों को आंतरिक या बाह्य कहाँ मानते हैं।

75. (B) एक बाह्य नियंत्रण केंद्र (External Locus of Control)
जब कोई छात्र अपनी असफलता का कारण अनुचित परीक्षण, शिक्षक के पढ़ाने के तरीके या कमरे के शोर जैसे बाह्य कारकों को मानता है, तो यह बाह्य नियंत्रण केंद्र (External Locus of Control) को दर्शाता है। वह अपने परिणामों के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

76. (B) प्रदर्शन परिणाम सीधे व्यक्तिगत प्रयास, अध्ययन की आदतों और क्षमताओं से आते हैं।
उच्च आंतरिक नियंत्रण केंद्र (Internal Locus of Control) वाले छात्र यह मानते हैं कि उनकी शैक्षणिक सफलता या असफलता उनके अपने व्यक्तिगत प्रयासों, रणनीतियों और क्षमताओं का परिणाम है। वे अपने परिणामों पर स्वयं का नियंत्रण महसूस करते हैं और अधिक जिम्मेदारी लेते हैं।

NODIA

77. (B) छात्रों को लक्ष्य निर्धारित करने, रणनीतियों की योजना बनाने और ग्रेड पर प्रयास के प्रभाव को ट्रैक करने में मदद करना।
छात्रों को अपने लक्ष्यों की योजना बनाने और यह देखने में मदद करना कि उनके प्रयास सीधे उनके परिणामों को प्रभावित करते हैं, उनमें आंतरिक नियंत्रण केंद्र (Internal Locus of Control) विकसित करता है। इससे उन्हें अपनी शैक्षणिक सफलता में अपनी एजेंसी और भूमिका का अहसास होता है।

78. (B) आंतरिक नियंत्रण केंद्र उच्च उपलब्धि और मुकाबला करने के कौशल (Coping Skills) के साथ सह-संबंधित है।
शोध दर्शाते हैं कि आंतरिक नियंत्रण केंद्र वाले छात्र उच्च शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त करते हैं क्योंकि वे विफलताओं से निपटने के लिए बेहतर मुकाबला करने के कौशल (Coping Skills) का उपयोग करते हैं, अधिक प्रयास करते हैं और अपनी पढ़ाई पर नियंत्रण महसूस करते हैं।

79. (C) खराब प्रदर्शन का कारण खराब किस्मत या खराब शिक्षण को मानना।
अपनी विफलताओं का श्रेय भाग्य, किस्मत या दूसरों की गलतियों को देना बाह्य नियंत्रण केंद्र की पहचान है। आंतरिक नियंत्रण केंद्र वाले शिक्षार्थी अपने प्रदर्शन की जिम्मेदारी खुद लेते हैं और अपनी कमजोरियों को सुधारने के लिए रणनीतिक प्रयास करते हैं।

80. (B) अध्ययन रणनीतियों और परिणामों पर कारण-निर्धारण पुनर्प्रशिक्षण (Attribution Retraining) आयोजित करना।
छात्रों को उनके परिणामों के लिए पाठ्यक्रम की कठिनाई को दोष देने से रोकने के लिए कारण-निर्धारण पुनर्प्रशिक्षण (Attribution Retraining) सबसे प्रभावी है। यह पुनर्प्रशिक्षण छात्रों को यह समझना सिखाता है कि उनकी सफलता उनके अपने रणनीतिक प्रयासों और अध्ययन की आदतों पर निर्भर करती है।

81. (B) बाह्य नियंत्रण केंद्र (External Locus of Control)
"सीखी गई असहायता" (Learned Helplessness) तब उत्पन्न होती है जब छात्र यह मानने लगते हैं कि उनके प्रयासों का उनके परिणामों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। यह विश्वास बाह्य नियंत्रण केंद्र (External Locus of Control) का एक चरम रूप है जहाँ व्यक्ति पूरी तरह से असहाय महसूस करता है।

82. (B) कड़ी मेहनत और सही सूत्रों के माध्यम से हासिल की गई अतीत की सफलताओं को उजागर करना।
जो छात्र अपनी क्षमता को स्थिर और अनियंत्रित मानते हैं, उन्हें यह दिखाना आवश्यक है कि अतीत में उनके प्रयासों और सही रणनीतियों से उन्हें सफलता मिली थी। यह हस्तक्षेप उनके दृष्टिकोण को बदलकर उनमें आंतरिक नियंत्रण की भावना जगाता है।

होती है। यह गहन संज्ञानात्मक प्रक्रमण (Deep cognitive processing) और अवधारणात्मक समझ को बढ़ावा देती है। यह प्रक्रिया बाह्य या मूर्त पुरस्कारों (Tangible rewards) पर निर्भर नहीं होती, बल्कि गतिविधि में निहित अंतर्निहित संतोष पर आधारित होती है।

11. (B) स्वायत्तता (Autonomy), दक्षता (Competence), और संबद्धता (Relatedness) की आवश्यकताएं
डेसी और रयान के आत्म-निर्धारण सिद्धांत (Self-Determination Theory) के अनुसार, आंतरिक प्रेरणा के अनुकूल पोषण के लिए तीन बुनियादी मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं की पूर्ति आवश्यक है: स्वायत्तता (Autonomy) अर्थात् स्व-नियंत्रण, दक्षता (Competence) अर्थात् क्षमता की भावना, तथा संबद्धता (Relatedness) अर्थात् दूसरों के साथ जुड़ाव और अपनेपन का भाव। ये आवश्यकताएं अधिगम जुड़ाव को मजबूत बनाती हैं।

12. (B) यह तब कम हो जाती है जब छात्रों को उनके अधिगम के विकल्पों में अत्यधिक स्वायत्तता दी जाती है।
स्वायत्तता (Autonomy) और निर्णय लेने की स्वतंत्रता आंतरिक प्रेरणा को बढ़ाने वाले मुख्य कारक हैं। जब छात्रों को अपने अधिगम के विकल्पों में स्वायत्तता दी जाती है, तो उनकी आंतरिक प्रेरणा कम होने के बजाय और बढ़ती है। स्वायत्तता शिक्षार्थी में उत्तरदायित्व और आत्म-नियमन (Self-regulation) की भावना का विकास करती है।

13. (A) एक छात्र विश्राम के समय केवल समस्या-समाधान के आनंद के लिए जटिल पहेलियों को हल करता है।
आंतरिक प्रेरणा तब परिलक्षित होती है जब कोई व्यक्ति किसी कार्य को बिना किसी बाह्य दबाव या पुरस्कार की अपेक्षा के केवल अपनी खुशी, जिज्ञासा और संतोष के लिए करता है। विश्राम के समय जटिल पहेलियों को हल करना समस्या-समाधान के आनंद को दर्शाता है, जो शुद्ध आंतरिक प्रेरणा का एक सटीक उदाहरण है।

14. (C) विषय की प्रासंगिकता और जिज्ञासा बढ़ाकर आंतरिक प्रेरणा
अमूर्त अवधारणाओं को छात्रों के दैनिक जीवन और व्यावहारिक अनुभवों से जोड़ने से पाठ्य सामग्री की प्रासंगिकता बढ़ जाती है। यह शिक्षण शास्त्रीय रणनीति (Pedagogical Strategy) छात्रों में स्वाभाविक जिज्ञासा और रुचि जागृत करती है, जिससे बाह्य दबाव के बिना विषय के प्रति आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) और सार्थक अधिगम को बढ़ावा मिलता है।

15. (D) अति-औचित्य प्रभाव (Overjustification Effect) के कारण उसकी आंतरिक प्रेरणा कम हो सकती है।
जब किसी अंतर्निहित रूप से रुचिकर गतिविधि के लिए बाह्य पुरस्कार या सख्त अनिवार्य कोटा लागू किया जाता है, तो शिक्षार्थी का आंतरिक नियंत्रण केंद्र बाह्य हो जाता है। इस परिघटना को अति-औचित्य प्रभाव (Overjustification Effect) कहते हैं, जिससे छात्र की गतिविधि में स्वाभाविक रुचि और आंतरिक प्रेरणा घटने लगती है।

16. (C) छात्र के कौशल स्तर और कार्य की चुनौती के बीच एक अनुकूल संतुलन होता है।
मिहाली चिकसेंटमिहाली के अनुसार, 'प्रवाह' (Flow) एक ऐसी तल्लीनता की स्थिति है जो तब उत्पन्न होती है जब किसी कार्य की चुनौती का स्तर व्यक्ति की दक्षता और कौशल स्तर के साथ पूरी तरह संतुलित होता है। यदि चुनौती बहुत अधिक हो तो चिंता होती है, और यदि बहुत कम हो तो बोरियत महसूस होती है।

17. (B) छात्रों के साप्ताहिक परीक्षण अंकों के आधार पर उनकी एक सार्वजनिक रैंकिंग सूची प्रदर्शित करना।
अंकों के आधार पर सार्वजनिक रैंकिंग प्रदर्शित करने से छात्रों में सामाजिक तुलना, प्रतिस्पर्धा और चिंता पैदा होती है। यह अभ्यास शिक्षार्थियों का ध्यान महारत हासिल करने के बजाय दूसरों से बेहतर प्रदर्शन करने पर केंद्रित करता है, जिससे कक्षा में आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा क्षीण हो जाती है।

18. (D) आंतरिक प्रेरणा को बढ़ाएंगी।
संज्ञानात्मक मूल्यांकन सिद्धांत (Cognitive Evaluation Theory) के अनुसार, जो बाह्य या आंतरिक घटनाएं छात्र की दक्षता (Competence) और आत्म-निर्धारण (Self-determination) की भावना को मजबूत करती हैं, वे उसकी आंतरिक प्रेरणा को बढ़ाती हैं। जब शिक्षार्थी स्वयं को समर्थ और स्वायत्त महसूस करते हैं, तो वे गतिविधियों में अधिक रुचि के साथ भाग लेते हैं।

19. (A) पुरस्कार अर्जित करने या सजा से बचने के लिए किसी व्यवहार में शामिल होना।
बाह्य प्रेरणा (Extrinsic Motivation) उस स्थिति को दर्शाती है जहाँ कोई व्यवहार स्वयं गतिविधि के संतोष के लिए नहीं, बल्कि किसी बाह्य परिणाम को प्राप्त करने के लिए किया जाता है। इसमें ग्रेड, प्रशंसा, मूर्त पुरस्कार अर्जित करना या शिक्षकों तथा माता-पिता द्वारा दिए जाने वाले दंड से बचना मुख्य उद्देश्य होता है।

20. (A) केवल I और III
छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए अध्ययन करना तथा दंडात्मक कार्रवाई या डिटेंशन से बचने के लिए गृहकार्य पूरा करना बाह्य परिणामों द्वारा संचालित होते हैं, इसलिए ये बाह्य प्रेरणा (Extrinsic Motivation) के उदाहरण हैं। इसके विपरीत, आनंद के लिए पढ़ना और रुचि के कारण वाद-विवाद में भाग लेना आंतरिक प्रेरणा को दर्शाते हैं।

21. (C) बाह्य प्रेरणा (Extrinsic Motivation) और क्रियाप्रसूत अनुकूलन सिद्धांत (Operant Conditioning Principles)
टोकन अर्थव्यवस्था (Token Economy) प्रणाली बी.एफ. स्किनर के क्रियाप्रसूत अनुकूलन सिद्धांत (Operant Conditioning Theory) पर आधारित है। इसमें वांछित व्यवहार के प्रदर्शन के तुरंत बाद टोकन के रूप में द्वितीयक पुनर्बलक दिया जाता है, जिसे बाद में प्राथमिक या मूर्त

Downloaded from www.pdf.tube

45. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
उपस्थिति एक बाह्य और मापने योग्य व्यवहारात्मक स्थिति है। इसके लिए प्रमाण पत्र जैसा बाह्य पुनर्बलन प्रभावी होता है क्योंकि उपस्थिति में कोई गहन आंतरिक संज्ञानात्मक प्रक्रिया शामिल नहीं होती है, जिससे अति-औचित्य प्रभाव का खतरा बहुत कम रहता है और अनुपालन बढ़ता है।

46. (A) कम पसंदीदा गतिविधि को सुदृढ़ करने के लिए एक पसंदीदा गतिविधि का उपयोग करना।
प्रेमैक सिद्धांत (Premack Principle), जिसे 'ग्रैंडमा-रूल' भी कहा जाता है, यह बताता है कि एक उच्च-संभाव्यता वाले व्यवहार (पसंदीदा गतिविधि) का उपयोग निम्न-संभाव्यता वाले व्यवहार (कम पसंदीदा गतिविधि) को सुदृढ़ करने के लिए एक पुरस्कार के रूप में किया जा सकता है।

47. (C) दक्षता में सुधार, सामग्री को समझने और नए कौशल विकसित करने पर।
महारत लक्ष्य (Mastery Goals) वाले शिक्षार्थी अपनी क्षमताओं को विकसित करने, विषय वस्तु की गहरी समझ हासिल करने और नए कौशलों पर दक्षता प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे दूसरों से तुलना करने के बजाय अपनी स्वयं की व्यक्तिगत प्रगति और अधिगम प्रक्रिया को प्राथमिकता देते हैं।

48. (B) SMART लक्ष्य निर्धारण (Specific, Measurable, Achievable, Time-bound)
यह लक्ष्य विशिष्ट (बीजगणित समस्याएं), मापने योग्य (10 में से 8 सही), प्राप्य, और समय-बद्ध (शुक्रवार तक) है। यह दृष्टिकोण SMART लक्ष्य-निर्धारण ढांचे (Specific, Measurable, Achievable, Relevant, Time-bound) का एक आदर्श व्यावहारिक उदाहरण है जो छात्र प्रदर्शन को सुधरता है।

49. (B) लक्ष्य निर्धारित करना → एक योजना बनाना → स्व-निगरानी → प्रदर्शन का मूल्यांकन करना
प्रभावी लक्ष्य-निर्धारण प्रक्रिया का सही तार्किक क्रम है: सबसे पहले एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना, फिर उसे प्राप्त करने के लिए कार्य योजना बनाना, क्रियान्वयन के दौरान अपनी प्रगति की स्व-निगरानी (Self-monitoring) करना और अंत में अंतिम प्रदर्शन का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करना।

50. (B) केवल I और III
लक्ष्य छात्र के ध्यान और प्रयास को केंद्रित करते हैं। साथ ही, अल्पकालिक या समीपस्थ (Proximal) लक्ष्य अधिक दूरस्थ (Distal) लक्ष्यों की तुलना में निरंतर प्रतिक्रिया प्रदान करके प्रेरणा बनाए रखते हैं। अत्यधिक कठिन और अप्राप्य लक्ष्य प्रेरणा बढ़ाने के बजाय हताशा और विफलता का डर पैदा करते हैं।

51. (A) महारत-पहुंच लक्ष्य (Mastery-approach goal) — गहरी समझ की तलाश करना और चुनौती को स्वीकार करना।
महारत-पहुंच लक्ष्य (Mastery-approach goal) रखने वाले छात्र विषय वस्तु की गहरी समझ प्राप्त करने, अपने ज्ञान का विस्तार करने और नई चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए प्रेरित होते हैं। उनका प्राथमिक ध्यान व्यक्तिगत सुधार और दक्षता हासिल करने पर होता है।

52. (B) "अपना सर्वश्रेष्ठ करो" जैसे अस्पष्ट लक्ष्य विशिष्ट लक्ष्यों की तुलना में बेहतर प्रेरित करते हैं।
अनुसंधान से सिद्ध हुआ है कि "अपना सर्वश्रेष्ठ करो" जैसे अस्पष्ट लक्ष्य कम प्रभावी होते हैं। विशिष्ट, मापने योग्य और मध्यम रूप से चुनौतीपूर्ण लक्ष्य स्पष्ट मार्गदर्शन और मूल्यांकन मानदंड प्रदान करते हैं, जिससे छात्र प्रेरणा और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि होती है।

53. (D) प्रदर्शन-परिवर्जन (Performance-avoidance)
जब कोई छात्र केवल इसलिए पढ़ाई करता है ताकि वह दूसरों की तुलना में सबसे कम अंक न पाए या अक्षम दिखने से बच सके, तो यह प्रदर्शन-परिवर्जन (Performance-avoidance) लक्ष्य अभिविन्यास को दर्शाता है। इसमें मुख्य चालक नकारात्मक सामाजिक मूल्यांकन से बचना होता है।

54. (C) स्व-नियंत्रित अधिगम (Self-regulated Learning) और छात्र Agency को बढ़ावा देना।
स्पष्ट लक्ष्य-निर्धारण रणनीतियाँ सिखाने का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों में स्व-नियंत्रित अधिगम (Self-regulated Learning) का विकास करना है। इससे शिक्षार्थी अपने अधिगम का स्वामित्व लेते हैं, अपनी प्रगति का मूल्यांकन करते हैं और एक स्वायत्त छात्र एजेंसी (Student Agency) का निर्माण करते हैं।

55. (C) दूरस्थ लक्ष्य को दैनिक समीपस्थ लक्ष्यों में तोड़ें (उदा. प्रतिदिन एक अध्याय)।
जब कोई दूरस्थ लक्ष्य (Distal goal) अत्यधिक विशाल लगता है, तो टालमटोल होता है। इसे दूर करने के लिए उस बड़े लक्ष्य को छोटे, प्राप्य दैनिक समीपस्थ लक्ष्यों (Proximal goals) में विभाजित करना चाहिए। इससे छात्र को निरंतर सफलता का अनुभव होता है और कार्यभार प्रबंधनीय लगता है।

56. (B) अल्बर्ट बांडुरा (Albert Bandura)
शैक्षिक मनोविज्ञान में स्व-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) की अवधारणा को अल्बर्ट बांडुरा द्वारा अपने सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत (Social Cognitive Theory) के भाग के रूप में विकसित किया गया था। यह किसी विशिष्ट कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने की व्यक्तिगत क्षमता में विश्वास को संदर्भित करती है।

NODIA

शिक्षार्थियों का ध्यान सीखने के आनंद से हटाकर प्रदर्शन और ग्रेड प्राप्त करने पर केंद्रित कर देती है, जिससे आंतरिक प्रेरणा में गिरावट आती है, न कि वृद्धि।

34. (B) सक्रिय अधिगम, अन्वेषण और खोज पर जोर देने वाला संरचनावादी शिक्षण शास्त्र (Constructivist Pedagogy)। संरचनावादी शिक्षण शास्त्र (Constructivist Pedagogy) छात्रों को स्वयं ज्ञान का निर्माण करने, अन्वेषण करने और समस्या-समाधान करने के अवसर प्रदान करता है। यह दृष्टिकोण शिक्षार्थी की प्राकृतिक जिज्ञासा, स्वायत्तता और दक्षता की आंतरिक इच्छा के साथ पूरी तरह संरेखित होकर आंतरिक प्रेरणा को निरंतर बनाए रखता है।

35. (B) आंतरिक नियंत्रण केंद्र (Internal Locus of Control) और आत्म-निर्धारण (Self-Determination)
जब छात्रों को अपनी पठन सामग्री चुनने और चर्चाओं का नेतृत्व करने का अवसर दिया जाता है, तो उनमें स्वायत्तता और उत्तरदायित्व बढ़ता है। यह प्रक्रिया उनके आंतरिक नियंत्रण केंद्र (Internal Locus of Control) और आत्म-निर्धारण (Self-Determination) को सक्रिय करती है, जिससे साहित्यिक गतिविधियों में उनका जुड़ाव गहरा होता है।

36. (B) एक विरोधाभासी घटना प्रस्तुत करना जो छात्रों की वर्तमान समझ का खंडन करती है।
जीन पियाजे के अनुसार, जब छात्रों के सामने उनकी मौजूदा समझ का खंडन करने वाली विरोधाभासी घटना पेश की जाती है, तो उनके दिमाग में संज्ञानात्मक द्वंद्व या असंतुलन (Disequilibrium) पैदा होता है। इसे हल करने और संतुलन प्राप्त करने के लिए छात्र स्वाभाविक रूप से नई जानकारी खोजने के लिए आंतरिक रूप से प्रेरित होते हैं।

37. (B) किसी दिलचस्प कार्य के लिए एक बाह्य पुरस्कार आंतरिक प्रेरणा को कम कर देता है।
अति-औचित्य प्रभाव (Overjustification Effect) उस मनोवैज्ञानिक स्थिति को संदर्भित करता है जहाँ किसी आंतरिक रूप से आनंददायक गतिविधि के लिए बाह्य या मूर्त पुरस्कार देने पर व्यक्ति की अंतर्निहित रुचि घट जाती है। शिक्षार्थी उस कार्य को केवल बाह्य पुरस्कार प्राप्त करने का माध्यम मानने लगता है।

38. (B) बाह्य पुरस्कार ने छात्रों की पढ़ने की आंतरिक प्रेरणा को कमजोर कर दिया।
पिज्जा कूपन जैसे बाह्य पुरस्कारों की घोषणा ने छात्रों के पढ़ने के कारण को आंतरिक (आनंद) से बाह्य (कूपन पाना) में बदल दिया। जब यह बाह्य पुरस्कार हटा दिया गया, तो अति-औचित्य प्रभाव के कारण छात्रों की स्वाभाविक पढ़ने की आदत और आंतरिक प्रेरणा दोनों कम हो गईं।

39. (B) यह ध्यान केंद्रित करने को पुरस्कार पर स्थानांतरित कर देता है, जिससे रचनात्मकता और जोखिम लेने की क्षमता कम हो जाती है।
जटिल समस्या-समाधान में उच्च-जोखिम वाले पुरस्कारों का उपयोग करने से शिक्षार्थी का पूरा ध्यान केवल पुरस्कार सुरक्षित करने पर केंद्रित हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप छात्र सुरक्षित और आसान तरीके चुनते हैं, जिससे उनकी रचनात्मकता (Creativity), नए प्रयोग करने तथा जोखिम लेने की क्षमता बाधित होती है।

40. (B) प्रदर्शन-आकस्मिक पुरस्कार जोखिम से बचने और आसान कार्यों के लिए वरीयता को बढ़ावा दे सकते हैं।
जब पुरस्कार केवल कार्य पूरा करने या प्रदर्शन के बाहरी प्रतीकों (जैसे तारों) पर आधारित होते हैं, तो छात्र विफलता के जोखिम से बचने का प्रयास करते हैं। वे पुरस्कार पाने की निश्चितता के लिए आसान कार्यों का चयन करते हैं और चुनौतीपूर्ण अधिगम अवसरों को छोड़ देते हैं।

41. (C) जब पुरस्कार दक्षता पर अप्रत्याशित, सकारात्मक, सूचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करता है।
अप्रत्याशित बाह्य पुरस्कार जो केवल किसी व्यवहार को नियंत्रित करने के बजाय छात्र के कौशल और दक्षता (Competence) पर सकारात्मक, सूचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं, वे आंतरिक प्रेरणा को नुकसान नहीं पहुँचाते। वे शिक्षार्थी को अपनी प्रगति को समझने और आत्म-प्रभावकारिता बढ़ाने में मदद करते हैं।

42. (C) प्रशंसा विशिष्ट, निष्कपट और सहज क्षमता के बजाय प्रयास और रणनीति पर केंद्रित होनी चाहिए।
प्रभावी मौखिक प्रशंसा वही होती है जो विशिष्ट और वास्तविक हो तथा छात्र की सहज बुद्धि के बजाय उसके द्वारा किए गए प्रयास, उपयोग की गई रणनीतियों और प्रक्रिया (Process) पर केंद्रित हो। यह दृष्टिकोण विकास मानसिकता (Growth mindset) और आंतरिक प्रेरणा को पोषित करता है।

43. (B) प्रदर्शन-आकस्मिक पुरस्कार प्रदर्शन की गुणवत्ता पर निर्भर करते हैं, जो दक्षता संबंधी प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं।
प्रदर्शन-आकस्मिक पुरस्कार (Performance-contingent rewards) केवल कार्य पूरा करने के लिए नहीं, बल्कि प्रदर्शन के एक निश्चित गुणवत्ता स्तर को प्राप्त करने पर दिए जाते हैं। ये पुरस्कार शिक्षार्थी को उसकी क्षमता और दक्षता के बारे में स्पष्ट प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करते हैं।

44. (B) प्राथमिक पुनर्बलक (Primary Reinforcer)
जो पुरस्कार किसी जीव की मूलभूत जैविक या शारीरिक आवश्यकताओं (जैसे भोजन, पानी, नींद) को बिना किसी पूर्व शिक्षण के स्वाभाविक रूप से पूरा करते हैं, उन्हें प्राथमिक पुनर्बलक (Primary Reinforcer) कहा जाता है। ये अंतर्निहित जैविक मूल्यों पर आधारित होते हैं।

Click Here to Buy book on Flipkart

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) वह आंतरिक प्रक्रिया जो लक्ष्य-उन्मुख अधिगम व्यवहारों को प्रारंभ, निर्देशित और बनाए रखती है।
मनोविज्ञान में प्रेरणा (Motivation) एक ऐसी आंतरिक स्थिति या प्रक्रिया है जो व्यक्ति के लक्ष्य-उन्मुख व्यवहार (Goal-oriented behavior) को प्रारंभ करती है, निर्देशित करती है तथा उसे निरंतर बनाए रखती है। यह शिक्षार्थी की आंतरिक ऊर्जा को सक्रिय करती है, जिससे अधिगम प्रक्रिया (Learning process) अधिक अर्थपूर्ण बनती है और निर्धारित शैक्षणिक उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित होती है।

2. (D) समस्थिति (Homeostasis) को पुनर्स्थापित करने के लिए शारीरिक या मनोवैज्ञानिक कमी को पूरा करने की आवश्यकता।
क्लार्क हल द्वारा प्रतिपादित अंतर्नोद-न्यूनता सिद्धांत (Drive-Reduction Theory) के अनुसार, जैविक या शारीरिक आवश्यकताएं शरीर में तनाव अथवा अंतर्नोद उत्पन्न करती हैं। व्यक्ति इस तनाव को कम करने तथा शरीर की समस्थिति (Homeostasis) की स्थिति को पुनः प्राप्त करने के लिए प्रेरित होता है। यह आंतरिक संतुलन बनाए रखने हेतु अधिगम व्यवहार (Learning behavior) को संचालित करता है।

3. (A) प्रेरणा व्यवहार को विशिष्ट लक्ष्यों की ओर निर्देशित करती है और कार्य पर बिताए जाने वाले समय को बढ़ाती है।
शिक्षण शास्त्रीय प्रक्रिया (Pedagogical Process) में प्रेरणा शिक्षार्थी के ध्यान को केंद्रित करने और प्रयास को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह छात्रों को शैक्षणिक गतिविधियों में अधिक समय बिताने तथा कठिनाइयों के बावजूद निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करती है। प्रेरित शिक्षार्थी अधिगम कार्यों में अधिक सक्रिय और प्रतिबद्ध होकर भाग लेते हैं।

4. (C) शिक्षार्थी की विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक स्थिति (Socio-economic Status) का निर्धारण करना।
अधिगम प्रक्रिया में प्रेरणा (Motivation) का मुख्य कार्य संज्ञानात्मक प्रक्रमण (Cognitive Processing) को बढ़ावा देना, प्रासंगिक उद्दीपकों पर ध्यान केंद्रित करना तथा प्रयास का स्तर बढ़ाना है। हालांकि, किसी शिक्षार्थी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति (Socio-economic Status) एक बाह्य पृष्ठभूमि कारक है, जिसका निर्धारण प्रेरणा द्वारा नहीं होता है। प्रेरणा केवल आंतरिक और व्यवहारात्मक घटकों को प्रभावित करती है।

5. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
कक्षा में सार्थक अधिगम (Meaningful Learning) के लिए प्रेरणा एक अनिवार्य पूर्वशर्त है क्योंकि यह शिक्षार्थी की आंतरिक रुचि को जागृत करती है। जब छात्र प्रेरित होते हैं, तो वे संज्ञानात्मक रूप से अधिक संलग्न होते हैं तथा सक्रिय रूप से ज्ञान का निर्माण (Construction of knowledge) करने के लिए तत्पर रहते हैं, जिससे अधिगम की प्रभावशीलता में वृद्धि होती है।

6. (D) संज्ञानात्मक दृष्टिकोण (Cognitive Approach) — विश्वासों, कारण-निर्धारण (Attributions), और अपेक्षाओं पर जोर देता है।
प्रेरणा का संज्ञानात्मक दृष्टिकोण (Cognitive Approach) यह मानता है कि मानव व्यवहार बाह्य पुरस्कारों के बजाय आंतरिक विचारों, विश्वासों, कारण-निर्धारण (Attributions) और सफलता की अपेक्षाओं द्वारा संचालित होता है। शिक्षार्थी अपनी क्षमताओं के बारे में क्या सोचते हैं और वे अपनी सफलताओं या विफलताओं की व्याख्या किस प्रकार करते हैं, यह उनके अधिगम को निर्धारित करता है।

7. (B) शारीरिक (Physiological) और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताएं
अब्राहम मैस्लो के आवश्यकताओं के पदानुक्रम (Hierarchy of Needs) के अनुसार, उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक आवश्यकताएं (Cognitive needs) तभी सक्रिय होती हैं जब निचले स्तर की आवश्यकताएं संतुष्ट हों। छात्र भोजन, नींद और सुरक्षित वातावरण जैसी शारीरिक (Physiological) तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के बाद ही जटिल गणितीय या अमूर्त अवधारणाओं के अधिगम में पूरी तरह संलग्न हो सकते हैं।

NODIA

8. (C) विद्यालय के माहौल में मनोवैज्ञानिक सुरक्षा और सहायक शिक्षक-छात्र संबंधों की कमी है।
जब विद्यालयीय वातावरण में मनोवैज्ञानिक सुरक्षा (Psychological safety) तथा सहायक अंतरव्यक्तिगत संबंधों (Interpersonal relationships) का अभाव होता है, तो छात्रों में असुरक्षा और चिंता की भावना उत्पन्न होती है। ऐसा प्रतिकूल वातावरण छात्रों की आंतरिक प्रेरणा को गंभीर रूप से बाधित करता है और विभिन्न कक्षाओं में सामान्य प्रेरणा की कमी का मुख्य प्रणालीगत कारण बनता है।

9. (D) आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation)
जब कोई छात्र बाह्य पुरस्कारों, अंकों या प्रशंसा की अपेक्षा के बिना केवल व्यक्तिगत संतुष्टि, जिज्ञासा और गतिविधि के आनंद के लिए अध्ययन करता है, तो यह आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) को प्रदर्शित करता है। इसमें अधिगम का मुख्य चालक आंतरिक संतोष होता है, जो शिक्षार्थी को दीर्घकालिक रूप से अधिगम में संलग्न रखता है।

10. (C) केवल I और III
आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) व्यक्ति के आंतरिक पुरस्कारों जैसे जिज्ञासा, आत्म-संतुष्टि और रुचि से संचालित

57. (C) महारत के अनुभव (Mastery Experiences) (उदा. अतीत की व्यक्तिगत सफलताएं)
बांडुरा के अनुसार, अतीत के प्रत्यक्ष महारत के अनुभव (Mastery Experiences) स्व-प्रभावकारिता का सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली स्रोत हैं। जब कोई व्यक्ति किसी कार्य में व्यक्तिगत सफलता का अनुभव करता है, तो उसकी अपनी क्षमताओं पर विश्वास दृढ़ होता है।

58. (B) भावी परिस्थितियों को प्रबंधित करने के लिए आवश्यक कार्यों को निष्पादित करने की अपनी क्षमता में विश्वास।
स्व-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) किसी व्यक्ति का यह विशिष्ट विश्वास है कि वह किसी विशेष स्थिति में वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यों को सफलतापूर्वक निष्पादित कर सकता है। यह सामान्य आत्म-सम्मान के विपरीत विशिष्ट कार्यों और संदर्भों से जुड़ी क्षमता का निर्णय है।

59. (B) प्रतिनिधि अनुभव (मॉडलिंग) (Vicarious Experience)
जब कोई शिक्षार्थी अपने समान क्षमता वाले किसी साथी या मॉडल को किसी कठिन कार्य में सफल होते हुए देखता है, तो उसकी अपनी क्षमता में विश्वास बढ़ता है। इसे बांडुरा द्वारा प्रतिनिधि अनुभव (Vicarious Experience) या अवलोकन संबंधी मॉडलिंग कहा गया है।

60. (C) केवल I, II और III
उच्च स्व-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) वाले छात्र चुनौतीपूर्ण समस्याओं को महारत हासिल करने योग्य मानते हैं, गतिविधियों में गहरा जुड़ाव दिखाते हैं तथा विफलताओं से जल्दी उबरते हैं। वे बाधाओं के आने पर आसानी से हार नहीं मानते, बल्कि अधिक प्रयास करते हैं।

61. (B) कक्षा के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र के साथ छात्र के प्रदर्शन की प्रतिकूल तुलना करना।
छात्र के प्रदर्शन की तुलना दूसरों से करने पर उसमें हीन भावना और अयोग्यता का भाव पैदा होता है। यह सामाजिक तुलना छात्र की स्व-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) को नष्ट कर देती है। इसके विपरीत, व्यक्तिगत प्रगति पर ध्यान केंद्रित करने से स्व-प्रभावकारिता बढ़ती है।

62. (B) स्व-प्रभावकारिता एक कार्य-विशिष्ट क्षमता निर्णय है; आत्म-सम्मान समग्र आत्म-मूल्य है।
स्व-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) किसी विशिष्ट कार्य या क्षेत्र में अपनी प्रदर्शन क्षमता का मूल्यांकन है (उदा. गणित हल करने की क्षमता)। इसके विपरीत, आत्म-सम्मान (Self-esteem) व्यक्ति का अपने प्रति समग्र मूल्य, भावनात्मक स्वीकार्यता और वैश्विक आत्म-मूल्यांकन का भाव है।

63. (B) वृद्धिशील सफलता कार्यों के साथ शारीरिक उत्तेजना के लिए विश्राम तकनीक सिखाना।
परीक्षा की उच्च चिंता स्व-प्रभावकारिता को घटाती है। विश्राम तकनीकों द्वारा शारीरिक उत्तेजना को कम करने और छोटे, वृद्धिशील सफलता के अवसर प्रदान करने से छात्र में गणितीय समस्याओं को हल करने का आत्मविश्वास और स्व-प्रभावकारिता पुनः स्थापित होती है।

64. (C) कार्य-परिवर्जन व्यवहारों (Task-avoidance) या टालमटोल में संलग्न होगा।
किसी विशिष्ट कार्य में कम स्व-प्रभावकारिता (Low Self-Efficacy) महसूस करने पर छात्र को अपनी विफलता का पूर्वाभास होता है। इस असफलता और उससे जुड़ी शर्मिंदगी से बचने के लिए शिक्षार्थी आमतौर पर कार्य-परिवर्जन व्यवहार (Task-avoidance) या टालमटोल (Procrastination) का सहारा लेता है।

65. (C) A सत्य है परंतु R असत्य है
सामाजिक अधिगम सिद्धांत के अनुसार, छात्र केवल दूसरों के व्यवहार का अवलोकन (Observation) करके सीख सकते हैं, जिसके लिए प्रत्यक्ष पुनर्बलन आवश्यक नहीं है। हालांकि, अधिगम केवल शास्त्रीय अनुकूलन पर निर्भर नहीं है, बल्कि इसमें आंतरिक संज्ञानात्मक मध्यस्थता प्रक्रियाएं भी शामिल होती हैं।

66. (B) ध्यान (Attention), प्रतिधारण (Retention), पुनरुत्पादन (Reproduction), प्रेरणा (Motivation)
अल्बर्ट बांडुरा के अवलोकन संबंधी अधिगम (Observational Learning) में चार क्रमिक चरण होते हैं: पहले मॉडल पर ध्यान (Attention) देना, फिर व्यवहार का स्मृति में प्रतिधारण (Retention) करना, तत्पश्चात उस व्यवहार का शारीरिक पुनरुत्पादन (Reproduction) करना और अंत में उसे दोहराने के लिए प्रेरणा (Motivation) का होना।

67. (B) बच्चे वयस्क मॉडलों में देखे गए आक्रामक व्यवहारों को सीखते हैं और उनका अनुकरण करते हैं।
बांडुरा का बोबो डॉल प्रयोग यह सिद्ध करता है कि बच्चे अपने आसपास के वयस्क मॉडलों के व्यवहार का अवलोकन करके सामाजिक व्यवहार (जैसे आक्रामकता) सीखते हैं। बिना किसी प्रत्यक्ष पुरस्कार के भी बच्चे देखे गए व्यवहारों का अनुकरण (Imitation) करने की क्षमता रखते हैं।

NODIA

68. (C) अवलोकन संबंधी अधिगम (Observational Learning) और सहपाठी मॉडलिंग (Peer Modeling)
सहपाठी परामर्श (Peer Mentoring) कार्यक्रम में वरिष्ठ छात्र सकारात्मक रोल मॉडल बनते हैं। कनिष्ठ छात्र उनके व्यवहारों, अध्ययन कौशलों और अनुशासन का अवलोकन करके सीखते हैं। यह बांडुरा के अवलोकन संबंधी अधिगम (Observational Learning) और सहपाठी मॉडलिंग का एक प्रत्यक्ष अनुप्रयोग है।

69. (D) प्रेरणा (Motivation) — व्यवहार को पुनरुत्पादित करने के लिए शिक्षार्थी को एक जैविक पुरस्कार प्राप्त होना चाहिए।
अवलोकन संबंधी अधिगम में प्रेरणा (Motivation) का अर्थ व्यवहार को निष्पादित करने की इच्छा से है, जो बाह्य, प्रतिनिधि या आंतरिक पुरस्कारों से आ सकती है। इसके लिए केवल जैविक या प्राथमिक पुरस्कार का होना अनिवार्य नहीं है।

पुरस्कारों से बदला जा सकता है। यह विशुद्ध रूप से बाह्य प्रेरणा पर काम करता है।

22. (D) किसी जटिल कौशल पर महारत हासिल करने की छात्र की आंतरिक भावना
प्रमाण पत्र, मौखिक प्रशंसा और परीक्षा में असफलता का डर ये सभी बाह्य वातावरण द्वारा संचालित प्रेरक हैं। इसके विपरीत, किसी कठिन कौशल पर महारत हासिल करने की आंतरिक भावना शिक्षार्थी का आत्म-संतोष और दक्षता है, जो आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) की श्रेणी में आती है, न कि बाह्य प्रेरक में।

23. (B) बाह्य प्रेरणा उन कार्यों में जुड़ाव शुरु करने में मदद कर सकती है जिनमें प्रारंभिक अंतर्निहित रुचि की कमी होती है।
बाह्य प्रेरणा और आंतरिक प्रेरणा एक-दूसरे की पूरी तरह विरोधी नहीं हैं। जिन शैक्षणिक कार्यों में शिक्षार्थी की प्रारंभिक रुचि या प्रेरणा कम होती है, वहाँ बाह्य प्रेरक शुरुआती जुड़ाव और व्यवहारात्मक भागीदारी शुरु करने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं, जिससे बाद में आंतरिक रुचि विकसित करने का अवसर मिलता है।

24. (B) नीरस कार्यों में व्यवहारात्मक जुड़ाव के लिए पाड़ बांधना (Scaffolding)
जब छात्रों में किसी विशिष्ट विषय या नीरस कार्य में अंतर्निहित रुचि का अभाव होता है, तो अंक या बिंदु प्रणाली जैसी बाह्य प्रेरणा व्यवहारात्मक जुड़ाव (Behavioral engagement) स्थापित करने के लिए एक अस्थायी पाड़ (Scaffolding) का कार्य करती है। यह संरचना छात्रों को तब तक रोके रखती है जब तक वे बुनियादी दक्षता प्राप्त न कर लें।

25. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
बाह्य पुरस्कारों का अत्यधिक उपयोग शिक्षार्थी की स्वाभाविक रुचि को कम कर सकता है क्योंकि इससे छात्र का माना गया कारणता का केंद्र (Perceived Locus of Causality) आंतरिक (अपनी खुशी) से बाह्य (पुरस्कार प्राप्त करना) में बदल जाता है। परिणामस्वरूप, पुरस्कार न मिलने पर छात्र कार्य करना बंद कर देते हैं।

26. (B) आंतरिक दबाव जैसे अपराधबोध, चिंता, या आकस्मिक आत्म-सम्मान।
आत्म-निर्धारण सिद्धांत (Self-Determination Theory) के अनुसार, अंतःक्षेपित नियमन (Introjected Regulation) बाह्य प्रेरणा का एक ऐसा रूप है जिसमें व्यक्ति बाह्य नियमों को आंतरिक रूप से स्वीकार तो कर लेता है, परंतु व्यवहार मुख्य रूप से अपराधबोध (Guilt), चिंता या अपनी आत्म-छवि को बनाए रखने के आंतरिक दबाव द्वारा संचालित होता है।

27. (C) जैसे-जैसे छात्र दक्षता और आंतरिक रुचि विकसित करते हैं, मूर्त पुरस्कारों को धीरे-धीरे समाप्त करें।
शिक्षकों को बाह्य पुरस्कारों का उपयोग केवल शुरुआती जुड़ाव के लिए करना चाहिए। जैसे-जैसे छात्र कार्य में दक्षता (Competence) प्राप्त करते हैं और अंतर्निहित रुचि विकसित करते हैं, मूर्त पुरस्कारों को धीरे-धीरे समाप्त (Fading) कर देना चाहिए ताकि शिक्षार्थी बाह्य प्रोत्साहनों पर निर्भर रहने के बजाय आंतरिक रूप से आत्म-निर्देशित बन सकें।

28. (C) एक महारत-उन्मुख (Mastery-oriented) कक्षा को बढ़ावा देना जहाँ गलतियों को सीखने के अवसरों के रूप में सामान्यीकृत किया जाता है।
महारत-उन्मुख (Mastery-oriented) वातावरण में ध्यान सामाजिक तुलना या ग्रेड के बजाय व्यक्तिगत सुधार और समझ पर होता है। जब गलतियों को अधिगम के स्वाभाविक अवसर के रूप में स्वीकार किया जाता है, तो छात्रों में असफलता का डर कम होता है और उनकी आंतरिक प्रेरणा तथा लचीलेपन (Resilience) में वृद्धि होती है।

29. (C) पढ़ाई लागू करने के लिए कम ग्रेड के खतरे का उपयोग करना।
कम ग्रेड का डर या धमकी देना एक दंडात्मक बाह्य तकनीक है, जो छात्रों में चिंता, तनाव और कार्य से बचने की प्रवृत्ति पैदा करती है। यह रणनीति आंतरिक प्रेरणा को पूरी तरह से नष्ट कर देती है। इसके विपरीत, स्वायत्तता, स्पष्ट प्राप्य लक्ष्य और मध्यम चुनौतियां आंतरिक प्रेरणा को बढ़ाती हैं।

30. (A) केवल I और II
वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने वाले प्रोजेक्ट्स और कक्षा के नियमों के सह-निर्माण से छात्रों को प्रासंगिकता और स्वायत्तता की भावना मिलती है, जो आंतरिक प्रेरणा बनाती है। उच्च-जोखिम वाले साप्ताहिक परीक्षण दबाव और चिंता उत्पन्न करते हैं, जो आंतरिक प्रेरणा को नुकसान पहुँचाते हैं और केवल बाह्य अनुपालन को बढ़ावा देते हैं।

31. (B) अधिगम का गेमीकरण (Gamification of Learning) — जिज्ञासा और वृद्धिशील चुनौती का लाभ उठाकर आंतरिक प्रेरणा को पोषित करता है।
अधिगम के गेमीकरण (Gamification of Learning) में खेल के तत्वों जैसे त्वरित प्रतिक्रिया, स्पष्ट लक्ष्य और वृद्धिशील चुनौतियों का उपयोग किया जाता है। यह दृष्टिकोण छात्रों की जिज्ञासा और दक्षता की भावना को सक्रिय करता है, जिससे उनकी आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) और विषय में निरंतर जुड़ाव को मजबूती मिलती है।

32. (B) स्वायत्तता (Autonomy)
'पसंद बोर्ड' (Choice Board) छात्रों को अपने अधिगम को प्रदर्शित करने के विभिन्न तरीके चुनने की स्वतंत्रता देता है। यह रणनीति आत्म-निर्धारण सिद्धांत की स्वायत्तता (Autonomy) की मनोवैज्ञानिक आवश्यकता को संतुष्ट करती है, जिससे छात्रों में अपने कार्य के प्रति स्वामित्व और आंतरिक प्रेरणा में वृद्धि होती है।

33. (A) मानक तुलनाओं पर जोर देना (कर्व पर ग्रेडिंग) — आंतरिक प्रेरणा को बढ़ाता है।
मानक तुलनाओं और कर्व पर ग्रेडिंग से छात्रों में आपसी प्रतिस्पर्धा और असफलता का डर बढ़ता है। यह व्यवस्था

Downloaded from www.pdf.tube

83. (A) डेविड मैक्लीलैंड (David McClelland)
उपलब्धि प्रेरणा (Achievement Motivation या Need for Achievement - nAch) की अवधारणा को डेविड मैक्लीलैंड द्वारा विकसित किया गया था। उन्होंने बताया कि व्यक्तियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने और कठिन लक्ष्यों को पूरा करने की एक विशिष्ट आंतरिक आवश्यकता होती है।

84. (A) कठिन कार्यों को पूरा करना और उत्कृष्टता के मानकों को प्राप्त करना।
उच्च उपलब्धि प्रेरणा (nAch) वाले छात्र उत्कृष्टता के व्यक्तिगत मानकों को पूरा करने और चुनौतीपूर्ण कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए प्रेरित होते हैं। वे सफलता की व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेते हैं और अपनी क्षमताओं को सिद्ध करने में आनंद लेते हैं।

85. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
उच्च उपलब्धि प्रेरणा वाले छात्र मध्यम कठिनाई वाले कार्यों को प्राथमिकता देते हैं क्योंकि बहुत आसान कार्य उन्हें कोई उपलब्धि का भाव नहीं देते और बहुत कठिन कार्यों में सफलता भाग्य पर निर्भर करती है। मध्यम कार्य उनकी वास्तविक क्षमता और प्रयास का सही परीक्षण करते हैं।

86. (B) स्पष्ट अपेक्षाएं निर्धारित करना, परिकलित जोखिमों को प्रोत्साहित करना, और प्रयास को पहचानना।
उपलब्धि प्रेरणा को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय को ऐसा माहौल बनाना चाहिए जहाँ स्पष्ट मानक हों, छात्रों को मध्यम जोखिम लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और केवल परिणाम के बजाय उनके द्वारा किए गए व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना की जाए।

87. (B) इसमें हर छोटे कार्य के लिए तत्काल मूर्त बाह्य पुरस्कारों की इच्छा शामिल होती है।
उच्च उपलब्धि की आवश्यकता (nAch) वाले व्यक्ति बाह्य या मूर्त पुरस्कारों से संचालित नहीं होते हैं। वे कार्य को पूरा करने के अंतर्निहित संतोष, व्यक्तिगत प्रगति और अपनी क्षमता पर मिलने वाली सूचनात्मक प्रतिक्रिया से प्रेरित होते हैं।

88. (B) उपलब्धि प्रेरणा में गिरावट और विफलता-परिवर्जन व्यवहारों (Failure-avoidance behaviours) में वृद्धि।
जब परीक्षाएँ अत्यधिक कठिन बनाई जाती हैं जहाँ सफलता असंभव लगती है, तो छात्रों में असहायता की भावना पैदा होती है। इससे उनकी उपलब्धि प्रेरणा में गिरावट आती है और वे विफलता के अपमान से बचने के लिए कार्य-परिवर्जन व्यवहार अपनाने लगते हैं।

89. (B) संबद्धता की आवश्यकता (Need for Affiliation) — समूह कार्य को प्राथमिकता देना और अनुमोदन प्राप्त करना।
मैक्लीलैंड के सिद्धांत के अनुसार, संबद्धता की आवश्यकता (Need for Affiliation) वाले व्यक्ति सामाजिक संबंधों को महत्व देते हैं। वे प्रतिस्पर्धी सेटिंग्स के बजाय सहयोगात्मक समूह कार्य को पसंद करते हैं और दूसरों से स्वीकृति तथा सौहार्दपूर्ण संबंध चाहते हैं।

90. (C) केवल I और III
उच्च उपलब्धि प्रेरणा वाले छात्र अपने कार्यों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेते हैं और अपने प्रदर्शन पर ठोस प्रतिक्रिया (Feedback) चाहते हैं। वे आसान लक्ष्यों का चयन नहीं करते, बल्कि मध्यम और प्राप्य रूप से चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों को प्राथमिकता देते हैं।

91. (C) सफलता प्राप्त करने का उद्देश्य (उच्च nAch)
मध्यम रूप से चुनौतीपूर्ण विषय चुनना उच्च उपलब्धि प्रेरणा (nAch) का एक क्लासिक लक्षण है। ऐसा छात्र सफलता प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रेरित होता है, जहाँ उसे अपनी वास्तविक क्षमता और प्रयास का सही मूल्यांकन करने का अवसर मिलता है।

92. (C) छात्रों को उत्तरोत्तर कठिन कार्यों में सफल होने में मदद करने के लिए पाड़ (Scaffolding) प्रदान करना।
उत्तरोत्तर कठिन कार्यों के लिए पाड़ (Scaffolding) प्रदान करने से छात्रों को सफलता का अनुभव होता है, जिससे उपलब्धि प्रेरणा विकसित होती है। अन्य सभी विकल्प जैसे कड़े मानक या बुद्धिमत्ता को स्थिर मानना उपलब्धि प्रेरणा के विकास को बाधित करते हैं।

93. (A) छात्र अपनी शैक्षणिक सफलताओं और विफलताओं के कारणों को कैसे समझते हैं।
बर्नार्ड वेनर का कारण-निर्धारण सिद्धांत (Attribution Theory) इस बात का अध्ययन करता है कि शिक्षार्थी अपनी सफलताओं और विफलताओं की व्याख्या किन कारणों (जैसे क्षमता, प्रयास, भाग्य, कार्य कठिनाई) के रूप में करते हैं और यह व्याख्या उनकी प्रेरणा को कैसे प्रभावित करती है।

NODIA

94. (D) दृश्यता (दृश्य या अदृश्य) (Visibility)
वेनर के कारण-निर्धारण सिद्धांत में कारणों को तीन मुख्य आयामों में वर्गीकृत किया गया है: नियंत्रण का केंद्र (Locus - आंतरिक/बाह्य), स्थिरता (Stability - स्थिर/अस्थिर), तथा नियंत्रणीयता (Controllability - नियंत्रित/अनियंत्रित)। 'दृश्यता' इसमें शामिल आयाम नहीं है।

95. (B) आंतरिक, स्थिर, और अनियंत्रित
स्वयं को "मूर्ख" कहना अपनी क्षमता की कमी को दर्शाता है जो एक आंतरिक (Locus) कारण है। कभी अच्छी न होने की बात कहना इसे स्थिर (Stability) बनाता है, और बुद्धिमत्ता को बदला न जा सकने वाला मानना इसे अनियंत्रित (Controllability) बनाता है।

96. (C) आंतरिक, अस्थिर, नियंत्रित कारक (उदा. प्रयास या अध्ययन रणनीति)।
प्रेरणा और लचीलेपन को बनाए रखने के लिए विफलताओं का श्रेय ऐसे कारणों को दिया जाना चाहिए जिन्हें बदला जा सके। प्रयास या रणनीति आंतरिक, अस्थिर (बदलाव योग्य) और नियंत्रित कारक हैं, जिन पर काम करके छात्र भविष्य में सुधार कर सकते हैं।

97. (B) सफलता का श्रेय प्रयास को देने वाले छात्रों के कड़ी मेहनत करने की अधिक संभावना होती है।
जब छात्र अपनी सफलता का कारण अपने द्वारा किए गए प्रयास और रणनीतियों को मानते हैं, तो उनमें यह विश्वास जगता है कि वे अपने परिणामों पर नियंत्रण रख सकते हैं। इससे उनमें भविष्य में अधिक कड़ी मेहनत करने की प्रवृत्ति बढ़ती है।

98. (C) "पूछे गए विशिष्ट प्रश्नों से मेरी किस्मत अच्छी थी।" (किस्मत)
किस्मत या भाग्य को सफलता का कारण मानना वेनर के मॉडल के अनुसार एक बाह्य (व्यक्ति से बाहर), अस्थिर (समय के साथ परिवर्तनशील) और अनियंत्रित (व्यक्ति के वश में नहीं) कारण-निर्धारण का सटीक उदाहरण है।

99. (A) II, IV, III, I
कारण-निर्धारण पुनर्प्रशिक्षण का सही क्रम है: पहले छात्र के वर्तमान नकारात्मक विचारों पर चर्चा करना (II), फिर उसे एक नई अधिगम रणनीति सिखाना (IV), पाड़ के माध्यम से सफल अनुभव कराना (III), और अंत में परिणाम का श्रेय प्रयास को देना (I)।

100. (A) केवल I, II और III
विफलता का श्रेय स्थिर कारणों को देने से निराशा आती है, जबकि नियंत्रित कारणों को देने से सुधार की इच्छा होती है। आंतरिक कारणों से सफलता मिलने पर आत्म-सम्मान बढ़ता है। हालांकि, बाह्य अनियंत्रित कारणों को सफलता का श्रेय देने से आंतरिक प्रेरणा घटती है।

101. (B) सीखी गई असहायता (Learned Helplessness)
जब कोई छात्र अपनी विफलताओं को लगातार बुद्धिमत्ता की कमी जैसे आंतरिक, स्थिर और अनियंत्रित कारणों से जोड़ता है, तो वह यह मान लेता है कि प्रयास निरर्थक हैं। इससे उसमें सीखी गई असहायता (Learned Helplessness) विकसित होने का गंभीर जोखिम रहता है।

102. (C) "आपने बहुत अच्छा काम किया; आपकी कड़ी मेहनत और नई अध्ययन रणनीतियों का वास्तव में फल मिला।"
सफलता मिलने पर छात्र के प्रयास और नई रणनीतियों की सराहना करना अनुकूल कारण-निर्धारण (Adaptive Attributions) को बढ़ावा देता है। यह प्रतिक्रिया शिक्षार्थी को यह सिखाती है कि सफलता उसकी अपनी मेहनत और रणनीतियों का प्रत्यक्ष परिणाम है।

103. (B) जी. स्टेनली हॉल (G. Stanley Hall)
"तनाव और तूफान" (Storm and Stress) शब्द जी. स्टेनली हॉल द्वारा किशोरावस्था के विकासात्मक चरण का वर्णन करने के लिए गढ़ा गया था। उन्होंने किशोरावस्था को उथल-पुथल, भावनात्मक द्वंद्वों और तीव्र शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों का काल माना।

104. (B) पहचान (Identity) और स्वायत्तता (Autonomy) की खोज।
किशोरावस्था की एक प्रमुख मनोवैज्ञानिक विशेषता यह है कि इस अवस्था में व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत पहचान (Identity) की खोज करता है और माता-पिता से स्वतंत्र होकर स्वायत्तता (Autonomy) प्राप्त करने का प्रयास करता है। यह उनके मनोसामाजिक विकास का केंद्र बिंदु है।

105. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
किशोरों में भावनात्मक उथल-पुथल और आवेगहीनता का मुख्य जैविक कारण यह है कि भावनाओं को नियंत्रित करने वाला लिम्बिक सिस्टम पहले परिपक्व हो जाता है, जबकि योजना और तर्क से जुड़ा प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स किशोरावस्था के अंत तक पूरी तरह विकसित होता है।

106. (B) छात्र स्वायत्तता के साथ संरचना को संतुलित करने वाली नीतियां डिजाइन करना।
एक कुशल प्रधानाचार्य के लिए किशोरों के विकास को समझते हुए ऐसी नीतियां बनाना आवश्यक है जो छात्रों को स्वतंत्रता और स्वायत्तता प्रदान करें, तथा साथ ही अनुशासन और सुरक्षा के लिए एक आवश्यक संस्थागत ढांचा भी बनाए रखें।

107. (C) यौवन के दौरान शारीरिक परिवर्तन छात्र के आत्म-सम्मान को प्रभावित नहीं करते हैं।
यह कथन गलत है क्योंकि यौवन के दौरान होने वाले तीव्र शारीरिक परिवर्तन, शारीरिक छवि (Body image) और सहपाठी तुलनाओं के कारण छात्र की आत्म-अवधारणा और आत्म-सम्मान (Self-esteem) को गहराई से प्रभावित करते हैं।

108. (D) पहचान बनाम भूमिका भ्रांति (Identity vs. Role Confusion)
एरिक्सन के मनोसामाजिक विकास सिद्धांत के अनुसार, किशोरावस्था (12-18 वर्ष) का मुख्य संकट पहचान बनाम भूमिका भ्रांति (Identity vs. Role Confusion) है, जहाँ किशोर अपनी पहचान, मूल्यों और भविष्य की भूमिकाओं को स्पष्ट करने का प्रयास करते हैं।

109. (B) पहचान स्थगन (Identity Moratorium)
जेम्स मार्शिया के अनुसार, जब एक किशोर अपनी पहचान की खोज में विभिन्न विकल्पों और विचारधाराओं को तलाश रहा होता है, लेकिन उसने अभी तक कोई अंतिम प्रतिबद्धता नहीं बनाई होती है, तो वह पहचान स्थगन (Identity Moratorium) की स्थिति में होता है।

110. (A) केवल I और II
आधुनिक किशोर मनोविज्ञान के अनुसार, किशोरों को सुरक्षित वातावरण और विद्यालयी निर्णयों में भागीदारी की आवश्यकता होती है। बिना कारण बताए अंधभक्ति या आज्ञाकारिता की अपेक्षा उनके स्वायत्तता और संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांतों के प्रतिकूल है।

111. (B) अपरिपक्व आवेग नियंत्रण के साथ सहपाठी अनुमोदन संवेदनशीलता और डोपामाइन पुरस्कार।
किशोरों में जोखिम लेने की उच्च प्रवृत्ति अपरिपक्व प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स (कम आवेग नियंत्रण), सहपाठियों से स्वीकृति पाने

Click Here to Buy book on Amazon

की तीव्र इच्छा और मस्तिष्क के डोपामाइन पुरस्कार तंत्र की अत्यधिक संवेदनशीलता का संयुक्त परिणाम होती है।

112. (D) औपचारिक-संक्रियात्मक चरण (Formal operational stage)
जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत के अनुसार, किशोरावस्था (लगभग 11-12 वर्ष से आगे) में छात्र औपचारिक-संक्रियात्मक चरण (Formal operational stage) में प्रवेश करते हैं, जहाँ वे अमूर्त चिंतन और तार्किक विचारों को समझने में सक्षम होते हैं।

113. (B) अमूर्त समस्याओं को हल करने के लिए व्यवस्थित रूप से परिकल्पनाएं उत्पन्न करना और उनका परीक्षण करना।
परिकल्पित-निगमनात्मक तर्क (Hypothetico-deductive reasoning) का अर्थ है कि शिक्षार्थी केवल मूर्त वस्तुओं तक सीमित न रहकर अमूर्त समस्याओं के समाधान हेतु काल्पनिक परिकल्पनाएँ बनाता है और तार्किक रूप से उनका व्यवस्थित परीक्षण करता है।

114. (C) अमूर्त और बहुआयामी सोच (Abstract and multidimensional thinking)
जेनेटिक इंजीनियरिंग के नैतिक पहलुओं पर बहस करने के लिए मूर्त सीमाओं से परे सोच, विभिन्न दृष्टिकोणों के विश्लेषण और अमूर्त सिद्धांतों को समझने की आवश्यकता होती है, जो किशोरों की अमूर्त और बहुआयामी सोच (Abstract thinking) को दर्शाती है।

115. (B) संयोजनात्मक तर्क (Combinatorial reasoning) और वैज्ञानिक सोच
प्रयोग के दौरान अन्य चरों को स्थिर रखते हुए एक-एक चर को व्यवस्थित रूप से अलग करके परीक्षण करना वैज्ञानिक सोच और संयोजनात्मक तर्क (Combinatorial reasoning) को प्रदर्शित करता है, जो औपचारिक-संक्रियात्मक चिंतन का एक प्रमुख घटक है।

116. (C) रूपकों (Metaphors) या ताने (Sarcasm) को समझने में असमर्थता
औपचारिक-संक्रियात्मक सोच विकसित होने के कारण किशोर भाषा के अमूर्त और गैर-शाब्दिक अर्थों जैसे रूपकों (Metaphors), व्यंग्य और ताने को आसानी से समझने में सक्षम होते हैं। इसलिए यह असमर्थता उनका लक्षण नहीं है।

117. (A) निर्देशित पूछताछ, महत्वपूर्ण सोच और खुली चर्चाओं के लिए अवसर प्रदान करना।
किशोरों की विकसित होती अमूर्त सोच और विश्लेषणात्मक क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों को निर्देशित पूछताछ (Guided inquiry), महत्वपूर्ण सोच और स्वतंत्र विचारों वाली खुली चर्चाओं को शिक्षण शास्त्र में प्राथमिकता देनी चाहिए।

118. (B) पारंपरिक नैतिक तर्क (Conventional moral reasoning) में परिवर्तन, कानूनों, सामाजिक व्यवस्था और अपेक्षाओं को महत्व देना।
कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत के अनुसार, किशोरावस्था के दौरान अधिकांश व्यक्ति पारंपरिक नैतिक तर्क (Conventional moral reasoning) के स्तर पर होते हैं, जहाँ वे सामाजिक नियमों, कानूनों, व्यवस्था और दूसरों की अपेक्षाओं को प्राथमिकता देते हैं।

NODIA

119. (A) न्याय और समानता जैसी अमूर्त नैतिक अवधारणाओं की अवधारणा करना।
एंटी-बुलिंग नीति का मसौदा तैयार करने में छात्रों को शामिल करना न्याय, समानता, अधिकार और मानवीय गरिमा जैसी अमूर्त नैतिक अवधारणाओं को समझने और उन्हें संस्थागत नियमों में लागू करने की उनकी क्षमता को सक्रिय करता है।

120. (B) काल्पनिक श्रोता (Imaginary Audience)
डेविड एल्काइंड के अनुसार, प्रारंभिक किशोरावस्था में छात्र यह मानते हैं कि वे लगातार दूसरों के ध्यान का केंद्र हैं और हर कोई उनके रूप या व्यवहार को देख रहा है। इस अहंकेंद्रित संज्ञानात्मक विकृति को 'काल्पनिक श्रोता' (Imaginary Audience) कहते हैं।

121. (B) यह विश्वास कि भावनाएं अद्वितीय हैं और वे नुकसान के प्रति अभेद्य हैं।
"व्यक्तिगत कल्पित कथा" (Personal Fable) किशोरों का वह अहंकेंद्रित विश्वास है जिसमें वे मानते हैं कि उनके अनुभव और भावनाएं पूरी तरह अद्वितीय हैं तथा उन्हें कोई नुकसान या खतरा नहीं छू सकता, जिससे वे अक्सर जोखिम भरे व्यवहार करते हैं।

122. (C) माता-पिता से साथियों की ओर
किशोरावस्था के दौरान सामाजिक और भावनात्मक विकास के अंतर्गत भावनात्मक निर्भरता और लगाव का मुख्य केंद्र माता-पिता से स्थानांतरित होकर सहपाठी समूह (Peers) की ओर हो जाता है, जहाँ वे स्वीकृति और पहचान की तलाश करते हैं।

123. (B) सहपाठी समरूपता (Peer Conformity) और सामाजिक जुड़ाव की आवश्यकता
किशोरावस्था में दोस्तों के समूह द्वारा स्वीकार किए जाने और सामाजिक रूप से जुड़े रहने की तीव्र इच्छा होती है। इसके कारण छात्र अपने समूह के मानदंडों और व्यवहारों का पालन करते हैं, जिसे सहपाठी समरूपता (Peer Conformity) कहा जाता है।

124. (C) स्वायत्तता विकास (Autonomy Development) — सभी सामाजिक संबंधों की पूर्ण अस्वीकृति।
स्वायत्तता विकास का अर्थ आत्मनिर्भरता और स्व-निर्णय की क्षमता विकसित करना है, न कि सभी सामाजिक संबंधों को पूरी तरह से नकारना। किशोर स्वायत्तता प्राप्त करते हुए भी माता-पिता और साथियों के साथ संबंध बनाए रखते हैं।

125. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
किशोरावस्था में पहचान संकट, सहपाठी दबाव और तनाव जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए सामाजिक-भावनात्मक अधिगम (SEL) कार्यक्रम आवश्यक हैं। ये कार्यक्रम छात्रों में आत्म-जागरुकता, भावनात्मक नियमन और मुकाबला करने की रणनीतियाँ विकसित करते हैं।

126. (B) साझा प्रतिष्ठा, रुढ़िवादिता और सामाजिक पहचान।
किशोरावस्था में 'जनसमूह' (Crowd) एक बड़ा, प्रतिष्ठा-आधारित सामाजिक समूह होता है जो प्रत्यक्ष व्यक्तिगत अंतरंगता पर नहीं, बल्कि साझा रुढ़िवादिता, प्रतिष्ठा और सामाजिक पहचान (जैसे 'खिलाड़ी' या 'पढ़ाकू') पर आधारित होता है।

127. (C) हर निर्णय के लिए सहपाठी के अनुमोदन पर पूर्ण निर्भरता।
हर निर्णय के लिए सहपाठी के अनुमोदन पर निर्भर रहना अपरिपक्वता को दर्शाता है। स्वस्थ भावनात्मक विकास का लक्षण आत्म-नियमन, सुसंगत आत्म-अवधारणा और स्वतंत्र दृष्टिकोण विकसित करना है, न कि पूर्ण निर्भरता।

128. (B) छात्र विद्रोह, गुप्त अवहेलना, और अलगाव में वृद्धि।
किशोरों में स्वायत्तता की तीव्र आवश्यकता होती है। जब उन पर बिना किसी औचित्य के कठोर सत्तावादी नियम थोपे जाते हैं, तो उनमें स्वायत्तता के दमन के कारण असंतोष, छात्र विद्रोह, गुप्त अवहेलना और स्कूल से अलगाव की भावना बढ़ती है।

129. (B) माता-पिता के नियंत्रण के साथ टकराने वाली स्वायत्तता के लिए किशोरों की कोशिश।
प्रारंभिक किशोरावस्था में माता-पिता और बच्चों के बीच द्वंद्व का मुख्य कारण किशोरों की स्वायत्तता और स्वतंत्रता प्राप्त करने की इच्छा होती है, जो माता-पिता की पारंपरिक देखरेख और नियंत्रण की शैलियों से टकराती है।

130. (A) केवल I और II
शिक्षकों को किशोरों के लिए एक सहायक वयस्क के रुप में कार्य करना चाहिए और उन्हें अपने विचारों की अभिव्यक्ति हेतु सुरक्षित स्थान प्रदान करना चाहिए। सार्वजनिक रुप से अपमानित करना छात्र के आत्म-सम्मान को नुकसान पहुँचाता है और अनुचित है।

131. (B) अधिगम के माहौल को बाधित करने वाली या स्वयं/दूसरों को नुकसान पहुंचाने वाली क्रियाएं।
कक्षा मनोविज्ञान में व्यवहारात्मक मुद्दों या समस्या व्यवहारों से तात्पर्य उन क्रियाओं से है जो शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में व्यवधान डालती हैं, कक्षा के सामान्य नियमों का उल्लंघन करती हैं या स्वयं अथवा अन्य छात्रों की सुरक्षा को प्रभावित करती हैं।

132. (B) ध्यान प्राप्त करना, किसी कार्य से बचना, या कोई मूर्त वस्तु प्राप्त करना।
कार्यात्मक व्यवहार विश्लेषण (Functional Behavior Assessment) के अनुसार, विघटनकारी व्यवहारों के मुख्य उद्देश्य शिक्षक या साथियों का ध्यान आकर्षित करना, कठिन या अप्रिय शैक्षणिक कार्य से बचना, या कोई पसंदीदा वस्तु प्राप्त करना होता है।

133. (C) शैक्षणिक हताशा या समझ की कमी के कारण कार्य-परिवर्जन (Task avoidance)।
कठिन गणित कार्यपत्रक मिलने के ठीक पहले कक्षा को बाधित करना यह दर्शाता है कि छात्र असफलता के डर या हताशा से बचने के लिए व्यवधान उत्पन्न कर रहा है। इस व्यवहार का प्राथमिक कार्य कार्य-परिवर्जन (Task avoidance) है।

134. (C) अधिगम की आवश्यकताओं और अनुदेशात्मक माहौल के बीच बेमेल।
कक्षा में अधिकांश व्यवहारात्मक मुद्दे छात्र की व्यक्तिगत अधिगम आवश्यकताओं (जैसे गति या शैली) और शिक्षक द्वारा प्रदान किए जाने वाले अनुदेशात्मक माहौल के बीच बेमेल के कारण उत्पन्न होते हैं, जिन्हें शिक्षण में बदलाव करके सुधारा जा सकता है।

135. (B) पाठ में संरचित आंदोलन ब्रेक या सक्रिय अधिगम कार्यों को शामिल करना।
गतिक (Kinesthetic) शिक्षार्थियों और कम ध्यान अवधि वाले छात्रों के लिए पाठ में शारीरिक गतिविधियों और सक्रिय अधिगम को शामिल करना सबसे प्रभावी रणनीति है। इससे उनकी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग होता है और व्यवधान रुकते हैं।

136. (B) मनोसामाजिक तनाव (Psychosocial stress) और भावनात्मक आघात।
पारिवारिक संकट (जैसे माता-पिता का तलाक) छात्र में तीव्र मनोसामाजिक तनाव (Psychosocial stress) उत्पन्न करता है। इसका प्रकटन कक्षा में चिड़चिड़ापन, ध्यान न केंद्रित कर पाना और अवहेलना के रुप में होता है, जो भावनात्मक अस्थिरता को दर्शाता है।

137. (C) स्पष्ट, अनुमानित दिनचर्या और दृश्य कार्यक्रम प्रदान करना।
स्पष्ट और अनुमानित दिनचर्या प्रदान करने से छात्रों में चिंता कम होती है और कक्षा का माहौल व्यवस्थित रहता है। यह अभ्यास व्यवहारात्मक मुद्दों को कम करता है, जबकि कटाक्ष या असंगत नियम व्यवहारात्मक समस्याओं को बढ़ाते हैं।

138. (C) शून्य-सहिष्णुता निष्कासन नीतियां मामूली व्यवधानों के लिए सबसे प्रभावी हैं।
मामूली व्यवधानों के लिए शून्य-सहिष्णुता (Zero-tolerance) निष्कासन नीतियां अनुचित और अप्रभावी हैं। ये नीतियां छात्रों को शिक्षा से दूर करती हैं और उनके व्यवहार में सुधार करने या विकल्प सिखाने में पूरी तरह विफल रहती हैं।

139. (B) सकारात्मक व्यवहारात्मक हस्तक्षेप और सहायता (PBIS) ढांचा।
सकारात्मक व्यवहारात्मक हस्तक्षेप और सहायता (PBIS) एक शोध-आधारित विद्यालयी ढांचा है जो समस्या व्यवहारों को रोकने, स्पष्ट व्यवहारात्मक अपेक्षाएं सिखाने और सकारात्मक पुनर्बलन द्वारा उपयुक्त व्यवहार को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

Downloaded from www.pdf.tube

140. (A) केवल I, II और III
खराब ध्वनि, भीड़भाड़, और गतिविधियों के बीच असंरचित बदलाव पर्यावरण में तनाव और अनिश्चितता पैदा करते हैं, जिससे व्यवहारात्मक मुद्दे बढ़ते हैं। अत्यधिक आकर्षक और अच्छी गति वाला अनुदेशन ध्यान केंद्रित रखता है और व्यवधानों को रोकता है।

141. (B) किसी लक्ष्य को प्राप्त करने या दूसरों पर हावी होने के उद्देश्य से जानबूझकर, योजनाबद्ध व्यवहार।
सक्रिय आक्रामकता (Proactive aggression) एक ऐसा व्यवहार है जो आवेगपूर्ण न होकर जानबूझकर और लक्ष्य-उन्मुख होता है। इसका उद्देश्य किसी बाह्य पुरस्कार, प्रभुत्व या विशिष्ट लाभ को प्राप्त करना होता है, जिसमें भावनात्मक उत्तेजना कम होती है।

142. (B) छात्रों को अलग करना, शारीरिक सुरक्षा सुनिश्चित करना, और ठंडा होने के लिए समय देना।
हिंसक या आक्रामक टकराव की स्थिति में पहला तात्कालिक प्रशासनिक कदम शामिल छात्रों की शारीरिक सुरक्षा सुनिश्चित करना, उन्हें तुरंत अलग करना और उनके भावनात्मक तनाव को शांत होने के लिए समय देना होना चाहिए।

143. (A) I, IV, II, III
द्वंद्व चक्र का सही क्रम है: पहले छात्र किसी हताशा या तनाव का अनुभव करता है (I), जिससे उसमें आंतरिक क्रोध या चिंता पैदा होती है (IV), फिर वह आक्रामक व्यवहार प्रकट करता है (II), और अंत में शिक्षक उस पर प्रतिक्रिया करता है (III)।

144. (C) शांत टोन बनाए रखना, स्थान का सम्मान करना, और शत्रुतापूर्ण शारीरिक भाषा से बचना।
सक्रिय रूप से आक्रामक छात्र के तनाव को कम करने के लिए शिक्षक को शांत रहना चाहिए, शारीरिक दूरी बनाए रखनी चाहिए और अहिंसक भाषा का प्रयोग करना चाहिए। चिल्लाने या डराने से स्थिति और अधिक बिगड़ सकती है।

145. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
प्रतिक्रियाशील आक्रामकता अक्सर भावनात्मक उत्तेजना और सामाजिक सूचना प्रक्रमण में कमी के कारण होती है। द्वंद्व समाधान और भावनात्मक नियमन कौशल सिखाने से छात्रों को अपने आवेगों पर नियंत्रण पाने में मदद मिलती है, जिससे आक्रामकता घटती है।

146. (C) संबंधपरक आक्रामकता (Relational aggression)
संबंधपरक आक्रामकता (Relational aggression) आक्रामकता का वह रूप है जिसमें किसी व्यक्ति के सामाजिक संबंधों, मित्रता या प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से अफवाहें फैलाना, गपशप करना या सामाजिक बहिष्कार करना शामिल होता है।

147. (C) पुनर्स्थापनात्मक प्रथाओं (Restorative practices) के बिना केवल अल्पकालिक निलंबन पर निर्भर रहना।
केवल निलंबन जैसी दंडात्मक कार्रवाइयाँ बदमाशी के अंतर्निहित कारणों को हल नहीं करती हैं। पुनर्स्थापनात्मक प्रथाओं और सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा के बिना केवल निलंबन पर निर्भर रहना बदमाशी रोकने में सबसे कम प्रभावी नीति है।

148. (B) हताशा के मूल स्रोत पर सुरक्षित रूप से या व्यावहारिक रूप से हमला नहीं किया जा सकता है।
विस्थापित आक्रामकता तब होती है जब व्यक्ति अपने क्रोध का निकास हताशा के वास्तविक स्रोत (जैसे शिक्षक या परीक्षा) पर नहीं कर पाता क्योंकि वह शक्तिशाली या असुरक्षित है, इसलिए वह क्रोध को किसी सुरक्षित निर्जीव वस्तु पर निकालता है।

149. (B) एक कीबोर्ड या लेखक (Scribe) प्रदान करना, जिससे हताशा के सूक्ष्म गतिक स्रोत को दूर किया जा सके।
जब आक्रामकता का कार्य सूक्ष्म गतिक अक्षमता के कारण लिखने से बचना हो, तो कीबोर्ड या लेखक प्रदान करना एक प्रभावी सक्रिय हस्तक्षेप है। यह हताशा के मूल कारण को समाप्त करता है और अधिगम को सुलभ बनाता है।

150. (A) केवल I और II
पुनर्स्थापनात्मक न्याय प्रथाएं और "मैं" कथनों के माध्यम से भावनाओं की अभिव्यक्ति आक्रामक व्यवहार को नियंत्रित करने की तर्कसंगत रणनीतियाँ हैं। सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करना छात्र को अपमानित करता है और आक्रामकता को बढ़ा सकता है।

151. (B) विशेष रूप से शैक्षिक कार्यों, परीक्षण, या प्रदर्शन से संबंधित चिंता या बेचैनी।
शैक्षणिक चिंता (Academic anxiety) एक विशिष्ट मनोवैज्ञानिक स्थिति है जहाँ शिक्षार्थी शैक्षणिक परिवेश में मूल्यांकनों, परीक्षाओं या शैक्षणिक प्रदर्शन के दौरान अत्यधिक तनाव, घबराहट, चिंता और आशंका का अनुभव करता है।

152. (C) मध्यम उत्तेजना अनुकूल प्रदर्शन की सुविधा प्रदान करती है, लेकिन अत्यधिक स्तर इसे बाधित करते हैं।
यर्क्स-डॉडसन नियम (Yerkes-Dodson Law) के अनुसार, प्रदर्शन और उत्तेजना (तनाव) के बीच एक उल्टे U-आकार का संबंध होता है। मध्यम स्तर का तनाव प्रदर्शन को अनुकूलतम बनाता है, जबकि अत्यधिक चिंता संज्ञानात्मक क्षमता को बाधित करती है।

NODIA

153. (B) निजी प्रस्तुतियों की अनुमति देना या एक वैकल्पिक मूल्यांकन प्रारूप प्रदान करना।
मौखिक परीक्षाओं में अत्यधिक चिंता से जम जाने वाले छात्र के लिए वैकल्पिक मूल्यांकन प्रारूप (जैसे लिखित या निजी प्रस्तुति) प्रदान करना एक उपयुक्त समायोजन है। इससे छात्र की वास्तविक क्षमता का निष्पक्ष मूल्यांकन संभव होता है।

154. (C) प्रगतिशील मांसपेशी विश्राम (Progressive Muscle Relaxation) — थकावट होने तक शारीरिक तनाव को लगातार बढ़ाना।
प्रगतिशील मांसपेशी विश्राम तकनीक में मांसपेशियों को क्रमबद्ध रूप से तनावमुक्त और शिथिल (Relax) किया जाता

185. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
मैस्लो के पदानुक्रम के अनुसार, सुरक्षा की आवश्यकता प्राथमिक है। जब तक कक्षा का वातावरण शारीरिक और मनोवैज्ञानिक रूप से सुरक्षित नहीं होगा, छात्र चिंतामुक्त होकर उच्च संज्ञानात्मक जुड़ाव और अधिगम में भाग नहीं ले सकते।

186. (C) कम समग्र जुड़ाव, कार्य से हटकर व्यवहार की उच्च संभावना के साथ।
शिक्षक-केंद्रित व्याख्यान जहाँ छात्र केवल निष्क्रिय रूप से नोट्स कॉपी करते हैं, ध्यान की अवधि को घटाता है। इससे शिक्षार्थियों का संज्ञानात्मक जुड़ाव कम हो जाता है और कार्य से हटकर व्यवहार करने की संभावना बढ़ती है।

187. (B) यह कक्षा में साझा करने से पहले सहपाठी पूर्वाभ्यास की अनुमति देकर चिंता को कम करता है।
"सोचें-जोड़ा बनाएं-साझा करें" (Think-Pair-Share) रणनीति में छात्रों को पहले अकेले सोचने और फिर सहपाठी के साथ विचारों का पूर्वाभ्यास करने का अवसर मिलता है। इससे पूरी कक्षा के सामने बोलने की चिंता घटती है और जुड़ाव बढ़ता है।

188. (C) आलसी होने के लिए छात्र को लगातार सार्वजनिक रूप से डांटना।
छात्र को सार्वजनिक रूप से डांटना और अपमानित करना उसे कक्षा से और अधिक अलग-थलग कर देता है। इसके विपरीत, तालमेल बनाना, विकल्प देना और सामग्री को जीवन से जोड़ना शिक्षार्थी को पुनः संलग्न करने की प्रभावी रणनीतियाँ हैं।

189. (B) छोटे समूहों में व्यवस्थित डेस्क।
छोटे समूहों में व्यवस्थित डेस्क व्यवस्था छात्रों के बीच आमने-सामने बातचीत, सहयोगात्मक अधिगम, विचारों के आदान-प्रदान और सक्रिय भागीदारी को सबसे बेहतर तरीके से प्रोत्साहित करती है।

190. (D) I, II और III
पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना, शिक्षक द्वारा आवाज व गति में विविधता लाना और प्रश्न पूछने के लिए विराम देना ये सभी तकनीकें छात्रों का ध्यान केंद्रित रखने और कक्षा में निरंतर जुड़ाव बनाए रखने में सहायक हैं।

191. (B) निश्चित मानसिकता (Fixed mindset)
कैरोल ड्वेक के अनुसार, छात्र की सहज क्षमता पर केंद्रित "व्यक्तिगत प्रशंसा" (जैसे "आप बुद्धिमान हैं") देने से उसमें यह विश्वास बनता है कि बुद्धिमत्ता एक स्थिर गुण है। यह दृष्टिकोण उसमें निश्चित मानसिकता (Fixed mindset) विकसित करता है।

192. (C) "बहुत बढ़िया! मुझे आपके प्रयास और अटक जाने पर आपके द्वारा आजमाई गई नई रणनीतियों पर गर्व है।"
प्रक्रिया प्रशंसा (Process praise) छात्र के प्रयासों, रणनीतियों और दृढ़ता पर ध्यान केंद्रित करती है। यह प्रशंसा छात्र को यह सिखाती है कि कठिनाइयों पर कड़ी मेहनत और नई तकनीकों से विजय पाई जा सकती है, जिससे लचीलापन बनता है।

193. (A) प्रशंसा अंतिम उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करती है; प्रोत्साहन प्रयास और प्रगति पर ध्यान केंद्रित करता है।
मूल्यांकनात्मक प्रशंसा आमतौर पर अंतिम परिणाम या व्यक्ति की क्षमता का न्याय करती है, जबकि प्रोत्साहन (Encouragement) शिक्षार्थी द्वारा की गई व्यक्तिगत प्रगति, प्रयास और अधिगम की प्रक्रिया पर बल देता है।

194. (B) उनकी क्षमताओं की कम शिक्षक अपेक्षाओं का संकेत देकर छात्रों को हतोत्साहित करना।
मामूली या आसान कार्यों के लिए अत्यधिक प्रशंसा करने पर छात्र यह समझ सकते हैं कि शिक्षक उन्हें कम सक्षम मानते हैं और उनसे अधिक की उम्मीद नहीं रखते। यह अयोग्य प्रशंसा छात्रों के आत्मविश्वास को ठेस पहुँचाती है।

195. (C) "मैंने उन रंगों को मिलाने पर आपका ध्यान देखा। आप इसके बारे में कैसा महसूस करते हैं?"
यह प्रतिक्रिया छात्र के विशिष्ट प्रयास और प्रक्रिया पर ध्यान आकर्षित करती है और उसे स्वयं अपने कार्य का मूल्यांकन करने का अवसर देती है। यह आंतरिक संतोष और प्रोत्साहन को बढ़ावा देने का सही तरीका है।

196. (D) यह प्रतिस्पर्धा पैदा करने के लिए साथियों के साथ प्रदर्शन की अनुकूल तुलना करती है।
दूसरों के साथ तुलना करने वाली प्रशंसा छात्रों में प्रतिस्पर्धा और प्रदर्शन चिंता बढ़ाती है। प्रभावी और प्रेरक प्रशंसा वह होती है जो विशिष्ट, प्रयास-आधारित और व्यक्तिगत प्रगति पर केंद्रित हो, न कि सामाजिक तुलना पर।

197. (C) प्रक्रिया प्रशंसा (Process praise) — "यह स्कोर प्राप्त करने के लिए आपको अत्यधिक बुद्धिमान होना चाहिए।"
"बुद्धिमान होना" कहना व्यक्ति/क्षमता की प्रशंसा (Person praise) है, न कि प्रक्रिया की। प्रक्रिया प्रशंसा में प्रयास, रणनीति और ध्यान पर बात की जाती है (जैसे "आपने कठिन अभ्यास किया")। अतः यह युग्म गलत है।

198. (B) संभावित विफलता और बुद्धिमान न दिखने से बचने के लिए चुनौतीपूर्ण कार्यों से बचना।
जब छात्रों की केवल उनकी बुद्धिमत्ता के लिए प्रशंसा की जाती है, तो वे अपनी 'होशियार' छवि को खोने से डरते हैं। इसके परिणामस्वरूप वे विफलता के जोखिम से बचने के लिए चुनौतीपूर्ण कार्यों को चुनने से कतराते हैं।

199. (B) ऐसे पोर्टफोलियो का उपयोग करना जो समय के साथ व्यक्तिगत विकास और प्रयास को ट्रैक करते हैं।
व्यक्तिगत विकास और निरंतर सुधार पर केंद्रित संस्कृति बनाने के लिए पोर्टफोलियो मूल्यांकन सबसे उपयुक्त है। यह छात्रों की समय के साथ हुई प्रगति और प्रयास को प्रदर्शित करता है, जिससे महारत-उन्मुख अधिगम बढ़ता है।

200. (C) "आइए अपनी अध्ययन रणनीतियों की समीक्षा करें और अगली बार एक नया दृष्टिकोण आजमाएं।"
यह प्रतिक्रिया छात्र का ध्यान बुद्धिमत्ता की कमी के विचार से हटाकर नियंत्रणीय कारकों जैसे अध्ययन रणनीतियों और

Click Here to Buy book on Flipkart

169. (C) छात्रों के बीच इन-ग्रुप बनाम आउट-ग्रुप (In-group vs. Out-group) ध्रुवीकरण।
इन-ग्रुप बनाम आउट-ग्रुप ध्रुवीकरण से छात्रों में भेदभाव, पूर्वाग्रह और समूह द्वंद्व उत्पन्न होता है। यह स्थिति कक्षा के सकारात्मक और समावेशी मनोवैज्ञानिक वातावरण के निर्माण में गंभीर बाधा डालती है।

170. (A) केवल I और II
प्रभावी सहपाठी शिक्षण (Peer Tutoring) से शिक्षार्थी की अवधारणात्मक समझ सुधरती है और ट्यूटर की स्व-प्रभावकारिता तथा विषय पर पकड़ मजबूत होती है। यह कक्षा में सामाजिक एकजुटता को बढ़ाता है, न कि घटाता है।

171. (B) उच्च शिक्षक अपेक्षाएं सीधे छात्र के बेहतर प्रदर्शन की ओर ले जाती हैं।
रोसेन्थल और जैकबसन द्वारा शोधित "पिग्मेलियन प्रभाव" (Pygmalion Effect) यह दर्शाता है कि जब शिक्षक छात्रों से उच्च शैक्षणिक प्रदर्शन की अपेक्षा रखते हैं, तो छात्र वास्तव में बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

172. (A) स्व-पूर्ति भविष्यवाणी (Self-fulfilling prophecy)
पिग्मेलियन प्रभाव स्व-पूर्ति भविष्यवाणी (Self-fulfilling prophecy) के सिद्धांत पर काम करता है। शिक्षक के विश्वास और अपेक्षाएं उनके व्यवहार को प्रभावित करती हैं, जो अंततः छात्र के व्यवहार को बदलकर उन अपेक्षाओं को सच साबित कर देती हैं।

173. (B) शिक्षक ने अधिक अनुकूल माहौल, अधिक चुनौतियां, और प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान की।
पिग्मेलियन प्रभाव के तहत जब शिक्षक छात्रों को होनहार मानते हैं, तो वे अनजाने में उन्हें अधिक प्रोत्साहन, चुनौतीपूर्ण सामग्री, सकारात्मक गैर-मौखिक संकेत और विस्तृत प्रतिक्रिया देते हैं, जिससे छात्रों का वास्तविक विकास होता है।

174. (B) गोलेम प्रभाव (Golem Effect) — कम अपेक्षाएं घटे हुए प्रदर्शन की ओर ले जाती हैं।
गोलेम प्रभाव (Golem Effect) पिग्मेलियन प्रभाव का विपरीत है। इसमें जब शिक्षक या प्राधिकारी किसी छात्र से कम प्रदर्शन की अपेक्षा रखते हैं, तो इसके परिणामस्वरूप छात्र का वास्तविक प्रदर्शन भी घट जाता है।

175. (B) गोलेम प्रभाव (Golem Effect)
जब शिक्षक छात्रों को 'उपचारात्मक' मानकर उनसे कम अपेक्षा रखते हैं और केवल सरल रटने वाले कार्य देते हैं, तो छात्र प्रगति करने में विफल रहते हैं। यह कम अपेक्षाओं के कारण प्रदर्शन घटने यानी गोलेम प्रभाव का सटीक उदाहरण है।

176. (A) शिक्षक अक्सर कम उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों को उत्तर देने के लिए कम प्रतीक्षा-समय (Wait-time) देते हैं।
शोध दर्शाते हैं कि शिक्षक अक्सर अनजाने में उन छात्रों को सोचने और उत्तर देने के लिए कम प्रतीक्षा-समय (Wait-time) देते हैं जिनसे वे कम अपेक्षाएं रखते हैं, जो उनकी कम अपेक्षाओं का एक व्यवहारात्मक संकेत है।

177. (C) छात्रों को उनके प्रारंभिक नैदानिक परीक्षण अंकों के आधार पर स्थायी रूप से वर्गीकृत करना।
प्रारंभिक अंकों के आधार पर छात्रों को स्थायी श्रेणियों में बाँटना शिक्षक के पूर्वाग्रहों को जमा देता है और विकास को रोकता है। अंध ग्रेडिंग और यादृच्छिक प्रणालियों का उपयोग अपेक्षाओं के नकारात्मक प्रभावों को कम करता है।

178. (B) नकारात्मक अपेक्षाएं सीखी गई असहायता और बाह्य नियंत्रण केंद्र को प्रेरित करती हैं।
जब शिक्षक छात्रों से लगातार कम अपेक्षाएं रखते हैं, तो छात्र यह मान लेते हैं कि उनके प्रयास निरर्थक हैं। यह नकारात्मक दृष्टिकोण उनमें सीखी गई असहायता और बाह्य नियंत्रण केंद्र को बढ़ावा देता है।

179. (B) "मैं सभी छात्रों के लिए उच्च मानक रखता हूं और आवश्यक पाड़ (Scaffolding) प्रदान करता हूं।"
शिक्षक अपेक्षाओं का न्यायसंगत अनुप्रयोग यह है कि सभी छात्रों की क्षमता पर विश्वास करते हुए उनके लिए उच्च मानक स्थापित किए जाएं और साथ ही प्रत्येक छात्र को उनकी आवश्यकता अनुसार पाड़ (Scaffolding) दी जाए।

180. (B) केवल I, II और III
छात्रों को दूर बैठाना, कम आई-कांटैक्ट देना और गलत उत्तरों को बिना सुधारे स्वीकार कर लेना कम अपेक्षाओं को संप्रेषित करता है। इसके विपरीत, व्यापक प्रतिक्रिया देना उच्च अपेक्षाओं और जुड़ाव का प्रतीक है।

181. (B) व्यवहारात्मक, भावनात्मक, और संज्ञानात्मक जुड़ाव।
कक्षा मनोविज्ञान में छात्र जुड़ाव (Student engagement) के तीन मुख्य आयाम माने गए हैं: व्यवहारात्मक जुड़ाव (भागीदारी/नियम पालन), भावनात्मक जुड़ाव (रुचि/अपनेपन का भाव), और संज्ञानात्मक जुड़ाव (गहन अधिगम का प्रयास)।

182. (C) व्यवहारात्मक जुड़ाव (Behavioral engagement)
केवल नियमों का पालन करना, कक्षा में उपस्थित रहना और बिना गहरी सोच के काम पूरा करना व्यवहारात्मक जुड़ाव (Behavioral engagement) को दर्शाता है। इसमें छात्र का शारीरिक अनुपालन तो होता है, पर संज्ञानात्मक या भावनात्मक निवेश कम होता है।

183. (B) पूछताछ अधिगम, समस्या-समाधान, और स्व-नियमन रणनीतियों को शामिल करना।
संज्ञानात्मक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए ऐसी शिक्षण विधियों की आवश्यकता होती है जो छात्रों को सोचने, विश्लेषण करने, समस्या हल करने और अपने अधिगम की स्व-निगरानी (Self-regulation) करने के लिए चुनौती दें।

184. (B) उच्च-जोखिम वाला परीक्षण दीर्घकालिक जुड़ाव बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका है।
उच्च-जोखिम वाले परीक्षण से तनाव और असफलता का डर पैदा होता है, जो छात्रों को केवल परीक्षा पास करने तक सीमित रखता है। यह दीर्घकालिक संज्ञानात्मक और भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखने का प्रभावी तरीका नहीं है।

Downloaded from www.pdf.tube

है ताकि तनाव कम हो सके। थकावट तक तनाव को बढ़ाना इस तकनीक का गलत वर्णन प्रस्तुत करता है।

155. (B) तीव्र शैक्षणिक तनाव और चिंता की शारीरिक अभिव्यक्तियां।
बिना किसी चिकित्सीय कारण के सिरदर्द या पेट दर्द महसूस होना मनोदैहिक (Psychosomatic) लक्षण कहलाते हैं। ये तीव्र शैक्षणिक तनाव, दबाव और परीक्षा चिंता की प्रत्यक्ष शारीरिक अभिव्यक्तियां होती हैं जो तनाव के समय उभरती हैं।

156. (C) इस बात पर जोर देना कि परीक्षा ही भविष्य की सभी सफलताओं का निर्धारण करती है।
यह कहना कि परीक्षा ही भविष्य की सफलता तय करती है, परीक्षा का जोखिम अत्यधिक बढ़ा देता है। यह विचार छात्रों के मन में असफलता का डर और भारी दबाव पैदा करता है, जिससे उनकी परीक्षा चिंता काफी बढ़ जाती है।

157. (A) प्रधानाचार्य को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समय सारणी में ब्रेक, शारीरिक शिक्षा और प्रबंधनीय गृहकार्य नीतियां शामिल हों।
प्रधानाचार्य की भूमिका एक संतुलित विद्यालयी वातावरण बनाने की है। समय सारणी में उचित विश्राम, खेलकूद और संतुलित गृहकार्य नीतियों को शामिल करके वे छात्रों के समग्र तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

158. (C) पुराने टालमटोल (Procrastination) और कार्य-परिवर्जन में संलग्न होना।
टालमटोल (Procrastination) और कार्य से बचना तनाव से निपटने के कुसमायोजित (Maladaptive) तरीके हैं, जो अंततः अंतिम समय में कार्यभार और चिंता को और अधिक बढ़ा देते हैं। खेल, मार्गदर्शन और समय प्रबंधन स्वस्थ मुकाबला रणनीति हैं।

159. (B) गलतियाँ करने के डर के कारण उच्च चिंता, जिससे बर्नआउट (Burnout) होता है।
उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों में पूर्णतावाद (Perfectionism) के कारण लगातार त्रुटिहीन रहने का दबाव रहता है। यह गलतियाँ करने का डर तीव्र चिंता पैदा करता है, जिससे अंततः छात्र मानसिक थकावट और बर्नआउट (Burnout) का शिकार हो जाते हैं।

160. (B) भावनाओं को मान्य करना, तनाव नियमन सिखाना, और संतुलित कार्यक्रम निर्धारित करना।
गंभीर बर्नआउट का सामना कर रहे छात्र के लिए सबसे उपयुक्त मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप उसकी भावनाओं को स्वीकार करना, उसे तनाव नियमन की तकनीकें सिखाना और अध्ययन व विश्राम के बीच एक संतुलित समय सारणी तैयार करना है।

161. (B) एक समूह के भीतर सामाजिक संरचना और सहपाठी संबंधों का मूल्यांकन करना।
समाजमिति (Sociometry) एक ऐसी शोध तकनीक है जिसका उपयोग किसी समूह (जैसे कक्षा) के सदस्यों के बीच सामाजिक आकर्षण, अस्वीकृति, अंतरव्यक्तिगत संबंधों और सामाजिक संरचना का सटीक मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।

162. (B) जिगसॉ कक्षा विधि (Jigsaw classroom method)।
जिगसॉ कक्षा विधि (Jigsaw classroom method) में प्रत्येक छात्र के पास एक अद्वितीय सूचना का भाग होता है। संपूर्ण कार्य को पूरा करने के लिए सभी छात्रों को एक-दूसरे पर निर्भर रहना पड़ता है, जो सकारात्मक अंतर्निर्भरता को बढ़ावा देता है।

163. (B) सामाजिक आलस्य (Social loafing)
सामाजिक आलस्य (Social loafing) वह मनोवैज्ञानिक परिघटना है जिसमें व्यक्ति किसी व्यक्तिगत कार्य की तुलना में समूह के हिस्से के रूप में काम करते समय कम प्रयास लगाता है क्योंकि व्यक्तिगत उत्तरदायित्व की भावना घट जाती है।

164. (A) सहपाठी प्रभाव का केवल किशोरों के व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
यह कथन गलत है क्योंकि सहपाठी प्रभाव (Peer influence) हमेशा नकारात्मक नहीं होता। सकारात्मक सहपाठी दबाव छात्रों को बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन, नए कौशल सीखने और स्वस्थ सामाजिक व्यवहार अपनाने के लिए भी प्रेरित कर सकता है।

165. (A) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है
कक्षा में डेस्क व्यवस्था और बैठने का स्थान छात्रों के बीच अंतरव्यक्तिगत संपर्क, ध्यान केंद्रित करने और मित्रता के निर्माण को सीधे प्रभावित करता है। इसलिए शिक्षकों द्वारा बैठने की व्यवस्था का प्रबंधन करना आवश्यक है।

166. (B) असहमतिपूर्ण विचारों को दबाना और महत्वपूर्ण मूल्यांकन पर समूह सद्भाव को प्राथमिकता देना।
'समूह-सोच' (Groupthink) की स्थिति में समूह में मतभेद से बचने और सर्वसम्मति बनाए रखने का दबाव इतना अधिक होता है कि छात्र अपने असहमतिपूर्ण विचारों को दबा देते हैं और महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक सोच को छोड़ देते हैं।

167. (B) हाउस सिस्टम, सहपाठी परामर्श, और सहयोगात्मक क्लब स्थापित करना।
सहयोगात्मक संरचनाएं जैसे हाउस सिस्टम, सहपाठी परामर्श और विभिन्न क्लब छात्रों के बीच अंतर-समूह अंतःक्रिया, भाईचारे और सकारात्मक सहपाठी गतिशीलता का निर्माण करने में सबसे प्रभावी प्रशासनिक माध्यम हैं।

168. (C) रणनीतिक रूप से नए छात्र को सहानुभूति रखने वाले साथियों वाले समूह में सौंपना।
नए छात्र को सामाजिक रूप से एकीकृत करने के लिए शिक्षक को उसे ऐसे समूह में शामिल करना चाहिए जहाँ स्वागत करने वाले और सहानुभूतिपूर्ण साथी हों। इससे नए वातावरण में ढलना आसान होता है और गुटबाजी का प्रभाव कम होता है।

NODIA

प्रयास पर केंद्रित करती है। यह दृष्टिकोण विकास मानसिकता (Growth mindset) और पुनः प्रयास करने का हौसला बढ़ाता है।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Amazon

अध्याय 09
अधिगम हेतु आकलन

1. कक्षा कक्ष के वातावरण में अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning - AfL) के प्राथमिक उद्देश्य को निम्नलिखित में से कौन सा सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) ग्रेडिंग के उद्देश्यों के लिए एक इकाई के अंत में छात्रों का मूल्यांकन करना
(B) शिक्षण-शास्त्रीय रणनीतियों (Instructional Strategies) को सूचित करने और समायोजित करने के लिए निरंतर साक्ष्य एकत्र करना
(C) राष्ट्रीय मानदंडों के विरुद्ध किसी छात्र के प्रदर्शन की तुलना करना
(D) सत्र-अंत दस्तावेज़ीकरण (Documentation) के लिए वैधानिक आवश्यकता को पूरा करना

2. शिक्षण-शास्त्रीय अभ्यास (Pedagogical Practice) के संदर्भ में, अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) पारंपरिक परीक्षण से मुख्य रूप से अलग है क्योंकि यह:
(A) अपने दृष्टिकोण में विशेष रूप से मात्रात्मक (Quantitative) है
(B) छात्रों को उनके बुद्धिमत्ता लब्धि के आधार पर रैंक देने के लिए डिज़ाइन किया गया है
(C) केवल बाहरी परीक्षा निकायों द्वारा प्रशासित किया जाता है
(D) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया (Teaching-Learning Process) में निरंतर एकीकृत है

3. निम्नलिखित में से कौन सा कथन अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) की विशेषता का गलत वर्णन करता है?
(A) यह छात्रों को उनकी अपनी अधिगम प्रक्रिया में शामिल करता है
(B) यह तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए अधिगम के अंतरालों (Learning Gaps) की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करता है
(C) यह शिक्षकों और छात्रों दोनों को कार्रवाई योग्य प्रतिपुष्टि (Actionable Feedback) प्रदान करता है
(D) यह मुख्य रूप से योगात्मक है और इसका उपयोग प्रमाणन के लिए किया जाता है

4. एक प्राचार्य एक कक्षा का अवलोकन करता है जहाँ एक शिक्षक पाठ के अंत में पाँच मिनट की त्वरित निकास पर्ची (Exit Slip) गतिविधि आयोजित करता है। शिक्षक अगले दिन के शिक्षण की योजना बनाने के लिए इन पर्चियों का उपयोग करता है। इस परिदृश्य में किस विशिष्ट मूल्यांकन प्रतिमान (Assessment Paradigm) का उपयोग किया जा रहा है?
(A) अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning)
(B) अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning)
(C) अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning)
(D) नैदानिक मानक मूल्यांकन (Diagnostic Standardized Assessment)

5. अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह छात्र के कार्य के प्रत्येक भाग पर ग्रेड देने से दूर हटने पर जोर देता है।
II. इसके लिए शिक्षकों को छात्रों की प्रतिक्रियाओं के आधार पर अपने शिक्षण में संशोधन करने की आवश्यकता होती है।
III. यह मुख्य रूप से शैक्षणिक वर्ष के अंत में आयोजित किया जाता है।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

NODIA

6. एक शिक्षक जो प्रभावी रूप से अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) को लागू करता है, वह सबसे अधिक संभावना निम्नलिखित में से किस दृष्टिकोण का उपयोग करेगा?
(A) शैक्षणिक सत्र के अंत में एक औपचारिक उच्च-जोखिम परीक्षा (High-Stakes Examination) आयोजित करना
(B) कक्षा के सूचना पट्ट पर प्रमुखता से प्रदर्शित करने के लिए एक सार्वजनिक योग्यता सूची (Merit List) बनाना
(C) विशेष रूप से बाह्य रूप से मानकीकृत बहुविकल्पीय प्रश्नों (Standardized Multiple-Choice Tests) का उपयोग करना
(D) छात्र सुधार के लिए विशिष्ट क्षेत्रों पर लक्षित लिखित प्रतिपुष्टि (Targeted Written Feedback) प्रदान

करना

7. अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) मौलिक रूप से किस शैक्षिक दर्शन (Educational Philosophy) में निहित है?
(A) व्यवहारवाद (Behaviorism)
(B) सारतत्ववाद (Essentialism)
(C) शाश्वतवाद (Perennialism)
(D) रचनावाद (Constructivism)

8. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) ध्यान को शिक्षण से हटाकर अधिगम पर केंद्रित करता है।
कारण (R): यह निरंतर प्रतिपुष्टि (Continuous Feedback) प्रदान करता है जो छात्रों को अपनी प्रगति की निगरानी करने और शिक्षकों को अपने शिक्षण को अनुकूलित करने में सक्षम बनाता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

9. निम्नलिखित में से कौन सा अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) को लागू करने का अपेक्षित परिणाम नहीं है?
(A) उन्नत छात्र प्रेरणा (Enhanced Student Motivation)
(B) बढ़ी हुई शिक्षार्थी स्वायत्तता (Increased Learner Autonomy)
(C) शिक्षण और छात्र आवश्यकताओं के बीच बेहतर तालमेल
(D) छात्रों का क्षमता समूहों में कठोर वर्गीकरण

10. जब कोई शिक्षक समझ की जांच करने के लिए पाठ के दौरान "अंगूठा ऊपर, अंगूठा नीचे" (Thumbs Up, Thumbs Down) तकनीक का उपयोग करता है, तो यह तकनीक किसका उदाहरण है?
(A) अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning)
(B) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)
(C) अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning)
(D) औपचारिक नैदानिक मूल्यांकन (Formal Diagnostic Assessment)

11. अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) ढांचे में छात्र की क्या भूमिका है?
(A) एक निष्क्रिय प्राप्तकर्ता जो पूरी तरह से शिक्षक के ग्रेड और अंतिम निर्णयों पर निर्भर रहता है
(B) एक व्यक्ति जो मानक परीक्षणों के लिए केवल तथ्यात्मक सामग्री को याद करता है
(C) शिक्षक के समग्र शिक्षण डिजाइन की समीक्षा करने का कार्य करने वाला एक मूल्यांकनकर्ता
(D) अधिगम के लक्ष्यों और मानदंडों को समझने वाला एक सक्रिय भागीदार

12. मूल्यांकन दृष्टिकोण की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. यह गुणात्मक प्रतिपुष्टि (Qualitative Feedback) पर अत्यधिक निर्भर करता है।
II. यह भविष्योन्मुखी (Future-Oriented) है, जो अगले चरणों पर केंद्रित है।
III. यह एक अंतिम योगात्मक ग्रेड में परिणत होता है।
उपरोक्त में से कौन सी विशेषताएं अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के अनुरूप हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

13. पारंपरिक मूल्यांकन से अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) में मुख्य बदलाव के लिए शिक्षकों को किस पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है?
(A) कक्षा में कितना निर्धारित पाठ्यक्रम (Curriculum) कवर किया गया है
(B) एक मानक वक्र पर साथियों की तुलना में छात्र कितना अच्छा प्रदर्शन करते हैं
(C) अभिभावक स्कूली परीक्षाओं की समग्र कठिनाई को कैसे देखते हैं
(D) मूल्यांकन साक्ष्य तत्काल शिक्षण को कैसे निर्देशित करते हैं

14. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning) को अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) से सर्वोत्तम रूप से अलग करता है?
(A) अधिगम का मूल्यांकन स्वाभाविक रूप से रचनात्मक (Formative) प्रकृति का होता है, जबकि अधिगम के लिए मूल्यांकन सख्ती से योगात्मक (Summative) होता है
(B) अधिगम का मूल्यांकन सहकर्मी प्रतिपुष्टि पर अत्यधिक निर्भर करता है, जबकि अधिगम के लिए मूल्यांकन सहकर्मी प्रतिपुष्टि को पूरी तरह से बाहर करता है
(C) अधिगम का मूल्यांकन पूरी तरह से छात्र-संचालित होता है, जबकि अधिगम के लिए मूल्यांकन स्कूल प्राचार्यों द्वारा शासित और निर्देशित होता है
(D) अधिगम का मूल्यांकन उपलब्धि को प्रमाणित करता है, जबकि अधिगम के लिए मूल्यांकन अधिगम में सुधार करता है

Downloaded from www.pdf.tube

(D) परीक्षण वस्तुओं की गोपनीयता से संबंधित स्थापित प्रोटोकॉल का सीधे उल्लंघन करता है

31. निम्नलिखित में से किसे अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के मौलिक सिद्धांत के रूप में मान्यता नहीं दी गई है?
(A) यह चिंतनशील आत्म-मूल्यांकन (Reflective Self-Assessment) के लिए व्यक्तिगत शिक्षार्थियों की क्षमता को सक्रिय रूप से विकसित करता है
(B) इसका उद्देश्य सख्त मानक ग्रेडिंग वक्रों (Normative Grading Curves) को बनाए रखना है
(C) यह सभी छात्रों की अधिगम उपलब्धियों की पूरी श्रृंखला को व्यापक रूप से मान्यता देता है
(D) यह स्पष्ट अधिगम लक्ष्यों और सफलता के मानदंडों की छात्र समझ को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देता है

32. अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के अंतर्निहित निम्नलिखित सिद्धांतों पर विचार कीजिए:
I. यह शिक्षकों के लिए एक प्रमुख पेशेवर कौशल है।
II. इसे भावनात्मक कारकों को नजरअंदाज करते हुए केवल संज्ञानात्मक क्षेत्रों (Cognitive Domains) पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
III. यह शिक्षार्थी की प्रेरणा के महत्त्व को ध्यान में रखता है।
कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

33. यह सिद्धांत कि अधिगम के लिए मूल्यांकन "छात्र कैसे सीखते हैं इस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए" यह दर्शाता है कि शिक्षकों को:
(A) अधिगम के दौरान छात्रों द्वारा उपयोग की जाने वाली संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं को समझना चाहिए
(B) केवल अधिगम के कार्य से उत्पादित अंतिम आउटपुट को मापने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए
(C) छात्रों के विविध पृष्ठभूमि ज्ञान और अनुभवों की उपेक्षा करनी चाहिए
(D) कक्षा में केवल मानक शिक्षक-केंद्रित व्याख्यान विधियों पर निर्भर रहना चाहिए

34. अधिगम के लिए मूल्यांकन के लिए स्पष्ट संचार की आवश्यकता होती है। इस संदर्भ में, "सफलता के मानदंड" (Success Criteria) का अर्थ है:
(A) सत्र-अंत परीक्षाओं के लिए आवश्यक आधिकारिक तौर पर अनिवार्य न्यूनतम उत्तीर्ण अंक
(B) केवल बाहरी बोर्ड परीक्षकों द्वारा उपयोग किया जाने वाला विस्तृत स्कोरिंग रुब्रिक
(C) पिछले शैक्षणिक स्कूली वर्षों में बनाए रखा गया ऐतिहासिक पास प्रतिशत
(D) उपलब्धि प्रदर्शित करने के लिए छात्र कार्य में आवश्यक विशिष्ट घटक

35. प्रभावी अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) सहयोगात्मक होता है। इसका मतलब है कि:
(A) शिक्षक परीक्षण से पहले नियमित रूप से साथियों के साथ परीक्षा पत्रों को साझा करते हैं
(B) सत्र-अंत प्रश्न पत्र डिजाइन करते समय केवल शिक्षण कर्मचारी सहयोग करते हैं
(C) छात्र और शिक्षक अधिगम की जिम्मेदारी साझा करते हैं
(D) अभिभावकों को दैनिक गृह कार्य को ग्रेड देने की प्रत्यक्ष जिम्मेदारी सौंपी जाती है

NODIA

36. गणित की कक्षा में, किसी उत्तर को केवल गलत के रूप में चिह्नित करने के बजाय, शिक्षक लिखता है, "आपने सही सूत्र का उपयोग किया है, लेकिन दूसरे चरण में अपने गुणा की जांच करें।" यह शिक्षण-शास्त्रीय विकल्प किस सिद्धांत का सर्वोत्तम प्रदर्शन करता है?
(A) साथियों के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना
(B) जवाबदेही के लिए योगात्मक रिपोर्टिंग
(C) मानकीकृत मानदंडों को बनाए रखना
(D) सुधार करने के तरीके पर मार्गदर्शन प्रदान करना

37. कौन सी रणनीति अधिगम के लिए मूल्यांकन में "प्रेरणा को बढ़ावा देने" के सिद्धांत के सीधे अनुरूप है?
(A) कक्षा के नोटिस बोर्ड पर सभी छात्रों के परीक्षा अंक सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना
(B) शुरुआती अधिगम चरण के दौरान छात्रों की गलतियों पर भारी दंड लगाना
(C) केवल अंतिम प्राप्ति के बजाय प्रयास और प्रगति को उजागर करना
(D) सभी विषयों में केवल मानक-संदर्भित तुलनात्मक मूल्यांकन (Norm-Referenced Comparative Evaluation) पर निर्भर रहना

38. अधिगम के लिए मूल्यांकन का एक सिद्धांत यह है कि यह "शिक्षार्थी की आत्म-मूल्यांकन की क्षमता को विकसित करता है।" इसे प्राप्त करने के लिए, एक शिक्षक को प्राथमिक रूप से:
(A) छात्रों को प्रशिक्षित करना चाहिए कि शिक्षक के ग्रेडिंग पेन जैसे आधिकारिक मूल्यांकन उपकरणों का उपयोग कैसे करें
(B) छात्रों को बिना किसी शिक्षण बाधा के जो भी सामग्री वे पढ़ना चाहते हैं उसे चुनने की अनुमति देनी चाहिए
(C) पूरे सत्र के दौरान कक्षा के सभी असाइनमेंट और गृहकार्य कार्यों को पूरी तरह से वैकल्पिक बनाना चाहिए
(D) छात्रों को मानदंडों के विरुद्ध अधिगम पर विचार करने का अवसर प्रदान करना चाहिए

39. अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) को मौलिक रूप से पहचाना जाना चाहिए:
(A) एक बाहरी जवाबदेही उपाय के रूप में

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

मूल्यांकन पर समान और अनन्य ध्यान बनाए रखना
(D) अन्य सभी रूपों को सख्ती से न्यूनतम रखते हुए अधिगम के मूल्यांकन के प्रभुत्व को अधिकतम करना

23. कौन सी कार्रवाई अधिगम के मूल्यांकन (Assessment of Learning) का सबसे स्पष्ट रूप से प्रतिनिधित्व करती है?
(A) एक टर्म पेपर पर अंतिम प्रतिशत ग्रेड प्रदान करना
(B) एक कच्चे प्रारूप (Rough Draft) पर मौखिक प्रतिपुष्टि प्रदान करना
(C) अभ्यास के लिए एक मॉक साक्षात्कार आयोजित करना
(D) छात्र की समझ की जांच के लिए ट्रैफिक लाइट प्रणाली का उपयोग करना

24. एक छात्रा तीन महीने में एक चार्ट पर अपने पठन प्रवाह (Reading Fluency) के अंकों को ट्रैक करती है, अपनी त्रुटियों का विश्लेषण करती है, और अपनी गति (Pacing) पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लेती है। इस गतिविधि को सर्वोत्तम रूप से वर्णित किया गया है:
(A) अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning)
(B) अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning)
(C) मानकीकृत मूल्यांकन (Standardized Assessment)
(D) अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning)

25. आधुनिक शैक्षिक ढांचों के भीतर मूल्यांकन संस्कृति में निम्नलिखित में से कौन सा एक अनुशंसित बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) अधिगम के लिए मूल्यांकन से अधिगम का मूल्यांकन की ओर
(B) अधिगम के रूप में मूल्यांकन से अधिगम का मूल्यांकन की ओर
(C) अधिगम का मूल्यांकन से अधिगम के लिए मूल्यांकन की ओर
(D) सतत मूल्यांकन से वार्षिक उच्च-जोखिम मूल्यांकन की ओर

26. तीनों प्रतिमानों में अंतर करते समय, निम्नलिखित में से कौन सा अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के "कब" (When) का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है?
(A) शिक्षण इकाई के दौरान निरंतर
(B) पूर्ण शैक्षणिक वर्ष के औपचारिक समापन पर विशेष रूप से
(C) एक नए स्थापित स्कूल को आधिकारिक मान्यता मिलने से पहले
(D) निर्धारित आवधिक अभिभावक-शिक्षक बैठकों के दौरान विशेष रूप से

27. अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के सिद्धांतों के अनुसार, प्रभावी मूल्यांकन को:
(A) क्षमता के आधार पर छात्रों को छांटने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए
(B) विशेष रूप से मात्रात्मक मेट्रिक्स पर निर्भर रहना चाहिए
(C) नियमित शिक्षण अनुसूची से अलग होना चाहिए
(D) कक्षा के अभ्यास के लिए केंद्रीय के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए

28. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) छात्रों के बीच एक विकास मानसिकता (Growth Mindset) को बढ़ावा देता है।
कारण (R): यह इस बात पर जोर देता है कि प्रयास, प्रतिपुष्टि और संशोधित रणनीतियों के माध्यम से बुद्धिमत्ता और क्षमता का विकास किया जा सकता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

29. अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) का एक मुख्य सिद्धांत यह है कि इसे संवेदनशील और रचनात्मक होना चाहिए क्योंकि किसी भी मूल्यांकन का भावनात्मक प्रभाव होता है। यह सिद्धांत बताता है कि शिक्षकों को:
(A) छात्रों को कोई भी आलोचनात्मक या सुधारात्मक प्रतिपुष्टि देने से पूरी तरह बचना चाहिए
(B) आत्म-सम्मान की रक्षा करने और प्रगति का मार्गदर्शन करने के लिए रचनात्मक रूप से प्रतिपुष्टि तैयार करनी चाहिए
(C) शैक्षणिक विफलता के डर से छात्रों को मजबूती से प्रेरित करने के लिए कम ग्रेड का उपयोग करना चाहिए
(D) मूल्यांकन प्रयासों को केवल उन उच्च-प्रदर्शन वाले छात्रों पर केंद्रित करना चाहिए जिनके सफल होने की संभावना है

30. एक स्कूल प्राचार्य पाठ योजनाओं की समीक्षा कर रही हैं। वह देखती हैं कि एक शिक्षक ने पाठ की शुरुआत में ही छात्रों के साथ अधिगम के इरादों (Learning Intentions) और सफलता के मानदंडों (Success Criteria) को साझा करने की योजना बनाई है। शिक्षण-शास्त्रीय दृष्टिकोण से, यह अभ्यास:
(A) औपचारिक शिक्षक अधिकार को कमजोर करता है और अक्सर कक्षा में अनुशासनहीनता की ओर ले जाता है
(B) सख्ती से योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) ढांचों के मुख्य सिद्धांत के रूप में माना जाता है
(C) अपेक्षाओं को पारदर्शी बनाकर अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के अनुरूप है

Click Here to Buy book on Flipkart

(C) ओएमआर (Optical Mark Recognition - OMR) शीट
(D) लर्निंग लॉग या चिंतनशील पत्रिकाएं (Reflection Journals)

83. वह प्रक्रिया जहाँ एक छात्र स्वयं से पूछता है, "मैंने क्या अच्छा किया?", "मुझे किस बात से संघर्ष करना पड़ा?", और "अगली बार मैं अलग तरीके से क्या करूँगा?" किसका एक उदाहरण है?
(A) औपचारिक सत्र-अंत योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment)
(B) छोटे समूहों में संरचित सहकर्मी शिक्षण
(C) मानकीकृत नैदानिक बाहरी परीक्षण
(D) चिंतनशील आत्म-मूल्यांकन (Reflective Self-Assessment)

84. गणित की परियोजना को पूरा करने वाली एक छात्रा सबमिट करने से पहले अपने काम का मूल्यांकन करने के लिए शिक्षक द्वारा प्रदान किए गए रुब्रिक का उपयोग करती है। यह अभ्यास:
(A) छात्र स्वामित्व को बढ़ावा देता है और शिक्षकों पर निर्भरता को कम करता है
(B) अंतिम ग्रेड की वस्तुनिष्ठ वैधता और विश्वसनीयता से गंभीर रूप से समझौता करता है
(C) स्थापित स्कूल बोर्ड मूल्यांकन नियमों का सीधे उल्लंघन करता है
(D) स्पष्ट साक्ष्य है जो यह दर्शाता है कि शिक्षक मौलिक मूल्यांकन कर्तव्यों की उपेक्षा कर रहा है

85. युवा शिक्षार्थियों को आत्म-मूल्यांकन कौशल सिखाने में, एक शिक्षक निम्नलिखित का उपयोग कर सकता है:
(A) संख्यात्मक गणना की आवश्यकता वाले जटिल सांख्यिकीय विश्लेषण
(B) आत्म-साक्षात्कार विषयों पर ध्यान केंद्रित करने वाले लंबे लिखित चिंतनशील निबंध
(C) व्यक्तिगत रूप से प्रशासित उच्च-जोखिम वाले कम्प्यूटरीकृत अनुकूलात्मक परीक्षण सॉफ्टवेयर (Adaptive Test Software)
(D) आत्मविश्वास का संकेत देने के लिए दृश्य तराजू या रंग कोड (Visual Scales or Color Codes)

86. निम्नलिखित में से कौन सा छात्रों के बीच सटीक आत्म-मूल्यांकन में एक प्राथमिक बाधा है?
(A) सभी विषयों में स्पष्ट, अत्यधिक विस्तृत स्कोरिंग रुब्रिक्स तक नियमित पहुंच
(B) कक्षा शिक्षक से लगातार और विस्तृत रचनात्मक प्रतिपुष्टि (Formative Feedback) प्राप्त करना
(C) अत्यधिक सहयोगात्मक सहकर्मी अधिगम वातावरण में लगातार काम करना
(D) डनिंग-क्रुगर प्रभाव (Dunning-Kruger Effect) जो छात्र की क्षमता का अधिक आंकलन करता है

87. आत्म-मूल्यांकन की सटीकता में सुधार करने के लिए, शिक्षकों को:
(A) उन छात्रों को सख्त सजा देनी चाहिए जो अपने काम को गलत या अशुद्ध रूप से ग्रेड देते हैं
(B) केवल उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले, शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों को ही आत्म-मूल्यांकन में संलग्न होने की अनुमति देनी चाहिए
(C) सभी शैक्षिक रिकॉर्ड से छात्र आत्म-मूल्यांकन डेटा (Data) को पूरी तरह से त्याग देना चाहिए
(D) शिक्षक मध्यस्थता (Teacher Moderation) के साथ जोड़े गए अभ्यास के अवसर प्रदान करने चाहिए

88. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): आत्म-मूल्यांकन (Self-Assessment) शिक्षार्थी को ग्रेड के एक निष्क्रिय प्राप्तकर्ता से अधिगम में एक सक्रिय एजेंट में बदल देता है।
कारण (R): इसके लिए शिक्षार्थी को गुणवत्ता के मानकों को आंतरिक बनाने और उनकी ओर अपनी प्रगति की निगरानी करने की आवश्यकता होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

89. एक छात्र पोर्टफोलियो में अक्सर काम के प्रत्येक टुकड़े के साथ एक आत्म-चिंतन शीट (Self-Reflection Sheet) संलग्न होती है। इस शीट का प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) भौतिक पोर्टफोलियो बाइंडर को मोटा और काफी अधिक पेशेवर दिखाना
(B) अभिभावकों को साप्ताहिक रूप से समीक्षा करने और हस्ताक्षर करने के लिए एक आधिकारिक आवश्यक स्थान प्रदान करना
(C) परियोजना को पूरा करने के लिए उपयोग किए गए सभी ग्रंथसूची संसाधनों और संदर्भों की सूची बनाना
(D) आत्म-मूल्यांकन का प्रदर्शन करना और अधिगम को व्यक्त करना

NODIA

90. छात्र में आत्म-मूल्यांकन को प्रेरित करने के लिए कौन सा प्रश्न सबसे उपयुक्त है?
(A) क्या आप अपने बेंच-मेट की तुलना में काफी अधिक परीक्षा अंक प्राप्त करने में सफल रहे?
(B) व्याकरण में संज्ञा की सटीक परिभाषा क्या है?
(C) आपने परीक्षा के लिए अधिक कठिन अध्ययन करने के लिए अधिक प्रयास क्यों नहीं किया?
(D) किस रणनीति ने आपको कार्य की कठिनाई पर काबू पाने में मदद की?

91. जब छात्र अपने आत्म-मूल्यांकन के आधार पर लक्ष्य-निर्धारण में संलग्न होते हैं, तो वे मुख्य रूप से संलग्न होते हैं:

(B) शिक्षण के बाद पूरी की जाने वाली एक अतिरिक्त गतिविधि के रूप में
(C) कक्षा अभ्यास के लिए केंद्रीय के रूप में
(D) केवल स्कूल प्रशासन की जिम्मेदारी के रूप में

40. रचनात्मक मूल्यांकन रणनीतियाँ (Formative Assessment Strategies) शिक्षाशास्त्र का अभिन्न अंग हैं क्योंकि वे:
(A) छात्र प्रमाणन के लिए आवश्यक आधिकारिक, अंतिम दस्तावेज़ीकरण प्रदान करती हैं
(B) गैर-प्रदर्शन करने वाले छात्रों को अनुशासित करने के लिए डिज़ाइन किए गए प्रत्यक्ष दंडात्मक उपायों के रूप में कार्य करती हैं
(C) शिक्षकों को गतिशील, निरंतर निर्देशात्मक निर्णय लेने में सक्षम बनाती हैं
(D) प्रशासनिक नियमों के तहत निर्दिष्ट वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं

41. निम्नलिखित में से कौन सा रचनात्मक मूल्यांकन रणनीति (Formative Assessment Strategy) का एक उदाहरण है?
(A) एक विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा
(B) एक वर्ष-अंत बोर्ड परीक्षा (Board Examination)
(C) विज्ञान प्रयोगशाला में एक अंतिम व्यावहारिक परीक्षा
(D) एक पाठ के दौरान सोचें-जोड़ी बनाएं-साझा करें (Think-Pair-Share) गतिविधि

42. शिक्षकों द्वारा रचनात्मक मूल्यांकन रणनीति के रूप में "निकास टिकटों" (Exit Tickets) का अक्सर उपयोग किया जाता है। उनका प्राथमिक शिक्षण-शास्त्रीय कार्य क्या है?
(A) स्कूल के दिन के अंत में छुट्टी से ठीक पहले दैनिक छात्र उपस्थिति को आधिकारिक रूप से दर्ज करना
(B) पूर्ण किए गए पाठ से प्रमुख अवधारणाओं की छात्र समझ की जांच करना
(C) किसी विशिष्ट निर्देशात्मक इकाई के लिए दिए गए संचयी अंतिम प्रतिशत ग्रेड की गणना और निर्धारण करना
(D) वार्षिक प्रशासनिक प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए शिक्षण कर्मचारियों के कक्षा प्रस्तुति कौशलों का मूल्यांकन करना

43. निम्नलिखित में से कौन सा रचनात्मक मूल्यांकन में प्रयुक्त "ट्रैफिक लाइट" (Traffic Light) तकनीक का सर्वोत्तम वर्णन करता है?
(A) छात्र पाठ के दौरान समझ का संकेत देने के लिए रंगीन कार्ड का उपयोग करते हैं
(B) शिक्षक अवधि के दौरान संरचित गतिविधि परिवर्तनों को प्रबंधित करने के लिए कक्षा की घंटी बजाता है
(C) स्कूल प्रशासन परीक्षा अवधि की सटीक शुरुआत और अंत का संकेत देने के लिए केंद्रीय घंटी बजाता है
(D) एक आधिकारिक ग्रेडिंग पैमाना जो छात्रों को उच्च, औसत और निम्न उपलब्धि हासिल करने वालों में कठोरता से वर्गीकृत करता है

44. एक विज्ञान शिक्षक अक्सर छात्रों से दो प्रश्नों का उत्तर देते हुए "एक-मिनट का पत्र" (One-Minute Paper) लिखने के लिए कहता है: "आज आपने सबसे महत्त्वपूर्ण बात क्या सीखी?" और "आपके मन में कौन सा प्रश्न सबसे ऊपर बना हुआ है?" प्राचार्य इस अभ्यास की सराहना करते हैं क्योंकि यह:
(A) वार्षिक बोर्ड परीक्षाओं के दौरान विस्तृत निबंध प्रश्नों को लिखने के लिए छात्रों को पूरी तरह से तैयार करता है
(B) सुंदर लिखावट, सही वर्तनी और विराम चिन्हों में व्यक्तिगत छात्र दक्षता का मूल्यांकन करता है
(C) तत्काल छात्र समझ को पकड़ता है और गलतफहमियों को सटीक रूप से रेखांकित करता है
(D) औपचारिक योगात्मक मूल्यांकन पोर्टफोलियो में संग्रहीत एक आधिकारिक, स्थायी दस्तावेज़ बनाता है

45. रचनात्मक मूल्यांकन को लागू करने में, "अवधारणा मानचित्रण" (Concept Mapping) की रणनीति उपयोगी है क्योंकि यह शिक्षक को मूल्यांकन करने की अनुमति देती है:
(A) परिभाषाओं को रटकर याद करने की छात्रों की क्षमता का
(B) उस गति का जिस पर छात्र श्यामपट्ट से कॉपी कर सकते हैं
(C) सख्त स्वरूपण नियमों (Formatting Rules) का पालन करने की छात्रों की क्षमता का
(D) छात्र ज्ञान को कैसे व्यवस्थित, कनेक्ट और संश्लेषित करते हैं इसका

46. कक्षा में मिनी-व्हाइटबोर्ड (Mini-Whiteboards) का उपयोग सभी छात्रों को एक साथ अपने उत्तरों को ऊपर उठाने की अनुमति देता है। इस रणनीति का प्राथमिक रचनात्मक लाभ यह है कि:
(A) यह कक्षा के कागज संसाधनों को बचाता है और समग्र स्कूल बजट (School Budget) परिचालन खर्चों को काफी कम करता है
(B) यह पूरी कक्षा की समझ का एक त्वरित दृश्य स्कैन (Visual Scan) करने में सक्षम बनाता है
(C) यह उच्च-जोखिम वाली अंतिम परीक्षाओं के दौरान छात्र धोखाधड़ी और अनधिकृत संचार को प्रभावी ढंग से रोकता है
(D) यह सभी छात्रों को कार्यों में व्यस्त रखता है जबकि शिक्षक आवश्यक प्रशासनिक कागजी कार्रवाई पूरी करता है

47. किस रचनात्मक मूल्यांकन रणनीति में एक शिक्षक उत्तर स्वीकार करने से पहले एक प्रश्न पूछने के बाद रणनीतिक रूप से रुकता है?
(A) थिंक-अलाउड (Think-Aloud)
(B) जिग्सॉ (Jigsaw)

NODIA

(C) फिशबाउल (Fishbowl)
(D) प्रतीक्षा समय (Wait Time)

48. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): रचनात्मक मूल्यांकन रणनीतियों (Formative Assessment Strategies) को दैनिक शिक्षण-शास्त्रीय अभ्यासों में निर्बाध रूप से एकीकृत किया जाना चाहिए।
कारण (R): वे कार्रवाई योग्य डेटा प्रदान करते हैं जो केवल तभी उपयोगी होते हैं जब वे शिक्षण के पाठ्यक्रम को तुरंत प्रभावित कर सकते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

49. रचनात्मक रूप से उपयोग किए जाने वाले "नैदानिक प्रश्न" (Diagnostic Question) में आमतौर पर विशेषताएं होती हैं:
(A) विक्षेपक (Distractors) जो सामान्य छात्र भ्रांतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं
(B) छात्र का आत्मविश्वास बनाने के लिए बहुत आसान विकल्प
(C) शब्दावली का परीक्षण करने के लिए जटिल भाषा
(D) केवल पिछले वर्ष की योगात्मक परीक्षाओं (Summative Examinations) से प्राप्त प्रश्न

50. वह तकनीक जहाँ एक शिक्षक समूह कार्य के दौरान तुरंत हस्तक्षेप किए बिना छात्रों की बातचीत को सुनने के लिए घूमता है, कहलाती है:
(A) छोटे समूहों में संरचित सक्रिय व्याख्यान
(B) समूह परिणामों की औपचारिक योगात्मक निगरानी (Summative Monitoring)
(C) अवलोकन संबंधी मूल्यांकन (Observational Assessment)
(D) छात्र आचरण का प्रत्यक्ष सुधारात्मक पर्यवेक्षण

51. निम्नलिखित में से किस रचनात्मक मूल्यांकन रणनीति में बड़े समूह के साथ साझा करने से पहले जोड़े में किसी विषय पर चर्चा करने वाले छात्र शामिल हैं?
(A) राउंड रॉबिन (Round Robin)
(B) सोचें-जोड़ी बनाएं-साझा करें (Think-Pair-Share)
(C) सुकराती संगोष्ठी (Socratic Seminar)
(D) सामूहिक अनुक्रिया (Choral Response)

52. रचनात्मक मूल्यांकन रणनीतियों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वे अनिवार्य रूप से छोटे पैमाने पर ग्रेड दिए जाने वाले अनौपचारिक परीक्षण हैं।
II. उनका उद्देश्य वास्तविक समय (Real-Time) में शिक्षण को समायोजित करना है।
III. वे छात्रों को अंतिम मूल्यांकन से पहले सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए सशक्त बनाते हैं।
कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

53. अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) में, शिक्षक द्वारा प्रभावी प्रश्नोत्तरी तकनीकों का प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिए:
(A) सरल एक-शब्द के सही उत्तरों की एक साथ सामूहिक अनुक्रिया (Chorus Response) प्राप्त करना
(B) निर्धारित गृहकार्य पूरा करने में विफल रहने वाले छात्रों की सार्वजनिक रूप से पहचान करना और उन्हें उजागर करना
(C) पाठ्यक्रम कवरेज को तेजी से समाप्त करने के लिए कक्षा शिक्षण की गति को तेज करना
(D) गहन सोच को उत्तेजित करना और छात्र तर्क को प्रकट करना

54. कक्षा में "हाथ ऊपर नहीं" (No Hands Up) प्रश्नोत्तरी का अभ्यास यह सुनिश्चित करता है कि:
(A) केवल सबसे आत्मविश्वासी और शैक्षणिक रूप से उन्नत छात्रों को प्रश्नों के उत्तर देने की अनुमति है
(B) यादृच्छिक छात्र चयन (Random Student Selection) सभी को व्यस्त और जवाबदेह रखता है
(C) शिक्षक के व्याख्यान (Lectures) के दौरान छात्रों को स्पष्टीकरण प्रश्न पूछने से सख्ती से मना किया जाता है
(D) कक्षा का माहौल पूरे समय पूर्ण और निर्बाध अनुशासनात्मक सन्नाटा बनाए रखता है

55. एक शिक्षक पूछता है, "आपको क्या लगता है कि लेखक ने कहानी को इस तरह समाप्त करने का विकल्प क्यों चुना?" यह किसका एक उदाहरण है?
(A) एकल तथ्यात्मक उत्तर की अपेक्षा करने वाला एक बंद-अंत (Closed-Ended) प्रश्न
(B) किसी प्रतिक्रिया की अपेक्षा किए बिना पूछा गया एक अलंकारिक (Rhetorical) प्रश्न
(C) किसी विशिष्ट उत्तर का मार्गदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक सांकेतिक (Leading) प्रश्न
(D) एक खुला (Open-Ended) प्रश्न

56. भिन्नों पर एक पाठ के दौरान, एक शिक्षक देखता है कि छात्र संघर्ष कर रहे हैं। उत्तर देने के बजाय, वह एक छात्र को उसकी अपनी त्रुटि का अहसास कराने के लिए खोजपूर्ण प्रश्नों (Probing Questions) का एक क्रम पूछती है। यह शिक्षण-शास्त्रीय रणनीति प्रभावी है क्योंकि यह:
(A) अधिगम को मचान (Scaffolding) प्रदान करती है और

Downloaded from www.pdf.tube

संज्ञानात्मक स्वायत्तता का निर्माण करती है
(B) प्रत्यक्ष सुधार की तुलना में शिक्षण समय बचाती है
(C) बहुविकल्पीय परीक्षाओं (Multiple-Choice Examinations) के लिए छात्रों को तैयार करती है
(D) गलत सोच के लिए एक दंडात्मक उपाय के रूप में कार्य करती है

57. एक जटिल प्रश्न पूछने के बाद "प्रतीक्षा समय" (Wait Time) बढ़ाने से आमतौर पर निम्नलिखित सभी परिणाम होते हैं, इसे छोड़कर:
(A) लंबी छात्र अनुक्रियाएं
(B) अधिक जटिल और विचारशील उत्तर
(C) धीरे-धीरे जानकारी संसाधित करने वाले छात्रों की भागीदारी में वृद्धि
(D) उत्तर देने के लिए इच्छुक छात्रों की संख्या में कमी

58. रचनात्मक मूल्यांकन में "सुकराती प्रश्नोत्तरी" (Socratic Questioning) की विशेषता है:
(A) पूछताछ पर छात्रों को तुरंत सीधे और व्यापक उत्तर प्रदान करना
(B) निम्न-स्तरीय प्रश्न पूछना जिनके लिए छात्रों से सरल हां या ना में उत्तर की आवश्यकता होती है
(C) विशिष्ट ऐतिहासिक तथ्यों और तिथियों के रटने के स्मरण और यांत्रिक संस्मरण का परीक्षण करना
(D) अंतर्निहित अवधारणाओं को स्पष्ट करने में छात्रों की मदद करने के लिए लक्षित प्रश्नों का उपयोग करना

59. "पोज, पॉज, पाउंस, बाउंस" (Pose, Pause, Pounce, Bounce) की रणनीति का उपयोग कक्षाओं में किस लिए किया जाता है?
(A) शिक्षण पाठों के दौरान आधारभूत शारीरिक फिटनेस और शरीर की मुद्रा बनाए रखना
(B) सहकर्मी अनुक्रियाओं के पार एक अंतःक्रियात्मक प्रश्नोत्तरी अनुक्रम बनाना
(C) कक्षा में दैनिक शिक्षण कार्यपत्रकों और कागजी सामग्रियों को कुशलतापूर्वक वितरित करना
(D) गंभीर व्यावहारिक व्यवधानों को प्रबंधित करना और सख्त अनुशासनात्मक उपायों को लागू करना

60. प्रश्नोत्तरी तकनीकों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. हिंज प्रश्नों (Hinge Questions) का उपयोग पाठ के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर यह जांचने के लिए किया जाता है कि क्या कक्षा आगे बढ़ने के लिए तैयार है।
II. फ़नलिंग प्रश्न (Funneling Questions) छात्रों को एक पूर्व निर्धारित सही उत्तर की ओर निर्देशित करते हैं।
III. ध्यान केंद्रित करने वाले प्रश्न (Focusing Questions) छात्रों को अपनी गणितीय या वैचारिक सोच को व्यक्त करने में मदद करते हैं।
IV. अलंकारिक प्रश्न (Rhetorical Questions) रचनात्मक मूल्यांकन के लिए सबसे प्रभावी उपकरण हैं।

कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, II और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) केवल I, III और IV

61. यदि कोई शिक्षक किसी छात्र से पूछता है, "क्या आप समझा सकते हैं कि आप उस निष्कर्ष पर कैसे पहुंचे?", तो शिक्षक किस उद्देश्य से प्रश्नोत्तरी तकनीक का उपयोग कर रहा है?
(A) तथ्यात्मक, घोषणात्मक ज्ञान (Declarative Knowledge) का मूल्यांकन करना
(B) छात्र स्मरण की गति का मूल्यांकन करना
(C) एक गलत छात्र उत्तर को ख़ारिज करना
(D) परासंज्ञानात्मक चिंतन (Metacognitive Reflection) को बढ़ावा देना

62. किस प्रकार का प्रश्न अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के उद्देश्यों के लिए सबसे कम उपयोगी है?
(A) खोजपूर्ण प्रश्न जो गहरे वैचारिक अन्वेषण को प्रोत्साहित करते हैं
(B) रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किए गए खुले प्रश्न
(C) स्पष्टीकरण वाले प्रश्न जो जटिल छात्र विचारों को समझाने में मदद करते हैं
(D) एक-शब्द वाले तथ्यात्मक स्मरण प्रश्न

NODIA

63. कक्षा चर्चा में किसी प्रश्न को "बाउंस" (Bounce) करने से तात्पर्य है:
(A) छात्र के शुरुआती उत्तर को पूरी तरह से नजरअंदाज करना और तुरंत अगले विषय पर जाना
(B) प्रश्न का उत्तर देने की जिम्मेदारी वापस शिक्षक को पुनः निर्देशित करना
(C) इच्छित सही उत्तर प्रदान किए जाने तक एक ही प्रश्न को लगातार दोहराना
(D) मूल्यांकन या बहस के लिए किसी छात्र का उत्तर साथियों को देना

64. सामाजिक विज्ञान की कक्षा का अवलोकन करने वाले एक प्राचार्य देखते हैं कि शिक्षक प्रत्येक छात्र के उत्तर का उत्तर "अच्छा" या "सही" के साथ देता है और तुरंत आगे बढ़ जाता है। इस प्रश्नोत्तरी तकनीक के संबंध में प्राचार्य को क्या प्रतिपुष्टि प्रदान करनी चाहिए?
(A) सकारात्मक मौखिक सुदृढ़ीकरण को लगातार लागू करने के लिए शिक्षक की औपचारिक रूप से सराहना की जानी चाहिए।
(B) कक्षा अनुशासन बनाए रखने के लिए शिक्षक को बहुत सख्त निर्देशात्मक भाषा अपनानी चाहिए।
(C) शिक्षक को खुले प्रश्न पूछना पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए और केवल सीधे व्याख्यान पर निर्भर रहना चाहिए।

(D) संवाद को बंद करने के बजाय शिक्षक को और अधिक पूछताछ करनी चाहिए या विस्तृत वर्णन करने के लिए साथियों को शामिल करना चाहिए।

65. पाठ योजना में "हिंज प्रश्नों" (Hinge Questions) का उपयोग विशेष रूप से किसके लिए किया जाता है?
(A) यह निर्धारित करना कि पाठ में पुनः पढ़ाना है या आगे बढ़ना है
(B) अंतिम पुनरीक्षण के लिए पूरे अध्याय का व्यापक रूप से संक्षेप तैयार करना
(C) प्रशासनिक वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्टों के लिए समग्र शिक्षक प्रदर्शन का मूल्यांकन करना
(D) दो अलग-अलग शैक्षणिक विषयों के बीच एक निर्धारित संक्रमण विराम प्रदान करना

66. शिक्षाशास्त्र में सहकर्मी मूल्यांकन (Peer Assessment) को इस रूप में परिभाषित किया गया है:
(A) शिक्षक एक-दूसरे की लिखित दैनिक शिक्षण योजनाओं का औपचारिक रूप से मूल्यांकन करते हैं
(B) बाहरी सरकारी मूल्यांकनकर्ता समग्र स्कूल प्रदर्शन का मूल्यांकन करते हैं
(C) अभिभावक बच्चों के गृह कार्यों का व्यवस्थित रूप से मूल्यांकन और ग्रेडिंग करते हैं
(D) छात्र सहपाठियों के काम का मूल्यांकन करते हैं और उन पर प्रतिपुष्टि देते हैं

67. कक्षा में प्रभावी सहकर्मी मूल्यांकन (Peer Assessment) के लिए निम्नलिखित में से कौन सी एक आवश्यक पूर्व शर्त है?
(A) अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और व्यक्तिवादी कक्षा वातावरण बनाए रखना
(B) सभी भाग लेने वाले छात्र समीक्षकों की पूर्ण और कुल गुमनामी सुनिश्चित करना
(C) यह अनिवार्य करना कि सभी अंतिम छात्र ग्रेड एक सख्त सामान्य बेल वक्र (Bell Curve) का पालन करें
(D) सफलता के मानदंडों और रुब्रिक्स (Rubrics) की स्पष्ट छात्र समझ

68. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): सहकर्मी मूल्यांकन (Peer Assessment) विषय वस्तु के बारे में मूल्यांकनकर्ता की अपनी समझ को गहरा कर सकता है।
कारण (R): स्थापित मानदंडों के विरुद्ध किसी सहकर्मी के काम का विश्लेषण करने के लिए उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक प्रसंस्करण और अपने स्वयं के अधिगम पर चिंतन की आवश्यकता होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

69. सहकर्मी मूल्यांकन (Peer Assessment) को लागू करते समय एक सामान्य चुनौती यह है कि:
(A) यह कक्षा में शिक्षकों के समग्र शिक्षण कार्यभार को अत्यधिक कम कर देता है
(B) यह औपचारिक योगात्मक मूल्यांकनों की संरचनात्मक आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर देता है
(C) इसके लिए अत्यधिक महंगे तकनीकी उपकरणों की खरीद और उपयोग की आवश्यकता होती है
(D) प्रतिपुष्टि व्यक्तिगत छात्र मित्रता से पक्षपातपूर्ण हो सकती है

70. सहकर्मी मूल्यांकन में पक्षपातपूर्ण प्रतिपुष्टि के मुद्दे को कम करने के लिए, एक शिक्षक को:
(A) कक्षा की सभी गतिविधियों में सहकर्मी मूल्यांकन पद्धतियों को पूरी तरह से छोड़ देना चाहिए
(B) सहकर्मी असाइनमेंट अंकों के आधार पर अंतिम योगात्मक रिपोर्ट कार्ड (Report Card) ग्रेड की भारी गणना करनी चाहिए
(C) संरचित ढांचों (Structured Frameworks) का उपयोग करके वस्तुनिष्ठ प्रतिपुष्टि देने के लिए छात्रों को प्रशिक्षित करना चाहिए
(D) सहकर्मी समीक्षा व्यवस्था को सीमित करना चाहिए ताकि छात्रों को केवल सबसे अच्छे दोस्तों का मूल्यांकन करने की अनुमति हो

71. सहकर्मी मूल्यांकन में, "टू स्टार्स एंड अ विश" (Two Stars and a Wish) रणनीति में निम्नलिखित की पहचान शामिल है:
(A) एक निश्चित असफल ग्रेड के साथ दो पासिंग ग्रेड निर्दिष्ट करना
(B) मध्यस्थता के लिए दो प्रमाणित शिक्षकों और प्रस्तुत करने के लिए एक छात्र को निर्दिष्ट करना
(C) एक आत्म-मूल्यांकन कार्य के साथ दो स्वतंत्र सहकर्मी मूल्यांकनकर्ताओं का चयन करना
(D) दो सकारात्मक पहलू और सुधार के लिए एक क्षेत्र

72. सहकर्मी मूल्यांकन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह अधिगम की कुछ जिम्मेदारी शिक्षक से छात्र पर स्थानांतरित करता है।
II. यह आमतौर पर तब अधिक प्रभावी होता है जब योगात्मक रूप से उपयोग किए जाने के बजाय रचनात्मक रूप से उपयोग किया जाता है।
III. यह शिक्षक मूल्यांकन की आवश्यकता को पूरी तरह से बदल देता है।
कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

Click Here to Buy book on Amazon

73. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षण-शास्त्रीय सिद्धांत सहकर्मी मूल्यांकन के उपयोग का सबसे दृढ़ता से समर्थन करता है?
(A) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)
(B) व्यवहारवादी सुदृढ़ीकरण (Behaviorist Reinforcement)
(C) सूचना प्रसंस्करण सिद्धांत (Information Processing Theory)
(D) सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism)

74. लेखन असाइनमेंट के लिए सहकर्मी मूल्यांकन लागू करते समय, नए शिक्षार्थियों के लिए कौन सा दृष्टिकोण सबसे प्रभावी है?
(A) बिना मानदंड के उन्हें प्रतिशत ग्रेड (Percentage Grade) देने के लिए कहना
(B) उनसे उनके सहकर्मी के लिए पूरा निबंध दोबारा लिखवाना
(C) पूरी कक्षा के सामने असंरचित, मौखिक आलोचना की अनुमति देना
(D) पाठ में तलाशने के लिए विशिष्ट विशेषताओं की एक जांच-सूची (Checklist) प्रदान करना

75. एक शिक्षक सहकर्मी मूल्यांकन लागू करता है लेकिन पाता है कि छात्र अपने सहपाठियों की आलोचना करने के बारे में चिंतित महसूस करते हैं। एक निर्देशात्मक नेता के रूप में, प्राचार्य को शिक्षक को सलाह देनी चाहिए:
(A) एक शांतिपूर्ण और गैर-टकराव वाली कक्षा बनाए रखने के लिए सहकर्मी मूल्यांकन अभ्यासों को तुरंत बंद कर दें
(B) उन्हें भावनात्मक रूप से सख्त बनाने के लिए सभी छात्रों को सार्वजनिक रूप से महत्वपूर्ण प्रतिपुष्टि देने के लिए मजबूर करें
(C) अनुपालन को सख्ती से लागू करने के लिए सहकर्मी मूल्यांकन गतिविधियों को उच्च-जोखिम वाले ग्रेड वाले कार्यों के रूप में नामित करें
(D) रचनात्मक प्रतिपुष्टि का मॉडल तैयार करें और संवाद के लिए बुनियादी नियम निर्धारित करें

76. सहकर्मी मूल्यांकन के संदर्भ में "अंशांकन" (Calibration) शब्द का तात्पर्य है:
(A) समूह कार्य से पहले छात्रों के बैठने की व्यवस्था को रणनीतिक रूप से संरेखित करना
(B) सभी दिए गए सहकर्मी ग्रेड के सांख्यिकीय मध्यमान (Statistical Mean) की गणितीय रूप से गणना करना
(C) कमरे के तापमान जैसे भौतिक कक्षा पर्यावरण कारकों को समायोजित करना
(D) मानकों को साझा करने के लिए नमूना कार्य (Sample Work) का संयुक्त रूप से मूल्यांकन करना

77. सहकर्मी मूल्यांकन मुख्य रूप से संचार कौशलों को बढ़ाता है क्योंकि:
(A) प्रतिपुष्टि का औचित्य सिद्ध करते समय छात्र तर्क को व्यक्त करते हैं
(B) इसके लिए प्रस्तुतियों के दौरान छात्रों को जोर से और स्पष्ट रूप से बोलने की आवश्यकता होती है
(C) इसमें पूरे स्कूल निकाय के लिए औपचारिक सार्वजनिक भाषण देना नियमित रूप से शामिल है
(D) यह मानक लिखित परीक्षाओं को व्यापक मौखिक परीक्षाओं से पूरी तरह से बदल देता है

78. निम्नलिखित में से कौन सा सहकर्मी मूल्यांकन (Peer Assessment) का एक मान्यता प्राप्त लाभ नहीं है?
(A) यह सहयोगात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करता है
(B) यह छात्रों के आलोचनात्मक मूल्यांकन कौशलों में सुधार करता है
(C) यह छात्रों को किसी कार्य के वैकल्पिक दृष्टिकोणों से अवगत कराता है
(D) यह अंतिम ग्रेडिंग के लिए एक कानूनी रूप से बाध्यकारी तंत्र प्रदान करता है

79. अधिगम में आत्म-मूल्यांकन (Self-Assessment) मौलिक रूप से किस बारे में है?
(A) नियमित शिक्षक ग्रेडिंग समय बचाने के लिए छात्र अपने अंतिम परीक्षा पत्रों को सख्ती से ग्रेड देते हैं
(B) शिक्षक अपनी दैनिक शिक्षण विधियों और पाठ योजनाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन और समीक्षा करते हैं
(C) केंद्रीय स्कूल प्रशासन अपने स्वयं के आंतरिक वित्तीय रिकॉर्ड का व्यवस्थित रूप से मूल्यांकन करता है
(D) छात्र अधिगम के अंतरालों की पहचान करने के लिए मानदंडों के विरुद्ध अपने काम का मूल्यांकन करते हैं

80. आत्म-मूल्यांकन (Self-Assessment) किसके विकास में सबसे सीधे योगदान देता है?
(A) रटना स्मरण (Rote Memory)
(B) सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल (Fine Motor Skills)
(C) प्रशासनिक अनुपालन (Administrative Compliance)
(D) परासंज्ञान (Metacognition)

NODIA

81. आत्म-मूल्यांकन के प्रभावी होने के लिए, इसके साथ निम्नलिखित का होना आवश्यक है:
(A) खराब प्रदर्शन के लिए सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई
(B) शीर्ष रैंकिंग वाले साथियों के प्रदर्शन के साथ तुलना
(C) मानक-संदर्भित ग्रेडिंग (Norm-Referenced Grading)
(D) इच्छित अधिगम परिणामों की स्पष्ट समझ

82. छात्रों में संरचित आत्म-मूल्यांकन को सुविधाजनक बनाने के लिए कौन सा उपकरण सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाता है?
(A) मानकीकृत प्रतिशत चार्ट (Percentile Charts)
(B) उपस्थिति रजिस्टर

15. एक स्टाफ बैठक के दौरान, प्राचार्य मूल्यांकन प्रतिमानों के संबंध में शिक्षकों के बीच भ्रम देखते हैं। शिक्षक A रिपोर्ट कार्ड तैयार करने के लिए इकाई-अंत परीक्षणों को ग्रेड देता है। शिक्षक B गलतफहमियों को स्पष्ट करने के लिए पाठों के दौरान अवधारणा मानचित्रों (Concept Maps) का उपयोग करता है। शिक्षक C छात्रों से व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारित करने के लिए अपनी अधिगम प्रक्रियाओं पर विचार करने के लिए कहता है। इस परिदृश्य में, कौन सा शिक्षक अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) का अभ्यास कर रहा है?
(A) शिक्षक A
(B) शिक्षक B
(C) शिक्षक C
(D) शिक्षक A और शिक्षक B दोनों

16. अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) विशेष रूप से किस पर बल देता है?
(A) स्व-नियंत्रित अधिगम (Self-Regulated Learning) के लिए छात्र की क्षमता
(B) निरंतर छात्र त्रुटियों का निदान करने और उन्हें दूर करने में शिक्षक की प्राथमिक भूमिका
(C) प्रणालीगत जवाबदेही (Systemic Accountability) डेटा के लिए स्कूल प्रशासन की आधिकारिक आवश्यकता
(D) वार्षिक उपलब्धि अंकों के आधार पर संस्थानों की सांख्यिकीय तुलना

17. कौन सा युग्म मूल्यांकन प्रकार को उसके प्राथमिक दर्शक के साथ सही ढंग से मिलाता है?
(A) अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning) — छात्र (व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारित करने के लिए)
(B) अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) — बाहरी नीति निर्माता
(C) अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) — स्वयं शिक्षार्थी
(D) अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning) — शिक्षक (तत्काल पाठ योजना के लिए)

18. यदि कोई राज्य बोर्ड कक्षा X के छात्रों के लिए वार्षिक बोर्ड परीक्षा आयोजित करता है, तो यह किसका एक प्रमुख उदाहरण है?
(A) अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning)
(B) अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning)
(C) अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning)
(D) नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Assessment)

19. तीन मूल्यांकन प्रतिमानों के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning) व्यवस्थित रूप से केवल मुख्य अधिगम प्रक्रिया पूरा होने के बाद होता है
(B) अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) चल रही अधिगम प्रक्रिया के दौरान निरंतर और रचनात्मक रूप से होता है
(C) अधिगम का मूल्यांकन दैनिक शिक्षण अंतरालों की पहचान करता है
(D) अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) जानबूझकर छात्रों के परासंज्ञान (Metacognition) और आत्म-चिंतन को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करता है

20. मूल्यांकन ढांचों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. अधिगम के मूल्यांकन में छात्र उपलब्धि के बारे में योगात्मक निर्णय शामिल होते हैं।
II. अधिगम के लिए मूल्यांकन अंतःक्रियात्मक, निरंतर प्रतिपुष्टि चक्रों (Continuous Feedback Loops) पर निर्भर करता है।
III. अधिगम के रूप में मूल्यांकन के लिए छात्रों को अपनी स्वयं की प्रगति की निगरानी करने की आवश्यकता होती है।
IV. अधिगम के लिए मूल्यांकन विशेष रूप से शैक्षिक बोर्डों द्वारा डिज़ाइन किया गया है।
कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, II और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) केवल I, III और IV

21. एक महत्त्वपूर्ण घटक जो अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) को अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) से अलग करता है, वह किस पर स्पष्ट बल देना है?
(A) शिक्षण के दौरान प्रदान की जाने वाली प्रत्यक्ष, निरंतर शिक्षक प्रतिपुष्टि
(B) पूरी इकाई के दौरान आयोजित की जाने वाली बारंबार रचनात्मक क्विज़
(C) छात्र आत्म-चिंतन (Self-Reflection) और परासंज्ञान (Metacognition)
(D) वस्तुनिष्ठ ग्रेडिंग के लिए तैयार किया गया संरचित रुब्रिक डिजाइन (Structured Rubric Design)

22. पारंपरिक से आधुनिक शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) की प्रगति में, तीन मूल्यांकन प्रकारों के बीच अनुशंसित संतुलन में शामिल है:
(A) अधिगम के मूल्यांकन को लगातार बढ़ाते हुए अधिगम के लिए मूल्यांकन को व्यवस्थित रूप से घटाना
(B) योगात्मक परीक्षण को कम करते हुए रचनात्मक और आत्म-मूल्यांकन का विस्तार करना
(C) केवल अधिगम के मूल्यांकन और अधिगम के लिए

Downloaded from www.pdf.tube

(A) अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning) में
(B) योगात्मक ग्रेडिंग में
(C) सहकर्मी मेंटरिंग में
(D) आत्म-नियमन (Self-Regulation) में

92. आत्म-मूल्यांकन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह एक सहज कौशल है जिसे सिखाने की आवश्यकता नहीं है।
II. इसके लिए ईमानदार होने के लिए कक्षा में मनोवैज्ञानिक सुरक्षा की आवश्यकता होती है।
III. यह वर्तमान प्रदर्शन और वांछित लक्ष्यों के बीच के अंतर को पाटने में मदद करता है।
कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

93. अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के संदर्भ में, प्रभावी प्रतिपुष्टि (Effective Feedback) मुख्य रूप से होनी चाहिए:
(A) मूल्यांकनात्मक और निर्णयात्मक (Evaluative and Judgmental)
(B) सामान्य और चरित्र विशेषताओं पर केंद्रित (जैसे, "आप बुद्धिमान हैं")
(C) शैक्षणिक वर्ष के अंत में प्रदान की गई
(D) वर्णनात्मक, विशिष्ट और कार्रवाई योग्य (Descriptive, Specific, and Actionable)

94. छात्र अधिगम पर किस प्रकार की प्रतिपुष्टि का सबसे शक्तिशाली प्रभाव देखा गया है?
(A) छात्र के व्यक्तिगत चरित्र पर विशेष रूप से केंद्रित व्यक्तिगत प्रशंसा प्रतिपुष्टि
(B) तुलनात्मक प्रतिपुष्टि जो स्पष्ट रूप से एक छात्र को उनके सहकर्मी समूह के विरुद्ध मापती है
(C) केवल संख्यात्मक ग्रेड या परीक्षा अंक से युक्त मात्रात्मक प्रतिपुष्टि
(D) कार्य और प्रक्रिया में सुधार पर संकेत प्रदान करने वाली प्रतिपुष्टि

95. "फीडफॉरवर्ड" (Feedforward) की अवधारणा का तात्पर्य है कि प्रतिपुष्टि को:
(A) पूर्ण किए गए कार्यों पर की गई पिछली गलतियों को सूचीबद्ध करने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करना चाहिए
(B) वास्तव में छात्रों को मूल्यांकन कार्य सौंपे जाने से पहले नियमित रूप से प्रदान किया जाना चाहिए
(C) केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उच्च-उपलब्धि प्राप्त करने वाले छात्रों को ही चुनिंदा रूप से दिया जाना चाहिए
(D) सुधार के लिए अगले कदमों पर स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए

96. एक शिक्षक 65% के ग्रेड के साथ बिना किसी लिखित टिप्पणी के निबंध लौटाता है। अधिगम के लिए मूल्यांकन के सिद्धांतों के अनुसार, यह अभ्यास त्रुटिपूर्ण है क्योंकि:
(A) 65% जैसे निर्दिष्ट अंक मानक शैक्षणिक निबंध ग्रेडिंग के लिए स्वाभाविक रूप से बहुत कम हैं
(B) लिखित वर्णनात्मक निबंधों का मूल्यांकन केवल आधिकारिक अक्षर ग्रेड का उपयोग करके सख्ती से किया जाना चाहिए
(C) छात्र के आत्म-सम्मान को कृत्रिम रूप से बढ़ावा देने के लिए शिक्षक को पूर्ण अंक देने चाहिए थे
(D) केवल एक ग्रेड सुधार करने के तरीके पर कोई जानकारी नहीं देता है

97. निम्नलिखित में से कौन सी टिप्पणी प्रभावी रचनात्मक प्रतिपुष्टि (Formative Feedback) का प्रतिनिधित्व करती है?
(A) यह कुल मिलाकर बहुत अच्छे प्रयास को दर्शाता है, इसलिए कृपया बेहतरीन काम जारी रखें!
(B) आपका परीक्षा परिणाम दर्शाता है कि आपने कुल मिलाकर 10 में से ठीक 7 प्रश्न सही किए।
(C) आपने उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है और इस विषय में पहले से बहुत बेहतर हैं।
(D) आपकी प्रस्तावना स्पष्ट है, लेकिन दूसरे पैराग्राफ में सहायक साक्ष्यों की कमी है।

NODIA

98. जब प्रतिपुष्टि वर्तमान समझ और अधिगम के लक्ष्य के बीच विसंगति को उजागर करती है, तो शिक्षक के लिए सबसे प्रभावी शिक्षण-शास्त्रीय प्रतिक्रिया है:
(A) अधिगम के लक्ष्य को प्राप्य बनाने के लिए कम करना
(B) छात्र की भावनाओं की रक्षा के लिए विसंगति को नजरअंदाज करना
(C) छात्र को स्वतंत्र रूप से इसे हल करने के लिए कहना
(D) छात्र को अंतर को पाटने के लिए रणनीतियाँ प्रदान करना

99. "विलंबित प्रतिपुष्टि" (Delayed Feedback) कभी-कभी "तत्काल प्रतिपुष्टि" (Immediate Feedback) से अधिक प्रभावी होती है जब निर्देशात्मक लक्ष्य होता है:
(A) दैनिक अभ्यासों के माध्यम से बुनियादी गणितीय गुणा तथ्यों को याद रखना
(B) विज्ञान प्रयोगशाला के भीतर एक खतरनाक सुरक्षा नियम उल्लंघन को सही करना
(C) नियमित कक्षा अनुशासन और व्यवहार संबंधी व्यवधानों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना
(D) जटिल कार्यों में छात्रों को अपनी गलतियों को खोजने के लिए प्रोत्साहित करना

100. प्रतिपुष्टि रणनीतियों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

गतिविधियों में शामिल होने के लिए अनुचित रूप से प्रोत्साहित करते हैं
(D) वे कठोर प्रदर्शन सूत्रों के माध्यम से रचनात्मकता को सीमित कर सकते हैं

118. पोर्टफोलियो मूल्यांकन (Portfolio Assessment) को प्राथमिक रूप से किसका एक रूप माना जाता है?
(A) औपचारिक मानकीकृत राज्य मूल्यांकन
(B) तुलनात्मक मानक-संदर्भित मूल्यांकन (Norm-Referenced Assessment)
(C) मात्रात्मक वस्तुनिष्ठ-प्रकार का मूल्यांकन
(D) प्रमाणिक प्रदर्शन मूल्यांकन (Authentic Performance Assessment)

119. कार्य के एक साधारण फ़ोल्डर की तुलना में छात्र पोर्टफोलियो की एक परिभाषित विशेषता यह है कि एक पोर्टफोलियो:
(A) केवल पूरी तरह से सही और त्रुटिहीन छात्र कार्य नमूने शामिल करता है
(B) केंद्रीय स्कूल प्रशासन के सदस्यों द्वारा पूरी तरह और विशेष रूप से बनाए रखा जाता है
(C) केवल और विशेष रूप से मात्रात्मक बहुविकल्पीय परीक्षण स्कोरिंग परिणाम शामिल करता है
(D) इसमें विकास दर्शाने वाले चिंतन और चयनित कलाकृतियां शामिल हैं

120. एक "प्रक्रिया पोर्टफोलियो" (Process Portfolio) एक "शोकेस पोर्टफोलियो" (Showcase Portfolio) से अलग है क्योंकि पहला:
(A) केवल छात्र के सर्वश्रेष्ठ अंतिम पूर्ण उत्पादों (Final Products) को प्रदर्शित करता है
(B) विश्वविद्यालय प्रवेश मूल्यांकन के लिए विशेष रूप से और औपचारिक रूप से उपयोग किया जाता है
(C) इसमें बिल्कुल कोई गुणात्मक या मात्रात्मक शिक्षक प्रतिपुष्टि आइटम शामिल नहीं हैं
(D) प्रारूप (Drafts) और संशोधनों सहित अधिगम के चरणों का दस्तावेजीकरण करता है

121. पोर्टफोलियो में छात्र चिंतनों (Student Reflections) को शामिल करने का कार्य करता है:
(A) पोर्टफोलियो सबमिशन (Portfolio Submission) की कुल शब्द संख्या को कृत्रिम रूप से बढ़ाना
(B) आधिकारिक शिक्षक मूल्यांकन और पेशेवर निर्णय को पूरी तरह से बदलना
(C) प्रशासनिक स्टेशनरी और दस्तावेज़ीकरण फाइलिंग आवश्यकताओं को पूरा करना
(D) अधिगम पर चिंतन करके परासंज्ञान (Metacognition) का विकास करना

122. पोर्टफोलियो मूल्यांकन (Portfolio Assessment) शिक्षा के किस दृष्टिकोण के साथ सबसे अधिक संरेखित होता है?
(A) सख्त व्यवहारवादी अधिगम सिद्धांत (Behaviorist Learning Theory)
(B) पारंपरिक शिक्षक-नेतृत्व वाला उपदेशात्मक शिक्षण (Didactic Instruction)
(C) रटने का स्मरण और पुनरावृत्ति अभ्यास
(D) रचनावादी शिक्षाशास्त्र (Constructivist Pedagogy)

123. बड़ी कक्षाओं में पोर्टफोलियो मूल्यांकन को लागू करने में निम्नलिखित में से कौन सी एक महत्त्वपूर्ण चुनौती का प्रतिनिधित्व करती है?
(A) यह चल रही व्यक्तिगत छात्र प्रगति को पकड़ने या प्रतिबिंबित करने में पूरी तरह से विफल रहता है
(B) यह सख्ती से प्रतिबंधित करता है और व्यक्तिगत छात्र रचनात्मकता की अनुमति नहीं देता है
(C) यह शैक्षिक अधिनियमों के वैधानिक प्रावधानों के तहत स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित है
(D) इसे संकलित करना और मूल्यांकन करना समय लेने वाला है

124. एक निरीक्षण के दौरान, यह ध्यान दिया जाता है कि एक शिक्षक सभी छात्र कार्यपत्रकों को एकत्र करता है और उन्हें "पोर्टफोलियो" लेबल वाले फ़ोल्डर में दाखिल करता है, लेकिन छात्र कभी भी सामग्री की समीक्षा नहीं करते हैं। इस अभ्यास को सच्चे पोर्टफोलियो मूल्यांकन के साथ संरेखित करने के लिए, प्राचार्य को सुझाव देना चाहिए कि शिक्षक:
(A) भौतिक फ़ोल्डरों को पूरी तरह से त्याग दें और विशेष रूप से डिजिटल क्लाउड स्टोरेज पर स्थानांतरित करें
(B) कुल प्रशासनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कैबिनेट के अंदर सभी छात्र पोर्टफोलियो फ़ोल्डरों को सुरक्षित रूप से लॉक करें
(C) फ़ोल्डर के कुल भौतिक वजन के आधार पर गणना किया गया एक एकल सत्र-अंत योगात्मक ग्रेड निर्दिष्ट करें
(D) छात्रों से समय-समय पर कलाकृतियों का चयन कराएं और अधिगम पर चिंतन कराएं

125. ई-पोर्टफोलियो (E-portfolios) पारंपरिक भौतिक पोर्टफोलियो की तुलना में कौन सा विशिष्ट लाभ प्रदान करते हैं?
(A) उन्हें कक्षा शिक्षकों द्वारा लगभग किसी औपचारिक मूल्यांकन या ग्रेडिंग निगरानी की आवश्यकता नहीं होती है
(B) वे छात्रों को अपनी पूर्ण कलाकृतियों पर गहराई से विचार करने से प्रभावी ढंग से रोकते हैं
(C) वे स्वचालित रूप से अंतर्निहित स्कोरिंग एल्गोरिदम (Scoring Algorithms) के माध्यम से एक अंतिम सत्र ग्रेड उत्पन्न करते हैं
(D) वे मल्टीमीडिया कलाकृतियों को एकीकृत करते हैं और अत्यधिक सुवाह्य (Portable) हैं

126. मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (Foundational Literacy and Numeracy - FLN) के संदर्भ में, समग्र

Click Here to Buy book on Flipkart

को स्पष्ट करते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

109. एक विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric) एक समग्र रुब्रिक (Holistic Rubric) से भिन्न होता है क्योंकि यह:
(A) पूरे पूर्ण असाइनमेंट का प्रतिनिधित्व करने वाला एक एकल, समेकित समग्र स्कोर प्रदान करता है
(B) विशेष रूप से मानकीकृत बहुविकल्पीय प्रश्नों के मूल्यांकन के लिए डिज़ाइन और उपयोग किया जाता है
(C) मूल्यांकन कार्य को पूरा करने से पहले छात्रों के साथ साझा या चर्चा नहीं की जा सकती है
(D) किसी कार्य के विशिष्ट आयामों का व्यक्तिगत रूप से मूल्यांकन करता है

110. जब कोई शिक्षक छात्र के लेखन के विशिष्ट पहलुओं (जैसे, व्याकरण, संगठन, विचार) पर विस्तृत, लक्षित नैदानिक प्रतिपुष्टि प्रदान करना चाहता है, तो किस प्रकार का रुब्रिक सबसे उपयुक्त है?
(A) समग्र रुब्रिक (Holistic Rubric)
(B) मानक-संदर्भित रुब्रिक (Norm-Referenced Rubric)
(C) जांच-सूची (Checklist)
(D) विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric)

111. एक रुब्रिक डिजाइन करते समय, क्षैतिज अक्ष (स्तंभ/Columns) आमतौर पर प्रतिनिधित्व करता है:
(A) मूल्यांकन किए जा रहे विशिष्ट मूल्यांकन मानदंड (जैसे, स्पष्टता, सामग्री संगठन)
(B) मूल्यांकन लेने वाले सभी व्यक्तिगत छात्रों के पूरे नाम और पहचान संख्या
(C) व्यापक पाठ्यचर्यात्मक अधिगम उद्देश्य और इकाई लक्ष्य
(D) प्रदर्शन के स्तर (जैसे, कुशल, अनुकरणीय)

112. कक्षा मूल्यांकन में रुब्रिक्स के उपयोग के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. रुब्रिक्स छात्रों के कार्य शुरू करने से पहले ही अपेक्षाओं को स्पष्ट कर देते हैं।
II. छात्रों के साथ रुब्रिक्स का सह-निर्माण करने से उनकी सहभागिता और गुणवत्ता की समझ बढ़ती है।
III. रुब्रिक्स शिक्षक के निर्णय की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर देते हैं।
कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

113. छात्रों द्वारा असाइनमेंट शुरू करने से पहले उनके साथ रुब्रिक साझा करने का प्राथमिक शिक्षण-शास्त्रीय लाभ यह है कि यह:
(A) सीधे छात्रों को परीक्षा देने के लिए आवश्यक सभी सही उत्तर देता है
(B) छात्रों को उनके निर्दिष्ट अंतिम ग्रेड के बारे में शिकायत करने से प्रभावी ढंग से रोकता है
(C) असाइनमेंट को पूरा करने के लिए आवश्यक समग्र परिचालन समय को काफी कम करता है
(D) मानदंडों के विरुद्ध कार्य के आत्म-नियमन और निगरानी का मार्गदर्शन करता है

114. एक समग्र रुब्रिक (Holistic Rubric) किसके लिए सबसे उपयुक्त है?
(A) रचनात्मक मूल्यांकन संदर्भ जहाँ अत्यधिक विस्तृत वर्णनात्मक प्रतिपुष्टि की आवश्यकता होती है
(B) छात्र निबंधों में विशिष्ट व्याकरणिक त्रुटियों को व्यवस्थित रूप से पहचानना और अलग करना
(C) जटिल बहु-स्तरीय शोध परियोजनाओं में सहयोगात्मक सहकर्मी मूल्यांकन को संरचित करना
(D) किसी उत्पाद या प्रदर्शन का त्वरित समग्र निर्णय

115. एक शिक्षक परियोजना कार्यों की असंगत ग्रेडिंग से जूझता है, जो अक्सर इस बात पर निर्भर करता है कि किस छात्र ने कार्य जमा किया है। एक शैक्षिक नेता के रूप में, प्राचार्य को किस हस्तक्षेप की सिफारिश करनी चाहिए?
(A) छात्र परियोजना कार्य को पूरी तरह से बंद कर दें और केवल वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं (Objective Examinations) पर निर्भर रहें
(B) स्कूल के प्राचार्य को सभी सबमिट की गई परियोजनाओं का सीधे ग्रेडिंग और मूल्यांकन करने की आवश्यकता है
(C) छात्रों को केवल और सख्ती से उनके व्यक्तिगत मौखिक प्रस्तुति कौशल के आधार पर ग्रेड दें
(D) मानदंड-संदर्भित विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Criterion-Referenced Analytic Rubric) विकसित और लागू करें

116. रुब्रिक डिज़ाइन में, प्रतिच्छेदी कोशिकाओं (मानदंडों और प्रदर्शन स्तरों के बीच) में रखे गए विवरणों को कहा जाता है:
(A) डिस्क्रिप्टर्स (Descriptors)
(B) शैक्षणिक मानक (Academic Standards)
(C) सांख्यिकीय प्रतिशतक (Statistical Percentiles)
(D) अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

117. खराब डिज़ाइन किए गए रुब्रिक्स का उपयोग करने का संभावित नुकसान निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) वे विशिष्ट कार्य अपेक्षाओं के संबंध में बहुत अधिक निर्देशात्मक स्पष्टता प्रदान करते हैं
(B) वे मूल्यांकन गति को कृत्रिम रूप से बढ़ाते हैं, जिससे ग्रेडिंग की दिनचर्या बहुत तेज़ हो जाती है
(C) वे छात्रों को अनौपचारिक सहकर्मी मूल्यांकन

Downloaded from www.pdf.tube

I. लिखित टिप्पणियों के साथ-साथ ग्रेड प्रदान करने से अक्सर छात्र टिप्पणियों को नजरअंदाज कर देते हैं।
II. प्रभावी प्रतिपुष्टि से सोच विकसित होनी चाहिए, न कि केवल भावनात्मक प्रतिक्रिया।
III. प्रतिपुष्टि केवल तभी प्रभावी होती है जब वह शिक्षक द्वारा दी जाती है।
IV. कार्य-स्तरीय प्रतिपुष्टि (Task-Level Feedback) स्व-स्तरीय प्रतिपुष्टि (Self-Level Feedback) की तुलना में अधिक प्रभावी होती है।

कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, II और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) केवल I, III और IV

101. अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) में "केवल-टिप्पणी अंकन" (Comment-Only Marking) के अभ्यास की वकालत की जाती है क्योंकि:
(A) इसके लिए कक्षा शिक्षकों को प्रतिशत ग्रेड की गणना करने की तुलना में काफी कम समय की आवश्यकता होती है
(B) यह अभिभावकों को यह निगरानी करने से प्रभावी ढंग से रोकता है कि उनके बच्चे शैक्षणिक रूप से कितना अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं
(C) यह शैक्षिक नियमों के तहत स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट एक कानूनी रूप से अनिवार्य आवश्यकता है
(D) यह छात्रों को प्रदर्शन को समझने के लिए प्रतिपुष्टि के साथ जुड़ने के लिए मजबूर करता है

102. छात्र कार्य के एक ही टुकड़े पर अत्यधिक प्रतिपुष्टि प्रदान करने का मुख्य खतरा क्या है?
(A) छात्र अभिभूत और हतोत्साहित हो सकता है
(B) शिक्षक की लाल स्याही खत्म हो जाएगी
(C) प्रशासन शिक्षक को बहुत अधिक आलोचनात्मक समझेगा
(D) यह स्कूल मूल्यांकन नीतियों का उल्लंघन करता है

103. एक "फीडबैक सैंडविच" (Feedback Sandwich) में आमतौर पर शामिल होता है:
(A) विस्तृत आलोचनात्मक टिप्पणियों की तीन क्रमिक परतें प्रदान करना
(B) एक संख्यात्मक ग्रेड, एक लिखित टिप्पणी और एक अधिगम लक्ष्य को जोड़ना
(C) सहकर्मी प्रतिपुष्टि, छात्र आत्म-प्रतिपुष्टि, और औपचारिक शिक्षक प्रतिपुष्टि को एकीकृत करना
(D) प्रशंसा, रचनात्मक आलोचना, और प्रशंसा

104. एक प्राचार्य देखता है कि एक शिक्षक की प्रतिपुष्टि मुख्य रूप से "कठिन परिश्रम करें" या "सुधार की आवश्यकता है" बताती है। प्राचार्य को शिक्षक को सलाह देनी चाहिए:
(A) वर्तमान अभ्यास को अपरिवर्तित जारी रखें क्योंकि यह छात्रों में भावनात्मक लचीलापन बनाता है
(B) रचनात्मक प्रतिपुष्टि (Formative Feedback) देना पूरी तरह बंद कर दें और केवल सत्र-अंत योगात्मक परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करें
(C) हरे पेन के बजाय पारंपरिक लाल पेन का उपयोग करने के लिए लिखित अंकन उपकरणों को बदलें
(D) क्या सुधार करना है और कैसे करना है, यह समझाने वाली वर्णनात्मक प्रतिपुष्टि (Descriptive Feedback) की ओर रुख करें

NODIA

105. प्रतिपुष्टि के संदर्भ में, "स्कैफोल्डिंग" (Scaffolding) का तात्पर्य है:
(A) अंतःक्रियात्मक कक्षा गतिविधि सत्रों के दौरान मूर्त भौतिक मॉडल का निर्माण करना
(B) पूर्व निर्धारित सामान्य वक्र के आधार पर अंतिम पाठ्यक्रम ग्रेड व्यवस्थित रूप से निर्दिष्ट करना
(C) सख्त शैक्षणिक क्षमता ट्रैकिंग मॉडल का उपयोग करके छात्रों को लगातार व्यवस्थित और समूहित करना
(D) छात्रों को स्वतंत्र रूप से लक्ष्य हासिल करने में सक्षम बनाने वाले अस्थायी सहायता प्रदान करना

106. निम्नलिखित में से कौन सी बात प्रतिपुष्टि को कार्रवाई योग्य (Actionable) बनाती है?
(A) कार्य पूरा करने के पूरे तीन सप्ताह बाद यह आधिकारिक तौर पर छात्रों को दिया जाता है
(B) यह कोई रचनात्मक समाधान पेश किए बिना काम में त्रुटियों को स्पष्ट रूप से इंगित करता है
(C) यह सीधे व्यक्तिगत छात्र के काम की तुलना शीर्ष उपलब्धि हासिल करने वाले के सबमिशन से करता है
(D) इसमें विशिष्ट रणनीतियाँ शामिल हैं जिन्हें छात्र तुरंत लागू कर सकते हैं

107. कक्षा मूल्यांकन में एक रुब्रिक (Rubric) को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित किया गया है:
(A) कई स्कूल जिलों में प्रशासित एक राष्ट्रीय स्तर पर मानकीकृत परीक्षा पत्र
(B) औपचारिक परीक्षाओं के दौरान उपयोग किया जाने वाला एक विस्तृत भौतिक बैठने की व्यवस्था चार्ट
(C) समग्र संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता को मापने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक विशेष मनोवैज्ञानिक नैदानिक उपकरण
(D) स्पष्ट मानदंडों के पार प्रदर्शन का मूल्यांकन करने वाली एक स्कोरिंग गाइड

108. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): रुब्रिक्स (Rubrics) निबंध या परियोजनाओं जैसे जटिल कार्यों की ग्रेडिंग की वस्तुनिष्ठता और स्थिरता को बढ़ाते हैं।
कारण (R): वे असाइनमेंट को विशिष्ट घटकों में विभाजित करते हैं और प्रत्येक घटक के लिए प्रदर्शन स्तरों के विवरण

प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) मुख्य रूप से किन सिद्धांतों पर आधारित है?
(A) सभी शैक्षणिक विषयों में सख्त मानक-संदर्भित छात्र रैंकिंग प्रक्रियाएं
(B) सत्र के अंत में आयोजित उच्च-जोखिम वाली, एकल-बिंदु योगात्मक परीक्षाएं
(C) मानकीकृत बुद्धिमत्ता लब्धि (IQ) परीक्षण और संज्ञानात्मक क्षमता प्रोफाइलिंग
(D) संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणात्मक क्षेत्रों में पोर्टफोलियो मूल्यांकन

127. योगात्मक मूल्यांकन के लिए पोर्टफोलियो का उपयोग करते समय, एक शिक्षक के लिए ग्रेड निर्दिष्ट करने का सबसे विश्वसनीय तरीका निम्नलिखित का उपयोग करना है:
(A) पोर्टफोलियो उद्देश्यों के साथ संरेखित एक स्कोरिंग रुब्रिक
(B) छात्र के सामान्य कक्षा व्यवहार को देखने के आधार पर शिक्षक का अंतर्ज्ञान
(C) पोर्टफोलियो बाइंडर के अंदर संकलित पृष्ठों की कुल संख्या का परिमाणीकरण
(D) छात्र के अंक निर्धारित करने के लिए अनौपचारिक सहकर्मी मतदान सत्र आयोजित करना

128. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (Children with Special Needs - CWSN) सहित विविध शिक्षार्थियों के मूल्यांकन के लिए पोर्टफोलियो अत्यधिक प्रभावी हैं।
कारण (R): पोर्टफोलियो कई तौर-तरीकों के माध्यम से अधिगम के प्रदर्शन की अनुमति देते हैं और मानक मानदंडों के बजाय व्यक्तिगत प्रगति को उजागर करते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

129. पोर्टफोलियो में क्या जाता है यह तय करने की प्रक्रिया को किस रूप में जाना जाता है?
(A) चिंतन (Reflection)
(B) प्रक्षेपण (Projection)
(C) निरीक्षण (Inspection)
(D) चयन (Selection)

130. एक शिक्षक को अपने पोर्टफोलियो की शुरुआत में छात्रों को "प्रिय पाठक" (Dear Reader) पत्र शामिल करने की आवश्यकता होती है। इस पत्र का शिक्षण-शास्त्रीय उद्देश्य है:
(A) छात्र के विस्तृत पारिवारिक पृष्ठभूमि और व्यक्तिगत संदर्भ का परिचय देना
(B) मूल्यांकनकर्ता शिक्षक से सीधे एक विशिष्ट लक्षित ग्रेड का औपचारिक रूप से अनुरोध करना
(C) केवल मानक औपचारिक पत्र लेखन संरचनात्मक स्वरूपण सम्मेलनों का अभ्यास करना
(D) एक पोर्टफोलियो अवलोकन प्रदान करना और अधिगम पर चिंतन करना

131. अधिगम के उद्देश्यों और मूल्यांकन के बीच संरेखण (Alignment) महत्त्वपूर्ण है क्योंकि:
(A) यह सुनिश्चित करता है कि परीक्षण इच्छित अधिगम को सटीक रूप से मापते हैं
(B) यह केंद्रीय वित्त विभाग द्वारा निर्दिष्ट प्रशासनिक आवश्यकताओं को पूरी तरह से संतुष्ट करता है
(C) यह सभी भाग लेने वाले छात्रों के लिए तिमाही परीक्षाओं को व्यवस्थित रूप से काफी आसान बनाता है
(D) यह सभी नामांकित स्कूल छात्र समूहों में अत्यधिक उच्च पास प्रतिशत की गारंटी देता है

132. रचनात्मक संरेखण (Constructive Alignment) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. अधिगम के परिणामों को शिक्षण गतिविधियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित करना चाहिए।
II. मूल्यांकन कार्यों को सीधे अधिगम के परिणामों का मूल्यांकन करना चाहिए।
III. रचनात्मक संरेखण रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) में अप्रासंगिक है।
कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

133. यदि एक अधिगम उद्देश्य में कहा गया है, "छात्र 1857 के विद्रोह के कारणों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे," तो कौन सा मूल्यांकन कार्य इस उद्देश्य के साथ सबसे अच्छा संरेखित है?
(A) छात्रों को विशिष्ट ऐतिहासिक लड़ाइयों की तिथियों को याद करने के लिए कहने वाला एक बहुविकल्पीय तथ्यात्मक परीक्षण
(B) विद्रोह के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक कारणों का मूल्यांकन करने वाला एक निबंध
(C) 1857 के विद्रोह के प्रमुख क्षेत्रीय स्थानों की पहचान करने वाला एक विस्तृत नक्शा-दर्शाने वाला अभ्यास
(D) प्रमुख क्रांतिकारी नेताओं के पूरे नामों और उपाधियों को कवर करने वाले मौखिक सस्वर पाठ अभ्यास

134. अधिगम के उद्देश्यों और मूल्यांकन के बीच बेमेल को अक्सर कहा जाता है:
(A) मूल्यांकन वैधता (Assessment Validity)
(B) रचनात्मक अंतर (Formative Gap)
(C) मानक विचलन (Standard Deviation)
(D) असरेखण (Misalignment)

Click Here to Buy book on Amazon

152. दक्षता-आधारित मूल्यांकन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. यह केवल इनपुट के बजाय परिणामों पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करता है।

II. यह महारत प्रदर्शित करने के लिए कई रास्तों की अनुमति देता है।

III. यह चीजों को "कैसे करना है" जानने के बजाय चीजों "के बारे में" जानने पर जोर देता है।

कौन से कथन सही हैं?

(A) केवल I और II

(B) केवल II और III

(C) केवल I और III

(D) I, II और III

153. दक्षता-आधारित मूल्यांकन मॉडल में, एक छात्र जो पहले प्रयास में महारत प्रदर्शित नहीं करता है, उसे आमतौर पर:

(A) औपचारिक रूप से अनुत्तीर्ण किया जाता है और तुरंत पूरे शैक्षणिक वर्ष के लिए रोक दिया जाता है

(B) उनके आधिकारिक शैक्षणिक रिपोर्ट कार्ड पर एक स्थायी रूप से कम अंक निर्दिष्ट किया जाता है

(C) प्रशासनिक रूप से एक पूरी तरह से अलग स्कूल सुविधा में स्थानांतरित कर दिया जाता है

(D) महारत हासिल करने के लिए लक्षित सहायता और आगे के अवसर प्रदान किए जाते हैं

154. दक्षता-आधारित मूल्यांकन में बदलाव के लिए शिक्षकों को अधिक कार्य करने की आवश्यकता होती है:

(A) मुख्य रूप से विषय जानकारी देने वाले व्याख्याता

(B) परीक्षणों के दौरान सख्त कक्षा निरीक्षक (Invigilators)

(C) मानक परीक्षणों के औपचारिक प्रशासक

(D) अधिगम के सुगमकर्ता और कोच (Learning Facilitators and Coaches)

155. एक प्राचार्य एक शिक्षक को एक प्रदर्शन कार्य का उपयोग करते हुए देखता है जहाँ छात्रों को स्प्रेडशीट का उपयोग करके एक स्कूल कार्यक्रम के लिए बजट की गणना करनी होती है। यह कार्य दक्षता-आधारित मूल्यांकन का उदाहरण देता है क्योंकि यह:

(A) रटने के अभ्यासों के माध्यम से पृथक गणितीय सूत्रों का परीक्षण करता है

(B) सख्ती से छात्रों को पूर्ण शांति में सभी काम पूरा करने की आवश्यकता होती है

(C) एक मानक उत्तर कुंजी का उपयोग करके ग्रेड देना असाधारण रूप से त्वरित और आसान है

(D) गणित, डिजिटल कौशल और वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान को एकीकृत करता है

156. विशिष्ट अधिगम परिणामों के आसपास डिज़ाइन किए गए "प्रश्न बैंकों" (Item Banks) का उपयोग किसके लिए महत्त्वपूर्ण है?

(A) वैध दक्षता मूल्यांकन उपकरण बनाना

(B) केंद्रीय स्कूल के वार्षिक मुद्रण बजट को काफी कम करना

(C) दैनिक संस्थागत छात्र अनुशासनात्मक नियमों को सख्ती से लागू करना

(D) कर्मचारियों की दैनिक उपस्थिति को व्यवस्थित रूप से ट्रैक और रिकॉर्ड करना

157. कक्षा मूल्यांकन का नैदानिक (Diagnostic) उपयोग प्राथमिक रूप से किसके लिए किया जाता है?

(A) अगले शैक्षणिक ग्रेड स्तर पर अंतिम पदोन्नति के लिए छात्र को आधिकारिक रूप से प्रमाणित करना

(B) पड़ोसी संस्थानों के विरुद्ध समग्र स्कूल प्रदर्शन की व्यापक तुलना करना

(C) कक्षा के उच्चतम रैंकिंग वाले छात्र का सटीक निर्धारण और चयन करना

(D) शिक्षण से पहले विशिष्ट अधिगम अंतरालों और भ्रांतियों की पहचान करना

158. निम्नलिखित में से कौन सा नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Assessment) को रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) से सर्वोत्तम रूप से अलग करता है?

(A) नैदानिक मूल्यांकन का उपयोग सख्ती से औपचारिक ग्रेडिंग (Formal Grading) के लिए किया जाता है, जबकि रचनात्मक मूल्यांकन को कभी भी ग्रेड नहीं दिया जाता है

(B) नैदानिक मूल्यांकन हमेशा बोर्डों द्वारा मानकीकृत होता है, जबकि रचनात्मक हमेशा शिक्षक-निर्मित होता है

(C) उनके बीच बिल्कुल कोई परिचालन अंतर नहीं है, क्योंकि दोनों मूल्यांकन शब्द समानार्थी हैं

(D) नैदानिक मूल्यांकन आधारभूत तत्परता (Baseline Readiness) पाता है, जबकि रचनात्मक निरंतर चल रहा है

NODIA

159. "भिन्नों" पर एक नई इकाई की शुरुआत में प्रशासित एक पूर्व-परीक्षण (Pre-Test) से पता चलता है कि आधी कक्षा अंश (Numerator) और हर (Denominator) की पहचान नहीं कर सकती है। इस मूल्यांकन का नैदानिक उपयोग यह निर्देशित करता है कि शिक्षक को:

(A) पूर्ण पाठ्यक्रम कवरेज सुनिश्चित करने के लिए भिन्नों को गुणा करने पर नियोजित उन्नत पाठों के साथ सीधे आगे बढ़ना चाहिए

(B) परीक्षा में संघर्ष करने वाले सभी छात्रों के आधिकारिक ग्रेड रिकॉर्ड पर तुरंत अनुत्तीर्ण अंक निर्दिष्ट करने चाहिए

(C) नैदानिक परिणामों को पूरी तरह से नजरअंदाज करना चाहिए क्योंकि पूर्व-परीक्षण अंक आधिकारिक तौर पर अंतिम ग्रेड में नहीं गिने जाते हैं

(D) आगे बढ़ने से पहले मूलभूत भिन्न अवधारणाओं को फिर से पढ़ाने के लिए योजनाओं को समायोजित करना चाहिए

(D) यह उद्देश्यों को उपलब्धि के अवलोकन योग्य साक्ष्यों में तोड़ता है

143. यदि एक मूल्यांकन कार्य के लिए छात्रों को "दिए गए तर्क की आलोचना करने" की आवश्यकता होती है, तो यह ब्लूम के संशोधित वर्गीकरण के किस स्तर के साथ संरेखित है?
(A) याद रखना (Remembering)
(B) समझना (Understanding)
(C) मूल्यांकन करना (Evaluating)
(D) लागू करना (Applying)

144. दक्षता-आधारित मूल्यांकन (Competency-Based Assessment) पारंपरिक सामग्री-आधारित मूल्यांकन से मुख्य रूप से अलग है क्योंकि यह मापता है:
(A) तथ्यात्मक शैक्षणिक जानकारी की बड़ी मात्रा को जल्दी से याद करने की छात्र की क्षमता
(B) वह शारीरिक गति और स्पष्टता जिसके साथ एक छात्र विस्तृत निबंध उत्तर लिख सकता है
(C) छात्र की निरंतर दैनिक कक्षा उपस्थिति और समग्र व्यवहारात्मक अनुशासन रिकॉर्ड
(D) वास्तविक दुनिया के संदर्भों में ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण का अनुप्रयोग

145. एक स्कूल दक्षता-आधारित मूल्यांकन में स्थानांतरित होने का निर्णय लेता है। प्राचार्य को शिक्षकों को अपने मूल्यांकन प्रश्नों को बदलने के लिए मार्गदर्शन करना चाहिए:
(A) प्रमाणिक वास्तविक जीवन के मामले के अध्ययन (Case Studies) की चर्चाओं से सीधे परिभाषात्मक स्मरण कार्यों की ओर
(B) व्यावहारिक अनुप्रयोग और समस्या-समाधान परिदृश्यों से सरल रटने के स्मृति कार्यों की ओर
(C) तथ्यात्मक स्मरण प्रश्नों से संदर्भ-आधारित अनुप्रयोग समस्याओं (Context-Based Application Problems) की ओर
(D) सतत रचनात्मक अधिगम जांचों से विशुद्ध रूप से योगात्मक उच्च-जोखिम वाली बोर्ड परीक्षाओं की ओर

146. दक्षता-आधारित शिक्षा (Competency-Based Education) में, समय को आमतौर पर माना जाता है:
(A) सख्ती से निश्चित चर (Fixed Variable), जबकि व्यक्तिगत अधिगम अत्यधिक परिवर्तनशील रहता है
(B) व्यापक अधिगम प्रक्रिया के लिए पूरी तरह से अप्रासंगिक और गैर-जरूरी
(C) छात्र के अंतिम ग्रेड की गणना के लिए उपयोग किया जाने वाला प्राथमिक और एकमात्र निर्धारक
(D) परिवर्तनशील कारक (Variable Factor), जिसमें महारत हासिल करना निश्चित लक्ष्य है

147. एक दक्षता-आधारित ढांचे में प्रमाणिक मूल्यांकन कार्यों (Authentic Assessment Tasks) में अक्सर शामिल होते हैं:
(A) व्यापक रूप से डिज़ाइन किए गए मानकीकृत बहुविकल्पीय परीक्षण (Standardized Multiple-Choice Tests)
(B) श्यामपट्ट से सीधे व्याख्यान नोट्स को शब्दशः कॉपी करना
(C) संरचित, दोहरावदार पूरी कक्षा के सामूहिक अनुक्रिया अभ्यासों में संलग्न होना
(D) वास्तविक दुनिया के प्रदर्शन कार्य और अनुकरण (Real-World Performance Tasks and Simulations)

148. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): दक्षता-आधारित मूल्यांकन के लिए वर्णनात्मक रुब्रिक्स के उपयोग की आवश्यकता होती है।
कारण (R): दक्षता कौशल और ज्ञान के जटिल मिश्रण हैं जिन्हें सरल सही/गलत स्कोरिंग द्वारा पर्याप्त रूप से नहीं मापा जा सकता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

149. सफल (Structured Assessment for Analyzing Learning - SAFAL) पहल किसका एक उदाहरण है?
(A) मुख्य-चरण दक्षता मूल्यांकन (Key-Stage Competency Assessment)
(B) एक पारंपरिक, उच्च-जोखिम वाली रटकर सीखने वाली परीक्षा प्रणाली
(C) एक प्रशासनिक शिक्षक प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली (Teacher Performance Evaluation System)
(D) एक केंद्रीकृत संस्थागत वित्तीय लेखा परीक्षा उपकरण

150. कौन सी विशेषता दक्षता-आधारित मूल्यांकन से जुड़ी नहीं है?
(A) मानदंड-संदर्भित मानक (Criterion-Referenced Standards)
(B) व्यक्तिगत शिक्षार्थी-केंद्रित ध्यान
(C) मानक-आधारित रैंकिंग (Norm-Based Ranking)
(D) प्रकृति में अंतर्निहित रूप से रचनात्मक

151. भाषा की कक्षा में "प्रभावी संचार" की दक्षता का मूल्यांकन करने के लिए, कौन सी विधि सबसे उपयुक्त है?
(A) एक औपचारिक, कागज-और-पेंसिल बहुविकल्पीय व्याकरण नियम परीक्षण (Paper-and-Pencil Test)
(B) पृथक शब्दावली शब्दों को परिभाषाओं के साथ जोड़ने वाला एक मिलान अभ्यास
(C) एक भूमिका-निभाने (Role-Play) का कार्य जिसके लिए छात्रों को समाधान पर बातचीत करने की आवश्यकता होती है
(D) व्यक्तिगत रूप से की जाने वाली एक संरचित रिक्त स्थान भरें व्याकरण कार्यपत्रक

Downloaded from www.pdf.tube

135. एक विज्ञान शिक्षक का घोषित उद्देश्य छात्रों के लिए "पौधों के विकास पर प्रकाश के प्रभाव का परीक्षण करने के लिए एक प्रयोग डिजाइन करना" है। हालांकि, इकाई मूल्यांकन केवल छात्रों से आरेख पर पौधे के भागों को लेबल करने के लिए कहता है। प्राचार्य पाठ अवलोकन में इसे नोट करते हैं। यहाँ प्राथमिक मुद्दा यह है कि:
(A) दिया गया परीक्षा पत्र इस स्तर के छात्रों के लिए संरचनात्मक रूप से (Structurally) बहुत कठिन है
(B) कक्षा के माहौल में पाठ्यक्रम का उद्देश्य पूरी तरह से अप्राप्य है
(C) परीक्षा पत्र पर प्रदान किया गया वैज्ञानिक आरेख बहुत ही खराब तरीके से बनाया गया है
(D) मूल्यांकन में घोषित उद्देश्य के सापेक्ष निर्माण वैधता (Construct Validity) का अभाव है

136. निर्देशात्मक योजना में "बैकवर्ड डिज़ाइन" (Backward Design) की अवधारणा बताती है कि शिक्षकों को:
(A) पहले दैनिक कक्षा गतिविधियों की योजना बनानी चाहिए, और बाद में उपयुक्त औपचारिक मूल्यांकनों पर निर्णय लेना चाहिए
(B) पहले सभी पाठ्यक्रम सामग्री को पढ़ाना चाहिए, फिर जो कवर किया गया था उसके आधार पर पूर्वव्यापी रूप से उद्देश्यों का निर्माण करना चाहिए
(C) वर्तमान शिक्षण को सीधे निर्देशित करने के लिए पिछले वर्षों के परीक्षा प्रश्न पत्रों का उपयोग करना चाहिए
(D) परिणामों की पहचान करनी चाहिए, मूल्यांकन साक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, फिर शिक्षण की योजना बनानी चाहिए

137. यह सुनिश्चित करने के लिए किस वर्गीकरण का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है कि अधिगम के उद्देश्य और मूल्यांकन उपयुक्त संज्ञानात्मक स्तर पर संरेखित हों?
(A) मैसलो का आवश्यकताओं का पदानुक्रम (Maslow's Hierarchy of Needs)
(B) वाइगोत्स्की का समीपस्थ विकास का क्षेत्र (Vygotsky's Zone of Proximal Development)
(C) एरिक्सन के विकास के चरण (Erikson's Stages of Development)
(D) ब्लूम का संशोधित वर्गीकरण (Bloom's Revised Taxonomy)

138. यदि कोई उद्देश्य ब्लूम के वर्गीकरण के "सृजन" (Creating) स्तर पर काम करता है, तो संरेखित मूल्यांकन के लिए छात्र को निम्नलिखित की आवश्यकता होनी चाहिए:
(A) तथ्यों को याद करना
(B) दो मौजूदा मॉडलों की तुलना करना
(C) एक नया, मूल उत्पाद या विचार प्रस्तुत करना
(D) एक मानक समस्या के लिए एक ज्ञात सूत्र लागू करना

139. एक "विनिर्देश तालिका" (Table of Specifications) या "मूल्यांकन खाका" (Assessment Blueprint) का उपयोग मुख्य रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है:
(A) सामग्री वैधता और संतुलित उद्देश्य प्रतिनिधित्व (Content Validity and Balanced Objective Representation)
(B) यह सुनिश्चित करना कि अंतिम भौतिक परीक्षण पत्र प्रारूप दृष्टिगत रूप से स्पष्ट और आकर्षक हो
(C) यह गारंटी देना कि लगभग सभी नामांकित छात्र पासिंग अंक से काफी ऊपर अंक प्राप्त करें
(D) यह सत्यापित करना कि समग्र प्रशासनिक दस्तावेज़ीकरण रिकॉर्ड (Records) पूरी तरह से अद्यतन रहें

NODIA

140. अधिगम के उद्देश्यों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. उन्हें शिक्षक के दृष्टिकोण से लिखा जाना चाहिए (जैसे, "मैं सिखाऊंगा...").
II. वे विशिष्ट, मापने योग्य, प्राप्य, प्रासंगिक और समयबद्ध (SMART) होने चाहिए।
III. वे मानदंड प्रदान करते हैं जिसके विरुद्ध छात्र की प्रगति का मूल्यांकन किया जाता है।
IV. वे केवल योगात्मक, रचनात्मक मूल्यांकनों के लिए आवश्यक नहीं हैं।
कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल II और III
(C) केवल II, III और IV
(D) केवल I और IV

141. जब कोई अधिगम उद्देश्य भावात्मक क्षेत्र (Affective Domain) को लक्षित करता है (जैसे, "छात्र विविध विचारों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करेंगे"), तो सबसे उपयुक्त मूल्यांकन विधि है:
(A) एक औपचारिक रूप से समयबद्ध, मानकीकृत लिखित निबंध परीक्षा पत्र
(B) एक संरचित, मात्रात्मक गणित कागज-और-पेंसिल क्विज़
(C) एक मानकीकृत मौखिक और लिखित शब्दावली वर्तनी परीक्षण
(D) व्यवहारात्मक जांच-सूचियों (Checklists) या प्रश्नावली के माध्यम से अवलोकन

142. उद्देश्यों और मूल्यांकन के संरेखण में "सफलता के मानदंड" (Success Criteria) क्या भूमिका निभाते हैं?
(A) यह आधिकारिक तौर पर पूरे स्कूल में आवश्यक संस्थागत उत्तीर्ण प्रतिशत को निर्देशित करता है
(B) यह अकादमिक बेईमानी को कवर करने वाली संस्थागत अनुशासनात्मक नीतियों की रूपरेखा तैयार करता है
(C) यह सीधे जिले में समग्र तुलनात्मक स्कूल प्रदर्शन रैंकिंग निर्धारित करता है

160. नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Assessment) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह छात्र की बार-बार होने वाली त्रुटियों के मूल कारण की पहचान करने में मदद करता है।
II. यह अक्सर अत्यधिक विशिष्ट और विशेष संज्ञानात्मक उप-कौशलों पर केंद्रित होता है।
III. इसके प्राथमिक दर्शक बाहरी शिक्षा बोर्ड हैं।
IV. यह व्यक्तिगत शिक्षा योजनाओं (Individualized Education Plans - IEPs) के निर्माण का मार्गदर्शन कर सकता है।
कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, II और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) केवल I, III और IV

161. गणित में त्रुटि विश्लेषण (Error Analysis) एक नैदानिक तकनीक है जहाँ शिक्षक:
(A) एक नकारात्मक कटौती स्कोर निर्दिष्ट करने के लिए अंकगणितीय त्रुटियों की कुल संख्या गिनता है
(B) की गई प्रत्येक गलती के लिए व्यक्तिगत छात्र को सख्ती से दंडित करता है
(C) अप्रशिक्षित कक्षा के साथियों से परीक्षा पत्र को जल्दी से ग्रेड और चिह्नित करने के लिए कहता है
(D) अंतर्निहित छात्र भ्रांतियों को प्रकट करने के लिए गलती के पैटर्न का विश्लेषण करता है

162. नैदानिक मूल्यांकन किस शैक्षिक अवधारणा से निकटता से जुड़ा हुआ है?
(A) उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)
(B) रटकर सीखना (Rote Learning)
(C) मानक-संदर्भित ग्रेडिंग (Norm-Referenced Grading)
(D) उच्च-जोखिम वाला परीक्षण (High-Stakes Testing)

163. एक नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) की विशेषता निम्नलिखित में उसकी क्षमता है:
(A) अंकों का पूरी तरह से सममित सामान्य संभाव्यता वक्र (Symmetrical Normal Probability Curve) प्राप्त करना
(B) आबादी के पार समग्र सामान्य बुद्धिमत्ता को सटीक रूप से मापना
(C) भविष्य की कैरियर कमाई और वित्तीय सफलता की क्षमता की सटीक भविष्यवाणी करना
(D) अधिगम की रुकावटों को पिनपॉइंट करने के लिए कौशलों को घटकों में विभाजित करना

164. विज्ञान शिक्षा में अक्सर नैदानिक मूल्यांकन के एक रूप के रूप में अवधारणा सूची पत्र (Concept Inventories) का उपयोग किया जाता है। उनका मुख्य उद्देश्य है:
(A) मानक प्रयोगशाला सुरक्षा नियमों के साथ छात्र अनुपालन का व्यवस्थित रूप से मूल्यांकन करना
(B) समयबद्ध परीक्षा स्थितियों के तहत नियमित रूप से गणितीय गणना गति का परीक्षण करना
(C) विज्ञान प्रयोगशाला में उपलब्ध सभी रासायनिक आपूर्ति की भौतिक रूप से सूची बनाना और कैटलॉग करना
(D) मौलिक वैज्ञानिक अवधारणाओं के बारे में छात्र भ्रांतियों की पहचान करना

165. एक पठन सत्र के दौरान, एक शिक्षक छात्र द्वारा की जाने वाली पठन त्रुटियों के विशिष्ट प्रकारों (जैसे, ध्वन्यात्मक बनाम अर्थ संबंधी) को नोट करने के लिए "मिसक्यु विश्लेषण" (Miscue Analysis) का उपयोग करता है। शिक्षक द्वारा की गई यह कार्रवाई गहराई से निहित है:
(A) योगात्मक मूल्यांकन में
(B) अधिगम का मूल्यांकन में
(C) सहकर्मी मूल्यांकन में
(D) नैदानिक मूल्यांकन में

166. जबकि रचनात्मक मूल्यांकन पूछता है "हम कैसा कर रहे हैं?", नैदानिक मूल्यांकन मौलिक रूप से पूछता है:
(A) कक्षा में सबसे अच्छे छात्र के रूप में आधिकारिक तौर पर किसे स्थान दिया गया है?
(B) रिपोर्ट कार्ड पर दर्ज अंतिम संचयी ग्रेड क्या है?
(C) क्या निर्धारित पाठ्यक्रम पूरी तरह समाप्त हो गया है?
(D) हम कहाँ से शुरुआत कर रहे हैं, और क्या बाधाएं मौजूद हैं?

167. कक्षा मूल्यांकन का नैदानिक रूप से उपयोग करने के लिए, एक शिक्षक को निम्नलिखित में कुशल होना चाहिए:
(A) कक्षा के सभी अंकों में जटिल सांख्यिकीय मानक विचलन गणनाएँ करना
(B) मानकीकृत परीक्षाओं के लिए उच्च-सुरक्षा, गोपनीय प्रश्न पत्र डिज़ाइन करना
(C) नैदानिक स्कूल वातावरण में मानकीकृत मनोवैज्ञानिक आईक्यू परीक्षणों को औपचारिक रूप से प्रशासित करना
(D) संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं को उजागर करने के लिए गुणात्मक छात्र प्रतिक्रियाओं की व्याख्या करना

168. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): नैदानिक मूल्यांकनों को आम तौर पर ग्रेड नहीं दिया जाना चाहिए।
कारण (R): नैदानिक परीक्षणों को ग्रेड देने से चिंता पैदा हो सकती है और छात्र अपनी वास्तविक गलतफहमियों को उजागर करने से हतोत्साहित हो सकते हैं, जो मूल्यांकन के उद्देश्य को विफल करता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

Click Here to Buy book on Flipkart

169. एक शिक्षक द्वारा नैदानिक मूल्यांकन आयोजित करने और छात्रों के एक छोटे समूह के बीच एक सामान्य गलतफहमी की पहचान करने के बाद सबसे उपयुक्त अगला कदम क्या है?
(A) गलतफहमी को कवर करते हुए पूरी कक्षा को एक अनिवार्य सामान्य व्याख्यान (Lecture) दें
(B) अधिगम के अंतर को ठीक करने के लिए अभिभावकों को एक निजी बाहरी ट्यूटर नियुक्त करने की दृढ़ सलाह दें
(C) अंतिम सत्र परीक्षाएं होने तक प्रतीक्षा करें कि क्या छात्र इसे अकेले हल करते हैं
(D) गलतफहमी को दूर करने के लिए लक्षित छोटे-समूह निर्देश (Targeted Small-Group Instruction) प्रदान करें

170. कौन सा उपकरण रचनात्मक और नैदानिक मूल्यांकन दोनों के रूप में दोहरा उद्देश्य पूरा कर सकता है?
(A) वर्ष-अंत मानकीकृत बोर्ड उपलब्धि परीक्षा पत्र
(B) एक सतत छात्र कक्षा उपस्थिति निगरानी चार्ट (Monitoring Chart)
(C) एक आधिकारिक शारीरिक फिटनेस मूल्यांकन और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र
(D) सामान्य भ्रांतियों के आधार पर विकल्पों के साथ एक हिंज प्रश्न (Hinge Question)

171. विभेदित शिक्षण (Differentiated Instruction) में मूल्यांकन की भूमिका मुख्य रूप से है:
(A) प्रारंभिक क्षमता अंकों के आधार पर छात्रों के कठोर, स्थायी ट्रैकिंग समूह बनाना
(B) यह सुनिश्चित करना कि सभी छात्र इकाई के अंत में एक ही मानकीकृत परीक्षा पत्र लें
(C) संस्थागत औचित्य प्रदान करना जो यह समझाए कि कुछ छात्र सामग्री क्यों नहीं सीख सकते
(D) छात्र तत्परता के लिए सामग्री, प्रक्रिया और उत्पाद को समायोजित करने के लिए डेटा प्रदान करना

172. विभेदित शिक्षण और मूल्यांकन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. शिक्षण योजना बनाने से पहले छात्र तत्परता निर्धारित करने के लिए पूर्व-मूल्यांकन (Pre-Assessment) आवश्यक है।
II. विभेदित शिक्षण के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक छात्र को एक अलग अंतिम परीक्षा मिले।
III. रचनात्मक मूल्यांकन शिक्षक को गतिशील रूप से छात्रों को समूहित करने और पुनर्गठित करने में मदद करता है।
कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

173. एक शिक्षक पूर्व-मूल्यांकन (Pre-Assessment) का उपयोग करता है और पाता है कि पांच छात्रों ने आगामी इकाई के उद्देश्यों में महारत हासिल कर ली है। एक विभेदित कक्षा में, शिक्षक को:
(A) उन्हें अपनी सीटों पर चुपचाप बैठने की आवश्यकता है जबकि बाकी कक्षा सामग्री सीखती है
(B) संघर्ष कर रहे सहपाठियों के लिए स्थायी सहकर्मी शिक्षण सहायकों के रूप में कार्य करने के लिए उन्हें नियुक्त करना चाहिए
(C) इसके बजाय कक्षा के कंप्यूटरों पर स्वतंत्र रूप से मनोरंजक वीडियो गेम खेलने की अनुमति देनी चाहिए
(D) विषय पर विस्तार गतिविधियां या स्वतंत्र अध्ययन प्रदान करना चाहिए

174. "उत्पाद" (Product) को विभेदित करते समय, एक शिक्षक छात्रों को निम्नलिखित में से चुनने की अनुमति देने के लिए मूल्यांकन डेटा का उपयोग कर सकता है:
(A) एक निबंध लिखना, एक प्रस्तुति देना, या एक मॉडल बनाना
(B) एक औपचारिक बहुविकल्पीय परीक्षा देना या मानकीकृत सत्य-असत्य पेपर देना
(C) दैनिक लिखित गृहकार्य पूरा करना या दिए गए गृहकार्यों को पूरी तरह से छोड़ना
(D) निर्धारित शिक्षण कक्षाओं में भाग लेना या दैनिक उपस्थिति को पूरी तरह से छोड़ना

NODIA

175. एक प्राचार्य एक कक्षा का अवलोकन करता है जहाँ छात्र विभिन्न स्टेशनों पर काम कर रहे हैं। शिक्षक एक स्टेशन पर एक छोटे समूह का नेतृत्व कर रहा है। पिछले दिन के निकास टिकटों (Exit Tickets) के आधार पर इस छोटे समूह की संरचना रोजाना बदलती है। यह परिदृश्य किसका उदाहरण है?
(A) अराजक और असंगठित समग्र कक्षा प्रबंधन अभ्यास
(B) सख्त, स्थायी शैक्षणिक क्षमता ट्रैकिंग (Ability Tracking) और छात्र छंटाई
(C) बोर्डों द्वारा अनिवार्य मानकीकृत योगात्मक मूल्यांकन अभ्यास
(D) विभेदित शिक्षण के भीतर डेटा-संचालित लचीला समूहन (Flexible Grouping)

176. स्तरीय असाइनमेंट (Tiered Assignments) विभेदित शिक्षण में एक रणनीति है जहाँ:
(A) छात्र कक्षा स्थान के भीतर भौतिक रूप से विभिन्न ऊंचे स्तरों पर बैठे होते हैं
(B) ग्रेडिंग प्रक्रियाएं एक सख्त स्तरीय प्रणाली का पालन करती हैं जहाँ शीर्ष छात्रों को हमेशा ग्रेड A मिलता है
(C) छात्र असाइनमेंट का मूल्यांकन और ग्रेडिंग परीक्षकों के बाहरी स्तरों द्वारा व्यवस्थित रूप से किया जाता है
(D) समान मुख्य अधिगम लक्ष्य को लक्षित करते हुए कार्य जटिलता में भिन्न होते हैं

177. शिक्षण को विभेदित करने के संदर्भ में, एक "लर्निंग प्रोफाइल" (Learning Profile) मूल्यांकन छात्र के निम्नलिखित पर डेटा एकत्र करता है:
(A) वर्तमान शैक्षणिक आधारभूत तत्परता (Baseline Readiness) और पूर्व विषय ज्ञान
(B) संस्थागत छात्र अनुशासनात्मक इतिहास और वार्षिक उपस्थिति
(C) सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और समग्र पारिवारिक वित्तीय स्थिति
(D) सीखने की शैलियाँ, पर्यावरण प्राथमिकताएं और बुद्धिमत्ता (Learning Styles, Environment Preferences, and Intelligences)

178. विभेदित कक्षा में सतत मूल्यांकन महत्त्वपूर्ण है क्योंकि:
(A) एक इकाई के दौरान छात्र की तत्परता और समझ लगातार विकसित होती है
(B) स्कूल प्राचार्य साप्ताहिक औपचारिक ग्रेड प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश देते हैं
(C) यह सख्ती से सुनिश्चित करता है कि कक्षा के घंटों के दौरान सभी छात्रों को व्यस्त रखा जाए
(D) यह कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों को अनुत्तीर्ण करने के लिए आवश्यक आधिकारिक वृत्तचित्र साक्ष्य प्रदान करता है

179. एक शिक्षक अंतिम परियोजना के लिए मूल्यांकन विकल्पों का एक मेनू (जैसे, कार्यों का एक टिक-टैक-टो बोर्ड) प्रदान करता है। यह अभ्यास किसके द्वारा विभेदित करने का एक उदाहरण है:
(A) शैक्षणिक तत्परता के लिए तैयार की गई पाठ्यचर्या सामग्री (Curriculum Content)
(B) भौतिक वातावरण के लिए अनुकूलित निर्देशात्मक प्रक्रिया
(C) सीखने के माहौल का भौतिक सेटअप
(D) छात्र रुचि के आधार पर उत्पाद विकल्प (Product Choice Based on Student Interest)

180. मूल्यांकन और विभेदन की अंतःक्रिया के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. विभेदित कक्षा में मूल्यांकन और शिक्षण अविभाज्य हैं।
II. मूल्यांकन का उपयोग केवल विभेदन की सफलता का मूल्यांकन करने के लिए अधिगम के अंत में किया जाता है।
III. विभेदित कार्यों में रुब्रिक्स को मुख्य दक्षताओं का मूल्यांकन करना चाहिए, चाहे चुना गया उत्पाद प्रारुप कुछ भी हो।
IV. विभेदन का अर्थ संघर्षरत शिक्षार्थियों के लिए मानकों को कम करना है।
कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल I, II और IV
(C) केवल II और III
(D) केवल I, III और IV

181. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (Children with Special Needs - CWSN) सहित एक विविध कक्षा के लिए मूल्यांकन तैयार करते समय, "आवास" (Accommodations) का तात्पर्य है:
(A) आवश्यक अधिगम अपेक्षाओं को मौलिक रूप से बदलना या मुख्य पाठ्यक्रम मानकों को सरल बनाना
(B) विशेष आवश्यकता वाले छात्रों को सभी अनिवार्य कक्षा मूल्यांकन कार्यों को लेने से पूरी तरह मुक्त करना
(C) परीक्षा सत्रों के दौरान संघर्षरत छात्रों को सीधे सही परीक्षा उत्तर प्रदान करना
(D) मानकों को कम किए बिना छात्र अधिगम तक कैसे पहुंचते हैं या प्रदर्शित करते हैं उसमें समायोजन

NODIA

182. डिस्लेक्सिया वाले छात्र को मूल्यांकन के दौरान अतिरिक्त समय और टेक्स्ट-टू-स्पीच सॉफ़्टवेयर की अनुमति देना किसका एक उदाहरण है?
(A) एक पाठ्यक्रम संशोधन (Curriculum Modification)
(B) एक अनुचित लाभ (Unfair Advantage)
(C) शैक्षणिक मानक को कम करना
(D) एक मूल्यांकन आवास (Assessment Accommodation)

183. अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) मौलिक रूप से अधिगम की जिम्मेदारी किस पर डालता है?
(A) शिक्षक
(B) प्राचार्य
(C) अभिभावक
(D) छात्र

184. अधिगम का छात्र स्वामित्व सबसे अधिक तब दिखाई देता है जब छात्र:
(A) लगातार समय पर कक्षा में आते हैं और सही दैनिक उपस्थिति बनाए रखते हैं
(B) पूरे पाठ्यपुस्तक अध्यायों को स्मृति से शब्दशः धाराप्रवाह सुना सकते हैं
(C) शीर्ष शैक्षणिक विशिष्टताओं के साथ अंतिम बोर्ड परीक्षाओं को सफलतापूर्वक पास करते हैं
(D) अधिगम के लक्ष्यों को व्यक्त करते हैं, प्रगति का मूल्यांकन करते हैं, और अगले चरणों की योजना बनाते हैं

185. एक स्कूल ने छात्र-नेतृत्व वाले सम्मेलनों (Student-Led Conferences) की शुरुआत की है जहाँ छात्र अपने पोर्टफोलियो अपने माता-पिता के सामने प्रस्तुत करते हैं और अपनी प्रगति और लक्ष्यों को समझाते हैं। प्राचार्य इस पहल का समर्थन करते हैं क्योंकि यह सीधे बढ़ावा देती है:
(A) अधिगम के मूल्यांकन (Assessment of Learning) के योगात्मक परिणामों को
(B) मानकीकृत उच्च-जोखिम वाली परीक्षा तत्परता को

(C) अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) और एजेंसी को
(D) दैनिक स्कूल कार्य की प्रत्यक्ष अभिभावक ग्रेडिंग को

186. कौन सी संज्ञानात्मक प्रक्रिया अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) के लिए केंद्रीय है?
(A) संस्मरण / रटना (Memorization)
(B) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)
(C) अभ्यस्तता (Habituation)
(D) परासंज्ञान (Metacognition)

187. अधिगम का छात्र स्वामित्व बनाने के लिए, शिक्षकों को एकमात्र मूल्यांकनकर्ता होने से अपनी भूमिका को किसमें स्थानांतरित करना चाहिए:
(A) सख्त सत्तावादी प्रतिनिधि
(B) पूरी तरह से निष्क्रिय कक्षा पर्यवेक्षक
(C) औपचारिक बाहरी परीक्षा निरीक्षक (External Invigilators)
(D) आत्म-चिंतन के सुगमकर्ता (Facilitators of Self-Reflection)

188. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A): अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) के लिए आत्म-मूल्यांकन और चिंतन कौशलों के स्पष्ट शिक्षण की आवश्यकता होती है।
कारण (R): छात्रों के पास स्वाभाविक रूप से अपनी संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं का सटीक मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक वस्तुनिष्ठ मानदंड और शब्दावली नहीं होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

189. अधिगम के रूप में मूल्यांकन को बढ़ावा देने के लिए एक प्रमुख रणनीति "लर्निंग लॉग्स" (Learning Logs) का उपयोग है। लर्निंग लॉग का प्राथमिक कार्य क्या है?
(A) दैनिक निर्धारित गृहकार्य कार्यों और पूर्ण होने की समय सीमा को आधिकारिक रूप से दर्ज करना
(B) गंभीर कक्षा व्यवहारात्मक व्यवधानों और छात्र उल्लंघनों का दस्तावेजीकरण करना
(C) दैनिक कक्षा शिक्षक की उपस्थिति और पाठ के समय को व्यवस्थित रूप से ट्रैक करना
(D) छात्रों को अधिगम और भ्रम पर विचार करने के लिए एक स्थान प्रदान करना

190. जब छात्र अपने शिक्षक के साथ मूल्यांकन रुब्रिक्स का सह-निर्माण करते हैं, तो प्राथमिक लाभ यह होता है कि यह:
(A) शिक्षक के दैनिक ग्रेडिंग और प्रशासनिक कार्यभार को काफी कम करता है
(B) यह गारंटी देता है कि लगभग हर छात्र को कार्य पर एक सही स्कोर प्राप्त हो
(C) स्थानीय अभिभावक-शिक्षक संघ द्वारा की गई प्रशासनिक मांगों को पूरी तरह से संतुष्ट करता है
(D) सफलता के मानदंडों की समझ को गहरा करता है और स्वामित्व को बढ़ावा देता है

191. अधिगम के रूप में मूल्यांकन छात्रों को किन तीन महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का उत्तर देने के लिए सशक्त बनाता है?
(A) कक्षा शिक्षक कौन है? मुख्य विषय क्या है? परीक्षा कब है?
(B) मेरा अंतिम ग्रेड क्या है? क्या मैंने परीक्षा पास की? मेरी समग्र रैंक क्या है?
(C) कौन सा अध्याय कवर किया गया है? कौन सा पृष्ठ क्रमांक? कौन सा विशिष्ट पैराग्राफ?
(D) मैं कहाँ जा रहा हूँ? मैं अभी कहाँ हूँ? अंतर को कैसे पाटा जाए?

192. छात्र स्वामित्व को बढ़ावा देने के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. मूल्यांकन कार्यों में विकल्प प्रदान करने से छात्र सहभागिता और स्वामित्व बढ़ता है।
II. अधिगम के रूप में मूल्यांकन को बढ़ावा देने के लिए छात्र-जनित लक्ष्यों की तुलना में शिक्षक-आरोपित लक्ष्य अधिक प्रभावी हैं।
III. छात्रों को ईमानदारी से आत्म-मूल्यांकन में शामिल होने के लिए विकास मानसिकता (Growth Mindset) को बढ़ावा देना महत्त्वपूर्ण है।
कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

193. अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) को बढ़ावा देने वाली कक्षा में, त्रुटियों और गलतियों को देखा जाता है:
(A) दंडित की जाने वाली गंभीर व्यवहारात्मक विफलताओं (Behavioral Failures) के रूप में
(B) कम बुद्धिमत्ता दर्शाने वाले निश्चित साक्ष्य के रूप में
(C) छात्र को शैक्षणिक रूप से अवनत करने के लिए वैध आधार के रूप में
(D) मूल्यवान अधिगम के अवसरों (Valuable Learning Opportunities) के रूप में

194. अधिगम के रूप में मूल्यांकन में लक्ष्य निर्धारण सबसे प्रभावी होता है जब लक्ष्य होते हैं:
(A) विशुद्ध रूप से अमूर्त और दूर के दीर्घकालिक उद्देश्य (Long-Term Objectives)
(B) छात्र के अभिभावकों द्वारा विशेष रूप से स्थापित और निर्धारित

Downloaded from www.pdf.tube

(C) कक्षा में उच्चतम उपलब्धि हासिल करने वाले की सीधे तुलनात्मक
(D) विशिष्ट, अल्पकालिक और छात्र-निगरानी वाले (Specific, Short-Term, and Student-Monitored)

195. एक छात्र देखता है कि वे वैचारिक गलतफहमियों के बजाय गणना त्रुटियों के कारण गणित परीक्षणों में लगातार अंक खो देते हैं। इस आत्म-मूल्यांकन के आधार पर, छात्र सबमिट करने से पहले अपने काम की उल्टे क्रम में जांच करने की रणनीति को लागू करने का निर्णय लेता है। इस मामले की समीक्षा करने वाले प्राचार्य के रूप में, आप इसे किसके एक सफल अभिव्यक्ति के रूप में पहचानते हैं:
(A) कक्षा में प्रदान की गई प्रत्यक्ष रचनात्मक शिक्षक प्रतिपुष्टि (Formative Feedback)
(B) पारंपरिक योगात्मक अधिगम के मूल्यांकन अंक
(C) संरचित सहयोगात्मक सहकर्मी मेंटरिंग तकनीकें
(D) अधिगम के रूप में मूल्यांकन आत्म-नियमन (Assessment as Learning Self-Regulation)

196. मूल्यांकन पर लागू जिम्मेदारी का क्रमिक विमोचन मॉडल (Gradual Release of Responsibility Model) का अर्थ है कि अंततः:
(A) कक्षा का शिक्षक छात्र असाइनमेंट की ग्रेडिंग और मार्किंग करना पूरी तरह बंद कर देता है
(B) केंद्रीय स्कूल प्रशासन पूरी तरह से कक्षा मूल्यांकन कर्तव्यों को संभाल लेता है
(C) स्वचालित, मानकीकृत कंप्यूटर सभी सबमिट किए गए छात्र कार्यों को ग्रेड देते हैं
(D) छात्र स्वतंत्र रूप से अपने अधिगम की निगरानी और समायोजन करते हैं

197. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षक कथन अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) का सबसे अच्छा समर्थन करता है?
(A) यह आपका आधिकारिक परीक्षण ग्रेड है, ठीक 75%। अगली बार बहुत कठिन प्रयास करना सुनिश्चित करें।
(B) आपके सबमिट किए गए निबंध में स्पष्ट संरचना का अभाव है, इसलिए मैंने आपके लिए पहला पैराग्राफ पूरी तरह से फिर से लिखा है।
(C) आप लगातार बाकी सभी की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते हैं और स्पष्ट रूप से कक्षा में सबसे समझदार छात्र हैं।
(D) अपने ड्राफ्ट की तुलना रुब्रिक से करें। किस क्षेत्र में संशोधन की आवश्यकता है?

198. अधिगम के रूप में मूल्यांकन को लागू करने का सामान्य परिणाम यह होता है कि छात्र विकसित करते हैं:
(A) उच्च परीक्षण चिंता (Higher Test Anxiety)
(B) शिक्षक अनुमोदन पर निर्भरता
(C) साथियों के प्रति एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण
(D) आंतरिक प्रेरणा और आजीवन सीखने के कौशल (Intrinsic Motivation and Lifelong Learning Skills)

199. एक शिक्षक यह मॉडल करने के लिए "थिंक-अलाउड" (Think-Alouds) का उपयोग करती है कि वह एक जटिल समस्या को कैसे हल करती है, अपने भ्रम को व्यक्त करती है और वह उन पर कैसे काबू पाती है। अधिगम के रूप में मूल्यांकन के संदर्भ में इसका शिक्षण-शास्त्रीय उद्देश्य है:
(A) कक्षा में शिक्षक के विषय ज्ञान (Subject Knowledge) का प्रदर्शन करना और दिखावा करना
(B) नियोजित पाठ गतिविधियाँ कम पड़ने पर शेष निर्देशात्मक समय को भरना
(C) शिक्षक की प्रस्तुतियों के दौरान छात्रों को बात करने से सख्ती से रोकना
(D) छात्र आत्म-निगरानी के लिए परासंज्ञानात्मक रणनीतियों (Metacognitive Strategies) को मॉडल करना

200. अंततः, स्कूल के शिक्षण-शास्त्रीय ढांचे में अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) और अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) का सफल एकीकरण एक ऐसी स्कूल संस्कृति पर निर्भर करता है जो निम्नलिखित को मूल्य देती है:
(A) सख्त मानक छात्र रैंकिंग (Student Ranking) प्रक्रियाओं और तीव्र शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा को बनाए रखना
(B) कुल व्यावहारिक अनुपालन, अनुशासनात्मक सन्नाटा, और यांत्रिक रटकर याद करना लागू करना
(C) बाहरी बाह्य पुरस्कार प्रणालियों और फर्म अनुशासनात्मक सजाओं पर अत्यधिक निर्भर रहना
(D) सतत विकास, मनोवैज्ञानिक सुरक्षा और सहयोग (Continuous Growth, Psychological Safety, and Collaboration)

NODIA

www.nodia.in

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) शिक्षण-शास्त्रीय रणनीतियों (Instructional Strategies) को सूचित करने और समायोजित करने के लिए निरंतर साक्ष्य एकत्र करना
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) का प्राथमिक उद्देश्य शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया (Teaching-Learning Process) के दौरान निरंतर साक्ष्य एकत्र करना है। यह शिक्षकों को छात्रों की प्रगति और अंतरालों को समझने में मदद करता है। इसके माध्यम से शिक्षण-शास्त्रीय रणनीतियों (Instructional Strategies) में संशोधन करके छात्रों की आवश्यकतानुसार निर्देशात्मक समायोजन (Instructional Adjustments) किए जाते हैं।

2. (D) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया (Teaching-Learning Process) में निरंतर एकीकृत है
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) पारंपरिक परीक्षण से अलग है क्योंकि यह शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया (Teaching-Learning Process) में निरंतर एकीकृत रहता है। यह अंत-अवधि परीक्षा न होकर कक्षा की दैनिक गतिविधियों का अभिन्न अंग है। यह शिक्षकों और शिक्षार्थियों को निरंतर सुधारात्मक प्रतिपुष्टि (Corrective Feedback) प्रदान करके शिक्षण-शास्त्रीय अभ्यास (Pedagogical Practice) को अधिक प्रभावी बनाता है।

3. (D) यह मुख्य रुप से योगात्मक है और इसका उपयोग प्रमाणन के लिए किया जाता है
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) प्रकृति में रचनात्मक (Formative) होता है, न कि योगात्मक (Summative)। इसका मुख्य ध्यान अधिगम अंतरालों (Learning Gaps) की पहचान करने और सुधारात्मक प्रतिपुष्टि (Corrective Feedback) प्रदान करने पर रहता है। प्रमाणन, ग्रेडिंग या अंतिम उपलब्धि का मूल्यांकन करना योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) का उद्देश्य है। रचनात्मक मूल्यांकन केवल सीखने की प्रक्रिया में सुधार और मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु उपयोग किया जाता है।

4. (C) अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning)
पाठ के अंत में निकास पर्ची (Exit Slip) का उपयोग करके छात्रों की तात्कालिक समझ का आकलन करना और अगले दिन के शिक्षण को संशोधित करना अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) का स्पष्ट उदाहरण है। यह प्रक्रिया शिक्षकों को निर्देशात्मक रणनीतियों (Instructional Strategies) में बदलाव करने हेतु डेटा प्रदान करती है, ताकि छात्रों के अधिगम अंतरालों (Learning Gaps) को दूर किया जा सके।

5. (A) केवल I और II
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) छात्रों के प्रत्येक कार्य पर ग्रेड देने के बजाय प्रक्रिया पर बल देता है। यह शिक्षकों को छात्र अनुक्रियाओं के आधार पर शिक्षण पद्धतियों को अनुकूलित करने के लिए प्रेरित करता है। यह वर्ष के अंत में आयोजित होने वाले योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) से भिन्न है, क्योंकि यह संपूर्ण शैक्षणिक सत्र में निरंतर चलता है।

6. (D) छात्र सुधार के लिए विशिष्ट क्षेत्रों पर लक्षित लिखित प्रतिपुष्टि (Targeted Written Feedback) प्रदान करना
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए शिक्षक को सुधारात्मक और लक्षित लिखित प्रतिपुष्टि (Targeted Written Feedback) प्रदान करनी चाहिए। केवल अंक या ग्रेड देने से छात्रों को अपनी कमियों का बोध नहीं होता। विशिष्ट क्षेत्रों पर केंद्रित प्रतिपुष्टि छात्रों को अपने अधिगम का आत्म-नियंत्रण (Self-Regulation) करने और प्रदर्शन सुधारने में सहायता करती है।

7. (D) रचनावाद (Constructivism)
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) मौलिक रूप से रचनावाद (Constructivism) के शैक्षिक दर्शन पर आधारित है। रचनावाद के अनुसार, शिक्षार्थी अपने पूर्व ज्ञान और सक्रिय सहभागिता के माध्यम से ज्ञान का निर्माण करते हैं। यह मूल्यांकन प्रक्रिया शिक्षार्थियों को अपने विचारों पर विचार करने, अंतरालों को पहचानने और सक्रिय रुप से नई समझ विकसित करने के अवसर प्रदान करती है।

8. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) कक्षा का ध्यान केवल शिक्षण सामग्री पूरी करने से हटाकर वास्तविक अधिगम पर केंद्रित करता है। निरंतर प्रतिपुष्टि चक्र (Continuous Feedback Loops) शिक्षकों को अपने शिक्षण को समायोजित करने और छात्रों को अपनी अधिगम प्रगति (Learning Progress) की निगरानी करने में सक्षम बनाते हैं। अतः अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण सही व्याख्या करता है।

9. (D) छात्रों का क्षमता समूहों में कठोर वर्गीकरण
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) का उद्देश्य छात्र स्वायत्तता (Learner Autonomy) बढ़ाना और शिक्षण-अधिगम को अनुकूलित करना है। छात्रों का क्षमता के आधार पर कठोर वर्गीकरण (Rigid Categorization) एक दंडात्मक और नकारात्मक अभ्यास है जो विकास मानसिकता (Growth Mindset) को बाधित करता है।

Click Here to Buy book on Amazon

यह रचनात्मक मूल्यांकन के सिद्धांतों और समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) के मूल्यों के प्रतिकूल है।

10. (A) अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning)
"अंगूठा ऊपर, अंगूठा नीचे" (Thumbs Up, Thumbs Down) तकनीक पाठ के दौरान त्वरित और अनौपचारिक रूप से छात्रों की समझ की जांच करने की एक रचनात्मक मूल्यांकन रणनीति (Formative Assessment Strategy) है। यह अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के अंतर्गत आती है क्योंकि यह शिक्षक को तुरंत डेटा प्रदान करती है कि क्या विषय को आगे बढ़ाना है या पुनः समझाना है।

11. (D) अधिगम के लक्ष्यों और मानदंडों को समझने वाला एक सक्रिय भागीदार
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) में छात्र केवल जानकारी का निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं होता, बल्कि वह अधिगम प्रक्रिया का एक सक्रिय भागीदार (Active Participant) होता है। छात्र अधिगम के स्पष्ट लक्ष्यों और सफलता के मानदंडों (Success Criteria) को समझते हैं, अपनी प्रगति का मूल्यांकन करते हैं और सुधारात्मक प्रतिपुष्टि का उपयोग करके अपने ज्ञान को समृद्ध करते हैं।

12. (A) केवल I और II
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) गुणात्मक प्रतिपुष्टि (Qualitative Feedback) पर निर्भर करता है और भविष्योन्मुखी (Future-Oriented) होता है ताकि अगले शिक्षण चरणों का निर्धारण किया जा सके। यह अंतिम योगात्मक ग्रेड (Summative Grade) प्रदान करने के बजाय छात्र की समझ में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करता है। अतः पहला और दूसरा कथन इस दृष्टिकोण के पूरी तरह अनुरूप हैं।

13. (D) मूल्यांकन साक्ष्य तत्काल शिक्षण को कैसे निर्देशित करते हैं
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) में मुख्य बदलाव यह है कि शिक्षक मूल्यांकन से प्राप्त साक्ष्यों का उपयोग तत्काल निर्देशात्मक निर्णयों (Instructional Decisions) को निर्देशित करने के लिए करते हैं। यह दृष्टिकोण केवल पाठ्यक्रम पूरा करने या मानक वक्रों पर तुलना करने के बजाय छात्र की वर्तमान आवश्यकताओं और अधिगम प्रगति के अनुसार शिक्षण को ढालने पर बल देता है।

14. (D) अधिगम का मूल्यांकन उपलब्धि को प्रमाणित करता है, जबकि अधिगम के लिए मूल्यांकन अधिगम में सुधार करता है
अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning) योगात्मक प्रकृति का होता है जो एक निश्चित अवधि के बाद छात्र उपलब्धि का मापन और प्रमाणन करता है। इसके विपरीत, अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) रचनात्मक होता है, जो प्रक्रिया के दौरान निरंतर प्रतिपुष्टि प्रदान करके अधिगम और शिक्षण में सुधार लाने का कार्य करता है।

15. (C) शिक्षक C
अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) तब होता है जब छात्र स्वयं अपने अधिगम की निगरानी करते हैं और परासंज्ञानात्मक चिंतन (Metacognitive Reflection) का उपयोग करते हैं। जब शिक्षक C छात्रों को अपनी अधिगम प्रक्रिया पर विचार करने और व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करता है, तो वह अधिगम के रूप में मूल्यांकन को व्यावहारिक रूप से लागू कर रहा होता है।

16. (A) स्व-नियंत्रित अधिगम (Self-Regulated Learning) के लिए छात्र की क्षमता
अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) विशेष रूप से स्व-नियंत्रित अधिगम (Self-Regulated Learning) और परासंज्ञान (Metacognition) के विकास पर बल देता है। इसमें छात्र अपने स्वयं के सीखने की प्रक्रिया के सक्रिय समीक्षक बनते हैं, अपनी प्रगति की निगरानी करते हैं, अधिगम रणनीतियों में सुधार करते हैं और स्वयं के लिए स्पष्ट व्यक्तिगत अधिगम लक्ष्य निर्धारित करते हैं।

NODIA

17. (C) अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) — स्वयं शिक्षार्थी
अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) का प्राथमिक दर्शक स्वयं शिक्षार्थी (Learner) होता है, क्योंकि इसमें छात्र अपनी स्वयं की समझ और प्रगति का विश्लेषण करते हैं। अधिगम का मूल्यांकन नीति निर्माताओं एवं अभिभावकों के लिए होता है, जबकि अधिगम के लिए मूल्यांकन का उपयोग शिक्षक दैनिक कक्षा शिक्षण को सुधारने हेतु मुख्य रूप से करते हैं।

18. (A) अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning)
वार्षिक बोर्ड परीक्षाएं शैक्षणिक सत्र या कार्यक्रम के अंत में आयोजित की जाने वाली औपचारिक परीक्षाएं हैं। इनका प्राथमिक उद्देश्य छात्रों की उपलब्धि का मापन, प्रमाणन और ग्रेडिंग करना होता है। इसलिए, यह प्रक्रिया अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning) या योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) का एक सर्वोत्कृष्ट और स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

19. (C) अधिगम का मूल्यांकन दैनिक शिक्षण अंतरालों की पहचान करता है
अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning) एक योगात्मक प्रक्रिया है जो अधिगम अवधि समाप्त होने के बाद होती है और इसका उद्देश्य ग्रेडिंग करना होता है। दैनिक शिक्षण अंतरालों (Learning Gaps) की पहचान करना और उन्हें दूर करना अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) का कार्य है, न कि अधिगम के मूल्यांकन का।

20. (A) केवल I, II और III
अधिगम का मूल्यांकन योगात्मक निर्णय देता है, अधिगम के लिए मूल्यांकन निरंतर प्रतिपुष्टि चक्रों पर आधारित है, और अधिगम के रूप में मूल्यांकन में छात्र स्वयं प्रगति की निगरानी करते हैं। चौथा कथन असत्य है क्योंकि अधिगम के लिए

मूल्यांकन केवल बाहरी बोर्डों द्वारा नहीं, बल्कि मुख्य रुप से शिक्षकों द्वारा कक्षा में संचालित होता है।

21. (C) छात्र आत्म-चिंतन (Self-Reflection) और परासंज्ञान (Metacognition)
अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) को अधिगम के लिए मूल्यांकन से अलग करने वाला मुख्य कारक छात्र आत्म-चिंतन (Self-Reflection) और परासंज्ञान (Metacognition) पर स्पष्ट बल देना है। जहाँ अधिगम के लिए मूल्यांकन शिक्षक-निर्देशित प्रतिपुष्टि पर केंद्रित होता है, वहीं अधिगम के रूप में मूल्यांकन छात्र को अपने स्वयं के अधिगम का नियंत्रक बनाता है।

22. (B) योगात्मक परीक्षण को कम करते हुए रचनात्मक और आत्म-मूल्यांकन का विस्तार करना
आधुनिक शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) में पारंपरिक योगात्मक परीक्षणों (Summative Tests) के प्रभुत्व को कम करने का सुझाव दिया जाता है। इसके स्थान पर, अधिगम के लिए मूल्यांकन (रचनात्मक) और अधिगम के रूप में मूल्यांकन (आत्म-मूल्यांकन) का विस्तार करने की सिफारिश की जाती है, ताकि छात्र केवल अंकों के स्थान पर वास्तविक समझ और कौशल अर्जित कर सकें।

23. (A) एक टर्म Paper पर अंतिम प्रतिशत ग्रेड प्रदान करना
एक टर्म पेपर पर अंतिम प्रतिशत ग्रेड प्रदान करना अधिगम का मूल्यांकन (Assessment of Learning) दर्शाता है क्योंकि यह शिक्षण इकाई पूरा होने के बाद उपलब्धि का योगात्मक मापन करता है। यह छात्र को सुधार का कोई तात्कालिक अवसर प्रदान नहीं करता, बल्कि केवल अंतिम परिणाम का दस्तावेजीकरण और प्रमाणन करने का काम करता है।

24. (D) अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning)
जब कोई छात्र स्वयं अपनी प्रगति को ट्रैक करता है, अपनी त्रुटियों का विश्लेषण करता है और सुधार के लिए रणनीति बनाता है, तो यह अधिगम के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) का उदाहरण है। यह प्रक्रिया छात्र में स्वायत्तता, परासंज्ञानात्मक चिंतन (Metacognitive Reflection) और आत्म-नियमन (Self-Regulation) के कौशलों को प्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा देती है।

25. (C) अधिगम का मूल्यांकन से अधिगम के लिए मूल्यांकन की ओर
आधुनिक शैक्षिक ढांचों (Educational Frameworks) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मूल्यांकन संस्कृति में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव का सुझाव दिया गया है। यह बदलाव केवल योगात्मक "अधिगम का मूल्यांकन" करने के स्थान पर निरंतर, विकासशील और प्रक्रिया-उन्मुख "अधिगम के लिए मूल्यांकन" को अपनाने पर बल देता है, जिससे छात्र अधिगम में गुणात्मक सुधार लाया जा सके।

26. (A) शिक्षण इकाई के दौरान निरंतर
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) का "कब" या समय-ढांचा शिक्षण इकाई के दौरान निरंतर और अनवरत होना है। यह किसी इकाई या सत्र के अंत में होने वाली गतिविधि नहीं है, बल्कि यह दैनिक कक्षा अंतःक्रियाओं के साथ एकीकृत रहकर real-time में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को मार्गदर्शन और सुधारात्मक आधार प्रदान करता है।

27. (D) कक्षा के अभ्यास के लिए केंद्रीय के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के सिद्धांतों के अनुसार, मूल्यांकन कोई पृथक या अंतिम गतिविधि नहीं है, बल्कि इसे दैनिक कक्षा अभ्यास (Classroom Practice) के केंद्र में होना चाहिए। यह प्रभावी शिक्षण योजना, रचनात्मक प्रश्नोत्तरी और सतत प्रतिपुष्टि के साथ सहजता से जुड़ा रहकर अधिगम गुणवत्ता को निरंतर समृद्ध करता है।

28. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
अधिगम के लिए मूल्यांकन छात्रों में विकास मानसिकता (Growth Mindset) को बढ़ावा देता है क्योंकि यह अधिगम को एक परिवर्तनशील प्रक्रिया मानता है। यह इस सिद्धांत पर बल देता है कि निरंतर प्रयास, सुधारात्मक प्रतिपुष्टि और प्रभावी रणनीतियों के प्रयोग से बौद्धिक क्षमताओं में सुधार किया जा सकता है। अतः दोनों कथन सत्य हैं और कारण सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

29. (B) आत्म-सम्मान की रक्षा करने और प्रगति का मार्गदर्शन करने के लिए रचनात्मक रुप से प्रतिपुष्टि तैयार करनी चाहिए
मूल्यांकन का छात्रों के मानसिक और भावनात्मक स्तर पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए शिक्षकों को प्रतिपुष्टि प्रदान करते समय संवेदनशील और रचनात्मक (Constructive) होना चाहिए। सुधारात्मक टिप्पणियाँ इस प्रकार तैयार की जानी चाहिए जो छात्र के आत्म-सम्मान की रक्षा करें, निराशा से बचाएं और उसे सीखने के अगले चरणों की ओर सकारात्मक रुप से मार्गदर्शन प्रदान करें।

30. (C) अपेक्षाओं को पारदर्शी बनाकर अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के अनुरुप है
पाठ की शुरुआत में ही अधिगम के इरादों (Learning Intentions) और सफलता के मानदंडों (Success Criteria) को साझा करना अधिगम के लिए मूल्यांकन का एक प्रमुख सिद्धांत है। यह अभ्यास छात्र अपेक्षाओं को पारदर्शी बनाता है, जिससे शिक्षार्थियों को स्पष्ट रुप से ज्ञात होता है कि उनसे क्या अपेक्षित है और वे स्व-मूल्यांकन कर सकते हैं।

31. (B) इसका उद्देश्य सख्त मानक ग्रेडिंग वक्रों (Normative Grading Curves) को बनाए रखना है
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) का उद्देश्य छात्रों की आपस में तुलना करना या सख्त मानक ग्रेडिंग वक्रों (Normative Grading Curves) को बनाए रखना नहीं है। इसका मूल ध्यान प्रत्येक छात्र की व्यक्तिगत

Downloaded from www.pdf.tube

अधिगम प्रगति, अंतरालों की पहचान और सुधारात्मक प्रतिपुष्टि द्वारा सभी शिक्षार्थियों की क्षमता का पूर्ण विकास करने पर केंद्रित होता है।

32. (B) केवल I और III
अधिगम के लिए मूल्यांकन शिक्षकों के लिए एक अनिवार्य पेशेवर कौशल (Professional Skill) है, और यह शिक्षार्थी की आंतरिक प्रेरणा को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कथन II गलत है क्योंकि यह केवल संज्ञानात्मक ही नहीं, बल्कि भावात्मक और सामाजिक कारकों को भी ध्यान में रखता है, जो अधिगम को प्रभावित करते हैं।

33. (A) अधिगम के दौरान छात्रों द्वारा उपयोग की जाने वाली संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं को समझना चाहिए
"छात्र कैसे सीखते हैं" पर ध्यान केंद्रित करने का अर्थ है कि शिक्षकों को अधिगम के दौरान उपयोग होने वाली संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं (Cognitive Processes) और चिंतन शैलियों को समझना चाहिए। केवल अंतिम उत्पाद या उत्तर का मापन करने के स्थान पर, यह समझना आवश्यक है कि छात्र जानकारी को कैसे संसाधित करते हैं और भ्रांतियाँ कहाँ उत्पन्न होती हैं।

34. (D) उपलब्धि प्रदर्शित करने के लिए छात्र कार्य में आवश्यक विशिष्ट घटक
"सफलता के मानदंड" (Success Criteria) वे विशिष्ट घटक या संकेतक होते हैं जो यह स्पष्ट करते हैं कि अधिगम उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए छात्र कार्य में क्या शामिल होना चाहिए। ये मानदंड छात्रों को यह समझने में मदद करते हैं कि एक गुणवत्तापूर्ण कार्य कैसा दिखता है और वे इसका उपयोग स्व-मूल्यांकन हेतु करते हैं।

35. (C) छात्र और शिक्षक अधिगम की जिम्मेदारी साझा करते हैं
प्रभावी अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) की सहयोगात्मक प्रकृति का अर्थ है कि शिक्षक और छात्र दोनों मिलकर अधिगम की जिम्मेदारी साझा करते हैं। शिक्षक केवल ज्ञान का दाता नहीं होता और छात्र केवल प्राप्तकर्ता नहीं होता; दोनों मिलकर लक्ष्यों को निर्धारित करते हैं, प्रगति का मूल्यांकन करते हैं और सुधार के उपाय खोजते हैं।

36. (D) सुधार करने के तरीके पर मार्गदर्शन प्रदान करना
छात्र के कार्य में केवल त्रुटि बताने के बजाय यह निर्दिष्ट करना कि सही प्रक्रिया क्या थी और कहाँ सुधार की आवश्यकता है, वर्णनात्मक प्रतिपुष्टि (Descriptive Feedback) का उदाहरण है। यह शिक्षण-शास्त्रीय विकल्प छात्र को अपनी गलती को समझने और उसे सुधारने का स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करता है, जो अधिगम के लिए मूल्यांकन का मूल आधार है।

37. (C) केवल अंतिम प्राप्ति के बजाय प्रयास और प्रगति को उजागर करना
अधिगम के लिए मूल्यांकन में प्रेरणा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षक को केवल अंतिम अंकों के स्थान पर छात्र के व्यक्तिगत प्रयास और प्रगति (Effort and Progress) को उजागर करना चाहिए। यह दृष्टिकोण छात्रों में आत्म-विश्वास विकसित करता है और यह संदेश देता है कि कड़ी मेहनत तथा निरंतर सुधार से सफलता प्राप्त की जा सकती है।

38. (D) छात्रों को मानदंडों के विरुद्ध अधिगम पर विचार करने का अवसर प्रदान करना
छात्रों में आत्म-मूल्यांकन (Self-Assessment) की क्षमता विकसित करने के लिए शिक्षकों को उन्हें स्पष्ट सफलता के मानदंडों के विरुद्ध अपने कार्य का विश्लेषण करने और विचार करने के नियमित अवसर प्रदान करने चाहिए। यह अभ्यास छात्रों को अपने ज्ञान के अंतरालों को पहचानने और अपने अधिगम को स्वयं प्रबंधित करने के योग्य बनाता है।

39. (C) कक्षा अभ्यास के लिए केंद्रीय के रूप में
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) को किसी बाहरी परीक्षा या पाठ के बाद की अतिरिक्त गतिविधि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे दैनिक कक्षा अभ्यास (Classroom Practice) के एक केंद्रीय घटक के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए, जो हर शिक्षण-अधिगम गतिविधि के साथ स्वाभाविक और निरंतर रूप से जुड़ा रहता है।

40. (C) शिक्षकों को गतिशील, निरंतर निर्देशात्मक निर्णय लेने में सक्षम बनाती हैं
रचनात्मक मूल्यांकन रणनीतियाँ (Formative Assessment Strategies) शिक्षाशास्त्र का अभिन्न हिस्सा हैं क्योंकि वे शिक्षकों को वास्तविक समय में छात्र समझ का साक्ष्य प्रदान करती हैं। इस डेटा का उपयोग करके शिक्षक अपनी शिक्षण गति, विधियों और गतिविधियों में गतिशील एवं निरंतर निर्देशात्मक परिवर्तन (Instructional Adjustments) करने में पूरी तरह सक्षम होते हैं।

NODIA

41. (D) एक पाठ के दौरान सोचें-जोड़ी बनाएं-साझा करें (Think-Pair-Share) गतिविधि
सोचें-जोड़ी बनाएं-साझा करें (Think-Pair-Share) एक प्रमुख रचनात्मक मूल्यांकन रणनीति है। यह पाठ के दौरान संचालित की जाती है जहाँ छात्र पहले व्यक्तिगत रूप से सोचते हैं, फिर सहपाठी के साथ चर्चा करते हैं और अंत में विचार साझा करते हैं। यह गतिविधि शिक्षक को तात्कालिक समझ का आकलन करने का सुअवसर प्रदान करती है।

42. (B) पूर्ण किए गए पाठ से प्रमुख अवधारणाओं की छात्र समझ की जांच करना
"निकास टिकट" (Exit Tickets) का प्राथमिक शिक्षण-शास्त्रीय कार्य किसी पाठ या अवधि के अंत में प्रमुख अवधारणाओं की छात्र समझ का त्वरित मूल्यांकन करना है। यह शिक्षक को यह जानने में मदद करता है कि छात्रों ने विषय को कितना समझा है और किन क्षेत्रों में अगले दिन पुनः स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।

43. (A) छात्र पाठ के दौरान समझ का संकेत देने के लिए रंगीन कार्ड का उपयोग करते हैं
"ट्रैफिक लाइट" (Traffic Light) तकनीक रचनात्मक मूल्यांकन की एक अनौपचारिक विधि है जहाँ छात्र अपनी

समझ का स्तर दर्शाने के लिए हरे (पूर्ण समझ), पीले (आंशिक समझ), या लाल (भ्रम) कार्ड का उपयोग करते हैं। यह शिक्षक को कक्षा की तात्कालिक समझ का त्वरित दृश्य संकेत (Visual Cue) प्रदान करती है।

44. (C) तत्काल छात्र समझ को पकड़ता है और गलतफहमियों को सटीक रूप से रेखांकित करता है
"एक-मिनट का पत्र" (One-Minute Paper) एक प्रभावी रचनात्मक उपकरण है। यह शिक्षक को पाठ के अंत में छात्रों द्वारा सीखी गई मुख्य बातों और उनके मन में बचे संदेहों को तुरंत पकड़ने में मदद करता है। इसके साक्ष्य के आधार पर शिक्षक अगली कक्षा की निर्देशात्मक योजना में आवश्यक संशोधन कर सकता है।

45. (D) छात्र ज्ञान को कैसे व्यवस्थित, कनेक्ट और संश्लेषित करते हैं इसका
अवधारणा मानचित्रण (Concept Mapping) एक दृश्य रचनात्मक रणनीति है जो यह प्रकट करती है कि छात्र विभिन्न अवधारणाओं के बीच संबंधों को कैसे समझते हैं। यह शिक्षक को यह मूल्यांकन करने की अनुमति देता है कि छात्र अपने ज्ञान को कैसे व्यवस्थित, एकीकृत और संश्लेषित (Synthesize) कर रहे हैं और कहाँ वैचारिक भ्रांतियाँ मौजूद हैं।

46. (B) यह पूरी कक्षा की समझ का एक त्वरित दृश्य स्कैन (Visual Scan) करने में सक्षम बनाता है
कक्षा में मिनी-व्हाइटबोर्ड का उपयोग करने से सभी छात्र एक साथ अपने उत्तर प्रदर्शित करते हैं। इसका मुख्य रचनात्मक लाभ यह है कि शिक्षक एक ही समय में पूरी कक्षा की समझ का त्वरित दृश्य स्कैन (Visual Scan) कर सकता है और उन छात्रों की पहचान कर सकता है जिन्हें अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है।

47. (D) प्रतीक्षा समय (Wait Time)
"प्रतीक्षा समय" (Wait Time) रणनीति में शिक्षक प्रश्न पूछने के बाद और छात्र से उत्तर प्राप्त करने से पहले रणनीतिक रूप से कुछ सेकंड का विराम लेता है। यह समय छात्रों को जानकारी संसाधित करने, अपने विचारों को व्यवस्थित करने और अधिक सोच-समझकर उत्तर देने का अवसर प्रदान करता है, जिससे उत्तरों की गुणवत्ता बढ़ती है।

48. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
रचनात्मक मूल्यांकन रणनीतियों को daily pedagogical practices में एकीकृत किया जाना चाहिए। ये रणनीतियाँ वास्तविक समय में डेटा प्रदान करती हैं, जो केवल तभी उपयोगी होता है जब उसका उपयोग तुरंत शिक्षण दिशा को संशोधित करने के लिए किया जाए। अतः कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण सही तर्क प्रस्तुत करता है।

49. (A) विक्षेपक (Distractors) जो सामान्य छात्र भ्रांतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं
एक नैदानिक प्रश्न (Diagnostic Question) विशेष रूप से इस तरह से तैयार किया जाता है कि उसके गलत विकल्प या विक्षेपक (Distractors) छात्रों की आम वैचारिक भ्रांतियों (Misconceptions) को दर्शाते हैं। यदि कोई छात्र एक विशिष्ट गलत विकल्प चुनता है, तो शिक्षक तुरंत समझ जाता है कि उसकी सोच में कहाँ और किस प्रकार की त्रुटि है।

50. (C) अवलोकन संबंधी मूल्यांकन (Observational Assessment)
समूह कार्य के दौरान बिना हस्तक्षेप किए छात्रों की अंतःक्रियाओं और चर्चाओं को सुनना अवलोकन संबंधी मूल्यांकन (Observational Assessment) कहलाता है। यह शिक्षक को यह समझने में मदद करता है कि छात्र अवधारणाओं को कैसे लागू कर रहे हैं, उनका तर्क स्तर क्या है और वे एक-दूसरे के साथ किस प्रकार सहयोग कर रहे हैं।

51. (B) सोचें-जोड़ी बनाएं-साझा करें (Think-Pair-Share)
सोचें-जोड़ी बनाएं-साझा करें (Think-Pair-Share) रणनीति में छात्र सबसे पहले व्यक्तिगत रूप से विचार करते हैं (Think), फिर अपने साथी के साथ उस पर चर्चा करते हैं (Pair), और अंत में अपने निष्कर्षों को पूरी कक्षा के साथ साझा करते हैं (Share)। यह एक प्रभावी सहयोगात्मक रचनात्मक मूल्यांकन तकनीक है।

52. (B) केवल II और III
रचनात्मक मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य वास्तविक समय में शिक्षण को समायोजित करना और छात्रों को अंतिम मूल्यांकन से पहले सुधार के अवसर देना है। कथन I असत्य है क्योंकि रचनात्मक मूल्यांकन अनौपचारिक परीक्षण मात्र नहीं हैं और न ही इनमें अनिवार्य रूप से ग्रेड दिए जाते हैं; यह एक सुधारात्मक प्रक्रिया है।

53. (D) गहन सोच को उत्तेजित करना और छात्र तर्क को प्रकट करना
अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) में प्रश्नोत्तरी तकनीकों का मुख्य उद्देश्य केवल तथ्यात्मक उत्तर प्राप्त करना नहीं, बल्कि छात्रों में उच्च-स्तरीय सोच को उत्तेजित करना और उनके वैचारिक तर्क को प्रकट करना होता है। इससे शिक्षक को छात्र की समझ की गहराई का स्पष्ट आकलन प्राप्त होता है।

54. (B) यादृच्छिक छात्र चयन (Random Student Selection) सभी को व्यस्त और जवाबदेह रखता है
"हाथ ऊपर नहीं" (No Hands Up) रणनीति में शिक्षक किसी प्रश्न का उत्तर देने के लिए केवल स्वयं हाथ उठाने वाले छात्रों को चुनने के स्थान पर यादृच्छिक रूप से किसी भी छात्र को चुनता है। यह प्रक्रिया कक्षा के सभी छात्रों को मानसिक रूप से सक्रिय, व्यस्त और उत्तर तैयार रखने के लिए जवाबदेह बनाती है।

55. (D) एक खुला (Open-Ended) प्रश्न
"आप क्या सोचते हैं कि लेखक ने ऐसा विकल्प क्यों चुना?" एक खुला प्रश्न (Open-Ended Question) है। इस प्रकार के प्रश्न का कोई एकल या निश्चित उत्तर नहीं होता; यह छात्रों

Click Here to Buy book on Flipkart

को आलोचनात्मक सोच का प्रयोग करने, अपने विचारों का विश्लेषण करने और अपने उत्तर के लिए तार्किक औचित्य प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

56. (A) अधिगम को मचान (Scaffolding) प्रदान करती है और संज्ञानात्मक स्वायत्तता का निर्माण करती है
सीधा उत्तर देने के बजाय खोजपूर्ण प्रश्नों (Probing Questions) का उपयोग करना छात्रों को स्वयं की त्रुटि का एहसास कराने में मदद करता है। यह रणनीति अधिगम को मचान (Scaffolding) प्रदान करती है, जिससे छात्रों में समस्या-समाधान की क्षमता और संज्ञानात्मक स्वायत्तता (Cognitive Autonomy) का विकास होता है।

57. (D) उत्तर देने के लिए इच्छुक छात्रों की संख्या में कमी
प्रतीक्षा समय (Wait Time) बढ़ाने से छात्रों को सोचने का अवसर मिलता है, जिससे उत्तर अधिक विस्तृत और विचारशील होते हैं तथा शांत छात्रों की भागीदारी बढ़ती है। इससे उत्तर देने के लिए इच्छुक छात्रों की संख्या में वृद्धि होती है, न कि कमी। अतः यह विकल्प सही परिणाम को नहीं दर्शाता है।

58. (D) अंतर्निहित अवधारणाओं को स्पष्ट करने में छात्रों की मदद करने के लिए लक्षित प्रश्नों का उपयोग करना
सुकराती प्रश्नोत्तरी (Socratic Questioning) अनुशासित और लक्षित प्रश्नों की एक श्रृंखला का उपयोग करती है जो छात्रों को उनकी सोच का अन्वेषण करने, अंतर्निहित धारणाओं की जांच करने और अवधारणाओं को स्वयं स्पष्ट करने में मदद करती है। यह रटने की प्रणाली के स्थान पर गहरे वैचारिक चिंतन को बढ़ावा देती है।

59. (B) सहकर्मी अनुक्रियाओं के पार एक अंतःक्रियात्मक प्रश्नोत्तरी अनुक्रम बनाना
"पोज, पॉज, पाउंस, बाउंस" रणनीति में शिक्षक प्रश्न रखता है (Pose), सोचने का समय देता है (Pause), किसी छात्र से उत्तर पूछता है (Pounce), और फिर उस उत्तर पर विचार करने के लिए उसे दूसरे छात्र के पास भेजता है (Bounce)। यह कक्षा में अंतःक्रियात्मक और विचारशील चर्चा निर्मित करता है।

60. (A) केवल I, II और III
हिंज प्रश्न पाठ में मोड़ का आकलन करते हैं, फ़नलिंग प्रश्न एक सही उत्तर की ओर लाते हैं, और ध्यान केंद्रित करने वाले प्रश्न सोच व्यक्त कराते हैं। चौथा कथन गलत है क्योंकि अलंकारिक प्रश्न (Rhetorical Questions) उत्तर की अपेक्षा नहीं करते, इसलिए वे रचनात्मक मूल्यांकन के लिए उपयोगी नहीं होते हैं।

61. (D) परासंज्ञानात्मक चिंतन (Metacognitive Reflection) को बढ़ावा देना
जब शिक्षक छात्र से यह बताने के लिए कहता है कि वे किसी विशिष्ट निष्कर्ष तक कैसे पहुंचे, तो वह छात्र को अपनी स्वयं की सोच प्रक्रिया के बारे में सोचने के लिए प्रेरित कर रहा होता है। यह प्रश्नोत्तरी तकनीक सीधे परासंज्ञानात्मक चिंतन (Metacognitive Reflection) और वैचारिक स्पष्टता को बढ़ावा देती है।

62. (D) एक-शब्द वाले तथ्यात्मक स्मरण प्रश्न
एक-शब्द वाले तथ्यात्मक स्मरण प्रश्न केवल रटी हुई जानकारी का परीक्षण करते हैं और वे छात्र की सोच प्रक्रिया या अंतर्निहित भ्रांतियों को प्रकट नहीं करते। इसलिए, वे अधिगम के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning) के उद्देश्यों के लिए सबसे कम उपयोगी सिद्ध होते हैं, जहाँ गहरे चिंतन की आवश्यकता होती है।

63. (D) मूल्यांकन या बहस के लिए किसी छात्र का उत्तर साथियों को देना
कक्षा चर्चा में किसी प्रश्न या उत्तर को "बाउंस" (Bounce) करने का अर्थ है एक छात्र की प्रतिक्रिया को दूसरे छात्र के पास भेजना, ताकि वह उसका मूल्यांकन करे, उस पर निर्माण करे या बहस करे। यह तकनीक सहकर्मी अंतःक्रिया (Peer Interaction) और कक्षा में सक्रिय चिंतन को बढ़ावा देती है।

64. (D) संवाद को बंद करने के बजाय शिक्षक को और अधिक पूछताछ करनी चाहिए या विस्तृत वर्णन करने के लिए साथियों को शामिल करना चाहिए।
केवल "अच्छा" या "सही" कहकर आगे बढ़ने से रचनात्मक संवाद समाप्त हो जाता है। प्रभावी अधिगम के लिए शिक्षक को खोजपूर्ण प्रश्न पूछने चाहिए, छात्र से उत्तर का औचित्य सिद्ध करने के लिए कहना चाहिए या अन्य साथियों को प्रतिक्रिया का विस्तार करने में शामिल करना चाहिए, जिससे चिंतन प्रक्रिया गहरी हो सके।

65. (A) यह निर्धारित करना कि पाठ में पुनः पढ़ाना है या आगे बढ़ना है
हिंज प्रश्न (Hinge Questions) पाठ के महत्त्वपूर्ण मोड़ों पर पूछे जाने वाले चेकपॉइंट प्रश्न होते हैं। इनका उत्तर यह निर्धारित करता है कि क्या अधिकांश कक्षा ने मुख्य अवधारणा को समझ लिया है और आगे बढ़ना सुरक्षित है, या फिर विषय को भिन्न तरीके से पुनः पढ़ाने (Re-teaching) की आवश्यकता है।

66. (D) छात्र सहपाठियों के काम का मूल्यांकन करते हैं और उन पर प्रतिपुष्टि देते हैं
सहकर्मी मूल्यांकन (Peer Assessment) एक ऐसी शिक्षण-शास्त्रीय प्रक्रिया है जिसमें छात्र पूर्व-निर्धारित सफलता के मानदंडों के आधार पर अपने सहपाठियों के काम की समीक्षा करते हैं, उनका मूल्यांकन करते हैं और सुधारात्मक प्रतिपुष्टि प्रदान करते हैं। यह प्रक्रिया छात्रों में आलोचनात्मक सोच और मूल्यांकन कौशल विकसित करती है।

67. (D) सफलता के मानदंडों और रुब्रिक्स (Rubrics) की स्पष्ट छात्र समझ
प्रभावी सहकर्मी मूल्यांकन (Peer Assessment) संचालन की प्राथमिक पूर्व शर्त यह है कि छात्रों को सफलता के मानदंडों और स्कोरिंग रुब्रिक्स (Rubrics) की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। जब तक छात्र यह नहीं जानते कि एक अच्छे कार्य की क्या विशेषताएँ हैं, वे वस्तुनिष्ठ और उपयोगी प्रतिपुष्टि प्रदान नहीं कर सकते।

Downloaded from www.pdf.tube

68. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
सहकर्मी मूल्यांकन मूल्यांकनकर्ता की अपनी विषय वस्तु की समझ को गहरा करता है। किसी अन्य छात्र के काम का विश्लेषण करने के लिए स्थापित मानदंडों की गहरी समझ, उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक प्रसंस्करण और स्वयं के अधिगम पर चिंतन की आवश्यकता होती है। इसलिए, दोनों कथन सत्य हैं और कारण सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

69. (D) प्रतिपुष्टि व्यक्तिगत छात्र मित्रता से पक्षपातपूर्ण हो सकती है
सहकर्मी मूल्यांकन की एक सामान्य चुनौती यह है कि छात्र प्रतिपुष्टि वस्तुनिष्ठ होने के बजाय व्यक्तिगत संबंधों या मित्रता से प्रभावित हो सकती है। छात्र अपने दोस्तों को अधिक अंक देने या अलोकप्रिय साथियों की अनुचित आलोचना करने के प्रति प्रवृत्त हो सकते हैं, जिससे मूल्यांकन की सटीकता प्रभावित होती है।

70. (C) संरचित ढांचों (Structured Frameworks) का उपयोग करके वस्तुनिष्ठ प्रतिपुष्टि देने के लिए छात्रों को प्रशिक्षित करना चाहिए
सहकर्मी मूल्यांकन में व्यक्तिगत पक्षपात को कम करने के लिए, शिक्षकों को स्पष्ट, संरचित ढांचों और रुब्रिक्स का उपयोग करके वस्तुनिष्ठ प्रतिपुष्टि देने में छात्रों को प्रशिक्षित करना चाहिए। जब मूल्यांकन केवल व्यक्तिगत पसंद के बजाय विशिष्ट मानदंडों पर आधारित होता है, तो प्रतिपुष्टि अधिक निष्पक्ष और सार्थक बनती है।

71. (D) दो सकारात्मक पहलू और सुधार के लिए एक क्षेत्र
"टू स्टार्स एंड अ विश" (Two Stars and a Wish) सहकर्मी मूल्यांकन की एक लोकप्रिय रचनात्मक रणनीति है। इसमें समीक्षा करने वाला छात्र कार्य की दो विशिष्ट शक्तियों या सकारात्मक पहलुओं (Stars) को उजागर करता है और सुधार के लिए एक रचनात्मक सुझाव या क्षेत्र (Wish) प्रस्तुत करता है।

72. (A) केवल I और II
सहकर्मी मूल्यांकन अधिगम का दायित्व केवल शिक्षक पर रखने के बजाय छात्रों पर भी स्थानांतरित करता है, और यह रचनात्मक रूप से सर्वाधिक प्रभावी होता है। कथन III गलत है क्योंकि सहकर्मी मूल्यांकन शिक्षक की भूमिका को समाप्त नहीं करता, बल्कि शिक्षक मार्गदर्शन और अंतिम समीक्षा के लिए जिम्मेदार बना रहता है।

73. (D) सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism)
सहकर्मी मूल्यांकन का अभ्यास मुख्य रूप से सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism) के सिद्धांत पर आधारित है। वाइगोत्स्की के अनुसार, शिक्षार्थी सामाजिक अंतःक्रिया, सहपाठियों के साथ संवाद और विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से ज्ञान का अधिक प्रभावी ढंग से निर्माण करते हैं, जो इस मूल्यांकन प्रक्रिया का मूल आधार है।

74. (D) पाठ में तलाशने के लिए विशिष्ट विशेषताओं की एक जांच-सूची (Checklist) प्रदान करना
नए शिक्षार्थियों के लिए सहकर्मी मूल्यांकन को सफल बनाने हेतु उन्हें विशिष्ट विशेषताओं वाली एक संरचित जांच-सूची (Checklist) प्रदान की जानी चाहिए। यह उपकरण छात्रों का ध्यान कार्य के विशिष्ट पहलुओं पर केंद्रित करने में मदद करता है और उन्हें बिना किसी उलझन के वस्तुनिष्ठ प्रतिपुष्टि देने के योग्य बनाता है।

NODIA

75. (D) रचनात्मक प्रतिपुष्टि का मॉडल तैयार करें और संवाद के लिए बुनियादी नियम निर्धारित करें
यदि छात्र सहपाठियों की आलोचना करने में असहज महसूस करते हैं, तो शिक्षक को स्वयं रचनात्मक प्रतिपुष्टि का मॉडल तैयार करना चाहिए और कक्षा में सम्मानजनक संवाद के बुनियादी नियम (Ground Rules) निर्धारित करने चाहिए। इससे एक सुरक्षित वातावरण बनता है जहाँ प्रतिपुष्टि को व्यक्तिगत हमले के बजाय सहायता माना जाता है।

76. (D) मानकों को साझा करने के लिए नमूना कार्य (Sample Work) का संयुक्त रूप से मूल्यांकन करना
सहकर्मी मूल्यांकन में "अंशांकन" (Calibration) का तात्पर्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी छात्र मूल्यांकन मानकों को एक समान रूप से समझें। इसके लिए शिक्षक और छात्र मिलकर नमूना कार्य (Sample Work) का मूल्यांकन करते हैं और चर्चा करते हैं कि कोई कार्य मानदंडों को किस हद तक पूरा करता है।

77. (A) प्रतिपुष्टि का औचित्य सिद्ध करते समय छात्र तर्क को व्यक्त करते हैं
सहकर्मी मूल्यांकन संचार कौशलों को मुख्य रूप से इसलिए विकसित करता है क्योंकि छात्रों को अपनी प्रतिपुष्टि और सुझावों का औचित्य सिद्ध करने के लिए स्पष्ट तार्किक भाषा का प्रयोग करना पड़ता है। दूसरों के कार्य की समीक्षा करने और रचनात्मक विचार व्यक्त करने से छात्रों की अभिव्यक्ति क्षमता मजबूत होती है।

78. (D) यह अंतिम ग्रेडिंग के लिए एक कानूनी रूप से बाध्यकारी तंत्र प्रदान करता है
सहकर्मी मूल्यांकन मुख्य रूप से एक रचनात्मक शिक्षण उपकरण है जो सहयोग, समीक्षा कौशल और वैकल्पिक दृष्टिकोणों की समझ विकसित करता है। यह अंतिम ग्रेडिंग के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी तंत्र नहीं प्रदान करता, क्योंकि औपचारिक अंक निर्धारण और रिपोर्टिंग की अंतिम जिम्मेदारी कक्षा शिक्षक की ही होती है।

79. (D) छात्र अधिगम के अंतरालों की पहचान करने के लिए मानदंडों के विरुद्ध अपने काम का मूल्यांकन करते हैं
अधिगम में आत्म-मूल्यांकन (Self-Assessment) वह प्रक्रिया है जिसमें छात्र स्थापित सफलता के मानदंडों के विरुद्ध अपने स्वयं के कार्य और समझ की समीक्षा करते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य अपनी शक्तियों को पहचानना, अधिगम अंतरालों

की पहचान करना और अपनी प्रगति में सुधार के लिए कदम उठाना है।

80. (D) परासंज्ञान (Metacognition)
आत्म-मूल्यांकन (Self-Assessment) सीधे तौर पर परासंज्ञान (Metacognition) अर्थात "अपनी सोच के बारे में सोचने" की क्षमता के विकास में योगदान देता है। जब छात्र अपने काम का आत्म-विश्लेषण करते हैं, तो वे यह समझते हैं कि वे कैसे सीखते हैं, उनकी चिंतन प्रक्रिया में कहाँ गलतियाँ हुईं और वे रणनीतियों को कैसे बदल सकते हैं।

81. (D) इच्छित अधिगम परिणामों की स्पष्ट समझ
आत्म-मूल्यांकन के प्रभावी होने के लिए यह आवश्यक है कि छात्रों के पास इच्छित अधिगम परिणामों और सफलता के मानदंडों की स्पष्ट समझ हो। जब तक शिक्षार्थी यह नहीं जानते कि लक्ष्य क्या है और एक आदर्श कार्य कैसा दिखता है, वे अपने काम का सटीक मूल्यांकन नहीं कर सकते।

82. (D) लर्निंग लॉग या चिंतनशील पत्रिकाएं (Reflection Journals)
लर्निंग लॉग और चिंतनशील पत्रिकाएं (Reflection Journals) छात्रों में संरचित आत्म-मूल्यांकन को सुविधाजनक बनाने के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण हैं। ये उपकरण छात्रों को अपने अधिगम, आई समस्याओं, और सुधारात्मक रणनीतियों पर लिखित रूप से विचार करने का एक व्यक्तिगत स्थान प्रदान करते हैं।

83. (D) चिंतनशील आत्म-मूल्यांकन (Reflective Self-Assessment)
जब छात्र स्वयं से अपनी शक्तियों, कठिनाइयों और भविष्य के सुधार रणनीतियों के बारे में प्रश्न पूछते हैं, तो यह चिंतनशील आत्म-मूल्यांकन (Reflective Self-Assessment) का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह प्रक्रिया छात्र को अपने अधिगम पर विचार करने और स्व-नियमन (Self-Regulation) के कौशलों को विकसित करने में सक्षम बनाती है।

84. (A) छात्र स्वामित्व को बढ़ावा देता है और शिक्षकों पर निर्भरता को कम करता है
कार्य सबमिट करने से पहले रुब्रिक का उपयोग करके आत्म-मूल्यांकन करना छात्र स्वामित्व (Student Ownership) को बढ़ावा देता है। यह शिक्षार्थी को अपने काम की गुणवत्ता का स्वयं विश्लेषण करने योग्य बनाता है, जिससे शिक्षक पर उनकी अत्यधिक निर्भरता कम होती है और उनमें आत्मनिर्भरता का भाव विकसित होता है।

85. (D) आत्मविश्वास का संकेत देने के लिए दृश्य तराजू या रंग कोड (Visual Scales or Color Codes)
युवा शिक्षार्थियों के लिए जटिल लिखित या सांख्यिकीय विश्लेषणों के स्थान पर दृश्य तराजू या रंग कोड (जैसे स्माइली फेसेस या ट्रैफिक लाइट रंग) का उपयोग करना आत्म-मूल्यांकन सिखाने की सर्वोत्तम विधि है। यह विधि उनकी आयु के अनुकूल है और आसानी से उनकी समझ के स्तर को व्यक्त करती है।

86. (D) डनिंग-क्रुगर प्रभाव (Dunning-Kruger Effect) जो छात्र की क्षमता का अधिक आंकलन करता है
सटीक आत्म-मूल्यांकन में एक बड़ी बाधा डनिंग-क्रुगर प्रभाव (Dunning-Kruger Effect) है, जहाँ कम ज्ञान या कौशल वाले छात्र अनजाने में अपनी क्षमता का अत्यधिक आकलन कर लेते हैं। इस संज्ञानात्मक पूर्वाग्रह के कारण छात्र अपनी सीमाओं और अंतरालों को सही ढंग से पहचानने में असमर्थ रहते हैं।

87. (D) शिक्षक मध्यस्थता (Teacher Moderation) के साथ जोड़े गए अभ्यास के अवसर प्रदान करने चाहिए
छात्रों में आत्म-मूल्यांकन की सटीकता में सुधार करने के लिए शिक्षकों को अभ्यास के निरंतर अवसर देने चाहिए और साथ ही शिक्षक मध्यस्थता (Teacher Moderation) प्रदान करनी चाहिए। छात्र मूल्यांकन की तुलना शिक्षक मूल्यांकन से करके छात्र यह सीख सकते हैं कि मानदंडों को सही तरीके से कैसे लागू किया जाए।

88. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
आत्म-मूल्यांकन शिक्षार्थी को ग्रेड के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता से अधिगम में सक्रिय एजेंट बनाता है। यह परिवर्तन इसलिए होता है क्योंकि इसके लिए शिक्षार्थी को गुणवत्ता के मानकों को आंतरिक बनाने और उनकी ओर अपनी प्रगति की निगरानी करने की आवश्यकता होती है। अतः दोनों कथन सत्य हैं और व्याख्या सही है।

89. (D) आत्म-मूल्यांकन का प्रदर्शन करना और अधिगम को व्यक्त करना
पोर्टफोलियो में संलग्न आत्म-चिंतन शीट (Self-Reflection Sheet) का मुख्य उद्देश्य यह प्रदर्शित करना है कि छात्र ने अपने काम का आत्म-मूल्यांकन कैसे किया है। यह पत्र छात्र को अपनी सीखने की यात्रा, चुनौतियों और विकास को अपनी भाषा में स्पष्ट रूप से व्यक्त करने का अवसर देता है।

90. (D) किस रणनीति ने आपको कार्य की कठिनाई पर काबू पाने में मदद की?
"किस रणनीति ने आपको कठिनाई पर काबू पाने में मदद की?" यह प्रश्न छात्र को अपनी समस्या-समाधान प्रक्रिया और चिंतन शैलियों पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है। यह प्रश्न दूसरों से तुलना करने के स्थान पर आंतरिक अधिगम प्रक्रियाओं और आत्म-मूल्यांकन (Self-Assessment) को प्रभावी रूप से प्रोत्साहित करता है।

91. (D) आत्म-नियमन (Self-Regulation) में
जब छात्र अपने आत्म-मूल्यांकन के आधार पर नए लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो वे आत्म-नियमन (Self-Regulation) की प्रक्रिया में संलग्न होते हैं। यह क्षमता छात्रों को अपनी अधिगम प्राथमिकताओं को तय करने, उपयुक्त रणनीतियाँ

Click Here to Buy book on Amazon

चुनने और अपनी प्रगति की स्वयं निगरानी करने में पूरी तरह सक्षम बनाती है।

92. (B) केवल II और III
आत्म-मूल्यांकन के लिए कक्षा में मनोवैज्ञानिक रूप से सुरक्षित वातावरण आवश्यक है जहाँ छात्र बिना किसी डर के अपनी गलतियों को स्वीकार कर सकें, और यह अंतर पाटने में मदद करता है। कथन I गलत है क्योंकि आत्म-मूल्यांकन कोई सहज कौशल नहीं है; इसे व्यवस्थित रूप से सिखाना पड़ता है।

93. (D) वर्णनात्मक, विशिष्ट और कार्रवाई योग्य (Descriptive, Specific, and Actionable)
अधिगम के लिए मूल्यांकन में प्रभावी प्रतिपुष्टि (Effective Feedback) वर्णनात्मक, विशिष्ट और कार्रवाई योग्य होनी चाहिए। यह छात्र को केवल गलतियाँ बताने या केवल प्रशंसा करने के स्थान पर यह स्पष्ट जानकारी देती है कि वर्तमान स्थिति क्या है और सुधार के लिए कौन से विशिष्ट कदम उठाए जाने चाहिए।

94. (D) कार्य और प्रक्रिया में सुधार पर संकेत प्रदान करने वाली प्रतिपुष्टि
अनुसंधान से सिद्ध हुआ है कि छात्र अधिगम पर सबसे शक्तिशाली प्रभाव कार्य और प्रक्रिया सुधार (Task and Process Improvement) पर केंद्रित प्रतिपुष्टि का होता है। केवल व्यक्तिगत प्रशंसा या केवल संख्यात्मक अंक देने की तुलना में विशिष्ट संकेतों वाली प्रतिपुष्टि छात्र की सोच और कार्यप्रणाली में गहरा सुधार लाती है।

95. (D) सुधार के लिए अगले कदमों पर स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए
"फीडफॉरवर्ड" (Feedforward) का तात्पर्य यह है कि प्रतिपुष्टि को केवल अतीत की गलतियों का विश्लेषण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे भविष्योन्मुखी होना चाहिए। यह छात्र को स्पष्ट रूप से यह बताती है कि आगामी कार्यों में सुधार लाने और अधिगम लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कौन से अगले कदम उठाने हैं।

96. (D) केवल एक ग्रेड सुधार करने के तरीके पर कोई जानकारी नहीं देता है
बिना किसी लिखित टिप्पणी के केवल संख्यात्मक अंक या ग्रेड देना अधिगम के लिए मूल्यांकन के सिद्धांतों के प्रतिकूल है। एक अकेला अंक छात्र को केवल उसकी अंतिम स्थिति बताता है, लेकिन यह कोई जानकारी नहीं देता कि उसने क्या अच्छा किया और किन विशिष्ट तरीकों से वह सुधार कर सकता है।

97. (D) आपकी प्रस्तावना स्पष्ट है, लेकिन दूसरे पैराग्राफ में सहायक साक्ष्यों की कमी है।
"आपकी प्रस्तावना स्पष्ट है, लेकिन दूसरे पैराग्राफ में सहायक साक्ष्यों की कमी है" एक प्रभावी रचनात्मक प्रतिपुष्टि है। यह टिप्पणी केवल सामान्य प्रशंसा या अंक देने के स्थान पर विशिष्ट कार्य पहलू को उजागर करती है और छात्र को सुधार का स्पष्ट बिंदु प्रदान करती है।

98. (D) छात्र को अंतर को पाटने के लिए रणनीतियाँ प्रदान करना
जब प्रतिपुष्टि वर्तमान समझ और अधिगम लक्ष्य के बीच अंतर को उजागर करती है, तो शिक्षक का मुख्य दायित्व छात्र को उस अंतर को पाटने के लिए उपयुक्त रणनीतियाँ और मचान (Scaffolding) प्रदान करना है। केवल लक्ष्य कम करना या अंतर की उपेक्षा करना छात्र विकास में बाधक होता है।

99. (D) जटिल कार्यों में छात्रों को अपनी गलतियों को खोजने के लिए प्रोत्साहित करना
जटिल और उच्च-स्तरीय चिंतन कार्यों में, "विलंबित प्रतिपुष्टि" (Delayed Feedback) अधिक उपयोगी होती है क्योंकि यह छात्रों को तुरंत उत्तर देने के बजाय स्वयं सोचने, अपनी गलतियों को खोजने और स्वायत्तता विकसित करने का अवसर देती है। तात्कालिक उत्तर कभी-कभी चिंतन प्रक्रिया को रोक देते हैं।

100. (B) केवल I, II और IV
अंकों के साथ टिप्पणियाँ देने पर छात्र प्रायः टिप्पणियों की उपेक्षा करते हैं, प्रतिपुष्टि सोच विकसित करने वाली होनी चाहिए, और कार्य-स्तरीय प्रतिपुष्टि स्व-स्तरीय प्रशंसा से अधिक प्रभावी है। कथन III गलत है क्योंकि प्रभावी प्रतिपुष्टि केवल शिक्षकों से ही नहीं, बल्कि सहपाठियों और स्व-मूल्यांकन से भी प्राप्त हो सकती है।

101. (D) यह छात्रों को प्रदर्शन को समझने के लिए प्रतिपुष्टि के साथ जुड़ने के लिए मजबूर करता है
"केवल-टिप्पणी अंकन" (Comment-Only Marking) का समर्थन इसलिए किया जाता है क्योंकि जब अंक या ग्रेड दिए जाते हैं, तो छात्र टिप्पणियों को पढ़ना छोड़ देते हैं। केवल लिखित सुधारात्मक टिप्पणियाँ देने से छात्र अपने प्रदर्शन को समझने और सुधार करने के लिए प्रतिपुष्टि के साथ गहराई से जुड़ने हेतु बाध्य होते हैं।

102. (A) छात्र अभिभूत और हतोत्साहित हो सकता है
एक ही कार्य पर अत्यधिक मात्रा में सुधारात्मक प्रतिपुष्टि देने का मुख्य खतरा यह है कि छात्र अभिभूत, भ्रमित और हतोत्साहित हो सकता है। प्रभावी प्रतिपुष्टि को चुनिंदा और सबसे महत्त्वपूर्ण 2-3 सुधार बिंदुओं पर केंद्रित होना चाहिए ताकि छात्र उन्हें आसानी से पचा सके और लागू कर सके।

103. (D) प्रशंसा, रचनात्मक आलोचना, और प्रशंसा
"फीडबैक सैंडविच" (Feedback Sandwich) तकनीक में प्रतिपुष्टि को तीन परतों में प्रस्तुत किया जाता है: सबसे पहले छात्र के प्रयास की प्रशंसा की जाती है, फिर मध्य में सुधार के लिए रचनात्मक आलोचना या सुझाव दिए जाते हैं, और अंत में पुनः प्रोत्साहन एवं सकारात्मक प्रशंसा के साथ समापन किया जाता है।

NODIA

104. (D) क्या सुधार करना है और कैसे करना है, यह समझाने वाली वर्णनात्मक प्रतिपुष्टि (Descriptive Feedback) की ओर रुख करें
"कठिन परिश्रम करें" जैसी अस्पष्ट टिप्पणियाँ छात्र को कोई व्यावहारिक दिशा नहीं देतीं। प्राचार्य को शिक्षक को यह सलाह देनी चाहिए कि वे वर्णनात्मक प्रतिपुष्टि (Descriptive Feedback) का उपयोग करें, जो स्पष्ट रूप से यह बताए कि कार्य में क्या कमी है और उसे सुधारने के लिए कौन से विशिष्ट कदम उठाने हैं।

105. (D) छात्रों को स्वतंत्र रूप से लक्ष्य हासिल करने में सक्षम बनाने वाले अस्थायी सहायता प्रदान करना
प्रतिपुष्टि के संदर्भ में "स्कैफोल्डिंग" (Scaffolding) का अर्थ छात्रों को अस्थायी संरचनात्मक सहायता या संकेत प्रदान करना है। यह सहायता छात्र को कठिन अवधारणाओं को समझने और अंततः बिना किसी बाहरी मदद के स्वतंत्र रूप से अधिगम लक्ष्यों को हासिल करने में पूरी तरह सक्षम बनाती है।

106. (D) इसमें विशिष्ट रणनीतियाँ शामिल हैं जिन्हें छात्र तुरंत लागू कर सकते हैं
प्रतिपुष्टि कार्रवाई योग्य (Actionable) तब बनती है जब उसमें स्पष्ट, विशिष्ट और व्यावहारिक रणनीतियाँ शामिल होती हैं जिन्हें छात्र अपने काम को सुधारने के लिए तुरंत लागू कर सकते हैं। केवल अस्पष्ट टिप्पणियाँ या विलंबित जानकारी छात्र को सुधार की कोई स्पष्ट राह नहीं दिखाती है।

107. (D) स्पष्ट मानदंडों के पार प्रदर्शन का मूल्यांकन करने वाली एक स्कोरिंग गाइड
कक्षा मूल्यांकन में रुब्रिक (Rubric) एक विस्तृत स्कोरिंग गाइड या मूल्यांकन ढांचा है जिसका उपयोग स्पष्ट मानदंडों के आधार पर छात्रों के प्रदर्शन या उत्पाद का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। यह विभिन्न प्रदर्शन स्तरों के विस्तृत विवरण प्रदान करके मूल्यांकन को वस्तुनिष्ठ और पारदर्शी बनाता है।

108. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
रुब्रिक्स जटिल कार्यों जैसे निबंधों या परियोजनाओं के मूल्यांकन में वस्तुनिष्ठता और स्थिरता लाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे व्यापक असाइनमेंट को विशिष्ट घटकों में विभाजित करते हैं और प्रत्येक स्तर के लिए स्पष्ट विवरण प्रदान करते हैं। अतः दोनों कथन सत्य हैं और कारण सही व्याख्या करता है।

109. (D) किसी कार्य के विशिष्ट आयामों का व्यक्तिगत रूप से मूल्यांकन करता है
एक विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric) किसी कार्य को कई विशिष्ट आयामों या मानदंडों (जैसे सामग्री, संगठन, व्याकरण) में विभाजित करता है और प्रत्येक का अलग-अलग मूल्यांकन करता है। यह एक समग्र रुब्रिक से भिन्न है जो पूरे कार्य को केवल एक एकल संचयी स्कोर प्रदान करता है।

110. (D) विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric)
लेखन के विशिष्ट पहलुओं जैसे व्याकरण, संगठन और विचारों पर पृथक और लक्षित नैदानिक प्रतिपुष्टि देने के लिए विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric) सबसे उपयुक्त उपकरण है। यह छात्र को स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि उसके कार्य के किस विशिष्ट आयाम में सुधार की आवश्यकता है।

111. (D) प्रदर्शन के स्तर (जैसे, कुशल, अनुकरणीय)
रुब्रिक डिज़ाइन में, क्षैतिज अक्ष (स्तंभ/Columns) आमतौर पर प्रदर्शन के स्तरों (Levels of Performance) को दर्शाता है, जैसे अनुकरणीय, कुशल, या विकासशील। वहीं पंक्तियाँ (Rows) मूल्यांकन के विशिष्ट मानदंडों को दर्शाती हैं, जिनके आधार पर छात्र कार्य का परीक्षण किया जाता है।

112. (A) केवल I और II
रुब्रिक्स छात्रों के लिए अपेक्षाओं को पूर्व में ही स्पष्ट करते हैं और उनके सह-निर्माण से छात्र सहभागिता बढ़ती है। कथन III गलत है क्योंकि रुब्रिक्स शिक्षक के पेशेवर निर्णय का स्थान पूरी तरह नहीं लेते, बल्कि शिक्षक को अधिक वस्तुनिष्ठ निर्णय लेने में सहायता प्रदान करते हैं।

113. (D) मानदंडों के विरुद्ध कार्य के आत्म-नियमन और निगरानी का मार्गदर्शन करता है
असाइनमेंट शुरू करने से पहले छात्रों के साथ रुब्रिक साझा करने का मुख्य शिक्षण-शास्त्रीय लाभ यह है कि यह छात्रों को अपेक्षाओं का स्पष्ट चित्र प्रदान करता है। इससे छात्र कार्य के दौरान स्वयं अपनी प्रगति की निगरानी करने और अपने अधिगम का आत्म-नियमन (Self-Regulation) करने में सक्षम होते हैं।

114. (D) किसी उत्पाद या प्रदर्शन का त्वरित समग्र निर्णय
एक समग्र रुब्रिक (Holistic Rubric) किसी उत्पाद या प्रदर्शन का त्वरित और सामान्य समग्र निर्णय लेने के लिए सबसे उपयुक्त होता है। यह कार्य को अलग-अलग मानदंडों में तोड़े बिना संपूर्ण प्रदर्शन की गुणवत्ता को एक एकल स्कोर या ग्रेड के रूप में मूल्यांकित करता है।

115. (D) मानदंड-संदर्भित विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Criterion-Referenced Analytic Rubric) विकसित और लागू करें
परियोजना कार्यों की असंगत या पक्षपातपूर्ण ग्रेडिंग को दूर करने के लिए मानदंड-संदर्भित विश्लेषणात्मक रुब्रिक का विकास और प्रयोग सबसे प्रभावी उपाय है। यह उपकरण मूल्यांकन के स्पष्ट और निष्पक्ष मापदंड तय करता है, जिससे ग्रेडिंग व्यक्तिपरक न होकर वस्तुनिष्ठ और सुसंगत बनती है।

116. (A) डिस्क्रिप्टर्स (Descriptors)
रुब्रिक में मानदंडों और प्रदर्शन के स्तरों के प्रतिच्छेदन बिंदु पर स्थित कोशिकाओं में लिखे विवरणों को "डिस्क्रिप्टर्स" (Descriptors) कहा जाता है। ये डिस्क्रिप्टर्स स्पष्ट रूप से बताते हैं कि किसी विशिष्ट प्रदर्शन स्तर पर छात्र का कार्य किस प्रकार का दिखना चाहिए, जिससे ग्रेडिंग पारदर्शी बनती है।

Downloaded from www.pdf.tube

एक प्रमुख उदाहरण है। यह प्रक्रिया शिक्षक को छात्र की पठन कठिनाई के सटीक कारण को समझने में मदद करती है।

166. (D) हम कहाँ से शुरुआत कर रहे हैं, और क्या बाधाएं मौजूद हैं?
नैदानिक मूल्यांकन का मूल प्रश्न यह है कि "हम कहाँ से शुरुआत कर रहे हैं, और छात्र के अधिगम में कौन सी पूर्व बाधाएं या भ्रांतियां मौजूद हैं?" यह शिक्षण शुरु होने से पहले छात्र की प्रारंभिक स्थिति और संभावित अधिगम कठिनाइयों का खाका प्रस्तुत करता है।

167. (D) संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं को उजागर करने के लिए गुणात्मक छात्र प्रतिक्रियाओं की व्याख्या करना
कक्षा मूल्यांकन का नैदानिक रूप से उपयोग करने के लिए शिक्षक को केवल उत्तरों को सही या गलत जांचने से आगे बढ़ना होता है। शिक्षक को छात्रों की गुणात्मक प्रतिक्रियाओं, गलतियों के प्रकार और उनकी अंतर्निहित संज्ञानात्मक चिंतन प्रक्रियाओं की व्याख्या करने में पूरी तरह कुशल होना चाहिए।

168. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
नैदानिक मूल्यांकनों को आम तौर पर अंक या ग्रेड नहीं दिए जाने चाहिए। यदि इन्हें ग्रेड दिया जाएगा, तो छात्र अपनी वास्तविक गलतफहमियों को छिपाने का प्रयास करेंगे और उनमें परीक्षा की चिंता उत्पन्न होगी, जिससे नैदानिक परीक्षण का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। अतः दोनों कथन सत्य हैं।

169. (D) गलतफहमी को दूर करने के लिए लक्षित छोटे-समूह निर्देश (Targeted Small-Group Instruction) प्रदान करें
नैदानिक मूल्यांकन द्वारा किसी छोटे समूह में सामान्य गलतफहमी की पहचान करने के बाद सबसे प्रभावी कदम उन छात्रों को लक्षित छोटे-समूह निर्देश (Targeted Small-Group Instruction) प्रदान करना है। पूरी कक्षा का समय नष्ट करने के स्थान पर केवल प्रभावित छात्रों को केंद्रित सहायता दी जानी चाहिए।

170. (D) सामान्य भ्रांतियों के आधार पर विकल्पों के साथ एक हिंज प्रश्न (Hinge Question)
सामान्य भ्रांतियों के आधार पर तैयार किया गया हिंज प्रश्न (Hinge Question) रचनात्मक और नैदानिक दोनों कार्य करता है। यह एक ओर तात्कालिक समझ का आकलन करता है (रचनात्मक), और दूसरी ओर यह स्पष्ट रूप से उजागर करता है कि छात्र की गलत सोच का कारण क्या है (नैदानिक)।

171. (D) छात्र तत्परता के लिए सामग्री, प्रक्रिया और उत्पाद को समायोजित करने के लिए डेटा प्रदान करना
विभेदित शिक्षण (Differentiated Instruction) में मूल्यांकन का प्राथमिक कार्य छात्रों की विविध तत्परता स्तरों, रुचियों और अधिगम शैलियों के बारे में डेटा प्रदान करना है। इस डेटा के आधार पर शिक्षक शिक्षण की सामग्री, प्रक्रिया और उत्पाद को प्रत्येक छात्र की आवश्यकतानुसार समायोजित करते हैं।

172. (A) केवल I और III
पूर्व-मूल्यांकन छात्र तत्परता तय करता है और रचनात्मक मूल्यांकन लचीले समूहन में मदद करता है। कथन II असत्य है क्योंकि विभेदित शिक्षण का अर्थ यह नहीं है कि सभी के लिए अलग परीक्षा हो; बल्कि समान मुख्य लक्ष्यों को विभिन्न माध्यमों द्वारा मापा जा सकता है।

173. (D) विषय पर विस्तार गतिविधियां या स्वतंत्र अध्ययन प्रदान करना चाहिए
यदि पूर्व-मूल्यांकन से यह ज्ञात होता है कि कुछ छात्रों ने आगामी विषय पर पहले ही महारत हासिल कर ली है, तो एक विभेदित कक्षा में शिक्षक को उन्हें समृद्ध बनाने वाली विस्तार गतिविधियां (Extension Activities) या स्वतंत्र अध्ययन परियोजनाएं प्रदान करनी चाहिए ताकि उनकी क्षमता का संवर्धन हो।

NODIA

174. (A) एक निबंध लिखना, एक प्रस्तुति देना, या एक मॉडल बनाना
"उत्पाद" (Product) को विभेदित करने का अर्थ है छात्रों को यह प्रदर्शित करने का अवसर देना कि उन्होंने क्या सीखा है। इसके लिए शिक्षक विभिन्न विकल्प जैसे निबंध लिखना, मौखिक प्रस्तुति देना, या एक भौतिक मॉडल बनाना प्रदान कर सकता है, जिससे छात्र अपनी क्षमतानुसार प्रदर्शन कर सकें।

175. (D) विभेदित शिक्षण के भीतर डेटा-संचालित लचीला समूहन (Flexible Grouping)
निकास टिकटों के तात्कालिक डेटा के आधार पर प्रतिदिन छोटे समूहों की संरचना बदलना विभेदित शिक्षण के अंतर्गत डेटा-संचालित लचीले समूहन (Flexible Grouping) का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह छात्रों को उनकी बदलती आवश्यकताओं के अनुसार निरंतर लक्षित सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

176. (D) समान मुख्य अधिगम लक्ष्य को लक्षित करते हुए कार्य जटिलता में भिन्न होते हैं
स्तरीय असाइनमेंट (Tiered Assignments) विभेदन की एक ऐसी रणनीति है जिसमें सभी छात्र एक ही मुख्य अधिगम लक्ष्य या अवधारणा पर काम करते हैं, लेकिन दिए गए कार्यों का कठिनाई या जटिलता स्तर (Complexity Level) छात्रों की वर्तमान तत्परता के अनुसार अलग-अलग होता है।

177. (D) सीखने की शैलियाँ, पर्यावरण प्राथमिकताएं और बुद्धिमत्ता (Learning Styles, Environment Preferences, and Intelligences)
"लर्निंग प्रोफाइल" (Learning Profile) मूल्यांकन का उद्देश्य यह समझना है कि छात्र सबसे अच्छे तरीके से कैसे सीखता है। इसमें छात्र की सीखने की शैलियों, पसंदीदा शिक्षण वातावरण (जैसे शांत या समूह), और उसकी बहु-बुद्धिमत्ता प्राथमिकताओं के बारे में महत्त्वपूर्ण डेटा एकत्र किया जाता है।

129. (D) चयन (Selection)
पोर्टफोलियो निर्माण प्रक्रिया में यह तय करना कि कौन से कार्य नमूनों और कलाकृतियों को शामिल किया जाना है, "चयन" (Selection) कहलाता है। यह प्रक्रिया छात्रों को अपने काम की समीक्षा करने और यह निर्णय लेने का सुअवसर देती है कि कौन सा कार्य उनकी अधिगम प्रगति का सर्वोत्तम प्रतिनिधित्व करता है।

130. (D) एक पोर्टफोलियो अवलोकन प्रदान करना और अधिगम पर चिंतन करना
पोर्टफोलियो की शुरुआत में "प्रिय पाठक" (Dear Reader) पत्र शामिल करने का शिक्षण-शास्त्रीय उद्देश्य पाठक को पोर्टफोलियो की सामग्री का एक अवलोकन प्रदान करना है। इसके साथ ही, यह छात्र को अपनी समग्र अधिगम यात्रा, उपलब्धियों और विकास पर संक्षेप में चिंतन व्यक्त करने का अवसर देता है।

131. (A) यह सुनिश्चित करता है कि परीक्षण इच्छित अधिगम को सटीक रूप से मापते हैं
अधिगम के उद्देश्यों और मूल्यांकन के बीच संरेखण (Alignment) अत्यंत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह सुनिश्चित करता है कि मूल्यांकन उपकरण वास्तव में उन्हीं ज्ञान, कौशलों और क्षमताओं को माप रहे हैं जिन्हें पढ़ाने का लक्ष्य रखा गया था। बिना संरेखण के मूल्यांकन का डेटा अमान्य और निरर्थक हो जाता है।

132. (A) केवल I और II
रचनात्मक संरेखण के अनुसार अधिगम परिणामों को शिक्षण गतिविधियों और मूल्यांकन कार्यों के साथ सीधे संरेखित होना चाहिए। कथन III असत्य है क्योंकि रचनात्मक संरेखण रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) में उतना ही महत्त्वपूर्ण और आवश्यक है जितना कि योगात्मक मूल्यांकन में होता है।

133. (B) विद्रोह के आर्थिक, सामाजिक और political कारणों का मूल्यांकन करने वाला एक निबंध
"विद्रोह के कारणों का विश्लेषण करना" एक उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक उद्देश्य है। इसका सटीक मूल्यांकन करने के लिए एक ऐसा निबंध कार्य सबसे उपयुक्त है जो छात्रों से विभिन्न आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक कारणों का विश्लेषण और मूल्यांकन करने की मांग करता है, न कि केवल रटे हुए तथ्यों का पुनः स्मरण।

134. (D) असरेखण (Misalignment)
जब शिक्षण के घोषित अधिगम उद्देश्यों और वास्तव में उपयोग किए जाने वाले मूल्यांकन कार्यों के बीच तालमेल नहीं होता, तो इसे "असरेखण" (Misalignment) कहा जाता है। असरेखण के कारण मूल्यांकन की वैधता समाप्त हो जाती है और यह छात्र की वास्तविक सीख का सही प्रतिनिधित्व नहीं कर पाता।

135. (D) मूल्यांकन में घोषित उद्देश्य के सापेक्ष निर्माण वैधता (Construct Validity) का अभाव है
जब उद्देश्य "प्रयोग डिजाइन करने" (उच्च संज्ञानात्मक स्तर) का हो और मूल्यांकन केवल "पौधे के भागों को लेबल करने" (निम्न स्तर) का हो, तो यहाँ असरेखण है। इस मूल्यांकन में निर्माण वैधता (Construct Validity) का अभाव है क्योंकि यह लक्षित जटिल कौशल को मापने में पूरी तरह विफल रहता है।

136. (D) परिणामों की पहचान करनी चाहिए, मूल्यांकन साक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, फिर शिक्षण की योजना बनानी चाहिए
निर्देशात्मक योजना में "बैकवर्ड डिज़ाइन" (Backward Design) दृष्टिकोण के अनुसार शिक्षकों को तीन चरणों का पालन करना चाहिए: सबसे पहले वांछित अधिगम परिणामों की पहचान करना, फिर प्रमाण के रूप में मूल्यांकन साक्ष्य तय करना, और अंत में उपयुक्त शिक्षण गतिविधियों की योजना बनाना।

137. (D) ब्लूम का संशोधित वर्गीकरण (Bloom's Revised Taxonomy)
ब्लूम के संशोधित वर्गीकरण (Bloom's Revised Taxonomy) का उपयोग व्यापक रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि अधिगम के उद्देश्य और मूल्यांकन प्रश्न उपयुक्त संज्ञानात्मक स्तरों (याद रखने से लेकर सृजन तक) पर पूरी तरह से संरेखित हों, जिससे संतुलित मूल्यांकन संभव हो पाता है।

138. (C) एक नया, मूल उत्पाद या विचार प्रस्तुत करना
ब्लूम के वर्गीकरण के सर्वोच्च स्तर "सृजन" (Creating) में छात्रों से विभिन्न तत्वों को जोड़कर एक नया, मूल उत्पाद, समाधान या विचार प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए, इस स्तर के संरेखित मूल्यांकन कार्य में छात्रों को स्वतंत्र रूप से निर्माण करने का अवसर मिलना चाहिए।

139. (A) सामग्री वैधता और संतुलित उद्देश्य प्रतिनिधित्व (Content Validity and Balanced Objective Representation)
"विनिर्देश तालिका" (Table of Specifications) या मूल्यांकन खाके का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि परीक्षा पत्र में सभी विषय क्षेत्रों और संज्ञानात्मक स्तरों का संतुलित प्रतिनिधित्व हो। यह उपकरण परीक्षण की सामग्री वैधता (Content Validity) को वैज्ञानिक रूप से मजबूत करने में मदद करता है।

140. (B) केवल II और III
अधिगम उद्देश्य SMART होने चाहिए और वे प्रगति मापन का मानदंड प्रदान करते हैं। कथन I गलत है क्योंकि उन्हें छात्र के दृष्टिकोण से लिखा जाना चाहिए ("छात्र करेंगे..."), और कथन IV गलत है क्योंकि वे रचनात्मक और योगात्मक दोनों प्रकार के मूल्यांकनों के लिए अनिवार्य हैं।

Click Here to Buy book on Flipkart

117. (D) वे कठोर प्रदर्शन सूत्रों के माध्यम से रचनात्मकता को सीमित कर सकते हैं
खराब ढंग से डिज़ाइन किए गए या अत्यधिक संकीर्ण रुब्रिक्स का एक संभावित नुकसान यह है कि वे कठोर नियमों और बॉक्स-चेकिंग के कारण छात्रों की मौलिकता एवं रचनात्मकता को सीमित कर सकते हैं। छात्र केवल रुब्रिक की न्यूनतम शर्तों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने लगते हैं।

118. (D) प्रमाणिक प्रदर्शन मूल्यांकन (Authentic Performance Assessment)
पोर्टफोलियो मूल्यांकन (Portfolio Assessment) को प्राथमिक रूप से प्रमाणिक प्रदर्शन मूल्यांकन (Authentic Performance Assessment) का एक रूप माना जाता है। इसमें छात्र के वास्तविक कार्यों, परियोजनाओं और चिंतनों का एक समय सीमा में संग्रह किया जाता है जो उनकी वास्तविक क्षमताओं और वृद्धि का प्रदर्शन करता है।

119. (D) इसमें विकास दर्शाने वाले चिंतन और चयनित कलाकृतियां शामिल हैं
एक साधारण फ़ोल्डर की तुलना में छात्र पोर्टफोलियो की परिभाषित विशेषता यह है कि इसमें छात्र द्वारा जानबूझकर चुनी गई कलाकृतियाँ (Artifacts) और उनके साथ जुड़े चिंतन (Reflections) शामिल होते हैं। यह केवल काम एकत्र करने के स्थान पर समय के साथ छात्र के विकास और सीखने को प्रदर्शित करता है।

120. (D) प्रारूप (Drafts) और संशोधनों सहित अधिगम के चरणों का दस्तावेजीकरण करता है
"प्रक्रिया पोर्टफोलियो" (Process Portfolio) शोकेस पोर्टफोलियो से भिन्न होता है क्योंकि यह केवल अंतिम सर्वश्रेष्ठ कार्यों को दिखाने के स्थान पर सीखने की पूरी यात्रा को दर्ज करता है। इसमें प्रारंभिक प्रारूप (Drafts), गलतियाँ, सुधारात्मक प्रयास और संशोधन शामिल होते हैं जो छात्र विकास को स्पष्ट दर्शाते हैं।

121. (D) अधिगम पर चिंतन करके परासंज्ञान (Metacognition) का विकास करना
पोर्टफोलियो में छात्र चिंतनों (Student Reflections) को शामिल करने का मुख्य उद्देश्य छात्रों में परासंज्ञान (Metacognition) विकसित करना है। अपने काम की समीक्षा करके छात्र यह समझते हैं कि उन्होंने क्या सीखा, कौन सी रणनीतियाँ सफल रहीं और भविष्य में वे अपने अधिगम को कैसे सुधार सकते हैं।

122. (D) रचनावादी शिक्षाशास्त्र (Constructivist Pedagogy)
पोर्टफोलियो मूल्यांकन रचनावादी शिक्षाशास्त्र (Constructivist Pedagogy) के सिद्धांतों के साथ सबसे अधिक संरेखित है। यह मानता है कि शिक्षार्थी समय के साथ ज्ञान का सक्रिय रूप से निर्माण करते हैं, और यह उनकी व्यक्तिगत अधिगम यात्रा, विविध कौशलों एवं आत्म-चिंतन क्षमता का एक प्रमाणिक और सतत साक्ष्य प्रदान करता है।

123. (D) इसे संकलित करना और मूल्यांकन करना समय लेने वाला है
बड़ी कक्षाओं में पोर्टफोलियो मूल्यांकन लागू करने की एक प्रमुख व्यावहारिक चुनौती यह है कि प्रत्येक छात्र के विस्तृत संग्रह को व्यवस्थित रूप से संकलित करना, उसकी समीक्षा करना और गुणात्मक प्रतिपुष्टि प्रदान करना अत्यधिक समय लेने वाला कार्य है। इसके लिए शिक्षक से उच्च स्तर के संगठन की आवश्यकता होती है।

124. (D) छात्रों से समय-समय पर कलाकृतियों का चयन कराएं और अधिगम पर चिंतन कराएं
केवल कार्यपत्रकों को फ़ोल्डर में जमा करना पोर्टफोलियो मूल्यांकन नहीं है। इसे वास्तविक पोर्टफोलियो बनाने के लिए शिक्षार्थियों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। शिक्षक को चाहिए कि वह छात्रों से समय-समय पर अपनी श्रेष्ठ कलाकृतियों का चयन करने और उन पर आत्म-चिंतन लिखने के अवसर नियमित रूप से प्रदान करे।

125. (D) वे मल्टीमीडिया कलाकृतियों को एकीकृत करते हैं और अत्यधिक सुवाह्य (Portable) हैं
ई-पोर्टफोलियो (E-portfolios) पारंपरिक पोर्टफोलियो की तुलना में यह विशिष्ट लाभ प्रदान करते हैं कि वे ऑडियो, वीडियो और डिजिटल लिंक जैसी मल्टीमीडिया कलाकृतियों को आसानी से एकीकृत कर सकते हैं। इसके अलावा, वे अत्यधिक सुवाह्य (Portable) होते हैं और उन्हें कहीं से भी आसानी से एक्सेस किया जा सकता है।

NODIA

126. (D) संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणात्मक क्षेत्रों में पोर्टफोलियो मूल्यांकन
मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN) के अंतर्गत समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card) छात्र विकास के सभी पहलुओं को कवर करता है। यह केवल लिखित परीक्षाओं पर ध्यान देने के बजाय संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणात्मक (Psychomotor) क्षेत्रों में पोर्टफोलियो और सतत अवलोकन पर आधारित होता है।

127. (A) पोर्टफोलियो उद्देश्यों के साथ संरेखित एक स्कोरिंग रुब्रिक
योगात्मक मूल्यांकन के लिए पोर्टफोलियो का उपयोग करते समय निष्पक्ष और विश्वसनीय ग्रेड देने का सर्वोत्तम तरीका पोर्टफोलियो के उद्देश्यों के साथ संरेखित एक स्पष्ट स्कोरिंग रुब्रिक का उपयोग करना है। यह व्यक्तिगत अंतर्ज्ञान या पृष्ठों की संख्या जैसे अप्रासंगिक कारकों के बजाय वस्तुनिष्ठ मापदंड सुनिश्चित करता है।

128. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के मूल्यांकन के लिए पोर्टफोलियो अत्यधिक प्रभावी हैं क्योंकि वे लचीलापन प्रदान करते हैं। यह मानक परीक्षणों के बजाय कई तरीकों से अधिगम के प्रदर्शन की अनुमति देता है और छात्र की व्यक्तिगत प्रगति को उजागर करता है। अतः दोनों कथन सत्य हैं और व्याख्या सही है।

153. (D) महारत हासिल करने के लिए लक्षित सहायता और आगे के अवसर प्रदान किए जाते हैं
दक्षता-आधारित मूल्यांकन मॉडल में यदि कोई छात्र पहली बार में महारत प्रदर्शित नहीं कर पाता, तो उसे अनुत्तीर्ण घोषित नहीं किया जाता। इसके स्थान पर, उसे लक्षित सुधारात्मक सहायता, मचान, और तब तक आगे के अवसर प्रदान किए जाते हैं जब तक वह दक्षता हासिल न कर ले।

154. (D) अधिगम के सुगमकर्ता और कोच (Learning Facilitators and Coaches)
दक्षता-आधारित मूल्यांकन में शिक्षकों की भूमिका पारंपरिक व्याख्याता या केवल परीक्षा नियंत्रक के स्थान पर अधिगम के सुगमकर्ता (Learning Facilitators) और कोच के रूप में बदल जाती है। वे प्रत्येक छात्र की व्यक्तिगत आवश्यकताओं का निदान करते हैं और महारत प्राप्त करने में उनका निरंतर मार्गदर्शन करते हैं।

155. (D) गणित, डिजिटल कौशल और वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान को एकीकृत करता है
स्प्रेडशीट का उपयोग करके बजट की गणना करने का कार्य एक उत्कृष्ट दक्षता-आधारित मूल्यांकन है। यह पृथक सैद्धांतिक ज्ञान का परीक्षण करने के बजाय गणितीय अवधारणाओं, डिजिटल साक्षरता और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग को एक साथ एकीकृत करता है, जिससे व्यावहारिक सक्षमता का परीक्षण होता है।

156. (A) वैध दक्षता मूल्यांकन उपकरण बनाना
विशिष्ट अधिगम परिणामों और दक्षताओं के आसपास बनाए गए "प्रश्न बैंकों" (Item Banks) का उपयोग वैध और उच्च-गुणवत्ता वाले दक्षता मूल्यांकन उपकरण तैयार करने के लिए आवश्यक है। यह शिक्षकों को विभिन्न कठिनाई स्तरों और कौशलों का परीक्षण करने वाले मानक प्रश्न प्राप्त करने में मदद करता है।

157. (D) शिक्षण से पहले विशिष्ट अधिगम अंतरालों और भ्रांतियों की पहचान करना
कक्षा मूल्यांकन के नैदानिक (Diagnostic) उपयोग का मुख्य उद्देश्य नया शिक्षण शुरू करने से पहले या प्रक्रिया के दौरान छात्रों की विशिष्ट कमियों, अधिगम अंतरालों (Learning Gaps) और भ्रांतियों की पहचान करना है, ताकि उनके अनुसार उपयुक्त उपचारात्मक योजना बनाई जा सके।

158. (D) नैदानिक मूल्यांकन आधारभूत तत्परता (Baseline Readiness) पाता है, जबकि रचनात्मक निरंतर चल रहा है
नैदानिक मूल्यांकन मुख्य रूप से शिक्षण से पूर्व छात्र की आधारभूत तत्परता (Baseline Readiness) और पूर्व-ज्ञान की बाधाओं को खोजता है। वहीं दूसरी ओर, रचनात्मक मूल्यांकन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान निरंतर चलता है ताकि अधिगम की प्रगति की निगरानी और सुधार किया जा सके।

159. (D) आगे बढ़ने से पहले मूलभूत मिन्न अवधारणाओं को फिर से पढ़ाने के लिए योजनाओं को समायोजित करना चाहिए
पूर्व-परीक्षण के नैदानिक परिणामों का सही उपयोग यह है कि शिक्षक अपनी शिक्षण योजना को संशोधित करे। यदि छात्र आधारभूत अवधारणाओं को नहीं समझते, तो नए उन्नत विषय शुरू करने के बजाय पहले उन मूलभूत धारणाओं को पुनः पढ़ाना और सुदृढ़ करना अनिवार्य होता है।

NODIA

160. (B) केवल I, II और IV
नैदानिक मूल्यांकन गलतियों के मूल कारण खोजता है, विशिष्ट कौशलों पर केंद्रित होता है, और IEP बनाने में मार्गदर्शन करता है। कथन III गलत है क्योंकि इसके प्राथमिक दर्शक बाहरी बोर्ड नहीं, बल्कि कक्षा शिक्षक और स्वयं छात्र होते हैं ताकि शिक्षण में सुधार किया जा सके।

161. (D) अंतर्निहित छात्र भ्रांतियों को प्रकट करने के लिए गलती के पैटर्न का विश्लेषण करता है
त्रुटि विश्लेषण (Error Analysis) एक महत्त्वपूर्ण नैदानिक तकनीक है जिसमें शिक्षक केवल गलतियों को गिनने या अंक काटने के स्थान पर छात्र की त्रुटियों के पैटर्न का गहराई से अध्ययन करता है। इससे छात्र की अंतर्निहित वैचारिक भ्रांतियों का सटीक पता चलता है।

162. (A) उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)
नैदानिक मूल्यांकन सीधे तौर पर "उपचारात्मक शिक्षण" (Remedial Teaching) की शैक्षिक अवधारणा से जुड़ा हुआ है। जिस प्रकार चिकित्सा में उपचार से पहले निदान आवश्यक है, उसी प्रकार शिक्षा में उपचारात्मक शिक्षण शुरू करने से पूर्व नैदानिक मूल्यांकन द्वारा अधिगम कठिनाइयों की पहचान अनिवार्य होती है।

163. (D) अधिगम की रुकावटों को पिनपॉइंट करने के लिए कौशलों को घटकों में विभाजित करना
एक नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) की मुख्य विशेषता यह है कि यह किसी जटिल कौशल को उसके छोटे उप-कौशलों और घटकों में तोड़ देता है। इससे शिक्षक को यह सटीक रूप से पिनपॉइंट करने में मदद मिलती है कि छात्र को अधिगम प्रक्रिया में कहाँ बाधा आ रही है।

164. (D) मौलिक वैज्ञानिक अवधारणाओं के बारे में छात्र भ्रांतियों की पहचान करना
अवधारणा सूची पत्र (Concept Inventories) का उपयोग विज्ञान शिक्षा में नैदानिक उपकरण के रूप में किया जाता है। इनका मुख्य उद्देश्य मौलिक वैज्ञानिक सिद्धांतों (जैसे बल, ऊर्जा, प्रकाश) के बारे में छात्रों में पहले से मौजूद गलतफहमियों और भ्रांतियों की पहचान करना है ताकि उन्हें सुधारा जा सके।

165. (D) नैदानिक मूल्यांकन में
"मिसक्यु विश्लेषण" (Miscue Analysis) के माध्यम से पठन त्रुटियों की प्रकृति (ध्वन्यात्मक या अर्थ संबंधी) का अध्ययन करना नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Assessment) का

190. (D) सफलता के मानदंडों की समझ को गहरा करता है और स्वामित्व को बढ़ावा देता है
जब छात्र शिक्षक के साथ मिलकर मूल्यांकन रुब्रिक्स का सह-निर्माण करते हैं, तो इससे सफलता के मानदंडों के प्रति उनकी समझ अत्यधिक गहरी हो जाती है। यह प्रक्रिया छात्रों को केवल नियमों का पालन करने वाले के बजाय अधिगम में भागीदार बनाकर कार्य का स्वामित्व प्रदान करती है।

191. (D) मैं कहाँ जा रहा हूँ? मैं अभी कहाँ हूँ? अंतर को कैसे पाटा जाए?
अधिगम के रूप में मूल्यांकन छात्रों को तीन मुख्य प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम बनाता है: 1. मैं कहाँ जा रहा हूँ? (अधिगम लक्ष्य), 2. मैं अभी कहाँ हूँ? (वर्तमान स्तर), और 3. इस अंतर को कैसे पाटा जाए? (सुधार की रणनीतियाँ)। यह ढांचा आत्म-नियमन का आधार है।

192. (A) केवल I और III
विकल्प प्रदान करने से स्वायत्तता बढ़ती है और विकास मानसिकता आत्म-मूल्यांकन को आसान बनाती है। कथन II गलत है क्योंकि अधिगम के रूप में मूल्यांकन में छात्र-जनित और सह-निर्मित लक्ष्य शिक्षक द्वारा जबरन थोपे गए लक्ष्यों की तुलना में काफी अधिक प्रभावी और स्थायी होते हैं।

193. (D) मूल्यवान अधिगम के अवसरों (Valuable Learning Opportunities) के रूप में
अधिगम के रूप में मूल्यांकन को बढ़ावा देने वाली कक्षा में त्रुटियों और गलतियों को दंडनीय अपराध या विफलता नहीं माना जाता। इसके विपरीत, उन्हें सीखने के मूल्यवान अवसरों (Learning Opportunities) के रूप में देखा जाता है जो छात्र की चिंतन प्रक्रिया और भ्रांतियों को समझकर सुधार करने में मदद करते हैं।

194. (D) विशिष्ट, अल्पकालिक और छात्र-निगरानी वाले (Specific, Short-Term, and Student-Monitored)
अधिगम के रूप में मूल्यांकन में लक्ष्य निर्धारण तब सबसे प्रभावी होता है जब वे लक्ष्य विशिष्ट, अल्पकालिक और स्वयं छात्र द्वारा निगरानी योग्य हों। छोटे और स्पष्ट लक्ष्य छात्रों को अपनी तात्कालिक प्रगति देखने और अपने अधिगम व्यवहार में आवश्यक बदलाव करने में सहायता करते हैं।

195. (D) अधिगम के रूप में मूल्यांकन आत्म-नियमन (Assessment as Learning Self-Regulation)
जब छात्र स्वयं अपनी गलतियों के पैटर्न की पहचान करता है और सबमिशन से पहले उत्तरों को री-चेक करने की नई रणनीति बनाता है, तो यह "अधिगम के रूप में मूल्यांकन" के अंतर्गत आत्म-नियमन (Self-Regulation) और परासंज्ञानात्मक नियंत्रण का एक सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है।

196. (D) छात्र स्वतंत्र रूप से अपने अधिगम की निगरानी और समायोजन करते हैं
जिम्मेदारी का क्रमिक विमोचन मॉडल (Gradual Release Model) यह दर्शाता है कि शुरुआत में शिक्षक मार्गदर्शन देता है, लेकिन अंततः जिम्मेदारी छात्र पर स्थानांतरित हो जाती है। अंततः छात्र स्वतंत्र रूप से अपने अधिगम की स्वयं निगरानी, मूल्यांकन और आवश्यक समायोजन करने में पूरी तरह सक्षम बनते हैं।

197. (D) अपने ड्राफ्ट की तुलना रुब्रिक से करें। किस क्षेत्र में संशोधन की आवश्यकता है?
"अपने ड्राफ्ट की तुलना रुब्रिक से करें। किस क्षेत्र में संशोधन की आवश्यकता है?" यह कथन अधिगम के रूप में मूल्यांकन का सीधे समर्थन करता है। यह छात्र को सीधे उत्तर देने के स्थान पर मानदंड के आधार पर स्वयं अपने कार्य का विश्लेषण और संशोधन करने के लिए प्रेरित करता है।

198. (D) आंतरिक प्रेरणा और आजीवन सीखने के कौशल (Intrinsic Motivation and Lifelong Learning Skills)
अधिगम के रूप में मूल्यांकन को नियमित लागू करने से छात्रों में बाह्य पुरस्कारों या ग्रेड के स्थान पर आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) विकसित होती है। इसके साथ ही, उनमें आत्म-मूल्यांकन और स्वायत्तता जैसे आजीवन सीखने के कौशल (Lifelong Learning Skills) का विकास होता है।

199. (D) छात्र आत्म-निगरानी के लिए परासंज्ञानात्मक रणनीतियों (Metacognitive Strategies) को मॉडल करना
शिक्षक द्वारा समस्या हल करते समय "थिंक-अलाउड" (Think-Aloud) का उपयोग करने का मुख्य उद्देश्य छात्रों के सामने अपनी ही चिंतन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है। यह छात्रों को यह सिखाने के लिए परासंज्ञानात्मक रणनीतियों (Metacognitive Strategies) का मॉडल प्रस्तुत करता है कि वे स्वयं कैसे आत्म-निगरानी कर सकते हैं।

200. (D) सतत विकास, मनोवैज्ञानिक सुरक्षा और सहयोग (Continuous Growth, Psychological Safety, and Collaboration)
अधिगम के लिए मूल्यांकन और अधिगम के रूप में मूल्यांकन का सफल एकीकरण एक ऐसी स्कूल संस्कृति पर निर्भर करता है जो सतत विकास, मनोवैज्ञानिक सुरक्षा (Psychological Safety) और सहयोग को प्राथमिकता देती है। ऐसे सुरक्षित वातावरण में छात्र बिना किसी डर के अपनी गलतियों से सीख सकते हैं।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

178. (A) एक इकाई के दौरान छात्र की तत्परता और समझ लगातार विकसित होती है
विभेदित कक्षा में सतत मूल्यांकन इसलिए अनिवार्य है क्योंकि एक इकाई के दौरान छात्रों की समझ और तत्परता का स्तर लगातार बदलता रहता है। निरंतर मूल्यांकन डेटा शिक्षक को समूहन और निर्देशात्मक रणनीतियों को आवश्यकतानुसार समय-समय पर समायोजित करने में मदद करता है।

179. (D) छात्र रुचि के आधार पर उत्पाद विकल्प (Product Choice Based on Student Interest)
अंतिम परियोजना के लिए विकल्पों का मेनू (जैसे टिक-टैक-टो बोर्ड) प्रदान करना छात्र की व्यक्तिगत रुचियों के आधार पर उत्पाद में विभेदन करने का उदाहरण है। यह छात्रों को अपनी पसंद के माध्यम से अपनी समझ प्रदर्शित करने की स्वायत्तता देता है, जिससे प्रेरणा बढ़ती है।

180. (A) केवल I और III
विभेदित कक्षा में शिक्षण और मूल्यांकन अविभाज्य हैं, तथा रुब्रिक्स को उत्पाद प्रारुप के बजाय मुख्य दक्षता का मूल्यांकन करना चाहिए। कथन II और IV असत्य हैं क्योंकि मूल्यांकन केवल अंत में नहीं होता और विभेदन का अर्थ संघर्षरत शिक्षार्थियों के लिए मानकों को कम करना बिल्कुल नहीं है।

181. (D) मानकों को कम किए बिना छात्र अधिगम तक कैसे पहुंचते हैं या प्रदर्शित करते हैं उसमें समायोजन
विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) के लिए "आवास" (Accommodations) का अर्थ अधिगम या मूल्यांकन के माहौल, प्रारुप या समय में ऐसे समायोजन करना है जिससे मुख्य शैक्षणिक मानकों को कम किए बिना छात्र अपनी वास्तविक क्षमताओं और ज्ञान को बाधा-रहित रुप से प्रदर्शित कर सकें।

182. (D) एक मूल्यांकन आवास (Assessment Accommodation)
डिस्लेक्सिया से पीड़ित छात्र को परीक्षा में अतिरिक्त समय या टेक्स्ट-टू-स्पीच तकनीक की सुविधा देना एक "मूल्यांकन आवास" (Assessment Accommodation) है। यह छात्र की पठन बाधा को दूर करके उसे अपनी वास्तविक विषय-समझ प्रदर्शित करने का एक निष्पक्ष और समान अवसर प्रदान करता है।

183. (D) छात्र
अधिगम के रुप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) मौलिक रुप से अधिगम और मूल्यांकन की पूरी जिम्मेदारी स्वयं शिक्षार्थी (Student) पर डालता है। इस प्रक्रिया में छात्र निष्क्रिय प्राप्तकर्ता रहने के स्थान पर अपनी अधिगम प्रगति की निगरानी करने वाले और स्व-मूल्यांकन करने वाले मुख्य कर्ता बनते हैं।

184. (D) अधिगम के लक्ष्यों को व्यक्त करते हैं, प्रगति का मूल्यांकन करते हैं, और अगले चरणों की योजना बनाते हैं
अधिगम का वास्तविक छात्र स्वामित्व तब परिलक्षित होता है जब शिक्षार्थी केवल निर्देशों का पालन करने के स्थान पर स्वयं अपने अधिगम लक्ष्यों को स्पष्ट व्यक्त करते हैं, सफलता के मानदंडों के आधार पर अपनी प्रगति का आत्म-मूल्यांकन करते हैं और सुधार हेतु अगले चरणों की योजना बनाते हैं।

185. (C) अधिगम के रुप में मूल्यांकन (Assessment as Learning) और agency को
छात्र-नेतृत्व वाले सम्मेलन (Student-Led Conferences) जहाँ छात्र स्वयं अपने पोर्टफोलियो और प्रगति को समझाते हैं, सीधे "अधिगम के रुप में मूल्यांकन" को बढ़ावा देते हैं। यह पहल छात्रों में अपने सीखने के प्रति उत्तरदायित्व, आत्म-चिंतन और व्यक्तिगत एजेंसी (Student Agency) को विकसित करती है।

186. (D) परासंज्ञान (Metacognition)
परासंज्ञान (Metacognition) अर्थात "अपनी सोच प्रक्रिया के बारे में सोचना", अधिगम के रुप में मूल्यांकन की केंद्रीय संज्ञानात्मक प्रक्रिया है। इसके माध्यम से शिक्षार्थी यह विश्लेषण करते हैं कि वे कैसे सीखते हैं, उनकी रणनीतियाँ कितनी प्रभावी हैं और वे अपनी अधिगम प्रक्रिया को कैसे नियंत्रित कर सकते हैं।

187. (D) आत्म-चिंतन के सुगमकर्ता (Facilitators of Self-Reflection)
छात्र स्वामित्व निर्मित करने के लिए शिक्षकों को कक्षा में एकमात्र नियंत्रक से हटकर आत्म-चिंतन के सुगमकर्ता (Facilitators of Self-Reflection) के रुप में काम करना चाहिए। शिक्षकों को छात्रों को ऐसे कौशल और अवसर प्रदान करने चाहिए जिससे वे स्वयं अपने काम का निष्पक्ष मूल्यांकन कर सकें।

NODIA

188. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
अधिगम के रुप में मूल्यांकन के लिए आत्म-मूल्यांकन और चिंतन कौशलों का स्पष्ट शिक्षण आवश्यक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि छात्रों के पास अपनी संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं का सटीक विश्लेषण करने के लिए प्रारंभ में वस्तुनिष्ठ मानदंड और शब्दावली नहीं होती। अतः दोनों कथन सत्य हैं और व्याख्या सही है।

189. (D) छात्रों को अधिगम और भ्रम पर विचार करने के लिए एक स्थान प्रदान करना
"लर्निंग लॉग्स" (Learning Logs) का प्राथमिक कार्य छात्रों को एक ऐसा व्यक्तिगत स्थान प्रदान करना है जहाँ वे दैनिक रुप से विचार कर सकें कि उन्होंने क्या सीखा, कौन सी अवधारणाएं स्पष्ट हुईं और कहाँ भ्रम बना हुआ है। यह स्व-मूल्यांकन और चिंतन को नियमित बनाता है।

141. (D) व्यवहारात्मक जांच-सूचियों (Checklists) या प्रश्नावली के माध्यम से अवलोकन
भावात्मक क्षेत्र (Affective Domain) में दृष्टिकोण, मूल्यों और भावनाओं का समावेश होता है। इस क्षेत्र से संबंधित उद्देश्यों का मूल्यांकन पारंपरिक लिखित परीक्षाओं द्वारा नहीं किया जा सकता, बल्कि इसके लिए व्यवहारात्मक जांच-सूचियों, अवलोकन पद्धतियों और स्व-रिपोर्ट प्रश्नावली का उपयोग सबसे उपयुक्त रहता है।

142. (D) यह उद्देश्यों को उपलब्धि के अवलोकन योग्य साक्ष्यों में तोड़ता है
"सफलता के मानदंड" (Success Criteria) व्यापक अधिगम उद्देश्यों को ठोस, अवलोकन योग्य साक्ष्यों और व्यवहारों में विभाजित करते हैं। वे छात्रों और शिक्षकों दोनों को स्पष्टता प्रदान करते हैं कि लक्ष्य प्राप्त करने के लिए छात्र कार्य में क्या-क्या स्पष्ट रुप से दिखाई देना चाहिए।

143. (C) मूल्यांकन करना (Evaluating)
जब किसी कार्य में छात्रों को "दिए गए तर्क की आलोचना करने", निर्णयों का औचित्य सिद्ध करने या मानदंडों के आधार पर समीक्षा करने की आवश्यकता होती है, तो यह ब्लूम के संशोधित वर्गीकरण के "मूल्यांकन करना" (Evaluating) स्तर के साथ सीधे तौर पर संरेखित होता है।

144. (D) वास्तविक दुनिया के संदर्भों में ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण का अनुप्रयोग
दक्षता-आधारित मूल्यांकन (Competency-Based Assessment) केवल रटी हुई जानकारी को मापने के स्थान पर यह मापता है कि छात्र वास्तविक दुनिया के विविध संदर्भों में अपने ज्ञान, कौशलों और अभिवृत्तियों को कितनी कुशलता से लागू कर सकते हैं। यह व्यावहारिक सक्षमता पर ध्यान केंद्रित करता है।

145. (C) तथ्यात्मक स्मरण प्रश्नों से संदर्भ-आधारित अनुप्रयोग समस्याओं (Context-Based Application Problems) की ओर
दक्षता-आधारित मूल्यांकन में बदलाव के लिए शिक्षकों को केवल तथ्यात्मक स्मरण और परिभाषाओं वाले प्रश्नों को छोड़ना होगा। इसके स्थान पर, उन्हें संदर्भ-आधारित अनुप्रयोग समस्याओं (Context-Based Application Problems) और स्थितिजन्य प्रश्नों को शामिल करना होगा जो वास्तविक कौशल और समझ का परीक्षण करते हैं।

146. (D) परिवर्तनशील कारक (Variable Factor), जिसमें महारत हासिल करना निश्चित लक्ष्य है
दक्षता-आधारित शिक्षा (Competency-Based Education) में समय को एक परिवर्तनशील कारक (Variable Factor) माना जाता है, जबकि प्रत्येक छात्र द्वारा अवधारणा पर पूर्ण महारत (Mastery) हासिल करना एक निश्चित लक्ष्य होता है। छात्र अपनी सीखने की गति के अनुसार समय ले सकते हैं जब तक वे दक्षता प्राप्त न कर लें।

147. (D) वास्तविक दुनिया के प्रदर्शन कार्य और अनुकरण (Real-World Performance Tasks and Simulations)
दक्षता-आधारित ढांचे में प्रमाणिक मूल्यांकन कार्यों (Authentic Assessment Tasks) में वास्तविक दुनिया के प्रदर्शन कार्य, अनुकरण (Simulations) और समस्या-समाधान परियोजनाएं शामिल होती हैं। ये कार्य छात्रों को व्यावहारिक स्थितियों में अपने अर्जित ज्ञान और कौशलों को प्रदर्शित करने का सीधा अवसर प्रदान करते हैं।

148. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
दक्षता-आधारित मूल्यांकन के लिए वर्णनात्मक रुब्रिक्स का उपयोग आवश्यक है क्योंकि दक्षताएं ज्ञान और व्यावहारिक कौशलों के जटिल मिश्रण होती हैं। इन्हें सरल सही या गलत के आधार पर नहीं मापा जा सकता, बल्कि प्रदर्शन स्तरों का स्पष्ट विवरण अनिवार्य होता है। अतः दोनों कथन सत्य हैं और व्याख्या सही है।

149. (A) मुख्य-चरण दक्षता मूल्यांकन (Key-Stage Competency Assessment)
सफल (SAFAL) पहल मुख्य-चरण दक्षता मूल्यांकन (Key-Stage Competency Assessment) का एक प्रमुख उदाहरण है। इसका उपयोग छात्रों में रटकर सीखने के बजाय मुख्य दक्षताओं, मूलभूत साक्षरता और उच्च-स्तरीय चिंतन कौशलों के विकास का मूल्यांकन करने हेतु विशिष्ट चरणों (जैसे ग्रेड 3, 5, 8) में किया जाता है।

150. (C) मानक-आधारित रैंकिंग (Norm-Based Ranking)
मानक-आधारित रैंकिंग (Norm-Based Ranking) दक्षता-आधारित मूल्यांकन से जुड़ी विशेषता नहीं है, क्योंकि इसमें छात्रों की आपस में तुलना की जाती है। इसके विपरीत, दक्षता-आधारित मूल्यांकन व्यक्तिगत छात्र द्वारा विशिष्ट मानदंडों पर महारत हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करता है, न कि प्रतिस्पर्धी रैंकिंग पर।

151. (C) एक भूमिका-निभाने (Role-Play) का कार्य जिसके लिए छात्रों को समाधान पर बातचीत करने की आवश्यकता होती है
"प्रभावी संचार" की दक्षता का मूल्यांकन करने के लिए एक भूमिका-निभाने (Role-Play) का कार्य सबसे उपयुक्त है। यह लिखित कागजी परीक्षाओं की तुलना में वास्तविक समय में छात्रों के मौखिक कौशल, अभिव्यक्ति, और बातचीत की क्षमता का व्यावहारिक एवं प्रमाणिक साक्ष्य प्रदान करता है।

152. (A) केवल I और II
दक्षता-आधारित मूल्यांकन सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करता है और महारत के लिए विविध रास्तों की अनुमति देता है। कथन III गलत है क्योंकि यह केवल चीजों "के बारे में" जानने (सैद्धांतिक) के स्थान पर चीजों को "कैसे करना है" (व्यावहारिक अनुप्रयोग) पर अधिक बल देता है।

Click Here to Buy book on Amazon

Visit :

www.pdf.tube

NODIA

Download PDFs For :

- ✓ MPPSC Chapterwise Question Bank
- ✓ KVS/NVS Chapterwise Question Bank
- ✓ KVS/NVS 30 Sample Papers for Tier-II
- ✓ DSSSB TGT Chapterwise Question Bank
- ✓ DSSSB Sample Papers
- ✓ Chapterwise Question Bank
- ✓ JEE NEET Foundation
- ✓ Primary Classes Worksheets
- ✓ Olympiad Guide
- ✓ Sample Papers
- ✓ Previous Year CBSE Papers
- ✓ Previous JEE, NEET and CUET Papers

Nodia Editions LLP

125, Sector 6, Vidhyadhar Nagar, Jaipur 302039

MRP ₹ 400.00